परमेश्वर को सच्चो वचन

The New Testament in the Lodhi language of India: परमेश्वर को सच्चो वचन

परमेश्वर को सच्चो वचन
The New Testament in the Lodhi language of India: परमेश्वर को सच्चो वचन

copyright © 2020 The Word for the World International

Language: Lodha (Lodhi)

Contributor: The Word for the World International

परमेश्वर को सच्चो वचन
नयो नियम

The New Testament in Lodhi language
The Word for the World International
This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution license 4.0.
You may share and redistribute this Bible translation or extracts from it in any format, provided that:

- You include the above copyright and source information.
- If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.
Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2023-04-13

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 21 Feb 2024 from source files dated 14 Apr 2023
13039bc3-dc83-54db-ab80-6f804f201312

Contents

मत्ती . . . 1
मरकुस . . . 51
लूका . . . 84
यूहन्ना . . . 137
प्रेरितों . . . 174
रोमियों . . . 218
१ कुरिन्थियों . . . 239
२ कुरिन्थियों . . . 258
गलातियों . . . 271
इफिसियों . . . 279
फिलिप्पियों . . . 286
कुलुस्सियों . . . 292
१ थिस्सलुनीकियों . . . 298
२ थिस्सलुनीकियों . . . 303
१ तीमुथियुस . . . 306
२ तीमुथियुस . . . 312
तीतुस . . . 317
फिलेमोन . . . 320
इब्रानियों . . . 322
याकूब . . . 338
१ पतरस . . . 344
२ पतरस . . . 350
१ यूहन्ना . . . 354
२ यूहन्ना . . . 360
३ यूहन्ना . . . 362
यहूदा . . . 364
प्रकाशितवाक्य . . . 367

मत्ती रचित यीशु मसीह का सुसमाचार
मत्ती रचित यीशु मसीह को सुसमाचार

परिचय

मत्ती रचित सुसमाचार यो ऊ नयो नियम की चार किताबों म सी एक आय, जो यीशु मसीह को जीवन ख बतावय हय, या चार किताबों म सी यो एक सुसमाचार कहलायो गयो हय, येको मतलब हय, कि इन चारों म हर एक किताब सुसमाचार आय। यीशु को स्वर्ग म जान को बाद हि किताबे मत्ती, मरकुस, लूका अऊर यूहन्ना न लिख्यो हय। मत्ती रचित सुसमाचार कब लिख्यो गयो येकी जानकारी विद्वान लोगों ख नहाय। फिर भी हम असो कह्य सकजे हय कि यीशु को जनम को करीब ६० साल को बाद या किताब लिखी गयी हय, योच तरह कित लिखी गयी हय यो मालूम नहाय फिर भी बहुतों को माननो हय कि या किताब पलिस्तिन म यां यरूशलेम नगर म लिखी गयी होना।

या किताब को लेखक मत्ती आय जो एक यीशु को चेला होन को पहिले एक कर लेनवालो होतो ओख लेवी नाम सी भी पहिचान्यो जात होतो, मत्ती बारा प्रेरितों म सी एक होतो अऊर ओन यहूदी लोगों लायी लिख्यो होतो, यो वजह हम देखजे हय कि या किताब म ६० सी भी ज्यादा सन्दर्भ पुरानो नियम को हय, जेको बारे म भविष्यवानी भयी, ऊ मुक्तिदाता मसीह यीशुच आय, यो ऊ बतानो चाहत होतो, मत्ती न परमेश्वर को राज्य को बारे म भी बहुत कुछ लिख्यो, यहूदियों कि या आशा होती कि मसीह राजनैतिक राज्य को राजा बनेंन। मत्ती यो बिचार ख आव्हान दे क परमेश्वर को आत्मिक राज्य को वर्नन करय हय।

यो मत्ती रचित सुसमाचार या एक अच्छी किताब आय, जेकोसी एक नयो नियम की सुरूवात की, या किताब पुरानो नियम को तरफ बार बार हमरो ध्यान आकर्षित करय हय, या किताब पुरानो अऊर नयो नियम इन दोयी ख जोड़ देवय हय, विद्वानों ख असो सुझाव देवय हय कि या किताब म मूसा न लिख्यो हुयो, पंचग्रंथ, "जो पुरानो नियम की पाच किताबे आय, उन्को नमुना को अनुकरन करय हय, यीशु न जो पहाड़ी पर उपदेश दियो," अध्याय ५–७ तक परमेश्वर न मूसा ख जो नियम शास्त्र दियो हय, येकी तुलना हम ओको सी कर सकजे हय। व्यवस्थाविवरन १९:३–२३:२५

रूप-रेखा

१. यीशु को जनम सी अऊर ओकी सेवा की सुरूवात सी मत्ती अपनो सुसमाचार की सुरूवात करय हय। [illegible]–[illegible]
२. येको बाद म मत्ती यीशु की सेवा को बारे म जो बहुत बातों की शिक्षा दियो हय, ओको बारे म बतावय हय। [illegible]–[illegible]
३. मत्ती रचित सुसमाचार जो आखरी भाग यो यीशु की सेवा को काम ख दिखावय हय जेको म ऊची पहाड़ी मतलब ओको मरन अऊर पुनरुत्थान ख दिखावय हय। [illegible]–[illegible]

[illegible]
([illegible])

1 अब्राहम की सन्तान, दाऊद की सन्तान, अऊर यीशु मसीह की लिखित वंशावली। 2 अब्राहम
सी इसहाक पैदा भयो, इसहाक सी याकूब, याकूब सी यहूदा अऊर ओको भाऊ पैदा भयो, 3 यहूदा
अऊर तामार सी फिरिस अऊर जोरह पैदा भयो, फिरिस सी हिस्रोन, अऊर हिस्रोन सी एराम,
4 एराम सी अम्मीनादाब, अम्मीनादाब सी नहशोन, अऊर नहशोन सी सलमोन, 5 सलमोन अऊर
राहब सी बोअज, बोअज अऊर रूत सी ओबेद, अऊर ओबेद सी यिशै, 6 ✡अऊर यिशै सी दाऊद
राजा। अऊर दाऊद सी सुलैमान वा बाई सी पैदा भयो जो पहिले उरिय्याह की पत्नी होती,
7 सुलैमान सी रहबाम पैदा भयो, रहबाम सी अबिय्याह, अऊर अबिय्याह सी आसा, 8 आसा सी

✡ **1:6** १:६ २ शमूएल १२:२४

यहोशाफात, यहोशाफात सी योराम, अऊर योराम सी उज्जियाह पैदा भयो, 9 अऊर उज्जियाह
सी योताम, योताम सी आहाज, अऊर आहाज सी हिजकिय्याह, 10 हिजकिय्याह सी मनश्शिह,
मनश्शिह सी आमोन, अऊर आमोन सी योशिय्याह पैदा भयो, 11 अऊर बन्दी होय क बेबीलोन
जान को समय म योशिय्याह सी यकुन्याह, अऊर ओको भाऊ पैदा भयो।

12 बन्दी बेबीलोन पहुंचाय जान को बाद यकुन्याह सी शालतिएल पैदा भयो, अऊर शालतिएल
सी जरुब्बाबिल, 13 अऊर जरुब्बाबिल सी अबीहूद, अबीहूद सी इल्याकीम, अऊर इल्याकीम सी
अजोर, 14 अऊर अजोर सी सदोक, सदोक सी अखीम, अऊर अखीम सी इलीहूद, 15 इलीहूद सी
इलियाजार, इलियाजार सी मत्तान, अऊर मत्तान सी याकूब, 16 याकूब सी यूसुफ पैदा भयो, जो
मरियम को पति होतो, अऊर मरियम सी यीशु पैदा भयो, जो मसीह कहलावय हय।

17 यो तरह अब्राहम सी दाऊद तक चौदा पीढ़ी भयी, अऊर दाऊद को समय सी बेबीलोन ख
बन्दी होय क पहुंचायो जानो तक चौदा पीढ़ी भयी, अऊर बन्दी होय क बेबीलोन ख पहुंचायो जानो
को समय सी मसीह तक चौदा पीढ़ी भयी।

[illegible]
([illegible])

18 ✡यीशु मसीह को जनम यो तरह सी भयो, कि जब ओकी माय मरियम की मंगनी यूसुफ को संग
भय गयी, त उन्को एक तन होन सी पहिलेच वा पवित्र आत्मा को तरफ सी गर्भवती पायी गयी।
19 येकोलायी ओको पति यूसुफ न जो सच्चो होन को वजह ओख बदनाम नहीं करन की इच्छा सी
चुपचाप सी ओख छोड़ देन को बिचार करयो। 20 जब ऊ यो बातों ख सोच रह्यो होतो त प्रभु को
स्वर्गदूत ओख सपनो म दिखायी दे क कहन लग्यो, "हे यूसुफ! दाऊद की सन्तान, तय मरियम ख
अपनी पत्नी बनानो सी मत डर, कहालीकि जो ओको गर्भ म हय, ऊ पवित्र आत्मा को तरफ सी
हय। 21 ✡वा बेटा ख जनम देयेंन अऊर तय ओको नाम यीशु रखजो, कहालीकि ऊ अपनो लोगों ख
उन्को पापों सी बचायेंन।"

22 ✡यो पूरो येकोलायी भयो कि जो वचन प्रभु न भविष्यवक्ता को द्वारा कह्यो होतो, ऊ पूरो हो:
23 "देखो, एक कुंवारी गर्भवती होयेंन अऊर एक बेटा ख जनम देयेंन, अऊर ओको नाम इम्मानुएल
रख्यो जायेंन," जेको मतलब हय "परमेश्वर हमरो संग।"

24 तब यूसुफ नींद सी जाग क प्रभु को स्वर्गदूत को आज्ञानुसार ओख अपनो घर बिहाव कर क्
लायो; 25 ✡अऊर मरियम को जवर तब तक नहीं गयो जब तक ओन बेटा ख जनम नहीं दियो। अऊर
यूसुफ न ओको नाम यीशु रख्यो।

2

[illegible]

1 हेरोदेस राजा को दिनो म जब यहूदिया प्रदेश को बैतलहम गांव म यीशु को जनम भयो, त पूर्व
दिशा सी कुछ जोतिषी यरूशलेम म आय क पूछन लग्यो, 2 "यहूदियों को राजा जेको जनम भयो
हय, कित हय? कहालीकि हम्न पूर्व दिशा म ओको तारा देख्यो हय अऊर ओख दण्डवत प्रनाम
करन आयो हंय।"

3 राजा हेरोदेस न यो सुन्यो त ऊ अऊर ओको संग पूरो यरूशलेम घबराय गयो। 4 तब ओन
लोगों को पूरो मुख्य याजकों अऊर धर्मशास्त्रियों ख जमा कर क् उन्को सी पुच्छ्यो, "मसीह को
जनम कित होनो चाहिये?"

5 उन्न ओको सी कह्यो, "यहूदिया प्रदेश को बैतलहम गांव म, कहालीकि भविष्यवक्ता को द्वारा
असो लिख्यो गयो हय:
6 "हे बैतलहम गांव, तय जो यहूदा को प्रदेश म हय,

✡ **1:18** १:१८ लूका १:२७ ✡ **1:21** १:२१ लूका १:३१ ✡ **1:22** १:२२ यशायाह ७:१४ ✡ **1:25** १:२५ लूका २:२१

तय यहूदा को अधिकारियों म कोयी सी छोटो नहाय,
कहालीकि तोरो म सी एक शासक निकलेंन
जो मोरी प्रजा इस्राएल को रखवाली करेंन।”
7 तब हेरोदेस न जोतिषियों ख चुपचाप सी बुलाय क उन्को सी पुच्छ्यो कि तारा ठीक कौन्सो
समय दिखायी दियो होतो, 8 अऊर यो कह्यो क उन्ख बैतलहम भेज्यो, “जावो, ऊ बालक को बारे म
ठीक-ठीक मालूम करो, अऊर जब ऊ मिल जायेंन त मोख खबर देवो ताकि मय भी आय क ओख
प्रनाम करूं।”
9 हि राजा की बात सुन क चली गयो, अऊर जो उच तारा उन्न पूर्व दिशा म देख्यो होतो ऊ उन्को
आगु आगु चलन लग्यो; अऊर जित बच्चा होतो, ऊ जागा को ऊपर पहुंच क रूक गयो।
10 ऊ तारा ख देख क हि बहुत खुश भयो। 11 जोतिषियों न ऊ घर म जाय क ऊ बच्चा ख ओकी
माय मरियम को संग देख्यो, अऊर झुक क बच्चा ख नमस्कार करयो, अऊर अपनो-अपनो झोली
खोल क ओख सोना, लुबान, अऊर गन्धरस की भेंट चढ़ायो।
12 तब सपनो म परमेश्वर सी या चेतावनी पा क कि राजा हेरोदेस को जवर फिर नहीं लौटजो,
हि दूसरी रस्ता सी अपनो देश ख चली गयो।

????? ??? ? ?? ????

13 जब हि चली गयो त, प्रभु को एक दूत न सपनो म यूसुफ ख दिखायी दे क कह्यो, “उठ, ऊ
बच्चा ख अऊर ओकी माय ख ले क मिस्र देश ख निकल जा; अऊर जब तक मय तोरो सी नहीं कहूं,
तब तक उतच रहजो; कहालीकि हेरोदेस राजा यो बच्चा ख ढूंढन पर हय कि ओख मरवाय डाले।”
14 तब ऊ रात मच उठ क बच्चा अऊर ओकी माय ख ले क मिस्र ख चली गयो, 15 ✡अऊर
हेरोदेस को मरन तक उतच रह्यो। येकोलायी कि ऊ वचन जो प्रभु न भविष्यवक्ता को द्वारा कह्यो
होतो पूरो भयो: “मय न अपनो बेटा ख मिस्र सी बुलायो।”

?????? ? ??? ?????

16 जब हेरोदेस न यो देख्यो, कि जोतिषियों न ओको संग धोका करयो हय, तब ऊ गुस्सा सी भर
गयो, अऊर लोगों ख भेज क जोतिषियों सी ठीक-ठीक बतायो गयो समय को अनुसार बैतलहम
अऊर ओको आजु-बाजू की जागा को सब बच्चां ख जो दोय साल को यां ओको सी छोटो होतो,
मरवाय डाल्यो।
17 तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यवक्ता को द्वारा कह्यो गयो होतो, ऊ पूरो भयो:
18 ✡“रामाह गांव म एक दु:ख भरी आवाज सुनायी दियो,
रोवनो अऊर बड़ो विलाप;
राहेल अपनो बच्चां लायी रोवत होती,
अऊर चुप होनो नहीं चाहत होती, कहालीकि ओको त पूरो बच्चां
मर गयो होतो।”

????? ??? ?? ?????

19 हेरोदेस को मरन को बाद, प्रभु को दूत न मिस्र म यूसुफ ख सपनो म दर्शन दे क कह्यो,
20 “उठ, बच्चा अऊर ओकी माय ख ले क इस्राएल को देश म चली जा, कहालीकि जो बच्चा को
जीव लेनो चाहावत होतो, हि मर गयो हंय।” 21 ऊ उठ्यो, अऊर बच्चा अऊर ओकी माय ख संग
ले क इस्राएल को देश म आयो।
22 पर यो सुन क कि अरखिलाउस अपनो बाप हेरोदेस की जागा पर यहूदिया पर राज्य कर रह्यो
हय, उत जानो सी डरयो। फिर सपनो म परमेश्वर सी सुचना पा क गलील प्रदेश म चली गयो,
23 ✡अऊर नासरत नाम को एक नगर म जाय बसयो, ताकि ऊ वचन पूरो होय, जो भविष्यवक्तावों
सी कह्यो गयो होतो: “ऊ नासरी कहलायेंन।”

✡ **2:15** २:१५ होशे ११:१ ✡ **2:18** २:१८ यिर्मयाह ३१:१५ ✡ **2:23** २:२३ मरकुस १:२४; लूका २:३९; यूहन्ना १:४५

3

[illegible]
([illegible])

1 उन दिनो म यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो यहूदिया को सुनसान जागा म आय क यो प्रचार
करन लग्यो: 2 ✡"पापों सी मन फिरावो, कहालीकि स्वर्ग को राज्य जवर आय गयो हय।" 3 ✡यो
उच आय जेकी चर्चा यशायाह भविष्यवक्ता को द्वारा करी गयी:
"जंगल म एक पुकारन वालो को आवाज होय रह्यो
हय, कि प्रभु को रस्ता तैयार करो,
अऊर ओकी सड़के सीधी करो।"
4 ✡यूहन्ना ऊंट को बाल को कपड़ा पहिन्यो होतो अऊर कमर म चमड़ा को पट्टा बान्ध्यो हुयो
होतो। ओको जेवन टिड्डियां अऊर जंगली शहेद होतो। 5 तब यरूशलेम, अऊर पूरो यहूदिया क्षेत्र,
अऊर यरदन को आजु-बाजू को गांव म रहन वालो सब लोग निकल क ओको जवर आयो, 6 उन्न
अपनो अपनो पापों को पश्चाताप कर क् यरदन नदी म ओको सी बपतिस्मा लियो।
7 ✡पर जब ओन अपनो जवर बहुत सो फरीसियों अऊर सदूकियों ख बपतिस्मा लेन लायी आवतो
देख्यो, त ओन कह्यो, "हे सांप को पिल्ला, तुम्ख कौन न जताय दियो कि आवन वालो गुस्सा सी
भगो? 8 येकोलायी पापों सी मन फिराव की लायक फर लावो; 9 ✡अऊर अपनो अपनो मन म यो
मत सोचो कि हमरो बाप अब्राहम आय; कहालीकि मय तुम सी सच कहू हय कि परमेश्वर इन
गोटा सी अब्राहम लायी सन्तान पैदा कर सकय हय।" 10 ✡टंग्या झाड़ों की जड़ी पर रखी हुयी
हय, येकोलायी जो जो झाड़ अच्छो फर नहीं लावय, ऊ काटचो अऊर आगी म झोक्यो जावय
हय। 11 "मय त पानी सी तुम्ख मन फिराव को बपतिस्मा देऊ हय; पर जो मोरो बाद आवन वालो
हय; ऊ मोरो सी ताकतवर हय; कि मय ओको पाय कि चप्पल उठावन को लायक नहाय। ऊ तुम्ख
पवित्र आत्मा अऊर आगी सी बपतिस्मा देयेंन। 12 ओको सूपा ओको हाथ म हय, अऊर ऊ अपनो
खरियान अच्छो तरह सी साफ करेंन, अऊर अपनो गहूं ख त ढोला म जमा करेंन, पर भूसा ख ऊ
आगी म जलायेंन जो बुझन की नहीं।"

[illegible]
([illegible])

13 ऊ समय यीशु गलील प्रदेश सी यरदन नदी को किनार पर यूहन्ना को जवर ओको सी
बपतिस्मा लेन आयो। 14 पर यूहन्ना यो कह्य क ओख रोकन लग्यो, "मोख त तोरो हाथ सी बपतिस्मा
लेन कि जरूरत हय, अऊर तय मोरो जवर आयो हय?"
15 पर यीशु न ओख यो उत्तर दियो, "अब त असोच होन दे, कहालीकि हम्ख यो रीति सी सब
सच्चायी ख पूरो करनो ठीक हय।" तब ओन ओकी बात मान ली।
16 अऊर यीशु बपतिस्मा ले क तुरतच पानी सी ऊपर आयो, अऊर उच समय ओको लायी स्वर्ग
खुल गयो, अऊर ओन परमेश्वर को आत्मा ख कबूत्तर को जसो उतरतो अऊर अपनो ऊपर आवतो
देख्यो। 17 ✡अऊर, स्वर्ग सी या आकाशवानी भयी: "यो मोरो प्रिय बेटा आय, जेकोसी मय बहुत
सन्तुष्ट हय।"

4

[illegible]
([illegible])

✡ **3:2** ३:२ मत्ती ४:१७; मरकुस १:१५ ✡ **3:3** ३:३ यशायाह ४०:३ ✡ **3:4** ३:४ २ राजा १:८ ✡ **3:7** ३:७ मत्ती १२:३४; २३:३३ ✡ **3:9** ३:९ यूहन्ना ८:३३ ✡ **3:10** ३:१० मत्ती ७:१९ ✡ **3:17** ३:१७ मत्ती १२:१८; १७:५; मरकुस १:११; लूका ९:३५

1 ✡तब आत्मा यीशु ख सुनसान जागा म ले गयो ताकि शैतान सी ओकी परीक्षा हो। 2 जब ऊ
चालीस दिन अऊर चालीस रात उपवास कर लियो, तब ओख बहुत भूख लगी। 3 तब शैतान न जवर
आय क ओको सी कह्यो, "यदि तय परमेश्वर को बेटा आय, त कह्य दे, कि यो गोटा रोटी बन जाये।"
4 यीशु न उत्तर दियो: "यो शास्त्र म लिख्यो हय, 'आदमी केवल रोटीच सी नहीं, पर हर एक
वचन सी जो परमेश्वर को मुंह सी निकलय हय, जीन्दो रहेंन।' "
5 तब शैतान ओख पवित्र नगर यरूशलेम म ले गयो अऊर मन्दिर को ऊचाई पर खड़ो करयो,
6 ✡अऊर ओको सी कह्यो, "यदि तय परमेश्वर को बेटा आय, त अपनो आप ख खल्लो गिराय दे;
कहालीकि शास्त्र म लिख्यो हय; 'ऊ तोरो बारे म अपनो स्वर्गदूतों ख आज्ञा देयेंन, अऊर हि तोख
हाथों-हाथ उठाय लेयेंन; कहीं असो नहीं होय कि तोरो पाय म गोटा सी ठेस लग जाये।' "
7 ✡यीशु न ओको सी कह्यो, "नियम शास्त्र म यो भी लिख्यो हय: 'तय प्रभु अपनो परमेश्वर
की परीक्षा नहीं करजो।' "
8 तब शैतान ओख एक बहुत ऊचो पहाड़ी पर ले गयो अऊर सारो जगत को राज्य अऊर ओको
वैभव दिखाय क 9 ओको सी कह्यो, "यदि तय झुक क मोख दण्डवत प्रनाम करजो, त मय यो सब
कुछ तोख दे देऊं।"
10 ✡तब यीशु न ओको सी कह्यो, "हे शैतान दूर होय जा, कहालीकि शास्त्र म लिख्यो हय: 'तय
प्रभु अपनो परमेश्वर ख प्रनाम कर, अऊर केवल ओकीच सेवा कर।' "
11 तब शैतान ओको जवर सी चली गयो, अऊर देखो, स्वर्गदूत आय क ओकी सेवा करन लग्यो।

□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□
(□□□□□ □:□□,□□; □□□□ □:□□,□□)

12 ✡जब यीशु न यो सुन्यो कि यूहन्ना बन्दी बनाय लियो गयो हय, त ऊ गलील ख चली गयो।
13 ✡अऊर ऊ नासरत नगर ख छोड़ क कफरनहूम नगर म, जो झील को किनार जबूलून अऊर
नप्ताली को देश म हय, जाय क रहन लग्यो; 14 ताकि जो यशायाह भविष्यवक्ता को द्वारा कह्यो
गयो होतो, ऊ पूरो हो:
15 झील को रस्ता सी "जबूलून अऊर नप्ताली को देश, यरदन को पार,
गैरयहूदियों को गलील
16 ✡जो लोग अन्धारो म बैठ्यो होतो,
उन्न बड़ी ज्योति देखी;
अऊर जो मृत्यु को देश म बैठ्यो होतो,
उन पर ज्योति चमकी।"
17 ✡ऊ समय सी यीशु न प्रचार करनो अऊर यो कहनो सुरू करयो, "पापों सी मन फिरावो
कहालीकि स्वर्ग को राज्य जवर आय गयो हय।"

□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □ □□□□□□□
(□□□□□ □:□□-□□; □□□□ □:□-□□; □□□□□□□ □:□□-□□)

18 गलील की झील को किनार फिरतो हुयो यीशु न दोय भाऊवों यानेकि शिमोन ख जो पतरस
कहलावय हय, अऊर ओको भाऊ अन्द्रियास ख झील म जार डालतो हुयो देख्यो; कहालीकि हि
मछवारा होतो। 19 यीशु न उन सी कह्यो, "मोरो पीछू चली आवो, त मय तुम्ख लोगों ख परमेश्वर
को राज्य म लावन लायी सिखाऊं।" 20 हि तुरतच जार ख छोड़ क ओको पीछू भय गयो।
21 उत सी आगु जाय क, यीशु न अऊर दोय भाऊवों ख यानेकि जब्दी को बेटा याकूब अऊर
ओको भाऊ यूहन्ना ख देख्यो। हि अपनो बाप जब्दी को संग डोंगा पर अपनो जारो ख सुधारत

✡ **4:1** ४:१ इब्रानियों २:१८; ४:१५ ✡ **4:6** ४:६ भजन ९१:११-१२ ✡ **4:7** ४:७ व्यवस्थाविवरन ६:१६ ✡ **4:10** ४:१० व्यवस्थाविवरन ६:१३ ✡ **4:12** ४:१२ मत्ती १४:३; मरकुस ६:१७; लूका ३:१९,२० ✡ **4:13** ४:१३ यूहन्ना २:१२ ✡ **4:16** ४:१६ यशायाह ९:१-२ ✡ **4:17** ४:१७ मत्ती ३:२

होतो। ओन उन्ख भी बुलायो। 22 हि तुरतच डोंगा अऊर अपनो बाप ख छोड़ क ओको पीछू भय
गयो।

[illegible]
([illegible])

23 ✡यीशु पूरो गलील म फिरतो हुयो उन्को यहूदियों को सभागृह म शिक्षा करतो, अऊर राज्य
को सुसमाचार प्रचार करतो, अऊर लोगों की हर तरह की बीमारियों को चंगो करयो अऊर कमजोरी
ख दूर करयो। 24 अऊर पूरो सीरिया देश म ओको यश फैल गयो; अऊर लोग सब बीमारों ख जो
अलग अलग तरह की बीमारियों अऊर दु:खों म जकड़्यो हुयो होतो, अऊर जेको म दुष्ट आत्मायें
होती, अऊर मिर्गी वालो अऊर लकवा को रोगियों ख, ओको जवर लायो अऊर ओन पूरो ख चंगो
करयो। 25 गलील अऊर दिकापुलिस, यरूशलेम, यहूदिया, अऊर यरदन नदी को ओन पार सी भीड़
की भीड़ ओको पीछू चली गयी।

5

[illegible]

1 ऊ यो भीड़ ख देख क पहाड़ी पर चढ़ गयो, अऊर जब बैठ गयो त ओको चेलां ओको जवर
आयो। 2 अऊर ऊ अपनो मुंह खोल क उन्ख यो उपदेश देन लग्यो।

[illegible]
([illegible])

3 “धन्य हंय हि, जो मन को नरम हय,
कहालीकि स्वर्ग को राज्य उन्कोच हय।”
4 “धन्य हंय हि, जो शोक करय हय,
कहालीकि हि समाधान पायेंन।”
5 “धन्य हंय हि, जो नम्र हंय,
कहालीकि हि धरती को वारीसदार होयेंन।”
6 “धन्य हंय हि, जो सच्चायी को भूखो अऊर प्यासो हंय,
कहालीकि हि सन्तुष्ट करयो जायेंन।”
7 “धन्य हंय हि, जो दयालु हंय,
कहालीकि उन पर दया करयो जायेंन।”
8 “धन्य हंय हि, जिन को मन शुद्ध हंय,
कहालीकि हि परमेश्वर ख देखेंन।”
9 “धन्य हंय हि, जो मिलाप करावन वालो हंय,
कहालीकि हि परमेश्वर को बच्चां कहलायेंन।”
10 ✡“धन्य हंय हि, जो सच्चायी को वजह सतायो जावय हंय,
कहालीकि स्वर्ग को राज्य उन्कोच आय।”
11 ✡“धन्य हय तुम, जब आदमी मोरो वजह तुम्हरी निन्दा करेंन, अऊर सतायो अऊर झूठ बोल
बोल क तुम्हरो विरोध म सब तरह की बुरी बात कहेंन। 12 ✡तब खुश अऊर मगन होजो, कहालीकि
तुम्हरो लायी स्वर्ग म बड़ो प्रतिफल हय। येकोलायी कि उन्न उन भविष्यवक्तावों ख जो तुम सी
पहिलो होतो योच रीति सी सतायो होतो।”

[illegible]
([illegible])

✡ **4:23** ४:२३ मत्ती ९:३५; मरकुस १:३९ ✡ **5:10** ५:१० १ पतरस ३:१४ ✡ **5:11** ५:११ १ पतरस ४:१४ ✡ **5:12** ५:१२ प्रेरितों ७:५२

13 ✡“तुम धरती को नमक आय; पर यदि नमक को स्वाद बिगड़ जायेंन, त ऊ फिर कौन्सी चिज
सी नमकीन करयो जायेंन? तब ऊ कोयी काम को नहाय, केवल येको कि बाहेर फेक्यो जाये अऊर
लोगों को पाय को खल्लो खुंद्यो जाये।”
14 ✡“तुम जगत की ज्योति आय। जो नगर पहाड़ी पर बस्यो हुयो हय ऊ लुक नहीं सकय।
15 ✡अऊर लोग दीया जलाय क बर्तन को खल्लो नहीं पर दीवाल पर प्रकाश देन की जागा पर
रखय हंय, तब ओको सी घर को सब लोगों ख प्रकाश पहुंचय हय। 16 ✡उच तरह तुम्हरो प्रकाश
लोगों को आगु चमके कि हि तुम्हरो भलायी को कामों ख देख क तुम्हरो बाप की, जो स्वर्ग म हय,
बड़ायी करे।”

[illegible]

17 “यो मत समझो, कि मय व्यवस्था यां भविष्यवक्तावों की किताबों ख खतम करन लायी आयो
हय, खतम करन लायी नहीं, पर पूरो करन आयो हय। 18 ✡कहालीकि मय तुम सी सच कहूं हय,
कि जब तक आसमान अऊर धरती टल नहीं जाये, तब तक व्यवस्था सी एक मात्रा यां बिन्दु भी
बिना पूरो हुयो नहीं टलेंन।* 19 येकोलायी जो कोयी इन छोटी सी छोटी आज्ञावों म सी कोयी एक
ख तोड़े, अऊर वसोच लोगों ख सिखायेंन, ऊ स्वर्ग को राज्य म सब सी छोटो कहलायेंन; पर जो
कोयी उन आज्ञावों को पालन करेंन अऊर उन्ख सिखायेंन, उच स्वर्ग को राज्य म महान कहलायेंन।
20 कहालीकि मय तुम सी कहूं हय, कि यदि तुम्हरी सच्चायी धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों की
सच्चायी सी बढ़ क नहाय, त तुम स्वर्ग को राज्य म कभी सिरनो नहीं पावों।”

[illegible]

21 “तुम्न सुन लियो हय, कि पूर्वजों सी कह्यो गयो होतो कि ‘हत्या नहीं करनो,’ अऊर जो कोयी
हत्या करेंन ऊ कचहरी म सजा को लायक जायेंन। 22 पर मय तुम सी यो कहूं हय, कि जो कोयी
अपनो भाऊ पर गुस्सा करेंन, ऊ कचहरी म सजा को लायक होयेंन, अऊर जो कोयी अपनो भाऊ
ख निकम्मा कहेंन ऊ महासभा म सजा को लायक होयेंन; अऊर जो कोयी कहेंन ‘अरे मूर्ख’ ऊ नरक
की आगी को सजा को लायक होयेंन।”
23 “येकोलायी यदि तय अपनी भेंट अर्पन की वेदी पर लावय, अऊर उत तोख याद आवय, कि
तोरो भाऊ को मन म तोरो लायी कुछ विरोध हय, 24 त अपनी भेंट उत वेदी को आगु छोड़ दे, अऊर
जाय क पहिले अपनो भाऊ सी मेल मीलाप कर अऊर तब आय क अपनी भेंट चढ़ाव।”
25 “जब तक तय आरोप लगान वालो को संग रस्ता म हय, ओको सी मेल मीलाप कर लेवो
कहीं असो नहीं होय कि आरोप लगान वालो तोख न्यायधीश ख सौंप देयेंन, अऊर न्यायधीश तोख
सिपाही ख सौंप देयेंन, अऊर तोख जेलखाना म डाल दियो जाये। 26 मय तोरो सी सच कहू हय कि
जब तक तय पूरो दाम नहीं भर देजो तब तक उत सी छूटनो नहीं पायजो।”

[illegible]

27 “तुम सुन चुक्यो हय कि कह्यो गयो होतो, ‘व्यभिचार मत करो।’ 28 पर मय तुम सी यो कहूं
हय, कि जो भी कोयी बाई पर बुरी नजर डालेंन ऊ अपनो मन म ओको सी व्यभिचार कर चुक्यो
रहेंन। 29 ✡यदि तोरी दायो आंखी तोख ठोकर खिलावय, त ओख निकाल क फेक दे; कहालीकि तोरो
लायी योच ठीक हय कि तोरो शरीर म सी एक अंग नाश होय जायेंन पर तोरो पूरो शरीर नरक म
नहीं डाल्यो जायेंन। 30 ✡यदि तोरो दायो हाथ तोरो सी पाप करवावय, त ओख काट क फेक दे;
कहालीकि तोरो लायी योच ठीक हय कि तोरो शरीर म सी एक अंग नाश होय जाय पर तोरो पूरो
शरीर नरक म नहीं डाल्यो जाय।”

✡ **5:13** ५:१३ मरकुस ९:५०; लूका १४:३४,३५ ✡ **5:14** ५:१४ यूहन्ना ८:१२; ९:५ ✡ **5:15** ५:१५ मरकुस ४:२१; लूका ८:१६; ११:३३ ✡ **5:16** ५:१६ १ पतरस २:१२ ✡ **5:18** ५:१८ लूका १६:१७ * **5:18** ५:१८ सभी चिजों को अन्त यां येको सभी उपदेश सच हंय। ✡ **5:29** ५:२९ मत्ती १८:९; मरकुस ९:४७ ✡ **5:30** ५:३० मत्ती १८:८; मरकुस ९:४३

□□□□□□□□□□□
(□□□□□□ □□:□; □□□□□□ □□:□□,□□; □□□□□ □□:□□)

31 ✡“यो भी कह्यो गयो होतो, ‘जो कोयी अपनी पत्नी ख छोड़ देनो चाहवय, त ओख छोड़चिट्ठी
दे।’ 32 ✡पर मय तुम सी यो कहू हय कि जो कोयी अपनी पत्नी ख व्यभिचार को अलावा कोयी अऊर
वजह सी छोड़ दे, त ऊ ओको सी व्यभिचार करावय हय; अऊर जो कोयी वा छोड़ी हुयी सी बिहाव
करे, ऊ व्यभिचार करय हय।”

□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□□□□

33 “तब तुम सुन चुक्यो हय कि पुरानो समय को लोगों सी कह्यो गयो होतो, ‘झूठी कसम मत
खाजो, पर प्रभु को लायी अपनी कसम ख पूरी करजो।’ 34 ✡पर मय तुम सी यो कहू हय कि कभी
कसम मत खावो; न त स्वर्ग की, कहालीकि ऊ परमेश्वर को सिंहासन हय; 35 नहीं धरती की,
कहालीकि ऊ ओको पाय को खल्लो की चौकी आय; नहीं यरूशलेम की, कहालीकि ऊ महाराजा को
नगर आय। 36 अपनो मुंड की भी कसम मत खाजो कहालीकि तय एक बाल ख भी नहीं सफेद, नहीं
कारो कर सकय हय। 37 पर तुम्हरी बात ‘हव’ की ‘हव’ यां ‘नहीं’ की ‘नहीं’ हो; कहालीकि जो कोयी
येको सी जादा होवय हय ऊ बुरायी सी होवय हय।”

□□□□□ □□ □□□□□□
(□□□□□ □:□□,□□)

38 “तुम्न सुन लियो हय कि कह्यो गयो होतो, ‘आंखी को बदला आंखी, अऊर दात को बदला
दात।’ 39 पर मय तुम सी यो कहू हय कि जो तुम सी बुरो व्यवहार करय हय ओको सी सामना
मत करजो; पर जो कोयी तोरो दायो गाल पर थापड़ मारे, ओको तरफ दूसरों भी गाल घुमाय दे।
40 यदि कोयी तोरो पर जबरदस्ती कर क् तोरो कुरता लेनो चाहेंन, त ओख बाहेर को कोट भी ले
लेन दे। 41 अऊर यदि कोयी तोख दबाव म एक कोस ले जायेंन, त तय ओको संग दोय कोस चली
जाजो। 42 जो कोयी तोरो सी मांगे, ओख दे; अऊर जो तोरो सी उधार लेनो चाहेंन, ओको सी मुंह
न फिराव।”

□□□□□□□□□ □□ □□□□□□
(□□□□□ □:□□,□□,□□-□□)

43 “तुम्न सुन लियो हय कि कह्यो गयो होतो, ‘अपनो पड़ोसी सी प्रेम रखजो, अऊर दुश्मन
सी बैर।’ 44 पर मय तुम सी यो कहू हय कि अपनो दुश्मनों सी प्रेम रखजो अऊर अपनो सतावन
वालो लायी प्रार्थना करजो। 45 जेकोसी तुम अपनो स्वर्गीय पिता की सन्तान बन सको कहालीकि
ऊ भलो अऊर बुरो दोयी पर अपनो सूरज उगावय हय, अऊर सच्चो अऊर बुरो दोयी पर पानी
बरसावय हय। 46 कहालीकि यदि तुम अपनो प्रेम रखन वालो सीच प्रेम रखजो, त तुम्हरो लायी
का प्रतिफल होयेंन? का कर लेनवालो भी असोच नहीं करय? 47 यदि तुम केवल अपनो भाऊवों
लायी भलायी करय हय, त कौन सो बड़ो काम करय हय? का गैरयहूदी भी असो नहीं करय?
48 येकोलायी कि तुम सिद्ध बनो, जसो तुम्हरो स्वर्गीय पिता सिद्ध हय।”

6

□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□□□□

1 ✡“चौकस रहो!” तुम आदमी ख दिखावन लायी अपनो सच्चायी को काम मत करो, नहीं त
अपनो स्वर्गीय पिता सी कुछ भी फर नहीं पावों।
2 “येकोलायी जब तय दान करय हय, त अपनो आगु पोंगा मत बजवा, जसो कपटी, सभावों
अऊर गलियो म करय हंय, ताकि लोग उन्की बड़ायी करे। मय तुम सी सच कहू हय कि हि अपनो
प्रतिफल पा लियो। 3 पर जब तय दान करय, त जो तोरो दायो हाथ करय हय, ओख तोरो बायो

✡ **5:31** ५:३१ मत्ती १९:७; मरकुस १०:४; ५:३१व्यवस्थाविवरन २४:१-१४ ✡ **5:32** ५:३२ मत्ती १९:९; मरकुस १०:११,१२; लूका १६:१८; १ कुरिन्थियों ७:१०,११ ✡ **5:34** ५:३४ याकूब ५:१२; मत्ती २३:२२ ✡ **6:1** ६:१ मत्ती २३:५

हाथ नहीं जाननो पाये। 4 ताकि तोरो दान गुप्त रहे, अऊर तब तोरो बाप जो गुप्त म देखय हय,
तोख प्रतिफल देयेंन।”

[illegible]
([illegible])

5 ✡“जब तय प्रार्थना करय हय, त कपटियों को जसो नहीं हो, कहालीकि लोगों ख दिखावन
लायी यहूदियों को सभागृह म अऊर रस्ता कि मोड़ों पर खड़ो होय क प्रार्थना करनो उन्ख पसंद
हय। मय तुम सी सच कहू हय कि हि अपनो प्रतिफल पा लियो 6 पर जब तय प्रार्थना करय हय,
त अपनी कोठरी म जा; अऊर दरवाजा बन्द कर क् अपनो बाप सी जो गुप्त म हय प्रार्थना कर।
तब तोरो बाप जो गुप्त म देखय हय, तोख प्रतिफल देयेंन।”

7 प्रार्थना करतो समय गैरयहूदियों को जसो बक-बक मत करो, कहालीकि हि समझय हंय कि
उन्को बहुत बोलनो सी उन्की सुनी जायेंन। 8 येकोलायी तुम उन्को जसो मत बनो, कहालीकि
तुम्हरो बाप तुम्हरो मांगनो सी पहिलेच जानय हय कि तुम्हरी का-का जरूरत हंय। 9 येकोलायी तुम
यो रीति सी प्रार्थना करतो रहो:

“हे हमरो पिता, तय जो स्वर्ग म हय;
तोरो नाम पवित्र मान्यो जाये।”
10 “तोरो राज्य आये।
तोरी इच्छा जसी स्वर्ग म पूरी होवय हय, वसी धरती पर भी हो”
11 “हमरी दिन भर की रोटी अज हम्ख दे।”
12 “अऊर जो तरह हम न अपनो अपराधियों ख माफ करयो हय,
वसोच तय भी हमरो अपराधो ख माफ कर।”
13 “अऊर हम्ख परीक्षा म मत लाव,
पर बुरायी सी बचाव; कहालीकि राज्य पराक्रम अऊर महिमा हमेशा तोरीच हंय।” आमीन।

14 ✡“येकोलायी यदि तुम आदमी को अपराध माफ करो, त तुम्हरो स्वर्गीय पिता भी तुम्ख माफ
करेंन। 15 अऊर यदि तुम लोगों को अपराध माफ नहीं करो, त तुम्हरो स्वर्गीय पिता भी तुम्हरो
अपराध माफ नहीं करेंन।”

[illegible]

16 “जब तुम उपवास करो, त कपटियों को जसो तुम्हरो मुंह पर उदासी नहीं रहन ख होना,
कहालीकि हि अपनो मुंह असो बनायो रह्य हंय, कि लोग उन्ख उपवासी हय असो जान सके।
मय तुम सी सच कहू हय कि हि अपनो प्रतिफल पा चुक्यो हय। 17 पर जब तय उपवास करजो
त अपनो चेहरा धोव अऊर बाल पर तेल लगाय क कंग्गी कर, 18 ताकि लोग नहीं पर तोरो बाप
जो गुप्त म हय, तोख उपवासी जाने। यो दशा म तोरो बाप जो गुप्त म देखय हय, तोख प्रतिफल
देयेंन।”

[illegible]
([illegible])

19 ✡“अपनो लायी धरती पर धन जमा मत करो, जित कीड़ा अऊर जंग लगय हंय, अऊर चोर
तिजोरी तोड़ क चोरी करय हंय। 20 पर अपनो लायी स्वर्ग म धन जमा करो, जित नहीं त कीड़ा
अऊर नहीं जंग लगय हंय, अऊर जित चोर तिजोरी तोड़ क चोरी करय हंय। 21 कहालीकि जित
तोरो धन हय उत तोरो मन भी लग्यो रहेंन।”

[illegible]
([illegible])

✡ **6:5** ६:५ लूका १८:१०-१४ ✡ **6:14** ६:१४ मरकुस ११:२५,२६ ✡ **6:19** ६:१९ याकूब ५:२,३

22 “शरीर को दीया आंखी आय: येकोलायी यदि तोरी आंखी अच्छी हय, त तोरो पूरो शरीर भी
उजाड़ो होयेंन। 23 पर यदि तोरी आंखी बुरी हय, त तोरो पूरो शरीर अन्धारो म रहेंन; त अगर तोरो
म उजाड़ो जो अन्धारो हय, त यो कितनो गहरो होयेंन!”

[illegible]
([illegible])

24 “कोयी आदमी दोय मालिक की सेवा नहीं कर सकय, कहालीकि ऊ एक सी दुश्मनी अऊर
दूसरों सी प्रेम रखेंन, यां एक सी मिल्यो रहेंन अऊर दूसरों ख तुच्छ जानेंन। तुम परमेश्वर अऊर
धन दोयी की सेवा नहीं कर सकय।”
25 “येकोलायी मय तुम सी कहू हय कि अपनो जीव लायी यो चिन्ता मत करजो कि हम का खाबो
अऊर का पीबो; अऊर न अपनो शरीर लायी कि का पहिनबो। का जीव भोजन सी, अऊर शरीर
कपड़ा सी बढ़ क नहाय?” 26 आसमान को पक्षियों ख देखो! हि नहीं बोवय हंय, न काटय हंय,
अऊर न अपनो घोसला म जमा करय हंय; फिर भी तुम्हरो स्वर्गीय पिता उन्ख खिलावय हय। का
तुम उन्को सी जादा कीमत नहीं रखय? 27 तुम म सी असो कौन हय, जो चिन्ता करन सी अपनी
उमर म एक घड़ी भी बढ़ाय सकय हय?
28 अऊर कपड़ा लायी कहाली चिन्ता करय हय? जंगली फूलो ख देखो कि हि कसो बढ़य हंय!
हि नहीं त मेहनत करय, न काटय हंय। 29 तब भी मय तुम सी कहू हय कि सुलैमान भी, अपनो पूरो
वैभव म उन्म सी कोयी को जसो कपड़ा पहिन्यो हुयो नहीं होतो। 30 येकोलायी जब परमेश्वर मैदान
को घास ख, जो अज हय अऊर कल आगी म झोक दियो जायेंन, असो कपड़ा पहिनावय हय, त हे
अविश्वासियों, तुम्ख ऊ इन सी बढ़ क कहाली नहीं पहिनायेंन?
31 “येकोलायी तुम चिन्ता कर क् यो मत कहजो कि हम का खाबो, यां का पीबो, यां का पहिनबो।
32 कहालीकि गैरयहूदी इन सब चिजों की खोज म रह्य हंय, पर तुम्हरो स्वर्गीय पिता जानय हय
कि तुम्ख इन सब चिजों की जरूरत हय। 33 येकोलायी पहिले तुम परमेश्वर को राज्य अऊर ओको
सच्चायी की खोज करो त यो सब चिजे भी तुम्ख मिल जायेंन। 34 येकोलायी कल की चिन्ता मत
करो, कहालीकि कल को दिन अपनी चिन्ता खुद कर लेयेंन; अज लायी अजच को दुःख बहुत हय।”

7

[illegible]
([illegible])

1 “दोष मत लगावो कि तुम्हरो पर भी दोष नहीं लगायो जाये, 2 ✡कहालीकि जो तरह तुम दोष
लगावय हय, उच तरह सी तुम पर भी दोष लगायो जायेंन; अऊर जो नाप सी तुम नापय हय, उच
नाप सी तुम्हरो लायी भी नाप्यो जायेंन।” 3 “तय कहाली अपनो भाऊ की आंखी को तिनका ख
देखय हय, अऊर अपनी आंखी को लट्ठा तोख नहीं सूझय? 4 जब तोरीच आंखी म लट्ठा हय, त
तय अपनो भाऊ सी कसो कह्य सकय हय, ‘लाव मय तोरी आंखी सी तिनका निकाल देऊ?’ 5 हे
कपटी, पहिले अपनी आंखी म सी लट्ठा निकाल ले, तब तय अपनो भाऊ की आंखी को तिनका
अच्छो सी देख क निकाल सकजो।”
6 “पवित्र चिज कुत्ता ख मत दे, अऊर अपनो मोती डुक्करों को आगु मत डालो; असो न होय
कि हि उन्ख पाय खल्लो खुंदेन अऊर पलट क तुम ख फाड़ डालेंन।

[illegible]
([illegible])

7 “मांगो, त तुम्ख दियो जायेंन; ढूंढो त तुम पावों; खटखटावों, त तुम्हरो लायी खोल्यो जायेंन।
8 कहालीकि जो कोयी मांगय हय, ओख मिलय हय; अऊर जो ढूंढय हय, ऊ पावय हय; अऊर
जो खटखटावय हय, ओको लायी खोल्यो जायेंन। 9 तुम म सी असो कौन आदमी हय, कि यदि

✡ **7:2** ७:२ मरकुस ४:२४

ओको बेटा ओको सी रोटी मांगेंन, त ऊ ओख गोटा देयेंन? 10 यां मच्छी मांगेंन, त ओख सांप
देयेंन? 11 येकोलायी जब तुम बुरो होय क, अपनो बच्चां ख अच्छी चिजे देनो जानय हय, त तुम्हरो
स्वर्गीय पिता अपनो मांगन वालो ख अच्छी चिजे कहाली नहीं देयेंन?
12 ✡"यो वजह जो कुछ तुम चाहवय हय कि लोग तुम्हरो संग करे, तुम भी उन्को संग वसोच करो;
कहालीकि मूसा की व्यवस्था अऊर भविष्यवक्तावों की शिक्षा याच आय।

[illegible]
([illegible])

13 "निरून्द द्वार सी सिरो, कहालीकि चौड़ो हय ऊ फाटक अऊर सरल हय ऊ रस्ता जो नाश
को तरफ लिजावय हय; अऊर बहुत सो हंय जो ओको सी सिरय हंय। 14 कहालीकि निरून्द हय
ऊ फाटक अऊर कठिन हय ऊ रस्ता जो जीवन को तरफ लिजावय हय; अऊर थोड़ो हंय जो ओख
पावय हंय।

[illegible]
([illegible])

15 "झूठो भविष्यवक्तावों सी चौकस रहो, जो मेंढीं को रूप म तुम्हरो जवर आवय हंय, पर आखरी
म हि फाड़न वालो भेड़िया आय। 16 उन्को फर सी तुम उन्ख जान जावो। का लोग झाड़ियों सी
अंगूर, यां काटा को झुड़पो सी अंजीर तोड़य हंय? 17 असो तरह हर एक अच्छो झाड़ अच्छो फर
लावय हय अऊर बुरो झाड़ बुरो फर लावय हय। 18 अच्छो झाड़ बुरो फर नहीं लाय सकय, अऊर
न बुरो झाड़ अच्छो फर लाय सकय हय। 19 ✡जो जो झाड़ अच्छो फर नहीं लावय, ऊ काट क
आगी म डाल दियो जावय हय। 20 ✡यो तरह उन्को फर सी तुम भविष्यवक्तावों ख जान लेवो।

[illegible]
([illegible])

21 "जो मोरो सी, 'हे प्रभु! हे प्रभु!' कह्य हय, उन्म सी हर एक स्वर्ग को राज्य म सिर नहीं सकेंन,
पर उच जो मोरो स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलय हय। 22 न्याय को दिन बहुत सो लोग मोरो सी
कहेंन, 'हे प्रभु, हे प्रभु, का हम्न तोरो नाम सी भविष्यवानी नहीं करी, अऊर तोरो नाम सी दुष्ट
आत्मावों ख नहीं निकाल्यो, अऊर तोरो नाम सी सामर्थ को काम नहीं करयो?' 23 तब मय उन्को
सी खुल क कह्य देऊं, 'मय न तुम्ख कभी नहीं जान्यो। हे कुकर्मियों मोरो जवर सी चली जावो।'

[illegible]
([illegible])

24 "येकोलायी जो कोयी मोरी या बाते सुन क उन्ख मानय हय, ऊ उन बुद्धिमान आदमी को
जसो ठहरेंन जेन अपनो घर चट्टान पर बनायो। 25 अऊर पानी बरस्यो, अऊर बाढ़ आयी, अऊर
आन्धिया चली, अऊर यो सब ऊ घर सी टकरायी, तब भी ऊ नहीं गिरयो, कहालीकि ओको नींव
चट्टान पर डाल्यो गयो होतो।
26 "पर जो कोयी मोरी या बाते सुनय हय अऊर उन पर नहीं चलय, यो ऊ मूर्ख आदमी को जसो
ठहरेंन जेन अपनो घर रेतु पर बनायो। 27 अऊर पानी बरस्यो, अऊर बाढ़ आयी, अऊर आन्धिया
चली, अऊर ऊ घर सी टकरायी अऊर ऊ गिर क नाश भय गयो।"

[illegible]

28 ✡जब यीशु या बाते कह्य चुक्यो, त असो भयो कि भीड़ ओको उपदेश सी चकित भयी,
29 कहालीकि ऊ उन्को धर्मशास्त्रियों को जसो नहीं पर अधिकार को जसो उन्ख उपदेश देत होतो।

8

[illegible]
([illegible])

✡ **7:12** ७:१२ लूका ६:३१ ✡ **7:19** ७:१९ मत्ती ३:१०; लूका ३:९ ✡ **7:20** ७:२० मत्ती १२:३३ ✡ **7:28** ७:२८ मरकुस
१:२२; लूका ४:३२

1 जब यीशु पहाड़ी सी उतरयो, त एक बड़ी भीड़ ओको पीछू भय गयी। 2 अऊर देखो, एक कोढ़ी
न जवर आय क ओख प्रनाम करयो अऊर कह्यो, "हे प्रभु, यदि तय चाहवय, त मोख शुद्ध कर
सकय हय।"
3 यीशु न हाथ बढ़ाय क ओख छूयो, अऊर कह्यो, "मय चाहऊ हय, तय शुद्ध होय जा।" अऊर
ऊ तुरतच कोढ़ सी चंगो भय गयो। 4 यीशु न ओको सी कह्यो, "देख, कोयी सी मत कहजो, पर जाय
क अपनो आप ख याजक ख दिखाव अऊर जो चढ़ावा मूसा न ठहरायो हय ओख भेंट चढ़ाव, ताकि
लोगों लायी गवाही हो।"

□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□
(□□□□□ □:□-□□)

5 जब ऊ कफरनहूम नगर म आयो त एक रोमन अधिकारी न ओको जवर आय क ओको सी बिनती
करी, 6 "हे प्रभु, मोरो सेवक ख घर म लकवा मारयो हय अऊर ओख बहुत दु:ख होय रह्यो हय।"
7 यीशु न ओको सी कह्यो, "मय आय क ओख चंगो करूं।"
8 जवाबदार अधिकारी न उत्तर दियो, "हे प्रभु, मय यो लायक नहाय कि तय मोरो छत को खल्लो
आये, पर केवल आज्ञा दे त मोरो सेवक चंगो होय जायेंन। 9 कहालीकि मय भी दूसरों को अधीन हय,
अऊर सिपाही मोरो अधीन हंय। जब मय एक सी कहूं हय, 'जा!' त ऊ जावय हय; अऊर दूसरों सी
कहूं हय, 'आव!' त ऊ आवय हय; अऊर जब अपनो सेवक सी कहूं हय, 'यो कर!' त ऊ करय हय।"
10 यो सुन क यीशु ख अचम्भा भयो, अऊर जो ओको पीछू आय रह्यो होतो उन्को सी कह्यो,
"मय तुम सी सच कहू हय कि मय न इस्राएल म भी असो विश्वास नहीं पायो। 11 ☆अऊर मय
तुम सी कहू हय कि पूर्व अऊर पश्चिम सी बहुत सो लोग आय क अब्राहम अऊर इसहाक अऊर
याकूब को संग स्वर्ग को राज्य म भोज म बैठेंन। 12 ☆पर राज्य को प्रजा बाहेर अन्धारो म डाल
दियो जायेंन: उत रोवनो अऊर दात को कटरनो होयेंन।" 13 तब यीशु न अधिकारी सी कह्यो, "जा,
जसो तोरो विश्वास हय, वसोच तोरो लायी हो।"
अऊर ओको सेवक उच घड़ी चंगो भय गयो।

□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□ □ □□□□□ □□□□□
(□□□□□□ □:□□-□□; □□□□□ □:□□-□□)

14 यीशु जब पतरस को घर आयो, त ओन पतरस की सासु ख बुखार म पड़ी देख्यो। 15 यीशु न
ओको हाथ छूयो अऊर ओको बुखार उतर गयो, अऊर वा उठ क ओकी सेवा-भाव करन लगी।
16 जब शाम भयी तब हि ओको जवर बहुत सो लोगों ख लायो जेको म दुष्ट आत्मायें होती
अऊर यीशु न उन आत्मावों ख अपनो वचन सी निकाल दियो; अऊर सब बीमारों ख चंगो करयो।
17 ☆ताकि जो वचन यशायाह भविष्यवक्ता सी कह्यो गयो होतो ऊ पूरो हो: "यीशु न खुदच हमरी
कमजोरियों ख पकड़ लियो अऊर हमरी बीमारियों ख उठाय लियो।"

□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□
(□□□□□ □:□□-□□)

18 यीशु न जब अपनो चारयी तरफ एक बड़ी भीड़ देखी त चेलां ख झील को ओन पार जान को
आदेश दियो। 19 तब एक धर्मशास्त्री न जवर आय क ओको सी कह्यो, "हे गुरु, जित कहीं तय
जाजो, मय तोरो पीछू होय जाऊं।"
20 यीशु न ओको सी कह्यो, "लोमड़ियों की गुफा अऊर आसमान को पक्षिंयों को घोसला होवय
हंय; पर आदमी को बेटा लायी मुंड रखन की भी जागा नहाय।"
21 एक अऊर चेला न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, मोख पहिले जान दे कि मय अपनो बाप ख गाड़
देऊ।"
22 यीशु न ओको सी कह्यो, "तय मोरो पीछू होय जा, अऊर मुर्दों ख अपनो मुर्दा गाड़न दे।"

☆ **8:11** ८:११ लूका १३:२९ ☆ **8:12** ८:१२ मत्ती २२:१३; २५:३०; लूका १३:२८ ☆ **8:17** ८:१७ यशायाह ५३:४

[illegible]
([illegible])

23 जब यीशु डोंगा पर चढ़यो, त ओको चेला ओको पीछू गयो। 24 अऊर देखो, झील म अचानक
असो बड़ो तूफान उठचो कि डोंगा लहर सी दबन लग्यो, पर यीशु सोय रह्यो होतो। 25 तब चेलावों
न जवर आय क ओख जगायो अऊर कह्यो, "हे प्रभु, हम्ख बचाव, हम नाश होय रह्यो हंय।"
26 यीशु न उन्को सी कह्यो, "हे अविश्वासियों, कहाली डरय हय?" तब ओन उठ क आन्धी अऊर
पानी ख डाटचो, अऊर सब शान्त भय गयो।
27 अऊर हि अचम्भा कर क् कहन लग्यो, "यो कसो आदमी आय कि आन्धी अऊर पानी भी ओकी
आज्ञा मानय हंय।"

[illegible]
([illegible])

28 जब यीशु ओन पार गदरेनियों को देश म पहुंच्यो, त दोय आदमी जिन्म दुष्ट आत्मायें होती
कब्रो सी निकलतो हुयो ओख मिल्यो। हि इतनो खतरनाक होतो कि कोयी ऊ रस्ता सी जाय नहीं
सकत होतो। 29 उन्न चिल्लाय क कह्यो, "हे परमेश्वर को बेटा, हमरो तोरो सी का काम? का तय
समय सी पहिले हम्ख दु:ख देन ख इत आयो हय?"
30 उन्को सी कुछ दूरी पर बहुत सो डुक्करों को एक झुण्ड चर रह्यो होतो। 31 दुष्ट आत्मावों न
ओको सी यो कह्य क बिनती करी, "यदि तय हम्ख निकालय हय, त डुक्करों को झुण्ड म भेज दे।"
32 यीशु न उन्को सी कह्यो, "जावो!" अऊर हि निकल क डुक्करों म समाय गयी अऊर देखो,
पूरो झुण्ड ढलान पर सी झपट क झील को किनार पर गिर पड़यो, अऊर पानी म डुब क मरयो।
33 उन्को चरवाहे भग क अऊर नगर म जाय क या सब बाते अऊर जेको म दुष्ट आत्मायें होती
उन्को पूरो हाल सुनायो। 34 तब पूरो नगर को लोग यीशु सी मिलन ख निकल आयो, अऊर ओख
देख क बिनती करी कि हमरी सीमा सी बाहेर चली जा।

9

[illegible]
([illegible])

1 तब यीशु डोंगा पर चढ़ क ओन पार गयो, अऊर अपनो नगर म आयो। 2 अऊर देखो, कुछ
लोग एक लकवा को रोगी ख खटिया पर रख क ओको जवर लायो। यीशु न उन्को विश्वास ख देख
क, ऊ लकवा को रोगी सी कह्यो, "हे बेटा, हिम्मत रख; तोरो पाप माफ भयो।"
3 येको पर कुछ धर्मशास्त्रियों न आपस म बोलन लग्यो, "यो त परमेश्वर की निन्दा करय हय।"
4 यीशु न उन्को मन की बाते जान क कह्यो, "तुम लोग अपनो-अपनो मन म बुरो बिचार कहाली
लाय रह्यो हय? 5 सहज का हय? यो कहनो, 'तोरो पाप माफ भयो,' यां यो कहनो, 'उठ अऊर चल
फिर।' 6 पर तुम यो जान लेवो कि आदमी को बेटा ख धरती पर पाप माफ करन को अधिकार हय।"
येकोलायी यीशु न लकवा को रोगी सी कह्यो, "उठ, अपनी खटिया उठाव, अऊर अपनो घर चली
जा।"
7 ऊ उठ क अपनो घर चली गयो। 8 लोग यो देख क डर गयो अऊर परमेश्वर की महिमा करन
लग्यो जेन लोगों ख असो अधिकार दियो हय।

[illegible]
([illegible])

9 उत सी आगु जाय क यीशु न मत्ती नाम को एक आदमी ख कर वसुली की चौकी पर बैठचो
देख्यो, अऊर ओको सी कह्यो, "मोरो पीछू चली आव।"

ऊ उठ क ओको पीछू चली गयो।

10 ✡जब ऊ घर म जेवन करन लायी बैठ्यो त बहुत सो कर लेनवालो अऊर पापी आय क यीशु
अऊर ओको चेलावों को संग जेवन करन बैठ्यो। 11 यो देख क फरीसियों न ओको चेलावों सी
कह्यो, "तुम्हरो गुरु कर लेनवालो अऊर पापियों को संग कहाली खावय हय?"
12 यो सुन क यीशु न उन्को सी कह्यो, "डाक्टर भलो चंगो लायी नहीं पर बीमारों लायी जरूरी
हय। 13 ✡येकोलायी तुम जाय क येको मतलब सीख लेवो: 'मय बलिदान नहीं पर दया चाहऊ हय।'
कहालीकि मय सच्चो लोगों ख नहीं, पर पापियों ख बुलावन ख आयो हय।"

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

14 तब बपतिस्मा देन वालो यूहन्ना को चेलावों न ओको जवर आय क कह्यो, "का वजह हय कि
हम अऊर फरीसी इतनो उपवास करजे हंय, पर तोरो चेला उपवास नहीं करय?"
15 यीशु न उन्को सी कह्यो, "दूल्हा उन्को संग हय, त का बराती शोक कर सकय हंय? पर ऊ दिन
आयेंन जब दूल्हा उन्को सी अलग कर दियो जायेंन, ऊ समय हि उपवास करेंन।
16 "नयो कपड़ा को थेगड़ पुरानो कपड़ा पर कोयी नहीं लगावय, कहालीकि ऊ थेगड़ ऊ कपड़ा
सी कुछ अऊर खीच लेवय हय, अऊर ऊ ज्यादा फट जावय हय। 17 अऊर लोग नयो अंगूररस
पुरानी मशकों म नहीं भरय हंय, कहालीकि असो करनो सी मशके फट जावय हंय, अऊर अंगूररस
बह जावय हय; अऊर मशके नाश होय जावय हंय; पर नयो अंगूररस नयी मशकों म भरय हंय
अऊर हि दोयी बच्यो रह्य हंय।"

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

18 ऊ उन्को सी यो बाते कह्यच रह्यो होतो, कि देखो, एक मुखिया न आय क ओख प्रनाम करयो
अऊर कह्यो, "मोरी बेटी अभी मरी हय, पर चल क अपनो हाथ ओको पर रखजो, त वा जीन्दी होय
जायेंन।"
19 यीशु उठ क अपनो चेलावों को संग ओको पीछू भय गयो।
20 अऊर देखो, एक बाई न जेक बारा साल सी खून बहन कि बीमारी होती, पीछू सी आय क
ओको कपड़ा को कोना ख छूय लियो। 21 कहालीकि वा अपनो मन म कहत होती, "यदि मय ओको
कपड़ा ख छूय लेऊ त चंगी होय जाऊं।"
22 यीशु न मुड़ क ओख देख्यो अऊर कह्यो, "बेटी हिम्मत रख; तोरो विश्वास न तोख चंगो करयो
हय।" येकोलायी वा बाई उच घड़ी चंगी भय गयी।
23 जब यीशु ऊ मुखिया को घर म पहुंच्यो अऊर पेपाड़ी बजावन वालो अऊर भीड़ ख हल्ला
मचावत देख्यो, 24 तब कह्यो, "हट जा, बेटी मरी नहाय, पर सोय रही हय।" याच बात पर हि ओकी
मजाक उड़ावन लग्यो। 25 पर जब भीड़ ख बाहेर निकाल दियो त यीशु अन्दर जाय क बेटी को हाथ
पकड़यो अऊर वा जीन्दी भय गयी। 26 अऊर या बात की चर्चा ऊ पूरो देश म फैल गयी।

[illegible]

27 जब यीशु उत सी आगु बढ़यो, त दोय अन्धा ओको पीछू यो पुकारतो हुयो चल्यो, "हे दाऊद
की सन्तान, हम पर दया कर!"
28 जब यीशु घर म पहुंच्यो, त हि अन्धा ओको जवर आयो, अऊर यीशु न उन्को सी कह्यो, "का
तुम्ख विश्वास हय कि मय तुम्ख चंगो कर सकू हय?"
उन्न ओको सी कह्यो, "हव, प्रभु!"
29 तब यीशु न यो कहतो हुयो उन्की आंखी ख छूय क कह्यो, "तुम्हरो विश्वास को जसो तुम्हरो
लायी हो।" 30 अऊर उन्की आंखी खुल गयी। यीशु न उन्ख चिताय क कह्यो, "चौकस रहो, कोयी
या बात ख नहीं जाने।"
31 पर उन्न निकल क पूरो देश म ओकी बात फैलाय दियो।

✡ **9:10** ९:१० लूका १५:१,२ ✡ **9:13** ९:१३ मत्ती १२:७

[illegible]

32 जब हि बाहेर जाय रह्यो होतो, त देख्यो, लोग एक मुक्का ख जेको म दुष्ट आत्मायें होती,
ओको जवर लायो; 33 अऊर जब दुष्ट आत्मा निकाल दियो गयो, त मुक्का बोलन लग्यो। येको पर
भीड़ न अचम्भा कर क् कह्यो, "इस्राएल म असो कभी नहीं देख्यो गयो।"

34 ✡पर फरीसियों न कह्यो, "यो त दुष्ट आत्मावों को सरदार की मदत सी शैतानी आत्मावों ख
निकालय हय।"

[illegible]

35 ✡यीशु सब नगरो अऊर गांवो म जाय जाय क उन्को सभागृहों म उपदेश करतो, अऊर राज्य
को सुसमाचार प्रचार करतो, अऊर कुछ तरह की बीमारी अऊर कमजोरी ख दूर करतो रह्यो।
36 ✡जब यीशु न भीड़ ख देख्यो त ओख लोगों पर तरस आयो, कहालीकि हि उन मेंढीं को जसो
होतो जिन्को कोयी चरवाहा नहीं होतो दु:खी अऊर भटक्यो हुयो को जसो होतो। 37 ✡तब ओन
अपनो चेलावों सी कह्यो, "पकी फसल त बहुत हंय, पर मजूर थोड़ो हंय। 38 येकोलायी फसल को
मालिक सी प्रार्थना करो कि अपनो खेत की फसल काटन लायी मजूर भेज दे।"

10

[illegible]
([illegible])

1 तब यीशु न अपनो बारयी चेलावों ख जवर बुलाय क, उन्ख दुष्ट आत्मावों पर अधिकार दियो कि
उन्ख निकाले अऊर सब तरह की बीमारियों अऊर सब तरह की कमजोरियों ख दूर करे। 2 इन बारयी
प्रेरितों को नाम यो हंय: पहिलो शिमोन, जो पतरस कहलावय हय, अऊर ओको भाऊ अन्द्रियास;
जब्दी को टुरा याकूब, अऊर ओको भाऊ यूहन्ना; 3 फिलिप्पुस, अऊर बरतुल्मै, थोमा, अऊर कर
लेनवालो मत्ती, हलफई को टुरा याकूब, अऊर तद्दै, 4 शिमोन कनानी, अऊर यहूदा इस्करियोती
जेन ओख पकड़वाय भी दियो होतो।

[illegible]
([illegible])

5 इन बारयी चेलावों ख यीशु न यो आज्ञा दे क भेज्यो: "गैरयहूदियों को तरफ मत जाजो, अऊर
सामरियों को कोयी नगर म मत सिरजो। 6 पर इस्राएल को घरानों की गुमी हुयी मेंढीं को जवर
जाजो। 7 अऊर चलतो-चलतो यो प्रचार करो: 'स्वर्ग को राज्य जवर आय गयो हय।' 8 बीमारों ख
चंगो करो, मरयो हुयो ख जीन्दो करो, कोढ़ियों ख शुद्ध करो, दुष्ट आत्मावों ख निकालो। तुम न
बिना कुछ दियो प्रभु की आशीष अऊर शक्तियां पायी हंय, येकोलायी उन्ख दूसरों ख बिना कुछ
लियो मुक्त भाव सी देवो।"

9 "अपनो खीसा म नहीं त सोना, अऊर नहीं चांदी, अऊर नहीं तांबो को पैसा रखजो; 10 ✡रस्ता
लायी नहीं झोली रखो, नहीं दूसरों कुरता, नहीं जूता अऊर नहीं लाठी रखो, कहालीकि मजूर ख ऊ
दियो जानो चाहिये जेकी उन्ख जरूरत हय।"

11 "जो कोयी नगर यां गांव म जावो, त पता लगावो कि उत कौन विश्वास लायक हय। अऊर
बिदा होन तक उतच रुक्यो रहो। 12 जब तुम ऊ घर म सिरतो हुयो उन्को सी कहो कि तुम्ख शान्ति
मिले। 13 यदि ऊ घर को लोग तुम्हरो स्वागत करेंन त तुम्हरी शान्ति उन पर पहुंचेंन, पर यदि हि
स्वागत नहीं करेंन त तुम्हरी शान्ति तुम्हरो जवर लौट आयेंन। 14 ✡जो कोयी तुम्ख स्वीकार नहीं
करे अऊर तुम्हरी बाते नहीं सुनेंन, त ऊ घर यां ऊ नगर सी निकलतो हुयो अपनो पाय की धूल

✡ **9:34** ९:३४ मत्ती १०:२५; १२:२४; मरकुस ३:२२; लूका ११:१५ ✡ **9:35** ९:३५ मत्ती ४:२३; मरकुस १:३९; लूका ४:४४
✡ **9:36** ९:३६ मरकुस ६:३४ ✡ **9:37** ९:३७ लूका १०:२ ✡ **10:10** १०:१० १ कुरिन्थियों ९:१४; १ तीमुथियुस ५:१८
✡ **10:14** १०:१४ प्रेरितों १३:५१

झाड़तो हुयो वापस लौट जावो। 15 ✡मय तुम सी सच कहू हय कि न्याय को दिन ऊ नगर की दशा
सी सदोम अऊर गमोरा को देश की दशा ज्यादा सहन लायक होयेंन।”

□□□ □□□□ □□□□□□□
(□□□□□ □□:□-□□; □□□□ □□:□□-□□)

16 ✡“देखो, मय तुम्ख मेंढीं को जसो भेड़ियों को बीच म भेजूं हय, येकोलायी सांप को जसो
बुद्धिमान अऊर कबूत्तरों को जसो भोलो बनो।”
17 ✡“पर लोगों सी चौकस रहो,” कहालीकि हि तुम्ख महासभावों म सौंपेंन, अऊर अपनी
पंचायतो म तुम्ख कोड़ा मारेंन। 18 तुम मोरो वजह शासक अऊर राजावों को आगु उन पर, अऊर
गैरयहूदियों पर गवाह होन लायी पहुंचायो जायेंन। 19 जब हि तुम्ख पकड़वायेंन त तुम या चिन्ता
मत करो कि हम कसो तरह सी का कहबोंन, कहालीकि जो कुछ तुम ख कहनो होना, ऊ उच समय
तुम्ख बताय दियो जायेंन। 20 कहालीकि बोलन वालो तुम नोहोय, पर तुम्हरो स्वर्गीय पिता की
आत्मा जो तुम म बोलय हय।
21 ✡“भाऊ, अपनो भाऊ ख अऊर बाप अपनो बेटा ख, मार डालन लायी सौंपेंन, अऊर बच्चा
अपनो माय बाप को विरोध म खड़ो होय क उन्ख मरवाय डालेंन। 22 ✡मोरो नाम को वजह सब लोग
तुम सी दुश्मनी करेंन, पर जो आखरी तक धीरज रखेंन ओकोच उद्धार होयेंन।” 23 जब हि तुम्ख एक
नगर म सतायेंन त दूसरों नगर म भग जावो। मय तुम सी सच कहूं हय, कि येको सी पहले कि तुम
इस्राएल को सब नगरों को चक्कर पूरो करो, आदमी को बेटा दुबारा आय जायेंन।
24 ✡“चेला अपनो गुरु सी बड़ो नहीं होवय; अऊर नहीं सेवक अपनो मालिक सी। 25 ✡चेला अपनो
गुरु को, अऊर सेवक अपनो मालिक को बराबर होन मच बहुत हय। जब उन्न घर को मालिक ख
शैतान* कह्यो त ओको घर वालो ख का कुछ नहीं कहेंन।”

□□□□□ □□ □□□
(□□□□ □□:□-□)

26 ✡येकोलायी लोगों सी मत डरो; कहालीकि कुछ ढक्यो नहीं जो खोल्यो नहीं जायेंन, अऊर
नहीं कुछ लुक्यो हय जो जान्यो नहीं जायेंन। 27 जो मय तुम सी अन्धारो म कहूं हय, ओख तुम
उजाड़ो म कहो; अऊर जो कानो कान सुनय हय, ओख तुम छत पर सी प्रचार करो। 28 उन्को सी
मत डरो जो शरीर ख नाश करय हंय, पर आत्मा ख नाश नहीं कर सकय, पर परमेश्वर सी डरो,
जो आत्मा अऊर शरीर दोयी ख नरक म नाश कर सकय हय। 29 का एक पैसा म दोय पक्षी नहीं
बिकय? तब भी तुम्हरो स्वर्गीय पिता की इच्छा को बिना उन्म सी एक भी धरती पर नहीं गिर सकय।
30 तुम्हरो मुंड को सब बाल भी गिन्यो हुयो हंय। 31 येकोलायी डरो मत; तुम बहुत सी पक्षी सी
बहुत महत्वपूर्ण हय।

□□□□ □ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□
(□□□□ □□:□-□)

32 “जो कोयी लोगों को आगु मोख मान लेयेंन, ओख मय भी अपनो स्वर्गीय पिता को आगु मान
लेऊ। 33 ✡पर जो कोयी लोगों को आगु मोरो इन्कार करेंन, ओको सी मय भी अपनो स्वर्गीय पिता
को आगु इन्कार करूं।”

□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□
(□□□□ □□:□□-□□; □□:□□,□□)

✡ **10:15** १०:१५ मत्ती ११:२४ ✡ **10:16** १०:१६ लूका १०:३ ✡ **10:17** १०:१७ मरकुस १३:९-११; लूका १२:११,१२; २१:१२-१५
✡ **10:21** १०:२१ मरकुस १३:१२; लूका २१:१६ ✡ **10:22** १०:२२ मत्ती २४:९; मरकुस १३:१३; लूका २१:१७; मत्ती २४:१३; मरकुस १३:१३ ✡ **10:24** १०:२४ लूका ६:४०; यूहन्ना १३:१६; १५:२० ✡ **10:25** १०:२५ मत्ती ९:३४; १२:२४; मरकुस ३:२२; लूका ११:१५ * **10:25** १०:२५ बालजबूल शैतान को सरदार ✡ **10:26** १०:२६ मरकुस ४:२२; लूका ८:१७ ✡ **10:33** १०:३३ २ तीमुथियुस २:१२

34 “यो मत समझो कि मय धरती पर शान्ति लावन लायी आयो हय, पर मय शान्ति लावन नहीं,
पर तलवार चलावन आयो हय। 35 मय त आयो हय कि: ‘बच्चां ख ओको बाप सी, अऊर बेटी ख
ओकी माय सी, अऊर बहू ख ओकी सासु सी अलग कर देऊ;’ 36 ✡आदमी को दुश्मन ओको घर कोच
लोग होयेंन।”
37 “जो माय यां बाप ख मोरो सी ज्यादा अच्छो जानय हय, ऊ मोरो लायक नहाय; अऊर जो
बेटा यां बेटी ख मोरो सी ज्यादा प्रिय जानय हय, ऊ मोरो लायक नहाय। 38 ✡अऊर जो अपनो
क्रूस उठाय क मोरो पीछू नहीं चलय ऊ मोरो लायक नहाय। 39 ✡जो अपनो जीव बचावय हय, ऊ
ओख खोयेंन; अऊर जो मोरो वजह अपनो जीव खोवय हय, ऊ ओख पायेंन।”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible])

40 ✡“जो तुम्ख स्वीकार करय हय, ऊ मोख स्वीकार करय हय; अऊर जो मोख स्वीकार करय हय,
ऊ मोरो भेजन वालो ख स्वीकार करय हय। 41 जो भविष्यवक्ता ख भविष्यवक्ता जान क स्वीकार
करय, ऊ भविष्यवक्ता को प्रतिफल पायेंन; अऊर जो सच्चो ख सच्चो जान क स्वीकार करे, ऊ
सच को प्रतिफल पायेंन। 42 जो कोयी इन छोटो म सी एक ख मोरो चेला जान क मोख केवल एक
गिलास ठंडो पानी पिलाये, त मय तुम सी सच कहूं हय, ऊ कोयी रीति सी अपनो प्रतिफल जरूर
पायेंन।”

11

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

1 जब यीशु अपनो बारयी चेलावों ख शिक्षा दे चुक्यो, त ऊ उन्को नगरों म उपदेश अऊर प्रचार
करन ख उत सी चली गयो।
2 जब यूहन्ना न जेलखाना म मसीह को कामों को समाचार सुन्यो अऊर अपनो चेलावों ख ओको
सी यो पूछन भेज्यो, 3 “का आवन वालो तयच आय, का हम कोयी दूसरों की रस्ता देखबो?”
4 यीशु न उत्तर दियो, “जो कुछ तुम सुनय हय अऊर देखय हय, ऊ सब जाय क यूहन्ना सी कह्य
देवो, 5 कि अन्धा देखय हंय अऊर लंगड़ा चलय फिरय हंय, कोढ़ी शुद्ध करयो जावय हंय, अऊर
बहिरा सुनय हंय, मुर्दा ख जीन्दो करयो जावय हंय, अऊर गरीबों ख सुसमाचार सुनायो जावय हय।
6 अऊर धन्य हय, जो मोरो वजह ठोकर नहीं खावय।”
7 जब हि उत सी चली गयो, त यीशु यूहन्ना को बारे म लोगों सी कहन लग्यो, “तुम सुनसान
जंगल म का देखन गयो होतो? का हवा सी हलतो हुयो घास ख? 8 तब तुम का देखन गयो होतो? का
चमकदार कपड़ा पहिन्यो हुयो आदमी ख? देखो, जो चमकदार कपड़ा पहिनय हंय, हि राजभवनों
म रह्य हंय! 9 त फिर कहाली गयो होतो? का कोयी भविष्यवक्ता ख देखन ख? हव, मय तुम सी
कहू हय कि भविष्यवक्ता सी भी बड़ो ख। 10 ✡यो उच आय जेको बारे म लिख्यो हय: ‘देख, मय
अपनो दूत ख तोरो आगु भेजूं हय, जो तोरो आगु तोरो रस्ता तैयार करेंन।’ 11 मय तुम सी सच कहू
हय कि जो बाईयों सी जनम लियो हय, उन्म सी यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो सी कोयी बड़ो नहीं
भयो; पर जो स्वर्ग को राज्य म छोटो सी छोटो हय ऊ ओको सी बड़ो हय। 12 ✡यूहन्ना बपतिस्मा
देन वालो को दिनो सी अब तक स्वर्ग को राज्य म बलपूर्वक सिरतो रह्यो हय, अऊर बलवान ओख
छीन लेवय हंय। 13 कहालीकि सब भविष्यवक्तावों अऊर मूसा की व्यवस्था, यूहन्ना को आनो तक
भविष्यवानी करत रह्यो होतो। 14 ✡अऊर चाहो त मानो कि एलिय्याह जो आवन वालो होतो, ऊ
योच आय। 15 जेको कान होना ऊ सुन ले।

✡ **10:36** १०:३६ मीका ७:६ ✡ **10:38** १०:३८ मत्ती १६:२४; मरकुस ८:३४; लूका ९:२३ ✡ **10:39** १०:३९ मत्ती १६:२५; मरकुस ८:३५; लूका ९:२४; १७:३३; यूहन्ना १२:२५ ✡ **10:40** १०:४० लूका १०:१६; यूहन्ना १३:२०; मरकुस ९:३७; लूका ९:४८
✡ **11:10** ११:१० मलाकी ३:१ ✡ **11:12** ११:१२ लूका १६:१६ ✡ **11:14** ११:१४ मत्ती १७:१०-१३; मरकुस ९:११-१३

16 “मय यो पीढ़ी को लोगों की तुलना कौन्को सी करू? हि उन बच्चां को जसो हंय, जो बजार म
बैठ्यो हुयो एक दूसरों सी पुकार क कह्य हंय: 17 ‘हम न तुम्हरो लायी बांसुरी बजायी, अऊर तुम
नहीं नाच्यो; हम न विलाप करयो, अऊर तुम रोयो नहीं।’ 18 कहालीकि यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो
नहीं खातो आयो अऊर नहीं पीतो, अऊर हि कह्य हंय, ‘ओको म दुष्ट आत्मा हय।’ 19 आदमी को
बेटा खातो पीतो आयो, अऊर हि कह्य हंय ‘देखो, खादाड़ अऊर पियक्कड़ आदमी, कर लेनवालो
अऊर पापियों को संगी!’ पर परमेश्वर को ज्ञान अपनो कामों सी सच्चो ठहरायो गयो हय।”

[illegible]
([illegible])

20 तब यीशु उन नगरों को बारे म धिक्कारन लग्यो, जिन्म ओन बहुत सो सामर्थ को काम करयो
होतो, लेकिन उन्न अपनो मन नहीं फिरायो होतो। 21 “हाय, खुराजीन! हाय, बैतसैदा! नगर जो
सामर्थ को काम तुम म करयो गयो, यदि हि सूर अऊर सैदा म करयो जातो, त बोरा ओढ़ क, अऊर
राखड़ म बैठ क हि अपनो पापों सी कब को फिराय लेतो। 22 पर मय तुम सी कहू हय कि न्याय को
दिन तुम्हरी दशा सी सूर अऊर सैदा की दशा जादा सहन लायक होयेंन। 23 हे कफरनहूम, का तय
स्वर्ग तक ऊंचो करयो जाजो? तय त अधोलोक तक खल्लो जाजो! जो सामर्थ को काम तोरो म
करयो गयो हंय, यदि सदोम म करयो जातो, त ऊ अज तक बन्यो रहतो। 24 ✡पर मय तुम सी कहू
हय कि न्याय को दिन तोरी दशा सी सदोम की दशा जादा सहन लायक होयेंन।”

[illegible]
([illegible])

25 उच समय यीशु न कह्यो, “हे बाप, स्वर्ग अऊर धरती को प्रभु, मय तोरो धन्यवाद करू हय कि
तय न इन बातों ख ज्ञानियों अऊर पड़्यो लिख्यो सी लुकाय क रख्यो हय, अऊर बच्चां पर प्रगट
करयो हय। 26 हव, हे बाप, कहालीकि तोख योच अच्छो लग्यो।
27 ✡“मोरो बाप न मोख सब कुछ सौंप दियो हय; अऊर कोयी बेटा ख नहीं जानय, केवल बाप
ख; अऊर कोयी बाप ख नहीं जानय, केवल बेटा ख; अऊर ऊ जेक बेटा प्रगट करयो।
28 “हे सब मेहनत करन वालो अऊर बोझ सी दब्यो हुयो लोगों, मोरो जवर आवो; मय तुम्ख
आराम देऊं। 29 मोरो बोझ अपनो ऊपर उठाय लेवो, अऊर मोरो सी सीखो; कहालीकि मय नम्र
अऊर मन म नरम हय: अऊर तुम अपनो मन म आराम पावों। 30 कहालीकि मोरो जूवा सहज
अऊर मोरो बोझ हल्को हय।”

12

[illegible]
([illegible])

1 ऊ समय यीशु आराम दिन म खेतो म सी होय क जाय रह्यो होतो, अऊर ओको चेलावों ख भूख
लगी त हि गहूं को लोम्बा तोड़-तोड़ क खान लग्यो। 2 फरीसियों न यो देख क ओको सी कह्यो,
“देख, तोरो चेला ऊ काम कर रह्यो हंय, जो आराम को दिन मूसा को नियम को अनुसार उचित
नहाय।”
3 यीशु उन्को सी कह्यो, “का तुम्न नहीं पढ़यो, कि जब दाऊद अऊर ओको संगी ख भूख लगी त
ओन का करयो? 4 ऊ कसो परमेश्वर को मन्दिर म गयो, अऊर अर्पन की रोटी खायी, ओख अऊर
ओको संगियों ख उन्की रोटी मूसा को नियम को अनुसार उचित नहाय। पर केवल याजकों ख उचित
होतो? 5 का तुम न मूसा की व्यवस्था म नहीं पढ़यो कि याजक आराम दिन को मन्दिर म आराम
दिन की विधि ख तोड़न पर भी निर्दोष ठहरय हंय? 6 पर मय तुम सी कहू हय कि इत ऊ हय जो
आराधनालय सी भी बड़ो हय।” 7 ✡“यदि तुम येको मतलब जानतो, ‘मय दया सी सन्तुष्ट होऊं हय,

✡ **11:24** ११:२४ मत्ती १०:१५; लूका १०:१२ ✡ **11:27** ११:२७ यूहन्ना ३:३५; यूहन्ना १:१८; १०:१५ ✡ **12:7** १२:७ मत्ती ९:१३

बलिदान सी नहीं,' त तुम निर्दोष ख दोषी नहीं ठहरायतो। 8 आदमी को बेटा त आराम दिन को भी
प्रभु आय।"

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

9 उत सी चल क यीशु उन्को सभागृह म आयो। 10 उत एक आदमी होतो, जेको हाथ म लकवा
भयो होतो। फरीसियों न यीशु पर दोष लगावन लायी ओको सी पुच्छ्यो, "का आराम को दिन नियम
को अनुसार चंगो करनो उचित हय?"
11 ✡यीशु न उन्को सी कह्यो, "तुम म असो कौन हय जेकी एकच मेंढीं हय, अऊर ऊ आराम दिन
गड्डा म गिर जाये, त ऊ ओख पकड़ क नहीं निकालेंन? 12 भलो, आदमी की कीमत मेंढा सी कितनो
बढ़ क हय! येकोलायी आराम दिन म भलायी करनो नियम को अनुसार उचित हय।" 13 तब यीशु
न ऊ आदमी सी कह्यो, "अपनो हाथ बढ़ाव।"
ओन बढ़ायो, अऊर ऊ तब दूसरों हाथ को जसो अच्छो भय गयो। 14 तब फरीसियों न बाहेर
जाय क ओको विरोध म चर्चा करयो कि ओख कसो तरह सी नाश करबो।

[illegible]

15 यो जान क यीशु उत सी चली गयो। अऊर बहुत लोग ओको पीछू होय लियो, अऊर ओन
सब ख चंगो करयो, 16 अऊर उन्ख चितायो कि मोख प्रगट मत करजो, 17 ताकि जो वचन यशायाह
भविष्यवक्ता सी कह्यो गयो होतो, ऊ पूरो हो:
18 "देखो, यो मोरो सेवक आय, जेक मय न चुन्यो हय:
मोरो प्रिय, जेकोसी मोरो मन खुश हय:
मय अपनी आत्मा ओको पर डालू,
अऊर ऊ गैरयहूदियों ख न्याय को सुसमाचार देयेंन।
19 ऊ नहीं झगड़ा करेंन, अऊर नहीं धूम मचायेंन,
अऊर नहीं बजारों म जोर सी चिल्लाय क भाषन सुनायेंन।
20 ऊ कुचल्यो हुयो घास ख नहीं तोड़ेंन,
अऊर धुवा देन वाली बत्ती ख नहीं बुझायेंन,
जब तक ऊ न्याय ख मजबूत नहीं कराये।
21 अऊर पूरो राष्ट्र को लोग ओको नाम पर आशा रखेंन।"

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

22 तब लोग एक अन्धा अऊर मुक्का ख यीशु को जवर लायो; जेको म दुष्ट आत्मायें होती, अऊर
ओन ओख अच्छो करयो, अऊर ऊ बोलन अऊर देखन लग्यो। 23 येको पर सब लोग अचम्भित
होय क कहन लग्यो, "यो का दाऊद की सन्तान आय?"
24 ✡पर फरीसियों न यो सुन क कह्यो, "यो त दुष्ट आत्मावों को मुखिया बालजबूल की मदत को
बिना शैतानी आत्मावों ख नहीं निकालय।"
25 यीशु न उन्को मन की बात जान क उन्को सी कह्यो, "जो कोयी राज्य म फूट होवय हय, ऊ
उजड़ जावय हय; अऊर कोयी नगर यां घराना जेको म फूट होवय हय, बन्यो नहीं रहेंन।" 26 अऊर
यदि शैतानच शैतान ख निकाले, त ऊ अपनोच विरोधी भय गयो हय; तब ओको राज्य कसो बन्यो
रहेंन? 27 भलो, यदि मय बालजबूल की मदत सी दुष्ट आत्मावों ख निकालू हय, त तुम्हरो अनुयायी
कौन की मदत सी निकालय हंय? येकोलायी हिच तुम्हरो न्याय करेंन। 28 पर यदि मय परमेश्वर की
आत्मा की मदत सी दुष्ट आत्मावों ख निकालू हय, त परमेश्वर को राज्य तुम्हरो जवर आय गयो
हय।

✡ **12:11** १२:११ लूका १४:५ ✡ **12:24** १२:२४ मत्ती ९:३४; १०:२५

29 "कसो कोयी आदमी कोयी ताकतवर को घर म घुस क ओको माल लूट सकय हय जब तक कि
पहिले ऊ ताकतवर ख नहीं बान्ध ले? तब तक ऊ ओको घर को माल लूट नहीं लेयेंन।"
30 ✡जो मोरो संग नहाय ऊ मोरो विरोध म हय, अऊर जो मोरो संग नहीं ऊ जमा करय हय अऊर
बिखरावय हय। 31 येकोलायी मय तुम सी कहू हय कि आदमी को सब तरह को पाप अऊर निन्दा
माफ करयो जायेंन, पर पवित्र आत्मा कि निन्दा माफ नहीं करी जायेंन। 32 ✡जो कोयी आदमी को
बेटा को विरोध म कोयी बात कहेंन, ओको यो अपराध माफ करयो जायेंन, पर जो कोयी पवित्र
आत्मा को विरोध म कुछ कहेंन, ओको अपराध नहीं त यो जगत म अऊर नहीं स्वर्ग म माफ करयो
जायेंन।

[illegible]
([illegible])

33 ✡"यदि एक झाड़ अच्छो हय, त ओको फर भी अच्छो रहेंन, यदि एक झाड़ बुरो हय, त ओको
फर भी बुरो रहेंन; कहालीकि झाड़ अपनो फर सीच पहिचान्यो जावय हय। 34 ✡हे सांप को बच्चां,
तुम बुरो होय क कसी अच्छी बाते कह्य सकय हय? कहालीकि जो मन म भरयो हय, उच मुंह पर
आवय हय। 35 अच्छो आदमी मन को अन्दर सी अच्छी बाते निकालय हय, अऊर बुरो आदमी उच
मन सी बुरी बाते निकालय हय।
36 "अऊर मय तुम सी कहू हय कि जो बुरी बाते आदमी कहेंन, न्याय को दिन हि हर एक वा बात
को हिसाब देयेंन। 37 कहालीकि तय अपनी बातों को वजह निर्दोष, अऊर अपनी बातों को वजह
दोषी ठहरायो जाजो।"

[illegible]
([illegible])

38 ✡येको पर कुछ धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों न ओको सी कह्यो, "हे गुरु, हम तोरो सी एक
चमत्कार को चिन्ह देखनो चाहजे हय।"
39 ✡ओन उन्ख उत्तर दियो, "यो पीढ़ी को बुरो अऊर व्यभिचारी लोग चिन्ह ढूंढय हंय, पर योना
भविष्यवक्ता को चिन्ह ख छोड़ कोयी अऊर चिन्ह उन्ख नहीं दियो जायेंन। 40 योना तीन दिन
अऊर तीन रात बड़ी मच्छी को पेट म रह्यो, वसोच आदमी को बेटा तीन दिन अऊर तीन रात धरती
को अन्दर रहेंन। 41 नीनवे को लोग न्याय को दिन यो पीढ़ी को लोगों को संग उठ क उन्ख दोषी
ठहरायेंन, कहालीकि उन्न योना को प्रचार सुन क मन फिरायो; अऊर देखो, इत ऊ हय जो योना
सी भी बड़ो हय। 42 दक्षिन की रानी न्याय को दिन यो पीढ़ी को लोगों को संग उठ क उन्ख दोषी
ठहरायेंन, कहालीकि ऊ सुलैमान को ज्ञान सुनन लायी धरती को छोर सी आयी हय; अऊर देखो,
इत ऊ हय जो सुलैमान सी भी बड़ो हय।

[illegible]
([illegible])

43 "जब दुष्ट आत्मा आदमी म सी निकल जावय हय, त सूखी जागा म आराम ढूंढती फिरय हय,
अऊर नहीं पावय हय। 44 तब कह्य हय, 'मय अपनो उच घर म जित सी निकली होती, उतच लौट
जाऊं।' अऊर लौट क आवय हय त ओख खाली, झाड़्यो-बुहारयो अऊर सज्यो-सजायो पावय
हय। 45 तब ऊ जाय क अपनो सी अऊर बुरी सात आत्मावों ख अपनो संग लावय हय। अऊर हि
ओको म घुस क उत वाश करय हंय, अऊर ऊ आदमी की पुरानी दशा पहिले सी भी बुरी होय जावय
हय। त यो पीढ़ी को बुरो लोगों की दशा भी असीच होयेंन।"

[illegible]
([illegible])

✡ **12:30** १२:३० मरकुस ९:४० ✡ **12:32** १२:३२ लूका १२:१० ✡ **12:33** १२:३३ मत्ती ७:२०; लूका ६:४४ ✡ **12:34** १२:३४ मत्ती ३:७; २३:३३; लूका ३:७; मत्ती १५:१८; लूका ६:४५ ✡ **12:38** १२:३८ मत्ती १६:१; मरकुस ८:११; लूका ११:१६ ✡ **12:39** १२:३९ मत्ती १६:४; मरकुस ८:१२

46 जब यीशु भीड़ सी बाते कर रह्यो होतो, तब ओकी माय अऊर भाऊ बाहेर खड़ो होतो अऊर
ओको सी बाते करनो चाहत होतो। 47 कोयी न यीशु सी कह्यो, "देख, तोरी माय अऊर तोरो भाऊ
बाहेर खड़ो हंय। अऊर तोरो सी बाते करनो चाहवय हंय।"
48 यो सुन क यीशु न कहन वालो ख उत्तर दियो, "कौन आय मोरी माय? अऊर कौन हंय मोरो
भाऊ?" 49 अऊर अपनो चेलावों को तरफ अपनो हाथ बढ़ाय क कह्यो, "देखो, मोरी माय अऊर
मोरो भाऊ हि आय। 50 कहालीकि जो कोयी मोरो स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलय हय, उच मोरो
भाऊ, अऊर मोरी बहिन, अऊर मोरी माय आय।"

13

[illegible]
([illegible])

1 उच दिन यीशु घर सी निकल क झील को किनार को जवर जाय बैठ्यो। 2 ✡अऊर ओको जवर
असी बड़ी भीड़ जमा भयी कि ऊ डोंगा पर चढ़ गयो, अऊर पूरी भीड़ किनार पर खड़ी रही। 3 अऊर
ओन उन्को सी दृष्टान्तों म बहुत सी बाते कहीं।

"एक बोवन वालो बीज बोवन निकल्यो। 4 बोवतो समय कुछ बीज रस्ता को किनारे गिरयो अऊर
पक्षियों न आय क उन्ख खाय लियो। 5 कुछ बीज गोटाड़ी जमीन पर गिरयो, जित उन्ख जादा माटी
नहीं मिली अऊर गहरी माटी नहीं मिलन को वजह हि जल्दी उग गयो। 6 पर सूरज निकलन पर हि
जर गयो, अऊर जमीन म जड़ी नहीं पकड़न को वजह हि सूख गयो। 7 कुछ बीज काटा को झुड़ूप
म गिरयो अऊर काटा को झुड़ूप न बढ़ क उन्ख दबाय डाल्यो। 8 पर कुछ बीज अच्छी जमीन पर
गिरयो, अऊर फर लायो, कोयी सौ गुना, कोयी साठ गुना, अऊर कोयी तीस गुना।
9 "जेको कान हय ऊ सुन ले।"

[illegible]
([illegible])

10 चेलावों न जवर आय क यीशु सी कह्यो, "तय लोगों सी दृष्टान्तों म कहाली बाते करय हय?"
11 यीशु न उत्तर दियो, "तुम ख स्वर्ग को राज्य को भेद की समझ दी गयी हय, पर उन्ख नहीं।"
12 ✡कहालीकि जेको जवर हय, ओख दियो जायेंन, अऊर ओको जवर बहुत होय जायेंन; पर जेको
जवर कुछ भी नहाय, ओको सी सब कुछ भी ले लियो जायेंन। 13 मय उन्को सी दृष्टान्तों म
येकोलायी बाते करू हय कि हि देखतो हुयो भी नहीं देखय अऊर सुनतो हुयो भी नहीं सुनय, अऊर
नहीं समझय। 14 ✡उन्को बारे म यशायाह की या भविष्यवानी पूरी होवय हय:

"तुम कानो सी त सुनो, पर समझो नहीं;
अऊर आंखी सी त देखो, पर तुम्ख दिखेंन नहीं।
15 कहालीकि इन लोगों को मन मोटो भय गयो हय,
अऊर हि कानो सी ऊचो सुनय हंय
अऊर उन्न अपनी आंखी मूंद लियो हंय;
कहीं असो नहीं होय कि हि आंखी सी देखे,
अऊर कानो सी सुने
अऊर मन सी समझे,
अऊर फिर जाय,
अऊर मय उन्ख चंगो करूं।"

16 ✡पर धन्य हंय तुम्हरी आंखी, की वा देखय हंय; अऊर तुम्हरो कान की सुनय हंय। 17 कहालीकि
मय तुम सी सच कहू हय कि बहुत सो भविष्यवक्तावों न अऊर न्यायियों न चाह्यो कि जो बाते तुम
देखय हय, देखो, पर नहीं देख पायो; अऊर जो बाते तुम सुनय हय, सुनो, पर नहीं सुन सको।

✡ **13:2** १३:२ लूका ५:१-३ ✡ **13:12** १३:१२ मत्ती २५:२९; मरकुस ४:२५; लूका ८:१८; १९:२६ ✡ **13:14** १३:१४ यशायाह ६:९-१० ✡ **13:16** १३:१६ लूका १०:२३,२४

□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□
(□□□□□ □:□□-□□; □□□□ □:□□-□□)

18 “अब तुम बोवन वालो को दृष्टान्त को मतलब सुनो: 19 जो कोयी राज्य को वचन सुन क नहीं
समझय, ओको मन म जो कुछ बोयो गयो होतो, ओख ऊ शैतान आय क छीन लेवय हय। यो उच
वचन आय, जो रस्ता को किनार म बोयो गयो होतो। 20 अऊर जो गोटाड़ी जमीन पर बोयो गयो, यो
ऊ आय, जो वचन सुन क तुरतच खुशी को संग मान लेवय हय। 21 पर अपनो म जड़ी नहीं रखन को
वजह ऊ थोड़ो दिन को हय, अऊर जब वचन को वजह कठिनायी यां उपद्रव होवय हय, त तुरतच
ठोकर खावय हय। 22 जो काटा को झुड़प म बोयो गयो, यो ऊ आय, जो वचन ख सुनय हय, पर यो
जगत की चिन्ता अऊर धन को धोका वचन ख दबाय देवय हय, अऊर ऊ फर नहीं लावय। 23 जो
अच्छी जमीन म बोयो गयो, यो ऊ आय, जो वचन ख सुन क समझय हय, अऊर फर लावय हय;
कोयी सौ गुना, कोयी साठ गुना, अऊर कोयी तीस गुना।”

□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□□

24 यीशु न उन्ख एक अऊर दृष्टान्त दियो: “स्वर्ग को राज्य ऊ आदमी को जसो हय जेन अपनो
खेत म अच्छो बीज बोयो। 25 पर जब लोग सोय रह्यो होतो त ओको दुश्मन आय क गहूं को बीच
म जंगली बीज बोय क चली गयो। 26 जब अंकुर निकल्यो अऊर लोम्ब लगी, त जंगली दाना को
पौधा भी दिखायी दियो। 27 येको पर घर को सेवकों न आय क ओको सी कह्यो, ‘हे मालिक, का
तय न अपनो खेत म अच्छो बीज नहीं बोयो होतो? तब जंगली दाना को पौधा ओको म कित सी
आयो?’ 28 ओन उन्को सी कह्यो, ‘यो कोयी दुश्मन को काम आय।’ सेवकों न ओको सी कह्यो, ‘का
तोरी इच्छा हय, कि हम जाय क उन पौधा ख उखाड़ दे?’ 29 ओन कह्यो, ‘नहीं, असो नहीं होय कि
जंगली दाना को पौधा जमा करतो हुयो तुम उन्को संग गहूं भी उखाड़ लेवो। 30 काटन तक दोयी
ख एक संग बढ़न देवो, अऊर काटन को समय मय काटन वालो सी कहूं कि पहिले जंगली दाना को
पौधा जमा कर क् जलावन लायी उन्को बोझा बान्ध लेवो, अऊर गहूं ख मोरो ढोला म जमा कर
देवो।’ ”

□□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□
(□□□□□ □:□□-□□; □□□□ □□:□□,□□)

31 यीशु न उन्ख एक अऊर दृष्टान्त दियो: “स्वर्ग को राज्य राई को एक दाना को जसो हय, जेक
कोयी आदमी न ले क अपनो खेत म बोय दियो। 32 ऊ सब बीज सी छोटो त होवय हय पर जब बढ़
जावय हय तब सब साग-पात सी बड़ो होवय हय; अऊर असो झाड़ होय जावय हय कि आसमान
को पक्षी आय क ओकी डगालियों पर बसेरा करय हंय।”

□□□□ □□ □□□□□□□□□
(□□□□ □□:□□,□□)

33 यीशु न एक अऊर दृष्टान्त उन्को सी कह्यो: “स्वर्ग को राज्य खमीर को जसो हय जेक एक
बाई तीन पसेरी मतलब बारा किलो खमीर आटा म मिलाय दियो अऊर तब तक मिलावत रही जब
तक चुन आखिर म फुग नहीं जाये।”

□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□ □□ □□□□□□
(□□□□□ □:□□,□□)

34 या सब बाते यीशु न दृष्टान्तों म लोगों सी कहीं, अऊर बिना दृष्टान्त सी ऊ उन्को सी कुछ
नहीं कहत होतो, 35 ✡कि जो वचन भविष्यवक्ता सी कह्यो गयो होतो, ऊ पूरो हो:
“मय दृष्टान्त कहन ख अपनो मुंह खोलूं:
मय उन बातों ख जो जगत की उत्पत्ति सी लुक रही हंय प्रगट करूं।”

□□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□

✡ **13:35** १३:३५ भजन ७८:२

36 तब यीशु भीड़ ख छोड़ क घर म आयो, अऊर ओको चेलावों न यीशु को जवर आय क कह्यो,
"खेत को जंगली दाना को दृष्टान्त हम्ख समझाय दे।"
37 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "अच्छो बीज ख बोवन वालो आदमी को बेटा आय। 38 खेत जगत
आय अच्छो बीज राज्य की सन्तान, अऊर जंगली बीज दुष्ट की सन्तान आय। 39 जो दुश्मन न उन्ख
बोयो ऊ शैतान आय; कटायी जगत को अन्त हय, अऊर काटन वालो स्वर्गदूत आय। 40 येकोलायी
जसो जंगली दाना जमा करयो जावय अऊर जलायो जावय हंय वसोच जगत को अन्त म होयेंन।
41 आदमी को बेटा अपनो स्वर्गदूतों ख भेजेंन, अऊर हि ओको राज्य म सी सब ठोकर को वजह ख
अऊर अधर्म को काम करन वालो ख जमा करेंन, 42 अऊर उन्ख आगी को कुण्ड म डालेंन, जित
रोवनो अऊर दात कटरनो होयेंन। 43 ऊ समय सच्चो लोग अपनो स्वर्गीय पिता को राज्य म सूरज
को जसो चमकेंन। जेको कान हय ऊ सुन ले।

[illegible]

44 "स्वर्ग को राज्य खेत म लूक्यो हुयो धन को जसो हय, जेक कोयी आदमी न पायो अऊर ओख
फिर सी लूकाय दियो, अऊर ओको वजह खुश होय क ओन अपनो सब कुछ बिक दियो अऊर ऊ
खेत ख लेय लियो।

[illegible]

45 "फिर स्वर्ग को राज्य एक व्यापारी को जसो हय जो अच्छो मोतियों की खोज म होतो। 46 जब
ओख एक कीमती मोती मिल्यो त ओन जाय क अपनो सब कुछ बिक डाल्यो अऊर ओख ले लियो।

[illegible]

47 "फिर स्वर्ग को राज्य ऊ बड़ो जार को जसो हय जो समुन्दर म डाल्यो गयो, अऊर हर तरह
की मच्छी अऊर जीवजन्तु ख जमा कर क् लायो। 48 अऊर जब जार मच्छी अऊर जीवजन्तु सी
भर गयो, त मछवारों न ओख किनार पर झीकन क लायो, अऊर बैठ क अच्छो बर्तनों म मच्छी
अऊर जीव ख जमा करयो अऊर बेकार बेकार ख फेक दियो। 49 जगत को अन्त म असोच होयेंन।
स्वर्गदूत आय क बुरो ख सच्चो लोगों सी अलग करेंन, 50 अऊर उन्ख आगी को कुण्ड म डालेंन।
जित रोवनो अऊर दात कटरनो होयेंन।

[illegible]

51 "का तुम न यो सब बाते समझीं?"
चेला न उत्तर दियो "हव।"
52 यीशु न उन्को सी कह्यो, "येकोलायी हर एक धर्मशास्त्री जो स्वर्ग को राज्य को चेला बन्यो
हय, ऊ घर को मालिक को जसो हय जो अपनो भण्डार सी नयी अऊर पुरानी चिजे निकालय हय।"

[illegible]
([illegible])

53 जब यीशु यो सब दृष्टान्त कहन को बाद, उत सी चली गयो। 54 अऊर अपनो नगर म आय क
उन्को आराधनालय म उन्ख असो उपदेश देन लग्यो कि हि अचम्भित होय क कहन लग्यो, "येख यो
ज्ञान अऊर अद्भुत सामर्थ को काम कित सी मिल्यो? 55 का यो बढ़यी को बेटा नोहोय? अऊर का
येकी माय को नाम मरियम अऊर येको भाऊ को नाम याकूब, यूसुफ, शिमोन अऊर यहूदा नोहोय?
56 अऊर का येकी सब बहिन हमरो बीच म नहीं रह्य? फिर येख यो सब कित सी मिल्यो?" 57 ✡यो
तरह उन्न ओको वजह ठोकर खायी।
पर यीशु न उन्को सी कह्यो, "भविष्यवक्ता को अपनो देश अऊर अपनो घर ख छोड़ अऊर कहीं
भी अपमान नहीं होवय।" 58 अऊर ओन उत उन्को अविश्वास को वजह बहुत सो सामर्थ को काम
नहीं करयो।

✡ **13:57** १३:५७ यूहन्ना ४:४४

14

[illegible]
([illegible])

1 ऊ समय देश को चौथाई भाग को राजा हेरोदेस न यीशु की चर्चा सुनी, 2 अऊर अपनो सेवकों
सी कह्यो, "यो यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो आय! ऊ मरयो हुयो म सी फिर सी जीन्दो भयो हय,
येकोलायी ओको सी यो सामर्थ को काम प्रगट होवय हंय।"

3 ✡कहालीकि हेरोदेस न अपनो भाऊ फिलिप्पुस की पत्नी हेरोदियास को वजह, यूहन्ना ख पकड़
क बान्ध्यो अऊर जेलखाना म डाल दियो होतो। 4 कहालीकि यूहन्ना न ओको सी कह्यो होतो कि
येख रखनो तोरो लायी उचित नहाय। 5 येकोलायी ऊ ओख मार डालनो चाहत होतो, पर लोगों सी
डरत होतो कहालीकि हि ओख भविष्यवक्ता मानत होतो।

6 पर जब हेरोदेस को जनम दिन आयो, त हेरोदियास की बेटी न उत्सव म नाच दिखाय क हेरोदेस
ख खुश करयो। 7 येको पर ओन कसम खाय क वचन दियो, "जो कुछ तय मोख मांगजो, मय तोख
देऊं।"

8 वा अपनी माय ख उकसायो जानो सी बोली, "यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो को मुंड थारी म
यहां मोख मंगाय देवो।"

9 राजा दु:खी भयो, पर अपनी कसम को, अऊर संग म जेवन करन बैठन वालो को वजह, आज्ञा
दियो कि दे दियो जाये। 10 अऊर ओन जेलखाना म लोगों ख भेज क यूहन्ना को मुंड कटाय दियो;
11 अऊर ओको मुंड थारी म लायो अऊर बेटी ख दियो गयो, अऊर ओन अपनी माय को जवर ले
गयी। 12 तब यूहन्ना को चेला आयो अऊर ओकी लाश ख लिजाय क गाड़ दियो, अऊर जाय क
यीशु ख सुसमाचार दियो।

[illegible]
([illegible])

13 जब यीशु न यूहन्ना को बारे म यो सुन्यो, त ऊ डोंगा पर चढ़ क उत सी कोयी सुनसान जागा
को, एकान्त म चली गयो। लोग यो सुन क नगर-नगर सी पैदल चल ख ओको पीछू चली गयो।
14 ओन निकल क एक बड़ी भीड़ देखी अऊर उन पर तरस खायो, अऊर उन्को बीमारों ख चंगो
करयो।

15 जब शाम भयी त ओको चेलावों न ओको जवर आय क कह्यो, "यो सुनसान जागा आय अऊर
देर होय रही हय; लोगों ख बिदा करयो जाये कि हि बस्तियों म जाय क अपनो लायी भोजन ले ले।"

16 पर यीशु न उन्को सी कह्यो, "उन्को जानो जरूरी नहाय! तुमच इन्क खान ख देवो।"

17 उन्न ओको सी कह्यो, "इत हमरो जवर पाच रोटी अऊर दोय मच्छी ख छोड़ क अऊर कुछ
नहाय।"

18 यीशु न कह्यो, "उन्ख इत मोरो जवर लावो।" 19 तब यीशु न लोगों ख घास पर बैठन ख कह्यो,
अऊर उन पाच रोटी अऊर दोय मच्छी ख लियो; अऊर स्वर्ग को तरफ देख क धन्यवाद करयो
अऊर रोटी तोड़-तोड़ क चेलावों ख दियो, अऊर चेलावों न लोगों ख। 20 जब सब लोग खाय क
सन्तुष्ट भय गयो, त चेलावों न बच्यो हुयो टुकड़ा सी भरी हुयी बारा टोकनियां उठायी। 21 अऊर
खान वालो बाईयों अऊर बच्चां ख छोड़ क, पाच हजार आदमियों को लगभग होतो।

[illegible]
([illegible])

22 तब यीशु न तुरतच अपनो चेलावों ख डोंगा पर चढ़न लायी मजबूर करयो कि हि ओको सी
पहिले ओन पार चली जाये, जब तक ऊ लोगों ख बिदा करे। 23 ऊ लोगों ख बिदा कर क, प्रार्थना
करन ख अलग पहाड़ी पर चली गयो; अऊर शाम ख ऊ उत अकेलो होतो। 24 ऊ समय डोंगा किनार
सी दूर झील को बीच लहरो सी डगमगावत होतो, कहालीकि हवा आगु की होती।

✡ **14:3** १४:३ लूका ३:१९,२०

25 अऊर यीशु तीन बजे सी छे बजे को बीच भुन्सारो म झील पर चलतो हुयो उन्को जवर आयो।
26 चेला ओख झील पर चलतो हुयो देख क घबराय गयो। अऊर कहन लग्यो, "यो भूत आय!"
अऊर डर को मारे चिल्लावन लग्यो।
27 तब यीशु न तुरतच उन्को सी बाते करी अऊर कह्यो, "हिम्मत रखो! मय आय, डरो मत!"
28 पतरस न ओख उत्तर दियो, "हे प्रभु, यदि तयच आय, त मोख अपनो जवर पानी पर चल क
आवन कि आज्ञा दे।"
29 ओन कह्यो, "आव!" तब पतरस डोंगा पर सी उतर क यीशु को जवर जाय क पानी पर चलन
लग्यो। 30 पर हवा ख देख क डर गयो, अऊर जब डुबन लग्यो त चिल्लाय क कह्यो, "हे प्रभु, मोख
बचाव!"
31 यीशु न तुरतच हाथ बढ़ाय क ओख धर लियो अऊर ओको सी कह्यो, "हे अविश्वासी, तय न
कहाली सक करयो?"
32 जब हि डोंगा पर चढ़ गयो, त हवा रुक गयी। 33 येको पर उन्न जो डोंगा पर होतो, ओख
दण्डवत प्रनाम कर क् कह्यो, "सचमुच, तय परमेश्वर को बेटा आय।"

[illegible]
([illegible])

34 हि झील को ओन पार उतर क गन्नेसरत म पहुंच्यो। 35 उत को लोगों न ओख पहिचान लियो
अऊर आजु बाजू को पूरो देश म सुसमाचार भेज्यो, अऊर सब बीमारों ख ओको जवर लायो, 36 अऊर
ओको सी बिनती करन लग्यो कि ऊ उन्ख अपनो कपड़ा को कोना ख छूवन दे; अऊर जितनो न ओको
कपड़ा ख छूयो, हि चंगो भय गयो।

15

[illegible]
([illegible])

1 तब यरूशलेम सी कुछ फरीसी अऊर धर्मशास्त्री यीशु को जवर आय क कहन लग्यो, 2 "तोरो
चेला बुजूर्गों की परम्परावों ख कहाली टालय हंय, कि हाथ धोयो बिना रोटी खावय हंय?" 3 यीशु
न उन्ख उत्तर दियो, "तुम भी अपनी परम्परावों को वजह कहाली परमेश्वर की आज्ञा टालय हय?"
4 कहालीकि परमेश्वर न कह्यो हय, "अपनो बाप अऊर माय को आदर करजो, अऊर जो कोयी बाप
यां माय ख बुरो कहेंन, ऊ मार डाल्यो जाय।" 5 पर तुम कह्य हय कि यदि कोयी अपनो बाप यां माय
सी कहे, "जो कुछ तोख मोरो सी फायदा मिल सकत होतो, ऊ परमेश्वर ख दान कर दियो," 6 त ऊ
अपनो बाप को आदर नहीं करय, यो तरह तुम न अपनी परम्परा को वजह परमेश्वर को वचन ख
टाल दियो। 7 हे कपटियों, यशायाह न तुम्हरो बारे म या भविष्यवानी ठीकच करी हय:
8 "हि लोग होठों सी त मोरो आदर करय हंय,
पर उन्को मन मोरो सी दूर रह्य हय।
9 अऊर हि बेकार म मोरी भक्ति करय हंय,
कहालीकि उन्की शिक्षा त केवल आदमियों को सिखायो हुयो नियम शास्त्र हंय।"

[illegible]
([illegible])

10 तब ओन भीड़ ख अपनो जवर बुलाय क उन्को सी कह्यो, "सुनो, अऊर समझो: 11 जो मुंह
म जावय हय, ऊ आदमी ख अशुद्ध नहीं करय, पर जो मुंह सी निकलय हय, उच आदमी ख अशुद्ध
करय हय।"
12 तब चेलावों न आय क यीशु सी कह्यो, "का तय जानय हय कि फरीसियों न यो वचन सुन क
ठोकर खायो?"
13 ओन उत्तर दियो, "हर एक रोप जो मोरो स्वर्गीय पिता न नहीं लगायो, ऊ उखाड़यो जायेंन।
14 ✡उन्ख जान देवो; हि अन्धा रस्ता दिखावन वालो आय अऊर अन्धा यदि अन्धो आदमी ख रस्ता

✡ **15:14** १५:१४ लूका ६:३९

दिखाये, त दोयीच गड्डा म गिर जायेंन।”
15 यो सुन क पतरस न ओको सी कह्यो, “यो दृष्टान्त हम्ख समझाय दे।”
16 यीशु न कह्यो, “का तुम भी अब तक नासमझ हय? 17 का तुम नहीं जानय कि जो कुछ मुंह
म जावय हय, ऊ पेट म पड़य हय, अऊर शरीर सी निकल जावय हय? 18 ✡पर जो कुछ मुंह सी
निकलय हय, ऊ मन सी निकलय हय, अऊर उच आदमी ख अशुद्ध करय हय। 19 कहालीकि बुरो
बिचार, हत्या, परस्त्रीगमन, व्यभिचार, चोरी, झूठी गवाही अऊर निन्दा यो मन सीच निकलय हय।
20 योच आय जो आदमी ख अशुद्ध करय हंय, पर बिना हाथ धोयो जेवन करनो आदमी ख अशुद्ध
नहीं करय।”

[illegible]
([illegible])

21 यीशु उत सी निकल क, सूर अऊर सैदा को प्रदेश को तरफ चली गयो। 22 अऊर देखो, ऊ
प्रदेश की एक कनानी बाई निकल क आयी, अऊर जोर की आवाज सी कहन लगी, “हे प्रभु! दाऊद
की सन्तान, मोरो पर दया कर! मोरी बेटी ख दुष्ट आत्मा सताय रही हय।”
23 पर ओन ओख कुछ भी उत्तर नहीं दियो। चेलावों न ओको जवर आय क बिनती करन लग्यो,
“येख भेज दे, कहालीकि वा चिल्लाती हमरो पीछू आय रही हय।”
24 पर यीशु न उत्तर दियो, “इस्राएल को घराना की खोयी हुयी मेंढीं ख छोड़ मय कोयी को जवर
नहीं भेज्यो गयो।”
25 पर वा आयी, अऊर यीशु ख प्रनाम कर क् कहन लगी, “हे प्रभु, मोरी मदद कर!”
26 यीशु न उत्तर दियो, “बच्चा की रोटी ले क कुत्ता को आगु डालनो ठीक नहाय।”
27 यो बात पर बाई न कह्यो, “सच हय प्रभु, पर कुत्ता भी ऊ जुठो खावय हंय, जो उन्को मालिक
की मेज सी गिरय हंय।”
28 येको पर यीशु न ओख उत्तर दियो, “हे बाई, तोरो विश्वास बड़ो हय। जसो तय चाहवय हय,
तोरो लायी वसोच हो।” अऊर ओकी बेटी उच घड़ी सी चंगी भय गयी।

[illegible]

29 यीशु उत सी गलील को झील को जवर आयो, अऊर उत पहाड़ी पर चढ़ क बैठ गयो। 30 तब
भीड़ की भीड़ ओको जवर आयी। हि अपनो संग बहुत लंगड़ा, अन्धा, मुक्का, टुण्डा अऊर दूसरों
बहुत सो ख ओको जवर लायो, अऊर उन्ख ओको पाय पर डाल दियो, अऊर ओन उन्ख चंगो कर
दियो। 31 जब लोगों न देख्यो कि मुक्का बोलय, अऊर टुण्डा चंगो होवय, अऊर लंगड़ा चलय,
अऊर अन्धा देखय हंय त अचम्भा कर क् इस्राएल को परमेश्वर की बड़ायी करी।

[illegible]
([illegible])

32 यीशु न अपनो चेलावों ख बुलाय क कह्यो, “मोख यो भीड़ पर तरस आवय हय, कहालीकि हि
तीन दिन सी मोरो संग हंय अऊर उन्को जवर कयीच खान को नहाय। मय उन्ख भूखो भेजनो नहीं
चाहऊ, कहीं असो नहीं होय कि रस्ता म थक क रह्य जाये।”
33 चेलावों न यीशु सी कह्यो, “हम्ख यो जंगल म कित सी इतनी रोटी मिलेंन कि हम इतनी बड़ी
भीड़ ख सन्तुष्ट करबो?”
34 यीशु न उन्को सी पुच्छ्यो, “तुम्हरो जवर कितनी रोटी हंय?”
उन्न कह्यो, “सात, अऊर थोड़ी सी छोटी मच्छी।”
35 तब यीशु न लोगों ख जमीन पर बैठन की आज्ञा दियो। 36 अऊर उन सात रोटी अऊर मच्छी
ख लियो, अऊर धन्यवाद कर क् तोड़यो, अऊर अपनो चेलावों ख देतो गयो, अऊर चेलावों न
लोगों ख। 37 तब सब खाय क सन्तुष्ट भय गयो अऊर चेलावों न बच्यो हुयो टुकड़ा सी भरयो हुयो

✡ **15:18** १५:१८ मत्ती १२:३४

सात टोकनी उठायी। 38 जितनो न खायो, उन्म बाईयों अऊर बच्चां को अलावा चार हजार आदमी
होतो।
39 तब उन भीड़ ख बिदा कर क् डोंगा पर चढ़ गयो, अऊर मगदन क्षेत्र म आयो।

16

[illegible]
([illegible])

1 ✡यीशु को जवर फरीसियों अऊर सदूकियों न आय क परखन लायी ओको सी कह्यो, "हम्ख
स्वर्ग को कोयी चिन्ह दिखाव।" 2 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "शाम ख तुम कह्य हय, 'मौसम अच्छो
रहेंन, कहालीकि आसमान लाल हय,' 3 अऊर भुन्सारे म कह्य हय, 'अज आन्धी आयेंन, कहालीकि
आसमान लाल अऊर धूंधलो हय।' तुम आसमान को हवामान ख देख क ओको भेद बताय सकय
हय, पर समय को चिन्ह को भेद कहाली नहीं बताय सकय? 4 ✡यो युग को बुरो अऊर व्यभिचारी
लोग चिन्ह ढूंढय हंय, पर योना को चिन्ह ख छोड़ उन्ख अऊर कोयी चिन्ह दियो नहीं जायेंन।"
अऊर ऊ उन्ख छोड़ क चली गयो।

[illegible]
([illegible])

5 चेला समुन्दर को ओन पार पहुंच्यो, पर हि रोटी धरनो भूल गयो होतो। 6 ✡यीशु न उन्को सी
कह्यो, "देखो, फरीसियों अऊर सदूकियों को खमीर जसो शिक्षा सी चौकस रहजो।" 7 हि आपस म
बिचार करन लग्यो, "हम न रोटी नहीं लायो येकोलायी ऊ असो कह्य हय।" 8 यो जान क, यीशु न
उन्को सी कह्यो, "हे अविश्वासियों, तुम आपस म कहाली बिचार करय हय कि हमरो जवर रोटी
नहाय? 9 ✡का तुम अब तक नहीं समझ्यो? का याद करय कि जब पाच हजार लोगों लायी पाच
रोटी होती त तुम्न कितनी टोकनियां उठायी होती? 10 ✡अऊर चार हजार लायी सात रोटी होती
त तुम्न कितनी टोकनी उठायी होती? 11 तुम कहाली नहीं समझय कि मय न तुम्हरो सी रोटी को
बारे म नहीं कह्यो, पर यो कि तुम फरीसियों अऊर सदूकियों को खमीर सी चौकस रहजो।" 12 तब
चेला को समझ म आयो कि ओन रोटी को खमीर को बारे म नहीं, पर फरीसियों अऊर सदूकियों की
शिक्षा सी चौकस रहन लायी कह्यो होतो।

[illegible]
([illegible])

13 यीशु कैसरिया फिलिप्पी को प्रदेश म आयो, अऊर अपनो चेलावों सी पूछन लग्यो, "लोग
आदमी को बेटा ख का कह्य हंय?" 14 ✡उन्न कह्यो, "कुछ त यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो कह्य
हंय, अऊर कुछ एलिय्याह, अऊर कुछ यिर्मयाह यां भविष्यवक्तावों म सी कोयी एक कह्य हंय।"
15 ओन उन्को सी कह्यो, "पर तुम मोख का कह्य हय?" 16 ✡शिमोन पतरस न उत्तर दियो, "तय
जीन्दो परमेश्वर को बेटा मसीह आय।" 17 यीशु न ओख उत्तर दियो, "हे शिमोन, योना को बेटा,
तय धन्य हय; कहालीकि मांस अऊर खून न नहीं; पर मोरो बाप न जो स्वर्ग म हय, यो बात तोरो
पर प्रगट करी हय। 18 अऊर मय भी तोरो सी कहू हय कि तय पतरस आय, अऊर मय यो गोटा पर
अपनी मण्डली बनाऊं, अऊर मृत्यु की सामर्थ ओको पर हावी नहीं होयेंन। 19 ✡मय तोख स्वर्ग को
राज्य की कुंजी देऊं: अऊर जो कुछ तय धरती पर बान्धजो, ऊ स्वर्ग म बन्धेंन; अऊर जो कुछ तय
धरती पर खोलजो, ऊ स्वर्ग म खुलेंन।" 20 तब ओन चेलावों ख चितायो कि कोयी सी मत कहजो
कि मय मसीह आय।

[illegible]
([illegible])

✡ **16:1** १६:१ मत्ती १२:३८; लूका ११:१६ ✡ **16:4** १६:४ मत्ती १२:३९; लूका ११:२९ ✡ **16:6** १६:६ लूका १२:१ ✡ **16:9** १६:९ मत्ती १४:१७-२१ ✡ **16:10** १६:१० मत्ती १५:३४-३८ ✡ **16:14** १६:१४ मत्ती १४:१,२; मरकुस ६:१४,१५; लूका ९:७,८ ✡ **16:16** १६:१६ यूहन्ना ६:६८,६९ ✡ **16:19** १६:१९ मत्ती १८:१८; यूहन्ना २०:२३

21 ऊ समय सी यीशु अपनो चेलावों ख बतावन लग्यो, “जरूरी हय कि मय यरूशलेम ख जाऊं
अऊर बुजूर्गों, अऊर मुख्य याजकों, अऊर धर्मशास्त्रियों को हाथ सी बहुत दु:ख उठाऊ; अऊर
मार डाल्यो जाऊं; अऊर तीसरो दिन जीन्दो होऊं।” 22 येको पर पतरस ओख अलग लिजाय क
डाटन लग्यो, “हे प्रभु परमेश्वर असो नहीं करे! तोरो संग असो कभी नहीं होयेंन।” 23 ओन मुड़
क पतरस सी कह्यो, “हे शैतान, मोरो आगु सी दूर होय जा! तय मोरो लायी ठोकर को वजह हय;
कहालीकि तय परमेश्वर की बातों पर नहीं, पर आदमियों की बातों पर मन लगावय हय।”

□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□
(□□□□□□ □:□□–□:□; □□□□□ □:□□-□□)

24 ✡तब यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, “यदि कोयी मोरो पीछू आवनो चाहवय, त अपनो खुद
को इन्कार करे अऊर अपनो क्रूस उठाये, अऊर मोरो पीछू हो ले। 25 ✡कहालीकि जो कोयी अपनो
जीव बचावनो चाहेंन, ऊ ओख खोयेंन; अऊर जो कोयी मोरो लायी अपनो जीव खोयेंन, ऊ ओख
पायेंन। 26 यदि आदमी पूरो जगत ख पा ले अऊर अपनो जीव की हानि उठायेंन, त ओख का फायदा
होयेंन? यो आदमी अपनो जीव को बदला का देयेंन? 27 ✡आदमी को बेटा अपनो स्वर्गदूतों को संग
अपनो बाप की महिमा म आयेंन, अऊर ऊ घड़ी ‘ऊ हर एक ख ओको काम को अनुसार प्रतिफल
देयेंन।’ 28 मय तुम सी सच कहू हय कि जो इत खड़ो हंय, उन्म सी कुछ असो हंय कि हि जब तक
आदमी को बेटा ख ओको राज्य म आवतो हुयो नहीं देख लेयेंन, तब तक मरन को स्वाद कभी नहीं
चखेंन।”

17

□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□
(□□□□□□ □:□-□□; □□□□□ □:□□-□□)

1 छे दिन को बाद यीशु न पतरस अऊर याकूब अऊर ओको भाऊ यूहन्ना ख अपनो संग ले क
उन्ख एकान्त म कोयी ऊचो पहाड़ी पर ले गयो। 2 उत उन्को आगु ओको रूप को बदलाव भयो अऊर
ओको मुंह सूरज को जसो चमक्यो अऊर ओको कपड़ा प्रकाश को जसो उजलो भय गयो। 3 अऊर
मूसा अऊर एलिय्याह ओको संग बाते करतो हुयो उन्ख दिखायी दियो।

4 येको पर पतरस न यीशु सी कह्यो, “हे प्रभु, हमरो इत रहनो अच्छो हय। यदि तोरी इच्छा हय
त मय इत तीन मण्डा बनाऊं; एक तोरो लायी, एक मूसा लायी, अऊर एक एलिय्याह लायी।” 5 ✡ऊ
बोलतच रह्यो होतो कि एक उज्वल बादर न उन्ख छाय लियो, अऊर ऊ बादर म सी यो आवाज
निकली: “यो मोरो प्रिय बेटा आय, जेकोसी मय बहुत खुश हय: येकी सुनो।” 6 जब चेलावों न यो
सुन्यो त हि मुंह को बल गिरयो अऊर बहुत डर गयो। 7 यीशु न जवर आय क उन्ख छूयो, अऊर
कह्यो, “उठो, डरो मत।” 8 तब उन्न ऊपर देख्यो अऊर यीशु ख छोड़ अऊर कोयी ख नहीं देख्यो।

9 जब हि पहाड़ी सी उतर रह्यो होतो तब यीशु न उन्ख यो आज्ञा दियो, “जब तक आदमी को बेटा
मरयो हुयो म सी जीन्दो नहीं होवय, तब तक जो कुछ तुम न देख्यो हय कोयी सी मत कहजो।”
10 येको पर ओको चेलावों न ओको सी पुच्छ्यो, “फिर धर्मशास्त्री कहाली कह्य हंय कि एलिय्याह
को पहिलो आवनो जरूरी हय?” 11 ओन उत्तर दियो, “एलिय्याह जरूर आयेंन,” अऊर सब कुछ
सुधारेंन। 12 ✡पर मय तुम सी कहू हय कि एलिय्याह आय गयो हय, अऊर लोगों न ओख नहीं
जान्यो; पर जसो उन्न चाह्यो वसोच ओको संग करयो। वसोच आदमी को बेटा भी उन्को हाथ सी
दु:ख उठायेंन। 13 तब चेलावों न समझ्यो कि ओन हमरो सी यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो को बारे
म कह्यो होतो।

✡ **16:24** १६:२४ मत्ती १०:३८; लूका १४:२७ ✡ **16:25** १६:२५ मत्ती १०:३९; लूका १७:३३; यूहन्ना १२:२५ ✡ **16:27** १६:२७ मत्ती २५:३१; रोमियों २:६ ✡ **17:5** १७:५ मत्ती ३:१७; १२:१८; मरकुस १:११; लूका ३:२२२ पतरस १:१७,१८ ✡ **17:12** १७:१२ मत्ती ११:१४

[illegible]
([illegible])

14 जब हि भीड़ को जवर पहुंच्यो, त एक आदमी यीशु को जवर आयो, अऊर ओको आगु घुटना
टेक क कहन लग्यो, 15 "हे प्रभु, मोरो बेटा पर दया कर! कहालीकि ओख मिर्गी आवय हय, अऊर
ऊ बहुत दु:ख उठावय हय; अऊर बार-बार कभी आगी अऊर कभी पानी म गिर पड़य हय। 16 मय
ओख तोरो चेलावों को जवर लायो होतो, पर हि ओख चंगो नहीं कर सक्यो।"
17 यीशु न उत्तर दियो, "हे अविश्वासी अऊर जिद्दी लोगों, मय कब तक तुम्हरो संग रहूं? मय
कब तक तुम्हरी सहूं? ओख इत मोरो जवर लावो।" 18 तब यीशु न दुष्ट आत्मा ख डाटच्यो, अऊर
वा ओको म सी निकल गयी; अऊर बेटा उच घड़ी चंगो भय गयो।
19 तब चेलावों न एकान्त म यीशु को जवर आय क कह्यो, "हम दुष्ट आत्मा कहाली नहीं निकाल
सक्यो?"
20 ✡ओन उन्को सी कह्यो, "अपनो विश्वास की कमी को वजह सी, कहालीकि मय तुम सी सच
कहू हंय, यदि तुम्हरो विश्वास राई को दाना को बराबर भी हय, त यो पहाड़ी सी कहजो, 'इत सी
सरक क उत चली जा,' त ऊ चली जायेंन; अऊर कोयी बात तुम्हरो लायी असम्भव नहीं होयेंन।
21 पर यो जाति प्रार्थना अऊर उपवास को अलावा अऊर कोयी उपाय सी नहीं निकलय।"*

[illegible]
([illegible])

22 जब हि गलील क्षेत्र म होतो, त यीशु न उन्को सी कह्यो, "आदमी को बेटा आदमियों को हाथ
म पकड़ायो जायेंन; 23 हि ओख मार डालेंन, अऊर ऊ तीसरो दिन जीन्दो होयेंन।" यो बात पर चेला
बहुत उदास भयो।

[illegible]

24 जब हि कफरनहूम पहुंच्यो, त मन्दिर को कर लेनवालो न पतरस को जवर आय क पुच्छ्यो,
"का तुम्हरो गुरु मन्दिर को कर नहीं देवय?"
25 ओन कह्यो, "हव, देवय हय।"
जब ऊ घर म आयो, त यीशु न पहिले ओको सी पुच्छ्यो, "शिमोन, तय का सोचय हय? धरती
को राजा चुंगी यां कर कौन्को सी लेवय हंय, अपनो बेटा सी यां परायो सी?"
26 पतरस न ओको सी कह्यो, "परायो सी।"
यीशु न ओको सी कह्यो, "त बेटा कर देनो सी बच गयो। 27 पर असो नहीं होय कि हम उन्को
लायी ठोकर को वजह बने, तय झील को किनार जाय क गरी डाल, अऊर जो मच्छी पहिले निकले,
ओख ले; अऊर ओको मुंह खोलन पर तोख एक सिक्का मिलेंन, ओख ले क मोरो अऊर अपनो बदला
को उन्ख दे देजो।"

18

[illegible]?
([illegible])

1 ✡ऊ समय चेला यीशु को जवर आय क पूछन लग्यो, "स्वर्ग को राज्य म सब सी बड़ो कौन
हय?"
2 येको पर ओन एक बच्चा ख जवर बुलाय क उन्को बीच म खड़ो करयो, 3 ✡अऊर कह्यो, "मय
तुम सी सच कहू हय कि जब तक तुम नहीं फिरो अऊर बच्चा को जसो नहीं बनो, त तुम स्वर्ग को
राज्य म सिरनो नहीं पावों। 4 जो कोयी अपनो आप ख यो बच्चा को जसो छोटो करेंन, ऊ स्वर्ग
को राज्य म बड़ो होयेंन। 5 अऊर जो कोयी मोरो नाम सी एक असो बच्चा ख स्वीकार करय हय ऊ
मोख स्वीकार करय हय।

✡ **17:20** १७:२० मत्ती २१:२१; मरकुस ११:२३; १ कुरिन्थियों १३:२ * **17:21** १७:२१ यो वचन हस्तलेखों म नहीं पायो जावय
✡ **18:1** १८:१ लूका २२:२४ ✡ **18:3** १८:३ मरकुस १०:१५; लूका १८:१७

□□□ □□□ □□ □□□□□□□□
(□□□□□□ □:□□-□□; □□□□ □□:□,□)

6 “पर जो कोयी इन छोटो म सी जो मोरो पर विश्वास करय हंय एक ख ठोकर खिलावय, त ओको
लायी ठीक होतो कि ओको गरो म गरहट को पाट लटकाय क ओख समुन्दर की गहरायी म डुबायो
जातो। 7 ठोकरो को वजह सी जगत पर हाय! ठोकरो को लगनो जरूरी हय; पर हाय ऊ आदमी पर
जेकोसी ठोकर लगय हय।

8 ✡“यदि तोरो हाथ यां तोरो पाय तोख ठोकर खिलावय, त ओख काट क फेक दे; कहालीकि तोरो
लायी टुण्डा यां लंगड़ा होय क जीवन म सिरनो येको सी कहीं अच्छो हय कि तय दोय हाथ यां दोय
पाय होतो हुयो, अनन्त आगी म डाल्यो जाये। 9 ✡यदि तोरी आंखी तोख ठोकर खिलावय, त ओख
निकाल क फेक दे; कहालीकि तोरो लायी एक आंखी सी अन्धो होय क जीवन म सिरनो येको सी
कहीं अच्छो हय कि दोय आंखी रह्य क भी तय नरक की आगी म डाल्यो जाये।

□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□
(□□□□ □□:□-□)

10 ✡“देखो, तुम इन छोटो म सी कोयी ख भी तुच्छ नहीं जानो; कहालीकि मय तुम सी कहू हय
कि स्वर्ग म उन्को दूत मोरो स्वर्गीय पिता को मुंह हमेशा देखय हय। 11 कहालीकि आदमी को बेटा
खोयो हुयो ख बचावन आयो हय।

12 “तुम का सोचय हय? यदि कोयी आदमी की सौ मेंढीं हय, अऊर उन्म सी एक भटक जाये, त
का ऊ निन्यानवे ख पहाड़ी पर छोड़ क ऊ भटक्यो हुयो मेंढा ख नहीं ढूंढेंन? 13 अऊर यदि असो
होय कि ओख मिल जावय, त मय तुम सी सच कहू हय कि ऊ उन निन्यानवे मेंढीं लायी जो भटक्यो
नहीं होतो, इतनो खुशी नहीं करेंन जितनो कि यो मेंढा लायी करेंन। 14 असोच तुम्हरो बाप की जो
स्वर्ग म हय यो इच्छा नहाय कि इन छोटो म सी एक भी नाश होय।

□□□ □□□ □□□□ □□ □□□

15 ✡“यदि तोरो भाऊ तोरो विरोध म अपराध करे, त जा अऊर अकेलो म बातचीत कर क् ओख
समझाव; यदि ऊ तोरी सुनय त तय न अपनो भाऊ ख पा लियो। 16 यदि ऊ नहीं सुनय, त एक यां
दोय लोगों ख अपनो संग अऊर लिजाव, कि ‘हर एक बात दोय यां तीन गवाहों को मुंह सी निश्चित
करयो जाये।’ 17 यदि ऊ उन्की भी नहीं मानय, त मण्डली सी कह्य दे, पर यदि ऊ मण्डली की भी न
मानय त तय ओख गैरयहूदी अऊर कर लेनवालो जसो जान।

□□□□□ □□□ □□□□ □□□□

18 ✡“मय तुम सी सच कहूं हय, जो कुछ तुम धरती पर बान्धो, ऊ स्वर्ग म बन्धेंन अऊर जो कुछ
तुम धरती पर खोलो, ऊ स्वर्ग म खुलेंन।

19 “तब मय तुम सी सच कहूं हय, यदि तुम म सी दोय लोग धरती पर कोयी बात लायी एक
मन होय क ओख मांगेंन, त ऊ मोरो बाप को तरफ सी जो स्वर्ग म हय, उन्को लायी होय जायेंन।
20 कहालीकि जित दोय यां तीन मोरो नाम पर जमा होवय हंय, उत मय उन्को बीच म होऊं हय।”

□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□

21 ✡तब पतरस न जवर आय क ओको सी कह्यो, “हे प्रभु, यदि मोरो भाऊ अपराध करतो रह्यो,
त मय कितनो बार ओख माफ करूं? का सात बार तक?”

22 यीशु न ओको सी कह्यो, “मय तोरो सी यो नहीं कहूं कि सात बार तक, बल्की सात बार को सत्तर
गुना तक।” 23 येकोलायी स्वर्ग को राज्य ऊ राजा को जसो हय, जेन अपनो सेवकों सी हिसाब लेनो
चाह्यो। 24 जब ऊ हिसाब लेन लग्यो, त एक लोग ओको जवर लायो गयो जो करोड़ो को कर्जदार
होतो। 25 जब कि कर्ज चुकावन लायी ओको जवर कुछ भी नहीं होतो, त ओको मालिक न कह्यो,
“यो अऊर येकी पत्नी अऊर येको बाल-बच्चा अऊर जो कुछ येको हय सब कुछ बेच्यो जाये,

---

✡ **18:8** १८:८ मत्ती ५:३० ✡ **18:9** १८:९ मत्ती ५:२९ ✡ **18:10** १८:१० लूका १९:१० ✡ **18:15** १८:१५ लूका १७:३
✡ **18:18** १८:१८ मत्ती १६:१९; यूहन्ना २०:२३ ✡ **18:21** १८:२१ लूका १७:३,४

अऊर कर्ज चुकाय दियो जाये। 26 येको पर ऊ सेवक न गिर क ओख प्रनाम करयो, अऊर कह्यो, हे
मालिक धीरज धर, मय सब कुछ भर देऊं।” 27 तब ऊ सेवक को मालिक न दया कर क ओख छोड़
दियो, अऊर ओको कर्ज भी माफ कर दियो।
28 “पर जब ऊ सेवक बाहेर निकल्यो, त ओको संगी सेवकों म सी एक ओख मिल्यो जो ओको सौ
दीनार को कर्जदार होतो; ओन ओख पकड़ क ओकी घाटी पिचकल्यो अऊर कह्यो, ‘जो कुछ तोरो पर
कर्ज हय भर दे।’ 29 येको पर ओको संगी सेवक ओको पाय पर गिर क ओको सी बिनती करन लग्यो,
‘धीरज धर, मय सब भर देऊं।’ 30 ओन नहीं मान्यो, पर जाय क ओख जेलखाना म डाल दियो कि
जब तक कर्ज भर नहीं दे तब तक उतच रहे। 31 ओको संगी सेवक यो जो भयो होतो ओख देख क
बहुत उदास भयो, अऊर जाय क अपनो मालिक ख पूरो हाल बताय दियो। 32 तब ओको मालिक
न ओख बुलाय क ओको सी कह्यो, ‘हे दुष्ट सेवक, तय न जो मोरो सी बिनती करी, त मय न तोरो
पूरो कर्ज माफ कर दियो। 33 येकोलायी जसो मय न तोरो पर दया करी, वसोच का तोख भी अपनो
संगी सेवक पर दया करनो नहीं चाहत होतो?’ 34 अऊर ओको मालिक न गुस्सा म आय क ओख
सजा देन वालो को हाथ म सौंप दियो, कि जब तक ऊ पूरो कर्ज भर नहीं दे, तब तक ऊ उन्को हाथ
म रहेंन।
35 “येकोलायी यदि तुम म सी हर एक अपनो भाऊ ख मन सी माफ नहीं करेंन, त मोरो बाप जो
स्वर्ग म हय, तुम सी भी वसोच करेंन।”

19

[illegible]
([illegible])

1 जब यीशु या बाते कह्य दियो, तब गलील सी चली गयो; अऊर यरदन नदी को पार यहूदिया
को प्रदेश म आयो। 2 तब बड़ी भीड़ ओको पीछू भय गयी, अऊर ओन उत उन्ख चंगो करयो।
3 तब फरीसी ओकी परीक्षा लेन लायी ओको जवर आय क कहन लग्यो, “का कोयी भी अपनी
पत्नी ख कोयी भी वजह सी छोड़ देनो उचित हय?”
4 ओन उत्तर दियो, “का तुम न नहीं पढ़यो कि जेन उन्ख बनायो? ओन सुरूवात सीच नर अऊर
नारी बनायो, 5 ✡अऊर कह्यो ‘येकोलायी आदमी अपनो माय-बाप सी अलग होय क अपनी पत्नी
को संग रहेंन अऊर हि दोयी एक शरीर होयेंन?’ 6 येकोलायी हि अब दोय नहीं, पर एक शरीर हंय।
येकोलायी जेक परमेश्वर न जोड़यो हय, ओख आदमी अलग नहीं करे।”
7 ✡उन्न यीशु सी कह्यो, “त मूसा न यो कहाली ठहरायो हय कि कोयी पति अपनी पत्नी ख
छोड़चिट्ठी दे क छोड़ दे?”
8 ओन उन्को सी कह्यो, “मूसा न तुम्हरो मन की कठोरता को वजह तुम्ख अपनी-अपनी पत्नी ख
छोड़ देन की आज्ञा दी, पर सुरूवात सी असो नहीं होतो। 9 ✡अऊर मय तुम सी कहूं हय, कि जो
कोयी व्यभिचार ख छोड़ अऊर कोयी वजह सी अपनी पत्नी ख छोड़ क दूसरी सी बिहाव करे, त
ऊ व्यभिचार करय हय।”
10 तब चेलावों न यीशु सी कह्यो, “यदि आदमी को अपनी पत्नी को संग असो सम्बन्ध हय, त
यो अच्छो हय कि बिहाव नहीं करे।”
11 पर ओन कह्यो, “हि सब बिहाव को बिना नहीं रह्य सकय हंय, पर केवल उच रह्य सकय हय जेक
यो दान दियो गयो हय। 12 कहालीकि कुछ नपुसक असो हंय, जो अपनी माय को गर्भ सी असो पैदा
भयो; अऊर कुछ नपुसक असो हंय, जिन्ख आदमी न नपुसक बनायो; अऊर कुछ नपुसक असो भी
हंय, जिन्न स्वर्ग को राज्य लायी अपनो आप ख नपुसक बनायो हय। जो येख स्वीकार कर सकय
हय, ऊ स्वीकार करे।”

✡ **19:5** १९:५ उत्पत्ति २:२४ ✡ **19:7** १९:७ मत्ती ५:३१ ✡ **19:9** १९:९ मत्ती ५:३२; १ कुरिन्थियों ७:१०,११

[illegible]
([illegible])
13 तब लोग बच्चां ख ओको जवर लायो कि ऊ उन पर हाथ रख क प्रार्थना करे, पर चेलावों न
उन्ख डाटचो। 14 तब यीशु न कह्यो, "बच्चां ख मोरो जवर आवन देवो, अऊर उन्ख मना मत कर,
कहालीकि स्वर्ग को राज्य असोच को हय।"
15 अऊर ऊ उन पर हाथ रखन को बाद उत सी चली गयो।

[illegible]
([illegible])
16 एक आदमी यीशु को जवर आयो अऊर ओको सी कह्यो, "हे गुरु, मय कौन सो भलो काम करूं
कि अनन्त जीवन पाऊ?"
17 यीशु न ओको सी कह्यो, "तय मोरो सी भलायी को बारे म कहाली पूछय हय? भलो त एकच
हय, पर यदि तय जीवन म सिरनो चाहवय हय, त आज्ञावों ख मानतो जावो।"
18 ओन ओको सी कह्यो, "कौन सी आज्ञा?"
यीशु न कह्यो, "यो कि हत्या नहीं करनो, व्यभिचार नहीं करनो, चोरी नहीं करनो, झूठी गवाही
नहीं देनो, 19 अपनो बाप अऊर अपनी माय को आदर करनो, अऊर अपनो पड़ोसी सी अपनो जसो
प्रेम रखनो।"
20 ऊ जवान न यीशु सी कह्यो, "इन सब ख त मय न मान्यो हय; अब मोरो म कौन्सी बात की
कमी हय?"
21 यीशु न ओको सी कह्यो, "यदि तय सिद्ध होनो चाहवय हय त जा, अपनो धन जायजाद बेच
क गरीबों ख दे, अऊर तोख स्वर्ग म धन मिलेंन: अऊर आय क मोरो पीछू हो जा।"
22 पर ऊ जवान यो बात सुन्क उदास होय क चली गयो, कहालीकि ऊ बहुत धनी होतो।
23 तब यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, "मय तुम सी सच कहू हय कि धनवान को स्वर्ग को
राज्य म सिरनो कठिन हय। 24 तुम सी फिर कहू हय कि परमेश्वर को राज्य म धनवान को सिरनो
सी ऊंट को सूई को नाक म सी निकल जानोच सहज हय।"
25 यो सुन क चेलावों न बहुत अचम्भित होय क कह्यो, "फिर कौन्को उद्धार होय सकय हय?"
26 यीशु न उन्को तरफ देख क कह्यो, "आदमियों सी त यो नहीं होय सकय, पर परमेश्वर सी सब
कुछ होय सकय, हय।"
27 येको पर पतरस न यीशु सी कह्यो, "देख, हम त सब कुछ छोड़ क् तोरो पीछू भय गयो हंय:
त हम्ख का मिलेंन?"
28 ☆यीशु न उन्को सी कह्यो, "मय तुम सी सच कहू हय कि नयी सृष्टि म जब आदमी को बेटा
अपनी महिमा को सिंहासन पर बैठेंन, त तुम भी जो मोरो पीछू भय गयो हय, बारयी सिंहासनों
पर बैठ क, इस्राएल को बारयी गोत्रों को न्याय करो। 29 अऊर जो कोयी न घरो, यां भाऊवों यां
बहिनों, यां बाप यां माय, यां बाल-बच्चां यां खेतो ख मोरो नाम लायी छोड़ दियो हय, ओख सौ
गुना मिलेंन, अऊर ऊ अनन्त जीवन को अधिकारी होयेंन।" 30 ☆पर बहुत सो जो पहिलो हंय ऊ
पिछलो होयेंन; अऊर जो पिछलो हंय, ऊ पहिलो होयेंन।

20

[illegible]
1 "स्वर्ग को राज्य कोयी घर को मालिक को जसो हय, जो सबेरे निकल्यो कि अपनी अंगूर की
बाड़ी म मजूरों ख काम म लगाये। 2 ओन हर एक मजूरों सी एक *दीनार रोज पर ठहरायो अऊर
उन्ख अपनी अंगूर की बाड़ी म काम पर भेज्यो। 3 तब नव बजे निकल क ओन दूसरों कुछ लोगों

☆ **19:28** १९:२८ मत्ती २५:३१; लूका २२:३० ☆ **19:30** १९:३० मत्ती २०:१६; लूका १३:३० * **20:2** २०:२ रोमन सरकार को एक दीनार को मतलब हय एक दिन कि मजूरी

ख बजार म बेकार खड़ो देख्यो, 4 अऊर ओन कह्यो, 'तुम भी अंगूर की बाड़ी म जावो, अऊर जो
कुछ ठीक हय, तुम्ख देऊं।' 5 येकोलायी हि भी गयो, तब ओन दूसरों बार बारा बजे अऊर तीन बजे
निकल क वसोच करयो। 6 दिन डुबन को पहिले ओन पाच बजे फिर निकल क दूसरों ख खड़ो पायो,
अऊर ओन कह्यो, 'तुम कहाली इत दिन भर बेकार म खड़ो रह्यो?' 7 उन्न ओको सी कह्यो, 'कोयी
न हम्ख मजूरी पर नहीं लगायो।' ओन ओको सी कह्यो, 'तुम भी अंगूर की बाड़ी म जावो।' "
8 "शाम ख अंगूर की बाड़ी को मालिक न अपनो मुनीम सी कह्यो, 'मजूरों ख बुलाय क पिछलो सी
ले क पहिलो तक उन्ख मजूरी दे।' 9 पाच बजे जो मजूर ख लगायो गयो होतो, त उन्ख भी एक एक
दीनार मिल्यो। 10 जो पहिले आयो उन्न यो समझ्यो कि हम्ख जादा मिलेंन, पर उन्ख भी एक एक
दीनारच मिल्यो। 11 जब मिल्यो त हि घर मालिक पर कुड़कुड़ाय क कहन लग्यो, 12 'इन पिछलो
न एकच घंटा काम करयो, अऊर तय न उन्ख हमरो बराबर कर दियो, जिन्न दिन भर काम करयो
अऊर तपन झेली?' "
13 ओन उन्म सी एक ख उत्तर दियो, "हे संगी, मय तोरो सी कुछ अन्याय नहीं करू। का तय नच
मोरो सी एक दीनार मजूरी नहीं ठहरायो होतो? 14 जो तोरो हय, ओख ले अऊर चली जा; मोरी
इच्छा यो हय कि जितनो तोख देऊं उतनोच यो पिछलो वालो ख भी देऊं। 15 का यो उचित नहाय
कि जो मोरो हय ओको म सी जो चाहऊ ऊ करूं? का मोरो अच्छो होन को वजह तय बुरी नजर
सी देखय हय?" 16 ✡योच तरह सी "जो पीछू हंय, हि आगु होयेंन; अऊर जो आगु हंय हि पीछू
होयेंन।"

□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□ □□:□□-□□)

17 यीशु यरूशलेम ख जातो हुयो बारयी चेलावों ख एकान्त म लिजायो, अऊर रस्ता म उन्को सी
कहन लग्यो, 18 "देखो, हम यरूशलेम ख जाय रह्यो हंय; अऊर आदमी को बेटा मुख्य याजकों अऊर
धर्मशास्त्रियों को हाथ म पकड़ायो जायेंन, अऊर हि ओख सजा को लायक ठहरायेंन। 19 अऊर
ओख गैरयहूदियों को हाथ सौंपेंन कि हि ओख ठट्ठा करे, अऊर कोड़ा मारे, अऊर क्रूस पर चढ़ाये,
अऊर ऊ तीसरो दिन जीन्दो करयो जायेंन।"

□□ □□□□ □□ □□□□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□)

20 तब जब्दी को बेटा की माय न, अपनो बेटा को संग यीशु को जवर आय क नमस्कार करयो,
अऊर ओको सी कुछ मांगन लगी।
21 यीशु न ओको सी कह्यो, "तय का चाहवय हय?"
वा ओको सी बोली, "यो वचन दे कि मोरो यो दोयी बेटा तोरो राज्य म एक तोरो दायो अऊर एक
तोरो बायो तरफ बैठे।"
22 यीशु न उत्तर दियो, "तुम नहीं जानय कि का मांगय हय। जो कटोरा मय पीवन पर हय, का
तुम पी सकय हय?"
उन्न ओको सी कह्यो, "पी सकय हंय।"
23 यीशु न ओको सी कह्यो, "तुम मोरो कटोरा त पीवो, पर अपनो दायो अऊर बायो कोयी ख
बैठानो मोरो काम नहाय, पर जेको लायी मोरो बाप को तरफ सी तैयार करयो गयो, उन्कोच लायी
हय।"
24 यो सुन्क दसो चेलावों उन दोयी भाऊवों पर गुस्सा भयो। 25 ✡यीशु न उन्ख जवर बुलाय क
कह्यो, "तुम जानय हय कि गैरयहूदियों को अधिकारी उन पर प्रभुता करय हंय; अऊर जो बड़ो
हंय, हि उन पर अधिकार जतावय हंय। 26 ✡पर तुम म असो नहीं होयेंन; पर जो कोयी तुम म बड़ो
होनो चाहवय, ऊ तुम्हरो सेवक बने; 27 अऊर जो तुम म मुख्य होनो चाहवय, ऊ तुम्हरो सेवक बने;

✡ **20:16** २०:१६ मत्ती १९:३०; मरकुस १०:३१; लूका १३:३० ✡ **20:25** २०:२५ लूका २२:२५,२६ ✡ **20:26** २०:२६ मत्ती २३:११; मरकुस ९:३५; लूका २२:२६

28 जसो कि आदमी को बेटा; ऊ येकोलायी नहीं आयो कि ओकी सेवा टहल करी जाये, पर येकोलायी
आयो कि खुद सेवा टहल करे, अऊर बहुत सो की छुड़ौती लायी अपनो जीव दे।”

[illegible]
([illegible])

29 जब हि यरीहो नगर सी निकल रह्यो होतो, त एक बड़ी भीड़ यीशु को पीछू भय गयी। 30 अऊर
दोय अन्धा, जो सड़क को किनार पर बैठ्यो होतो, यो सुन्क कि यीशु जाय रह्यो हय, पुकार क कहन
लग्यो, “हे प्रभु, दाऊद की सन्तान, हमरो पर दया कर।”
31 लोगों न उन्ख डाटचो कि चुप रहे; पर हि अऊर भी चिल्लाय क बोल्यो, “हे प्रभु, दाऊद की
सन्तान, हमरो पर दया कर।”
32 तब यीशु न खड़ो होय क, उन्ख बुलायो अऊर कह्यो, “तुम का चाहवय हय कि मय तुम्हरो
लायी करूं?”
33 उन्न ओको सी कह्यो, “हे प्रभु, यो कि हमरी आंखी खुल जाये।”
34 यीशु न तरस खाय क उन्की आंखी छूयो, अऊर हि तुरतच देखन लग्यो; अऊर ओको पीछू
भय गयो।

21

[illegible]
([illegible])

1 जब हि यरूशलेम नगर को जवर पहुंच्यो अऊर जैतून पहाड़ी पर बैतफगे गांव को जवर आयो,
त यीशु न दोय चेलावों ख यो कह्य क भेज्यो, 2 “आगु को गांव म जावो। उत पहुंचतोच एक गधी
को बछड़ा ख खोल क मोरो जवर लावो। 3 यदि तुम सी कोयी कुछ कहेंन, त कहजो कि प्रभु ख
येकी जरूरत हय, तब ऊ तुरतच उन्ख भेज देयेंन।”
4 यो येकोलायी भयो कि जो वचन भविष्यवक्ता सी कह्यो गयो होतो, ऊ पूरो होय:
5 ✡“सिय्योन की बेटी सी कहो,
‘देख, तोरो राजा तोरो जवर आवय हय;
ऊ नम्र हय, अऊर गधी को बच्चा पर बैठ्यो हय;
जो मेहनती गधी को बछड़ा पर।’ ”
6 चेलावों न जाय क, जसो यीशु न उन्को सी कह्यो होतो, वसोच करयो। 7 अऊर गधी अऊर
बछड़ा दोयी ख लाय क, उन पर अपनो कपड़ा डाल्यो, अऊर ऊ ओको पर बैठ गयो। 8 तब बहुत
सो लोगों न उन्को स्वागत की अपेक्षा सी अपनो कपड़ा रस्ता म बिछायो, अऊर दूसरों लोगों न
झाड़ों सी डगाली काट क रस्ता म बिछायी। 9 जो भीड़ आगु-आगु जात होती अऊर पीछू-पीछू
चली आवत होती, पुकार-पुकार क कहत होती, “दाऊद की सन्तान की जय होय, धन्य हय ऊ जो
प्रभु को नाम सी आवय हय, दाऊद की सन्तान की महिमा हो।”
10 जब यीशु यरूशलेम म सिरन लग्यो, त सारो नगर म हलचल मच गयी, अऊर लोग कहन
लग्यो, “यो कौन आय?”
11 लोगों न कह्यो, “यो त गलील को नासरत नगर को भविष्यवक्ता यीशु आय।”

[illegible]
([illegible])

12 यीशु न परमेश्वर को मन्दिर म जाय क उन सब ख, जो मन्दिर म सामान लेन-देन कर रह्यो
होतो, उन्ख निकाल दियो, अऊर धन्दा करन वालो को पीढ़ा अऊर कबूत्तर बेचन वालो की पीढ़ा
उलटाय दियो; 13 ✡अऊर उन्को सी कह्यो, “लिख्यो हय, ‘मोरो घर प्रार्थना को घर कहलायेंन;’ पर
तुम ओख डाकुवों को अड्डा बनावय हय।”

✡ **21:5** २१:५ यहेजकेल ९:९ ✡ **21:13** २१:१३ यशायाह ५६:७; जकर्याह ७:११

14 तब अन्धा अऊर लंगड़ा, मन्दिर म ओको जवर आयो, अऊर ओन उन्ख चंगो करयो। 15 पर
जब मुख्य याजकों अऊर धर्मशास्त्रियों न इन आश्चर्य कामों ख, जो ओन करयो होतो, देख्यो
अऊर बच्चां ख जो मन्दिर म यो पुकार रह्यो होतो, "दाऊद की सन्तान की महिमा हो," पुकारतो
हुयो देख्यो, त हि गुस्सा भयो!

16 ✡अऊर ओको सी कहन लग्यो, "का तय सुनय हय कि यो का कह्य रह्यो हंय?" यीशु न उन्को
सी कह्यो, "हव; का तुम्न यो शास्त्र म कभी नहीं पढ़यो: 'बच्चां अऊर दूध पीतो बच्चां को मुंह सी
तय न स्तुति करायी?' "

17 तब ऊ उन्ख छोड़ क नगर को बाहेर बैतनिय्याह ख गयो अऊर उत रात बितायी।

[illegible]
([illegible])

18 भुन्सारो ख जब यीशु नगर ख लौटतो समय ओख भूख लगी। 19 त सड़क को किनार पर अंजीर
को एक झाड़ देख क ऊ ओको जवर गयो, अऊर पाना ख छोड़ ओको म अऊर कुछ नहीं पा क ओको
सी कह्यो। "अब सी तोरो म फिर कभी फर नहीं लगे।" अऊर अंजीर को झाड़ तुरतच सूख गयो।

20 यो देख क चेलावों ख अचम्भा भयो अऊर उन्न कह्यो, "यो अंजीर को झाड़ तुरतच कसो सूख
गयो?"

21 ✡यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "मय तुम सी सच कहूं हय, यदि तुम विश्वास रखो अऊर शक मत
करो, त नहीं केवल यो करजो जो यो अंजीर को झाड़ सी करयो गयो हय, पर यदि यो पहाड़ी सी भी
कहो, 'उखड़ जा अऊर समुन्दर म जाय गिर,' त यो होय जायेंन। 22 अऊर जो कुछ तुम प्रार्थना
म विश्वास सी मांगो ऊ सब तुम्ख मिल जायेंन।"

[illegible]
([illegible])

23 ऊ मन्दिर म फिर सी जाय क उपदेश देत होतो, त मुख्य याजकों अऊर लोगों को बुजूर्गों
न ओको जवर आय क पुच्छ्यो, "तय यो काम कौन्को अधिकार सी करय हय? अऊर तोख यो
अधिकार कौन न दियो हय?"

24 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "मय भी तुम सी एक बात पूछू हय; यदि ऊ मोख बतावो, त मय भी
तुम्ख बताऊं कि यो काम कौन्सो अधिकार सी करू हय। 25 यूहन्ना को बपतिस्मा कित सी होतो?
स्वर्ग को तरफ सी यां आदमियों को तरफ सी?"

तब हि आपस म विवाद करन लग्यो, "यदि हम कहबोंन 'स्वर्ग को तरफ सी,' त ऊ हम सी कहेंन,
'फिर तुम न ओको विश्वास कहाली नहीं करयो?' 26 अऊर यदि कहेंन 'आदमियों को तरफ सी,' त
हम्ख भीड़ को डर हय, कहालीकि हि सब यूहन्ना ख भविष्यवक्ता मानय हंय।"

27 येकोलायी उन्न यीशु ख उत्तर दियो, "हम नहीं जानजे।" ओन भी उन्को सी कह्यो, "त मय भी
तुम्ख नहीं बताऊ कि यो काम कौन्सो अधिकार सी करू हय।

[illegible]

28 "तुम का सोचय हय? कोयी आदमी को दोय बेटा होतो; ओन पहिलो बेटा को जवर जाय क
कह्यो, 'हे बेटा, अज अंगूर की बाड़ी म काम कर।' 29 ओन उत्तर दियो, 'मय नहीं जाऊं,' पर बाद म
पछताय गयो। 30 तब बाप न दूसरों बेटा को जवर जाय क असोच कह्यो, ओन उत्तर दियो, 'जी हव
मय जाऊं हय,' पर नहीं गयो। 31 इन दोयी म सी कौन बाप की इच्छा पूरी करी?"

उन्न कह्यो, "बड़ो न।"

यीशु न उन्को सी कह्यो, "मय तुम सी सच कहू हय कि, कर लेनवालो अऊर वेश्यायें तुम सी
पहिले परमेश्वर को राज्य म सिरय हंय। 32 ✡कहालीकि यूहन्ना सच्चायी को रस्ता दिखातो हुयो

✡ **21:16** २१:१६ भजन ८:२ ✡ **21:21** २१:२१ मत्ती १७:२०; १ कुरिन्थियों १३:२ ✡ **21:32** २१:३२ लूका ३:१२; ७:२९,३०

तुम्हरो जवर आयो, अऊर तुम्न ओको विश्वास नहीं करयो; पर कर लेनवालो अऊर वेश्यावों न ओको विश्वास करयो: अऊर तुम यो देख क बाद म भी नहीं पछ्तायो कि ओको विश्वास कर लेतो।

[illegible]
([illegible])

33 “एक अऊर दृष्टान्त सुनो: एक जमीन को मालिक होतो, जेन अंगूर की बाड़ी लगायी, ओको
चारयी तरफ बाड़ी रुन्ध्यो, ओको म रस को गड्डा खोद्यो अऊर मचान बनायो, अऊर किसान ख
ओको ठेका दे क परदेश चली गयो। 34 जब फर को समय जवर आयो, त ओन अपनो सेवकों ख
ओको फर लेन को लायी किसानों को जवर भेज्यो। 35 पर किसानों न ओको सेवकों ख पकड़ क,
कोयी ख पिटचो, अऊर कोयी ख मार डाल्यो, अऊर कोयी पर गोटा सी मारयो। 36 तब ओन पहिलो
सी जादा अऊर सेवकों ख भेज्यो, अऊर उन्न उन्को सी भी वसोच करयो। 37 आखरी म ओन अपनो
बेटा ख उन्को जवर यो सोच क भेज्यो कि हि मोरो बेटा को आदर करेंन। 38 पर किसानों न मालिक
को बेटा ख देख क आपस म कह्यो, ‘यो त वारिस आय, आवो, येख मार डालो अऊर येकी जायजाद
ले ले।’ 39 येकोलायी उन्न ओख पकड़यो अऊर अंगूर की बाड़ी सी बाहेर निकाल क मार डाल्यो।
40 “येकोलायी, यीशु न पुच्छ्यो, जब अंगूर की बाड़ी को मालिक आयेंन, त उन किसान को संग
का करेंन?”
41 उन्न ओको सी कह्यो, “ऊ उन बुरो लोगों ख बुरी रीति सी नाश करेंन; अऊर अंगूर की बाड़ी
को ठेका दूसरों किसानों ख देयेंन, जो समय पर ओख फसल दियो करेंन।”
42 यीशु न उन्को सी कह्यो, “का तुम न कभी पवित्र शास्त्र म यो नहीं पढ़यो:”

“जो गोटा ख राजमिस्त्रियों न नकारयो होतो,
उच गोटा को कोना को सिरा मतलब महत्वपूर्ण भय गयो?
यो प्रभु को तरफ सी भयो,
अऊर हमरी नजर म अद्भुत हय।”

43 “येकोलायी मय तुम सी कहू हय कि परमेश्वर को राज्य तुम सी ले लियो जायेंन अऊर जो
लोग परमेश्वर की आज्ञा मान क सच बाते करय हय, ओख फर दियो जायेंन। 44 जो यो गोटा पर
गिरेंन, ऊ तुकड़ा-तुकड़ा होय जायेंन; अऊर जेक पर ऊ गिरेंन, ओख पीस डालेंन।”
45 मुख्य याजक अऊर फरीसी ओको दृष्टान्तों ख सुन क समझ गयो कि ऊ उन्को बारे म कह्य
हय। 46 अऊर उन्न ओख पकड़नो चाह्यो, पर लोगों सी डर गयो कहालीकि हि ओख भविष्यवक्ता
मानत होतो।

22

[illegible]
([illegible])

1 यीशु तब उन्को सी दृष्टान्तों म कहन लग्यो, 2 “स्वर्ग को राज्य की तुलना एक राजा सी कर
सकय हय, जेन अपनो बेटा को बिहाव को जेवन दियो। 3 अऊर ओन बिहाव को जेवन म नेवता
वालो ख बुलावन लायी अपनो सेवक ख भेज्यो, पर उन लोगों न बिहाव म आनो नहीं चाह्यो। 4 तब
ओन अऊर सेवकों ख यो कह्य क भेज्यो, ‘नेवता वालो सी कहो: देखो, मय जेवन तैयार कर दियो
हय, मोरो जनावर अऊर पाल्यो पशु काटचो गयो हंय; अऊर सब कुछ तैयार हय; बिहाव को जेवन
म आवो।’ 5 पर हि अनसुनी कर क् चली गयो: कोयी अपनो खेत ख, कोयी अपनो धन्दा ख। 6 बाकी
न ओको सेवकों ख पकड़ क उन्को अपमान करयो अऊर मार डाल्यो। 7 तब राजा ख गुस्सा आयो,
अऊर ओन अपनी सेना भेज क उन हत्यारों को नाश करयो, अऊर उन्को नगर ख जलाय दियो।
8 तब ओन अपनो सेवकों सी कह्यो, ‘बिहाव को जेवन त तैयार हय पर नेवता वालो लोग लायक
नहीं होतो। 9 येकोलायी सड़क पर जावो अऊर जितनो लोग तुम्ख मिले, सब ख बिहाव को जेवन म
बुलाय लावो।’ 10 येकोलायी उन सेवकों न सड़क म जाय क जो भी बुरो यां भलो, जितनो मिल्यो,
सब ख जमा करयो; अऊर बिहाव को घर मेहमानों सी भर गयो।”

11 “जब राजा मेहमानों ख देखन अन्दर आयो, त ओन उत एक आदमी ख देख्यो, जो बिहाव को
कपड़ा पहिन्यो नहीं होतो। 12 ओन ओको सी कह्यो, ‘हे संगी; तय इत बिहाव को कपड़ा पहिन्यो
बिना कसो आय गयो?’ अऊर ऊ कुछ नहीं कह्य सक्यो। 13 ✡तब राजा न सेवकों सी कह्यो, ‘येको
हाथ-पाय बान्ध क ओख बाहेर अन्धारो म डाल देवो, उत रोवनो अऊर दात कटरनो होयेंन।’ ”
14 कहालीकि “बुलायो हुयो त बहुत हंय, पर चुन्यो हुयो थोड़ो हंय।”

[illegible]
([illegible])

15 तब फरीसियों न जाय क आपस म बिचार करयो कि ओख कसो तरह बातों म फसायबोंन।
16 येकोलायी उन्न अपनो चेलावों ख हेरोदियों को संग ओको जवर यो कहन ख भेज्यो, “हे गुरु, हम
जानजे हंय कि तय सच्चो हय, अऊर परमेश्वर को रस्ता सच्चायी सी सिखावय हय, अऊर कोयी
कि परवाह नहीं करय, कहालीकि तय आदमियों को चेहरा देख क बाते नहीं करय। 17 येकोलायी
हम्ख बता कि तय का सोचय हय? कैसर ख कर देनो उचित हय कि नहाय।”
18 यीशु न उन्की दुष्ट हरकत जान क कह्यो, “हे कपटियों, मोख कहाली परखय हय? 19 मोख ऊ
सिक्का दिखाव।” जेकोसी कर चुकायो जावय हय।
तब हि ओको जवर एक सिक्का ले क आयो। 20 ओन उन्को सी पुच्छ्यो, “यो चेहरा अऊर नाम
कौन्को आय?”
21 उन्न ओको सी कह्यो, “कैसर को हय।”
तब यीशु उन्को सी कह्यो, “जो कैसर को हय, ऊ कैसर ख देवो; अऊर जो परमेश्वर को हय, ऊ
परमेश्वर ख देवो।”
22 यो सुन क उन्न अचम्भित भयो, अऊर हि यीशु छोड़ क चली गयो।

[illegible]
([illegible])

23 ✡उच दिन सदूकी जो कह्य हंय कि मरयो हुयो को पुनरुत्थान हयच नहाय, यीशु को जवर आयो
अऊर ओको सी पुच्छ्यो, 24 “हे गुरु, मूसा न कह्यो होतो, कि यदि कोयी आदमी बिना सन्तान मर
जाये, त ओको भाऊ ओकी पत्नी सी बिहाव कर क् अपनो भाऊ लायी सन्तान पैदा करे। 25 अब
हमरो इत सात भाऊ होतो; पहिलो बिहाव कर क् मर गयो, अऊर सन्तान नहीं होन को वजह अपनी
विधवा पत्नी ख अपनो भाऊ लायी छोड़ गयो। 26 यो तरह दूसरों अऊर तीसरो न भी करयो, अऊर
सातों तक योच भयो। 27 सब को बाद आखरी म वा बाई भी मर गयी। 28 येकोलायी पुनरुत्थान को
समय जीन्दो होन पर वा उन सातों म सी कौन्की पत्नी होयेंन? कहालीकि वा सब की पत्नी भय
गयी होती।”
29 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “तुम पवित्र शास्त्र अऊर परमेश्वर को सामर्थ नहीं जानय; यो
वजह सी भूल म पड़यो हय। 30 कहालीकि पुनरुत्थान को समय जीन्दो होनो पर हि नहीं बिहाव
करेंन अऊर नहीं बिहाव म दियो जायेंन पर स्वर्ग म परमेश्वर को दूतों को जसो होयेंन। 31 पर मरयो
हुयो को जीन्दो होन को बारे म का तुम न यो वचन नहीं पढ़यो जो परमेश्वर न तुम सी कह्यो:
32 ✡‘मय अब्राहम को परमेश्वर, अऊर इसहाक को परमेश्वर, अऊर याकूब को परमेश्वर आय?’ ऊ
मरयो हुयो को नहाय, पर जीन्दो को परमेश्वर आय।”
33 यो सुन क लोग ओकी शिक्षा सी अचम्भित भयो।

[illegible]
([illegible])

34 जब फरीसियों न सुन्यो कि यीशु न सदूकियों को मुंह बन्द कर दियो, त हि जमा भयो। 35 उन्म
सी एक व्यवस्था को शिक्षक न ओख परखन लायी ओको सी पुच्छ्यो, 36 “हे गुरु, व्यवस्था म कौन
सी आज्ञा सब सी बड़ी हय?”

✡ **22:13** २२:१३ मत्ती ८:१२; २५:३०; लूका १३:२८ ✡ **22:23** २२:२३ प्रेरितों २३:८ ✡ **22:32** २२:३२ निर्गमन ३:६,१५,१६

37 ओन ओको सी कह्यो, “तय परमेश्वर अपनो प्रभु सी अपनो पूरो दिल अऊर अपनो पूरो जीव
अऊर अपनी पूरी मन को संग प्रेम रख। 38 बड़ी अऊर मुख्य आज्ञा त योच आय। 39 अऊर ओकोच
जसो यो दूसरी भी हय कि तय अपनो पड़ोसी सी अपनो जसो प्रेम रख। 40 ✡योच दोय आज्ञायें पूरी
व्यवस्था अऊर भविष्यवक्तावों को आधार हंय।”

[illegible]
([illegible])

41 जब फरीसी जमा होतो, त यीशु न उन्को सी पुच्छ्यो, 42 “मसीह को बारे म तुम का सोचय
हय? ऊ कौन्को बेटा आय?”

उन्न ओको सी कह्यो, “दाऊद को।” 43 ओन उन्को सी पुच्छ्यो, “त दाऊद आत्मा म होय क
ओख ‘प्रभु’ कहाली कह्य हय?”

44 ✡“प्रभु न, मोरो प्रभु सी कह्यो,
मोरो दायो बैठ,
जब तक कि मय तोरो दुश्मनों ख
तोरो पाय को खल्लो नहीं कर देऊं।”

45 “जब दाऊद ओख ‘प्रभु’ कह्य हय, त ऊ ओको बेटा कसो भयो?” 46 कोयी भी ओख कुछ उत्तर
नहीं दे सक्यो। अऊर ऊ दिन सी कोयी ख फिर ओको सी अऊर प्रश्न करन को साहस नहीं भयो।

23

[illegible]
([illegible])

1 तब यीशु न भीड़ सी अऊर अपनो चेलावों सी कह्यो, 2 “धर्मशास्त्री अऊर फरीसी मूसा की
गद्दी पर बैठ्यो हंय; 3 येकोलायी हि तुम सी जो कुछ कहेंन ऊ करजो अऊर मानजो, पर उन्को
जसो काम मत करजो; कहालीकि हि कह्य त हंय पर करय नहाय। 4 हि भारी बोझ ख जिन्ख उठानो
कठिन हय, बान्ध क आदमियों पर लाद देवय हंय; पर खुद ओख अपनी बोट सी भी सरकानो नहीं
चाहवय। 5 ✡हि अपनो पूरो काम लोगों ख दिखान लायी करय हंय: हि अपनो ताबीजो ख चौड़ी
करय अऊर अपनो कपड़ा की झालर बढ़ावय हंय। 6 जेवन म सम्मानित जागा, अऊर सभा म
मुख्य-मुख्य आसन, 7 बजारों म आदर सत्कार पानो, अऊर आदमी म गुरु कहलानो उन्ख भावय
हय। 8 पर तुम गुरु नहीं कहलावों, कहालीकि तुम्हरो एकच गुरु हय, अऊर तुम सब भाऊवों हो।
9 धरती पर कोयी ख अपनो स्वर्गीय पिता नहीं कहजो, कहालीकि तुम्हरो एकच स्वर्गीय पिता हय,
जो स्वर्ग म हय। 10 अऊर स्वामी भी नहीं कहलावों, कहालीकि तुम्हरो एकच स्वामी हय, यानेकि
मसीह। 11 ✡जो तुम म बड़ो हय, ऊ तुम्हरो सेवक बने। 12 ✡जो कोयी अपनो आप ख बड़ो बनायेंन,
ऊ छोटो करयो जायेंन: अऊर जो कोयी अपनो आप ख नम्र बनायेंन, ऊ बड़ो करयो जायेंन।

[illegible]
([illegible])

13 “हे कपटी धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों, तुम पर हाय! तुम आदमियों लायी स्वर्ग को राज्य
को दरवाजा बन्द करय हय, नहीं त खुदच ओको म सिरय हय अऊर नहीं ओको म सिरन वालो ख
सिरन देवय हय। 14 *हे कपटी धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों, तुम पर हाय! तुम विधवावों को
घरो ख बर्बाद कर देवय हय, अऊर दिखावन लायी बहुत देर तक प्रार्थना करय हय: येकोलायी
तुम्ख बहुत सजा मिलेंन।

✡ **22:40** २२:४० लूका १०:२५-२८ ✡ **22:44** २२:४४ भजन ११०:१ ✡ **23:5** २३:५ मत्ती ६:१ ✡ **23:11** २३:११ मत्ती २०:२६,२७; मरकुस ९:३५; १०:४३,४४; लूका २२:२६ ✡ **23:12** २३:१२ लूका १४:११; १८:१४ * **23:14** २३:१४ यो वचन पुरानो हस्तलेखों म नहीं पायो जावय

15 “हे कपटी धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों, तुम पर हाय! तुम एक आदमी ख अपनो मत म
लान लायी पूरो जल अऊर थल म फिरय हय, अऊर जब ऊ मत म आय जावय हय त ओख अपनो
सी दोय गुना खराब बनाय देवय हय।
16 “हे अन्धो अगुवों, तुम पर हाय! जो कह्य हय कि यदि कोयी मन्दिर की कसम खाये त कुछ
नहीं, पर यदि कोयी मन्दिर को सोनो की कसम खायेंन त ओको सी बन्ध जायेंन। 17 हे मूर्खो अऊर
अन्धो, कौन बड़ो हय; सोनो यां ऊ मन्दिर जेकोसी सोनो पवित्र होवय हय? 18 फिर कह्य हय कि
यदि कोयी वेदी की कसम खाये त कुछ नहीं, पर जो भेंट ओको पर हय, यदि कोयी ओकी कसम
खाये त बन्ध जायेंन। 19 हे अन्धो, कौन बड़ो हय; भेंट यां वेदी जेकोसी भेंट पवित्र होवय हय?
20 येकोलायी जो वेदी की कसम खावय हय, ऊ ओकी अऊर जो कुछ ओको पर रखी हय, ओकी
भी कसम खावय हय। 21 जो मन्दिर की कसम खावय हय, ऊ मन्दिर अऊर ओको म रहन वालो
परमेश्वर की भी कसम खावय हय। 22 ✡जो स्वर्ग की कसम खावय हय, ऊ परमेश्वर को सिंहासन
को अऊर ओको पर बैठन वालो की भी कसम खावय हय।
23 “हे कपटी धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों, तुम पर हाय! तुम पदीना, अऊर सौंफ, अऊर
जीरा को दसवा अंश त देवय हय, पर तुम न व्यवस्था की गम्भीर बातों ख यानेकि न्याय, अऊर
दया, अऊर विश्वास ख छोड़ दियो हय; पर असो होनो होतो कि इन्क भी करत रहतो अऊर उन्ख
भी नहीं छोड़तो। 24 हे अन्धो अगुवों, तुम मच्छर ख त छान डालय हय, पर ऊंट ख गिटक लेवय
हय।
25 “हे कपटी धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों, तुम पर हाय! तुम कटोरा अऊर थारी ख बाहेर
सी त मांजय हय पर हि अन्दर सी लालच अऊर खुद को भलो को बारे म सोचय हंय। 26 हे अन्धो
फरीसी, पहिले कटोरा अऊर थारी ख अन्दर सी मांज कि ऊ बाहेर सी भी साफ होय जाये।
27 ✡“हे कपटी धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों, तुम पर हाय! तुम चूना सी पोती हुयी कब्र को
जसो हय जो बाहेर सी त सुन्दर दिखायी देवय हंय, पर अन्दर मुर्दों की हड्डियों अऊर सब तरह की
गंदगी सी भरी हंय। 28 योच रीति सी तुम भी बाहेर सी आदमियों ख त अच्छो दिखायी देवय हय,
पर अन्दर सी कपट अऊर बुरायी सी भरयो हुयो हय।

[illegible]
([illegible])

29 “हे कपटी धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों, तुम पर हाय! तुम भविष्यवक्तावों की कब्र
बनावय अऊर न्यायियों की स्मारक सजावय हय, 30 अऊर कह्य हय, ‘यदि हम अपनो बापदादों
को दिनो म होतो त भविष्यवक्तावों की हत्या म सहभागी नहीं होतो।’ 31 येको सी त तुम अपनो
खुद पर हि गवाही देवय हय कि तुम भविष्यवक्तावों को हत्यारों की सन्तान आय। 32 येकोलायी
तुम अपनो बापदादों को पाप को घड़ा पूरो तरह सी भर देवो। 33 ✡हे सांपों, हे सांप को पिल्ला,
तुम नरक की सजा सी कसो बचो? 34 येकोलायी देखो, मय तुम्हरो जवर भविष्यवक्तावों अऊर
बुद्धिमानों अऊर शिक्षकों ख भेजू हय; अऊर तुम उन्म सी कुछ ख मार डालेंन अऊर क्रूस पर
चढ़ायेंन, अऊर कुछ ख अपनो आराधनालयों म कोड़े मारेंन अऊर एक नगर सी दूसरों नगर म
खदेड़तो फिरेंन। 35 जेकोसी सच्चो हाबील सी ले क बिरिक्याह को बेटा जकर्याह तक, जेक तुम न
मन्दिर अऊर वेदी को बीच म मार डाल्यो होतो, जितनो न्यायियों को खून धरती पर बहायो गयो
हय ऊ सब तुम्हरो मुंड पर पड़ेंन। 36 मय तुम सी सच कहू हय, यो सब बाते यो समय को लोगों पर
आयेंन।

[illegible]
([illegible])

37 “हे यरूशलेम, हे यरूशलेम! तय जो भविष्यवक्तावों ख मार डालय हय, अऊर जो तोरो जवर
भेज्यो गयो, उन पर पथराव करय हय। कितनो बार मय न चाहयो कि जसो मुर्गी अपनो बच्चां ख

✡ **23:22** २३:२२ मत्ती ५:३४ ✡ **23:27** २३:२७ प्रेरितों २३:३ ✡ **23:33** २३:३३ मत्ती ३:७; १२:३४; लूका ३:७

अपनो पंखा को खल्लो जमा करय हय, वसोच मय भी तोरो बच्चा ख जमा कर लेऊ, पर तुम न नहीं
चाह्यो, 38 देखो, तुम्हरो घर तुम्हरो लायी उजाड़ छोड़यो जावय हय। 39 कहालीकि मय तुम सी
सच कहू हय कि अभी सी जब तक तुम मोख तब तक नहीं देखो, जब तक यो नहीं कहो 'धन्य हय
ऊ, जो प्रभु को नाम सी आवय हय' तब तक तुम मोख फिर कभी नहीं देखो।"

24

[illegible]
([illegible])

1 जब यीशु मन्दिर सी निकल क जाय रह्यो होतो, त ओको चेला ओख मन्दिर को भवन दिखावन
लायी ओको जवर आयो। 2 ओन उन्को सी कह्यो, "तुम यो सब देख रह्यो हय न! मय तुम सी सच
कहू हय, इत गोटा पर गोटा भी न छूटेंन जो नाश नहीं जायेंन।"

[illegible]
([illegible])

3 जब ऊ जैतून पहाड़ी पर बैठ्यो होतो, त चेलावों न एकान्त म ओको जवर आय क कह्यो, "हम्ख
बताव कि यो बाते कब होयेंन? तोरो आवन को अऊर जगत को अन्त को का चिन्ह होयेंन?"
4 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "चौकस रहो!" कोयी तुम्ख धोका नहीं दे पाये, 5 कहालीकि बहुत
सो असो होयेंन जो मोरो नाम सी आय क कहेंन, "मय मसीह आय," अऊर बहुत सो ख भटकायेंन।
6 तुम लड़ाईयों अऊर लड़ाईयों की चर्चा सुनो, त घबराय नहीं जावो कहालीकि इन को होनो जरूरी
हय, पर ऊ समय अन्त नहीं होयेंन। 7 कहालीकि राष्ट्र पर राष्ट्र अऊर राज्य पर राज्य चढ़ायी
करेंन, अऊर जागा जागा म अकाल पड़ेंन, अऊर भूईडोल होयेंन। 8 यो सब बाते दु:ख की सुरूवात
होयेंन।
9 ✡"तब हि दु:ख देन लायी तुम्ख पकड़वायेंन, अऊर तुम्ख मार डालेंन, अऊर मोरो नाम को
वजह सब गैरयहूदियों को लोग तुम सी दुश्मनी रखेंन। 10 तब बहुत सो ठोकर खायेंन, अऊर एक
दूसरों ख पकड़वायेंन, अऊर एक दूसरों सी दुश्मनी रखेंन। 11 बहुत सो झूठो भविष्यवक्ता उठेंन,
अऊर बहुत सो ख बहकायेंन। 12 अधर्म को बढ़नो सी बहुत सो को प्रेम कम होय जायेंन, 13 ✡पर
जो आखरी तक धीरज रखेंन, ओकोच उद्धार होयेंन। 14 अऊर परमेश्वर को राज्य को यो सुसमाचार
पूरो जगत म प्रचार करयो जायेंन, कि सब लोगों पर गवाही होय, तब अन्त आय जायेंन।"

[illegible]
([illegible])

15 "येकोलायी जब तुम लोग 'भयानक विनाशकारी घृणित चिज ख,' जेको उल्लेख दानिय्येल
भविष्यवक्ता को द्वारा करयो गयो होतो, मन्दिर को पवित्र जागा पर खड़ो देखो।" पढ़ेंन वालो
खुद समझ ले कि येको अर्थ का हय 16 तब ऊ समय जो यहूदिया म होना हि पहाड़ी पर भग जाये।
17 ✡जो छत पर हय, ऊ अपनो घर म सी सामान लेन लायी मत उतरो; 18 अऊर जो खेत म हय,
ऊ अपनो कपड़ा लेन लायी पीछू नहीं लौटे। 19 उन दिनो म जो गर्भवती अऊर दूध पिलावन वाली
होना उन्को लायी प्रकोप को दिन कहलायो जायेंन उन्को लायी हाय, होयेंन। 20 प्रार्थना करतो
रहो कि तुम्ख ठन्डी म यां आराम को दिन म भगनो नहीं पड़े। 21 ✡कहालीकि ऊ समय असो भारी
संकट होयेंन, जसो जगत की सुरूवात सी न अब तक भयो अऊर न कभी होयेंन। 22 यदि परमेश्वर
ऊ दिन ख घटायो नहीं जातो त कोयी प्रानी नहीं बचतो, पर चुन्यो हुयो को वजह ऊ दिन घटायो
जायेंन।
23 "ऊ समय यदि कोयी तुम सी कहे, 'देखो, मसीह इत हय!' यां 'उत हय!' त विश्वास मत
करजो। 24 कहालीकि झूठो मसीह अऊर झूठो भविष्यवक्ता उठ खड़ो होयेंन, अऊर बड़ो चिन्ह

✡ **24:9** २४:९ मत्ती १०:२२ ✡ **24:13** २४:१३ मत्ती १०:२२ ✡ **24:17** २४:१७ लूका १७:३१ ✡ **24:21** २४:२१ दानिय्येल
१२:१; प्रकाशितवाक्य ७:१४

चमत्कार, अऊर लोगों ख धोका देन लायी अद्‌भुत काम दिखायेंन कि यदि होय सकय त चुन्यो हुयो
ख भी धोका देयेंन। 25 देखो, मय न पहिले सी तुम सी यो सब कुछ कह्य दियो हय।"
26 ✡"येकोलायी यदि हि तुम सी कहे, 'देखो, ऊ जंगल म हय,' त बाहेर नहीं निकल जाजो; यो
'देखो, ऊ कोठरियों म हय,' त विश्वास मत करजो। 27 कहालीकि जसो बिजली पूर्व सी निकल क
पश्चिम तक चमकय हय, वसोच आदमी को बेटा को भी आनो होयेंन।"
28 ✡"जित लाश हय, उत गिधाड़ जमा होयेंन।"

[illegible]
([illegible])

29 ✡"उन दिनो अचानक संकट को तुरतच सूरज कारो होय जायेंन, अऊर चन्दा को उजाड़ो कम
होतो रहेंन, अऊर चांदनी आसमान सी गिर पड़ेंन अऊर आसमान की शक्तियां हिलायी जायेंन।
30 ✡तब आदमी को बेटा को चिन्ह आसमान म दिखायी देयेंन, अऊर तब धरती को सब गोत्र को
लोग छाती पीटेंन; अऊर आदमी को बेटा ख बड़ी सामर्थ अऊर महिमा को संग आसमान को बादलो
पर आवतो देखेंन। 31 ऊ तुरही की बड़ी आवाज को संग अपनो दूतों ख भेजेंन, अऊर हि आसमान
को यो छोर सी ऊ छोर तक, चारयी दिशावों सी ओको चुन्यो हुयो ख जमा करेंन।"

[illegible]
([illegible])

32 "अंजीर को झाड़ सी यो दृष्टान्त सीखो: जब ओकी डगाली कवली होय जावय अऊर पाना
निकलन लगय हंय, त तुम जान लेवय हय कि गरमी को मौसम जवर हय। 33 योच तरह सी जब
तुम यो सब बातों ख देखो, त जान लेवो कि ऊ जवर हय, बल्की दरवाजाच पर हय। 34 मय तुम सी
सच कहू हय कि जब तक यो सब बाते पूरी नहीं होयेंन, तब तक यो पीढ़ी को अन्त नहीं होयेंन।
35 आसमान अऊर धरती टल जायेंन, पर मोरी बाते कभी नहीं टलेंन।"

[illegible]
([illegible])

36 "पर ऊ दिन अऊर ऊ समय को बारे म कोयी नहीं जानय, नहीं स्वर्गदूत अऊर नहीं बेटा, पर
केवल बाप पर।"
37 "जसो नूह को दिन म भयो होतो, वसोच आदमी को बेटा को आनो भी होयेंन।" 38 कहालीकि
जसो जल-प्रलय सी पहिले को दिनो म, जो दिन तक कि नूह जहाज पर नहीं चढ़यो, ऊ दिन तक
लोग खातो-पीतो होतो, अऊर उन म बिहाव होत होतो। 39 अऊर जब तक जल-प्रलय आय क उन
सब ख बहाय नहीं ले गयो, तब तक उन्ख कुछ भी मालूम नहीं पड़यो; वसोच आदमी को बेटा को
आवनो भी होयेंन। 40 ऊ समय दोय लोग खेत म होयेंन, एक उठाय लियो जायेंन अऊर दूसरों छोड़
दियो जायेंन। 41 दोय बाई गरहट पीसती रहेंन, एक उठाय ली जायेंन अऊर दूसरी छोड़ दी जायेंन।
42 "येकोलायी जागतो रहो, कहालीकि तुम नहीं जानय कि तुम्हरो प्रभु कौन्सो दिन आयेंन। 43 ✡पर
यो जान लेवो कि यदि घर को मालिक जानतो कि चोर कौन्सो समय आयेंन त जागतो रहतो, अऊर
अपनो घर म चोरी होन नहीं देतो। 44 येकोलायी तुम भी तैयार रहो, कहालीकि ओको आवन को
बारे म तुम सोचय भी नहीं हय, उच समय आदमी को बेटा आय जायेंन।"

[illegible]
([illegible])

45 "येकोलायी ऊ विश्वास लायक अऊर बुद्धिमान सेवक कौन हय, जेक मालिक न अपनो
नौकर-चाकर पर मुखिया ठहरायो कि समय पर उन्ख भोजन दे? 46 धन्य हय ऊ सेवक, जेक ओको
मालिक आय क असोच करतो देखे। 47 मय तुम सी सच कहू हय, ऊ ओख अपनी सब जायजाद
पर अधिकारी ठहरायेंन।" 48 पर यदि ऊ दुष्ट सेवक अपनो मन म सोचन लग्यो कि मोरो मालिक

✡ **24:26** २४:२६ लूका १७:२३,२४ ✡ **24:28** २४:२८ लूका १७:३७ ✡ **24:29** २४:२९ प्रकाशितवाक्य ६:१२; प्रकाशितवाक्य ६:१३ ✡ **24:30** २४:३० दानिय्येल ७:१३; जकर्याह १२:१०-१४; प्रकाशितवाक्य १:७ ✡ **24:43** २४:४३ लूका १२:३९,४०

को आवनो म समय हय, 49 अऊर अपनो संगी सेवकों ख पीटन लग्यो, अऊर पीवन वालो को संग
खान-पीवन लग्यो। 50 त ऊ सेवक को मालिक असो दिन आयेंन, जब ऊ ओकी रस्ता नहीं देखेंन,
अऊर असो समय ख जेक ऊ नहीं जानय हय, 51 *तब ऊ ओख भारी ताड़ना देयेंन अऊर ओको
हिस्सा कपटियों को संग ठहरायेंन: उत रोवनो अऊर दात कटरनो होयेंन।

25

?? ??????????? ?? ???????????

1 ✡“स्वर्ग को राज्य उन दस कुंवारियों को जसो होयेंन जो अपनी दीया पकड़ क दूल्हा सी मिलन
लायी निकली। 2 उन्म पाच मूर्ख अऊर पाच समझदार होती। 3 मूर्खो न अपनी दीया त ली, पर
अपनो संग तेल नहीं लियो; 4 पर समझदारों न अपनी दीया को संग अपनो कुप्पियों म तेल भी भर
लियो। 5 जब दूल्हा को आनो म देर भयी, त हि सब नींद सी झुलन लगी अऊर सोय गयी।”

6 “अरधी रात ख धूम मची: ‘देखो, दूल्हा आय रह्यो हय! ओको सी मिलन लायी चलो।’ 7 तब हि
सब कुंवारिया उठ क अपनी दीया ठीक करन लगी। 8 अऊर मूर्खो न समझदारों सी कह्यो, ‘अपनो
तेल म सी कुछ हम्ख भी देवो, कहालीकि हमरो दीया बुझ रह्यो हंय।’ 9 पर समझदारों न उत्तर
दियो, ‘यो हमरो अऊर तुम्हरो लायी पूरो नहीं होय; भलो त यो हय कि तुम तेल बेचन वालो को
जवर जाय क अपनो लायी ले लेवो।’ 10 जब हि तेल लेन ख जाय रही होती त दूल्हा आय पहुंच्यो,
अऊर जो तैयार होती, हि ओको संग बिहाव को भवन म चली गयी अऊर दरवाजा बन्द कर दियो
गयो।”

11 ✡“येको बाद हि दूसरी कुंवारिया भी आय क कहन लगी, ‘हे मालिक, हे मालिक, हमरो लायी
दरवाजा खोल दे अऊर हम ख अन्दर आवन दे!’ 12 ओन उत्तर दियो, ‘मय तुम सी सच कहूं हय, मय
तुम्ख नहीं जानु।’ ”

13 ✡येकोलायी “जागतो रहो,” कहालीकि तुम न ऊ दिन ख जानय हय, अऊर न ऊ समय ख।

???? ??????? ?? ??????????
(????? ??:??-??)

14 ✡“कहालीकि यो ऊ आदमी को जसो हय जेन परदेश जातो समय अपनो सेवकों ख बुलाय
क अपनी जायजाद उन्ख सौंप दियो। 15 ओन एक ख पाच हजार सोनो को सिक्का दियो, दूसरों
ख दोय हजार दियो, अऊर तीसरो ख एक हजार; यानेकि हर एक ख ओकी लायकता को अनुसार
दियो, अऊर तब ऊ अपनी यात्रा पर चली गयो। 16 तब, जेक पाच हजार को सिक्का मिल्यो होतो,
ओन तुरतच जाय क उन्को सी लेन-देन करयो, अऊर पाच हजार सिक्का अऊर कमायो। 17 योच
रीति सी जेक दोय हजार सोनो को सिक्का मिल्यो होतो, ओन भी दोय अऊर कमायो। 18 पर जेक
एक हजार सोनो को सिक्का मिल्यो होतो, ओन जाय क माटी खोदी, अऊर अपनो मालिक को धन
लूकाय दियो।”

19 “बहुत दिनो को बाद उन सेवकों को मालिक आय क उन्को सी हिसाब लेन लग्यो। 20 जो नौकर
ख पाच हजार सिक्का मिल्यो होतो, ओन आय क दूसरों पाच हजार सिक्का अऊर लाय क कह्यो,
‘हे मालिक, तय न मोख पाच हजार सिक्का दियो, देख, मय न पाच हजार सिक्का अऊर कमायो
हंय।’ 21 ओको मालिक न ओको सी कह्यो, ‘शाबाश, हे अच्छो अऊर विश्वास लायक सेवक, तय
थोड़ो म विश्वास लायक रह्यो; मय तोख बहुत धन को अधिकारी बनाऊं। अपनो मालिक की खुशी
म सहभागी हो।’ ”

22 अऊर जेक दोय हजार सिक्का मिल्यो होतो, ओन भी आय क कह्यो, हे मालिक, “तय न मोख
दोय हजार सिक्का दियो होतो, देख, मय न दोय हजार सिक्का अऊर कमायो।” 23 ओको मालिक

* **24:51** २४:५१ ओख कठोर दण्ड देयेंन यां तुकड़ातुकड़ा कर क् फेक देयेंन। ✡ **25:1** २५:१ लूका १२:३५ ✡ **25:11** २५:११ लूका १३:२५ ✡ **25:13** २५:१३ मरकुस १३:३५; लूका १२:४० ✡ **25:14** २५:१४ लूका १९:११-२७

न ओको सी कह्यो, "शाबाश, हे अच्छो अऊर विश्वास लायक सेवक, तय थोड़ो म विश्वास लायक
रह्यो; मय तोख बहुत धन को अधिकारी बनाऊं। अपनो स्वामी को खुशी म सहभागी हो।"
24 "तब जेक एक हजार सिक्का मिल्यो होतो, ओन आय क कह्यो, 'हे मालिक, मय तोख जानत
होतो कि तय कठोर आदमी हय: तय जित कहीं नहीं बोवय उत काटय हय, अऊर जित नहीं बोवय
उत सी जमा करय हय। 25 येकोलायी मय डर गयो अऊर जाय क तोरो धन माटी म लूकाय दियो।
देख, जो तोरो हय, ऊ यो आय।' "
26 ओको मालिक न ओख उत्तर दियो, "हे दुष्ट अऊर आलसी सेवक, जब तय यो जानत होतो
कि जित मय न फसल नहीं बोयो, उत सी फसल काटू हय, अऊर जित मय न बीज नहीं बोयो उत
सी फसल जमा कर लेऊ हय; 27 त तोख समझनो होतो कि मोरो धन व्यापारी ख दे देतो, तब मय
आय क अपनो धन ब्याज समेत ले लेतो। 28 अब, धन ख ओको सी ले लेवो, अऊर जेको जवर दस
हजार को सिक्का हंय, ओख दे देवो। 29 ✡हर एक आदमी लायी जेको जवर कुछ हय, ओख अऊर
भी जादा दियो जायेंन; अऊर ओको जवर जादा सी जादा होयेंन: पर जो आदमी को जवर कुछ भी
नहाय, यो तक कि ओको जवर जो कुछ भी हय, ऊ ओको सी ले लियो जायेंन। 30 ✡अऊर यो बेकार
सेवक ख बाहेर अन्धारो म डाल देवो, जित रोवनो अऊर दात कटरनो होयेंन।"

[illegible]

31 ✡"जब आदमी को बेटा अपनी महिमा म आयेंन अऊर सब स्वर्गदूत ओको संग आयेंन, त ऊ
अपनी महिमा को सिंहासन पर विराजमान होयेंन। 32 अऊर सब राष्ट्रों को लोगों ख ओको आगु
जमा करयो जायेंन; अऊर जसो चरावन वालो मेंढीं ख शेरी सी अलग कर देवय हय, वसोच ऊ
उन्ख एक दूसरों सी अलग करेंन। 33 ऊ मेंढीं ख अपनो दायो तरफ अऊर शेरी ख बायो तरफ खड़ो
करेंन।* 34 तब राजा अपनो दायो तरफ वालो सी कहेंन, 'हे मोरो बाप को धन्य लोगों, आवो, ऊ
राज्य को अधिकारी होय जावो, जो जगत की सुरूवात सी तुम्हरो लायी तैयार करयो गयो हय।
35 कहालीकि मय भूखो होतो, अऊर तुम्न मोख खान ख दियो; मय प्यासो होतो, अऊर तुम्न मोख
पानी पिलायो; मय अनजान होतो, अऊर तुम न मोख अपनो घर म रख्यो; 36 मय नंगा होतो, अऊर
तुम्न मोख कपड़ा पहिनायो; मय बीमार होतो, अऊर तुम्न मोरी देखभाल करी, मय जेलखाना म
होतो, अऊर तुम मोरो सी मिलन आयो।'
37 "तब सच्चो ओख उत्तर देयेंन, 'हे प्रभु, हम न कब तोख भूखो देख्यो अऊर खिलायो? यां प्यासो
देख्यो अऊर पानी पिलायो? 38 हम न तोख कभी अनजानो देख्यो अऊर अपनो घर म ठहरायो?
यां बिना को देख क मोख कपड़ा पहिनायो? 39 हम्न कब तोख बीमार यां जेलखाना म देख्यो अऊर
तोरो सी मिलन आयो?' 40 तब राजा उन्ख उत्तर देयेंन, 'मय तुम सी सच कहू हय कि तुम्न जो मोरो
इन छोटो भाऊवों म सी कोयी एक को संग करयो, ऊ मोरोच संग करयो।'
41 "तब ऊ बायो तरफ वालो सी कहेंन, 'हे श्रापित लोगों,† मोरो आगु सी ऊ अनन्त आगी म
चली जावो, जो शैतान अऊर ओको दूतों लायी तैयार करी गयी हय। 42 कहालीकि मय भूखो होतो,
अऊर तुम्न मोख खान ख नहीं दियो; मय प्यासो होतो, अऊर तुम्न मोख पानी नहीं पिलायो; 43 मय
अनजानो होतो, अऊर तुम्न मोख अपनो घर म नहीं रख्यो; मय नंगा होतो, अऊर तुम्न मोख कपड़ा
नहीं पहिनायो; अऊर मय बीमार अऊर जेलखाना म होतो, अऊर तुम्न मोरी सुधि नहीं ली।'
44 "तब हि उत्तर देयेंन, 'हे प्रभु, हम्न तोख कब भूखो, प्यासो, अनजान, नंगा, बीमार, यां
जेलखाना म देख्यो, अऊर तोरी सेवा नहीं करी?' 45 तब ऊ उन्ख उत्तर देयेंन, 'मय तुम सी सच
कहू हय कि तुम्न जो इन छोटो सी छोटो म सी कोयी एक को संग मदत नहीं करयो, ऊ मोरो संग
भी नहीं करयो।' 46 अऊर हि अनन्त सजा भोगन लायी लिजायेंन पर न्याय को अनन्त जीवन म
सिरेंन।"

✡ **25:29** २५:२९ मत्ती १३:१२; मरकुस ४:२५; लूका ८:१८ ✡ **25:30** २५:३० मत्ती ८:१२; २२:१३; लूका १३:२८ ✡ **25:31** २५:३१ मत्ती १६:२७; मत्ती १९:२८ * **25:33** २५:३३ सच्चो व्यक्ति ख बतायो जाय रह्यो हय † **25:41** २५:४१ यो शैतान को पीछू चलन वालो ख कह्यो गयो हय

26

[illegible]
([illegible])

1 जब यीशु यो सब बाते कह्य चुक्यो त अपनो चेलावों सी कहन लग्यो, 2 ✡“तुम जानय हय कि
दोय दिन को बाद फसह को पर्व हय, अऊर आदमी को बेटा क्रूस पर चढ़ायो जान लायी पकड़वायो
जायेंन।”
3 तब मुख्य याजकों अऊर प्रजा को बुजूर्गों कैफा नाम को महायाजक को भवन म जमा भयो,
4 अऊर आपस म बिचार करन लग्यो कि यीशु ख चुपचाप सी पकड़ क मार डालो। 5 पर हि कहत
होतो, “पर्व को समय नहीं, कहीं असो नहीं होय कि लोगों म दंगा होय जाये।”

[illegible]
([illegible])

6 जब यीशु बैतनिय्याह म शिमोन कोढ़ी को घर म होतो, 7 ✡त एक बाई संगमरमर को बर्तन म
बहुमूल्य अत्तर ले क ओको जवर आयी, अऊर जब ऊ जेवन करन बैठ्यो होतो त ओकी मुंड पर
कुड़ाय दियो। 8 यो देख क ओको चेला गुस्सा भयो अऊर कहन लग्यो, “येको कहाली नाश करयो
गयो? 9 येख त अच्छो दाम पर बेच क गरीबों ख बाट्यो जाय सकत होतो।”
10 यो जान क यीशु न उन्को सी कह्यो, “या बाई ख कहाली सतावय हय? ओन मोरो संग भलायी
को काम करयो हय। 11 गरीब त तुम्हरो संग हमेशा रह्य हंय, पर मय तुम्हरो संग हमेशा नहीं रहूं।
12 ओन मोरो शरीर पर जो यो अत्तर कुड़ायो हय, ऊ मोरो गाड़्यो जान की तैयारी लायी करयो हय।
13 मय तुम सी सच कहू हय, कि पूरो जगत म जित कहीं यो सुसमाचार प्रचार करयो जायेंन, उत
ओको यो काम को वर्नन भी ओकी याद म करयो जायेंन।”

[illegible]
([illegible])

14 तब यहूदा इस्करियोती न, जो बारा चेलावों म सी एक होतो, मुख्य याजकों को जवर गयो,
15 अऊर ओन कह्यो, “यदि मय ओख तुम्हरो हाथ म सौंप देऊ त मोख का देवो?” उन्न ओख तीस
चांदी को सिक्का गिन क दे दियो। 16 अऊर ऊ उच समय सी ओख सौंपन को अच्छो मौका ढूंढन
लग्यो।

[illegible]
([illegible])

17 अखमीरी रोटी को पर्व को पहिलो दिन, चेला यीशु को जवर आय क पूछन लग्यो, “तय कहां
पर चाहवय हय कि हम तोरो लायी फसह खान की तैयारी करे?”
18 ओन कह्यो, “नगर म अनजान आदमी को जवर जाय क ओको सी कहो, ‘गुरु कह्य हय कि मोरो
समय जवर हय। मय अपनो चेलावों को संग तोरो इत फसह को पर्व मनाऊं।’ ”
19 येकोलायी चेलावों न यीशु की आज्ञा मानी अऊर फसह तैयार करयो।
20 जब शाम भयी त ऊ बारयी चेलावों को संग जेवन करन लायी बैठ्यो। 21 जब हि खाय रह्यो
होतो त ओन कह्यो, “मय तुम सी सच कहू हय कि तुम म सी एक मोख पकड़वायेंन।”
22 येको पर हि बहुत उदास भयो, अऊर हर एक चेला ओको सी पूछन लग्यो, “हे प्रभु, का ऊ
मय आय?”
23 यीशु न उत्तर दियो, “जेन मोरो संग थारी म हाथ डाल्यो हय, उच मोख पकड़वायेंन।
24 ✡आदमी को बेटा त जसो ओको बारे म लिख्यो हय, पर ऊ आदमी लायी शोक हय जेको द्वारा
आदमी को बेटा पकड़वायो जावय हय: यदि ऊ आदमी को जनमच नहीं होतो, त ओको लायी भलो
होतो।”
25 तब ओको सौंपन वालो यहूदा न कह्यो, “हे गुरु, का ऊ मय आय?”

✡ **26:2** २६:२ निर्गमन १२:१-२७ ✡ **26:7** २६:७ लूका ७:३७,३८ ✡ **26:24** २६:२४ भजन २२:७-८; यशायाह ५३:९

ओन ओको सी कह्यो, "तय कह्य चुक्यो।"

[illegible]
([illegible])

26 जब हि खाय रह्यो होतो त यीशु न रोटी ली, अऊर धन्यवाद कर क् तोड़ी, अऊर चेलावों ख
दे क कह्यो, "लेवो, खावो; यो मोरो शरीर आय।"
27 तब ओन कटोरा पकड़ क धन्यवाद करयो, अऊर उन्ख दे क कह्यो, "तुम सब येको म सी पीवो,
28 कहालीकि यो वाचा को मोरो ऊ खून आय, जो पूरो लोगों लायी पापों की माफी लायी बहायो
जावय हय। 29 मय तुम सी कहू हय कि अंगूर को यो रस ऊ दिन तक कभी नहीं पीऊ, जब तक
तुम्हरो संग अपनो बाप को राज्य म नयो रस नहीं पी लेऊ।"
30 तब हि भजन गाय क जैतून पहाड़ी पर गयो।

[illegible]
([illegible])

31 ✡तब यीशु न उन्को सी कह्यो, "तुम सब अजच रात ख मोरो बारे म ठोकर खावो, कहालीकि
शास्त्र म लिख्यो हय: 'मय चरवाहे ख मारू, अऊर झुण्ड की मेंढीं तितर-बितर होय जायेंन।'
32 ✡पर मय जीन्दो होन को बाद तुम सी पहिले गलील ख जाऊं।"
33 येको पर पतरस न यीशु सी कह्यो, "यदि सब तोरो वजह सी ठोकर खावय त खावय, पर मय
कभी भी ठोकर नहीं खाऊ।"
34 यीशु न पतरस सी कह्यो, "मय तोरो सी सच कहू हय कि अजच रात ख मुर्गा को बाग देन सी
पहिले, तय तीन बार मोरो इन्कार करजो।"
35 पतरस न ओको सी कह्यो, "यदि मोख तोरो संग मरनो भी पड़ेंन, तब भी मय तोरो मय कभी
इन्कार नहीं करूं।"
अऊर असोच सब चेलावों न भी कह्यो।

[illegible]
([illegible])

36 तब यीशु अपनो चेलावों को संग गतसमनी नाम को एक जागा म आयो अऊर अपनो चेलावों
सी कहन लग्यो, "इतच बैठचो रहजो, जब तक मय उत जाय क प्रार्थना करूं।" 37 ऊ पतरस अऊर
जब्दी को दोयी टुरावों ख संग ले गयो, अऊर उदास अऊर व्याकुल होन लग्यो। 38 तब ओन उन्को
सी कह्यो, "मोरो मन बहुत उदास हय, यहां तक कि मोरो जीव निकल्यो जाय रह्यो हय। तुम इतच
ठहरो अऊर मोरो संग जागतो रहो।"
39 तब ऊ थोड़ो अऊर आगु बढ़ क मुंह को बल गिरयो, अऊर यो प्रार्थना करी, "हे मोरो बाप,
यदि होय सकय त यो दु:ख को कटोरा मोरो सी टल जाये, तब भी जसो मय चाहऊ हय वसो नहीं,
पर जसो तय चाहऊ हय वसोच हो।"
40 तब ओन चेलावों को जवर आय क उन्ख सोतो देख्यो अऊर पतरस सी कह्यो, "का तुम मोरो
संग एक घड़ी भी नहीं जाग सक्यो? 41 जागतो रहो, अऊर प्रार्थना करतो रहो कि तुम परीक्षा म
मत पड़ो: आत्मा त तैयार हय, पर शरीर कमजोर हय।"
42 तब ओन दूसरी बार जाय क यो प्रार्थना करी, "हे मोरो बाप, यदि यो कटोरा मोरो पीयो बिना
नहीं हट सकय त तोरी इच्छा पूरी होय।" 43 तब ओन आय क उन्ख फिर सोतो पायो, कहालीकि
उन्की आंखी नींद सी भरी होती।
44 उन्ख छोड़ क ऊ फिर चली गयो, अऊर उन्कोच शब्दों म फिर तीसरी बार प्रार्थना करी।
45 तब ओन चेलावों को जवर आय क उन्को सी कह्यो, "का तुम अब तक सोय रह्यो हय, देखो! घड़ी
आय पहुंची हय, अऊर आदमी को बेटा पापियों को हाथ सौंप्यो जायेंन। 46 उठो, चलो; देखो, मोरो
सौंपन वालो जवर आय गयो हय।"

✡ **26:31** २६:३१ जकर्याह १३:७ ✡ **26:32** २६:३२ मत्ती २८:१६

[illegible]
([illegible])

47 यीशु यो कह्यच रह्यो होतो कि यहूदा जो बारयी म सी एक होतो, आयो, अऊर ओको संग
मुख्य याजकों अऊर बुजूर्ग लोगों को तरफ सी बड़ी भीड़, तलवारे अऊर लाठियां पकड़ क आयो।
48 ओको सौंपन वालो न उन्ख यो इशारा दियो होतो: “जेक मय चुम्मा लेऊ उच आय; ओख पकड़
लेजो।”
49 अऊर तुरतच यीशु को जवर आय क कह्यो, “हे गुरु, प्रनाम!” अऊर ओख बहुत चुम्मा लियो।
50 यीशु न ओको सी कह्यो, “हे संगी, जो काम लायी तय आयो हय, ओख कर ले।”
तब उन्न जवर आय क यीशु पर हाथ डाल्यो अऊर ओख पकड़ लियो। 51 यीशु को संगियों म
सी एक न हाथ बढ़ाय क अपनी तलवार खीच ली अऊर महायाजक को सेवक पर चलाय क ओको
कान काट डाल्यो। 52 तब यीशु न ओको सी कह्यो, “अपनी तलवार म्यान म रख ले कहालीकि जो
तलवार चलावय हंय हि सब तलवार सी नाश करयो जायेंन। 53 का तय नहीं जानय कि मय अपनो
बाप सी बिनती कर सकू हय, अऊर ऊ स्वर्गदूतों की बारा पलटन सी जादा मोरो जवर अभी खड़ो
कर देयेंन? 54 पर पवित्र शास्त्र की हि बाते असोच होनो जरूरी हय, कसो पूरी होयेंन?”
55 ✡ऊ समय यीशु न भीड़ सी कह्यो, “का तुम तलवारे अऊर लाठियां धर क मोख डाकू को जसो
पकड़न लायी निकल्यो हय? मय हर दिन मन्दिर म बैठ क उपदेश करत होतो, अऊर तुम न मोख
नहीं पकड़यो।”
56 पर यो सब येकोलायी भयो हय कि भविष्यवक्तावों को वचन पूरो होय। तब सब चेला ओख
छोड़ क भग गयो।

[illegible]
([illegible])

57 तब यीशु को पकड़न वालो ओख कैफा नाम को महायाजक को जवर लिजायो, जहां
धर्मशास्त्री अऊर बुजूर्गों जमा भयो होतो। 58 पतरस दूरच दूर ओको पीछू-पीछू महायाजक को
आंगन तक गयो, अऊर अन्दर जाय क यीशु को का होयेंन देखन सेवकों को संग बैठ गयो। 59 मुख्य
याजक अऊर पूरी महासभा यीशु ख मार डालन लायी ओको विरोध म झूठी गवाही की खोज म
होतो, 60 पर बहुत सो झूठो गवाहों को आनो पर भी नहीं पायो आखरी म दोय लोग आयो, 61 ✡अऊर
कह्यो, “येन कह्यो हय कि मय परमेश्वर को मन्दिर ख गिराय सकू हय अऊर ओख तीन दिन म बनाय
सकू हय।”
62 तब महायाजक न खड़ो होय क यीशु सी कह्यो, “का तय कोयी उत्तर नहीं देवय? हि लोग
तोरो विरोध म का गवाही देवय हंय?” 63 पर यीशु चुप रह्यो। तब महायाजक न ओको सी कह्यो,
“मय तोख जीन्दो परमेश्वर की कसम देऊ हय कि यदि तय परमेश्वर को बेटा मसीह आय, त हम
सी कह्य दे।”
64 यीशु न ओको सी कह्यो, “तय न खुदच कह्य दियो; बल्की मय तुम सी यो भी कहू हय कि अब
सी तुम केवल आदमी को बेटा ख सर्वशक्तिमान को दायो तरफ बैठ्यो, अऊर आसमान को बादलो
पर आवतो देखो।”
65 येको पर महायाजक न अपनो कपड़ा फाड़यो अऊर कह्यो, “येन परमेश्वर की निन्दा करी हय,
अब हम्ख गवाहों की का जरूरत? देखो, तुम न अभी यो निन्दा सुनी हय! 66 तुम का सोचय हय?”
उन्न उत्तर दियो, “यो दोषी हय अऊर येख मरनो चाहिये।”
67 ✡तब उन्न ओको मुंह पर थूक्यो अऊर ओख घूसा मारयो, दूसरों न थापड़ मार क, 68 कह्यो, “हे
मसीह, हम सी भविष्यवानी कर क् कह्य कि कौन न तोख मारयो?”

[illegible]
([illegible])

✡ **26:55** २६:५५ लूका १९:४७; २१:३७ ✡ **26:61** २६:६१ यूहन्ना २:१९ ✡ **26:67** २६:६७ यशायाह ५०:६

69 पतरस बाहेर आंगन म बैठचो हुयो होतो कि एक दासी ओको जवर आयी अऊर कह्यो, “तय
भी यीशु गलीली को संग होतो।”
70 पतरस न सब को आगु यो कहतो हुयो इन्कार करयो, “मय नहीं जानु तय का कह्य रही हय।”
71 जब ऊ बाहेर द्वार म गयो, त दूसरी सेविका न ओख देख क उन्को सी जो उत होतो कह्यो, “यो
भी त यीशु नासरी को संग होतो।”
72 पतरस न कसम खाय क फिर इन्कार करयो: “मय ऊ आदमी ख नहीं जानु।”
73 थोड़ी देर बाद लोगों न जो उत खड़ो होतो, पतरस को जवर आय क ओको सी कह्यो, “सचमुच
तय भी उन्म सी एक आय, कहालीकि तोरी बोली भाषा न तोरो भेद खोल दियो हय।”
74 तब ऊ धिक्कारन अऊर कसम खान लग्यो: “मय ऊ आदमी ख नहीं जानु।”
अऊर तुरतच मुर्गा न बाग दियो। 75 तब पतरस ख यीशु की कहीं हुयी बात याद म आयी: “मुर्गा
को बाग देन सी पहिले तय तीन बार मोरो इन्कार करजो।” अऊर ऊ बाहेर जाय क फूट फूट क
रोयो।

27

[illegible]
([illegible])
1 जब सबेरे भयी त सब मुख्य याजकों अऊर बुजूर्गों लोगों न यीशु ख मार डालन की योजना
बनायी। 2 उन्न ओख बान्ध्यो अऊर ले जाय क पिलातुस शासक को हाथ म सौंप दियो।

[illegible]
([illegible])
3 ✡जब ओको सौंपन वालो यहूदा न देख्यो कि ऊ दोषी ठहरायो गयो हय त ऊ पछतायो अऊर
हि तीस चांदी को सिक्का मुख्य याजकों अऊर बुजूर्गों को जवर वापस देन गयो 4 अऊर कह्यो, “मय
न निर्दोष ख मारन लायी सौंप क पाप करयो हय!”
उन्न कह्यो, “हम्ख ओकी का परवाह हय? उन्न जवाब दियो। अपनो तयच देख ले।”
5 तब ऊ उन सिक्का ख मन्दिर म फेक क चली गयो, अऊर जाय क अपनो आप ख फासी दे दियो।
6 मुख्य याजकों न उन सिक्का ले क कह्यो, “इन्क, भण्डार म रखनो ठीक नहाय, कहालीकि यो
खून को दाम आय।” 7 येकोलायी उन्न सलाह कर क् उन सिक्का सी परदेशियों को गाड़यो जान
लायी कुम्हार को खेत ले लियो। 8 यो वजह ऊ खेत अज तक खून को खेत कहलावय हय।
9 तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यवक्ता सी कह्यो गयो होतो ऊ पूरो भयो: “उन्न हि तीस सिक्का
यानेकि ऊ ठहरायो हुयो कीमत ख जेक इस्राएल की सन्तान म सी कितनो न सम्मति सी ठहरायो
होतो ऊ ले लियो, 10 अऊर जसो प्रभु न मोख आज्ञा दियो होतो वसोच उन्ख कुम्हार को खेत ख
मोल म ले लियो।”

[illegible]
([illegible])
11 जब यीशु रोमन शासक को आगु खड़ो होतो त शासक न ओको सी पुच्छचो, “का तय यहूदियों
को राजा आय?”
यीशु न ओको सी कह्यो, “तय खुदच कह्य रह्यो हय।” 12 जब मुख्य याजक अऊर बुजूर्ग ओको
पर दोष लगाय रह्यो होतो, त यीशु न कुछ उत्तर नहीं दियो।
13 येको पर पिलातुस न ओको सी कह्यो, “का तय नहीं सुनय कि यो तोरो विरोध म कितनी गवाही
दे रह्यो हय?”
14 पर यीशु न ओख एक बात को भी उत्तर नहीं दियो, यहां तक कि शासक ख बड़ो आश्चर्य भयो।

[illegible]
([illegible])

✡ **27:3** २७:३ प्रेरितों १:१८-१९

15 शासक की यो रीति होती कि ऊ पर्व म लोगों लायी कोयी एक बन्दी ख जेक हि चाहत
होतो, छोड़ देत होतो। 16 ऊ समय उन्को इत बरअब्बा नाम को एक बदनाम आदमी बन्दी होतो।
17 येकोलायी जब हि जमा भयो, त पिलातुस न उन्को सी कह्यो, "तुम कौन्क चाहवय हय कि मय
तुम्हरो लायी छोड़ देऊ? बरअब्बा ख, यां यीशु ख जो मसीह कहलावय हय?" 18 कहालीकि ऊ
जानत होतो कि उन्न ओख धोका सी पकड़वायो हय।

19 जब पिलातुस न्याय कि गद्दी पर बैठ्यो हुयो होतो त ओकी पत्नी न ओख कह्यो, "तय ऊ
सच्चो को मामला म हाथ मत डालजो, कहालीकि मय न अज सपनो म ओको वजह बहुत दु:ख
उठायो हय।"

20 मुख्य याजकों अऊर बुजूर्गों लोगों न पिलातुस ख बहकायो कि हि बरअब्बा ख मांग ले, अऊर
यीशु को नाश करायो। 21 लेकिन पिलातुस न भीड़ सी पुच्छ्यो, "तुम इन दोयी म सी कौन्सो
चाहवय हय कि मय तुम्हरो लायी फुकट म छोड़ देऊ?"

उन्न कह्यो, "बरअब्बा" ख।

22 पिलातुस न ओको सी पुच्छ्यो, "फिर यीशु ख, जो मसीह कहलावय हय, का करू?"

सब न ओको सी कह्यो, "ऊ क्रूस पर चढ़ायो जाय!"

23 शासक न कह्यो, "कहाली, ओन का बुरायी करी हय?"

पर हि अऊर भी चिल्लाय-चिल्लाय क कहन लग्यो, "ऊ क्रूस पर चढ़ायो जाये।"

24 जब पिलातुस न देख्यो कि कुछ बन नहीं पड़य पर येको विरुद्ध हल्ला बढ़तो जावय हय, त
ओन पानी ले क भीड़ को आगु अपनो हाथ धोयो अऊर कह्यो, "मय यो सच्चो को खून सी निर्दोष
हय; तुमच जानो।"

25 सब लोगों न उत्तर दियो, "येको खून हम पर अऊर हमरी सन्तान पर हो!"

26 येको पर ओन बरअब्बा ख उन्को लायी छोड़ दियो, अऊर यीशु ख कोड़ा मरवाय क सौंप दियो,
कि क्रूस पर चढ़ायो जाये।

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible],[illegible])

27 तब शासक को सिपाहियों न यीशु ख राजभवन म ले जाय क पूरी पलटन ओको चारयी तरफ
जमा करयो, 28 अऊर ओको कपड़ा उतार क ओख लाल रंग को चोंगा पहिनायो, 29 अऊर काटा
को मुकुट गूथ क ओको मुंड पर रख्यो, अऊर ओको दायो हाथ म सरकण्डा दियो अऊर ओको आगु
घुटना टेक क ओकी मजाक उड़ावन लग्यो अऊर कह्यो, "हे यहूदियों को राजा, प्रनाम!" 30 अऊर
ओको पर थूक्यो; अऊर उच सरकण्डा ले क ओको मुंड पर मारन लग्यो। 31 जब हि ओकी मजाक
उड़ाय लियो त ऊ चोंगा ओको पर सी उतार क फिर ओकोच कपड़ा ओख पहिनायो, अऊर क्रूस
पर चढ़ान लायी ले गयो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

32 बाहेर जातो हुयो उन्ख शिमोन नाम को एक कुरेनी आदमी मिल्यो। उन्न ओख बेकार म
पकड़यो कि ओको क्रूस ख उठाय क ले चल्यो। 33 ऊ जागा पर जो गुलगुता यानेकि खोपड़ी की
जागा कहलावय हय, पहुंच क 34 उन्न पित्त मिलायो हुयो अंगूररस ओख पीवन ख दियो, पर ओन
चख क पीनो नहीं चाह्यो।

35 तब उन्न ओख क्रूस पर चढ़ायो, अऊर चिट्ठियां डाल क ओको कपड़ा बाट लियो, 36 अऊर
उत बैठ क ओकी पहरेदारी करन लग्यो। 37 अऊर ओकी दोष कि चिट्ठी ओकी मुंड को ऊपर लगायो,
कि "यो यहूदियों को राजा यीशु आय।" 38 तब यीशु को संग दोय डाकू ख क्रूस पर चढ़ायो गयो
एक ख दायो तरफ अऊर एक ख बायो तरफ।

39 आन–जान वालो मुंड हिला–हिलाय क ओकी निन्दा करत होतो, 40 ✡अऊर यो कहत होतो,

---
✡ **27:40** २७:४० मत्ती २६:६१; यूहन्ना २:१९

"हे मन्दिर ख गिरावन वालो अऊर तीन दिन म बनावन वालो, अपनो आप ख त बचाव! यदि तय
परमेश्वर को बेटा आय, त क्रूस पर सी उतर आव।"
41 योच रीति सी मुख्य याजक भी धर्मशास्त्रियों अऊर बुजूर्गों समेत मजाक कर क् कहत होतो,
42 "येन बहुतों ख बचायो, अऊर अपनो आप ख नहीं बचाय सकय। यो त 'इस्राएल को राजा' आय।
अब क्रूस पर सी उतर आयो त हम ओको पर विश्वास करबो। 43 ओन परमेश्वर पर भरोसा रख्यो
हय; यदि ऊ येख चाहवय हय, त अब येख छुड़ाय ले, कहालीकि येन कह्यो होतो, 'मय परमेश्वर
को बेटा आय।' "
44 योच तरह डाकू भी जो ओको संग क्रूस पर चढ़ायो गयो होतो, ओकी निन्दा करत होतो।

[illegible]
([illegible])

45 दोपहर सी ले क तीन बजे तक ऊ पूरो प्रदेश म अन्धारो छायो रह्यो। 46 तीन बजे को जवर
यीशु न बड़ो आवाज सी पुकार क कह्यो, "एली, एली, लमा शबक्तनी?" यानेकि "हे मोरो परमेश्वर,
हे मोरो परमेश्वर, तय न मोख कहाली छोड़ दियो?"
47 जो उत खड़ो होतो, उन्म सी कुछ न यो सुन क कह्यो, "ऊ त एलिय्याह ख पुकार रह्यो हय।"
48 उन्म सी एक तुरतच दौड़यो, अऊर स्पंज ले क सिरका म डुबायो, अऊर सरकण्डा पर रख क
ओख चुसायो।
49 दूसरों न कह्यो, "रह्य जावो, देखो एलिय्याह ओख बचावन आवय हय कि नहीं।"
50 तब यीशु न फिर ऊचो आवाज सी चिल्लाय क जीव छोड़ दियो।
51 अऊर देखो, मन्दिर को परदा ऊपर सी खल्लो तक फट क दोय टुकड़ा भय गयो: अऊर जमीन
हल गयी अऊर चट्टान तड़क गयी, 52 अऊर कब्रें खुल गयी, अऊर सोयो हुयो पवित्र लोगों को
बहुत सो शरीर जीन्दो भयो, 53 अऊर ओको जीन्दो होन को बाद हि कब्रो म सी निकल क पवित्र
नगर यरूशलेम म गयो अऊर बहुत लोगों ख दिखायी दियो।
54 तब सूबेदार अऊर जो ओको संग यीशु की पहरेदारी करत होतो, भूईडोल अऊर जो कुछ भयो
होतो ओख देख क बहुतच डर गयो अऊर कह्यो, "सच म यो परमेश्वर को बेटा होतो!"
55 ✡उत बहुत सी बाईयां होती जो गलील सी यीशु की सेवा करती हुयी ओको संग आयी होती,
दूर सी यो देख रही होती। 56 उन्म मरियम मगदलीनी, अऊर याकूब अऊर योसेस की माय मरियम,
अऊर जब्दी की पत्नी भी होती।

[illegible]
([illegible])

57 जब शाम भयी त यूसुफ नाम को अरिमतिया को एक धनी आदमी जो खुदच यीशु को चेला
होतो, ऊ आयो। 58 ओन पिलातुस को जवर जाय क यीशु की लाश मांग्यो। पिलातुस न शरीर
ख यूसुफ ख दियो जान की आज्ञा दियो। 59 त यूसुफ न लाश लियो, अऊर ओख उज्वल चादर म
लपेटचो, 60 अऊर ओन अपनी नयी कब्र म रख्यो, जो ओन चट्टान म खुदवायी होती, अऊर कब्र
को द्वार पर बड़ो गोटा लुढ़काय क चली गयो। 61 मरियम मगदलीनी अऊर दूसरी मरियम उत कब्र
को आगु बैठी होती।

[illegible]

62 दूसरों दिन जो आराम दिन को बाद को दिन होतो, मुख्य याजकों अऊर फरीसियों न पिलातुस
को जवर जमा होय क कह्यो, 63 ✡"हे महाराज, हम्ख याद हय कि ऊ भरमावन वालो न जब ऊ
जीन्दो होतो, त कह्यो होतो, 'मय तीन दिन को बाद जीन्दो होऊं।' 64 येकोलायी आज्ञा दे कि तीसरो
दिन तक कब्र की पहरेदारी करी जाये, असो नहीं होय कि ओको चेला आय क ओख चोर क लिजाये

✡ **27:55** २७:५५ लूका ८:२,३ ✡ **27:63** २७:६३ मत्ती १६:२१; १७:२३; २०:१९; मरकुस ८:३१; ९:३१; १०:३३,३४; लूका ९:२२;
१८:३१-३३

अऊर लोगों सी कहन लग्यो, 'ऊ मरयो हुयो म सी जीन्दो भयो हय।' तब पिछलो धोका पहिलो सी भी बुरो होयेंन।"
65 पिलातुस न उन्को सी कह्यो, "तुम्हरो जवर पहरेदार त हंय। जावो, अपनी समझ सी कब्र ख रखवाली करो।"
66 येकोलायी हि पहरेदारों ख संग ले क गयो, अऊर गोटा पर मुहर लगाय क कब्र ख सुरक्षित कर दियो।

28

[illegible]
([illegible])

1 आराम दिन को बाद हप्ता को पहिलो दिन भुन्सारे होतोच मरियम मगदलीनी अऊर दूसरी
मरियम कब्र ख देखन आयी। 2 अऊर देखो, एक बड़ो भूईडोल भयो, कहालीकि प्रभु को एक दूत
स्वर्ग सी उतरयो अऊर जवर आय क ओन गोटा ख लुढ़काय दियो, अऊर ओको पर बैठ गयो।
3 ओको रूप बिजली को जसो चमकत होतो अऊर ओको कपड़ा बर्फ को जसो उज्वल होतो। 4 ओको
डर सी पहरेदार काप उठ्यो, अऊर मरयो जसो भय गयो।
5 स्वर्गदूत न बाईयों सी कह्यो, "मत डरो, मय जानु हय कि तुम यीशु ख ढूंढय हय, जो क्रूस पर
चढ़ायो गयो होतो। 6 ऊ इत नहाय, पर अपनो वचन को अनुसार जीन्दो भय गयो हय। आवो, यो
जागा देखो, जित प्रभु पड़यो होतो, 7 अऊर तुरतच जाय क ओको चेलावों सी कहो कि ऊ मरयो
हुयो म सी जीन्दो भयो हय, अऊर ऊ तुम सी पहिले गलील ख जायेंन, उत ओको दर्शन पावों!
देखो, मय न जो तुम्ख बतायो हय, ओख याद रखो।"
8 हि डर अऊर बड़ो खुशी को संग कब्र सी तुरतच लौट क ओको चेलावों ख समाचार देन लायी
दवड़ गयी।
9 तब यीशु उन्ख मिल्यो। अऊर कह्यो, "नमस्कार।" उन्न जवर आय क अऊर ओको पाय पकड़
क ओख प्रनाम करयो। 10 तब यीशु न उन्को सी कह्यो, "मत डरो; मोरो भाऊवों सी जाय क कहो
कि गलील ख चली जाये, उत हि मोख देखेंन।"

[illegible]

11 हि जायच रही होती कि पहरेदारों म सी कुछ न नगर म आय क पूरो हाल मुख्य याजकों सी
कह्यो जो कुछ भयो होतो। 12 तब उन्न बुजूर्गों को संग जमा होय क सलाह करी अऊर सिपाहियों
ख बहुत धन दियो, 13 अऊर कह्यो "तुम यो कहनो चाहवय हय कि रात ख जब हम सोय रह्यो होतो,
त ओको चेला आय क ओको शरीर चुराय ले गयो। 14 अऊर यदि यो बात शासक को कान तक
पहुंचेंन, त हम ओख समझाय लेबो कि तुम निर्दोष हय, अऊर तुम्ख चिन्ता करनो सी बचाय लेबो।"
15 सिपाहियों न धन लियो अऊर उच करयो जो उन्ख करन लायी कह्यो गयो होतो। अऊर
येकोलायी यो बात अज तक यहूदियों द्वारा फैलायी गयी हय।

[illegible]
([illegible])

16 ✡ग्यारा चेला गलील म ऊ पहाड़ी पर गयो, जेक यीशु न उन्ख बतायो होतो। 17 जब उन्न
ओख देख्यो, त उन्न ओख प्रनाम करयो, तब भी उन्म सी कुछ ख शक भयो। 18 यीशु न उन्को
जवर आय क कह्यो, "स्वर्ग अऊर धरती को पूरो अधिकार मोख दियो गयो हय। 19 ✡येकोलायी तुम
जावो, सब लोगों ख चेला बनावो; अऊर उन्ख बाप, अऊर बेटा, अऊर पवित्र आत्मा को नाम सी
बपतिस्मा देवो, 20 अऊर उन्ख सब बाते जो मय न तुम्ख आज्ञा दियो हय, माननो सिखावो: अऊर
देखो, मय जगत को अन्त तक सदा तुम्हरो संग हय।"

✡ **28:16** २८:१६ मत्ती २६:३२; मरकुस १४:२८ ✡ **28:19** २८:१९ प्रेरितों १:८

मरकुस रचित यीशु मसीह का सुसमाचार
मरकुस रचित यीशु मसीह को सुसमाचार
परिचय

यीशु को जीवन को वर्नन करन वाली चार किताबों म सी एक किताब याने मरकुस रचित सुसमाचार या किताब यीशु को सुसमाचार सुनावय हय। यीशु को मरनो अऊर स्वर्गारोहन को बाद यो चार सुसमाचार मत्ती, मरकुस, लूका अऊर यूहन्ना लिख्यो गयो हय। या चार किताबों म सी मरकुस रचित सुसमाचार सब सी छोटी किताब हय, कुछ विद्वानों कि मान्यता हय कि मरकुस रचित सुसमाचार सब सी पहिले लिख्यो गयो, बाकी को तीन सुसमाचार यीशु को जनम को ६५ सी ७० साल को बाद लिख्यो गयो यो लिखन को वजह याने रोम शहर को मसीह मण्डली को मनोबल बड़ानो अऊर प्रोत्साहन करन लायी लिख्यो गयो होतो। यो मरकुस कौन? प्रेरित पौलुस अऊर बरनबास येको यो जवान सहकर्मी होतो, यूहन्ना, मरकुस याने मरकुस रचित सुसमाचार को लेखक मरकुस येको संग पहिलो मिशनरी यात्रा सी बिच म छोड़ क चली जानो सी ओकी प्रतिष्ठा ख ठेस पहुंची। प्रेरितों १३:१३ बाद म, योच मरकुस बरनबास को संग सेवकायी म सामिल होतो दिखय। प्रेरितों १५:३७-३९ अनुसार मरकुस, पतरस को जवर को संगी होतो। १ पतरस ५:१३ विद्वानों की असी मान्यता हय की जब की मरकुस न यीशु को जीवन की सेवकायी आमने सामने देखी नहीं होती, त पतरस की गवाही को आधार पर ओन ओको सुसमाचार लिख्यो। यो मरकुस को सुसमाचार को आधार की बात आय।

मरकुस रचित सुसमाचार को दोय विषय याने, यीशु को सच्चो चेला बननो या आखरी को भविष्य को बारे म यीशु को द्वारा दी गयी शिक्षा।

मरकुस रचित सुसमाचार म यीशु ख विनम्र सेवक, सेवक यां अपनो बाप कि इच्छा पूरी करन म हमेशा तैयार, असो परमेश्वर को प्रिय बेटा यो दोय रूप म दर्शायो हय। वसोच, मरकुस न यीशु को द्वारा करयो गयो चमत्कारों को बारे म जादा सी जादा लिख्यो गयो हय। यो सुसमाचार को समापन यीशु को चेलावों ख दियो गयो "महान आदेश" हय।

रूप-रेखा

१. बपतिस्मा देन वालो यूहन्ना अऊर यीशु को बपतिस्मा। *▯:▯-▯▯*
२. यीशु को द्वारा गलील प्रदेश अऊर परिसर म करयो गयो चमत्कार। *▯:▯▯–▯:▯▯*
३. गलील सी यरूशलेम तक की यीशु की यात्रा अऊर मन्दिर म आगमन। *▯▯:▯–▯▯:▯▯*
४. यीशु को द्वारा भविष्य को बारे म दियो गयो खबर। *▯▯:▯-▯▯*
५. यीशु को मरनो अऊर पुनरुत्थान अऊर महान आदेश। *▯▯:▯–▯▯:▯▯*

▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯▯▯▯
(▯▯▯▯▯▯ ▯:▯-▯▯; ▯▯▯▯▯ ▯:▯-▯▯; ▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯:▯▯-▯▯)

1 परमेश्वर को बेटा* यीशु मसीह को सुसमाचार की सुरूवात। 2 जसो की यशायाह भविष्यवक्ता
की किताब म लिख्यो हय
"परमेश्वर न कह्यो, 'मय तोरो आगु अपनो दूत ख भेजूं,
ऊ तोरो लायी रस्ता तैयार करेंन।'
3 जंगल म एक पुकारन वालो को आवाज सुनायी दे रह्यो हय
कि 'प्रभु को रस्ता तैयार करो, अऊर
ओकी सड़के सीधी करो!' "

* **1:1** १:१ कुछ हस्तलेखों म परमेश्वर को टुरा नहीं लिख्यो गयो हय।

4 येकोलायी यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो सुनसान जागा म बपतिस्मा† अऊर शिक्षा देतो हुयो
लोगों सी कह्यो, अपनो पापों सी दूर रहो अऊर माफी लायी। “मन फिराव को बपतिस्मा लेवो,
अऊर परमेश्वर तुम्हरो पापों ख माफ करेंन।” 5 सब यहूदिया प्रदेश को अऊर यरूशलेम नगर को
सब रहन वालो लोग निकल क यूहन्ना को जवर गयो। अऊर उन्न अपनो पापों ख मान क, यरदन
नदी म ओको सी बपतिस्मा लेन लग्यो।
6 यूहन्ना ऊंट को बाल को कपड़ा पहिन्यो अऊर अपनी कमर म चमड़ा को पट्टा बान्ध्यो रहत
होतो, अऊर टिड्डियां‡ अऊर जंगली शहेद खात होतो। 7 अऊर ऊ यो प्रचार करत होतो, “मोरो
बाद ऊ आवन वालो हय, जो मोरो सी शक्तिमान हय। मय त यो लायक नहाय की झुक क ओको
चप्पल को बन्ध निकाल सकू। 8 मय न त तुम्ख पानी सी बपतिस्मा दियो हय पर ऊ तुम्ख पवित्र
आत्मा सी बपतिस्मा देयेंन।”

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible],[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

9 उन दिनो म यीशु न नासरत नगर सी गलील प्रदेश म आय क, यरदन नदी म यूहन्ना सी
पानी म डुब क बपतिस्मा लियो। 10 अऊर जब यीशु पानी सी निकल क ऊपर आयो, त तुरतच
ओन आसमान ख खुलतो अऊर पवित्र आत्मा ख कबूत्तर को जसो अपनो ऊपर उतरता देख्यो।
11 ✡अऊर या स्वर्ग सी आवाज सुनी, “तय मोरो प्रिय बेटा आय, तोरो सी मय खुश हय।”

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

12 तब आत्मा न तुरतच ओख सुनसान जागा को तरफ भेज्यो। 13 अऊर सुनसान जागा म चालीस
दिन तक शैतान न ओकी परीक्षा करी; अऊर ऊ जंगली पशु को संग रह्यो, अऊर स्वर्गदूत ओकी
सेवा करत रह्यो।

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible],[illegible])

14 यूहन्ना ख जेलखाना म डाल्यो जान को बाद यीशु न गलील म आय क परमेश्वर को राज्य को
सुसमाचार प्रचार करयो, 15 ✡“सही समय पूरो भयो हय,” उन्न कह्यो, “अऊर परमेश्वर को राज्य
जवर आय गयो हय! अपनो पापों सी मन फिरावो अऊर सुसमाचार पर विश्वास करो!”
16 जब यीशु गलील को झील को किनार-किनार जातो हुयो, ओन दोय भाऊ शिमोन अऊर ओको
भाऊ अन्द्रियास ख झील म जार डालतो देख्यो; कहालीकि हि मछवारा होतो। 17 यीशु न उन्को
सी कह्यो; “मोरो पीछू आवो; मय तुम्ख लोगों ख परमेश्वर को राज्य म लावनो सिखाऊं।” 18 हि
तुरतच जार ख छोड़ क ओको पीछू चली गयो।
19 अऊर कुछ आगु आय क, ओन जब्दी को दोय बेटा याकूब, अऊर ओको भाऊ यूहन्ना ख,
डोंगा पर जार ख सुधारतो देख्यो। 20 जब यीशु न उन्ख देख्यो, अऊर तुरतच उन्ख बुलायो; हि
अपनो बाप जब्दी ख मजूरों को संग डोंगा पर छोड़ क, ओको पीछू चली गयो।

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible])

21 यीशु अऊर ओको चेला कफरनहूम नगर म आयो, अऊर ऊ आराम दिन§ म यहूदियों को
आराधनालय म जाय क शिक्षा देन लग्यो। 22 ✡अऊर लोग ओकी शिक्षा सी अचम्भित भयो;
कहालीकि ऊ उन्ख धर्मशास्त्री* को जसो नहीं, पर अधिकार सी शिक्षा देत होतो।

† 1:4 १:४ पानी सी डुबाय क निकालनो ‡ 1:6 १:६ फाफा जंगली कीड़ा ✡ 1:11 १:११ मत्ती ३:१७; १२:१८; मरकुस ९:७; लूका ३:२२ ✡ 1:15 १:१५ मत्ती ३:२ § 1:21 १:२१ यहूदियों को आराम दिन ✡ 1:22 १:२२ मत्ती ७:२८,२९ * 1:22 १:२२ धर्मगुरु

23 उच समय म, उन्को आराधनालय म एक आदमी होतो, जेको म एक दुष्ट आत्मा होती। 24 ओन
चिल्लाय क कह्यो, "हे नासरत नगर को यीशु, हम्ख तोरो सी का काम? का तय हम्ख नाश करन
आयो हय? मय तोख जानु हय, तय कौन आय? परमेश्वर को पवित्र जन आय!"
25 यीशु न ओख डाट क कह्यो, "चुप रह्य; अऊर ओको म सी निकल जा।"
26 तब दुष्ट आत्मा ओख मुरकट क, अऊर बड़ो आवाज सी चिल्लाय क ओको म सी निकल गयी।
27 येको पर सब लोग अचम्भा करतो हुयो आपस म वाद-विवाद करन लग्यो, की "या का बात आय?
या त कोयी नयी शिक्षा आय! ऊ अधिकार को संग दुष्ट आत्मावों ख भी आज्ञा देत होतो, अऊर
हि ओकी आज्ञा मानत होतो।"
28 अऊर यीशु को समाचार को बारे म तुरतच गलील को आजु-बाजू को पूरो प्रदेश म फैल गयो।

[illegible]
([illegible])

29 यीशु आराधनालय म सी निकल क, याकूब अऊर यूहन्ना को संग शिमोन अऊर अन्द्रियास
को घर आयो। 30 शिमोन की सासु बुखार म पड़ी होती, अऊर उन्न तुरतच ओको बारे म यीशु सी
कह्यो। 31 तब ओन जवर जाय क ओको हाथ पकड़ क ओख उठायो; अऊर ओको बुखार उतर गयो,
अऊर वा उन्की सेवा-भाव करन लगी।
32 शाम को समय जब सूरज डुब गयो त लोग सब बीमारों ख अऊर उन्ख, जेको म दुष्ट आत्मायें
होती, यीशु को जवर लायो। 33 अऊर नगर को सब लोग फाटक को बाहेर जमा भयो। 34 यीशु न
बहुत सो ख जो कुछ तरह की बीमारी सी जकड़्यो हुयो होतो, उन्ख चंगो करयो, अऊर बहुत सी
दुष्ट आत्मावों ख निकाल्यो, अऊर दुष्ट आत्मावों ख बोलन नहीं दियो, कहालीकि हि ओख जानत
होती की ऊ कौन आय।

[illegible]
([illegible])

35 भुन्सारो ख, यीशु उठ क निकल गयो, अऊर एक एकान्त जागा म गयो अऊर प्रार्थना करन
लग्यो। 36 पर शिमोन अऊर ओको संगी ओख ढूंढन गयो। 37 अऊर जब ऊ मिल्यो, त ओको सी
कह्यो, "सब लोग तोख ढूंढ रह्यो हय।"
38 पर यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "आवो; हम अऊर कहीं आजु-बाजू को गांवो म जाबो, कि मय
उत भी प्रचार करू, कहालीकि मय येको लायीच आयो हय।"
39 ✡येकोलायी ऊ पूरो गलील म यहूदियों को सभागृह म जाय-जाय क प्रचार करत अऊर दुष्ट
आत्मावों ख निकालत रह्यो।

[illegible]
([illegible])

40 अऊर एक कोढ़ को रोगी यीशु को जवर आय क ओको सी बिनती करी, अऊर ओको सामने
घुटना टेक क ओको सी कह्यो; "यदि तय चाहवय त मोख शुद्ध कर सकय हय।"
41 यीशु न कोढ़ी पर तरस खाय क हाथ बढ़ायो, अऊर ओख छूय क कह्यो, "मय चाहऊ हय तय
शुद्ध होय जा!" 42 अऊर तुरतच ओको कोढ़ सुधरतो चल्यो, अऊर ऊ शुद्ध भय गयो। 43 तब यीशु
न ओख कठिन चेतावनी दे क तुरतच बिदा करयो, 44 अऊर ओको सी कह्यो, "सुन, कोयी सी कुछ
मत कहजो, पर जाय क अपनो आप ख याजक† ख दिखाव, अऊर अपनो शुद्ध होन को बारे म जो
कुछ मूसा न ठहरायो हय ओख भेंट चढ़ाव कि उन पर गवाही हो।"
45 पर ऊ आदमी बाहेर जाय क यो बात को बहुत प्रचार करन अऊर यहां तक फैलावन लग्यो
कि यीशु फिर खुलेआम नगर म नहीं जाय सक्यो, पर बाहेर सुनसान जागा म रह्यो; अऊर चारयी
तरफ सी लोग ओको जवर आतो रह्यो।

✡ **1:39** १:३९ मत्ती ४:२३; ९:३५ † **1:44** १:४४ अर्पन करन वालो पुजारी

2

[illegible]
([illegible])

[1] कुछ दिनो बाद यीशु वापस कफरनहूम आयो, अऊर खबर फैल गयी की ऊ घर म हय। [2] तब
इतनो लोग जमा भयो कि द्वार को जवर भी जागा नहीं होती। अऊर यीशु उन्ख सन्देश सुनाय रह्यो
होतो। [3] अऊर लोग एक लकवा को रोगी ख चार आदमी सी उठाय क यीशु को जवर लायो। [4] पर
जब हि भीड़ को वजह सी ओको जवर नहीं पहुंच सक्यो। त उन्न ऊ घर को ऊपर को छत ख जित
यीशु होतो खोल दियो। अऊर जब हि छत ख उधड़ दियो, त वा खटिया ख जेको म लकवा को रोगी
पड़यो होतो, ओख छत पर सी जमीन पर उतार दियो। [5] यीशु न, उन्को विश्वास देख क ऊ लकवा
को रोगी सी कह्यो, “हे बेटा, तोरो पाप माफ भयो।”
[6] तब बहुत सो धर्मशास्त्री जो उत बैठ्यो होतो, अपनो-अपनो मन म बिचार करन लग्यो, [7] “यो
आदमी कसो बात करन की हिम्मत करय हय? यो त परमेश्वर की निन्दा करय हय! परमेश्वर को
अलावा अऊर कौन पाप माफ कर सकय हय?”
[8] यीशु न खुद अपनी आत्मा म जान लियो कि हि अपनो-अपनो मन सी असो बिचार कर रह्यो
हय, अऊर उन्को सी कह्यो, “तुम अपनो-अपनो मन म यो बिचार कहाली कर रह्यो हय? [9] का यो
कहनो सहज हय? लकवा को रोगी सी कि ‘तोरो पाप माफ भयो, यां यो कहनो कि उठ अपनी खटिया
उठाय क चल फिर?’ [10] यीशु न लकवा को रोगी सी कह्यो, तुम जान लेवो कि आदमी को बेटा ख
धरती पर पाप माफ करन को भी अधिकार हय।” [11] “मय तोरो सी कहूं हय, उठ, अपनी खटिया
उठाय क अपनो घर चली जा।”
[12] ऊ उठ्यो अऊर तुरतच खटिया उठाय क सब को सामने सी निकल क चली गयो; येको पर सब
अचम्भित भयो, अऊर परमेश्वर कि बड़ायी कर क् कहन लग्यो, “हम न असो कभी नहीं देख्यो!”

[illegible]
([illegible])

[13] यीशु निकल क गलील की झील को किनारा पर गयो, अऊर बहुत भीड़ ओको जवर आयी,
अऊर ऊ उन्ख शिक्षा देन लग्यो। [14] जातो हुयो ओन हलफई को टुरा लेवी ख कर वसुली की चौकी
पर बैठ्यो देख्यो, यीशु न ओको सी कह्यो, “मोरो पीछू चली आव।” अऊर ऊ उठ क ओको पीछू
चली गयो।
[15] जब यीशु लेवी को घर म जेवन करन गयो, तब बहुत सो कर लेनवालो अऊर दूसरों लोग भी,
यीशु अऊर ओको चेलावों को संग जेवन करन बैठ्यो; कहालीकि हि बहुत सो होतो, अऊर ओको
पीछू चल रह्यो होतो। [16] धर्मशास्त्रियों अऊर फरीसियों न यो देख क कि ऊ त पापियों अऊर कर
लेनवालो को संग जेवन कर रह्यो हय, उन्न अपनो चेलावों सी कह्यो, “ऊ त कर लेनवालो अऊर
पापियों को संग कहाली खावय पीवय हय?”
[17] यीशु न यो सुन क उन्को सी कह्यो, “भलो चंगो ख डाक्टर की जरूरत नहाय, पर बीमारों ख
हय: मय धर्मियों ख नहीं, पर पापियों को बहिष्कार करन आयो हय।”

[illegible]
([illegible])

[18] बपतिस्मा देन वालो यूहन्ना को चेला, अऊर फरीसियों को चेला उपवास करत होतो। कुछ
लोग आय क यीशु सी पुच्छ्यो, “यूहन्ना अऊर फरीसियों को चेला कहालीकि उपवास रखय हंय,
पर तोरो चेला उपवास नहीं रखय?”
[19] यीशु न उन्को सी कह्यो, “जब तक दूल्हा बरातियों को संग रह्य हय, का हि बिना खायो जाय
सकय हंय? बिल्कुल नहीं! जब तक दूल्हा उन्को संग हय, तब तक हि नहीं खाय सकय। [20] पर ऊ
दिन आयेंन, जब दूल्हा उन्को सी अलग कर दियो जायेंन; ऊ समय हि उपवास करेंन।

21 “नयो कपड़ा को थेगड़ पुरानो कपड़ा पर कोयी नहीं लगावय; नहीं त धोवन को बाद ऊ थेगड़
ओको म सी कुछ सुकड़ जायेंन, यानेकि नयो, पुरानो सी, अऊर ऊ पहिलो सी जादा फट जायेंन।
22 नयो अंगूररस ख पुरानो चमड़ा को मशकों म कोयी नहीं रखय, नहीं त अंगूररस ऊ मशकों ख
फाड़ देयेंन, अऊर अंगूररस अऊर मशकों दोयी नाश होय जायेंन; पर नयो अंगूररस नयो झोली म
भरयो जावय हय।”

[illegible]
([illegible])

23 असो भयो कि यीशु आराम दिन* ख गहूं को खेतो म सी होय क जाय रह्यो होतो, अऊर ओको
चेला चलतो हुयो गहूं को लोम्बा तोड़न लग्यो। 24 तब फरीसियों न यीशु सी कह्यो, “देखो; यो
आराम को दिन ऊ काम कहाली करय हय जो उचित नहाय?”
25 यीशु न उन्को सी कह्यो, “का तुम न यो कभी नहीं पढ़यो कि जब दाऊद ख जरूरत पड़ी,
अऊर जब ऊ अऊर ओको संगी ख भूख लगी, तब ओन का करयो होतो? 26 ओन कसो अबियातार
महायाजक को समय म, परमेश्वर को मन्दिर म जाय क अर्पन करी हुयी रोटी खायी, पर नियम को
अनुसार याजक लोगों ख छोड़ कोयी भी नहीं खाय सकय होतो, पर दाऊद न खायी अऊर अपनो
संगियों ख भी दियो?”
27 अऊर यीशु न उन्को सी कह्यो, “आराम दिन आदमी लायी बनायो गयो हय, नहीं कि आदमी
आराम दिन को लायी। 28 येकोलायी आदमी को बेटा आराम दिन को भी प्रभु आय।”

3

[illegible]
([illegible])

1 यीशु तब यहूदियों को आराधनालय म गयो; उत एक आदमी होतो जेको हाथ लकवा को रोग
सी सूख गयो होतो, 2 अऊर हि यीशु पर दोष लगावन लायी ओख मारन म लग्यो होतो कि देखो,
ऊ आराम दिन म ऊ आदमी ख चंगो करय हय कि नहीं। 3 यीशु न लकवा को सुख्यो हाथ वालो
आदमी सी कह्यो, “सामने खड़ो हो।”
4 अऊर उन्को सी कह्यो, “का आराम दिन को नियम को अनुसार भलो करनो ठीक हय यां बुरो
करनो? जीव ख बचावनो यां मारनो?” पर हि चुप रह्यो। 5 यीशु न उन्को मन की कठोरता सी उदास
होय क, उन्ख गुस्सा सी चारयी तरफ देख्यो, अऊर ऊ आदमी सी कह्यो, “अपनो हाथ बढ़ाव।” ओन
बढ़ायो, अऊर ओको हाथ पहिलो जसो अच्छो भय गयो। 6 तब फरीसी बाहेर जाय क यीशु को
विरोध म हेरोदेस राजा को राजनैतिक सभा को संग योजना बनायी कि ओख कसो नाश करबो।

[illegible]

7 यीशु अपनो चेलावों को संग झील को जवर चली गयो: अऊर गलील, यहूदिया सी एक बड़ी
भीड़ ओको पीछू चलन लगी; 8 अऊर यहूदिया, अऊर यरूशलेम, अऊर इदूमिया, अऊर यरदन नदी
को ओन पार, अऊर सूर अऊर सैदा को आजु बाजू सी लोगों कि एक बड़ी भीड़ यो सुन क आयी कि
ऊ कसो अचम्भा को काम करय हय, ओको जवर आयी। 9 ✡यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, “भीड़
को वजह सी एक छोटो डोंगा मोरो लायी तैयार रखे कहालीकि हि मोख घेर नहीं सकेंन।” 10 ओन
बहुत सो ख चंगो करयो होतो, येकोलायी जितनो लोग रोग-ग्रस्त होतो, ओख छूवन लायी ओको
पर गिरत पड़त होतो। 11 अऊर दुष्ट आत्मायें सी ग्रस्त लोग, जब ओख देखत होती, त यीशु को
आगु गिरत होती, अऊर चिल्लाय क कहत होती कि तय परमेश्वर को बेटा आय।
12 अऊर यीशु न दुष्ट आत्मा ख आदेश दियो कि ऊ कोयी ख भी मत बतावो कि ऊ कौन आय।

[illegible]
([illegible])

* **2:23** २:२३ यहूदियों को आराम दिन ✡ **3:9** ३:९ मरकुस ४:१; लूका ५:१-३

13 तब यीशु पहाड़ी पर चढ़ गयो, अऊर जेक ऊ चाहत होतो उन्ख अपनो जवर बुलायो; अऊर
हि ओको जवर आयो। 14 तब यीशु न बारा आदमियों ख चुन्यो अऊर उन्ख प्रेरित नाम दे क, ओन
उन्को सी कह्यो मोरो संग रहे अऊर मय उन्ख भेज सकू कि हि प्रचार करे, 15 अऊर दुष्ट आत्मा ख
निकालन को अधिकार रखेंन।
16 हि बारा म सी यो आय: शिमोन जेको नाम ओन पतरस रख्यो, 17 अऊर जब्दी को बेटा याकूब
अऊर याकूब को भाऊ यूहन्ना, जिन्को नाम ओन बुअनरगिस मतलब "गर्जन[*] को बेटा" रख्यो,
18 अऊर अन्द्रियास, अऊर फिलिप्पुस, अऊर बरतुल्मै, अऊर मत्ती, अऊर थोमा, अऊर हलफई
को बेटा याकूब, अऊर तद्दै, अऊर शिमोन कनानी[†], 19 अऊर यहूदा इस्करियोती जेन यीशु ख बैरियों
को हाथ म धोका दे क पकड़वायो।

□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□ □□:□□-□□; □□:□□)

20 तब यीशु घर म गयो: अऊर असी भीड़ जमा भय गयी कि यीशु अऊर ओको चेलावों को जवर
रोटी खान ख भी समय नहीं मिल्यो। 21 जब ओको घराना न यो सुन्यो, त हि ओख सम्भालन लायी
निकल्यो; कहालीकि हि कहत होतो कि ओको चित ठिकाना पर नहाय।
22 [✡]धर्मशास्त्री भी जो यरूशलेम सी आयो होतो, यो कहत होतो, "ओको म शैतान हय," अऊर
"बालजबूल[‡] जो दुष्ट आत्मावों को सरदार हय येकी शक्ति सी दुष्ट आत्मावों ख निकालय हय।"
23 येकोलायी यीशु उन्ख जवर बुलाय क उन्को सी दृष्टान्तों म कहन लग्यो, "शैतान कसो शैतान
ख निकाल सकय हय? 24 यदि कोयी राज्य म फूट पड़ेंन, त ऊ राज्य कसो बन्यो रह्य सकय हय?
25 अऊर यदि कोयी परिवार म फूट पड़ेंन, त ऊ परिवार कसो बन्यो रह्य सकेंन? 26 अऊर यदि
शैतान अपनोच विरोधी म होय क अपनोच राज्य म फूट डालेंन, त ऊ कसो बन्यो रह्य सकय हय?
ओको त अन्त होय जावय हय।
27 "पर कोयी ताकतवर आदमी को घर म घुस क ओको माल नहीं लूट सकय, जब तक की पहिले
ऊ ताकतवर आदमी ख बान्ध नहीं लेवय; तब ऊ ओको घर ख लूट सकेंन।
28 "मय तुम सी सच कहू हय, कि आदमी की सन्तान को सब पाप अऊर निन्दा जो हि करय हय,
माफ करयो जायेंन, 29 [✡]पर जो कोयी पवित्र आत्मा को खिलाफ निन्दा करेंन, ऊ कभी भी माफ
नहीं करयो जायेंन: बल्की ऊ अनन्त पाप को अपराधी होयेंन।" 30 यीशु न लोगों सी असो कह्यो
कि कुछ लोग असो कहत होतो कि ओको म दुष्ट आत्मा हय।

□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□ □:□□-□□)

31 तब यीशु की माय अऊर ओको भाऊ बहिन आयो, अऊर घर को बाजू म खड़ो होय क ओख
बुलावन भेज्यो। 32 अऊर भीड़ यीशु को आजु बाजू बैठी होती, अऊर उन्न ओको सी कह्यो, "देखो,
तोरी माय अऊर तोरो भाऊ-बहिन बाहेर तोख ढूंढ रह्यो हय अऊर तुम सी मिलनो चाहवय हय।"
33 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "मोरी माय अऊर मोरो भाऊ-बहिन कौन आय?" 34 अऊर उन
पर जो ओको चारयी तरफ बैठ्यो होतो, उन्को तरफ देख क कह्यो, "देखो, मोरी माय अऊर मोरो
भाऊ-बहिन यहां हय। 35 कहालीकि जो कोयी परमेश्वर की इच्छा पर चलेंन, उच मोरो भाऊ, अऊर
बहिन, अऊर माय आय।"

4

□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□
(□□□□□□ □□:□-□; □□□□□ □:□-□)

---

* **3:17** ३:१७ बादर को टकराव को आवाज † **3:18** ३:१८ रोमन को खिलाफ विरोधी ✡ **3:22** ३:२२ मत्ती ९:३४; १०:२५
‡ **3:22** ३:२२ दुष्ट आत्मावों को सरदार ✡ **3:29** ३:२९ लूका १२:१०

1 ✡फिर सी यीशु न गलील की झील को किनार पर शिक्षा देन लग्यो। अऊर असी बड़ी भीड़
ओको जवर जमा भय गयी कि ऊ एक डोंगा पर चढ़ क बैठ गयो। अऊर पूरी भीड़ झील को किनार
पर खड़ी रही। 2 अऊर ऊ उन्ख दृष्टान्त म बहुत सी बात सिखावन लग्यो, अऊर अपनो शिक्षा म
उन्को सी कह्यो।
3 "सुनो! एक किसान बीज बोवन निकल्यो। 4 तब बीज बोवतो समय कुछ रस्ता को किनार पर
गिरयो अऊर पक्षियों न आय क ओख खाय लियो। 5 अऊर कुछ बीज गोटाड़ी जमीन पर गिरयो
जित ओख थोड़ी सी माटी मिली होती, अऊर गहरी माटी नहीं मिलन को वजह जल्दी उग गयो,
6 अऊर जब सूरज निकल्यो त बड़ो पौधा जर गयो, अऊर गहरी जड़ी नहीं पकड़न को वजह सूख
गयो। 7 कुछ बीज काटा को झाड़ियों म गिरयो, अऊर झाड़ियों न बढ़ क ओख दबाय दियो, अऊर
ओन फर नहीं लायो। 8 पर कुछ बीज अच्छी जमीन पर गिरयो, अऊर ऊ उग्यो अऊर बढ़ क ओख
अच्छो फर लग्यो; अऊर कोयी तीस गुना, कोयी साठ गुना अऊर कोयी सौ गुना फर लायो।"
9 तब यीशु न कह्यो, "जेको जवर सुनन लायी कान हय, ऊ सुन ले।"

[illegible]
([illegible])

10 जब यीशु अकेलो रह्य गयो, त ओको संगियों न उन बारा चेलावों समेत ओको सी इन दृष्टान्तों
को बारे म पुच्छ्यो। 11 ओन उन्को सी कह्यो, "तुम्ख त परमेश्वर को राज्य को भेद की समझ दी
गयी हय, पर बाहेर वालो लायी सब बाते दृष्टान्तों म होवय हय।
12 "हि लोग देखय हय पर
देख नहीं सकय,
अऊर सुनय हय पर सुन नहीं सकय,
अऊर हि समझ नहीं पायेंन।
अऊर हि समझ सकय त परमेश्वर को तरफ मुड़ सकय हय
अऊर उन्को पाप माफ होय सकय हय।"

[illegible]
([illegible])

13 तब यीशु न उन्को सी पुच्छ्यो, "का तुम यो दृष्टान्त नहीं समझय? त फिर अऊर कोयी
दृष्टान्तों ख कसो समझो? 14 बोवन वालो परमेश्वर को सन्देश बोवय हय। 15 कुछ लोग बीज को
जसो हय जो रस्ता को किनार पर आवय हय, जब हि सन्देश सुनय हय, त शैतान तुरतच आवय हय
अऊर जो सन्देश उन्म बोयो गयो हय ओख उठाय लिजावय हय। 16 कुछ लोग ऊ बीज को जसो
होवय हय, जो गोटाड़ी जमीन पर गिरय हय। जसोच हि सन्देश सुनय हय, हि तुरतच खुशी सी
स्वीकार कर लेवय हय। 17 पर उन्म जड़ी गहरायी तक नहीं होवय हय, अऊर हि जादा दिन तक नहीं
रह्य सकय। येकोलायी सन्देश स्वीकार नहीं करन को वजह सी भूल जावय हय, त उन पर कठिनायी
यां उपद्रव आवय हय, त हि तुरतच ठोकर खावय हय। 18 कुछ लोग काटा की झाड़ियों म जगन
वालो बीज को जसो हय जो सन्देश ख सुनय हय, 19 अऊर जीवन की चिन्ता, अऊर धन को धोका,
अऊर दूसरी चिजों को लोभ ओको म समाय क सन्देश ख दबाय देवय हय अऊर ऊ असफल रह्य
जावय हय। 20 पर कुछ लोग अच्छी जमीन म बोयो गयो बीज को जसो हंय जो सन्देश ख सुन
क स्वीकार करय हंय अऊर अच्छो फर लावय हंय: कोयी तीस गुना, कोयी साठ गुना, कोयी सौ
गुना।"

[illegible]
([illegible])

21 ✡यीशु न उन्को सी कह्यो, "का दीया ख येकोलायी लावय हय कि बर्तन* यां खटिया को
खल्लो रख्यो जायेंन? का येकोलायी नहीं कि दीवट पर रख्यो जायेंन? 22 ✡असो कुछ भी नहाय,

✡ **4:1** ४:१ लूका ५:१-३ ✡ **4:21** ४:२१ मत्ती ५:१५; लूका ११:३३ * **4:21** ४:२१ पैमाना ✡ **4:22** ४:२२ मत्ती १०:२६;
लूका १२:२

जो लूक्यो हय अऊर खोल्यो नहीं जायेंन अऊर नहीं कुछ लूक्यो हय, जो प्रकाश म नहीं लायो
जायेंन। 23 यदि कोयी को कान हय, त ऊ सुन ले।"
24 ✡तब ओन उन्को सी यो भी कह्यो, "तुम सुनय हय ओको पर ध्यान देवो! उच नियम सी तुम
दूसरों को न्याय करय हय उच नियम तुम्हरो लायी भी व्यवहार म लायो जायेंन, अऊर तुम्हरो लायी
त ओको सी भी जादा होयेंन। 25 ✡कहालीकि जेको जवर हय, उन्ख जादा दियो जायेंन; अऊर जेको
जवर नहाय, ओको सी ऊ भी जो ओको जवर हय, ले लियो जायेंन।"

[illegible]

26 यीशु न कह्यो, "परमेश्वर को राज्य असो हय। जसो कोयी आदमी जमीन म बीज बोवय हय,
27 अऊर रात ख सोवय हय, अऊर दिन ख जागय हय, तब सब बीज अंकुरित होय क असो बढ़य
हय। कि ऊ नहीं जानय की यो कसो भयो। 28 जमीन अपनो आप फर लावय हय, पहिले अंकुर, तब
लोम्ब, अऊर तब लोम्बा म तैयार दाना। 29 पर जब फसल पक जावय हय, तब ऊ तुरतच हसिया
सी काटय हय, कहालीकि काटन को समय आय गयो हय।"

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible],[illegible],[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible],[illegible])

30 तब यीशु न कह्यो, "परमेश्वर को राज्य कसो हय ओख समझावन लायी कौन सो दृष्टान्त सी
ओको वर्नन कर सकय हय? 31 ऊ राई को दाना को जसो हय: जब जमीन म बोयो जावय हय त
जमीन को सब बीजावों सी छोटो होवय हय, 32 पर जब बोयो गयो, त उग क सब पौधा सी बड़ो
होय जावय हय, अऊर ओकी असी बड़ी डगाली निकलय हय कि आसमान को पक्षी ओकी छाव म
घोसला बनाय क बसेरा कर सकय हय।"
33 यीशु न लोगों ख सन्देश दियो, असो कुछ दृष्टान्तों को उपयोग करतो हुयो ओन उन्ख उतनोच
बतायो जितनो हि समझ सकत होतो। 34 अऊर बिना दृष्टान्त को ऊ उन्को सी कुछ भी नहीं बोलत
होतो; पर एकान्त म ऊ अपनो चेलावों ख सब बातों को मतलब समझावत होतो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

35 ओनच दिन शाम ख, ओन अपनो चेलावों सी कह्यो, "आवो, हम झील को ओन पार चलबो।"
36 येकोलायी हि भीड़ ख छोड़ क जो डोंगा म यीशु पहिलेच बैठ्यो होतो, वसोच चेलावों भी ओख
डोंगा पर ओन पार ले गयो; अऊर ओको संग अऊर भी डोंगा होतो। 37 तब अचानक बड़ी आन्धी
तूफान आयी, अऊर लहर डोंगा सी यहां तक टकरावन लगी कि ऊ पानी सी भरन लगी। 38 यीशु
खुद जहाज को पीछू को भाग म मुन्डेसो लगाय क सोय रह्यो होतो। तब चेलावों न ओख जगायो
अऊर कह्यो, "हे गुरु, का तोख चिन्ता नहाय कि हम मरन पर हय?"
39 यीशु न उठ क आन्धी ख आज्ञा दियो, "शान्त रह, थम जा!" अऊर आन्धी थम गयी, अऊर
बड़ो चैन मिल गयो। 40 तब यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, "तुम कहाली डरय हय? का तुम्ख
अब भी विश्वास नहाय?"
41 हि बहुतच डर गयो अऊर आपस म बोलन लग्यो, "यो आदमी कौन आय? कि आन्धी अऊर
लहर भी ओकी आज्ञा मानय हय!"

5

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

1 यीशु अऊर ओको चेला गलील की झील को ओन पार गिरासेनियों प्रदेश म पहुंच्यो, 2 जब
यीशु डोंगा पर सी उतरयो, त तुरतच एक आदमी कब्रस्थान सी बाहेर निकल क आयो। जेको म
दुष्ट आत्मा होती ओख मिल्यो 3 अऊर ऊ कब्रस्थान म रहत होतो। अऊर कोयी ओख संकली सी

✡ **4:24** ४:२४ मत्ती ७:२; लूका ६:३८ ✡ **4:25** ४:२५ मत्ती १३:१२; २५:२९; लूका १९:२६

भी बान्ध नहीं सकत होतो, 4 कहालीकि ऊ बार-बार बेड़ियों अऊर संकली सी बान्ध्यो गयो होतो,
पर ओन संकली ख तोड़ दियो अऊर हाथ अऊर पाय की बेड़ियों को टुकड़ा टुकड़ा कर दियो होतो,
अऊर कोयी ओख वश म नहीं कर सकत होतो। 5 ऊ लगातार रात-दिन कब्रस्थान अऊर पहाड़ी म
फिरत होतो, अऊर अपनो आप ख गोटा सी घायल करत होतो।
6 ऊ दूर सी यीशु ख देख क दवड़यो, अऊर ओको पाय पर घुटना को बल गिर पड़यो, 7 अऊर
ऊचो आवाज सी चिल्लाय क कह्यो, "हे यीशु, परमप्रधान परमेश्वर को बेटा, मोख तोरो सी का
काम? मय तोख परमेश्वर की कसम देऊ हय कि मोख सजा मत दे।" 8 कहालीकि यीशु न ओको सी
कह्यो होतो, "हे दुष्ट आत्मा, यो आदमी म सी निकल जा!"
9 यीशु न ओको सी पुच्छयो, "तोरो का नाम हय?"
ओन ओको सी कह्यो, "मोरो नाम सेना हय; कहालीकि हम बहुत हय।" 10 अऊर ओन यीशु सी
बहुत बिनती करी, "हम्ख बुरी आत्मावों ख यो जागा सी बाहेर मत भेज।"
11 उत पहाड़ी को ढलान पर डुक्करों को एक बड़ो झुण्ड चर रह्यो होतो। 12 येकोलायी बुरी आत्मा
न यीशु सी बिनती कर क् कह्यो, "हम्ख उन डुक्करों म भेज दे कि हम उन्को अन्दर समाय जाबो।"
13 येकोलायी ओन उन्ख आज्ञा दियो अऊर दुष्ट आत्मा निकल क डुक्करों को अन्दर समाय गयी
अऊर डुक्करों को जो झुण्ड, लग-भग दोय हजार होतो, ढलान पर सी झील म गिर क डुब मरयो।
14 उन डुक्करों ख चरावन वालो न खेतो सी दौड़ क नगर अऊर गांवो म समाचार सुनायो, अऊर
जो घटना घटी होती, लोग ओख देखन आयो। 15 तब हि यीशु को जवर आयो, अऊर ऊ आदमी ख
जेको म दुष्ट आत्मायें होती, जेको म सेना समायी होती, कपड़ा पहिन क अच्छो अवस्था म बैठ्यो
देख क डर गयो। 16 जिन लोगों न ओख देख्यो होतो, ओको म दुष्ट आत्मायें होती, अऊर डुक्करों
को पूरो हाल उन्ख बतायो।
17 तब हि यीशु सी बिनती कर क् कहन लग्यो कि हमरो सरहद सी चली जा।
18 जब यीशु डोंगा पर चढ़न लग्यो त ऊ आदमी जेको म दुष्ट आत्मायें होती, ओको सी बिनती
करन लग्यो, "मोख अपनो संग चलन दे।"
19 पर यीशु न ओख जान नहीं दियो। अऊर ओको सी कह्यो, "अपनो घर जाय क अपनो लोगों
ख बताव कि तोरो पर दया कर क् प्रभु न तोरो लायी कसो बड़ो काम करयो हय।"
20 ऊ जाय क दस नगर को बड़ो शहर दिकापुलिस म यो बात को प्रचार करन लग्यो कि यीशु न
मोरो लायी कसो बड़ो काम करयो हय; अऊर सब लोग अचम्भा करत होतो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

21 जब यीशु डोंगा सी ओन पार गयो, त एक बड़ी भीड़ ओको आजु बाजू जमा भय गयी। अऊर
ऊ झील को किनार पर होतो। 22 याईर नाम को आराधनालय को मुखिया म सी एक लोग आयो,
अऊर यीशु ख देख क ओको पाय पर गिर पड़यो, 23 अऊर यो कह्य क ओको सी बहुत बिनती करी,
"मोरी छोटी बेटी बीमार हय: तय आय क ओको पर हाथ रख कि वा चंगी होय क जीन्दी रहे।"
24 तब यीशु ओको संग गयो; अऊर बड़ी भीड़ ओको पीछू चलन लगी, यहां तक कि लोगों कि
भीड़ ओको पर गिर पड़त होती।
25 एक बाई होती, जेक बारा साल सी खून बहन कि बीमारी होती। 26 ओन बहुत दु:ख उठायो
अऊर बहुत डाक्टरों सी इलाज करवायो, अऊर अपनो सब पैसा खर्च करन पर भी ओख कुछ फायदा
नहीं मिल्यो, पर अऊर भी बीमारी भय गयी। 27 ओन यीशु को बारे म ओकी चर्चा सुनी, येकोलायी
भीड़ म ओको पीछू सी आयी अऊर ओको कपड़ा ख छूय लियो, 28 कहालीकि वा कहत होती, "यदि
मय ओको कपड़ाच ख छूय लेऊ, त चंगी होय जाऊं।"
29 अऊर तुरतच ओको खून बहनो बन्द भय गयो, अऊर ओन अपनो शरीर म जान लियो कि मय
वा बीमारी सी अच्छी भय गयी हय। 30 यीशु न तुरतच अपनो आप म जान लियो कि मोरो म सी
सामर्थ निकली हय, अऊर भीड़ म पीछू मुड़ क पुच्छयो, "मोरो कपड़ा ख कौन न छूयो?"

31 ओको चेलावों न ओको सी कह्यो, "तय देखय हय कि भीड़ तोरो पर गिर पड़य हय, अऊर तय
कह्य हय कि कौन न मोख छूयो?"
32 पर यीशु न ओख देखन लायी जेन यो काम करयो होतो, चारयी तरफ देख्यो। 33 तब वा बाई यो
जान क कि मोरी कसी भलायी भयी हय, डरती अऊर कापती आयी, अऊर ओको पाय पर घुटना को
बल गिर क ओख सब सच्चायी बताय दियो। 34 यीशु न ओको सी कह्यो, "मोरी बेटी, तोरो विश्वास
न तोख चंगो करयो हय: शान्ति सी जा, अऊर अपनी यो बीमारी सी बची रह्य।"
35 जब यीशु कह्य रह्यो होतो कि आराधनालय को मुखिया को घर सी लोगों न आय क कह्यो,
"तोरी बेटी त मर गयी, अब गुरु ख कहालीकि परेशान करय हय?"
36 पर यीशु न उन्की बात नहीं सुनी पर उन्की बात पर ध्यान नहीं दियो, अऊर आराधनालय को
मुखिया सी कह्यो। "मत डर; केवल विश्वास रख।" 37 अऊर ओन पतरस, याकूब, अऊर याकूब को
भाऊ यूहन्ना ख छोड़ क, अऊर कोयी ख भी अपनो संग आवन नहीं दियो। 38 याईर अधिकारी को
घर म जाय क यीशु न, लोगों ख भ्रमित अवस्था म बहुत रोवत अऊर चिल्लावत देख्यो। 39 तब
ओन घर को अन्दर जाय क उन सी कह्यो, "तुम कहाली भ्रम म हय? कहाली रोवय हय? बेटी मरी
नहीं, पर वा सोय रही हय।"
40 हि ओकी मजाक उड़ावन लग्यो, येकोलायी ओन सब ख बाहेर निकाल क बेटी को माय-बाप
अऊर अपनो तीन चेलावों को संग ऊ कमरा को अन्दर गयो, जित बेटी पड़ी होती। 41 अऊर बेटी
को हाथ पकड़ क ओको सी कह्यो, "तलीता कूमी!" जेको मतलब आय, "हे बेटी, मय तोरो सी कहूं
हय, उठ!"
42 अऊर बारा साल की वा बेटी तुरतच उठ क चलन फिरन लगी; येको पर लोगों ख बहुत आश्चर्य
भयो। 43 तब ओन उन्ख चिताय क आज्ञा दियो कि या बात कोयी ख मत बतावो, "अऊर येख कुछ
खान ख देवो।"

6

[illegible]
[illegible]

1 यीशु उत सी निकल क अपनो नासरत नगर म आयो, अऊर ओको चेला भी ओको पीछू गयो।
2 आराम दिन म ऊ आराधनालय म शिक्षा देन लग्यो, अऊर बहुत सो लोग सुन क अचम्भित होय
क कहन लग्यो, "येख या सब बाते कित सी आय गयी? यो कौन सो ज्ञान आय जो ओख दियो गयो
हय? कसो सामर्थ को काम येको हाथों सी प्रगट होवय हय? 3 ऊ बढ़यी त आय, जो मरियम को
बेटा, अऊर याकूब, योसेस, यहूदा, अऊर शिमोन को भाऊ आय? का ओकी बहिन यहां हमरो बीच
म नहाय?" येकोलायी उन्न ओको इन्कार करयो।
4 ✡यीशु न उन्को सी कह्यो, "भविष्यवक्ता ख अपनो नगर म, अऊर अपनो कुटुम्ब म, अऊर
अपनो परिवार ख छोड़ क सब जागा म आदर, मिलय हय।"
5 ऊ उत कोयी सामर्थ को काम नहीं कर सक्यो, केवल थोड़ो सो बीमारों पर हाथ रख क उन्ख
चंगो करयो। 6 अऊर यीशु ख लोगों को अविश्वास पर आश्चर्य भयो, अऊर ऊ चारयी तरफ को
गांव म शिक्षा दे रह्यो होतो।

[illegible]
[illegible]

7 ओन बारयी चेलावों ख अपनो जवर बुलायो अऊर उन्ख दोय-दोय कर क् भेज्यो; अऊर उन्ख
दुष्ट आत्मावों पर अधिकार दियो। 8 ओन उन्ख आदेश दियो, "अपनी यात्रा लायी लाठी को
अलावा अऊर कुछ मत लेवो नहीं रोटी, नहीं झोली, नहीं पैसा। 9 पर चप्पल पहिनो, अऊर पहिन्यो
हुयो कुरता को अलावा दूसरों कुरता मत रखो।" 10 अऊर ओन उन्को सी कह्यो, "जित कहीं भी तुम
कोयी घर म जावो त तुम्हरो स्वागत होवय हय, त उच घर म रहो, जब तक बिदा नहीं करय तब तक

✡ **6:4** ६:४ यूहन्ना ४:४४

ऊ घर ख मत छोड़ो। 11 ✡✡जो गांव को लोग तुम्हरो स्वागत नहीं करय अऊर तुम्हरी नहीं सुनय,
त ऊ घर ख छोड़ देवो अऊर उलटो पाय वापस होय जावो। कि उन्को लायी चेतावनी होयेंन।"
12 तब उन्न जाय क प्रचार करयो कि पाप करनो छोड़ो, अऊर परमेश्वर को तरफ फिरो।
13 ✡अऊर बहुत सी दुष्ट आत्मावों ख निकाल्यो, अऊर बहुत सो बीमारों पर जैतून को तेल मल क
उन्ख चंगो करयो।

[illegible]
([illegible])

14 ✡*हेरोदेस राजा न भी ओकी चर्चा सुन्यो, कहालीकि ओको नाम फैल गयो होतो, अऊर लोग
कहत होतो, "यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो मरयो हुयो म सी जीन्दो भयो हय! येकोलायी ओको सी
यो सामर्थ को काम प्रगट होवय हंय।"
15 पर कुछ लोगों न कह्यो, "यो एलिय्याह आय।"
पर कुछ लोगों न कह्यो, "भविष्यवक्ता यां भविष्यवक्तावों म सी कोयी एक को जसो हय।"
16 राजा हेरोदेस न यो सुन क कह्यो, "जो बपतिस्मा देन वालो यूहन्ना को मुंड मय न कटवायो
होतो! पर उच जीन्दो भयो हय!" 17 ✡हेरोदेस न सैनिकों द्वारा यूहन्ना ख संकली सी बान्ध क
जेलखाना म डाल दियो होतो। कहालीकि हेरोदेस न अपनो भाऊ फिलिप्पुस की पत्नी हेरोदियास
सी बिहाव कर लियो होतो, येकोलायी यूहन्ना ओख गलत साबित करत होतो। 18 बपतिस्मा देन
वालो यूहन्ना न बार बार हेरोदेस सी कह्यो होतो, "अपनो भाऊ की पत्नी सी बिहाव करनो तोख
उचित नहाय।"
19 कहालीकि हेरोदियास बपतिस्मा देन वालो यूहन्ना सी घृना रखत होती येकोलायी ओख
मरवानो चाहत होती पर वा हेरोदेस को वजह सी असो नहीं कर सकी, 20 हेरोदेस यूहन्ना सी डरत
होतो कहालीकि ऊ एक पवित्र अऊर सच्चो व्यक्ति आय जान क ओख सम्भाल क रखत होतो,
पर जब भी ओकी बाते सुनत होतो त ऊ बहुत घबरावत होतो।
21 जब हेरोदियास ख मौका मिल्यो। तब हेरोदेस न अपनो जनम दिन म अपनो प्रधानों, अऊर
सेनापतियों, अऊर गलील को मुख्य लोगों ख जेवन म नेवता दियो। 22 त हेरोदियास की बेटी अन्दर
आयी, अऊर नाच क हेरोदेस अऊर ओको संग बैठन वालो मुख्य लोगों ख खुश करयो। त राजा न
टुरी सी कह्यो, "तय जो चाहवय हय मोरो सी मांग मय तोख देऊ।" 23 अऊर मय तुम सी वादा करू
हय, "मय अपनो अरधो राज्य तक जो कुछ तय मांगजो मय तोख देऊ।"
24 ओन बाहेर जाय क अपनी माय सी पुच्छ्यो, "मय का मांगू?"
वा बोली, "यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो को मुंड।"
25 वा तुरतच राजा को जवर आयी अऊर ओको सी मांग करी, "मय चाहऊ हय कि तय अभी
यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो को मुंड एक थारी म मोख मंगाय दे।"
26 तब राजा बहुत दु:खी भयो, कि ओन अपनो मेहमानों को आगु वा टुरी सी कसम को वजह
ओख टाल नहीं सक्यो। 27 येकोलायी राजा न तुरतच एक पहरेदार ख आज्ञा दे क जेलखाना भेज्यो
कि ओको मुंड काट क लाव। 28 ओन जेलखाना म जाय क ओको मुंड काटचो, अऊर एक थारी म
रख क लायो अऊर टुरी ख दियो, अऊर टुरी न अपनी माय ख दियो। 29 यो सुन क यूहन्ना को चेला
आयो, अऊर ओको शरीर ख ले गयो अऊर कब्र म रख्यो।

[illegible]
([illegible])

30 प्रेरितों न यीशु को जवर आय क जमा भयो, अऊर जो कुछ उन्न करयो अऊर सिखायो होतो,
सब ओख बतायो। 31 यीशु न चेला सी कह्यो, "आवो अऊर एकान्त जागा म चल क थोड़ो आराम

✡ **6:11** ६:११ प्रेरितों १३:५१ ✡ **6:11** ६:११ लूका १०:४-११ ✡ **6:13** ६:१३ याकूब ५:१४ ✡ **6:14** ६:१४ मत्ती १६:१४; मरकुस ८:२८; लूका ९:१९ * **6:14** ६:१४ हेरोदेस अंतीपास, गलील प्रान्त को प्रशासक ✡ **6:17** ६:१७ लूका ३:१९,२०

करो।” कहालीकि बहुत लोग आवत-जात होतो, अऊर उन्ख जेवन करन को समय भी नहीं मिलत
होतो। 32 येकोलायी हि डोंगा पर चढ़ क सुनसान जागा म अलग चली गयो।

▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯ ▯▯▯▯▯▯▯
(▯▯▯▯▯▯ ▯▯:▯▯-▯▯; ▯▯▯▯▯ ▯:▯▯-▯▯; ▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯:▯-▯▯)

33 अऊर बहुत लोगों न उन्ख जातो देख क पहिचान लियो, अऊर सब नगर सी जमा होय क
पैदल दवड़यो अऊर यीशु अऊर ओको चेलावों को पहिले जा पहुंच्यो। 34 ✡यीशु डोंगा सी उतर
क लोगों की बड़ी भीड़ ख देख्यो, अऊर ओको दिल उन्को लायी दया सी भर गयो, कहालीकि हि
चरवाहा को बिना मेंढीं को जसो होतो। येकोलायी ऊ उन्ख बहुत सी बाते सिखावन लग्यो। 35 जब
दिन बहुत डुब गयो, त ओको चेला ओको जवर आय क कहन लग्यो, “यो सुनसान जागा हय, अऊर
दिन बहुत डुब गयो हय। 36 उन लोगों ख भेज क कि चारयी बाजू को खेतो अऊर गांवो म जाय क,
अपनो लायी कुछ खान को लेय क लावो।”

37 ओन उत्तर दियो, “तुमच उन्ख खान ख देवो।” उन्न यीशु सी कह्यो।

“का हम चांदी को सिक्का† की रोटी लेय लेबो जेकी कीमत दोय सौ दिन की मजूरी को बराबर
हय, उन्ख खिलायबो?”

38 यीशु न उन्को सी कह्यो, “जाय क देखो तुम्हरो जवर कितनी रोटी हय?”

उन्न मालूम कर क् कह्यो, “पाच रोटी अऊर दोय मच्छी।”

39 तब यीशु न चेलावों आज्ञा दियो कि सब ख हरी घास पर पंगत-पंगत सी बिठाय देवो।
40 येकोलायी हि सौ सौ अऊर पचास पचास कर क् पंगत-पंगत सी बैठ गयो। 41 तब यीशु न
पाच रोटी अऊर दोय मच्छी ख लियो, अऊर स्वर्ग को तरफ देख क परमेश्वर ख धन्यवाद दियो।
अऊर ओन रोटी तोड़-तोड़ क चेलावों ख देत गयो कि हि लोगों ख परोसो। अऊर हि दोय मच्छी
भी उन सब म बाट दियो। 42 अऊर सब खाय क सन्तुष्ट भय गयो, 43 तब चेलावों न रोटी अऊर
मच्छी म सी बच्यो हुयो टुकड़ा सी बारा टोकनी भर क उठायी। 44 जिन्न जेवन करयो, हि पाच
हजार आदमी होतो।

▯▯▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯▯
(▯▯▯▯▯▯ ▯▯:▯▯-▯▯; ▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯:▯▯-▯▯)

45 तब यीशु न तुरतच अपनो चेलावों ख डोंगा पर चढ़ायो अऊर हि ओको सी पहिले ओन पार
बैतसैदा ख चली जाय, जब तक कि ऊ लोगों ख बिदा करन लग्यो। 46 उन्ख बिदा कर क् ऊ पहाड़ी
पर प्रार्थना करन गयो। 47 जब शाम भयी, त डोंगा झील को बीच म होतो, अऊर यीशु किनारो
पर अकेलो होतो। 48 जब ओन देख्यो कि हि डोंगा चलावत-चलावत घबराय गयो हय, कहालीकि
हवा उन्को विरुद्ध होती, त रात को तीन सी छे बजे को बीच सबेरे होन सी पहिले ऊ झील पर चलत
उन्को जवर आयो; कहालीकि ऊ उन्को सी आगु निकल जानो चाहत होतो। 49 पर उन्न ओख झील
पर चलतो देख क समझ्यो कि यो भूत आय, अऊर चिल्लाय उठचो।

50 कहालीकि सब ओख देख क घबराय गयो होतो। पर यीशु न तुरतच उन्को सी बाते करी अऊर
कह्यो, “हिम्मत रखो: मय आय; डरो मत!” 51 तब ऊ उन्को जवर डोंगा पर आयो, अऊर हवा रुक
गयी: अऊर चेला बहुतच अचम्भित भयो। 52 हि उन पाच हजार आदमियों ख रोटी खिलावन वाली
बात को अर्थ नहीं समझ सक्यो, कहालीकि उन्को मन कट्टर भय गयो होतो।

▯▯▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯ ▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯ ▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯
(▯▯▯▯▯▯ ▯▯:▯▯-▯▯)

53 जसोच हि झील को पार होय क गन्नेसरत म पहुंच्यो, अऊर डोंगा किनार पर लगायो। 54 जब
हि डोंगा सी उतरयो, त लोगों न तुरतच यीशु ख पहिचान लियो, 55 आजु बाजू को पूरो देश म
दवड़यो, अऊर बीमारों ख खटिया पर धर क, जित-जित समाचार सुन्यो कि ऊ आय, उत-उत लेय

✡ **6:34** ६:३४ मत्ती ९:३६ † **6:37** ६:३७ एक चांदी को सिक्का एक दिन की मजूरी को बराबर हय

क फिरयो। 56 अऊर जित कहीं यीशु गांवो, नगरो, यां खेतो म जात होतो, लोग बीमारों ख बजारों
म रख क ओको सी बिनती करत होतो कि ऊ उन्ख अपनो कपड़ा को कोना ख छूवन देवो; अऊर
जितनो ओख छूवत होतो, सब चंगो होय जात होतो।

7

[illegible]
([illegible])

1 तब फरीसी अऊर कुछ धर्मशास्त्री जो यरूशलेम सी आयो होतो, यीशु को जवर जमा भयो,
2 लोगों न देख्यो फरीसियों की शिक्षा को अनुसार हाथ धोवनो होतो, पर चेलावों ख बिना हाथ
धोयो रोटी खातो देख्यो।
3 कहालीकि फरीसी अऊर सब यहूदी, बुजूर्गों की रीति पर चलय हय अऊर जब तक हाथ नहीं
धोय लेवय तब तक नहीं खावय; 4 अऊर बजार सी लायी जो कुछ चिज ओख अपनी शिक्षा को
अनुसार धोय नहीं लेवय, तब तक नहीं खावय; जसो कटोरा, कप, अऊर तांबो को बर्तन अऊर
बिस्तर इतनो धोवन को अलग-अलग तरीका होतो।
5 येकोलायी उन फरीसियों अऊर धर्मशास्त्रियों न यीशु सी पुच्छ्यो, "तोरो चेला कहालीकि
बुजूर्गों की परम्परावों पर नहीं चलय, अऊर बिना हाथ धोयो रोटी खावय हय?"
6 यीशु न उन्को सी कह्यो, यशायाह न तुम कपटियों को बारे म भविष्यवानी ठीकच करी! जसो
लिख्यो हय:

हि लोग होठों सी त मोरो आदर करय हय,
    पर उन्को मन मोरो सी दूर रह्य हय
7 हि बेकार मोरी भक्ति करय हय,
    कहालीकि आदमियों को नियम ख
    परमेश्वर को नियम आय असो कर क् सिखावय हय।

8 "कहालीकि तुम परमेश्वर की आज्ञा ख टालय हय अऊर आदमियों की शिक्षावों को पालन
करय हय।"
9 यीशु न उन्को सी कह्यो, "तुम अपनी शिक्षावों ख बनायो रखन लायी परमेश्वर की आज्ञा ख
टालन म चालाक भय गयो हय। 10 कहालीकि मूसा न कह्यो हय, 'अपनो बाप अऊर माय को आदर
करो,' अऊर 'जो कोयी बाप यां माय ख बुरो कहेंन, ओख निश्चित मार डाल्यो जायेंन।' 11 पर तुम
सिखावय हय कि यदि कोयी अपनो बाप यां माय सी कहेंन, मय जो कुछ तोख मदत कर सकत होतो,
पर कह्य हय, 'यो कुरबान हय' जेको मतलब हय, यो परमेश्वर ख दान हय, 12 त असो आदमी ख
अपनो बाप यां माय की सेवा नहीं करन को बहाना मिल जावय हय। 13 यो तरह सी तुम अपनो
नियम बनाय क, परमेश्वर को शिक्षा टाल देवय हय; अऊर यो तरह सी बहुत सो काम करय हय।"

[illegible]
([illegible])

14 तब यीशु न लोगों ख अपनो जवर बुलाय क उन्को सी कह्यो, "तुम सब मोरी बात सुनो, अऊर
समझो। 15 असी कोयी चिज नहाय जो आदमी म बाहेर सी अन्दर जाय क अशुद्ध नहीं करय; पर
जो चिज आदमी को अन्दर सी बाहेर निकलय हय, हिच ओख अशुद्ध करय हय। 16 जेको कान हय
ऊ सुन ले।*"
17 जब ऊ भीड़ को जवर सी घर म गयो, त ओको चेलावों न यो दृष्टान्त को बारे म समझावन ख
कह्यो। 18 ओन उन्को सी कह्यो, "का तुम भी असो नासमझ हय? का तुम नहीं समझय कि जो चिज
बाहेर सी आदमी को अन्दर जावय हय, ऊ ओख अशुद्ध नहीं कर सकय? 19 कहालीकि यो तुम्हरो
दिल म नहीं, पर पेट म जावय हय, अऊर शरीर सी बाहेर निकल जावय हय?" यो कह्य क यीशु न
सब खान की चिज ख शुद्ध ठहरायो हय।

* **7:16** ७:१६ कुछ हस्त लेख म यो वचन नहीं मिलय

20 तब ओन कह्यो, "जो बाते आदमी को अन्दर सी बाहेर निकलय हय, उच आदमी ख अशुद्ध
करय हय। 21 कहालीकि अन्दर सी, अपनो दिल सी बुरो बिचार, अनैतिक काम, चोरी, यां मारनो,
22 व्यभिचार, लालच, कपट, ईर्ष्या, घमण्ड, अऊर मूर्खता 23 या सब बुरी बाते अन्दर सीच निकलय
हय अऊर तुम्ख अशुद्ध करय हय।"

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

24 तब यीशु उत सी उठ क सूर अऊर सैदा को प्रदेश चली गयो। अऊर एक घर म गयो अऊर
ऊ नहीं चाहत होतो कि कोयी ख पता चले, पर ऊ लूक्यो नहीं रह्य सक्यो। 25 एक बाई जेकी छोटी
बेटी म दुष्ट आत्मा होती, यीशु की चर्चा सुन क आयी, अऊर ओको पाय पर गिर पड़ी। 26 या बाई
गैरयहूदी होती या सिरीया को फिनीकी म पैदा भयी होती। ओन यीशु सी बिनती करी कि मोरी बेटी
म सी दुष्ट आत्मा ख निकाल दे। 27 पर यीशु न कह्यो, "पहिले बच्चां ख सन्तुष्ट होन दे, कहालीकि
बच्चां की रोटी ले क कुत्तावों को आगु डालनो ठीक नहाय।"
28 ओन ओख उत्तर दियो, "सच हय प्रभु; पर मेज को खल्लो कुत्ता भी त बच्चां को जूठन ख
खावय हय।"
29 यीशु न ओको सी कह्यो, तय चली जा "तुम्हरो जवाब को वजह सी; दुष्ट आत्मा तोरी बेटी म
सी निकल गयी हय!"
30 ओन अपनो घर आय क देख्यो कि बेटी खटिया पर पड़ी हय, अऊर दुष्ट आत्मा निकल गयी
हय।

[illegible]

31 तब यीशु सूर को प्रदेश सी निकल क सैदा को रस्ता सी गलील की झील पहुंच क दिकापुलिस†
म आयो। 32 त लोगों न एक बहिरा ख जो मुक्का भी होतो, ओको जवर लाय क ओको सी बिनती
करी कि अपनो हाथ ओको पर रखे। 33 येकोलायी ऊ ओख भीड़ सी अलग ले गयो, अऊर अपनो
बोट ओको कानो म डाली, अऊर थूक लगाय क ओकी जीबली ख छूयो; 34 अऊर यीशु स्वर्ग को
तरफ देख क आह भरी, अऊर ओको सी कह्यो, "इप्फत्तह!" मतलब "खुल जा!"
35 अऊर आदमी को कान खुल गयो, अऊर ओकी जीबली की गाठ भी खुल गयी, अऊर ऊ साफ
साफ बोलन लग्यो। 36 तब यीशु न लोगों ख आदेश दियो कि ऊ कोयी सी नहीं कहेंन; पर जितनो
जादा ओन उन्ख आदेश दियो, उतनोच उन्न यो नहीं बतायो। 37 हि सुन क बहुतच अचम्भित भयो,
"ऊ कितनो अच्छो तरह सी सब कुछ करय हय!" उन्न कह्यो। "ऊ बहिरा ख सुनन की, अऊर मुक्का
ख बोलन की शक्ति देवय हय!"

8

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

1 उन दिनो म जब फिर बड़ी भीड़ जमा भयी, अऊर लोगों को जवर कुछ खान को नहीं होतो, त
यीशु न अपनो चेलावों ख जवर बुलाय क उन्को सी कह्यो, 2 "मोख यो भीड़ पर तरस आवय हय,
कहालीकि हि लोग तीन दिन सी बराबर मोरो संग हय, अऊर उन्को जवर कुछ भी खान लायी नहीं
होतो। 3 यदि मय उन्ख भूखो घर भेज देऊं, त रस्ता म थक क बेहोश होय जायेंन; कहालीकि इन म
सी कुछ दूर दूर सी आयो हय।"
4 ओको चेलावों न ओख उत्तर दियो, "इत सुनसान जागा म इतनी रोटी कोयी कित सी लायेंन
कि हि सन्तुष्ट होय जायेंन?"
5 यीशु न उन्को सी पुच्छ्यो, "तुम्हरो जवर कितनी रोटी हय?"
उन्न कह्यो, "सात।"

† 7:31 ७:३१ दस नगर को बड़ो शहर

6 तब ओन लोगों ख जमीन पर बैठन को आदेश दियो, अऊर हि सात रोटी ख धरी अऊर परमेश्वर
को धन्यवाद कर क् तोड़ी, अऊर अपनो चेलावों ख देत गयो कि उन्ख परोसो, अऊर उन्न लोगों को
आगु परोस दियो। 7 उन्को जवर थोड़ी सी छोटी मच्छी भी होती; ओन परमेश्वर ख धन्यवाद कर क्
उन्ख भी लोगों को आगु परोसन को आदेश दियो। 8 हि खाय क सन्तुष्ट भय गयो अऊर चेलावों न
बच्यो टुकड़ा कि सात टोकनी भर क उठायी। 9 अऊर लोग चार हजार को लगभग होतो; तब ओन
लोगों ख बिदा कर दियो, 10 अऊर ऊ तुरतच अपनो चेलावों को संग डोंगा पर चढ़ क दलमनूता
प्रदेश ख चली गयो।

[illegible]
([illegible])

11 ✡कुछ फरीसियों आय क यीशु सी वाद-विवाद करन लग्यो, अऊर ओख जांचन लायी ओको
सी उन लोगों न आश्चर्य कर्म करन लायी कह्यो की ऊ परमेश्वर की तरफ सी स्वर्ग को कोयी चिन्ह
बताव। 12 ✡ओन अपनी आत्मा म आह भर क कह्यो, "यो पीढ़ी को लोग कहाली चिन्ह ढूंढय हय?
मय तुम सी सच कहू हय कि यो पीढ़ी को लोगों ख कोयी चिन्ह नहीं दियो जायेंन।"
13 अऊर ऊ उन्ख छोड़ क फिर डोंगा पर चढ़ गयो अऊर झील को पार चली गयो।

[illegible]
([illegible])

14 चेला रोटी धरनो भूल गयो होतो, अऊर डोंगा म उन्को जवर एकच रोटी होती। 15 ✡यीशु न
उन्ख चितायो, "देखो, फरीसियों को खमीर* अऊर हेरोदेस को खमीर सी चौकस रहो।"
16 कहालीकि हि आपस म बाते कर क् कहन लग्यो, "हमरो जवर रोटी नहाय।"
17 यो जान क यीशु न उन्को सी कह्यो, तुम कहालीकि आपस म बाते कर रह्यो हय कि हमरो
जवर रोटी नहाय? का अब तक नहीं जानय अऊर नहीं समझय? का तुम्हरो मन सुस्त भय गयो
हय? 18 ✡का आंखी रह्य क भी नहीं देखय, अऊर कान रह्य क भी नहीं सुनय? अऊर का तुम्ख याद
नहाय।
19 कि जब मय न पाच हजार लोगों लायी पाच रोटी तोड़ी होती त तुम न टुकड़ा की कितनी
टोकनियां भर क उठायी होती? उन्न ओको सी कह्यो, "बारा टोकनी।"
20 यीशु न उन्ख पुच्छ्यो "का तुम्ख याद नहाय जब चार हजार लोगों लायी सात रोटी अऊर
तुम न कितनी टोकनी भर क उठायी होती?"
उन्न ओको सी कह्यो, "सात टोकनी।"
21 यीशु न उन्को सी पुच्छ्यो, "का तुम अब भी नहीं समझायो?"

[illegible]

22 हि बैतसैदा नगर म आयो; अऊर कुछ लोग एक अन्धा ख यीशु को जवर लायो अऊर ओको
सी बिनती करी कि ओख छूव। 23 ऊ अन्धा को हाथ पकड़ क ओख गांव को बाहेर ले गयो, अऊर
ओकी आंखी म थूक लगाय क ओको पर हाथ रख्यो, अऊर ओको सी पुच्छ्यो, "का तय कुछ देख
सकय हय?"
24 ओन ऊपर देख क कह्यो, "मय आदमी ख देखूं हय; हि मोख चलतो हुयो झाड़ को जसो लग
रह्यो हय।"
25 तब यीशु न दुबारा ओकी आंखी पर हाथ रख्यो, अऊर ओकी आंखी की रोशनी लौट आय
गयी, अऊर सब कुछ साफ साफ देखन लग्यो। 26 यीशु न ओख यो कह्य क घर भेज्यो, "दुबारा यो
गांव म सी मत जाजो सीधो घर जा।"

[illegible]
([illegible])

✡ **8:11** ८:११ मत्ती १२:३८; लूका ११:१६ ✡ **8:12** ८:१२ मत्ती १२:३९; लूका ११:२९ ✡ **8:15** ८:१५ लूका १२:१ * **8:15** ८:१५ फरीसियों को द्वारा गलत शिक्षा ✡ **8:18** ८:१८ मरकुस ४:१२

27 यीशु अऊर ओको चेला कैसरिया फिलिप्पी को गांवो म जातो हुयो। रस्ता म ओन अपनो
चेलावों सी पुच्छ्यो, “मोख बतावो लोग मोरो बारे म का कह्य हय कि मय कौन आय?”
28 ✡उन्न उत्तर दियो, “कुछ कह्य हय, तय यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो; पर कोयी कह्य, तय
एलिय्याह अऊर कोयी भविष्यवक्तावों म सी एक हय।”
29 ✡ओन उन्को सी पुच्छ्यो, “पर तुम मोख का कह्य हय?”
पतरस न ओख उत्तर दियो, “तय मसीहा आय।”
30 तब यीशु न उन्ख आदेश दे क कह्यो कि मोरो बारे म यो कोयी सी मत कहजो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible])

31 तब यीशु उन्ख सिखावन लग्यो कि आदमी को बेटा लायी जरूरी हय कि मय बहुत दु:ख
उठाऊ, अऊर बुजूर्ग अऊर मुख्य याजक, अऊर धर्मशास्त्री को द्वारा ठुकरायो जाऊं अऊर मोख
मार दियो जाऊं, पर मय तीन दिन को बाद जीन्दो हय जाऊं। 32 ओन यो बात उन्को सी साफ-साफ
कह्य दियो। येको पर पतरस ओख अलग लिजाय क डाटन लग्यो असो नहीं होय सकय। 33 पर यीशु
न मुड़ क अपनो चेलावों को तरफ देख्यो, अऊर पतरस ख डाट क कह्यो, “हे शैतान, मोरो आगु सी
दूर होय जा; कहालीकि तय परमेश्वर की बातों पर नहीं, पर आदमियों की बातों पर मन लगावय
हय।”
34 ✡यीशु न भीड़ अऊर अपनो चेलावों अपनो जवर बुलाय क उन्को सी कह्यो, “जो कोयी मोरो
पीछू आवनो चाहवय, ऊ अपनो आप ख इन्कार कर क् अऊर अपनो क्रूस उठाये अऊर मरन लायी
तैयार रहेंन तब ऊ मोरो पीछू चले। 35 ✡कहालीकि जो कोयी अपनो जीव बचावनो चाहवय हय
त ऊ ओख खोयेंन, पर जो कोयी मोरो अऊर सुसमाचार को लायी अपनो जीव खोयेंन, ऊ ओख
बचायेंन। 36 यदि आदमी पूरो जगत ख हासिल करेंन अऊर अपनो जीव की हानि उठायेंन, त ओख
का फायदा होयेंन? 37 आदमी अपनो जीवन ख फिर सी हासिल करन लायी का दे सकय हय? 38 जो
कोयी यो व्यभिचारी अऊर पापी जाति को बीच मोरो सी अऊर मोरी बातों सी शरमायेंन, त मय
जब पवित्र स्वर्गदूतों को संग अपनो बाप कि महिमा को संग आऊं, तब ऊ मोरो सी शरमायेंन।”

9

1 यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय तुम सी सच कहूं हय, कि जो इत खड़ो हंय उन्म सी कोयी कोयी
असो हंय, कि जब तक परमेश्वर को राज्य ख सामर्थ संग आतो हुयो नहीं देख ले, तब तक ऊ नहीं
मरेंन।”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

2 ✡छे दिन को बाद यीशु न पतरस, याकूब अऊर यूहन्ना ख संग ले गयो, अऊर एकान्त म कोयी
एक ऊचो पहाड़ी पर ले गयो। उत उन्को सामने यीशु को रूप बदल गयो, 3 अऊर ओको कपड़ा
असो चमकन लग्यो अऊर यहां तक उज्वल भयो, कि धरती पर कोयी धोबी भी वसो उज्वल नहीं
कर सकय। 4 तीन चेलावों न एलिय्याह अऊर मूसा ख यीशु को संग बाते करतो देख्यो। 5 येको पर
पतरस न यीशु सी कह्यो, “हे गुरु, हमरो इत रहनो अच्छो हय: येकोलायी हम तीन मण्डा बनायबो,
एक तोरो लायी, एक मूसा लायी, अऊर एक एलिय्याह लायी।” 6 पतरस बहुत डर गयो होतो की
ओख समझ म नहीं आय रह्यो होतो कि मय का उत्तर देऊ।
7 ✡तब एक बादर न उन्ख झाक दियो, अऊर ऊ बादर म सी यो आवाज निकल्यो, “यो मोरो प्रिय
बेटा आय, येकी बाते सुनो।” 8 तब उन्न अचानक चारयी तरफ देख क, अऊर यीशु ख छोड़ क अपनो
संग अऊर कोयी ख नहीं देख्यो।

✡ **8:28** ८:२८ मरकुस ६:१४,१५; लूका ९:७,८ ✡ **8:29** ८:२९ यूहन्ना ६:६८,६९ ✡ **8:34** ८:३४ मत्ती १०:३८; लूका १४:२७
✡ **8:35** ८:३५ मत्ती १०:३९; लूका १७:३३; यूहन्ना १२:२५ ✡ **9:2** ९:२ २ पतरस १:१७,१८ ✡ **9:7** ९:७ मत्ती ३:१७; मरकुस
१:११; लूका ३:२२

9 पहाड़ी सी उतरतो समय यीशु न उन्ख आदेश दियो कि जब तक मय आदमी को बेटा मरयो
हुयो म सी जीन्दो नहीं होय जाय, तब तक जो कुछ तुम न देख्यो हय ओख कोयी ख मत बतावो।
10 उन्न यीशु की आज्ञा ख मान्यो; अऊर आपस म चर्चा करन लग्यो, "मरयो हुयो म सी जीन्दो
होन को का मतलब हय?" 11 ✡अऊर उन्न यीशु सी पुच्छ्यो, "धर्मशास्त्री कहालीकि कह्य हंय कि
एलिय्याह को पहिलो आवनो जरूर हय?"
12 ओन उन्ख उत्तर दियो, "एलिय्याह सचमुच पहिलो आय क सब कुछ तैयार करन लायी आयेंन,
पर मय आदमी को बेटा को बारे म शास्त्र म लिख्यो हय कि बहुत दु:ख उठायेंन, अऊर ठुकरायो
जायेंन? 13 पर मय तुम सी कहू हय, कि एलिय्याह त आय गयो, अऊर जसो ओको बारे म लिख्यो
हय, उन्न जो कुछ चाहयो वसोच ओको संग करयो।"

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

14 जब यीशु चेलावों को जवर आयो, त देख्यो कि उन्को चारयी तरफ बड़ी भीड़ लगी हय अऊर
धर्मशास्त्री उन्को संग वाद विवाद कर रह्यो हंय। 15 ओख देखतोच सब बहुतच अचम्भित भयो,
अऊर ओको तरफ दौड़ क यीशु ख नमस्कार करयो। 16 यीशु न चेलावों सी पुच्छ्यो, "तुम इन्को
सी का बहस कर रह्यो हय?"
17 भीड़ म सी एक आदमी न ओख उत्तर दियो, "हे गुरु, मय अपनो बेटा ख, जेको म दुष्ट आत्मा
समायी हय, ओख तोरो जवर लायो ऊ बोल नहीं सकय। 18 जित कहीं आत्मा ओख पकड़य हय,
उतच पटक देवय हय: अऊर ऊ मुंह म फेस लावय हय, अऊर दात कटरय हय, अऊर सूखतो जावय
हय। मय न तोरो चेलावों सी कह्यो कि वा बुरी आत्मा ख निकाल दे, पर हि नहीं निकाल सक्यो।"
19 यो सुन क यीशु न चेलावों सी उत्तर दे क कह्यो, "हे अविश्वासी लोगों, मय कब तक तुम्हरो
संग रहूं? अऊर कब तक तुम्हरी सहू? ऊ टुरा ख मोरो जवर लावो।"
20 तब हि बच्चा ख यीशु को जवर लायो: अऊर जब ओन ओख देख्यो, त वा दुष्ट आत्मा न
तुरतच ओख मुरकट्यो; अऊर ऊ जमीन पर गिर क, मुंह सी फेस फेकतो लोटन लग्यो।
21 यीशु न ओको बाप सी पुच्छ्यो, "येकी या दशा कब सी हय?" ओन कह्यो, "बचपना सी।
22 ओन येख मारन लायी कभी आगी म अऊर कभी पानी म गिरायो; पर यदि तय कुछ कर सकय
हय, त हम पर तरस खाय क हमरी मदत कर।"
23 यीशु न ओको सी कह्यो, "यदि तय कर सकय हय? त या का बात आय! विश्वास करन वालो
लायी सब कुछ होय सकय हय।"
24 बच्चा को बाप न तुरतच गिड़गिड़ाय क कह्यो, "मय विश्वास करू हय, पर मोरो विश्वास
कमजोर हय मोरो अविश्वास बड़ावन म मोरी मदत कर।"
25 जब यीशु न देख्यो कि लोग दौड़ क भीड़ लगाय रह्यो हंय, त ओन दुष्ट आत्मा ख यो कह्य क
डाट्यो कि, "मुक्की अऊर बहरी आत्मा, मय तोख आदेश देऊ हय, ओको म सी निकल आव, अऊर
ओको म फिर कभी मत सिरजो।"
26 तब दुष्ट आत्मा चिल्लाय क अऊर ओख मुरकट क, निकल गयी; अऊर बच्चा मरयो हुयो सो
भय गयो, यहां तक कि बहुत लोग कहन लग्यो कि "ऊ मर गयो हय।" 27 पर यीशु न ओको हाथ
पकड़ क ओख उठायो, अऊर ऊ खड़ो भय गयो।
28 जब यीशु घर म आयो, त ओको चेलावों न एकान्त म ओको सी पुच्छ्यो, "हम दुष्ट आत्मा
ख कहाली नहीं निकाल सक्यो?"
29 यीशु न उन्को सी कह्यो, "यो तरह की दुष्ट आत्मा प्रार्थना करनो सीच निकल सकय हय।"

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible],[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

✡ **9:11** ९:११ मत्ती ११:१४

30 तब यीशु अऊर ओको चेला उत सी निकल क गलील प्रदेश म सी होतो हुयो जाय रह्यो
होतो। त ऊ नहीं चाहत होतो कि कोयी ख मालूम पड़यो कि ऊ उत हय, 31 कहालीकि ऊ अपनो
चेलावों ख शिक्षा दे रह्यो होतो अऊर उन्को सी कहत होतो, "मय आदमी को बेटा, आदमियों को
हाथ म पकड़वायो जाऊं, अऊर हि मोख मार डालेंन; अऊर मय मरन को तीन दिन बाद जीन्दो होय
जाऊं।"
32 पर हि यीशु की बात समझ नहीं सक्यो, कहालीकि हि ओको सी पूछन सी डरत होतो।

□□ □□ □□□□□ □□□□?
(□□□□□□ □□:□-□; □□□□□ □:□□-□□)

33 तब हि कफरनहूम पहुंच्यो; अऊर घर म आय क यीशु न चेलावों सी पुच्छयो, "रस्ता म तुम
कौन्सी बात पर बहस कर रह्यो होतो?"
34 ✡पर हि चुप रह्यो, कहालीकि रस्ता म हि आपस म बहस कर रह्यो होतो कि हम म सी बड़ो
कौन हय? 35 ✡तब यीशु न बैठ क बारयी चेलावों ख बुलायो अऊर उन्को सी कह्यो, "यदि कोयी
बड़ो होनो चाहवय, त सब सी छोटो अऊर सब को सेवक बनेंन।" 36 अऊर ओन एक बच्चा ख ले क
उन्को बीच म खड़ो करयो, अऊर ओख गोदी म ले क उन्को सी कह्यो, 37 ✡"जो कोयी मोरो नाम सी
असो बच्चा म सी कोयी एक ख भी स्वीकार करय हय, ऊ मोख स्वीकार करय हय; अऊर जो कोयी
मोख स्वीकार करय हय, ऊ मोख नहीं, पर मोरो भेजन वालो ख स्वीकार करय हय।"

□□ □□□□□□ □ □□□□□ □ □□□□□ □ □□□
(□□□□□ □:□□,□□)

38 तब यूहन्ना न यीशु सी कह्यो, "हे गुरु, हम न एक आदमी ख तोरो नाम सी दुष्ट आत्मावों ख
निकालता देख्यो अऊर हम्न ओख रूकन लायी कह्यो, कहालीकि ऊ हमरो झुण्ड म सी नहीं होतो।"
39 यीशु न कह्यो, "ओख मना मत करो" कहालीकि असो कोयी नहाय जो मोरो नाम सी सामर्थ को
काम करय हय, अऊर जल्दी सी मोख बुरो कह्य सकेंन। 40 ✡कहालीकि जो हमरो विरोध म नहाय,
ऊ हमरो तरफ हय। 41 ✡जो कोयी एक प्याला पानी तुम्ख येकोलायी पिलायेंन कि तुम मसीह को
आय त मय तुम सी सच कहू हय कि ऊ निश्चित रूप सी अपनो पुण्य पायेंन।

□□□□□□ □ □□□□□□□□□
(□□□□□□ □□:□-□; □□□□□ □□:□,□)

42 "जो आदमी मोरो पर विश्वास करन वालो इन छोटो म सी छोटो पाप करन लायी उत्साहित
करेंन त ओको लायी ठीक यो हय कि एक बड़ो गरहट को पाट ओको गरो म टंगाय क ओख समुन्दर
म फेक दियो जाये।" 43 ✡यदि तोरो हाथ तोरो सी पाप करवावय त ओख काट डाल। तोरो लायी
दोयी हाथों को बजाय एक हाथ को जीवन म सिरनो कहीं अच्छो हय बजाय दोयी हाथ वालो होय
क नरक म डाल्यो जाये, जहां की आगी कभी नहीं बुझय। 44 जित कीड़ा नहीं मरय अऊर आगी नहीं
बुझय।* 45 यदि तोरो पाय तोख पापों लायी उत्साहित करन को वजह बनेंन त ओख काट डाल।
लंगड़ा होय क् जीवन म सिरनो तोरो लायी येको सी ठीक हय कि दोय पाय रह्य क् भी नरक म डाल
दियो जाये। 46 जित उन्को कीड़ा नहीं मरय अऊर आगी नहीं बुझय।† 47 ✡यदि तोरी आंखी तोख
पापों लायी उत्साहित करन को वजह बनय हय त ओख निकाल डाल। तोरो लायी यो ठीक हय कि
दोयी आंखी रखन यां नरक म फेकन को बजाय केवल एक आंखी सी परमेश्वर को राज्य म सिर।
48 जित कीड़ा नहीं मरय अऊर आगी नहीं बुझय।
49 हर एक लोग ख आगी सी शुद्ध करयो जायेंन, जसो बलिदान नमक सी शुद्ध करयो जावय हय।
50 ✡"नमक अच्छो हय, पर यदि नमकपन को स्वाद खोय देवय हय, त ओख फिर सी कसो नमकीन
करो?

✡ **9:34** ९:३४ लूका २२:२४ ✡ **9:35** ९:३५ मत्ती २०:२६,२७; २३:११; मरकुस १०:४३,४४; लूका २२:२६ ✡ **9:37** ९:३७ मत्ती १०:४०; लूका १०:१६; यूहन्ना १३:२० ✡ **9:40** ९:४० मत्ती १२:३०; लूका ११:२३ ✡ **9:41** ९:४१ मत्ती १०:४२ ✡ **9:43** ९:४३ मत्ती ५:३० * **9:44** ९:४४ कुछ हस्त लेख म यो वचन नहीं मिलय † **9:46** ९:४६ कुछ पूरानो हस्त लेख म यो वचन नहीं मिलय ✡ **9:47** ९:४७ मत्ती ५:२९ ✡ **9:50** ९:५० मत्ती ५:१३; लूका १४:३४,३५

“आपस म दोस्ती को नमक रखे, अऊर आपस म मिलझुल क अऊर एक दूसरों सी शान्ति सी
रहे।”

10

[illegible]
([illegible])

1 तब यीशु न उत सी उठ क यहूदिया प्रदेश को सीमा म अऊर यरदन नदी को पार आयो। अऊर
भीड़ ओको जवर फिर सी जमा भय गयी, अऊर ऊ अपनो रीति को अनुसार उन्ख फिर सी सिखावन
लग्यो।
2 तब फरीसियों न ओको जवर आय क ओकी बातों म फसावन लायी ओको सी पुच्छयो, “का
हमरो नियम को अनुसार यो ठीक हय कि आदमी ख अपनी पत्नी ख छोड़चिट्ठी देन कि अनुमति
देवय हय?”
3 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “कि मूसा न तुम्ख का आज्ञा दियो हय?”
4 ✡मूसा न अनुमति दियो हय कि, “छोड़चिट्ठी लिख क देन अऊर छोड़न की आज्ञा दियो हय।”
5 यीशु न उन्को सी कह्यो, “तुम्हरो मन की कठोरता को वजह मूसा न तुम्हरो लायी यो आज्ञा
लिख्यो।” 6 पर शास्त्र म लिख्यो हय सुरूवात सी परमेश्वर न नर अऊर नारी कर क् उन्ख बनायो
हय। 7 येकोलायी आदमी अपनो माय-बाप सी अलग होय क अपनी पत्नी को संग रहेंन, 8 अऊर हि
दोयी एक शरीर होयेंन; येकोलायी हि अब दोय नहीं पर एक शरीर हंय। 9 येकोलायी “जेक परमेश्वर
न जोड़यो हय ओख आदमी अलग नहीं करे।”
10 हि जब घर गयो त चेलावों न येको बारे म यीशु सी पुच्छयो। 11 ✡ओन उन्को सी कह्यो, “जो
कोयी अपनी पत्नी ख छोड़ क दूसरी सी बिहाव करय हय त ऊ अपनी पहिली पत्नी को विरोध म
व्यभिचार करय हय। 12 अऊर एक पत्नी जो अपनो पति ख छोड़ क दूसरों सी बिहाव करय त वा
भी व्यभिचार करय हय।”

[illegible]
([illegible])

13 तब लोग बच्चां ख यीशु को जवर लान लग्यो कि ऊ ओख छूवय, पर चेलावों न लोगों ख
डाटचो। 14 यीशु न यो देख गुस्सा म होय क उन्को सी कह्यो, “बच्चा ख मोरो जवर आवन देवो
अऊर उन्ख मना मत करो, कहालीकि परमेश्वर को राज्य असोच को हय। 15 ✡मय तुम सी सच कहू
हय कि जो कोयी परमेश्वर को राज्य ख बच्चा को जसो स्वीकार नहीं करय, ऊ उन्म कभी नहीं सिर
पायेंन।” 16 तब ओन बच्चां ख गोदी म लियो, अऊर उन पर हाथ रख क आशीर्वाद दियो।

[illegible]
([illegible])

17 जब यीशु उत सी निकल क रस्ता म जाय रह्यो होतो, त एक आदमी ओको जवर दौड़ क आयो,
अऊर ओको आगु घुटना पर होय क ओको सी पुच्छयो, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन पावन लायी
मय का करू?”
18 यीशु न ओको सी कह्यो, “तय मोख उत्तम कहालीकि कह्य हय?” केवल परमेश्वर ख छोड़ क।
“कोयी भी उत्तम नहाय। 19 तय परमेश्वर कि आज्ञा ख त जानय हय: ‘हत्या नहीं करनो, व्यभिचार
नहीं करनो, चोरी नहीं करनो, झूठी गवाही नहीं देनो, छल नहीं करनो, अपनो बाप अऊर अपनी
माय को आदर करनो।’ ”
20 ओन यीशु सी कह्यो, “हे गुरु, इन सब ख मय छोटो होतो तब सी मानतो आयो हय।”
21 यीशु न प्रेम सी ओको तरफ देख क कह्यो, “तोरो म एक बात की कमी हय। जा, जो कुछ तोरो
हय ओख बेच क गरीबों ख दे, तब तोख स्वर्ग म धन मिलेंन, तब आय क मोरो पीछू चल।” 22 ऊ

✡ **10:4** १०:४ मत्ती ५:३१ ✡ **10:11** १०:११ मत्ती ५:३२; १ कुरिन्थियों ७:१०,११ ✡ **10:15** १०:१५ मत्ती १८:३

आदमी या बात ख सुन क ओको चेहरा पर उदासी छाय गयी, अऊर ऊ दु:खी होय क चली गयो,
कहालीकि ऊ बहुत धनी होतो।
23 यीशु न चारयी तरफ देख क अपनो चेलावों सी कह्यो, "धनवानों ख परमेश्वर को राज्य म
सिरनो कितनो कठिन हय!"
24 हि चेला ओको बातों सी अचम्भित भयो। येको पर यीशु न फिर सी उन्को सी कह्यो; "हे
बच्चा, जो धन पर भरोसा रखय हय, उन्को लायी परमेश्वर को राज्य म सिरनो कितनो कठिन हय?
25 परमेश्वर को राज्य म अमीर आदमी को सिरनो सी ऊंट को लायी सूई को नाक म सी होय क
निकल जानो सहज हय!"
26 चेला बहुतच अचम्भित होय क आपस म कहन लग्यो, "त फिर कौन को उद्धार होय सकय
हय?"
27 यीशु न उन्को तरफ देख क कह्यो, "यो आदमी लायी असम्भव हय, परमेश्वर लायी नहाय, पर
परमेश्वर लायी सब कुछ सम्भव हय।"
28 पतरस ओको सी कहन लग्यो, "देखो, हम त सब कुछ छोड़ क तोरो पीछू भय गयो हय।"
29 यीशु न कह्यो, "मय तुम सी सच कहू हय कि असो कोयी नहाय, जेन मोरो अऊर मोरो
सुसमाचार को लायी घर यां भाऊ-बहिनों यां माय-बाप यां बालबच्चा यां खेतो ख छोड़ दियो हय,
30 अऊर अब यो समय को जीवन म सौ गुना मिलेंन, घर अऊर भाऊ-बहिन अऊर माय अऊर
बालबच्चा अऊर खेतो म, पर सताव को संग अऊर आवन वालो युग म अनन्त जीवन मिलेंन।
31 ✡पर बहुत सो जो आगु हंय, हि पीछू होयेंन, अऊर जो पीछू हंय, हि आगु होयेंन।"

[illegible]
([illegible])

32 हि यरूशलेम ख जातो हुयो रस्ता म होतो, अऊर यीशु उन्को आगु-आगु चल रह्यो होतो:
चेला घबरायो हुयो होतो अऊर जो लोग ओको पीछू-पीछू चल रह्यो होतो हि डरयो हुयो होतो।
तब ऊ फिर उन बारयी चेलावों ख अलग लिजाय क उन्को सी जो बात ओको पर घटन वाली होती
ओख बतावन लग्यो। 33 "सुनो, हम यरूशलेम जाय रह्यो हंय, जित आदमी को बेटा मुख्य याजकों
अऊर धर्मशास्त्रियों को हाथ सौंप दियो जायेंन। अऊर हि ओख मारन लायी दोष लगायेंन। अऊर
फिर गैरयहूदियों को हाथ म सौंप दियो जायेंन। 34 हि ओकी मजाक उड़ायेंन, ओको पर थूकेंन, ओख
कोड़ा सी मार क ओख मार डालेंन, अऊर तीन दिन बाद ऊ फिर सी जीन्दो होयेंन।"

[illegible]
([illegible])

35 तब जब्दी को दोय टुरा याकूब अऊर यूहन्ना यीशु को जवर आय क कह्यो, "हे गुरु, हम चाहजे
हंय कि जो कुछ हम तोरो सी मांगबो, ऊ तय हमरो लायी करे।"
36 अऊर यीशु न कह्यो, "तुम का चाहवय हय कि मय तुम्हरो लायी करू?"
37 उन्न यीशु सी कह्यो, "जब तुम अपनो महिमामय राज्य को सिंहासन पर बैठचो, तब हम असो
चाहवय हय कि हम म सी एक तोरो दायो तरफ अऊर दूसरों तोरो बायो तरफ बैठे।"
38 ✡यीशु न उन्को सी कह्यो, "तुम नहीं जानय कि का मांग रह्यो हय? जो दु:ख को कटोरा मय
पीवन पर हय, का तुम पी सकय हय? अऊर जो मरन को बपतिस्मा मय लेन पर हय, का तुम ले
सकय हय?"
39 उन्न ओको सी कह्यो, "हम सी होय सकय हय।"
यीशु न उन्को सी कह्यो, "जो दु:ख को प्याला मय पीवन पर हय, तुम भी पीवो; अऊर जो मरन
को बपतिस्मा मय लेन पर हय, ओख तुम भी लेवो। 40 पर मोरो अधिकार नहाय कि मय कौन ख चुनू
कि कौन कित बैठेंन, केवल परमेश्वरच ओको लायी जागा तैयार करेंन कि कौन मोरो दायो अऊर
बायो बैठेंन।"

✡ **10:31** १०:३१ मत्ती २०:१६; लूका १३:३० ✡ **10:38** १०:३८ लूका १२:५०

41 यो सुन क दसो चेलावों याकूब अऊर यूहन्ना की बातों पर नाराज भय गयो। 42 ✡तब यीशु न
उन्ख जवर बुलाय क उन्को सी कह्यो, "तुम जानय भी हय कि जो हेथेंन को शासक समझ्यो जावय
हंय, हि उन पर शासन करय हंय; अऊर उन्म जो बड़ो हंय, उन पर अधिकार जतावय हंय, 43 ✡पर
तुम म सी असो नहाय, जो कोयी तुम म सी बड़ो होनो चाहवय हय, ऊ सब को सेवक बने; 44 अऊर
जो कोयी तुम म मुख्य बननो चाहवय हय, ऊ सब को सेवक बने। 45 कहालीकि मय आदमी को बेटा
येकोलायी नहीं आयो कि अपनी सेवा करावन, बल्की दूसरों कि सेवा करन, अऊर लोगों को पापों
की कीमत चुकावन लायी अपनो जीवन देन आयो होतो।"

[illegible]
([illegible])

46 हि यरीहो नगर म पहुंच्यो, अऊर जब ऊ अऊर ओको चेलावों, अऊर एक बड़ी भीड़ यरीहो
सी निकलत होती, त बरतिमाई नाम को एक अन्धा भिखारी, जो तिमाई को बेटा होतो, सड़क को
किनार बैठ्यो होतो। 47 जब ऊ सुन्यो कि यो नासरत निवासी यीशु हय, त पुकार पुकार क कहन
लग्यो, "हे यीशु! दाऊद को बेटा! मोरो पर दया करो!"
48 बहुत सो न डाट क कह्यो कि ऊ चुप रहे। पर ऊ अऊर भी पुकारन लग्यो, "हे दाऊद की सन्तान,
मोरो पर दया कर!"
49 तब यीशु न रुक क कह्यो, "ओख बुलाव।"

अऊर लोगों न ऊ अन्धा ख बुलाय क ओको सी कह्यो, "हिम्मत रख! उठ! ऊ तोख बुलावय
हय।"
50 ऊ अपनो कपड़ा फेक क उछल पड़यो, अऊर यीशु को जवर आयो।
51 येको पर यीशु न ओको सी कह्यो, "तय का चाहवय हय कि मय तोरो लायी करूं?"

अन्धा न ओको सी कह्यो, "हे गुरु, यो कि मय देखन लगूं।"
52 यीशु न ओको सी कह्यो, "चली जा, तोरो विश्वास न तोख चंगो करयो हय।"

अऊर ऊ तुरतच देखन लग्यो, अऊर रस्ता म ओको पीछू चली गयो।

11

[illegible]
([illegible])

1 जब हि यरूशलेम नगर को जवर, जैतून पहाड़ी पर बैतफगे गांव अऊर बैतनिय्याह नगर ख
पहुंच्यो त यीशु न अपनो चेलावों म सी दोय ख यो कह्य क भेज्यो, 2 उन्ख समझाय क भेज्यो "आगु
को गांव म जावो, अऊर उत पहुंचतोच एक गधी को बछड़ा, जेको पर अभी तक कोयी सवार नहीं
भयो, बन्ध्यो हुयो तुम्ख मिलेंन। ओख खोल क लावो। 3 यदि कोयी तुम सी कहेंन, 'असो कहालीकि
करय हय?' त तुम कहो, 'प्रभु ख येकी जरूरत हय,' अऊर ऊ तुरतच ओख इत भेज देयेंन।"
4 हि गयो अऊर उन्न बाहेर गली म द्वार को जवर एक गधी को बछड़ा बन्ध्यो हुयो पायो, अऊर
हि ओख खोलन लग्यो। 5 उत खड़ो, कुछ लोग न उन्को सी कह्यो, "यो का कर रह्यो हय, गधी को
बछड़ा ख कहालीकि खोल रह्यो हय?"
6 जसो यीशु न कह्यो होतो, वसोच उन्न उन्को सी कह्य दियो, तब लोगों न उन्ख लिजान दियो।
7 उन्न गधी को बछड़ा ख यीशु को जवर लाय क ओख पर अपनो कपड़ा बिछायो अऊर यीशु ओको
पर बैठ गयो। 8 तब लोगों न अपनो कपड़ा रस्ता म स्वागत लायी बिछायो अऊर कुछ न खेतो म
सी खजूर की छोटी छोटी डगालियां ओको स्वागत लायी काट काट क फैलाय दियो। 9 जो ओको
आगु आगु अऊर पीछू पीछू चल रह्यो होतो, हि नारा लगाय लगाय क कहत जाय रह्यो होतो,
"परमेश्वर की महिमा हो! धन्य हय ऊ जो प्रभु को नाम सी आवय हय! 10 हमरो परमेश्वर को
आशीर्वाद सी दाऊद को राज्य जो आय रह्यो हय; धन्य हय! आसमान म परमेश्वर की महिमा हो!"

✡ **10:42** १०:४२ लूका २२:२५,२६ ✡ **10:43** १०:४३ मत्ती २३:११; मरकुस ९:३५; लूका २२:२६

11 यीशु यरूशलेम पहुंच क मन्दिर म आयो, कहालीकि शाम भय गयी होती, येकोलायी चारयी
तरफ कुछ चिज देख क बारयी चेलावों को संग बैतनिय्याह नगर ख चली गयो।

[illegible]
([illegible])

12 दूसरों दिन जब हि बैतनिय्याह नगर सी निकल्यो त यीशु ख भूख लगी। 13 अऊर पाना सी
भरयो एक अंजीर को झाड़ ख दूर सी देख क ऊ ओको जवर गयो कि अचानक कुछ मिल जाये: पर
उत पहुंच क पाना को शिवाय कुछ भी नहीं मिल्यो; कहालीकि ऊ फर लगन को मौसम नहीं होतो।
14 येकोलायी यीशु न झाड़ सी कह्यो, "अब सी कोयी तोरो फर कभी नहीं खायेंन!" अऊर ओको
चेला सुन रह्यो होतो।

[illegible]
([illegible])

15 फिर हि यरूशलेम म पहुंच्यो, त यीशु मन्दिर म गयो; अऊर उत जो लेनो अऊर बिकनो करत
होतो उन्ख बाहेर निकालन लग्यो, अऊर धन्दा करन वालो को पीढ़ा अऊर कबूत्तर बिकन वालो
ख बाहेर निकाल दियो, 16 अऊर ओन कोयी ख भी मन्दिर म सी सामान लेय क आवन-जान नहीं
दियो। 17 अऊर ऊ उन्ख शिक्षा देन लग्यो, "का यो शास्त्र म नहीं लिख्यो हय, 'कि मोरो मन्दिर
सब देशों को लोगों लायी प्रार्थना को घर कहलायेंन।' पर तुम न येख डाकुवों को अड्डा बनाय
दियो हय!"
18 अऊर मुख्य याजकों अऊर धर्मशास्त्रियों न जब यो सुन्यो त ओख नाश करन को अवसर ढूंढन
लग्यो; कहालीकि हि ओको सी डरत होतो, येकोलायी कि सब लोग ओकी शिक्षा सी अचम्भित
होतो।
19 जब शाम भयी, त यीशु अऊर ओको चेला नगर सी बाहेर निकल गयो।

[illegible]
([illegible])

20 जब हि भुन्सारो ख सड़क सी जाय रह्यो होतो, त उन्न ऊ अंजीर को झाड़ ख ऊपर सी ले क
जड़ी तक सूख्यो हुयो देख्यो। 21 पतरस ख ऊ बात याद आयो, अऊर ओन यीशु सी कह्यो, "हे गुरु,
देख! यो अंजीर को झाड़ जेक तय न श्राप दियो होतो, सूख गयो हय।"
22 यीशु न ओख उत्तर दियो, परमेश्वर पर विश्वास रखो। 23 ✡मय तुम सी सच कहू हय कि जो
कोयी यो पहाड़ी सी कहेंन, उखड़ जा, अऊर समुन्दर म जा गिर, अऊर अपनो दिल म शक नहीं करे,
पर जो कुछ ओन कह्यो हय, अऊर विश्वास करे कि होय जायेंन त ओको लायी उच होय जायेंन।
24 येकोलायी मय तुम सी कहू हय कि जो कुछ तुम प्रार्थना म मांगय हय, त विश्वास कर लेवो कि
तुम्ख मिल गयो, त ऊ तुम्हरो लायी होय जायेंन। 25 ✡अऊर जब कभी तुम खड़ो होय क प्रार्थना
करय हय, त यदि तुम्हरो मन म कोयी को बारे म कुछ विरोध हय, त माफ करो: येकोलायी कि
तुम्हरो स्वर्गीय पिता परमेश्वर भी तुम्हरो अपराध माफ करेंन। 26 अऊर यदि तुम कोयी को अपराध
माफ नहीं करो त तुम्हरो पिता परमेश्वर भी जो स्वर्ग म हय, तुम्हरो अपराध माफ नहीं करेंन।*

[illegible]
([illegible])

27 हि फिर यरूशलेम म आयो, अऊर जब यीशु मन्दिर म टहल रह्य होतो, त मुख्य याजक,
धर्मशास्त्री अऊर बुजूर्गों ओको जवर आय क पूछन लग्यो, 28 "तय यो काम कौन्सो अधिकार सी
करय हय? अऊर यो अधिकार तोख कौन न दियो हय कि तय यो काम करय?"

✡ **11:23** ११:२३ मत्ती १७:२०; १ कुरिन्थियों १३:२ ✡ **11:25** ११:२५ मत्ती ६:१४,१५ * **11:26** ११:२६ कुछ हस्त लेख म यो वचन नहीं मिलय

29 यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय भी तुम सी एक प्रश्न पूछू हय; मोख उत्तर देवो: त मय भी तुम्ख
बताऊं कि यो काम मय कौन्सो अधिकार सी करू हय। 30 यूहन्ना ख बपतिस्मा देन को अधिकार
परमेश्वर को तरफ सी होतो यां लोगों को तरफ सी होतो? मोख उत्तर देवो।”
31 तब हि आपस म बहस करन लग्यो: “कि यदि हम कहबो? ‘परमेश्वर को तरफ सी,’ त ऊ
कहेंन, ‘कहालीं, तब, तुम न यूहन्ना को विश्वास कहाली नहीं करयो?’ 32 अऊर धर्मशास्त्रियों
डरत होतो यदि हम कहबो, ‘लोगों को तरफ सी’ ” त लोग हमरो विरोध म होय जायेंन, कहालीकि
हि सब जानय हंय कि यूहन्ना सच म भविष्यवक्ता होतो। 33 येकोलायी उन्न यीशु ख उत्तर दियो,
“हम नहीं जानजे।”
यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय भी तुम्ख नहीं बताऊं कि यो काम कौन्सो अधिकार सी करू हय।”

12

[illegible]
([illegible])

1 तब यीशु दृष्टान्तों म उन्को सी बाते करन लग्यो: “कोयी आदमी न अंगूर की बाड़ी लगायी,
अऊर ओको चारयी तरफ सी बाड़ी ख बान्ध दियो, अऊर रसकुण्ड खोद्यो, अऊर मचान बनाय क,
किसानों ख ओको ठेका दे क परदेश ख चली गयो।” 2 तब अंगूर की बाड़ी को फसल को सिजन आयो
त ओन किसानों को जवर एक सेवक ख भेज्यो कि अपनो हिस्सा ले ले, 3 पर बटईदार न ओको सेवक
ख पकड़ क पिटचो, अऊर खाली हाथ भेज दियो। 4 तब मालिक न एक अऊर सेवक ख ओको जवर
भेज्यो; अऊर उन्न ओको मुंड फोड़ डाल्यो अऊर ओको अपमान करयो। 5 तब मालिक न एक अऊर
सेवक ख भेज्यो; उन्न ओख भी मार डाल्यो। तब उन्न अऊर बहुत सो ख भेज्यो; उन्म सी उन्न कुछ
ख पिटचो अऊर कुछ ख मार डाल्यो। 6 आखरी म अपनो प्रिय बेटा ख भेज्यो, यो सोच क कि हि
मोरो बेटा को आदर करेंन, 7 पर उन बटईदारों न आपस म कह्यो, योच त वारिस आय; आवो, हम
येख भी मार डाल्बो, तब पूरी जायजाद हमरी होय जायेंन। 8 अऊर उन्न ओख पकड़ क मार डाल्यो,
अऊर अंगूर की बाड़ी को बाहेर फेक दियो।
9 “यीशु न पुच्छ्यो येको पर अंगूर की बाड़ी को मालिक का करेंन? ऊ आय क उन किसानों को
नाश करेंन, अऊर अंगूर की बाड़ी दूसरों ख दे देयेंन। 10 का तुम्न शास्त्र म नहीं पढ़यो:”
“जो गोटा ख राजमिस्त्रियों न नकारयो होतो,
उच गोटा महत्वपूर्ण भय गयो।
11 यो प्रभु की तरफ सी भयो;
अऊर हमरी नजर म अद्भुत नजारा हय!”
12 तब धर्मशास्त्रियों न यीशु ख पकड़नो चाह्यो; कहालीकि हि समझ गयो होतो कि ओन हमरो
विरोध म यो दृष्टान्त कह्यो हय। पर हि लोगों सी डरत होतो, येकोलायी हि ओख छोड़ क चली
गयो।

[illegible]
([illegible])

13 तब उन्न यीशु ख ओकीच बातों म फसान लायी कुछ फरीसियों अऊर राजा हेरोदेस को पक्ष
को कुछ लोग ओको जवर भेज्यो। 14 उन्न आय क यीशु सी कह्यो, “हे गुरु, हम जानजे हंय, कि तय
सच्चो हय, अऊर कोयी की परवाह नहीं करय; कहालीकि तय आदमियों को मुंह देख क बाते नहीं
करय, पर परमेश्वर को सच्चो रस्ता सिखावय हय। त का हमरो नियम को अनुसार रोम को राजा*
ख कर देनो सही हय यां नहीं?”

* 12:14 १२:१४ रोम को राजा कैसर

15 हम कर देबो यां नहीं देबो? यीशु न उन्को कपट जान क उन्को सी कह्यो, “मोख कहाली
फसावन कि कोशिश कर रह्यो हय? एक चांदी को सिक्का मोरो जवर लावो, अऊर मोख देखन
देवो।”
16 हि सिक्का ले आयो, अऊर यीशु न उन्को सी कह्यो, “यो कौन्को चेहरा अऊर नाम हय?”
उन्न कह्यो “रोम को राजा को।”
17 यीशु न उन्को सी कह्यो, “जो कैसर राजा को आय, ऊ राजा ख देवो, अऊर जो परमेश्वर को
आय ऊ परमेश्वर ख देवो।”
तब हि चकित भयो।

[illegible]
([illegible])

18 ✡फिर कुछ सदूकियों जो कह्य हंय कि पुनरुत्थान हयच नहाय, यीशु को जवर आय क ओको
सी पूछन लग्यो, 19 “हे गुरु, मूसा न हमरो लायी एक व्यवस्था लिख्यो हय कि यदि कोयी को भाऊ
बिना सन्तान को मर जाये अऊर ओकी पत्नी रह जाये, त ओको भाऊ ओकी पत्नी सी बिहाव कर
ले अऊर अपनो भाऊ लायी वंश पैदा कर सके। 20 सात भाऊ होतो। सब सी बड़ो भाऊ बिहाव कर
क् बिना सन्तान को मर गयो। 21 तब दूसरों भाऊ न वा बाई सी बिहाव कर लियो अऊर ऊ भी बिना
सन्तान को मर गयो; अऊर वसोच तीसरो न भी करयो। 22 अऊर सातों भाऊ न वा बाई सी बिहाव
कर लियो अऊर उन्ख भी सन्तान नहीं भयी। आखरी म वा बाई भी मर गयी। 23 जब पुनरुत्थान
होन को दिन मरयो हुयो लोग जीन्दो होयेंन, त वा बाई उन्म सी कौन की पत्नी होयेंन? कहालीकि
वा सातों की पत्नी बनी होती।”
24 यीशु न उन्को सी कह्यो, “का तुम यो वजह सी भ्रम म पड़यो हय कि तुम नहीं त शास्त्रच
ख जानय हय, अऊर नहीं परमेश्वर को सामर्थ ख? 25 कहालीकि जब मरयो हुयो लोग दुबारा सी
जीन्दो होयेंन, त हि स्वर्ग को स्वर्गदूतों को जसो होयेंन अऊर हि बिहाव नहीं करेंन। 26 अब मरयो
हुयो ख जीन्दो होन को बारे म का तुम्न मूसा की किताब म जरती हुयी झाड़ी को बारे म नहीं पढ़यो?
कि परमेश्वर न ओको सी कह्यो, ‘मय अब्राहम को परमेश्वर, अऊर इसहाक को परमेश्वर, अऊर
याकूब को परमेश्वर आय?’ 27 परमेश्वर मरयो हुयो को नहीं, पर जीन्दो को परमेश्वर आय; तुम पूरी
तरह शंका म पड़यो हय!”

[illegible]
([illegible])

28 जब धर्मशास्त्रियों म सी एक न आय क उन्ख चर्चा करतो सुन्यो, अऊर यो जान क कि यीशु
न सदूकियों ख अच्छो तरह सी उत्तर दियो, ओको सी पुच्छ्यो, “कौन सी आज्ञा महत्वपूर्ण हय?”
29 यीशु न उत्तर दियो, “सब आज्ञावों म सी महत्वपूर्ण यो हय: ‘हे इस्राएल को लोगों सुनो,’
प्रभु हमरो परमेश्वर एकच प्रभु हय। 30 अऊर तय प्रभु अपनो परमेश्वर सी अपनो पूरो दिल
सी, अऊर अपनो पूरो जीव सी, अऊर अपनो पूरी बुद्धि सी, अऊर अपनो पूरी शक्ति सी, प्रेम
रखजो।” 31 अऊर दूसरी महत्वपूर्ण आज्ञा या हय, तय अपनो पड़ोसी सी अपनो जसो प्रेम रखजो।
“इन दोयी आज्ञा सी बढ़ क अऊर कोयी महत्वपूर्ण आज्ञा नहाय हय।” 32 धर्मशास्त्री न यीशु सी
कह्यो, “हे गुरु, बहुत अच्छो! तय न सच कह्यो, कि परमेश्वर एकच हय, अऊर ओख छोड़ अऊर
कोयी परमेश्वर नहाय। 33 अऊर ओख अपनो पूरो दिल सी, अऊर पूरी बुद्धि सी, अऊर पूरो ताकत
सी प्रेम करजो; अऊर पड़ोसी सी अपनो जसो प्रेम करजो, होमबली अऊर बलिदानों कि तुलना
म इन दोयी आज्ञावों को पालन करनो जादा महत्वपूर्ण हय।”
34 ✡जब यीशु न देख्यो कि ओन समझदारी सी उत्तर दियो, त ओको सी कह्यो, “तय परमेश्वर को
राज्य सी दूर नहाय।”
अऊर येको बाद कोयी न ओको सी कोयी न प्रश्न पूछन की हिम्मत नहीं करी।

✡ **12:18** १२:१८ प्रेरितों २३:८ ✡ **12:34** १२:३४ लूका १०:२५-२८

[illegible]
([illegible])

35 तब यीशु न मन्दिर म शिक्षा देत हुयो यो कह्यो, “धर्मशास्त्री कह्य हंय कि मसीह दाऊद को
वंश कसो होय सकय हय? 36 दाऊद न पवित्र आत्मा म होय क कह्यो हय;”
प्रभु परमेश्वर न मोरो प्रभु सी कह्यो,
“मय तुम्ख अपनो दायो तरफ बैठाऊं,
जब तक कि मय तोरो दुश्मनों ख तोरो पाय को खल्लो नहीं कर देऊ।”
37 दाऊद त खुदच ओख प्रभु कह्य हय, तब ऊ ओको वंश कसो होय सकय हय? अऊर भीड़ को
लोग खुशी सी ओकी सुनत होतो।

[illegible]
([illegible])

38 यीशु न अपनो शिक्षा सी सिखावत होतो, “धर्मशास्त्रियों सी चौकस रहो, जो लम्बो
चोंगा वालो कपड़ा पहिन क बाजारों म घुमत फिरत होतो कि आदर सत्कार मिलेंन। 39 अऊर
आराधनालयों म मुख्य आसन अऊर जेवन म आदर सम्मान को जागा भी चाहत होतो। 40 हि
विधवावों को धन जायजाद कपट सी हड़प लेत होतो, अऊर दिखावन लायी बहुत देर तक प्रार्थना
करत रहत होतो। हि परमेश्वर सी अधिक सजा पायेंन।”

[illegible]
([illegible])

41 यीशु मन्दिर को आगु बैठ क देख रह्यो होतो कि लोग मन्दिर को दान भण्डार म कसो तरह
पैसा डालय हंय; अऊर बहुत सो अमीरों न बहुत सो पैसा डाल्यो। 42 इतनो म एक गरीब विधवा
न आय क तांबा को दोय छोटो सिक्का डाल्यो, जेकी कीमत लगभग एक पैसा को बराबर होती।
43 तब यीशु न अपनो चेलावों ख जवर बुलाय क उन्को सी कह्यो, “मय तुम सी सच कहू हय कि
मन्दिर को दान भण्डार म डालन वालो म सी यो गरीब विधवा न सब सी बढ़ क दान डाल्यो हय।
44 कहालीकि सब न अपनो धन की बढ़ती म सी डाल्यो हय, पर येन अपनो घटती म सी जो कुछ
ओको होतो मतलब अपनी पूरी जीविका डाल दियो हय।”

13

[illegible]
([illegible])

1 जब यीशु मन्दिर सी निकल रह्यो होतो, त ओको चेलावों म सी एक न ओको सी कह्यो, “हे गुरु,
देख, कसो अद्भुत बड़ो गोटा अऊर भवन हंय!”

2 यीशु न ओको सी कह्यो, “का तुम यो बड़ो-बड़ो भवन देखय हय: इत गोटा पर गोटा भी बच्यो
नहीं रहेंन जो गिरायो जायेंन।”

[illegible]
([illegible])

3 जब यीशु जैतून पहाड़ी पर मन्दिर को आगु बैठ गयो, त पतरस, याकूब, यूहन्ना अऊर
अन्द्रियास न अलग जाय क ओको सी पुच्छ्यो, 4 “हम्ख बताव कि या बाते कब होयेंन? अऊर
कौन्सो चिन्ह सी पता चलेंन कि यो सब पूरो होन पर हय?”

5 यीशु उन्को सी कह्यो, “चौकस रहो कि कोयी तुम्ख भरमानो नहीं पाये। 6 बहुत सो मोरो नाम
सी आय क कहेंन, ‘मय मसीह आय!’ अऊर बहुत सो ख भरमायेंन। 7 जब तुम लड़ाईयों, अऊर
लड़ाईयों की चर्चा सुनो, त मत घबरायजो; कहालीकि इन्को होनो जरूरी हय, पर उन्को मतलब यो
नोहोय कि अन्त होय जायेंन। 8 कहालीकि एक राष्ट्र को विरोध म दूसरो राष्ट्र, अऊर एक राज्य

को विरोध म दूसरों राज्य चढ़ायी करेंन। बहुत जागा म भूईडोल होयेंन, अऊर अकाल पड़ेंन। यो
त सब दु:ख, पीड़ावों की सुरूवात होयेंन।
9 ✡"पर तुम अपनो बारे म चौकस रहो; कहालीकि लोग तुम्ख न्यायालयों म लिजायेंन अऊर तुम
सभावों म पिटचो जावो, अऊर मोरो वजह शासकों अऊर राजावों को आगु खड़ो करयो जायेंन,
ताकि तुम्ख उन्को लायी सुसमाचार सुनावन को अवसर मिलेंन। 10 पर जरूरी हय कि अन्त आवन
सी पहिले, सुसमाचार सब लोगों म प्रचार करयो जाये। 11 जब हि तुम्ख न्यायालयों म बन्दी बनाय
क् सौंपेंन, त पहिले चिन्ता मत करजो कि हम का कहबो; पर जो कुछ तुम्ख ऊ समय बतायो जायेंन
उच कहजो; कहालीकि बोलन वालो तुम नोहोय, पर पवित्र आत्मा आय। 12 भाऊ भाऊ ख धोका
देयेंन अऊर बाप ख बेटा मारन लायी ओको विरोध म होयेंन, अऊर बच्चां माय-बाप को विरोध म
उठ क् उन्ख मरवाय डालेंन। 13 ✡अऊर मोरो नाम को वजह सब लोग तुम सी बैर करेंन; पर जो
आखरी समय तक विश्वास म बन्यो रहेंन, उन्को उद्धार होयेंन।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

14 "येकोलायी जब तुम वा उजाड़न वाली* घृणित चिज ख जित ठीक नहाय उत खड़ी देखो।"
पढ़न वालो समझ लेवो, तब जो यहूदिया म हय, हि पहाड़ी पर भग जाये। 15 ✡बिना समय गवायो
जो घर को छत पर हय, ऊ कुछ लेन खल्लो मत उतरे अऊर नहीं अन्दर जाये; 16 अऊर जो खेत म
हय, ओख घर म कपड़ा लावन लायी वापस नहीं जानो चाहिये। 17 उन दिनो म जो गर्भवती अऊर
बच्चां ख दूध पिलावन वाली होना उन्को लायी कितनो भयानक होयेंन! 18 अऊर परमेश्वर सी
प्रार्थना करतो रहो कि यो ठन्डी को दिन म मत होय। 19 ✡कहालीकि ऊ दिन असो कठिन होयेंन
कि सृष्टि को सुरूवात सी, जो परमेश्वर न रच्यो हय, अब तक नहीं भयो अऊर नहीं फिर कभी
होयेंन। 20 यदि प्रभु उन दिनो ख नहीं घटातो, त कोयी प्रानी भी नहीं बचतो; पर उन चुन्यो हुयो
लोगों को वजह ओन मुसीबत को दिनो ख घटायो हय।
21 ऊ समय यदि कोयी तुम सी कहेंन, देखो, मसीह इत हय, यो देखो, उत हय, त विश्वास मत
करो। 22 कहालीकि झूठो मसीह अऊर झूठो भविष्यवक्ता उठ खड़ो होयेंन, अऊर चिन्ह अऊर
अचम्भा को काम दिखायेंन कि यदि होय सकय त परमेश्वर को चुन्यो हुयो लोगों ख भी भरमायो
डालेंन। 23 पर तुम चौकस रहो; देखो, मय न तुम्ख सब बाते पहिले सीच बताय दियो हय।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

24 ✡"उन दिनो म, ऊ कठिनायी को बाद सूरज अन्धारो होय जायेंन, अऊर चन्दा प्रकाश नहीं
देयेंन; 25 ✡अऊर आसमान सी चांदनी गिरेंन; अऊर आसमान की शक्तियां हिलायी जायेंन। 26 ✡तब
लोग आदमी को बेटा ख बड़ी सामर्थ अऊर महिमा को संग बादलो म आवतो देखेंन। 27 ऊ समय
ऊ अपनो दूतों ख भेज क, धरती को यो कोना सी ले क दूसरों कोना तक, चारयी दिशा सी अपनो
परमेश्वर को चुन्यो हुयो लोगों ख जमा करेंन।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

28 "अंजीर को झाड़ सी यो दृष्टान्त सीखो: जब ओकी डगाली कवली हो, अऊर ओको म पाना
निकलन लगय हय; त तुम जान लेवय हय कि गरमी को मौसम जवर हय। 29 असो तरह सी जब
तुम या बाते ख होतो देखो, त जान लेवो कि ऊ समय जवर हय बल्की बहुतच जवर हय। 30 मय
तुम सी सच कहू हय कि जब तक या सब बाते पूरी नहीं होय जाये, तब तक यो पीढ़ी को अन्त नहीं
होयेंन। 31 आसमान अऊर धरती टल जायेंन, पर मोरी बाते कभी नहीं टलेंन।

✡ **13:9** १३:९ मत्ती १०:१७-२०; लूका १२:११,१२ ✡ **13:13** १३:१३ मत्ती १०:२२ * **13:14** १३:१४ दानिय्येल९:२७; ११:३१; १२:११ ✡ **13:15** १३:१५ लूका १७:३१ ✡ **13:19** १३:१९ प्रकाशितवाक्य ७:१४ ✡ **13:24** १३:२४ प्रकाशितवाक्य ६:१२ ✡ **13:25** १३:२५ प्रकाशितवाक्य ६:१३ ✡ **13:26** १३:२६ प्रकाशितवाक्य १:७

□□□□□ □□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□)

32 ✡“ऊ दिन यां ऊ समय को बारे म कोयी नहीं जानय, नहीं स्वर्गदूत अऊर नहीं बेटा; केवल
बापच जानय हय। 33 देखो, चौकस अऊर जागतो रहो; कहालीकि तुम नहीं जानय कि ऊ समय
कब आयेंन। 34 ✡ऊ असोच हय जसो कोयी आदमी कोयी यात्रा पर जातो हुयो सेवकों को ऊपर
अपनो घर छोड़ जावय, अऊर हर एक ख अपनो काम दे जाये। अऊर पहरेदार ख या आज्ञा दे कि
ऊ जागतो रहे। 35 येकोलायी जागतो रहो, कहालीकि तुम नहीं जानय कि घर को मालिक कब
आयेंन, शाम म यां अरधी रात म, यां भुन्सारे ख, यां सबेरे सी पहिले। 36 कहीं असो नहीं होय की
ऊ अचानक आय जाये अऊर तुम्ख सोतो हुयो देखे। 37 अऊर जो मय तुम सी कहू हय, उच सब सी
कहू हय: जागतो रहो!”

14

□□□□□ □□ □□□□□□ □ □□□□□□
(□□□□□□ □□:□-□; □□□□□ □□:□,□; □□□□□□□□ □□:□□-□□)

1 दोय दिन को बाद फसह अऊर अखमीरी रोटी को त्यौहार होन वालो होतो। मुख्य याजक अऊर
धर्मशास्त्री या बात की खोज म होतो कि ओख कसो कपट सी पकड़ क मार डाल्बो: 2 पर हि कह्य
रह्यो होतो, “त्यौहार को दिन म नहीं, पर कहीं असो मत होय कि लोगों म दंगा होय जायेंन।”

□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□
(□□□□□□ □□:□-□□; □□□□□□□□ □□:□-□)

3 ✡जब यीशु बैतनिय्याह को शिमोन नाम को कोढ़ी को घर जेवन करन बैठ्यो होतो, तब एक
बाई संगमरमर को बर्तन म जटामांसी को बहुत कीमती शुद्ध अत्तर ले क आयी; अऊर बर्तन तोड़
क अत्तर ख यीशु को मुंड पर कुड़ायो। 4 पर कोयी लोग अपनो मन म कुड़कुड़ाय क कहन लग्यो,
“यो अत्तर ख कहालीकि नाश करयो गयो? 5 कहालीकि यो अत्तर त तीन सौ दीनार* सी अधिक
कीमत म बेच क गरीबों म बाटचो जाय सकत होतो।” अऊर हि वा बाई ख डाटन लग्यो।
6 यीशु न कह्यो, “ओख छोड़ देवो; ओख कहाली सतावय हय? ओन त मोरो संग भलायी करी
हय। 7 गरीब त तुम्हरो संग हमेशा रह्य हय, अऊर तुम जब चाहो तब उनकी मदत कर सकय हय;
पर मय तुम्हरो संग हमेशा नहीं रह सकू। 8 जो कुछ वा कर सकी, ओन करी; ओन मोरो गाड़यो
जान की तैयारी म पहिलो सी मोरो शरीर पर अत्तर मल्यो हय। 9 मय तुम सी सच कहू हय कि पूरो
जगत म जित कहीं सुसमाचार प्रचार करयो जायेंन, उत वा बाई को काम की चर्चा भी ओकी याद
म करी जायेंन।”

□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□ □□:□-□)

10 तब यहूदा इस्करियोती जो बारा चेलावों म सी एक होतो, मुख्य याजकों को जवर गयो कि
यीशु ख उन्को हाथ म सौंप सके। 11 हि यो सुन क खुश भयो, अऊर ओख पैसा देन की प्रतिज्ञा
करयो; अऊर यहूदा मौका ढूंढन लग्यो कि यीशु ख कोयी भी तरह सी उन्ख सौंप देऊ।

□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□ □□:□-□□,□□-□□; □□□□□□□□ □□:□□-□□)

12 अखमीरी रोटी को त्यौहार को पहिलो दिन, जेको म हि फसह को मेम्ना को बलिदान करत
होतो, ओको चेलावों न यीशु सी पुच्छ्यो, “तय चाहवय हय कि कित हम जाय क तोरो लायी फसह
को जेवन खान की तैयारी करबो?”
13 यीशु न अपनो चेलावों म सी दोय ख यो कह्य क भेज्यो, “नगर म जावो, अऊर एक आदमी
पानी को घड़ा उठाय क लावतो हुयो तुम्ख मिलेंन, ओको पीछू जावो; 14 अऊर ऊ जो घर म जायेंन,

---

✡ **13:32** १३:३२ मत्ती २४:३६ ✡ **13:34** १३:३४ लूका १२:३६-३८ ✡ **14:3** १४:३ लूका ७:३७,३८ * **14:5** १४:५ एक साल सी जादा की मजूरी को बराबर यो तीन सौ दीनार

ऊ घर को मालिक सी कहो, 'गुरु कह्य हय कि मोरी मेहमानी को कमरा कित हय जेको म मय अपनो
चेलावों को संग फसह को जेवन खाऊ?' 15 ऊ तुम्ख एक सजायो अऊर तैयार करयो हुयो बड़ो सो
ऊपर को कमरा दिखायेंन, उत हमरो लायी सब कुछ तैयार मिलेंन।"
16 अऊर चेलावों नगर म गयो, अऊर जसो यीशु न उन्को सी कह्यो होतो वसोच पायो; अऊर
फसह को जेवन की तैयारी करी।
17 जब शाम भयी, त यीशु बारा चेलावों को संग आयो। 18 जब हि बैठ क जेवन कर रह्यो होतो,
त यीशु न कह्यो, "मय तुम सी सच कहू हय कि तुम म सी एक, जो मोरो संग जेवन कर रह्यो हय,
मोख बैरियों को हाथ म सौंप देयेंन।"
19 उन पर उदासी छाय गयी अऊर हि एक को बाद एक ओको सी कहन लग्यो, "का ऊ मय
आय?"
20 यीशु न उन्को सी कह्यो, "ऊ बारा चेलावों म सी एक हय, जो मोरो संग जेवन करय हय।
21 कहालीकि मय आदमी को बेटा मृत्यु पाऊ, जसो शास्त्रों म लिख्यो हय, पर ऊ आदमी पर हाय
जेको द्वारा आदमी को बेटा ख ओको बैरियों को हाथ म सौंप दियो जायेंन! यदि ऊ आदमी पैदाच
नहीं होतो, त ओको लायी ठीक होतो।"

[illegible]
([illegible])

22 जब हि खायच रह्यो होतो, ओन रोटी लियो, अऊर धन्यवाद कर क् तोड़ी, अऊर चेलावों ख
दियो, अऊर कह्यो, "लेवो, यो मोरो शरीर आय।"
23 तब ओन प्याला ले क परमेश्वर ख धन्यवाद करयो, अऊर उन्ख दियो; अऊर उन सब न ओको
म सी पीयो। 24 अऊर यीशु न उन्को सी कह्यो, "यो वाचा को मोरो ऊ खून आय; जो आदमी अऊर
परमेश्वर को बीच नयो वाचा ख दर्शावय हय, जो बहुतों लायी बहायो जावय हय। 25 मय तुम सी
सच कहू हय कि अंगूररस ऊ दिन तक फिर कभी नहीं पीऊ, जब तक परमेश्वर को राज्य म नयो
अंगूररस नहीं पी लेऊं।"
26 तब हि परमेश्वर को भजन गाय क बाहेर जैतून की पहाड़ी पर गयो।

[illegible]
([illegible])

27 तब यीशु न चेलावों सी कह्यो, "तुम सब मोख छोड़ क भग जावो, कहालीकि शास्त्रों म
लिख्यो हय; 'चरवाहा ख मार डालूं, अऊर मेंढीं तितर-बितर होय जायेंन।' 28 ✡पर मय अपनो
जीन्दो होन को बाद तुम सी पहिले गलील ख चली जाऊं।"
29 पतरस न ओको सी कह्यो, "यदि सब छोड़ेंन त छोड़ेंन, पर मय तोख नहीं छोड़ूं।"
30 यीशु न ओको सी कह्यो, "मय तोरो सी सच कहू हय कि अजच योच रात ख मुर्गा को दोय बार
बाग देन सी पहिले, तय तीन बार मोख पहिचानन सी इन्कार करजो।"
31 पर ओन अऊर भी जोर दे क कह्यो, "यदि मोख तोरो संग मरनो भी पड़ेंन, तब भी मय तोरो
इन्कार कभी नहीं करू।"
योच तरह अऊर सब न भी कह्यो।

[illegible]
([illegible])

32 फिर हि गतसमनी नाम एक जागा म आयो, अऊर यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, "इत
बैठ्यो रहो, जब तक मय प्रार्थना करू हय।" 33 अऊर ओन पतरस, याकूब अऊर यूहन्ना ख अपनो
संग ले गयो; अऊर बहुत संकट अऊर दु:ख ओको पर आय गयो, 34 अऊर यीशु न उन्को सी कह्यो,
"मोरो दिल बहुत उदास हय, यहां तक कि मय मरन पर हय। तुम इत ठहरो, अऊर देखतो रहो।"

✡ **14:28** १४:२८ मत्ती २८:१६

35 तब ऊ थोड़ो आगु बढ़ क जमीन म गिर क प्रार्थना करन लग्यो, कि यदि होय सकय त यो
तकलीफ को समय मोरो पर सी टल जाये, 36 अऊर कह्यो, "हे पिता, हे बाप, तोरो लायी सब कुछ
सम्भव हय; यो दु:ख को कटोरा मोरो जवर सी हटाय ले: तब भी जसो मय चाहऊ हय वसो नहीं,
पर जो तय चाहवय हय उच हो।"
37 तब यीशु वापस आयो अऊर उन तीन चेलावों ख सोयो देख क पतरस सी कह्यो, "हे शिमोन,
तय सोय रह्यो हय? का तय एक घंटा भी नहीं जाग सक्यो?" 38 अऊर ओन उन्को सी कह्यो,
"जागतो अऊर प्रार्थना करतो रहो कि तुम परीक्षा म नहीं पड़ो। आत्मा त तैयार हय, पर शरीर
कमजोर हय।"
39 यीशु तब उत सी चली गयो अऊर उच शब्दों म प्रार्थना करी। 40 तब यीशु आय क उन्ख
सोयो देख्यो, कहालीकि उन्की आंखी नींद सी भरी होती; अऊर हि नहीं जानत होतो कि ओख का
कहनो हय।
41 तब, ओन तीसरी बार आय क उन्को सी कह्यो, "कहालीकि तुम अब तक सोय रह्य हय अऊर
आराम कर रह्य हय? बहुत होय गयो! बस, समय आय पहुंच्यो हय। देखो, मय आदमी को बेटा
पापियों को हाथ म सौंप दियो जाऊं। 42 उठो, चलो! देखो, मोख धोका देन वालो जवर आय गयो
हय!"

[illegible]
([illegible])

43 यीशु यो कह्यच रह्यो होतो कि यहूदा जो बारा चेलावों म सी एक होतो, अपनो संग मुख्य
याजकों अऊर धर्मशास्त्रियों अऊर बुजूर्गों को तरफ सी एक बड़ी भीड़ लेय क उन्ख भेज्यो, जो
तलवारें अऊर लाठियां को संग होती। 44 ओको पकड़वान वालो न उन्ख यो इशारा दियो होतो कि
जेको मय चुम्मा लेऊ उच आय, ओख पकड़ क सावधानी सी लिजाजो।
45 उत पहुंच क तुरतच यहूदा यीशु को जवर जाय क कह्यो, "हे गुरु!" अऊर ओको चुम्मा लियो।
46 तब उन्न यीशु ख पकड़ क बन्दी बनाय लियो। 47 उन म सी जो जवर खड़े होतो, एक न तलवार
निकाल क महायाजक को सेवक पर चलाय क ओको कान काट दियो। 48 यीशु न उत्तर देतो हुयो
उन्को सी कह्यो, "का तुम तलवारें अऊर लाठियां ले क मोख बन्दी बनावन आयो हय? का मय कोयी
अपराधी आय? 49 ✡मय त हर दिन मन्दिर म तुम्हरो संग रह्य क शिक्षा देत होतो, अऊर तब तुम्न
मोख नहीं पकड़यो: पर यो येकोलायी भयो हय कि शास्त्र को लेख पूरो होय।"
50 येको पर सब चेला ओख छोड़ क भाग गयो।
51 एक जवान लिनन को चादर पहिन्यो हुयो यीशु को पीछू भय गयो। अऊर लोगों न ओख
पकड़न की कोशिश करी। 52 पर ऊ चादर ख छोड़ क नंगोच भग गयो।

[illegible]
([illegible])

53 फिर हि यीशु ख महायाजक को घर को आंगन म ले गयो; अऊर सब मुख्य याजक, बुजूर्गों
अऊर धर्मशास्त्री उत जमा भय गयो। 54 पतरस दूरच दूर सी ओको पीछू-पीछू महायाजक को
आंगन को अन्दर तक गयो, अऊर पहरेदारों को संग बैठ क आगी तापन लग्यो। 55 मुख्य याजक
अऊर पूरी यहूदियों की महासभा यीशु ख मार डालन लायी ओको विरोध म सबूत ढूंढत होतो, पर
सबूत नहीं मिल्यो। 56 कुछ लोग यीशु को विरोध म झूठो सबूत दे रह्यो होतो, पर उन्को सबूत एक
जसो नहीं होतो।
57 तब कुछ लोगों न उठ क यीशु को विरोध म यो झूठो सबूत दियो, 58 ✡"हम न येख यो कहतो
सुन्यो हय, 'मय यो आदमी को हाथ को बनायो हुयो मन्दिर ख गिराय देऊं, अऊर तीन दिन म दूसरों
बनाय देऊं, जो आदमी को हाथ सी नहीं बन्यो हय।' " 59 येको पर भी उन्को सबूत एक जसो नहीं
निकल्यो।

✡ **14:49** १४:४९ लूका १९:४७; २१:३७ ✡ **14:58** १४:५८ यूहन्ना २:१९

60 तब महायाजक न बीच म खड़े होय क यीशु सी पुच्छ्यो, "तय कोयी उत्तर नहीं देवय? हि
लोग तोरो विरोध म का सबूत दे रह्यो हंय?"
61 पर यीशु चुपचाप रह्यो, अऊर कुछ उत्तर नहीं दियो। महायाजक न ओको सी फिर सी पुच्छ्यो,
"का तय ऊ परम धन्य परमेश्वर को बेटा मसीह आय?"
62 यीशु न कह्यो, "हव मय आय," अऊर "तुम आदमी को बेटा ख सर्वशक्तिमान परमेश्वर को
दायो तरफ बैठ्यो, अऊर आसमान को बादलो को संग आवता देखो।"
63 तब महायाजक न अपनो कपड़ा फाड़ क कह्यो, "अब हम्ख गवाहों की अऊर का जरूरत हय?
64 तुम्न यो निन्दा सुनी। येको पर तुम्हरी का राय हय?"
उन सब न कह्यो कि यो मृत्यु की सजा को लायक हय।
65 तब कोयी त ओको पर थूकन लग्यो, अऊर ओको पर कपड़ा सी ढक क घूसा मारन लग्यो
अऊर ओको सी कहन लग्यो, "भविष्यवानी कर!" की तोख कौन न मारयो अऊर पहरेदारों न ओख
पकड़ क थापड़ मारयो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible],[illegible]-[illegible])

66 जब पतरस आंगन म बैठ्यो होतो, त महायाजक की दासी उत आयी, 67 अऊर पतरस ख
आगी तापतो देख क पहिचानन लायी ओको पर टकटकी लगाय क देख्यो अऊर कहन लगी, "तय
भी त ऊ नासरत को यीशु को संग होतो।"
68 †पर पतरस न यीशु को इन्कार करतो हुयो कह्यो, "मय नहीं जानु अऊर नहीं समझू हय कि
तय का कह्य रह्यो हय?" तब ऊ बाहेर डेहरी को तरफ जान लग्यो: अऊर मुर्गा न बाग दियो।
69 ओख देख क जवर खड़ो लोगों सी वा दासी फिर सी कहन लगी, "यो त उन्म सी एक" आय!
70 पर पतरस यीशु ख पहिचानन सी फिर सी इन्कार करयो। थोड़ी देर बाद जो जवर खड़ो होतो
उन्न फिर पतरस सी कह्यो, "निश्चय तय उन्म सी एक आय; कहालीकि तय भी गलीली आय।"
71 तब पतरस कसम खाय क कहन लग्यो, सच कहू हय, "मय ऊ आदमी ख, जेकी तुम चर्चा करय
हय, नहीं जानु।"
72 तब तुरतच दूसरों बार मुर्गा न बाग दियो। पतरस ख ऊ बात जो यीशु न ओको सी कह्यो होतो
याद आयी: "मुर्गा को दोय बार बाग देन सी पहिले तय तीन बार मोख पहिचानन सी इन्कार करजो।"
अऊर ऊ या बात ख सोच मान क रोवन लग्यो।

15

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible],[illegible],[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

1 भुन्सारे होतोच तुरतच मुख्य याजकों, बुजूर्गों, अऊर धर्मशास्त्रियों न बल्की पूरी यहूदी
महासभा न सल्ला कर क् यीशु ख बन्दी बनाय क, ओख लिजाय क पिलातुस शासक को हाथ
म सौंप दियो।
2 पिलातुस न यीशु सी पुच्छ्यो, "का तय यहूदियों को राजा आय?" ओन ओख उत्तर दियो, "तय
खुदच कह्य रह्यो हय।"
3 मुख्य याजक यीशु पर बहुत बातों को दोष लगाय रह्यो होतो। 4 पिलातुस न ओको सी फिर
पुच्छ्यो, "का तय कुछ भी उत्तर नहीं देवय? देख हि तोरो पर कितनी बातों को दोष लगावय हंय।"
5 यीशु न फिर कुछ भी उत्तर नहीं दियो; येकोलायी पिलातुस बड़ो अचम्भित भयो।

[illegible]-[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

† **14:68** १४:६८ कुछ हस्तलेखों म मुर्गा न बाग दियो नहीं लिख्यो हय

6 हमेशा को जसो ऊ फसह को त्यौहार म यहूदी लोग कोयी एक बन्दी ख जेक हि चाहत होतो,
पिलातुस उन्को लायी छोड़ देत होतो। 7 बरअब्बा नाम को एक आदमी विद्रोहियों को संग बन्दी
होतो, ओन रोमन शासक को विद्रोह म हत्यायें करी होती। 8 अऊर भीड़ पिलातुस सी बिन्ती करन
लग्यो, कि जसो तय हमरो लायी करत आयो हय वसोच कर। 9 पिलातुस न उन्ख उत्तर दियो, "का
तुम चाहवय हय, कि मय तुम्हरो लायी यहूदियों को राजा ख छोड़ देऊ?" 10 पिलातुस जानत होतो
कि मुख्य याजकों न ओख जलन सी सौंप दियो होतो।
11 पर मुख्य याजकों न लोगों ख उकसायो कि ऊ बरअब्बा ख उन्को लायी छोड़ दे। 12 यो सुन क
पिलातुस न उन्को सी फिर पुच्छ्यो, "त जेक तुम यहूदियों को राजा कह्य हय, ओख मय का करू?"
13 हि फिर चिल्लावन लग्यो, "ओख क्रूस पर हाथ अऊर पाय म खिल्ला सी ठोक क ओख चढ़ाय
देवो।"
14 पिलातुस न उन्को सी कह्यो, "येन का बुरो करयो हय?"
पर हि अऊर भी जोर सी चिल्लावन लग्यो, "ओख क्रूस पर चढ़ाय देवो।"
15 तब पिलातुस न भीड़ ख खुश करन की इच्छा सी, बरअब्बा ख उन्को लायी छोड़ दियो, अऊर
यीशु ख कोड़ा सी पीट क सौंप दियो कि क्रूस पर चढ़ायो जाये।

[illegible]
([illegible])

16 प्रीटोरियुम, जो राज्यपाल को राजभवन को आंगन कहलावय हय, ओख ले गयो जित पूरी
रोमी सेना की पलटन ख बुलाय क जमा करयो। 17 तब उन्न यीशु ख जामुनी कपड़ा पहिनायो अऊर
काटा की डगाली सी मुकुट बनाय क ओको मुंड पर रख्यो, 18 अऊर यो कह्य क ओख प्रनाम करन
लग्यो, "हे यहूदियों को राजा, तोरी जय जयकार होय!" 19 हि ओको मुंड पर सरकण्डा मारतो, अऊर
ओको पर थूकतो अऊर घुटना को बल पर होय क ओकी जय जयकार करतो रह्यो। 20 जब हि ओको
मजाक उड़ाय लियो, त ओको पर सी जामुनी कपड़ा उतार क ओकोच कपड़ा पहिनायो; अऊर तब
ओख क्रूस पर चढ़ावन लायी बाहेर ले गयो।

[illegible]
([illegible])

21 ✡सिकन्दर अऊर रूफुस को बाप शिमोन कुरेनी, जो गांव सी आवतो हुयो उत सी निकल
रह्यो होतो; त सिपाहियों न ओख जबरदस्ती म पकड़्यो कि यीशु को क्रूस उठाय क चले। 22 हि
ओख गुलगुता नाम को जागा पर ले गयो, जेको अर्थ खोपड़ी की जागा हय। 23 अऊर ओख कड़वो
मसाला मिलायो हुयो अंगूररस देन कि कोशिश करी, पर ओन नहीं पियो। 24 तब उन्न ओख क्रूस
पर चढ़ायो अऊर ओको कपड़ा पर चिट्ठियां डाल क, कि कोन्ख का मिलेंन, ओको कपड़ा ख आपस
म बाट लियो। 25 अऊर सबेरे को नौ बजे एक पहर दिन चढ़ आयो होतो, जब उन्न ओख क्रूस पर
चढ़ायो। 26 अऊर असो लिख क यो दोष चिट्ठी ओको ऊपर क्रूस पर लगाय दियो कि "यहूदियों
को राजा।" 27 उन्न ओको संग दोय डाकूवों, एक ओको दायो तरफ अऊर दूसरों ख ओको बायो तरफ
क्रूस पर चढ़ायो। 28 तब शास्त्र को ऊ वचन पूरो भयो जेको म कह्यो हय कि ऊ अपराधियों को
संग गिन्यो गयो।*
29 ✡अऊर उत सी आनो जानो वालो मुंड हिला हिलाय क अऊर यो कह्य क ओकी निन्दा करत
होतो, "अरे! यो त मन्दिर ख गिराय क, अऊर तीन दिन म बनावन वालो होतो! 30 क्रूस पर सी
उतर क अपनो आप ख बचाय ले।"
31 येको पर मुख्य याजक भी, धर्मशास्त्रियों को संग आपस म मजाक उड़ाय रह्यो होतो, "येन
त कुछ ख बचायो, पर खुद ख नहीं बचा सक्यो।"

✡ **15:21** १५:२१ रोमियों १६:१३ * **15:28** १५:२८ कुछ हस्त लेख म यो वचन नहीं मिलय। देखो लूका २२:३७ ✡ **15:29** १५:२९ मरकुस १४:५८; यूहन्ना २:१९

32 “इस्राएल को राजा, मसीह, अब क्रूस पर सी उतर गयो कि हम ओख देख क विश्वास
करबो।” अऊर जो ओको संग क्रूस पर चढ़ायो गयो होतो, हि भी ओकी निन्दा करत होतो।

[illegible]
([illegible])

33 बारा बजे दोपहर होन पर पूरो देश म अन्धारो छाय गयो, अऊर तीन घंटा तक अन्धारो छायो
रह्यो। 34 तीसरो पहर तीन बजे यीशु न बड़ो आवाज सी पुकार क कह्यो, “एलोई, एलोई, लमा
शबक्तनी?” जेको अर्थ यो हय, “हे मोरो परमेश्वर, हे मोरो परमेश्वर, तय न मोख कहाली छोड़
दियो?”
35 जो जवर खड़ो होतो, उन्म सी कुछ लोगों न यो सुन क कह्यो, “सुनो, ऊ एलिय्याह ख पुकार
रह्यो हय।” 36 अऊर एक न दौड़ क स्पंज ख सिरका म डुबायो, अऊर सरकण्डा पर रख क ओख
चुसायो अऊर कह्यो, “रुक जावो, देखबोंन, एलिय्याह ओख उतारन लायी आवय हय यां नहीं।”
37 तब यीशु न ऊचो आवाज सी चिल्लाय क जीव छोड़ दियो।
38 अऊर मन्दिर को परदा ऊपर सी खल्लो तक फट क दोय टुकड़ा भय गयो। 39 सूबेदार न जो
उत आगु खड़ो होतो, ओख यो तरह सी जीव छोड़तो हुयो देख्यो, त ओन कह्यो,† “सचमुच यो
आदमी, परमेश्वर को बेटा होतो!”
40 ✡कुछ बाई भी दूर सी देख रही होती: उन्म मरियम मगदलीनी, छोटो याकूब अऊर योसेस
की माय मरियम, अऊर सलोमी होती। 41 जब ऊ गलील म होतो त हि ओको पीछू होय जात होती
अऊर ओकी सेवा टहल करत होती; अऊर बहुत सी बाईयां भी होती, जो ओको संग यरूशलेम म
आयी होती।

[illegible]
([illegible])

42 जब शाम भय गयी त येकोलायी कि तैयारी को दिन होतो, जो यहूदियों को आराम‡ को दिन सी
एक दिन पहिले होवय हय, 43 अरिमतिया को निवासी यूसुफ आयो, जो यहूदियों को महासभा को
सम्मानिय सदस्य होतो अऊर खुद भी परमेश्वर को राज्य की रस्ता देखत होतो। ऊ हिम्मत कर क
पिलातुस को जवर जाय क यीशु को लाश मांग्यो। 44 पिलातुस ख अचम्भा भयो कि यीशु की मृत्यु
इतनो जल्दी भय गयी; अऊर ओन सूबेदार ख बुलाय क पुच्छ्यो, “का ऊ मर गयो हय?” 45 तब
ओन सूबेदार सी हाल जान क लाश यूसुफ ख दे दियो। 46 तब यूसुफ न लिनन कि एक चादर लियो,
अऊर लाश ख उतार क ऊ चादर म लपेट क, अऊर एक कब्र म जो चट्टान ख काट क बनायो
गयो कब्र म रख्यो, अऊर कब्र को द्वार पर एक बड़ो गोटा लुढ़काय दियो। 47 मरियम मगदलीनी
अऊर योसेस की माय मरियम देख रही होती कि ओख कित रख्यो गयो हय।

16

[illegible]
([illegible])

1 जब आराम को दिन बीत गयो, त मरियम मगदलीनी, याकूब की माय मरियम अऊर सलोमी
न सुगन्धित अत्तर लेय लियो अऊर आय क यीशु की लाश पर मल्यो। 2 हप्ता को पहिलो दिन
इतवार ख भुन्सारो म जब सूर्योदय होतो समय, हि कब्र पर आयी, 3 अऊर आपस म कहत होती,
“हमरो लायी कब्र को द्वार पर सी गोटा कौन हटायेंन?” 4 गोटा बहुत बड़ो होतो, जब उन्न देख्यो,
त गोटा हटचो हुयो होतो। 5 कब्र को अन्दर जाय क उन्न स्वर्गदूत ख एक जवान आदमी को रूप
म सफेद कपड़ा पहिन्यो दायो तरफ बैठ्यो देख्यो, अऊर हि बहुत डर गयी होती।

† 15:39 १५:३९ कुछ हस्तलेखों म यीशु जोर सी चिल्लाय क जीव छोड़ दियो लिख्यो हय ✡ 15:40 १५:४० लूका ८:२,३
‡ 15:42 १५:४२ सब्त-यहूदियों को आराम दिन

6 ओन उन्को सी कह्यो, “मत डरो, तुम नासरत को यीशु ख, जो क्रूस पर चढ़ायो गयो होतो,
ओख ढूंढ रही हय। ऊ जीन्दो भयो हय, इत नहाय; देखो, याच जागा आय, जित उन्न ओख रख्यो
होतो। 7 ✡पर तुम जावो, अऊर ओको चेलावों अऊर पतरस सी कहो कि ऊ तुम सी पहिले गलील
ख जायेंन। जसो ओन तुम सी कह्यो होतो, तुम उतच ओख देखो।”
8 अऊर हि निकल क कब्र सी भाग गयी; कपकपी अऊर घबराहट उन पर छाय गयी होती;
अऊर उन्न कोयी सी कुछ नहीं कह्यो, कहालीकि हि डर गयी होती।

[illegible]
([illegible])

9 हप्ता को पहिलो दिन इतवार को भुन्सारे ख ऊ जीन्दो होय क सब सी पहिले मरियम मगदलीनी
ख जेको म सी सात दुष्ट आत्मा ख निकाल्यो होतो ओख दिखायी दियो। 10 ओन जाय क यीशु को
संगियों ख जो शोक म डुब्यो होतो अऊर रोय रह्यो होतो, यो समाचार बतायो। 11 जब उन्न यो
सुन्यो कि यीशु जीन्दो हय अऊर उन्ख दिखायी दियो हय, त उन्ख विश्वास नहीं भयो।

[illegible]
([illegible])

12 येको बाद यीशु दूसरों रूप म उन्म सी दोय चेलावों ख जब हि गांव को तरफ जाय रह्य होतो,
दिखायी दियो। 13 उन्न भी जाय क दूसरों ख समाचार बतायो, पर उन्न तब भी उन्की बात पर
विश्वास नहीं करयो।

[illegible]
([illegible])

14 पीछू ऊ उन ग्यारा चेलावों ख भी, जब हि जेवन करन बैठचो होतो दिखायी दियो, अऊर उन्को
अविश्वास अऊर मन की कठोरता पर डाटचो, कहालीकि जेन ओख जीन्दो होन को बाद देख्यो
होतो, इन्न उन्को विश्वास नहीं करयो होतो। 15 ✡अऊर यीशु न उन्को सी कह्यो, “तुम पूरो जगत
म जाय क पूरी सृष्टि को लोगों ख सुसमाचार प्रचार करो। 16 जो विश्वास करेंन अऊर बपतिस्मा
लेयेंन ओकोच उद्धार होयेंन, पर जो विश्वास नहीं करेंन ओको न्याय होयेंन अऊर ऊ दोषी ठहरायो
जायेंन; 17 विश्वास करन वालो म यो चिन्ह होयेंन कि हि मोरो नाम सी दुष्ट आत्मावों ख निकालेंन,
अऊर नयी भाषा बोलेंन, 18 सांपो ख उठाय लेयेंन, अऊर यदि हि जहेर ख भी पी लेयेंन तब भी
उन्की कुछ हानि नहीं होयेंन; हि बीमारों पर हाथ रखेंन, अऊर बीमार चंगो होय जायेंन।”

[illegible]
([illegible])

19 ✡प्रभु यीशु उन्को सी बाते करन को बाद स्वर्ग पर उठाय लियो गयो, अऊर परमेश्वर को
दायो तरफ बैठ गयो। 20 अऊर उन्न निकल क हर जागा म प्रचार करयो, अऊर प्रभु उन्को संग
काम करत रह्यो, अऊर उन चिन्ह को द्वारा जो संग संग होत होतो, वचन ख मजबूत करत रह्यो।
आमीन।*

✡ **16:7** १६:७ मत्ती २६:३२; मरकुस १४:२८ ✡ **16:15** १६:१५ प्रेरितों १:८ ✡ **16:19** १६:१९ प्रेरितों १:९-११ * **16:20** १६:२० पुरानो हस्त लेख म यो वचन नहीं मिलय

लूका रचित यीशु मसीह का सुसमाचार
लूका रचित यीशु मसीह को सुसमाचार
परिचय

लूका रचित सुसमाचार नयो नियम कि उन चार किताबों म सी एक आय, जेको म यीशु को जीवन को वर्नन हय। उन हर एक किताबों ख सुसमाचार कह्य हय। यीशु को मरन को बाद मत्ती, मरकुस, अऊर यूहन्ना न या किताब लिखी। लूका न केवल यीशु को जीवन की कहानीच नहीं लिखी बल्की ओको मरन को बाद ओको चेलां को कामों को बारे म भी लिख्यो। "प्रेरितों को काम" नाम की किताब म इन्को बारे म पढ़न ख मिलय हय। लूका को सुसमाचार कहां अऊर कब लिख्यो गयो येको बारे म निश्चित मालूम नहाय। पर ज्यादातर पढ़न वालो यो मानय हय कि लूका रचित सुसमाचार यीशु को जनम को लगभग ७० साल को बाद लिख्यो गयो होना।

या किताब को लेखक खुद लूका आय। जो डाक्टर होतो। ओको लिखन को तरीका अऊर भाषा सी यो पता चलय हय कि लूका एक पढ़यो लिख्यो आदमी होतो। लूका चाहत होतो कि यीशु को जीवन की घटना ख सही-सही लिख्यो जाये, अऊर घटनाये जसी भयी ठीक वसोच लिख्यो जाये ताकि उन्को बारे म पढ़ क फायदा हो। १:१-३ लूका यहूदी नहीं होतो। कुलुस्सियों ४:१०-१४ ओन असो तरह सी लिख्यो कि गैरयहूदी भी ओकी लिखित सरलता सी समझ सके, जो तरह सी यहूदी रीति रिवाजों को वर्नन करयो गयो हय, ओको सी यो पता चलय हय।१:८।

बहुत ज्यादा मात्रा म लूका रचित सुसमाचार मत्ती अऊर मरकुस की किताबों जसी हय। तीनयी किताबों म उच घटनावों को वर्नन एक जसो करयो गयो हय। पर लूका की किताब म बपतिस्मा करन वालो यूहन्ना को जनम को बारे म सब सी ज्यादा जानकारी मिलय हय। लूका म "माफी को बारे म सब सी ज्यादा लिख्यो हय।" ३:३,११:४,१७:३-४,२३:३४,२४:४७ प्रार्थना को बारे म सब सी ज्यादा लिख्यो हय ३:२१,५:१६,६:१२,१७:१-१२,२२:३२

रूप-रेखा

१. लूका रचित सुसमाचार की भूमिका अऊर लिखन को वजह बतावय हय। [illegible]
२. यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो अऊर यीशु को जनम यां बचपन। [illegible]
३. यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो की जनसेवा। [illegible]
४. यीशु को बपतिस्मा अऊर परीक्षा। [illegible]
५. गलील म यीशु की जनसेवा। [illegible]
६. गलील सी यरूशलेम तक यात्रा। [illegible]
७. यरूशलेम म आखरी हप्ता। [illegible]
८. प्रभु को पुनरुत्थान, दिखायी देनो, अऊर स्वर्गारोहन। [illegible]

1 प्रिय थियुफिलुस: बहुत सो न उन बातों ख जो हमरो बीच म बीती हंय, इतिहास लिखन म
हाथ लगायो हय। 2 जसो कि उन्न जो पहले सीच इन बातों ख देखन वालो अऊर सुसमाचार को
प्रचार करन वालो न, हम तक पहुंचायो। 3 अऊर येकोलायी, मान्यवर थियुफिलुस मोख भी यो
ठीक मालूम भयो कि उन सब बातों को पूरो हाल सुरूवात सी ठीक-ठीक जांच कर क, उन्ख तोरो
लायी एक को बाद एक लिखूं। 4 मय असो येकोलायी कहू हय कि तोख हर वा चिज को बारे म पूरी
सच्चायी मालूम होय जाये जो तोख सिखायी गयी हय।

[illegible]

5 यहूदिया* को राजा हेरोदेस को समय अबिय्याह को दल म जकर्याह नाम को एक याजक होतो।
अऊर ओकी पत्नी हारून को वंश की होती; जेको नाम इलीशिबा होतो। 6 हि दोयी परमेश्वर को
आगु सच्चो होतो, अऊर प्रभु की पूरी आज्ञावों अऊर पूरी विधियों पर निर्दोष चलन वालो होतो।
7 उन्की कोयी भी सन्तान नहीं होती, कहालीकि इलीशिबा बांझ होती, अऊर हि दोयी बूढ्ढा होतो।
8 जब ऊ मन्दिर म अपनो दल की पारी पर परमेश्वर को आगु याजक को काम करत होतो, 9 त
याजकों की रीति को अनुसार ओको नाम की चिट्ठी निकली कि प्रभु को मन्दिर म जाय क धूप
जलायेंन। 10 धूप जलावन को समय लोगों की पूरी मण्डली बाहेर प्रार्थना कर रही होती।
11 ऊ समय प्रभु को एक स्वर्गदूत धूप की वेदी को दायो तरफ जकर्याह ख प्रगट भयो दिखायी
दियो। 12 जकर्याह देख क घबरायो अऊर ओको पर बड़ो डर छाय गयो। 13 पर स्वर्गदूत न ओको सी
कह्यो, "हे जकर्याह, डरू मत! कहालीकि तोरी प्रार्थना सुन लियो हय, अऊर तोरी पत्नी इलीशिबा
सी तोरो लायी एक बेटा पैदा होयेंन। अऊर तय ओको नाम यूहन्ना रखजो। 14 अऊर तोख बहुत
खुशी होयेंन, अऊर बहुत लोग ओको जनम को वजह खुश होयेंन! 15 कहालीकि ऊ प्रभु को आगु
महान होयेंन; अऊर नशा वालो अंगूररस अऊर मदिरा कभी नहीं पीयेंन; अऊर अपनी माय को
गर्भ सीच पवित्र आत्मा सी परिपूर्ण होय जायेंन; 16 अऊर इस्राएलियों म सी बहुत सो ख उन्को
प्रभु परमेश्वर को तरफ वापस लायेंन। 17 ऊ नबी एलिय्याह को जसो आत्मा अऊर सामर्थ म होय
क प्रभु सी आगु निकल जायेंन। कि बाप को मन बाल-बच्चां को तरफ घुमाय देयेंन; अऊर आज्ञा
नहीं मानन वालो ख धर्मियों की समझ पर लाये; अऊर प्रभु लायी एक लायक प्रजा तैयार करेंन।"
18 जकर्याह न स्वर्गदूत सी पुच्छ्यो, "यो मय कसो जानु? कहालीकि मय त बूढ्ढा हय; अऊर
मोरी पत्नी भी बूढ्ढी होय गयी हय।"
19 स्वर्गदूत न ओख उत्तर दियो, "मय जिब्राईल आय, जो परमेश्वर को आगु खड़ो रहू हय; अऊर
मय तोरो सी बाते करन अऊर तोख यो सुसमाचार सुनावन लायी भेज्यो गयो हय। 20 देख, जब तक
या बाते पूरी नहीं होय, तब तक तय मुक्का रहजो अऊर बोल नहीं सकजो, कहालीकि तय न मोरी
बातों ख जो अपनो समय पर पूरी होन वाली होती, ओको पर विश्वास नहीं करयो।"
21 लोग जकर्याह की रस्ता देखतच रह्यो अऊर अचम्भा करन लग्यो कि ओख मन्दिर म इतनी
देर कहाली लगी। 22 जब ऊ बाहेर आयो, त ओन उन्को सी बात नहीं कर सक्यो: येकोलायी हि
जान गयो कि ओन मन्दिर म कोयी दर्शन पायो हय; अऊर ऊ अपनो हाथों सी उन्ख इशारा करतो
रह्यो, अऊर मुक्का बन गयो।
23 जब जकर्याह को मन्दिर म को सेवा को दिन पूरो भयो, त ऊ अपनो घर चली गयो। 24 ऊ दिन
को बाद सी ओकी पत्नी इलीशिबा गर्भवती भयी; अऊर पाच महीना तक अपनो आप ख यो कह्य क
लूकाय क रख्यो, 25 "आदमियों म मोरो अपमान को दूर करन लायी, प्रभु न इन दिनो म दयादृष्टि
कर क् मोरो लायी असो करयो हय।"

[illegible]

26 इलीशिबा को गर्भ धारन को छठवो महीना म परमेश्वर को तरफ सी जिब्राईल स्वर्गदूत,
गलील को नासरत नगर म, 27 ✡एक कुंवारी को जवर भेज्यो गयो जेकी मंगनी यूसुफ नाम को
दाऊद को घराना को एक पुरुष सी भयी होती: वा कुंवारी को नाम मरियम होतो। 28 स्वर्गदूत न
ओको जवर अन्दर आय क कह्यो, "खुशी अऊर आशीर्वाद तोरो संग हय, जेक पर ईश्वर को अनुग्रह
भयो हय! प्रभु तोरो संग हय!"
29 मरियम ऊ वचन सी बहुत परेशान भय गयी, अऊर सोचन लगी कि यो कसो तरह को अभिवादन
आय? 30 स्वर्गदूत न ओको सी कह्यो, "हे मरियम, डरो मत, कहालीकि परमेश्वर को अनुग्रह तोरो
पर भयो हय। 31 ✡देख, तय गर्भवती होजो, अऊर तोख एक बेटा पैदा होयेंन; तय ओको नाम यीशु
रखजो। 32 ऊ महान होयेंन अऊर परमप्रधान परमेश्वर को बेटा कह्यो जायेंन, अऊर प्रभु परमेश्वर

* **1:5** १:५ यो संज्ञा को सन्दर्भ पूरो पलिस्तिन देश सी हय ✡ **1:27** १:२७ मत्ती १:१८ ✡ **1:31** १:३१ मत्ती १:२१

ओको बाप दाऊद को सिंहासन ओख देयेंन, 33 अऊर ऊ याकूब को घरानों पर हमेशा राज करेंन;
अऊर ओको राज्य कभी खतम नहीं होयेंन।"
34 मरियम न स्वर्गदूत सी कह्यो, "यो कसो होयेंन। मय त कोयी भी पुरुष ख जानु नहाय।"
35 स्वर्गदूत न ओख उत्तर दियो, "पवित्र आत्मा तोरो पर उतरेंन, अऊर परमेश्वर जो सब सी
ऊचो हय ओकी सामर्थ तोरो पर छायेंन; येकोलायी ऊ पवित्र जो पैदा होन वालो हय, परमेश्वर
को बेटा कहलायेंन। 36 अऊर देख, तोरी कुटुम्बिनी इलीशिबा ख भी बुढ़ापा म बेटा होन वालो
हय, यो ओको, जो बांझ कहलावत होती ओको गर्भ धारन को छठवो महीना हय। 37 कहालीकि जो
वचन परमेश्वर को तरफ सी होवय हय ऊ असम्भव नहीं होवय।"
38 मरियम न कह्यो, "देख मय प्रभु की दासी आय, मोख तोरो वचन को अनुसार हो।" तब स्वर्गदूत
ओको जवर सी चली गयो।

[illegible]

39 उन दिनो म मरियम उठ क जल्दीच पहाड़ी देश म यहूदा को एक नगर ख गयी, 40 ओन जकर्याह
को घर म जाय क इलीशिबा ख नमस्कार करी। 41 जसोच इलीशिबा न मरियम को नमस्कार सुन्यो,
वसोच बच्चा ओको पेट म उछल्यो, अऊर इलीशिबा पवित्र आत्मा सी परिपूर्ण भय गयी। 42 अऊर
ओन बड़ो आवाज सी पुकार क कह्यो, "तय पूरी बाईयों म सब सी जादा आशीर्वाद हय, अऊर तोरो
पेट को बच्चा आशीर्वाद हय! 43 यो अनुग्रह मोख कित सी भयो कि मोरो प्रभु की माय मोरो जवर
आयी? 44 जसोच तोरो नमस्कार को आवाज मोरो कानो म पड़यो, वसोच बच्चा मोरो पेट म खुशी
सी उछल पड़यो। 45 धन्य हय ऊ जेन विश्वास करयो कि जो बाते प्रभु को तरफ सी ओको सी
कहीं गयी, हि पूरी होयेंन!"

[illegible]

46 तब मरियम न कह्यो,
"मोरो जीव प्रभु की बड़ायी करय हय 47 अऊर मोरी आत्मा मोरो उद्धार करन वालो
परमेश्वर सी खुश भयी, 48 कहालीकि ओन अपनी दासी पर
नजर करी हय; येकोलायी देखो, अब सी पूरो युग-युग
को लोग मोख धन्य कहेंन, 49 कहालीकि ऊ सर्वशक्तिमान परमेश्वर न
मोरो लायी बड़ो बड़ो काम करयो हय।
ओको नाम पवित्र हय, 50 एक पीढ़ी सी दूसरी पीढ़ी म,
ऊ उन लोगों पर दया करय हय,
जो ओको आदर करय हंय। 51 ओन अपनो ताकतवर भुजा दिखायो,
अऊर जो अपनो आप ख बड़ो समझत होतो,
उन्ख तितर-बितर कर दियो। 52 ओन राजावों ख उन्को सिंहासनों सी
गिराय दियो;
अऊर नम्र लोगों ख ऊंचो करयो। 53 ओन भूखो ख अच्छी चिजों सी
सन्तुष्ट करयो,
अऊर धनवानों ख खाली हाथ निकाल दियो।
54 ओन अपनो सेवक इस्राएल ख सम्भाल
लियो कि अपनो ऊ दया ख याद करेंन, 55 जो अब्राहम अऊर ओको वंश पर हमेशा
रहेंन,
जसो ओन हमरो बापदादों सी कह्यो होतो।"
56 मरियम लगभग तीन महीना इलीशिबा को संग रह्य क अपनो घर लौट गयी।

[illegible]

57 तब इलीशिबा को प्रसव को समय पूरो भयो, अऊर ओन बेटा ख जनम दियो। 58 ओको
पड़ोसियों अऊर कुटुम्बियों न यो सुन क कि प्रभु न ओको पर बड़ी दया करी हय, ओको संग खुशी
मनायो।
59 अऊर असो भयो कि आठवो दिन हि बच्चा को खतना† करन आयो अऊर ओको नाम ओको
बाप को नाम पर जकर्याह रखन लग्यो। 60 येको पर ओकी माय न उत्तर दियो, "नहीं; बल्की ओको
नाम यूहन्ना रख्यो जाय।"
61 उन्न ओको सी कह्यो, "तोरो कुटुम्ब म कोयी को यो नाम नहाय!" 62 तब उन्न ओको बाप सी
इशारा कर क् पुच्छ्यो कि तय ओको नाम का रखनो चाहवय हय?
63 जकर्याह न एक लिखन की पाटी मांगी अऊर लिख दियो, "ओको नाम यूहन्ना आय," अऊर
सब अचम्भित भयो। 64 तब ओको मुंह अऊर जीबली तुरतच खुल गयी; अऊर ऊ बोलन अऊर
परमेश्वर को महिमा करन लग्यो। 65 ओको आजु बाजू को सब रहन वालो पर डर छाय गयो; अऊर
उन सब बातों की चर्चा यहूदिया को पूरो पहाड़ी प्रदेश म फैल गयी, 66 अऊर सब सुनन वालो न
अपनो-अपनो मन म बिचार कर क् कह्यो, "यो बच्चा कसो होयेंन?" कहालीकि प्रभु को हाथ ओको
पर होतो।

??????? ?? ??????????

67 ओको बाप जकर्याह पवित्र आत्मा सी परिपूर्ण भय गयो, अऊर परमेश्वर को खबर देन लग्यो:
68 "प्रभु इस्राएल को परमेश्वर की महिमा हो, कहालीकि ओन अपनो लोगों पर नजर करी
अऊर उन्को छुटकारा करयो हय, 69 अऊर अपनो सेवक दाऊद को घराना म
ओन हमरो लायी एक शक्तिशाली उद्धारकर्ता
दियो हय, 70 ओन अपनो पवित्र भविष्यवक्तावों
को द्वारा जो जगत को सुरूवात सी होत आयो हंय, कह्यो होतो, 71 यानेकि
हमरो दुश्मनों सी, अऊर
हमरो सब दुश्मनों को हाथ सी हमरो उद्धार करयो हय, 72 ओन कह्यो होतो कि अपनो पूर्वजों
पर
दया कर क् अपनी
पवित्र वाचा ख याद करेंन, 73 वा कसम ओन
हमरो बाप
अब्राहम सी खायी होती, 74 कि हमरो दुश्मनों को हाथों सी हमरो छुटकारा हो
अऊर बिना कोयी डर को प्रभु की सेवा करन की अनुमति मिले। 75 ओको आगु पवित्रता
अऊर सच्चायी
सी जीवन भर निडर रह्य क ओकी सेवा
करतो रहबो। 76 अऊर तय मोरो बच्चा, परमप्रधान परमेश्वर जो सब सी ऊचो हय।
भविष्यवक्ता कहलायेंन,
कहालीकि तय प्रभु को रस्ता तैयार करन
लायी ओको आगु-आगु चलेंन, 77 कि ओको लोगों ख उद्धार को ज्ञान देयेंन,
कि उन्को पापों की माफी सी होवय
हय। 78 यो हमरो परमेश्वर की बड़ी दया सी होयेंन;
जेको वजह ऊपर सी हम पर उद्धार
को प्रकाश उदय होयेंन, 79 कि अन्धकार अऊर मरन की छाया म
बैठन वालो ख उद्धार को प्रकाश देयेंन, अऊर हमरो पाय ख शान्ति को रस्ता म
सीधो चलाये।"
80 अऊर ऊ बच्चा बढ़तो अऊर आत्मा म बलवन्त होत गयो, अऊर इस्राएल पर प्रगट होन
को दिन तक जंगल म रह्यो।

---

† **1:59** १:५९ यहूदियों रीति को अनुसार आठवो दिन बेटा को खतना को चमड़ी काटन की विधि

2

□□□□ □□ □□□
(□□□□□□ □:□□-□□)
[1] उन दिनो म औगुस्तुस जो रोम को राजा होतो ओको तरफ सी आज्ञा निकली कि पूरो रोम
साम्राज्य को लोगों को नाम लिख्यो जाये। [2] जब यो पहिली नाम लिखायी ऊ समय भयी, जब
क्विरिनियुस सीरिया को शासक होतो। [3] सब लोग नाम लिखावन लायी अपनो अपनो नगर ख
गयो।
[4] यूसुफ भी येकोलायी कि ऊ दाऊद को वंश को होतो, गलील को नासरत नगर सी यहूदिया
म दाऊद को नगर बैतलहम ख गयो, [5] कि अपनी पत्नी मरियम को संग जो गर्भवती होती नाम
लिखावन गयो। [6] अऊर जब हि बैतलहम म होतो, तब ऊ समय आयो कि ओको जनम देन को दिन
पूरो भयो, [7] अऊर ओन अपनो पहिलो बेटा ख जनम दियो, अऊर ओख कपड़ा म लपेट क चरनी म
रख्यो; कहालीकि उन्को लायी सरायी म रहन लायी जागा नहीं होती।

□□□□□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □ □□□
[8] अऊर ऊ देश म कितनो चरावन वालो होतो, जो रात ख खेतो म रह्य क अपनो झुण्ड की देखरेख
करतो हुयो, पहरा देत होतो। [9] अऊर प्रभु को एक दूत उन्को जवर आय खड़ो भयो, अऊर प्रभु की
महिमा उन्को चारयी तरफ चमकन लगी, अऊर हि बहुत डर गयो होतो। [10] तब स्वर्गदूत न उन्को
सी कह्यो, "मत डरो; कहालीकि देखो, मय तुम्ख बड़ी खुशी को सुसमाचार सुनाऊ हय, जेकोसी पूरो
लोगों ख बहुत खुशी होयेंन, [11] कहालीकि अज दाऊद को नगर म तुम्हरो लायी एक उद्धारकर्ता न
जनम लियो हय, अऊर योच मसीह प्रभु आय। [12] अऊर यो उच आय जो तुम्हरो लायी यो चिन्ह
हय कि तुम एक बच्चा ख कपड़ा म लिपटच्यो हुयो अऊर एक चरनी म सोयो हुयो पावों।"
[13] तब अचानक ऊ स्वर्गदूत को संग स्वर्गीय सेना को शक्तिशाली दल परमेश्वर की स्तुति करतो
हुयो अऊर यो कहतो दिखायी दियो,
[14] "आसमान म परमेश्वर की महिमा अऊर
धरती पर उन आदमियों म जिन्कोसी ऊ प्रसन्न हय, शान्ति हो।"
[15] जब स्वर्गदूत उन्को जवर सी स्वर्ग ख चली गयो, त चरावन वालो न आपस म कह्यो, "आवो,
हम बैतलहम जाय क या बात जो भयी हय, अऊर जेक प्रभु न हम्ख बतायो हय, देखबो।"
[16] अऊर उन्न तुरतच जाय क मरियम अऊर यूसुफ ख पायो, अऊर चरनी म ऊ बच्चा ख पड़्यो
देख्यो। [17] जब चरावन वालो न उन्ख देख्यो, त उन्न उन्ख बतायो कि स्वर्गदूत न वा बात बच्चा को
बारे म उन्को सी कह्यो होतो, प्रगट करयो, [18] अऊर सब सुनन वालो न उन बातों सी जो चरावन
वालो न उन्को सी कह्यो होतो अचम्भा करयो। [19] पर मरियम न या पूरी बाते अपनो मन म याद
रख क गहरायी सी सोचत रही। [20] अऊर चरवाहे ख जसो स्वर्गदूत न कह्यो गयो होतो, वसोच सब
सुन क अऊर देख क परमेश्वर की महिमा अऊर स्तुति करतो हुयो लौट गयो।

□□□□ □□ □□□□□□□
[21] ✡जब आठ दिन पूरो भयो अऊर बच्चा को खतना को समय आयो, त ओको नाम यीशु रख्यो
गयो जो स्वर्गदूत न ओको पेट म आवन सी पहिले कह्यो होतो।

□□□□□□ □ □□□□ □□ □□□□□□
[22] जब मूसा की व्यवस्था को अनुसार यूसुफ अऊर मरियम को शुद्ध होन को दिन पूरो भयो, त हि
ओख यरूशलेम म ले गयो कि प्रभु को आगु लायो, [23] जसो कि प्रभु की व्यवस्था म लिख्यो हय:
"हर एक पहिलौठा प्रभु ख अर्पन करन लायी अलग करयो जायेंन।" [24] अऊर प्रभु की व्यवस्था
को वचन को अनुसार कबूत्तर को एक जोड़ा, यां दोय पण्डुकों को बलिदान चढ़ाये।

□□□□□□ □□ □□□

✡ **2:21** २:२१ लूका १:३१

25 यरूशलेम म शिमोन नाम को एक आदमी होतो, ऊ एक सच्चो अऊर परमेश्वर सी डरन वालो
आदमी होतो; अऊर परमेश्वर इस्राएल को बचावन की असी रस्ता देख रह्यो होतो, अऊर पवित्र
आत्मा ओको संग होतो। 26 अऊर पवित्र आत्मा को द्वारा ओको पर प्रगट भयो कि जब तक ऊ
प्रभु म जो प्रतिज्ञा करयो ऊ मसीहा ख देख नहीं लेयेंन, तब तक मरेंन नहीं। 27 शिमोन आत्मा को
प्रेरना सी मन्दिर म आयो; अऊर जब माय-बाप न यीशु ख जो छोटो बच्चा हय, मन्दिर म अन्दर
लायो, कि ओको लायी व्यवस्था की रीति को अनुसार करे, 28 त शिमोन न बच्चा ख अपनी गोदी म
लियो अऊर परमेश्वर ख धन्यवाद कर क् कह्यो:
29 "हे मालिक, अब तय अपनो सेवक ख प्रतिज्ञा को अनुसार तोरो वचन ख पूरो होतो देख्यो हय
अब मोख शान्ति सी मरन दे, 30 कहालीकि मोरी आंखी न तोरो उद्धार ख देख
लियो हय, 31 जेक तय न सब देशों को लोगों को आगु
तैयार करयो हय। 32 कि ऊ गैरयहूदियों ख प्रकाशित करन
लायी ज्योति, अऊर तोरो निजी लोग इस्राएल की महिमा
करन वाली हो।"
33 शिमोन को बाप अऊर माय इन बातों सी जो ओको बारे म कहीं जात होती, अचम्भा करत
होतो। 34 तब शिमोन न उन्ख आशीर्वाद दे क, ओकी माय मरियम सी कह्यो, "देख, यो बच्चा त
इस्राएल म बहुत सो ख विनाश, अऊर उद्धार लायी, अऊर एक असो चिन्ह होन लायी ठहरायो
गयो हय, जेको विरोध म बाते करी जायेंन 35 येकोलायी बहुत लोगों को मन को बिचार प्रगट
होयेंन। अऊर दु:ख, एक तेज तलवार की तरह तुम्हरो खुद को दिल छेदेंन।"

[illegible]

36 अशेर को गोत्र म सी हन्नाह नाम की फनूएल की बेटी वा एक भविष्यवक्तिन होती। वा बहुत
बूढ्ढी होती, अऊर बिहाव होन को बाद सात साल अपनो पति को संग रही फिर ओको पति मर गयो
होतो। 37 अऊर वा चौरासी साल सी विधवा होती: अऊर मन्दिर ख नहीं छोड़त होती, पर उपवास
अऊर प्रार्थना कर कर क् रात-दिन परमेश्वर की पूजा अऊर उपासना करत होती। 38 अऊर वा उच
घड़ी उत आय क परमेश्वर को धन्यवाद करन लगी, अऊर उन सब सी, जो यरूशलेम को छुटकारा
की रस्ता देखत होतो, ऊ बच्चा को बारे म बाते करन लगी।

[illegible]

39 ☆अऊर जब हि प्रभु की व्यवस्था को अनुसार सब कुछ पूरो कर लियो त गलील म अपनो
नगर नासरत ख फिर चली गयो। 40 अऊर बच्चा बढ़तो, अऊर बलवान होतो गयो, अऊर बुद्धि
सी परिपूर्ण होत गयो; अऊर ओको पर परमेश्वर को अनुग्रह होतो गयो।

[illegible]

41 यीशु को माय-बाप हर साल फसह को त्यौहार म यरूशलेम जात होतो। 42 जब यीशु बारा
साल को भयो, त हि त्यौहार की रीति को अनुसार यरूशलेम ख गयो। 43 जब हि उन दिनो ख पूरो
कर क् लौटन लग्यो, त बच्चा यीशु यरूशलेम म रह गयो; अऊर यो ओको माय-बाप नहीं जानत
होतो। 44 उन्न यो सोच्यो कि ऊ दूसरों यात्रियों को संग होना, एक दिन को पूरो दिन निकल गयो:
अऊर ओख अपनो कुटुम्बियों अऊर जान-पहिचान वालो म ढूंढन लग्यो। 45 पर जब नहीं मिल्यो,
त ढूंढत-ढूंढत यरूशलेम ख फिर लौट गयो, 46 अऊर तीन दिन को बाद उन्न ओख मन्दिर म यहूदी
शिक्षकों को बीच म बैठ्यो, अऊर उन्की सुनत अऊर उन्को सी प्रश्न करतो हुयो पायो। 47 जितनो
ओकी सुन रह्यो होतो, हि सब ओकी बुद्धिमानी को उत्तरो सी चकित होतो। 48 तब हि ओख देख
क चकित भयो अऊर ओकी माय न ओको सी कह्यो, "हे बेटा, तय न हम सी कहाली असो व्यवहार
करयो? देख, तोरो बाप अऊर मय चिन्ता करतो हुयो तोख ढूंढत होतो?"

☆ **2:39** २:३९ मत्ती २:२३

49 ओन उन्को सी कह्यो, "तुम मोख कहाली ढूंढत होतो? का तुम नहीं जानत होतो कि मोख
अपनो बाप को भवन म होनो जरूरी हय?" 50 पर जो बात ओन उन्को सी कहीं, उन्न ओख नहीं
समझ्यो।
51 तब ऊ उन्को संग गयो, अऊर नासरत म आयो, अऊर उन्को वश म रह्यो; अऊर ओकी माय
न या सब बाते अपनो मन म रखी। 52 अऊर यीशु न शरीर अऊर बुद्धि दोयी म वृद्धी करी, अऊर
परमेश्वर अऊर आदमियों को अनुग्रह म बढ़तो गयो।

3

[illegible]
([illegible])

1 तिबिरियुस रोम को राज्य को पन्द्रावों साल म जब पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया को शासक
होतो, अऊर गलील म हेरोदेस, इतूरैया अऊर त्रखोनीतिस म ओको भाऊ फिलिप्पुस, अऊर
अबिलेने म लिसानियास, चौथाई को राजा होतो, 2 अऊर जब हन्ना अऊर कैफा महायाजक होतो,
ऊ समय परमेश्वर को वचन सुनसान जागा म जकर्याह को बेटा यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो को
जवर पहुंच्यो। 3 ऊ यरदन को आजु बाजू को पूरो प्रदेश म जाय क, अपनो पापों की माफी लायी
मन फिराव को बपतिस्मा को प्रचार करन लग्यो। 4 जसो यशायाह भविष्यवक्ता को कह्यो हुयो
वचनों की किताब म लिख्यो हय:
"जंगल म एक पुकारन वालो को आवाज आय
रह्यो हय कि,
'प्रभु को रस्ता तैयार करो, ओकी सड़के
सीधी बनावो।
5 हर एक घाटी भर दी जायेंन, अऊर हर एक
पहाड़ी अऊर टेकरा सवान कर दियो जायेंन; अऊर जो तेड़ो हय सीधो कर दियो जायेंन,
अऊर जो उबड़ खाबड़ हय सवान कर दियो जायेंन,
अऊर ऊ रस्ता चौड़ो बनेंन। 6 अऊर हर प्रानी परमेश्वर को उद्धार ख
देखेंन।' "
7 ✡जो भीड़ की भीड़ ओको सी बपतिस्मा लेन ख निकल क आवत होती, उन्को सी यूहन्ना कहत
होतो, "हे सांप को पिल्ला, तुम्ख कौन जताय दियो कि आवन वालो गुस्सा सी भगो। 8 ✡असी बाते
करो जो अपनो पश्चाताप ख दर्शावय, अऊर अपनो अपनो मन म यो मत सोचो कि हमरो बाप
अब्राहम आय; कहालीकि मय तुम सी सच कहू हय कि परमेश्वर इन गोटा सी अब्राहम लायी
सन्तान पैदा कर सकय हय। 9 ✡अब टंग्या झाड़ों की जड़ी पर रख्यो हुयो हय, येकोलायी जो जो
झाड़ अच्छो फर नहीं लावय, ऊ काटचो अऊर आगी म झोक्यो जावय हय।"
10 तब लोगों न ओको सी पुच्छ्यो, "त हम का करबो?"
11 ओन उन्ख उत्तर दियो, "जिन्को जवर दोय कुरता होना, ऊ ओको संग जिन्को जवर नहाय ऊ
बाट लेवो अऊर जिन्को जवर भोजन होना, ऊ भी असोच करे।"
12 ✡कर लेनवालो भी बपतिस्मा लेन आयो, अऊर ओको सी पुच्छ्यो, "हे गुरु, हम का करबो?"
13 ओन ओको सी कह्यो, "जो तुम्हरो लायी ठहरायो गयो हय, ओको सी जादा मत लेवो।"
14 कुछ सिपाहियों न भी ओको सी यो पुच्छ्यो, "हम का करबो?"
ओन उन्को सी कह्यो, "कोयी सी जबरदस्ती पैसा नहीं लेनो अऊर नहीं झूठो दोष लगावनो,
अऊर अपनो रोजी पर सन्तुष्ट रहनो।"
15 जब लोग आस लगायो हुयो होतो, अऊर सब अपनो अपनो मन म यूहन्ना को बारे म बिचार
कर रह्यो होतो कि का योच मसीह त नोहोय, 16 त यूहन्ना न उन सब सी कह्यो, "मय त तुम्ख पानी

✡ **3:7** ३:७ मत्ती १२:३४; २३:३३ ✡ **3:8** ३:८ यूहन्ना ८:३३ ✡ **3:9** ३:९ मत्ती ७:१९ ✡ **3:12** ३:१२ लूका ७:२९

सी बपतिस्मा देऊ हय, पर ऊ आवन वालो हय जो मोरो सी शक्तिमान हय; मय त यो लायक भी
नहाय कि ओको चप्पल को बन्ध निकाल सकू। ऊ तुम्ख पवित्र आत्मा अऊर आगी सी बपतिस्मा
देयेंन। 17 ओको सूपा, ओको हाथ म हय; अऊर ऊ अपनो खरियान अच्छो तरह सी साफ करेंन;
अऊर गहूं ख अपनो ढोला म जमा करेंन; पर भूसी ख वा आगी म जो बुझन कि नहीं जलाय देयेंन।"

18 येकोलायी यूहन्ना बहुत सी चेतावनी दे क लोगों ख सुसमाचार सुनावत होतो कि अपनो रस्ता
ख बदले। 19 ✡पर जब यूहन्ना न चौथाई देश को राजा हेरोदेस ख ओको भाऊ फिलिप्पुस कि पत्नी
हेरोदियास को बारे म अऊर सब अपराधो को बारे म जो ओन करयो होतो, फटकार लगायी, 20 त
हेरोदेस न उन सब सी बड़ क यो अपराध भी करयो कि यूहन्ना ख जेलखाना म डाल दियो।

[illegible]
([illegible])

21 जब सब लोगों न बपतिस्मा लियो अऊर यीशु भी बपतिस्मा ले क प्रार्थना कर रह्यो होतो, त
आसमान खुल गयो, 22 ✡अऊर पवित्र आत्मा शारीरिक रूप म कबूत्तर को जसो ओको पर उतरयो,
अऊर स्वर्ग सी या आकाशवानी भयी: "तय मोरो प्रिय बेटा आय, मय तोरो सी खुश हय।"

[illegible]
([illegible])

23 जब यीशु खुद उपदेश करन लग्यो, त लगभग तीस साल की उमर को होतो अऊर जसो
समझ्यो जात होतो यूसुफ को बेटा होतो; अऊर ऊ एली को, 24 अऊर ऊ मत्तात को टुरा, अऊर ऊ
लेवी को टुरा, अऊर ऊ मलकी को टुरा, अऊर ऊ यन्ना को टुरा, अऊर ऊ यूसुफ को टुरा, 25 अऊर
ऊ मत्तित्याह को टुरा, अऊर ऊ आमोस को टुरा, अऊर ऊ नहूम को टुरा, अऊर ऊ असल्याह को
टुरा, अऊर ऊ नोगह को टुरा, 26 अऊर ऊ मात को टुरा, अऊर ऊ मत्तित्याह को टुरा, अऊर ऊ
शिमी को टुरा, अऊर ऊ योसेख को टुरा, अऊर ऊ योदाह को टुरा, 27 अऊर ऊ यूहन्ना को टुरा,
अऊर ऊ रेसा को टुरा, अऊर ऊ जरुब्बाबिल को टुरा, अऊर ऊ शालतिएल को टुरा, अऊर ऊ नेरी
को टुरा, 28 अऊर ऊ मलकी को टुरा, अऊर ऊ अद्दी को टुरा, अऊर ऊ कोसाम को टुरा, अऊर ऊ
इलमोदाम को टुरा, अऊर ऊ एर को टुरा, 29 अऊर ऊ यहोशू को टुरा, अऊर ऊ इलाजार को टुरा,
अऊर ऊ योरीम को टुरा, अऊर ऊ मत्तात को टुरा, अऊर ऊ लेवी को टुरा, 30 अऊर ऊ शिमोन
को टुरा, अऊर ऊ यहूदा को टुरा, अऊर ऊ यूसुफ को टुरा, अऊर ऊ योनान को टुरा, अऊर ऊ
इलियाकीम को टुरा, 31 अऊर ऊ मलेआह को टुरा, अऊर ऊ मिन्नाह को टुरा, अऊर ऊ मत्तता
को टुरा, अऊर ऊ नातान को टुरा, अऊर ऊ दाऊद को टुरा, 32 अऊर ऊ यिशै को टुरा, अऊर ऊ
ओबेद को टुरा, अऊर ऊ बोअज को टुरा, अऊर ऊ सलमोन को टुरा, अऊर ऊ नहशोन को टुरा,
33 अऊर ऊ अम्मीनादाब को टुरा, अऊर ऊ अरनी को टुरा, अऊर ऊ हिस्रोन को टुरा, अऊर ऊ
फिरिस को टुरा, अऊर ऊ यहूदा को टुरा, 34 अऊर ऊ याकूब को टुरा, अऊर ऊ इसहाक को टुरा,
अऊर ऊ अब्राहम को टुरा, अऊर ऊ तिरह को टुरा, अऊर ऊ नाहोर को टुरा, 35 अऊर ऊ सरूग
को टुरा, अऊर ऊ रऊ को टुरा, अऊर ऊ फिलिग को टुरा, अऊर ऊ एबिर को टुरा, अऊर ऊ शिलह
को टुरा, 36 अऊर ऊ केनान को टुरा, अऊर ऊ अरफक्षद को टुरा, अऊर ऊ शेम को टुरा, अऊर ऊ
नूह को टुरा, अऊर ऊ लिमिक को टुरा, 37 अऊर ऊ मथूशिलह को टुरा, अऊर ऊ हनोक को टुरा,
अऊर ऊ यिरिद को टुरा, अऊर ऊ महललेल को टुरा, अऊर ऊ केनान को टुरा, 38 अऊर ऊ एनोश
को टुरा, अऊर ऊ शेत को टुरा, अऊर ऊ आदम को टुरा, अऊर ऊ परमेश्वर को टुरा होतो।

4

[illegible]
([illegible])

✡ **3:19** ३:१९ मत्ती १४:३,४; मरकुस ६:१७,१८ ✡ **3:22** ३:२२ मत्ती ३:१७; मरकुस १:११; लूका ९:३५

1 तब यीशु पवित्र आत्मा सी भरयो हुयो, यरदन सी लौटचो; 2 अऊर चालीस दिन तक आत्मा
को सिखावनो सी सुनसान जागा म फिरतो रह्यो; अऊर शैतान ओकी परीक्षा करत रह्यो। उन दिनो
म ओन कुछ नहीं खायो, अऊर जब हि दिन पूरो भय गयो, त ओख भूख लगी।

3 तब शैतान न ओको सी कह्यो, "यदि तय परमेश्वर को बेटा आय, त यो गोटा सी कह्य, कि रोटी
बन जाय।"

4 यीशु न ओख उत्तर दियो, "शास्त्र म लिख्यो हय: 'आदमी केवल रोटी सी जीन्दो नहीं रहेंन।' "

5 तब शैतान ओख ले गयो अऊर ओख पल भर म जगत को पूरो राज्य दिखायो, 6 अऊर शैतान
न ओको सी कह्यो, "मय यो सब अधिकार, अऊर इन्को वैभव तोख देऊ, कहालीकि ऊ मोख सौंप्यो
गयो हय: अऊर जेक चाहऊ हय ओख दे देऊ हय। 7 येकोलायी यदि तय मोरी आराधना करजो, त
यो सब तोरो होय जायेंन।"

8 यीशु न ओख उत्तर दियो, "शास्त्र म लिख्यो हय: 'तय प्रभु अपनो परमेश्वर कि सेवा कर;
अऊर केवल ओकीच आराधना कर।' "

9 तब शैतान ओख यरूशलेम म लिजाय क मन्दिर की ऊचाई पर खड़ो करयो, अऊर ओको सी
कह्यो, "यदि तय परमेश्वर को बेटा आय, त अपनो आप ख ऊपर सी खल्लो गिराय दे। 10 कहालीकि
असो शास्त्र म लिख्यो हय: 'ऊ तोरो बारे म अपनो स्वर्गदूतों ख आज्ञा देयेंन, कि हि तोख सम्भाल
लेयेंन।' 11 अऊर असो भी कह्यो गयो हय 'हि तोख हाथों हाथ उठाय लेयेंन, असो नहीं होय कि
तोरो पाय म गोटा सी ठेस लगेंन।' "

12 यीशु न ओख उत्तर दियो, "शास्त्र म यो भी कह्यो गयो हय: 'तय प्रभु अपनो परमेश्वर की
परीक्षा नहीं करजो।' "

13 जब शैतान सब परीक्षा कर लियो, तब थोड़ो समय लायी ओको जवर सी चली गयो।

[illegible]
([illegible])

14 तब यीशु आत्मा की सामर्थ सी भर क फिर सी गलील म आयो, अऊर ओकी चर्चा आजु बाजू
को पूरो देश म फैल गयी। 15 ऊ उन्को सभागृहों म उपदेश करतो रह्यो, अऊर सब ओकी बड़ायी
करत होतो।

[illegible]
([illegible])

16 तब ऊ नासरत नगर म आयो, जित लालन पालन भयो होतो; अऊर अपनी रीति को अनुसार
आराम को दिन आराधनालय म जाय क पढ़न लायी खड़ो भयो। 17 यशायाह भविष्यवक्ता की
किताब ओख दी गयी, अऊर ओन किताब खोल क, ऊ पन्ना निकाल्यो जित यो लिख्यो होतो:
18 "प्रभु की आत्मा मोरो पर हय, येकोलायी कि ओन गरीबों ख सुसमाचार
सुनावन लायी मोरो अभिषेक करयो हय, अऊर मोख येकोलायी भेज्यो हय कि बन्दियों
ख छुड़ावन को
अऊर अन्धो ख नजर पावन को सुसमाचार प्रचार करू अऊर
कुचल्यो हुयो ख छुड़ाऊ,
19 अऊर परमेश्वर को कृपा दृष्टी को साल की घोषना
करू।"

20 तब ओन किताब बन्द कर क् सेवक को हाथ म दे दियो अऊर बैठ गयो; अऊर आराधनालय
को सब लोगों की आंखी ओको पर टिकी होती। 21 तब ऊ उन्को सी कहन लग्यो, "अजच शास्त्र
को यो लेख तुम्हरो आगु पूरो भयो हय।"

22 सब लोगों न ओकी प्रशंसा करी, अऊर जो अनुग्रह की बाते ओको मुंह सी निकलत होती,
उन्को सी अचम्भित भयो; अऊर कहन लग्यो, "का यो यूसुफ को बेटा नोहोय?"

23 ओन उन्को सी कह्यो, "तुम मोरो पर यो दृष्टान्त जरूर कहो कि 'हे डाक्टर, अपनो आप ख
चंगो कर! जो कुछ हम न सुन्यो हय कि कफरनहूम म करयो गयो हय, ओख इत अपनो देश म भी

कर।' " 24 ✡अऊर ओन कह्यो, "मय तुम सी सच कहू हय कोयी भविष्यवक्ता अपनो देश म मान-
सम्मान नहीं पावय। 25 मय तुम सी सच कहू हय कि एलिय्याह को दिनो म जब साढ़े तीन साल
तक आसमान बन्द रह्यो, यहां तक कि पूरो देश म बड़ो अकाल पड़यो होतो, इस्राएल म बहुत सी
विधवाये होती। 26 पर एलिय्याह उन्म सी कोयी को जवर नहीं भेज्यो गयो, केवल सैदा को सारफत
नगर म एक विधवा को जवर। 27 अऊर एलीशा भविष्यवक्ता को समय इस्राएल म बहुत सो कोढ़ी
होतो, पर सीरिया देश को वासी नामान ख छोड़ उन्म सी कोयी शुद्ध नहीं करयो गयो।"
28 या बाते सुनतच जितनो आराधनालय म होतो, सब गुस्सा सी भर गयो, 29 अऊर उठ क यीशु
ख नगर सी बाहेर निकाल्यो, अऊर जो पहाड़ी पर उन्को नगर बस्यो हुयो होतो, ओकी सेन्डी पर ले
चल्यो कि ओख उत सी खल्लो गिराय दे। 30 पर ऊ उन्को बीच म सी निकल क चली गयो।

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible])

31 तब ऊ गलील को कफरनहूम नगर ख गयो; अऊर आराम को दिन लोगों ख उपदेश दे रह्यो
होतो। 32 ✡हि ओको उपदेश सी अचम्भित भय गयो कहालीकि ओको वचन अधिकार सहित होतो।
33 आराधनालय म एक आदमी होतो, ऊ दुष्ट आत्मा जो ओख परमेश्वर को आगु अशुद्ध ठहरावत
होती। ऊ ऊचो आवाज सी चिल्लाय उठचो, 34 "हे यीशु नासरी, हम्ख तोरो सी का काम? का तय
हम्ख नाश करन आयो हय? मय तोख जानु हय तय कौन आय? तय परमेश्वर को पवित्र लोग
आय!"
35 यीशु न ओख डाट क कह्यो, "चुप रह, अऊर ओको म सी निकल जा!" तब दुष्ट आत्मा ओख
बीच म पटक क बिना नुकसान पहुंचायो ओको म सी निकल गयी।
36 येको पर सब ख अचम्भा भयो, अऊर हि आपस म बाते कर क कहन लग्यो, "यो कसो वचन
आय? कहालीकि ऊ अधिकार अऊर सामर्थ को संग दुष्ट आत्मावों ख आज्ञा देवय हय, अऊर हि
निकल जावय हंय।" 37 यो तरह चारयी तरफ हर जागा यीशु की चर्चा होन लगी।

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

38 यीशु आराधनालय म सी उठ क शिमोन को घर म गयो। शिमोन की सासु ख बुखार चढ़यो
हुयो होतो, अऊर उन्न ओको लायी ओको सी बिनती करी। 39 ओन ओको खटिया को जवर खड़ो
होय क बुखार ख डाटचो अऊर बुखार उतर गयो, अऊर वा तुरतच उठ क उन्की सेवा-भाव करन
लगी।
40 सूरज डुबतो समय, जिन-जिन को इत लोग कुछ तरह की बीमारियों म पड़यो हुयो होतो, हि
सब उन्ख ओको जवर लायो, अऊर ओन एक एक पर हाथ रख क उन्ख चंगो करयो। 41 अऊर दुष्ट
आत्मायें भी चिल्लाती अऊर यो कहत होती कि, "तय परमेश्वर को बेटा आय," बहुत सो म सी
निकल गयी।
पर यीशु उन्ख डाटतो अऊर बोलन नहीं देत होतो, कहालीकि हि जानत होती कि ऊ मसीहा
हय।

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible])

42 जब दिन निकल्यो त ऊ निकल क एक सुनसान जागा म चली गयो, अऊर भीड़ की भीड़ ओख
ढूंढती हुयी ओको जवर आयी, अऊर ओख रोकन लगी कि ऊ उन्को जवर सी नहीं जाय। 43 पर ओन
उन्को सी कह्यो, "मोख अऊर नगरो म भी परमेश्वर को राज्य को सुसमाचार सुनावनो जरूरी हय,
कहालीकि मय येकोलायी भेज्यो गयो हय।"
44 अऊर ऊ गलील को पूरो सभागृहों अऊर यहूदियों को देशों म प्रचार करतो रह्यो।

✡ **4:24** ४:२४ यूहन्ना ४:४४ ✡ **4:32** ४:३२ मत्ती ७:२८,२९

5

[illegible]
([illegible])

1 ✡जब भीड़ परमेश्वर को वचन सुनन लायी ओको पर गिरत होती, अऊर ऊ गन्नेसरत की झील
को किनार पर खड़ो होतो, त असो भयो 2 कि ओन झील को किनार दोय डोंगा लग्यो हुयो देख्यो,
अऊर मछवारों उन पर सी उतर क जार धोय रह्यो होतो। 3 उन डोंगा म सी एक पर, जो शिमोन
की होती, चढ़ क ओन ओको सी बिनती करी कि किनार सी थोड़ो हटाय ले। तब ऊ बैठ क लोगों ख
डोंगा पर सी उपदेश देन लग्यो।
4 जब ऊ बाते कर लियो त शिमोन सी कह्यो, "गहरो म लिजा, अऊर मच्छी पकड़न लायी अपनो
जार डालो।"
5 ✡शिमोन न यीशु ख उत्तर दियो, "हे मालिक, हम न पूरी रात मेहनत करी अऊर कुछ नहीं
पकड़यो; तब भी तोरो कहन सी जार डालू।" 6 ✡जब उन्न असो करयो, त बहुत मच्छी घेर लायी,
अऊर उन्को जार फटन लग्यो। 7 येख पर उन्न अपनो संगियों ख जो दूसरों डोंगा पर होतो, इशारा
करयो कि आय क हमरी मदद करो, अऊर उन्न आय क दोयी डोंगा इतनो तक भर ली कि हि डुबन
लगी। 8 यो देख क शिमोन पतरस यीशु को पाय पर गिरयो अऊर कह्यो, "हे प्रभु मोरो जवर सी
चली जा, कहालीकि मय पापी आदमी हय।"
9 कहालीकि इतनी मच्छी ख पकड़यो जानो सी ओख अऊर ओको संगियों ख बहुत अचम्भा
भयो, 10 अऊर वसोच जब्दी को बेटा याकूब अऊर यूहन्ना ख भी, जो शिमोन को सहभागी होतो,
अचम्भा भयो। तब यीशु न शिमोन सी कह्यो, "मत डर; अब सी तय आदमियों ख परमेश्वर को
राज्य म लायजो।"
11 अऊर हि डोंगा ख किनार पर लायो अऊर सब कुछ छोड़ क ओको पीछू भय गयो।

[illegible]
([illegible])

12 जब यीशु कोयी दूसरों नगर म होतो, त उत कोढ़ की बीमारी वालो एक आदमी आयो; अऊर
ऊ यीशु ख देख क मुंह को बल गिरयो अऊर बिनती करी, "हे प्रभु, यदि तय चाहवय त मोख शुद्ध
कर सकय हय।"
13 ओन हाथ बढ़ाय क ओख छूयो अऊर कह्यो, "मय चाहऊ हय, तय शुद्ध होय जा।" अऊर
ओको कोढ़ तुरतच जातो रह्यो। 14 तब यीशु न ओख आज्ञा दी, "कोयी सी मत कहजो, पर जाय
क अपनो आप ख याजक ख दिखाव, अऊर अपनो शुद्ध होन को बारे म जो कुछ मूसा न अर्पन की
विधि ठहरायो हय ओख चढ़ाव कि उन पर गवाही हो।"
15 पर यीशु की चर्चा अऊर भी फैलत गयी, अऊर भीड़ की भीड़ ओकी सुनन लायी अऊर अपनी
बीमारियों सी चंगो होन लायी जमा भयी। 16 पर ऊ सुनसान जागा म अलग जाय क प्रार्थना करत
होतो।

[illegible]
([illegible])

17 एक दिन असो भयो कि यीशु उपदेश दे रह्यो होतो, अऊर फरीसी अऊर व्यवस्थापक उत बैठ्यो
हुयो होतो जो गलील अऊर यहूदिया को हर गांव सी अऊर यरूशलेम सी आयो होतो, अऊर चंगो
करन लायी प्रभु की सामर्थ यीशु को संग होती। 18 ऊ समय कुछ लोग एक आदमी ख जो लकवा
को रोगी होतो, खटिया पर लायो, अऊर हि ओख अन्दर लिजान अऊर यीशु को आगु रखन को
उपाय ढूंढ रह्यो होतो। 19 पर जब भीड़ को वजह ओख अन्दर नहीं लाय सक्यो त उन्न छत पर चढ़
क अऊर खपरैल हटाय क, ओख खटिया समेत बीच म यीशु को आगु उतार दियो। 20 यीशु न उन्को
विश्वास देख क ओको सी कह्यो, "हे आदमी, तोरो पाप माफ भयो।"

✡ **5:1** ५:१ मत्ती १३:१,२; मरकुस ३:९,१०; ४:१ ✡ **5:5** ५:५ यूहन्ना २१:३ ✡ **5:6** ५:६ यूहन्ना २१:६

21 तब धर्मशास्त्री अऊर फरीसी अपनो मन म बिचार करन लग्यो, “यो कौन आय? जो परमेश्वर
की निन्दा करय हय! परमेश्वर ख छोड़ अऊर कौन पापों ख माफ कर सकय हय?”
22 यीशु न उन्को मन की बाते जान क, उन्को सी कह्यो, “तुम अपनो मन म का बिचार कर रह्यो
हय? 23 सहज का हय? का यो कहनो कि ‘तोरो पाप माफ भयो,’ या यो कहनो कि ‘उठ अऊर चल
फिर?’ 24 पर येकोलायी कि तुम जानो कि मय आदमी को बेटा ख धरती पर पाप माफ करन को
भी अधिकार हय।” ओन ऊ लकवा को रोगी सी कह्यो, “मय तोरो सी कहू हय, उठ अऊर अपनी
खटिया उठाय क अपनो घर चली जा।”
25 ऊ तुरतच उन्को आगु उठच्यो, अऊर जो खटिया पर ऊ पड़यो होतो ओख उठाय क, परमेश्वर
की बड़ायी करतो हुयो अपनो घर चली गयो। 26 तब सब अचम्भित भयो अऊर परमेश्वर की बड़ायी
करन लग्यो अऊर बहुत डर क कहन लग्यो, “अज हम्न अनोखी बाते देखी हंय!”

[illegible]
([illegible])

27 यीशु बाहेर गयो अऊर लेवी नाम को एक कर लेनवालो ख कर वसुली की चौकी पर बैठच्यो
देख्यो, अऊर ओको सी कह्यो, “मोरो पीछू होय जा।” 28 तब लेवी सब कुछ छोड़ क उठच्यो, अऊर
ओको पीछू चली गयो।
29 तब लेवी न अपनो घर म यीशु लायी एक बड़ो भोज दियो; अऊर कर लेनवालो अऊर दूसरों
लोगों की जो ओको संग जेवन करन बैठच्यो होतो, एक बड़ी भीड़ होती। 30 ✡येको पर फरीसी
अऊर उन्को धर्मशास्त्री ओको चेलावों सी यो कह्य क कुड़कुड़ान लग्यो, “तुम कर लेनवालो अऊर
पापियों को संग कहालीकि खावय-पीवय हय?”
31 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “डाक्टर भलो चंगो लायी नहीं, पर बीमारों लायी जरूरी हय। 32 मय
धर्मियों ख नहीं, पर पापियों ख पश्चाताप करावन लायी आयो हय।”

[illegible]
([illegible])

33 उन्न ओको सी कह्यो, “बपतिस्मा देन वालो यूहन्ना को चेला त बराबर उपवास रखय अऊर
प्रार्थना करय हंय, अऊर वसोच फरीसियों को चेला भी, पर तोरो चेला त खावय-पीवय हंय।”
34 यीशु न उन्को सी कह्यो, “का तुम बरातियों सी, जब तक दूल्हा उन्को संग रहेंन, उपवास
करवाय सकय हय? 35 पर ऊ दिन आयेंन, जब की दूल्हा उन्को सी अलग करयो जायेंन, तब हि उन
दिनो म उपवास करेंन।”
36 यीशु न एक अऊर दृष्टान्त भी उन्को सी कह्यो: “कोयी आदमी नयो कपड़ा म सी फाड़ क
पुरानो कपड़ा म थेगड़ नहीं लगावय, नहीं त नयो भी फट जायेंन अऊर ऊ थेगड़ पुरानो म मेल
भी नहीं खायेंन। 37 अऊर कोयी नयो अंगूररस पुरानी मशकों म नहीं भरय, नहीं त नयो अंगूररस
मशकों ख फाड़ क बह जायेंन, अऊर मशके भी नाश होय जायेंन। 38 पर नयो अंगूररस नयो मशकों
म भरनो चाहिये होतो। 39 कोयी आदमी पुरानो अंगूररस पी क नयो नहीं चाहवय कहालीकि ऊ
कह्य हय, कि पुरानोच अच्छो हय।”

6

[illegible]
([illegible])

1 तब आराम को दिन ऊ गहूं खेतो म सी जाय रह्यो होतो, अऊर ओको चेलावों लोम्बा तोड़-तोड़
क अऊर हाथों सी मस-मस क खात जाय रह्यो होतो। 2 तब फरीसियों म सी कुछ कहन लग्यो, “तुम
ऊ काम कहालीकि करय हय जो आराम को दिन जो नियम को खिलाफ हय ऊ करनो ठीक नहाय?”

✡ **5:30** ५:३० लूका १५:१,२

3 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “का तुम न यो नहीं पढ़यो कि दाऊद न, जब ऊ अऊर ओको संगी
भूखो होतो त का करयो? 4 ऊ कसो परमेश्वर को मन्दिर म गयो, अऊर भेंट की रोटी ले क खायी,
जिन्ख खानो याजकों ख छोड़ अऊर ऊ नियम को विरुद्ध हय, अऊर अपनो संगियों ख भी दियो।”
5 अऊर यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय आदमी को बेटा आराम दिन को भी प्रभु हय।”

[illegible]
([illegible])

6 असो भयो कि कोयी अऊर आराम को दिन ऊ आराधनालय म जाय क उपदेश करन लग्यो;
अऊर उत एक आदमी होतो जेको दायो हाथ लकवा ग्रस्त होतो। 7 धर्मशास्त्री अऊर फरीसी
ओको पर दोष लगावन को अवसर पावन की ताक म होतो कि देखे ऊ आराम को दिन चंगो करय
हय कि नहीं। 8 पर ऊ उन्को बिचार जानत होतो; येकोलायी ओन लकवा ग्रस्त हाथ वालो आदमी
सी कह्यो, “उठ, बीच म खड़ो हो।” ऊ बीच म खड़ो भयो। 9 यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय तुम सी
यो पूछू हय कि हमरो नियम को अनुसार आराम को दिन का ठीक हय, भलो करनो यां बुरो करनो;
जीव ख बचावनो या नाश करनो?” 10 तब ओन चारयी तरफ उन सब ख देख क ऊ आदमी सी कह्यो,
“अपनो हाथ बढ़ाव।” ओन असोच करयो, अऊर ओको हाथ फिर चंगो भय गयो।
11 पर हि गुस्सा म आय क बाहेर आपस म चर्चा करन लग्यो कि “हम यीशु को संग का करबो?”

[illegible] [illegible]*
([illegible])

12 उन दिनो म यीशु पहाड़ी पर प्रार्थना करन गयो, अऊर परमेश्वर सी प्रार्थना करन म पूरी
रात बितायी। 13 जब दिन भयो त ओन अपनो चेलावों ख बुलाय क उन्म सी बारा ख चुन लियो,
अऊर उन्ख प्रेरित कह्यो; 14 अऊर हि यो आय: शिमोन जेको नाम ओन पतरस भी रख्यो, अऊर
ओको भाऊ अन्द्रियास, अऊर याकूब, अऊर यूहन्ना, अऊर फिलिप्पुस, अऊर बरतुल्मै, 15 अऊर
मत्ती, अऊर थोमा, अऊर हलफई को बेटा याकूब, अऊर शिमोन जो †देशभक्त कहलावय हय,
16 अऊर याकूब को बेटा यहूदा, अऊर यहूदा इस्करियोती जो ओको सौंपन वालो बन्यो।

[illegible]
([illegible])

17 तब यीशु उन्को संग उतर क चौरस जागा म खड़ो भयो, अऊर ओको चेलावों की बड़ी भीड़,
अऊर पूरो यहूदिया, यरूशलेम, अऊर सूर अऊर सैदा को समुन्दर को किनार सी बहुत लोग, 18 जो
ओकी सुनन अऊर अपनी बीमारियों सी चंगो होन लायी ओको जवर आयो होतो, उत होतो। अऊर
दुष्ट आत्मावों को सतायो हुयो लोग भी अच्छो करयो जात होतो। 19 सब ओख छूवनो चाहत
होतो, कहालीकि ओको म सी सामर्थ निकल क सब ख चंगो करत होती।

[illegible]
([illegible])

20 तब ओन अपनो चेलावों की तरफ देख क कह्यो,
“धन्य हय तुम जो गरीब हय, कहालीकि परमेश्वर को राज्य तुम्हरो हय!”
21 “धन्य हय तुम जो अब भूखो हय,
कहालीकि सन्तुष्ट करयो जायेंन।”
“धन्य हय तुम जो अब रोवय हय,
कहालीकि तुम हसो।”
22 ✡“धन्य हय तुम जब आदमी को बेटा को वजह लोग तुम सी दुश्मनी करेंन, अऊर तुम्ख
निकाल देयेंन, अऊर तुम्हरी निन्दा करेंन, अऊर तुम्हरो नाम बुरो जान क काट देयेंन।” 23 ✡ऊ दिन

* **6:11** ६:१२ सन्देश दे क भेज्यो गयो सन्देश वाहक † **6:15** ६:१५ जेलोतेस ✡ **6:22** ६:२२ १ पतरस ४:१४ ✡ **6:23** ६:२३ प्रेरितों ७:५२

खुश होय क उछलजो, कहालीकि देखो, तुम्हरो लायी स्वर्ग म बड़ो प्रतिफल हय; उन्को बाप-दादा
भविष्यवक्तावों को संग भी वसोच करत होतो।
24 "पर हाय तुम पर जो धनवान हय,
कहालीकि तुम अपनो सुख पा लियो।"
25 "हाय तुम पर जो अब सन्तुष्ट हय,
कहालीकि भूखो होयेंन।"
"हाय तुम पर जो अब हसय हय,
कहालीकि शोक करो अऊर रोवो।
26 "हाय तुम पर जब सब आदमी तुम्ख भलो कहेंन, कहालीकि उन्को बाप-दादा झूठो
भविष्यवक्तावों को संग भी असोच करत होतो।

[illegible]
([illegible])

27 "पर मय तुम सुनन वालो सी कहू हय कि अपनो दुश्मनों सी प्रेम रखो; जो तुम सी दुश्मनी
करेंन, उन्को भलो करो। 28 जो तुम्ख श्राप दे, उन्ख आशीर्वाद दे; जो तुम्हरो बुरो व्यवहार करेंन,
उन्को लायी प्रार्थना करो। 29 जो तोरो एक गाल पर थापड़ मारेंन ओको तरफ दूसरों भी घुमाय दे;
अऊर जो तोरो झंग्गा छीन लेन, ओख कुरता लेनो सी भी मत रोक। 30 जो कोयी तोरो सी मांगेंन,
ओख दे; अऊर जो कोयी तोरी चिज छीन लेन, ओको सी फिर सी मत मांग। 31 ✡जसो तुम चाहवय
हय कि लोग तुम्हरो संग करेंन, तुम भी उन्को संग वसोच करो।

32 "यदि तुम अपनो प्रेम रखन वालो को संग प्रेम रखय, त तुम्हरी का बड़ायी? कहालीकि पापी
भी अपनो प्रेम रखन वालो को संग प्रेम रखय हंय। 33 यदि तुम अपनो भलायी करन वालोच को
संग भलायी करय हय, त तुम्हरी का बड़ायी? कहालीकि पापी भी असोच करय हंय। 34 यदि तुम
उन्ख उधार दे जिन्कोसी फिर पावन कि आशा रखय हय, त तुम्हरी का बड़ायी? कहालीकि पापी
पापियों ख उधार देवय हंय कि उतनोच फिर पावय। 35 बल्की अपनो दुश्मनों सी प्रेम रखो, अऊर
भलायी करो, अऊर फिर पावन कि आशा नहीं रख क उधार दे; अऊर तुम्हरो लायी बड़ो फर होयेंन,
अऊर परमेश्वर जो सब सी ऊंचो हय ओको सन्तान ठहरो, कहालीकि ऊ उन पर जो धन्यवाद नहीं
करय अऊर बुरो पर भी दयालु हय। 36 जसो तुम्हरो बाप दयावन्त हय, वसोच तुम भी दयावन्त
बनो।

[illegible]
([illegible])

37 "दोष मत लगावो, त तुम पर भी दोष नहीं लगायो जायेंन। दोषी नहीं ठहरावों, त तुम भी
दोषी नहीं ठहरायो जावो। माफ करो, त तुम्ख भी माफ करयो जायेंन। 38 दूसरों ख दे, त तुम्ख
भी परमेश्वर देयेंन। लोग पूरो नाप दबाय दबाय क अऊर हिलाय हिलाय क अऊर उभरतो हुयो
तुम्हरी गोदी म डालेंन, कहालीकि जो नाप सी तुम नापय हय, उच नाप सी तुम्हरो लायी भी नाप्यो
जायेंन।"
39 ✡तब यीशु न उन्को सी एक दृष्टान्त कह्यो: "का अन्धा, अन्धा ख रस्ता बताय सकय हय?
का दोयी गड्डा म नहीं गिरेंन? 40 ✡चेला अपनो गुरु सी बड़ो नहाय, पर जो कोयी सिद्ध होयेंन, ऊ
अपनो गुरु को जसो होयेंन।
41 "तय अपनो भाऊ की आंखी को तिनका ख का देखय हय, अऊर अपनी आंखी को लट्ठा तोख
नहीं सूझय? 42 जब तय अपनोच आंखी को लट्ठा नहीं देखय, त अपनो भाऊ सी कसो कह्य सकय
हय, 'हे भाऊ; रुक जा तोरी आंखी सी तिनका ख निकाल देऊ?' हे कपटी, पहिले अपनो आंखी सी
लट्ठा निकाल, तब जो तिनका तोरो भाऊ कि आंखी म हय, ओख भली भाति देख क निकाल सकेंन।

✡ **6:31** ६:३१ मत्ती ७:१२ ✡ **6:39** ६:३९ मत्ती १५:१४ ✡ **6:40** ६:४० मत्ती १०:२४,२५; यूहन्ना १३:१६; १५:२०

[illegible]
([illegible])

43 “कोयी अच्छो झाड़ नहीं जो खराब फर लेयेंन, अऊर नहीं त कोयी खराब झाड़ हय जो
अच्छो फर लेयेंन। 44 ✡हर एक झाड़ अपनो फर सी पहिचान्यो जावय हय; कहालीकि लोग काटा
की झाड़ियों सी अंजीर नहीं तोड़य अऊर नहीं झड़बेरी सी अंगूर या बबुर को झाड़ सी आम्बा।
45 ✡भलो आदमी अपनो दिल को भलो भण्डार सी भली बाते निकालय हय, अऊर बुरो आदमी अपनो
मन को बुरो भण्डार सी बुरी बाते निकालय हय; कहालीकि जो मन म भरयो हय उच ओको मुंह पर
आवय हय।

[illegible]
([illegible])

46 “जब तुम मोरो कहनो नहीं मानय त कहालीकि मोख ‘हे प्रभु, हे प्रभु’ कह्य हय? 47 जो कोयी
मोरो जवर आवय हय अऊर मोरी बाते सुन क उन्ख मानय हय, मय तुम्ख बताऊ हय कि ऊ कौन्को
जसो हय: 48 यो ऊ आदमी को जसो हय, जेन घर बनावतो समय जमीन गहरी खोद क चट्टान
पर पायवा डाल्यो, अऊर जब बाढ़ आयी त धार ओको पर टकरायी पर ओख हिलाय नहीं सकी;
कहालीकि ऊ प्रबल बन्यो होतो। 49 पर जो सुन क नहीं मानय ऊ उन आदमी को जसो हय, जेन
माटी पर बिना पायवा को घर बनायो, जब ओको पर धार टकरायी त ऊ तुरतच गिर पड़यो अऊर
गिर क ओको नाश भय गयो।”

7

[illegible] [illegible]*
([illegible])

1 जब यीशु लोगों सी सब बाते कह्य दियो, त कफरनहूम नगर म आयो। 2 उत सौ रोमन सिपाहियों
को अधिकारी को एक सेवक जो ओको प्रिय होतो, बीमारी सी मरन पर होतो। 3 ओन यीशु की चर्चा
सुन क यहूदियों को कुछ बुजूर्गों ख ओको सी या बिनती करन क् ओको जवर भेज्यो कि आय क मोरो
सेवक ख चंगो कर। 4 हि यीशु को जवर आयो, अऊर ओको सी बहुत बिनती कर क् कहन लग्यो,
“ऊ यो लायक हय कि तय ओको लायी यो कर, 5 कहालीकि ऊ हमरो लोगों सी प्रेम रखय हय,
अऊर ओनच हमरो आराधनालय ख बनायो हय।”

6 यीशु उन्को संग गयो, पर जब ऊ घर सी दूर नहीं होतो, त सूबेदार न ओको जवर कुछ संगियों
ख यो कहन भेज्यो, “हे प्रभु, दु:ख मत उठाव, कहालीकि मय यो लायक नहाय कि तय मोरी छत
को खल्लो आय सकय। 7 योच वजह मय न अपनो आप ख यो लायक भी नहीं समझ्यो कि तोरो
जवर आऊं, पर वचनच कह्य दे त मोरो सेवक चंगो होय जायेंन। 8 मय भी शासन को अधीन आदमी
हय, अऊर सिपाही मोरो हाथ म हंय; अऊर जब एक ख कहूं हय, ‘जा,’ त ऊ जावय हय; अऊर
दूसरों सी कहूं हय, ‘आव,’ त आवय हय; अऊर अपनो कोयी सेवक ख कि ‘यो कर,’ त ऊ ओख करय
हय।”

9 यो सुन क यीशु ख अचम्भा भयो अऊर ओन मुंह घुमाय क वा भीड़ सी जो ओको पीछू आय
रही होती, कह्यो, “मय तुम सी कहू हय कि मय न इस्राएल म भी असो विश्वास नहीं पायो।”

10 अऊर भेज्यो हुयो लोगों न घर लौट क ऊ सेवक ख चंगो पायो।

[illegible]

11 थोड़ो दिन को बाद यीशु नाईन नाम को एक नगर ख गयो। ओको चेला अऊर बड़ी भीड़ ओको
संग जाय रही होती। 12 जब ऊ नगर को द्वार को जवर पहुंच्यो, त देख्यो, लोग एक मुरदा ख बाहेर
गाड़न लायी लिजाय रह्यो होतो; जो अपनी माय को एकलौतो बेटा होतो, अऊर वा विधवा होती;
अऊर नगर को बहुत सो लोग ओको संग होतो। 13 ओख देख क प्रभु ख तरस आयो, अऊर ओको

✡ **6:44** ६:४४ मत्ती १२:३३ ✡ **6:45** ६:४५ मत्ती १२:३४ * **7:** ७:१ सौ रोमन सिपाही को अधिकारी, मरकुस १५:३९,४४,४५

सी कह्यो, “मत रो।” 14 तब ओन जवर आय क सकोली ख छूयो, अऊर उठावन वालो रुक गयो।
तब ओन कह्यो, “हे जवान, मय तोरो सी कहू हय, उठ!” 15 तब ऊ मुरदा बेटा उठ बैठ्यो, अऊर
बोलन लग्यो। यीशु न ओख ओकी माय ख सौंप दियो।
16 येको सी सब डर गयो, अऊर हि परमेश्वर की बड़ायी कर क् कहन लग्यो, “हमरो बीच म एक
बड़ो भविष्यवक्ता उठ्यो हय, अऊर परमेश्वर न अपनो लोगों पर दयादृष्टि करी हय।”
17 अऊर ओको बारे म या बात पूरो यहूदिया अऊर आजु बाजू को पूरो देश म फैल गयी।

[illegible]
([illegible])

18 यूहन्ना ख ओको चेलावों न इन सब बातों को समाचार दियो। 19 तब यूहन्ना न अपनो चेलावों
म सी दोय ख बुलाय क प्रभु को जवर यो पूछन लायी भेज्यो, “का आवन वालो तयच आय, यां
हम कोयी अऊर की रस्ता देखबो?”
20 उन्न ओको जवर आय क कह्यो, “यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो न हम्ख तोरो जवर यो पूछन
ख भेज्यो हय कि ‘का आवन वालो तयच आय, यां हम कोयी दूसरों की रस्ता देखबो?’ ”
21 उच समय यीशु न बहुत सो ख बीमारियों अऊर देखूं, अऊर दुष्ट आत्मावों सी छुड़ायो; अऊर
बहुत सो अन्धा ख आंखी दियो; 22 अऊर ओन यूहन्ना सी कह्यो: “जो कुछ तुम न देख्यो अऊर
सुन्यो हय, जाय क यूहन्ना सी कह्य दे; कि अन्धा देखय हंय, लंगड़ा चलय-फिरय हंय, कोढ़ी शुद्ध
करयो जावय हंय, बहिरा सुनय हंय, मुरदा जीन्दो करयो जावय हंय, अऊर गरीबों ख सुसमाचार
सुनायो जावय हय। 23 अऊर धन्य हय, जो मोरो वजह ठोकर नहीं खावय।”
24 जब यूहन्ना को भेज्यो हुयो लोग चली गयो त यीशु यूहन्ना को बारे म लोगों सी कहन लग्यो,
“तुम जंगल म का देखन गयो होतो? का हवा सी हिलतो हुयो सरकण्डा ख? 25 त फिर तुम का देखन
गयो होतो? का चमकदार कपड़ा पहिन्यो हुयो आदमी ख? जो चमकदार कपड़ा पहिनतो अऊर ठाट
बाठ सी रह्य हंय, हि राजभवनों म रह्य हंय। 26 त फिर का देखन गयो होतो? का कोयी भविष्यवक्ता
ख? हां, मय तुम सी कहू हय, बल्की भविष्यवक्ता सी भी बड़ो ख। 27 परमेश्वर न तुम सी कह्यो यो
उच यूहन्ना आय, जेको बारे म लिख्यो हय: ‘मय अपनो दूत ख तोरो आगु-आगु भेजू हय, जो तोरो
आगु तोरो रस्ता सीधो करेंन।’ 28 मय तुम सी कहू हय कि जो बाईयों सी जनम लियो हंय, उन्म सी
यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो सी बड़ो कोयी नहाय: पर जो परमेश्वर को राज्य म छोटो सी छोटो
हय, ऊ ओको सी भी बड़ो हय।”
29 ✡अऊर सब लोगों न सुन क अऊर कर लेनवालो न भी यूहन्ना सी बपतिस्मा ले क परमेश्वर
ख सच्चो मान्यो। 30 पर फरीसियों अऊर व्यवस्थापकों न ओको सी बपतिस्मा नहीं ले क परमेश्वर
को इरादा ख अपनो बारे म टाल दियो।
31 “त मय यो युग को लोगों की तुलना कौन्को सी देऊ कि हि कौन्को जसो हंय? 32 हि उन बच्चां
को जसो हंय जो बजार म बैठ्यो हुयो एक दूसरों सी पुकार क कह्य हंय, ‘हम न तुम्हरो लायी बांसुरी
बजायी, अऊर तुम नहीं नाच्यो; हम्न विलाप गीत गायो, अऊर तुम नहीं रोयो!’ 33 कहालीकि
यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो नहीं रोटी खातो आयो, नहीं अंगूररस पीतो आयो, अऊर तुम कह्य
हय, ‘ओको म दुष्ट आत्मा हय।’ 34 मय आदमी को बेटा खातो-पीतो आयो हय, अऊर तुम कह्य
हय, ‘देखो, खादाड़ अऊर पियक्कड़ आदमी, कर लेनवालो को अऊर पापियों को संगी।’ 35 जो लोग
परमेश्वर को ज्ञान स्वीकारय हय ऊ ज्ञान सच्चो हय।”

[illegible]

36 फिर कोयी फरीसी न ओको सी बिनती करी कि ऊ ओको संग जेवन करेंन, येकोलायी ऊ उन
फरीसी को घर म जाय क जेवन करन बैठ्यो। 37 ✡ऊ नगर की एक पापिन बाई यो जान क कि ऊ
फरीसी को घर म जेवन करन बैठ्यो हय, संगमरमर को बर्तन म अत्तर लायी, 38 अऊर ओको पाय

✡ **7:29** ७:२९ मत्ती २१:३२; लूका ३:१२ ✡ **7:37** ७:३७ मत्ती २६:७; मरकुस १४:३; यूहन्ना १२:३

को जवर, पीछू खड़ी होय क, रोवती हुयी ओको पाय† क् आसुवों सी गिलो कर क् अऊर अपनो मुंड
को बालों सी पोछन लगी, अऊर ओको पाय क् बार-बार चुम्मा ले क ओको पर अत्तर मल्यो। 39 यो
देख क ऊ फरीसी जेन ओख बुलायो होतो, अपनो मन म सोचन लग्यो, "यदि यो भविष्यवक्ता होतो
त जान लेतो कि या जो ओख छूय रही हय, वा कौन अऊर कसी बाई आय, कहालीकि वा त पापिन
आय।"
40 यीशु न ओको उत्तर म कह्यो, "हे शिमोन, मोख तोरो सी कुछ कहनो हय।"
"ऊ बोल्यो, हे गुरु, कहो।"
41 "यीशु न कह्यो कोयी महाजन को दोय कर्जदार होतो, एक पर पाच सौ अऊर दूसरों पर पचास
चांदी को सिक्का को कर्जा होतो। 42 जब उन्को जवर कर्जा पटावन ख कुछ नहीं रह्यो, त ओन दोयी
ख माफ कर दियो। येकोलायी उन्म सी कौन ओको सी जादा प्रेम रखेंन?"
43 शिमोन न उत्तर दियो, "मोरी समझ म ऊ, जेको ओन जादा छोड़ दियो।"
यीशु न ओको सी कह्यो, "तय न ठीक उत्तर दियो हय।" 44 अऊर वा बाई को तरफ घुम क ओन
शिमोन सी कह्यो, "का तय या बाई ख देखय हय? मय तोरो घर म आयो पर तय न मोरो पाय धोवन
लायी पानी नहीं दियो, पर येन मोरो पाय आसुवों सी गिलो अऊर अपनो बालों सी पोछ्यो। 45 तय
न मोरो स्वागत चुम्मा सी नहीं करयो, पर जब सी मय आयो हय तब सी येन मोरो पाय ख चुमनो
नहीं छोड़यो। 46 तय न मोरो मुंड पर तेल नहीं मल्यो, पर येन मोरो पाय पर अत्तर मल्यो हय।
47 येकोलायी मय तोरो सी कहू हय कि येको पाप जो बहुत होतो, माफ भयो, कहालीकि येन बहुत
प्रेम करी; पर जेको थोड़ो माफ भयो हय, ऊ थोड़ो प्रेम करय हय।"
48 अऊर यीशु न बाई सी कह्यो, "तोरो पाप माफ भयो।"
49 तब जो लोग ओको संग जेवन करन बैठ्यो होतो, हि अपनो-अपनो मन म सोचन लग्यो, "यो
कौन आय जो पापों ख भी माफ करय हय?"
50 पर यीशु न बाई सी कह्यो, "तोरो विश्वास न तोख बचाय लियो हय, शान्ति सी चली जा।"

8

[illegible]

1 येको बाद यीशु नगर-नगर अऊर गांव-गांव प्रचार करतो हुयो, अऊर परमेश्वर को राज्य
को सुसमाचार सुनावतो हुयो फिरन लग्यो, अऊर हि बारा चेला ओको संग होतो, 2 ✡अऊर कुछ
बाईयां भी होती जो दुष्ट आत्मावों सी अऊर बीमारियों सी छुड़ायी गयी होती, अऊर हि यो आय:
मरियम जो मगदलीनी कहलावत होती, जेको म सी सात दुष्ट आत्मायें निकली होती, 3 अऊर
हेरोदेस को भण्डारी खुजा की पत्नी योअन्ना, अऊर सूसन्नाह, अऊर बहुत सी दूसरी बाईयां। जो
अपनी जायजाद सी यीशु अऊर ओको चेलावों की सेवा करत होती।

[illegible]
[illegible]

4 जब बड़ी भीड़ जमा भयी अऊर नगर-नगर को लोग ओको जवर आवत होतो, त ओन दृष्टान्त
म कह्यो।
5 "एक बोवन वालो बीज बोवन निकल्यो। बोवतो हुयो कुछ बीज रस्ता को किनार गिरयो, अऊर
खुंद्यो गयो, अऊर आसमान को पक्षियों न ओख खाय लियो। 6 कुछ गोटाड़ी जागा पर गिरयो, अऊर
उग्यो पर ओल नहीं मिलनो सी सूख गयो। 7 कुछ बीज काटा को बीच म गिरयो, अऊर झाड़ियों
न संग-संग बढ़ क ओख दबाय दियो। 8 कुछ बीज अच्छी जमीन पर गिरयो, अऊर उग क सौ गुना
फर लायो।" यो कह्य क यीशु न ऊचो आवाज सी कह्यो, "जेको सुनन को कान हय ऊ सुन ले!"

[illegible]
[illegible]

† 7:38 ७:३८ पैर ✡ 8:2 ८:२ मत्ती २७:५५,५६; मरकुस १५:४०,४१; लूका २३:४९

9 यीशु को चेलावों न ओको सी पुच्छ्यो कि यो दृष्टान्त को अर्थ का हय? 10 ओन कह्यो, "तुम
ख परमेश्वर को राज्य को भेदो की समझ दियो हय, पर दूसरों ख दृष्टान्तों म सुनायो जावय हय,
येकोलायी कि 'हि देखतो हुयो भी नहीं देखय, अऊर सुनतो हुयो भी नहीं समझय।'

[illegible]
([illegible])

11 "दृष्टान्त को अर्थ यो हय: बीज परमेश्वर को वचन हय। 12 रस्ता को किनार को हि आय,
जिन्न सुन्यो, तब शैतान आय क उन्को मन म सी वचन उठाय लेवय हय कि कहीं असो नहीं होय कि
हि विश्वास कर क् उद्धार पायेंन। 13 चट्टान पर को हि आय कि जब सुनय हंय, त खुशी सी वचन ख
स्वीकार त करय हंय, पर जड़ी नहीं पकड़न सी हि थोड़ी देर तक विश्वास रखय हंय अऊर परीक्षा
को समय बहक जावय हंय। 14 काटो की झाड़ियों म गिरयो, यो हि आय जो सुनय हंय, पर आगु
चल क, चिन्ता अऊर धन, अऊर जीवन को सूख विलाश म फस जावय हंय अऊर उन्को फर नहीं
पकय। 15 पर अच्छी जमीन म को हि आय, जो वचन सुन क अच्छो अऊर शुद्ध मन म सम्भाल्यो
रह्य हंय, अऊर धीरज सी फर लावय हंय।

[illegible]
([illegible])

16 ✡"कोयी दीया जलाय क बर्तन सी नहीं झाकय, अऊर नहीं खटिया को खल्लो रखय हय, पर
दीवट पर रखय हय कि अन्दर आवन वालो प्रकाश पाये।

17 ✡"कुछ लूक्यो नहाय जो जान्यो नहीं जाये, अऊर नहीं कुछ लूक्यो हय जो जाननो नहीं पाये
अऊर दिख नहीं जाय।

18 ✡"येकोलायी चौकस रहो कि तुम कौन्सो तरह सी सुनय हय? कहालीकि जेको जवर हय ओख
दियो जायेंन, अऊर जेको जवर नहाय ओको सी ऊ भी ले लियो जायेंन, जेक ऊ अपनो समझय
हय।"

[illegible]
([illegible])

19 यीशु की माय अऊर ओको भाऊ ओको जवर आयो, पर भीड़ को वजह ओको सी मुलाखात
नहीं कर सक्यो। 20 ओको सी कह्यो गयो, "तोरी माय अऊर तोरो भाऊ बाहेर खड़ो हुयो, तोरो सी
मिलनो चाहवय हंय।"

21 यीशु न येको उत्तर म उन्को सी कह्यो, "मोरी माय अऊर मोरो भाऊ हि आय, जो परमेश्वर
को वचन सुनय अऊर मानय हंय।"

[illegible]
([illegible])

22 फिर एक दिन यीशु अऊर ओको चेला डोंगा पर चढ़यो, अऊर ओन उन्को सी कह्यो, "आवो,
झील को ओन पार चलबो।" येकोलायी उन्न डोंगा खोल दियो अऊर निकल गयो। 23 पर जब डोंगा
चल रह्यो होतो, त यीशु सोय गयो: अऊर झील म अचानक आन्धी आयी, अऊर डोंगा पानी सी
भरन लग्यो अऊर हि खतरा म पड़ गयो।

24 तब उन्न जवर आय क ओख जगायो, अऊर कह्यो, "मालिक! मालिक! हम नाश होय रह्यो
हंय।" तब यीशु न उठ क आन्धी ख अऊर पानी की लहरो ख डाटचो अऊर हि थम गयी अऊर चैन
मिल गयो।

25 तब ओन उन्को सी कह्यो, "तुम्हरो विश्वास कित हय?" पर हि डर गयो अऊर अचम्भित होय
क आपस म कहन लग्यो, "यो कौन आय जो आन्धी अऊर पानी ख भी आज्ञा देवय हय, अऊर हि
ओकी मानय हंय?"

✡ **8:16** ८:१६ मत्ती ५:१५; लूका ११:३३ ✡ **8:17** ८:१७ मत्ती १०:२६; लूका १२:२ ✡ **8:18** ८:१८ मत्ती २५:२९; लूका १९:२६

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

26 तब यीशु अऊर ओको चेला गिरासेनियों को देश म पहुंच्यो, जो गलील की झील को ओन पार
होतो। 27 जब ऊ किनार पर उतरयो त ऊ नगर को एक आदमी ओख मिल्यो जेको म दुष्ट आत्मायें
होती। ऊ बहुत दिनो सी कपड़ा नहीं पहिनत होतो अऊर घर म नहीं रहत होतो बल्की कब्रस्थान
म रहत होतो। 28 ऊ यीशु ख देख क चिल्लायो अऊर ओको आगु गिर क ऊंचो आवाज सी कह्यो,
"हे परमेश्वर को बेटा यीशु! मोख तोरो सी का काम? मय तोरो सी बिनती करू हय, मोख सजा
मत दे।" 29 कहालीकि यीशु ऊ दुष्ट आत्मा ख ऊ आदमी म सी निकालन की आज्ञा दे रह्यो होतो,
येकोलायी कि ऊ ओख पर बार बार हावी होत होती। लोग ओख संकली अऊर बेड़ियों सी हाथ पाय
बान्धत होतो अऊर पहरा देत होतो तब भी ऊ बन्धनों ख तोड़ डालत होतो, अऊर दुष्ट आत्मा
ओख जंगल म भटकावत फिरत होती।
30 यीशु न ओको सी पुच्छ्यो, "तोरो का नाम हय?"
ओन कह्यो, "सेना," कहालीकि बहुत सी दुष्ट आत्मायें ओको म घुस गयी होती। 31 उन्न यीशु
सी बिनती करी कि हम्ख अधोलोक म जान की आज्ञा मत दे।
32 उत पहाड़ी पर डुक्कर को एक बड़ो झुण्ड चर रह्यो होतो, येकोलायी उन्न ओको सी बिनती
करी कि हम्ख उन्म घुसन दे। ओन उन्ख जान दियो। 33 तब दुष्ट आत्मायें ऊ आदमी म सी निकल
क डुक्कर म गयी अऊर ऊ झुण्ड ढलान पर सी झपट क झील म जाय गिरयो अऊर डुब मरयो।
34 चरावन वालो न यो जो भयो होतो देख क भग्यो, अऊर नगर म अऊर गांव म जाय क ओको
खबर दियो। 35 लोग यो जो भयो होतो ओख देखन ख निकल्यो, अऊर यीशु को जवर आय क जो
आदमी सी दुष्ट आत्मायें निकली होती, ओख यीशु को पाय को जवर कपड़ा पहिन्यो सुदबुद म
बैठ्यो हुयो देख्यो अऊर डर गयो; 36 अऊर देखन वालो न लोगों ख बतायो कि ऊ दुष्ट आत्मावों
को सतायो हुयो आदमी कसो तरह सी अच्छो भयो। 37 तब गिरासेनियों को आजु बाजू को सब
लोगों न यीशु सी बिनती करी कि हमरो इत सी चली जा; कहालीकि उन पर बड़ो डर छाय गयो
होतो। येकोलायी ऊ डोंगा पर चढ़ क लौट गयो।
38 जो आदमी म सी दुष्ट आत्मायें निकली होती ऊ ओको सी बिनती करन लग्यो कि मोख अपनो
संग रहन दे, पर यीशु न ओख बिदा कर क् कह्यो।
39 "अपनो घर ख लौट जा अऊर लोगों सी बताव कि परमेश्वर न तोरो लायी कसो बड़ो बड़ो काम
करयो हंय।" ऊ जाय क पूरो नगर म प्रचार करन लग्यो कि यीशु न मोरो लायी कसो बड़ो-बड़ो
काम करयो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

40 जब यीशु लौटच्यो त लोग ओको सी खुशी को संग मिल्यो, कहालीकि हि सब ओकी रस्ता
देख रह्यो होतो। 41 इतनो म याईर नाम को एक आदमी जो यहूदियों को आराधनालय को मुखिया
होतो, आयो अऊर यीशु को पाय पर गिर क ओको सी बिनती करन लग्यो कि मोरो घर चल।
42 कहालीकि ओकी बारा साल की एकलौती बेटी होती, अऊर वा मरन पर होती। जब यीशु
जाय रह्यो होतो, तब लोग ओको पर गिरत पड़त होतो। 43 एक बाई जेक बारा साल सी खून बहन
को रोग होतो, अऊर जो अपनी पूरी जीवन की कमायी बैद्यो को पीछू कुछ खर्चा कर लियो होती,
तब भी कोयी को हाथ सी चंगी नहीं भय सकी, 44 भीड़ को पीछू सी आय क ओको कपड़ा को कोना
ख छूयो, अऊर तुरतच ओको खून बहन की बीमारी सी ठीक भय गयी। 45 येख पर यीशु न कह्यो,
"मोख कौन छूयो?" जब सब मुकरन लग्यो, त पतरस न कह्यो।
"हे मालिक, तोख त भीड़ दबाय रही हय अऊर तोरो पर गिर पड़य हय।"
46 पर यीशु न कह्यो, "कोयी न मोख छूयो हय, कहालीकि मय न जान लियो हय कि मोरो म सी
सामर्थ निकली हय।" 47 जब बाई न देख्यो कि मय लूक नहीं सकू, तब कापती हुयी आयी अऊर

ओको पाय पर गिर क सब लोगों को आगु बतायो कि ओन कौन्सो वजह सी ओख छूयो, अऊर कसी
तुरतच चंगी भय गयी। 48 यीशु न ओको सी कह्यो, “बेटी, तोरो विश्वास न तोख चंगो करयो हय,
शान्ति सी चली जा।”
49 यीशु यो कहतच रह्यो होतो कि कोयी न यहूदी आराधनालय को मुखिया को तरफ सी आय क
कह्यो, “तोरी बेटी मर गयी: गुरु ख दु:ख मत दे।”
50 यीशु न यो सुन क याईर ख कह्यो, “मत डर; केवल विश्वास रख, त वा ठीक होय जायेंन।”
51 घर म आय क ओन पतरस, यूहन्ना, याकूब, अऊर बेटी को माय-बाप ख छोड़ दूसरों कोयी ख
अपनो संग अन्दर आवन नहीं दियो। 52 सब ओको लायी विलाप कर क् रोय रह्यो होतो, पर यीशु
न कह्यो, “रोवो मत; वा मरी नहाय पर सोय रही हय।”
53 हि यो जान क कि वा मर गयी हय ओकी हसी करन लग्यो। 54 पर यीशु न ओको हाथ पकड़यो,
अऊर पुकार क कह्यो, “हे बेटी, उठ!” 55 तब ओको जीव लौट आयो अऊर वा तुरतच उठ क खड़ी
भय गयी। तब यीशु न आज्ञा दियो कि ओख कुछ खान ख दे। 56 ओको माय-बाप अचम्भित भयो,
पर यीशु न उन्ख चितायो कि यो जो भयो हय कोयी सी मत कहजो।

9

[illegible]
([illegible])

1 तब यीशु न बारयी चेला ख बुलाय क उन्ख सब दुष्ट आत्मावों अऊर बीमारियों ख दूर करन
की सामर्थ अऊर अधिकार दियो, 2 अऊर उन्ख स्वर्ग को राज्य को प्रचार करन अऊर बीमारों ख
अच्छो करन लायी भेज्यो। 3 ओन उन्को सी कह्यो, “रस्ता लायी कुछ मत लेवो, नहीं लाठी, नहीं
झोला, नहीं रोटी, नहीं रुपया अऊर नहीं दोय-दोय कुरता। 4 जो कोयी घर म तुम जावो, उतच रहो,
अऊर उतच सी बिदा हो। 5 ✡जो कोयी तुम्ख स्वीकार नहीं करेंन, ऊ नगर सी निकलतो हुयो अपनो
पाय की धूरला झाड़तो हुयो वापस लौट जावो कि उन पर गवाही होय।”
6 येकोलायी हि निकल क गांव-गांव सुसमाचार सुनावतो, अऊर जित उत लोगों ख चंगो करतो
हुयो फिरत रह्यो।

[illegible]
([illegible])

7 ✡देश को चौथाई को राजा हेरोदेस जो गलील को शासक होतो यो सब सुन क घबराय गयो,
कहालीकि कुछ न कह्यो कि यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो मरयो हुयो म सी फिर सी जीन्दो भयो
हय, 8 अऊर कुछ न यो कह्यो कि एलिय्याह दिखायी दियो हय, अऊर दूसरों न यो कि पुरानो
भविष्यवक्तावों म सी कोयी फिर सी जीन्दो भयो हय। 9 पर हेरोदेस न कह्यो, “यूहन्ना को मुंड त
मय न कटवाय दियो, अब यो कौन आय जेको बारे म असी बाते सुनू हय?” अऊर ओन यीशु ख
देखन की इच्छा करी।

[illegible]
([illegible])

10 तब प्रेरितों न लौट क जो कुछ उन्न करयो होतो, यीशु ख बताय दियो; अऊर ऊ उन्ख अलग
कर क् बैतसैदा नाम को नगर ख ले गयो। 11 यो जान क भीड़ ओको पीछू भय गयी, अऊर ऊ खुशी
को संग उन्को सी मिल्यो, अऊर उन्को सी परमेश्वर को राज्य की बाते करन लग्यो, अऊर जो चंगो
होनो चाहत होतो उन्ख चंगो करयो।
12 जब दिन डुबन लग्यो त बारा चेलावों न आय क ओको सी कह्यो, “भीड़ ख बिदा कर कि चारों
तरफ को गांवो अऊर बस्तियों म जाय क रूकन की अऊर जेवन को व्यवस्था करेंन, कहालीकि हम
इत सुनसान जागा म हंय।”

✡ **9:5** ९:५ लूका १०:४-११; प्रेरितों १३:५१ ✡ **9:7** ९:७ मत्ती १६:१४; मरकुस ८:२८; लूका ९:१९

13 यीशु न उन्को सी कह्यो, “तुमच उन्ख खान ख दे।”
उन्न कह्यो, “हमरो जवर पाच रोटी अऊर दोय मच्छी ख छोड़ अऊर कुछ नहाय; पर हां, यदि हम जाय क इन सब लोगों लायी भोजन ले लेबो, त होय सकय हय।” हि लोग त पाच हजार पुरुषों को लगभग होतो।
14 तब यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, “उन्ख पचास-पचास कर क् पंगत-पंगत सी बैठाय दे।”
15 उन्न असोच करयो, अऊर सब ख बैठाय दियो। 16 तब यीशु न हि पाच रोटी अऊर दोय मच्छी
धरी, अऊर स्वर्ग की तरफ देख क परमेश्वर ख धन्यवाद करयो, अऊर तोड़-तोड़ क चेलावों ख देतो
गयो कि लोगों ख परोसो। 17 तब सब खाय क सन्तुष्ट भयो, अऊर चेलावों न बच्यो हुयो टुकड़ा
सी भरी बारा टोकनी उठायी।

[illegible]
([illegible])

18 जब यीशु एकान्त जागा म प्रार्थना कर रह्यो होतो अऊर चेला ओको संग होतो, त ओन उन्को सी पुच्छ्यो, “लोग मोख का कह्य हंय?”
19 ✡उन्न उत्तर दियो, “यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो, अऊर कोयी कोयी एलिय्याह, अऊर कोयी यो कि पुरानो भविष्यवक्तावों म सी कोयी फिर सी जीन्दो भयो हय।”
20 ✡ओन उन्को सी पुच्छ्यो, “पर तुम मोख का कह्य हय?”
पतरस न उत्तर दियो, “परमेश्वर को द्वारा भेज्यो हुयो मसीहा।”
21 तब यीशु न उन्ख आदेश दे क कह्यो कि यो कोयी सी मत कहजो।

[illegible]
([illegible])

22 तब यीशु न कह्यो, “आदमी को बेटा लायी जरूरी हय कि ऊ बहुत दु:ख उठायेंन, अऊर बुजूर्गों अऊर मुख्य याजक अऊर धर्मशास्त्री ओख ठुकराय क मार डालेंन, अऊर ऊ तीसरो दिन फिर सी जीन्दो होयेंन।”

[illegible]
([illegible])

23 ✡ओन सब सी कह्यो, “यदि कोयी मोरो पीछू आवनो चाहवय, त अपनो आप सी इन्कार कर
अऊर हर दिन जो मोरो लायी अपनो जीवन देन लायी तैयार हय मोरो पीछू आव। 24 ✡कहालीकि
जो कोयी अपनो जीव बचावनो चाहेंन ऊ ओख खोयेंन, पर जो कोयी मोरो लायी अपनो जीव खोयेंन
उच ओख बचायेंन। 25 यदि आदमी पूरो जगत ख पा ले अऊर अपनो जीव खोय दे यां ओकी हानि
उठाये, त ओख का फायदा होयेंन? 26 जो कोयी मोरो सी अऊर मोरी शिक्षा सी शर्मायेंन, आदमी
को बेटा भी, जब अपनी अऊर अपनो बाप की अऊर पवित्र स्वर्गदूतों की महिमा सहित आयेंन,
त ओको सी शर्मायेंन। 27 मय तुम सी सच कहू हय, कि जो इत खड़ो हंय, उन्म सी कुछ असो हंय
कि जब तक परमेश्वर को राज्य नहीं देख ले, तब तक नहीं मरेंन।”

[illegible]
([illegible])

28 इन बातों को कोयी आठ दिन बाद यीशु पतरस, यूहन्ना अऊर याकूब ख संग ले क प्रार्थना
करन लायी पहाड़ी पर गयो। 29 जब ऊ प्रार्थना करतच होतो, त ओको चेहरा को रूप बदल गयो,
अऊर ओको कपड़ा उज्वल होय क चमकन लग्यो। 30 अऊर अचानक, मूसा अऊर एलिय्याह, हि
दोय आदमी ओको संग बाते कर रह्यो होतो। 31 हि स्वर्ग की महिमा सहित दिखायी दियो अऊर
यीशु को मरन की चर्चा कर रह्यो होतो, परमेश्वर को उद्देश जो कि यरूशलेम म पूरो होन वालो
होतो। 32 पतरस अऊर ओको संगी की आंखी म नींद छायी होती, अऊर जब हि अच्छी तरह सचेत

✡ **9:19** ९:१९ मत्ती १४:१,२; मरकुस ६:१४,१५; लूका ९:७,८ ✡ **9:20** ९:२० यूहन्ना ६:६८,६९ ✡ **9:23** ९:२३ मत्ती १०:३८; लूका १४:२७ ✡ **9:24** ९:२४ मत्ती १०:३९; लूका १७:३३; यूहन्ना १२:२५

भयो, त यीशु की महिमा अऊर उन दोय आदमी ख, जो ओको संग खड़ो होतो, देख्यो। 33 जब
हि ओको जवर सी जान लग्यो, त पतरस न यीशु सी कह्यो, "हे मालिक, हमरो इत रहनो भलो
हय: येकोलायी हम तीन मण्डप बनायबो, एक तोरो लायी, एक मूसा लायी, अऊर एक एलिय्याह
लायी।" ऊ जानत नहीं होतो कि का कह्य रह्यो हय।

34 ऊ यो कहतच रह्यो होतो कि एक बादर न आय क उन्ख छाय लियो; अऊर जब बादर सी
घिरन लग्यो त चेला डर गयो। 35 ✡तब ऊ बादर म सी यो आवाज निकल्यो, "यो मोरो बेटा अऊर
मोरो चुन्यो हुयो आय, येकी सुनो।"

36 यो आवाज बन्द होनो पर यीशु अकेलो पायो गयो; अऊर हि चुप रह्यो, अऊर जो कुछ देख्यो
होतो ओकी कोयी बात उन दिनो म कोयी सी नहीं कहीं।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

37 दूसरों दिन जब यीशु अऊर ओको तीन चेलावों पहाड़ी सी उतरयो त एक बड़ी भीड़ ओको सी
आय क मिली। 38 अऊर देखो, भीड़ म सी एक आदमी न चिल्लाय क कह्यो, "हे गुरु, मय तोरो सी
बिनती करू हय कि मोरो बेटा पर दयादृष्टि कर; कहालीकि ऊ मोरो एकलौतो बेटा आय। 39 एक दुष्ट
आत्मा ओख पकड़य हय, अऊर ऊ अचानक चिल्लावन लगय हय; अऊर ऊ ओख असो मुरकटय
हय कि ऊ मुंह म फेस भर लावय हय; अऊर ओख कठिनायी सी गिराय क छोड़य हय। 40 मय न
तोरो चेलावों सी बिनती करी कि दुष्ट आत्मा ख निकाले, पर हि नहीं निकाल सक्यो।"

41 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "हे अविश्वासी अऊर जिद्दी लोगों, मय कब तक तुम्हरो संग रहूं
अऊर तुम्हरी सहू? अपनो बेटा ख इत ले आव।"

42 बेटा आयच रह्यो होतो कि दुष्ट आत्मा न ओख पटक क मुरकटचो, पर यीशु न दुष्ट आत्मा
ख डाटचो अऊर बेटा ख अच्छो कर क् ओको बाप ख सौंप दियो। 43 तब सब लोग परमेश्वर को
महासामर्थ सी अचम्भित भयो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible],[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

पर जब सब लोग उन सब कामों सी जो कुछ यीशु करत होतो, अचम्भित होतो, त ओन अपनो
चेलावों सी कह्यो, 44 "तुम इन बातों पर कान लगावो, कहालीकि आदमी को बेटा आदमियों को
हाथ म सौंप्यो जायेंन।" 45 पर चेलावों या बात ख नहीं जान सक्यो, अऊर यो उन्को सी लूकी रही
कि हि ओख समझ नहीं पायो; अऊर हि या बात को बारे म ओको सी पूछन सी डरत होतो।

[illegible]?
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

46 ✡तब उन्म यो विवाद होन लग्यो कि हम म सी बड़ो कौन हय। 47 पर यीशु न उन्को मन को
बिचार जान लियो, अऊर एक बच्चा ख ले क अपनो जवर खड़ो करयो, 48 ✡अऊर उन्को सी कह्यो,
"जो कोयी मोरो नाम सी यो बच्चा ख स्वीकारय हय, ऊ मोख स्वीकारय हय; अऊर जो कोयी मोख
स्वीकारय हय, ऊ मोरो भेजन वालो ख स्वीकारय हय, कहालीकि जो तुम म सब सी छोटो सी छोटो
हय, उच बड़ो हय।"

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

49 तब यूहन्ना न कह्यो, "हे मालिक, हम न एक आदमी ख तोरो नाम सी दुष्ट आत्मावों ख
निकालता देख्यो, अऊर हम न ओख मना करयो, कहालीकि ऊ हमरो संग होय क तोरो अनुसरन
नहीं करत होतो।"

✡ **9:35** ९:३५ मत्ती ३:१७; १२:१८; मरकुस १:११; लूका ३:२२; २ पतरस १:१७,१८ ✡ **9:46** ९:४६ लूका २२:२४ ✡ **9:48** ९:४८ मत्ती १०:४०; लूका १०:१६; यूहन्ना १३:२०

50 यीशु न यूहन्ना अऊर दूसरों चेला सी कह्यो, “ओख मना मत करो; कहालीकि जो तुम्हरो
विरोध म नहाय, ऊ तुम्हरो तरफ हय।”

[illegible]

51 जब यीशु ख स्वर्ग म उठायो जान को दिन पूरो होन पर होतो, त ओन यरूशलेम जान को
बिचार ठान लियो। 52 ओन अपनो आगु दूत भेज्यो। हि सामरियों को एक गांव म गयो कि ओको
लायी जागा तैयार करे। 53 पर उन लोगों न ओख उतरन नहीं दियो, कहालीकि ऊ यरूशलेम जाय
रह्यो होतो। 54 यो देख क ओको चेलावों याकूब अऊर यूहन्ना न कह्यो, “हे प्रभु, का तय चाहवय
हय कि हम आज्ञा दे, कि आसमान सी आगी गिर क उन्ख भस्म कर दे?”
55 पर यीशु न मुड़ क उन्ख डाटचो।

[illegible]

56 यीशु अऊर ओको चेला कोयी दूसरों गांव म चली गयो।
57 जब हि रस्ता म जाय रह्यो होतो, त कोयी न यीशु सी कह्यो, “जित-जित तय जाजो, मय तोरो
पीछू होय जाऊं।”
58 यीशु न ओको सी कह्यो, “लोमड़ियों को गुफा अऊर आसमान को पक्षिंयों को घोसला होवय
हंय, पर आदमी को बेटा ख मुंड लूकान की भी जागा नहीं।”
59 यीशु न दूसरों सी कह्यो, “मोरो पीछू होय जा।” ओन कह्यो, “हे प्रभु, मोख पहिले जान दे कि
अपनो बाप ख गाड़ देऊ।”
60 यीशु न ओको सी कह्यो, “मरयो हुयो ख अपनो मुर्दा गाड़न दे, पर तय जाय क परमेश्वर को
राज्य को सुसमाचार प्रचार कर।”
61 कोयी अऊर न भी कह्यो, “हे प्रभु, मय तोरो पीछू होय जाऊं; पर पहिले मोख जान दे कि
अपनो घर को लोगों सी बिदा ले लेऊ।”
62 यीशु न ओको सी कह्यो, “जो कोयी अपनो हाथ नांगर पर रख क पीछू देखय हय, ऊ परमेश्वर
को राज्य को लायक नहाय।”

10

[illegible]

1 इन बातों को बाद प्रभु न बहात्तर अऊर आदमी ख चुन्यो, अऊर जो-जो नगर अऊर जागा
म ऊ खुद जान पर होतो, उत उन्ख दोय-दोय कर क् अपनो आगु भेज्यो। 2 ✡यीशु उन्को सी कह्यो,
“पकी फसल बहुत हंय, पर मजूर थोड़ो हंय; येकोलायी खेत को मालिक सी प्रार्थना करो कि ऊ
अपनी खेत कि फसल काटन ख मजूर भेज दे।” 3 ✡जावो! मय तुम्ख मेंढीं को जसो भेड़ियों को बीच
म भेजू हय। 4 येकोलायी नहीं बटवा, नहीं झोली, नहीं जूता लेवो; अऊर नहीं रस्ता म कोयी ख
नमस्कार करो। 5 जो कोयी घर म जावो, पहिले कहो, यो घर पर शान्ति होय। 6 यदि उत कोयी
शान्ति को लायक होना, त तुम्हरो शान्ति ओको पर ठहरेंन, नहीं त तुम्हरो जवर लौट आयेंन।
7 ✡उच घर म रहो, अऊर जो कुछ उन्को सी मिलेंन, उच खावो-पीवो, कहालीकि मजूर ख अपनी
मजूरी मिलन खच होना; घर-घर मत फिरो। 8 जो नगर म जावो, अऊर उत को लोग तुम्ख उतरेंन,
त जो कुछ तुम्हरो आगु परोसेंन उच खावो। 9 उत को बीमारों ख चंगो करो, अऊर उन्को सी कहो,
“परमेश्वर को राज्य तुम्हरो जवर आय गयो हय।” 10 ✡पर जो नगर म जावो, अऊर उत को लोग
तुम्ख स्वीकार नहीं करेंन, त ओख बजारों म जाय क कहो, 11 ✡“तुम्हरो नगर की धूरला भी जो हमरो
पाय म लगी हय, हम तुम्हरो आगु झाड़ देजे हंय। तब भी यो जान लेवो कि परमेश्वर को राज्य

✡ **10:2** १०:२ मत्ती ९:३७,३८ ✡ **10:3** १०:३ मत्ती १०:१६ ✡ **10:7** १०:७ १ कुरिन्थियों ९:१४; १ तीमुथियुस ५:१८ ✡ **10:10** १०:१० प्रेरितों १३:५१ ✡ **10:11** १०:११ मत्ती १०:७-१४; मरकुस ६:८-११; लूका ९:३-५

तुम्हरो जवर आय गयो हय!” 12 ✡मय तुम सी कहू हय कि ऊ दिन परमेश्वर न्याय करेंन ऊ नगर
की दशा सी सदोम की दशा जादा सहन लायक होयेंन।

[illegible]
([illegible])

13 “हाय खुराजीन! हाय बैतसैदा! नगर जो सामर्थ को काम तुम म करयो गयो, यदि हि सूर
अऊर सैदा म करयो जातो त बोरा ओढ़ क अऊर राख म बैठ क मन फिराय लियो।” 14 पर न्याय
को दिन तुम्हरी दशा सी सूर अऊर सैदा की दशा जादा सहन लायक होयेंन। 15 अऊर हे कफरनहूम,
का तय स्वर्ग तक ऊचो करयो जाजो? तय त अधोलोक तक खल्लो जाजो।
16 ✡यीशु न चेलावों सी कह्यो, “जो तुम्हरी सुनय हय, ऊ मोरी सुनय हय; अऊर जो तुम्ख तुच्छ
जानय हय, ऊ मोख तुच्छ जानय हय; अऊर जो मोख तुच्छ जानय हय, ऊ मोरो भेजन वालो ख
तुच्छ जानय हय।”

[illegible]

17 हि बहात्तर लोग खुशी मनावत लौटचो अऊर कहन लग्यो, “हे प्रभु, तोरो नाम कि आज्ञा सी
दुष्ट आत्मा भी हमरो आदेश मानय हय।”
18 यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय शैतान ख बिजली को जसो स्वर्ग सी गिरयो हुयो देख रह्यो
होतो। 19 सुनो! मय न तुम्ख सांपो अऊर बिच्छूवों ख रौंदन को, अऊर दुश्मन की सामर्थ पर विजय
पावन को अधिकार दियो हय; अऊर कोयी चिज सी तुम्ख कुछ हानि नहीं होयेंन। 20 तब भी येको
सी खुश मत होय कि दुष्ट आत्मा तुम्हरो आज्ञा मानय हंय, पर येको सी खुश होय कि तुम्हरो नाम
स्वर्ग पर लिख्यो हय।”

[illegible]
([illegible])

21 उच समय यीशु पवित्र आत्मा म होय क खुशी सी भर गयो, अऊर कह्यो, “हे बाप, स्वर्ग
अऊर धरती को प्रभु, मय तोरो धन्यवाद करू हय कि तय न इन बातों ख ज्ञानियों अऊर समझदारों
सी लूकाय रख्यो, अऊर बच्चां पर प्रगट करयो। हां, हे बाप, कहालीकि तोख योच अच्छो लग्यो।
22 ✡“मोरो बाप न मोख सब कुछ सौंप दियो हय; अऊर कोयी नहीं जानय कि बेटा कौन हय
केवल बाप, अऊर बाप कौन हय यो भी कोयी नहीं जानय केवल बेटा को अऊर ऊ जेक पर बेटा
ओख प्रगट करनो चाहेंन।”
23 तब यीशु चेलावों को तरफ मुड़ क अकेलो म कह्यो, “धन्य हंय हि आंखी, जो उन बातों ख
देखय हंय जेक तुम देखतच हय। 24 कहालीकि मय तुम सी कहू हय कि तुम जिन बातों ख देखय
हय उन्ख बहुत सो भविष्यवक्तावों अऊर राजावों न देखनो चाह्यो पर नहीं देख्यो, अऊर उन बातों
ख सुननो चाह्यो जेक तुम सुनय हय पर नहीं सुन्यो।”

[illegible]

25 ✡एक व्यवस्थापक उठचो अऊर यो कह्य क ओकी परीक्षा करन लग्यो, “हे गुरु, अनन्त जीवन
ख पान लायी मय का करू?”
26 यीशु न ओको सी कह्यो, “मूसा की व्यवस्था म का लिख्यो हय? तय कसो पढ़य हय?”
27 आदमी न उत्तर दियो, “व्यवस्था म लिख्यो हय, ‘तय प्रभु अपनो परमेश्वर सी अपनो पूरो
मन अऊर अपनो पूरो जीव अऊर अपनी पूरी शक्ति अऊर अपनी पूरी बुद्धि को संग प्रेम रख;’
अऊर ‘अपनो शेजारी सी अपनो जसो प्रेम रख।’ ”
28 यीशु न ओको सी कह्यो, “तय न ठीक उत्तर दियो, योच कर त तय जीन्दो रहजो।”
29 पर ओन अपनो आप ख सच्चो ठहरान की इच्छा सी यीशु सी पुच्छचो, “त मोरो शेजारी कौन
आय?”

✡ **10:12** १०:१२ मत्ती ११:२४; मत्ती १०:१५ ✡ **10:16** १०:१६ मत्ती १०:४०; मरकुस ९:३७; लूका ९:४८; यूहन्ना १३:२०
✡ **10:22** १०:२२ यूहन्ना ३:३५; यूहन्ना १०:१५ ✡ **10:25** १०:२५ मत्ती २२:३५-४०; मरकुस १२:२८-३४

30 यीशु न उत्तर दियो, "एक आदमी यरूशलेम सी यरीहो ख जाय रह्यो होतो कि डाकुवो न घेर
क ओको कपड़ा उतार लियो, अऊर मार पीट क ओख अधमरो छोड़ क चली गयो। 31 अऊर असो
भयो कि उच रस्ता सी एक याजक जाय रह्यो होतो, पर ओख देख क नजर बचाय क दूसरों तरफ सी
चली गयो। 32 योच तरह सी एक लेवी ऊ जागा पर आयो, ऊ भी ओख देख क नजर बचाय क दूसरी
रस्ता सी चली गयो। 33 पर एक सामरी भी जो यात्रा कर रह्यो होतो, उत पहुंच्यो, जब ओन ओख
देख्यो त ओको पर तरस खायो। 34 ओन ओको जवर आय क ओको घावों पर तेल अऊर अंगूररस
डाल क पट्टी बान्धी, अऊर अपनी सवारी पर चढ़ाय क सरायी म ले गयो, अऊर ओकी सेवा करी।
35 दूसरों दिन ओन दोय चांदी को सिक्का निकाल क सरायी को मालिक ख दियो, अऊर कह्यो, 'येकी
सेवा करजो, अऊर जो कुछ तोरो अऊर लगेंन, ऊ मय आनो पर तोख वापस दे देऊ।' "
36 यीशु न कह्यो, "अब तोरो बिचार सी जो डाकुवो न पकड़ रख्यो होतो, इन तीनों म सी ओको
शेजारी कौन होयेंन?"
37 ओन कह्यो, "उच जेन ओको पर दया करी।"
यीशु न ओको सी कह्यो, "जा, तय भी असोच कर।"

[illegible]

38 ✡जब यीशु अऊर ओको चेला जाय रह्यो होतो त यीशु एक गांव म गयो, अऊर मार्था नाम
की एक बाई न ओख अपनो घर म उतारयो। 39 मरियम नाम की ओकी एक बहिन होती। वा प्रभु
को पाय को जवर बैठ क ओको वचन सुनत होती। 40 पर मार्था सेवा करत करत चिन्तित भय गयी,
अऊर ओको जवर आय क कहन लगी, "हे प्रभु, का तोख कुछ भी चिन्ता नहाय कि मोरी बहिन न
मोख सेवा करन लायी अकेलीच छोड़ दियो हय? येकोलायी ओको सी कह्य कि मोरी मदत कर।"
41 प्रभु न ओख उत्तर दियो, "मार्था, हे मार्था; तय बहुत बातों लायी चिन्ता करय हय। 42 पर
एक बात जरूरी हय, अऊर ऊ बहुत उत्तम भाग ख मरियम न चुन लियो हय जो ओको सी छीन्यो
नहीं जायेंन।"

11

[illegible]
([illegible])

1 एक दिन यीशु कोयी दूसरी जागा म प्रार्थना कर रह्यो होतो। जब ऊ प्रार्थना कर लियो, त
ओको चेलावों म सी एक न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, जसो बपतिस्मा देन वालो यूहन्ना न अपनो
चेलावों ख प्रार्थना करनो सिखायो वसोच हम्ख भी तय सिखाय दे।"
2 यीशु न उन्को सी कह्यो, "जब तुम प्रार्थना करो त कहो:

'हे हमरो पिता:
तोरो नाम पवित्र मान्यो जाय;
तोरो राज्य आय।' 3 'हमरी दिन भर की रोटी हर दिन हम्ख
दियो कर,' 4 'अऊर हमरो पापों ख माफ कर,
कहालीकि हम भी अपनो हर एक अपराधियों
ख माफ करजे हंय,
अऊर हम्ख परीक्षा म मत लाव।' "

[illegible]
([illegible])

5 तब यीशु न उन्को सी कह्यो, "तुम म सी कौन आय कि ओको एक संगी हो, अऊर ऊ अरधी
रात ख ओको जवर जाय क ओको सी कह्य, 'हे संगी; मोख तीन रोटी दे। 6 कहालीकि मोरो एक संगी
यात्रा करतो हुयो मोरो जवर आयो हय, अऊर मोरो जवर ओख खिलावन लायी कुछ भी नहाय।'
7 अऊर ऊ अन्दर सी उत्तर दे क कह्यो, 'मोख मत सताव; अब त दरवाजा बन्द भय गयो हय अऊर

✡ **10:38** १०:३८ यूहन्ना ११:१

मोरो बच्चा मोरो बिस्तर पर हंय, मय उठ क तोख कुछ भी नहीं दे सकू?’ 8 मय तुम सी कहू हय, यदि
ओको संगी होन पर भी ओख उठ क नहीं दे, फिर भी ओको खुशामत करन पर ऊ उठ क ओकी जितनी
भी जरूरत होना देयेंन। 9 अऊर मय तुम सी कहू हय: कि मांगो, त तुम्ख दियो जायेंन; ढूंढो, त तुम
पावों; खटखटावों, त तुम्हरो लायी खोल्यो जायेंन। 10 कहालीकि जो कोयी मांगय हय, ओख मिलय
हय; अऊर जो ढूंढय हय, ऊ पावय हय; अऊर जो खटखटावय हय, ओको लायी खोल्यो जायेंन।
11 तुम म सी असो कौन बाप होनो, कि ओको बेटा मच्छी मांगय त ओख सांप देयेंन? 12 यां अंडा
मांगेंन त ओख बिच्छू देयेंन? 13 येकोलायी जब तुम बुरो होय क अपनो बच्चां ख अच्छी चिजे देनो
जानय हय, त तुम्हरो स्वर्गीय बाप अपनो मांगन वालो ख पवित्र आत्मा कहाली नहीं देयेंन।”

[illegible]
([illegible])

14 तब यीशु न मुक्की दुष्ट आत्मा ख निकाल्यो। जब वा दुष्ट आत्मा निकल गयी त मुक्का बोलन
लग्यो; अऊर लोगों ख अचम्भा भयो। 15 ✡पर उन्म सी कुछ न कह्यो, “यो त बालजबूल नाम को
दुष्ट आत्मावों को मुखिया हय ओकी सामर्थ सी दुष्ट आत्मावों ख निकालय हय।”
16 ✡दूसरों कुछ लोगों न यीशु की परीक्षा करन लायी परमेश्वर को तरफ सी स्वर्ग को एक चिन्ह
मांग्यो। 17 पर ओन उन्को मन की बाते जान क उन्को सी कह्यो, “जो जो राज्य म फूट पड़य हय, ऊ
राज्य उजड़ जावय हय; अऊर जो घर म फूट पड़य हय, ऊ नाश होय जावय हय। 18 यदि शैतान
अपनोच विरोधी होय जाये, त ओको राज्य कसो बन्यो रहेंन? कहालीकि तुम मोरो बारे म त कह्य
हय कि बालजबूल की सामर्थ सी दुष्ट आत्मा निकालय हय। 19 भलो यदि मय शैतान की मदत सी
दुष्ट आत्मावों ख निकालू हय, त तुम्हरो मानन वालो कौन्की मदत सी निकालय हय? येकोलायी
हिच तुम्हरो न्याय चुकायेंन। 20 पर यदि मय परमेश्वर की सामर्थ सी दुष्ट आत्मा ख निकालू हय,
त परमेश्वर को राज्य तुम्हरो जवर आय गयो हय।
21 “जब ताकतवर आदमी अवजार समेत अपनो घर की रखवाली करय हय, त ओकी जायजाद
बची रह्य हय। 22 पर जब ओको सी बढ़ क कोयी अऊर ताकतवर चढ़ायी कर क् ओख जीत लेवय
हय, त ओको हि हथियार जेक पर ओको भरोसा होतो, छीन लेवय हय अऊर ओकी जायजाद लूट
क बाट देवय हय।
23 ✡“जो मोरो संग नहाय ऊ मोरो विरोध म हय, अऊर जो मोरो संग नहीं ऊ जमा करय हय
अऊर बिखरावय हय।

[illegible]
([illegible])

24 “जब दुष्ट आत्मा आदमी म सी निकल जावय हय त सूखी जागा म आराम ढूंढती फिरय
हय, अऊर जब नहीं पावय त कह्य हय, ‘मय अपनो उच घर म जित सी निकली होती लौट जाऊं।’
25 अऊर आय क घर ख झाड़यो हुयो अऊर सज्यो सजायो पावय हय। 26 तब वा जाय क अपनो
सी बुरी सात अऊर आत्मावों ख अपनो संग ले आवय हय, अऊर हि ओको म घुस क वाश करय
हंय, अऊर ऊ आदमी की पिछली दशा पहिलो सी भी बुरी होय जावय हय।”

[illegible]

27 जब यीशु या बाते कहतच रह्यो होतो त भीड़ म सी कोयी बाई न ऊचो आवाज सी कह्यो,
“धन्य हय ऊ गर्भ जेको म तय रह्यो अऊर हि स्तन जो तय न पीयो।”
28 यीशु न कह्यो, “हां; पर धन्य हि हंय जो परमेश्वर को वचन सुनय अऊर मानय हंय।”

[illegible]
([illegible])

✡ **11:15** ११:१५ मत्ती ९:३४; १०:२५ ✡ **11:16** ११:१६ मत्ती १२:३८; १६:१; मरकुस ८:११ ✡ **11:23** ११:२३ मरकुस ९:४०

29 ✡जब बड़ी भीड़ जमा होत जात होती त यीशु कहन लग्यो, "यो युग को लोग बुरो हंय; हि
चिन्ह ढूंढय हंय; पर योना को चिन्ह ख छोड़ कोयी अऊर चिन्ह उन्ख नहीं दियो जायेंन। 30 जसो
योना नीनवे को लोगों लायी चिन्ह बन्यो, वसोच आदमी को बेटा भी यो युग को लोगों लायी ठहरेंन।
31 दक्षिन की रानी न्याय को दिन यो समय को आदमियों को संग उठ क उन्ख दोषी ठहरायेंन,
कहालीकि ऊ सुलैमान को ज्ञान सुनन ख धरती को छोर सी आयी, अऊर देखो, इत ऊ हय जो
सुलैमान सी भी बड़ो हय। 32 नीनवे को लोग न्याय को दिन यो समय को लोगों को संग खड़ो होय
क, उन्ख दोषी ठहरायेंन; कहालीकि उन्न योना को प्रचार सुन क पाप करनो छोड़ दियो; अऊर
देखो, इत ऊ हय जो योना सी भी बड़ो हय।

[illegible]
([illegible])

33 ✡"कोयी आदमी दीया जलाय क लूकावय नहीं यां बर्तन को खल्लो नहीं रखय, पर दीवट पर
रखय हय कि अन्दर आवन वालो प्रकाश देखेंन। 34 तोरो शरीर को दीया तोरी आंखी हय, येकोलायी
जब तोरी आंखी पवित्र हय त तोरो पूरो शरीर भी प्रकाश जसो हय; पर जब ऊ बुरी हय त तोरो
शरीर भी अन्धारो जसो हय। 35 येकोलायी चौकस रहजो कि जो प्रकाश तोरो म हय ऊ अन्धारो
नहीं होय जाये। 36 येकोलायी यदि तोरो पूरो शरीर प्रकाश हय अऊर ओको कोयी भाग अन्धारो
म नहीं रहेंन त सब को सब असो प्रकाश होयेंन, जसो ऊ समय होवय हय जब दीया अपनी चमक
सी तोख प्रकाश देवय हय।"

[illegible]
([illegible])

37 जब यीशु बात कर चुक्यो होतो त कोयी फरीसी न ओको सी बिनती करी कि मोरो इत जेवन
कर। ऊ अन्दर जाय क जेवन करन बैठ्यो। 38 फरीसी ख यो देख क अचम्भा भयो कि ओन जेवन
करन सी पहिले यहूदियों को अनुसार हाथ नहीं धोयो। 39 प्रभु न ओको सी कह्यो, "हे फरीसियों,
तुम कटोरा अऊर थारी ख ऊपर ऊपर सी त मांजय हय, पर तुम्हरो अन्दर अन्धारो अऊर बुरायी
भरी हय। 40 हे मूर्खो, जेन बाहेर को भाग बनायो, का ओन अन्दर को भाग नहीं बनायो? 41 पर हां,
जो तुम्हरो जवर हय ओख गरीबों ख दान कर दे, त देखो, सब कुछ तुम्हरो लायी शुद्ध होय जायेंन।
42 "पर हे फरीसियों, तुम पर हाय! तुम पदीना अऊर मसाला को अऊर सब तरह को साग पात
को दसवा अंश देवय हय, पर न्याय ख अऊर परमेश्वर को प्रेम ख टाल देवय हय; पर असो भी त
होतो कि इन्क भी करतो रहतो अऊर उन्ख भी नहीं छोड़तो।
43 "हे फरीसियों, तुम पर हाय! तुम आराधनालयों म मुख्य मुख्य आसन अऊर बजारों म आदर
सत्कार चाहवय हय। 44 हाय तुम पर! कहालीकि तुम उन लूकी कब्रो को जसो हय, जेक पर लोग
चलय हंय पर नहीं जानय।"
45 तब एक व्यवस्थापक न ओख उत्तर दियो, "हे गुरु, इन बातों ख कहन सी तय हमरी निन्दा करय
हय।"
46 यीशु न कह्यो; "हे व्यवस्थापकों, तुम पर भी हाय! तुम असो बोझा जिन्ख उठावनो कठिन
हय, आदमियों पर लादय हय पर तुम खुद उन बोझा ख अपनो एक बोट सी भी नहीं छूवय। 47 हाय
तुम पर! तुम उन भविष्यवक्तावों की कब्र बनावय हय, जिन्ख तुम्हरोच बाप दादो न मार डाल्यो
होतो। 48 येकोलायी तुम गवाह हय, अऊर अपनो बाप दादो को कामों सी सहमत हय; कहालीकि
उन्न उन्ख मार डाल्यो अऊर तुम उन्की कब्रें बनावय हय। 49 येकोलायी परमेश्वर की बुद्धि न
भी कह्यो हय, 'मय उन्को जवर भविष्यवक्तावों अऊर प्रेरितों ख भेजूं, अऊर हि उन्म सी कुछ ख
मार डालेंन, अऊर कुछ ख सतायेंन।' 50 ताकि जितनो भविष्यवक्तावों को खून जगत की उत्पत्ति
सी बहायो गयो हय, सब को लेखा यो युग को लोगों सी लियो जाये: 51 हाबील की हत्या सी ले क

✡ **11:29** ११:२९ मत्ती १६:४; मरकुस ८:१२ ✡ **11:33** ११:३३ मत्ती ५:१५; मरकुस ४:२१; लूका ८:१६

जकर्याह की हत्या तक, जो वेदी अऊर मन्दिर को बीच म घात करयो गयो। मय तुम सी सच कहू
हय, इन सब को लेखा योच समय को लोगों सी लियो जायेंन।
52 “हाय तुम व्यवस्थापकों पर! तुम न ज्ञान की कुंजी ले त ली, पर तुम खुदच सिर नहीं सक्यो,
अऊर सिरन वालो ख भी रोक दियो।”
53 जब यीशु उत सी निकल्यो, त धर्मशास्त्री अऊर फरीसी बुरी तरह ओको पीछू पड़ गयो अऊर
छेड़न लग्यो कि ऊ बहुत सी बातों की चर्चा करे, 54 अऊर मारन म लग्यो रह्यो कि ओको मुंह की
कोयी बात पकड़े।

12

[illegible]
([illegible])

1 ✡इतनो म जब हजारों की भीड़ लग गयी, यहां तक कि हि एक दूसरों पर गिरत पड़त होतो, त
ऊ सब सी पहिले अपनो चेलावों सी कहन लग्यो, “फरीसियों को कपटरूपी खमीर सी चौकस रहो।
2 ✡कुछ ढक्यो नहीं, जो खोल्यो नहीं जायेंन; अऊर नहीं कुछ लूक्यो हय, जो जान्यो नहीं जायेंन।
3 येकोलायी जो कुछ तुम न अन्धारो म कह्यो हय, ऊ प्रकाश म सुन्यो जायेंन; अऊर जो तुम न
कोठरियों म कानो कान कह्यो हय, ऊ छत पर सी प्रचार करयो जायेंन।

[illegible]
([illegible])

4 “मय तुम सी जो मोरो संगी हय कहू हय कि जो शरीर ख घात करय हंय पर ओको पीछू अऊर
कुछ नहीं कर सकय, उन्को सी मत डरो। 5 मय तुम्ख चिताऊ हय कि तुम्ख कौन्को सी डरनो चाहिये,
घात करन को बाद जेक नरक म डालन को अधिकार हय, परमेश्वर सी डरो; हां, मय तुम सी कहूं
हय, ओको सी डरो।
6 “का दोय पैसा की पाच चिड़िया पक्षी नहीं बिकय? तब भी परमेश्वर उन्म सी एक ख भी नहीं
भूलय। 7 तुम्हरो मुंड को सब बाल भी गिन्यो हुयो हंय, येकोलायी डरो मत, तुम बहुत चिड़िया
पक्षी सी बढ़ क हय।

[illegible]
([illegible])

8 “मय तुम सी कहू हय जो कोयी आदमियों को आगु मोख मान लेयेंन ओख आदमी को बेटा भी
परमेश्वर को स्वर्गदूतों को आगु मान लेयेंन। 9 पर जो आदमियों को आगु मोरो इन्कार करेंन ओख
परमेश्वर को स्वर्गदूतों को आगु इन्कार करयो जायेंन।
10 ✡“जो कोयी आदमी को बेटा को विरोध म कोयी बात कहेंन, ओको ऊ अपराध माफ करयो
जायेंन, पर जो पवित्र आत्मा की निन्दा करेंन, ओको अपराध माफ नहीं करयो जायेंन।
11 ✡“जब लोग तुम्ख सभावों अऊर शासकों अऊर अधिकारियों को आगु लिजाये, त चिन्ता मत
करजो कि हम कौन्सो तरह सी यां का उत्तर देबो, यां का कहबो। 12 कहालीकि पवित्र आत्मा उच
समय तुम्ख सिखाय देयेंन कि का कहनो चाहिये।”

[illegible]

13 तब भीड़ म सी एक न यीशु सी कह्यो, “हे गुरु, मोरो भाऊ सी कह्य कि बाप की जायजाद मोरो
संग बाट ले।”
14 यीशु न ओको सी कह्यो, “हे आदमी, कौन न मोख तुम्हरो न्याय करन वालो यां बाटन वालो
नियुक्त करयो हय?” 15 अऊर ओन उन्को सी कह्यो, “चौकस रहो, अऊर हर तरह को लोभ सी
अपनो आप ख बचायो रखो; कहालीकि कोयी को जीवन ओकी जायजाद की बड़ोत्तरी सी नहीं
होवय।”

✡ **12:1** १२:१ मत्ती १६:६; मरकुस ८:१५ ✡ **12:2** १२:२ मरकुस ४:२२; लूका ८:१७ ✡ **12:10** १२:१० मत्ती १२:३२; मरकुस ३:२९ ✡ **12:11** १२:११ मत्ती १०:१९,२०; मरकुस १३:११; लूका २१:१४,१५

16 यीशु न उन्को सी एक दृष्टान्त कह्यो: “कोयी धनवान की जमीन म बड़ी फसल भयी। 17 तब
ऊ अपनो मन म बिचार करन लग्यो, ‘मय का करू? कहालीकि मोरो इत जागा नहाय जित अपनी
फसल रखू।’ 18 अऊर ओन कह्यो, ‘मय यो करू: मय अपनो फसल रखन को ढोला ख तोड़ क बड़ो
बनाऊं; अऊर उत अपनो सब अनाज अऊर जायजाद बड़ो जागा म रखूं; 19 अऊर मय अपनो आप
सी कहूं कि हे मोरो जीव, तोरो जवर बहुत साल लायी बहुत जायजाद रखी हय; धीरज धर, खाय,
पी, सूख सी रह।’ 20 पर परमेश्वर न ओको सी कह्यो, ‘हे मूर्ख! योच रात तोरो जीव तोरो सी ले
लियो जायेंन; तब जो कुछ तय न जमा करयो हय ऊ कौन्को होयेंन?’
21 “असोच ऊ आदमी भी हय जो अपनो लायी धन जमा करय हय, पर परमेश्वर की नजर म धनी
नहीं।”

[illegible]
([illegible])

22 तब यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, “येकोलायी मय तुम सी कहू हय, अपनो जीव की चिन्ता
मत कर कि हम का खाबोंन; नहीं अपनो शरीर लायी का पहिनबों। 23 कहालीकि भोजन सी जीव,
अऊर कपड़ा सी शरीर बढ़ क हय। 24 पक्षिंयों पर ध्यान दे; हि नहीं बोवय हंय, नहीं काटय; नहीं
उन्को भण्डार अऊर नहीं रखन की जागा होवय हय; तब भी परमेश्वर उन्ख पालय हय। तुम्हरी
कीमत पक्षिंयों सी बढ़ क हय। 25 तुम म सी असो कौन हय जो चिन्ता करन सी अपनी उमर म एक
घड़ी भी बढ़ाय सकय हय? 26 येकोलायी यदि तुम सब सी छोटो काम भी नहीं कर सकय, त अऊर
बातों लायी कहालीकि चिन्ता करय हय?”
27 “जंगली फूल पर ध्यान करो कि हि कसो बढ़य हंय: हि मेहनत नहीं करय, तब भी मय तुम सी
कहू हय कि सुलैमान भी अपनो पूरो वैभव म, उन्म सी कोयी एक को समान कपड़ा पहिन्यो हुयो
नहीं होतो। 28 येकोलायी यदि परमेश्वर मैदान की घास ख, जो अज हय अऊर कल आगी म झोक
दियो जायेंन, असो पहिनावय हय; त हे अविश्वासियों, ऊ तुम्ख कहाली नहीं पहिनायेंन?”
29 “अऊर तुम या बात की खोज म नहीं रहो कि का खाबोंन अऊर का पीबो, अऊर नहीं सक
करो। 30 यो जगत को लोग इन सब चिजों की खोज म रह्य हंय: अऊर तुम्हरो बाप जानय हय कि
तुम्ख इन चिजों की जरूरत हय। 31 पर ओको को राज्य की खोज म रहो, त या चिजे भी तुम्ख मिल
जायेंन।”

[illegible]
([illegible])

32 “हे मोरो छोटो झुण्ड को लोगों, मत डरो; कहालीकि तुम्हरो बाप ख यो भायो हय, कि तुम्ख
राज्य दे। 33 अपनी जायजाद बिक क गरीबों ख दान कर दे; अऊर अपनो लायी असो बटवा बनावो
जो पुरानो नहीं होवय, यानेकि स्वर्ग म असो धन जमा करो जो घटय नहीं अऊर जेको जवर चोर
नहीं जावय, अऊर कीड़ा नहीं खावय। 34 कहालीकि जित तुम्हरो धन हय, उत तुम्हरो मन भी लग्यो
रहेंन।”

[illegible]

35 ☆“हमेशा तैयार रहो, अऊर तुम्हरो दीया जलतो रहे, 36 ☆अऊर तुम उन आदमियों को जसो
बनो, जो अपनो मालिक की रस्ता देख रहे हय कि ऊ बिहाव सी कब आयेंन, कि जब ऊ आय क
दरवाजा खटखटावय त तुरतच ओको लायी खोल दे। 37 धन्य हंय हि सेवक जिन्ख मालिक आय क
जागतो देखेंन; मय तुम सी सच कहू हय कि ऊ कमर बान्ध क उन्ख जेवन करन ख बैठायेंन, अऊर
जवर आय क उन्की सेवा करेंन। 38 यदि ऊ रात को दूसरों पहर या तीसरो पहर म आय क उन्ख
जागतो देखेंन, त हि सेवक धन्य हंय। 39 ☆पर तुम यो जान लेवो कि यदि घर को मालिक जानतो
कि चोर कौन्सो समय आयेंन, त जागतो रहतो अऊर अपनो घर म चोरी होन नहीं देतो।” 40 तुम भी
तैयार रहो; कहालीकि जो समय तुम सोचय भी नहीं, “पर उच समय आदमी को बेटा आय जायेंन।”

☆ **12:35** १२:३५ मत्ती २५:१-१३ ☆ **12:36** १२:३६ मरकुस १३:३४-३६ ☆ **12:39** १२:३९ मत्ती २४:४३,४४

[illegible]
([illegible])
41 तब पतरस न कह्यो, “हे प्रभु, का यो दृष्टान्त तय हम सीच यां सब सी कह्य हय।”
42 प्रभु न कह्यो, “ऊ विश्वास लायक अऊर बुद्धिमान व्यवस्थापक कौन आय, जेको मालिक
ओख नौकर चाकर पर अधिकारी ठहराये कि उन्ख समय पर भोजन वस्तु दे। 43 धन्य हय ऊ सेवक,
जेक ओको मालिक आय क असोच करतो देखे। 44 मय तुम सी सच कहू हय, ऊ ओख अपनी सब
जायजाद पर अधिकारी ठहरायेंन। 45 पर यदि ऊ सेवक अपनो मन म सोचन लग्यो कि मोरो मालिक
आवन म देर कर रह्यो हय, अऊर सेवकों अऊर दासियों ख मारन पीटन लग्यो, अऊर खान पीवन
अऊर पियक्कड़ होन लग्यो। 46 त ऊ सेवक को मालिक असो दिन, जब ऊ ओकी रस्ता देखतो नहीं
रहेंन, अऊर असो समय जेक ऊ जानतो नहीं होय, आयेंन अऊर ओख भारी सजा दे क ओको भाग
अविश्वासियों को संग ठहरायेंन।
47 “ऊ सेवक जो अपनो मालिक की इच्छा जानत होतो, अऊर तैयार नहीं रह्यो अऊर नहीं ओकी
इच्छा को अनुसार चल्यो, त बहुत मार खायेंन। 48 पर जो नहीं जान क मार खान्को लायक काम
करेंन ऊ थोड़ो मार खायेंन। येकोलायी जेक बहुत दियो गयो हय, ओको सी बहुत मांग्यो जायेंन;
अऊर जेक बहुत सौंप्यो गयो हय, ओको सी बहुत लियो जायेंन।

[illegible]
([illegible])
49 “मय धरती पर आग लगावन आयो हय; अऊर का चाहऊ हय केवल यो कि अभी सुलग
जाती! 50 ✡मोख त एक बपतिस्मा लेनो हय, अऊर जब तक ऊ नहीं होय जाये तब तक कसी
व्याकुल म रहूं! 51 का तुम समझय हय कि मय धरती पर शान्ति ले क आयो हय? मय तुम सी कहू
हय; नहीं, बल्की अलग करावन आयो हय। 52 कहालीकि अब सी एक घर म पाच लोग आपस म
विरोध रखेंन, तीन दोय सी अऊर दोय तीन सी। 53 बाप बेटा सी, अऊर बेटा बाप सी विरोध रखेंन;
माय बेटी सी, अऊर बेटी माय सी, सासु बहू सी, अऊर बहू सासु सी विरोध रखेंन।”

[illegible]
([illegible])
54 यीशु भीड़ सी भी कह्यो, “जब तुम बादर ख पश्चिम सी उठतो देखय हय त तुरतच कह्य हय
कि बारीश होयेंन, अऊर असोच होवय हय; 55 अऊर जब दक्षिनी हवा चलती देखय हय त कह्य
हय कि लू चलेंन अऊर असोच होवय हय। 56 हे कपटियों, तुम धरती अऊर आसमान को रूप रंग
म भेद कर सकय हय, पर यो युग को बारे म कहालीकि भेद करनो नहीं जानय?

[illegible]
([illegible])
57 “तुम खुदच न्याय कहालीकि नहीं कर लेवय कि ठीक का हय? 58 जब तय अपनो आरोप
लगावन वालो को संग शासक को जवर जाय रह्यो हय त रस्ताच म ओको सी छूटन की कोशिश
कर ले, असो नहीं होय कि ऊ तोख न्यायधीश को जवर खींच लिजाये, अऊर न्यायधीश तोख सिपाही
ख सौंप दे अऊर सिपाही तोख जेलखाना म डाल दे। 59 मय तुम सी कहू हय कि जब तक तय एक
एक पैसा भर नहीं दे तब तक उत सी छूटनो नहीं पायजो।”

13

[illegible]
1 ऊ समय कुछ लोग आय पहुंच्यो, अऊर यीशु उन गलील को लोगों को बारे म की चर्चा करन
लग्यो जेको खून पिलातुस न उन्कोच बलिदानों को संग मिलायो होतो। 2 यीशु न उन्ख उत्तर दियो,
“का तुम समझय हय कि यो गलीली अऊर पूरो गलीलियों सी बहुत पापी होतो कि उन पर असी

✡ **12:50** १२:५० मरकुस १०:३८

मुसीबत म पड़यो? 3 मय तुम सी कहू हय कि; यदि तुम पाप सी मन नहीं फिरावो त तुम पूरो योच
तरह सी नाश होयेंन। 4 का तुम समझय हय कि हि अठरा लोग जेको पर शीलोह को गुम्मट गिरयो,
अऊर हि दब क मर गयो: यरूशलेम को अऊर पूरो रहन वालो सी अधिक अपराधी होतो? 5 मय
तुम सी कहू हय कि नहीं; पर यदि तुम अपनो पापों सी मन नहीं फिरावो त तुम पूरो योच तरह सी
नाश होयेंन।"

[illegible]

6 तब यीशु न यो दृष्टान्त भी कह्यो: "कोयी को अंगूर को बाड़ी म एक अंजीर को झाड़ लग्यो
हुयो होतो। यीशु उन्म फर ढूंढन आयो, पर नहीं पायो। 7 तब ओन बाड़ी को रख वालो सी कह्यो,
'देख, तीन साल सी मय यो अंजीर को झाड़ म फर ढूंढन आऊं हय, पर नहीं पाऊ हय। येख काट
डाल! कि यो जागा ख भी कहालीकि रोक क रखय?' 8 पर रख वालो न उत्तर दियो, 'हे मालिक,
येख यो साल अऊर रहन दे कि मय येको चारयी तरफ खोद क खाद डालू। 9 यदि आवन वालो साल
म फरय त ठीक, नहीं त ओख काट डालजो।' "

[illegible]

10 आराम दिन ख ऊ एक आराधनालय म उपदेश कर रह्यो होतो। 11 उत एक बाई होती जेक
अठरा साल सी एक कमजोर करन वाली दुष्ट आत्मा लगी होती, अऊर वा कुबड़ी भय गयी होती
अऊर कोयी तरह सी सीधी नहीं होय सकत होती। 12 यीशु न ओख देख क बुलायो अऊर कह्यो,
"हे नारी, तय अपनी कमजोरी सी चंगी भय गयी हय!" 13 तब ओन ओको पर हाथ रख्यो, अऊर वा
तुरतच सीधी भय गयी अऊर परमेश्वर की महिमा करन लगी।

14 येकोलायी कि यीशु न आराम दिन ख ओख अच्छो करयो होतो, यहूदी आराधनालय को
मुखिया गुस्सा म आय क लोगों सी कहन लग्यो, "छे दिन हंय जेको म काम करन ख होना, येकोलायी
उनच दिनो म आय क चंगो हो, पर आराम दिन म नहीं।"

15 यो सुन क प्रभु न उत्तर दियो, "हे कपटियों! का आराम दिन म तुम म सी हर एक अपनो
बईल यां गधा ख थान सी खोल क पानी पिलावन नहीं लिजावय? 16 त वा बाई जो अब्राहम की
सन्तान हय जेक शैतान न अठरा साल सी बान्ध रख्यो होतो, आराम दिन ख यो बन्धन सी छुड़ायो
जानो जरूरी नहीं?" 17 ओको उत्तर सी ओको पूरो विरोधी शर्मिन्दा भय गयो, अऊर पूरी भीड़ उन
महिमा को कामों सी जो ऊ करत होतो, खुश भयी।

[illegible]
([illegible])

18 यीशु न कह्यो, "परमेश्वर को राज्य कौन्को जसो हय? अऊर मय ओकी तुलना कौन्को सी
करू? 19 ऊ राई को एक दाना को जसो हय, जेक कोयी आदमी न ले क अपनो खेत म बोयो, अऊर
ऊ बढ़ क झाड़ भय गयो, आसमान को पक्षियों न ओकी डगालियों पर घोसला बनाय लियो।"

[illegible]
([illegible])

20 यीशु न तब कह्यो, "मय परमेश्वर को राज्य की तुलना कौन्को सी करू? 21 ऊ खमीर को जसो
हय, जेक एक बाई न कुछ खमीर ले क बहुत सो आटा म मिलायो, अऊर पूरो आटा खमीर भय
गयो।"

[illegible]
([illegible])

22 यीशु नगर नगर, अऊर गांव-गांव होय क उपदेश करतो हुयो यरूशलेम को तरफ जाय रह्यो
होतो, 23 त कोयी न ओको सी पुच्छ्यो, "हे प्रभु, का उद्धार पावन वालो थोड़ो हंय?"
यीशु न उन्को सी कह्यो, 24 "सकरो द्वार सी सिरन की कोशिश करो; कहालीकि बहुत सो लोग
सिरनो चाहेंन, अऊर नहीं सिर सकेंन। 25 जब घर को मालिक खड़ो होय क दरवाजा बन्द कर देनो
पर; अऊर तुम बाहेर खड़यो हुयो दरवाजा खटखटाय क कहन लग्यो, 'हे प्रभु, हमरो लायी खोल

दे,' अऊर ऊ उत्तर दे, 'मय तुम्ख नहीं जानु, तुम कित को होय?' 26 तब तुम उत्तर देयेंन, 'हम न तोरो
आगु खायो-पीयो; अऊर तय न हमरो शहर म उपदेश करयो!' 27 पर ऊ फिर सी कहेंन, 'मय नहीं
जानु तुम कित को हय? हे कुकर्मियों, तुम सब मोरो सी दूर हय!' 28 ✡उत रोवनो अऊर दात कटरनो
होयेंन; जब तुम अब्राहम अऊर इसहाक अऊर याकूब अऊर सब भविष्यवक्तावों ख परमेश्वर को
राज्य म बैठ्यो देखो, अऊर अपनो आप ख बाहेर देखो; 29 अऊर पूर्व अऊर पश्चिम, उत्तर अऊर
दक्षिन सी, लोग आय क परमेश्वर को राज्य को भोज म सहभागी होयेंन। 30 ✡कुछ पिछलो हंय ऊ
पहिलो होयेंन, अऊर कुछ जो पहिलो हंय, ऊ पिछलो होयेंन।"

[illegible]

31 उच समय कुछ फरीसियों न यीशु को जवर आय क ओको सी कह्यो, "इत सी निकल क चली
जा, कहालीकि हेरोदेस तोख मार डालनो चाहवय हय।"
32 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "जाय क ऊ लोमड़ी सी कह्य दे कि देख; 'मय अज अऊर कल दुष्ट
आत्मावों ख निकालू अऊर बीमारों ख चंगो करू हय, अऊर तीसरो दिन अपनो कार्य पूरो करू।'
33 तब भी मोख अज, कल, अऊर परसो चलनो जरूरी हय; कहालीकि होय नहीं सकय कि कोयी
भविष्यवक्ता यरूशलेम को बाहेर मारयो जाये।

[illegible]
([illegible])

34 "हे यरूशलेम, हे यरूशलेम! तय जो भविष्यवक्तावों ख मार डालय हय, अऊर जो परमेश्वर
को तरफ सी भेज्यो गयो उन्को पर पथराव करय हय। कितनोच बार मय न यो चाह्यो कि जसो मुर्गी
अपनो पिल्ला ख अपनो पंखा को खल्लो जमा करय हय, वसोच मय भी तोरो बच्चां ख जमा करू,
पर तुम न यो नहीं चाह्यो। 35 तुम्हरो घर तुम्हरो लायी प्रकाश पड़्यो हय, अऊर मय तुम सी कहू
हय: जब तक तुम नहीं कहो, 'धन्य हय ऊ, जो प्रभु को नाम सी आवय हय,' तब तक तुम मोख
फिर कभी नहीं देखो।"

14

[illegible]

1 तब यीशु आराम दिन म फरीसियों को मुखिया म सी कोयी को घर रोटी खान गयो; अऊर हि
ओकी ताक म होतो। 2 उत एक आदमी जेक सूजन को रोग होतो यीशु को जवर आयो। 3 येको पर
यीशु न व्यवस्थापकों अऊर फरीसियों सी कह्यो, "हमरो नियम को अनुसार आराम दिन म चंगो
करनो ठीक हय यां नहीं?"
4 पर हि चुपचाप रह्यो। तब यीशु न ओख छूय क चंगो करयो अऊर जान दियो, 5 ✡अऊर ओन
उन्को सी कह्यो, "तुम म सी असो कौन हय, जेको बेटा यां बईल कुंवा म गिर जाये अऊर ऊ आराम
को दिन ओख तुरतच बाहेर नहीं निकालेंन?"
6 हि यो बातों को कुछ उत्तर नहीं दे सक्यो।

[illegible]

7 जब यीशु न देख्यो कि नेवता म बुलायो लोग कसो मुख्य–मुख्य जागा चुन लेवय हय त एक
दृष्टान्त दे क उन्को सी कह्यो, 8 "जब कोयी तोख बिहाव को जेवन म बुलाये, त मुख्य जागा म
नहीं बैठजो। कहीं असो नहीं होय कि ओन तोरो सी भी कोयी बड़ो ख नेवता दियो हय, 9 अऊर
जेन तोख अऊर ओख दोयी ख नेवता दियो हय, आय क तोरो सी कहेंन, 'येख जागा दे,' अऊर तब
तोख शर्मिन्दा होय क सब सी खल्लो जागा म बैठ्नो पड़ेंन। 10 पर जब तय बुलायो जाये त सब सी
खल्लो जागा म बैठ कि जब ऊ, जेन तोख नेवता दियो हय आयेंन, त तोरो सी कहेंन, 'हे संगी, आगु
बढ़ क बैठ,' तब तोरो संग बैठन वालो को आगु तोरी बड़ायी होयेंन। 11 ✡कहालीकि जो कोयी अपनो

✡ **13:28** १३:२८ मत्ती २२:१३; २५:३०; मत्ती ८:११,१२ ✡ **13:30** १३:३० मत्ती १९:३०; २०:१६; मरकुस १०:३१ ✡ **14:5** १४:५
मत्ती १२:११ ✡ **14:11** १४:११ मत्ती २३:१२; लूका १८:१४

आप ख बड़ो बनायेंन, ऊ छोटो करयो जायेंन; अऊर जो कोयी अपनो आप ख छोटो बनायेंन, ऊ
बड़ो करयो जायेंन।”
12 तब यीशु अपनो नेवता देन वालो सी भी कह्यो, “जब तय दिन ख यां रात ख जेवन रखय, त
अपनो संगियों यां भाऊ यां कुटुम्बियों यां धनवान पड़ोसियों ख नहीं बुलाव, कहीं असो नहीं होय कि
हि भी तोख नेवता दे, अऊर तोरो बदला खडांय जाये। 13 पर जब तय जेवन रखय त गरीबों, टुण्डों,
लंगड़ों अऊर अन्धो ख बुलाव। 14 तब तय धन्य होजो, कहालीकि उन्को जवर तोख वापिस देन
लायी कुछ नहाय, पर तोख धर्मियों को जीन्दो होन पर परमेश्वर को तरफ सी प्रतिफल मिलेंन।”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

15 ओको संग जेवन करन वालो म सी एक न या बाते सुन क यीशु सी कह्यो, “धन्य हय ऊ जो
परमेश्वर को राज्य म जेवन करेंन।”
16 यीशु न ओको सी कह्यो, “कोयी आदमी न बड़ो जेवन दियो अऊर बहुत लोगों ख बुलायो।
17 जब जेवन तैयार भय गयो त ओन अपनो सेवक को हाथ नेवता वालो ख बुलावा भेज्यो, ‘आवो,
अब जेवन तैयार हय।’ 18 पर हि पूरो को पूरो माफी मांगन लग्यो। पहिलो न ओको सी कह्यो, ‘मय
न खेत ले लियो हय, अऊर जरूरी हय कि ओख देखूं; मय तोरो सी बिनती करू हय, मोख माफ
कर दे।’ 19 दूसरों न कह्यो, ‘मय न पाच जोड़ी बईल ले लियो हंय, अऊर उन्ख परखन जाऊं हय;
मय तोरो सी बिनती करू हय, मोख माफ कर दे।’ 20 एक अऊर न कह्यो, ‘मय न बिहाव करयो हय,
येकोलायी मय नहीं आय सकू।’ 21 उस सेवक न आय क अपनो मालिक ख या बाते कह्य सुनायो।
तब घर को मालिक न गुस्सा म आय क अपनो सेवक सी कह्यो, ‘नगर को बजारों अऊर गलियो
म तुरतच जाय क गरीबों, टुण्डों, लंगड़ों अऊर अन्धो ख इत ले आवो।’ 22 सेवक न तब कह्यो, ‘हे
मालिक जसो तय न कह्यो होतो, वसोच करयो गयो हय; अऊर तब भी जागा हय।’ 23 मालिक न
सेवक सी कह्यो, ‘सड़को पर अऊर अपनो बाड़ा तरफ जा अऊर लोगों ख कोशिश कर क् ले आव
ताकि मोरो घर भर जाय। 24 कहालीकि मय तुम सी कहू हय कि उन नेवता वालो म सी कोयी मोरो
जेवन ख नहीं चखेंन!’ ”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

25 जब बड़ी भीड़ ओको संग जाय रही होती, त यीशु न पीछू मुड़ क भीड़ सी कह्यो, 26 ✡“यदि
कोयी मोरो जवर आवय, अऊर अपनो बाप अऊर माय अऊर पत्नी अऊर बच्चां अऊर भाऊ अऊर
बहिनों बल्की अपनो जीव ख भी मोरो सी जादा अप्रिय नहीं जानय, त ऊ मोरो चेला नहीं होय
सकय; 27 ✡अऊर जो कोयी मरन लायी तैयार नहीं होवय, अऊर मोरो पीछू नहीं होयेंन, ऊ भी मोरो
चेला नहीं होय सकय।
28 “तुम म सी कौन हय जो बाड़ा बनानो चाहवय हय, अऊर पहिलो बैठ क खर्च नहीं जोड़य
कि पूरो करन की ताकत मोरो जवर हय कि नहाय? 29 कहीं असो नहीं होय कि जब ऊ पायवा खोद
लेवय पर बनाय नहीं सकय, त सब देखन वालो यो कह्य क ओख ठट्ठा करन लग्यो, 30 ‘यो आदमी
बनान त लग्यो पर तैयार नहीं कर सक्यो!’ 31 यो कौन असो राजा हय जो दूसरों राजा सी लड़ाई
करन जावय हय, अऊर पहिले बैठ क बिचार नहीं कर ले कि जो बीस हजार ले क मोरो पर चढ़ायी
करन आवय हय, त का मय दस हजार ले क ओको सामना कर सकू हय, यां नहीं? 32 नहीं त ओको
दूर रहतोच ऊ दूतों ख भेज क शान्ति को मिलाप करनो चाहेंन। 33 यो तरह सी तुम म सी जो कोयी
अपनो सब कुछ छोड़ नहीं देन, ऊ मोरो चेला नहीं होय सकय।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible])

✡ **14:26** १४:२६ मत्ती १०:३७ ✡ **14:27** १४:२७ मत्ती १०:३८; १६:२४; मरकुस ८:३४; लूका ९:२३

34 “नमक त अच्छो हय, पर यदि नमक को स्वाद बिगड़ जावय, त वा कौन चिज सी नमकीन
करयो जायेंन। 35 ऊ नहीं त जमीन को अऊर नहीं खात लायी काम म आवय हय; ओख त लोग
बाहेर फेक देवय हंय। जेको सुनन को कान हय ऊ सुन लेवो!”

15

[illegible]
([illegible])

1 ✡सब कर लेनवालो अऊर पापी, यीशु को जवर आय रह्यो होतो की ओकी सुनबो। 2 पर फरीसी
अऊर धर्मशास्त्री कुड़कुड़ाय क कहन लग्यो, “यो त पापियों सी मिलय हय अऊर उन्को संग
खावय भी हय!” 3 तब यीशु न उन्को सी यो दृष्टान्त कह्यो।
4 “तुम म सी कौन हय जेकी सौ मेंढीं हय, अऊर उन्म सी एक गुम जाये, त निन्यानवे ख जंगल
म छोड़ क वा गुमी हुयी ख जब तक मिल नहीं जावय, ढूंढत नहीं रह्यो? 5 अऊर जब मिल जावय
हय, तब ऊ बड़ी खुशी सी ओख बख्खा पर उठाय लेवय हय; 6 अऊर घर म आय क संगी अऊर
शेजारी ख जमा कर क् कह्य हय, ‘मय बहुत खुश हय कहालीकि मोरी गुमी हुयी मेंढा मिल गयो
हय। मोरो संग खुशी मनावो!’ 7 मय तुम सी कहू हय कि योच तरह सी एक पाप सी मन फिरावन
वालो पापी को बारे म भी स्वर्ग म इतनोच खुशी होयेंन, जितनो कि निन्यानवे असो धर्मियों न पाप
करनो छोड़ दियो, जिन्ख मन फिरान की जरूरत नहीं।

[illegible]

8 “कौन असी बाई होयेंन जेको जवर दस सिक्का हय, अऊर उन्म सी एक गुम जायेंन, त वा दीया
जलाय क अऊर घर झाड़–बहार क, जब तक मिल नहीं जायेंन मन लगाय क ढूंढतो नहीं रहेंन?
9 अऊर जब मिल जावय हय, त वा अपनी सहेली अऊर पड़ोसीन ख जमा कर क् कह्य हय, ‘मय
बहुत खुश हय कहालीकि मोरो गुम्यो वालो सिक्का मिल गयो हय। मोरो संग खुशी करो!’ 10 मय
तुम सी कहू हय, कि योच तरह सी, एक पाप ख छोड़न वालो पापी को बारे म परमेश्वर को स्वर्गदूतों
को सामने खुशी होवय हय।”

[illegible]

11 तब यीशु न कह्यो, “कोयी आदमी को दोय बेटा होतो। 12 उन्म सी छोटो न बाप सी कह्यो,
‘हे बाप, जायजाद म सी जो हिस्सा मोरो हय ऊ मोख दे।’ ओन उन्ख अपनी जायजाद बाट दियो।
13 कुछ दिन को बाद छोटो बेटा सब कुछ जमा कर क् दूर देश ख चली गयो, अऊर उत गन्दो काम
म अपनी जायजाद उड़ाय दियो। 14 जब ऊ सब कुछ खर्च कर दियो, अऊर ऊ देश म बड़ो अकाल
पड़यो, अऊर ऊ गरीब भय गयो। 15 येकोलायी यो ऊ देश को निवासियों म सी एक को इत काम
मांगन गयो। ओन ओख अपनो खेतो म डुक्कर चरान लायी भेज्यो। 16 अऊर ऊ चाहत होतो कि उन
सेगां सी जिन्ख डुक्कर खात होतो, अपनो पेट भरत होतो, अऊर ओख कोयी कुछ जेवन नहीं देत
होतो। 17 जब ऊ होश म आयो, तब कहन लग्यो, ‘मोरो बाप को कितनोच मजूरों ख भोजन सी जादा
रोटी मिलय हय, अऊर मय इत भूखो मर रह्यो हय। 18 मय अब उठ क अपनो बाप को जवर जाऊं
अऊर ओको सी कहूं, हे बाप, मय न स्वर्ग को बाप अऊर तोरो विरोध म पाप करयो हय। 19 अब यो
लायक नहीं रह्यो कि तोरो बेटा कहलाऊ; मोख अपनो एक मजूर को जसो रख ले।’ 20 तब ऊ उठ
क अपनो बाप को जवर चल्यो।
“ऊ अभी दूरच होतो कि ओको बाप न ओख देख क तरस खायो; अऊर दवड़ क ओख गलो लगायो,
अऊर बहुत चुम्मा लियो। 21 बेटा न कह्यो, ‘हे बाप, मय न स्वर्ग अऊर तोरी विरोध म पाप करयो
हय, अऊर अब यो लायक नहीं रह्यो कि तोरो बेटा कहलाऊ।’ 22 पर बाप न अपनो सेवकों सी कह्यो,
‘तुरतच!’ अच्छो सी अच्छो कपड़ा निकाल क ओख पहिनाव, अऊर ओको हाथ म अंगुठी, अऊर
पाय म जूता पहिनाव। 23 अऊर पल्यो हुयो बछड़ा लाय क काटो, ताकि हम खाबोंन अऊर खुशी

✡ **15:1** १५:१ लूका ५:२९,३०

मनाबो! 24 कहालीकि मोरो यो बेटा मर गयो होतो, पर अब जीन्दो भय गयो हय; 'ऊ गुम गयो
होतो, पर अब मिल गयो हय।' अऊर हि खुशी करन लग्यो।
25 "पर ओको बड़ो बेटा खेत म होतो। जब ऊ आवतो हुयो घर को जवर पहुंच्यो, त ओन गाना
बजानो अऊर नाचन को आवाज सुन्यो। 26 येकोलायी ओन एक सेवक ख बुलाय क पुच्छ्यो, 'यो
का होय रह्यो हय?' 27 ओन ओको सी कह्यो, 'तोरो भाऊ घर वापस आयो हय, अऊर तोरो बाप न
पल्यो हुयो बछड़ा कटवायो हय, येकोलायी कि ओख भलो चंगो पायो हय।' "
28 "बड़ो भाऊ यो सुन क गुस्सा सी भर गयो अऊर अन्दर जानो नहीं चाह्यो; पर ओको बाप बाहेर
आय क ओख बिनती करन लग्यो। 29 ओन बाप ख उत्तर दियो, 'देख, मय इतनो साल सी तोरी सेवा
कर रह्यो हय, अऊर कभी भी तोरी आज्ञा नहीं टाली, तब भी तय न मोख कभी भी एक शेरी को
बच्चा तक नहीं दियो? कि मय अपनो संगी को संग खुशी मनाऊं! 30 पर तोरो यो बेटा जेन तोरी
जायजाद वेश्यावों म उड़ाय दियो हय, जब ऊ घर वापस आयो, त ओको लायी तय न पल्यो हुयो
बछड़ा कटवायो!' 31 बाप न कह्यो, 'मोरो बेटा, तय हमेशा मोरो संग हय, अऊर जो कुछ मोरो हय
ऊ सब तोरोच हय। 32 पर अब खुशी मनानो अऊर मगन होनो चाहिये, कहालीकि यो तोरो भाऊ
मर गयो होतो, पर अब जीन्दो भय गयो हय; गुम गयो होतो, अब मिल गयो हय।' "

16

?????? ??????

1 यीशु न चेलावों सी कह्यो, "कोयी धनवान को एक मुनीम होतो, अऊर लोगों न ओको आगु
ओको पर यो दोष लगायो कि ऊ तोरी पूरी जायजाद उड़ाय देवय हय। 2 येकोलायी ओन ओख
बुलाय क कह्यो, 'यो का आय जो मय तोरो बारे म सुन रह्यो हय? अपनो मुनीम पन को लेखा दे,
कहालीकि तय अब सी मोरो मुनीम नहीं रह्य सकय।' 3 तब मुनीम सोचन लग्यो, 'अब मय का करूं?
कहालीकि मोरो मालिक अब मुनीम को काम मोरो सी छीन रह्यो हय। माटी त मोरो सी खोदी नहीं
जावय, अऊर भीख मांगन म मोख शरम आवय हय। 4 मय समझ गयो कि का करूं! ताकि जब मय
मुनीमगिरी को काम सी छुड़ायो जाऊं त लोग मोख अपनो घरो म ले ले।'
5 "तब ओन अपनो मालिक को कर्जा चुकावन वालो ख एक–एक कर क् बुलायो अऊर पहिलो
सी पुच्छ्यो, 'तोरो पर मोरो मालिक को कितनो कर्जा हय?' 6 ओन उत्तर दियो, 'सौ मन तेल,' तब
मुनीम न ओको सी कह्यो; 'अपनो बही-खाता ले अऊर बैठ क तुरतच पचास लिख दे।' 7 तब ओन
दूसरों सी पुच्छ्यो, 'तोरो पर कितनो कर्जा हय?' ओन उत्तर दियो, 'एक हजार बोरा गहूं,' तब ओन
ओको सी कह्यो; 'अपनो बही-खाता म आठ सौ लिख दे।'
8 "मालिक न ऊ अधर्मी मुनीम की तारीफ करयो कि ओन हुसीयारी सी काम करयो हय।
कहालीकि यो जगत को लोग अपनो समय को लोगों को संग लेन-देन म प्रकाश को लोगों सी
अधिक हुसीयार हंय।"
9 यीशु न उन्को सी कह्यो, "मय तुम सी कहू हय: कि जगत को धन सी अपनो लायी संगी बनाय
ले, ताकि जब ऊ जातो रहेंन त हि तुम्ख अनन्त निवासों म ले ले। 10 जो थोड़ो सो थोड़ो म विश्वास
लायक हय, ऊ बहुत म भी विश्वास लायक हय; अऊर जो थोड़ो सो थोड़ो म अधर्मी हय, ऊ बहुत
म भी अधर्मी हय। 11 येकोलायी जब तुम जगत को धन म सच्चो नहीं ठहरो, त विश्वास को धन
तुम्ख कौन सौंपेंन? 12 अऊर तुम परायो धन म सच्चो नहीं ठहरो त जो तुम्हरो हय, ओख तुम्ख
कौन देयेंन?
13 ✡"कोयी सेवक दोय मालिक की सेवा नहीं कर सकय; कहालीकि ऊ त एक सी बैर अऊर दूसरों
सी प्रेम रखेंन या एक सी विश्वास लायक रहेंन अऊर दूसरों ख तुच्छ जानेंन। तुम परमेश्वर अऊर
धन दोयी की सेवा नहीं कर सकय।"

✡ **16:13** १६:१३ मत्ती ६:२४

[illegible]
([illegible])
14 फरीसी जो पैसा को लोभी होतो, या सब बाते सुन क यीशु ख ताना मारन लग्यो। 15 यीशु न
उन्को सी कह्यो, "तुम त आदमी को आगु अपनो आप ख सच्चो दिखावय हय, पर परमेश्वर तुम्हरो
मन ख जानय हय, कहालीकि जो चिज आदमी की नजर म महान हय, ऊ परमेश्वर को नजर म
तुच्छ हय।
16 ✡"मूसा की व्यवस्था अऊर भविष्यवक्ता यूहन्ना बपतिस्मा देन वालो को समय तक त रह्यो;
ऊ समय सी परमेश्वर को राज्य को सुसमाचार सुनायो जाय रह्यो हय, अऊर हर कोयी ओको म
ताकत सी सिरय हय। 17 ✡आसमान अऊर धरती को गायब होय जानो व्यवस्था को एक बिन्दु को
मिट जानो सी सहज हय।
18 ✡"जो कोयी अपनी पत्नी ख तलाक दे क दूसरी बाई सी बिहाव करय हय, ऊ व्यभिचार करय
हय; अऊर जो पति सी तलाक भयी बाई सी बिहाव करय हय, ऊ भी व्यभिचार करय हय।

[illegible]
19 "एक धनवान आदमी होतो जो महगों जामुनी कपड़ा पहिनतो अऊर हर दिन सुख–विलाश
सी रहत होतो। 20 लाजर नाम को एक गरीब आदमी, घावों सी भरयो हुयो, ओकी द्वार पर छोड़
दियो जात होतो, 21 अऊर ऊ चाहत होतो कि मय धनवान की मेज पर सी गिरयो जेवन सी अपनो
पेट भरू। यहां तक कि कुत्ता भी आय क ओकी घावों ख चाटत होतो।
22 "असो भयो कि ऊ गरीब मर गयो, अऊर स्वर्गदूतों न ओख उठाय क अब्राहम की बाजू म
पहुंचायो। ऊ धनवान भी मरयो अऊर गाड़यो गयो, 23 अऊर अधोलोक म ओन दु:ख म पड़यो हुयो
अपनी आंखी ऊपर उठायी, अऊर दूर सी अब्राहम को जवर म लाजर ख देख्यो। 24 तब ओन पुकार
क कह्यो, 'हे बाप अब्राहम! मोरो पर दया कर, अऊर लाजर ख भेज दे ताकि ऊ अपनी बोट को
सिरा पानी म फिजाय क मोरी जीबली ख ठंडी करेंन, कहालीकि मय या आगी म तड़प रह्यो हय!'
25 "पर अब्राहम न कह्यो, 'हे बेटा, याद कर, कि तय अपनो जीवन म अच्छी चिज ले लियो
हय, अऊर वसोच लाजर बुरी चिज। पर अब ऊ इत शान्ति पा रह्यो हय, अऊर तय तड़प रह्यो
हय। 26 या सब बातों ख छोड़ हमरो अऊर तुम्हरो बीच एक गहरो गड्डा ठहरायो गयो हय कि जो
इत सी ओन पार तुम्हरो जवर जानो चाह्यो, त हि नहीं जाय सक्यो, अऊर नहीं कोयी उत सी येन
पार हमरो जवर आय सक्यो।' 27 धनवान आदमी न कह्यो, 'मय तुम सी बिनती करू हय, हे बाप
अब्राहम, तय लाजर ख मोरो बाप को घर भेज, 28 कहालीकि उत मोरो पाच भाऊ हंय। ऊ जाय क
उन्को जवर या बातों ख चिताय दे, असो नहीं होय कि हि भी यो दु:ख की जागा म आय।'
29 "अब्राहम न कह्यो, 'तुम्हरो भाऊ को जवर त मूसा अऊर भविष्यवक्ता की किताब हंय उन्ख
चितावन लायी, हि उन्की सुनो कि का कह्य।' 30 धनवान आदमी न उत्तर दियो, 'पर्याप्त नहीं, हे बाप
अब्राहम! पर यदि कोयी मरयो हुयो म सी जीन्दो होय क उन्को जवर जाये, त हि अपनो पाप सी
मन फिरायेंन।' 31 पर अब्राहम न कह्यो, 'जब हि मूसा अऊर भविष्यवक्तावों की नहीं सुनय, त
यदि मरयो हुयो म सी कोयी जीन्दो भी होयेंन तब भी ओकी नहीं मानेंन।' "

17

[illegible]
([illegible])
1 यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, "होय नहीं सकय कि पाप म पड़य, पर हाय, ऊ आदमी पर
जेको वजह हि आवय हंय! 2 जो इन छोटो म सी कोयी एक ख पाप म पड़य हय, ओको लायी यो
भलो होवय कि गरहट को पाट ओको गरो म लटकायो जातो, अऊर ऊ समुन्दर म डाल दियो जातो।
3 ✡सचेत रहो! तुम का करय हय।

✡ **16:16** १६:१६ मत्ती ११:१२,१३ ✡ **16:17** १६:१७ मत्ती ५:१८ ✡ **16:18** १६:१८ मत्ती ५:३२; १ कुरिन्थियों ७:१०,११
✡ **17:3** १७:३ मत्ती १८:१५

“यदि तोरो भाऊ अपराध करय हय त, ओख समझाव, अऊर यदि पछतावय हय त, ओख माफ
कर। 4 यदि दिन भर म ऊ सात बार तोरो विरोध म पाप करय अऊर सातों बार तोरो जवर आय क
कह्य, ‘मय पछताऊ हय,’ त ओख माफ कर।”

[illegible]

5 प्रेरितों न प्रभु सी कह्यो, “हमरो विश्वास बढ़ाव।”

6 प्रभु न उत्तर दियो, “यदि तुम ख राई को दाना को बराबर भी विश्वास होतो, त तुम यो शहतूत
को झाड़ सी कहतो, कि जड़ी सी उचक क अपनो आप समुन्दर म लग जा। अऊर ऊ तुम्हरी आज्ञा
मान लेतो।”

7 यदि “तुम म सी असो कौन हय, जेको सेवक नांगर जोतय या मेंढीं चरावय हय, अऊर जब
ऊ खेत सी आवय हय, त ओको सी कहेंन, ‘तुरतच आव जेवन करन बैठ?’ 8 अऊर यो नहीं कहेंन,
निश्चितच नहाय! ‘मोरो जेवन तैयार कर, अऊर जब तक मय खाऊ–पीऊ तब तक सेवा कर; येको
बाद तय भी खाय पी लेजो?’ 9 का ऊ सेवक को अहसान मानेंन कि ओन उच काम करयो जेकी आज्ञा
दी गयी होती? 10 योच तरह सी तुम भी जब उन सब कामों ख कर लेवो जेकी आज्ञा तुम्ख दियो
गयी होती, त कहो, ‘हम साधारन सेवक हंय; जो हम्ख करनो होतो हम न केवल उच करयो हय।’ ”

[illegible]

11 असो भयो कि यीशु यरूशलेम जातो हुयो सामरियां अऊर गलील को सिमा सी होय क जाय
रह्यो होतो। 12 कोयी गांव म सिरतो समय ओख दस कोढ़ी मिल्यो। जो ओको सी दूर खड़ो होतो।
13 उन्न ऊचो आवाज सी पुकार क कह्यो, “हे यीशु! हे मालिक! हम पर दया कर!”

14 यीशु न उन्ख देख क कह्यो, “जावो, अऊर अपनो आप ख याजकों ख दिखावो।”

अऊर हि रस्ता म जातोच शुद्ध भय गयो। 15 तब उन्म सी एक यो देख क कि मय चंगो भय गयो
हय, ऊचो आवाज सी परमेश्वर कि बड़ायी करतो हुयो वापस लौटचो, 16 अऊर यीशु को पाय पर
मुंह को बल गिर क ओको धन्यवाद करन लग्यो, अऊर ऊ सामरी होतो। 17 येख पर यीशु न कह्यो,
“का दसो शुद्ध नहीं भयो; त फिर हि नव कित हंय? 18 का यो परदेशी ख छोड़ कोयी अऊर वापस
नहीं आयो जो परमेश्वर की बड़ायी करय हय?” 19 अऊर यीशु न ओको सी कह्यो, “उठ क चली
जा; तोरो विश्वास न तोख अच्छो करयो हय।”

[illegible]
([illegible])

20 कुछ फरीसियों न यीशु सी पुच्छ्यो कि परमेश्वर को राज्य कब आयेंन, त ओन ओख उत्तर
दियो, “परमेश्वर को राज्य दिखन वालो रूप को जसो नहीं आवय। 21 अऊर लोग यो नहीं कहेंन,
‘इत हय! यां, उत हय!’ कहालीकि परमेश्वर को राज्य तुम्हरो बीच म हय।”

22 तब ओन चेलावों सी कह्यो, “असो समय आयेंन, जेको म तुम आदमी को बेटा को दिनो म सी
एक दिन ख देखन चाहो, अऊर नहीं देख सको। 23 लोग तुम सी कहेंन, ‘देखो, उत हय!’ यां ‘देखो,
इत हय!’ पर तुम चली नहीं जावो अऊर नहीं उन्को पीछू होय जावो। 24 कहालीकि जसो बिजली
आसमान को एक छोर सी चमक क आसमान को दूसरों छोर तक चमकय हय, वसोच आदमी को बेटा
भी अपनो दिन म प्रगट होयेंन। 25 पर पहिले जरूरी हय कि ऊ बहुत दु:ख उठाये, अऊर यो युग
को लोग ओख नकारयो दियो जायेंन। 26 जसो नूह को दिन म भयो होतो, वसोच आदमी को बेटा को
दिन म भी होयेंन। 27 जो दिन तक नूह जहाज पर नहीं चढ़यो, ऊ दिन तक लोग खातो-पीतो रहत
होतो, अऊर उन्म बिहाव होत होतो। तब जल–प्रलय न आय क उन सब ख नाश करयो। 28 अऊर
जसो लूत को दिन म भयो होतो कि लोग खातो–पीतो, लेन–देन करतो, झाड़ लगातो अऊर घर
बनावत होतो; 29 पर जो दिन लूत सदोम सी निकल्यो, ऊ दिन आगी अऊर गन्धक आसमान सी
बरसी अऊर सब ख नाश कर दियो। 30 आदमी को बेटा को प्रगट होन को दिन भी असोच होयेंन।

31 ✡"ऊ दिन जो घर को छत पर हय अऊर ओको सामान घर म हय, त ऊ ओख लेन लायी
मत उतरो; अऊर वसोच जो खेत म हय ऊ वापस घर नहीं जाय। 32 लूत की पत्नी ख याद रखो!
33 ✡जो कोयी अपनो जीव बचावनो चाहेंन ऊ ओख खोयेंन; अऊर जो कोयी ओख खोयेंन ऊ ओख
बचायेंन। 34 मय तुम सी कहू हय, ऊ रात, दोय आदमी एक खटिया पर सोतो रहेंन: एक ले लियो
जायेंन अऊर दूसरों छोड़ दियो जायेंन। 35 दोय बाई एक संग गरहट म अनाज पीसत रहेंन, एक
ले ली जायेंन अऊर दूसरी छोड़ दियो जायेंन। 36 दोय लोग खेत म होयेंन, एक ले लियो जायेंन
अऊर दूसरों छोड़ दियो जायेंन।"*
37 यो सुन क चेलावों न ओको सी पुच्छ्यो, "हे प्रभु यो कित होयेंन?"
यीशु न उत्तर दियो, "जित लाश हय, उत गिधाड़ जमा होयेंन।"

18

[illegible]

1 तब यीशु न अपनो चेलावों ख दृष्टान्त म कह्यो कि हमेशा प्रार्थना करनो अऊर हिम्मत नहीं
छोड़न ख होना असो सिखायो। 2 "कोयी शहर म एक सच्चो रहत होतो, जो परमेश्वर सी नहीं डरत
होतो अऊर नहीं कोयी आदमी की परवाह करत होतो। 3 उच शहर म एक विधवा भी रहत होती, जो
ओको जवर आय–आय क कहत होती, 'मोरो न्याय कर क् मोख आरोप लगावन वालो सी बचाव!'
4 कुछ समय तक त ऊ नहीं मान्यो पर आखरी म अपनो आप म बिचार कर ख कह्यो, 'जब कि मय
परमेश्वर सी नहीं डरू, अऊर नहीं आदमी की कुछ परवाह करू हय, 5 तब भी या विधवा मोख
सतावती रह्य हय, येकोलायी मय ओको न्याय चुकाऊं, कहीं असो नहीं होय कि बार-बार आय क
आखिर म मोरी नाक म दम करेंन!' "
6 प्रभु न कह्यो, "सुनो, यो अधर्मी न्यायधीश न का कह्यो? 7 येकोलायी का परमेश्वर अपनो
चुन्यो हुयो को न्याय नहीं चुकायेंन, जो रात–दिन ओकी मदत लायी पुकारतो रह्य हंय? का ऊ
उन्को मदत करन म देर करेंन? 8 मय तुम सी कहू हय, ऊ तुरतच उन्को न्याय चुकायेंन। तब भी
आदमी को बेटा जब आयेंन, त का ऊ धरती पर विश्वास पायेंन?"

[illegible]

9 यीशु न उन लोगों सी जो अपनो ऊपर भरोसा रखत होतो, कि हम सच्चो हंय, अऊर दूसरों ख
तुच्छ जानत होतो, यो दृष्टान्त कह्यो: 10 "दोय आदमी मन्दिर म प्रार्थना करन लायी गयो: एक
फरीसी होतो अऊर दूसरों कर लेनवालो।
11 "फरीसी खड़ो होय क अपनो मन म यो प्रार्थना करन लग्यो, 'हे परमेश्वर, मय तोरो धन्यवाद
करू हय कि मय दूसरों आदमी को जसो लोभी, अधर्मी, अऊर व्यभिचारी नहीं, अऊर नहीं यो कर
लेनवालो को जसो हय। 12 मय हप्ता म दोय बार उपवास रखू हय, मय अपनी सब कमायी को दसवा
अंश भी देऊ हय।'
13 "पर कर लेनवालो न दूर खड़ो होय क, स्वर्ग को तरफ आंखी उठावनो भी नहीं चाह्यो, बल्की
अपनी छाती पीट–पीट क कह्यो, 'हे परमेश्वर, मय पापी पर दया कर!' 14 ✡यीशु न कह्यो, मय
तुम सी कहू हय कि ऊ फरीसी नहीं, पर योच कर लेनवालो आदमी सच्चो ठहरायो गयो अऊर ऊ
अपनो घर गयो; कहालीकि जो कोयी अपनो आप ख बड़ो बनायेंन, ऊ नम्र करयो जायेंन; अऊर
जो अपनो आप ख नम्र बनायेंन, ऊ बड़ो करयो जायेंन।"

[illegible]
([illegible])

15 तब लोग अपनो बच्चां ख भी ओको जवर लान लग्यो कि ऊ उन्को पर हाथ रखेंन, पर चेलावों
न देख क उन्ख डाटचो। 16 यीशु न बच्चां ख जवर बुलाय क कह्यो, "बच्चां ख मोरो जवर आवन दे,

---

✡ **17:31** १७:३१ मत्ती २४:१७,१८; मरकुस १३:१५,१६ ✡ **17:33** १७:३३ मत्ती १०:३९; १६:२५; मरकुस ८:३५; लूका ९:२४; यूहन्ना १२:२५ * **17:36** १७:३६ पुरानो कुछ हस्त लेखा म यो पद नहीं मिलय ✡ **18:14** १८:१४ मत्ती २३:१२; लूका १४:११

अऊर उन्ख मना मत करो: कहालीकि परमेश्वर को राज्य असोच को हय। 17 मय तुम सी सच कहू
हय कि जो कोयी परमेश्वर को राज्य ख बच्चा को जसो स्वीकार नहीं करेंन ऊ ओको म कभी सिरनो
नहीं पायेंन।”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

18 कोयी यहूदी मुखिया न यीशु सी पुच्छयो, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन को अधिकारी होन
लायी मय का करू?”
19 यीशु न ओको सी कह्यो, “तय मोख अच्छो कहालीकि कह्य हय?” कोयी अच्छो नहाय, “केवल
एक, यानेकि परमेश्वर। 20 तय आज्ञावों ख त जानय हय: ‘व्यभिचार नहीं करनो; हत्या नहीं करनो;
अऊर चोरी नहीं करनो; कोयी की झूठी गवाही नहीं देनो; अपनो बाप अऊर अपनी माय को आदर
करनो।’ ”
21 यहूदी मुखिया न कह्यो, “मय त यो आज्ञावों ख जब सी मय समझन लग्यो तब सी मानतो
आयो हय।”
22 यो सुन क, यीशु न ओको सी कह्यो, “तोरो म अब भी एक बात ख करनो हय, अपनो सब कुछ
बिक क अपनो पैसा गरीबों म बाट दे, अऊर तोख स्वर्ग म धन मिलेंन; अऊर आय क मोरो पीछू
होय जा।” 23 पर यो सुन क, ऊ बहुत उदास भयो, कहालीकि ऊ बड़ो धनी होतो।
24 यीशु न ओख देख क कह्यो, “धनवानों को परमेश्वर को राज्य म सिरनो कितनो कठिन हय!
25 परमेश्वर को राज्य म धनवान को सिरनो इतनो कठिन हय कि सूई को नाक म सी ऊंट को निकल
जानो सहज हय।”
26 येको पर सुनन वालो न पुच्छयो, “त फिर कौन्को उद्धार होय सकय हय?”
27 यीशु न कह्यो, “जो आदमी ख असम्भव हय, ऊ परमेश्वर ख सम्भव हय।”
28 पतरस न कह्यो, “देख! हम त घर–दार छोड़ क तोरो पीछू भय गयो हंय।”
29 “हां,” यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय तुम सी सच कहू हय कि असो कोयी नहाय जेन परमेश्वर
को राज्य लायी घर या पत्नी या भाऊ या माय-बाप या बाल–बच्चां ख छोड़ दियो हय; 30 अऊर
यो समय म भी जादा, यां आवन वालो युग म अनन्त जीवन मिलेंन, असो कोयी नहीं रहेंन।”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

31 तब यीशु न बारा चेलावों ख अलग लिजाय क उन्को सी कह्यो, “सुनो! हम यरूशलेम ख जाय
रह्यो हंय, अऊर जितनी बाते आदमी को बेटा लायी भविष्यवक्तावों सी लिख्यो गयो हंय, हि सब
पूरी होयेंन। 32 कहालीकि ऊ गैरयहूदी को हाथ म सौंप्यो जायेंन, अऊर हि ओख ठट्ठो म उड़ायेंन,
अऊर ओको अपमान करेंन, अऊर ओको पर थूकेंन, 33 अऊर ओख कोड़ा मारेंन अऊर घात करेंन,
अऊर ऊ तीसरो दिन फिर सी जीन्दो होयेंन।”
34 पर चेलावों न इन बातों म सी कोयी बात नहीं समझी; अऊर या बात उन्को सी लूकी रही, कि
यीशु का कह्य रह्यो होतो उन्को समझ म नहीं आयो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

35 जब यीशु यरीहो नगर को जवर पहुंच्यो, त एक अन्धा आदमी सड़क को किनार बैठ्यो हुयो,
भीख मांग रह्यो होतो। 36 ऊ भीड़ की चलनो की आवाज सुन क पूछन लग्यो, “यो का होय रह्यो
हय?”
37 उन्न अन्धा ख बतायो, “यीशु नासरी जाय रह्यो हय।”
38 तब ओन पुकार क कह्यो, “हे यीशु, दाऊद की सन्तान, मोरो पर दया कर!”
39 जो आगु–आगु जाय रह्यो होतो, हि ओख डाटन लग्यो कि चुप रहो; पर ऊ अऊर भी जोर सी
चिल्लावन लग्यो, “हे दाऊद की सन्तान, मोरो पर दया कर!”

40 तब यीशु न रूक क आज्ञा दियो कि अन्धा आदमी ख मोरो जवर लावो, अऊर जब ऊ जवर
आयो त यीशु न ओको सी पुच्छ्यो, 41 “तय का चाहवय हय कि मय तोरो लायी करू?”
ओन कह्यो, “हे प्रभु, यो कि मय फिर सी देखन लगू।”
42 यीशु न ओको सी कह्यो, “देखन लग! तोरो विश्वास न तोख अच्छो कर दियो हय।”
43 तब ऊ तुरतच देखन लग्यो अऊर परमेश्वर की बड़ायी करतो हुयो ओको पीछू भय गयो;
अऊर सब लोगों न देख क परमेश्वर की स्तुति करी।

19

[illegible]

1 यीशु यरीहो नगर म सी जाय रह्यो होतो। 2 उत जक्कई नाम को एक आदमी होतो जो कर
लेनवालो को मुखिया होतो अऊर धनी होतो। 3 ऊ यीशु ख देखनो चाहत होतो कि ऊ कौन सो
आय। पर भीड़ को वजह देख नहीं सकत होतो, कहालीकि ऊ बुटरो होतो। 4 तब ओख देखन लायी
ऊ आगु दौड़ क एक उम्बर को झाड़ पर चढ़ गयो, कहालीकि यीशु उच रस्ता सी जान वालो होतो।
5 जब यीशु ऊ जागा म पहुंच्यो, त ऊपर नजर कर क् ओको सी कह्यो, “हे जक्कई, जल्दी उतर आव;
कहालीकि अज मोख तोरो घर म रहनो जरूरी हय।”
6 ऊ तुरतच उतर क खुशी सी यीशु को स्वागत करयो। 7 यो देख क सब लोग कुड़कुड़ाय क कहन
लग्यो, “ऊ त एक पापी आदमी को इत उतरयो हय।”
8 जक्कई न खड़ो होय क प्रभु सी कह्यो, “हे प्रभु, देख, मय अपनी अरधी जायजाद गरीबों ख
देऊ हय, अऊर यदि कोयी को कुछ भी अन्याय कर क् ले लियो हय त ओख चौगुना वापस कर देऊ
हय।”
9 तब यीशु न ओको सी कह्यो, “अज यो घर म उद्धार आयो हय, येकोलायी कि यो भी अब्राहम
की सन्तान आय। 10 ✡कहालीकि आदमी को बेटा खोयो हुयो ख ढूंढन अऊर उन्को उद्धार करन
आयो हय।”

[illegible]
([illegible])

11 जब हि या बात सुन रह्यो होतो, त यीशु न एक दृष्टान्त कह्यो, येकोलायी कि ऊ यरूशलेम
को जवर होतो, अऊर हि समझत होतो कि परमेश्वर को राज्य अभी प्रगट होन वालो हय।
12 येकोलायी ओन कह्यो, “एक ऊचो पद वालो आदमी दूर देश ख गयो ताकि राजपद पा क लौट
आयो। 13 ओन अपनो सेवकों म सी दस ख बुलाय क उन्ख दस सोना को सिक्का दियो अऊर ओन
कह्यो, ‘मोरो लौट क आनो तक लेन–देन करजो।’ 14 पर ओको रहन वालो ओको सी जलन रखत
होतो, अऊर ओको पीछू दूतों सी कहन भेज्यो, ‘हम नहीं चाहवय कि यो हम पर राज्य करे।’
15 “जब ऊ राजपद पा क लौटचो, त असो भयो कि ओन अपनो सेवकों ख जेक रकम दियो होतो,
अपनो जवर बुलवायो जेकोसी मालूम करे कि उन्न लेन–देन सी का–का कमायो। 16 तब पहिलो
न आय क कह्यो, ‘हे मालिक, तोरो सिक्का सी दस अऊर सिक्का कमायो हंय।’ 17 ओन ओको सी
कह्यो, ‘शाबाश, हे अच्छो सेवक! तय बहुतच थोड़ो म विश्वास को लायक निकल्यो अब दस शहर
पर अधिकार रख।’ 18 दूसरों सेवक न आय क कह्यो, ‘हे मालिक, तोरो एक सिक्का सी पाच अऊर
सिक्का कमायो हंय।’ 19 ओन ओको सी भी कह्यो, ‘तय भी पाच शहर पर अधिकारी होय जा।’
20 “तीसरो न आय क कह्यो, ‘हे मालिक, देख तोरो सिक्का यो आय; जेक मय न गमछा म लूकाय
क रख्यो होतो। 21 कहालीकि मय तोरो सी डरत होतो, येकोलायी कि तय कठोर मालिक हय; जो
तय न नहीं रख्यो ओख उठाय लेवय हय, अऊर जो तय न नहीं बोयो, ओख काटय हय।’ 22 ओन
ओको सी कह्यो, ‘हे दुष्ट सेवक! मय तोरोच मुंह सी तोख दोषी ठहराऊ हय! तय मोख जानत होतो
कि मय कठोर हय, जो मय न नहीं रख्यो ओख उठाय लेऊ हय, अऊर जो मय न नहीं बोयो ओख

✡ **19:10** १९:१० मत्ती १८:११

काटू हय। 23 त तय न मोरो धन ब्याज पर कहालीकि नहीं रख दियो कि मय आय क ब्याज समेत ले
लेतो?'
24 "अऊर जो लोग जवर खड़ो होतो, ओन उन्को सी कह्यो, 'ऊ सिक्का ओको सी ले लेवो, अऊर
जेको जवर दस सिक्का हंय ओख दे।' 25 उन्न ओको सी कह्यो, 'हे मालिक, ओको जवर पहिलो सीच
दस सिक्का त हंय!' 26 ✡'मय तुम सी कहू हय कि जेको जवर हय, ओख दियो जायेंन; अऊर जेको
जवर नहाय, ओको सी ऊ भी जो ओको जवर हय ले लियो जायेंन। 27 ✡पर मोरो ऊ दुश्मनों ख जो
नहीं चाहवय कि मय उन्को पर राज्य करू, उन्ख इत लाय क मोरो आगु मार डालो।' "

[illegible]
([illegible])

28 या बात कह्य क यीशु यरूशलेम को तरफ उन्को आगु आगु चल्यो। 29 जब ऊ जैतून नाम को
पहाड़ी पर बैतफगे अऊर बैतनिय्याह को जवर पहुंच्यो, त ओन अपनो चेलावों म सी दोय ख यो
कह्य क भेज्यो, 30 "आगु को गांव म जावो; अऊर उत पहुंचतोच एक गधी को बछड़ा जेको पर कभी
कोयी सवार नहीं भयो, बन्ध्यो हुयो तुम्ख मिलेंन, ओख खोल क लावो। 31 यदि कोयी तुम सी पुछेंन
कि कहालीकि खोलय हय, त यो कह्य देजो कि प्रभु ख येकी जरूरत हय।"
32 जो भेज्यो गयो होतो, उन्न जाय क जसो ओन उन्को सी कह्यो होतो, वसोच पायो। 33 जब
हि गधा को बछड़ा खोल रह्यो होतो, त गधा को मालिक न उन्को सी पुच्छ्यो, "यो बछड़ा ख
कहालीकि खोलय हय?"
34 उन्न कह्यो, "प्रभु ख येकी जरूरत हय।" 35 हि ओख यीशु को जवर लायो, अऊर अपनो
कपड़ा ऊ बछड़ा पर डाल क यीशु ख ओको पर बैठाय दियो। 36 जब ऊ जाय रह्यो होतो, त हि
अपनो कपड़ा रस्ता म बिछावत जात होतो।
37 यरूशलेम को जवर आतो हुयो जब ऊ जैतून पहाड़ी की ढलान पर पहुंच्यो, त चेलावों की
पूरी भीड़ उन सब सामर्थ को कामों को वजह जो उन्न देख्यो होतो, खुशी होय क बड़ो आवाज सी
परमेश्वर की महिमा करन लगी: 38 "धन्य हय ऊ राजा, जो प्रभु को नाम सी आवय हय! स्वर्ग म
शान्ति अऊर आसमान म परमेश्वर की महिमा हो!"
39 तब भीड़ म सी कुछ फरीसी ओको सी कहन लग्यो, "हे गुरु, अपनो चेलावों ख आज्ञा दे क
चुप कराव!"
40 यीशु न उत्तर दियो, "मय तुम सी कहू हय यदि इन चुप रह्यो त गोटा चिल्लाय उठेंन।"

[illegible]

41 जब ऊ जवर आयो त नगर ख देख क ओको पर रोयो 42 अऊर कह्यो, "यदि अज को दिन
तय, हां, तयच, उन बातों ख जानतो जो शान्ति की हंय, पर अब हि तोरी आंखी सी लूक गयी हंय।
43 कहालीकि ऊ दिन तोरो पर आयेंन कि तोरो दुश्मन मोर्चा बान्ध क तोख घेर लेयेंन, अऊर चारयी
तरफ सी तोख दबायेंन। 44 अऊर तोख अऊर तोरो बच्चां ख जो तोरो म हंय, माटी म मिलायेंन,
अऊर तोरो म गोटा पर गोटा भी नहीं छोड़ेंन; कहालीकि तय न ऊ अवसर ख जेको म परमेश्वर
तुम्ख बचावन तोरो पर दया की नजर करी गयी होती नहीं पहिचान्यो।"

[illegible]
([illegible])

45 तब यीशु मन्दिर म जाय क व्यापारियों ख बाहेर निकालन लग्यो, 46 अऊर उन्को सी कह्यो,
"शास्त्र म लिख्यो हय, कि 'मोरो घर प्रार्थना को मन्दिर होयेंन,' पर तुम न ओख डाकुवों को अड्डा
बनाय दियो हय।"
47 ✡यीशु हर दिन मन्दिर म शिक्षा देत होतो; अऊर मुख्य याजक अऊर धर्मशास्त्री अऊर लोगों
को मुखिया ओख मारन को अवसर ढूंढत होतो। 48 पर कोयी उपाय नहीं निकाल सक्यो कि यो कसो
तरह करे, कहालीकि सब लोग मन लगाय क ओको सी सुनत होतो।

✡ **19:26** १९:२६ मत्ती १३:१२; मरकुस ४:२५; लूका ८:१८ ✡ **19:27** १९:२७ मत्ती २५:१४-३० ✡ **19:47** १९:४७ लूका २१:३७

20

[illegible]
([illegible])

1 एक दिन असो भयो कि जब यीशु मन्दिर म लोगों ख उपदेश दे रह्यो होतो अऊर सुसमाचार
सुनाय रह्यो होतो, त मुख्य याजक अऊर धर्मशास्त्री, बुजूर्गों को संग जवर आय क खड़ो भयो;
2 अऊर कहन लग्यो, "हम्ख बताव, तय इन कामों ख कौन्सो अधिकार सी करय हय, अऊर ऊ कौन
हय? जेन तोख अधिकार दियो हय?"
3 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "मय भी तुम सी एक प्रश्न पूछू हय; मोख बताव। 4 यूहन्ना को
बपतिस्मा करन को अधिकार स्वर्ग सी होतो या आदमियों को तरफ सी होतो?"
5 तब हि आपस म चर्चा करन लग्यो, "यदि हम कहबोंन, 'स्वर्ग को तरफ सी,' त ऊ कहेंन, 'तब तुम
न ओको विश्वास कहाली नहीं करयो?' 6 अऊर यदि हम कहबोंन, 'आदमियों को तरफ सी,' त सब
लोग हमरो पर गोटा मारेंन, कहालीकि हि मानय हंय कि यूहन्ना भविष्यवक्ता होतो।" 7 येकोलायी
उन्न उत्तर दियो, "हम नहीं जानय कि ऊ कौन्को तरफ सी होतो।"
8 यीशु न उन्को सी कह्यो, "त मय भी तुम्ख नहीं बताऊ कि मय यो काम कौन्सो अधिकार सी
करू हय।"

[illegible]
([illegible])

9 तब यीशु लोगों सी यो दृष्टान्त कहन लग्यो: "कोयी आदमी न अंगूर की बाड़ी लगायी, अऊर
ओको ठेका दे दियो अऊर बहुत दिनो लायी परदेश चली गयो। 10 जब अंगूर को पकन को समय
आयो त मालिक न किसानों को जवर एक सेवक ख भेज्यो कि ऊ अंगूर की बाड़ी को फरो को भाग
ओख दे, पर किसानों न ओख पीट क खाली हाथ लौटाय दियो। 11 तब ओन एक अऊर सेवक ख
भेज्यो; अऊर उन्न ओख भी पीट क अऊर ओको अपमान कर क् खाली हाथ लौटाय दियो। 12 तब
ओन तीसरो सेवक ख भेज्यो; अऊर उन्न ओख भी घायल कर क् फेक दियो। 13 तब अंगूर की बाड़ी
को मालिक न कह्यो, 'मय का करू? मय अपनो प्रिय बेटा ख भेजूं; होय सकय हय हि ओको
निश्चितच सम्मान करेंन!' 14 जब किसानों न ओख देख्यो त आपस म बिचार करन लग्यो, 'यो त
वारिस आय; आवो, हम येख मार डाल्बो कि जायजाद हमरी होय जायेंन।' 15 अऊर उन्न ओख
अंगूर की बाड़ी सी बाहेर निकाल क मार डाल्यो।
"येकोलायी अंगूर की बाड़ी को मालिक उन्को संग का करेंन? 16 ऊ आय क उन किसानों ख नाश
करेंन, अऊर अंगूर की बाड़ी दूसरों ख सौंपेंन।"
यो सुन क उन्न कह्यो "परमेश्वर करे असो नहीं हो।"
17 यीशु न उन्को तरफ देख क कह्यो, "त फिर यो का लिख्यो हय?"
"यो गोटा ख राजमिस्त्रियों न नकार दियो होतो,
उच गोटा कोना को सिरा मतलब महत्वपूर्ण भय गयो।"
18 "जो कोयी यो गोटा पर गिरेंन ऊ तुकड़ा-तुकड़ा होय जायेंन, पर जो कोयी पर ऊ गोटा गिरेंन,
ओख पीस डालेंन।"

[illegible]
([illegible])

19 उच समय धर्मशास्त्रियों अऊर मुख्य याजकों न यीशु को पकड़नो चाह्यो, कहालीकि हि
समझ गयो होतो कि ओन हमरो पर यो दृष्टान्त कह्यो; पर हि लोगों सी डरत होतो। 20 अऊर हि
यीशु कि ताक म रह्यो अऊर असो भेद लेनवालो ख भेज्यो कि सच्चो होन को ढोंग धर क ओकी
सवालों म फसाय सकेंन, ताकि ओख रोमन शासक को हाथ अऊर अधिकार म सौंप दे। 21 सवालों
म फसावन वालो न यीशु सी यो पुच्छ्यो, "हे गुरु, हम जानय हंय कि तय ठीक कह्य अऊर सिखावय
भी हय, अऊर कोयी को पक्ष–पात नहीं करय, बल्की परमेश्वर को रस्ता सच्चायी सी बतावय हय।
22 का हम्ख रोम को अधिकारी कैसर ख कर देनो उचित हय यां नहाय?"

23 यीशु न उन्की चतुरायी ख जान क उन्को सी कह्यो, 24 “एक चांदी को सिक्का मोख दिखाव।
येको पर कौन्को चेहरा अऊर नाम हय?”
उन्न कह्यो, “रोम को राजा को।”
25 यीशु न उन्को सी कह्यो, “त जो रोमी राजा को हय, ऊ रोमी राजा ख दे; अऊर जो परमेश्वर
को हय, ऊ परमेश्वर ख दे।”
26 हि लोगों को आगु या बात म ओख पकड़ नहीं सक्यो, बल्की ओको उत्तर सी अचम्भा होय क
चुप रह्य गयो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

27 ✡फिर सदूकी जो कह्य हंय कि मरयो हुयो को फिर सी जीन्दो होनो हयच नहाय, उन्म सी कुछ
न यीशु को जवर आय क पुच्छ्यो, 28 “हे गुरु, मूसा न हमरो लायी असी व्यवस्था म यो लिख्यो हय:
‘यदि कोयी को भाऊ अपनी पत्नी को रहतो हुयो बिना सन्तान को मर जायेंन, त ओको भाऊ वा
विधवा सी बिहाव कर ले, अऊर अपनो भाऊ लायी सन्तान पैदा करे।’ 29 सात भाऊ होतो, पहिलो
भाऊ बिहाव कर क् बिना सन्तान को मर गयो। 30 तब दूसरों, न बिहाव करयो, 31 अऊर तीसरो न
भी वा बाई सी बिहाव कर लियो। यो तरह सी सातों बिना सन्तान को मर गयो। 32 आखरी म वा
बाई भी मर गयी। 33 येकोलायी फिर जीन्दो होन पर वा उन्म सी कौन्की पत्नी होयेंन? कहालीकि
वा सातों भाऊ न ओको संग बिहाव कर लियो होतो।”
34 यीशु न उन्को सी कह्यो, “यो युग को लोगों म त बिहाव होवय हय, 35 पर जो लोग ऊ युग
म सिरनो अऊर मरयो हुयो म सी जीन्दो होन को लायक हुयो हंय, नहीं त बिहाव करेंन अऊर नहीं
करवायेंन। 36 हि तब मरन को भी नहीं; कहालीकि हि स्वर्गदूतों को जसो होयेंन, अऊर मरयो हुयो म
सी जीन्दो उठन को वजह सी परमेश्वर की भी सन्तान होयेंन। 37 पर या बात ख कि मरयो हुयो फिर
सी जीन्दो होवय हंय, मूसा न भी जरती झाड़ी की कथा म प्रगट करी हय कि ऊ प्रभु ख ‘अब्राहम
को परमेश्वर, अऊर इसहाक को परमेश्वर अऊर याकूब को परमेश्वर’ कह्य हय। 38 परमेश्वर त मुर्दो
को नहीं पर जीन्दो को परमेश्वर हय: कहालीकि ओको जवर सब जीन्दो हंय।”
39 तब यो सुन क धर्मशास्त्रियों म सी कुछ न यो कह्यो, “हे गुरु, तय न ठीक कह्यो।” 40 अऊर
उन्ख तब ओको सी कुछ अऊर पूछन की हिम्मत नहीं भयी।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

41 यीशु न उन्को सी पुच्छ्यो, “मसीह ख दाऊद को सन्तान कसो कह्य हंय? 42 दाऊद खुदच
भजन संहिता की किताब म कह्य हय, ‘प्रभु न मोरो प्रभु सी कह्यो: मोरो दायो तरफ बैठ, 43 जब
तक कि मय तोरो दुश्मनों ख तोरो पाय को खल्लो की चौकी नहीं कर देऊं।’ 44 दाऊद त ओख ‘प्रभु’
कह्य हय, त तब ऊ ओकी सन्तान कसो भयो?”

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

45 जब सब लोग सुन रह्यो होतो, त यीशु न अपनो चेलावों सी कह्यो, 46 “धर्मशास्त्रियों सी
चौकस रह, जेक लम्बो चोंगा वालो कपड़ा पहिन क घुमनो अच्छो लगय हय, अऊर जिन्ख बजारों
म आदर सत्कार, अऊर आराधनालयों म मुख्य आसन अऊर भोज म मुख्य जागा अच्छो लगय
हंय। 47 हि विधवावों को फायदा उठावय हय, अऊर उनकी जायजाद हड़प लेवय हय, अऊर दिखान
लायी बड़ो देर तक प्रार्थना करय हंय: इन बहुतच सजा पायेंन।”

✡ **20:27** २०:२७ प्रेरितों २३:८

21

[illegible]
([illegible])

1 यीशु न चारयी तरफ आंखी उठाय क धनवानों ख मन्दिर को भण्डार म अपनो दान डालतो
देख्यो। 2 ओन एक गरीब विधवा ख भी ओको म तांबा को दोय सिक्का डालतो देख्यो। 3 तब ओन
कह्यो, “मय तुम सी सच कहू हय कि या गरीब विधवा न सब सी बढ़ क डाल्यो हय। 4 कहालीकि
उन सब न अपनी अपनी बढ़ती म सी दान म कुछ डाल्यो हय, पर येन अपनी कमी म सी अपनी
पूरी जीविका डाल दियो हय।”

[illegible]
([illegible])

5 जब चेला म सी कुछ लोग मन्दिर को बारे म कह्य रह्यो होतो, कि ऊ कसो सुन्दर गोटावों सी
अऊर भेंट की चिजों सी सजायो गयो हय। त यीशु न कह्यो, 6 “ऊ दिन आयेंन, जिन्म यो सब जो
तुम देखय हय, उन्म सी इत एक भी गोटा पर गोटा भी नहीं रहेंन जो गिरायो नहीं जायेंन।”

[illegible]
([illegible])

7 उन्न यीशु सी पुच्छ्यो, “हे गुरु, यो सब कब होयेंन? अऊर या बाते जब पूरी होन पर होयेंन,
त ऊ समय को का चिन्ह होयेंन?”
8 यीशु न कह्यो, “चौकस रह कि भरमायो नहीं जावो, कहालीकि बहुत सी मोरो नाम सी आय क
कहेंन, ‘मय उच आय!’ अऊर यो भी कि, ‘समय जवर आय गयो हय।’ तुम उन्को पीछू नहीं चली
जावो। 9 जब तुम लड़ाईयों अऊर लड़ाईयों की चर्चा सुनो त घबराय नहीं जावो, कहालीकि इन्को
पहिलो होनो जरूरी हय; पर ऊ समय तुरतच अन्त नहीं होयेंन।”
10 तब ओन उन्को सी कह्यो, “राष्ट्र पर राष्ट्र अऊर राज्य पर राज्य चढ़ायी करेंन, 11 अऊर
कुछ जागा भूईडोल होयेंन, अऊर जागा–जागा अकाल अऊर महामारियां पड़ेंन, अऊर आसमान
सी भयंकर घटना अऊर बड़ो–बड़ो चिन्ह प्रगट होयेंन। 12 पर इन सब बातों सी पहिले हि मोरो नाम
को वजह तुम्ख पकड़ेंन, अऊर सतायेंन, अऊर सभावों म सौंपेंन, अऊर जेलखाना म डलवायेंन,
अऊर राजावों अऊर शासकों को आगु लिजायेंन। 13 पर यो तुम्हरो लायी सुसमाचार की गवाही देन
को अवसर होय जायेंन। 14 ✡येकोलायी अपनो अपनो मन म ठान लेवो कि हम पहिलो सी अपनो
आप ख बचायो जान कि चिन्ता नहीं करबोंन, 15 कहालीकि मय तुम्ख असो बोल अऊर बुद्धि देऊ
कि तुम्हरो कोयी भी दुश्मन सामना या खण्डन नहीं कर सकेंन। 16 तुम्हरो माय-बाप, अऊर भाऊ,
अऊर रिश्तेदार, अऊर संगी भी तुम्ख पकड़वायेंन; यो तक कि तुम म सी कुछ ख मरवाय डालेंन।
17 मोरो वजह सब लोग तुम सी दुश्मनी करेंन। 18 पर तुम्हरो मुंड को एक बाल भी नहीं निकाल
सकेंन। 19 अपनो धीरज सी तुम अपनो जीव ख बचायो रखेंन।

[illegible]
([illegible])

20 “जब तुम यरूशलेम ख सेनावों सी घिरयो हुयो देखो, त जान लेजो कि ओको नाश होनो जवर
हय। 21 तब जो यहूदिया म हय हि पहाड़ी पर भग जाव; अऊर जो यरूशलेम को अन्दर हय बाहेर
निकल जाये; अऊर जो गांव म हय हि शहर को अन्दर नहीं जाये। 22 कहालीकि यो बदला लेन को
असो दिन होयेंन, वचन म लिख्यो गयी सब बात पूरी होय जायेंन। 23 उन दिनो म जो गर्भवती अऊर
दूध पिलाती होयेंन, उन्को लायी हाय, हाय! कहालीकि देश म बड़ो कठिनायी अऊर इन लोगों पर
बड़ो सजा होयेंन। 24 हि तलवार सी मार दियो जायेंन, अऊर सब देशों म बन्दी बनाय क पहुंचायो
जायेंन; अऊर जब तक गैरयहूदियों को समय पूरो नहीं होय, तब तक यरूशलेम गैरयहूदियों को
पाय सी कुचल्यो जायेंन।

✡ **21:14** २१:१४ लूका १२:११,१२

[illegible]
([illegible])

25 ✡“सूरज, अऊर चन्दा, अऊर तारों म चिन्ह दिखायी देयेंन; अऊर धरती पर देश–देश को लोगों
ख संकट होयेंन, कहालीकि हि समुन्दर को गरजनो अऊर लहरो की भयानक आवाज सी घबराय
जायेंन। 26 डर को वजह अऊर जगत पर आवन वाली घटना की रस्ता देखत–देखत लोगों को जीव
म जीव नहीं रहेंन, कहालीकि आसमान की शक्तियां हिलायी जायेंन। 27 ✡तब हि आदमी को बेटा
ख बड़ी सामर्थ अऊर महिमा को संग बादर पर आवतो देखेंन। 28 जब या बाते होन लगी, त खड़ो
होय क अपनी मुंड ऊपर उठायजो; कहालीकि तुम्हरो छुटकारा जवर होयेंन।”

[illegible]
([illegible])

29 यीशु न उन्को सी एक दृष्टान्त भी कह्यो: “अंजीर को झाड़ अऊर सब झाड़ों ख देखो। 30 जसोच
उन्म सी नयी पोख निकलय हंय, त तुम देख क खुदच जान लेवय हय कि गरमी को मौसम जवर
हय। 31 योच तरह सी जब तुम या बाते होतो देखो, तब जान लेवो कि परमेश्वर को राज्य जवर हय।
32 “मय तुम सी सच कहू हय कि जब तक यो सब बाते नहीं होय जाये, तब तक यो पीढ़ी को अन्त
नहीं होयेंन। 33 आसमान अऊर धरती टल जायेंन, पर मोरी बाते कभी नहीं टलेंन।

[illegible]
([illegible])

34 “येकोलायी चौकस रहो, असो नहीं होय कि तुम्हरो दिल दुराचार, अऊर दारूबाजी, अऊर
यो जीवन की चिन्ता सी दब जाये अऊर ऊ दिन तुम पर फन्दा को जसो अचानक आय पड़ेंन।
35 कहालीकि वा पूरी धरती को सब रहन वालो पर योच तरह सी आय पड़ेंन। 36 येकोलायी जागतो
रहो अऊर हर समय प्रार्थना करतो रहो कि तुम इन सब आवन वाली घटना सी बचनो अऊर
आदमी को बेटा को आगु खड़ो होन को लायक बनो।”
37 ✡यीशु मन्दिर म हर दिन सिखावत होतो, अऊर रात ख बाहेर जाय क जैतून नाम को पहाड़ी
पर रात बितावत होतो; 38 अऊर हर दिन भुन्सारो ख बहुत जल्दी सब लोग ओकी सुनन लायी
मन्दिर म ओको जवर आवत होतो।

22

[illegible]
([illegible])

1 अखमीरी रोटी को त्यौहार जो फसह कहलावय हय, जवर होतो; 2 अऊर मुख्य याजक अऊर
धर्मशास्त्री यो बात की खोज म होतो कि यीशु को कसो मार डाल्बो, पर हि लोगों सी डरत होतो।

[illegible]
([illegible])

3 तब शैतान यहूदा म समायो, जो इस्करियोती कहलावय होतो अऊर बारा चेलावों म गिन्यो
जात होतो। 4 यहूदा न जाय क मुख्य याजकों अऊर मन्दिर को पहरेदारों को मुखिया को संग बातचीत
करी कि ओख कसो तरह सी उन्को हाथ पकड़वाबो। 5 हि खुश भयो, अऊर ओख रुपये देन लायी
राजी भय गयो। 6 ओन मान लियो, अऊर मौका ढूंढन लग्यो कि जब भीड़ नहीं होय त यीशु ख
उन्को हाथ पकड़वाय दे।

[illegible]
([illegible])

✡ **21:25** २१:२५ प्रकाशितवाक्य ६:१२,१३ ✡ **21:27** २१:२७ प्रकाशितवाक्य १:७ ✡ **21:37** २१:३७ लूका १९:४७

7 तब अखमीरी रोटी को त्यौहार को दिन आयो, जेको म फसह को *मेम्ना बलि करनो जरूरी
होतो। 8 यीशु न पतरस अऊर यूहन्ना ख यो कह्य क भेज्यो: "जाय क हमरो खान लायी फसह को
भोज की तैयार करो।"
9 उन्न ओको सी पुच्छचो, "तय कित चाहवय हय कि हम येख तैयार करबोंन?"
10 ओन ओको सी कह्यो, "देखो, नगर म सिरतोच एक आदमी पानी को घड़ा उठायो हुयो तुम्ख
मिलेंन; जो घर म ऊ जायेंन तुम ओको पीछू चली जाजो, 11 अऊर ऊ घर को मालिक सी कहजो:
'गुरु तोरो सी कहू हय कि ऊ पहुंनायी की जागा कित हय जेको म मय अपनो चेलावों को संग फसह
को भोज खाऊ?' 12 ऊ तुम्ख एक सजी–सजायी बड़ो ऊपर को कमरा दिखायी देयेंन; उतच तैयार
करजो।"
13 उन्न जाय क जसो यीशु न उन्को सी कह्यो होतो, वसोच पायो अऊर फसह को भोज तैयार
करयो।

[illegible]–[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

14 जब समय आय पहुंच्यो, त ऊ प्रेरितों को संग जेवन करन बैठचो। 15 अऊर ओन उन्को सी
कह्यो, "मोख बड़ी इच्छा होती कि दु:ख भोगन सी पहिले यो फसह को भोज तुम्हरो संग खाऊ।
16 कहालीकि मय तुम सी कहू हय कि जब तक ऊ परमेश्वर को राज्य म पूरो नहीं होय तब तक मय
ओख कभी नहीं खाऊं।"
17 तब यीशु न कटोरा लेय क धन्यवाद करयो अऊर कह्यो, "येख लेवो अऊर आपस म बाट
लेवो। 18 कहालीकि मय तुम सी कहू हय कि जब तक परमेश्वर को राज्य नहीं आवय तब तक मय
अंगूररस अब सी कभी नहीं पीऊं।"
19 तब ओन रोटी लियो, अऊर धन्यवाद कर क् तोड़ी, अऊर उन्ख यो कह्य क दियो, "यो मोरो
शरीर हय जो तुम्हरो लायी दियो जावय हय: मोरी याद म असोच करतो रह।" 20 योच रीति सी
ओन जेवन को बाद कटोरा भी यो कह्य क दियो, "यो कटोरा मोरो ऊ खून म नयी वाचा हय जो
तुम्हरो लायी बहायो जावय हय।
21 "पर देखो! मोरो पकड़ावन वालो को हाथ मोरो संग मेज पर हय। 22 कहालीकि आदमी को बेटा
त जसो ओको लायी ठहरायो गयो, वसोच मरेंन भी पर हाय ऊ आदमी पर जेकोसी ऊ पकड़वायो
जावय हय!"
23 तब हि आपस म पूछताछ करन लग्यो कि हम म सी कौन हय, जो यो काम करेंन।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?

24 ✡उन्म यो वाद–विवाद भी भयो कि उन म सी कौन बड़ो समझ्यो जावय हय। 25 यीशु न उन्को
सी कह्यो, "गैरयहूदी को राजा उन पर प्रभुता करय हंय; अऊर जो उन पर अधिकार रखय हंय,
उन्ख हि परोपकारी असो कह्य हंय। 26 ✡पर तुम असो नहीं होनो चाहिये; बल्की जो तुम म बड़ो
हय, ऊ छोटो को जसो अऊर जो मुख्य हय, ऊ सेवक को जसो बने। 27 ✡कहालीकि बड़ो कौन हय,
ऊ जो जेवन करन बैठचो हय, यां जो जेवन परोसय हय? का ऊ नहीं जो जेवन करन बैठचो हय?
पर मय तुम्हरो बीच म सेवक को जसो हय।
28 "तुम ऊ हय, जो मोरी परीक्षावों म लगातार मोरो संग रह्यो; 29 अऊर जसो मोरो बाप न मोरो
लायी राज्य पर अधिकार दियो हय, वसोच मय भी तुम्हरो लायी अधिकार देऊ, 30 ✡ताकि तुम मोरो
राज्य म मोरी मेज पर खावो–पीवो, बल्की सिंहासनों पर बैठ क इस्राएल को बारा पीढ़ी को न्याय
करो।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

---

* **22:7** २२:७ मेंढीं को बच्चा ✡ **22:24** २२:२४ मत्ती १८:१; मरकुस ९:३४; लूका ९:४६ ✡ **22:26** २२:२६ मत्ती २३:११; २०:२५-२७; मरकुस ९:३५; १०:४२-४४ ✡ **22:27** २२:२७ यूहन्ना १३:१२-१५ ✡ **22:30** २२:३० मत्ती १९:२८

31 “शिमोन, हे शिमोन! सुनो, शैतान न तुम सब लोगों ख परखन लायी मांग्यो हय कि बुरो म
सी अच्छो अलग करय जसो किसान गहूं म सी भूसा अलग करय हय, 32 पर मय न तोरो लायी
प्रार्थना करी कि तोरो विश्वास कमजोर नहीं होय; अऊर जब तय वापस फिरजो, त अपनो भाऊ
ख हिम्मत देजो।”
33 पतरस न ओको सी कह्यो, “हे प्रभु, मय तोरो संग जेलखाना जान लायी, अऊर मरन लायी
भी तैयार हय।”
34 यीशु न कह्यो, “हे पतरस, मय तोरो सी कहू हय कि अज रात मुर्गा बाग नहीं देयेंन जब तक
कि तय तीन बार मोरो इन्कार नहीं कर लेजो कि तय मोख नहीं जानय।”

[illegible], [illegible], [illegible]

35 ✡तब यीशु न चेलावों सी कह्यो, “जब मय न तुम्ख बटवा, झोली, अऊर जूता को बिना भेज्यो
होतो, त का तुम्ख कोयी चिज की कमी भयी होती?”
उन्न कह्यो, “कोयी चिज की नहीं।”
36 यीशु न उन्को सी कह्यो, “पर अब जेको जवर बटवा हय ऊ ओख लेवो अऊर वसोच झोली
भी, अऊर जेको जवर तलवार नहीं हय ऊ अपनो कपड़ा बिक क एक लेय लेवो। 37 कहालीकि मय
तुम सी कहू हय, कि यो जो शास्त्र म लिख्यो हय: ‘ऊ अपराधियों को संग गिन्यो गयो,’ ओको
मोरो म पूरो होनो जरूरी हय; कहालीकि मोरो बारे म लिख्यो बाते पूरी होन पर हंय।”
38 चेलावों न कह्यो, “हे प्रभु! इत दोय तलवारे हंय।” ओन उन्को सी कह्यो, “बहुत हंय।”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

39 तब ऊ बाहेर निकल क अपनी रीति को अनुसार जैतून को पहाड़ी पर गयो, अऊर चेलावों
ओको पीछू भय गयो। 40 ऊ जागा पहुंच क ओन उन्को सी कह्यो, “प्रार्थना करो कि तुम परीक्षा म
नहीं पड़ो।”
41 अऊर ऊ उन्को सी अलग लगभग गोटा फेकन की दूरी भर गयो, अऊर घुटना टेक क प्रार्थना
करन लग्यो, 42 “हे मोरो बाप, यदि तय चाहवय त यो दुःख सी भरयो कटोरा ख मोरो जवर सी हटाय
ले, तब भी मोरी नहीं पर तोरीच इच्छा पूरी होय।” 43 तब स्वर्ग सी एक दूत ओख दिखायी दियो जो
ओख सामर्थ देत होतो। 44 ऊ व्याकुल होय क अऊर भी जादा प्रार्थना करन लग्यो; अऊर ओको
पसीना खून की बड़ी बड़ी थेम्ब को जसो जमीन पर गिर रह्यो होतो।
45 तब ऊ प्रार्थना सी उठचो अऊर अपनो चेलावों को जवर आय क उन्ख उदास को मारे म
सोतो पायो। 46 अऊर उन्को सी कह्यो, “कहालीकि सोवय हय? उठो, प्रार्थना करो कि परीक्षा म
मत पड़ो।”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

47 यीशु यो कह्यच रह्यो होतो कि एक भीड़ आयी, अऊर उन बारा म सी एक जेको नाम यहूदा
होतो उन्को आगु–आगु आय रह्यो होतो। ऊ यीशु को जवर आयो कि ओको चुम्मा ले। 48 यीशु न
ओको सी कह्यो, “हे यहूदा, का तय चुम्मा ले क आदमी को बेटा ख पकड़ावय हय?”
49 ओको चेलावों न जो संग होतो जब देख्यो कि का होन वालो हय, त कह्यो, “हे प्रभु, का हम
तलवार चलायबो?” 50 अऊर उन्म सी एक न महायाजक को सेवक पर तलवार चलाय क ओको
दायो कान उड़ाय दियो।
51 येको पर यीशु न कह्यो, “अब बस करो।” अऊर ओको कान छूय क ओख ठीक कर दियो।
52 तब यीशु न मुख्य याजकों अऊर मन्दिर को पहरेदारों को मुखिया अऊर बुजूर्गों सी, जो ओको
पर चढ़ आयो होतो, कह्यो, “का तुम मोख विद्रोही जान क तलवारे अऊर लाठियां धर क निकल्यो

✡ **22:35** २२:३५ मत्ती १०:९,१०; मरकुस ६:८,९; लूका ९:३; १०:४

हय? 53 ✡जब मय मन्दिर म हर दिन तुम्हरो संग होतो, त तुम न मोख पकड़न लायी कोशिश नहीं
करयो; पर यो तुम्हरो समय हय, अऊर अन्धारो को अधिकार हय।"

[illegible]
[illegible]

54 तब हि ओख पकड़ क ले गयो, अऊर महायाजक को घर म लायो। पतरस दूरच दूर ओको
पीछू–पीछू चलत होतो; 55 अऊर जब हि आंगन म आगी जलाय क एक संग बैठ्यो, त पतरस भी
उन्को बीच म बैठ गयो। 56 तब एक दासी ओख आगी को प्रकाश म बैठ्यो देख क अऊर ओको
तरफ जवर सी देख क कहन लग्यो, "यो भी त यीशु को संग होतो।"
57 पर पतरस न यो कह्य क इन्कार करयो, "हे नारी, मय ओख नहीं जानु हय।"
58 थोड़ी देर बाद कोयी अऊर न ओख देख क कह्यो, "तय भी त उन्म सी एक आय।"
पतरस न कह्यो, "हे आदमी, मय नहीं आय।"
59 लगभग एक घंटा बीत जान को बाद एक आदमी जोर दे क कहन लग्यो, "निश्चय यो भी त
ओको संग होतो कहालीकि यो भी गलीली हय।"
60 पतरस न कह्यो, "हे आदमी, मय नहीं जानु कि तय का कह्य हय!"
ऊ कह्यच रह्यो होतो कि तुरतच मुर्गा न बाग दियो। 61 तब प्रभु न मुड़ क पतरस को तरफ देख्यो,
अऊर पतरस ख प्रभु की ऊ बात याद आयी जो ओन कहीं होती: "अज भुन्सारे ख मुर्गा को बाग
देन सी पहिले, तय तीन बार मोरो इन्कार करेंन।" 62 अऊर ऊ बाहेर निकल क सिसक-सिसक क
रोयो।

[illegible]
[illegible]

63 हि लोग जो यीशु ख पकड़यो हुयो होतो, ओख ठट्ठा कर क् पीट रह्यो होतो; 64 अऊर ओकी
आंखी झाक क ओको सी पुच्छ्यो, "पता कर क् बता कि तोख कौन न मारयो!" 65 अऊर उन्न बहुत
सी अऊर भी निन्दा की बाते ओको विरोध म कहीं।

[illegible]
[illegible]

66 जब दिन भयो त महासभा को बुजूर्ग अऊर मुख्य याजक अऊर धर्मशास्त्री जमा हुयो, अऊर
ओख अपनी महासभा म लायो, 67 उन्न पुच्छ्यो हम्ख बताव, "का तय मसीह आय?" त हम सी
कह्य दे यीशु न उन्ख उत्तर दियो; "यदि मय तुम सी कहूं फिर भी तुम विश्वास नहीं करो!"
ओन उन्को सी कह्यो, "यदि मय तुम सी कहूं, त विश्वास नहीं करजो; 68 अऊर यदि मय प्रश्न
पूछू, त तुम उत्तर नहीं दे सको। 69 पर अब सी आदमी को बेटा सर्वशक्तिमान परमेश्वर को दायो
तरफ बैठ्यो रहेंन।"
70 उन्न कह्यो, "त का तय परमेश्वर को बेटा हय?"
ओन उत्तर दियो, "मय हय असो खुदच कह्य हय, कहालीकि मय उच हय।"
71 तब उन्न कह्यो, "अब हम्ख गवाही की का जरूरत हय; कहालीकि हम न खुदच ओको मुंह सी
सुन लियो हय।"

23

[illegible]
[illegible]

1 तब पूरी सभा उठ क यीशु ख पिलातुस को जवर ले गयो। 2 हि यो कह्य क ओको पर दोष लगान
लग्यो: "हम न येख हमरो यहूदी लोगों ख बहकातो, अऊर रोमी राजा ख कर देन सी मना करत
होतो, अऊर खुद ख मसीह, एक राजा कहतो सुन्यो हय।"

✡ **22:53** २२:५३ लूका १९:४७; २१:३७

3 पिलातुस न ओको सी पुच्छचो, “का तय यहूदियों को राजा हय?”
ओन ओख उत्तर दियो, “तय खुदच कह्य रह्यो हय।”
4 तब पिलातुस न मुख्य याजकों अऊर भीड़ सी कह्यो, “मय यो आदमी म कोयी दोष लगावन
को वजह नहीं देखूं हय।”
5 पर हि अऊर भी हिम्मत सी कहन लग्यो, “यो गलील सी ले क इत तक, पूरो यहूदिया प्रदेश
म सिखाय क लोगों ख भड़कात होतो।” 6 यो सुन क पिलातुस न पुच्छचो, “का यो आदमी गलील
को आय?” 7 अऊर यो जान क कि ऊ हेरोदेस को अधिकार सीमा को हय, ओख हेरोदेस को जवर
भेज दियो, कहालीकि उन दिनो म ऊ भी यरूशलेम म होतो।

[illegible]

8 हेरोदेस यीशु ख देख क बहुतच खुश भयो, कहालीकि ऊ बहुत दिनो सी ओख देखन चाहत होतो;
येकोलायी कि ओको बारे म सुन्यो होतो, अऊर ओको सी कुछ चिन्ह चमत्कार देखन की आशा रखत
होतो। 9 ऊ ओको सी बहुत सो सवाल पुच्छचो, पर ओन ओख कुछ भी उत्तर नहीं दियो। 10 मुख्य
याजक अऊर धर्मशास्त्री खड़ो होय क यीशु पर बहुत दोष लगावत रह्यो। 11 तब हेरोदेस न अपनो
सिपाहियों को संग ओको अपमान कर क् ठट्ठा करयो, अऊर सुन्दर कपड़ा पहिनायो अऊर ओख
पिलातुस को जवर लौटाय दियो। 12 उच दिन सी पिलातुस अऊर हेरोदेस संगी बन गयो; येको सी
पहिले हि एक दूसरों को दुश्मन होतो।

[illegible]
([illegible])

13 पिलातुस न मुख्य याजकों अऊर मुखिया अऊर लोगों ख बुलाय क, 14 अऊर उन्को सी कह्यो,
“तुम यो आदमी ख लोगों को बहकावन वालो हय यो कह्य क मोरो जवर लायो हय, अऊर देखो,
मय न तुम्हरो सामने ओकी जांच करी, पर जो बातों को तुम ओको पर दोष लगावय हय उन बातों
को बारे म मय न ओको म कुछ भी दोष नहीं पायो हय; 15 अऊर न त हेरोदेस राजा ख ओको म
कोयी दोष मिल्यो, येकोलायी ओन ओख हमरो जवर लौटाय दियो हय: अऊर देखो, ओको म असो
कोयी दोष नहीं कि ऊ मृत्यु की सजा को लायक ठहरायो जायेंन। 16 येकोलायी मय ओख पिटवाय
क छोड़ देऊ हय।” 17 पर्व को दिन पिलातुस ख उन्को लायी एक कैदी ख छोड़नो पड़त होतो।*
18 तब सब मिल क चिल्लाय उठचो, “येख मार डालो, अऊर हमरो लायी बरअब्बा ख छोड़ दे!”
19 ऊ कोयी दंगा को वजह जो नगर म भयो होतो, अऊर हत्या को वजह जेलखाना म डाल्यो गयो
होतो।
20 पर पिलातुस न यीशु ख छोड़न की इच्छा सी लोगों ख फिर सी समझायो, 21 पर उन्न फिर
सी चिल्लाय क कह्यो, “ओख क्रूस पर चढ़ावों, क्रूस पर!”
22 ओन तीसरो बार उन्को सी कह्यो, “कहालीकि, ओन कौन सो अपराध करयो हय? मय न ओको
म मृत्यु दण्ड को लायक कोयी बात नहीं पायी। येकोलायी मय ओख कोड़ा मरवाय क छोड़ देऊ
हय।”
23 पर हि चिल्लाय-चिल्लाय क पीछू पड़ गयो कि ऊ क्रूस पर चढ़ायो जाये, अऊर उन्को
चिल्लानो सही भय गयो। 24 येकोलायी पिलातुस न आज्ञा दियो कि उन्की मांग को अनुसार करयो
जाये। 25 ओन ऊ आदमी ख जो दंगा फसाद अऊर हत्या को वजह जेलखाना म डाल्यो गयो होतो,
अऊर जेक हि मांगत होतो, छोड़ दियो। यीशु ख उन्की इच्छा को अनुसार सौंप दियो ताकि जो
चाहे ऊ कर सके।

[illegible]
([illegible])

26 जब हि यीशु ख लि जात होतो, त उन्न शिमोन नाम को एक कुरेनी ख जो शहर सी आय रह्यो
होतो, पकड़ क ओको पर क्रूस लाद दियो कि ओख यीशु को पीछू–पीछू धर क चलन लगे।

---
* **23:17** २३:१७ कुछ हस्त लेख म यो पद नहीं मिलय

27 लोगों की बड़ी भीड़ ओको पीछू भय गयी अऊर ओको म कुछ बाईयां भी होती जो ओको
लायी छाती पीटती अऊर शोक करत होती। 28 यीशु न ओको तरफ मुड़ क कह्यो, "हे यरूशलेम
की टुरियों, मोरो लायी मत रोवो; पर अपनो अऊर अपनो बच्चां लायी रोवो। 29 कहालीकि देखो,
असो दिन आय रह्यो हंय, जेको म लोग कहेंन, 'धन्य हंय हि बांझ अऊर हि गर्भ जेन जनम नहीं
दियो अऊर हि स्तन जेन कभी दूध नहीं पिलायो।' 30 ✡ऊ समय 'हि पहाड़ी सी कहन लगेंन कि हम
पर गिर, अऊर टेकरा सी कि हम्ख झाक लेवो।' 31 यदि जब हि हरो झाड़ को संग असो करय हंय,
त सूख्यो झाड़ को संग का कुछ नहीं करयो जायेंन?"

32 हि दूसरों दोय आदमी ख भी जो अपराधी होतो यीशु को संग मारन लायी ले गयो। 33 जब
हि ऊ जागा जेक खोपड़ी कह्य हंय पहुंच्यो, त उन्न उत ओख अऊर उन अपराधियों ख भी, एक ख
दायो तरफ दूसरों ख बायो तरफ क्रूस पर चढ़ायो। 34 तब यीशु न कह्यो, "हे बाप, इन्क माफ कर,
कहालीकि हि जानय नहीं कि का कर रह्यो हंय।"

अऊर उन्न चिट्ठी डाल क ओको कपड़ा बाट लियो। 35 लोग खड़ो-खड़ो देख रह्यो होतो, अऊर
यहूदी मुखिया भी ठट्ठा कर कर क् कहत होतो: "येन दूसरों ख बचायो, यदि यो परमेश्वर को मसीह
हय, अऊर ओको चुन्यो हुयो हय, त अपनो आप ख बचाय ले।"

36 सिपाही भी जवर आय क अऊर कड़वाहट सिरका दे क ओको ठट्ठा कर क् कहत होतो, 37 "यदि
तय यहूदियों को राजा हय, त अपनो आप ख बचाव!"

38 अऊर ओको ऊपर एक दोष-पत्र भी लग्यो होतो: "यो यहूदियों को राजा हय।"

[illegible]

39 जो अपराधी उत लटकायो गयो होतो, उन्म सी एक न ओकी निन्दा कर क् कह्यो, "का तय
मसीह नहीं? त फिर अपनो आप ख अऊर हम्ख बचाव!"

40 येको पर दूसरों अपराधी न ओख डाट क कह्यो, "का तय परमेश्वर सी भी नहीं डरय? तय भी त
उच सजा पा रह्यो हय, 41 अऊर हम त न्याय को अनुसार सजा पा रह्यो हंय, कहालीकि हम अपनो
कामों को ठीक फर पा रह्यो हंय; पर येन कोयी अपराध नहीं करयो।" 42 तब ओन कह्यो, "हे यीशु,
जब तय अपनो राज्य म आयेंन, त मोरी याद करजो।"

43 यीशु न ओको सी कह्यो, "मय तोरो सी सच कहू हय कि अजच तय मोरो संग स्वर्गलोक म
होजो।"

[illegible]
([illegible])

44 दोपहर लगभग बारा बजे सी तीन बजे दिन तक सारो देश म अन्धारो छायो रह्यो, 45 कहालीकि
सूरज को प्रकाश कम होतो रह्यो, अऊर मन्दिर को परदा बीच सी दोय भाग म फट गयो, 46 अऊर
यीशु न ऊचो आवाज सी पुकार क कह्यो, "हे पिता, मय अपनी आत्मा तोरो हाथ म सौंप्यो हय।"
अऊर यो कह्य क मर गयो।

47 सूबेदार न, जो कुछ हुयो होतो देख क परमेश्वर की महिमा करी, अऊर कह्यो, "निश्चय यो
आदमी सच्चो होतो।"

48 अऊर भीड़ जो यो देखन ख जमा भयी होती, यो घटना ख देख क छाती पीटती हुयी लौट
गयी। 49 ✡पर ओको सब जान पहिचान वालो, अऊर जो बाईयां गलील सी ओको पीछू आयी होती,
दूर खड़ी हुयी यो सब देख रही होती।

[illegible]
([illegible])

50 उत यूसुफ नाम को महासभा को एक सदस्य होतो जो भलो अऊर सच्चो पुरुष होतो 51 अऊर
उन्को फैसला अऊर उन्को यो काम सी सहमत नहीं होतो। ऊ यहूदियों को शहर अरिमतिया नगर

✡ **23:30** २३:३० प्रकाशितवाक्य ६:१६ ✡ **23:49** २३:४९ लूका ८:२,३

को रहन वालो अऊर परमेश्वर को राज्य की रस्ता देखन वालो होतो। 52 ओन पिलातुस को जवर
जाय क यीशु को मरयो शरीर मांग्यो; 53 अऊर मरयो शरीर उतार क मलमल को कफन म लपेटचो,
अऊर एक कब्र म रख्यो, जो चट्टान म खोदी हुयी होती; अऊर ओको म कोयी कभी नहीं रख्यो
गयो होतो। 54 ऊ तैयारी को दिन होतो, अऊर आराम को दिन सुरूवात होन पर होतो।
55 उन बाईयों न जो ओको संग गलील सी आयी होती, यूसुफ को पीछू पीछू जाय क ऊ कब्र
ख देख्यो, अऊर यो भी कि ओको लाश कसो तरह सी रख्यो गयो हय।
56 तब उन्न वापस घर लौट क सुगन्धित अत्तर अऊर मसाला तैयार करयो जो लाश पर लगावन
लायी होतो; अऊर आराम को दिन उन्न आज्ञा को अनुसार आराम करयो।

24

[illegible]
([illegible])

1 पर हप्ता को पहिलो दिन ख बड़ो भुन्सारो हि बाईयां सुगन्धित अत्तर अऊर मसाला ख जो
उन्न तैयार करी होती, ले क कब्र पर आयी। 2 जो गोटा कब्र को द्वार पर ढक्यो हुयो होतो उन्न
ओख सरक्यो हुयो पायो, 3 जब हि अन्दर गयी तब प्रभु यीशु को लाश नहीं देख्यो। 4 जब हि या
बात सी उलझन म पड़ी होती त देख्यो, अचानक दोय पुरुष सफेद उज्वल कपड़ा पहिन्यो हुयो
उन्को जवर आय क खड़ो भयो। 5 जब बाईयां डर क जमीन को तरफ मुंह झुकायी हुयी होती, त उन
पुरुषों न उन्को सी कह्यो, "तुम जीन्दो ख मरयो हुयो म कहालीकि ढूंढय हय? 6 ✡ऊ इत नहाय, पर
जीन्दो भय गयो हय। याद करो कि ओन गलील म रहतो हुयो तुम सी कह्यो होतो, 7 'जरूरी हय कि
मय आदमी को बेटा पापियों को हाथ सी पकड़वायो जाऊं, अऊर क्रूस पर चढ़ायो जाऊं, अऊर
तीसरो दिन जीन्दो होऊं।' "
8 तब ओकी बाते उन्ख याद आयी, 9 अऊर कब्र सी लौट क उन्न उन ग्यारा चेलावों ख, अऊर
दूसरों सब ख, या सब बाते कह्य सुनायी। 10 जिन्न प्रेरितों सी या बाते कहीं हि मरियम मगदलीनी
अऊर योअन्ना अऊर याकूब की माय मरियम अऊर उन्को संग की दूसरी बाईयां भी होती। 11 पर
या बाते उन्ख फालतु की लगी, अऊर उन्न उन्को विश्वास नहीं करी। 12 तब पतरस उठ क कब्र
पर दौड़त गयो, अऊर झुक क केवल कपड़ा पड़यो देख्यो, अऊर जो भयो होतो ओको सी अचम्भा
करतो हुयो अपनो घर चली गयो।

[illegible]
([illegible])

13 उच दिन उन्म सी दोय लोग इम्माऊस नाम को एक गांव क जाये रह्यो होतो, जो यरूशलेम
सी कोयी ग्यारा किलोमीटर की दूरी पर होतो। 14 हि इन सब बातों पर जो भयी होती, आपस म
बातचीत करतो जाय रह्यो होतो, 15 अऊर जब हि आपस म बातचीत अऊर चर्चा कर रह्यो होतो,
त यीशु आस पास आय क उन्को संग होय गयो। 16 पर उन्की आंखी असी बन्द कर दी होती कि
ओख पहिचान नहीं सक्यो। 17 यीशु न उन्को सी पुच्छ्यो, "या का बाते आय, जो तुम चलतो चलतो
आपस म करय हय?"
हि उदास सी खड़ो रह्य गयो। 18 यो सुन क उन्म सी क्लियोपास नाम को एक आदमी न कह्यो,
"का तय यरूशलेम म अकेलो यात्री हय, जो नहीं जानय कि इन दिनो म उन्म का का भयो हय?"
19 ओन उन्को सी पुच्छ्यो, "कौन सी बाते?"
उन्न ओको सी कह्यो, "यीशु नासरी को बारे म जो परमेश्वर अऊर सब लोगों को जवर काम
अऊर वचन म सामर्थी भविष्यवक्ता होतो, 20 अऊर मुख्य याजकों अऊर हमरो मुखिया न ओख
पकड़वाय दियो कि ओको पर मृत्यु की आज्ञा दियो जाये; अऊर ओख क्रूस पर चढ़वायो। 21 पर

✡ **24:6** २४:६ मत्ती १६:२१; १७:२२,२३; २०:१८,१९; मरकुस ८:३१; ९:३१; १०:३३,३४; लूका ९:२२; १८:३१-३३

हम्ख आशा होती कि योच इस्राएल लोगों ख छुटकारा देयेंन। हि सब बात को अलावा या घटना
ख भयो तीसरो दिन हय, 22 अऊर हम म सी कुछ बाईयों न भी हम्ख आश्चर्य म डाल दियो हय,
जो भुन्सारे ख कब्र पर गयी होती; 23 अऊर जब यीशु को लाश नहीं पायो त यो कहत आयी कि
हम न स्वर्गदूतों को दर्शन पायो, जिन्न कह्यो कि ऊ जीन्दो हय। 24 तब हमरो संगियों म सी कुछ
एक कब्र पर गयो, अऊर जसो बाईयों न कह्यो होतो वसोच पायो; पर ओख नहीं देख्यो।"
25 तब यीशु न उन्को सी कह्यो, "हे निर्बुद्धियों, अऊर भविष्यवक्तावों की सब बातों पर विश्वास
करनो म मतिमन्द लोगों! 26 का जरूरी नहीं होतो कि मसीह यो दु:ख उठाय क अपनी महिमा म
सिरन लग्यो?" 27 तब ओन मूसा सी अऊर सब भविष्यवक्तावों सी सुरूवात कर क् पूरो पवित्र
शास्त्र म सी अपनो बारे म लिख्यो बातों को मतलब, उन्ख समझाय दियो।
28 इतनो म हि ऊ गांव को जवर पहुंच्यो जित हि जाय रह्यो होतो, अऊर ओको ढंग सी असो
जान पड़यो कि ऊ आगु बढ़न चाहवय हय। 29 पर उन्न यो कह्य क ओख बिनती कर क् रोक्यो,
"हमरो संग रह, कहालीकि शाम भय गयी हय अऊर दिन अब डुब रह्यो हय।" तब ऊ उन्को संग
रहन लायी अन्दर गयो। 30 जब ऊ उन्को संग जेवन करन बैठ्यो, त ओन रोटी लेय क परमेश्वर ख
धन्यवाद करयो अऊर ओख तोड़ क उन्ख देन लग्यो। 31 तब उन्की आंखी खुल गयी; अऊर उन्न
ओख पहिचान लियो, अऊर ऊ उन्की आंखी सी लूक गयो। 32 उन्न आपस म कह्यो, "जब ऊ रस्ता
म हम सी बाते करत होतो अऊर पवित्र शास्त्र को मतलब हम्ख समझावत होतो, त का हमरो
मन म उत्सुक नहीं होय रह्यो होतो?"
33 हि उच समय उठ क यरूशलेम ख फिर सी गयो, अऊर उन ग्यारा चेलावों अऊर उन्को संगियों
ख एक संग जमा पायो। 34 हि कहत होतो, "प्रभु सच म जीन्दो भयो हय, अऊर शिमोन पतरस ख
दिखायी दियो हय!"
35 अऊर हि दोयी रस्ता को अपनो अनुभव ख अऊर यो कि रोटी तोड़तो समय उन्न यीशु ख
कसो पहिचान्यो गयो होतो, बतावन लग्यो।

[illegible]
([illegible])

36 जब हि या बाते कहतच रह्यो होतो कि ऊ अचानक उन्को बीच म आय खड़ो भयो, अऊर उन्को
सी कह्यो, "तुम्ख शान्ति मिले।"
37 पर हि घबराय गयो अऊर डर गयो, अऊर समझ्यो कि हम कोयी भूत ख देख रह्यो हंय। 38 ओन
उन्को सी कह्यो, "कहाली डरय हय? अऊर तुम्हरो मन म कहालीकि सक आवय हंय? 39 मोरो हाथ
अऊर मोरो पाय ख देखो कि मय उच आय। मोख छूय क देखो, कहालीकि भूत की हड्डी मांस नहीं
होवय जसो मोर म देखय हय।"
40 यो कह्य क ओन उन्ख अपनो हाथ पाय दिखायो। 41 तब खुशी को मारे उन्ख अभी भी विश्वास
नहीं होय रह्यो होतो, अऊर हि अचम्भा करत होतो, त ओन उन्को सी पुच्छ्यो, "का इत तुम्हरो
जवर कुछ जेवन हय?" 42 उन्न ओख भुजी हुयी मच्छी को टुकड़ा दियो। 43 ओन टुकड़ा ख उन्को
आगु खायो।
44 तब ओन उन्को सी कह्यो, "या मोरी ऊ बाते हंय, जो मय न तुम्हरो संग रहतो हुयो तुम सी
कहीं होती कि जरूरी हय कि जितनी बाते मूसा कि व्यवस्था अऊर भविष्यवक्तावों अऊर भजनों
की किताब म मोरो बारे म लिख्यो हंय, सब पूरी होय।"
45 तब ओन धर्म शास्त्र जानन लायी उन्की बुद्धि खोल दियो, 46 अऊर ओन कह्यो, "यो लिख्यो
हय कि मसीह दु:ख उठायेंन, अऊर तीसरो दिन मरयो हुयो म सी जीन्दो होयेंन, 47 अऊर यरूशलेम
सी ले क सब भाषा को लोगों म पाप करनो बन्द करे अऊर परमेश्वर उन्को पापों ख माफ करेंन, यो
प्रचार ओकोच नाम सी करयो जायेंन। 48 तुम इन पूरी बातों को गवाह हय। 49 ✡जेकी प्रतिज्ञा

✡ **24:49** २४:४९ प्रेरितों १:४

मोरो बाप न नहीं करी हय, मय ओख तुम पर ऊपर सी उतारू अऊर जब तक स्वर्ग सी सामर्थ नहीं पावों, तब तक तुम योच नगर म रुक्यो रहो।"

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible],[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

50 ✡तब ऊ उन्ख बैतनिय्याह गांव तक बाहेर ले गयो, अऊर अपनो हाथ उठाय क उन्ख आशीर्वाद
दियो; 51 अऊर उन्ख आशीर्वाद देतो हुयो ऊ उन्को सी अलग भय गयो अऊर स्वर्ग पर उठाय लियो
गयो। 52 तब हि ओकी आराधना कर क् बड़ो खुशी सी यरूशलेम ख लौट गयो; 53 अऊर हि लगातार
मन्दिर म हाजीर होय क परमेश्वर को धन्यवाद करत होतो।

✡ **24:50** २४:५० प्रेरितों १:९-११

यूहन्ना रचित यीशु मसीह का सुसमाचार

यूहन्ना रचित यीशु मसीह को सुसमाचार

परिचय

या यूहन्ना न लिखी हुयी सुसमाचार कि किताब नयो नियम को चार सुसमाचार कि किताबों म सी एक आय, जो यीशु को जीवन को वर्नन करय हय। यीशु मसीह को मरन को बाद, मत्ती, मरकुस, लूका अऊर यूहन्ना सी या किताब लिखी गयी। इन हर एक किताबों ख सुसमाचार कि किताबे कह्य हय। मसीह को जनम को बाद ९० साल को आस पास यो सुसमाचार प्रेरित यूहन्ना न लिख्यो हय। या किताब म असो लिख्यो नहाय कि येको लेखक प्रेरित यूहन्ना नोहोय, फिर भी पहिलो यूहन्ना, दूसरों यूहन्ना अऊर तीसरो यूहन्ना कि लिखायी सी मेल खावय हय, उन दिनो यूहन्ना इफिसुस को शहर म रहत होतो। येकोलायी या किताब इफिसुस म लिखी गयी असो कुछ प्राचिन लेखकों को माननो हय।

यूहन्ना या किताब को उद्देश साफ करय हय कि लोगों लायी यीशुच मसीह आय अऊर जीन्दो परमेश्वर को बेटा आय यूहन्ना २०:३१, या बात पर विश्वास करन लायी मदत मिलेंन। ओको पर विश्वास करनो सी ओको नाम सी हम्ख जीवन मिल सकय, या किताब यहूदी अऊर गैरयहूदी दोयी लायी लिखी गयी हय। यूहन्ना को सुसमाचार म बाकी तीन सुसमाचारों सी कुछ बाते अलग हय। यीशु मसीह को करयो हुयो चमत्कार पर यूहन्ना ध्यान केंद्रित करय हय, अऊर ओको दृष्टान्तों को बारे म जादा नहीं लिख्यो गयो। यीशु को बपतिस्मा अऊर सुनसान जागा म परीक्षा, असो महत्वपूर्ण घटनावों ख यो सुसमाचार म लिख्यो नहीं गयो हय।

रूप-रेखा

१. यूहन्ना सुसमाचार की सुरूवात करय हय। [illegible]:[illegible]-[illegible]

२. बाद म ऊ उन चमत्कारों को बारे म लिखय हय जो यीशु न करयो। [illegible]:[illegible]–[illegible]:[illegible]

३. ऊ यीशु को जीवन को कुछ घटनावों को वर्नन करय हय जो ओख मृत्यु अऊर पुनरुत्थान को जवर ली जावय हय की जनसेवा। [illegible]:[illegible]–[illegible]:[illegible]

४. यूहन्ना यो सुसमाचार जेको म यीशु मृत्यु सी जीन्दो होय क लोगों ख दिखायी देवय हय अऊर आखरी म अपनी किताब लिखन को उद्देश बताती हुयो खतम करय हय। [illegible]

[illegible]

1 सुरूवात म शब्द होतो, अऊर शब्द परमेश्वर को संग होतो, अऊर शब्द परमेश्वर होतो। 2 योच
शब्द सुरूवात सीच परमेश्वर को संग होतो। 3 अऊर सब कुछ ओको द्वारा पैदा भयो, अऊर जो
कुछ पैदा भयो हय ओको म सी कोयी भी चिज ओको बिना नहीं भयी। 4 शब्द जीवन को स्त्रोत
होतो अऊर यो जीवन म आदमियों लायी प्रकाश लायो। 5 प्रकाश अन्धारो म चमकय हय, अऊर
अन्धारो ओख हराय नहीं सकय।

6 ✡परमेश्वर को तरफ सी एक सन्देश लावन वालो ख भेज्यो जेको नाम यूहन्ना होतो। 7 ऊ
प्रकाश की गवाही देन आयो, ताकि सब लोग ओको सन्देश सुन क विश्वास करे। 8 ऊ खुदच त
प्रकाश नहीं होतो, पर ऊ प्रकाश की गवाही देन लायी आयो होतो। 9 यो सच्चो प्रकाश हय जो
हर एक आदमी ख प्रकाशित करय हय, जो जगत म आवन वालो होतो।

10 ऊ शब्द जगत म होतो, अऊर तब भी परमेश्वर न ओको द्वारा जगत बनायो, फिर भी जगत न
ओख नहीं पहिचान्यो। 11 ऊ अपनो खुद को लोगों को जवर आयो पर ओको अपनो लोगों न ओख
स्वीकार नहीं करयो। 12 पर जितनो न ओख स्वीकार करयो, मतलब उन्ख जो ओको नाम पर विश्वास

✡ **1:6** १:६ मत्ती ३:१; मरकुस १:४; लूका ३:१,२

रखय हय, ओन उन्ख परमेश्वर की सन्तान होन को अधिकार दियो। 13 हि नहीं त स्वाभाविक तरीका
सी परमेश्वर की सन्तान बने मतलब मानविय बाप सी नहीं जनम्यो बल्की परमेश्वर खुद ओको बाप
होतो।

14 अऊर वचन शरीर रूप धारन करयो; अऊर अनुग्रह अऊर सच्चायी सी परिपूर्ण होय क हमरो
बीच म जीवन जियो, अऊर हम न ओकी असी महिमा देखी, जसो बाप को एकलौतो बेटा की।

15 यूहन्ना न ओको बारे म गवाही दी, अऊर पुकार क कह्यो, "यो उच आय, जेको मय न वर्नन
करयो कि जो मोरो बाद आय रह्यो हय, ऊ मोरो सी बढ़ क हय कहालीकि ऊ मोरो जनम सी पहिले
होतो।"

16 कहालीकि परमेश्वर न अनुग्रह की परिपूर्णता सी हम्ख आशिषित करयो मतलब आशिषों
सी भरपूर करयो। 17 येकोलायी कि व्यवस्था त मूसा को द्वारा दी गयी, पर अनुग्रह अऊर सच्चायी
यीशु मसीह को द्वारा आयी। 18 परमेश्वर ख कोयी न कभी नहीं देख्यो। एकलौतो बेटा, जो परमेश्वर
को बराबर हय अऊर बाप को बाजू म बैठ्यो हय, उच बेटा पर परमेश्वर न अपनो आप ख प्रगट
करयो।

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

19 यूहन्ना को सन्देश यो आय, कि जब यहूदी अधिकारियों न यरूशलेम सी याजकों अऊर
लेवियों ख ओको सी यो पूछन लायी भेज्यो, "तय कौन आय?"

20 यूहन्ना न उत्तर देन लायी इन्कार नहीं करयो, पर ओन स्पष्टता अऊर खुल क मान लियो,
"मय मसीह नोहोय।" 21 तब उन्न ओको सी पुच्छ्यो, "फिर तय कौन आय? का तय एलिय्याह
आय?" ओन कह्यो, "मय नोहोय। त का तय ऊ भविष्यवक्ता आय?" ओन उत्तर दियो, "नहीं।"
22 तब उन्न ओको सी पुच्छ्यो, "फिर तय कौन आय? ताकि हम अपनो भेजन वालो ख उत्तर देबो।
तय अपनो बारे म का कह्य हय?" 23 यूहन्ना न कह्यो, "जसो यशायाह भविष्यवक्ता न कह्यो हय:
'मय जंगल म एक पुकारन वालो को आवाज आय कि तुम प्रभु को रस्ता सीधो करो।' "

24 हि सन्देश देन वालो जो फरीसियों को तरफ सी भेज्यो गयो होतो। 25 उन्न यूहन्ना सी यो
प्रश्न पुच्छ्यो, "यदि तय मसीह नोहोय, अऊर नहीं एलिय्याह, अऊर नहीं ऊ भविष्यवक्ता आय,
त फिर बपतिस्मा कहाली देवय हय?"

26 यूहन्ना न उन्ख उत्तर दियो, "मय त पानी सी बपतिस्मा देऊ हय, पर तुम्हरो बीच म एक
आदमी खड़ो हय जेक तुम नहीं जानय। 27 यानेकि मोरो बाद ऊ आवन वालो हय, पर मय ओको
चप्पल को बन्ध खोलन लायक नहाय।"

28 या बाते यरदन नदी को पार बैतनिय्याह नगर म भयी, जित यूहन्ना बपतिस्मा देत होतो।

[illegible]

29 दूसरो दिन ओन यीशु ख अपनो तरफ आवतो देख क कह्यो, "देखो, यो परमेश्वर को मेम्ना
आय जो जगत को पाप उठाय लिजावय हय। 30 यो उच आय जेको बारे म मय न कह्यो होतो, 'एक
आदमी मोरो पीछू आवय हय जो मोरो सी महान हय, कहालीकि ऊ मोरो सी पहिले अस्तित्व म
होतो।' 31 मोख मालूम नहीं होतो ऊ कौन आय, पर येकोलायी मय पानी सी बपतिस्मा देतो हुयो
आयो कि ऊ इस्राएल पर प्रगट होय जाय।"

32 अऊर यूहन्ना न या गवाही दी: "मय न पवित्र आत्मा ख कबूत्तर को जसो स्वर्ग सी उतरतो
देख्यो हय, अऊर ऊ ओको पर ठहर गयो। 33 मोख अभी भी मालूम नहीं होतो, पर ऊ एक होतो
परमेश्वर, जेन मोख पानी सी बपतिस्मा देन ख भेज्यो, ओनच मोरो सी कह्यो, 'जेको पर तय आत्मा
ख उतरतो अऊर ठहरतो देखो, उच पवित्र आत्मा सी बपतिस्मा देन वालो आय।' 34 अऊर मय न
देख्यो, अऊर गवाही देऊ हय कि योच परमेश्वर को टुरा आय।"

[illegible]

35 दूसरों दिन फिर यूहन्ना अऊर ओको चेला म सी दोय लोग खड़ो भयो होतो, 36 जब यीशु जो
जाय रह्यो होतो, देख क कह्यो, "देखो, यो परमेश्वर को मेम्ना आय।"
37 तब हि दोयी चेला ओकी यो सुन क यीशु को पीछू चली गयो।
38 यीशु न मुड़ क उन्ख पीछू आवतो देख्यो अऊर उन्को सी कह्यो, "तुम कौन की खोज म हय?"
उन्न ओको सी कह्यो, "हे रब्बी यानेकि हे गुरु, तय कित रह्य हय?"
39 यीशु न उन्को सी कह्यो, "आवो, अऊर देखो।" तब उन्न जाय क ओकी रहन की जागा देखी,
अऊर ऊ दिन ओको संग रह्यो। लगभग शाम को चार बज्यो होतो।
40 यूहन्ना की बात सुन क यीशु को पीछू जान वालो म सी एक जो शिमोन पतरस को भाऊ
अन्द्रियास होतो। 41 ओन पहिले अपनो सगो भाऊ शिमोन सी मिल क ओको सी कह्यो, "हम ख
मसीहा, मतलब ख्रिस्त, मिल गयो।"
42 हि ओख यीशु को जवर लायो। यीशु न ओख देख क कह्यो, "तय यूहन्ना को टुरा शिमोन आय:
तय कैफा कहलाजो। मतलब पतरस जेको अर्थ चट्टान आय।"

[illegible]

43 दूसरों दिन यीशु न गलील ख जान को निश्चय करयो। ऊ फिलिप्पुस सी मिल्यो अऊर कह्यो,
"मोरो संग आव।" 44 फिलिप्पुस, यो अन्द्रियास अऊर पतरस को नगर बैतसैदा को निवासी होतो।
45 फिलिप्पुस नतनएल सी मिल्यो अऊर ओको सी कह्यो, "जेको वर्नन मूसा न व्यवस्था म अऊर
भविष्यवक्तावों न करयो हय, ऊ हम्ख मिल गयो; ऊ यूसुफ को टुरा, यीशु नासरत नगर सी आय।"
46 नतनएल न ओको सी कह्यो, "का कोयी अच्छी चिज नासरत सी निकल सकय हय?"
फिलिप्पुस न ओको सी कह्यो, "चल क देख ले।"
47 यीशु न नतनएल ख अपनो तरफ आवता देख क ओको बारे म कह्यो, "देखो, यो सच्चो
इस्राएली आय; येको म कोयी कपट नहाय!"
48 नतनएल न ओको सी कह्यो, "तय मोख कसो जानय हय?"
यीशु न ओख उत्तर दियो, "येको सी पहिले कि फिलिप्पुस न तोख बुलायो, जब तय अंजीर को
झाड़ को खल्लो होतो, तब मय न तोख देख्यो होतो।"
49 नतनएल न ओख उत्तर दियो, "हे गुरु, तय परमेश्वर को बेटा आय; तय इस्राएल को राजा
आय।"
50 यीशु न ओख उत्तर दियो, "मय न जो तोरो सी कह्यो कि मय न तोख अंजीर को झाड़ को खल्लो
देख्यो, का तय येकोलायी विश्वास करय हय? तय येको सी भी बड़ो-बड़ो काम देखजो।" 51 फिर
ओको सी कह्यो, "मय तुम सी सच सच कहू हय कि तुम स्वर्ग ख खुल्यो हुयो, अऊर परमेश्वर को
स्वर्गदूतों ख आदमी को बेटा को ऊपर उतरतो अऊर ऊपर जातो देखो।"

2

[illegible]

1 फिर तीसरो दिन गलील प्रदेश को काना नगर म एक बिहाव होतो, अऊर यीशु की माय भी
उत होती। 2 यीशु अऊर ओको चेला भी ऊ बिहाव म निमन्त्रित होतो। 3 जब अंगूररस खतम भय
गयो, त यीशु की माय न ओको सी कह्यो, "उन्को जवर अंगूरीरस नहीं रह्यो।"
4 यीशु न उत्तर दियो "हे बाई, मोख का करनो हय मोख मत बतावो? अभी मोरो समय नहीं
आयो।"
5 यीशु की माय न सेवकों सी कह्यो, "जो कुछ ऊ तुम सी कहेंन, उच करो।"
6 उत यहूदियों ख हाथ पाय धोय क शुद्ध करन की रीति को अनुसार गोटा को छे घड़ा रख्यो होतो,
जेको म सौ लीटर पानी समावत होतो। 7 यीशु न सेवकों सी कह्यो, "घड़ा म पानी भर देवो।" उन्न
उन्ख लबालब भर दियो। 8 तब ओन उन्को सी कह्यो, "थोड़ो सो पानी निकाल क भोज को मुखिया
को जवर ले जावो।" अऊर हि ले गयो। 9 जब भोज को मुखिया न ऊ पानी चख्यो, जो अंगूररस बन

गयो होतो अऊर नहीं जानत होतो कि ऊ कित सी आयो हय पर जिन सेवकों न पानी निकाल्यो होतो
हि जानत होतो, त भोज को मुखिया न दूल्हा ख बुलायो, 10 अऊर ओको सी कह्यो "हर एक आदमी
पहिले अच्छो अंगूररस देवय हय, अऊर जब लोग पी क सन्तुष्ट होय जावय हंय, तब फिको देवय
हय; पर तय न अच्छो अंगूररस अभी तक रख्यो हय।"
11 यीशु न गलील को काना नगर म अपनो यो पहिलो चिन्ह चमत्कार दिखाय क अपनी महिमा
प्रगट करी अऊर ओको चेलावों न ओको पर विश्वास करयो।
12 ✡येको बाद यीशु अऊर ओकी माय अऊर ओको भाऊ अऊर ओको चेला कफरनहूम नगर ख
गयो अऊर उत कुछ दिन रह्यो।

[illegible]
([illegible])

13 यहूदियों को फसह को त्यौहार जवर होतो, अऊर यीशु यरूशलेम नगर ख गयो। 14 ओन
मन्दिर म बईल, मेंढा अऊर कबूत्तर ख बेचन वालो अऊर पैसा बदलन वालो ख व्यापार करतो हुयो
बैठ्यो देख्यो। 15 तब ओन रस्सियों को कोड़ा बनाय क, सब मेंढी अऊर बईल ख मन्दिर सी निकाल
दियो, अऊर पैसा बदलन वालो को पैसा बगराय दियो अऊर पीढ़ा ख उलटाय दियो, 16 अऊर
कबूत्तर बेचन वालो सी कह्यो, "इन्क इत सी जल्दी लि जावो। मोरो बाप को घर ख बजार को घर
मत बनावो।" 17 तब ओको चेलावों ख याद आयो कि शास्त्र म लिख्यो हय, "तोरो घर की धुन
मोख आगी को जसो जलाय डालेंन।"*
18 येको पर यहूदी अधिकारियों न यीशु सी प्रश्न पुच्छयो, "तय हम्ख कौन सो चिन्ह चमत्कार
दिखाय सकय हय, जेकोसी तोरो यो करन को अधिकार सिद्ध हो?"
19 ✡यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "यो मन्दिर ख गिराय देवो, अऊर मय येख तीन दिन म खड़ो कर
देऊं।"
20 यहूदी अधिकारियों न कह्यो, "यो मन्दिर ख बनावन म छियालीस साल लग्यो हंय, अऊर
का तय ओख तीन दिन म खड़ो कर देजों?"
21 पर यीशु न अपनो शरीर को मन्दिर को बारे म कह्यो होतो। 22 येकोलायी जब ऊ मरयो हुयो
म सी जीन्दो भयो तब ओको चेलावों ख याद आयो कि ओन यो कह्यो होतो; अऊर उन्न शास्त्र
अऊर ऊ वचन ख जो यीशु न कह्यो होतो, विश्वास करयो।

[illegible]

23 जब यीशु यरूशलेम म फसह को समय त्यौहार म होतो, त बहुत सो न उन चिन्ह चमत्कारों ख
जो ऊ दिखावत होतो देख क ओको नाम पर विश्वास करयो। 24 पर यीशु न अपनो आप ख उन्को
विश्वास पर नहीं छोड़यो, कहालीकि ऊ सब ख जानत होतो; 25 अऊर ओख जरूरत नहीं होती कि
आदमी को बारे म कोयी गवाही दे, कहालीकि ऊ खुदच जानत होतो कि आदमी को मन म का हय?

3

[illegible]

1 फरीसियों म नीकुदेमुस नाम को एक आदमी होतो, जो यहूदियों को मुखिया होतो। 2 एक रात ऊ
यीशु को जवर आय क ओको सी कह्यो, "हे गुरु, हम जानजे हंय कि तोख परमेश्वर को तरफ सी गुरु
बनाय क भेज्यो हय, कहालीकि कोयी इन चिन्ह चमत्कारों ख जो तय दिखावय हय, यदि परमेश्वर
ओको संग नहीं होय त नहीं दिखाय सकय।"
3 यीशु न ओख उत्तर दियो, "मय तोरो सी सच सच कहू हंय, यदि कोयी नयो सिरा सी जनम नहीं
ले त परमेश्वर को राज्य ख देख नहीं सकय।"
4 नीकुदेमुस न ओको सी कह्यो, "आदमी जब बूढ्ढा भय गयो, त कसो फिर सी जनम ले सकय
हय? का ऊ अपनी माय को गर्भ म दूसरी बार सिर क जनम ले सकय हय?"

✡ **2:12** २:१२ मत्ती ४:१३ * **2:17** २:१७ भजन ६९:९ ✡ **2:19** २:१९ मत्ती २६:६१; २७:४०; मरकुस १४:५८; १५:२९

5 यीशु न उत्तर दियो, "मय तोरो सी सच सच कहू हंय, जब तक कोयी आदमी पानी अऊर आत्मा
सी जनम नहीं लेवय त ऊ परमेश्वर को राज्य म सिर नहीं सकय। 6 कहालीकि जो शरीर सी जनम्यो
हय, ऊ शरीर आय; अऊर जो आत्मा सी जनम्यो हय, ऊ आत्मा आय। 7 अचम्भा मत कर कि मय
न तोरो सी कह्यो, 'तोख नयो सिरा सी जनम लेनो जरूरी हय।' 8 हवा जित चाहवय हय उत चलय
हय अऊर तय ओकी आवाज सुनय हय, पर नहीं जानय कि वा कित सी आवय अऊर कित जावय
हय? जो कोयी आत्मा सी जनम्यो हय ऊ असोच हय।"
9 नीकुदेमुस न ओको सी कह्यो, "यो बाते कसी होय सकय हंय?"
10 यीशु न ओको सी कह्यो, "तय इस्राएलियों को गुरु होय क भी का इन बातों ख नहीं समझय?
11 मय तोरो सी सच सच कहू हंय कि हम जो जानजे हंय ऊ कहजे हंय, अऊर जेक हम्न देख्यो हय
ओकी गवाही देजे हंय, अऊर तुम हमरी गवाही स्वीकार नहीं करय। 12 जब मय न तुम सी जगत
की बाते कहीं अऊर तुम विश्वास नहीं करय, त यदि मय तुम सी स्वर्ग की बाते कहूं त फिर कसो
विश्वास करो?
13 "कोयी भी स्वर्ग पर नहीं चढ़यो, केवल उच जो स्वर्ग सी उतरयो, मतलब आदमी को बेटा जो
स्वर्ग म हय। 14 अऊर जो रीति सी मूसा न सुनसान जागा म कासो को सांप ख लकड़ी को ऊपर
चढ़ायो, उच रीति सी जरूरी हय कि आदमी को बेटा भी ऊचो पर चढ़ायो जाये; 15 येकोलायी जो
कोयी ओको पर विश्वास करेंन ओको म ऊ अनन्त जीवन पायेंन।" 16 "कहालीकि परमेश्वर न जगत
सी असो प्रेम करयो कि ओन अपनो एकलौतो टुरा दे दियो, ताकि जो कोयी ओको पर विश्वास
करेंन त ऊ नाश नहीं होयेंन, पर अनन्त जीवन ख प्राप्त करेंन। 17 परमेश्वर न अपनो टुरा ख जगत
म येकोलायी नहीं भेज्यो कि जगत को न्याय करे, पर येकोलायी कि जगत ओको द्वारा उद्धार पाये।
18 "जो ओको पर विश्वास करय हय, ऊ दोषी नहीं ठहरय हय, पर जो ओको पर विश्वास नहीं
करय ऊ दोषी ठहरय हय; येकोलायी कि ओन परमेश्वर को एकलौतो टुरा को नाम पर विश्वास
नहीं करयो। 19 अऊर दोषी ठहरायो जान को वजह यो आय कि ज्योति जगत म आयी हय,
अऊर आदमियों न अन्धारो ख प्रकाश सी जादा प्रिय जान्यो कहालीकि उन्को काम बुरो होतो।
20 कहालीकि जो कोयी बुरायी करय हय, ऊ प्रकाश सी दुश्मनी रखय हय, अऊर प्रकाश को जवर
नहीं आवय, कि ओको बुरो काम प्रगट नहीं होय जाये, 21 पर जो सच पर चलय हय, ऊ प्रकाश
को जवर आवय हय, ताकि ओको काम प्रगट हो कि ऊ परमेश्वर को तरफ सी करयो गयो हंय।"

????? ?? ????? ? ????????? ?? ??????

22 येको बाद यीशु अऊर ओको चेला यहूदिया देश म आयो; अऊर ऊ उत उन्को संग रह्य क
बपतिस्मा देन लग्यो। 23 यूहन्ना भी शालेम नगर को जवर ऐनोन म बपतिस्मा देत होतो, कहालीकि
उत बहुत पानी होतो, अऊर लोग ओको जवर आवत होतो अऊर ऊ उन्ख बपतिस्मा देत होतो
24 ✡यूहन्ना ऊ समय तक जेलखाना म नहीं डाल्यो गयो होतो।
25 उत यूहन्ना को चेला ख कोयी यहूदी को संग धार्मिक रीति को अनुसार धोवन की शुद्धिकरन
को बारे म वाद विवाद भयो। 26 अऊर उन्न यूहन्ना को जवर जाय क ओको सी कह्यो, "हे गुरु, जो
आदमी यरदन नदी को जवर तोरो संग होतो, अऊर जेको बारे म तय न बतायो होतो; ऊ बपतिस्मा
देवय हय, अऊर सब ओको जवर जावय हंय।"
27 यूहन्ना न उत्तर दियो, "जब तक आदमी ख स्वर्ग सी नहीं दियो जाये, तब तक ऊ कुछ नहीं
पा सकय। 28 ✡तुम त खुदच मोरो गवाह हो मय न कह्यो, 'मय मसीह नोहोय, पर ओको आगु भेज्यो
गयो हय।' 29 दूल्हा उच आय जेकी दुल्हिन हय, पर दूल्हा को संगी जो खड़ो हय ओकी सुनय हय,
दूल्हा को आवाज सुन क बहुत खुश होवय हय: अब मोरी या खुशी पूरी भयी हय। 30 जरूरी हय
कि ऊ बढ़े अऊर मय घटूं।
31 "जो ऊपर सी आवय हय ऊ सब सी अच्छो हय; जो धरती सी आवय हय ऊ धरती को आय,
अऊर धरती की बाते कह्य हय: जो स्वर्ग सी आवय हय, ऊ सब को ऊपर हय। 32 जो कुछ ओन

✡ **3:24** ३:२४ मत्ती १४:३; मरकुस ६:१७; लूका ३:१९,२० ✡ **3:28** ३:२८ यूहन्ना १:२०

देख्यो अऊर सुन्यो हय, ओकी गवाही देवय हय; अऊर कोयी ओकी गवाही स्वीकार नहीं करय।
33 जेन ओकी गवाही स्वीकार कर ली ओन यो बात ख प्रमाणित करयो कि परमेश्वर सच्चो हय।
34 कहालीकि जेक परमेश्वर न भेज्यो हय, ऊ परमेश्वर कि बाते कह्य हय; कहालीकि ऊ आत्मा
नाप नाप क नहीं देवय। 35 ✡बाप बेटा सी प्रेम रखय हय, अऊर ओन सब सामर्थ ओको हाथ म दे
दियो हंय। 36 जो टुरा पर विश्वास करय हय, अनन्त जीवन ओको आय; पर जो टुरा की आज्ञा नहीं
मानय, ऊ जीवन ख नहीं देखेंन, पर परमेश्वर की सजा ओको पर रह्य हय।"

4

[illegible]

1 जब फरीसियों न यो सुन्यो हय की यीशु बपतिस्मा करन वालो यूहन्ना सी जादा चेलावों ख
बपतिस्मा देवय हय। 2 पर यीशु खुद बपतिस्मा नहीं देत होतो बल्की ओको चेला देत होतो। 3 जब
यीशु ख या बाते पता चली की फरीसियों न सुन्यो हय, तब ऊ यहूदिया ख छोड़ क फिर सी गलील
ख चली गयो, 4 अऊर ओख सामरियां सी होय क जानो जरूरी होतो।

5 येकोलायी ऊ सूखार नाम को सामरियां को एक नगर तक आयो, जो ऊ जागा को जवर हय
जेक याकूब न अपनो टुरा यूसुफ ख दियो होतो; 6 अऊर याकूब को कुंवा भी उतच होतो। येकोलायी
यीशु रस्ता को थक्यो हुयो ऊ कुंवा पर असोच बैठ गयो। या बात दोपहर को लगभग भयी।

7 इतनो म एक सामरी बाई पानी भरन आयी। यीशु न ओको सी कह्यो, "मोख पानी पिलाव।"
8 कहालीकि ओको चेला त नगर म भोजन लेन गयो होतो।

9 वा सामरी बाई न ओको सी कह्यो, "तय यहूदी होय क मोरो सी पानी कहाली मांगय हय?"
कहालीकि यहूदी सामरियों को संग कोयी तरह को व्यवहार नहीं रखय हय।

10 यीशु न उत्तर दियो, "यदि तय परमेश्वर को वरदान ख जानती, अऊर यो भी जानती कि ऊ
कौन आय जो तोरो सी कह्य हय, 'मोख पानी पिलाव,' त तय ओको सी मांगती, अऊर ऊ तोख
जीवन को पानी देतो।"

11 बाई न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, तोरो जवर पानी भरन ख त बर्तन भी नहाय, अऊर कुंवा
गहरो हय; त फिर ऊ जीवन को पानी तोरो जवर कित सी आयो? 12 का तय हमरो बाप याकूब सी
बड़ो हय, जेन हम्ख यो कुंवा दियो; अऊर खुदच अपनी सन्तान, अऊर अपनो जनावरों समेत येको
म सी पीयो?"

13 यीशु न ओख उत्तर दियो, "जो कोयी यो पानी पीयेंन ऊ फिर प्यासो होयेंन, 14 पर जो कोयी
ऊ पानी म सी पीयेंन जो मय ओख देऊं, ऊ फिर अनन्त काल तक प्यासो नहीं होयेंन; बल्की जो
पानी मय ओख देऊ, ऊ ओको म एक सोता बन जायेंन जो अनन्त जीवन लायी उमड़तो रहेंन।"

15 बाई न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, ऊ पानी मोख दे ताकि मय प्यासी नहीं होऊं अऊर नहीं
पानी भरन ख इतनी दूर आऊं।"

16 यीशु न ओको सी कह्यो, "जा, अपनो पति ख इत बुलाय क लाव।"

17 बाई न उत्तर दियो, "मय बिना पति की हय।"

यीशु न ओको सी कह्यो, "तय ठीक कह्य हय, 'मय बिना पति की आय।' 18 कहालीकि तय पाच
पति बनाय चुकी हय, अऊर जेको जवर तय अब हय ऊ भी तोरो पति नोहोय। यो तय न सच कह्यो
हय।"

19 बाई न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, मोख लगय हय कि तय भविष्यवक्ता आय। 20 हमरो
बापदादों न योच पहाड़ी पर आराधना करी, अऊर तुम कह्य हय कि ऊ जागा जित आराधना करनो
चाहिये यरूशलेम म हय।"

21 यीशु न ओको सी कह्यो, "हे नारी, मोरी बात को विश्वास कर कि ऊ समय आवय हय कि तुम
नहीं त यो पहाड़ी पर परमेश्वर पिता की आराधना करो, नहीं यरूशलेम म। 22 तुम जेक नहीं जानय,
ओकी आराधना करय हय; अऊर हम जेक जानजे हंय ओकी आराधना करजे हंय; कहालीकि उद्धार

✡ **3:35** ३:३५ मत्ती ११:२७; लूका १०:२२

यहूदियों म सी हय। 23 पर ऊ समय आवय हय, बल्की अब भी हय, जेको म सच्चो भक्त परमेश्वर
पिता की आराधना आत्मा अऊर सच्चायी सी करेंन, कहालीकि बाप अपनो लायी असोच आराधकों
ख ढूंढय हय। 24 परमेश्वर आत्मा हय, अऊर जरूरी हय कि ओकी आराधना करन वालो आत्मा
अऊर सच्चायी सी आराधना करे।"

25 बाई न ओको सी कह्यो, "मय जानु हय कि मसीह जो ख्रिस्त कहलावय हय, आवन वालो
हय; जब ऊ आयेंन, त हम्ख सब बाते बताय देयेंन।"

26 यीशु न ओको सी कह्यो, "मय जो तोरो सी बोल रह्यो हय, उच आय।"

27 इतनो म ओको चेला आय गयो, अऊर अचम्भा करन लग्यो कि यीशु बाई सी बाते कर रह्यो
हय; तब भी कोयी न नहीं पुच्छ्यो, "तय का चाहवय हय?" या "कौन्को लायी ओको सी बाते करय
हय?"

28 तब बाई अपनो घड़ा छोड़ क नगर म चली गयी, अऊर लोगों सी कहन लगी, 29 "आवो, एक
आदमी ख देखो, जेन सब कुछ जो मय न करयो मोख बताय दियो। कहीं योच त मसीह नोहोय?"
30 येकोलायी हि नगर सी निकल क ओको जवर आवन लग्यो।

31 यो बीच ओको चेलावों न यीशु सी यो बिनती करी, "हे गुरु, कुछ खाय लेवो।"

32 पर ओन उन्को सी कह्यो, "मोरो जवर खान लायी असो भोजन हय जेक तुम नहीं जानय।"

33 तब चेलावों न आपस म कह्यो, "का कोयी ओको लायी कुछ खान ख लायो हय?"

34 यीशु न उन्को सी कह्यो, "मोरो जेवन यो आय कि अपनो भेजन वालो की इच्छा को अनुसार
चलू अऊर ओको काम पूरो करू। 35 का तुम नहीं कह्य, 'कटायी होन म अब भी चार महीना बाकी
हंय?' देखो, मय तुम सी कहू हय, अपनी आंखी उठाय क खेतो पर नजर डालो कि हि कटायी लायी
पक गयो हंय। 36 काटन वालो मजूरी पावय हय अऊर अनन्त जीवन लायी फर जमा करय हय,
ताकि बोवन वालो अऊर काटन वालो दोयी मिल क खुशी करेंन। 37 कहालीकि इत यो कहावत
ठीक बैठय हय: 'बोवन वालो अलग हय अऊर काटन वालो अलग।' 38 मय न तुम्ख ऊ खेत काटन
लायी भेज्यो जेको म तुम न मेहनत नहीं करयो: दूसरों न मेहनत करयो अऊर तुम उन्को मेहनत
को फर म भागी भयो।"

[illegible]

39 ऊ नगर को बहुत सो सामरियों न वा बाई को कहनो सी यीशु पर विश्वास करयो; कहालीकि
ओन यो गवाही दी होती: "ओन सब कुछ जो मय न करयो हय, मोख बताय दियो।" 40 येकोलायी
जब यो सामरी ओको जवर आयो, त ओको सी बिनती करन लग्यो कि हमरो इत रह्य। येकोलायी
ऊ उत दोय दिन तक रह्यो।

41 ओको वचन को वजह अऊर भी बहुत सो लोगों न विश्वास करयो 42 अऊर वा बाई सी कह्यो,
"अब हम तोरो कहनो सी विश्वास नहीं करजे; कहालीकि हम न खुदच सुन लियो, अऊर जानजे
हंय कि योच सचमुच म जगत को उद्धारकर्ता आय।"

43 तब उन दोय दिन को बाद ऊ उत सी निकल क गलील ख गयो, 44 ✡कहालीकि यीशु न खुदच
गवाही दी कि भविष्यवक्ता अपनो देश म आदर नहीं पावय। 45 ✡जब ऊ गलील म आयो, त गलीली
खुशी को संग ओको सी मिल्यो; कहालीकि जितनो काम ओन यरूशलेम म त्यौहार को समय करयो
होतो, उन्न उन सब ख देख्यो होतो, कहालीकि हि भी त्यौहार म गयो होतो।

46 ✡तब ऊ फिर गलील को काना नगर म आयो, जित ओन पानी ख अंगूररस बनायो होतो। उत
राजा को एक नौकर होतो जेको बेटा कफरनहूम नगर म बीमार होतो। 47 ऊ यो सुन्क कि यीशु
यहूदिया सी गलील म आय गयो हय, ओको जवर गयो अऊर ओको सी बिनती करन लग्यो कि चल
क मोरो बेटा ख चंगो कर दे: कहालीकि ऊ मरन पर होतो। 48 यीशु न ओको सी कह्यो, "जब तक
तुम चिन्ह अऊर अचम्भा को काम नहीं देखो तब तक तुम कभी भी विश्वास नहीं कर सको।"

✡ **4:44** ४:४४ मत्ती १३:५७; मरकुस ६:४; लूका ४:२४ ✡ **4:45** ४:४५ यूहन्ना २:२३ ✡ **4:46** ४:४६ यूहन्ना २:१-११

49 राजा को नौकर न यीशु सी कह्यो, "हे प्रभु, मोरो बेटा को मरन सी पहिले चल।"

50 यीशु न ओको सी कह्यो, "जा, तोरो बेटा जीन्दो हय।"

ऊ आदमी न यीशु की कहीं हुयी बात पर विश्वास करयो अऊर चली गयो। 51 ऊ रस्ताच म होतो
कि ओको सेवक ओको सी आय मिल्यो अऊर कहन लग्यो, "तोरो बेटा जीन्दो हय।"

52 ओन उन्को सी पुच्छ्यो, "कौन्सो समय ऊ अच्छो होन लग्यो?" उन्न ओको सी कह्यो, "कल
सातवों घंटो म ओको बुखार उतर गयो।" 53 तब बाप जान गयो कि यो उच समय भयो जो समय यीशु
न ओको सी कह्यो, "तोरो बेटा जीन्दो हय," अऊर ओन अऊर ओको पूरो घर परिवार न विश्वास
करयो।

54 यो दूसरों चिन्ह चमत्कार होतो जो यीशु न यहूदिया सी गलील म आय क दिखायो।

5

[illegible]

1 इन बातों को बाद यहूदियों को एक त्यौहार भयो, अऊर यीशु यरूशलेम ख गयो। 2 यरूशलेम
म मेंढा की फाटक को जवर एक कुण्ड हय जो इब्रानी बोली म बैतसैदा कहलावय हय; ओको पाच
छप्परियां हंय। 3 इन म बहुत सो बीमार, अन्धा, लंगड़ा अऊर सूख्यो शरीर वालो पानी को हिलन
की आशा म पड़्यो रहत होतो। 4 कहालीकि ठहरायो समय पर परमेश्वर को स्वर्गदूत कुण्ड म उतर
क पानी ख हिलावत होतो। पानी हलतोच जो कोयी पहिले उतरन वालो चंगो होय जात होतो चाहे
ओकी कोयी भी बीमारी हो। 5 उत एक आदमी होतो, जो अड़तीस साल सी बीमारी म पड़्यो होतो।
6 यीशु न ओख पड़्यो हुयो देख क अऊर यो जान क कि ऊ बहुत दिनो सी यो दशा म पड़्यो हय,
ओको सी पुच्छ्यो, "का तय चंगो होनो चाहवय हय?"

7 ऊ बीमार आदमी न ओख उत्तर दियो, "हे प्रभु, मोरो जवर कोयी आदमी नहाय कि जब पानी
हिलायो जाये, त मोख कुण्ड म उतारे; पर मोरो पहुंचतो दूसरों मोरो सी पहिले उतर जावय हय।"

8 यीशु न ओको सी कह्यो, "उठ, अपनी खटिया उठाव, अऊर चल फिर।"

9 ऊ आदमी तुरतच चंगो भय गयो, अऊर अपनी खटिया उठाय क चलन फिरन लग्यो। 10 ऊ
आराम को दिन होतो। येकोलायी यहूदी ओको सी जो चंगो भयो होतो, कहन लग्यो, "अज त आराम
को दिन हय, तोख खटिया उठावनो उचित नहाय।"

11 ओन उन्ख उत्तर दियो, "जेन मोख चंगो करयो, ओनच मोरो सी कह्यो, 'अपनी खटिया उठाव,
अऊर चल फिर।' "

12 उन्न ओको सी पुच्छ्यो, "ऊ कौन आदमी आय जेन तोरो सी कह्यो, 'खटिया उठाव, अऊर
चल फिर?' "

13 पर जो चंगो भय गयो होतो ऊ नहीं जानत होतो कि ऊ कौन आय, कहालीकि ऊ जागा म
भीड़ होन को वजह यीशु उत सी हट गयो होतो।

14 इन बातों को बाद ऊ यीशु ख मन्दिर म मिल्यो। यीशु न ओको सी कह्यो, "देख, तय चंगो
भय गयो हय: फिर सी पाप मत करजो, असो नहीं होय कि येको सी कोयी भारी दु:ख तोरो पर आय
पड़े।"

15 ऊ आदमी न जाय क यहूदियों सी कह्य दियो कि जेन मोख चंगो करयो ऊ यीशु आय। 16 यो
वजह यहूदी यीशु ख सतावन लग्यो, कहालीकि ऊ असो काम आराम दिन ख करत होतो। 17 येको
पर यीशु न उन्को सी कह्यो, "मोरो बाप अब तक काम करय हय, अऊर मय भी काम करू हय।"

18 यो वजह यहूदी अऊर भी जादा ओख मार डालन को कोशिश करन लग्यो, कहालीकि ऊ नहीं
केवल आराम दिन की विधि ख तोड़तो, पर परमेश्वर ख अपनो बाप कह्य क अपनो आप ख परमेश्वर
को समान भी ठहरावत होतो।

[illegible]

19 येको पर यीशु न ओको सी कह्यो, “मय तुम सी सच सच कहू हंय, बेटा खुद सी कुछ नहीं कर
सकय, केवल ऊ जो बाप ख करतो देखय हय; कहालीकि जो जो कामों ख ऊ करय हय उन्ख बेटा
भी उच रीति सी करय हय। 20 कहालीकि बाप बेटा सी प्रेम रखय हय अऊर जो जो काम ऊ खुद
करय हय, ऊ सब ओख दिखावय हय; अऊर ऊ इन्को सी भी बड़ो काम ओख दिखायेंन, ताकि तुम
अचम्भा करो। 21 जसो बाप मरयो हुयो ख उठावय अऊर जीन्दो करय हय, वसोच बेटा भी जिन्ख
चाहवय हय उन्ख जीन्दो करय हय। 22 बाप कोयी को न्याय नहीं करय, पर न्याय करन को सब काम
बेटा ख सौंप दियो हय, 23 कि सब लोग बाप को आदर करय हंय वसोच बेटा को भी आदर करे। जो
बेटा को आदर नहीं करय, ऊ बाप को जेन ओख भेज्यो हय, ओको आदर नहीं करय।”

24 मय तुम सी सच सच कहू हय जो मोरो वचन सुन क मोरो भेजन वालो पर विश्वास करय
हय, अनन्त जीवन ओको आय; अऊर ओको पर सजा की आज्ञा नहीं होवय पर ऊ मरनो सी पार
होय क जीवन म सिर चुक्यो हय। 25 “मय तुम सी सच सच कहू हय ऊ समय आवय हय, अऊर
अब हय, जेको म मृतक परमेश्वर को बेटा को आवाज सुनेंन, अऊर जो सुनेंन हि जीवन जीयेंन।
26 कहालीकि जो रीति सी बाप अपनो आप म जीवन रखय हय, उच रीति सी ओन बेटा ख भी
यो अधिकार दियो हय कि अपनो आप म जीवन रखे; 27 बल्की ओख न्याय करन को भी अधिकार
दियो हय, येकोलायी कि ऊ आदमी को बेटा आय। 28 येको सी अचम्भा मत करो; कहालीकि ऊ
समय आवय हय कि जितनो कब्र म हंय हि ओको आवाज सुन क निकल आयेंन। 29 जिन्न भलायी
करी हय हि जीवन को पुनरुत्थान लायी जीन्दो होयेंन अऊर जिन्न बुरायी करी हय हि सजा को
पुनरुत्थान लायी जीन्दो होयेंन।”

[illegible]

30 “मय अपनो आप सी कुछ नहीं कर सकू; जसो सुनू हय, वसो न्याय करू हय; अऊर मोरो न्याय
सच्चो हय, कहालीकि मय अपनी इच्छा नहीं पर अपनो भेजन वालो की इच्छा चाहऊ हय।”

31 यदि मय खुदच अपनी गवाही देऊ, त मोरी गवाही सच्ची नहाय। 32 एक अऊर हय जो मोरी
गवाही देवय हय, अऊर मय जानु हय कि मोरी जो गवाही ऊ देवय हय, ऊ सच्ची आय। 33 ✡तुम न
यूहन्ना सी पुछवायो अऊर ओन सच्चायी की गवाही दियो हय। 34 पर मय अपनो बारे म आदमी
की गवाही नहीं चाहऊ; तब भी मय या बाते येकोलायी कहू हय कि तुम्ख उद्धार मिले। 35 ऊ त
जलतो अऊर चमकतो हुयो दीया होतो, अऊर तुम्ख कुछ समय तक ओकी ज्योति म मगन होनो
अच्छो लग्यो। 36 पर मोरो जवर जो गवाही हय ऊ यूहन्ना की गवाही सी बड़ी हय; कहालीकि जो
काम बाप न मोख पूरो करन ख सौंप्यो हय मतलब योच काम जो मय करू हय, हि मोरो गवाह हंय
कि परमेश्वर पिता न मोख भेज्यो हय। 37 ✡अऊर बाप जेन मोख भेज्यो हय, ओनच मोरी गवाही
दियो हय। तुम न नहीं कभी ओको आवाज सुन्यो, अऊर नहीं ओको चेहरा देख्यो हय; 38 अऊर
ओको वचन ख मन म स्थिर नहीं रखय, कहालीकि जेक ओन भेज्यो तुम ओको विश्वास नहीं करय।
39 तुम शास्त्र म ढूंढय हय, कहालीकि समझय हय कि ओको म अनन्त जीवन तुम्ख मिलय हय;
अऊर यो उच आय जो मोरी गवाही देवय हय; 40 तब भी तुम जीवन पावन लायी मोरो जवर आवनो
नहीं चाहवय।

41 “मय आदमियों सी आदर नहीं चाहऊ। 42 पर मय तुम्ख जानु हय कि तुम म परमेश्वर को प्रेम
नहाय। 43 मय अपनो बाप को नाम सी आयो हय, अऊर तुम मोख स्वीकार नहीं करय; यदि दूसरों
कोयी अपनोच नाम सी आयेंन, त ओख स्वीकार कर लेवो। 44 तुम जो एक दूसरों सी आदर चाहवय
हय अऊर ऊ आदर जो परमेश्वरच को तरफ सी हय, नहीं चाहवय, कसो तरह विश्वास कर सकय
हय? 45 यो मत समझो कि मय बाप को आगु तुम पर दोष लगाऊं; तुम पर दोष लगावन वालो त
मूसा आय, जेको पर तुम न भरोसा रख्यो हय। 46 कहालीकि यदि तुम मूसा को विश्वास करतो, त

✡ **5:33** ५:३३ यूहन्ना १:१९-२७; ३:२७-३० ✡ **5:37** ५:३७ मत्ती ३:१७; मरकुस १:११; लूका ३:२२

मोरो भी विश्वास करतो, येकोलायी कि ओन मोरो बारे म लिख्यो हय। 47 पर यदि तुम ओकी लिखी
हुयी बातों पर विश्वास नहीं करय, त मोरी बातों पर कसो विश्वास करो?"

6

[illegible]
([illegible])

1 इन बातों को बाद यीशु गलील की झील मतलब तिबिरियास की झील को ओन पार गयो।
2 अऊर एक बड़ी भीड़ ओको पीछू भय गयी कहालीकि जो अद्भुत चिन्ह को काम ऊ बीमारों पर
दिखात होतो हि उन्ख देखत होतो। 3 तब यीशु पहाड़ी पर चढ़ क अपनो चेलावों को संग उत बैठ
गयो। 4 यहूदियों को फसह को त्यौहार जवर होतो। 5 जब यीशु न अपनी आंखी उठाय क एक बड़ी
भीड़ ख अपनो जवर आवतो देख्यो, त फिलिप्पुस सी कह्यो, "हम इन्को जेवन लायी कित सी रोटी
लेय क लाबो?" 6 ओन या बात ओख परखन लायी कहीं, कहालीकि ऊ खुद जानत होतो कि ऊ का
करेंन।
7 फिलिप्पुस न ओख उत्तर दियो, "दोय सौ चांदी को सिक्का की रोटी भी उन्को लायी पूरी नहीं
होयेंन कि उन्म सी सब ख थोड़ी पूर जाये।"
8 ओको चेला म सी एक शिमोन पतरस को भाऊ अन्द्रियास न ओको सी कह्यो, 9 "इत एक टुरा
हय जेको जवर जौ की पाच रोटी अऊर दोय मच्छी हंय; पर इतनो लोगों लायी का होयेंन?"
10 यीशु न कह्यो, "लोगों ख बैठाय देवो।" ऊ जागा म बहुत घास होतो: तब लोग जेको म
आदमियों की संख्या लगभग पाच हजार की होती, बैठ गयो। 11 तब यीशु न रोटी पकड़ी, अऊर
धन्यवाद कर क् बैठन वालो ख बाट दियो; अऊर वसोच मच्छी म सी जितनी हि चाहत होतो बाट
दियो। 12 जब हि खाय क सन्तुष्ट भय गयो त ओन अपनो चेलावों सी कह्यो, "बच्यो हुयो टुकड़ा
जमा कर लेवो कि कुछ फेक्यो म नहीं जाये।" 13 येकोलायी उन्न जमा करयो, अऊर जौ की पाच
रोटी को टुकड़ा सी जो खान वालो को बाद बच गयी होती, बारा टोकनी भरी।
14 तब जो अद्भुत चिन्ह ओन कर दिखायो ओख हि लोग देख क कहन लग्यो, "ऊ भविष्यवक्ता
जो जगत म आवन वालो होतो निश्चय योच आय।" 15 यीशु यो जान क कि हि मोख राजा बनान
लायी पकड़नो चाहवय हय, तब पहाड़ी पर अकेलो चली गयो।

[illegible]
([illegible])

16 जब शाम भयी, त ओको चेला झील को किनार गयो, 17 अऊर डोंगा पर चढ़ क झील को ओन
पार कफरनहूम गांव ख जान लग्यो। ऊ समय अन्धारो भय गयो होतो, अऊर यीशु अभी तक उन्को
जवर नहीं आयो होतो। 18 आन्धी को वजह झील म लहर उठन लगी। 19 जब हि डोंगा चलावत
पाच छे किलोमीटर को लगभग निकल गयो, त उन्न यीशु ख झील पर चलतो अऊर डोंगा को जवर
आवतो देख्यो, अऊर डर गयो। 20 पर ओन उन्को सी कह्यो, "मय आय; मत डर।" 21 येकोलायी
हि ओख डोंगा पर चढ़ाय लेन लायी तैयार भयो अऊर तुरतच ऊ डोंगा ऊ जागा पर जाय पहुंच्यो
जित हि जाय रह्यो होतो।

[illegible]

22 दूसरों दिन ऊ भीड़ न, जो झील को पार खड़ी होती, यो देख्यो कि इत एक ख छोड़ अऊर
कोयी डोंगा नहीं होती; अऊर यीशु अपनो चेलावों को संग ऊ डोंगा पर नहीं चढ़यो होतो, पर
केवल ओकोच चेला गयो होतो। 23 तब दूसरों डोंगा तिबिरियास सी ऊ जागा को जवर आयी, जित
उन्न प्रभु को धन्यवाद करन को बाद रोटी खायी होती। 24 येकोलायी जब भीड़ न देख्यो कि इत
यीशु नहाय अऊर नहीं ओको चेला, त हि भी डोंगा पर चढ़ क यीशु ख ढूंढतो हुयो कफरनहूम गांव
पहुंच्यो।

[illegible]

25 झील को पार जब हि ओको सी मिल्यो त कह्यो, “हे गुरु, तय इत कब आयो?”
26 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “मय तुम सी सच सच कहू हंय, तुम मोख येकोलायी नहीं ढूंढय हय
कि तुम न अचम्भा को चिन्ह देख्यो, पर येकोलायी कि तुम रोटी खाय क सन्तुष्ट भयो। 27 नाशवान
जेवन लायी परिश्रम मत करो, पर ऊ जेवन लायी जो अनन्त जीवन तक ठहरय हय, जेक आदमी
को बेटा तुम्ख देयेंन; कहालीकि बाप येकोलायी परमेश्वर न ओकोच पर मुहर लगायी हय।”
28 उन्न ओको सी कह्यो, “परमेश्वर को कार्य करन लायी हम का करबो?”
29 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “परमेश्वर को कार्य यो आय कि तुम ओको पर, जेक ओन भेज्यो
हय, विश्वास करो।”
30 तब उन्न ओको सी कह्यो, “तब तय कौन सो चमत्कार को चिन्ह दिखावय हय कि हम ओख
देख क तोरो विश्वास करे? तय कौन सो काम दिखावय हय? 31 हमरो बापदादा न जंगल म मन्ना
खायो; जसो लिख्यो हय, ‘ओन उन्ख खान लायी स्वर्ग सी रोटी दी।’ ”
32 यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय तुम सी सच सच कहू हय कि मूसा न तुम्ख वा रोटी स्वर्ग सी
नहीं दी, पर मोरो बाप तुम्ख सच्ची रोटी स्वर्ग सी देवय हय। 33 कहालीकि परमेश्वर की रोटी वाच
आय जो स्वर्ग सी उतर क जगत ख जीवन देवय हय।”
34 तब उन्न ओको सी कह्यो, “हे प्रभु, या रोटी हम्ख हमेशा दियो कर।”
35 यीशु न ओको सी कह्यो, “जीवन की रोटी मय आय: जो मोरो जवर आवय हय ऊ कभी भूखो
नहीं होयेंन, अऊर जो मोरो पर विश्वास करय हय ऊ कभी प्यासो नहीं होयेंन। 36 पर मय न तुम
सी कह्यो होतो कि तुम न मोख देख भी लियो हय तब भी विश्वास नहीं करय। 37 जो कुछ बाप मोख
देवय हय ऊ सब मोरो जवर आयेंन, अऊर जो कोयी मोरो जवर आयेंन ओख मय कभी नहीं निकालू।
38 कहालीकि मय अपनी इच्छा नहीं बल्की अपनो भेजन वालो की इच्छा पूरी करन लायी स्वर्ग सी
उतरयो हय; 39 अऊर मोरो भेजन वालो की इच्छा यो हय कि जो कुछ ओन मोख दियो हय, ओको
म सी मय कुछ नहीं खोऊं, पर ओख आखरी दिन फिर सी जीन्दो करू। 40 कहालीकि मोरो बाप की
इच्छा यो हय कि जो कोयी बेटा ख देखे अऊर ओको पर विश्वास करेंन, ऊ अनन्त जीवन पायेंन;
अऊर मय ओख आखरी दिन फिर सी जीन्दो करू।”
41 येकोलायी यहूदी ओको पर कुड़कुड़ान लग्यो, कहालीकि ओन कह्यो होतो, “जो रोटी स्वर्ग सी
उतरी, ऊ मय आय।” 42 अऊर उन्न कह्यो, “का यो यूसुफ को बेटा यीशु नोहोय, जेको माय–बाप
ख हम जानजे हंय? त ऊ कसो कह्य हय कि मय स्वर्ग सी उतरयो हय?”
43 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “आपस म मत कुड़कुड़ावों। 44 कोयी मोरो जवर नहीं आय सकय जब
तक बाप, जेन मोख भेज्यो हय, ओख खीच ले; अऊर मय ओख आखरी दिन फिर सी जीन्दो करू।
45 भविष्यवक्तावों को लेखों म यो लिख्यो हय: ‘हि सब परमेश्वर को तरफ सी सिखायो हुयो होना।’
जो कोयी न बाप सी सुन्यो अऊर सिख्यो हय, ऊ मोरो जवर आवय हय;* 46 यो नहीं कि कोयी न
बाप ख देख्यो हय; पर जो परमेश्वर को तरफ सी हय, केवल ओनच बाप ख देख्यो हय। 47 मय तुम
सी सच सच कहू हय कि जो कोयी विश्वास करय हय, अनन्त जीवन ओकोच हय। 48 जीवन की
रोटी मय आय। 49 तुम्हरो पूर्वजों न जंगल म मन्ना खायो अऊर मर गयो। 50 या वा रोटी आय जो
स्वर्ग सी उतरय हय ताकि आदमी ओको म सी खाये अऊर नहीं मरय। 51 जीवन की रोटी जो स्वर्ग
सी उतरी, मय आय। यदि कोयी यो रोटी म सी खावय, त हमेशा जीन्दो रहेंन; अऊर जो रोटी मय
जगत को जीवन लायी देऊ, ऊ मोरो मांस आय।”
52 येको पर यहूदी यो कह्य क आपस म झगड़ा करन लग्यो, “यो आदमी कसो हम्ख अपनो मांस
खान ख दे सकय हय?”
53 यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय तुम सी सच सच कहू हय कि जब तक तुम आदमी को बेटा
यानेकि मसीह को मांस नहीं खावो, अऊर ओको खून नहीं पीवो, तुम म जीवन नहाय। 54 जो मोरो
मांस खावय अऊर मोरो खून पीवय हय, अनन्त जीवन ओकोच हय; अऊर मय ओख आखरी दिन

* **6:45** ६:४५ यशायाह ५४:१३

फिर जीन्दो करू। 55 कहालीकि मोरो मांस सच म खान की चिज हय, अऊर मोरो खून सच म पीवन
की चिज हय। 56 जो मोरो मांस खावय अऊर मोरो खून पीवय हय ऊ मोरो म मजबूत बन्यो रह्य
हय, अऊर मय ओको म। 57 जसो जीन्दो बाप न मोख भेज्यो, अऊर मय बाप को वजह जीन्दो हय,
वसोच ऊ भी जो मोख खायेंन मोरो वजह जीन्दो रहेंन। 58 जो रोटी स्वर्ग सी उतरी योच आय, ऊ
रोटी को जसो नहाय जेक बापदादों न खायो अऊर मर गयो; जो कोयी यो रोटी खायेंन, ऊ हमेशा
जीन्दो रहेंन।"

59 या बाते यीशु न कफरनहूम को एक आराधनालय म शिक्षा देतो समय कह्यो।

[illegible]

60 ओको चेलावों म सी बहुत सो न यो सुन क कह्यो, "या कठोर बात आय; येख कौन सुन सकय
हय?"

61 यीशु न अपनो मन म यो जान क कि मोरो चेला आपसी म या बात पर कुड़कुड़ावय हंय, उन्को
सी पुच्छ्यो, "का या बात सी तुम्ख ठोकर लगय हय? 62 यदि तुम आदमी को बेटा ख जहां ऊ
पहिले होतो, वहां ऊपर जातो देखो, त का होयेंन? 63 आत्मा त जीवन देन वाली आय, शरीर सी
कुछ फायदा नहाय; जो बाते मय न तुम सी कहीं हंय हि आत्मा आय, अऊर जीवन भी आय। 64 पर
तुम म सी कुछ असो हंय जो विश्वास नहीं करय।" कहालीकि यीशु पहिलेच सी जानत होतो कि
जो विश्वास नहीं करय, हि कौन आय; अऊर मोख पकड़वायेंन। 65 अऊर ओन कह्यो, "येको लायी
मय न तुम सी कह्यो होतो कि जब तक कोयी ख बाप को तरफ सी यो वरदान नहीं दियो जाय तब
तक ऊ मोरो जवर नहीं आय सकय।"

66 येको पर ओको बहुत सो चेलावों पीछू हट गयो अऊर ओको बाद ओको संग नहीं चल्यो।
67 तब यीशु न उन बारयी चेला सी कह्यो, "का तुम भी चल्यो जानो चाहवय हय?"

68 ✡शिमोन पतरस न ओख उत्तर दियो, "हे प्रभु, हम कौन्को जवर जाबो? अनन्त जीवन की
बाते त तोरोच जवर हंय; 69 अऊर हम न विश्वास करयो अऊर जान गयो हंय कि परमेश्वर को
पवित्र लोग तयच आय।"

70 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "का मय न तुम बारयी ख नहीं चुन्यो? तब भी तुम म सी एक आदमी
शैतान हय।" 71 यो ओन शिमोन इस्करियोती को टुरा यहूदा को बारे म कह्यो होतो, कहालीकि उच
जो बारयी म सी एक होतो, ओख पकड़वान ख होतो।

7

[illegible]

1 इन बातों को बाद यीशु गलील म फिरतो रह्यो; कहालीकि यहूदी ओख मार डालन को कोशिश
कर रह्यो होतो, येकोलायी ऊ यहूदिया म फिरनो नहीं चाहत होतो। 2 यहूदियों को झोपड़ियों को
त्यौहार जवर होतो। 3 येकोलायी ओको भाऊवों न ओको सी कह्यो, "इत सी यहूदिया ख जा, कि जो
काम तय करय हय उन्ख तोरो चेला उत भी देखे। 4 कहालीकि असो कोयी नहीं होना जो प्रसिद्ध
होनो चाहे, अऊर लूक क काम करे। यदि तय यो काम करय हय, त अपनो आप ख जगत पर प्रगट
करे।" 5 कहालीकि ओको भाऊ भी ओको पर विश्वास नहीं करत होतो।

6 तब यीशु न ओको सी कह्यो, "मोरो समय अभी तक नहीं आयो, पर तुम्हरो लायी सब समय
हय। 7 जगत तुम सी दुश्मनी नहीं कर सकय, पर ऊ मोरो सी दुश्मनी करय हय कहालीकि मय
ओको विरोध म यो गवाही देऊ हय कि ओको काम बुरो हंय। 8 तुम त्यौहार म जावो; मय अभी
यो त्यौहार म नहीं जाऊ, कहालीकि अभी तक मोरो समय पूरो नहीं भयो।" 9 ऊ उन्को सी या बाते
कह्य क गलील मच रह्य गयो।

[illegible]

✡ **6:68** ६:६८ मत्ती १६:१६; मरकुस ८:२९; लूका ९:२०

10 पर जब ओको भाऊ पर्व म चली गयो त ऊ खुद भी, सरेआम म नहीं पर मानो चुपचाप सी
गयो। 11 यहूदी त्यौहार म ओख यो कह्य क ढूंढन लग्यो, “ऊ कित हय?”
12 अऊर लोगों म ओको बारे म चुपका सी बहुत बाते भयी: कुछ कहत होतो, “ऊ भलो आदमी
हय।” अऊर कुछ कहत होतो, “नहीं, ऊ लोगों ख भरमावय हय।” 13 तब भी यहूदियों को डर को
मारे कोयी व्यक्ति ओको बारे म खुल क नहीं बोलत होतो।
14 जब त्यौहार को अरधो दिन बीत गयो; त यीशु मन्दिर म जाय क शिक्षा देन लग्यो। 15 तब
यहूदियों न चकित होय क कह्यो, “येख बिना पढ़यो अक्कल कसी आय गयी?”
16 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “मोरो उपदेश मोरो नहीं, पर मोरो भेजन वालो को हय। 17 यदि
कोयी ओकी इच्छा पर चलनो चाहे, त ऊ यो उपदेश को बारे म जान जायेंन कि यो परमेश्वर को
तरफ सी आय यां मय अपनो तरफ सी कहू हय। 18 जो अपनो तरफ सी कुछ कह्य हय, ऊ अपनीच
बड़ायी चाहवय हय; पर जो अपनो भेजन वालो की बड़ायी चाहवय हय उच सच्चो आय, अऊर
ओको म अधर्म नहीं। 19 का मूसा न तुम्ख व्यवस्था नहीं दियो? तब भी तुम म सी कोयी व्यवस्था
पर नहीं चलय। तुम कहाली मोख मार डालनो चाहवय हय?”
20 लोगों न उत्तर दियो, “तोरो म दुष्ट आत्मा हय! कौन तोख मार डालनो चाहवय हय?”
21 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, “मय न एक काम करयो, अऊर तुम सब अचम्भा करय हय। 22 योच
वजह सी मूसा न तुम्ख खतना की आज्ञा दी हय यो नहीं कि ऊ मूसा को तरफ सी आय पर बापदादा
सी चली आयी हय, अऊर तुम आराम दिन म आदमी को खतना करय हय। 23 ✡जब आराम दिन म
आदमी को खतना करयो जावय हय ताकि मूसा की व्यवस्था की आज्ञा टल नहीं जाये, त तुम मोरो
पर कहाली येकोलायी गुस्सा करय हय कि मय न आराम दिन म एक आदमी ख पूरी रीति सी चंगो
करयो। 24 मुंह देख क न्याय मत करो, पर ठीक ठीक न्याय करो।”

?? ?????? ????? ???

25 तब कुछ यरूशलेम नगर म रहन वालो लोगों म सी कुछ न कह्यो, “का यो उच नोहोय जेक
मार डालन की कोशिश करयो जाय रह्यो हय? 26 देखो, ऊ त खुल क बाते करय हय अऊर कोयी
ओको सी कुछ नहीं कह्य। का मुखिया न सच सच जान लियो हय कि योच मसीह आय? 27 येख त
हम जानजे हंय कि यो कित को आय; पर मसीह जब आयेंन त कोयी नहीं जानेंन कि ऊ कित को
आय।”
28 तब यीशु न मन्दिर म शिक्षा देतो हुयो पुकार क कह्यो, “तुम मोख जानय हय, अऊर यो भी
जानय हय कि मय कित को आय। मय त अपनो आप सी नहीं आयो, पर मोरो भेजन वालो सच्चो
हय, ओख तुम नहीं जानय। 29 मय ओख जानु हय कहालीकि मय ओको तरफ सी आय अऊर ओनच
मोख भेज्यो हय।”
30 येको पर उन्न ओख पकड़नो चाह्यो, तब भी कोयी न ओको पर हाथ नहीं डाल्यो कहालीकि
ओको समय अब तक नहीं आयो होतो। 31 तब भी भीड़ म सी बहुत सो लोगों न ओको पर विश्वास
करयो, अऊर कहन लग्यो, “मसीह जब आयेंन त का येको सी जादा अचम्भा को चिन्ह दिखायेंन
जो येन दिखायो?”

???? ? ?????? ??????

32 फरीसियों न लोगों ख ओको बारे म या बाते चुपका सी करतो सुन्यो; अऊर मुख्य याजकों
अऊर फरीसियों न ओख पकड़न लायी सिपाही भेज्यो। 33 येको पर यीशु न कह्यो, “मय थोड़ी देर
तक अऊर तुम्हरो संग हय, तब अपनो भेजन वालो को जवर चली जाऊं। 34 तुम मोख ढूंढो, पर
नहीं पावों; अऊर जित मय हय, उत तुम नहीं आय सकय।”
35 येको पर यहूदियों न आपस म कह्यो, “यो कह्यो जायेंन कि हम येख नहीं पा सकबो? का ऊ
उन्को जवर जायेंन जो गैरयहूदियों म तितर बितर रह्य हय, अऊर गैरयहूदियों ख भी शिक्षा देयेंन?

✡ **7:23** ७:२३ यूहन्ना ५:९

36 या का बात आय जो ओन कहीं, कि 'तुम मोख ढूंढो, पर नहीं पावों; अऊर जित मय हय, उत तुम
नहीं आय सकय?' "

[illegible]

37 त्यौहार को आखरी दिन, जो मुख्य दिन होतो, यीशु खड़ो भयो अऊर पुकार क कह्यो, "यदि
कोयी प्यासो हय त मोरो जवर आवो अऊर पीवो। 38 जो मोरो पर विश्वास करेंन, जसो पवित्र
शास्त्र म आयो हय, 'ओको दिल म सी जीवन को पानी की नदी बह निकलेंन।' " 39 ओन यो वचन
पवित्र आत्मा को बारे म कह्यो, जेक ओको पर विश्वास करन वालो पवित्र आत्मा पावन पर
होतो; कहालीकि आत्मा अब तक नहीं उतरी होतो, कहालीकि यीशु अब तक अपनी महिमा ख नहीं
पहुंच्यो होतो।

40 तब भीड़ म सी कोयी न या बाते सुन क कह्यो, "सचमुच योच ऊ भविष्यवक्ता आय।"

41 दूसरों न कह्यो, "यो मसीह आय।"

पर कुछ न कह्यो, "कहाली? का मसीह गलील सी आयेंन? 42 का पवित्र शास्त्र म यो नहीं
आयो कि मसीह दाऊद को वंश सी अऊर बैतलहम गांव सी आयेंन, जित दाऊद रहत होतो?"
43 येकोलायी ओको वजह लोगों म फूट पड़ी। 44 उन्म सी कुछ ओख पकड़नो चाहत होतो, पर
कोयी न ओको पर हाथ नहीं डाल्यो।

[illegible]

45 तब सिपाही मुख्य याजकों अऊर फरीसियों को जवर लौट आयो; उन्न उन्को सी कह्यो, "तुम
ओख कहाली नहीं लायो?"

46 सिपाहियों न उत्तर दियो, "कोयी आदमी न कभी असी बाते नहीं करी।"

47 फरीसियों न उन्ख उत्तर दियो, "का तुम भी बहकायो गयो हय? 48 का मुखिया या फरीसियों म
सी कोयी न भी ओको पर विश्वास करयो हय? 49 पर हि लोग जो व्यवस्था नहीं जानय, हि श्रापित
हंय।"

50 ✡नीकुदेमुस न, जो पहिले ओको जवर आयो होतो अऊर उन्म सी एक होतो, उन्को सी कह्यो,
51 "का हमरी व्यवस्था कोयी आदमी ख, जब तक पहिले ओकी सुन क जान नहीं लेवय कि ऊ का
करय हय, दोषी ठहरावय हय?"

52 उन्न ओख उत्तर दियो, "का तय भी गलील को हय? ढूंढ अऊर देख कि गलील सी कोयी
भविष्यवक्ता प्रगट नहीं होन को।" 53 तब सब कोयी अपनो अपनो घर चली गयो।

8

[illegible]

1 सब कोयी अपनो घर चली गयो पर यीशु जैतून की पहाड़ी पर गयो। 2 भुन्सारे ख ऊ फिर मन्दिर
म आयो; सब लोग ओको जवर आयो अऊर ऊ बैठ क उन्ख शिक्षा देन लग्यो। 3 तब धर्मशास्त्री
अऊर फरीसी एक बाई ख लायो जो व्यभिचार म पकड़ायी होती, ओख बीच म खड़ो कर क् यीशु सी
कह्यो, 4 "हे गुरु, या बाई व्यभिचार करता पकड़ी गयी हय। 5 व्यवस्था म मूसा न हम्ख आज्ञा दी
हय कि असी बाईयों पर गोटा मारे। पर तय या बाई को बारे म का कह्य हय?" 6 उन्न ओख परखन
लायी या बात कहीं ताकि ओको पर दोष लगान लायी कोयी बात मिले। पर यीशु झुक क बोट सी
जमीन पर लिखन लग्यो।

7 जब हि ओको सी पूछतोच रह्यो त ओन खड़ो होय क उन्को सी कह्यो "तुम म जेन कोयी पाप
नहीं करयो हय, उच पहिले ओख गोटा मारे।" 8 अऊर फिर झुक क जमीन पर बोट सी लिखन लग्यो।
9 पर हि यो सुन क बुजूर्ग सी ले क छोटो तक, एक एक कर क् निकल गयो, अऊर यीशु अकेलो रह
गयो अऊर बाई उतच खड़ी रह्य गयी। 10 यीशु न खड़ो होय क ओको सी कह्यो, "हे बाई हि कित
गयो? का कोयी न तोख सजा नहीं दी?" 11 ओन कह्यो, "हे प्रभु, कोयी न नहीं।" यीशु न कह्यो,
"मय भी तोरो पर कोयी सजा की आज्ञा नहीं देऊ; जा अऊर फिर सी कोयी पाप मत करजो।"

✡ **7:50** ७:५० यूहन्ना ३:१,२

[illegible]

12 ✡यीशु न तब लोगों सी कह्यो, "जगत की ज्योति मय आय; जो मोरो पीछू होय जायेंन ऊ
अन्धारो म नहीं चलेंन, पर जीवन की ज्योति पायेंन।"
13 ✡फरीसियों न ओको सी कह्यो, "तय अपनी गवाही खुदच देवय हय, तोरी गवाही सही नहाय।"
14 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "पर मय अपनी गवाही खुद देऊ हय, फिर भी मोरी गवाही सही हय,
कहालीकि मय जानु हय कि मय कित सी आयो हय अऊर कित जाय रह्यो हय? पर तुम लोग नहीं
जानय कि मय कित सी आयो हय अऊर कित जाय रह्यो हय। 15 तुम शरीर को अनुसार न्याय करय
हय; मय कोयी को न्याय नहीं करू हय। 16 अऊर यदि मय न्याय करू भी, त मोरो न्याय सच्चो हय;
कहालीकि मय अकेलो नहाय, पर मय हय, अऊर बाप हय जेन मोख भेज्यो। 17 तुम्हरी व्यवस्था म
भी लिख्यो हय कि दोय लोगों की गवाही मिल क सही होवय हय; 18 एक त मय खुद अपनी गवाही
देऊ हय, अऊर दूसरों बाप मोरी गवाही देवय हय जेन मोख भेज्यो।"
19 उन्न ओको सी कह्यो, "तोरो बाप कित हय?" यीशु न उत्तर दियो, "नहीं तुम मोख जानय हय,
नहीं मोरो बाप ख, यदि मोख जानतो त मोरो बाप ख भी जानतो।"
20 या बाते ओन मन्दिर म शिक्षा देतो हुयो दान भण्डार घर म कहीं, अऊर कोयी न ओख नहीं
पकड़यो, कहालीकि ओको समय अब तक नहीं आयो होतो।

[illegible]

21 ओन फिर ओको सी कह्यो, "मय जाऊ हय, अऊर तुम मोख ढूंढो अऊर अपनो पाप म मरो;
जित मय जाऊ हय, उत तुम नहीं आय सकय।"
22 येको पर यहूदियों न कह्यो, "का ऊ अपनो आप ख मार डालेंन, जो कह्य हय, 'जित मय जाऊ
हय उत तुम नहीं आय सकय?' "
23 ओन उन्को सी कह्यो, "तुम जगत सी आय, अऊर मय ऊपर को आय; तुम जगत को आय,
मय जगत को नोहोय। 24 येकोलायी मय न तुम सी कह्यो कि तुम अपनो पापों म मरो, कहालीकि
यदि तुम विश्वास नहीं करो कि मय उच आय त अपनो पापों म मरो।"
25 उन्न यीशु सी कह्यो, "तय कौन आय?"
यीशु न उन्को सी कह्यो, "उच आय जो सुरूवात सी तुम सी कहतो आयो हय। 26 तुम्हरो बारे म
मोख बहुत कुछ कहनो अऊर न्याय करनो हय; पर मोरो भेजन वालो सही हय, अऊर जो मय न
ओको सी सुन्यो हय उच जगत सी कहू हय।"
27 हि यो नहीं समझ्यो कि हम सी बाप को बारे म कह्य हय। 28 तब यीशु न कह्यो, "जब तुम
आदमी को बेटा ख ऊचो पर चढ़ावो, त जानो कि मय उच आय; मय अपनो आप सी कुछ नहीं
करू हय पर जसो मोरो बाप न मोख सिखायो वसोच या बाते कहू हय। 29 मोरो भेजन वालो मोरो
संग हय; ओन मोख अकेलो नहीं छोड़यो कहालीकि मय हमेशा उच काम करू हय जेकोसी ऊ खुश
होवय हय।"
30 ऊ या बाते कह्यच रह्यो होतो कि बहुत सो न ओको पर विश्वास करयो।

[illegible]

31 तब यीशु न उन यहूदियों सी जिन्न ओको पर विश्वास करयो होतो, कह्यो, "यदि तुम मोरो
वचन म बन्यो रहो, त सच म मोरो चेला ठहरो। 32 तुम सच ख जानो त, सच तुम्ख स्वतंत्र करेंन।"
33 ✡उन्न ओख उत्तर दियो, "हम त अब्राहम को वंश सी आय, अऊर कभी कोयी को सेवक नहीं
भयो। फिर तय कसो कह्य हय कि तुम स्वतंत्र होय जायो?"
34 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "मय तुम सी सच सच कहू हय कि जो कोयी पाप करय हय ऊ पाप
को सेवक हय। 35 सेवक हमेशा घर म नहीं रह्य; बेटा सदा रह्य हय। 36 येकोलायी यदि बेटा तुम्ख
स्वतंत्र करेंन, त सचमुच तुम स्वतंत्र होय जावो।"

✡ **8:12** ८:१२ मत्ती ५:१४; यूहन्ना ९:५ ✡ **8:13** ८:१३ यूहन्ना ५:३१ ✡ **8:33** ८:३३ मत्ती ३:९; लूका ३:८

37 “मय जानु हय कि तुम अब्राहम को वंश सी आय; तब भी मोरो वचन तुम्हरो दिल म जागा
नहीं पावय हय, येकोलायी तुम मोख मार डालनो चाहवय हय। 38 मय उच कहू हय, जो अपनो बाप
को इत देख्यो हय; अऊर तुम उच करतो रह्य हय जो तुम न अपनो बाप सी सुन्यो हय।” 39 उन्न
ओख उत्तर दियो, “हमरो बाप त अब्राहम आय।”
यीशु न उन्को सी कह्यो, “यदि तुम अब्राहम की सन्तान होतो त अब्राहम को जसो काम करतो।
40 पर अब मोरो जसो आदमी ख मार डालनो चाहवय हय, जेन तुम्ख ऊ सत्य वचन बतायो जो
परमेश्वर सी सुन्यो; असो त अब्राहम न नहीं करयो होतो। 41 तुम अपनो बाप को जसो काम
करय हय।” उन्न ओको सी कह्यो, “हम व्यभिचार सी नहीं जनम लियो, हमरो एक बाप हय मतलब
परमेश्वर।”
42 यीशु न उन्को सी कह्यो, “यदि परमेश्वर तुम्हरो पिता होतो त तुम मोरो सी प्रेम रखतो;
कहालीकि मय परमेश्वर को तरफ सी आयो हय। मय अपनो आप सी नहीं आयो, पर ओनच मोख
भेज्यो। 43 तुम मोरी बात कहाली नहीं समझय? येकोलायी कि तुम मोरो वचन सुन नहीं सकय।
44 तुम अपनो बाप शैतान सी आय अऊर अपनो बाप की लालसावों ख पूरो करनो चाहवय हय।
ऊ त सुरूवात सी हत्यारों हय अऊर सत्य पर स्थिर नहीं रह्यो, कहालीकि सत्य ओको म हयच
नहाय। जब ऊ झूठ बोलय, त अपनो स्वभाव सीच बोलय हय; कहालीकि ऊ झूठो हय बल्की झूठ
को बाप हय। 45 पर मय जो सच कहू हय, येकोच लायी तुम मोरो विश्वास नहीं करय। 46 तुम म सी
कौन मोख पापी ठहरावय हय? यदि मय सच बोलू हय, त तुम मोरो विश्वास कहाली नहीं करय?
47 जो परमेश्वर सी होवय हय, ऊ परमेश्वर की बाते सुनय हय; अऊर तुम येकोलायी नहीं सुनय
कि परमेश्वर को तरफ सी नहीं हो।”

[illegible]

48 यो सुन यहूदियों न ओको सी कह्यो, “का हम ठीक नहीं कहजे कि तय सामरी हय, अऊर तोरो
म दुष्ट आत्मा हय?”
49 यीशु न उत्तर दियो, “मोरो म दुष्ट आत्मा नहाय; पर मय अपनो बाप को आदर करू हय,
अऊर तुम मोरो अपमान करय हय। 50 पर मय अपनो आदर नहीं चाहऊ; हव, एक हय जो चाहवय
हय अऊर न्याय करय हय। 51 मय तुम सी सच सच कहू हय कि यदि कोयी आदमी मोरो वचन पर
चलेंन, त ऊ अनन्त काल तक अपनी मृत्यु ख नहीं देखेंन।”
52 यहूदियों न ओको सी कह्यो, “अब हम न जान लियो हय कि तोरो म दुष्ट आत्मा हय। अब्राहम
मर गयो, अऊर भविष्यवक्ता भी मर गयो हंय; अऊर तय कह्य हय, ‘यदि कोयी मोरो वचन पर चलेंन
त ऊ अनन्त काल तक मृत्यु को स्वाद नहीं चख सकेंन।’ 53 हमरो बाप अब्राहम त मर गयो। का तय
ओको सी भी बड़ो हय? अऊर भविष्यवक्ता भी मर गयो। तय अपनो आप ख का ठहरावय हय?”
54 यीशु न उत्तर दियो, “यदि मय खुद अपनी महिमा करू, त मोरी महिमा कुछ नहाय; पर मोरी
महिमा करन वालो मोरो बाप हय, जेक तुम कह्य हय कि ऊ तुम्हरो परमेश्वर आय। 55 तुम न त
ओख नहीं जान्यो: पर मय ओख जानु हय। यदि मय कहूं कि मय ओख नहीं जानु, त मय तुम्हरो
जसो झूठो ठहरू; पर मय ओख जानु हय अऊर ओको वचन पर चलू हय। 56 तुम्हरो बाप अब्राहम
मोरो दिन देखन की इच्छा सी बहुत मगन होतो; अऊर ओन देख्यो अऊर खुश भी भयो।”
57 यहूदियों न ओको सी कह्यो, “अब तक तय पचास साल को भी नहीं भयो तब भी तय न
अब्राहम ख देख्यो हय?”
58 यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय तुम सी सच्ची कहू हय, कि पहिले येको कि अब्राहम पैदा भयो,
मय आय।”
59 तब उन्न ओख मारन लायी गोटा उठायो, पर यीशु लूक क मन्दिर सी निकल गयो।

9

[illegible]

1 जातो हुयो ओन एक आदमी ख देख्यो जो जनम सी अन्धा होतो। 2 ओको चेला न ओको सी
पुच्छयो, "हे गुरु, कौन पाप करयो होतो कि यो अन्धा जनम्यो, यो आदमी न या येको बाप–माय
न?"
3 यीशु न उत्तर दियो, "नहीं येन पाप करयो होतो, नहीं येको माय–बाप न; पर यो येकोलायी भयो
कि परमेश्वर को काम ओको म प्रगट हो। 4 जेन मोख भेज्यो हय, हम्ख ओको काम दिनच दिन म
करनो जरूरी हय; ऊ रात आवन वाली हय जेको म कोयी काम नहीं कर सकय। 5 ✡जब तक मय
जगत म हय, तब तक जगत की ज्योति आय।"
6 यो कह्य क ओन जमीन पर थूक्यो, अऊर ऊ थूक सी माटी सानी, अऊर ऊ माटी ऊ अन्धा
की आंखी पर लगाय क 7 ओको सी कह्यो, "जा, शीलोह को कुण्ड म धोय ले" शीलोह को मतलब
"भेज्यो हुयो हय।" ओन जाय क धोयो, अऊर देखतो हुयो लौट आयो।
8 तब पड़ोसी अऊर जिन्न पहिले ओख भीख मांगतो देख्यो होतो, कहन लग्यो, "का यो उच
नोहोय, जो बैठचो भीख मांगत होतो?"
9 कुछ लोगों न कह्यो, "यो उच आय," दूसरों न कह्यो, "नहीं, पर ओको जसो हय।"
ओन कह्यो, "मय उच आय।"
10 तब हि ओको सी पूछन लग्यो, "तोरी आंखी कसी खुल गयी?"
11 ओन उत्तर दियो, "यीशु नाम को एक आदमी न माटी सानी, अऊर मोरी आंखी पर लगाय
क मोरो सी कह्यो, 'शीलोह को कुण्ड म जाय क धोय ले,' येकोलायी मय गयो अऊर धोयो अऊर
देखन लग्यो।"
12 उन्न ओको सी पुच्छयो, "ऊ कित हय?"
ओन कह्यो, "मय नहीं जानु हय।"

[illegible]

13 लोग ओख जो पहिले अन्धा होतो फरीसियों को जवर ले गयो। 14 जो दिन यीशु न माटी सान
क ओकी आंखी खोली होती, ऊ आराम को दिन होतो। 15 तब फरीसियों न भी ओको सी पुच्छयो कि
ओकी आंखी कौन्सी रीति सी खुल गयी। ओन उन्को सी कह्यो, "ओन मोरी आंखी पर माटी लगायी,
तब मय न धोय लियो, अऊर अब देखू हय।"
16 येको पर कुछ फरीसी कहन लग्यो, "यो आदमी परमेश्वर को तरफ सी नहीं, कहालीकि ऊ
आराम दिन ख नहीं मानय।"
दूसरों न कह्यो, "पापी आदमी असो चिन्ह कसो दिखाय सकय हय?" येकोलायी ओको म फूट
पड़ गयी।
17 उन्न ऊ अन्धा सी फिर कह्यो, "ओन तोरी आंखी खोली हंय। तय ओको बारे म का कह्य हय?"
ओन कह्यो, "ऊ भविष्यवक्ता आय।"
18 पर यहूदियों ख विश्वास नहीं भयो कि ऊ अन्धा होतो अऊर अब देखय हय, जब तक उन्न
ओको, जेकी आंखी खुल गयी होती, माय–बाप ख बुलाय क 19 उन्को सी नहीं पुच्छयो, "का यो
तुम्हरो बेटा आय, जेक तुम कह्य हय कि अन्धा जनम्यो होतो? फिर अब ऊ कसो देखय हय?"
20 उन्को माय–बाप न उत्तर दियो, "हम त जानजे हंय कि यो हमरो बेटा आय, अऊर अन्धा
जनम्यो होतो; 21 पर हम यो नहीं जानजे हंय कि अब कसो देखय हय, अऊर नहीं जानय हंय कि कौन
न ओकी आंखी खोली। ऊ सियानो हय, ओको सीच पूछ लेवो; ऊ अपनो बारे म खुदच कह्य देयेंन।"
22 या बाते ओको माय–बाप न येकोलायी कहीं कहालीकि हि यहूदियों सी डरत होतो, कहालीकि
यहूदी एक मन को होय गयो होतो कि यदि कोयी कहेंन कि ऊ मसीह आय, त आराधनालयों म सी
निकाल दियो जायेंन। 23 येकोलायी ओको माय-बाप न कह्यो, "ऊ सियानो हय, ओको सीच पूछ
लेवो।"
24 तब उन्न ऊ आदमी ख जो अन्धा होतो, दूसरी बार बुलाय क ओको सी कह्यो, "परमेश्वर की
महिमा कर हम त जानजे हंय कि ऊ आदमी पापी हय।"

✡ **9:5** ९:५ मत्ती ५:१४; यूहन्ना ८:१२

25 ओन उत्तर दियो, “मय नहीं जानु हय कि ऊ पापी आय या नहीं; मय एक बात जानु हय कि
मय अन्धा होतो अऊर अब देखू हय।”
26 उन्न ओको सी कह्यो, “ओन तोरो संग का करयो? अऊर कसो तरह तोरी आंखी खोली?”
27 ओन ओको सी कह्यो, “मय त तुम सी कह्यो होतो, अऊर तुम न नहीं सुन्यो; अब दूसरों बार
कहाली सुननो चाहवय हय? का तुम भी ओको चेला होनो चाहवय हय?”
28 तब हि ओख बुरो भलो कह्य क बोल्यो, “तयच ओको चेला आय, हम त मूसा को चेला आय।
29 हम जानजे हय कि परमेश्वर न मूसा सी बाते करी; पर यो आदमी ख नहीं जानजे कि कित को
आय।”
30 ओन उन्ख उत्तर दियो, “या त अचम्भा की बात आय कि तुम नहीं जानय हय कि ऊ कित को
आय, तब भी ओन मोरी आंखी खोल दी। 31 हम जानजे हंय कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनय,
पर यदि कोयी परमेश्वर को भक्त हय अऊर ओकी इच्छा पर चलय हय, त ऊ ओकी सुनय हय।
32 जगत को सुरूवात सी यो कभी सुननो म नहीं आयो कि कोयी न जनम को अन्धा की आंखी
खोली हय। 33 यदि यो आदमी परमेश्वर को तरफ सी नहीं होतो, त कुछ भी नहीं कर सकय।”
34 उन्न ओख उत्तर दियो, “तय त बिल्कुल पापों म जनम्यो हय, तय हम्ख का सिखावय हय?”
अऊर उन्न ओख बाहेर निकाल दियो।

[illegible]

35 यीशु न सुन्यो कि उन्न ओख बाहेर निकाल दियो हय, अऊर जब ओको सी भेंट भयी त कह्यो,
“का तय आदमी को बेटा पर विश्वास करय हय?”
36 ओन उत्तर दियो, “हे प्रभु, ऊ कौन आय, कि मय ओको पर विश्वास करू?”
37 यीशु न ओको सी कह्यो, “तय न ओख देख्यो भी हय, अऊर जो तोरो संग बाते कर रह्यो हय
ऊ उच आय।”
38 ओन कह्यो, “हे प्रभु, मय विश्वास करू हय।” अऊर ओख घुटना को बल प्रनाम करयो।
39 तब यीशु कह्यो, “मय यो जगत म न्याय करन आयो हय, ताकि जो नहीं देखय ऊ देखय हय
हि देखेंन जो देखय हय हि अन्धा होय जायेंन।”
40 जो फरीसी ओको संग होतो उन्न यो बाते सुन क ओको सी कह्यो, “का हम भी अन्धा हय?”
41 यीशु न उन्को सी कह्यो, “यदि तुम अन्धा होतो त पापी नहीं ठहरतो; पर अब कह्य हय कि
हम देखजे हंय, येकोलायी तुम्हरो पाप बन्यो रह्य हय।

10

[illegible]

1 “मय तुम सी सच सच कहू हय कि जो कोयी द्वार सी मेंढीं को बाड़ा म नहीं सिरय, पर कोयी
दूसरी तरफ सी आवय हय, ऊ चोर अऊर डाकू आय। 2 पर जो द्वार सी अन्दर सिरय हय ऊ मेंढीं को
चरावन वालो आय। 3 ओको लायी पहरेदार द्वार खोल देवय हय, अऊर मेंढीं ओको आवाज सुनय
हंय, अऊर ऊ अपनी मेंढीं ख नाम ले ले क बुलावय हय अऊर बाहेर ले जावय हय। 4 जब ऊ अपनी
सब मेंढीं ख बाहेर निकाल देवय हय, त उन्को आगु आगु चलय हय, अऊर मेंढीं ओको पीछू पीछू
होय जावय हंय, कहालीकि हि ओको आवाज पहिचानय हंय। 5 पर हि परायो को पीछू नहीं जायेंन,
पर ओको सी भगेंन, कहालीकि हि परायो की आवाज नहीं पहिचानय।”
6 यीशु न उन्को सी यो दृष्टान्त कह्यो, पर हि नहीं समझ्यो कि या का बाते हंय जो ऊ हम सी
कह्य हय।

[illegible]

7 तब यीशु न उन्को सी फिर कह्यो, मय तुम सी सच सच कहू हय, मेंढीं को दरवाजा मय हय।
8 जितनो मोरो सी पहिले आयो हि सब चोर अऊर डाकू आय, पर मेंढीं न उन्की नहीं सुनी। 9 दरवाजा
म हय; यदि कोयी मोरो द्वारा अन्दर सिरे, त उद्धार पायेंन, अऊर अन्दर बाहेर आयो जायो करेंन

अऊर चारा पायेंन। 10 चोर कोयी अऊर काम लायी नहीं पर केवल चोरी करनो अऊर घात करनो
अऊर नाश करन ख आवय हय; मय येकोलायी आयो कि हि जीवन पाये, अऊर बहुतायत सी पाये।
11 अच्छो चरवाहा मय आय; अच्छो चरवाहा मेंढीं लायी अपनो जीव देवय हय। 12 मजूर जो
नहीं चरवाहा आय अऊर नहीं मेंढीं को मालिक आय, भेड़िया ख आवता देख मेंढीं ख छोड़ क भग
जावय हय अऊर भेड़िया उन्ख पकड़तो अऊर तितर-बितर कर देवय हय। 13 ऊ येकोलायी भग
जावय हय कि ऊ मजूर आय, अऊर ओख मेंढीं की चिन्ता नहीं। 14 ✡अच्छो चरवाहा मय आय; मय
अपनी मेंढीं ख जानु हय, अऊर मोरी मेंढीं मोख जानय हंय। 15 जसो बाप मोख जानय हय अऊर
मय बाप ख जानु हय अऊर मय मेंढीं लायी अपनो जीव देऊ हय। 16 मोरी अऊर भी मेंढीं हंय, जो
यो बाड़ा की नहाय। मोख उन्को भी लावनो जरूरी हय। हि मोरो आवाज सुनेंन, तब एकच झुण्ड
अऊर एकच चरवाहा होयेंन।
17 "बाप येकोलायी मोरो सी प्रेम रखय हय कि मय अपनो जीव देऊ हय कि ओख फिर ले
लेऊ। 18 कोयी ओख मोरो सी छीनय नहीं, बल्की मय ओख खुदच देऊ हय। मोख ओको देन को भी
अधिकार हय, अऊर ओख फिर लेन को भी अधिकार हय: यो आज्ञा मोरो बाप सी मोख मिली हय।"
19 इन बातों को वजह यहूदियों म फिर फूट पड़ी। 20 उन्म सी बहुत सो कहन लग्यो, "ओको म
दुष्ट आत्मा हय, अऊर ऊ पागल हय; ओकी कहाली सुनय हय?"
21 दूसरों लोगों न कह्यो, "या बाते असो आदमी की नहीं जेको म दुष्ट आत्मा हय। का दुष्ट
आत्मा अन्धा की आंखी खोल सकय हय?"

[illegible]

22 यरूशलेम म समर्पन को त्यौहार मनायो जाय रह्यो होतो; जो ठन्डी को दिन होतो। 23 यीशु
मन्दिर म सुलैमान को छप्पर म टहल रह्यो होतो। 24 तब यहूदियों न ओख आय घेरयो अऊर
पुच्छ्यो, "तय हमरो मन ख कब तक दुविधा म रखजो? यदि तय मसीह आय त हम सी साफ साफ
कह्य दे।"
25 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "मय न तुम सी कह्य दियो पर तुम विश्वास करय नहाय। जो काम
मय अपनो बाप को नाम सी करू हय हिच मोरो गवाह हंय, 26 पर तुम येकोलायी विश्वास नहीं
करय कहालीकि मोरी मेंढीं म सी नहीं हय। 27 मोरी मेंढीं मोरो आवाज सुनय हंय; मय उन्ख जानु
हय, अऊर हि मोरो पीछू पीछू चलय हंय; 28 अऊर मय उन्ख अनन्त जीवन देऊ हय। हि कभी
नाश नहीं होयेंन, अऊर कोयी उन्ख मोरो हाथ सी छीन नहीं लेयेंन। 29 मोरो बाप, जेन उन्ख मोख
दियो हय, सब सी बड़ो हय अऊर कोयी उन्ख बाप को हाथ सी छीन नहीं सकय। 30 मय अऊर बाप
एक हंय।"
31 यहूदियों न ओको पर पथराव करन ख फिर गोटा उठाये। 32 येको पर यीशु न उन्को सी कह्यो,
"मय न तुम्ख अपनो बाप को तरफ सी बहुत सो भलो काम दिखायो हंय; उन्म सी कौन्सो काम लायी
तुम मोरो पर पथराव करय हय?"
33 यहूदियों न ओख उत्तर दियो, "भलो काम लायी हम तोरो पर पथराव नहीं करजे पर परमेश्वर
की निन्दा करन को वजह; अऊर येकोलायी कि तय आदमी होय क अपनो आप ख परमेश्वर बतावय
हय।"
34 यीशु न उन्ख उत्तर दियो, "का तुम्हरी व्यवस्था म नहीं लिख्यो हय, 'मय न कह्यो, तुम ईश्वर
आय?' 35 यदि ओन उन्ख ईश्वर कह्यो जिन्को जवर परमेश्वर को वचन पहुंच्यो अऊर पवित्र
शास्त्र की बात असत्य नहीं होय सकय, 36 त जेक बाप न पवित्र ठहराय क जगत म भेज्यो हय,
तुम ओको सी कह्य हय, 'तय निन्दा करय हय,' येकोलायी कि मय न कह्यो, 'मय परमेश्वर को बेटा
आय?' 37 यदि मय अपनो बाप को काम नहीं करतो, त मोरो विश्वास मत करो। 38 पर यदि मय
करू हय, त चाहे मोरो विश्वास नहीं भी करो, पर उन कामों को त विश्वास करो, ताकि तुम जानो
अऊर समझो कि बाप मोरो म हय अऊर मय बाप म हय।"

✡ **10:14** १०:१४ मत्ती ११:२७; लूका १०:२२

39 तब उन्न फिर ओख पकड़न को कोशिश करयो पर ऊ उन्को हाथ सी निकल गयो।
40 ☆तब ऊ यरदन नदी को पार ऊ जागा पर चली गयो, जित यूहन्ना पहिले बपतिस्मा दियो करत
होतो, अऊर उतच रह्यो। 41 बहुत सो लोग ओको जवर आय क कहत होतो, "यूहन्ना न त कोयी
चिन्ह नहीं दिखायो, पर जो कुछ यूहन्ना न येको बारे म कह्यो होतो, ऊ सब सच होतो।" 42 अऊर
उत बहुतों न यीशु पर विश्वास करयो।

11

[illegible]

1 ☆मरियम अऊर ओकी बहिन मार्था को गांव बैतनिय्याह को लाजर नाम को एक आदमी बीमार
होतो। 2 ☆या वा मरियम होती जेन प्रभु पर अत्तर डाल क ओको पाय ख अपनो बालों सी पोछ्यो
होतो, येको भाऊ लाजर बीमार होतो। 3 येकोलायी ओकी बहिनों न ओख कहला भेज्यो, "हे प्रभु,
देख, जेक तय बहुत प्रेम करय हय, ऊ बीमार हय।"
4 यो सुन्क यीशु न कह्यो, "या बीमारी मृत्यु की नोहोय; पर परमेश्वर की महिमा लायी आय, कि
ओको द्वारा परमेश्वर को बेटा की महिमा हो।"
5 यीशु मार्था अऊर ओकी बहिन अऊर लाजर सी प्रेम रखत होतो। 6 तब भी जब ओन सुन्यो कि
ऊ बीमार हय, त जो जागा पर ऊ होतो, उत दोय दिन अऊर रुक गयो। 7 येको बाद ओन चेलावों
सी कह्यो, "आवो, हम फिर यहूदिया ख चलबो।"
8 चेलावों न ओको सी कह्यो, "हे गुरु, अभी त यहूदी तोरो पर पथराव करनो चाहत होतो, अऊर
का तय फिर भी उतच जावय हय?"
9 यीशु न उत्तर दियो, "का दिन को बारा घंटा नहीं होवय? यदि कोयी दिन म चलय त ठोकर नहीं
खावय, कहालीकि यो जगत को प्रकाश देखय हय। 10 पर यदि कोयी रात म चलय त ठोकर खावय
हय, कहालीकि ओको म प्रकाश नहाय।" 11 ओन यो बाते कहीं, अऊर येको बाद उन्को सी कहन
लग्यो, "हमरो संगी लाजर सोय गयो हय, पर मय ओख जगावन जाऊं हय।"
12 तब चेलावों न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, यदि ऊ सोय गयो हय, त चंगो होय जायेंन।"
13 यीशु न त ओको मरन को बारे म कह्यो होतो, पर हि समझ्यो कि ओन नींद सी सोय जान को
बारे म कह्यो। 14 तब यीशु न उन्को सी साफ साफ कह्य दियो, "लाजर मर गयो हय; 15 अऊर मय
तुम्हरो वजह खुश हय कि मय उत नहीं होतो जेकोसी तुम विश्वास करो। पर अब आवो, हम ओको
जवर चलबो।"
16 तब थोमा न जो दिदुमुस कहलावय हय, अपनो संगी चेलावों सी कह्यो, "आवो, हम भी ओको
संग मरन ख चलबो।"

[illegible]

17 उत पहुंचन पर यीशु ख यो मालूम भयो कि लाजर ख कब्र म रख्यो चार दिन भय गयो हंय।
18 बैतनिय्याह गांव यरूशलेम नगर को जवर लगभग कुछ तीन किलोमीटर दूर होतो। 19 बहुत सो
यहूदी मार्था अऊर मरियम को जवर उन्को भाऊ को मरन पर शान्ति देन लायी आयो होतो।
20 जब मार्था न यीशु को आवन को समाचार सुन्यो त ओको सी मुलाखात करन क गयी, पर
मरियम घर परच रही। 21 मार्था न यीशु सी कह्यो, "हे प्रभु, यदि तय इत होतो, त मोरो भाऊ
कभीच नहीं मरतो। 22 अऊर अब भी मय जानु हय कि जो कुछ तय परमेश्वर सी मांगजो, परमेश्वर
तोख देयेंन।"
23 यीशु न ओको सी कह्यो, "तोरो भाऊ फिर जीन्दो होयेंन।"
24 मार्था न ओको सी कह्यो, "मय जानु हय कि आखरी दिन म पुनरुत्थान को समय ऊ जीन्दो
होयेंन।"

☆ **10:40** १०:४० यूहन्ना १:२८ ☆ **11:1** ११:१ लूका १०:३८,३९ ☆ **11:2** ११:२ यूहन्ना १२:३

25 यीशु न ओको सी कह्यो, "पुनरुत्थान अऊर जीवन मयच आय; जो कोयी मोरो पर विश्वास
करय हय ऊ यदि मर भी जाय तब भी जीयेंन, 26 अऊर जो कोयी जीन्दो हय अऊर मोर पर विश्वास
करय हय, ऊ अनन्त काल तक नहीं मरेंन। का तय या बात पर विश्वास करय हय?"
27 ओन ओको सी कह्यो, "हव हे प्रभु, मय विश्वास करू हय कि परमेश्वर को बेटा मसीह जो
जगत म आवन वालो होतो, ऊ तयच आय।"

???? ????

28 यो कह्य क वा चली गयी, अऊर अपनी बहिन मरियम ख बुलाय क चुपचाप सी कह्यो, "गुरु
इतच हय अऊर तोख बुलावय हय।" 29 यो सुनतोच ऊ तुरतच उठ क ओको जवर आयी। 30 यीशु
अभी गांव म नहीं पहुंच्यो होतो पर वाच जागा म होतो जित मार्था न ओको सी मुलाखात करी
होती। 31 तब जो यहूदी ओको संग घर म होतो अऊर ओख शान्ति दे रह्यो होतो, यो देख क कि
मरियम तुरतच उठ क बाहेर गयी हय यो समझ्यो कि वा कब्र पर रोवन ख जाय रही हय, त हि
ओको पीछू गयो।

32 जब मरियम उत पहुंची जित यीशु होतो, त ओख देखतोच ओको पाय पर गिर क कह्यो, "हे
प्रभु, यदि तय इत होतो त मोरो भाऊ नहीं मरतो।"

33 जब यीशु न ओख अऊर उन यहूदियों ख जो ओको संग आयो होतो, रोवतो हुयो देख्यो, त
आत्मा म बहुतच उदास अऊर व्याकुल भयो।

34 अऊर कह्यो, "तुम्न ओख कित रख्यो हय?" उन्न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, चल क देख ले।"

35 यीशु रोयो। 36 तब यहूदी कहन लग्यो, "देखो, ऊ ओको सी कितनो प्रेम रखत होतो।"

37 पर उन्म सी कुछ न कह्यो, "का यो जेन अन्धा की आंखी खोल्यो, यो भी नहीं कर सक्यो कि
यो आदमी नहीं मरतो।"

???? ?? ?????? ???? ????

38 यीशु मन म बहुतच उदास होय क कब्र पर आयो। ऊ एक गुफा होती अऊर एक गोटा ओको
पर रख्यो होतो। 39 यीशु न कह्यो, "गोटा हटाव।"

वा मरयो हुयो की बहिन मार्था ओको सी कहन लगी, "हे प्रभु, ओको म सी अब त बास आवय
हय, कहालीकि ओख मरयो चार दिन भय गयो हंय।"

40 यीशु न ओको सी कह्यो, "का मय न तोरो सी नहीं कह्यो होतो कि यदि तय विश्वास करजो,
त परमेश्वर की महिमा ख देखेंन।" 41 तब उन्न ऊ गोटा ख हटायो। यीशु न आंखी उठाय क कह्यो,
"हे पिता, मय तोरो धन्यवाद करू हय कि तय न मोरी सुन ली हय। 42 मय जानत होतो कि तय
हमेशा मोरी सुनय हय, पर जो भीड़ आजु बाजू खड़ी हय, उन्को वजह मय न यो कह्यो, जेकोसी कि
हि विश्वास करेंन कि तय न मोख भेज्यो हय।" 43 यो कह्य क ओन बड़ो आवाज सी पुकारयो, "हे
लाजर, निकल आव!" 44 जो मर गयो होतो ऊ कफन सी हाथ पाय बन्ध्यो हुयो निकल आयो, अऊर
ओको मुंह गमछा सी लिपटचो हुयो होतो। यीशु न उन्को सी कह्यो, "ओख खोल दे अऊर जान दे।"

???? ?? ???????? ??????
(?????? ??:?-?; ?????? ??:?,?; ????? ??:?,?)

45 तब जो यहूदी मरियम को जवर आयो होतो अऊर ओको यो काम देख्यो होतो, उन्म सी बहुत
सो न ओको पर विश्वास करयो। 46 पर उन्म सी कुछ न फरीसियों को जवर जाय क यीशु को काम
को समाचार दियो। 47 येको पर मुख्य याजकों अऊर फरीसियों न महासभा बुलायो, अऊर कह्यो,
"हम का करजे हंय? यो आदमी त बहुत आश्चर्य को चिन्ह दिखावय हय 48 यदि हम ओख असोच
रहन दियो, त हर कोयी ओको पर विश्वास करेंन, अऊर यो तरह रोमी लोग यहां आय जायेंन अऊर
हमरो मन्दिर अऊर राष्ट्र ख नाश कर देयेंन।"

49 तब उन्म सी कैफा नाम को एक आदमी न जो ऊ साल को महायाजक होतो, उन्को सी कह्यो,
"तुम कुछ भी नहीं जानय; 50 अऊर नहीं यो समझय हय कि तुम्हरो लायी यो अच्छो हय कि हमरो

लोगों लायी एक आदमी मरे, अऊर पूरी जाति नाश नहीं होय।” 51 या बात ओन अपनो तरफ सी
नहीं कहीं, पर ऊ साल को महायाजक होय क भविष्यवानी करी, कि यीशु यहूदी लोगों लायी मरेंन;
52 अऊर नहीं केवल ऊ जाति लायी, बल्की येकोलायी भी कि परमेश्वर की तितर–बितर सन्तानों
ख एक कर दे।
53 येकोलायी उच दिन सी हि ओख मार डालन को साजीश रचन लग्यो। 54 येकोलायी यीशु ऊ
समय सी यहूदियों म प्रगट होय क नहीं फिरयो, पर उत सी जंगल को जवर को प्रदेश को इफ्राईम
नाम को एक नगर ख चली गयो; अऊर अपनो चेलावों को संग उतच रहन लग्यो।
55 यहूदियों को फसह को त्यौहार जवर होतो, अऊर बहुत सो लोग फसह सी पहिले गांव सी
यरूशलेम ख गयो कि अपनो खुद ख शुद्ध करे। 56 येकोलायी हि यीशु ख ढूंढन लग्यो अऊर मन्दिर
म खड़ो होय क आपस म कहन लग्यो, “तुम का सोचय हय? का ऊ पर्व म नहीं आयेंन?” 57 मुख्य
याजकों अऊर फरीसियों न या आज्ञा दे रख्यो होतो कि यदि कोयी यो जानेंन कि यीशु कित हय त
बताव, ताकि हि ओख पकड़ सकेंन।

12

[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

1 यीशु फसह को त्यौहार सी छे दिन पहिले बैतनिय्याह गांव म आयो जित लाजर होतो, जेक
यीशु न मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो होतो। 2 उत उन्न ओको लायी भोजन तैयार करयो; अऊर
मार्था सेवा करत होती, अऊर लाजर उन्म सी एक होतो जो ओको संग जेवन करन लायी बैठ्यो
होतो। 3 ✡तब मरियम न जटामांसी को अरधो लीटर बहुत कीमती अत्तर ले क यीशु को पाय पर
डाल्यो, अऊर अपनो बालों सी ओको पाय पोछ्यो; अऊर अत्तर की सुगन्ध सी घर सुगन्धित भय
गयो। 4 पर ओको चेलावों म सी यहूदा इस्करियोती नाम को एक चेला जो ओख पकड़वान पर होतो,
कहन लग्यो, 5 “यो अत्तर तीन सौ चांदी को सिक्का म बेच क गरीबों ख कहाली नहीं दियो गयो?”
6 ओन या बात येकोलायी नहीं कहीं कि ओख गरीबों की चिन्ता होती पर येकोलायी कि ऊ चोर
होतो, अऊर ओको जवर उन्की पैसा कि झोली रहत होती अऊर ओको म जो कुछ डाल्यो जात
होतो, ऊ निकाल लेत होतो।
7 यीशु न कह्यो, “ओख रहन दे। ओख यो मोरो गाड़यो जान को दिन लायी रखन दे। 8 कहालीकि
गरीब त तुम्हरो संग हमेशा रह्य हंय, पर मय तुम्हरो संग हमेशा नहीं रहूं।”

[illegible]

9 जब यहूदियों की बड़ी भीड़ जान गयी कि ऊ उत हय, त हि नहीं केवल यीशु को वजह आयो
पर येकोलायी भी कि लाजर ख देखे, जेक ओन मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो होतो। 10 तब मुख्य
याजकों न लाजर ख भी मार डालन को साजीश रच्यो। 11 कहालीकि ओको वजह बहुत सो यहूदी
चली गयो अऊर यीशु पर विश्वास करयो।

[illegible] [illegible]–[illegible]
([illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

12 दूसरों दिन बहुत सो लोगों न जो त्यौहार म आयो होतो यो सुन्यो कि यीशु यरूशलेम म आय
रह्यो हय। 13 येकोलायी उन्न खजूर की डगाली धरी अऊर ओको सी भेंट करन ख निकल्यो, अऊर
पुकारन लग्यो, “परमेश्वर की महिमा हो! धन्य इस्राएल को राजा, जो प्रभु को नाम सी आवय
हय।”
14 जब यीशु ख गधा को एक बछड़ा मिल्यो; त ऊ ओको पर बैठ गयो, जसो लिख्यो हय,
15 “हे सिय्योन की बेटी, मत डर;
देख, तोरो राजा गधा को बछड़ा पर

✡ **12:3** १२:३ लूका ७:३७,३८

सवार हुयो आवय हय।”
16 ओको चेलावों या बाते पहिले नहीं समझ्यो होतो, पर जब यीशु की महिमा प्रगट भयी त
उन्ख याद आयो कि या बाते ओको बारे म लिख्यो हुयी होती अऊर लोगों न ओको सी योच तरह
को व्यवहार करयो होतो।
17 तब भीड़ को उन लोगों न गवाही दी, जो ऊ समय ओको संग होतो, जब ओन लाजर ख कब्र
म सी बुलाय क मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो होतो। 18 योच वजह लोग ओको सी मिलन आयो
होतो कहालीकि उन्न सुन्यो होतो कि ओन यो आश्चर्य चिन्ह दिखायो हय। 19 तब फरीसियों न
आपस म कह्यो, “सोचो त सही कि तुम सी कुछ नहीं बन पड़य। देखो, जगत ओको पीछू चलन
लग्यो हय।”

[illegible]

20 जो लोग ऊ त्यौहार म आराधना करन आयो होतो उन्म सी कुछ गैरयहूदियों होतो। 21 उन्न
गलील प्रदेश को बैतसैदा नगर को रहन वालो फिलिप्पुस को जवर आय क ओको सी बिनती करी,
“महाराज, हम यीशु ख देखनो चाहजे हंय।”
22 फिलिप्पुस न आय क अन्द्रियास सी कह्यो, तब अन्द्रियास अऊर फिलिप्पुस न जाय क
यीशु सी कह्यो। 23 येको पर यीशु न उन्को सी कह्यो, “ऊ समय आय गयो हय कि आदमी को बेटा
की महिमा हो। 24 मय तुम सी सच सच कहू हय कि जब तक गहूं को बीजा जमीन म गिड़ क मर
नहीं जावय, ऊ अकेलो रह्य हय; पर जब मर जावय हय, त बहुत फर लावय हय। 25 ✡जो अपनो
जीव ख प्रिय जानय हय, ऊ ओख खोय देवय हय; अऊर जो यो जगत म अपनो जीव ख अप्रिय
जानय हय, ऊ अनन्त जीवन लायी ओकी रक्षा करेंन। 26 यदि कोयी मोरी सेवा करे, त मोरो पीछू
होय जा; अऊर जित मय हय, उत मोरो सेवक भी होयेंन। यदि कोयी मोरी सेवा करेंन, त बाप ओको
आदर करेंन।

[illegible]

27 “अब मोरो जीव परेशान हय। येकोलायी अब मय का कहूं? ‘हे पिता, मोख या घड़ी सी बचाव?’
असो नहीं पर मय योच वजह सी यो घड़ी तक पहुंच्यो हय। 28 हे पिता, अपनो नाम की महिमा कर।”
तब यो स्वर्ग सी आवाज भयी।
“मय न ओकी महिमा करी हय, अऊर फिर भी करू।”
29 तब जो लोग खड़ो हुयो सुन रह्यो होतो उन्न कह्यो कि बादर गरज्यो। दूसरों न कह्यो, “कोयी
स्वर्गदूत ओको सी बोल्यो।”
30 येको पर यीशु न कह्यो, “यो शब्द मोरो लायी नहीं, पर तुम्हरो लायी आयो हय। 31 अब यो
जगत को न्याय होवय हय, अब यो जगत को शासक निकाल दियो जायेंन; 32 अऊर मय यदि धरती
पर सी ऊचो पर चढ़ायो जाऊं, त सब ख अपनो जवर खीचूं।” 33 असो कह्य क ओन यो प्रगट कर
दियो कि ऊ कसो मृत्यु सी मरेंन।
34 येको पर लोगों न ओको सी कह्यो, “हम न व्यवस्था की या बात सुनी हय कि मसीह हमेशा
रहेंन, तब तय कहाली कह्य हय कि आदमी को बेटा ख ऊचो पर चढ़ायो जानो जरूरी हय? यो
आदमी को बेटा कौन आय?”
35 यीशु न उन्को सी कह्यो, “ज्योति अब थोड़ी देर तक तुम्हरो बीच म हय। जब तक ज्योति
तुम्हरो संग हय तब तक चलतो रहो, असो नहीं होय कि अन्धारो तुम्ख आय घेरे; जो अन्धारो म
चलय हय ऊ नहीं जानय कि कित जावय हय। 36 जब तक ज्योति तुम्हरो संग हय, ज्योति पर
विश्वास करो ताकि तुम ज्योति की सन्तान बनो।”

[illegible]

✡ **12:25** १२:२५ मत्ती १०:३९; १६:२५; मरकुस ८:३५; लूका ९:२४; १७:३३

या बाते कह्य क यीशु चली गयो अऊर उन्को सी लूक्यो रह्यो। 37 ओन उन्को आगु इतनो आश्चर्य
को चिन्ह दिखायो, तब भी उन्न ओको पर विश्वास नहीं करयो; 38 ताकि यशायाह भविष्यवक्ता को
वचन पूरो होय जो ओन कह्यो:

"हे प्रभु, हमरो समाचार को कौन न विश्वास करयो हय?
अऊर प्रभु को भुजबल कौन्को पर प्रगट भयो हय?"

39 यो वजह हि विश्वास नहीं कर सक्यो, कहालीकि यशायाह न यो भी कह्यो हय:

40 "ओन उन्की आंखी अन्धो,
अऊर उन्को मन कठोर कर दियो हय;
कहीं असो नहीं होय कि हि आंखी सी देखे,
अऊर मन सी समझे,
अऊर मोरो तरफ फिरे,
अऊर मय उन्ख चंगो करू।"

41 यशायाह न या बात येकोलायी कहीं कि ओन ओकी महिमा देखी, अऊर ओन ओको बारे म
बाते करी।
42 तब भी अधिकारियों म सी बहुत सो न ओको पर विश्वास करयो, पर फरीसियों को वजह
प्रगट म नहीं मानत होतो, कहीं असो नहीं होय कि हि आराधनालयों म सी निकाल दियो जायेंन:
43 कहालीकि आदमियों को तरफ सी बड़ायी उन्ख परमेश्वर को तरफ सी बड़ायी की अपेक्षा बहुत
प्रिय लगत होती।

[illegible]

44 यीशु न पुकार क कह्यो, "जो मोर पर विश्वास करय हय, ऊ मोरो पर नहीं बल्की मोरो भेजन
वालो पर विश्वास करय हय। 45 अऊर जो मोख देखय हय, ऊ मोरो भेजन वालो ख देखय हय।
46 मय जगत म ज्योति होय क आयो हय, ताकि जो कोयी मोरो पर विश्वास करेंन ऊ अन्धारो म
नहीं रहेंन। 47 यदि कोयी मोरी बाते सुन्क नहीं मानेंन, त मय ओख दोषी नहीं ठहराऊ; कहालीकि
मय जगत ख दोषी ठहरान लायी नहीं, पर जगत को उद्धार करन लायी आयो हय। 48 जो मोख बेकार
जानय हय अऊर मोरी बाते स्वीकार नहीं करय हय ओख दोषी ठहरान वालो त एक हय: यानेकि जो
वचन मय न कह्यो हय, उच पिछलो दिन म ओख दोषी ठहरायेंन। 49 कहालीकि मय न अपनी तरफ
सी बाते नहीं करी; पर बाप जेन मोख भेज्यो हय ओन मोख आज्ञा दी हय कि का का कहूं अऊर का
का बोलू? 50 अऊर मय जानु हय कि ओकी आज्ञा अनन्त जीवन आय। येकोलायी मय जो कुछ
बोलू हय, ऊ जसो बाप न मोरो सी कह्यो हय वसोच बोलू हय।"

13

[illegible]

1 फसह को त्यौहार सी पहिले, जब यीशु न जान लियो कि मोरो ऊ समय आय पहुंच्यो हय कि
जगत छोड़ क बाप को जवर जाऊं, त अपनो लोगों सी जो जगत म होतो जसो प्रेम ऊ रखत
होतो, आखरी तक वसोच प्रेम रखत रह्यो।
2 यीशु अऊर ओको चेला उत होतो तबच शैतान शिमोन को टुरा यहूदा इस्करियोती को मन म
यो डाल चुक्यो होतो कि ओख पकड़वाये, त जेवन को समय 3 यीशु न, यो जान क कि बाप न सब
कुछ मोरो हाथ म कर दियो हय अऊर मय परमेश्वर को जवर सी आयो हय अऊर परमेश्वर को
जवर जाऊं हय, 4 जेवन पर सी उठ क अपनो बनियाइन को ऊपर को कपड़ा को कुरता उतार दियो,
अऊर गमछा ले क अपनो कमर बान्ध्यो। 5 तब बर्तन म पानी भर क चेलावों को पाय धोवन लग्यो
अऊर जो गमछा सी ओकी कमर बन्धी होती ओको सी पोछ्न लग्यो। 6 जब ऊ शिमोन पतरस को
जवर आयो, तब पतरस न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, का तय मोरो पाय धोवय हय?"
7 यीशु न ओख उत्तर दियो, "जो मय करू हय, तय ओख अभी नहीं जानय, पर येको बाद समझेंन।"

8 पतरस न ओको सी कह्यो, “तय मोरो पाय कभी नहीं धोय सकजो!” यो सुन्क यीशु न ओको सी
कह्यो, “यदि मय तोरो पाय नहीं धोऊं, त मोरो संग तोरो कुछ भी साझा नहीं।”
9 शिमोन पतरस न ओको सी कह्यो, “हे प्रभु, त मोरो पायच नहीं, बल्की हाथ अऊर मुंड भी
धोय दे।”
10 यीशु न ओको सी कह्यो, “जो आंगधोय लियो हय ओख पाय को अलावा अऊर कुछ धोवन
की जरूरत नहाय, पर ऊ बिल्कुल शुद्ध हय; अऊर तुम शुद्ध हो, पर सब को सब नहीं।” 11 ऊ त
अपनो पकड़वान वालो ख जानत होतो येकोलायी ओन कह्यो, “तुम सब को सब शुद्ध नहाय।”
12 ✡जब ऊ उन्को पाय धोय लियो, अऊर अपनो कपड़ा पहिन क फिर बैठ गयो, त उन्को सी
कहन लग्यो, “का तुम समझ्यो कि मय न तुम्हरो संग का करयो? 13 तुम मोख गुरु अऊर प्रभु
कह्य हय, अऊर ठीकच कह्य हय, कहालीकि मय उच आय। 14 यदि मय न प्रभु अऊर गुरु होय क्
तुम्हरो पाय धोयो, त तुम्ख भी एक दूसरों को पाय धोवन क होना। 15 कहालीकि मय न तुम्ख कर
क् दिखाय दियो हय कि जसो मय न तुम्हरो संग करयो हय, तुम भी वसोच करो। 16 ✡मय तुम सी
सच सच कहू हय, सेवक अपनो मालिक सी बड़ो नहाय, अऊर नहीं भेज्यो हुयो अपनो भेजन वालो
सी। 17 तुम या बात जानय हय, अऊर यदि उन पर चलो त धन्य हय।
18 “मय तुम सब को बारे म नहीं कहू; जिन्ख मय न चुन लियो हय, उन्ख मय जानु हय; पर यो
येकोलायी हय कि शास्त्र को यो वचन पूरो होय, ‘जो मोरी रोटी खावय हय, ऊ मोरो विरुद्ध हय।’
19 अब मय ओको होन सी पहिले तुम्ख बताय देऊ हय कि जब यो होय जाये त तुम विश्वास करो
कि मय उच आय। 20 ✡मय तुम सी सच सच कहू हय कि जो मोरो भेज्यो हुयो ख स्वीकार करय हय,
ऊ मोख स्वीकार करय हय; अऊर जो मोख स्वीकार करय हय; ऊ मोरो भेजन वालो ख स्वीकार करय
हय।”

[illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible])

21 या बाते कह्य क यीशु आत्मा म दुःखी भयो अऊर या गवाही दी, “मय तुम सी सच सच कहू
हय कि तुम म सी एक मोख पकड़वायेंन।” 22 चेलावों एक दूसरों ख ताकन लग्यो कहालीकि समझ
नहीं सक्यो कि ऊ कौन्को बारे म कह्य रह्य हय। 23 ओको चेलावों म सी एक जेकोसी यीशु प्रेम
रखत होतो, यीशु को आगु बैठ्यो होतो। 24 शिमोन पतरस न ओको तरफ इशारा कर क् ओको सी
पुच्छयो, “बताव, त ऊ कौन्को बारे म कह्य हय?”
25 तब ओन वसोच यीशु को तरफ झुक्यो हुयो ओको सी पुच्छयो, “हे प्रभु, ऊ कौन हय?”
26 यीशु न उत्तर दियो, “जेक मय यो रोटी को टुकड़ा डुबाय क देऊं उच आय।” अऊर ओन
टुकड़ा डुबाय क शिमोन इस्करियोती को टुरा यहूदा ख दियो। 27 टुकड़ा लेतोच शैतान ओको म
समाय गयो। तब यीशु न ओको सी कह्यो, “जो तय करय हय, तुरतच कर।” 28 पर बैठन वालो म
सी कोयी न नहीं जान्यो कि ओन या बात ओको सी कहाली कहीं। 29 यहूदा को जवर पैसा कि झोली
रहत होती, येकोलायी कोयी कोयी न समझ्यो कि यीशु ओको सी कह्य रह्यो हय कि जो कुछ हम्ख
त्यौहार लायी होना ऊ ले ले, यां यो कि गरीबों ख कुछ दे।
30 अऊर ऊ टुकड़ा ले क तुरतच बाहेर चली गयो; अऊर यो रात को समय होतो।

[illegible]

31 जब ऊ बाहेर चली गयो त यीशु न कह्यो, “अब आदमी को बेटा की महिमा भयी हय, अऊर
परमेश्वर की महिमा उन्म भयी हय; 32 यदि उन्म परमेश्वर की महिमा भयी हय, त परमेश्वर भी
अपनो म ओकी महिमा करेंन अऊर तुरतच करेंन। 33 ✡हे बच्चां, मय अऊर थोड़ी देर तुम्हरो जवर
हय: फिर तुम मोख ढूंढो, अऊर जसो मय न यहूदियों सी कह्यो, ‘जित मय जाऊ हय उत तुम नहीं

✡ **13:12** १३:१२ लूका २२:२७ ✡ **13:16** १३:१६ मत्ती १०:२४; लूका ६:४०; यूहन्ना १५:२० ✡ **13:20** १३:२० मत्ती १०:४०; मरकुस ९:३७; लूका ९:४८; १०:१६ ✡ **13:33** १३:३३ यूहन्ना ७:३४

आय सकय,' वसोच मय अब तुम सी भी कहू हय। 34 ✡मय तुम्ख एक नयी आज्ञा देऊ हय कि एक
दूसरों सी प्रेम रखो; जसो मय न तुम सी प्रेम रख्यो हय, वसोच तुम भी एक दूसरों सी प्रेम रखो।
35 यदि आपस म प्रेम रखेंन, त येको सी सब जानेंन कि तुम मोरो चेलां आय।"

[illegible]
([illegible])

36 शिमोन पतरस न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, तय कित जावय हय?" यीशु न उत्तर दियो, "जित
मय जाऊ हय उत तय अभी मोरो पीछू आय नहीं सकय; पर येको बाद मोरो पीछू आयेंन।"
37 पतरस न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, अभी मय तोरो पीछू कहाली नहीं आय सकू? मय त तोरो
लायी अपनो जीव भी दे देऊ।"
38 यीशु न उत्तर दियो, "का तय मोरो लायी अपनो जीव देजो? मय तोरो सी सच सच कहू हय
कि मुर्गा बाग देयेंन ओको सी पहिले तक तय तीन बार मोरो इन्कार कर लेजो।

14

[illegible]

1 "तुम्हरो मन दु:खी नहीं हो; परमेश्वर पर विश्वास रखो अऊर मोरो पर भी विश्वास रखो। 2 मोरो
बाप को घर म बहुत सो रहन की जागा हंय, यदि नहीं होतो त मय तुम सी कह्य देतो; कहालीकि
मय तुम्हरो लायी जागा तैयार करन जाऊ हय। 3 अऊर यदि मय जाय क तुम्हरो लायी जागा तैयार
करू, त फिर आय क तुम्ख अपनो इत ले जाऊं कि जित मय रहूं उत तुम भी रहो। 4 जित मय जाऊ
हय तुम उत को रस्ता जानय हय।"
5 थोमा न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, हम नहीं जानय कि तय कित जाय रह्यो हय; त रस्ता कसो
जानबो?"
6 यीशु न ओको सी कह्यो, "रस्ता अऊर सत्य अऊर जीवन मयच हय; बिना मोरो द्वारा कोयी
बाप को जवर नहीं पहुंच सकय। 7 यदि तुम न मोख जान्यो होतो, त मोरो बाप ख भी जानतो; अऊर
अब ओख जानय हय, अऊर ओख देख्यो भी हय।"
8 फिलिप्पुस न ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, पिता ख हम्ख दिखाय दे, योच हमरो लायी बहुत हय।"
9 यीशु न ओको सी कह्यो, "हे फिलिप्पुस, मय इतनो दिन सी तुम्हरो संग हय, अऊर का तय
मोख नहीं जानय? जेन मोख देख्यो हय ओन बाप ख देख्यो हय। तय कहाली कह्य हय कि बाप ख
हम्ख दिखाव? 10 का तय विश्वास नहीं करय कि मय बाप म हय अऊर बाप मोर म हय? या बाते
जो मय तुम सी कहू हय, अपनो तरफ सी नहीं कहूं, पर बाप मोर म रह्य क अपनो काम करय हय।
11 जो मोरी या बात पर विश्वास करो कि मय बाप म हय अऊर बाप मोर म हय; नहीं त कामों को
वजह मोरो विश्वास करो।"
12 "मय तुम सी सच सच कहू हय कि जो मोर पर विश्वास रखय हय, यो काम जो मय करू हय
ऊ भी करेंन, बल्की इन सी भी बड़ो काम करेंन, कहालीकि मय बाप को जवर जाऊं हय। 13 जो कुछ
तुम मोरो नाम सी मांगो, उच मय करू कि बेटा को द्वारा बाप की महिमा होय। 14 यदि तुम मोरो सी
मोरो नाम सी कुछ मांगो, त मय ओख करू।"

[illegible]

15 "यदि तुम मोरो सी प्रेम रखय हय, त मोरी आज्ञावों ख मानो। 16 मय बाप सी बिनती करू,
अऊर ऊ तुम्ख एक अऊर सहायक देयेंन कि ऊ हमेशा तुम्हरो संग रहेंन" 17 यानेकि सत्य की आत्मा,
जेक जगत स्वीकार नहीं कर सकय, कहालीकि ऊ नहीं ओख देखय हय अऊर नहीं ओख जानय हय;
तुम ओख जानय हय, कहालीकि ऊ तुम्हरो संग रह्य हय, अऊर ऊ तुम म रहेंन।

✡ **13:34** १३:३४ यूहन्ना १५:१२,१७; १ यूहन्ना ३:२३; २ यूहन्ना १:५

18 “मय तुम्ख अनाथ नहीं छोड़ूं; मय तुम्हरो जवर आऊं। 19 अऊर थोड़ी देर रह गयी हय कि
फिर जगत मोख नहीं देखेंन, पर तुम मोख देखेंन; येकोलायी कि मय जीन्दो हय, तुम भी जीन्दो
रहेंन। 20 ऊ दिन तुम जानेंन कि मय अपनो बाप म हय, अऊर तुम मोर म, अऊर मय तुम म।”
21 जेको जवर मोरी आज्ञाये हंय अऊर ऊ उन्ख मानय हय, उच मोरो सी प्रेम रखय हय; अऊर
जो मोरो सी प्रेम रखय हय ओको सी मोरो बाप प्रेम रखेंन, अऊर मय ओको सी प्रेम रखू अऊर
अपनो आप ख ओको पर प्रगट करूं।
22 ऊ यहूदा न जो इस्करियोती नहीं होतो, ओको सी कह्यो, “हे प्रभु, का भयो कि तय अपनो
आप ख हम पर प्रगट करनो चाहवय हय अऊर जगत पर नहीं?”
23 यीशु न ओख उत्तर दियो, “यदि कोयी मोर सी प्रेम रखेंन त ऊ मोरो वचन ख मानेंन, अऊर
मोरो बाप ओको सी प्रेम रखेंन, अऊर हम ओको जवर आयबो अऊर ओको संग रहबो। 24 जो मोरो
सी प्रेम नहीं रखय, ऊ मोरो वचन नहीं मानय; अऊर जो वचन तुम सुनय हय ऊ मोरो नहीं बल्की
बाप को हय, जेन मोख भेज्यो।”
25 “या बाते मय न तुम्हरो संग रहतो हुयो तुम सी कहीं। 26 पर सहायक यानेकि पवित्र आत्मा
जेख बाप मोरो नाम सी भेजेंन, ऊ तुम्ख सब बाते सिखायेंन, अऊर जो कुछ मय न तुम सी कह्यो
हय, ऊ सब तुम्ख याद दिलायेंन।”
27 मय तुम्ख शान्ति दियो जाऊं हय, अपनी शान्ति तुम्ख देऊ हय; जसो जगत देवय हय, मय
तुम्ख नहीं देऊ: तुम्हरो मन दु:खी नहीं हो अऊर मत डरो। 28 तुम न सुन्यो कि मय न तुम सी कह्यो,
“मय जाऊं हय, अऊर तुम्हरो जवर फिर आऊं।” यदि तुम मोरो सी प्रेम रखतो, त या बात सी
खुशी होतो कि मय बाप को जवर जाऊं हय, कहालीकि बाप मोर सी बड़ो हय। 29 अऊर मय न अब
येको होनो सी पहिले तुम सी कह्य दियो हय, कि जब ऊ होय जाये, त तुम विश्वास करो। 30 मय
अब तुम्हरो संग अऊर बहुत बाते नहीं करूं, कहालीकि यो जगत को शासक आवय हय। मोरो पर
ओको कोयी अधिकार नहीं; 31 पर यो येकोलायी होवय हय कि जगत जाने कि मय बाप सी प्रेम
रखू हय, अऊर जसो बाप न मोख आज्ञा दियो हय मय वसोच करूं हय। उठो, इत सी चलबो।

15

[illegible]

1 “सच्ची दाखलता मय आय, अऊर मोरो बाप किसान आय। 2 जो डगाली मोर म हय अऊर नहीं
फरय, ओख ऊ काट डालय हय; अऊर जो फरय हय, ओख ऊ छाटय हय ताकि अऊर फरे। 3 तुम
त ऊ वचन को वजह जो मय न तुम सी कह्यो हय, शुद्ध हो। 4 तुम मोर म बन्यो रहो, अऊर मय तुम
म जसो डगाली यदि दाखलता म बन्यो नहीं रहो त अपनो आप सी नहीं फर सकय, वसोच तुम भी
यदि मोर म बन्यो नहीं रहो त नहीं फर सकय।”
5 “मय दाखलता आय: तुम डगाली आय। जो मोर म बन्यो रह्य हय अऊर मय उन्म, ऊ बहुत
फर फरय हय, कहालीकि मोर सी अलग होय क तुम कुछ भी नहीं कर सकय। 6 यदि कोयी मोर म
बन्यो नहीं रहे, त ऊ डगाली को जसो फेक दियो जावय, अऊर सूख जावय हय; अऊर लोग उन्ख
जमा कर क् आगी म झोक देवय हंय, अऊर हि जल जावय हंय। 7 यदि तुम मोर म बन्यो रहो अऊर
मोरो वचन तुम म बन्यो रहे, त जो चाहो मांगो अऊर ऊ तुम्हरो लायी होय जायेंन। 8 मोरो बाप
की महिमा येको सी होवय हय कि तुम बहुत सो फर लावो, तबच तुम मोरो चेला ठहरो।”
9 “जसो बाप न मोर सी प्रेम रख्यो, वसोच मय न तुम सी प्रेम रख्यो; मोरो प्रेम म बन्यो रहो।
10 यदि तुम मोरी आज्ञावों ख मानजो, त मोरो प्रेम म बन्यो रहेंन; जसो कि मय न अपनो बाप की
आज्ञावों ख मान्यो हय, अऊर ओको प्रेम म बन्यो रहू हय।”
11 मय न या बाते तुम सी येकोलायी कहीं हंय, कि मोरी खुशी तुम म बन्यो रहे, अऊर तुम्हरी
खुशी पूरी होय जाय। 12 ✡मोरी आज्ञा यो आय, कि जसो मय न तुम सी प्रेम रख्यो, वसोच तुम

✡ **15:12** १५:१२ यूहन्ना १३:३४; १५:१७; १ यूहन्ना ३:२३; २ यूहन्ना १:५

भी एक दूसरों सी प्रेम रखो। 13 येको सी बड़ो प्रेम कोयी को नहीं कि कोयी अपनो संगी लायी
अपनो जीव दे। 14 जो आज्ञा मय तुम्ख देऊ हय, यदि ओख मानो त तुम मोरो संगी हय। 15 अब सी
मय तुम्ख सेवक नहीं कहूं, कहालीकि सेवक नहीं जानय कि ओको मालिक का करय हय; पर मय न
तुम्ख संगी कह्यो हय, कहालीकि मय न जो बाते अपनो बाप सी सुनी, हि सब तुम्ख बताय दियो।
16 तुम न मोख नहीं चुन्यो पर मय न तुम्ख चुन्यो हय अऊर तुम्ख नियुक्त करयो कि तुम जाय क
फर लावो अऊर तुम्हरो फर बन्यो रहे, कि तुम मोरो नाम सी जो कुछ बाप सी मांगो, ऊ तुम्ख दे।
17 इन बातों की आज्ञा मय तुम्ख येकोलायी देऊ हय कि तुम एक दूसरों सी प्रेम रखो।

[illegible]

18 "यदि जगत तुम सी दुश्मनी रखय हय, त तुम जानय हय कि ओन तुम सी पहिले मोरो सी
दुश्मनी रख्यो। 19 यदि तुम जगत को होतो, त जगत अपनो सी प्रेम रखतो; पर यो वजह कि तुम
जगत को नोहोय, बल्की मय न तुम्ख जगत म सी चुन लियो हय, येकोलायी जगत तुम सी दुश्मनी
रखय हय। 20 ✡जो बात मय न तुम सी कहीं होती, 'सेवक अपनो मालिक सी बड़ो नहीं होवय,' ओख
याद रखो। यदि उन्न मोख सतायो, त तुम्ख भी सतायेंन; यदि उन्न मोरी बात मानी, त तुम्हरी भी
मानेंन। 21 पर यो सब कुछ हि मोरो नाम को वजह तुम्हरो संग करेंन, कहालीकि हि मोरो भेजन
वालो ख नहीं जानय।"

22 "यदि मय नहीं आतो अऊर उन्को सी बाते नहीं करतो, त हि पापी नहीं ठहरतो; पर अब उन्ख
उन्को पाप लायी कोयी बहाना नहीं। 23 जो मोरो सी दुश्मनी रखय हय, ऊ मोरो बाप सी भी दुश्मनी
रखय हय। 24 यदि मय उन्म हि काम नहीं करतो जो अऊर कोयी न नहीं करयो, त हि पापी नहीं
ठहरतो; पर अब त उन्न मोख अऊर मोरो बाप दोयी ख देख्यो अऊर दोयी सी दुश्मनी करयो। 25 यो
येकोलायी भयो कि ऊ वचन पूरो होय, जो उन्की व्यवस्था म लिख्यो हय, 'उन्न मोरो सी बेकार
दुश्मनी करयो।' "

26 पर जब ऊ सहायक आयेंन, जेक मय तुम्हरो जवर बाप को तरफ सी भेजूं, यानेकि सत्य की
आत्मा जो बाप को तरफ सी निकलय हय, त ऊ मोरी गवाही देयेंन; 27 अऊर तुम भी मोरो गवाह
आय कहालीकि तुम सुरूवात सी मोरो संग रह्यो हय।

16

1 "या बाते मय न तुम सी येकोलायी कह्यो कि तुम ठोकर नहीं खावो। 2 हि तुम्ख आराधनालयों
म सी निकाल दियो जायेंन, बल्की ऊ समय आवय हय, कि जो कोयी तुम्ख मार डालेंन ऊ समझेंन
कि मय परमेश्वर की सेवा करू हय। 3 असो हि येकोलायी करेंन कि उन्न नहीं बाप ख जान्यो हय
अऊर नहीं मोख जानय हंय। 4 पर या बाते मय न येकोलायी तुम सी कह्यो, कि जब इन्को समय
आये त तुम्ख याद आय जाये कि मय न तुम सी पहिलेच कह्य दियो होतो।

[illegible]

"मय न सुरूवात म तुम सी या बाते येकोलायी नहीं कहीं कहालीकि मय तुम्हरो संग होतो। 5 पर
अब मय अपनो भेजन वालो को जवर जाऊं हय; अऊर तुम म सी कोयी मोरो सी नहीं पूछय, 'तय
कित जावय हय?' 6 पर मय न जो या बाते तुम सी कह्यो हंय येकोलायी तुम्हरो मन दु:ख सी भर
गयो हय। 7 तब भी मय तुम सी सच कहू हय कि मोरो जानो तुम्हरो लायी अच्छो हय, कहालीकि
यदि मय नहीं जाऊं त ऊ सहायक तुम्हरो जवर नहीं आयेंन; पर यदि मय जाऊं, त ओख तुम्हरो
जवर भेजूं। 8 ऊ आय क जगत को पाप अऊर सच्चायी अऊर न्याय को बारे म जगत को शक ख
दूर करेंन। 9 पाप को बारे म येकोलायी कि हि मोरो पर विश्वास नहीं करय; 10 अऊर सच्चायी को
बारे म येकोलायी कि मय बाप को जवर जाऊं हय, अऊर तुम मोख फिर नहीं देखो; 11 न्याय को
बारे म येकोलायी कि जगत को शासक दोषी ठहरायो गयो हय।

✡ **15:20** १५:२० मत्ती १०:२४; लूका ६:४०; यूहन्ना १३:१६

12 “मोख तुम सी अऊर भी बहुत सी बाते कहनो हंय, पर अभी तुम उन्ख सहन नहीं कर सकय।
13 पर जब ऊ मतलब सत्य को आत्मा आयेंन, त तुम्ख सब सत्य को रस्ता बतायेंन कहालीकि ऊ
अपनो तरफ सी नहीं कहेंन पर जो कुछ सुनेंन उच कहेंन, अऊर आवन वाली बाते तुम्ख बतायेंन।
14 ऊ मोरी महिमा करेंन, कहालीकि ऊ मोरी बाते म सी ले क तुम्ख बतायेंन। 15 जो कुछ बाप को
आय, ऊ सब मोरो आय; येकोलायी मय न कह्यो कि ऊ मोरी बातों म सी ले क तुम्ख बतायेंन।

[illegible]

16 “थोड़ी देर म तुम मोख नहीं देखो, अऊर फिर थोड़ी देर म मोख देखो।”
17 तब ओको कुछ चेला न आपस म कह्यो, “यो का हय जो ऊ हम सी कह्य हय, ‘थोड़ी देर म तुम
मोख नहीं देखो, अऊर फिर थोड़ी देर म मोख देखो?’ अऊर यो ‘येकोलायी कि मय बाप को जवर
जाऊं हय?’ ” 18 तब उन्न कह्यो, “यो ‘थोड़ी देर’ जो ऊ कह्य हय, का बात आय? हम नहीं जानजे
कि ऊ का कह्य हय।”
19 यीशु न यो जान क कि हि मोरो सी पूछनो चाहवय हंय, ओन कह्यो, “का तुम आपस म मोरी
या बात को बारे म पूछताछ करय हय, थोड़ी देर म तुम मोख नहीं देखो, अऊर फिर थोड़ी देर म
मोख देखो?” 20 मय तुम सी सच सच कहू हय कि तुम रोयेंन अऊर विलाप करेंन, पर जगत खुशी
मनायेंन; तुम ख दु:ख होयेंन, पर तुम्हरो दु:ख खुशी म बदल जायेंन। 21 प्रसव को समय बाई ख
दु:ख होवय हय, कहालीकि ओकी दु:ख की घड़ी आय पहुंची हय, पर जब वा बच्चा ख जनम दे
देवय हय, त यो खुशी सी कि जगत म एक आदमी पैदा भयो, ऊ संकट ख फिर याद नहीं कर सकय।
22 उच तरह तुम्ख भी अब त दु:ख हय, पर मय तुम सी फिर मिलूं अऊर तुम्हरो मन खुशी सी भर
जायेंन; अऊर तुम्हरी खुशी कोयी तुम सी छीन नहीं लेयेंन।
23 ऊ दिन तुम मोरो सी कुछ मत पूछो। मय तुम सी सच सच कहू हय, यदि बाप सी कुछ मांगो,
त ऊ मोरो नाम सी तुम्ख देयेंन। 24 अब तक तुम न मोरो नाम सी कुछ नहीं मांग्यो; मांगो, त पावों
ताकि तुम्हरी खुशी पूरी होय जाये।

[illegible]

25 “मय न या बाते तुम सी दृष्टान्तों म कहीं हंय, पर ऊ समय आवय हय कि मय तुम सी फिर
दृष्टान्तों म नहीं कहूं, पर खुल क तुम्ख बाप को बारे म बताऊं। 26 ऊ दिन तुम मोरो नाम सी मांगो;
अऊर मय तुम सी यो नहीं कहूं कि मय तुम्हरो लायी बाप सी बिनती करूं; 27 कहालीकि बाप त तुम
सीच प्रेम रखय हय, येकोलायी कि तुम न मोरो सी प्रेम रख्यो हय अऊर यो भी विश्वास करयो
हय कि मय बाप को तरफ सी आयो। 28 मय बाप को तरफ सी जगत म आयो हय; मय फिर जगत
ख छोड़ क बाप को जवर जाऊ हय।”
29 ओको चेलां न कह्यो, “देख, अब त तय खोल क कह्य हय, अऊर कोयी दृष्टान्त नहीं कह्य।
30 अब हम जान गयो हंय कि तय सब कुछ जानय हय, अऊर येकी जरूरत नहीं कि कोयी तोरो सी
कुछ पूछेंन; येको सी हम विश्वास करजे हंय कि तय परमेश्वर को तरफ सी आयो हय।”
31 यो सुन क यीशु न ओको सी कह्यो, “का तुम अब विश्वास करय हय? 32 ऊ घड़ी आवय हय
बल्की आय गयी हय कि तुम सब जगर-बगर होय क अपनो अपनो रस्ता धरेंन, अऊर मोख अकेलो
छोड़ देयेंन; तब भी मय अकेलो नहाय कहालीकि बाप मोरो संग हय। 33 मय न या बाते तुम सी
येकोलायी कह्यो हंय कि तुम्ख मोरो म शान्ति मिले। जगत म तुम्ख तकलीफ होवय हय, पर हिम्मत
बान्धो, मय न जगत ख जीत लियो हय।”

17

[illegible]

1 यीशु न या बाते कह्यो अऊर अपनी आंखी स्वर्ग को तरफ उठाय क कह्यो, “हे पिता, वा घड़ी
आय गयी हय; अपनो बेटा की महिमा कर कि बेटा भी तोरी महिमा करे।” 2 कहालीकि तय न ओख
सब मानव पर अधिकार दियो, कि जिन्ख तय न ओख दियो हय उन सब ख ऊ अनन्त जीवन दे।

3 अऊर अनन्त जीवन यो हय कि हि तय एकच सच्चो परमेश्वर ख अऊर यीशु मसीह ख, जेक तय
न भेज्यो हय, जाने। 4 जो कार्य तय न मोख करन ख दियो होतो, ओख पूरो कर क् मय न धरती पर
तोरी महिमा करी हय। 5 अब हे पिता, तय अपनो संग मोरी महिमा वा महिमा सी कर जो जगत ख
बनान सी पहिले, मोरी तोरो संग होती।
6 "मय न तोरो नाम उन आदमियों पर प्रगट करयो हय जिन्ख तय न जगत म सी मोख दियो
हय। हि तोरो होतो अऊर तय न उन्ख मोख दियो, अऊर उन्न तोरो वचन ख मान लियो हय। 7 अब
हि जान गयो हंय कि जो कुछ तय न मोख दियो हय, सब तोरो तरफ सी आय; 8 कहालीकि जो बात
तय न मोख दियो, मय न ऊ उन्ख पहुंचाय दियो; अऊर उन्न उन्ख स्वीकार करयो, अऊर सच सच
जान लियो हय, कि मय तोरो तरफ सी आयो हय, अऊर विश्वास कर लियो हय कि तयच न मोख
भेज्यो।"
9 मय उन्को लायी बिनती करू हय; जगत लायी बिनती नहीं करू हय पर उन्कोच लायी जिन्ख
तय न मोख दियो हय, कहालीकि हि तोरो आय; 10 अऊर जो कुछ मोरो हय ऊ सब तोरो हय, अऊर
जो तोरो हय ऊ मोरो हय, अऊर इन सी मोरी महिमा प्रगट भयी हय। 11 मय अब जगत म नहीं
रहूं, पर यो जगत म रहेंन, अऊर मय तोरो जवर आऊं हय। हे पवित्र पिता, अपनो ऊ नाम सी जो
तय न मोख दियो हय, उनकी रक्षा कर कि हि हमरो जसो एक होय। 12 ✡जब मय उन्को संग होतो,
त मय न तोरो ऊ नाम सी, जो तय न मोख दियो हय उन्की रक्षा करी। मय न उन्की चौकसी करी,
अऊर जेन नाश को रस्ता चुन्यो होतो ओख छोड़ उन्म सी कोयी नाश नहीं भयो, येकोलायी कि
शास्त्र म जो कह्यो गयो ऊ पूरो भयो। 13 अब मय तोरो जवर आऊं हय, अऊर या बाते जगत म
कहू हय, कि हि मोरी खुशी अपनो म पूरो पाये। 14 मय न तोरो खबर उन्ख पहुंचाय दियो हय; अऊर
जगत न उन्को सी दुश्मनी करयो, कहाली की जसो मय जगत को नोहोय, वसोच हि भी जगत को
नोहोय। 15 मय यो बिनती नहीं करू कि तय उन्ख जगत सी उठाय लेवो; पर यो कि तय उन्ख ऊ
दुष्ट सी बचायो रख। 16 जसो मय जगत को नोहोय, वसोच हि भी जगत को नोहोय। 17 सत्य को
द्वारा उन्ख पवित्र कर: तोरो वचन सत्य हय। 18 जसो तय न मोख जगत म भेज्यो, वसोच मय न
भी उन्ख जगत म भेज्यो; 19 अऊर उन्को लायी मय खुद ख समर्पित करू हय, ताकि हि भी सत्य
को द्वारा पवित्र करयो जाये।
20 "मय केवल इन्कोच लायी बिनती नहीं करू, पर उन्को लायी भी जो इन्को सन्देश को द्वारा
मोरो पर विश्वास करेंन, 21 कि हि सब एक हो; जसो तय हे बाप मोरो म हय, अऊर मय तोरो म हय,
वसोच हि भी हम म हो, जेकोसी जगत विश्वास करे कि तयच न मोख भेज्यो हय। 22 ऊ महिमा जो
तय न मोख दी मय न उन्ख दी हय, कि जसो हम एक हंय वसोच हि भी एक हो, 23 मय उन म अऊर
तय मोरो म ताकी हि पूरो तरह एक होय जाये, जेकोसी जगत जाने कि तय नच मोख भेज्यो, अऊर
जसो तय न मोरो सी प्रेम रख्यो वसोच उन्को सी प्रेम रख्यो।"
24 हे बाप, मय चाहऊ हय कि जिन्ख तय न मोख दियो हय, जित मय हय उत हि भी मोरो संग
हो, कि हि मोरो ऊ महिमा ख देखे जो तय न मोख दी हय, कहालीकि तय न जगत की उत्पत्ति सी
पहिले मोरो सी प्रेम रख्यो।
25 "हे सच्चो पिता, जगत न मोख नहीं जान्यो, पर मय न तोख जान्यो; अऊर इन्न भी जान्यो
कि तय न मोख भेज्यो हय। 26 मय न तोरो नाम उन्ख बतायो अऊर बतातो रहूं कि जो प्रेम तोरो
ख मोरो सी होतो ऊ उन्म रहे, अऊर मय उन्म रहूं।"

18

□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□ □□:□□-□□)

1 यीशु या बाते कह्य क अपनो चेलावों को संग किद्रोन नाला को पार गयो। उत एक बगीचा
होती, जेको म ऊ अऊर ओको चेला गयो। 2 ओको पकड़ावन वालो यहूदा भी ऊ जागा जानत होतो,

✡ **17:12** १७:१२ यूहन्ना १३:१८

कहालीकि यीशु अपनो चेलावों को संग उत जातो रहत होतो। 3 तब यहूदा पलटन को एक दल
ख अऊर मुख्य याजकों अऊर फरीसियों को तरफ सी सिपाहियों ख ले क, कंदील अऊर मशालों
अऊर अवजारों ख लियो हुयो उत आयो। 4 तब यीशु, उन सब बातों ख जो ओको पर आवन वाली
होती जान क, निकल्यो अऊर उन्को सी कह्यो, “कौन ख ढूंढय हय?”

5 उन्न ओख उत्तर दियो, “यीशु नासरी ख।”

यीशु न उन्को सी कह्यो, “मय आय।”

ओको पकड़ावन वालो यहूदा भी उन्को संग खड़ो होतो। 6 ओको यो कहतच, “मय आय,” हि
पीछू हट क जमीन पर गिर पड़यो। 7 तब ओन फिर उन्को सी पुच्छ्यो, “तुम कोख ढूंढय हय।”

हि बोल्यो, “यीशु नासरी ख।”

8 यीशु न उत्तर दियो, “मय त तुम सी कह्य दियो हय कि मय आय, यदि मोख ढूंढय हय त इन्क
जान दे।” 9 यो येकोलायी भयो कि ऊ वचन पूरो होय जो ओन कह्यो होतो: “जिन्ख तय न मोख
दियो उन्म सी मय न एक ख भी नहीं खोयो।”

10 तब शिमोन पतरस न तलवार, जो ओको जवर होती, खीची अऊर महायाजक को सेवक पर
चलाय क ओको दायो कान उड़ाय दियो। ऊ सेवक को नाम मलखुस होतो। 11 ✡तब यीशु न पतरस
सी कह्यो, “अपनी तलवार म्यान म रख। जो प्याला बाप न मोख दियो हय, का मय ओख नहीं
पीऊ?” 12 तब सैनिकों अऊर उन्को सूबेदार अऊर यहूदियों को पहरेदारों न यीशु ख पकड़ क बान्ध
लियो, 13 अऊर पहिले ओख हन्ना को जवर लिजायो, कहालीकि ऊ उन साल को महायाजक कैफा
को ससरो होतो। 14 ✡यो उच कैफा होतो, जेन यहूदियों ख सलाह दी होती कि हमरो लोगों लायी
एक आदमी को मरनो ठीक हय।

[illegible]
([illegible])

15 शिमोन पतरस अऊर एक दूसरों चेला भी यीशु को पीछू भय गयो। यो चेला महायाजक को
जानो पहिचानो होतो, येकोलायी ऊ यीशु को संग महायाजक को आंगन म गयो, 16 पर पतरस
बाहेर द्वार पर खड़ो रह्यो। तब ऊ दूसरों चेला जो महायाजक को जान पहिचान को होतो, बाहेर
निकल्यो अऊर पहरेदारिन सी कह्य क पतरस ख अन्दर लायो। 17 वा दासी न जो पहरेदारिन होती,
पतरस सी कह्यो, “कहीं तय भी यो आदमी को चेला म सी त नहाय?”

ओन कह्यो, “मय नोहोय।”

18 सेवक अऊर पहरेदार ठन्डी को वजह कोरस्या जलाय क खड़ो आगी ताप रह्यो होतो, अऊर
पतरस भी ओको संग खड़ो आगी ताप रह्यो होतो।

[illegible]
([illegible])

19 तब महायाजक न यीशु सी ओको चेलावों को बारे म अऊर ओको उपदेश को बारे म पूछताछ
करी। 20 यीशु न ओख उत्तर दियो, “मय न जगत सी खुल क बाते करी; मय न आराधनालयों अऊर
मन्दिर म, जित सब यहूदी जमा होत होतो, सदा उपदेश करयो अऊर गुप्त म कुछ भी नहीं कह्यो।
21 तय मोरो सी का पूछय हय? सुनन वालो सी पूछ कि मय न उन्को सी का कह्यो देख, हि जानय
हंय कि मय न का का कह्यो।”

22 तब ओन यो कह्यो, त पहरेदारों म सी एक न जो जवर खड़ो होतो, यीशु ख थापड़ मार क कह्यो,
“का तय महायाजक ख यो तरह उत्तर देवय हय?”

23 यीशु न ओख उत्तर दियो, “यदि मय न बुरो कह्यो, त ऊ बुरायी की गवाही दे; पर यदि सही
कह्यो, त मोख कहाली मारय हय?”

24 हन्ना न ओख बन्ध्यो हुयो ख कैफा महायाजक को जवर भेज दियो।

✡ **18:11** १८:११ मत्ती २६:३९; मरकुस १४:३६; लूका २२:४२ ✡ **18:14** १८:१४ यूहन्ना ११:४९,५०

[illegible]
[illegible]

25 शिमोन पतरस खड़ो होय क आगी ताप रह्यो होतो। तब उन्न ओको सी कह्यो, “कहीं तय भी
ओको चेलावों म सी त नहाय?”

पतरस न इन्कार कर क् कह्यो, “मय नोहोय।”

26 महायाजक को सेवकों म सी एक, जो ओको कुटुम्ब म सी होतो जेको कान पतरस न काट
डाल्यो होतो, बोल्यो, “का मय न तोख ओको संग बगीचा म नहीं देख्यो होतो?”
27 पतरस न फिर सी इन्कार कर दियो अऊर तुरतच मुर्गा न बाग दियो।

[illegible]
[illegible]

28 तब हि यीशु ख कैफा को जवर सी राजभवन को तरफ ले गयो, अऊर भुन्सारे को समय होतो,
पर हि खुद किला को अन्दर नहीं गयो ताकि अशुद्ध नहीं होय पर फसह को त्यौहार खाय सके।
29 तब पिलातुस उन्को जवर बाहेर निकल क आयो अऊर कह्यो, “तुम यो आदमी पर का बात को
आरोप लगावय हय?”

30 उन्न ओख उत्तर दियो, “यदि ऊ अपराधी नहीं होतो त हम ओख तोरो हाथ नहीं सौपतो।”
31 पिलातुस न उन्को सी कह्यो, “तुमच येख लिजाय क अपनी व्यवस्था को अनुसार ओको न्याय
करो।”

यहूदियों न ओको सी कह्यो, “हम्ख अधिकार नहाय कि कोयी को जीव लेबो।” 32 ✡यो येकोलायी
भयो कि यीशु की ऊ बात पूरी होय जो ओन यो इशारा देतो हुयो कहीं होती कि ओकी मृत्यु कसी
होयेंन।

33 तब पिलातुस फिर राजभवन को अन्दर गयो, अऊर यीशु ख बुलाय क ओको सी पुच्छ्यो, “का
तय यहूदियों को राजा आय?”

34 यीशु न उत्तर दियो, “का तय या बात अपनो तरफ सी कह्य हय या दूसरों न मोरो बारे म तोरो
सी यो कह्यो हय?”

35 पिलातुस न उत्तर दियो, “का मय यहूदी आय? तोरीच जाति अऊर मुख्य याजकों न तोख मोरो
हाथ म सौंप्यो हय। तय न का करयो हय?”

36 यीशु न उत्तर दियो, “मोरो राज यो जगत को नहाय; यदि मोरो राज्य यो जगत को होतो त
मोरो सेवक लड़तो कि मय यहूदियों को हाथ सौंप्यो नहीं जातो: पर मोरो राज इत को नहाय।”

37 पिलातुस न ओको सी कह्यो, “त का तय राजा आय?”

यीशु न उत्तर दियो, “तय कह्य हय कि मय राजा आय। मय न येकोलायी जनम लियो अऊर
येकोलायी जगत म आयो हय कि सत्य की गवाही देऊ। जो कोयी सत्य को आय, ऊ मोरी आवाज
सुनय हय।”

38 पिलातुस न ओको सी कह्यो, “सत्य का हय?”

[illegible]
[illegible]

यो कह्य क ऊ फिर यहूदियों को जवर निकल गयो अऊर उन्को सी कह्यो, “मय त ओको म कुछ
दोष नहीं पाऊ। 39 पर तुम्हरी यो रीति हय कि मय फसह को त्यौहार म तुम्हरो लायी एक व्यक्ति
ख छोड़ देऊ येकोलायी तुम चाहवय की मय तुम्हरो लायी यहूदियों को राजा ख छोड़ देऊ।”

40 तब उन्न फिर चिल्लाय क कह्यो, “येख नहीं, पर हमरो लायी बरअब्बा ख छोड़ दे।” अऊर
बरअब्बा डाकू होतो।

✡ **18:32** १८:३२ यूहन्ना ३:१४; १२:३२

19

1 येको पर पिलातुस न यीशु ख कोड़ा सी पीटवायो। 2 सिपाहियों न काटा को मुकुट गूथ क ओकी
मुंड पर रख्यो, अऊर ओख जामुनी कपड़ा पहिनायो, 3 अऊर ओको जवर आय-आय क कहन लग्यो,
"हे यहूदियों को राजा, प्रनाम!" अऊर ओख थापड़ भी मारयो।

4 तब पिलातुस न फिर बाहेर निकल क लोगों सी कह्यो, "देखो, मय ओख तुम्हरो जवर फिर बाहेर
लाऊं हय; ताकि तुम जानो कि मय ओको म कुछ भी दोष नहीं पाऊ।" 5 तब यीशु काटा को मुकुट
अऊर जामुनी कपड़ा पहिन्यो हुयो बाहेर निकल्यो; अऊर पिलातुस न उन्को सी कह्यो, "देखो, यो
आदमी!"

6 जब मुख्य याजकों अऊर पहरेदारों न ओख देख्यो, त चिल्लाय क कह्यो, "ओख क्रूस पर चढ़ाव,
क्रूस पर!"

पिलातुस न उन्को सी कह्यो, "तुमच ओख ले क क्रूस पर चढ़ावो, कहालीकि मय ओको म कोयी
दोष नहीं पाऊ।"

7 यहूदियों न ओख उत्तर दियो, "हमरी भी व्यवस्था हय अऊर ऊ व्यवस्था को अनुसार ऊ मारयो
जान को लायक हय, कहालीकि ओन अपनो आप ख परमेश्वर को टुरा होन को दावा करयो हय।"

8 जब पिलातुस न या बात सुनी त अऊर भी डर गयो।

9 अऊर फिर राजभवन को अन्दर गयो अऊर यीशु सी कह्यो, "तय कित को आय?" पर यीशु न
ओख कुछ भी उत्तर नहीं दियो। 10 येको पर पिलातुस न ओको सी कह्यो, "मोरो सी कहाली नहीं
बोलय? का तय नहीं जानय कि तोख छोड़ देन को अधिकार मोख हय, अऊर तोख क्रूस पर चढ़ान
को भी मोख अधिकार हय।"

11 यीशु न उत्तर दियो, "यदि तोख ऊपर सी नहीं दियो जातो, त तोरो मोरो पर कुछ अधिकार
नहीं होतो; येकोलायी जेन मोख तोरो हाथ पकड़वायो हय ओको पाप बहुत जादा हय।"

12 येको पर पिलातुस न ओख छोड़ देनो चाह्यो, पर यहूदियों न चिल्लाय-चिल्लाय क कह्यो, "यदि
तय येख छोड़ देजो, त तोरी भक्ति कैसर को तरफ नहीं। जो कोयी अपनो आप ख राजा बनावय
हय ऊ कैसर को सामना करय हय।"

13 या बात सुन क पिलातुस यीशु ख बाहेर लायो अऊर ऊ जागा एक "चबूतरा" होतो जो इब्रानी
म "गब्बता" कहलावय हय, अऊर उत न्याय-आसन पर बैठचो। 14 यो फसह को त्यौहार की तैयारी
को दिन होतो, अऊर छे घंटा को लगभग होतो। तब ओन यहूदियों सी कह्यो, "देखो तुम्हरो राजा!"

15 पर हि चिल्लायो, "लिजाव! लिजाव! ओख क्रूस पर चढ़ाव!"

पिलातुस न उन्को सी कह्यो, "का मय तुम्हरो राजा ख क्रूस पर चढ़ाऊ?"

मुख्य याजकों न उत्तर दियो, "कैसर ख छोड़ हमरो अऊर कोयी राजा नहीं।" 16 तब ओन ओख
उन्को हाथ सौंप दियो ताकि यीशु क्रूस पर चढ़ायो जाये।

[illegible]
([illegible])

17 तब हि यीशु ख ले गयो, अऊर ऊ अपनो क्रूस उठायो हुयो ऊ जागा तक बाहेर गयो, जो
"खोपड़ी की जागा" कहलावय हय अऊर इब्रानी म "गुलगुता।" 18 उत उन्न ओख अऊर ओको
संग अऊर दोय आदमियों ख क्रूस पर चढ़ायो, एक ख इत अऊर एक ख उत, अऊर बीच म यीशु
ख। 19 पिलातुस न एक दोष-पत्र लिख क क्रूस पर लगाय दियो, अऊर ओको म यो लिख्यो हुयो
होतो, "यीशु नासरी, यहूदियों को राजा।" 20 यो दोष–पत्र बहुत सो यहूदियों न पढ़यो, कहालीकि
ऊ जागा जित यीशु क्रूस पर चढ़ायो गयो होतो जो नगर को जवर होतो; अऊर पत्र इब्रानी
अऊर लतीनी अऊर यूनानी भाषा म लिख्यो हुयो होतो। 21 तब यहूदियों को मुख्य याजकों न
पिलातुस सी कह्यो, " 'यहूदियों को राजा' मत लिख पर यो कि 'ओन कह्यो, मय यहूदियों को राजा
आय।' "

22 पिलातुस न उत्तर दियो, "मय न जो लिख दियो, ऊ लिख दियो।"

23 जब सिपाही यीशु ख क्रूस पर चढ़ाय चुक्यो, त ओको कपड़ा ले क चार भाग करयो, हर
सिपाही लायी एक भाग, अऊर कुरता भी लियो, पर कुरता बिना सीयो ऊपर सी खल्लो तक बुन्यो
हुयो होतो 24 येकोलायी उन्न आपस म कह्यो,
"हम येख नहीं फाड़बो, पर येख पर चिट्ठी डालबो कि यो कोन्को होयेंन।"
यो येकोलायी भयो कि पवित्र शास्त्र म
जो कह्यो गयो ऊ पूरो हो, "उन्न मोरो कपड़ा आपस म बाट लियो अऊर मोरो कपड़ा पर चिट्ठी
डाली।" सैनिकों न असोच करयो।
25 सैनिकों न असोच करयो। यीशु को क्रूस को जवर ओकी माय, अऊर ओकी माय की बहिन,
क्लोपास की पत्नी मरियम, अऊर मरियम मगदलीनी खड़ी होती। 26 जब यीशु न अपनी माय,
अऊर ऊ चेला ख जेकोसी ऊ प्रेम रखत होतो जवर खड़ो देख्यो त अपनी माय सी कह्यो, "हे नारी,
देख, यो तोरो बेटा आय।"
27 तब ओन चेला सी कह्यो, "या तोरी माय आय।" अऊर उच समय सी ऊ चेला ओख अपनो घर
ले गयो।

□□□□□ □□ □□□□□□□
(□□□□□□ □□:□□; □□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□ □□:□□-□□)

28 येको बाद यीशु न यो जान क कि अब सब कुछ पूरो भय गयो, येकोलायी कि शास्त्र म जो
कह्यो गयो ऊ पूरो होय, कह्यो, "मय प्यासो हय।"
29 उत सिरका सी भरयो हुयो एक बर्तन रख्यो होतो, येकोलायी उन्न सिरका सी गिलो करयो
हुयो स्पंज ख जूफा पर रख क ओको मुंह सी लगायो। 30 जब यीशु न ऊ सिरका पियो अऊर आत्मा
म दु:खी भयो, अऊर कह्यो, "पूरो भयो।"
अऊर मुंड झुकाय क जीव छोड़ दियो।

□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□

31 येकोलायी कि ऊ तैयारी को दिन होतो, यहूदियों न पिलातुस सी बिनती करी कि उन्को टांगे
तोड़ दियो जाये अऊर हि उतारयो जाये, ताकि आराम दिन म हि क्रूस पर नहीं रहे, कहालीकि
ऊ आराम दिन मतलब बड़ो दिन होतो। 32 यानेकि सैनिकों न आय क उन आदमियों म सी पहिलो
आदमी को टांगे तोड़यो तब दूसरों आदमी को भी, जो ओको संग क्रूस पर चढ़ायो गयो होतो;
33 पर जब यीशु को जवर आय क देख्यो कि यो मर गयो हय, त ओकी टांगे नहीं तोड़यो। 34 पर
सैनिकों म सी एक न बरछा सी ओको फसली म भेद्यो, अऊर ओको म सी तुरतच खून अऊर पानी
निकल्यो। 35 जेन यो देख्यो, ओन गवाही दियो हय, अऊर ओकी गवाही सच्ची आय; अऊर ऊ
जानय हय कि ऊ सच कह्य हय कि तुम भी विश्वास करो। 36 या बाते येकोलायी भयी कि शास्त्र म
जो कह्यो गयो ऊ पूरो भयो, "ओकी कोयी हड्डी तोड़यो नहीं जायेंन।" 37 ✡फिर एक अऊर जागा
पर शास्त्र म यो लिख्यो हय, "जेक उन्न भेज्यो हय, ओको पर हि नजर करेंन।"

□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□
(□□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□□ □□:□□-□□; □□□□□ □□:□□-□□)

38 इन बातों को बाद अरिमतिया को यूसुफ न जो यीशु को चेला होतो, पर यहूदियों को डर सी
या बात ख लूकायो रखत होतो, पिलातुस सी बिनती करी कि का ऊ यीशु को लाश लिजाय सकय
हय। पिलातुस न ओकी बिनती सुनी, अऊर ऊ आय क ओको लाश ले गयो। 39 ✡नीकुदेमुस भी, जो
पहिले यीशु को जवर रात ख गयो होतो, पचास शेर को लगभग मिल्यो हुयो अत्तर अऊर एलवा
ले आयो। 40 तब उन्न यीशु की लाश ख उठाय क यहूदियों को गाड़न की रीति को अनुसार ओख
अत्तर को संग कपड़ा म लपेटचो। 41 ऊ जागा पर जित यीशु क्रूस पर चढ़ायो गयो होतो, एक

✡ **19:37** १९:३७ प्रकाशितवाक्य १:७ ✡ **19:39** १९:३९ यूहन्ना ३:१,२

बगीचा होतो, अऊर उत एक नयी कब्र होती जेको म कभी कोयी नहीं रख्यो होतो। 42 येकोलायी
यहूदियों की तैयारी को दिन को वजह उन्न यीशु ख ओको म रख्यो, कहालीकि ऊ कब्र जवर होती।

20

[illegible]
([illegible])

1 हप्ता को पहिलो दिन मरियम मगदलीनी भुन्सारे को अन्धारो म एक कब्र पर आयी, अऊर
गोटा ख कब्र सी हटचो हुयो देख्यो। 2 तब वा उत सी भगी अऊर शिमोन पतरस अऊर ऊ दूसरों
चेला को जवर जेकोसी यीशु प्रेम रखत होतो, आय क कह्यो, "हि प्रभु ख कब्र म सी निकाल ले
गयो हंय, अऊर हम नहीं जानजे कि ओख कित रख दियो हय।"
3 तब पतरस अऊर ऊ दूसरों चेला निकल क कब्र को तरफ चल्यो। 4 हि दोयी संग–संग दौड़
रह्यो होतो, पर दूसरों चेला पतरस सी आगु बढ़ क कब्र पर पहिले पहुंच्यो; 5 अऊर झुक क कपड़ा
पड़े देख्यो, तब भी ऊ अन्दर नहीं गयो। 6 तब शिमोन पतरस ओको पीछू-पीछू पहुंच्यो, अऊर कब्र
को अन्दर गयो अऊर कपड़ा पड़यो देख्यो; 7 अऊर ऊ गमछा जो ओको मुंड सी बन्ध्यो हुयो होतो,
कपड़ा को संग पड़यो हुयो नहीं, पर अलग एक जागा लपेट क रख्यो हुयो देख्यो। 8 तब दूसरों चेला
भी जो कब्र पर पहिले पहुंच्यो होतो, अन्दर गयो अऊर देख क विश्वास करयो। 9 हि त अब तक
शास्त्र की वा बात नहीं समझ्यो होतो कि ओख मरयो हुयो म सी जीन्दो होनो पड़ेंन। 10 तब यो
चेलाये अपनो घर लौट गयो।

[illegible]
([illegible])

11 पर मरियम रोवती हुयी कब्र को जवर बाहेर खड़ी रही, अऊर रोवत-रोवत कब्र को तरफ
झुक क, 12 दोय स्वर्गदूतों ख उज्वल कपड़ा पहिन्यो हुयो एक ख मुन्डेसो अऊर दूसरों ख पायतो
तरफ बैठ्यो देख्यो, जित यीशु को लाश रख्यो गयो होतो। 13 उन्न ओको सी कह्यो, "हे नारी, तय
कहाली रोवय हय?"
ओन उन्को सी कह्यो, "हि मोरो प्रभु ख उठाय ले गयो अऊर मय नहीं जानु कि ओख कित रख्यो
हय।"
14 यो कह्य क वा पीछू मुड़ी अऊर यीशु ख खड़यो देख्यो, पर नहीं पहिचान्यो कि यो यीशु आय।
15 यीशु न ओको सी कह्यो, "हे नारी, तय कहाली रोवय हय? कौन्क ढूंढय हय?"
ओन बगीचा को माली समझ क ओको सी कह्यो, "हे महाराज, यदि तय न ओख उठाय लियो हय
त मोख बताव कि ओख कित रख्यो हय, अऊर मय ओख लिजाऊं।"
16 यीशु न ओको सी कह्यो, "मरियम!"
ओन पीछू मुड़ क ओको सी इब्रानी म कह्यो, "रब्बूनी!" मतलब "हे गुरु।"
17 यीशु न ओको सी कह्यो, "मोख मत छूव, कहालीकि मय अब तक बाप को जवर ऊपर नहीं
गयो, पर मोरो भाऊवों को जवर जाय क उन्को सी कह्य दे, कि मय अपनो बाप अऊर तुम्हरो बाप,
अऊर अपनो परमेश्वर अऊर तुम्हरो परमेश्वर को जवर ऊपर जाऊं हय।"
18 मरियम मगदलीनी न जाय क चेलावों ख बतायो, "मय न प्रभु ख देख्यो, अऊर ओन मोरो
सी या बाते कहीं।"

[illegible]
([illegible])

19 उच दिन जो हप्ता को पहिलो दिन होतो, शाम को समय जब उत को द्वार पर जित चेलाये एक
मुस्त जमा होतो, यहूदियों को डर को मारे द्वार बन्द होतो, तब यीशु आयो अऊर उन्को बीच म खड़ो
होय क उन्को सी कह्यो, "तुम्ख शान्ति मिले।" 20 अऊर यो कह्य क ओन अपनो हाथ अऊर अपनी
हथेली उन्ख दिखायो। तब चेला प्रभु ख देख क खुश भयो। 21 यीशु न फिर उन्को सी कह्यो, "तुम्ख

शान्ति मिले; जसो बाप न मोख भेज्यो हय, वसोच मय भी तुम्ख भेजू हय।" 22 यो कह्य क ओन उन
पर फूक्यो अऊर उन्को सी कह्यो, "पवित्र आत्मा लेवो। 23 ✡जिन्को पाप तुम माफ करो, हि उन्को
लायी माफ करयो गयो हंय; जिन्को पाप तुम रखो, हि रख्यो गयो हंय।"

[illegible]

24 पर बारायी चेला म सी एक, यानेकि थोमा जो दिदुमुस कहलावय हय, जब यीशु आयो त उन्को
संग नहीं होतो। 25 जब दूसरों चेला ओको सी कहन लग्यो, "हम न प्रभु ख देख्यो हय!"
तब ओन उन्को सी कह्यो, "जब तक मय ओको हथेली म खिल्ला सी भयो छेद देख नहीं लेऊ,
अऊर खिल्ला सी भयो छेद म अपनो बोट नहीं डाल लेऊ, तब तक मय विश्वास नहीं करू।"
26 आठ दिन को बाद ओको चेलाये घर को अन्दर होतो, अऊर थोमा ओको संग होतो; अऊर द्वार
बन्द होतो, तब यीशु आयो अऊर उन्को बीच म खड़ो होय क कह्यो, "तुम्ख शान्ति मिले।" 27 तब
ओन थोमा सी कह्यो, "अपनो बोट इत लाय क मोरो हाथों ख देख अऊर अपनो हाथ लगाय क मोरो
हथेली म डाल, अऊर अविश्वासी नहीं पर विश्वासी बन।"
28 यो सुन क थोमा न उत्तर दियो, "हे मोरो प्रभु, हे मोरो परमेश्वर!"
29 यीशु न ओको सी कह्यो, "तय न मोख देख्यो हय, का येकोलायी विश्वास करयो हय? धन्य
हि आय जिन्न बिना देख्यो विश्वास करयो।"

[illegible]

30 यीशु न अऊर भी बहुत सो आश्चर्य को चिन्ह चेलावों को आगु दिखायो, जो या किताब म
लिख्यो नहीं गयो; 31 पर ये येकोलायी लिख्यो गयो हंय कि तुम विश्वास करो कि यीशुच परमेश्वर
को टुरा मसीह आय, अऊर विश्वास कर क् ओको नाम सी जीवन पावों।

21

[illegible]

1 इन बातों को बाद यीशु न अपनो आप ख तिबिरियास झील को किनार चेलावों पर प्रगट करयो,
अऊर यो रीति सी प्रगट करयो: 2 शिमोन पतरस अऊर थोमा जो दिदुमुस कहलावय हय, अऊर
गलील को काना नगर को नतनएल अऊर जब्दी को टुरा अऊर ओको चेलावों म सी दोय लोग
जमा होतो। 3 ✡शिमोन पतरस न उन्को सी कह्यो, "मय मच्छी पकड़न जाय रह्यो हय।"
उन्न ओको सी कह्यो, "हम भी तोरो संग चलजे हय।" येकोलायी हि निकल क डोंगा पर चढ़यो,
पर ऊ रात कुछ नहीं पकड़यो। 4 भुन्सारे होतोच यीशु किनार पर आय खड़ो भयो; तब भी चेलावों
न नहीं पहिचानो कि यो यीशु आय। 5 तब यीशु न उन सी कह्यो, "हे बच्चां, का तुम्हरो जवर कुछ
मच्छी हय?"
उन्न उत्तर दियो, "नहीं।"
6 ✡ओन उन्को सी कह्यो, "डोंगा को दायो तरफ जार डालो त मिलेंन।" येकोलायी उन्न जार
डाल्यो, अऊर अब बहुत सी मच्छी को वजह ओख खीच नहीं सक्यो।
7 तब ऊ चेला न जेकोसी यीशु प्रेम रखत होतो, पतरस सी कह्यो, "यो त प्रभु आय!" शिमोन
पतरस न यो सुन क कि ऊ प्रभु आय, कमर म गमछा कस लियो, कहालीकि ओन कपड़ा नहीं
पहिन्यो होतो, अऊर झील म कूद्यो। 8 पर दूसरों चेला डोंगा पर मच्छी सी भरयो हुयो जार खीचतो
हुयो आयो, कहालीकि हि किनार सी जादा दूर नहीं पर कोयी दोय सौ हाथ पर होतो। 9 जब हि
किनार पर उतरयो, त उन्न कोरस्या की आगी पर मच्छी रखी हुयी, रोटी देख्यो। 10 यीशु न उन्को
सी कह्यो, "जो मच्छी तुम न अभी पकड़यो हंय, उन्को म सी कुछ लाव।"
11 त शिमोन पतरस न डोंगा पर चढ़ क एक सौ त्रेपन बड़ी मच्छी सी भरयो हुयो जार किनार
पर खीच्यो, अऊर इतनी मच्छी होन पर भी जार नहीं फटचो। 12 यीशु न उन्को सी कह्यो, "आवो,
जेवन करो।" चेलावों म सी कोयी ख हिम्मत नहीं भयो कि ओको सी पूछतो कि, "तय कौन आय?"

✡ **20:23** २०:२३ मत्ती १६:१९; १८:१८ ✡ **21:3** २१:३ लूका ५:५ ✡ **21:6** २१:६ लूका ५:६

कहालीकि हि जानत होतो कि यो प्रभुच आय। 13 यीशु आयो अऊर रोटी ले क उन्ख दी, अऊर
वसोच मच्छी भी।
14 यो तीसरो बार आय कि यीशु मरयो हुयो म सी जीन्दो उठन को बाद चेलावों ख दिखायी दियो।

[illegible]

15 भोजन करन को बाद यीशु न शिमोन पतरस सी कह्यो, "हे शिमोन, यूहन्ना को टुरा, का तय
इन सी बढ़ क मोरो सी प्रेम रखय हय?"
ओन ओको सी कह्यो, "हव, प्रभु; तय त जानय हय कि मय तोरो सी प्रीति रखू हय।"
ओन ओको सी कह्यो, "मोरो मेंढीं को बछड़ा ख चराव।" 16 ओन फिर दूसरों बार ओको सी कह्यो,
"हे शिमोन, यूहन्ना को टुरा, का तय मोरो सी प्रेम रखय हय?"
ओन ओको सी कह्यो, "हव।" ओन ओको सी कह्यो, "हव प्रभु!"
तय जानय हय कि मय तोरो सी प्रीति रखू हय। ओन ओको सी कह्यो, "मोरी मेंढीं की रखवाली
कर।" 17 ओन तीसरी बार ओको सी कह्यो, "हे शिमोन, यूहन्ना को टुरा," का तय मोरो सी प्रीति
रखय हय?
पतरस उदास भयो कि ओन ओको सी तीसरी बार असो कह्यो, "का तय मोरो सी प्रीति रखय
हय?" अऊर ओको सी कह्यो, "हे प्रभु, तय त सब कुछ जानय हय; तय यो जानय हय कि मय तोरो
सी प्रीति रखू हय।"
यीशु न ओको सी कह्यो, "मोरी मेंढीं ख चराव। 18 मय तोरो सी सच सच कहू हय, जब तय
जवान होतो त अपनी कमर बान्ध क जित चाहत होतो उत फिरत होतो; पर जब तय बूढ़ढा होजो त
अपनो हाथ फैयलायेंन अऊर दूसरों तोरी कमर बान्ध क जित तय नहीं चाहेंन उत तोख लिजायेंन।"
19 ओन इन बातों सी इशारा दियो कि पतरस कसी मौत सी परमेश्वर की महिमा करेंन। अऊर तब
ओन ओको सी कह्यो, "मोरो पीछू आव।"

[illegible]

20 ✡पतरस न मुड़ क ऊ चेला ख पीछू आवतो देख्यो, जेकोसी यीशु प्रेम रखत होतो, अऊर जेन
जेवन को समय ओकी छाती को तरफ झुक क पुच्छयो होतो, "हे प्रभु, तोरो पकड़न वालो कौन
आय?" 21 ओख देख क पतरस न यीशु सी कह्यो, "हे प्रभु, येको का हाल होयेंन?"
22 यीशु न ओको सी कह्यो, "यदि मय चाहतो कि ऊ मोरो आवनो तक रूक्यो रहे, त तोख येको
सी का? तय मोरो पीछू हो जावो।"
23 येकोलायी भाऊवों म या बात फैल गयी कि ऊ चेला नहीं मरेंन; तब भी यीशु न ओको सी यो
नहीं कह्यो कि ऊ नहीं मरेंन, पर यो कि "यदि मय चाहतो कि ऊ मोरो आनो तक रूक्यो रह्य, त तोख
येको सी का?"
24 यो उच चेला आय जो इन बातों की गवाही देवय हय अऊर जेन इन बातों ख लिख्यो हय,
अऊर हम जानजे हंय कि ओकी गवाही सच्ची आय।

[illegible]

25 अऊर भी बहुत सो काम हंय, जो यीशु न करयो; यदि हि एक एक कर क् लिख्यो जातो, त
मय समझू हय कि किताबे जो लिख्यो जाती हि जगत म भी नहीं समाती।

✡ **21:20** २१:२० यूहन्ना १३:२५

प्रेरितों के कामों का वर्नन
प्रेरितों को कामों को वर्नन
परिचय

प्रेरितों को कामों की किताब मण्डली की सुरूवात की कहानी आय अऊर यो यरूशलेम सी यहूदिया, सामरियां अऊर ओको सी आगु तक कसी फैल गयी, जसो यीशु न अपनो चेलावों ख स्वर्ग म जान सी पहिले बतायो होतो।१:८ येख लूका म लिख्यो हय, जेन लूका को अनुसार सुसमाचार भी लिख्यो हय। ऊ एक डाक्टर होतो अऊर एक सही खाता लिखन लायी सावधान रहत होतो। उन्न अपनो सुसमाचार अऊर अधिनियमों की किताब थियुफिलुस ख बतायो, जो एक गैरयहूदी होतो, लेकिन किताबों को उद्देश शायद मसीही लोगों को लायी भी होतो जेको म गैरयहूदी अऊर यहूदी दोयी शामिल होतो १:१।

प्रेरितों को काम अंदाजन यीशु मसीह को जनम को बाद ६०-६४ साल को बीच लिख्यो गयो होतो कहालीकि किताब जेल सी पौलुस छुटन को पहिले खतम होवय हय। लूका न भी प्रेरित पौलुस को संग यात्रा की अऊर शायद अन्ताकिया शहर म नियम शास्त्र लिख्यो। प्रेरितों न लूका को सुसमाचार ख सुरू रख्यो अऊर यीशु को स्वर्ग म जान को संग सुरू होवय हय। लिखावट म लूका को उद्देश उन्को सुसमाचार को जसोच हय। ऊ थियुफिलुस चाहत होतो, संग म मसीहियों की बढ़ती संख्या सी निश्चित हय कि उन्ख का लिखायो गयो होतो अऊर येकोलायी उन्न यीशु को जीवन अऊर मसीही धर्म को प्रसार को एक सही लेख लिख्यो।

प्रेरितों की किताब हमरो लायी सुरूवाती मण्डली को उदाहरन प्रदान करय हय अऊर यीशु म विश्वास को जीवन लायी यो कसो दिखावत होतो। प्रेरितों को उदाहरन हम्ख दिखावय हय कि दूसरों ख सुसमाचार सन्देश फैलावन म पवित्र आत्मा की शक्ति पर भरोसा कसो करनो हय।

रूप-रेखा

१. पहिले पवित्र आत्मा चेलावों पर आवय हय अऊर मण्डली बढ़ावन लगय हय। *□:□–□:□*
२. येको बाद मण्डली ख सतायो जावय हय अऊर यरूशलेम सी आगु फैलावन लगय हय। *□:□–□□:□□*
३. येको बाद पौलुस अपनी पहिली प्रचार यात्रा पर जावय हय। *□□:□□–□□:□□*
४. येको बाद सभा न यरूशलेम म बैठक कर क् यो तय करयो कि नयो विश्वासियों की का जरूरत हय। *□□:□-□□*
५. पहले पौलुस अपनी दूसरी प्रचार यात्रा पर जावय हय। *□□:□□–□□:□□*
६. येको बाद ऊ अपनी तीसरी प्रचार यात्रा पर जावय हय। *□□:□□–□□:□□*
७. तब पौलुस ख यरूशलेम म जेल म डाल्यो गयो। *□□–□□*
८. आखरी म पौलुस ख रोम शहर म पहुंचायो जानो। *□□–□□*

□□□□□

1 ✡हे प्रिय, थियुफिलुस, मय न पहिली किताब उन सब बातों को बारे म लिख्यो जो यीशु सुरूवात
सी करतो अऊर सिखावत रह्यो, 2 ऊ स्वर्ग म उठावन को दिन सी जब तक ऊ उन प्रेरितों ख जिन्ख
ओन चुन्यो होतो पवित्र आत्मा सी आज्ञा दे क निर्देश देत रह्यो। 3 ओन मरन को बाद बहुत सो
पक्को प्रमानों सी अपनो आप ख उन्ख जीन्दो दिखायो, अऊर चालीस दिन तक ऊ उन्ख दिखायी
देतो रह्यो, अऊर परमेश्वर को राज्य की बाते करत रह्यो। 4 ✡अऊर उन्को सी मिल क उन्ख आज्ञा
दियो, "यरूशलेम ख मत छोड़ो, पर बाप की ऊ प्रतिज्ञा की पूरो होन की रस्ता देखत रहो, जेको

✡ **1:1** १:१ लूका १:१-४ ✡ **1:4** १:४ लूका २४:४९

बारे म मय न तुम्ख बतायो होतो। 5 ✡कहालीकि यूहन्ना न त पानी सी बपतिस्मा दियो हय पर थोड़ो
दिन को बाद तुम्ख पवित्र आत्मा सी बपतिस्मा दियो जायेंन।"

[illegible]

6 येकोलायी उन्न जमा होय क यीशु सी पुच्छचो, "हे प्रभु, का तय योच समय इस्राएल ख
राज्य फिर सी दे देजो?"
7 यीशु न उन्को सी कह्यो, "उन समयो या कालो ख जाननो, जिन्ख बाप न अपनोच अधिकार म
रख्यो हय, उन्ख जाननो तुम्हरो काम नोहोय। 8 ✡पर जब पवित्र आत्मा तुम पर आयेंन तब तुम
सामर्थ पावों; अऊर यरूशलेम अऊर पूरो यहूदिया अऊर सामरियां म, अऊर धरती की छोर तक
मोरो गवाह होयेंन।" 9 ✡यो कह्य क ऊ उन्को देखतो देखतो ऊपर उठाय लियो गयो, अऊर बादर न
ओख उनकी आंखी सी लूकाय लियो।
10 ओको जातो समय जब हि आसमान को तरफ लगातार देख रह्यो होतो, त देखो, दोय पुरुष
उज्वल कपड़ा पहिन्यो हुयो उन्को जवर आय खड़ो भयो, 11 अऊर ओन कह्यो, "हे गलीली लोगों,
तुम कहाली खड़ो आसमान को तरफ देख रह्यो हय? योच यीशु, जो तुम्हरो जवर सी स्वर्ग पर उठाय
लियो गयो हय, जो रीति सी तुम न ओख स्वर्ग ख जातो देख्यो हय उच रीति सी ऊ फिर आयेंन।"

[illegible]
([illegible])

12 तब प्रेरित जैतून नाम की पहाड़ी सी उतरयो जो यरूशलेम को जवर एक किलोमीटर की दूरी
पर हय, यरूशलेम ख लौटचो। 13 ✡जब हि उत पहुंच्यो त ऊ ऊपर को कमरा म गयो, जित पतरस
अऊर यूहन्ना अऊर याकूब अऊर अन्द्रियास अऊर फिलिप्पुस अऊर थोमा अऊर बरतुल्मै अऊर
मत्ती अऊर हलफई को टुरा याकूब अऊर शिमोन जेलोतेस अऊर याकूब को बेटा यहूदा रहत होतो।
14 हि सब कुछ बाईयों अऊर यीशु की माय मरियम अऊर ओको भाऊवों को संग एक चित अऊर
जमा होय क प्रार्थना म लग्यो रह्यो।
15 फिर कुछ दिनो बाद पतरस भाऊवों को बीच म जो एक सौ बीस विश्वासी लोग को लगभग
होतो, खड़ो होय क कहन लग्यो, 16 "हे भाऊवों, यीशु ख पकड़न वालो को अगुवा जरूर होतो कि
पवित्र शास्त्र को ऊ लेख पूरो होय जो दाऊद को मुंह सी यहूदा को बारे म, पवित्र आत्मा न
जो पहिले सी कह्यो होतो ओको पूरो होनो जरूरी होतो। 17 ऊ हमरो बीच म सी एक होतो, अऊर
यो कार्य म सहभागी होन लायी चुन्यो गयो होतो।" 18 ✡ओन अधर्म की कमायी सी एक खेत लेय
लियो, अऊर मुंड को बल गिरयो अऊर ओको पेट फट गयो अऊर ओकी सब अतड़िया निकल
गयी। 19 या बात ख यरूशलेम को सब रहन वालो जान गयो, यहां तक कि ऊ खेत को नाम उन्की
भाषा म हकलदमा यानेकि "खून को खेत" पड़ गयो।
20 भजन संहिता म लिख्यो हय,*
"ओको घर उजड़ जाये;
  अऊर ओको म कोयी नहीं बसे,"
"अऊर ओको पद कोयी
दूसरो ले ले।"
21 ✡"येकोलायी जितनो दिन तक प्रभु यीशु हमरो संग आतो जातो रह्यो यानेकि यूहन्ना को
बपतिस्मा सी ले क ओको हमरो जवर सी ऊपर उठायो जान तक जो लोग बराबर हमरो संग रह्यो,
22 यूहन्ना को बपतिस्मा सी ले क प्रभु को स्वर्गारोहन को दिन तक जो लोग बराबर हमरो संग
होतो, उन्म सी एक लोग हमरो संग यीशु को जीन्दो होन को गवाह होय जाये।"

✡ **1:5** १:५ मत्ती ३:११; मरकुस १:८; लूका ३:१६; यूहन्ना १:३३ ✡ **1:8** १:८ मत्ती २८:१९; मरकुस १६:१५; लूका २४:४७,४८ ✡ **1:9** १:९ मरकुस १६:१९; लूका २४:५०,५१ ✡ **1:13** १:१३ मत्ती १०:२-४; मरकुस ३:१६-१९; लूका ६:१४-१६ ✡ **1:18** १:१८ मत्ती २७:३-८ * **1:20** १:२० भजन ६९:२५, भजन १०९:८ ✡ **1:21** १:२१ मत्ती ३:१६; मरकुस १:९; लूका ३:२१; मरकुस १६:१९; लूका २४:५१

23 तब उन्न दोय ख खड़ो करयो, एक यूसुफ ख जो बरसब्बा कहलावय हय, जेको उपनाम यूसतुस
हय, दूसरों मत्तियाह ख, 24 अऊर या प्रार्थना करी, "हे प्रभु, तय जो सब को मन जानय हय, यो
प्रगट कर कि इन दोयी म सी तय न कोन्ख चुन्यो हय, 25 कि ऊ यो प्रेरितायी की सेवकायी को
पद ले, जेक यहूदा छोड़ क अपनो जागा म चली गयो।" 26 तब उन्न उन्को बारे म चिट्ठियां डाली,
अऊर चिट्ठी मत्तियाह को नाम पर निकली। येकोलायी ऊ उन ग्यारा प्रेरितों को संग गिन्यो
गयो।

2

[illegible]

1 जब पिन्तेकुस्त को दिन मतलब पचासवो दिन आयो, त हि सब विश्वासी एक जागा म जमा
होतो। 2 अचानक आसमान सी बड़ी आन्धी को जसो सनसनाहट को आवाज भयो, अऊर ओको
सी पूरो घर गूंजन लग्यो जित हि बैठ्यो होतो। 3 अऊर उन्ख आगी को जसी जीबली फटती हुयी
दिखायी दी अऊर ओको म सी हर एक पर आय ठहरी। 4 हि सब पवित्र आत्मा सी भर गयो, अऊर
जो तरह आत्मा न उन्ख बोलन की सामर्थ दी, हि अलग अलग भाषा बोलन लग्यो।

5 आसमान को खल्लो को सब राष्ट्रों सी आयो हुयो हर तरह की भाषा बोलन वालो यहूदी
भक्त ऊ समय यरूशलेम म रहत होतो। 6 जब यो आवाज भयो त भीड़ लग गयी अऊर लोग
अचम्भित भय गयो, कहालीकि हर एक ख योच सुनायी देत होतो कि ऊ मोरीच भाषा म बोल रह्यो
हंय। 7 हि सब चकित अऊर उलझन म होय क कहन लग्यो, "देखो, हि जो बोल रह्यो हंय का सब
गलीली नोहोय का? 8 त फिर कहाली हम उन्को मुंह सी हर एक अपनी अपनी जनम स्थान की
भाषा सुनय हय? 9 हम जो पारथी अऊर मेदी अऊर एलामी अऊर मेसोपोटामिया अऊर यहूदिया
अऊर कप्पदूकिया अऊर पुन्तुस अऊर आसिया, 10 अऊर फ्रूगिया अऊर पंफूलिया अऊर मिस्र
अऊर लीबिया देश जो कुरेनी को आजु बाजू हय, इन सब देशों को रहन वालो अऊर रोमी प्रवासी,
11 यानेकि यहूदी अऊर यहूदी बिचार धारन करन वालो, क्रेती अऊर अरबी भी हंय, पर अपनो
अपनो भाषा म उन्को सी परमेश्वर को बड़ो बड़ो कामों की चर्चा सुनय हंय।" 12 अऊर हि सब
अचम्भित भयो अऊर उलझन म एक दूसरों सी कहन लग्यो, "यो का होय रह्यो हय?"

13 पर दूसरों न मजाक उड़ाय क कह्यो, "हि त पी क नशा म चूर हंय।"

[illegible]

14 तब पतरस उन ग्यारा प्रेरितों को संग खड़ो भयो अऊर ऊचो आवाज सी कहन लग्यो, "हे
यहूदियों अऊर हे यरूशलेम को सब रहन वालो, यो जान लेवो, अऊर कान लगाय क मोरी बाते
सुनो।" 15 जसो तुम समझ रह्यो हय, हि लोग नशा म नहाय, कहालीकि अभी त सबेरे को नवच
बज्यो हय। 16 पर वा या बात आय, जो योएल परमेश्वर सी सन्देश लावन वालो को द्वारा कहीं गयी
होती:

17 "परमेश्वर कह्य हय, कि आखरी को दिनो म असो होयेंन कि
मय अपनी आत्मा पूरो आदमियों पर उंडेलूं,
अऊर तुम्हरो बेटा अऊर तुम्हरी बेटियां
परमेश्वर को तरफ सी भविष्यवानी करेंन, अऊर तुम्हरो जवान दर्शन देखेंन,
अऊर तुम्हरो बुजूर्ग लोग सपनो देखेंन।"

18 बल्की मय अपनो सेवकों अऊर अपनी दासियों पर भी
"उन दिनो म अपनी आत्मा म सी उंडेलूं,
अऊर हि परमेश्वर को तरफ सी भविष्यवानी करेंन।

19 अऊर मय ऊपर आसमान म चमत्कार
अऊर खल्लो धरती पर चिन्ह दिखाऊं,
यानेकि खून अऊर आगी अऊर धुवा को बादर दिखाऊं।

20 प्रभु को महान अऊर महिमामय दिन को आवन
सी पहिले सूरज अन्धारो अऊर चन्दा खून को जसो लाल
होय जायेंन।
21 अऊर जो कोयी प्रभु को नाम सी पुकारेंन, ऊ उद्धार पायेंन।"
22 "हे इस्राएलियों, या बाते सुनो: यीशु नासरी एक आदमी होतो जेको परमेश्वर को तरफ सी
होन को सबूत उन सामर्थ को कामों अऊर अचम्भा को कामों अऊर चिन्हों सी प्रगट हय, जो
परमेश्वर न तुम्हरो बीच ओको सी कर दिखायो जेक तुम खुदच जानय हय।" 23 ✡उच यीशु ख,
जो परमेश्वर की ठहरायी हुयी योजना अऊर पहले को ज्ञान को अनुसार पकड़वायो गयो, तुम न
अधर्मियों को हाथ सी क्रूस पर चढ़ाय क मार डाल्यो। 24 ✡पर ओखच परमेश्वर न मरन को बन्धनों
सी छुड़ाय क जीन्दो करयो; कहालीकि यो असम्भव होतो कि ऊ ओको वश म रहतो। 25 कहालीकि
दाऊद ओको बारे म कह्य हय,
"मय प्रभु ख हमेशा अपनो सम्मुख रख्यो हय:
येकोलायी कि ऊ मोरी दायो हाथ को तरफ रह्य हय, मय कभी नहीं डगमगाऊं।
26 योच वजह मोरो दिल बहुत खुश
अऊर मगन भयो;
मोरो शरीर भी
आशा सी रहेंन।
27 कहालीकि तय मोरो जीव ख अधोलोक म नहीं छोड़जो;
अऊर नहीं अपनो पवित्र भक्त ख सड़न देजो।
28 तय मोख जीवन को रस्ता बतायजो;
तोरो आगु खुशी की भरपूरी हय, तोरो दायो हाथ म सुख हमेशा बन्यो रह्य हय।"
29 "हे भाऊवों, मय पुर्वज दाऊद को बारे म तुम सी हिम्मत को संग कह्य सकू हय कि ऊ त मर
गयो अऊर गाड़्यो भी गयो अऊर ओकी कब्र अज तक हमरो यहां मौजूद हय।" 30 ऊ भविष्यवक्ता
होतो, ऊ जानत होतो कि परमेश्वर न मोरो सी कसम खायी हय कि मय तोरो वंश म सी एक लोग
ख तोरो आसन पर बैठाऊं; 31 ओन होन वाली बात ख पहिलेच सी देख क मसीह को जीन्दो होन को
बारे म भविष्यवानी करी की
"ओको जीव न त अधोलोक म छोड़्यो गयो अऊर
न ओको शरीर सड़नो पायो।"
32 योच यीशु ख परमेश्वर न जीन्दो करयो, जेको हम सब गवाह हंय। 33 यो तरह परमेश्वर को दायों
हाथ सी मुख्य पद पा क, अऊर बाप सी ऊ पवित्र आत्मा प्राप्त कर क् जेकी प्रतिज्ञा करी गयी
होती, ओन यो उंडेल दियो हय जो तुम देखय अऊर सुनय हय। 34 कहालीकि दाऊद त स्वर्ग पर
नहीं चढ़यो; पर ऊ खुद कह्य हय,
"प्रभु न मोरो प्रभु सी कह्यो,
मोरो दायों बैठ,
35 जब तक कि मय तोरो दुश्मनों ख तोरो पाय को खल्लो की चौकी नहीं कर देऊं।"
36 "येकोलायी अब इस्राएल को पूरो घरानों निश्चित रूप सी जान ले कि परमेश्वर न उच यीशु
ख जेक तुम न क्रूस पर चढ़ायो, प्रभु भी ठहरायो अऊर मसीह भी।"
37 तब सुनन वालो को दिल छिद गयो, अऊर हि पतरस अऊर बच्यो प्रेरितों सी पूछन लग्यो,
"हे भाऊ, हम का करबो?"
38 पतरस न उन्को सी कह्यो, "मन फिरावो, अऊर तुम म सी हर एक अपनो अपनो पापों की माफी
लायी यीशु मसीह को नाम सी बपतिस्मा ले; त तुम पवित्र आत्मा को दान पावों। 39 कहालीकि

✡ **2:23** २:२३ मत्ती २७:३५; मरकुस १५:२४; लूका २३:३३; यूहन्ना १९:१८ ✡ **2:24** २:२४ मत्ती २८:५,६; मरकुस १६:६; लूका २४:५

या प्रतिज्ञा तुम, अऊर तुम्हरी सन्तानों, अऊर उन सब दूर दूर को लोगों लायी भी हय जिन्ख प्रभु
हमरो परमेश्वर अपनो जवर बुलायेंन।”
40 ओन बहुत अऊर बातों सी भी गवाही दी अऊर बिनती कि अपनो आप ख यो कुटिल जाति सी
बचाव। 41 येकोलायी जिन्न ओको वचन स्वीकार करयो उन्न बपतिस्मा लियो; अऊर उच दिन तीन
हजार आदमी को लगभग उन्म मिल गयो। 42 अऊर हि प्रेरितों सी शिक्षा पावन, अऊर संगति
रखन, अऊर रोटी तोड़न, अऊर प्रार्थना करन म लौलीन रह्यो।

[illegible]

43 अऊर सब लोगों पर डर छाय गयो, अऊर बहुत सो अचम्भा को चिन्ह अऊर चमत्कार प्रेरितों
सी होत होतो। 44 ✡अऊर सब विश्वास करन वालो जमा रहत होतो, अऊर उनकी सब चिजे साझा
म होती। 45 हि अपनी अपनी जायजाद सामान बिक-बिक क जसी जेकी जरूरत होत होती बाट
दियो जात होतो। 46 हि हर दिन एक मन होय क मन्दिर म जमा होत होतो, अऊर घर-घर रोटी
तोड़तो हुयो खुशी अऊर सच्चो मन सी जेवन करत होतो, 47 अऊर परमेश्वर की स्तुति करत होतो,
अऊर सब लोग उन्को सी खुश होतो: अऊर जो उद्धार पात होतो, उन्ख प्रभु हर दिन उन्म मिलाय
देत होतो।

3

[illegible]

1 पतरस अऊर यूहन्ना दोपहर को तीन बजे प्रार्थना को समय मन्दिर म जाय रह्यो होतो। 2 अऊर
लोग एक जनम को लंगड़ा ख लाय रह्यो होतो, जेक हि हर दिन मन्दिर को ऊ द्वार पर जो सुन्दर
कहलावय हय, बैठाय देत होतो कि ऊ मन्दिर म जान वालो सी भीख मांगे। 3 जब ओन पतरस अऊर
यूहन्ना ख मन्दिर म जातो देख्यो, त ओन भीख मांगी। 4 पतरस न यूहन्ना को संग ओको तरफ ध्यान
सी देख क कह्यो, “हमरो तरफ देख!” 5 येकोलायी ऊ उन्को सी कुछ पावन की आशा रखतो हुयो
उन्को तरफ ताकन लग्यो। 6 तब पतरस न कह्यो, “चांदी अऊर सोना त मोरो जवर नहाय, पर जो
मोरो जवर हय ऊ तोख देऊ हय; यीशु मसीह नासरी को नाम सी चलन लग।” 7 अऊर ओन ओको
दायों हाथ पकड़ क ओख उठायो; अऊर तुरतच ओको पाय अऊर घुटना म ताकत आय गयो। 8 ऊ
उछल क खड़ो भय गयो अऊर चलन-फिरन लग्यो; अऊर चलतो, अऊर कूदतो, अऊर परमेश्वर
की स्तुति करतो हुयो उन्को संग मन्दिर म गयो। 9 सब लोगों न ओख चलतो फिरतो अऊर परमेश्वर
की स्तुति करतो देख क, 10 ओख पहिचान लियो कि यो उच आय जो मन्दिर को सुन्दर द्वार पर बैठ
क भीख मांगतो रहत होतो; अऊर ऊ घटना सी जो ओको संग भयी होती हि बहुत अचम्भित अऊर
चकित भयो।

[illegible]

11 जब ऊ पतरस अऊर यूहन्ना ख पकड़्यो हुयो होतो, त सब लोग बहुत आश्चर्य करतो हुयो
ऊ छप्पर म जो सुलैमान को कहलावय हय, उन्को जवर दौड़त आयो। 12 यो देख क पतरस न
लोगों सी कह्यो, “हे इस्राएलियों, तुम यो आदमी पर कहाली अचरज करय हय, अऊर हमरी तरफ
कहाली असो तरह देख रह्यो हय कि मानो हम नच अपनो सामर्थ या भक्ति सी येख चलन-फिरन
लायक बनाय दियो। 13 अब्राहम अऊर इसहाक अऊर याकूब को परमेश्वर, हमरो बापदादा को
परमेश्वर न अपनो सेवक यीशु की महिमा करी, जेक तुम न पकड़वाय दियो, अऊर जब पिलातुस
न ओख छोड़ देन को बिचार करयो, तब तुम न ओको सामने ओको इन्कार करयो। 14 ✡तुम न ऊ
पवित्र अऊर सच्चो को इन्कार करयो, अऊर बिनती करी कि एक हत्यारों ख तुम्हरो लायी छोड़
दियो जायेंन; 15 अऊर तुम न जीवन को कर्ता ख मार डाल्यो, जेक परमेश्वर न मरयो हुयो म सी
जीन्दो करयो; अऊर या बात को हम गवाह हंय। 16 अऊर ओकोच नाम न, ऊ विश्वास सी जो

✡ **2:44** २:४४ प्रेरितों ४:३२-३५ ✡ **3:14** ३:१४ मत्ती २७:१५-२३; मरकुस १५:६-१४; लूका २३:१३-२३; यूहन्ना १९:१२-१५

ओको नाम पर हय, यो आदमी ख जेक तुम देखय हय अऊर जानय भी हय सामर्थ दियो हय। उच
विश्वास न जो ओको सी हय, येख तुम सब को सामने भलो चंगो कर दियो हय।
17 “अब हे भाऊ, मय जानु हय कि यो काम तुम न अज्ञानता म करयो, अऊर वसोच तुम्हरो मुखिया
न भी करयो। 18 पर जो बातों ख परमेश्वर न सब भविष्यवक्तावों को मुंह सी पहिलोच बताय दियो
होतो, कि ओको मसीह दु:ख उठायेंन, उन्ख ओन यो रीति सी पूरी करयो। 19 येकोलायी, मन फिराव
अऊर लौट आव कि तुम्हरो पाप माफ करयो जाये, जेकोसी प्रभु को जवर सी आराम को दिन आये,
20 अऊर ऊ यीशु ख भेजेंन जो तुम्हरो लायी पहिलोच सी प्रभु मसीह ठहरायो गयो हय। 21 जरूरी
हय कि ऊ स्वर्ग म ऊ समय तक रहेंन जब तक कि ऊ सब बातों को सुधार नहीं कर लेयेंन जेकी
चर्चा पुरानो समय सी परमेश्वर न अपनो पवित्र भविष्यवक्तावों को मुंह सी करी हय। 22 जसो
कि मूसा न कह्यो, ‘प्रभु परमेश्वर तुम्हरो भाऊवों म सी तुम्हरो लायी मोरो जसो एक भविष्यवक्ता
उठायेंन, जो कुछ ऊ तुम सी कहेंन, ओकी सुनजो। 23 पर हर एक आदमी जो उन भविष्यवक्ता की
नहीं सुनय, लोगों म सी नाश करयो जायेंन।’ 24 अऊर शमूएल सी ले क ओको बाद वालो तक
जितनो भविष्यवक्ता न बोल्यो उन सब न यो दिन को खबर दियो हय। 25 तुम भविष्यवक्तावों की
सन्तान अऊर ऊ वाचा को भागीदार हय, जो परमेश्वर न तुम्हरो बापदादा सी बान्धी, जब ओन
अब्राहम सी कह्यो, ‘तोरो वंश सी धरती को पूरो घरानों आशीष पायेंन।’ 26 परमेश्वर न अपनो
सेवक ख उठाय क पहिले तुम्हरो जवर भेज्यो, कि तुम म सी हर एक ख ओकी बुरायी सी फेर क
आशीष दे।”

4

[illegible]

1 जब हि लोगों सी यो कह्य रह्यो होतो, त याजक अऊर मन्दिर पहरेदारों को मुखिया अऊर
सदूकी उन पर चढ़ आयो। 2 कहालीकि हि बहुत गुस्सा भयो कि हि लोगों ख सिखावत होतो अऊर
यीशु को मरयो हुयो म सी जीन्दो होन को प्रचार करत होतो। 3 उन्न उन्ख पकड़ क दूसरों दिन तक
जेलखाना म रख्यो कहालीकि शाम भय गयी होती। 4 पर वचन को सुनन वालो म सी बहुत सो न
विश्वास करयो, अऊर उन्की गिनती पाच हजार पुरुषों को लगभग भय गयी।
5 दूसरों दिन यरूशलेम म असो भयो कि उन्को मुखिया अऊर बुजूर्गों अऊर धर्मशास्त्री 6 अऊर
महायाजक हन्ना अऊर कैफा अऊर यूहन्ना अऊर सिकन्दर अऊर जितनो महायाजक को घरानों
को होतो, सब यरूशलेम म जमा भयो। 7 हि उन्ख बीच म खड़ो कर क् पूछन लग्यो कि तुम न यो
काम कौन्सो सामर्थ सी अऊर कौन्सो नाम सी करयो हय।
8 तब पतरस न पवित्र आत्मा सी परिपूर्ण होय क बुजूर्गों सी कह्यो, 9 हे लोगों को मुखिया अऊर
बुजूर्गों, यो कमजोर आदमी को संग जो भलायी करी गयी हय, यदि अज हम सी ओको बारे म
पूछताछ करी जावय हय, कि ऊ कसो अच्छो भयो। 10 त तुम सब अऊर पूरो इस्राएली लोग जान
ले कि यीशु मसीह नासरी को नाम सी जेक तुम न क्रूस पर चढ़ायो, अऊर परमेश्वर न मरयो हुयो
म सी जीन्दो करयो, यो आदमी तुम्हरो सामने भलो चंगो खड़ो हय।
11 यो उच गोटा आय जेक तुम राजमिस्त्रियों न बेकार जान्यो अऊर
ऊ कोना को छोर को गोटा भय गयो।
12 “कोयी दूसरों सी उद्धार नहाय; कहालीकि स्वर्ग को खल्लो आदमी म अऊर कोयी दूसरों नाम
नहीं दियो गयो, जेकोसी हम उद्धार पा सकय।”
13 जब उन्न पतरस अऊर यूहन्ना को हिम्मत देख्यो, अऊर यो जान्यो कि यो अनपढ़ अऊर
साधारन आदमी हंय, त अचम्भा करयो; तब उन्ख पहिचान्यो, कि इन यीशु को संग रह्यो हंय।
14 ऊ आदमी ख जो अच्छो भयो होतो, उन्को संग खड़ो देख क, हि विरोध म कुछ नहीं कह्य
सक्यो। 15 पर उन्ख सभा को बाहेर जान की आज्ञा दे क, हि आपस म बिचार करन लग्यो, 16 “हम
इन आदमी को संग का करबो? कहालीकि यरूशलेम को सब रहन वालो पर प्रगट हय, कि इन्को

सी एक प्रसिद्ध चिन्ह चमत्कार दिखायो गयो हय; अऊर हम ओको इन्कार नहीं कर सकय। 17 पर
येकोलायी कि या बात लोगों म अऊर जादा फैल नहीं जाये, हम उन्ख धमकायबो, कि हि यो नाम
सी अऊर कोयी आदमी सी बात नहीं करे।"
18 तब उन्ख बुलायो अऊर चेतावनी दे क यो कह्यो, "यीशु को नाम सी कुछ भी नहीं बोलनो
अऊर नहीं सिखानो।" 19 पर पतरस अऊर यूहन्ना न उन्ख उत्तर दियो, "तुमच न्याय करो; का यो
परमेश्वर को जवर ठीक हय कि हम परमेश्वर की बात सी बढ़ क तुम्हरी बात मानबो। 20 कहालीकि
यो त हम सी होय नहीं सकय कि जो हम न देख्यो अऊर सुन्यो हय, ऊ नहीं कहेंन।" 21 तब उन्न
ओख अऊर धमकाय क छोड़ दियो, कहालीकि लोगों को वजह उन ख सजा देन को कोयी दाव
नहीं मिल्यो, येकोलायी कि जो घटना भयी होती ओको वजह सब लोग परमेश्वर की बड़ायी करत
होतो। 22 ऊ आदमी, जेको पर यो चंगो करन को चिन्ह चमत्कार दिखायो गयो होतो, चालीस साल
सी जादा उमर को होतो।

[illegible]

23 हि छूट क अपनो संगियों को जवर आयो, अऊर जो कुछ महायाजक अऊर बुजूर्गों न उन्को
सी कह्यो होतो, उन्ख सुनाय दियो। 24 यो सुन क उन्न एक मन होय क ऊचो आवाज सी परमेश्वर
सी कह्यो, "हे मालिक, तय उच आय जेन स्वर्ग अऊर धरती अऊर समुन्दर अऊर जो कुछ उन्म
हय बनायो।" 25 तय न पवित्र आत्मा सी अपनो सेवक हमरो बाप दाऊद को मुंह सी कह्यो,
गैरयहूदियों न दंगा कहाली मचायो? अऊर देश देश को लोगों न
कहाली बेकार की बात सोच्यो?
26 प्रभु अऊर ओको मसीह को विरोध म
धरती को राजा खड़ो भयो,
अऊर शासक एक संग जमा भय गयो।
27 ✡कहालीकि सचमुच तोरो पवित्र सेवक यीशु को विरोध म, जेको तय न अभिषेक करयो, हेरोदेस
अऊर पुन्तियुस पिलातुस भी गैरयहूदियों अऊर इस्राएलियों को संग यो नगर म जमा भयो, 28 कि
जो कुछ पहिलो सी तोरी सामर्थ अऊर राय सी ठहरो होतो उच करो। 29 "अब हे प्रभु, उन्की
धमकियों ख देख; अऊर अपनो सेवकों ख यो वरदान दे कि तोरो वचन बड़ो हिम्मत सी सुनाय।
30 चंगो करन लायी तय अपनो हाथ बढ़ाव कि चिन्ह चमत्कार अऊर अद्भुत काम तोरो पवित्र
सेवक यीशु को नाम सी करयो जाये।"
31 जब हि प्रार्थना कर लियो, त ऊ जागा जित हि जमा होतो हल गयो, अऊर हि सब पवित्र
आत्मा सी परिपूर्ण भय गयो, अऊर परमेश्वर को वचन हिम्मत सी सुनावतो रह्यो।

[illegible]

32 ✡विश्वास करन वालो की मण्डली एक चित्त अऊर एक मन की होती, यहां तक कि कोयी भी
अपनी जायजाद अपनी नहीं कहत होतो, पर सब कुछ साझा म होतो। 33 प्रेरित बड़ो सामर्थ सी
प्रभु यीशु को जीन्दो होन की गवाही देत रह्यो अऊर उन सब पर बड़ो अनुग्रह होतो। 34 उन्म
कोयी भी गरीब नहीं होतो, कहालीकि जेको जवर जमीन या घर होतो, हि उन्ख बिक बिक क बिकी
हुयी चिजों को दाम लावय, अऊर ओख प्रेरितों को पाय पर रखत होतो; 35 अऊर जसी जेक जरूरत
होत होती, ओको अनुसार हर एक ख बाट देत होतो।
36 यूसुफ नाम साइप्रस को एक लेवी होतो जेको नाम प्रेरितों न बरनबास मतलब शान्ति को
बेटा रख्यो होतो। 37 ओकी कुछ जमीन होती, जेक ओन बिकी, अऊर दाम को रुपया लाय क प्रेरितों
को पाय पर रख दियो।

5

[illegible]

✡ **4:27** ४:२७ लूका २३:७-११; मत्ती २७:१,२; मरकुस १५:१; लूका २३:१; यूहन्ना १८:२८,२९ ✡ **4:32** ४:३२ प्रेरितों २:४४,४५

1 हनन्याह नाम को एक आदमी अऊर ओकी पत्नी, सफीरा न कुछ जमीन बिकी 2 अऊर ओको
दाम म सी कुछ रख छोड़यो, अऊर या बात ओकी पत्नी भी जानत होती। अऊर ओको एक भाग
लाय क प्रेरितों को पाय को आगु रख दियो। 3 पतरस न कह्यो, "हे हनन्याह! शैतान न तोरो मन
म या बात कहाली डाली कि तय पवित्र आत्मा सी झूठ बोल्यो, अऊर जमीन को दाम म सी कुछ
रख छोड़यो? 4 जब तक ऊ तोरो जवर रही, का तोरी नहीं होती? अऊर जब बिक गयी त का तोरो
अधिकार म नहीं होती? तय न या बात अपनो मन म कहाली सोच्यो? तय आदमी सी नहीं, पर
परमेश्वर सी झूठ बोल्यो हय।" 5 या बाते सुनतोच हनन्याह गिर पड़यो अऊर जीव छोड़ दियो,
अऊर सब सुनन वालो पर बड़ो डर छाय गयो। 6 तब जवानों न उठ क ओकी सकोली बनायी अऊर
बाहेर लिजाय क गाड़ दियो।

7 लगभग तीन घंटा को बाद ओकी पत्नी, जो कुछ भयो होतो नहीं जान क, अन्दर आयी।

8 तब पतरस न ओको सी कह्यो, "मोख बताव का तुम न ऊ जमीन इतनोच म बिकी होती?" ओन
कह्यो, "हव, इतनोच म।"

9 पतरस न ओको सी कह्यो, "या का बात हय कि तुम दोयी न प्रभु की आत्मा की परीक्षा लायी
एक मन कर लियो? देख, तोरो पति को गाड़न वालो द्वारच पर खड़ो हंय, अऊर तोख भी बाहेर
लिजायेंन।" 10 तब ऊ तुरतच ओको पाय पर गिर पड़ी, अऊर जीव छोड़ दियो; अऊर जवानों न
अन्दर आय क ओख मरयो पायो, अऊर बाहेर लिजाय क ओको पति को जवर गाड़ दियो। 11 पूरी
मण्डली पर अऊर इन बातों को सब सुनन वालो पर बड़ो डर छाय गयो।

[illegible]

12 प्रेरितों को हाथों सी बहुत चिन्ह चमत्कार अऊर अद्भुत काम लोगों को बीच म दिखायो
जात होतो, अऊर हि सब एक मन होय क सुलैमान को छप्पर म जमा होत होतो। 13 पर दूसरों म
सी कोयी ख यो हिम्मत नहीं होत होती कि उन्म जाय मिलबो; तब भी लोग उन्की बड़ायी करत
होतो। 14 विश्वास करन वालो बहुत सो पुरुष अऊर बाईयां प्रभु की मण्डली म बड़ी संख्या म
मिलत रह्यो। 15 यहां तक कि लोग बीमारों ख सड़को पर लाय लाय क, खटिया अऊर बिस्तर पर
सुलाय देत होतो कि जब पतरस आयेंन, त ओकी छाया उन्म सी कोयी पर पड़ जाये। 16 यरूशलेम
के आजु बाजू को नगर सी भी बहुत लोग बीमारों अऊर दुष्ट आत्मावों को सतायो हुयो ख लाय
लाय क, जमा करत होतो, अऊर सब अच्छो कर दियो जात होतो।

[illegible]

17 तब महायाजक अऊर ओको सब संगी जो सदूकियों को पंथ को होतो, जलन सी भर गयो
18 अऊर प्रेरितों को पकड़ क जेलखाना म बन्द कर दियो। 19 पर रात ख प्रभु को एक स्वर्गदूत
न जेलखाना को दरवाजा खोल क उन्ख बाहेर लाय क कह्यो, 20 "जाव, मन्दिर म खड़ो होय क यो
जीवन की सब बाते लोगों ख सुनाव।"

21 हि यो सुन क भुन्सारो होतोच मन्दिर म जाय क उपदेश देन लग्यो। तब महायाजक अऊर
ओको संगियों न आय क महासभा ख अऊर इस्राएलियों को सब बुजूर्गों को जमा करयो, अऊर
जेलखाना म कहला भेज्यो कि उन्ख लाये। 22 पर सिपाहियों न उत पहुंच क उन्ख जेलखाना म नहीं
पायो, अऊर लौट क खबर दियो, 23 "हम न जेलखाना ख बड़ो चौकसी सी बन्द करयो हुयो हय,
अऊर पहरेदारों ख बाहेर द्वार पर खड़ो हुयो पायो; पर जब खोल्यो त अन्दर कोयी नहीं मिल्यो।"
24 जब मन्दिर को मुखिया अऊर महायाजक न या बाते सुनी, त उन्को बारे म बहुत चिन्ता म पड़
गयो कि उन्को का भयो! 25 इतनो म कोयी न आय क उन्ख बतायो, "देखो, जेक तुम न जेलखाना
म बन्द रख्यो होतो, हि आदमी मन्दिर म खड़ो हुयो लोगों ख उपदेश दे रह्यो हंय।" 26 तब मुखिया,
सिपाहियों को संग जाय क, उन्ख लायो पर ताकत सी नहीं, कहालीकि हि लोगों सी डरत होतो कि
हम पर गोटा सी हमला मत कर दे।

27 उन्न उन्ख लाय क महासभा को आगु खड़ो कर दियो; तब महायाजक न उन्को सी पुच्छचो,
28 ✡“का हम न तुम्ख बताय क आज्ञा नहीं दी होती कि तुम यो नाम सी उपदेश नहीं करो? तब भी
देखो, तुम न पूरो यरूशलेम ख अपनो उपदेश सी भर दियो हय अऊर ऊ आदमी को खून हमरी मान
पर लावनो चाहवय हय।”
29 तब पतरस अऊर दूसरों प्रेरितों न उत्तर दियो, “आदमियों की आज्ञा सी बढ़ क परमेश्वर
की आज्ञा ख माननो हम्ख जरूरी हय। 30 हमरो बापदादों को परमेश्वर न यीशु ख जीन्दो करयो,
जेक तुम न क्रूस पर लटकाय क मार डाल्यो होतो। 31 ओखच परमेश्वर न प्रभु अऊर उद्धारकर्ता
ठहराय क अऊर, अपनो दायों हाथ पर महान बनाय दियो, कि ऊ इस्राएलियों ख मन फिराव की
ताकत अऊर पापों की माफी दे सके। 32 हम इन बातों को गवाह हय अऊर वसोच पवित्र आत्मा
भी, जेक परमेश्वर न उन्ख दियो हय जो ओकी आज्ञा मानय हंय।”
33 यो सुन क हि जलन लग्यो, अऊर उन्ख मार डालनो चाहयो। 34 पर गमलीएल नाम को एक
फरीसी न जो व्यवस्थापक अऊर सब लोगों म मानवायीक होतो, न्यायालय म खड़ो होय क प्रेरितों
ख थोड़ो देर लायी बाहेर कर देन की आज्ञा दी। 35 तब ओन कह्यो, “हे इस्राएलियों, तुम जो कुछ
यो आदमी सी करनो चाहवय हय, सोच समझ क करो। 36 कहालीकि इन दिनो सी पहिलो थियूदास
यो कहतो हुयो उठ्यो, कि मय भी कुछ हय; अऊर कोयी चार सौ आदमी ओको संग भय गयो, पर ऊ
मारयो गयो अऊर जितनो लोग ओको पर भरोसा करत होतो, सब बिखर गयो अऊर नाश भय गयो।
37 ओको बाद नाम लिखायी को दिन म यहूदा गलीली उठ्यो, अऊर कुछ लोग ख ओन अपनो तरफ
कर लियो; अऊर ऊ भी नाश भय गयो अऊर जितनो लोग ओख मानत होतो, सब तितर बितर भय
गयो। 38 येकोलायी अब मय तुम सी कहू हय, यो आदमी सी दूरच रहो अऊर इन सी कुछ काम
मत रखो; कहालीकि यदि यो धरम यां काम आदमियों को तरफ सी होना तब त नाश होय जायेंन;
39 पर यदि परमेश्वर की तरफ सी आय, त तुम उन्ख कभी भी मिटाय नहीं सको।” 40 तब उन्न ओकी
बात मान ली; अऊर प्रेरितों ख बुलाय क पिटवायो; अऊर यो आदेश दे क छोड़ दियो कि यीशु
को नाम सी फिर कोयी बात नहीं करो। 41 हि या बात सी खुशी होय क महासभा को जवर सी चली
गयो, कि हम ओको नाम लायी अपमान होन लायक त ठहरयो। 42 हि हर दिन मन्दिर म अऊर घर
घर म उपदेश करनो, अऊर या बात को सुसमाचार सुनावन लग्यो कि यीशुच मसीह आय।

6

??? ?????? ?? ?????? ????

1 उन दिन म जब चेलां की संख्या बहुत बढ़न लगी, तब यूनानी भाषा बोलन वालो इब्रानी भाषा
बोलन वालो पर कुड़कुड़ान लग्यो, कि हर दिन की सेवकायी म हमरी विधवावों की सुधि नहीं ली
जावय। 2 तब उन बारहो न चेलां की मण्डली ख अपनो जवर बुलाय क कह्यो, “यो ठीक नहीं कि
हम परमेश्वर को वचन छोड़ क खिलावन पिलावन की सेवा म रहबो। 3 येकोलायी, हे भाऊ, अपनो
म सी सात अच्छो पुरुषों ख जो पवित्र आत्मा अऊर बुद्धि सी परिपूर्ण होय, चुन लेवो, कि हम
उन्ख यो काम पर ठहराय दे। 4 पर हम त प्रार्थना म अऊर वचन को सेवा म लग्यो रहबो।”
5 या बात पूरी मण्डली ख अच्छी लगी, अऊर उन्न स्तिफनुस नाम को एक पुरुष ख जो विश्वास
अऊर पवित्र आत्मा सी परिपूर्ण होतो, अऊर फिलिप्पुस, अऊर प्रुखुरुस, अऊर नीकानोर, अऊर
तीमोन, अऊर परमिनास, अऊर अन्ताकिया को रहन वालो नीकुलाउस ख जो यहूदी को राय म
आय गयो होतो, चुन लियो। 6 इन्क प्रेरितों को आगु खड़ो करयो अऊर उन्न प्रार्थना कर क् उन
पर हाथ रख्यो।
7 परमेश्वर को वचन फैलत गयो अऊर यरूशलेम म चेलां की गिनती बहुत बढ़ गयी; अऊर
याजकों को एक बड़ो जाती यो, विश्वास को मानन वालो भय गयो।

????????? ?? ???? ????

✡ **5:28** ५:२८ मत्ती २७:२५

8 स्तिफनुस अनुग्रह अऊर सामर्थ सी परिपूर्ण होय क लोगों म बड़ो-बड़ो आश्चर्य कर्म अऊर
चिन्ह चमत्कार दिखावत होतो। 9 तब उस आराधनालय म सी जो लिबिरतीनों की कहलावत होती,
अऊर कुरेनी अऊर सिकन्दरियां अऊर किलिकिया अऊर आसिया को लोगों म सी कुछ एक उठ क
स्तिफनुस सी वाद विवाद करन लग्यो। 10 पर ऊ ज्ञान अऊर वा आत्मा को जेकोसी ऊ बाते करत
होतो, हि सामना नहीं कर सक्यो। 11 येको पर उन्न कुछ लोगों ख उभारयो जो कहन लग्यो, “हम न
येख मूसा अऊर परमेश्वर को विरोध म निन्दा की बाते कहतो सुन्यो हय।” 12 अऊर लोगों अऊर
बुजूर्गों अऊर धर्मशास्त्रियों ख भड़काय क चढ़ आयो अऊर ओख पकड़ क महासभा म लायो।
13 अऊर झूठो गवाह खड़ो करयो, जिन्न कह्यो, “यो आदमी यो पवित्र जागा अऊर व्यवस्था को
विरोध म बोलनो नहीं छोड़य। 14 कहालीकि हम न ओख यो कहत सुन्यो हय कि योच यीशु नासरी
यो जागा ख गिराय देयेंन, अऊर उन रीतियों ख बदल डालेंन जो मूसा न हम्ख सौंप्यो हंय।” 15 तब
सब लोगों न जो सभा म बैठ्यो होतो, ओको पर नजर रखी त ओको मुंह स्वर्गदूत को जसो देख्यो।

7

[illegible]

1 तब महायाजक न कह्यो, “का या बाते सच हंय?”
2 स्तिफनुस न कह्यो, “हे भाऊ, अऊर पितरो सुनो। हमरो बाप अब्राहम हारान म बसनो सी
पहिलो जब मेसोपोटामिया म होतो; त महिमामय परमेश्वर न ओख दर्शन दियो, 3 अऊर ओको सी
कह्यो, ‘तय अपनो देश अऊर अपनो कुटुम्ब सी निकल क ऊ देश म जा, जेक मय तोख दिखाऊं।’ ”
4 तब ऊ कसदियों को देश सी निकल क हारान म जाय बस्यो। ओको बाप को मरन को बाद परमेश्वर
न ओख उत सी यो देश म लाय क बसायो जेको म अब तुम बस्यो हय, 5 अऊर ओख कुछ मीरास
बल्की पाय रखन भर की भी ओको म जागा नहीं दी, पर प्रतिज्ञा खायी कि मय यो देश तोरो अऊर
तोरो बाद तोरो वंश को हाथ कर देऊ; यानेकि ऊ समय ओको कोयी बेटा भी नहीं होतो। 6 अऊर
परमेश्वर न यो कह्यो, तोरी सन्तान को लोग परायो देश म परदेशी होयेंन, अऊर हि उन्ख सेवक
बनायेंन अऊर चार सौ साल तक दु:ख देयेंन। 7 तब परमेश्वर न कह्यो, जो जात को हि सेवक
होयेंन, ओख मय न्याय करू, अऊर येको बाद हि निकल क योच जागा मोरी सेवा करेंन। 8 अऊर
ओन ओको सी खतना की वाचा बान्धी; अऊर योच दशा म इसहाक ओको सी पैदा भयो अऊर
आठवो दिन ओको खतना करयो गयो; अऊर इसहाक सी याकूब अऊर याकूब सी बारा कुलपति
पैदा भयो।
9 “कुलपतियों न यूसुफ सी जलन कर क् ओख मिस्र देश जान वालो को हाथ बेच्यो। पर परमेश्वर
ओको संग होतो, 10 अऊर ओख ओको सब कठिनायी सी छुड़ाय क मिस्र को राजा फिरौन की नजर
म अनुग्रह अऊर बुद्धि प्रदान करी, अऊर ओन ओख मिस्र पर अऊर अपनो पूरो घर पर शासक
नियुक्त करयो।” 11 तब मिस्र अऊर कनान को पूरो देश म अकाल पड़यो; जेकोसी भारी कठिन
परिस्थिति भयी, अऊर हमरो बापदादों ख अनाज नहीं मिलत होतो। 12 पर याकूब न यो सुन क
कि मिस्र म अनाज हय, हमरो बापदादों ख पहिली बार भेज्यो। 13 दूसरी बार यूसुफ न अपनो
खुद ख अपनो भाऊ पर प्रगट करयो अऊर यूसुफ की जाती फिरौन ख मालूम भय गयी। 14 तब
यूसुफ न अपनो बाप याकूब अऊर अपनो पूरो कुटुम्ब ख, जो पचत्तर आदमी होतो, बुलाय भेज्यो।
15 तब याकूब मिस्र म गयो; अऊर उत ऊ अऊर हमरो बापदादा मर गयो। 16 उन्को लाश शकेम म
पहुंचायो जाय क ऊ कब्र म रख्यो गयो, जेक अब्राहम न चांदी दे क शकेम म हमोर की सन्तान
सी मोल लियो होतो।
17 “पर जब वा प्रतिज्ञा को पूरो होन को समय जवर आयो जो परमेश्वर न अब्राहम सी करी
होती, त मिस्र म हि लोग बढ़ गयो अऊर बहुत भय गयो।” 18 तब मिस्र म दूसरो राजा भयो जो
यूसुफ ख नहीं जानत होतो। 19 ओन हमरी जाती सी चालाकी कर क् हमरो बापदादों को संग यो
तक बुरो व्यवहार करयो, कि उन्ख अपनो बच्चां ख फेक देनो पड़यो कि हि जीन्दो नहीं रहे। 20 ऊ

समय मूसा पैदा भयो। ऊ परमेश्वर की नजर म बहुतच सुन्दर होतो। ऊ तीन महीना तक अपनो
बाप को घर म पाल्यो गयो। 21 जब फेक दियो गयो त फिरौन की बेटी न ओख उठाय लियो, अऊर
अपनो बेटा जसो पाल्यो। 22 मूसा ख मिस्रियों की पूरी विद्या पढ़ायो गयो, अऊर ऊ वचन अऊर
कर्म दोयी म सामर्थी होतो।
23 "जब ऊ चालीस साल को भयो, त ओको मन म आयो कि मय अपनो इस्राएली भाऊ सी
मुलाखात करू।" 24 ओन एक आदमी पर अन्याय होतो देख क ओख बचायो, अऊर मिस्री ख मार
क सतायो हुयो को बदला लियो। 25 ओन सोच्यो कि ओको भाऊ समझेंन कि परमेश्वर ओको हाथों
सी उन्को उद्धार करेंन, पर उन्न नहीं समझ्यो। 26 दूसरों दिन जब हि आपस म लड़ रह्यो होतो, त
ऊ उत आयो; अऊर यो कह्य क उन्ख मेल करन लायी समझायो, हे पुरुषों, तुम त भाऊ-भाऊ आय,
एक दूसरों पर कहाली अन्याय करय हय? 27 पर जो अपनो शेजारी पर अन्याय कर रह्यो होतो,
ओन ओख यो कह्य क हटाय दियो, तोख कौन न हम पर शासक अऊर सच्चो ठहरायो हय? 28 का
जो रीति सी तय न कल मिस्री ख मार डाल्यो मोख भी मार डालनो चाहवय हय? 29 या बात सुन
क मूसा भग्यो अऊर मिद्यान देश म परदेशी होय क रहन लग्यो, अऊर उत ओको दोय बेटा पैदा
भयो।
30 "जब पूरो चालीस साल बीत गयो, त एक स्वर्गदूत न सीनै पहाड़ी को जंगल म ओख जलती
हुयी झाड़ी की लपेट म दर्शन दियो। 31 मूसा ख यो दर्शन देख क अचरज भयो, अऊर जब देखन
लायी ऊ जवर गयो, त प्रभु को यो आवाज भयो, 32 'मय तोरो बापदादों, अब्राहम, इसहाक, अऊर
याकूब को परमेश्वर आय,' तब त मूसा काप गयो, यहां तक कि ओख देखन को हिम्मत नहीं रह्यो।"
33 तब प्रभु न ओको सी कह्यो, अपनो पाय सी चप्पल उतार लेवो, कहालीकि जो जागा तय खड़ो
हय, ऊ पवित्र जमीन आय। 34 मय न सचमुच अपनो लोगों की जो मिस्र देश म हंय, दुर्दशा
ख देख्यो हय; अऊर उन्की आह अऊर उन्को रोवनो सुन्यो हय; येकोलायी उन्ख छुड़ावन लायी
उतरयो हय। अब आव, मय तोख मिस्र देश म भेजूं।
35 "जो मूसा ख उन्न यो कह्य क नकारयो होतो, 'तोख कौन न हम पर शासक अऊर सच्चो
ठहरायो हय?' ओखच परमेश्वर न शासक अऊर छुड़ावन वालो ठहराय क, ऊ स्वर्गदूत को द्वारा
जेन ओख झाड़ी म दर्शन दियो होतो, भेज्यो। 36 योच आदमी मिस्र देश अऊर लाल समुन्दर अऊर
जंगल म चालीस साल तक अद्भुत काम अऊर चिन्ह चमत्कार दिखाय दिखाय क उन्ख निकाल
लायो। 37 यो उच मूसा आय, जेन इस्राएलियों सी कह्यो, 'परमेश्वर तुम्हरो भाऊ म सी तुम्हरो
लायी मोरो जसो एक भविष्यवक्ता उठायेंन।' 38 यो उच आय, जेन जंगल म मण्डली को बीच ऊ
स्वर्गदूत को संग सीनै पहाड़ी पर ओको सी बाते करी अऊर हमरो बापदादों को संग होतो, ओखच
जीन्दो वचन मिले कि हम तक पहुंचाये।"
39 "पर हमरो बापदादों न ओकी माननो नहीं चाह्यो, बल्की ओख हटाय क अपनो मन मिस्र
को तरफ फिरायो, 40 अऊर हारून सी कह्यो, 'हमरो लायी असो भगवान बना, जो हमरो आगु-आगु
चलेंन, कहालीकि यो मूसा जो हम्ख मिस्र देश सी निकाल लायो, हम नहीं जानजे ओख का भयो?' "
41 उन दिन म उन्न एक बछड़ा बनाय क ओकी मूर्ति को आगु बलि चढ़ायी, अऊर अपनो हाथों को
कामों म मगन होन लग्यो। 42 येकोलायी परमेश्वर न मुंह मोड़ क उन्ख छोड़ दियो, कि आसमान
को तारांगन की पूजा करे, जसो भविष्यवक्तावों की किताब म लिख्यो हय:

हे इस्राएल को घरानों! का तुम
    जंगल म चालीस साल तक पशुबलि अऊर अन्नबलि
    मोखच चढ़ावतो रह्यो?
43 तुम मोलेक को तम्बू
    अऊर रिफान भगवान को तारों ख धर क फिरत होतो,
    बल्की उन मूर्तियों ख जिन्ख तुम न आराधना करन लायी बनायो होतो।
येकोलायी मय तुम्ख बेबीलोन को जवर लिजाय क बसाऊं।

44 “साक्षी को तम्बू जंगल म हमरो बापदादों को बीच म होतो, जसो ओन ठहरायो जेन मूसा सी
कह्यो, जो नमुना तय न देख्यो हय, ओको अनुसार येख बनाव।” 45 उच तम्बू ख हमरो बापदादों
पूर्वकाल सी पा क यहोशू को संग इत ले आयो; जो समय कि उन्न उन गैरयहूदियों पर अधिकार
पायो, जिन्ख परमेश्वर न हमरो बापदादों को आगु सी निकाल दियो, अऊर ऊ तम्बू दाऊद को समय
तक रह्यो। 46 ओको पर परमेश्वर न अनुग्रह करयो; येकोलायी ओन बिनती करी कि ऊ याकूब को
परमेश्वर लायी रहन की जागा बनाये। 47 पर सुलैमान न ओको लायी घर बनायो।
48 “पर परमप्रधान हाथ को बनायो घरो म नहीं रह्य, जसो कि भविष्यवक्ता न कह्यो,”
49 प्रभु कह्य हय, स्वर्ग मोरो आसन
अऊर धरती मोरो पाय को खल्लो की चौकी आय,
मोरो लायी तुम कसो तरह को घर बनावो?
अऊर मोरो आराम को कौन सो जागा होयेंन?
50 का या सब चिजे मोरी हाथ की बनायी नहीं?
51 “हे जिद्दी, अऊर मन अऊर कान को खतनारहित लोगों, तुम हमेशा पवित्र आत्मा को विरोध
करय हय। जसो तुम्हरो बापदादों करत होतो, वसोच तुम भी करय हय। 52 भविष्यवक्तावों म सी
कौन ख तुम्हरो बापदादों न नहीं सतायो? उन्न ऊ सच्चो को आवन को पूर्वकाल सी खबर देन वालो
ख मार डाल्यो; अऊर अब तुम भी ओख पकड़न वालो अऊर मार डालन वालो भयो। 53 तुम न
स्वर्गदूतों सी ठहरायो हुयो व्यवस्था त पायो, पर ओको पालन नहीं करयो।”

[illegible]

54 या बाते सुन क हि जल गयो अऊर ओको पर दात कटरन लग्यो। 55 पर ओन पवित्र आत्मा
सी परिपूर्ण होय क स्वर्ग को तरफ देख्यो अऊर परमेश्वर की महिमा ख अऊर यीशु ख परमेश्वर को
दायों तरफ खड़ो हुयो देख क कह्यो, 56 “देखो, मय स्वर्ग ख खुल्यो हुयो, अऊर आदमी को बेटा ख
परमेश्वर को दायों तरफ खड़ो हुयो देखूं हय।”
57 तब उन्न बड़ो आवाज सी चिल्लाय क कान बन्द कर लियो, अऊर एक संग ओको पर झपटचो;
58 अऊर ओख नगर को बाहेर निकाल क ओको पर पथराव करन लग्यो। गवाहों न अपनो कपड़ा
शाऊल नाम को एक जवान को पाय को जवर उतार क रख दियो। 59 हि स्तिफनुस पर पथराव
करतो रह्यो, अऊर ऊ यो कह्य क प्रार्थना करतो रह्यो, “हे प्रभु यीशु, मोरी आत्मा ख स्वीकार
कर।” 60 तब घुटना टेक क ऊचो आवाज सी पुकारयो, “हे प्रभु, यो पाप उन पर मत लगा।” अऊर
यो कह्य क ऊ सोय गयो।

8

1 शाऊल ओख मारन म सहमत होतो।

[illegible]

उन दिन यरूशलेम की मण्डली पर बड़ो छल को सुरूवात भयो अऊर प्रेरितों ख छोड़ पूरो को
पूरो यहूदिया अऊर सामरियां देशों म तितर बितर भय गयो। 2 कुछ भक्तो न स्तिफनुस ख कब्र म
रख्यो अऊर ओको लायी जोर सी रोयो।
3 ✡शाऊल मण्डली ख उजाड़ रह्यो होतो; अऊर घर-घर घुस क पुरुषों अऊर बाईयों ख घसीट-
घसीट क जेलखाना म डालत होतो।

[illegible]

4 जो तितर-बितर हुयो होतो, हि सुसमाचार सुनावतो हुयो फिरयो; 5 अऊर फिलिप्पुस सामरियां
नगर म जाय क लोगों म मसीह को प्रचार करन लग्यो। 6 जो बाते फिलिप्पुस न कह्यो उन्ख लोगों
न सुन क अऊर जो चिन्ह चमत्कार ऊ दिखावत होतो उन्ख देख देख क, एक चित्त होय क मन
लगायो। 7 कहालीकि बहुत सो म सी दुष्ट आत्मायें बड़ो आवाज सी चिल्लावत निकल गयी, अऊर

✡ **8:3** ८:३ प्रेरितों २२:४,५; २६:९-११

बहुत सो लकवा को रोगी अऊर लंगड़ा भी अच्छो करयो गयो; 8 अऊर ऊ नगर म बड़ी खुशी छाय
गयो।
9 येको सी पहिलो ऊ नगर म शिमोन नाम को एक आदमी होतो, जो जादू-टोना कर क सामरियां
को लोगों ख चकित करतो अऊर अपनो आप ख एक महान पुरुष बतावत होतो। 10 छोटो सी बड़ो
तक सब ओको पर ध्यान दे क कहत होतो "यो आदमी परमेश्वर की वा सामर्थ आय, जो महान
कहलावय हय।" 11 ओन बहुत दिन सी उन्ख अपनो जादू को कामों सी चकित कर रख्यो होतो,
येकोलायी हि ओख बहुत मानत होतो। 12 पर जब उन्न फिलिप्पुस को विश्वास करयो जो परमेश्वर
को राज्य अऊर यीशु मसीह को नाम को सुसमाचार सुनावत होतो त लोग, का पुरुष, का बाई,
बपतिस्मा लेन लग्यो। 13 तब शिमोन न खुद भी विश्वास करयो अऊर बपतिस्मा ले क फिलिप्पुस
को संग रहन लग्यो। ऊ चिन्ह चमत्कार अऊर बड़ो-बड़ो सामर्थ को काम होतो देख क चकित होत
होतो।
14 जब प्रेरितों न जो यरूशलेम म होतो, सुन्यो कि सामरियों न परमेश्वर को वचन मान लियो
हय त पतरस अऊर यूहन्ना ख उन्को जवर भेज्यो। 15 उन्न जाय क उन्को लायी प्रार्थना करी कि
पवित्र आत्मा पाये। 16 कहालीकि ऊ अब तक उन्म सी कोयी पर नहीं उतरयो होतो; उन्न त केवल
प्रभु यीशु को नाम म बपतिस्मा लियो होतो। 17 तब उन्न उन पर हाथ रख्यो अऊर उन्न पवित्र
आत्मा पायो।
18 जब शिमोन न देख्यो कि प्रेरितों को हाथ रखन सी पवित्र आत्मा दियो जावय हय, त उन्को
जवर रुपये लाय क कह्यो, 19 "यो अधिकार मोख भी दे, कि जो कोयी पर हाथ रखू ऊ पवित्र आत्मा
पाये।"
20 पतरस न ओको सी कह्यो, "तोरो रुपये तोरो संग नाश होय, कहालीकि तय न परमेश्वर को
दान रुपयों सी मोल लेन को बिचार करयो। 21 या बात म नहीं तोरो हिस्सा हय, नहीं भाग हय;
कहालीकि तोरो मन परमेश्वर को आगु सही नहाय। 22 येकोलायी अपनी यो बुरायी सी मन फिराय
क प्रभु सी प्रार्थना कर, होय सकय हय कि तोरो मन को बिचार माफ करयो जाये। 23 कहालीकि
मय देखू हय कि तय पित्त जसी कड़वाहट अऊर पाप को बन्धन म पड़यो हय।"
24 शिमोन न उत्तर दियो "तुम मोरो लायी प्रभु सी प्रार्थना करो कि जो बाते तुम न कहीं, उन्म
सी कोयी मोर पर नहीं आय पड़े।"
25 येकोलायी हि गवाही दे क अऊर प्रभु को वचन सुनाय क यरूशलेम ख लौट गयो, अऊर
सामरियों को बहुत सो गांवो म सुसमाचार सुनावतो गयो।

[illegible]

26 फिर प्रभु को एक स्वर्गदूत न फिलिप्पुस सी कह्यो, "उठ अऊर दक्षिन को तरफ ऊ रस्ता पर
जा, जो यरूशलेम सी गाजा ख जावय हय।" यो रेगिस्तानी रस्ता हय। 27 ऊ उठ क चल दियो,
अऊर देखो, कूश देश को एक आदमी आय रह्यो होतो जो खोजा अऊर कूशियो की रानी कन्दाके
को मंत्री अऊर खजांची होतो। ऊ आराधना करन ख यरूशलेम आयो होतो। 28 ऊ अपनो रथ पर
बैठ्यो हुयो होतो, अऊर यशायाह भविष्यवक्ता की किताब पढ़तो हुयो लौटत जाय रह्यो होतो।
29 तब आत्मा न फिलिप्पुस सी कह्यो, "जवर जाय क यो रथ को संग हो ले।" 30 फिलिप्पुस ओको
तरफ दवड़यो अऊर ओख यशायाह भविष्यवक्ता की किताब पढ़तो हुयो सुन्यो, अऊर पुच्छ्यो
"तय जो पढ़ रह्यो हय का ओख समझय भी हय?"
31 ओन कह्यो, "जब तक कोयी मोख नहीं समझाये त मय कसो समझू?" अऊर ओन फिलिप्पुस
सी बिनती करी कि ऊ चढ़ क ओको जवर बैठ्यो। 32 धर्म शास्त्र को जो अध्याय ऊ पढ़ रह्यो होतो,
ऊ यो होतो: "ऊ मेंढीं को जसो वध होन लायी पहुंचायो गयो,

अऊर जसो मेम्ना अपनो ऊन कतरन वालो को आगु चुपचाप रह्य हय,
वसोच ओन भी अपनो मुंह नहीं खोल्यो।

33 ओकी दीनता म ओको न्याय नहीं होन पायो।

ओको समय को लोगों को वर्नन कौन करेंन?
कहालीकि धरती सी ओको जीवन उठा लियो जावय हय।"

34 येको पर खोजे न फिलिप्पुस सी पुच्छ्यो, "मय तोरो सी प्रार्थना करू हय, यो बताव कि
भविष्यवक्ता यो कौन को बारे म कह्य हय, अपनो यां कोयी दूसरों को बारे म?" 35 तब फिलिप्पुस
न अपनो मुंह खोल्यो अऊर योच शास्त्र सी सुरूवात कर क् ओख यीशु को सुसमाचार सुनायो।
36 रस्ता म चलतो-चलतो हि कोयी पानी को जागा म पहुंच्यो। तब खोजे न कह्यो, "देख इत पानी
हय, अब मोख बपतिस्मा लेनो म का रोक हय।" 37 फिलिप्पुस न कह्यो, "यदि तय पूरो मन सी
विश्वास करय हय त ले सकय हय।" ओन उत्तर दियो, "मय विश्वास करू हय कि यीशु मसीह
परमेश्वर को बेटा आय।"

38 तब ओन रथ खड़ो करन की आज्ञा दी, अऊर फिलिप्पुस अऊर खोजा दोयी पानी म उतरयो,
अऊर ओन खोजा ख बपतिस्मा दियो। 39 जब हि पानी सी निकल क ऊपर आयो, त प्रभु को आत्मा
फिलिप्पुस ख उठा ले गयो, अऊर खोजे न ओख फिर नहीं देख्यो, अऊर ऊ खुश होतो हुयो अपनो
रस्ता पर चली गयो। 40 फिलिप्पुस अशदोद म आय निकल्यो, अऊर जब तक कैसरिया म नहीं
पहुंच्यो, तब तक नगर-नगर सुसमाचार सुनावतो गयो।

9

[illegible]
([illegible])

1 शाऊल जो अब तक प्रभु को चेलां ख धमकान अऊर मार डालन की धुन म होतो, महायाजक
को जवर गयो 2 अऊर ओको सी दमिश्क को आराधनालयों को नाम पर या बात की चिट्ठियां मांगी
कि का पुरुष का बाई, जिन्ख ऊ यो पंथ पर पाये उन्ख बान्ध क यरूशलेम ले आये।

3 पर चलतो चलतो जब ऊ दमिश्क को जवर पहुंच्यो, त अचानक आसमान सी ओको चारयी
तरफ ज्योति चमकी, 4 अऊर ऊ जमीन पर गिर पड़यो अऊर यो आवाज सुन्यो, "हे शाऊल, हे
शाऊल, तय मोख कहाली सतावय हय?"

5 ओन पुच्छ्यो, "हे प्रभु, तय कौन आय?"

ओन कह्यो, "मय यीशु आय, जेक तय सतावय हय 6 पर अब उठ क नगर म जाव, अऊर जो
तोख करनो हय ऊ तोरो सी कह्यो जायेंन।"

7 जो आदमी ओको संग होतो, हि सन्न रह्य गयो; कहालीकि आवाज त सुनत होतो पर कोयी
ख देखत नहीं होतो। 8 तब शाऊल जमीन पर सी उठ्यो, पर जब आंखी खोली त ओख कुछ नहीं
दिख्यो, अऊर हि ओको हाथ पकड़ क दमिश्क म ले गयो। 9 ऊ तीन दिन तक नहीं देख सक्यो,
अऊर नहीं खायो अऊर नहीं पीयो।

10 दमिश्क म हनन्याह नाम को एक चेला होतो, ओन दर्शन देख्यो कि प्रभु न ओको सी कह्यो,
"हे हनन्याह!"

"हव मय, प्रभु आय।"

11 तब प्रभु न ओको सी कह्यो, "उठ क वा गली म जाव जो 'सीधी' कहलावय हय, अऊर यहूदा
को घर म शाऊल नाम को एक तरसुस वासी ख पूछ; कहालीकि देख, ऊ प्रार्थना कर रह्यो हय,
12 अऊर ओन हनन्याह नाम को एक पुरुष ख अन्दर आवतो अऊर अपनो ऊपर हाथ रखतो देख्यो
हय; ताकि फिर सी देख पाये।"

13 हनन्याह न उत्तर दियो, "हे प्रभु, मय न यो आदमी को बारे म बहुत सो सी सुन्यो हय कि
येन यरूशलेम म तोरो पवित्र लोगों को संग बड़ी-बड़ी बुरायी करी हंय; 14 अऊर इत भी येख
महायाजक को तरफ सी अधिकार मिल्यो हय कि जो लोग तोरो नाम लेवय हंय, उन पूरो ख बान्ध
लेवो।"

15 पर प्रभु न ओको सी कह्यो, “तय चली जा; कहालीकि उत गैरयहूदियों अऊर राजावों अऊर
इस्राएलियों को आगु मोरो नाम प्रगट करन लायी मोरो चुन्यो हुयो पात्र हय। 16 अऊर मय
ओख बताऊ कि मोरो नाम लायी ओख कसो कसो दु:ख उठावनो पड़ेंन।”
17 तब हनन्याह उठ क ऊ घर म गयो, अऊर ओको पर अपनो हाथ रख क कह्यो, “हे भाऊ
शाऊल, प्रभु, यानेकि यीशु, जो ऊ रस्ता म, जित सी तय आयो तोख दिखायी दियो होतो, ओनच
मोख भेज्यो हय कि तय फिर नजर पाये अऊर पवित्र आत्मा सी परिपूर्न होय जाये।” 18 अऊर
तुरतच ओकी आंखी सी छिलका को जसो गिरयो अऊर ऊ देखन लग्यो, अऊर उठ क बपतिस्मा
लियो।

[illegible]

19 फिर जेवन कर क् ताकत पायो। ऊ कुछ दिन उन चेलां को संग रह्यो जो दमिश्क म होतो।
20 अऊर ऊ तुरतच आराधनालयों म यीशु को प्रचार करन लग्यो कि ऊ परमेश्वर को बेटा हय।
21 सब सुनन वालो चकित होय क कहन लग्यो, “का यो उच आदमी नोहोय जो यरूशलेम म
उन्ख जो यो नाम ख लेत होतो, नाश करत होतो; अऊर इत भी येकोलायी आयो होतो कि उन्ख
बान्ध क महायाजक को जवर लिजाये?”
22 पर शाऊल अऊर भी सामर्थी होत गयो, अऊर या बात को सबूत दे क कि मसीह योच आय,
दमिश्क को रहन वालो यहूदियों को मुंह बन्द करतो रह्यो।
23 ✡जब बहुत दिन भय गयो, त यहूदियों न मिल क ओख मार डालन की साजीश रचा। 24 पर
उन्को साजीश शाऊल ख मालूम भय गयो। हि त ओख मार डालन लायी रात दिन द्वारों पर मारन
की ताक म लग्यो रहत होतो। 25 पर रात को ओको चेलां न ओख टोकनी म बैठायो, अऊर दिवार
पर सी उतार दियो।

[illegible]

26 यरूशलेम म पहुंच क ओन चेलां को संग मिल जान को कोशिश करयो; पर सब ओको सी
डरत होतो, कहालीकि उन्ख विश्वास नहीं होत होतो, कि ऊ भी चेला आय। 27 पर बरनबास न
ओख अपनो संग प्रेरितों को जवर लिजाय क उन्ख बतायो कि येन कसो तरह सी रस्ता म प्रभु
ख देख्यो, अऊर ओन येको सी बाते करी; तब दमिश्क म येन कसो हिम्मत सी यीशु को नाम सी
प्रचार करयो। 28 ऊ उन्को संग यरूशलेम म आतो-जातो रह्यो 29 अऊर बेधड़क होय क प्रभु को
नाम सी प्रचार करत होतो; अऊर यूनानी भाषा बोलन वालो यहूदियों को संग बातचीत अऊर
वाद-विवाद करत होतो; पर हि ओख मार डालन की कोशिश करन लग्यो। 30 यो जान क भाऊ ओख
कैसरिया ले आयो, अऊर तरसुस ख भेज दियो।
31 यो तरह पूरो यहूदिया, अऊर गलील, अऊर सामरियां म मण्डली ख सन्तुष्ट भयो, अऊर
ओकी उन्नति होत गयी; अऊर ऊ प्रभु को डर अऊर पवित्र आत्मा की शान्ति म चलती अऊर
बढ़ती गयी।

[illegible]

32 तब असो भयो कि पतरस हर जागा फिरतो हुयो, उन पवित्र लोगों को जवर भी पहुंच्यो जो
लुद्दा म रहत होतो। 33 उत ओख एनियास नाम को एक लकवा को रोगी मिल्यो, जो आठ साल सी
खटिया पर पड़यो होतो। 34 पतरस न ओको सी कह्यो, “हे एनियास! यीशु मसीह तोख चंगो करय
हय। उठ, अपनो बिस्तर बिछाव।” तब ऊ तुरतच उठ खड़ो भयो। 35 तब लुद्दा अऊर शारोन को सब
रहन वालो ओख देख क प्रभु को तरफ फिरे।
36 याफा म तबीता यानेकि दोरकास नाम को एक विश्वासिनी रहत होती। वा बहुत सो अच्छो
अच्छो काम अऊर दान करत होती। 37 उन दिन म वा बीमार होय क मर गयी; अऊर उन्न ओख
नहलाय क ऊपर को कमरा म रख दियो। 38 येकोलायी कि लुद्दा याफा को जवर होतो, चेलां न यो
सुन क कि पतरस उत हय, दोय आदमी भेज क ओको सी बिनती करी, “हमरो जवर आवनो म देर

✡ **9:23** ९:२३ २ कुरिन्थियों ११:३२,३३

मत कर।" 39 तब पतरस उठ क उन्को संग भय गयो, अऊर जब ऊ पहुंच्यो त हि ओख वा ऊपर
को कमरा म लिजायो। पूरी विधवा रोवती हुयी ओको जवर आय क खड़ी भयी, अऊर जो कुरता
अऊर कपड़ा दोरकास न उन्को संग रहतो हुयो बनायो होतो, दिखान लगी। 40 तब पतरस न सब क्
बाहेर कर दियो, अऊर घुटना टेक क प्रार्थना करी अऊर लाश को तरफ देख क कह्यो, "हे तबीता,
उठ।" तब ओन अपनी आंखी खोल दी; अऊर पतरस ख देख क उठ बैठी। 41 ओन हाथ दे क ओख
उठायो, अऊर पवित्र लोगों अऊर विधवावों ख बुलाय क ओख जीन्दो दिखाय दियो। 42 या बात
पूरो याफा म फैल गयी; अऊर बहुत सो न प्रभु पर विश्वास करयो। 43 अऊर पतरस याफा म
शिमोन नाम को कोयी चमड़ा को धन्दा करन वालो को इत बहुत दिन तक रह्यो।

10

[illegible]

1 कैसरिया म कुरनेलियुस नाम को एक आदमी होतो, जो इतालियानी नाम को पलटन को सूबेदार
होतो। 2 ऊ भक्त होतो, अऊर अपनो पूरो घरानों को संग परमेश्वर सी डरत होतो, अऊर यहूदी
गरीब लोगों ख बहुत दान देत होतो, अऊर बराबर परमेश्वर सी प्रार्थना करत होतो। 3 ओन दोपहर
लगभग तीन बजे दर्शन म साफ तरह सी देख्यो कि परमेश्वर को एक स्वर्गदूत ओको जवर अन्दर
आय क कह्य हय, "हे कुरनेलियुस!"

4 ओन ओख ध्यान सी देख्यो अऊर डर क कह्यो, "हे प्रभु, का आय?"

स्वर्गदूत न ओको सी कह्यो, "तोरी प्रार्थनाये अऊर तोरो दान परमेश्वर को जवर याद लायी
पहुंच्यो हंय; 5 अऊर अब याफा म आदमी भेज क शिमोन ख, जो पतरस कहलावय हय, बुलाय
लेवो। 6 ऊ शिमोन, चमड़ा को धन्दा करन वालो को इत मेहमान हय, जेको घर समुन्दर को किनार
पर हय।" 7 जब ऊ स्वर्गदूत जेन ओको सी बाते करी होती चली गयो, त ओन दोय सेवक, अऊर
जो ओको जवर मौजूद रहत होतो उन्म सी एक भक्त सिपाही ख बुलायो, 8 अऊर उन्न सब बाते
बताय क याफा ख भेज्यो।

9 दूसरों दिन जब हि चलतो चलतो नगर को जवर पहुंच्यो, त दोपहर को समय पतरस छत पर
प्रार्थना करन चढ़यो। 10 ओख भूख लगी अऊर कुछ खानो चाहत होतो, पर जब हि तैयारी कर
रह्यो होतो त ऊ बेहोश भय गयो; 11 अऊर ओन देख्यो, कि आसमान खुल गयो; अऊर एक पात्र
बड़ी चादर को जसो चारों कोना सी लटकतो हुयो, धरती को तरफ उतर रह्यो हय। 12 जेको म धरती
को सब तरह को चार पाय वालो जीव अऊर रेंगन वालो जन्तु अऊर आसमान को पक्षी होतो।
13 ओख एक असो आवाज सुनायी दियो, "हे पतरस उठ, मार अऊर खा।"

14 पर पतरस न कह्यो, "नहीं प्रभु, कभीच नहीं; कहालीकि मय न कभी कोयी अपवित्र या
अशुद्ध चिज नहीं खायी हय।"

15 तब दूसरी बार ओख आवाज सुनायी दियो, "जो कुछ परमेश्वर न शुद्ध ठहरायो हय, ओख तय
अशुद्ध मत कह्य।" 16 तीन बार असोच भयो; तब तुरतच ऊ पात्र आसमान पर उठाय लियो गयो।

17 जब पतरस अपनो मन म संका म होतो, कि यो दर्शन जो मय न देख्यो ऊ का होय सकय हय,
त देखो, हि आदमी जिन्ख कुरनेलियुस न भेज्यो होतो, शिमोन को घर को पता लगाय क द्वार पर
आय खड़ो भयो, 18 अऊर बुलाय क पूछन लग्यो, "का शिमोन जो पतरस कहलावय हय, इतच
मेहमान हय?"

19 पतरस त ऊ दर्शन पर सोचत रह्यो होतो, कि आत्मा न ओको सी कह्यो, "देख, तीन आदमी तोरी
खोज म हंय। 20 येकोलायी उठ क खल्लो जा, अऊर बिन शक सी उन्को संग होय जा; कहालीकि
मय नच उन्ख भेज्यो हय।" 21 तब पतरस न उतर क उन आदमियों सी कह्यो, "देखो, जेकी खोज
तुम कर रह्यो हय, ऊ मयच आय। तुम्हरो आवन को का वजह हय?"

22 उन्न कह्यो, "कुरनेलियुस सूबेदार जो सच्चो अऊर परमेश्वर सी डरन वालो अऊर पूरी यहूदी
जाति म सुनाम आदमी हय, ओन एक पवित्र स्वर्गदूत सी यो निर्देश पायो हय कि तोख अपनो घर
बुलाय क तोरो सी वचन सुने।" 23 तब ओन उन्ख अन्दर बुलाय क उन्की मेहमानी करी।
दूसरों दिन ऊ उन्को संग गयो, अऊर याफा नगर को भाऊ म सी कुछ ओको संग भय गयो।
24 दूसरों दिन हि कैसरिया पहुंच्यो, अऊर कुरनेलियुस अपनो कुटुम्बियों अऊर प्रिय संगियों ख
जमा कर क उन्की रस्ता देख रह्यो होतो। 25 जब पतरस अन्दर आय रह्यो होतो, त कुरनेलियुस न
ओको सी भेंट करी, अऊर ओको घुटना को बल पर गिर क ओख नमस्कार करयो; 26 पर पतरस न
ओख उठाय क कह्यो, "खड़ो हो, मय भी त आदमी आय।" 27 अऊर ओको संग बातचीत करतो हुयो
अन्दर गयो, अऊर बहुत सो लोगों ख जमा देख क 28 ओन कह्यो, "तुम जानय हय कि गैरयहूदी
की संगति करनो यां ओको इत जानो यहूदी लायी अधर्म हय, पर परमेश्वर न मोख बतायो हय कि
कोयी आदमी ख अपवित्र या अशुद्ध नहीं कहूं। 29 येकोलायी मय जब बुलायो गयो त बिना कुछ
कह्यो चली आयो। अब मय पूछू हय कि मोख कौन्सो काम लायी बुलायो गयो?"

30 कुरनेलियुस न कह्यो, "योच घड़ी, पूरो चार दिन भयो, मय अपनो घर म दोपहर तीन बजे को
लगभग प्रार्थना कर रह्यो होतो; त देखो, एक पुरुष चमकदार कपड़ा पहिन्यो हुयो, मोरो आगु आय
खड़ो भयो 31 अऊर कहन लग्यो, 'हे कुरनेलियुस, तोरी प्रार्थना सुन ली गयी हय अऊर तोरो दान
परमेश्वर को आगु याद करयो गयो हंय। 32 येकोलायी कोयी ख याफा नगर भेज क शिमोन ख जो
पतरस कहलावय हय, बुलाव। ऊ समुन्दर को किनार शिमोन, चमड़ा को धन्दा करन वालो को घर
म मेहमान हय।' 33 तब मय न तुरतच तोरो जवर लोग भेज्यो, अऊर तय न अच्छो करयो जो आय
गयो। अब हम सब इत परमेश्वर को आगु हंय, ताकि जो कुछ परमेश्वर न तोरो सी कह्यो हय ओख
सुनबो।"

[illegible]

34 तब पतरस न कह्यो, "अब मोख निश्चय भयो कि परमेश्वर कोयी को पक्षपात नहीं करय,
35 बल्की हर जाति म जो ओको सी डरय अऊर सच्चायी को काम करय हय, ऊ ओख भावय हय।
36 जो वचन ओन इस्राएलियों को जवर भेज्यो, जब ओन यीशु मसीह को द्वारा जो सब को प्रभु
हय शान्ति को सुसमाचार सुनायो, 37 ऊ वचन तुम जानय हय, जो यूहन्ना को बपतिस्मा को प्रचार
को बाद गलील सी सुरूवात होय क पूरो यहूदिया प्रदेश म फैल गयो: 38 परमेश्वर न कौन्सो रीति
सी यीशु नासरी ख पवित्र आत्मा अऊर सामर्थ सी अभिषेक करयो; ऊ भलायी करतो अऊर सब
ख जो शैतान को सतायो हुयो होतो, अच्छो करतो फिरयो, कहालीकि परमेश्वर ओको संग होतो।
39 हम उन सब कामों को गवाह हंय; जो ओन यहूदियों को देश अऊर यरूशलेम म भी करयो, अऊर
उन्न ओख क्रूस पर लटकाय क मार डाल्यो। 40 ओख परमेश्वर न तीसरो दिन जीन्दो करयो, अऊर
प्रगट भी कर दियो हय; 41 सब लोगों पर नहीं बल्की उन गवाहों पर जिन्ख परमेश्वर न पहिले
सी चुन लियो होतो, यानेकि हम पर जिन्न ओको मरयो हुयो म सी जीन्दो होन को बाद ओको
संग खायो-पीयो; 42 अऊर ओन हम्ख आज्ञा दियो कि लोगों म प्रचार करो अऊर गवाही दे, कि
यो उच आय जेक परमेश्वर न जीन्दो अऊर मरयो हुयो को न्यायकर्ता ठहरायो हय। 43 ओकी सब
भविष्यवक्ता गवाही देवय हंय कि जो कोयी ओको पर विश्वास करेंन, ओख ओको नाम को द्वारा
पापों की माफी मिलेंन।"

[illegible]

44 पतरस या बाते कहतच रह्यो होतो कि पवित्र आत्मा वचन को सब सुनन वालो पर उतर आयो।
45 अऊर जितनो खतना करयो हुयो विश्वासी पतरस को संग आयो होतो, हि सब अचम्भित हुयो
कि गैरयहूदियों पर भी पवित्र आत्मा को दान कुड़ायो गयो हय। 46 कहालीकि उन्न उन्ख अलग-
अलग तरह की भाषा बोलत अऊर परमेश्वर की बड़ायी करतो सुन्यो। येको पर पतरस न कह्यो,

47 “का कोयी उन्ख रोक सकय हय कि हि बपतिस्मा नहीं पाये, जिन्न हमरो जसो पवित्र आत्मा
पायो हय?” 48 अऊर ओन आज्ञा दियो कि उन्ख यीशु मसीह को नाम म बपतिस्मा दियो जाये। तब
उन्न ओको सी बिनती करी कि ऊ कुछ दिन अऊर उन्को संग रहे।

11

[illegible]

1 तब प्रेरितों अऊर भाऊ न जो यहूदियों म होतो सुन्यो कि गैरयहूदियों न भी परमेश्वर को वचन
मान लियो हय। 2 येकोलायी जब पतरस यरूशलेम म आयो, त खतना करयो हुयो लोग ओको सी
वाद-विवाद करन लग्यो, 3 “तय न खतनारहित करयो लोगों को इत जाय क उन्को संग खायो।”
4 तब पतरस न उन्ख सुरूवात सी एक को बाद एक ख कह्य सुनायो: 5 “मय याफा नगर म प्रार्थना
कर रह्यो होतो, अऊर बेहोश होय क एक दर्शन देख्यो कि एक चिज, बड़ो चादर को जसो चारों कोना
सी लटकायो हुयो, आसमान सी उतर क मोरो जवर आयो। 6 जब मय न ओको पर ध्यान करयो, त
ओको म धरती को चार पाय वालो अऊर जंगली पशु अऊर रेंगन वालो जन्तु अऊर आसमान को
पक्षी देख्यो; 7 अऊर यो आवाज भी सुन्यो, ‘हे पतरस उठ, मार अऊर खा।’ 8 मय न कह्यो, ‘नहीं
प्रभु, नहीं; कहालीकि कोयी अपवित्र यां अशुद्ध चिज मोरो मुंह म कभी नहीं गयी।’ 9 येको उत्तर
म आसमान सी दूसरों बार आवाज भयो, ‘जो कुछ परमेश्वर न शुद्ध ठहरायो हय, ओख अशुद्ध मत
कह्य।’ 10 तीन बार असोच भयो; तब सब कुछ आसमान पर खीच लियो गयो। 11 अऊर देखो, तुरतच
तीन आदमी जो कैसरिया सी मोरो जवर भेज्यो गयो होतो, ऊ घर पर जेको म हम होतो, आय खड़ो
हुयो। 12 तब आत्मा न मोरो सी उन्को संग बिन शक सी होय जान कह्यो, अऊर हि छे भाऊ भी मोरो
संग होय गयो; अऊर हम ऊ आदमी को घर गयो। 13 ओन हम्ख बतायो, कि ओन एक स्वर्गदूत ख
अपनो घर म खड़ो देख्यो, जेन ओको सी कह्यो, ‘याफा नगर म आदमी भेज क शिमोन ख जो पतरस
कहलावय हय, बुलाय लेवो। 14 ऊ तुम सी असी बाते कहेंन, जिन्को द्वारा तय अऊर तोरो पूरो
घराना उद्धार पायेंन।’ 15 जब मय बाते करन लग्यो, त पवित्र आत्मा उन पर उच तरह सी उतरयो
जो तरह सी सुरूवात म हम पर उतरयो होतो। 16 ✡तब मोख प्रभु को ऊ वचन याद आयो; जो ओन
कह्यो होतो, ‘यूहन्ना न त पानी सी बपतिस्मा दियो, पर तुम पवित्र आत्मा सी बपतिस्मा पावों।’
17 येकोलायी जब परमेश्वर न उन्ख भी उच दान दियो, जो हम्ख प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास
करन सी मिल्यो होतो; त मय कौन होतो जो परमेश्वर ख रोक सकत होतो?”

18 यो सुन क हि चुप रह्यो, अऊर परमेश्वर की बड़ायी कर क् कहन लग्यो, “तब त परमेश्वर न
गैरयहूदियों ख भी जीवन लायी मन फिराव को दान दियो हय।”

[illegible]

19 ✡जो लोग ऊ कठिनायी को मारे जो स्तिफनुस को वजह पड़यो होतो, तितर-बितर भय गयो
होतो, हि फिरतो-फिरतो फीनीके अऊर साइप्रस अऊर अन्ताकिया म पहुंच्यो; पर यहूदियों ख
छोड़ कोयी अऊर ख वचन नहीं सुनावत होतो। 20 पर उन्म सी कुछ साइप्रस निवासी अऊर
कुरेनी होतो, जो अन्ताकिया म आय क यूनानी भाषा बोलन वालो ख भी प्रभु यीशु को सुसमाचार
सुनावन लग्यो। 21 प्रभु को हाथ उन पर होतो, अऊर बहुत लोग विश्वास कर क् प्रभु को तरफ
फिरयो।

22 जब उन्की चर्चा यरूशलेम की मण्डली को सुनन म आयी, त उन्न बरनबास ख अन्ताकिया
भेज्यो। 23 ऊ उत पहुंच क अऊर परमेश्वर को अनुग्रह ख देख क खुश भयो, अऊर सब ख उपदेश
दियो कि तन मन लगाय क प्रभु सी लिपटचो रहो। 24 ऊ एक अच्छो आदमी होतो, अऊर पवित्र
आत्मा अऊर विश्वास सी परिपूर्न होतो; अऊर दूसरों बहुत सो लोग प्रभु म आय मिल्यो।

✡ **11:16** ११:१६ प्रेरितों १:५ ✡ **11:19** ११:१९ प्रेरितों ८:१-४

25 तब ऊ शाऊल ख ढूंढन लायी तरसुस ख चली गयो। 26 जब ऊ ओको सी मिल्यो त ओख
अन्ताकिया लायो; अऊर असो भयो कि हि एक साल तक मण्डली को संग मिलत अऊर बहुत
लोगों ख उपदेश देतो रह्यो; अऊर चेला सब सी पहिले अन्ताकियाच म मसीही कहलायो।
27 उनच दिनो म कुछ भविष्यवक्ता यरूशलेम सी अन्ताकिया आयो। 28 ✡उन्म सी अगबुस नाम
को एक न खड़ो होय क आत्मा की प्रेरना सी यो बतायो कि पूरो जगत म बड़ो अकाल पड़ेंन ऊ
अकाल क्लौदियुस को समय म पड़यो। 29 तब चेलां न निर्णय करयो कि हर एक अपनी अपनी पूंजी
को अनुसार यहूदियों म रहन वालो भाऊ की मदत लायी कुछ भेज्यो। 30 उन्न असोच करयो; अऊर
बरनबास अऊर शाऊल को हाथ म बुजूर्गों को जवर कुछ भेज दियो।

12

???? ? ??????? ?? ??????

1 ऊ समय हेरोदेस राजा न मण्डली को कुछ लोगों ख सतावन लायी उन पर हाथ डाल्यो। 2 ओन
यूहन्ना को भाऊ याकूब ख तलवार सी मरवाय डाल्यो। 3 जब ओन देख्यो कि यहूदी लोग येको सी
खुश होवय हंय, त ओन पतरस ख भी पकड़ लियो। ऊ दिन अखमीरी रोटी को दिन होतो। 4 ओन
ओख पकड़ क जेलखाना म डाल्यो, अऊर चार-चार सिपाहियों को चार निगरानी म रख्यो; यो बिचार
सी कि फसह को बाद ओख लोगों को आगु लायेंन। 5 जेलखाना म पतरस बन्द होतो; पर मण्डली
ओको लायी मन लगाय क परमेश्वर सी प्रार्थना कर रही होती।
6 जब हेरोदेस ओख लोगों को आगु लावन को होतो, उच रात पतरस दोय संकली सी बन्ध्यो हुयो
दोय सिपाहियों को बीच म सोय रह्यो होतो; अऊर पहरेदार द्वार पर जेलखाना की पहरेदारी कर रह्यो
होतो। 7 त देखो, प्रभु को एक स्वर्गदूत आय खड़ो भयो अऊर ऊ कोठरी म ज्योति चमकी, अऊर
ओन पतरस की पसली पर हाथ मार क ओख जगायो अऊर कह्यो, "उठ, जल्दी कर।" अऊर ओको
हाथों सी संकली खुल क गिर गयी। 8 तब स्वर्गदूत न ओको सी कह्यो, "कमर बान्ध, अऊर अपनो
चप्पल पहिन ले।" ओन वसोच करयो। तब ओन ओको सी कह्यो, "अपनो कपड़ा पहिन क मोरो पीछू
होय जा।" 9 ऊ निकल क ओको पीछू चल दियो; पर यो नहीं जानत होतो कि जो कुछ स्वर्गदूत कर
रह्यो हय ऊ सच हय, बल्की यो समझ्यो कि मय दर्शन देख रह्यो हय। 10 तब हि पहिलो अऊर
दूसरों पहरा सी निकल क ऊ लोहा को द्वार पर पहुंच्यो, जो नगर को तरफ हय। ऊ उन्को लायी
अपनो आप खुल गयो, अऊर हि निकल क एकच गली होय क गयो, अऊर तुरतच, स्वर्गदूत ओख
छोड़ क चली गयो।
11 तब पतरस न सचेत होय क कह्यो, "अब मय न सच जान लियो हय कि प्रभु न अपनो स्वर्गदूत
भेज क मोख हेरोदेस को हाथ सी छुड़ाय लियो, अऊर यहूदियों की पूरी आशा तोड़ दियो हय।"
12 यो जान क वा ऊ यूहन्ना की माय मरियम को घर आयो, जो मरकुस कहलावय हय। उत
बहुत सो लोग जमा होय क प्रार्थना कर रह्यो होतो। 13 जब ओन द्वार की खिड़की खटखटायो, त
रूदे नाम की एक दासी देखन ख आयी। 14 पतरस को आवाज पहिचान क ओन खुशी को मारे द्वार
नहीं खोल्यो, पर तुरतच दौड़ क अन्दर गयी अऊर बतायो कि पतरस द्वार पर खड़ो हय। 15 उन्न
ओको सी कह्यो, "तय पागल हय।" पर वा जोर दे क बोली कि असोच हय। तब उन्न कह्यो, "ओको
स्वर्गदूत होना।"
16 पर पतरस खटखटातो रह्यो: येकोलायी उन्न खिड़की खोली, अऊर ओख देख क चकित रह्य
गयो। 17 तब ओन उन्ख हाथ सी इशारा करयो कि चुप रह्य; अऊर उन्ख बतायो कि प्रभु कौन्सी
रीति सी ओख जेलखाना सी निकाल लायो हय। तब कह्यो, "याकूब अऊर भाऊ ख या बात बताय
देजो।" तब निकल क दूसरी जागा चली गयो।
18 जसोच सबेरे भयी वसोच सिपाहियों म बड़ी हलचल भय गयी कि पतरस ख का भयो।

✡ **11:28** ११:२८ प्रेरितों २१:१०

19 जब हेरोदेस न ओकी खोज करी अऊर नहीं पायो, त पहरेदारों की जांच कर क् आज्ञा दी कि
हि मार डाल्यो जाये: अऊर ऊ यहूदियों ख छोड़ क कैसरिया म जाय क रहन लग्यो।

[illegible]

20 हेरोदेस सूर अऊर सैदा को लोगों सी गुस्सा म होतो। येकोलायी हि एक मन होय क ओको
जवर आयो, अऊर बलास्तुस ख जो राजा को एक नौकर होतो, मनाय क मेल मिलाप करनो चाहत
होतो; कहालीकि राजा को देश सी उन्को देश को पालन-पोषन होत होतो।
21 ठहरायो हुयो दिन हेरोदेस राजा को कपड़ा पहिन क सिंहासन पर बैठ्यो, अऊर उन्ख बतावन
लग्यो। 22 तब लोग चिल्लावन लग्यो, "यो त आदमी को नहीं ईश्वर को आवाज आय।" 23 उच
समय प्रभु को एक स्वर्गदूत न तुरतच ओख मारयो, कहालीकि ओन परमेश्वर ख महिमा नहीं दी;
अऊर ऊ कीड़ा पड़ क मर गयो।
24 पर परमेश्वर को वचन बढ़तो अऊर फैलत गयो।
25 जब बरनबास अऊर शाऊल अपनी सेवा पूरी कर लियो त यूहन्ना ख जो मरकुस कहलावय
हय, संग ले क यरूशलेम सी लौटचो।

13

[illegible]

1 अन्ताकिया की मण्डली म कुछ भविष्यवक्ता अऊर शिक्षक होतो; जसो: बरनबास अऊर
शिमोन जो कारो कहलावत होतो; अऊर लूकियुस जो कुरेनी को निवासी होतो, अऊर जो हेरोदेस
प्रशासक को संग म पल्यो बड़यो मनाहेम, अऊर शाऊल। 2 जब हि उपवास को संग प्रभु की
उपासना कर रह्यो होतो, त पवित्र आत्मा न उन्को सी कह्यो, "मोरो लायी बरनबास अऊर शाऊल
ख सेवा लायी अलग करो जेको लायी मय न उन्ख बुलायो हय।"
3 तब उन्न उपवास अऊर प्रार्थना कर क् अऊर उन पर हाथ रख क उन्ख बिदा करयो।

[illegible]

4 येकोलायी हि पवित्र आत्मा को भेज्यो हुयो सिलूकिया ख गयो; अऊर उत सी जहाज पर चढ़
क साइप्रस ख चल्यो; 5 अऊर सलमीस म पहुंच क, परमेश्वर को वचन यहूदियों को आराधनालयों
म सुनायो। यूहन्ना उन्को सहायक को रूप म उन्को संग होतो।
6 हि ऊ पूरो द्वीप म होतो हुयो पाफुस तक पहुंच्यो। उत उन्ख बार-यीशु नाम को एक यहूदी
जादूगर अऊर झूठो भविष्यवक्ता मिल्यो। 7 बार-यीशु ऊ, राज्यपाल सिरगियुस पौलुस को संगी
होतो जो बुद्धिमान आदमी होतो। राज्यपाल न बरनबास अऊर शाऊल ख अपनो जवर बुलाय क
परमेश्वर को वचन सुननो चाह्यो। 8 पर इलीमास जादूगर न, योच ओको नाम को ग्रीक म मतलब
हय, उन्को विरोध कर क् राज्यपाल ख विश्वास करन सी रोकनो चाह्यो। 9 पर शाऊल जो पौलुस
भी कहलावय हय, पवित्र आत्मा सी परिपूर्ण होय क इलीमास जादूगर को तरफ टकटकी लगाय क
देख्यो अऊर कह्यो, 10 "हे पूरो कपट अऊर चालाकी सी भरयो हुयो शैतान की सन्तान, पूरो धर्म को
दुश्मन, का तय प्रभु को सच्चायी को रस्ता ख झूठ म बदलनो नहीं छोड़जो? 11 अब देख, प्रभु को
हाथ तोरो विरोध म उठचो हय; अऊर तय कुछ समय तक अन्धा रहजो अऊर सूरज को प्रकाश
ख नहीं देखजो।"

तब तुरतच धुंधलोपन अऊर अन्धारो ओको आंखी पर छाय गयो, अऊर ऊ इत उत टटोलन
लग्यो ताकि कोयी ओको हाथ पकड़ क सम्भाल सके। 12 तब राज्यपाल न जो भयो होतो ओख देख
क अऊर प्रभु की शिक्षा सी चकित होय क विश्वास करयो।

[illegible]

13 पौलुस अऊर ओको संगी पाफुस सी जहाज को द्वारा पंफूलिया को पिरगा शहर म आयो;
अऊर यूहन्ना उन्ख छोड़ क यरूशलेम ख लौट गयो। 14 पिरगा सी आगु बढ़ क हि पिसिदिया को
अन्ताकिया म पहुंच्यो; अऊर यहूदियों को आराधनालय म जाय क बैठ गयो। 15 मूसा की व्यवस्था

अऊर भविष्यवक्तावों की किताब सी पढ़न को बाद आराधनालय को मुखिया न उन्को जवर कहला
भेज्यो, “हे भाऊवों, हम चाहजे हय की यदि लोगों को प्रोत्साहन करन लायी कुछ बात हय त
कहो।”
16 तब पौलुस न खड़ो होय क अऊर हाथ सी इशारा कर क् कह्यो, “हे इस्राएलियों, अऊर
परमेश्वर सी डरन वालो, सुनो: 17 इन इस्राएली लोगों को परमेश्वर न हमरो बापदादों ख चुन
लियो, अऊर जब यो लोग मिस्र देश म परदेशी होय क रहत होतो, त उन्की उन्नति करी; अऊर
बड़ी ताकत सी निकाल लायो।” 18 ऊ चालीस साल तक जंगल म उन्की सहतो रह्यो, 19 अऊर
कनान देश म सात जातियों ख नाश कर क् उन्ख लगभग साढ़े चार सौ साल म जमीन ख वारिस
दार स्वरूप दे दियो। 20 यो सब कुछ म साढ़े चार सौ साल लग्यो।
“येको बाद ओन शमूएल भविष्यवक्ता तक उन्म न्याय करन वालो दियो। 21 ओको बाद उन्न
एक राजा मांग्यो: तब परमेश्वर न चालीस साल लायी बिन्यामीन को गोत्र म सी एक आदमी;
यानेकि कीश को बेटा शाऊल ख उन पर राजा ठहरायो। 22 फिर ओख अलग कर क् दाऊद ख उन्को
राजा बनायो; जेको बारे म ओन गवाही दियो, ‘मोख एक आदमी, यिशै को बेटा दाऊद, मोरो मन
को अनुसार मिल गयो हय; उच मोरी इच्छा पूरी करेंन।’ ” 23 योच वंश म सी परमेश्वर न अपनी
प्रतिज्ञा को अनुसार इस्राएल को जवर एक उद्धारकर्ता, यानेकि यीशु ख भेज्यो। 24 ✡जेको आवन
सी पहिले यूहन्ना न सब इस्राएलियों म मन फिराव को बपतिस्मा को प्रचार करयो। 25 ✡जब
यूहन्ना अपनी सेवा पूरी करन पर होतो, त ओन कह्यो, तुम मोख का समझय हय? मय ऊ नोहोय!
बल्की देखो, मोरो बाद एक आवन वालो हय, जेको पाय की चप्पल भी मय निकालन को लायक भी
नहाय।
26 “हे भाऊ, तुम जो अब्राहम की सन्तान आय; अऊर तुम जो परमेश्वर सी डरय हय, तुम्हरो
जवर यो उद्धार को वचन भेज्यो गयो हय। 27 कहालीकि यरूशलेम को रहन वालो अऊर उन्को
मुखिया न, ओख नहीं पहिचान्यो अऊर नहीं भविष्यवक्तावों की बाते समझी, जो हर यहूदियों
को आराम दिन ख पढ़यो जावय हंय, येकोलायी ओख दोषी ठहराय क उन बातों ख पूरो करयो।”
28 ✡उन्न मार डालन को लायक कोयी दोष ओको म नहीं देख्यो, तब भी पिलातुस सी बिनती करी
कि ऊ मार डाल्यो जाये। 29 ✡जब उन्न ओको बारे म लिख्यो हुयो सब बाते पूरी करी, त ओख क्रूस
पर सी उतार क कब्र म रख्यो। 30 पर परमेश्वर न ओख मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो, 31 ✡अऊर
ऊ उन्ख जो ओको संग गलील सी यरूशलेम आयो होतो, बहुत दिनो तक दिखायी देत रह्यो; लोगों
को आगु अब हिच ओको गवाह हंय। 32 हम तुम्ख ऊ प्रतिज्ञा को बारे म जो पूर्वजों सी करी होती,
यो सुसमाचार सुनाजे हंय, 33 कि परमेश्वर न यीशु ख जीन्दो कर क्, उच प्रतिज्ञा हमरी सन्तान
लायी पूरी करी; जसो दूसरों भजन म भी लिख्यो हय,
तय मोरो बेटा आय;
अज मय नच तोख पैदा करयो हय।
34 अऊर ओन ओख मरयो म सी जीन्दो करयो कि ऊ कभी नहीं सड़े, ओन असो कह्यो,
मय दाऊद की पवित्र अऊर अटल विश्वास
तुम पर करू।
35 येकोलायी ओन एक अऊर भजन म भी कह्यो हय,
तय अपनो पवित्र लोग ख सड़न नहीं देजो।
36 कहालीकि दाऊद त परमेश्वर की इच्छा को अनुसार अपनो समय म सेवा कर क् मर गयो, अऊर
अपनो पूर्वजों म जाय मिल्यो, अऊर सड़ भी गयो। 37 पर जेक परमेश्वर न जीन्दो करयो, ऊ सड़नो
नहीं पायो। 38 हे भाऊ, तुम अच्छो सी जान लेवो कि जो समाचार तुम्ख सुनायो जाय रह्यो हय,

✡ **13:24** १३:२४ मरकुस १:४; लूका ३:३ ✡ **13:25** १३:२५ यूहन्ना १:२०; मत्ती ३:११; मरकुस १:७; लूका ३:१६; यूहन्ना १:२७
✡ **13:28** १३:२८ मत्ती २७:२२,२३; मरकुस १५:१३,१४; लूका २३:२१-२३; यूहन्ना १९:१५ ✡ **13:29** १३:२९ मत्ती २७:५७-६१;
मरकुस १५:४२-४७; लूका २३:५०-५६; यूहन्ना १९:३८-४२ ✡ **13:31** १३:३१ प्रेरितों १:३

यो ऊ आय कि यीशु को द्वारा पापों की माफी मिलय हय। मूसा की व्यवस्था जो बातों सी तुम्ख
छुटकारा नहीं दे सकी; 39 अऊर जो बातों म तुम मूसा की व्यवस्था सी निर्दोष नहीं ठहर सकत
होतो, उन सब म हर एक विश्वास करन वालो ओको सी निर्दोष ठहरय हय। 40 "येकोलायी चौकस
रह, असो नहीं होय कि जो भविष्यवक्तावों की किताब म आयो हय तुम पर भी आय पड़े:
41 'हे निन्दा करन वालो, देखो, अऊर चकित हो, अऊर मिट जावो;
कहालीकि मय तुम्हरो दिनो म एक काम करू हय,
असो काम कि यदि कोयी तुम सी ओकी चर्चा करय,
त तुम कभी विश्वास नहीं करो।' "
42 उन्को बाहेर निकलतो समय लोग उन्को सी बिनती करन लग्यो कि आवन वालो आराम को
दिन हम्ख या बाते फिर सुनायी जाये। 43 जब सभा उठ गयी त यहूदियों अऊर यहूदी को राय म
आयो हुयो भक्तो म सी बहुत सो पौलुस अऊर बरनबास को पीछू भय गयो; अऊर उन्न उन्को सी
बाते कर क् समझायो कि परमेश्वर को अनुग्रह म बन्यो रहो।
44 आवन वालो आराम को दिन नगर को लगभग सब लोग परमेश्वर को वचन सुनन ख जमा
भय गयो। 45 पर यहूदी भीड़ ख देख क जलन सी भर गयो, अऊर निन्दा करतो हुयो पौलुस की
बातों को विरोध म बोलन लग्यो। 46 तब पौलुस अऊर बरनबास न निडर होय क कह्यो, "जरूरी
होतो कि परमेश्वर को वचन पहिले तुम्ख सुनायो जातो; पर जब तुम ओख दूर हटावय हय, अऊर
अपनो ख अनन्त जीवन को लायक नहीं ठहरावय, त देखो, हम गैरयहूदियों को तरफ फिरय हंय।"
47 कहालीकि प्रभु न हम्ख या आज्ञा दी हय,
मय न तोख गैरयहूदियों लायी ज्योति ठहरायो हय,
ताकि तय धरती की छोर तक उद्धार को द्वार हो।
48 यो सुन क गैरयहूदियों खुश भयो, अऊर परमेश्वर को वचन की बड़ायी करन लग्यो; अऊर
जितनो अनन्त जीवन लायी ठहरायो गयो होतो उन्न विश्वास करयो।
49 तब प्रभु को वचन ऊ पूरो देश म फैलन लग्यो। 50 पर यहूदियों न भक्त अऊर प्रसिद्ध बाईयों
ख अऊर नगर को मुख्य लोगों ख उकसायो, अऊर पौलुस अऊर बरनबास को विरुद्ध उपद्रव कराय
क उन्ख अपनी सीमा सी निकाल दियो। 51 ✡तब हि उन्को आगु अपनो पाय की धूरला झाड़ क
इकुनियुम ख चली गयो। 52 अऊर चेला खुशी सी अऊर पवित्र आत्मा सी परिपूर्ण होत गयो।

14

[illegible]

1 इकुनियुम म असो भयो कि हि यहूदियों को आराधनालय म संग संग गयो, अऊर यो तरह बाते
करी कि यहूदियों अऊर गैरयहूदियों दोयी म सी बहुत सो न विश्वास करयो। 2 पर विश्वास नहीं
करन वालो यहूदियों न गैरयहूदियों को मन भाऊ को विरोध म उकसायी अऊर कड़वाहट पैदा कर
दी। 3 हि बहुत दिन तक उत रह्यो, अऊर प्रभु को भरोसा पर हिम्मत सी बाते करत होतो; अऊर
ऊ उन्को हाथों सी चिन्ह अऊर चमत्कार को काम करवाय क अपनो अनुग्रह को वचन पर गवाही
देत होतो। 4 पर नगर को लोगों म फूट पड़ गयी होती, येको सी कितनो त यहूदियों को तरफ अऊर
कितनो प्रेरितों को तरफ भय गयो।
5 पर जब गैरयहूदियों अऊर यहूदी उन्को अपमान अऊर उन पर पथराव करन लायी अपनो
मुखिया समेत उन पर दौड़यो, 6 त हि या बात ख जान गयो, अऊर लुकाउनिया को लुस्रा अऊर
दिरबे नगरो म, अऊर आस पास को प्रदेशों म भाग गयो 7 अऊर उत सुसमाचार सुनावन लग्यो।

[illegible]

✡ **13:51** १३:५१ मत्ती १०:१४; मरकुस ६:११; लूका ९:५; १०:११

[8] लुस्रा म एक आदमी बैठ्यो होतो, जो पाय सी कमजोर होतो। ऊ जनम सीच लंगड़ा होतो
अऊर कभी नहीं चल्यो होतो। [9] ऊ पौलुस ख बाते करत सुन रह्यो होतो। पौलुस न ओको तरफ
टकटकी लगाय क देख्यो कि ओख अच्छो होय जान को विश्वास हय, [10] अऊर ऊचो आवाज सी
कह्यो, "अपनो पाय को बल सीधो खड़ो हो।" तब ऊ उछल क चलन फिरन लग्यो। [11] लोगों न
पौलुस को यो काम देख क लुकाउनिया की भाषा म ऊचो आवाज सी कह्यो, "भगवान आदमियों
को रूप म होय क हमरो जवर उतर आयो हंय।" [12] उन्न बरनबास ख ज्यूस देवता, अऊर पौलुस ख
हिरमेस देवता कह्यो कहालीकि ऊ बाते करन म मुख्य होतो। [13] ज्यूस को ऊ मन्दिर को पुजारी जो
उन्को नगर को आगु होतो, बईल अऊर फूलो की माला द्वारों पर लाय क लोगों को संग बलिदान
करनो चाहत होतो।

[14] पर बरनबास अऊर पौलुस प्रेरितों न जब यो सुन्यो, त अपनो कपड़ा फाड़यो अऊर भीड़ को
बीच भगतो हुयो, अऊर बुलाय क कहन लग्यो, [15] "हे लोगों, तुम का करय हय? हम भी त तुम्हरो
जसो दु:ख–सुख भोग्यो आदमी आय, अऊर तुम्ख सुसमाचार सुनाजे हंय कि तुम इन बेकार चिजों
सी अलग होय क जीन्दो परमेश्वर को तरफ फिरो, जेन स्वर्ग अऊर धरती अऊर समुन्दर अऊर
जो कुछ उन्म हय बनायो। [16] ओन बितयो समय म सब जातियों ख अपनो–अपनो रस्ता म चलन
दियो। [17] तब भी ओन अपनो आप ख गवाह रहित नहीं छोड़यो; पर भी ऊ भलायी करत रह्यो,
अऊर आसमान सी बरसात अऊर फलवन्त मौसम दे क तुम्हरो मन ख जेवन अऊर खुशी सी भरत
रह्यो।" [18] यो कह्य क भी उन्न लोगों ख बड़ी कठिनायी सी रोक्यो कि उन्को लायी बलिदान नहीं
करे।

[19] पर कुछ यहूदियों न अन्ताकिया अऊर इकुनियुम सी आय क लोगों ख अपनो तरफ कर लियो,
अऊर पौलुस पर पथराव करयो, अऊर मरयो समझ क ओख नगर को बाहेर खीचत ले गयो, [20] पर
जब चेला ओको चारयी तरफ आय खड़ो भयो, त ऊ उठ क नगर म गयो अऊर दूसरों दिन बरनबास
को संग दिरबे ख चली गयो।

??????? ?? ??????????? ? ??????

[21] हि ऊ नगर को लोगों ख सुसमाचार सुनाय क, अऊर बहुत सो चेला बनाय क, लुस्रा अऊर
इकुनियुम अऊर अन्ताकिया ख लौट आयो, [22] अऊर चेलां को मन ख स्थिर करतो रह्यो अऊर या
शिक्षा देत होतो कि विश्वास म बन्यो रहो; अऊर यो कहत होतो, "हम्ख बड़ी कठिनायी उठाय क
परमेश्वर को राज्य म सिरनो पड़ेंन।" [23] अऊर उन्न हर एक मण्डली म उन्को लायी बुजूर्ग ठहरायो,
अऊर उपवास को संग प्रार्थना कर क् उन्ख प्रभु को हाथ सौंप्यो जेको पर उन्न विश्वास करयो
होतो।

[24] तब पिसिदिया सी होतो हुयो हि पंफूलिया पहुंच्यो; [25] तब पिरगा म वचन सुनाय क इटली म
आयो, [26] अऊर उत सी हि जहाज पर अन्ताकिया गयो, जित हि ऊ काम लायी जो उन्न पूरो करयो
होतो परमेश्वर को अनुग्रह म सौंप्यो गयो होतो।

[27] उत पहुंच क उन्न मण्डली जमा करी अऊर बतायो कि परमेश्वर न उन्को संग रह्य क कसो
बड़ो–बड़ो काम करयो, अऊर गैरयहूदियों लायी विश्वास को द्वार खोल दियो। [28] अऊर हि चेलां
को संग बहुत दिन तक रह्यो।

15

???????? ?? ???

[1] तब कुछ लोग यहूदियों सी आय क भाऊ ख सिखावन लग्यो: "यदि मूसा की रीति पर तुम्हरो
खतना नहीं होय त तुम उद्धार नहीं पा सकय।" [2] जब पौलुस अऊर बरनबास को उन्को सी बहुत
झगड़ा अऊर वाद–विवाद भयो त यो ठहरायो गयो कि पौलुस अऊर बरनबास अऊर उन्म सी कुछ
लोग या बात को बारे म प्रेरितों अऊर बुजूर्गों को जवर यरूशलेम ख जाये।

3 येकोलायी मण्डली न उन्ख कुछ दूर तक पहुंचायो; अऊर हि फीनीके अऊर सामरियां सी होतो
हुयो गैरयहूदियों ख मन फिरान को सुसमाचार सुनावतो गयो, अऊर सब भाऊ बहुत खुश भयो।
4 जब हि यरूशलेम पहुंच्यो, त मण्डली अऊर प्रेरित अऊर बुजूर्ग उन्को सी खुशी को संग मिल्यो,
अऊर उन्न बतायो कि परमेश्वर न उन्को संग होय क कसो–कसो काम करयो होतो। 5 पर फरीसियों
को पंथ म सी जिन्न विश्वास करयो होतो, उन्म सी कुछ न उठ क कह्यो, "उन्ख खतना करावन
अऊर मूसा की व्यवस्था ख मानन की आज्ञा देन ख होना।"
6 तब प्रेरित अऊर बुजूर्ग या बात को बारे म बिचार करन लायी जमा भयो। 7 ✡तब पतरस न
बहुत वाद-विवाद होय जान को बाद खड़ो होय क उन्को सी कह्यो, "हे भाऊ, तुम जानय हय कि
बहुत दिन भयो परमेश्वर न तुम म सी मोख चुन लियो कि मोरो मुंह सी गैरयहूदियों सुसमाचार
को वचन सुन क विश्वास करे। 8 ✡मन को जांचन वालो परमेश्वर न उन्ख भी हमरो समान पवित्र
आत्मा दे क उन्की गवाही दी; 9 अऊर विश्वास सी उन्को मन शुद्ध कर क् हम म अऊर उन म कुछ
भेद नहीं रख्यो। 10 त अब तुम कहाली परमेश्वर की परीक्षा करय हय कि चेलां की गरदन पर असो
बोझ रख्यो, जेक नहीं हमरो बापदादा उठाय सकत होतो अऊर नहीं हम उठाय सकय हंय? 11 हव,
हमरो यो विश्वास हय कि जो रीति सी हि प्रभु यीशु को अनुग्रह सी उद्धार पायेंन; वाच रीति सी
हम भी पाबो।"
12 तब पूरी सभा चुपचाप बरनबास अऊर पौलुस की सुनन लग्यो, कि परमेश्वर न उन्को सी
गैरयहूदियों म कसो बड़ो–बड़ो चिन्ह चमत्कार, अऊर अचरज काम दिखायो। 13 जब हि चुप भयो
त याकूब कहन लग्यो, "हे भाऊ, मोरी सुनो। 14 शिमोन न बतायो कि परमेश्वर न पहिलो सी
गैरयहूदियों पर कसी दयादृष्टि करी कि उन्म सी अपनो नाम लायी एक लोग बनाय ले। 15 येको सी
भविष्यवक्तावों की बाते भी मिलय हंय, जसो कि लिख्यो हय,"
16 येको बाद मय फिर आय क दाऊद को
गिरयो हुयो डेरा उठाऊ,
अऊर ओको खंडहरो ख फिर बनाऊ,
अऊर ओख खड़ो करू,
17 येकोलायी कि बाकी आदमी, मतलब सब
गैरयहूदियों जो मोरो नाम को कहलावय हंय, प्रभु ख ढूंढो,
18 यो उच प्रभु कह्य हय जो जगत की उत्पत्ति सी इन बातों को खबर देत आयो हय।
19 "येकोलायी मोरो बिचार यो हय कि गैरयहूदियों म सी जो लोग परमेश्वर को तरफ फिरय हंय,
हम उन्ख दु:ख नहीं देबो; 20 पर उन्ख लिख भेज्यो कि हि मूर्तियों की अशुद्धतावों अऊर व्यभिचार
अऊर गलो घोटचो हुयो को मांस सी अऊर खून सी दूर रह्यो। 21 कहालीकि पूरानो समय सी नगर
नगर मूसा की व्यवस्था को प्रचार करन वालो होत चल्यो आयो हंय, अऊर वा हर आराम को दिन
म आराधनालय म पढ़ी जावय हय।"

?????????? ?????????????? ? ?????

22 तब पूरी मण्डली सहित प्रेरितों अऊर बुजूर्गों ख अच्छो लग्यो कि अपनो म सी कुछ
आदमियों ख चुन्यो, मतलब यहूदा जो बरसब्बा कहलावय हय, अऊर सीलास ख जो भाऊ म
मुखिया होतो; अऊर उन्ख पौलुस अऊर बरनबास को संग अन्ताकिया भेज्यो।
23 उन्न उन्को हाथ यो लिख भेज्यो: "अन्ताकिया अऊर सीरिया अऊर किलिकिया को रहन
वालो भाऊ ख जो गैरयहूदियों म सी हंय, प्रेरितों अऊर बुजूर्ग भाऊ को नमस्कार। 24 हम्न
सुन्यो हय कि हम म सी कुछ न उत जाय क, तुम्ख अपनी बातों सी घबराय दियो; अऊर तुम्हरो
मन उलट दियो हंय पर हम न उन्ख आज्ञा नहीं दी होती। 25 येकोलायी हम न एक मन होय क
ठीक समझ्यो कि चुन्यो हुयो आदमियों ख अपनो प्रिय बरनबास अऊर पौलुस को संग तुम्हरो

✡ **15:7** १५:७ प्रेरितों १०:१-४३ ✡ **15:8** १५:८ प्रेरितों १०:४४; २:४

जवर भेज्यो। 26 यो असो आदमी हंय जिन्न अपनो जीव हमरो प्रभु यीशु मसीह को नाम लायी
खतरा म डाल्यो हंय 27 येकोलायी हम न यहूदा अऊर सीलास ख भेज्यो हय, जो अपनो मुंह
सी भी या बाते कह्य देयेंन। 28 पवित्र आत्मा ख अऊर हम ख ठीक जान पड़यो कि इन जरूरी
बातों ख छोड़, तुम पर अऊर बोझ नहीं डाले 29 कि तुम मूर्तियों पर बलि करयो हुयो सी अऊर
खून सी; अऊर गलो घोटचो हुयो को मांस सी; अऊर व्यभिचार सी दूर रहो। इन सी दूर रहो त
तुम्हरो भलो होयेंन। आगु शुभ।"
30 तब हि बिदा होय क अन्ताकिया पहुंच्यो, अऊर सभा ख जमा कर क् वा चिट्ठी उन्ख दे दियो।
31 हि चिट्ठी पढ़ क ऊ उपदेश की बात सी प्रोत्साहित होय क बहुत खुश भयो। 32 यहूदा अऊर
सीलास न जो आप भी भविष्यवक्ता होतो, बहुत बातों सी भाऊ ख उपदेश दे क उत्साहित अऊर
स्थिर करयो। 33 हि कुछ दिन रह्य क, भाऊ सी शान्ति को संग बिदा हुयो कि अपनो भेजन वालो
को जवर जाये। 34 पर सीलास ख उत रहनो अच्छो लग्यो।
35 पर पौलुस अऊर बरनबास अन्ताकिया म रह्य गयो: अऊर दूसरों बहुत सो लोगों को संग
प्रभु को वचन को उपदेश करतो अऊर सुसमाचार सुनावतो रह्यो।

[illegible]

36 कुछ दिन बाद पौलुस न बरनबास सी कह्यो, "जो जो नगरो म हम न प्रभु को वचन सुनायो
होतो, आवो, तब उन्म चल क अपनो भाऊ ख देखबो कि हि कसो हंय।" 37 तब बरनबास न यूहन्ना
ख जो मरकुस कहलावय हय, संग लेन को बिचार करयो। 38 ✡पर पौलुस न ओख जो पंफूलिया म
उन्को सी अलग होय गयो होतो, अऊर काम पर उन्को संग नहीं गयो, संग ले जानो अच्छो नहीं
समझ्यो। 39 येकोलायी असो विवाद उठचो कि हि एक दूसरों सी अलग होय गयो; अऊर बरनबास,
मरकुस ख ले क जहाज पर साइप्रस चली गयो। 40 पर पौलुस न सीलास ख चुन लियो, अऊर
भाऊ सी परमेश्वर को अनुग्रह म सौंप्यो जाय क उत सी चली गयो; 41 अऊर वा मण्डली ख स्थिर
करतो हुयो सीरिया अऊर किलिकिया सी होतो हुयो निकल्यो।

16

[illegible]

1 तब ऊ दिरबे अऊर लुस्रा म भी गयो। उत तीमुथियुस नाम को एक चेला होतो, जो कोयी
विश्वासी यहूदिनी को बेटा होतो, पर ओको बाप यूनानी होतो। 2 ऊ लुस्रा अऊर इकुनियुम को
भाऊ म अच्छो होतो। 3 पौलुस की इच्छा होती कि ऊ ओको संग चले; अऊर जो यहूदी लोग उन
जागा म होतो उन्को वजह ओन ओको खतना करयो, कहालीकि हि सब जानत होतो, कि ओको बाप
गैरयहूदी होतो। 4 अऊर नगर नगर जातो हुयो हि उन विधियों ख जो यरूशलेम को प्रेरितों अऊर
बुजूर्गों न ठहरायी होती, मानन लायी उन्ख पहुंचावत जात होतो। 5 यो तरह मण्डली विश्वास म
मजबूत होत गयी अऊर संख्या म हर दिन बढ़ती गयी।

[illegible]

6 हि फ्रूगिया अऊर गलातिया प्रदेशों म सी होय क गयो, कहालीकि पवित्र आत्मा न उन्ख
आसिया म वचन सुनावन सी मना करयो। 7 उन्न मूसिया को जवर पहुंच क, बितूनिया म जानो
चाह्यो; पर यीशु की आत्मा न उन्ख जान नहीं दियो। 8 येकोलायी हि मूसिया सी होय क त्रोआस
म आयो। 9 उत पौलुस न रात ख एक दर्शन देख्यो कि एक मकिदुनिया को पुरुष खड़ो भयो ओको सी
बिनती कर क् कह्य रह्यो हय, "पार उतर क मकिदुनिया म आव, अऊर हमरी मदत कर।" 10 ओको
यो दर्शन देखतच हम न तुरतच मकिदुनिया जानो चाह्यो, यो समझ क कि परमेश्वर न हम्ख उन्ख
सुसमाचार सुनावन लायी बुलायो हय।

[illegible]

✡ **15:38** १५:३८ प्रेरितों १३:१३

11 येकोलायी त्रोआस सी जहाज खोल क हम सीधो सुमात्राके अऊर दूसरों दिन नियापुलिस
म आयो। 12 उत सी हम फिलिप्पी पहुंच्यो, जो मकिदुनिया राज्य को मुख्य नगर अऊर रोमियों की
बस्ती आय; अऊर हम ऊ नगर म कुछ दिन तक रह्यो। 13 आराम को दिन हम नगर की द्वार को
बाहेर नदी को किनार यो समझ क गयो कि उत प्रार्थना करन की जागा होना, अऊर बैठ क उन
बाईयों सी जो जमा भयी होती, बाते करन लग्यो। 14 लुदिया नाम की थुआतीरा नगर की जामुनी
कपड़ा बेचन वाली एक भक्त बाई सुन रही होती। प्रभु न ओको मन खोल्यो कि वा पौलुस की
बातों पर मन लगायो। 15 जब ओन अपनो घरानों समेत बपतिस्मा लियो, त ओन हम सी बिनती
करी, "यदि तुम मोख प्रभु की विश्वासिनी समझय हय, त चल क मोरो घर म रहो," अऊर वा हम्ख
मनाय क ले गयी।

[illegible]

16 जब हम प्रार्थना करन की जागा जाय रह्यो होतो, त हम्ख एक दासी मिली जेको म भविष्य
बतावन वाली दुष्ट आत्मा सी ग्रसित होती; अऊर लोगों को भविष्य बताय क अपनो मालिक
लायी बहुत कुछ कमाय लेत होती। 17 वा पौलुस को अऊर हमरो पीछू आय क चिल्लावन लगी,
"यो आदमी परमप्रधान परमेश्वर को सेवक आय, जो हम्ख उद्धार को रस्ता की कथा सुनावय हंय।"
18 ऊ बहुत दिन तक असोच करत रही; पर पौलुस दु:खी भयो, अऊर मुड़ क वा आत्मा सी कह्यो,
"मय तोख यीशु मसीह को नाम सी आज्ञा देऊ हय कि ओको म सी निकल जा।" अऊर आत्मा उच
समय निकल गयी।

19 जब ओको मालिकों न देख्यो कि हमरी कमायी की आशा जाती रही, त पौलुस अऊर सीलास
ख पकड़ क् चौक म मुखिया को जवर खीच ले गयो; 20 अऊर उन्ख फौजदारी को शासकों को जवर ले
गयो अऊर कह्यो, "हि लोग जो यहूदी हंय, हमरो नगर म बड़ी हलचल मचाय रह्यो हंय; 21 अऊर
असो नियम बताय रह्यो हंय, जिन्ख स्वीकार करनो यां माननो हम रोमियों लायी ठीक नहाय।"

22 तब भीड़ को लोग उन्को विरोध म जमा होय क चढ़ आयो, अऊर शासकों न उन्को कपड़ा
फाड़ क उतार डाल्यो, अऊर उन्ख कोड़ा मारन की आज्ञा दी। 23 बहुत कोड़ा लगवाय क उन्न उन्ख
जेलखाना म डाल दियो अऊर दरोगा ख आज्ञा दियो कि उन्ख चौकस सी रखे। 24 ओन असी आज्ञा
पा क उन्ख अन्दर की कोठरी म रख्यो अऊर उन्को पाय लकड़ी म ठोक दियो।

25 अरधी रात को लगभग पौलुस अऊर सीलास प्रार्थना करतो हुयो परमेश्वर को भजन गाय
रह्यो होतो, अऊर कैदी उन्की सुन रह्यो होतो। 26 इतनो म अचानक बड़ो भूईडोल आयो, यहां तक
कि जेलखाना को पायवा हल गयो, अऊर तुरतच सब दरवाजा खुल गयो; अऊर सब को बन्धन खुल
गयो। 27 दरोगा जाग उठ्यो, अऊर जेलखाना को दरवाजा खुल्यो देख क समझ गयो कि कैदी भग
गयो हंय, येकोलायी ओन तलवार निकाल क अपनो आप ख मार डालनो चाहयो। 28 पर पौलुस न
ऊचो आवाज सी पुकार क कह्यो, "अपनो आप ख कुछ हानि मत पहुंचाव, कहालीकि हम सब इतच
हंय।"

29 तब ऊ दीया मंगाय क अन्दर लपक्यो, अऊर कापतो हुयो पौलुस अऊर सीलास को आगु
गिरयो; 30 अऊर उन्ख बाहेर लाय क कह्यो, "हे सज्जनो, उद्धार पान लायी मय का करू?"

31 उन्न कह्यो, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, त तय अऊर तोरो घराना उद्धार पायेंन।"
32 अऊर उन्न ओख अऊर ओको पूरो घर को लोगों ख प्रभु को वचन सुनायो। 33 रात ख उच समय
ओन उन्ख ली जाय क उन्को घाव धोयो, अऊर ओन अपनो सब लोगों को संग तुरतच बपतिस्मा
लियो। 34 तब ओन उन्ख अपनो घर म ली जाय क उन्को आगु भोजन रख्यो, अऊर पूरो घरानों को
संग परमेश्वर पर विश्वास कर क् खुश करयो।

35 जब दिन भयो तब शासकों न सिपाहियों को हाथ कहला भेज्यो कि उन आदमियों ख छोड़ दे।

36 दरोगा न या बाते पौलुस सी कह्यो, "शासकों न तुम्ख छोड़ देन की आज्ञा भेज दियो हय।
येकोलायी अब निकल क शान्ति सी चली जावो।"

37 पर पौलुस न उन्को सी कह्यो, “उन्न हम्ख जो रोमी आदमी हंय, दोषी ठहरायो बिना लोगों
को आगु मारयो अऊर जेलखाना म डाल्यो। अब का हम्ख चुपचाप सी निकाल रह्यो हंय? असो
नहीं; पर हि खुद आय क हम्ख बाहेर निकाले।”
38 सिपाहियों न या बाते शासकों सी कह्यो, अऊर हि यो सुन क कि रोमी हंय, डर गयो, 39 अऊर
आय क उन्ख मनायो, अऊर बाहेर ली जाय क बिनती करी कि नगर सी चली जाये। 40 हि जेलखाना
सी निकल क लुदिया को इत गयो, अऊर भाऊ सी मुलाखात कर क् उन्ख प्रोत्साहन कर ख, उत
सी चली गयो।

17

1 तब हि अम्फिपुलिस अऊर अपुल्लोनिया होय क थिस्सलुनीके म आयो, जित यहूदियों को एक
आराधनालय होतो। 2 पौलुस अपनो रीति को अनुसार उन्को जवर गयो, अऊर तीन आराम को
दिन तक पवित्र शास्त्रों सी उन्को संग वाद विवाद करयो; 3 अऊर उन्को मतलब सरल कर क्
समझावत होतो कि मसीह ख दुःख उठावनो, अऊर मरयो हुयो म सी जीन्दो होनो, जरूरी होतो;
अऊर “योच यीशु जेकी मय तुम्ख कथा सुनाऊ हय, मसीह आय।” 4 उन्म सी कितनो न, अऊर
भक्त गैरयहूदियों म सी बहुत सो न, अऊर बहुत सी प्रसिद्ध बाईयों न मान लियो, अऊर पौलुस
अऊर सीलास को संग मिल गयो।
5 पर यहूदियों न जलन सी भर क बजार सी कुछ बुरो आदमियों ख अपनो संग म लियो, अऊर
भीड़ जमा कर क् नगर म हल्ला मचान लग्यो, अऊर यासोन को घर पर चढ़ायी कर क् उन्ख लोगों
को आगु लावनो चाह्यो। 6 पर जब उन्न उत उन्ख नहीं पायो त हि यासोन अऊर कुछ भाऊ ख नगर
को शासक को जवर खींच लायो अऊर चिल्लाय क कहन लग्यो, “यो लोग जिन्न जगत ख उलटो
पुलटो कर दियो हय, इत भी आय गयो हंय। 7 यासोन न उन्ख अपनो इत उतारयो हय। यो सब को
सब यो कह्य हंय कि यीशु राजा आय, अऊर कैसर राजा की आज्ञा को विरोध करय हंय।” 8 उन्न
लोगों ख अऊर नगर को शासकों ख यो सुनाय क घबराय दियो। 9 येकोलायी उन्न यासोन अऊर
बाकी लोगों सी जमानत ले क उन्ख छोड़ दियो।

10 भाऊ न तुरतच रातच रात पौलुस अऊर सीलास ख बिरीया भेज दियो; अऊर हि उत पहुंच क
यहूदियों को आराधनालय म गयो। 11 यो लोग त थिस्सलुनीके को यहूदियों सी ठीक होतो, अऊर
उन्न बड़ी लालसा सी वचन स्वीकार करयो, अऊर हर दिन पवित्र शास्त्रों म जांच करयो कि या
बाते योच आय कि नहाय। 12 येकोलायी उन्म सी बहुत सो न, अऊर गैरयहूदी बाईयों म सी अऊर
पुरुषों म सी भी बहुतों न विश्वास करयो। 13 जब थिस्सलुनीके को यहूदी जान गयो कि पौलुस
बिरीया म भी परमेश्वर को वचन सुनावय हय, त उत भी आय क लोगों ख उकसावनो अऊर हल्ला
मचान लग्यो। 14 तब भाऊ न तुरतच पौलुस ख बिदा करयो कि समुन्दर को किनार चली जाये; पर
सीलास अऊर तीमुथियुस उतच रह्य गयो। 15 पौलुस ख पहुंचान वालो ओख एथेंस तक ले गयो;
अऊर सीलास अऊर तीमुथियुस लायी या आज्ञा पा क बिदा भयो कि हि ओको जवर जल्दी सी
जल्दी आये।

16 जब पौलुस एथेंस म ओकी रस्ता देख रह्यो होतो, त नगर ख मूर्ति सी भरयो हुयो देख क ऊ
अपनी आत्मा म जर गयो। 17 येकोलायी ऊ आराधनालय म यहूदियों अऊर भक्तो सी, अऊर चौक
म जो लोग ओको सी मिलत होतो उन्को सी हर दिन वाद-विवाद करत होतो।
18 तब इपिकूरी अऊर स्तोईकी देखन वालो म सी कुछ ओको सी तर्क-वितर्क करन लग्यो, अऊर
कुछ न कह्यो, “यो बकवास करन वालो का कहनो चाहवय हय?” पर दूसरों न कह्यो, “ऊ दूसरों
देवता को प्रचारक मालूम पड़य हय” कहालीकि ऊ यीशु को अऊर जीन्दो होन को सुसमाचार

सुनावत होतो। 19 तब हि ओख अपनो संग अरियुपगुस पर ले गयो अऊर पुच्छ्यो, “का हम जान
सकजे हंय कि या नयी राय जो तय सुनावय हय, का आय? 20 कहालीकि तय नयी अनोखी बाते
हम्ख सुनावय हय, येकोलायी हम जाननो चाहजे हय कि इन्को मतलब का हय।” 21 येकोलायी कि
सब एथेंस को रहन वालो अऊर परदेशी जो उत रहत होतो, नयी-नयी बाते कहन अऊर सुनन को
अलावा अऊर कोयी काम म समय नहीं बितात होतो।

22 तब पौलुस न अरियुपगुस को बीच म खड़ो होय क कह्यो, “हे एथेंस को लोगों, मय देखू हय कि
तुम हर बात म देवता को बड़ो मानन वालो हय। 23 कहालीकि मय फिरतो हुयो जब तुम्हरी पूजा की
चिजे ख देख रह्यो होतो, त एक असी पूजा अर्पन की वेदी भी पायो, जेक पर लिख्यो होतो, ‘अनजाने
ईश्वर लायी।’ येकोलायी जेक तुम बिना जाने पूजा अर्पन करय हय, मय तुम्ख ओको सुसमाचार
सुनाऊ हय।” 24 ✡जो परमेश्वर न जगत अऊर ओकी सब चिजों ख बनायो, ऊ स्वर्ग अऊर धरती
को मालिक होय क, हाथ को बनायो हुयो मन्दिरों म नहीं रह्य; 25 नहीं कोयी चिज की जरूरत लायी
आदमियों को हाथों की सेवा लेवय हय, कहालीकि ऊ खुदच सब ख जीवन अऊर श्वास अऊर सब
कुछ देवय हय। 26 ओन एकच आदमी सी आदमियों की सब जातियां पूरो धरती पर रहन लायी
बनायी हंय; अऊर उन्को ठहरायो हुयो समय अऊर निवास की सीमावों ख येकोलायी बान्ध्यो हय,
27 कि उन परमेश्वर ख ढूंढे, हो सके कि ओख टटोल क पा ले, तब भी ऊ हम म सी कोयी सी दूर
नहाय। 28 कहालीकि
हम ओको म जीन्दो रहजे हय, अऊर चलतो फिरतो, अऊर स्थिर रहजे हंय।
जसो तुम्हरो कितनो कवियो न भी कह्यो हय,
हम त ओकोच वंशज आय।
29 येकोलायी परमेश्वर को वंश होय क हम्ख यो समझनो ठीक नहाय कि परमेश्वर सोनो यां चांदी यां
गोटा को जसो हय, जो आदमी की कारीगरी अऊर कल्पना सी तरास्यो गयो हय। 30 “येकोलायी
परमेश्वर न अज्ञानता को समयो पर ध्यान नहीं दियो, पर अब हर जागा सब आदमियों ख मन
फिरावन की आज्ञा देवय हय। 31 कहालीकि ओन एक दिन ठहरायो हय, जेको म एक आदमी सी
जेक ओन चुन्यो हय ऊ सच्चायी सी जगत को न्याय करेंन; अऊर ओन मरयो हुयो म सी ओख
जीन्दो कर क् या बात ख सब आदमी पर प्रमाणित कर दियो हय।”

32 मरयो हुयो को जीन्दो होन की बात सुन क कुछ त मजाक उड़ावन लग्यो, अऊर कुछ न कह्यो,
“या बात हम तोरो सी फिर कभी सुनबो।” 33 येकोलायी पौलुस उन्को बीच म सी निकल गयो।
34 पर कुछ आदमी उन्को संग मिल गयो, अऊर विश्वास करयो; जिन्म दियुनुसिस जो अरियुपगुस
को सदस्य होतो, अऊर दमरिस नाम की एक बाई होती, अऊर उन्को संग अऊर भी लोग होतो।

18

[illegible]

1 येको बाद पौलुस एथेंस ख छोड़ क कुरिन्थुस नगर म आयो। 2 उत ओख अक्विला नाम को
एक यहूदी मिल्यो, जेको जनम पुन्तुस म भयो होतो। ऊ अपनी पत्नी प्रिस्किल्ला को संग इटली
सी आयो होतो, कहालीकि क्लौदियुस न सब यहूदियों ख रोम सी निकल जान की आज्ञा दी होती।
येकोलायी ऊ उन्को इत गयो। 3 ओको अऊर उन्को एकच काम होतो, येकोलायी ऊ उन्को संग रह्यो
अऊर हि काम करन लग्यो; अऊर उन्को काम तम्बू बनान को होतो। 4 ऊ हर एक आराम को दिन
आराधनालय म वाद-विवाद कर क् यहूदियों अऊर गैरयहूदियों ख भी समझावत होतो।

5 जब सीलास अऊर तीमुथियुस मकिदुनिया सी आयो, त पौलुस वचन सुनावन की धुन म
यहूदियों ख गवाही देन लग्यो कि यीशुच मसीह आय। 6 पर जब हि विरोध अऊर निन्दा करन
लग्यो, त ओन अपनो कपड़ा झाड़ क उन्को सी कह्यो, “तुम्हरो खून तुम्हरीच मान पर रहे! मय

✡ **17:24** १७:२४ प्रेरितों ७:४८

निर्दोष हय। अब सी मय गैरयहूदियों को जवर जाऊं।" 7 उत सी चल क ऊ तीतुस यूस्तुस नाम
को परमेश्वर को एक भक्त को घर म आयो; जेको घर आराधनालय सी लग्यो हुयो होतो। 8 तब
आराधनालय को मुखिया क्रिसपुस न अपनो पूरो घरानों को संग प्रभु पर विश्वास करयो; अऊर
बहुत सी कुरिन्थवासी सुन क विश्वास लायो अऊर बपतिस्मा लियो।

9 प्रभु न एक रात दर्शन म पौलुस सी कह्यो, "मत डर, बल्की कहत जा अऊर चुप मत रह्य;
10 कहालीकि मय तोरो संग हय, अऊर कोयी तोरो पर चढ़ायी कर क् तोरी हानि नहीं करेंन;
कहालीकि यो नगर म मोरो बहुत सी लोग हंय।" 11 येकोलायी ऊ उन्म परमेश्वर को वचन सिखातो
हुयो डेढ़ साल तक रह्यो।

12 जब गल्लियो अखया देश को शासक होतो, त यहूदी लोग एकता कर क् पौलुस पर चढ़ आयो,
अऊर ओख न्याय आसन को आगु लाय क कहन लग्यो, 13 "यो लोगों ख समझावय हय कि परमेश्वर
की भक्ति असी रीति सी करे, जो व्यवस्था को विरुद्ध हय।"

14 जब पौलुस बोलन परच होतो, त गल्लियो न यहूदियों सी कह्यो, "हे यहूदियों, यदि यो कुछ
अन्याय या अपराध की बात होती, त ठीक होतो कि मय तुम्हरी सुनतो। 15 पर यदि यो वाद-विवाद
शब्दों, अऊर नामो, अऊर तुम्हरो इत की व्यवस्था को बारे म आय, त तुमच जानो; कहालीकि मय
इन बातों को सच्चो नहीं बननो चाहऊं।" 16 अऊर ओन उन्ख न्याय आसन को आगु सी निकाल
दियो। 17 तब सब लोगों न आराधनालय को मुखिया सोस्थिनेस ख पकड़ क् न्याय आसन को आगु
पिटचो। पर गल्लियो न इन बातों की कुछ भी चिन्ता नहीं करी।

[illegible]

18 पौलुस बहुत दिन तक उत रह्यो। तब भाऊ सी बिदा होय क किंख्रिया म येकोलायी मुंड
मुंडायो, कहालीकि ओन मन्नत मानी होती, अऊर जहाज पर सीरिया ख चल दियो अऊर ओको
संग प्रिस्किल्ला अऊर अक्विला होतो। 19 ओन इफिसुस पहुंच क उन्ख उत छोड़यो, अऊर खुद
आराधनालय म जाय क यहूदियों सी विवाद करन लग्यो। 20 जब उन्न ओको सी बिनती करी, "हमरो
संग अऊर कुछ दिन रह्य।" त ओन स्वीकार नहीं करयो; 21 पर यो कह्य क उन्को सी बिदा भयो,
"यदि परमेश्वर न चाह्यो त मय तुम्हरो जवर फिर आऊं।" तब ऊ इफिसुस सी जहाज खोल क चली
गयो।

22 अऊर कैसरिया म उतर क यरूशलेम ख गयो अऊर मण्डली ख नमस्कार कर क् अन्ताकिया म
आयो। 23 तब कुछ दिन रह्य क ऊ उत सी निकल्यो, अऊर एक तरफ सी गलातिया अऊर फ्रूगिया
प्रदेशों म सब चेलां ख स्थिर करतो फिरयो।

[illegible]

24 अपुल्लोस नाम को एक यहूदी, जेको जनम सिकन्दरियां म भयो होतो, जो ज्ञानी पुरुष होतो
अऊर पवित्र शास्त्र ख अच्छो तरह सी जानत होतो, इफिसुस म आयो। 25 ओन प्रभु म चलन
की शिक्षा पायी होती, अऊर मन लगाय क यीशु को बारे म ठीक ठीक सुनावतो अऊर सिखावत
होतो, पर ऊ केवल यूहन्ना को बपतिस्मा की बात जानत होतो। 26 ऊ आराधनालय म निडर होय क
बोलन लग्यो, पर प्रिस्किल्ला अऊर अक्विला ओकी बाते सुन क ओख अपनो इत ले गयो अऊर
परमेश्वर को शिक्षा ओख अऊर भी ठीक ठीक बतायो। 27 जब ओन ठान लियो कि ओन पार उतर क
अखया ख जाये त भाऊ न ओख हिम्मत दे क चेलां ख लिख्यो कि हि ओको सी अच्छो तरह मिले;
अऊर ओन उत पहुंच क उन लोगों की बड़ी मदत करी जिन्न अनुग्रह को वजह विश्वास करयो
होतो। 28 कहालीकि ऊ पवित्र शास्त्र सी सबूत दे क कि यीशुच मसीह आय, बड़ी मजबुतायी सी
यहूदियों ख सब को आगु बतावत रह्यो।

19

[illegible]

1 जब अपुल्लोस कुरिन्थुस म होतो, त पौलुस ऊपर को पूरो प्रदेश सी होय क इफिसुस म आयो।
उत कुछ चेलां ख देख क, 2 ओन कह्यो, "का तुम न विश्वास करतो समय पवित्र आत्मा पायो?"
उन्न ओको सी कह्यो, "हम न त पवित्र आत्मा की चर्चा भी नहीं सुनी।"
3 ओन उन्को सी कह्यो, "त फिर तुम न कोन्को बपतिस्मा लियो?"
उन्न कह्यो, "यूहन्ना को बपतिस्मा।"
4 ✡पौलुस न कह्यो, "यूहन्ना न यो कह्य क मन फिराव को बपतिस्मा दियो कि जो मोरो बाद
आवन वालो हय, ओको पर यानेकि यीशु पर विश्वास करनो।"
5 यो सुन क उन्न प्रभु यीशु को नाम म बपतिस्मा लियो। 6 जब पौलुस न उन पर हाथ रख्यो,
त पवित्र आत्मा उन पर उतरयो, अऊर हि अलग-अलग भाषा बोलन अऊर भविष्यवानी करन
लग्यो। 7 हि सब लगभग बारा लोग होतो।
8 ऊ आराधनालय म जाय क तीन महीना तक निडर होय क बोलत रह्यो, अऊर परमेश्वर को
राज्य को बारे म विवाद करतो अऊर समझावत रह्यो। 9 पर जब कुछ लोगों न कड़क भय क ओकी
नहीं मानी बल्की लोगों को आगु यो रस्ता ख बुरो कहन लग्यो, त ओन उन्ख छोड़ दियो अऊर
चेलां ख अलग कर लियो, अऊर हर दिन तुरन्नुस की सभा म वाद-विवाद करत होतो। 10 दोय साल
तक योच होतो रह्यो, इत तक कि आसिया को रहन वालो का यहूदी का गैरयहूदी सब न प्रभु को
वचन सुन लियो।
11 परमेश्वर पौलुस को हाथों सी सामर्थ को काम दिखावत होतो। 12 इत तक कि रूमाल अऊर
गमछा ओको शरीर सी छूवाय क बीमारों पर डालत होतो, अऊर उन्की बीमारिया सुधरत जात
होती; अऊर दुष्ट आत्मायें उन्म सी निकलत होती। 13 पर कुछ यहूदी जो झाड़ा फूकी करन वालो
जो इत उत घुमत होतो, हि उन लोगों पर जो दुष्ट आत्मा सी जकड़यो लोग होतो, उन पर प्रभु
यीशु को नाम कह्य क यो कोशिश करन लग्यो, "जो यीशु को प्रचार पौलुस करय हय, मय तुम्ख
ओकीच कसम देऊ हय।" 14 अऊर स्किवास नाम को एक यहूदी महायाजक को सात बेटा होतो, जो
असोच करत होतो।
15 पर दुष्ट आत्मा न उन्ख उत्तर दियो, "यीशु ख मय जानु हय, अऊर पौलुस ख भी पहिचानू
हय, पर तुम कौन आय?"
16 अऊर ऊ आदमी न जेको म दुष्ट आत्मा होती उन पर झपट क अऊर उन्ख वश म लाय क, उन
पर असो उपद्रव करयो कि हि नंगो अऊर घायल होय क ऊ घर सी निकल क भग्यो। 17 या बात
इफिसुस को रहन वालो सब यहूदी अऊर गैरयहूदियों भी जान गयो, अऊर उन सब पर डर छाय
गयो; अऊर प्रभु यीशु को नाम की बड़ायी भयी। 18 जिन्न विश्वास करयो होतो, उन्म सी बहुतों न
आय क अपनो अपनो कामों ख मान लियो अऊर प्रगट करयो। 19 जादू करन वालो म सी बहुतों न
अपनी-अपनी किताब जमा कर क् सब को आगु जलाय दियो, अऊर जब उन्को दाम जोड़यो गयो,
त पचास हजार चांदी को सिक्का को बराबर निकल्यो। 20 यो तरह प्रभु को वचन बलपूर्वक फैलत
अऊर मजबूत होतो गयो।

??????? ? ?????

21 जब या बाते भय गयी त पौलुस न आत्मा म ठान्यो कि मकिदुनिया अऊर अखया सी होय
क यरूशलेम ख जाऊं, अऊर कह्यो, "उत जान को बाद मोख रोम ख भी देखनो जरूरी हय।"
22 येकोलायी अपनी सेवा करन वालो म सी तीमुथियुस अऊर इरास्तुस ख मकिदुनिया भेज क
खुद कुछ दिन आसिया म रह्य गयो।
23 ऊ समय उस पंथ को बारे म बड़ो हल्ला भयो। 24 कहालीकि देमेत्रियुस नाम को एक सुनार
देवी अरतिमिस को चांदी को मन्दिर बनवाय क कारीगरो ख बहुत काम दिलावत होतो। 25 ओन
उन्ख अऊर असीच चिजों को कारीगरो ख जमा कर क् कह्यो, "हे आदमियों, तुम जानय हय कि यो

✡ **19:4** १९:४ मत्ती ३:११; मरकुस १:४,७,८; लूका ३:४,१६; यूहन्ना १:२६,२७

काम सी हम्ख कितनो कमायी मिलय हय। 26 तुम देखय अऊर सुनय हय कि केवल इफिसुस मच
नहीं, बल्की लगभग पूरो आसिया म यो कह्य क यो पौलुस न बहुत सो लोगों ख समझायो हय, कि
जो हाथ सी बनायो हंय, हि ईश्वर नोहोय। 27 येको सी अब केवल योच बात को डर नहाय कि हमरो
यो काम-धन्दा को महत्व जातो रहेंन, बल्की यहां तक कि महान देवी अरतिमिस को मन्दिर तुच्छ
समझो जायेंन, अऊर जेक पूरो आसिया अऊर जगत भक्ति करय हय ओको सम्मान भी घटतो
रहेंन।"
28 हि यो सुन क गुस्सा सी भर गयो अऊर चिल्लाय-चिल्लाय क कहन लग्यो, "इफिसियों की
अरतिमिस देवी, महान हय!" 29 अऊर पूरो नगर म बड़ो हल्ला होय गयो, अऊर लोगों न गयुस
अऊर अरिस्तर्खुस नाम को पौलुस को संगी यात्रियों ख जो मकिदुनिया सी आयो होतो पकड़्यो
अऊर हि एक संग दौड़ क नाटक घर म गयो। 30 जब पौलुस न लोगों को जवर अन्दर जानो चाह्यो
त चेलां न ओख जान नहीं दियो। 31 आसिया को शासकों म सी भी ओको कुछ संगियों न ओको जवर
बुलावा भेज्यो अऊर बिनती करी कि नाटक घर म जाय क खतरा मत उठावों। 32 उत कोयी कुछ
चिल्लावत होतो अऊर कोयी कुछ, कहालीकि सभा म बड़ी गड़बड़ी होय रही होती, अऊर बहुत
सो लोग त यो जानत भी नहीं होतो कि हम कोन्को लायी जमा भयो हंय। 33 तब उन्न सिकन्दर ख,
जेक यहूदियों न खड़ो करयो होतो, भीड़ म सी आगु बढ़ायो। सिकन्दर हाथ सी इशारा कर क् लोगों
को आगु उत्तर देनो चाहत होतो। 34 पर जब उन्न जान लियो कि ऊ यहूदी आय, त सब को सब एक
आवाज सी कोयी दोय घंटा तक चिल्लावत रह्यो, "इफिसियों की अरतिमिस देवी, महान हय।"
35 तब नगर को मन्त्री न लोगों ख चुप करवाय क कह्यो, "हे इफिसुस को लोगों, कौन नहीं जानय
कि इफिसियों को नगर महान देवी अरतिमिस को मन्दिर, अऊर ज्यूस को तरफ सी गिरी हुयी मूर्ति
को रक्षा करन वालो आय। 36 येकोलायी जब कि इन बातों को खण्डनच नहीं होय सकय, त ठीक
हय कि तुम चुप रहो अऊर बिना सोच्यो बिचार कुछ मत करो। 37 कहालीकि तुम इन आदमियों
ख लायो हय जो नहीं मन्दिर को लूटन वालो आय अऊर नहीं हमरी देवी को निन्दा करन वालो
आय। 38 यदि देमेत्रियुस अऊर ओको संगी कारीगरो ख कोयी सी विवाद होना त कचहरी खुल्यो
हय अऊर शासक भी हंय; हि एक दूसरों पर आरोप करे। 39 पर यदि तुम कोयी अऊर बात को बारे
म कुछ पूछन चाहवय हय, त सभा को बीच म फैसला करयो जायेंन। 40 कहालीकि अज को दंगा
को वजह हम पर दोष लगाय जान को डर हय, येकोलायी कि येको कोयी वजह नहीं, अऊर हम यो
भीड़ को जमा होन को कोयी उत्तर नहीं दे सकेंन।" 41 यो कह्य क ओन सभा ख बिदा करयो।

20

[illegible]

1 जब हल्ला रुक गयो त पौलुस न चेलां ख बुलाय क उत्साहित करयो, अऊर उन्को सी बिदा होय
क मकिदुनिया को तरफ चली गयो। 2 ऊ पूरो प्रदेश म सी होय क अऊर चेलां ख बहुत उत्साहित
कर ऊ यूनान म आयो। 3 जब तीन महीना रह्य क ऊ उत सी जहाज पर सीरिया को तरफ जान
पर होतो, त यहूदी ओख मारन म लग्यो, येकोलायी ओन यो ठान लियो कि मकिदुनिया होय क
लौट जाऊं। 4 बिरीया को पुरुस को बेटा सोपत्रुस अऊर थिस्सलुनीकियों म सी अरिस्तर्खुस अऊर
सिकुन्दुस, अऊर दिरबे को गयुस, अऊर तीमुथियुस, अऊर आसिया को तुखिकुस अऊर त्रुफिमुस
आसिया तक ओको संग भय गयो। 5 हि आगु जाय क त्रोआस म हमरी रस्ता देखतो रह्यो। 6 अऊर
हम अखमीरी रोटी को दिनो को बाद फिलिप्पी सी जहाज पर चढ़ क पाच दिन म त्रोआस म ओको
जवर पहुंच्यो, अऊर सात दिन तक जित रह्यो।

[illegible]

7 हप्ता को पहिलो दिन जब हम रोटी तोड़न लायी जमा भयो, त पौलुस न जो दूसरों दिन चली
जान पर होतो, उन्को सी बाते करी; अऊर अरधी रात तक बाते करतो रह्यो। 8 जो ऊपर को कमरा म

हम जमा होतो, ओको म बहुत दीया जल रह्यो होतो। 9 अऊर यूतुखुस नाम को एक जवान खिड़की
पर बैठचो हुयो गहरी नींद सी झुक रह्यो होतो। जब पौलुस देर तक बाते करतो रह्यो त ऊ नींद की
झपकी सी तीसरो ऊपर को कमरा सी गिर पड़यो, अऊर मरयो हुयो उठायो गयो। 10 पर पौलुस
उतर क ओको सी लिपट गयो, अऊर गलो लगाय क कह्यो, "घबरावो मत; कहालीकि ओको जीव
ओकोच म हय।" 11 अऊर ऊपर जाय क रोटी तोड़ी अऊर खाय क इतनो देर तक उन्को सी बाते
करतो रह्यो कि भुन्सारो भय गयी। तब ऊ चली गयो। 12 अऊर हि ऊ जवान बच्चा ख जीन्दो ले
आयो अऊर बहुत शान्ति पायी।

[illegible]

13 हम पहिलोच जहाज पर चढ़ क अस्सुस ख यो बिचार सी आगु गयो कि उत सी हम पौलुस
ख चढ़ाय लेबो, कहालीकि ओन यो येकोलायी ठहरायो होतो कि खुदच पैदल जान वालो होतो।
14 जब ऊ अस्सुस म हम्ख मिल्यो त हम ओख चढ़ाय क मितुलेने म आयो। 15 उत सी जहाज खोल
क हम दूसरों दिन खियुस को आगु पहुंच्यो, अऊर दूसरों दिन सामुस म जान लग्यो; तब अगलो
दिन मिलेतुस म आयो। 16 कहालीकि पौलुस न इफिसुस को जवर सी होय क जान को सोच लियो
होतो कि कहीं असो नहीं होय कि ओख आसिया म देर लगे; कहालीकि ऊ जल्दी म होतो कि यदि
होय सकय त ऊ पिन्तेकुस्त को दिन यरूशलेम म रह्य।

[illegible]

17 ओन मिलेतुस सी इफिसुस म खबर भेज्यो, अऊर मण्डली को बुजूर्गों ख बुलायो। 18 जब हि
ओको जवर आयो, त ओन कह्यो: "तुम जानय हय कि पहिलोच दिन सी जब मय आसिया म पहुंच्यो,
मय हर समय तुम्हरो संग कसो तरह रह्यो। 19 यानेकि बड़ी दीनता सी, अऊर आसु बहाय बहाय क,
अऊर उन परीक्षावों म जो यहूदियों को साजीश को वजह मोरो पर आय पड़यो, मय प्रभु की सेवा
करतच रह्यो; 20 अऊर जो-जो बाते तुम्हरो फायदा की होती, उन्ख बतानो अऊर लोगों को आगु
अऊर घर घर सिखावन सी कभी नहीं झिझक्यो, 21 यहूदियों अऊर गैरयहूदियों को आगु गवाही
देतो रह्यो कि परमेश्वर को तरफ मन फिरावनो अऊर हमरो प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करन ख
होना। 22 अब देखो, मय आत्मा म बन्ध्यो हुयो यरूशलेम ख जाऊ हय, अऊर नहीं जानु कि उत
मोरो पर का-का बीतेन; 23 केवल यो कि पवित्र आत्मा हर नगर म गवाही दे क मोरो सी कह्य हय
कि बन्धन अऊर सताव तोरो लायी तैयार हंय। 24 ✡पर मय अपनो जीव ख कुछ नहीं समझू कि
ओख प्रिय जानु, बल्की यो कि मय अपनी दौड़ ख अऊर ऊ सेवा ख पूरी करू, जो मय न परमेश्वर
को अनुग्रह को सुसमाचार पर गवाही देन लायी प्रभु यीशु सी पायो हय।

25 "अब देखो, मय जानु हय कि तुम सब जेको म मय परमेश्वर को राज्य को प्रचार करतो फिरयो,
मोरो मुंह फिर नहीं देखो। 26 येकोलायी मय अज को दिन तुम सी गवाही दे क कहू हय, कि मय सब
को खून सी निर्दोष हय। 27 कहालीकि मय परमेश्वर को पूरो इच्छा ख तुम्ख पूरी रीति सी बतानो
सी नहीं झिझक्यो। 28 येकोलायी अपनी अऊर पूरो झुण्ड की चौकसी करो जेको म पवित्र आत्मा
न तुम्ख मुखिया ठहरायो हय, कि तुम परमेश्वर की मण्डली की देखभाल करो, जेक ओन अपनो खून
सी ले लियो हय। 29 मय जानु हय कि मोरो जान को बाद फाड़न वालो भेड़िया तुम म आयेंन जो
झुण्ड ख नहीं छोड़ेंन। 30 तुम्हरोच बीच म सी भी असो-असो आदमी उठेंन, जो चेलां ख अपनो पीछू
खीच लेन लायी टेढ़ी-मेंढीं बाते कहेंन। 31 येकोलायी जागतो रहो, अऊर याद करो कि मय न तीन
साल तक रात दिन आसु बहाय-बहाय क हर एक ख चेतावनी देनो नहीं छोड़यो।

32 "अऊर अब मय तुम्ख परमेश्वर ख, अऊर ओको अनुग्रह को वचन ख सौंप देऊ हय; जो
तुम्हरी उन्नति कर सकय हय अऊर सब पवित्र करयो गयो लोगों म साझी कर क् मीरास दे सकय
हय। 33 मय न कोयी को चांदी, सोना या कपड़ा को लोभ नहीं करयो। 34 तुम खुदच जानय हय
कि योच हाथों न मोरी अऊर मोरो संगियों की जरूरत पूरी करी। 35 मय न तुम्ख सब कुछ कर क्

✡ **20:24** २०:२४ २ तीमुथियुस ४:७

दिखायो कि योच रीति सी मेहनत करतो हुयो कमजोरों ख सम्भालनो अऊर प्रभु यीशु को वचन
याद रखनो जरूरी हय, जो ओन खुदच कह्यो हय: 'लेनो सी देनो धन्य हय।' "
36 यो कह्य क ओन घुटना टेक्यो अऊर उन सब को संग प्रार्थना करी। 37 तब हि सब बहुत
रोयो अऊर पौलुस को गलो लिपट क ओख चुम्मा लेन लग्यो। 38 हि यो सोच क या बात सी दु:ख
सी होतो जो ओन कहीं होती कि तुम मोरो मुंह फिर नहीं देख सको। तब उन्न ओख जहाज तक
पहुंचायो।

21

[illegible]
1 जब हम न उन्को सी अलग भय क जहाज खोल्यो, त सीधो रस्ता सी कोस द्वीप म आयो, अऊर
दूसरों दिन रुदुस म अऊर उत सी पतरा म 2 उत एक जहाज फीनीके ख जातो हुयो मिल्यो, अऊर हम
न ओको पर चढ़ क ओख खोल दियो। 3 जब हम्ख साइप्रस द्वीप दिखायी दियो, त ओख बायो तरफ
छोड़ क सीरिया को तरफ बड़ क सूर नगर म उतरयो, कहालीकि उत जहाज को सामान उतारनो
होतो। 4 चेलां ख ले क हम उत सात दिन तक रह्यो। उन्न आत्मा को अगुवायी सी पौलुस सी कह्यो
कि यरूशलेम म पाय मत रखजो। 5 जब हि दिन पूरो भय गयो, त हम न उत सी चल दियो; अऊर
सब न बाईयों अऊर बच्चां समेत हम्ख नगर को बाहेर तक पहुंचायो; अऊर हम न किनार पर घुटना
टेक क प्रार्थना करी, 6 तब एक दूसरों सी बिदा होय क, हम त जहाज पर चढ़यो अऊर हि अपनो
अपनो घर लौट गयो।
7 तब हम सूर सी जलयात्रा पूरी कर क् पतुलिमयिस म पहुंच्यो, अऊर भाऊ ख नमस्कार कर क्
उन्को संग एक दिन रह्यो। 8 ✡दूसरों दिन हम उत सी चल क कैसरिया म आयो, अऊर फिलिप्पुस
सुसमाचार प्रचार करन वालो को घर म जो सातों म सी एक होतो; जाय क ओको इत रह्यो। 9 ओकी
चार कुंवारी बेटी होती, जो भविष्यवानी करत होती। 10 ✡जब हम उत बहुत दिन रह्य चुक्यो, त
अगबुस नाम को एक भविष्यवक्ता यहूदिया सी आयो। 11 ओन हमरो जवर आय क पौलुस को
कमर को पट्टा लियो, अऊर अपनो हाथ पाय बान्ध क कह्यो, "पवित्र आत्मा यो कह्य हय कि जो
आदमी को यो कमर को पट्टा आय, ओख यरूशलेम नगर म यहूदी योच रीति सी बन्धेंन, अऊर
गैरयहूदियों को हाथ म सौंपेंन।"
12 जब हम न या बाते सुनी, त हम अऊर उत को लोगों न ओको सी बिनती करी कि यरूशलेम
ख मत जा। 13 पर पौलुस न उत्तर दियो, "तुम का करय हय कि रोय-रोय क मोरो दिल तोड़य हय?
मय त प्रभु यीशु को नाम लायी यरूशलेम म नहीं केवल बान्ध्यो जान को लायी बल्की मरन लायी
भी तैयार हय।"
14 जब ओन नहीं मान्यो त हम यो कह्य क चुप भय गयो, "प्रभु की इच्छा पूरी हो।"
15 इन दिनो को बाद हम न तैयारी करी अऊर यरूशलेम ख चली गयो। 16 कैसरिया सी भी कुछ
चेला हमरो संग भय गयो, अऊर हम्ख साइप्रस शहर को मनासोन नाम को एक पुरानो चेला को
जवर ले गयो, कि जेको संग हम्ख ठहरनो होतो।

[illegible]
17 जब हम यरूशलेम म पहुंच्यो, त भाऊ बड़ो खुशी को संग हम सी मिल्यो। 18 दूसरों दिन
पौलुस हम्ख ले क याकूब को जवर गयो, जित सब बुजूर्ग जमा होतो। 19 तब ओन उन्ख नमस्कार
कर क्, जो जो काम परमेश्वर न ओकी सेवा को द्वारा गैरयहूदियों म करयो होतो, एक एक कर क्
सब बतायो। 20 उन्न यो सुन क परमेश्वर की महिमा करी, तब ओको सी कह्यो, "हे भाऊ, तय देखय
हय कि यहूदियों म सी कुछ हजारों न विश्वास करयो हय; अऊर सब व्यवस्था लायी धुन लगायो
हंय। 21 उन्ख तोरो बारे म सिखायो गयो हय कि तय गैरयहूदियों म रहन वालो यहूदियों ख मूसा

✡ **21:8** २१:८ प्रेरितों ६:५; ८:५ ✡ **21:10** २१:१० प्रेरितों ११:२८

सी फिर जान ख सिखावय हय, अऊर कह्य हय, कि नहीं अपनो बच्चां को खतना करावो अऊर नहीं
रीतियों पर चलो। 22 त फिर का करयो जाये? लोग जरूर सुनेंन कि तय आयो हय। 23 येकोलायी
जो हम तोरो सी कहजे हंय, ऊ कर। हमरो इत चार आदमी हंय जिन्न मन्नत मानी हय। 24 उन्ख
ले क उन्को संग अपनो आप ख शुद्ध कर; अऊर उन्को लायी खर्चा दे कि हि मुंड मुड़ाये। तब सब
जान लेन कि जो बाते उन्ख तोरो बारे म बतायो गयी, उन्म कुछ सच्चायी नहीं हय पर तय खुद भी
व्यवस्था ख मान क ओको अनुसार चलय हय। 25 ✡पर उन गैरयहूदियों को बारे म जिन्न विश्वास
करयो हय, हम न यो निर्णय कर क् लिख भेज्यो हय कि हि मूर्तियों को आगु बलि करयो हुयो मांस
सी, अऊर खून सी अऊर गलो घोटचो हुयो को मांस सी, अऊर व्यभिचार सी बच्यो रहो।"
26 तब पौलुस उन आदमियों ख ले क, अऊर दूसरों दिन उन्को संग शुद्ध होय क मन्दिर म गयो,
अऊर उत बताय दियो कि शुद्ध होन को दिन, यानेकि उन्म सी हर एक लायी चढ़ावा चढ़ायो जान
तक को दिन कब पूरो होयेंन।

[illegible]

27 जब हि सात दिन पूरो होन पर होतो, त आसिया को यहूदियों न पौलुस ख मन्दिर म देख क
सब लोगों ख उकसायो, अऊर चिल्लाय क ओख पकड़ लियो, 28 "हे इस्राएलियों, मदत करो; यो
उच आदमी आय, जो लोगों को, अऊर व्यवस्था को, अऊर यो जागा को विरोध म हर जागा सब
लोगों ख सिखावय हय, इत तक कि गैरयहूदियों ख भी मन्दिर म लाय क ओन यो पवित्र जागा
ख अशुद्ध करयो हय।" 29 ✡उन्न येको सी पहिले इफिसुस निवासी त्रुफिमुस ख ओको संग नगर म
देख्यो होतो, अऊर समझ्यो होतो कि पौलुस ओख मन्दिर म ले आयो हय।
30 तब पूरो नगर म हल्ला मच गयो, अऊर लोग दौड़ क जमा भयो अऊर पौलुस ख पकड़
क मन्दिर को बाहेर घसीट लायो, अऊर तुरतच दरवाजा बन्द करयो गयो। 31 जब हि ओख मार
डालनो चाहत होतो, त पलटन को मुखिया ख खबर पहुंच्यो कि पूरो यरूशलेम म हल्ला होय रह्यो
हय। 32 तब ऊ तुरतच सैनिकों अऊर सूबेदारों ख ले क उन्को जवर खल्लो दौड़ आयो; अऊर उन्न
पलटन को मुखिया ख अऊर सैनिकों ख देख क पौलुस ख मारनो पीटनो छोड़ दियो। 33 तब पलटन
को मुखिया न जवर आय क ओख पकड़ लियो; अऊर दोय संकली सी बान्धन की आज्ञा दे क पूछन
लग्यो, "यो कौन आय अऊर येन का करयो हय?" 34 पर भीड़ म सी कोयी कुछ अऊर कोयी कुछ
चिल्लातो रह्यो। जब हल्ला को मारे ऊ ठीक सच्चायी नहीं जान सक्यो, त ओख किला म ले जान
की आज्ञा दियो। 35 जब ऊ पायरी पर पहुंच्यो, त असो भयो कि भीड़ को दबाव को मारे सैनिकों न
पौलुस ख उठाय क लि जानो पड़यो। 36 कहालीकि लोगों की भीड़ यो चिल्लाती हुयी ओको पीछू
पड़ी होती, "ओख मार डालो।"
37 जब हि पौलुस ख किला म ली जान पर होतो, त ओन पलटन को मुखिया सी कह्यो, "का मोख
आज्ञा हय कि मय तोरो सी कुछ कहूं?"
"ओन कह्यो, का तय यूनानी भाषा जानय हय?" 38 "का तय ऊ मिस्री नहीं, जो इन दोयी सी
पहिलो विद्रोही बनाय क, चार हजार कटारबन्द लोगों ख सुनसान जागा म ले गयो?"
39 पौलुस न कह्यो, "मय त तरसुस को यहूदी आदमी आय! किलिकिया को प्रसिद्ध नगर को
निवासी आय। मय तोरो सी प्रार्थना करू हय कि मोख लोगों सी बाते करन देवो।"
40 जब ओन आज्ञा दियो, त पौलुस न पायरी पर खड़ो होय क लोगों ख हाथ सी इशारा करयो।
जब हि चुप भय गयो, त ऊ इब्रानी भाषा म बोलन लग्यो।

22

1 "हे भाऊ अऊर पितरो, मोरो प्रतिउत्तर सुनो, जो मय अब तुम्हरो आगु रखू हय।" 2 हि यो सुन
क कि ऊ हम सी इब्रानी भाषा म बोलय हय, अऊर भी चुप भय गयो। तब ओन कह्यो: 3 ✡"मय त

✡ **21:25** २१:२५ प्रेरितों १५:२९ ✡ **21:29** २१:२९ प्रेरितों २०:४ ✡ **22:3** २२:३ प्रेरितों ५:३४-३९

यहूदी आदमी आय, जो किलिकिया को तरसुस म जनम लियो; पर यो नगर म गमलीएल को पाय
को जवर बैठ क पढ़ायो गयो, अऊर बापदादों की व्यवस्था की ठीक रीति पर सिखायो गयो; अऊर
परमेश्वर लायी असी धुन लगायो होतो, जसो तुम सब अज लगायो हय। 4 ✡मय न पुरुष अऊर
बाई दोयी ख बान्ध-बान्ध क अऊर जेलखाना म डाल-डाल क यो पंथ ख इत तक सतायो कि उन्ख
मरवाय भी डाल्यो। 5 या बात लायी महायाजक अऊर सब महासभा को बुजूर्ग गवाह हंय, कि उन्को
सी मय भाऊ को नाम पर चिट्ठियां ले क दमिश्क ख चली जाय रह्यो होतो, कि जो उत हय उन्ख
भी सजा दिलावन लायी बान्ध क यरूशलेम लाऊं।

[illegible] [illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] [illegible]:[illegible]-[illegible]; [illegible]:[illegible]-[illegible])

6 "जब मय चलत-चलत दमिश्क को जवर पहुंच्यो, त असो भयो कि दोपहर को लगभग अचानक
एक बड़ी ज्योति आसमान सी मोरो चारयी तरफ चमकी। 7 अऊर मय जमीन पर गिर पड़यो अऊर
यो आवाज सुन्यो, 'हे शाऊल, हे शाऊल, तय मोख कहाली सतावय हय?' 8 मय न उत्तर दियो, 'हे
प्रभु, तय कौन आय?' ओन मोरो सी कह्यो, 'मय यीशु नासरी आय, जेक तय सतावय हय।' 9 मोरो
संगियों न ज्योति त देखी, पर जो मोरो सी बोलत होतो ओकी आवाज नहीं सुन्यो। 10 तब मय न
कह्यो, 'हे प्रभु, मय का करू?' प्रभु न मोरो सी कह्यो, 'उठ क दमिश्क म जा, अऊर जो कुछ तोरो
करन लायी ठहरायो गयो हय उत तोख सब बताय दियो जायेंन।' 11 जब ऊ ज्योति को तेज को मारे
मोख कुछ दिखायी नहीं दियो, त मय अपनो संगियों को हाथ पकड़ क दमिश्क म आयो।

12 "तब हनन्याह नाम को व्यवस्था को अनुसार एक भक्त आदमी, जो उत रहन वालो सब
यहूदियों म अच्छो नाम होतो, मोरो जवर आयो, 13 अऊर खड़ो होय क मोरो सी कह्यो, 'हे भाऊ
शाऊल, फिर देखन लग।' उच घड़ी मोरी आंखी खुल गयी अऊर मय न ओख देख्यो। 14 तब ओन
कह्यो, 'हमरो बापदादों को परमेश्वर न तोख येकोलायी ठहरायो हय कि तय ओकी इच्छा ख जान्जो,
अऊर ऊ सच्चो ख देखो अऊर ओको मुंह सी बाते सुनजो। 15 कहालीकि तय ओको तरफ सी सब
आदमियों को आगु उन बातों को गवाह होजो जो तय न देख्यो अऊर सुन्यो हंय। 16 अब कहाली
देर करय हय? उठ, बपतिस्मा लेवो, अऊर ओको नाम ले क अपनो पापों ख धोय डाल।'

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

17 "जब मय फिर यरूशलेम म आय क मन्दिर म प्रार्थना कर रह्यो होतो, त मगन भय गयो,
18 अऊर ओख देख्यो कि ऊ मोरो सी कह्य हय, 'जल्दी कर क् यरूशलेम सी जल्दी निकल जा;
कहालीकि हि मोरो बारे म तोरी गवाही नहीं मानेंन।' 19 मय न कह्यो, 'हे प्रभु, हि त खुद जानय
हंय कि मय तोरो पर विश्वास करन वालो ख जेलखाना म डालत होतो अऊर आराधनालय म जाय
क उन्ख पिटवात होतो। 20 ✡जब तोरो गवाह स्तिफनुस को खून बहायो जाय रह्यो होतो तब मय भी
उत खड़ो होतो अऊर या बात म सामिल होतो, अऊर उन्को मारन वालो को कपड़ा की रखवाली
करत होतो।' 21 अऊर ओन मोरो सी कह्यो, 'चली जा: कहालीकि मय तोख गैरयहूदियों को जवर
दूर-दूर भेजूं।' "

22 हि या बात तक ओकी सुनतो रह्यो, तब ऊची आवाज सी चिल्लायो, "असो आदमी को नाश
करो, ओको जीन्दो रहनो ठीक नहाय!" 23 जब हि चिल्लातो अऊर कपड़ा फेकतो हुयो अऊर
आसमान म धूरला उड़ात होतो; 24 त पलटन को मुखिया न कह्यो, "येख किला म ले जावो, अऊर
कोड़ा मार क जांचो, कि मय जानु कि लोग कौन्सो वजह ओको विरोध म असो चिल्लाय रह्यो हंय।"
25 जब उन्न ओख बन्दी बनाय दियो त पौलुस ऊ सूबेदार सी जो जवर खड़ो होतो, कह्यो, "का यो
ठीक हय कि तुम एक रोमी आदमी ख, अऊर ऊ भी बिना दोषी ठहरायो हुयो, कोड़ा मारो?"

26 सूबेदार न यो सुन क पलटन को मुखिया को जवर जाय क कह्यो, "तय यो का करय हय? यो
त रोमी आदमी आय।"

27 तब पलटन को मुखिया न ओको जवर आय क कह्यो, "मोख बताव, का तय रोमी आय?"

✡ **22:4** २२:४ प्रेरितों ८:३; २६:९-११ ✡ **22:20** २२:२० प्रेरितों ७:५८

ओन कह्यो, "हव।"
28 यो सुन क पलटन को मुखिया न कह्यो, "मय न रोमी होन को पद बहुत रुपया दे क पायो हय।"
पौलुस न कह्यो, "मय त जनम सी रोमी आय।"
29 तब जो लोग ओख जांचन पर होतो, हि तुरतच ओको जवर सी हट गयो; अऊर पलटन को
मुखिया भी यो जान क कि यो रोमी आय अऊर मय न ओख बान्ध्यो हय; डर गयो।

[illegible]

30 दूसरों दिन ओन सच जानन की इच्छा सी कि यहूदी ओको पर कहाली दोष लगावय हंय,
ओको बन्धन खोल दियो; अऊर महायाजक अऊर पूरी महासभा ख जमा होन की आज्ञा दी, अऊर
पौलुस ख खल्लो ले जाय क उन्को आगु खड़ो कर दियो।

23

1 पौलुस न महासभा को तरफ टकटकी लगाय क देख्यो अऊर कह्यो, "हे भाऊ, मय न अज तक
परमेश्वर लायी बिल्कुल अच्छो मन सी जीवन बितायो हय।" 2 येको पर हनन्याह महायाजक न
उन्ख जो ओको जवर खड़ो होतो, ओको मुंह पर थापड़ मारन की आज्ञा दी। 3 ✡तब पौलुस न ओको
सी कह्यो, "हे चूना पोती हुयी भीत, परमेश्वर तोख मारेंन। तय व्यवस्था को अनुसार मोरो न्याय
करन ख बैठ्यो हय, अऊर फिर का व्यवस्था को खिलाफ मोख मारन की आज्ञा देवय हय?"
4 जो जवर खड़ो होतो उन्न कह्यो, "का तय परमेश्वर को महायाजक ख बुरो-भलो कह्य हय?"
5 पौलुस न कह्यो, "हे भाऊ, मय नहीं जानत होतो कि यो महायाजक आय; कहालीकि लिख्यो
हय: 'अपनो लोगों को मुखिया ख बुरो मत कह्य।' "
6 ✡तब पौलुस न यो जान क कि एक दल सदूकियों अऊर दूसरों फरीसियों को हय, सभा म पुकार
क कह्यो, "हे भाऊ, मय फरीसी अऊर फरीसियों को वंश को आय, मरयो हुयो की आशा अऊर
जीन्दो होन को बारे म मोरो मुकद्दमा चल रह्यो हय।"
7 जब ओन या बात कहीं त फरीसियों अऊर सदूकियों म झगड़ा होन लग्यो; अऊर सभा म
फूट पड़ गयी। 8 ✡कहालीकि सदूकी त यो कह्य हंय, कि नहीं मरयो म सी जीन्दो होनो हय, नहीं
स्वर्गदूत अऊर नहीं आत्मा हय; पर फरीसी इन सब ख मानय हंय। 9 तब बड़ो हल्ला भयो अऊर
कुछ धर्मशास्त्री जो फरीसियों को दल को होतो, उठ खड़ो भयो अऊर यो कह्य क झगड़ा करन
लग्यो, "हम यो आदमी म कोयी बुरायी नहीं देखजे, अऊर यदि कोयी आत्मा यां स्वर्गदूत ओको
सी बोल्यो हय त फिर का?"
10 जब बहुत झगड़ा भयो, त सिपाही को मुखिया न यो डर सी कि हि पौलुस को टुकड़ा टुकड़ा
मत कर डाले, पलटन ख आज्ञा दी कि उतर क ओख उन्को बीच म सी जबरदस्ती निकाल क, अऊर
किला म ले जाये।
11 वाच रात प्रभु न ओको जवर खड़ो होय क कह्यो, "हे पौलुस, हिम्मत बान्ध; कहालीकि जसो
तय न यरूशलेम म मोरी गवाही दियो, वसोच तोख रोम म भी गवाही देनो पड़ेंन।"

[illegible]

12 जब दिन भयो त यहूदियों न साजीश रच्यो अऊर कसम खायी कि जब तक हम पौलुस ख मार
नहीं डाले, तब तक खाबोंन अऊर पीबो त हम पर धिक्कार हय। 13 जिन्न आपस म यो साजीश
रच्यो, हि चालीस लोग सी जादा होतो। 14 उन्न महायाजक अऊर बुजूर्गों को जवर जाय क कह्यो,
"हम न यो ठान लियो हय कि जब तक हम पौलुस ख मार नहीं डाल्बो, तब तक यदि कुछ चख भी
ले त हम पर धिक्कार हय। 15 येकोलायी अब महासभा समेत पलटन को मुखिया ख समझावों कि
ओख तुम्हरो जवर ले आये, मानो कि तुम ओको बारे म अऊर भी ठीक सी जांच करनो चाहवय हय;
अऊर हम ओको पहुंचन सी पहिलेच ओख मार डालन लायी तैयार रहबो।"

✡ **23:3** २३:३ मत्ती २३:२७,२८ ✡ **23:6** २३:६ प्रेरितों २६:५; फिलिप्पियों ३:५ ✡ **23:8** २३:८ मत्ती २२:२३; मरकुस १२:१८; लूका २०:२७

16 पौलुस को बहिन को लड़का न सुन्यो कि हि ओख मारन म हंय, त किला म जाय क पौलुस ख
खबर दियो। 17 पौलुस न सूबेदार म सी एक ख अपनो जवर बुलाय क कह्यो, “यो जवान ख पलटन
को मुखिया को जवर लिजावो, यो ओको सी कुछ कहनो चाहवय हय।” 18 येकोलायी ओन ओख
पलटन को मुखिया को जवर ली जाय क कह्यो, “बन्दी पौलुस न मोख बुलाय क बिनती करी कि यो
जवान पलटन को मुखिया सी कुछ कहनो चाहवय हय; येख ओको जवर ली जा।”
19 पलटन को मुखिया न ओको हाथ पकड़ क अऊर अलग ली जाय क पुच्छ्यो, “तय मोरो सी
का कहनो चाहवय हय?”
20 ओन कह्यो, “यहूदियों न साजीश रच्यो हय कि तोरो सी बिनती करे कि कल पौलुस ख
महासभा म लाये, मानो हि अऊर ठीक सी ओकी जांच करनो चाहवय हंय। 21 पर ओकी मत मानजो,
कहालीकि उन म सी चालीस सी ज्यादा आदमी ओख मारन म हंय, जिन्न यो ठान लियो हय कि
जब तक हि पौलुस ख मार नहीं डालय, तब तक नहीं खाबोंन अऊर नहीं पीबो। अऊर अब हि तैयार
हंय अऊर तोरो वचन को रस्ता देख रह्यो हंय।”
22 तब पलटन को मुखिया न जवान ख यो आज्ञा दे क बिदा करयो, “कोयी सी मत कहजो कि तय
न मोख या बाते बतायो हंय।”

[illegible]

23 तब ओन दोय सूबेदारों ख बुलाय क कह्यो, “कैसरिया जान लायी रात ख नव बजे तक दोय सौ
सैनिक, सत्तर घुड़सवार, अऊर दोय सौ भाला वालो रखो। 24 अऊर पौलुस की सवारी लायी घोड़ा
तैयार रखो, कि ओख फेलिक्स शासक को जवर कुशल सी पहुंच्यो दे।” 25 ओन यो तरह की चिट्ठी
भी लिखी:

26 “महानुभव फेलिक्स शासक ख क्लौदियुस लूसियास को नमस्कार।” 27 यो आदमी ख
यहूदियों न पकड़ क मार डालनो चाह्यो, पर जब मय न जान्यो कि रोमी हय, त पलटन ले
क छुड़ाय लायो। 28 मय जाननो चाहत होतो कि हि ओको पर कौन्सो वजह दोष लगावय हंय,
येकोलायी ओख उन्की महासभा म ले गयो। 29 तब मय न जान लियो कि हि अपनी व्यवस्था को
विवाद को बारे म ओको पर दोष लगावय हंय, पर मार डालनो यां बान्ध्यो जान को लायक ओको
म कोयी दोष नहाय। 30 जब मोख बतायो गयो कि हि यो आदमी की घात म लग्यो हंय त मय न
तुरतच ओख तोरो जवर भेज दियो; अऊर आरोप लगावन वालो ख भी आज्ञा दी कि तोरो आगु
ओको पर आरोप करे।

31 येकोलायी जसो सैनिकों ख आज्ञा दी होती, वसोच हि पौलुस ख लेय क रातों-रात
अन्तिपत्रिस म आयो। 32 दूसरों दिन घुड़सवारों ख ओको संग जान लायी छोड़ क हि किला ख
लौट आयो। 33 उन्न कैसरिया पहुंच क शासक ख चिट्ठी दी; अऊर पौलुस ख भी ओको आगु खड़ो
करयो। 34 ओन चिट्ठी पढ़ क पुच्छ्यो, “यो कौन्सो राज्य को आय?” 35 अऊर जब जान लियो कि
किलिकिया को आय त ओको सी कह्यो, “जब तोरो पर आरोप लगावन वालो भी आय जायेंन, त
मय तोरी सुनवायी करूं।” अऊर ओन ओख हेरोदेस को राजभवन म सुरक्षा म रखन की आज्ञा दी।

24

[illegible]

1 पाच दिन को बाद हनन्याह महायाजक कुछ बुजूर्गों अऊर तिरतुल्लुस नाम को कोयी वकील
ख संग ले क आयो। उन्न शासक को आगु पौलुस पर आरोप करयो।
2 जब ऊ बुलायो गयो त तिरतुल्लुस ओको पर दोष लगाय क कहन लग्यो: “हे महानुभव
फेलिक्स, तोरो सी हम म बड़ी शान्ति म हय; अऊर तोरो व्यवस्था सी यो जाति लायी बहुत
सी बुरायी सुधरतो जावय हंय। 3 येख हम सब जागा अऊर सब तरह सी धन्यवाद को संग मनाजे
हंय। 4 पर येकोलायी कि तोख अऊर दु:ख नहीं देनो चाहकं, मय तोरो सी बिनती करूं हय कि कृपा
कर क् हमरी दोय एक बाते सुन लेवो। 5 कहालीकि हम न यो आदमी ख उपद्रवी अऊर जगत

को पूरो यहूदियों म फूट करावन वालो, अऊर नासरियों को कुपन्थ को मुखिया पायो हय। 6 ओन
मन्दिर ख अशुद्ध करनो चाह्यो, पर हम न ओख पकड़ लियो। हम्न ओख अपनी व्यवस्था को अनुसार
सजा दियो होतो; 7 पर पलटन को मुखिया लूसियास न ओख जबरदस्ती हमरो हाथ सी छीन लियो,
8 अऊर आरोप लगावन वालो ख तोरो आगु आवन की आज्ञा दी। इन सब बातों ख जिन्को बारे म
हम ओख पर दोष लगायजे हंय, तय खुदच ओख जांच कर क् जान लेजो।” 9 यहूदियों न भी ओको
साथ दे क कह्यो, या बाते योच तरह की हंय।

[illegible]

10 जब शासक न पौलुस ख बोलन को इशारा करयो, त ओन उत्तर दियो, “मय यो जान क कि तय
बहुत सालो सी यो जाति को न्याय कर रह्यो हय, खुशी सी अपनो प्रतिउत्तर देऊ हय। 11 तय खुद
जान सकय हय कि जब सी मय यरूशलेम म आराधना करन ख आयो, मोख बारा दिन सी जादा नहीं
भयो। 12 उन्न मोख नहीं मन्दिर म नहीं आराधनालयों म, नहीं नगर म कोयी सी वाद विवाद करतो
या भीड़ लगातो पायो; 13 अऊर नहीं त हि उन बातों ख, जिन्को हि अब मोरो पर दोष लगावय
हंय, तोरो आगु सच को सबूत दे सकय हंय। 14 पर मय तोरो आगु यो मान लेऊ हय कि जो पंथ ख
हि कुपन्थ कह्य हंय, ओकीच रीति पर मय अपनो बापदादों को परमेश्वर की सेवा करू हय; अऊर
जो बाते व्यवस्था अऊर भविष्यवक्तावों की किताबों म लिखी हंय, उन सब पर विश्वास करू हय।
15 अऊर परमेश्वर सी आशा रखू हय जो हि खुद भी रखय हंय, कि सच्चो अऊर अधर्मी दोयी ख
जीन्दो होनो हय। 16 येको सी मय खुद भी कोशिश करू हय कि परमेश्वर को अऊर आदमियों को
तरफ मोरो विवेक हमेशा निर्दोष रहे।

17 ✡“बहुत साल को बाद मय यरूशलेम अपनो लोगों ख दान पहुंचान अऊर भेंट चढ़ान आयो
होतो। 18 उन्न मोख मन्दिर म, शुद्ध दशा म, बिना भीड़ को संग, अऊर बिना दंगा करयो भेंट
चढ़ावतो पायो, उत आसिया को कुछ यहूदी होतो। 19 आसिया सी आयो कुछ यहूदी उत मौजूद
होतो। यदि मोरो विरोध म उन्को जवर कोयी बात होती त इत तोरो आगु आय क मोरो पर दोष
लगातो। 20 या यो लोग खुदच बताय कि जब मय महासभा को आगु खड़ो होतो, त उन्न मोरो म
कौन सो अपराध पायो? 21 ✡केवल या बात ख छोड़ जेक मय न उन्को बीच म खड़ो भय क जोर सी
कह्यो होतो: ‘मरयो हुयो को जीन्दो होन को बारे म तुम्हरो आगु मोरो न्याय होय रह्यो हय।’ ”

22 फेलिक्स न, जो यो पंथ की बाते ठीक-ठीक जानत होतो, उन्ख यो कह्य क टाल दियो, “जब
पलटन को मुखिया लूसियास आयेंन, त तुम्हरी बात को फैसला करू।” 23 अऊर सूबेदार ख आज्ञा
दी कि पौलुस ख थोड़ो छुट दे क रखवाली करजो, अऊर ओको संगी म सी कोयी ख भी ओकी सेवा
करन सी रोकजो मत।

[illegible]

24 कुछ दिनो को बाद फेलिक्स अपनी पत्नी द्रुसिल्ला ख, जो यहूदिनी होती, संग ले क आयो
अऊर पौलुस ख बुलवाय क ऊ विश्वास को बारे म जो मसीह यीशु पर हय, ओको सी सुन्यो। 25 जब
ऊ सच्चायी, अऊर संय्यम, अऊर आवन वालो न्याय की चर्चा कर रह्यो होतो, त फेलिक्स न डर
क उत्तर दियो, “अभी त जा; समय देख क मय तोख फिर बुलाऊं।” 26 ओख पौलुस सी कुछ रुपये
मिलन की भी आशा होती, येकोलायी अऊर भी बुलाय-बुलाय क ओको सी बाते करत होतो।

27 पर जब दोय साल बीत गयो त पुरकियुस फेस्तुस, फेलिक्स की जागा पर आयो; अऊर फेलिक्स
यहूदियों ख खुश करन की इच्छा सी पौलुस ख जेलखाना मच छोड़्यो गयो।

25

[illegible]

✡ **24:17** २४:१७ प्रेरितों २१:१७-२८ ✡ **24:21** २४:२१ प्रेरितों २३:६

1 फेस्तुस ऊ राज्य म पहुंचन को तीन दिन बाद कैसरिया सी यरूशलेम ख गयो। 2 तब महायाजक
अऊर यहूदियों को मुख्य लोगों न ओको आगु पौलुस पर आरोप लगायो; 3 अऊर ओको सी अनुग्रह
कर क् ओको विरोध म यो मांग करयो कि ऊ पौलुस ख यरूशलेम म बुलाये, कहालीकि हि ओख
रस्ताच म मार डालन की ताक म होतो। 4 फेस्तुस न उत्तर दियो, "पौलुस कैसरिया म जेलखाना म
हंय, अऊर मय खुद भी जल्दी उत जान वालो हय।" 5 तब कह्यो, "तुम म जो अधिकारी हंय हि
संग चलो, अऊर यदि यो आदमी न कुछ गलत काम करयो हय त ओको पर दोष लगाये।"

6 ऊ उन्को बीच आठ यां दस दिन रह्य क कैसरिया ख चली गयो; अऊर दूसरों दिन न्याय-आसन
पर बैठ क आदेश दियो कि पौलुस ख लायो जाये। 7 जब ऊ आयो त जो यहूदी यरूशलेम सी आयो
होतो, उन्न आजु-बाजू खड़ो होय क ओको पर बहुत सो गम्भीर आरोप लगायो, जिन्को सबूत हि
नहीं दे सकत होतो। 8 पर पौलुस न उत्तर दियो, "मय न नहीं त यहूदियों की व्यवस्था को अऊर नहीं
मन्दिर को अऊर नहीं कैसर को विरुद्ध कोयी अपराध करयो हय।"

9 तब फेस्तुस न यहूदियों ख खुश करन की इच्छा सी पौलुस सी कह्यो, "का तय चाहवय हय कि
यरूशलेम ख जाये; अऊर उत मोरो आगु तोरो यो आरोप रख्यो जाये?"

10 पौलुस न कह्यो, "मय कैसर को न्याय-आसन को आगु खड़ो हय; मोरो मुकद्दमा को योच
फैसला होनो चाहिये। जसो तय अच्छो तरह जानय हय, यहूदियों को मय न कुछ अपराध नहीं
करयो। 11 यदि मय अपराधी हय अऊर मार डालन की सजा को लायक कोयी काम करयो हय, त
मरन सी नहीं मुकरतो; पर जिन बातों को हि मोरो पर दोष लगावय हंय, यदि उन्म सी कोयी भी
बात सच नहीं ठहरय, त कोयी मोख उन्को हाथ म नहीं सौंप सकय। मय कैसर की दुवा देऊ हय।"

12 तब फेस्तुस न मन्त्रियों की सभा को संग बाते कर क् उत्तर दियो, "तय न कैसर की दुवा दियो
हय, तय कैसर कोच जवर जाजो।"

[illegible]

13 कुछ दिन बीतन को बाद अग्रिप्पा राजा अऊर बिरनीके न कैसरिया म आय क फेस्तुस सी
मुलाखात करी। 14 उन्को बहुत दिन उत रहन को बाद फेस्तुस न पौलुस को बारे म राजा ख बतायो:
"एक आदमी हय, जेक फेलिक्स न जेलखाना म छोड़ गयो हय। 15 जब मय यरूशलेम म होतो, त
महायाजक अऊर यहूदियों को बुजूर्गों न ओको विरुद्ध फैसला करयो अऊर चाहयो कि ओख सजा
दियो जाये। 16 पर मय न उन्ख उत्तर दियो कि रोमियों की यो रीति नहाय कि कोयी आदमी ख सजा
लायी सौंप दे, जब तक ओख अपनो आरोप लगावन वालो को आगु खड़ो होय क अपनो बचाव
म उत्तर देन को अवसर नहीं मिलय। 17 येकोलायी जब हि इत जमा भयो, देर करयो बिना, पर
दूसरोंच दिन न्याय आसन पर बैठ क ऊ आदमी ख लावन की आज्ञा दियो। 18 जब ओको आरोप
लगावन वालो खड़ो भयो, त उन्न असो कोयी अपराध को दोष नहीं लगायो, जसो मय समझत
होतो। 19 पर उन्को मतभेद अऊर यीशु नाम को एक आदमी को बारे म, जो मर गयो होतो अऊर
पौलुस ओख जीन्दो बतावत होतो, विवाद करत होतो। 20 मय उलझन म होतो कि इन बातों को
पता कसो लगाऊं? येकोलायी मय न ओको सी पुच्छ्यो, 'का तय यरूशलेम जाजो कि उत इन
बातों को फैसला होय?' 21 पर जब पौलुस न दुवा दी कि ओको मुकद्दमा को फैसला महाराजाधिराज
को इत हो, त मय न आज्ञा दी कि जब तक ओख कैसर को जवर नहीं भेजूं, ओख हिरासत म रख्यो
जाये।"

22 तब अग्रिप्पा न फेस्तुस सी कह्यो, "मय भी ऊ आदमी की सुननो चाहऊ हय।"

ओन कह्यो, "तय कल सुन लेजो।"

23 येकोलायी दूसरों दिन जब अग्रिप्पा अऊर बिरनीके बड़ो धूमधाम सी आयो अऊर पलटन को
मुखिया अऊर नगर को मुख्य लोगों को संग दरबार म पहुंच्यो। तब फेस्तुस न आज्ञा दी कि हि पौलुस
ख ले आये। 24 फेस्तुस न कह्यो, "हे राजा अग्रिप्पा अऊर हे सब आदमियों जो इत हमरो संग हय,

तुम यो आदमी ख देखय हय, जेको बारे म सब यहूदियों न यरूशलेम म अऊर इत भी चिल्लाय–
चिल्लाय क मोरो सी बिनती करी कि येको जीन्दो रहनो ठीक नहाय। 25 पर मय न जान लियो कि
ओन असो कुछ नहीं करयो कि मार डाल्यो जाये; अऊर जब कि ओन खुदच महाराजाधिराज की
दुवा दी, त मय न ओख भेजन को निर्णय करयो। 26 मय न ओको बारे म कोयी निश्चित बात नहीं
पायी कि अपनो मालिक को जवर लिखूं। येकोलायी मय ओख तुम्हरो आगु अऊर विशेष कर क् हे
राजा अग्रिप्पा, तोरो आगु लायो हय कि जांचन को बाद मोख कुछ लिखन ख मिले। 27 कहालीकि
बन्दी ख भेजनो अऊर जो दोष ओको पर लगायो गयो, उन्ख नहीं बतानो, मोख बेकार जान पड़य
हय।"

26

[illegible]

1 अग्रिप्पा न पौलुस सी कह्यो, "तोख अपनो बारे म बोलन की आज्ञा हय।" तब पौलुस हाथ
बढ़ाय क उत्तर देन लग्यो।
2 "हे राजा अग्रिप्पा, जितनो बातों को यहूदी मोरो पर दोष लगावय हंय, अज तोरो आगु उन्को
उत्तर देन म मय अपनो ख धन्य समझू हय, 3 विशेष कर क् येकोलायी कि तय यहूदियों को सब
सम्बन्ध अऊर विवाद ख जानय हय। येकोलायी मय प्रार्थना करू हय, धीरज सी मोरी सुन।
4 "मोरो चाल-चलन सुरूवात सी अपनी जाति को बीच अऊर यरूशलेम म जसो होतो, ऊ सब
यहूदी जानय हंय। 5 ✡यदि हि गवाही देनो चाहवय, त सुरूवात सी मोख पहिचानय हंय कि मय
फरीसी होय क अपनो धर्म को सब सी सही पंथ को अनुसार जीवन पर चल्यो। 6 अऊर अब ऊ
प्रतिज्ञा म आशा को वजह जो परमेश्वर न हमरो पूर्वजों सी करी होती, मोरो पर मुकद्दमा चल रह्यो
हय। 7 उच प्रतिज्ञा को पूरो होन की आशा लगायो हुयो, हमरो बारा गोत्र अपनो पूरो मन सी
रात-दिन परमेश्वर की सेवा करत आयो हंय। हे राजा, योच आशा को बारे म यहूदी मोर पर दोष
लगावय हंय। 8 जब कि परमेश्वर मरयो हुयो ख जीन्दो करय हय, त तुम्हरो इत या बात कहाली
विश्वास को लायक नहीं समझी जावय?
9 ✡"मय न भी समझ्यो होतो कि यीशु नासरी को नाम को विरोध म मोख बहुत कुछ करन ख होनो
होतो। 10 अऊर मय न यरूशलेम म असोच करयो; अऊर महायाजक सी अधिकार पा क बहुत सो
पवित्र लोगों ख जेलखाना म डाल्यो, अऊर जब हि मार डाल्यो जात होतो त मय भी उन्को विरोध
म अपनी सहमती देत होतो। 11 हर आराधनालय म मय उन्ख ताड़ना दिलाय दिलाय क यीशु की
निन्दा करवात होतो, इत तक कि गुस्सा को मारे असो पागल भय गयो कि बाहेर को नगरो म भी
जाय क उन्ख सतावत होतो।

[illegible]
([illegible])

12 "योच धुन म जब मय महायाजक सी अधिकार अऊर आज्ञा-पत्र लेय क दमिश्क ख जाय
रह्यो होतो; 13 त हे राजा, रस्ता म दोपहर को समय मय न आसमान सी सूरज को तेज सी भी बढ़ क
एक ज्योति, अपनो अऊर अपनो संग चलन वालो को चारयी तरफ चमकतो हुयो दिख्यो। 14 जब
हम सब जमीन पर गिर पड़यो, त मय न इब्रानी भाषा म, मोरो सी यो कहत हुयो एक आवाज
सुन्यो, 'हे शाऊल, हे शाऊल, तय मोख कहाली सतावय हय? पैनी नोक पर लात मारनो तोरो
लायी कठिन हय।' 15 मय न कह्यो, 'हे प्रभु, तय कौन आय?' प्रभु न कह्यो, 'मय यीशु आय, जेक
तय सतावय हय। 16 पर तय उठ, अपनो पाय पर खड़ो हो; कहालीकि मय न तोख येकोलायी दर्शन
दियो हय कि तोख उन बातों को भी सेवक अऊर गवाह ठहराऊ, जो तय न देख्यो हंय, अऊर उन्को
भी जिन्को लायी मय तोख दर्शन देऊ। 17 अऊर मय तोख तोरो लोगों सी अऊर गैरयहूदियों सी

✡ **26:5** २६:५ प्रेरितों २३:६; फिलिप्पियों ३:५ ✡ **26:9** २६:९ प्रेरितों ८:३; २२:४,५

छुड़ातो रहूं, जिन्को जवर मय अब तोख येकोलायी भेजू हय 18 कि तय उन्की आंखी खोल कि हि
अन्धकार सी ज्योति को तरफ, अऊर शैतान को अधिकार सी परमेश्वर को तरफ फिरेंन; कि पापों
की माफी अऊर उन लोगों को संग जो मोरो पर विश्वास करन सी पवित्र करयो गयो हंय, मीरास
पाये।'

[illegible]

19 "येकोलायी हे राजा अग्रिप्पा, मय न ऊ स्वर्गीय दर्शन की बात नहीं टाली, 20 ✡पर पहिलो
दमिश्क को, तब यरूशलेम को, अऊर तब यहूदियों को सब रहन वालो ख, अऊर गैरयहूदियों ख
समझावत रह्यो, कि मन फिरावो अऊर परमेश्वर को तरफ फिर क मन फिराव को लायक काम करो।
21 इन बातों को वजह यहूदी मोख मन्दिर म पकड़ क् मार डालन को कोशिश करत होतो। 22 पर
परमेश्वर की मदत सी मय अज तक बन्यो हय अऊर छोटो बड़ो सब को आगु गवाही देऊ हय,
अऊर उन बातों ख छोड़ कुछ नहीं कह्य जो भविष्यवक्तावों अऊर मूसा न भी कह्यो कि होन वाली
हंय, 23 ✡कि मसीह ख दु:ख उठावनो पड़ेंन, अऊर उच सब सी पहिले मरयो हुयो म सी जीन्दो होय
क, हमरो लोगों म अऊर गैरयहूदियों म ज्योति को प्रचार करेंन।"

24 जब ऊ या रीति सी उत्तर दे रह्यो होतो, त फेस्तुस न ऊचो आवाज सी कह्यो, "हे पौलुस, तय
पागल हय। बहुत अक्कल न तोख पागल कर दियो हय।"

25 पर पौलुस न कह्यो, "हे महानुभव फेस्तुस, मय पागल नहाय, पर सच्चायी अऊर बुद्धि को
बाते कहू हय। 26 राजा भी जेको आगु मय निडर होय क बोल रह्यो हय, या बाते जानय हय; अऊर
मोख विश्वास हय कि इन बातों म सी कोयी ओको सी लूकी नहाय, कहालीकि यो घटना कोयी
कोना म नहीं भयी। 27 हे राजा अग्रिप्पा, का तय भविष्यवक्तावों को विश्वास करय हय? हव, मय
जानु हय कि तय विश्वास करय हय।"

28 तब अग्रिप्पा न पौलुस सी कह्यो, "तय थोड़ोच समझानो सी मोख मसीही बनानो चाहवय
हय?"

29 पौलुस न कह्यो, "परमेश्वर सी मोरी प्रार्थना हय कि का थोड़ो म का बहुत म, केवल तयच
नहीं पर जितनो लोग अज मोरी सुनय हंय, इन बन्धनों ख छोड़ हि मोरी जसो होय जाये।"

30 तब राजा अऊर शासक अऊर बिरनीके अऊर उन्को संग बैठन वालो उठ खड़ो भयो; 31 अऊर
अलग जाय क आपस म कहन लग्यो, "यो आदमी असो त कुछ नहीं करय, जो मृत्यु दण्ड यां
जेलखाना म डालन जान को लायक हय।" 32 अग्रिप्पा न फेस्तुस सी कह्यो, "यदि यो आदमी
कैसर की दुवा नहीं देतो, त छूट सकत होतो।"

27

[illegible]

1 जब यो निश्चित भय गयो कि हम जहाज सी इटली जाये, त उन्न पौलुस अऊर कुछ दूसरों
बन्दियों ख भी यूलियुस नाम को औगुस्तुस की पलटन को एक सूबेदार को हाथ सौंप दियो।
2 अद्रमुत्तियुम को एक जहाज पर जो आसिया को किनार की जागा म जान पर होतो, चढ़ क
हम न ओख खोल दियो, अऊर अरिस्तर्खुस नाम को थिस्सलुनीके को एक मकिदुनिया वासी हमरो
संग होतो। 3 दूसरों दिन हम न सैदा म लंगर डाल्यो, अऊर यूलियुस न पौलुस पर कृपा कर क् ओख
संगी को इत जान दियो कि ओको आदर करयो जाये। 4 उत सी जहाज खोल क हवा विरुद्ध होन
को वजह हम साइप्रस की आड़ म होय क चले; 5 अऊर किलिकिया अऊर पंफूलिया को जवर को
समुन्दर म होय क लूसिया को मूरा म उतरयो। 6 उत सूबेदार ख सिकन्दरियां को एक जहाज इटली
जातो हुयो मिल्यो, अऊर ओन हम्ख ओको पर चढ़ाय दियो।

✡ **26:20** २६:२० प्रेरितों ९:२०,२८,२९ ✡ **26:23** २६:२३ १ कुरिन्थियों १५:२०

7 जब हम बहुत दिनो तक धीरू–धीरू चल क कठिनायी सी कनिदुस को आगु पहुंच्यो, त येकोलायी
कि हवा हम्ख आगु बढ़न नहीं देत होती, हम सलमोन को आगु सी होय क क्रेते की आड़ म चल्यो;
8 अऊर ओको किनार–किनार कठिनायी सी चल क शुभलंगरबारी नाम की एक जागा पहुंच्यो, जित
सी लसया नगर जवर होतो।

9 जब बहुत दिन बीत गयो अऊर जलयात्रा म जोखिम येकोलायी होत होती कि उपवास को दिन
अब बीत गयो होतो। येकोलायी पौलुस न उन्ख यो कह्य क समझायो, 10 "हे सज्जनो, मोख असो
लगय हय कि यो यात्रा म संकट अऊर बहुत हानि, नहीं केवल माल अऊर जहाज की बल्की हमरो
जीव की भी होन वाली हय।" 11 पर सूबेदार न पौलुस की बातों सी कप्तान अऊर जहाज को मालिक
की बातों ख बढ़ क मान्यो। 12 ऊ बन्दरगाह ठन्डी काटन लायी अच्छो नहीं होतो, येकोलायी बहुतों
को बिचार भयो कि उत सी जहाज खोल क यदि कोयी रीति सी होय सकय त फीनिक्स पहुंच क
ठन्डी काटे। यो त क्रेते को एक बन्दरगाह हय जो दक्षिन–पश्चिम अऊर उत्तर–पश्चिम को तरफ
खुलय हय।

[illegible]

13 जब कुछ–कुछ दक्षिन हवा बहन लगी, त यो समझ क कि हमरो कहन की बात पूरो होय गयो,
लंगर उठायो अऊर किनार धर क क्रेते को जवर सी जान लग्यो। 14 पर थोड़ी देर म जमीन को
तरफ सी एक बड़ो तूफान उठचो, जो "यूरकुलीन" कहलावय हय। 15 जब तूफान जहाज पर लग्यो
त ऊ ओको आगु रूक नहीं सक्यो, येकोलायी हम न ओख बहन दियो अऊर योच तरह बहतो हुयो
चली गयो। 16 तब कौदा नाम को एक छोटो सो द्वीप को आड़ म बहत-बहत हम कठिनायी सी डोंगा
ख वश म कर सके। 17 तब मल्लाहों न ओख उठाय क हर एक उपाय कर क् जहाज ख खल्लो सी
बान्ध्यो, अऊर सुरतिस को चोरबालू पर रुक जान को डर सी पाल अऊर सामान उतार क बहतो हुयो
चली गयो। 18 जब हम न तूफान सी बहुत हिचकोले अऊर धक्का खायो, त दूसरों दिन हि जहाज
को सामान फेकन लग्यो; 19 अऊर तीसरो दिन उन्न अपनो हाथों सी जहाज को साज–सामान भी
फेक दियो। 20 जब बहुत दिनो तक नहीं सूरज, नहीं तारा दिखायी दियो अऊर बड़ो तूफान चलती
रह्यो, त आखरी म हमरो बचन की पूरी आशा जाती रही।

21 जब हि बहुत दिन तक भूखो रह्य गयो, त पौलुस न उन्को बीच म खड़ो होय क कह्यो, "हे
लोगों, असो होना होतो कि तुम मोरी बात मान क क्रेते सी नहीं जहाज खोलतो अऊर नहीं विपत्ति
आयती अऊर नहीं हानि उठातो। 22 पर अब मय तुम्ख समझाऊ हय कि हिम्मत रखो, कहालीकि
तुम म सी कोयी को जीव की हानि नहीं होयेंन, पर केवल जहाज की। 23 कहालीकि परमेश्वर जेको
मय आय, अऊर जेकी सेवा करू हय, ओको स्वर्गदूत न अज रात मोरो जवर आय क कह्यो, 24 'हे
पौलुस, मत डर! तोख कैसर को आगु खड़ो होनो जरूरी हय। देख, परमेश्वर न सब ख जो तोरो
संग यात्रा करय हंय, तोख दियो हय।' 25 येकोलायी, हे सज्जनो, हिम्मत रखो; कहालीकि मय
परमेश्वर को विश्वास करू हय, कि जसो मोरो सी कह्यो गयो हय, वसोच होयेंन। 26 पर हम्ख कोयी
द्वीप पर जाय क रुकनो पड़ेंन।"

27 जब चौदावी रात आयी, अऊर हम अद्रिया समुन्दर म भटकत फिर रह्यो होतो, त अरधी रात
को जवर मल्लाहों न अनुमान सी जान्यो कि हम कोयी देश को जवर पहुंच रह्यो हंय। 28 पानी को
अंदाज लेन पर उन्न चालीस मीटर गहरो पायो, अऊर थोड़ो आगु बढ़ क तब गहरायी को अंदाज
लियो त तीस मीटर पायो। 29 तब गोटाड़ी जागा सी टकरावन को डर सी उन्न जहाज को पीछू
को भाग सी चार लंगर डाल्यो, अऊर भुन्सारो होन की प्रार्थना करतो रह्यो। 30 पर जब मल्लाह
जहाज पर सी भगनो चाहत होतो, अऊर गर सी लंगर डालन को बहाना सी डोंगा समुन्दर म उतार
दियो; 31 त पौलुस न सूबेदार अऊर सैनिकों सी कह्यो, "यदि यो जहाज पर नहीं रहेंन, त तुम भी
नहीं बच सकय।" 32 तब सैनिकों न रस्सा काट क डोंगा गिराय दियो।

33 जब भुन्सारो होन पर होतो, तब पौलुस न यो कह्यो क्, सब ख जेवन करन लायी समझायो, “अज
चौदा दिन भयो कि तुम आस देखत–देखत भूखो रह्यो, अऊर कुछ जेवन नहीं करयो। 34 येकोलायी
तुम्ख समझाऊ हय कि कुछ खाय लेवो, जेकोसी तुम्हरो बचाव हो; कहालीकि तुम म सी कोयी
को मुंड को एक बाल भी नहीं गिरेंन।” 35 यो कह्यो क ओन रोटी ले क सब को आगु परमेश्वर को
धन्यवाद करयो अऊर तोड़ क खान लग्यो। 36 तब हि सब भी हिम्मत बान्ध क जेवन करन लग्यो।
37 हम सब मिल क जहाज पर दोय सौ छिहत्तर लोग होतो। 38 जब हि जेवन कर क् सन्तुष्ट भयो,
त गहूं ख समुन्दर म फेक क जहाज हल्को करन लग्यो।

[illegible]

39 जब दिन निकल्यो त उन्न ऊ देश ख नहीं पहिचान्यो, पर एक खाड़ी देखी जेको किनार चौरस
होतो, अऊर बिचार करयो कि यदि होय सकय त येको पर जहाज ख टिकाये। 40 तब उन्न लंगरों
ख खोल क समुन्दर म छोड़ दियो अऊर उच समय पतवारो को बन्धन खोल दियो, अऊर हवा को
आगु सामने की पाल चढ़ाय क किनार को तरफ चल्यो। 41 पर दोय समुन्दर को संगम की जागा पड़
क उन्न जहाज ख टिकायो, अऊर गर त धक्का खाय क गड़ गयी अऊर टल नहीं सकी; पर पिछली
लहर को बल सी टूटन लगी।
42 तब सैनिकों को यो बिचार भयो कि बन्दियों ख मार डाले, असो नहीं होय कि कोयी तैर क्
निकल भगे। 43 पर सूबेदार न पौलुस ख बचान की इच्छा सी उन्ख यो बिचार सी रोक्यो अऊर यो
कह्यो, कि जो तैर सकय हंय, पहिले कूद क किनार पर निकल जाये; 44 अऊर बाकी कोयी पटरो पर,
अऊर कोयी जहाज की दूसरी चिज को सहारे निकल जाये। यो रीति सी सब कोयी किनार पर बच
निकल्यो।

28

[illegible]

1 जब हम बच निकल्यो, त पता चल्यो कि यो द्वीप माल्टा कहलावय हय। 2 उत को निवासियों न
हम पर अनोखी कृपा करी; कहालीकि बरसात को वजह ठंडी होती, येकोलायी उन्न आगी सिलगाय
क हम सब ख रुकायो। 3 जब पौलुस न लकड़ियो को गट्ठा जमा कर क् आगी पर रख्यो, त एक सांप
आच पा क निकल्यो अऊर ओको हाथ सी लपट गयो। 4 जब उन निवासियों न सांप ख ओको हाथ
सी लपटचो हुयो देख्यो, त आपस म कह्यो, “सचमुच यो आदमी हत्यारों हय कि यानेकि समुन्दर
सी बच गयो, तब भी न्याय न जीन्दो रहन नहीं दियो।” 5 तब ओन सांप ख आगी म झटकार दियो,
अऊर ओख कुछ हानि नहीं पहुंची। 6 पर हि रस्ता देखत होतो कि ऊ सूज जायेंन यां एकाएक गिर
क् मर जायेंन, पर जब हि बहुत देर तक देखत रह्यो अऊर देख्यो कि ओख कुछ भी नहीं भयो, त
अपनो बिचार बदल क कह्यो, “यो त कोयी देवता आय।”
7 ऊ जागा को आस पास ऊ द्वीप को मुखिया पुबलियुस की जमीन होती। ओन हम्ख अपनो घर
लिजाय क तीन दिन संगी को जसो मेहमानी करी। 8 पुबलियुस को बाप बुखार अऊर पेचीस सी
बीमार पड़्यो होतो। येकोलायी पौलुस न ओको जवर घर म जाय क प्रार्थना करी अऊर ओको
पर हाथ रख क ओख चंगो करयो। 9 जब असो भयो त ऊ द्वीप को बाकी बीमार आयो अऊर अच्छो
करयो गयो। 10 उन्न हमरो बहुत आदर करयो, अऊर जब हम चलन लग्यो त जो कुछ हमरो लायी
जरूरी होतो, जहाज पर रख दियो।

[illegible]

11 तीन महीना को बाद हम सिकन्दरियां को एक जहाज पर चल निकल्यो, जो ऊ द्वीप म ठन्डी
को समय तक रह्यो होतो, अऊर जेको चिन्ह दियुसकूरी होतो। 12 सुरकूसा म लंगर डाल क हम
तीन दिन उतच रह्यो। 13 उत सी हम घुम क रेगियुम म आयो; अऊर एक दिन को बाद दक्षिनी हवा
चली, तब हम दूसरों दिन पुतियुली म आयो। 14 उत हम ख भाऊ मिल्यो, अऊर उन्को आग्रह सी
हम उन्को इत सात दिन तक रह्यो; अऊर यो रीति सी हम रोम ख चल्यो। 15 उत सी भाऊ हमरो

समाचार सुन क अप्पियुस को चौक अऊर तीन–सराये तक हम सी मुलाखात करन ख निकल आयो,
जिन्ख देख क पौलुस न परमेश्वर को धन्यवाद करयो अऊर हिम्मत बान्ध्यो।

[illegible]

16 जब हम रोम म पहुंच्यो, त पौलुस ख एक सैनिक को संग जो ओकी रखवाली करत होतो,
अकेलो रहन की आज्ञा मिल गयी।
17 तीन दिन को बाद ओन यहूदियों को मुख्य लोगों ख बुलायो, अऊर जब हि जमा भयो त उन्को
सी कह्यो, "हे भाऊ, मय न अपनो लोगों को या बापदादों को व्यवहार को विरोध म कुछ भी नहीं
करयो, तब भी बन्दी बनाय क यरूशलेम सी रोमियों को हाथ सौंप्यो गयो। 18 उन्न मोख जांच क
छोड़ देनो चाह्यो, कहालीकि मोरो म मृत्यु दण्ड को लायक कोयी दोष नहीं होतो। 19 ✡पर जब
यहूदी येको विरोध म बोलन लग्यो, त मोख कैसर को दुवा देनो पड़यो: यो नहीं कि मोख अपनो
लोगों पर कोयी दोष लगानो होतो। 20 येकोलायी मय न तुम ख बुलायो हय कि तुम सी मिलूं अऊर
बातचीत करू; कहालीकि इस्राएल की आशा लायी मय या संकली सी जकड़यो हुयो हय।"
21 उन्न ओको सी कह्यो, "न हम न तोरो बारे म यहूदियों सी चिट्ठियां पायी, अऊर नहीं भाऊ म
सी कोयी न आय क तोरो बारे म कुछ बतायो अऊर नहीं बुरो कह्यो। 22 पर तोरो बिचार का हय?
उच हम तोरो सी सुननो चाहवय हंय, कहालीकि हम जानजे हंय कि हर जागा यो राय को विरोध
म लोग बाते करय हंय।"
23 तब उन्न ओको लायी एक दिन ठहरायो, अऊर बहुत सो लोग ओको इत जमा भयो, अऊर
ऊ परमेश्वर को राज्य की गवाही देतो हुयो, अऊर मूसा की व्यवस्था अऊर भविष्यवक्तावों की
किताबों सी यीशु को बारे म समझाय समझाय क भुन्सारो सी शाम तक वर्नन करतो रह्यो। 24 तब
कुछ न उन बातों ख मान लियो, अऊर कुछ न विश्वास नहीं करयो। 25 जब हि आपस म एक राय
नहीं भयो, त पौलुस की या बात को कहन पर चली गयो: "पवित्र आत्मा न यशायाह भविष्यवक्ता
को द्वारा तुम्हरो बापदादों सी ठीकच कह्यो,"
26 जाय क हि लोगों सी कह्य, कि
सुनतो त रहो, पर नहीं समझो,
अऊर देखत त रहो, पर नहीं बुझ सको;
27 कहालीकि हि लोगों को मन मोटो
अऊर उन्को कान भारी भय गयो हंय,
अऊर उन्न अपनी आंखी बन्द करी हंय,
असो नहीं होय कि हि कभी आंखी सी देखे
अऊर कानो सी सुने
अऊर मन सी समझेंन
अऊर फिरेंन,
अऊर मय उन्ख चंगो करू।
28 "येकोलायी तुम जानो कि परमेश्वर को यो उद्धार की कथा गैरयहूदियों को जवर भेज्यो गयी
हय, अऊर हि सुनेंन!" 29 जब ओन यो कह्यो त यहूदी आपस म बहुत विवाद करन लग्यो अऊर
उत सी चली गयो।
30 ऊ पूरो दोय साल अपनो किराया को घर म रह्यो, 31 अऊर जो ओको जवर आवत होतो, उन
सब सी मिलतो रह्यो अऊर बिना रोक–टोक बहुत निडर होय क परमेश्वर को राज्य को प्रचार करतो
अऊर प्रभु यीशु मसीह की बाते सिखातो रह्यो।

✡ **28:19** २८:१९ प्रेरितों २५:११

रोमियों के नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी
रोमियों को नाम पौलुस प्रेरित कि पत्री
परिचय

रोमियों की किताब लगभग प्रेरित पौलुस न ५४-५८ साल को बीच यीशु मसीह को जनम को बाद लिखी होती। पौलुस न अभी तक रोम को दौरा नहीं करयो होतो, येकोलायी उन्न या चिट्ठी रोम म मसीहियों ख निर्देश देन लायी भेज्यो, दोयी यहूदी अऊर गैरयहूदी उन्न कुरिन्थुस शहर सी चिट्ठी लिखी होती, जित हि ऊ समय रहत होतो। पौलुस न लिखी ताकि पूरो राष्ट्र यीशु मसीह १६:२६ पर विश्वास अऊर पालन कर सके।

रोमियों कि किताब हर जागा अऊर हर समय मसीही लोगों लायी एक महत्वपूर्न किताब हय कहालीकि पौलुस स्पष्ट रूप सी अऊर अच्छो तरह सी समझावय हंय कि हम यीशु मसीह को उद्धार को बारे म बताय सकजे हय। पौलुस न यीशु मसीह को सुसमाचार ख पुरानो नियम सी भी जोड़यो। कुछ विद्वानों को माननो हय कि किताब म सब सी महत्वपूर्न किताब १:१६ हय जो कह्य हय, “मोख सुसमाचार सी कोयी शरम नहाय, कहालीकि यो पूरो को उद्धार लायी परमेश्वर की शक्ति हय जो मानय हय: पहिले यहूदी लायी, तब ओको लायी गैरयहूदी।” रोमियों १–१२ को पहिलो भाग धर्मशास्त्री आय अऊर दूसरो भाग १३–१५ म मसीही जीवन लायी व्यावहारिक निर्देश आय।

रूप-रेखा

१. पौलुस सामान्य रूप सी अपनो परिचय देतो हुयो अपनी चिट्ठी की सुरूवात करय हय अऊर कह्य हय कि ऊ कौन ख लिख रह्यो हय। [illegible]
२. येको बाद ऊ यीशु मसीह को द्वारा मानव जाति कि स्थिति अऊर उद्धार को बारे म लिखय हय। [illegible]
३. येको बाद पौलुस मसीही जीवन जीन लायी कुछ व्यावहारिक निर्देश देवय हय। [illegible]
४. ऊ रोम की मण्डली म लोगों ख कुछ शुभकामनायें दे क रोमियों की किताब ख खतम करय हय। [illegible]

1 पौलुस को तरफ सी जो यीशु मसीह को सेवक हय, अऊर जेख परमेश्वर न प्रेरित होन लायी
बुलायो गयो, अऊर परमेश्वर को ऊ सुसमाचार लायी अलग करयो गयो।
2 जेकी पहिलेच अपनो भविष्यवक्तावों को द्वारा पवित्र शास्त्र म घोषना कर दी गयी, 3 जेको
सम्बन्ध बेटा सी हय; जो शरीर को भाव सी त दाऊद को वंश सी पैदा भयो; 4 अऊर पवित्रता की
आत्मा को भाव सी मरयो हुयो म सी जीन्दो होन को वजह सामर्थ को संग परमेश्वर को बेटा ठहरयो
हय, यो यीशु मसीह हमरो प्रभु आय। 5 परमेश्वर द्वारा हम्ख अनुग्रह अऊर प्रेरितायी मिली कि
ओको नाम को वजह सब जातियों को लोग विश्वास करे अऊर आज्ञा को पालन करे, 6 येको म तुम
भी सामिल हो जो रोम म रह्य हय जिन्ख परमेश्वर न यीशु मसीह को होन लायी बुलायो गयो हय।
7 उन सब लोगों लायी मय लिख रह्यो हय जो रोम म परमेश्वर को प्रिय हंय अऊर उन्ख परमेश्वर
न अपनो लोग होन लायी बुलायो गयो हंय।

हमरो पिता परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को तरफ सी तुम्ख अनुग्रह अऊर शान्ति मिलती रहे।

[illegible]

8 पहिले मय तुम सब लायी यीशु मसीह को द्वारा अपनो परमेश्वर को धन्यवाद करू हय,
कहालीकि तुम्हरो विश्वास की चर्चा पूरो जगत म होय रही हय। 9 परमेश्वर जेकी सेवा मय अपनी
आत्मा सी ओको बेटा को सुसमाचार को बारे म करू हय, उच मोरो गवाह हय कि मय तुम्ख कसो
तरह लगातार याद करतो रहू हय, 10 अऊर हर समय अपनी प्रार्थनावों म बिनती करू हय कि कोयी

रीति सी अब तुम्हरो जवर आवन की मोरी यात्रा परमेश्वर की इच्छा सी पूरी हो। 11 कहालीकि
मय तुम सी मिलन की बहुत इच्छा रखू हय ताकि मय तुम्ख आत्मिक वरदान बाट सकू जेकोसी तुम
मजबूत होय जावो; 12 मतलब यो कि जब मय तुम्हरो बीच म रहू, त हम ऊ विश्वास को द्वारा जो
मोरो म अऊर तुम म हय, एक दूसरों सी प्रोत्साहन पाये।
13 ✡हे भाऊवों, अऊर बहिनों मय नहीं चाहऊं कि तुम येको सी अनजान रहो कि मय न बार
बार तुम्हरो जवर आवनो चाह्यो, कि जसो मोख दूसरों गैरयहूदियों म फर मिल्यो, वसोच तुम म भी
मिले, पर अब तक रोक्यो गयो। 14 मय यूनानियों अऊर गैरयूनानियों को अऊर बुद्धिमानों अऊर
निर्बुद्धियों को कर्जदार आय। 15 येकोलायी मय तुम्ख भी जो रोम म रह्य हय, मय सुसमाचार
सुनावन लायी बहुत उत्सुक हय।

[illegible]

16 ✡कहालीकि मय सुसमाचार सी नहीं लजाऊ, येकोलायी कि ऊ हर एक विश्वास करन वालो
लायी, पहिले त यहूदी फिर गैरयहूदी लायी, सब लायी उद्धार को निमित्त परमेश्वर की सामर्थ हय।
17 कहालीकि सुसमाचार यो प्रगट करय हय कि परमेश्वर आदमियों ख अपनो प्रति सही कसो
बनावय हय यो पहिले सी आखरी तक विश्वास को द्वाराच हय। जसो कि शास्त्र म लिख्यो हय,
"जो आदमी परमेश्वर को संग सच्चो हय ऊ लोग विश्वास को द्वारा सी जीन्दो रहेंन।"

[illegible]

18 परमेश्वर को गुस्सा त उन लोगों को पाप अऊर दुष्टता स्वर्ग सी प्रगट होवय हय, जो सच
ख बुरायी सी दबायो रखय हंय। 19 येकोलायी कि परमेश्वर को ज्ञान ओको मनो म प्रगट हय,
कहालीकि परमेश्वर न उन पर प्रगट करयो हय। 20 जब सी परमेश्वर न जगत की रचना करी तब
सी ओको अनदेख्यो गुन, मतलब ओकी सनातन काल की शक्ति अऊर ओको दैव्य स्वभाव यो
दोयीच पूरी रीति सी साफ दिखायी देवय हय। ऊ उन चिजों ख जो परमेश्वर न रची हय हि ओख
जान सकय हय, त येकोलायी उन लोगों को जवर कोयी बहाना नहाय। 21 ✡यो वजह कि परमेश्वर
ख जानय हय पर हि परमेश्वर को रूप म सम्मान या धन्यवाद नहीं देवय। बल्की हि अपनो बिचार
म पूरी रीति सी निरर्थक अऊर उन्को खाली दिमाक अन्धारो सी भर गयो हय। 22 हि अपनो आप
ख बुद्धिमान समझय हय, पर हि मूर्ख बन गयो हय, 23 अऊर अविनाशी परमेश्वर की महिमा
ख नाशवान आदमियों, अऊर पक्षिंयों, अऊर जनावरों, अऊर रेंगन वालो जन्तुवों की मूर्ति की
समानता म बदल डाल्यो।
24 यो वजह परमेश्वर न उन्ख उन्को हर एक मन की इच्छावों को अनुसार अशुद्धता लायी छोड़
दियो कि हि आपस म अपनो शरीर को अनादर करे। 25 कहालीकि उन्न परमेश्वर की सच्चायी ख
बदल क झूठ बनाय डाल्यो, अऊर सृष्टि की उपासना अऊर सेवा करी, जेक परमेश्वर न बनायो, न
कि ऊ सृष्टिकर्ता की जो हमेशा धन्य हय! आमीन।
26 येकोलायी परमेश्वर न उन्ख नीच कामनावों को हाथों सौंप दियो; यहां तक कि उन्की बाईयों
न भी स्वाभाविक योन सम्बन्ध को बजाय अस्वभाविक योन सम्बन्ध रखन लगी। 27 वसोच आदमी
भी बाईयों को संग स्वाभाविक व्यवहार छोड़ क आपस म कामातुर होय क जलन लग्यो, अऊर
आदमियों न आदमियों को संग निर्लज काम कर क् अपनो भ्रम को ठीक फर पायो।
28 जब उन्न परमेश्वर ख पहिचाननो नहीं चाह्यो, त परमेश्वर न भी उन्ख उन्को निकम्मो मन
पर छोड़ दियो कि हि अनुचित काम करन लग्यो जो उन्ख नहीं करनो होतो। 29 येकोलायी हि सब
तरह को अधर्म, अऊर दुष्टता, अऊर लोभ, अऊर अनैतिकता सी भर गयो; अऊर हि जलन, अऊर
हत्या, अऊर झगड़ा, अऊर छल कपट, अऊर बुरायी सी भर गयो, अऊर चुगलखोर होय गयो,
30 अऊर एक दूसरों की बुरायी करन वालो, परमेश्वर सी निन्दा करन वालो, अऊर अय्याशी करन
वालो अऊर घमण्डी अऊर अहंकारी अऊर बुरायी करन लायी हर एक रस्ता ढूंढन वालो, अऊर

✡ **1:13** १:१३ प्रेरितों १९:२१ ✡ **1:16** १:१६ मरकुस ८:३८ ✡ **1:21** १:२१ इफिसियों ४:१७,१८

माय बाप की आज्ञा नहीं मानन वालो, 31 हि विवेकहीन अऊर अपनो दियो गयो वाचा तोड़न वालो
अऊर एक दूसरों को प्रति अऊर निर्दयी होय गयो। 32 हि त परमेश्वर की यो नियम जानय हंय कि
असो काम करन वालो लोग भी मृत्यु दण्ड को लायक हंय, पर भी हि नहीं केवल उन काम करय हंय
बल्की हि लोग उन्को कामों ख समर्थन करय हंय।

2

[illegible]

1 ✡येकोलायी, हे दूसरों पर दोष लगावन वालो, तय चाहे कोयी भी आय, तोरो कोयी अधिकार
नहीं हय; कहालीकि जो बात म तय दूसरों पर दोष लगावय हय उच बात म अपनो आप ख भी
दोषी ठहरावय हय, येकोलायी कि तय जो दोष लगावय हय खुदच ऊ काम करय हय। 2 हम जानजे
हंय कि असो काम करन वालो ख परमेश्वर सच्चायी को अनुसार न्याय करय हय। 3 पर हे आदमी,
तय जो असो-असो काम करन वालो पर दोष लगावय हय अऊर खुद उच काम करय हय; का यो
समझय हय कि तय परमेश्वर की सजा की आज्ञा सी बच जाजो? 4 का तय ओकी महान दया, अऊर
सहनशीलता, अऊर धीरजरूपी धन ख बेकार जानय हय? का निश्चित यो नहीं समझय कि परमेश्वर
की कृपा तोख मन फिरावन को तरफ लिजावय हय? 5 पर तय अपनी कठोरता अऊर हटिलो मन
को वजह ऊ दिन लायी जेको म परमेश्वर को गुस्सा अऊर सच्चो न्याय प्रगट होयेंन, अपनो आप
लायी खुद गुस्सा लाय रह्यो हय। 6 परमेश्वर हम सब ख अपनो कर्मों को अनुसार फर देयेंन: 7 जो
अच्छो कर्म म लग्यो रह्य क परमेश्वर को तरफ सी महिमा, अऊर आदर, अऊर अमरता की खोज म
हंय, उन्ख परमेश्वर अनन्त जीवन देयेंन; 8 पर जो लोग स्वार्थी हंय अऊर सच्चायी ख नहीं मानय,
ताकि बुरो काम कर सके, असो लोगों पर परमेश्वर को गुस्सा अऊर प्रकोप उन पर पड़ेंन। 9 अऊर
कठिनायी अऊर संकट हर एक लोग पर जो बुरो करय हय आयेंन, पहिले यहूदी पर फिर गैरयहूदी
पर; 10 पर परमेश्वर हर एक ख जो अच्छो कर्म करय हय, उन्ख महिमा अऊर आदर अऊर शान्ति,
प्रदान करेंन, पहिले यहूदी ख फिर गैरयहूदी ख। 11 कहालीकि परमेश्वर बिना पक्षपात करयो सब
को न्याय करय हय।

12 गैरयहूदियों को जवर मूसा को नियम नहाय अऊर उन्को पापों को न्याय भी बिना व्यवस्था
को होयेंन। यहूदियों को जवर मूसा को नियम हय अऊर उन्को पापों को न्याय नियम को अनुसार
होयेंन; 13 कहालीकि परमेश्वर को यहां व्यवस्था को सुनन वालो सच्चो नहीं, पर व्यवस्था पर चलन
वालो सच्चो ठहराये जायेंन। 14 फिर जब गैरयहूदियों लोगों को जवर व्यवस्था नहाय, पर तब भी
हि अपनो आप व्यवस्था पर चलय हंय, यो वजह सी अपनो आप म व्यवस्था हंय तब भी जब की
उन्को जवर मूसा की व्यवस्था हंय। 15 उन्को चाल चलन दिखावय हय कि व्यवस्था उन्को दिल म
लिख्यो हंय, अऊर उन्को अन्तरमन भी कह्य हंय कि सही हय, अऊर येख ले क उन्को मानसिक
संघर्ष अपराधी या निर्दोष ठहरावय हंय; 16 ऊ दिन परमेश्वर, मोरो प्रचार करयो हुयो सुसमाचार
को अनुसार यीशु मसीह को द्वारा लोगों की लूकी हुयी बिचार को न्याय करेंन।

[illegible]

17 यदि तय अपनो आप ख यहूदी कह्य हय, अऊर व्यवस्था पर निर्भर रह्य हय, अऊर अपनो
परमेश्वर को बारे म तोख घमण्ड हय, 18 अऊर तोख पता हय परमेश्वर तोरो सी का करानो चाहवय
हय अऊर अच्छी बातों ख चुननो तय न व्यवस्था सी सिख्यो हय; 19 अऊर अपनो आप पर भरोसा
करय हय कि मय अन्धो को अगुवा, अऊर अन्धारो म पड़यो हुयो की ज्योति, 20 अऊर बुद्धिहीनों
को सिखावन वालो, अऊर भोलो लोगों को शिक्षक हय। अऊर तय निश्चित हय कि जो व्यवस्था
तोरो जवर हय ओको म पूरो सच्चायी अऊर ज्ञान को समावेश हय। 21 तय जो दूसरों ख सिखावय
हय, ऊ अपनो आप ख कहाली नहीं लागु करय? का तय जो चोरी नहीं करन की शिक्षा देवय हय,
अऊर तय खुदच चोरी करय हय? 22 तय जो कह्य हय, "व्यभिचार मत करजो," का खुदच व्यभिचार

✡ **2:1** २:१ मत्ती ७:१; लूका ६:३७

करय हय? तय जो मूर्तियों सी चिड़ करय हय, का खुदच मन्दिरों ख लूटय हय? 23 तय जो व्यवस्था
को बारे म घमण्ड करय हय, का परमेश्वर की व्यवस्था नहीं मान क परमेश्वर को अपमान करय हय?
24 "कहालीकि तुम्हरो वजह गैरयहूदियों म परमेश्वर को नाम की निन्दा करी जावय हय," जसो
शास्त्र म लिख्यो भी हय।

25 यदि तय व्यवस्था को पालन करय त खतना सी फायदा त हय, पर यदि तय व्यवस्था ख नहीं
मानय त तोरो खतना बिन खतना की दशा ठहरयो। 26 येकोलायी यदि गैरयहूदी जेको खतना नहीं
भयो हय तब भी ऊ व्यवस्था को पालन करय हय त का ओको खतनारहित होन ख भी खतना नहीं
गिन्यो जाये? 27 अऊर तुम यहूदियों ख गैरयहूदियों को द्वारा दोषी ठहरायो जायेंन जो भी तुम्हरो
जवर लिखी हुयी व्यवस्था अऊर खतना भयो हय पर गैरयहूदी व्यवस्था को पालन करय हय जब
की उन्को शारीरिक रूप सी खतना नहीं भयो हय। 28 एक सच्चो यहूदी कौन हय जेको हकिकत म
खतना भयो हय? सच्चो यहूदी ऊ नहीं जो केवल बाहरी रूप यहूदी हय जेको खतना केवल शारीरिक
हय। 29 पर सच्चो यहूदी उच आय; जो अन्दर सी यहूदी हय; जेको दिल सी खतना भयो हय अऊर
यो परमेश्वर की आत्मा को कार्य हय, नहीं कि लिखी हुयी व्यवस्था को। असो आदमी परमेश्वर को
तरफ सी प्रशंसा पायेंन नहीं कि आदमी को तरफ सी।

3

1 येकोलायी गैरयहूदी को आगु तुम्हरो यहूदी होन को का फायदा यां खतना को का फायदा? 2 हर
तरह सी बहुत फायदा हय। पहिले त यो कि परमेश्वर को वचन यहूदियों ख सौंप्यो गयो। 3 यदि
कुछ अविश्वासी निकले भी त का भयो? का उन्को विश्वासघाती होनो सी परमेश्वर की सच्चायी
ख बेकार कर देयेंन? 4 बिल्कुल नहीं! बल्की परमेश्वर सच्चो हय अऊर हर एक आदमी झूठो ठहर
सकय हय, जसो शास्त्र म लिख्यो हय,

"जब तय खुद को बचाव म बोलेंन तब तय सही ठहरेंन
अऊर न्याय करतो समय तय जीत पायेंन।"

5 येकोलायी यदि हमरो बुरो काम परमेश्वर को आगु सही ठहराय देवय हय, का हम कह्य सकजे
हय जब परमेश्वर हम्ख सजा देवय हय त का ऊ गलत करय हय? यो त मय आदमी की रीति पर
कहू हय। 6 बिल्कुल नहीं! नहीं त परमेश्वर कसो जगत को न्याय करेंन?

7 यदि मोरो झूठ को वजह परमेश्वर की सच्चायी ओकी महिमा लायी, ज्यादा कर क् प्रगट भयी
त तब का पापी को जसो मय सजा को लायक ठहरायो जाऊ हय? 8 "हम कहाली बुरायी करबो कि
भलायी निकले?" जसो हम पर योच दोष लगायो भी जावय हय, अऊर कुछ कहजे हंय कि येको
योच कहनो हय। पर असो ख दोषी ठहरानो ठीक हय।

????? ?????? ?????

9 त फिर का भयो? का हम यहूदी गैरयहूदियों सी अच्छो हंय? कभी नहीं; कहालीकि हम यहूदियों
अऊर गैरयहूदियों दोयी पर यो दोष लगाय चुक्यो हंय कि हि सब को सब पाप को अधिन म हंय।
10 जसो लिख्यो हंय:

कोयी सच्चो नहाय, एक भी नहीं।
11 कोयी समझदार नहाय;
कोयी परमेश्वर ख ढूंढन वालो नहाय।
12 सब परमेश्वर सी भटक गयो हंय,
सब को सब निकम्मो बन गयो हंय;
कोयी भलायी करन वालो नहाय, एक भी नहाय।
13 उन्को शब्द दु:ख दायक खुल्यो हुयो कब्र जसो हय,
उन्न अपनी जीबली सी छल करयो हय,

उन्को होठों सांपो को जहेर जसो हय।
14 उन्को मुंह श्राप अऊर कड़वाहट सी भरयो हय।
15 ओको पाय खून बहावन ख फुर्तीलो हंय,
16 ओको रस्ता म नाश अऊर कठिनायी हय।
17 उन्न शान्ति को रस्ता नहीं जान्यो।
18 उन्की आंखी को आगु परमेश्वर को आदर नहाय।

19 हम जानजे हय कि व्यवस्था जो कुछ कह्य हय उन्को सीच कह्य हय, जो व्यवस्था को अधीन
हंय; येकोलायी कि हर एक मुंह बन्द करयो जाये अऊर पूरो जगत परमेश्वर को न्याय को लायक
हंय; 20 ✡कहालीकि व्यवस्था को कामों सी कोयी आदमी परमेश्वर को आगु सच्चो नहीं ठहरे,
येकोलायी कि व्यवस्था को द्वारा पाप की पहिचान होवय हय।

[illegible]

21 पर अब व्यवस्था सी अलग परमेश्वर की ऊ सच्चायी प्रगट भयी हय, जेकी गवाही मूसा की
व्यवस्था अऊर भविष्यवक्ता देवय हंय, 22 ✡मतलब परमेश्वर की ऊ सच्चायी जो यीशु मसीह पर
विश्वास करन सी मिलय हय ऊ सब लोगों लायी हय। कहालीकि येको म कुछ भेद भाव नहाय;
23 येकोलायी कि सब न पाप करयो हय अऊर परमेश्वर की महिमा सी दूर होय गयो हंय, 24 पर
ओको अनुग्रह सी ऊ छुटकारा को द्वारा जो मसीह यीशु म हय, सब को सब सच्चो ठहरायो जावय
हंय। 25 यीशु ख परमेश्वर न ओको खून म विश्वास को द्वारा असो जेको द्वारा लोगों की पापों की
माफी होवय हय ऊ बली ठहरायो, जो विश्वास करन सी कार्यकारी होवय हय, कि जो पाप पहिले
करयो गयो अऊर जिन पर परमेश्वर न अपनी सहनशीलता को वजह ध्यान नहीं दियो। उन्को बारे
म ऊ अपनी सच्चायी प्रगट करे। 26 बल्की योच समय ओकी सच्चायी प्रगट हो कि जेकोसी ऊ
खुदच सच्चो ठहरे, अऊर जो यीशु पर विश्वास करे ओको भी सच्चो ठहरान वालो हो।

27 त घमण्ड कित हय? घमण्ड करन को वजह का हय? ओको पालन करनो का ऊ यो आय? नहीं,
पर ओको पर विश्वास करनो। 28 येकोलायी हम यो परिनाम पर पहुंचजे हंय कि आदमी व्यवस्था
को कामों सी अलगच, विश्वास को द्वारा सच्चो ठहरय हय। 29 या परमेश्वर केवल यहूदियों कोच
आय? का गैरयहूदियों को नहीं? हव, निश्चितच गैरयहूदियों को भी आय। 30 ✡कहालीकि एकच
परमेश्वर हय, यहूदियों ख विश्वास सी अऊर गैरयहूदियों ख भी विश्वास को द्वारा सच्चो ठहरायेंन।
31 त का हम व्यवस्था ख विश्वास को द्वारा बेकार ठहराजे हंय? बिल्कुल नहीं! बल्की व्यवस्था ख
बनायो रहजे हंय।

4

[illegible]

1 येकोलायी हम का कहबो हमरो बुजूर्ग अब्राहम ख का मिल्यो? 2 कहालीकि यदि अब्राहम
कामों सी सच्चो ठहरायो जातो, त ओख घमण्ड करन कि जागा होती, पर परमेश्वर की नजर म
नहीं। 3 ✡पवित्र शास्त्र का कह्य हय? यो कि "अब्राहम न परमेश्वर पर विश्वास करयो, अऊर
ओको विश्वास को वजह परमेश्वर न सच्चो स्वीकार करयो।" 4 काम करन वालो की मजूरी देनो
दान नहाय, पर हक्क समझ्यो जावय हय। 5 पर जो विश्वास पर निर्भर रह्य हय, नहीं कि कामों पर
अऊर परमेश्वर पर विश्वास करय हय, जो परमेश्वर अभक्तिहीन ख भक्तिहीन बनावय हय अऊर
ओको योच परमेश्वर पर को विश्वास सी परमेश्वर ओख सच्चो ठहरावय हय। 6 जेक परमेश्वर बिना
कर्मों को सच्चो ठहरावय हय, ओख दाऊद भी धन्य कह्य हय:
7 "धन्य हंय हि जिन्को अपराध माफ भयो,
अऊर जिन्को पाप झाक्यो गयो।
8 धन्य हय ऊ आदमी जेक परमेश्वर पापी

✡ **3:20** ३:२० गलातियों २:१६ ✡ **3:22** ३:२२ गलातियों २:१६ ✡ **3:30** ३:३० गलातियों ३:२० ✡ **4:3** ४:३ गलातियों ३:६

नहीं ठहराये!”
9 जो धन्य होन की बात दाऊद कह्य रह्यो हय, का यहूदी लायी हय नहीं पर यो बिना गैरयहूदी
लायी भी हय जसो हम वचन म सुनजे हय यो कहजे हंय, “अब्राहम न परमेश्वर पर विश्वास करयो
अऊर ओको विश्वास को वजह परमेश्वर न ओख सच्चो स्वीकार करयो।” 10 त यो कब भयो? का
जब ओको खतना होय गयो होतो यां जब ऊ बिना खतना को होतो? नहीं खतना होन को बाद नहीं
पर खतना होन सी पहिले भयो। 11 अऊर ओको खतना बाद म भयो होतो अऊर खतना होनो ऊ
एक चिन्ह बन्यो ताकि दर्शा सके कि परमेश्वर न ओको खतना होनो सी पहिलेच ओको विश्वास को
द्वारा सच्चो स्वीकार करयो अऊर अब्राहम सब विश्वासियों आत्मिक बाप बन्यो यद्यपि ऊ बिना
खतना को हय पर विश्वास हय येकोलायी ऊ भी सच्चो स्वीकार करयो जायेंन। 12 अऊर ऊ उन्को
भी बाप हय जिन्को खतना भयो हय ताकी ऊ लोग केवल खतना भयो वालोच नहीं होतो, बल्की
हमरो बाप अब्राहम को विश्वास को पद चिन्हों पर चलन वालो होतो ऊ अब्राहम जो खतना होनो
सी पहिलो चल्यो।

[illegible]

13 ✡जब परमेश्वर न अब्राहम सी अऊर ओको वंश सी प्रतिज्ञा की ऊ जगत को वारिस होयेंन,
या प्रतिज्ञा अब्राहम ख व्यवस्था को पालन सीच नहीं मिल्यो पर ओन विश्वास करयो अऊर ऊ
परमेश्वर को द्वारा सच्चो स्वीकार करयो गयो यो वजह मिल्यो। 14 ✡अऊर येकोलायी यदि आप
मानय हो कि परमेश्वर न दियो भयो प्रतिज्ञा या व्यवस्था को पालन करन वालो को वजह मिल्यो
त तुम्हरो विश्वास बेकार हय अऊर परमेश्वर की प्रतिज्ञा भी बेकार होय जावय हय। 15 व्यवस्था
सी परमेश्वर को गुस्सा प्रगट होवय हय, पर, जित व्यवस्था नहाय उत ओको उल्लंघन नहाय।
16 ✡योच वजह प्रतिज्ञा विश्वास पर आधारित हय अऊर या परमेश्वर की मुक्त भेंट आय, पूरो
अब्राहम को वंशजों लायी, न केवल ओको लायी जो व्यवस्था वालो हय बल्की उन्को लायी भी
जो अब्राहम को जसो विश्वास वालो हंय; कहालीकि अब्राहम हम सब को आत्मिक बाप आय,
17 जसो शास्त्र म लिख्यो हय, “मय न तोख बहुत सी राष्ट्रों को बाप ठहरायो हय” अऊर या
प्रतिज्ञा परमेश्वर कि नजर म ठीक हय, यो ऊ परमेश्वर हय जेको पर अब्राहम न विश्वास करयो,
अऊर जो मरयो हुयो ख जीन्दो करय हय, अऊर जो परमेश्वर अस्तित्व रहित बातों सी प्रगट
करय हय। 18 जसो शास्त्र म लिख्यो हय ऊ तय बहुत सी राष्ट्रों को बाप होयेंन “तोरो वंश तारों
को जसो होयेंन या बात पर आशा रखन को कोयी वजह नहीं होतो फिर भी अब्राहम न विश्वास
अऊर आशा रखेंन। 19 कहालीकि ऊ लगभग सौ साल को होय गयो होतो, पर ओको विश्वास ओको
शरीर को जसो कमजोर नहीं भयो होतो, जसो की ओको शरीर लगभग मरयो हुयो होय चुक्यो होतो,
अऊर सच्चायी त यो भी हय, सारा को गर्भ भी बच्चां ख जनम नहीं दे सकत होती। 20 तब भी ओन
अपनो विश्वास ख नहीं छोड़यो अऊर न परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर शक करयो, ओको विश्वास न
सामर्थ सी भरयो अऊर ओन परमेश्वर की महिमा करी; 21 अऊर ओख पूरो भरोसा हय कि जो बात
की परमेश्वर न प्रतिज्ञा करी हय, ऊ ओख पूरो करन म भी समर्थ हय। 22 यो वजह परमेश्वर न
अब्राहम ख ओको विश्वास को द्वारा ओख सच्चो स्वीकार करयो। 23 अऊर यो वचन, विश्वास को
द्वारा सच्चो स्वीकार करनो” केवल ऊ अकेलो लायी नहीं लिख्यो गयो, 24 यो बल्की हमरो लायी
भी लिख्यो गयो, जो हम सच्चो ठहरायो गयो, जो हम यीशु पर विश्वास करय हंय जो हमरो प्रभु
जो मृत्यु म सी जीन्दो भयो ओको पर विश्वास करजे हय। 25 कहालीकि ऊ हमरो पापों को वजह
सौंप्यो गयो, अऊर हम्ख परमेश्वर को संग सच्चो ठहरान लायी मृत्यु म सी जीन्दो भयो।

5

[illegible]

✡ **4:13** ४:१३ गलातियों ३:२९ ✡ **4:14** ४:१४ गलातियों ३:१८ ✡ **4:16** ४:१६ गलातियों ३:७

1 येकोलायी जब हम विश्वास को वजह परमेश्वर को आगु सच्चो भय गयो हय हमरो प्रभु यीशु
मसीह को वजह परमेश्वर हमरो बीच शान्ति प्राप्त भयी हय, 2 अब ओको को द्वारा विश्वास को
वजह हम परमेश्वर को अनुग्रह म जीवन जीवय हय। अऊर हम ओको आशा पर घमण्ड करय
हय जो आशा परमेश्वर की महिमा को संग भागिदार भयो हय। 3 इतनोच नहीं हमरो मुसीबत पर
भी केवल योच नहीं, बल्की हम कठिनायियों म भी घमण्ड करे, यो जान क कि कठिनायी सी धीरज,
4 अऊर धीरज सी परख्यो भयो चरित्र बनय हय, अऊर परख्यो हुयो चरित्र सी आशा निकलय
हय; 5 अऊर या आशा हम्ख नाराज नहीं करय, कहालीकि परमेश्वर न ओको प्रेम हमरो दिल म
डाल्यो गयो हय। बल्की पवित्र आत्मा को द्वारा जो परमेश्वर को प्रेम हमरो मन म डाल्यो गयो
हय।

6 कहालीकि जब हम आशाहीन होतो, त ठीक समय पर हम भक्तिहीनों लायी मसीह न अपनो
बलिदान दियो। 7 कोयी सच्चो जान को लायी कोयी मरे, यो त दुर्लभ हय; पर होय सकय हय कोयी
भलो आदमी को लायी कोयी मरन को भी हिम्मत करे। 8 पर परमेश्वर हम पर अपनो प्रेम की
अच्छायी यो रीति सी प्रगट करय हय कि जब हम पापीच होतो तब भी मसीह हमरो लायी मरयो।
9 येकोलायी जब कि हम अब ओको खून को वजह सच्चो ठहरेंन, त ओको द्वारा परमेश्वर को गुस्सा
सी कहाली न बचायो जायेंन? 10 जब हम परमेश्वर को दुश्मन होतो पर परमेश्वर न अपनो बेटा
को मृत्यु को द्वारा हमरो संग मेल-मिलाप करयो। अऊर जब हम परमेश्वर को संगी हय त मसीह
को जीवन द्वारा बहुत जादा हमरो उद्धार करेंन 11 केवल योच नहीं, पर हम अपनो प्रभु यीशु मसीह
सी, हमरो परमेश्वर को संग मेल-मिलाप हुयो हय, परमेश्वर म खुश होवय हंय।

[illegible]

12 येकोलायी जसो एक आदमी को द्वारा पाप जगत म आयो, अऊर पाप को द्वारा मृत्यु आयी,
अऊर यो रीति सी मृत्यु सब आदमियों म फैल गयी, कहालीकि सब न पाप करयो। 13 जब व्यवस्था
को दियो जान पहिलो पाप जगत म होतो, पर जित व्यवस्था नहीं उत पाप गिन्यो नहीं जावय।
14 पर आदम सी ले क मूसा तक मृत्यु न उन लोगों पर भी राज्य करयो, जब की उन लोगों न आदम
जसो को पाप नहीं करयो फिर भी मृत्यु न राज्य करयो, जो ऊ आवन वालो को नमुना आय, की
अपराध को जसो पाप नहीं करयो। 15 पर जसो अपराध की दशा हय, वसो अनुग्रह को वरदान
की नहीं, कहालीकि जब एक आदमी को अपराध सी बहुत लोग मरयो, त परमेश्वर को अनुग्रह
अऊर ओको जो दान एक आदमी को, मतलब यीशु मसीह को, अनुग्रह सी भयो बहुत सो लोगों की
भलायी लायी कितनो कुछ अऊर बहुत हय। 16 अऊर परमेश्वर को भेंट अऊर एक आदमी को पाप
इन दोयी म फरक हय। फिर एक पाप को वजह दोष को न्याय आयो, पर बहुत पूरो पापों को बाद
अऊर अपराधी होन को जेको हम लायक नहीं होतो ऊ भेंट आयो। 17 कहालीकि जब एक आदमी
को अपराध को वजह मृत्यु न ऊ एकच को द्वारा राज्य करयो, त जो लोग अनुग्रह अऊर धर्मरूपी
वरदान बहुतायत सी पावय हंय ऊ एकच आदमी को, मतलब यीशु मसीह को द्वारा जरूरच अनन्त
जीवन म राज्य करे।

18 येकोलायी जसो एक अपराध सब आदमियों लायी सजा की आज्ञा को वजह भयो, वसोच एक
सच्च को काम भी सब लोगों ख मुक्त करय हय अऊर जीवन देवय हंय। 19 कहालीकि जसो एक
आदमी को आज्ञा न मानन सी बहुत लोग पापी ठहरयो वसोच एक आदमी को आज्ञा मानन को वजह
सब लोग परमेश्वर आगु सच्चो ठहरायो जायेंन।

20 व्यवस्था को परिचय येकोलायी भयो कि अपराध बढ़ पाये, पर जित पाप बढ़यो उत परमेश्वर
को अनुग्रह अऊर भी जादा भयो, 21 कि जसो पाप न मृत्यु को द्वारा फैलातो हुयो राज्य करयो,
वसोच हमरो प्रभु यीशु मसीह को द्वारा अनुग्रह भी अनन्त जीवन को लायी सच्च को द्वारा ठहरातो
हुयो राज्य करे।

6

[illegible]

1 त का हम लगातार पाप करतो रहबो? का हम पाप करतो रहबो कि अनुग्रह बहुत हो? 2 कभी
नहीं! हम जब पाप लायी मर गयो त फिर येको आगु ओको म कसो जीवन बितायबो? 3 का तुम
नहीं जानय कि हम सब जिन्न मसीह यीशु म बपतिस्मा लियो, ओकी मरन की एकता म बपतिस्मा
लियो। 4 ✡यानेकि ऊ मृत्यु को बपतिस्मा पान सी हम ओको संग गाड़्यो गयो, ताकि जसो मसीह
बाप की महिमा को द्वारा मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो गयो, वसोच हम भी एक नयो जीवन पाये।
5 कहालीकि यदि हम ओकी मृत्यु की समानता म ओको संग जुट गयो हंय, त निश्चित ओको
जीन्दो होन कि समानता म भी जुट जाबोंन। 6 हम जानजे हंय कि हमरो पुरानो मनुष्यत्व ओको
संग क्रूस पर चढ़ायो गयो ताकि पाप को शरीर बेकार हो जाय, अऊर हम आगु पाप को सेवक मत
बनो। 7 कहालीकि जो मर गयो, ऊ पाप को बन्धन सी मुक्त भय गयो। 8 येकोलायी यदि हम मसीह
को संग मर गयो, त हमरो विश्वास यो हय कि ओको संग जाबोंन भी। 9 कहालीकि यो जानजे हंय
कि मसीह मरयो हुयो म सी जीन्दो होय क फिर सी मरन को नहीं; ओको पर फिर मृत्यु को वश कभी
नहीं चलेंन। 10 अऊर ऊ मर गयो ओको पर पाप को बन्धन नहीं हय अऊर अब ऊ परमेश्वर को संग
ओको जीवन जीवय हय। 11 असोच तुम भी अपनो बारे म समझो की पाप लायी त मरयो हय, पर
यीशु मसीह म परमेश्वर को संग जीन्दो हय।
12 येकोलायी पाप तुम्हरो नाशवान शरीर म राज्य नहीं करे, कि तुम ओकी इच्छावों को अधीन
रहो; 13 अपनो शरीर को अंगों ख अधर्म की सेवा लायी पाप को हाथों म नहीं करो। पर मरयो हुयो म
सी जीन्दो होन को जसो परमेश्वर को सौंप देवो, अऊर अपनो शरीर को अंगों ख सच्चायी की सेवा
को साधन को रूप म परमेश्वर ख सौंप देवो। 14 तब तुम पर पाप की प्रभुता नहीं होयेंन, कहालीकि
तुम व्यवस्था को अधीन नहीं बल्की परमेश्वर को अनुग्रह को अधीन हो।

[illegible]

15 त हम का करबो? का हम पाप करबो कहालीकि हम व्यवस्था को अधीन नहाय बल्की परमेश्वर
को अनुग्रह को अधीन जीवय हंय? कभीच नहीं! 16 का तुम नहीं जानय कि जेकी आज्ञा मानन
लायी तुम अपनो आप ख सेवकों को जसो सौंप देवय हय ओकोच सेवक हो: चाहे पाप को, जेको
अन्त मृत्यु हय, चाहे आज्ञाकारिता को, जेको अन्त सच्चायी हय? 17 पर परमेश्वर को धन्यवाद
हो कि एक समय पाप को सेवक होतो अब मन सी ऊ उपदेश को तुम न अपनो दिल म स्वीकार
करयो, जेको साचा म ढाल्यो गयो होतो, 18 अऊर तुम पाप सी छुड़ायो जाय क सच्चायी को सेवक
बन गयो। 19 मय तुम्हरी शारीरिक कमजोरी को वजह आदमियों की रीति पर कहू हय। जसो तुम
न अपनो अंगों ख अपवित्रता अऊर व्यवस्था को दुष्ट पन को आगु सेवक कर क् सौंप्यो होतो,
वसोच अब अपनो अंगों ख पवित्रता लायी सच्चायी को अधिन सेवक कर क् सौंप देवो।
20 जब तुम पाप को सेवक होतो, त सच्चायी को तरफ सी स्वतंत्र होतो। 21 येकोलायी जिन
बातों सी अब तुम, लज्जित होवय हय, उन्को सी ऊ समय तुम का फर पात होतो? कहालीकि
उन्को अन्त त मृत्यु हय। 22 पर अब पाप सी स्वतंत्र होय क अऊर परमेश्वर को सेवक बन क
तुम ख फर मिल्यो जेकोसी पवित्रता प्राप्त होवय हय, अऊर ओको अन्त अनन्त जीवन हय।
23 कहालीकि पाप की मजूरी त मृत्यु हय, पर हमरो परमेश्वर की भेंट प्रभु मसीह यीशु म अनन्त
जीवन हय।

7

[illegible]

1 हे भाऊवों-बहिनों, का तुम नहीं जानय मय व्यवस्था को जानन वालो सी कहू हय कि जब तक
आदमी जीन्दो रह्य हय, तब तक ओको पर व्यवस्था की प्रभुता रह्य हय? 2 उदाहरन लायी एक

✡ **6:4** ६:४ कुलुस्सियों २:१२

बिहाव वाली बाई व्यवस्था को अनुसार अपनो पति को संग व्यवस्था को अनुसार तब तक बन्धी
हय, जब तक वा जीन्दी हय, पर यदि ओको पति मर जावय हय त बिहाव सम्बन्धी व्यवस्था सी
मुक्त होय जावय हय। 3 येकोलायी यदि पति को जीतो-जी वा कोयी दूसरों आदमी की होय जाये,
त व्यभिचारिनी कहलायेंन, यदि पति मर जाये, त वा ऊ व्यवस्था सी छूट गयी, यहां तक कि यदि
कोयी दूसरों आदमी की होय जाये तब व्यभिचारिनी नहीं ठहरेंन। 4 वसोच हे मोरो भाऊवों-बहिनों,
तुम भी मसीह को शरीर को द्वारा व्यवस्था को लायी मरयो हुयो बन गयो हय, कि ऊ दूसरों को होय
जावो, जो मरयो हुयो म सी जीन्दो भयो: ताकि हम परमेश्वर को लायी फर लायबो। 5 कहालीकि
जब हम शारीरिक स्वभाव को अधीन होतो, त पापों की अभिलासाये जो व्यवस्था को द्वारा होती,
मृत्यु को फर पैदा करन को लायी हमरो अंगों म काम करत होती। 6 पर जेको बन्धन म हम होतो
ओको लायी मर क, अब व्यवस्था सी असो छूट गयो, कि लेख की पुरानी रीति पर नहीं, बल्की
आत्मा की नयी रीति पर सेवा करय हंय।

[illegible]

7 त हम का कहबो? का व्यवस्था पाप हय? कभीच नहीं! बल्की बिना व्यवस्था को मय पाप ख
नहीं पहिचानू: व्यवस्था यदि नहीं कहती, कि लालच मत कर त मय लालच ख नहीं जानतो। 8 पर
पाप न मौका मिल्तोच आज्ञा को द्वार मोरो म सब तरह को लालच पैदा करयो, कहालीकि बिना
व्यवस्था पाप मरयो हुयो हय। 9 मय त व्यवस्था बिना पहिले जीन्दो होतो, पर जब आज्ञा आयी,
त पाप जीन्दो भयो, अऊर मय मर गयो। 10 अऊर वाच आज्ञा जो जीवन लान लायी होती, मोरो
लायी मरन को वजह बनी। 11 कहालीकि पाप न मौका मिल्तोच आज्ञा को द्वारा मोख बहकायो,
अऊर ओकोच द्वारा मोख मार भी डाल्यो।

12 *येकोलायी व्यवस्था पवित्र हय, अऊर आज्ञा भी उचित अऊर अच्छी हय। 13 त का ऊ जो
अच्छी होती, मोरो लायी मृत्यु ठहरी? कभीच नहीं! पर पाप ऊ अच्छी चिज को द्वारा मोरो लायी
मृत्यु ख पैदा करन वालो भयो कि ओको पाप दिख जाये, अऊर आज्ञा को द्वारा पाप बहुतच पापमय
ठहरे।

[illegible]

14 हम जानजे हंय कि व्यवस्था त आत्मिक हय, पर मय शारीरिक अऊर पाप को हाथ म बिक्यो
हुयो हय। 15 ✡जो मय कहू हय ओख नहीं जानु; कहालीकि जो मय चाहऊ हय ऊ नहीं करू, पर
जेकोसी मोख घृना आवय हय उच करू हय। 16 यदि जो मय नहीं चाहऊ उच करू हय, त मय नाम
लेऊ हय कि व्यवस्था ठीक हय। 17 त असी दशा म ओको करन वालो मय नहीं, बल्की पाप हय जो
मोरो म बस्यो हुयो हय। 18 कहालीकि मय जानु हय कि मोरो म मतलब मोरो शरीर म कोयी अच्छी
चिज वाश नहीं करय। इच्छा त मोरो म हय, पर भलो काम मोरो सी बन नहीं सकय। 19 कहालीकि
जो अच्छो काम को मय इच्छा करू हय, ऊ त नहीं करय, पर जो बुरायी कि इच्छा नहीं करय, उच
करू हय। 20 अब भी यदि मय उच करू हय जेकी इच्छा नहीं करू, त ओको करन वालो मय नहीं
रहू, पर पाप जो मोरो म बस्यो हुयो हय।

21 यो तरह मय यो नियम पाऊ हय कि जब भलायी करन की इच्छा करू हय, त बुरायी खच पाऊ
हय। 22 कहालीकि मय अन्दर की अन्तर आत्मा सी त परमेश्वर की व्यवस्था सी बहुत खुश रहू हय।
23 पर मोख अपनो शरीर म दूसरों तरह को नियम दिखायी देवय हय, जो मोरी बुद्धी की व्यवस्था सी
लड़य हय अऊर मोख पाप को नियम को बन्धन म डालय हय जो मोरो शरीर म हय। 24 मय कसो
दु:खी आदमी आय! मोख यो मृत्यु को शरीर सी कौन छुड़ायेंन? 25 जो हम्ख छुटकारा देवय हय
ओको प्रभु यीशु मसीह को द्वारा मय परमेश्वर को धन्यवाद हो।

येको तरह बुद्धी सी परमेश्वर को नियम को, पर शरीर सी पाप को नियम को पालन करू हय।

* **7:12** ७:१२ कुछ पुरानो दस्तावेजों म यो वचन मिलय नहाय ✡ **7:15** ७:१५ गलातियों ५:१७

8

[illegible]

1 अब भी जो मसीह यीशु म जीवन जीवय हंय, उन पर सजा की आज्ञा नहीं। 2 कहालीकि जीवन
की आत्मा की व्यवस्था न मसीह यीशु म हम्ख पाप की अऊर मृत्यु की व्यवस्था सी स्वतंत्र कर
दियो। 3 कहालीकि जो काम व्यवस्था शरीर को वजह दुर्बल होय क नहीं कर सकी, ओख परमेश्वर
न करयो, मतलब अपनोच बेटा ख पापमय शरीर की समानता म अऊर पापबलि होन को लायी भेज
क, शरीर म पाप पर सजा की आज्ञा दियो। 4 येकोलायी कि व्यवस्था को नियम हम म जो शरीर को
अनुसार नहीं बल्की आत्मा को अनुसार चलय हंय, पूरी करी जाये। 5 कहालीकि जो शारीरिक लोग
शरीर की बातों पर मन लगावय हंय, पर जो आत्मा की बातों पर मन लगावय हंय। 6 शरीर पर मन
लगानो त मरन हय, पर आत्मा पर मन लगानो जीवन अऊर शान्ति हय; 7 कहालीकि शरीर पर मन
लगानो त परमेश्वर सी दुस्मनी रखनो हय, कहालीकि नहीं त परमेश्वर की व्यवस्था को अधीन हय
अऊर नहीं होय सकय हय; 8 कहालीकि जो पापपूर्न स्वभाव म जीवय हंय, हि परमेश्वर ख खुश
नहीं कर सकय।

9 पर जब कि परमेश्वर को आत्मा तुम म बसय हय; त तुम शारीरिक दशा म नहीं, पर आत्मिक
दशा म हो। यदि कोयी म मसीह को आत्मा नहीं त ऊ ओको लोग नहीं। 10 यदि मसीह तुम म हय,
त शरीर पाप को वजह मरी हुयी हय; पर आत्मा सच्चायी को जीन्दी हय। 11 ✡यदि ओकोच आत्मा
जेन यीशु ख मरयो हुयो सी जीन्दो करयो, तुम म बस्यो हुयो हय, त जेन मसीह ख मरयो हुयो सी
जीन्दो करयो, ऊ तुम्हरी मरयो हुयो शरीरों ख भी अपनो आत्मा को द्वारा जो तुम म बस्यो हुयो
हय, जीन्दो करेंन।

12 येकोलायी हे भाऊवों-बहिनों, हम भौतिक शरीर को कर्जदार त हंय पर येको यो मतलब नहीं कि
शरीर को अनुसार दिन काटे, 13 कहालीकि यदि तुम शरीर को अनुसार दिन काटो त मरो, यदि आत्मा
सी शरीर की कामों ख मारो त जीन्दो रहो। 14 येकोलायी कि जितनो लोग परमेश्वर को आत्मा को
चलायो चलय हंय, हिच परमेश्वर को सन्तान आय। 15 ✡कहालीकि तुम ख गुलाम बनावन वाली
आत्मा नहीं मिली कि डरो, पर परमेश्वर की सन्तान की आत्मा मिली हय, जेकोसी हम हे अब्बा, हे
पिता कह्य क पुकारजे हंय। 16 परमेश्वर कि आत्मा खुदच हमरी आत्मा को संग गवाही देवय हय,
कि हम परमेश्वर की सन्तान आय; 17 अऊर यदि सन्तान हंय त वारिस भी, बल्की परमेश्वर को
वारिस अऊर मसीह को संगी वारिस हंय, कि जब हम ओको संग दु:ख उठाये त ओको संग महिमा
भी पाये।

[illegible]

18 कहालीकि मय समझू हय कि यो समय को दु:ख अऊर कठिनायी ऊ महिमा को आगु, जो हम
पर प्रगट होन वाली हय, कुछ भी नहाय। 19 कहालीकि सृष्टि बड़ी आशाभरी नजर सी परमेश्वर
को बेटों को प्रगट होन की बाट देख रही हय। 20 कहालीकि सृष्टि अपनी इच्छा सी नहीं, पर
अधीन करन वालो को तरफ सी बेकार को अधीन या आशा सी करी गयी। 21 कि सृष्टि भी खुदच
विनाश को गुलामी सी छुटकारा पा क, परमेश्वर की सन्तानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त
करे। 22 कहालीकि हम जानजे हंय कि पूरी सृष्टि अब तक मिल क कराहती अऊर तकलिफों म
पड़ी तड़पय हय; 23 ✡अऊर केवल उच नहीं पर हम भी जिन्को जवर आत्मा को पहिलो फर हय,
खुदच करहावय हंय; अऊर अपनायो हुयो बेटा होन को, मतलब अपनो शरीर को छुटकारा की बाट
देखय हंय। 24 या आशा को द्वारा हमरो उद्धार भयो हय; पर जो चिज की आशा करी जावय हय, जब
ऊ देखनो म आयो त फिर आशा कित रही? कहालीकि जो चिज ख कोयी देख रह्यो हय ओकी आशा
का करेंन? 25 पर जो चिज ख हम नहीं देखजे, यदि ओकी आशा रखजे हंय, त धीरज सी ओकी बाट
देखजे भी हंय।

✡ **8:11** ८:११ १ कुरिन्थियों ३:१६ ✡ **8:15** ८:१५ मरकुस १४:३६; गलातियों ४:६; गलातियों ४:५-७ ✡ **8:23** ८:२३ २ कुरिन्थियों ५:२-४

26 योच रीति सी आत्मा भी हमरी कमजोरी म मदत करय हय: कहालीकि हम नहीं जानजे कि
प्रार्थना कौन्सो रीति सी करनो चाहिये, पर आत्मा खुदच असी आह भर क, जो बयान सी बाहेर
हंय, हमरो लायी बिनती करय हय; 27 अऊर परमेश्वर हमरो दिल देखय हय? कहालीकि ऊ पवित्र
लोगों लायी कहालीकि आत्मा परमेश्वर की इच्छा को अनुसार बिनती करय हय।
28 हम जानजे हंय कि जो लोग परमेश्वर सी प्रेम रखय हंय, उन्को लायी सब बाते मिल क
भलायीच ख पैदा करय हंय; मतलब उन्कोच लायी जो ओकी इच्छा को अनुसार बुलायो हुयो हंय।
29 कहालीकि जिन्ख ओन पहिले सी जान लियो हय उन्ख पहिले सी ठहरायो भी हय कि ओको बेटा
को समानता म हो, ताकि ऊ बहुत भाऊवों सी पहिलो ठहरे। 30 फिर जिन्ख ओन पहिले सी ठहरायो,
उन्ख बुलायो भी; अऊर जिन्ख बुलायो, उन्ख सच्चो भी ठहरायो हय; अऊर जिन्ख सच्चो ठहरायो,
उन्ख महिमा भी दियो हय।

[illegible]

31 अब तक हम इन बातों को बारे म का कहबो? यदि परमेश्वर हमरो तरफ हय, त हमरो विरोध
कौन होय सकय हय? 32 जेन अपनो बेटा ख नहीं छोड़यो, पर ओख हम सब को लायी दे दियो,
ऊ ओको संग हम्ख अऊर सब कुछ मुक्त कहाली नहीं देयेंन? 33 परमेश्वर को चुन्यो हुयो पर दोष
कौन लगायेंन? परमेश्वरच हय जो उन्ख सच्चो ठहरान वालो हय। 34 फिर कौन हय जो सजा की
आज्ञा देयेंन? मसीह यीशु हय जो मर गयो बल्की मुर्दों म सी जीन्दो भी भयो, अऊर परमेश्वर
को दायो तरफ हय, अऊर हमरो लायी समझौता भी करय हय। 35 कौन हम ख मसीह को प्रेम
सी अलग करेंन? का कठिनायी, यां संकट, यां उपद्रव, यां अकाल, यां नंगायी, यां जोखिम, यां
तलवार? 36 जसो शास्त्र म लिख्यो हय,

"तोरो लायी हम दिन भर मारयो जाजे हंय;
हम काटचो जान वाली मेंढा को जसो समझ्यो जाजे हंय।"

37 पर इन सब बातों म हम ओको द्वारा जेन हम सी प्रेम करयो हय, पुर्णता सी भी बढ़ क हंय।
38 कहालीकि मय निश्चय जानु हय कि कोयी हम्ख ओको प्रेम सी अलग कर सकय हय, मृत्यु,
न जीवन, न स्वर्गदूत, न दुष्ट शासन, न वर्तमान, न भविष्य, न सामर्थ, न ऊचाई, 39 न धरती की
गहरायी, अऊर न कोयी धरती की ऊचाई अऊर न जगत की कोयी निर्मिती हम्ख परमेश्वर को प्रेम
सी जो हमरो प्रभु मसीह यीशु म हय, अलग कर सकेंन।

9

[illegible]

1 मय मसीह म सच कहू हय, मय झूठ नहीं बोल रह्यो अऊर मोरो अन्तरमन भी पवित्र आत्मा
म गवाही देवय हय 2 कि मोख बड़ो शोक हय, अऊर मोरो मन सदा दुखय हय, 3 कहालीकि मय
यहां तक चाहत होतो कि अपनो भाऊवों को लायी जो शरीर को भाव सी मोरो कुटुम्बी आय, खुदच
मसीह सी अलग अऊर परमेश्वर शापित होय जावय। 4 हि इस्राएली आय, अऊर परमेश्वर को
सन्तान होन को अधिकार अऊर महिमा अऊर वाचाये अऊर व्यवस्था को उपहार अऊर परमेश्वर
को उपासना अऊर प्रतिज्ञाये उन्कोच आय। 5 बुजूर्ग भी उन्कोच आय, अऊर मसीह भी शरीर को
भाव सी उन म सी भयो। सब को ऊपर परम परमेश्वर राज्य करय हय, अऊर हमेशा-हमेशा धन्य
हय! आमीन।
6 असो नहीं कि परमेश्वर कि अपनो वचन पूरो नहीं करयो हंय, कहालीकि जो इस्राएल को वंश
हंय, ऊ सब इस्राएली नोहोय। 7 अऊर न अब्राहम को वंश होन को वजह सब ओकी सन्तान
ठहरे, पर पवित्र शास्त्र म लिख्यो हय "इसहाक सीच तोरो वंश कहलायेंन।" 8 मतलब शरीर की
सन्तान परमेश्वर की सन्तान नोहोय, पर प्रतिज्ञा की सन्तान वंश गिन्यो जावय हंय। 9 कहालीकि
प्रतिज्ञा को वचन यो आय: "मय उच समय को अनुसार आऊं, अऊर सारा को एक बेटा होयेंन।"
10 अऊर केवल योच नहीं, पर जब हमरो बाप इसहाक सी रीबका ख दोय बेटा भयो। 11 पर ओको
एक बच्चा ख चुन्यो यो पूरो तरह परमेश्वर को खुद को उद्देश को परिनाम होतो, परमेश्वर न उन्को

सी कह्यो, “बड़ो छोटो की सेवा करेंन।” 12 या बात परमेश्वर न उन्को जनम सी पहिलो अऊर उन्को
कुछ भलो बुरो करन को पहिलो कहीं; त परमेश्वर की पसंद ओको बुलाहट पर निर्भर हय, न कि
उन्न का करयो ओको पर ओन कह्यो, “बड़ो छोटो को सेवक होयेंन।” 13 जसो शास्त्र म लिख्यो
हय, “मय न याकूब सी प्रेम करयो, पर एसाव ख अप्रिय जान्यो।”*
14 येकोलायी हम का कहबो? का परमेश्वर को यहां अन्याय हय? कभीच नहीं। 15 कहालीकि ऊ
मूसा सी कह्य हय, “मय जो कोयी पर दया करयो चाहऊं ओको पर दया करू, अऊर जेको पर तरस
खानो चाहऊं, ओको पर तरस खाऊ।” 16 अब भी यो नहीं त चाहन वालो की, नहीं परिश्रम वालो
की पर दया करन वालो परमेश्वर पर निर्भर रह्य हय। 17 कहालीकि पवित्र शास्त्र म फिरौन सी
कह्यो गयो, “मय न तोख येकोलायी खड़ो करयो हय कि तोरो म अपनी सामर्थ दिखाऊं, अऊर मोरो
नाम को प्रचार पूरी धरती पर हो।” निर्गमन 18 येकोलायी ऊ जेक चाहवय हय ओको पर दया करय
हय, अऊर जेक चाहवय हय ओख कठोर बनाय देवय हय।

[illegible]

19 “त फिर तुम म सी कोयी मोख सी कहेंन यदि कोयी असो हय कि काम को नियंत्रन करन
वालो परमेश्वर हय त फिर ऊ हम्ख दोष ठहरावय हय? कौन परमेश्वर की इच्छा को विरोध कर
सकय हय?” 20 हे आदमी, तय कौन आय जो परमेश्वर को विरोध म बोलय हय? का गढ़ी हुयी
चिज गढ़न वालो सी कह्य सकय हय, “तय न मोख असो कहाली बनायो हय?” 21 का कुम्हार ख
माटी पर अधिकार नहाय कि एकच लोंदा म सी एक बर्तन आदर को लायी, अऊर दूसरों ख अनादर
को लायी बनाये?
22 त येको म कौन सी नवल की बात हय कि परमेश्वर न अपनो गुस्सा दिखावन अऊर अपनी
सामर्थ प्रगट करन की इच्छा सी गुस्सा को बर्तनों की, जो विनाश को लायी तैयार करयो गयो
होतो, बड़ो धीरज सीच सही; 23 अऊर दया को बर्तनों पर, जिन्ख ओन महिमा को लायी पहिले सी
तैयार करयो, अपनो महिमा को धन ख प्रगट करन की इच्छा करी 24 मतलब हम पर जिन्ख ओन
नहीं केवल यहूदियों म सी, बल्की गैरयहूदियों म सी भी बुलायो। 25 जसो ऊ होशे की किताब म भी
कह्य हय,
“जो मोरो लोग नहीं होतो,
उन्ख मय अपनो लोग कहूं;
अऊर जो प्रिय नहीं होती,
ओख प्रिय कहूं।
26 अऊर असो होयेंन कि जो जागा म उन्को सी यो कह्यो गयो होतो कि तुम मोरो नोहोय,
उच जागा हि जीन्दो परमेश्वर की सन्तान कहलाबो।”
27 अऊर यशायाह इस्राएल को बारे म पुकार क कह्य हय, “चाहे इस्राएल की सन्तानों की गिनती
समुन्दर को रेतु को बराबर हय, तब भी उन्म सी थोड़ोच बचायो जायेंन। 28 कहालीकि प्रभु अपनो
वचन धरती पर पूरो कर क, जल्दीच ओख सिद्ध करेंन।” 29 जसो यशायाह न पहिले भी कह्यो होतो,
“यदि सेनावों को प्रभु हमरो लायी कुछ वंश नहीं छोड़तो, त हम सदोम को जसो होय जातो, अऊर
गमोरा को जसोच ठहरतो।”

[illegible]

30 अब हम का कहबो? यो कि गैरयहूदियों न जो सच्चायी की खोज नहीं करत होतो, सच्चायी ख
विश्वास सी प्राप्त मतलब ओन सच्चायी ख जो विश्वास सी हय; 31 पर इस्राएली, जो सच्चायी
की व्यवस्था की खोज करत होतो ऊ व्यवस्था तक नहीं पहुंच्यो। 32 कोन्को लायी? येकोलायी कि
हि विश्वास सी नहीं, पर मानो कर्मों सी ओकी खोज करत होतो। उन्न ऊ ठेस को गोटा पर ठोकर
खायी, 33 †जसो शास्त्र म लिख्यो हय,
“देखो, मय सिय्योन म एक ठेस लगन को गोटा,

---

* **9:13** ९:१३ मलाकी १:२-३ † **9:33** ९:३३ यशायाह ८:१४; २८:१६

अऊर ठोकर खान की
चट्टान रखू हय, अऊर जो ओको
पर विश्वास करे न ऊ लज्जित नहीं होयेंन।”

10

1 हे भाऊवों-बहिनों, मोरो मन की अभिलाषा अऊर ओको लायी परमेश्वर सी मोरी प्रार्थना हय
कि हि उद्धार पाये। 2 कहालीकि मय या बात सी निश्चित रह्य हय, कि परमेश्वर की पर उन्की भक्ति
उन्को सच्चो ज्ञान पर आधारित नहीं। 3 कहालीकि हि परमेश्वर की सच्चायी सी अनजान होय क,
अऊर अपनी सच्चायी स्थापित करन को कोशिश कर क, परमेश्वर की सच्चायी को अधीन नहीं
भयो। 4 मसीह न व्यवस्था को अन्त करयो ताकि हर कोयी जो विश्वास करय हय परमेश्वर को संग
सही सम्बन्ध म आवय हंय।

[illegible]

5 सच्चायी ख बारे म जो व्यवस्था सी मिल्यो हय, ओको वर्नन मूसा यो तरह करय हय। जो कोयी
व्यवस्था की आज्ञा मानय हय ऊ जीन्दो रहेंन 6 पर जो सच्चायी विश्वास सी हय, ओको बारे शास्त्र
यो कह्य हय, “तय अपनो मन म यो मत कहजो कि स्वर्ग पर कौन चढ़ेंन?” मतलब मसीह ख उतार
लावन लायी! 7 यां “अधोलोक म कौन उतरेंन?” मतलब मसीह ख मरयो हुयो म सी जीन्दो कर क
ऊपर लावन को लायी! 8 पर यो का कह्य हय? “परमेश्वर को वचन तुम्हरो जवर हय, तोरो मुंह म
अऊर तोरो मन म हय,” यो उच विश्वास को वचन आय, जो हम प्रचार करजे हंय, 9 कि यदि तय
अपनो मुंह सी यीशु ख प्रभु जान क अंगीकार करे, अऊर अपनो मन सी विश्वास करे कि परमेश्वर
न ओख मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो, त तय पक्को उद्धार पायजो। 10 कहालीकि सच्चायी को
लायी मन सी विश्वास करन सी हम परमेश्वर को संग सही सम्बन्ध म आवय हय; अऊर मुंह सी
कबूल करन सी मुक्ति पावय हय। 11 कहालीकि पवित्र शास्त्र यो कह्य हय, “जो कोयी ओको
पर विश्वास करेंन ऊ लज्जित नहीं होयेंन।” 12 यहूदियों अऊर गैरयहूदियों म कुछ अन्तर नहाय,
येकोलायी कि अऊर ऊ परमेश्वर सब को प्रभु आय अऊर अपनो सब ख बहुतायत सी आशिषित
करय हय जो ओको पुकारयो हय। 13 कहालीकि शास्त्र कह्य हय, “जो कोयी प्रभु को मदत को
लायी पुकारयो हय ऊ बचायो जायेंन।”
14 फिर जेको पर उन्न विश्वास नहीं करयो, हि ओको कसो पुकारेंन? अऊर जेको बारे म सुन्यो
नहीं ओको पर कसो विश्वास करे? अऊर प्रचारक को बिना कसो सुनेंन? 15 *अऊर यदि सन्देश
सुनन वालो न भेज्यो नहीं जाये, त कसो प्रचार करेंन? जसो शास्त्र म लिख्यो हय, “उन्को पाय का
सुहावनो हंय, जो सुसमाचार ख लावय हय, जो अच्छी बातों को सुसमाचार सुनावय हंय!” 16 †पर
सब न ऊ सुसमाचार पर कान नहीं लगायो: यशायाह कह्य हय, “हे प्रभु, कौन न हमरो सुसमाचार
पर विश्वास करयो हय?” 17 अब भी सन्देश ख सुनन सी विश्वास उपजय हय अऊर सन्देश तब
सुन्यो जावय हय जब कोयी मसीह को वचन सुन्यो होवय हय।
18 पर मय कहू हय, का उन्न नहीं सुन्यो? सुन्यो त जरूर हय; कहालीकि शास्त्र म लिख्यो हय,
“उन्को स्वर पूरी धरती पर,
छोर अऊर उन्को वचन जगत की छोर तक पहुंच गयो हंय।”
19 मय फिर कहू हय, का इस्राएली नहीं जानत होतो? पहिले त मूसा कह्य हय,
“मय उन्को द्वारा जो जाति नहाय,
तुम्हरो मन म जलन पैदा करू;
मय एक विश्वासहीन जाति को
द्वारा तुम्ख गुस्सा दिलाऊं।”
20 ‡फिर यशायाह बड़ो हिम्मत को संग कह्य हय,

---
* **10:15** १०:१५ यशायाह ५२:७ † **10:16** १०:१६ यशायाह ५३:१ ‡ **10:20** १०:२० यशायाह ६५:१

“जो मोख नहीं ढूंढत होतो, उन्न मोख पा लियो; अऊर जो मोख पूछत भी नहीं होतो,
उन पर मय प्रगट भय गयो।”
21 §पर मय इस्राएल को बारे म ऊ यो कह्य हय, “मय पूरो दिन अपनो हाथ एक आज्ञा नहीं मानन
वाली अऊर विरोध करन वाली प्रजा को तरफ हाथ फैलायो रह्यो।”

11

[illegible]

1 ✡येकोलायी मय कहू हय, का परमेश्वर न अपनी प्रजा ख छोड़ दियो? कभीच नहीं! मय भी त
इस्राएली आय; अब्राहम को वंश अऊर बिन्यामीन को गोत्र म सी आय। 2 परमेश्वर न अपनी
ऊ प्रजा ख नहीं छोड़यो, जेक ओन पहिले सीच जान्यो। का तुम नहीं जानय कि पवित्र शास्त्र
एलिय्याह को बारे म का कह्य हय, जब ऊ इस्राएल को विरोध म परमेश्वर सी बिनती करय हय?
3 “हे प्रभु, उन्न तोरो भविष्यवक्तावों ख मार डाल्यो, अऊर तोरी अर्पन की वेदियों ख गिराय दियो
हय; अऊर मयच अकेलो बच्यो हय, अऊर हि मोख मारन लायी ढूंढ रह्यो हंय।” 4 पर परमेश्वर सी
ओख का उत्तर मिल्यो? “मय न अपनो लायी सात हजार आदमियों ख रख्यो हय, जिन्न झुटो बाल
भगवान को आगु घुटना नहीं टेक्यो हंय।” 5 ठीक योच रीति सी यो समय भी, अनुग्रह सी चुन्यो
हुयो कुछ लोग बाकी हंय। 6 यदि यो अनुग्रह सी भयो हय, त फिर कर्मों सी नहीं; नहीं त अनुग्रह
फिर अनुग्रह नहीं रह्यो।
7 येकोलायी परिनाम का भयो? यो की इस्राएली जेकी खोज म होतो, ऊ उन्ख नहीं मिल्यो;
पर चुन्यो हुयो ख मिल्यो, अऊर बच्यो लोग कठोर करयो गयो। 8 जसो शास्त्र म लिख्यो हय,
“परमेश्वर न उन्ख मन अऊर दिल ख भारी नींद म कर दियो हय, अऊर असी आंखी दियो जो नहीं
देखय अऊर असो कान जो नहीं सुन्यो।” 9 अऊर दाऊद कह्य हय,
“उन्को भोजनों म फस क बन्दी बन जाये,
अऊर ऊ गिरेंन अऊर उन्को पतन होय अऊर सजा मिले।
10 उन्की आंखी पर अन्धारो छाय जाये ताकि नहीं देखे,
अऊर तय हमेशा उन्की कमर ख झुकायो रख।”
11 अब भी मय कहू हय का उन्न येकोलायी ठोकर खायी कि गिर जायेंन? कभीच नहीं! पर उन्को
गिरन को वजह गैरयहूदियों ख उद्धार मिल्यो, कि उन्ख जलन हो। 12 येकोलायी यदि उन्को गिरनों
जगत को लायी धन अऊर उन्की कमी गैरयहूदियों को लायी अच्छो हय, त उन्की भरपूरी सी बहुत
बड़ो आशीर्वाद मिलेंन।

[illegible]

13 यो अब मय तुम गैरयहूदियों सी कह्य हय। जब तक मय विशेष रूप सी गैरयहूदियों को लायी
प्रेरित हय, त मय अपनी सेवा की बड़ायी करू हय, 14 जलन पैदा करवाय क उन्म सी कुछ एक को
उद्धार कराऊं। 15 कहालीकि परमेश्वर को द्वारा उन्को अस्वीकार करयो जानो यो परमेश्वर को संग
मिल क फिर उन्को अपनायो जानो सी का मरयो हुयो को जीन्दो जानो नहीं होयेंन?
16 जब भेंट को पहिलो पेड़ा पवित्र ठहरयो, त पूरो गूंथ्यो हुयो आटा भी पवित्र हय; अऊर जब
झाड़ कि जड़ी पवित्र ठहरी, त ओकी डगाली भी पवित्र ठहरी हंय। 17 पर यदि कुछ डगाली तोड़
दियो गयो, अऊर तय जंगली जैतून होय क ओको म कलम करयो गयो, अऊर जैतून की जड़ी की
शक्ति को सहभागी भयो, 18 त डगालियों पर घमण्ड मत करजो; अऊर यदि तय घमण्ड करेंन त
याद रख कि तय जड़ी ख नहीं पर जड़ी तोख सम्भाल रही हय।
19 फिर तय कहजो, “डगालियां येकोलायी तोड़ी कि मोरी ओको म कलम करी जाये।” 20 ठीक हय,
हि त अविश्वास को वजह तोड़ी गयी, पर तय विश्वास को बन्यो रह्य हय येकोलायी अभिमानी नहीं

§ **10:21** १०:२१ यशायाह ६५:२ ✡ **11:1** ११:१ फिलिप्पियों ३:५

हो, पर डर मान, 21 कहालीकि जब परमेश्वर न स्वाभाविक डगालियों ख नहीं छोड़यो त मोख भी
नहीं छोड़ेंन। 22 कहालीकि परमेश्वर की कृपा अऊर कठोरता ख देख! जो गिर गयो उन पर कठोरता,
पर तोरो पर कृपा, यदि तय ओको म बन्यो रह्यो त ठीक हय, नहीं त तय भी काट डाल्यो जायेंन।
23 यहूदी भी यदि अविश्वास म नहीं रह्य, त झाड़ कलम करयो जायेंन; कहालीकि परमेश्वर सामर्थ
हय उन्ख फिर कलम कर सकय हय। 24 कहालीकि यदि गैरयहूदी ओको जैतून सी, जो स्वभाव सी
जंगली हय, काटचो गयो अऊर स्वभाव को विरुद्ध अच्छो जैतून म कलम करयो गयो, त यो जो
यहूदी डगाली हंय, अपनोच जैतून म कहाली नहीं कलम करयो जायेंन।

[illegible]

25 हे भाऊवों अऊर बहिनों, कहीं असो नहीं होय कि तुम अपनो आप ख बुद्धिमान समझ लेवो;
येकोलायी मय नहीं चाहऊं कि तुम यो भेद सी अनजान रहो कि जब गैरयहूदियों पूरी रीति सी
प्रवेश कर नहीं ले, तब तक हि इस्राएल को एक भाग असोच कठोर रहेंन। 26 *अऊर यो रीति सी
पूरो इस्राएल उद्धार पायेंन। जसो शास्त्र म लिख्यो हय,
“छुटकारा देनो वालो सिय्योन सी आयेंन,
अऊर अभक्ति ख याकूब को वंशज सी दूर करेंन;
27 अऊर उन्को संग मोरी योच वाचा बन्धी रहेंन,
जब कि मय उन्को पापों ख दूर कर देऊ।”
28 कहालीकि उन्न सुसमाचार अस्वीकार करयो अऊर गैरयहूदियों को वजह यहूदी परमेश्वर को
दुश्मन हंय, पर नियुक्त करयो जान को अऊर उन्को बापदादों को वजह परमेश्वर को प्रिय
हंय। 29 कहालीकि परमेश्वर कभी नहीं बदलय अऊर ओको चुनाव अऊर आशीषें अटल हय।
30 कहालीकि जसो तुम न पहिले परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी, पर अभी यहूदियों की आज्ञा नहीं
मानन सी तुम पर दया भयी; 31 तुम पर जो दया भयी ओको वजह यहूदी अब परमेश्वर की आज्ञा
नहीं मान रह्यो हय, येकोलायी अब तुम्हरो जसो उन पर भी दया हो। 32 कहालीकि परमेश्वर न सब
ख आज्ञा न मानन को वजह बन्दी बनाय क रख्यो, ताकि ऊ सब पर दया करेंन।

[illegible]

33 आहा! परमेश्वर को धन अऊर बुद्धी अऊर ज्ञान कितनो महान हय! ओको बिचार ख कौन
स्पष्ट कर सकय हय, अऊर ओको रस्ता ख कौन समझ सकय हंय!
34 “शास्त्र कह्य हय की प्रभु को मन कौन जान सकय हय?
अऊर ओको सल्ला देन सकय हय?
35 का कोयी न परमेश्वर ख कुछ दियो हय जेको बदले म ऊ ओको फिर सी वापस दे?
जेको बदला म ओख दियो जाये?”
36 ✡कहालीकि ओको की तरफ सी, अऊर ओकोच द्वारा, अऊर ओकोच द्वारा अऊर ओकोच लायी
सब कुछ हय। परमेश्वर की महिमा हमेशा हमेशा होवय रहे! आमीन।

12

[illegible]

1 येकोलायी हे भाऊवों अऊर बहिनों, मय परमेश्वर की दया याद दिलाय क बिनती करू हय कि
अपनो शरीरों ख जीन्दो, अऊर पवित्र, अऊर परमेश्वर ख भातो हुयो बलिदान कर क् चढ़ावो।
योच तुम्हरी सच्चो उपासना हय। 2 यो जगत को जसो मत बनो; पर तुम्हरो मन को नयो पन होय
जान सी तुम्हरो चाल-चलन भी बदलतो जाये, जेकोसी तुम परमेश्वर की अच्छी, अऊर भावती,
अऊर सिद्ध इच्छा अनुभव सी मालूम करतो रहो।

---

* **11:26** ११:२६ यशायाह ५९:२०-२१ ✡ **11:36** ११:३६ १ कुरिन्थियों ८:६

3 कहालीकि मय ऊ अनुग्रह को वजह जो मोख मिल्यो हय, तुम सी हर एक सी कहू हय कि जसो
समझनो चाहिये ओको सी बढ़ क कोयी भी अपनो आप ख मत समझो; पर जसो परमेश्वर न हर
एक ख विश्वास परिनाम को अनुसार बाट दियो हय, वसोच सुबुद्धी को संग अपनो आप ख समझो।
4 ✡कहालीकि जसी हमरो एक शरीर म बहुत सो अंग हंय, सब अंगों को एक जसो काम नहाय;
5 वसोच हम जो बहुत अंग रह्य क भी मसीह म एक शरीर हंय, अऊर हम एक दूसरों म, मिल्यो
हुयो हय जसो एक शरीर म हय। 6 ✡येकोलायी ऊ अनुग्रह को अनुसार जो हम्ख दियो गयो हय,
अलग अलग तरह को वरदान मिल्यो हंय, त जेक सन्देश देन को दान मिल्यो होना, त ऊ विश्वास
को अनुसार सन्देश दे; 7 यदि सेवा करन को दान मिल्यो होना, त सेवा म लग्यो रहे; यदि कोयी
सिखावन वालो होना, त सिखावन म लग्यो रहे; 8 जो प्रोत्साहन देन वालो हो ऊ प्रोत्साहित करे
जो दान देन उदारता सी दे; जो अगुवायी करन वालो हो ऊ लगन को संग अगुवायी करे, अऊर
जसो दया दिखानो को दान हो, ऊ प्रसन्नता सी करे।

9 तुम्हरो प्रेम निष्कपट होना; बुरायी सी घृना करो; अऊर भलायी म लग्यो रहो। 10 भाईचारा
को प्रेम सी एक दूसरों सी प्रेम करनो अऊर एक दूसरों को लायी आदर दिखावन को लायी उत्सुक
होनो चाहिये। 11 कोशिश करन म आलसी नहीं होना; आत्मिक उत्साह म भरयो रहो; प्रभु की
सेवा करत रहो। 12 आशा म खुशी रहो; कठिनायी म धिरज रखो; अऊर हर समय प्रार्थना म लग्यो
रहो। 13 मसीह लोगों ख जो कुछ जरूरत होना ओको म उन्की मदत करो; अऊर मेहमानी करनो म
सहभागी लग्यो रहो।

14 ✡अपनो सतावन वालो ख आशीष देवो; आशीष हि देवो श्राप मत देवो। 15 खुशी मनावन
वालो को संग खुशी मनावो, अऊर रोवन वालो को संग रोवो। 16 आपस म एक जसो मन रखो;
अभिमानी नहीं हो, पर नम्रता सी संगति रखो; अपनो नजर म बुद्धिमान मत बनो।

17 बुरायी को बदला कोयी सी बुरायी मत करो; जो बाते सब लोगों को नजर म भली हंय, उनकी
चिन्ता करतो रहो। 18 जहां तक बन सकय, सब आदमियों को संग मेल मिलाप रखो। 19 हे प्रियो,
बदला मत लेवो, पर परमेश्वर को गुस्सा ख मौका देवो, कहालीकि शास्त्र म लिख्यो हय, "बदला
लेनो मोरो काम आय, प्रभु कह्य हय मयच बदला देऊ।" 20 पर "यदि तोरो दुश्मन भूखो हय त ओख
खाना खिलायजो, यदि प्यासो हय त ओख पानी पिलावो; कहालीकि असो करन सी खुद हि तोख
शरमायेंन।" 21 बुरायी सी मत हारो, पर भलायी सी बुरायी ख जीत लेवो।

13

[illegible]

1 हर एक लोग शासक अधिकारियों को अधीन रहे, कहालीकि कोयी अधिकार असो नहीं
जो परमेश्वर को तरफ सी नहाय; अऊर जो अधिकार हंय, हि परमेश्वर को ठहरायो हुयो हंय।
2 येकोलायी जो कोयी अधिकार को विरोध करय हय, ऊ परमेश्वर की विधि को सामना करय हय;
अऊर जो कोयी ओको सामना करन ऊ सजा पायेंन। 3 कहालीकि शासक अच्छो काम को नहीं, पर
बुरो काम लायी डर को वजह हय; यदि तय अधिकारियों सी निडर रहनो चाहवय हय, त अच्छो काम
कर, अऊर ओको तरफ सी तोरी प्रशंसा होयेंन; 4 कहालीकि ऊ तोरी अच्छी को लायी परमेश्वर को
सेवक हय। पर यदि तय बुरायी करजो, त डर, कहालीकि ऊ तलवार बेकार धरयो हुयो नहाय; अऊर
परमेश्वर को सेवक हय कि ओको गुस्सा को अनुसार बुरो काम करन वालो ख सजा दे। 5 येकोलायी
तुम अधिकारियों की आज्ञा मान्यो, न त केवल परमेश्वर को सजा को वजह सी नहीं पर हमरो
अन्तरमन को वजह सी मान्यो हय।

6 ✡येकोलायी कर भी देवो कहालीकि शासन करन वालो परमेश्वर को सेवक आय अऊर हमेशा
योच काम म लग्यो रह्य हंय। 7 येकोलायी हर एक को कर चुकायो करो; जेक कर होना, ओख कर

✡ **12:4** १२:४ १ कुरिन्थियों १२:१२ ✡ **12:6** १२:६ १ कुरिन्थियों १२:४-११ ✡ **12:14** १२:१४ मत्ती ५:४४; लूका ६:२८
✡ **13:6** १३:६ मत्ती २२:२१; मरकुस १२:१७; लूका २०:२५

देवो; जेकोसी डरनो चाहिये, ओको कर दोय; जेकोसी सम्मान चाहिये ओको सी डरो; जेको आदर
करनो चाहिये, ओको आदर करो।

[illegible]

8 आपस म प्रेम ख छोड़ अऊर कोयी बात म कोयी को कर्जदार मत बनो; कहालीकि जो दूसरों
सी प्रेम रखय हय, ओनच व्यवस्था को पालन करयो हय। 9 कहालीकि यो कि "व्यभिचार नहीं
करनो, हत्या नहीं करनो, चोरी नहीं करनो, लालच नहीं करनो," अऊर इन ख छोड़ अऊर कोयी भी
आज्ञा होय त सब को सारांश यो आज्ञा म पायो जावय हय, "अपनो पड़ोसी सी अपनो जसो प्रेम
रख।" 10 प्रेम अपनो संगी बुरायी नहीं करय, येकोलायी प्रेम रखनो व्यवस्था को पालन करय
हय।

11 समय ख पहिचान क असोच करो, येकोलायी कि अब तुम्हरो लायी नींद सी जाग जान की
घड़ी आय पहुंची हय; कहालीकि जो समय हम न विश्वास करयो होतो, ऊ समय को बिचार सी अब
हमरो उद्धार जवर हय। 12 रात बहुत बीत गयी हय, अऊर दिन निकलन पर हय; येकोलायी हम
अन्धारो को कामों ख छोड़ क ज्योति को अवजार बान्ध लेवो। 13 जसो लोग दिन को प्रकाश म
रह्य हय, वसोच हम सीधी चाल चले, नहीं कि काम-वासना अऊर पियक्कड़पन म, नहीं अनैतिकता
अऊर लुचपन म, अऊर नहीं झगड़ा अऊर जलन म। 14 बल्की प्रभु यीशु मसीह ख पहिचान लेवो,
अऊर अपनो मानव स्वभाव की इच्छा ख पूरो करन म मत लग्यो रहो।

14

[illegible]

1 ✡जो विश्वास म कमजोर हय, ओख अपनी संगति म लेवो, पर ओकी शंकावों बिचारों पर विवाद
करन लायी नहीं। 2 कुछ लोगों ख विश्वास हय कि सब कुछ खानो ठीक हय, पर जो विश्वास म
कमजोर हय ऊ केवल साकाहारी खावय हय। 3 खान वालो नहीं खान वालो ख तुच्छ मत जानो,
अऊर नहीं खान वालो पर दोष नहीं लगाये; कहालीकि परमेश्वर न ओख स्वीकार करयो हय। 4 तय
कौन आय जो दूसरों को सेवक पर दोष लगावय हय? ओको स्थिर रहनो यां गिर जानो ओको
मालिक सीच सम्बन्ध रखय हय; बल्की ऊ स्थिरच कर दियो जायेंन, कहालीकि प्रभु ओख स्थिर
रख सकय हय।

5 कोयी आदमी त एक दिन ख दूसरों दिन सी अच्छो मानय हय, अऊर कोयी सब दिनो ख एक
जसो मानय हय। हर एक बुद्धी की बात अपनोच मन म निश्चय कर लेवो। 6 जो कोयी एक दिन ख
महत्वपूर्न मानय हय, ऊ प्रभु को आदर लायी मानय हय। जो सब कुछ खावय हय, ऊ प्रभु ख
आदर देनो को लायी खावय हय, कहालीकि ऊ अपनो परमेश्वर को धन्यवाद करय हय, अऊर जो
कुछ नहीं खावय, ऊ प्रभु ख आदर देनो को लायी नहीं खावय अऊर परमेश्वर को धन्यवाद करय
हय। 7 कहालीकि हम म सी नहीं त कोयी अपनो लायी जीवय हय अऊर नहीं कोयी अपनो लायी
मरय हय। 8 यदि हम जीन्दो हंय, त प्रभु को लायी जीन्दो हंय; अऊर यदि मरजे हंय, त प्रभु
को लायी मरजे हंय; अब भी हम जीबो यां मरबो, हम प्रभु कोच आय। 9 कहालीकि मसीह येकोच
लायी मरयो अऊर जीन्दो भी भयो कि ऊ मरयो हुयो अऊर जीन्दो दोयी को प्रभु आय। 10 ✡तुम
त, केवल सागभाजीच खावय हय, तुम दूसरों पर न्याय कहाली देवय हय? अऊर तुम जो भी खावय
हय, तुम दूसरों विश्वासियों ख तुच्छ कहाली समझय हय? हम सब लोग ओको आगु न्याय करन
लायी परमेश्वर को सामने खड़ो होबो। 11 शास्त्र म लिख्यो हय,

"प्रभु कह्य हय,
मोरो जीवन की कसम कि हर एक घुटना मोरो सामने टेकेंन,
अऊर हर एक जीबली मान लेयेंन कि मय परमेश्वर आय।"

12 येकोलायी हम म सी हर एक परमेश्वर ख अपनो लेखा जोखा दे।

[illegible]

✡ **14:1** १४:१ कुलुस्सियों २:१६ ✡ **14:10** १४:१० २ कुरिन्थियों ५:१०

13 येकोलायी हम एक दूसरों को न्याय करनो बन्द करो अऊर येको बदले म निश्चय करो कि,
अपनो भाऊ को सामने ठोकर खाय कर पाप म पढ़नो को वजह मत बनो। 14 प्रभु यीशु म एक होनो
को वजह म जानय हय, कोयी भोजन अपनो आप सी अशुद्ध नहीं, पर जो ओख अशुद्ध समझय हय
ओको लायी अशुद्ध हय। 15 यदि तोरो भाऊ यां बहिन तोरो खान को वजह उदास होवय हय, त
फिर तय प्रेम की रीति सी नहीं चलय; जेको लायी मसीह मरयो, ओको तय अपनो जेवन को द्वारा
नाश मत कर। 16 जेक तुम अच्छो समझय हय ओको कोयी ख बुरो मत कहन देजो। 17 कहालीकि
परमेश्वर को राज्य खानो-पीनो नहीं, पर सच्चायी शान्ति अऊर ऊ खुशी हय जो पवित्र आत्मा
सी होवय हय। 18 जो कोयी यो रीति सी मसीह की सेवा करय हय, ऊ परमेश्वर ख भावय हय अऊर
आदमियों म स्वीकारन लायक ठहरय हय।

19 येकोलायी हम उन बातों म लग्यो रहबोंन जिन्कोसी मेल-मिलाप अऊर एक दूसरों की उन्नति
हो। 20 जेवन को लायी जो परमेश्वर न करयो ओको नाश मत करो। सब कुछ शुद्ध त हय, पर ऊ
आदमी को लायी बुरो हय जेक ओको जेवन सी ठोकर लगय हय। 21 अच्छो त यो हय कि तय न
मांस खाजो नहीं अंगूररस पीजो, नहीं अऊर कुछ असो करजो जेकोसी तोरो विश्वासी भाऊ ठोकर
खाये। 22 तोरो जो विश्वास हय, ओख परमेश्वर को आगु अपनोच मन म रख धन्य हय ऊ जो या
बात म, जेक ऊ ठीक समझय हय, अपनो आप ख दोषी नहीं ठहरावय। 23 पर जो लोग सन्देश कर
क् खावय हय उन्ख परमेश्वर दोषी ठहरय हय, कहालीकि ओको कार्य विश्वास को आधार पर नहीं
अऊर जो कुछ विश्वास को आधार पर नहीं हय, पाप हय।

15

[illegible]

1 हम बलवानो ख होना कि कमजोरों की कमजोरी ख सहे, नहीं कि अपनो आप ख खुश करे। 2 हम
म सी हर एक ओकी अच्छायी को लायी खुश करे कि उन्की उन्नति होय। 3 कहालीकि मसीह न
अपनो आप ख खुश नहीं करयो, पर जसो शास्त्र म लिख्यो हय: "तोरो निन्दा करन वालो की निन्दा
मोरो पर आय गयी हय।" 4 जितनी बाते पहिले सी लिखी गयी, हि हमारीच शिक्षा लायी लिखी गयी
हंय कि हम धीरज अऊर पवित्र शास्त्र को प्रोत्साहन द्वारा आशा रखबो। 5 धीरज अऊर शान्ति
को दाता परमेश्वर तुम्ख यो वरदान दे कि मसीह यीशु को अनुसार आपस म एक मन रहो। 6 ताकि
तुम एक मन अऊर एक स्वर म हमरो प्रभु यीशु मसीह को पिता परमेश्वर की महिमा करो।

[illegible]

7 येकोलायी, जसो मसीह न परमेश्वर की महिमा लायी तुम्ख स्वीकार करयो हय, वसोच तुम भी
एक दूसरों ख स्वीकार करो। 8 येकोलायी मय कहू हय कि जो प्रतिज्ञाये बापदादों ख दियो गयी
होती उन्ख मजबूत करन लायी मसीह, परमेश्वर की सच्चायी को नमस्कार देन लायी, खतना करयो
हुयो यहूदी लोगों को सेवक बन्यो; 9 अऊर गैरयहूदी भी दया को वजह परमेश्वर की महिमा करे;
जसो शास्त्र म लिख्यो हय,

"येकोलायी मय गैरयहूदियों म तोरो नाम को धन्यवाद करू,
अऊर तोरो नाम को भजन गाऊं।"
10 फिर कह्यो हय,
"हे गैरयहूदियों को सब लोगों, परमेश्वर को लोगों को संग खुशी मनावो।"
11 अऊर फिर, "हे गैरयहूदियों को सब लोगों,
प्रभु को लोगों को संग स्तुति करो; अऊर हे राज्य को सब लोगों,
ओकी स्तुति करो।"
12 अऊर फिर यशायाह कह्यो हय,
"यिशै की एक वंशज प्रगट होयेंन,
अऊर जो गैरयहूदियों पर शासक करेंन अऊर ऊ लोग

ओको पर गैरयहूदियों आशा रखेंन।"
13 परमेश्वर जो आशा को दाता हय तुम्ख विश्वास करन म सब तरह की खुशी अऊर शान्ति सी
परिपूर्न करे, कि पवित्र आत्मा की सामर्थ सी तुम्हरी आशा बढ़ती जाये।

[illegible]

14 हे मोरो भाऊवों अऊर बहिनों, मय खुद तुम्हरो बारे म निश्चित जानु हय कि तुम भी खुदच
भलायी सी भरयो अऊर ईश्वरीय ज्ञान सी भरपूर हो, अऊर एक दूसरों ख चिताय सकय हय। 15 तब
भी मय न या चिट्ठी म कहीं-कहीं याद दिलावन लायी तुम्ख जो बहुत हिम्मत कर क् लिख्यो। यो
अनुग्रह को वजह भयो जो परमेश्वर न मोख दियो हय, 16 कि मय गैरयहूदियों को लायी मसीह
यीशु को सेवक होय क परमेश्वर को सुसमाचार की सेवा याजक को जसो करू, जेकोसी गैरयहूदियों
को मानो चढ़ायो जानो, पवित्र आत्मा सी पवित्र बन क स्वीकार करयो जाय। 17 येकोलायी उन
बातों को बारे म जो परमेश्वर सी सम्बन्ध रखय हंय, मय मसीह यीशु म बड़ायी कर सकू हय।
18 कहालीकि उन बातों ख छोड़ मोख अऊर कोयी बात को बारे म कहन को हिम्मत नहाय, जो
मसीह म गैरयहूदियों की अधीनता को लायी वचन, अऊर कर्म, 19 अऊर चिन्हों, चमत्कारों को
कामों की सामर्थ सी, अऊर पवित्र आत्मा की सामर्थ सी मोरोच द्वारा करयो; यहां तक कि मय न
यरूशलेम सी ले क चारयी तरफ इल्लुरिकुम तक मसीह को सुसमाचार को पूरो प्रचार करयो। 20 पर
मोरो मन की उमंग यो हय कि जित मसीह को नाम नहीं लियो गयो, वहांच सुसमाचार सुनाऊ असो
नहीं होय कि दूसरों को पायवा पर घर बनाऊ। 21 पर जसो शास्त्र म लिख्यो हय वसोच हो,
"जिन्ख ओको सुसमाचार नहीं पहुंच्यो, हिच देखेंन
अऊर जिन्न नहीं सुन्यो हिच समझेंन।"

[illegible]

22 ✡येकोलायी मय तुम्हरो जवर आवन सी बार बार रुक्यो रह्यो। 23 पर अब इन देशों म मोरो
काम लायी अऊर जागा नहीं होती, अऊर बहुत सालो सी मोख तुम्हरो जवर आवन की इच्छा
हय। 24 येकोलायी जब मय इसपानिया जातो तब होतो हुयो तुम्हरो जवर आऊं, कहालीकि मोख
आशा हय कि ऊ यात्रा म तुम सी भेंट करू, अऊर जब तुम्हरी संगति सी मोरो जी भर जाये त तुम
मोख कुछ दूर आगु पहुंचाय देवो। 25 ✡पर अभी त मय परमेश्वर को लोगों की सेवा करन लायी
यरूशलेम जाय रह्यो हय। 26 कहालीकि मकिदुनिया अऊर अखया को लोगों ख यो अच्छो लग्यो
कि यरूशलेम को परमेश्वर को लोगों म गरीबों की मदत करन लायी कुछ भेंट जमा करे। 27 ✡उन्ख
अच्छो त लग्यो, पर हि उन्को कर्जदार भी हंय, कहालीकि यदि गैरयहूदी उन्की आत्मिक बातों म
सहभागी भयो, त उन्ख भी ठीक हय कि शारीरिक बातों म उन्की सेवा करे। 28 येकोलायी मय यो
काम पूरो कर क् अऊर उन्ख भेंट सौंप क तुम्हरो जवर सी होतो हुयो स्पेन ख जाऊं। 29 अऊर मय
जानु हय कि जब मय तुम्हरो जवर आऊं, त मसीह की पूरी आशीर्वाद को संग आऊं।
30 हे भाऊवों अऊर बहिनों, हमरो प्रभु यीशु मसीह को अऊर पवित्र आत्मा को प्रेम ख याद
दिलाय क मय तुम सी बिनती करू हय, कि मोरो लायी परमेश्वर सी प्रार्थना करन म मोरो संग
मिल क मगन रहो। 31 कि मय यहूदियों नाम को अविश्वासियों लोगों सी बच्यो रहूं, अऊर मोरी ऊ
सेवा जो यरूशलेम को लायी हय, परमेश्वर को लोगों ख भाये; 32 अऊर मय परमेश्वर की इच्छा
सी तुम्हरो जवर खुशी को संग आय क तुम्हरो संग भेंट करू। 33 शान्ति को परमेश्वर तुम सब को
संग रहे। आमीन।

16

[illegible]

✡ **15:22** १५:२२ रोमियों १:१३ ✡ **15:25** १५:२५ १ कुरिन्थियों १६:१-४ ✡ **15:27** १५:२७ १ कुरिन्थियों ९:११

1 मय तुम सी फीबे को लायी जो हमरी बहिन अऊर किंख्रिया की मण्डली की सेविका आय,
बिनती करू हय 2 कि तुम, जसो कि परमेश्वर को लोगों ख होना, ओख प्रभु म स्वीकार करो; अऊर
जो कोयी बात म ओख तुम्हरी जरूरत हो, ओकी मदत करो, कहालीकि ऊ भी बहुतों की बल्की मोरी
भी मदत करन वाली होती।
3 ✡प्रिस्का अऊर अक्विला ख जो मसीह यीशु म मोरो सहकर्मी हंय, प्रनाम। 4 उन्न मोरो जीव
लायी अपनोच जीवन जोखिम म डाल दियो होतो; अऊर केवल मयच नहीं, बल्की गैरयहूदियों की
पूरी मण्डली भी उन्को धन्यवाद करय हय।
5 ऊ मण्डली ख भी नमस्कार जो उन्को घर म हय। मोरो प्रिय इपैनितुस ख, जो मसीह को लायी
आसिया प्रान्त को पहिलो फर आय, नमस्कार। 6 मरियम ख, जेन तुम्हरो लायी बहुत मेहनत करयो,
नमस्कार। 7 अन्द्रुनीकुस अऊर यूनियास ख जो मोरो कुटुम्बी आय, अऊर मोरो संग बन्दी भयो
होतो अऊर प्रेरितों म नामी हंय, अऊर मोरो सी पहिले मसीही भयो होतो, नमस्कार।
8 अम्पलियातुस ख, जो प्रभु म मोरो प्रिय हय, नमस्कार। 9 उरबानुस ख, जो मसीह म हमरो
सहकर्मी हय, अऊर मोरो प्रिय इस्तखुस ख नमस्कार। 10 अपिल्लेस ख जो मसीह म सच्चो
निकल्यो, नमस्कार। अरिस्तुबुलुस को घरानों ख नमस्कार। 11 मोरो कुटुम्बी हेरोदियोन ख नमस्कार।
नरकिस्सुस को घराना को जो लोग प्रभु म हंय, उन्ख नमस्कार।
12 त्रूफेना अऊर त्रूफोसा ख जो प्रभु म मेहनत करय हंय, नमस्कार। प्रिय पिरसिस ख,
जेन प्रभु म बहुत मेहनत करयो, नमस्कार। 13 ✡रूफुस ख जो प्रभु म चुन्यो हुयो हय अऊर
ओकी माय ख, जो मोरी होती माय हय, दोयी ख नमस्कार। 14 असुंक्रितुस अऊर फिलगोन अऊर
हिरमेस अऊर पत्रुबास अऊर हिर्मास अऊर उन्को संग को भाऊवों ख नमस्कार। 15 फिलुलुगुस
अऊर यूलिया अऊर नेर्युस अऊर ओकी बहिन, अऊर उलुम्पास अऊर उन्को संग को सब लोगों ख
नमस्कार।
16 आपस म पवित्र चुम्मा सी नमस्कार करो। तुम ख मसीह की पूरी मण्डलियों को तरफ सी
नमस्कार।

[illegible]

17 अब हे भाऊवों अऊर बहिनों, मय तुम सी बिनती करू हय, कि जो लोग ऊ शिक्षा को विरुद्ध,
जो तुम न पायो हय, फूट डालन अऊर ठोकर खिलावन को वजह होवय हंय, पहिचान लियो करो
अऊर उन्को सी दूर रहो। 18 कहालीकि असो लोग हमरो प्रभु मसीह की नहीं, पर अपनो पेट की
सेवा करय हंय; अऊर चिकनी चुपड़ी बातों सी सीधो साधो मन को लोगों ख बहकाय देवय हंय।
19 तुम्हरी आज्ञा मानन की चर्चा सब लोगों म फैल गयी हय, येकोलायी मय तुम्हरो बारे म खुश हय,
पर मय यो चाहऊ हय कि तुम भलायी को लायी बुद्धिमान पर बुरायी को लायी भोलो बन्यो रहो।
20 शान्ति को परमेश्वर शैतान ख तुम्हरो पाय सी जल्दीच कुचलाय दे। हमरो प्रभु यीशु मसीह को
अनुग्रह तुम पर होतो रहे।
हमरो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम पर होतो रहे।
21 ✡मोरो सहकर्मी तीमुथियुस को, अऊर मोरो कुटुम्बियों लूकियुस अऊर यासोन अऊर
सोसिपत्रुस को तुम ख नमस्कार।
22 मोख चिट्ठी लिखन वालो तिरतियुस को, प्रभु म तुम ख नमस्कार।
23 ✡गयुस जो मोरी अऊर मण्डली की पाउनचार करन वालो हय, ओको तुम्ख प्रनाम। इरास्तुस
जो नगर को व्यवस्थापक हय, अऊर भाऊ क्वारतुस को तुम ख नमस्कार। 24 हमरो प्रभु यीशु
मसीह को अनुग्रह तुम पर होतो रहे। आमीन।

[illegible]

✡ **16:3** १६:३ प्रेरितों १८:२ ✡ **16:13** १६:१३ मरकुस १५:२१ ✡ **16:21** १६:२१ प्रेरितों १६:१ ✡ **16:23** १६:२३ प्रेरितों
१९:२९; १ कुरिन्थियों १:१४; २ तीमुथियुस ४:२०

25 अब जो तुम ख मोरो सुसमाचार मतलब यीशु मसीह को सन्देश को प्रचार को अनुसार स्थिर
कर सकय हय, ऊ भेद को प्रकाश को अनुसार जो अनन्त काल सी लूक्यो रह्यो, 26 पर अब प्रगट
होय क अनन्त काल को परमेश्वर की आज्ञा सी भविष्यवक्तावों की किताबों को द्वारा सब जातियों
ख बतायो गयो हय कि हि विश्वास सी आज्ञा मानन वालो होय जाये।
27 उच एकच बुद्धिमान परमेश्वर की यीशु मसीह को द्वारा हमेशा हमेशा महिमा होती रहे।
आमीन।

कुरिन्थियों के नाम पौलुस प्रेरित की पहली पत्री
कुरिन्थियों को नाम पौलुस प्रेरित की पहिली चिट्ठी

परिचय

पौलुस न पहिली कुरिन्थुस या चिट्ठी यीशु को जनम को ५५ साल बाद लिख्यो। १:१ पौलुस न कुरिन्थियों को जो दोय चिट्ठी लिखी उन्म सी या पहिली चिट्ठी आय। पौलुस की इच्छा होती की ऊ मकिदुनिया जातो समय अऊर वापस आवतो समय कुरिन्थियों सी मुलाखात करबो यो मकिदुनिया की यात्रा को पहिले ओन या चिट्ठी लिखी तब ओको डेरा इफिसियों म होतो १६:५-९।

पौलुस ख कुरिन्थियों की मण्डली म जो अलग अलग समस्याये चल रही होती, उन्ख अहवाल मिल्यो, फूट अऊर अनैतिकता जसी अलग अलग सम्बन्ध कार्य चल रह्यो होतो ओको अहवाल मिल्यो होतो ऊ अहवाल को उत्तर देन को लायी पौलुस न या चिट्ठी लिखी। कुरिन्थुस शहर म लैगिंग अनैतिकता को पापों को बारे म प्रसिद्ध होतो। येकोलायी यो स्वाभाविक होतो कि असी समस्याये मण्डली म भी सिरयो। या चिट्ठी म प्रेम को बारे म सुप्रसिद्ध अध्याय हय, ओको भी समावेश हय, १३

रूप-रेखा

१. पौलुस को कुरिन्थिवासियों ख नमस्कार अऊर ओको लायी परमेश्वर को उपकार मानय। [illegible]
२. जो अहवाल पौलुस न कुरिन्थियों की मण्डली म होन वालो दलबन्दी सुननो अऊर ओको उत्तर देनो। [illegible]
३. अनैतिकता को समस्या अऊर एक दूसरों ख न्यायालय म खिचनो पारिवारिक जीवन। [illegible]
४. बिहाव की अड़चन, मूर्तियों को चढ़ावा, सामूहिक आराधना, आत्मा को दान अऊर पुनरुत्थान। [illegible]
५. व्यावहारिक अऊर व्यक्तिक मुद्दा को बारे म पौलुस को सलाह। [illegible]

[illegible]

1 पौलुस को तरफ सी जो परमेश्वर की इच्छा सी यीशु मसीह को प्रेरित होन लायी बुलायो गयो
अऊर भाऊ सोस्थिनेस को तरफ सी।
2 ✡परमेश्वर की ऊ मण्डली को नाम जो कुरिन्थुस म हय, यानेकि उन्को नाम जो मसीह यीशु म
पवित्र करयो गयो, अऊर पवित्र होन लायी बुलायो गयो हंय; अऊर उन सब को नाम भी जो सब
जागा हमरो अऊर उन्को प्रभु यीशु मसीह को नाम सी प्रार्थना करय हंय।
3 हमरो पिता परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को तरफ सी तुम्ख अनुग्रह अऊर शान्ति मिलती
रहे।

[illegible]

4 मय तुम्हरो बारे म अपनो परमेश्वर को धन्यवाद हमेशा करू हय, येकोलायी कि परमेश्वर को
यो अनुग्रह तुम पर मसीह यीशु म भयो। 5 यीशु मसीह म एक होन को वजह तुम हर बात म,
मतलब पूरो वचन अऊर पूरो ज्ञान म धनी करयो गयो 6 की मसीह की गवाही तुम म पक्की निकली
7 येकोलायी कि कोयी वरदान म तुम्ख कमी नहाय, जसो कि तुम हमरो प्रभु यीशु मसीह को प्रगट
होन की रस्ता देखतो रह्य हय। 8 ऊ तुम्ख आखरी तक मजबूत भी करेंन कि तुम हमरो प्रभु यीशु
मसीह को फिर सी वापस आवन को दिन म निर्दोष ठहरो। 9 परमेश्वर विश्वास लायक हय, जेन तुम
ख अपनो बेटा हमरो प्रभु यीशु मसीह की संगति म बुलायो हय।

[illegible]

✡ **1:2** १:२ प्रेरितों १८:१

10 हे भाऊवों अऊर बहिनों, मय तुम सी हमरो प्रभु यीशु मसीह को नाम सी बिनती करू हय
कि तुम सब एकच बात कहो, अऊर तुम म फूट नहीं होय, पर एकच मन अऊर एकच मत होय क
मिल्यो रहो। 11 हे मोरो भाऊवों अऊर बहिनों, खलोए को घराना को लोगों न मोख तुम्हरो बारे म
बतायो हय कि तुम म झगड़ा होय रह्यो हंय। 12 ✡मोरो कहन को मतलब यो आय कि तुम म सी
कोयी त अपनो आप ख "पौलुस को," कोयी "अपुल्लोस को," कोयी "कैफा को," त कोयी "मसीह
को" अनुयायी कह्य हय। 13 का मसीह बट गयो? का पौलुस तुम्हरो लायी क्रूस पर चढ़ायो गयो?
यां तुम्ख पौलुस को नाम पर बपतिस्मा मिल्यो?

14 ✡मय परमेश्वर को धन्यवाद करू हय कि क्रिसपुस अऊर गयुस ख छोड़ क मय न तुम म सी
कोयी ख भी बपतिस्मा नहीं दियो। 15 येकोलायी कोयी असो नहीं होय कि कोयी कहेंन कि तुम्ख
मोरो नाम पर बपतिस्मा मिल्यो। 16 ✡अऊर हां, मय न स्तिफनास को घराना ख भी बपतिस्मा दियो;
इन्क छोड़ मय नहीं जानु कि मय न अऊर कोयी ख बपतिस्मा दियो। 17 कहालीकि मसीह न मोख
बपतिस्मा देन ख नहीं, बल्की सुसमाचार सुनावन ख भेज्यो हय, अऊर यो भी आदमियों को ज्ञान
को अनुसार नहीं, असो नहीं होय कि यीशु को क्रूस पर को मरनो निष्फल ठहरे।

[illegible]

18 कहालीकि क्रूस की कथा नाश होन वालो लायी मूर्खता हय, पर हम उद्धार पान वालो लायी
परमेश्वर की सामर्थ आय। 19 कहालीकि शास्त्र म लिख्यो हय,
"मय ज्ञान वालो को ज्ञान ख नाश करू,
अऊर समझदार की समझ ख बेकार कर देऊ।"
20 कहां रह्यो ज्ञान वालो? कहां रह्यो धर्मशास्त्री? कहां रह्यो यो जगत को विवादी? का परमेश्वर
न जगत को ज्ञान ख मूर्खता नहीं ठहरायो?

21 कहालीकि जब परमेश्वर को ज्ञान को अनुसार जगत न ज्ञान सी परमेश्वर ख नहीं जान्यो,
त परमेश्वर ख यो अच्छो लग्यो कि यो प्रचार की "मूर्खता" को द्वारा विश्वास करन वालो ख
उद्धार दे। 22 यहूदी त चमत्कार को चिन्ह चाहवय हंय, अऊर गैरयहूदी ज्ञान की खोज म हंय, 23 पर
हम त ऊ क्रूस पर चढ़ायो हुयो मसीह को प्रचार करय हंय, जो यहूदिया को लायी ठोकर को
वजह अऊर गैरयहूदियों लायी मूर्खता हंय; 24 पर जो बुलायो हुयो हंय, का यहूदी, का गैरयहूदी,
उन्को जवर मसीह परमेश्वर की सामर्थ अऊर परमेश्वर को ज्ञान हय। 25 कहालीकि परमेश्वर की
मूर्खता आदमियों को ज्ञान सी ज्ञानवान हय, अऊर परमेश्वर की कमजोरी आदमियों को बल सी
बहुत ताकतवर हय।

26 हे भाऊवों अऊर बहिनों, अपनो बुलायो जान ख त सोचो कि नहीं शरीर को अनुसार बहुत
ज्ञानवान, अऊर नहीं बहुत सामर्थी, अऊर नहीं बहुत बड़ो घराना सी बुलायो गयो। 27 पर परमेश्वर
न जगत को मूर्खो ख चुन लियो हय कि ज्ञानवानों ख शर्मिन्दा करे, अऊर परमेश्वर न जगत को
कमजोरों ख चुन लियो हय कि ताकतवरों ख शर्मिन्दा करे; 28 अऊर परमेश्वर न जगत को नीच
अऊर तुच्छ ख, बल्की जो कुछ हंय भी नहाय उन्ख भी चुन लियो कि उन्ख जो कुछ बाते हंय,
बेकार ठहराये। 29 परमेश्वर न असो करयो ताकि कोयी प्रानी ओको आगु घमण्ड नहीं करनो पाये।
30 पर परमेश्वर को तरफ सी तुम मसीह यीशु म एक करयो गयो हय, जो परमेश्वर को तरफ सी
हमरो लायी ज्ञान बन्यो हय। जेकोसी सच्चो ठहरे, पवित्र, अऊर छुटकारा पाये; 31 जसो शास्त्र
म लिख्यो हय, वसोच होय, "जो घमण्ड करे ऊ प्रभु म घमण्ड करे।"

2

[illegible]

✡ **1:12** १:१२ प्रेरितों १८:२४ ✡ **1:14** १:१४ प्रेरितों १८:८; प्रेरितों १९:२९; रोमियों १६:२३ ✡ **1:16** १:१६ १ कुरिन्थियों १६:१५

1 हे भाऊवों-बहिनों, जब मय परमेश्वर को भेद सुनावतो हुयो तुम्हरो जवर आयो, त शब्दों यां
ज्ञान की उत्तमता को संग नहीं आयो। 2 कहालीकि मय न यो ठान लियो होतो कि तुम्हरो बीच यीशु
मसीह बल्की क्रूस पर चढ़ायो हुयो मसीह अऊर ओको मृत्यु ख छोड़ अऊर कोयी बात ख नहीं
जानु। 3 ✡मय कमजोरी अऊर डर को संग, अऊर बहुत थरथरातो हुयो तुम्हरो जवर आयो; 4 अऊर
मोरो वचन, अऊर मोरो प्रचार म ज्ञान की लुभावन वाली बाते नहीं, पर आत्मा को सामर्थ को सबूत
होतो, 5 येकोलायी कि तुम्हरो विश्वास आदमियों को ज्ञान पर नहीं, पर परमेश्वर को सामर्थ पर
निर्भर हो।

[illegible]

6 तब भी आत्मिकता म समझदार लोगों म हम ज्ञान सुनावतो हंय, पर यो जगत को अऊर यो
जगत को नाश होन वालो शासकों को ज्ञान नहीं; 7 पर हम परमेश्वर को ऊ गुप्त ज्ञान, जो गुप्त
होतो भेद की रीति पर बतायजे हंय, जेक परमेश्वर न जगत को पहिलो सी हमरी महिमा लायी
ठहरायो। 8 जेक यो जगत को शासकों म सी कोयी न नहीं जान्यो, कहालीकि यदि हि जानय त
तेजोमय प्रभु ख क्रूस पर नहीं चढ़ातो। 9 पर जसो लिख्यो हय,
"जो बात आंखी न नहीं देखी अऊर कान न नहीं सुनी,
अऊर जो बाते आदमी को चित म नहीं चढ़ी,
उच हंय जो परमेश्वर न अपनो प्रेम रखन वालो लायी तैयार करी हंय।"
10 पर परमेश्वर न उन्ख अपनो आत्मा को द्वारा हम पर प्रगट करयो, कहालीकि आत्मा सब बाते,
बल्की परमेश्वर की गूढ़ बाते भी जांचय हय। 11 आदमियों म सी कौन कोयी आदमी की बाते जानय
हय, केवल आदमी की आत्मा जो ओको म हय? वसोच परमेश्वर की बाते भी कोयी नहीं जानय,
केवल परमेश्वर की आत्मा जानय हय। 12 पर हम म जगत की आत्मा नहीं, पर वा आत्मा पायो हय
जो परमेश्वर की तरफ सी हय कि हम उन बातों ख जाने जो परमेश्वर न हम्ख दी हंय।
13 जेक हम आदमियों को ज्ञान की सिखायी हुयी बातों म नहीं, पर परमेश्वर को आत्मा की
सिखायी हुयी बातों म, जेको म परमेश्वर की आत्मा हय उन्ख आत्मिक बाते सुनाजे हंय। 14 पर जो
आदमी परमेश्वर को आत्मा की बाते स्वीकार नहीं करय, कहालीकि हि ओकी नजर म मूर्खता की
बाते हंय, अऊर नहीं ऊ उन्ख जान सकय हय कहालीकि उन्की जांच आत्मिक रीति सी होवय हय।
15 जेको जवर परमेश्वर की आत्मा हय ऊ सब को न्याय कर सकय हय, पर ओको न्याय कोयी नहीं
कर सकय। कहालीकि कह्यो हय: 16 जसो शास्त्र म लिख्यो हय:
"प्रभु को मन ख कौन जानय हय?
कौन ओख सिखाय सकय हय?"
पर हमरो जवर मसीह को मन हय।

3

[illegible]

1 हे भाऊवों-बहिनों, मय तुम सी यो रीति सी बाते नहीं कर सक्यो जसो की उन लोगों सी जिन्म
परमेश्वर की आत्मा हय, पर जसो सांसारिक लोगों सी, अऊर उन्को सी जो मसीह म बच्चा हंय।
2 ✡मय न तुम्ख दूध पिलायो, खाना नहीं खिलायो; कहालीकि तुम ओख नहीं खाय सकत होतो;
बल्की अब तक भी नहीं खाय सकय हय, 3 कहालीकि अब तक तुम शारीरिक लोगों जसो हय।
येकोलायी कि जब तुम म जलन अऊर झगड़ा हय, त का तुम सांसारिक लोगों को जसो नहीं?
अऊर का आदमी की रीति पर नहीं चलय? 4 ✡कहालीकि जब एक कह्यो हय, "मय पौलुस को आय,"
अऊर दूसरों, "मय अपुल्लोस को आय," त का तुम जगत को लोगों को जसो नहाय?
5 अपुल्लोस का हय? अऊर पौलुस का हय? केवल सेवक, जिन्को द्वारा तुम न विश्वास करयो,
जसो हर एक ख प्रभु न दियो। वसो हम्न काम करन ख होना। 6 ✡मय न लगायो, अपुल्लोस न

✡ **2:3** २:३ प्रेरितों १८:९ ✡ **3:2** ३:२ इब्रानियों ५:१२,१३ ✡ **3:4** ३:४ १ कुरिन्थियों १:१२ ✡ **3:6** ३:६ प्रेरितों
१८:४-११; प्रेरितों १८:२४-२८

सीच्यो, पर परमेश्वर न बढ़ायो। 7 येकोलायी नहीं त लगावन वालो कुछ हय अऊर नहीं सीचन
वालो, पर परमेश्वरच सब कुछ हय जो बढ़ावन वालो हय। 8 लगावन वालो अऊर सीचन वालो
दोयी एक हंय; पर हर एक आदमी ख उन्कोच कामों को अनुसार मजूरी देयेंन। 9 कहालीकि हम
परमेश्वर को सहकर्मी हंय; तुम परमेश्वर की खेती अऊर परमेश्वर को भवन आय। 10 परमेश्वर को
ऊ अनुग्रह को अनुसार जो मोख दियो गयो, मय न बुद्धिमान राजमिस्त्री को जसो नीव डाल्यो,
अऊर दूसरों ओको पर रद्दा रखय हय। पर हर एक आदमी चौकस रह कि ऊ ओको पर कसो रद्दा
रखय हय। 11 कहालीकि ऊ नीव ख छोड़ जो पड़ी हय, अऊर ऊ यीशु मसीह आय, कोयी दूसरों
पायवा नहीं डाल सकय। 12 यदि कोयी यो नीव पर सोना या चांदी या बहुत कीमती वालो गोटा
या लकड़ी या घास-फूस को रद्दा रखय, 13 त हर एक को काम प्रगट होय जायेंन; कहालीकि न्याय
को दिन ओख बतायेंन, येकोलायी कि आगी को संग प्रगट होयेंन अऊर ऊ आगी हर एक को काम
परखेंन कि कसो हय। 14 जेको काम ऊ पायवा पर बन्यो स्थिर रहेंन, ऊ मजूरी पायेंन। 15 यदि कोयी
को काम जर जायेंन, त ऊ हानि उठायेंन; पर ऊ खुद बच जायेंन पर ज्वाला।

16 ✡का तुम नहीं जानय कि तुम परमेश्वर को मन्दिर आय, अऊर परमेश्वर की आत्मा तुम म
सिरय हय? 17 यदि कोयी परमेश्वर को मन्दिर ख नाश करेंन त परमेश्वर ओख नाश करेंन; कहालीकि
परमेश्वर को मन्दिर पवित्र हय, अऊर ऊ तुम आय।

18 कोयी अपनो आप ख नहीं फसाय। यदि तुम म सी कोयी यो जगत म अपनो आप ख
ज्ञानी समझय, त ज्ञानी होन लायी मूर्ख बन जाये। 19 कहालीकि यो जगत को ज्ञान परमेश्वर को
जवर मूर्खता हय, जसो शास्त्र म लिख्यो हय, "ऊ ज्ञानियों ख उन्की चालाकी म फसाय देवय
हय," 20 अऊर असो भी कह्य हय, "प्रभु ज्ञानियों को बिचार ख जानय हय कि हि बेकार हंय।"
21 येकोलायी आदमियों पर कोयी घमण्ड नहीं करे, कहालीकि सब कुछ तुम्हरो आय: 22 का पौलुस,
का अपुल्लोस, का कैफा, का जगत, का जीवन, का मरन, का वर्तमान, का भविष्य, सब कुछ तुम्हरो
आय, 23 तुम मसीह को आय, अऊर मसीह परमेश्वर को आय।

4

[illegible]

1 आदमी हम्ख मसीह को सेवक अऊर परमेश्वर की लूकी बातों को व्यवस्थापक समझे। 2 तब
इत देखरेख वालो म या बात जरूरी हय कि जो व्यवस्थापक हय ऊ विश्वास लायक रहन ख होना।
3 पर मोरी नजर म या बहुत छोटी बात आय कि तुम लोग या आदमियों म अगर कोयी मोरो न्याय
करे, बल्की मय खुद अपनो आप ख नहीं परखू हय। 4 कहालीकि मोरो मन मोख कोयी बात म दोषी
नहीं ठहरावय, पर येको सी मय निर्दोष नहीं ठहरू, कहालीकि मोरो न्याय करन वालो प्रभु हय।
5 येकोलायी जब तक प्रभु नहीं आवय, समय सी पहिले कोयी बात को न्याय मत करो: उच अन्धारो
की लूकी बाते ज्योति म दिखायेंन, अऊर मनों को इरादा ख प्रगट करेंन, तब परमेश्वर की तरफ
सी हर एक की प्रशंसा होयेंन।

6 हे भाऊवों-बहिनों, मय न या बातों म तुम्हरो लायी अपनी अऊर अपुल्लोस की चर्चा दृष्टान्त
की रीति पर करी हय, येकोलायी कि तुम हमरो सी यो सीखो कि असो शास्त्र म लिख्यो हय ओको
सी आगु नहीं बढ़नो, अऊर एक को पक्ष म अऊर दूसरों को विरोध म घमण्ड नहीं करनो। 7 तोरो म
अऊर दूसरों म कौन भेद करय हय? अऊर तोरो जवर का हय जो तय न परमेश्वर सी नहीं पायो?
अऊर जब कि तय न परमेश्वर सी पायो हय, त असो घमण्ड कहाली करय हय कि मानो नहीं पायो?
8 तुम त सन्तुष्ट भय गयो, तुम धनी भय गयो, तुम न हमरो बिना राज करयो; पर भलो होतो कि
तुम राज करतो; कि हम भी तुम्हरो संग राज करतो। 9 मोरी समझ म परमेश्वर न हम प्रेरितों ख
सब को बाद उन लोगों को जसो ठहरायो हय, जिन की मरन की आज्ञा भय गयी हय; कहालीकि हम
जगत अऊर स्वर्गदूतों अऊर आदमी लायी एक तमाशा ठहरो हंय। 10 हम मसीह लायी मूर्ख हंय!

✡ **3:16** ३:१६ १ कुरिन्थियों ६:१९; २ कुरिन्थियों ६:१६

पर तुम मसीह म बुद्धिमान हय; हम कमजोर हंय! पर तुम ताकतवर हय! तुम आदर पावय हय,
पर हम अपमानित होवय हंय। 11 हम यो घड़ी तक भूखो प्यासो अऊर हम फटचो कपड़ा पहिन्यो
हुयो हंय, अऊर घूसा खावय हंय अऊर मारे मारे फिरय हंय; 12 ✡अऊर अपनोच हाथों सी काम
कर क् मेहनत करय हंय। लोग हम्ख बुरो कह्य हंय, हम आशीर्वाद देजे हंय; हि सतावय हंय, हम
सहजे हंय, 13 हि बदनाम करय हंय, हम उन्ख आदर को संग उत्तर देजे हंय। हम अज तक जगत
को कूड़ा-कचरा अऊर सब चिज को मईल को जसो ठहरो हंय।
14 मय तुम्ख शर्मिन्दा करन लायी या बाते नहीं लिखूं, पर मोरो प्रिय बच्चां जान क तुम्ख
समझाऊ हय। 15 कहालीकि यदि मसीह म तुम्हरो सिखावन वालो दस हजार भी होतो, तब भी
तुम्हरो बाप बहुत सो नहाय; येकोलायी कि मसीह यीशु म सुसमाचार को द्वारा मय तुम्हरो बाप
भयो। 16 ✡येकोलायी मय तुम सी बिनती करू हय कि मोरो अनुकरन करो। 17 येकोलायी मय न
तीमुथियुस ख जो प्रभु म मोरो प्रिय टुरा अऊर विश्वास लायक सेवक हय, तुम्हरो जवर भेज्यो
हय। ऊ तुम्ख यीशु मसीह म मोरो चरित्र याद करायेंन, जसो कि मय हर जागा हर एक मण्डली म
उपदेश करू हय।
18 कुछ त असो घमण्ड म फूल गयो हंय, मानो मय तुम्हरो जवर आऊ नहीं। 19 पर प्रभु न चाह्यो
त मय तुम्हरो जवर तुरतच आऊं, अऊर उन घमण्ड म फूल्यो हुयो की बातों ख नहीं, पर उन्की सामर्थ
ख जान लेऊ। 20 कहालीकि परमेश्वर को राज्य बातों म नहीं पर सामर्थ म हय। 21 तुम का चाहवय
हय? का मय छड़ी ले क तुम्हरो जवर आऊं, या प्रेम अऊर नम्रता को संग?

5

[illegible]

1 यहां तक सुनन म आवय हय कि तुम म अनैतिक सम्बन्ध होवय हय, बल्की असो अनैतिक
सम्बन्ध जो गैरयहूदी म भी नहीं होवय कि एक आदमी अपनो बाप की पत्नी ख रखय हय। 2 अऊर
तुम घमण्ड करय हय शोक नहीं करय, जेकोसी असो काम करन वालो तुम्हरो बीच म सी निकाल्यो
जावय हय। 3 मय त शरीर सी दूर होतो, पर आत्मा सी तुम्हरो संग हय। उपस्थिति की दशा म असो
काम करन वालो को बारे म या आज्ञा दे चुक्यो हय। 4 कि जब तुम अऊर मोरी आत्मा, हमरो प्रभु
यीशु की सामर्थ को संग जमा होय, त असो आदमी हमरो प्रभु यीशु को नाम सी 5 शरीर को नाश
लायी शैतान ख सौंप्यो जाये, ताकि ओकी आत्मा प्रभु यीशु को दिन म उद्धार पाये।
6 ✡तुम्हरो घमण्ड करनो अच्छो नहाय; का तुम नहीं जानय कि थोड़ो सो खमीर पूरो उसन्यो हुयो
आटा ख खमीर कर देवय हय। 7 पुरानो खमीर निकाल क अपनो आप ख शुद्ध करो कि नयो उसन्यो
हुयो आटा बन जावो; ताकि तुम अखमीरी बन जावो अच्छो जसो तुम हय! कहालीकि हमरो भी
फसह को मेम्ना, जो मसीह आय, बलिदान भयो हय। 8 येकोलायी आवो, हम उत्सव म खुशी मनाबो,
नहीं त पुरानो खमीर सी अऊर नहीं बुरायी अऊर दुष्ट हरकत को खमीर सी, पर सीधायी अऊर
सच्चायी की अखमीरी रोटी सी।
9 मय न अपनी चिट्ठी म तुम्ख लिख्यो हय कि व्यभिचारियों की संगति नहीं करनो। 10 यो नहीं
कि तुम बिल्कुल यो जगत को व्यभिचारियों, यां लोभियों, यां चोरी करन वालो, यां मूर्तिपूजकों
की संगति नहीं करे; कहालीकि यो दशा म त तुम्ख जगत म सी निकल जानो पड़तो। 11 पर मोरो
कहनो यो आय कि यदि कोयी भाऊ कह्य लाय क, व्यभिचारी, यां लोभी, यां मूर्तिपूजक, यां गाली
देन वालो, यां पियक्कड़, यां चोरी करन वालो हय, त ओकी संगति मत करजो; बल्की असो आदमी
को संग खाना भी मत खाजो।
12 कहालीकि मोख बाहेर वालो को न्याय करन सी का काम? का तुम अन्दर वालो को न्याय
नहीं करय? 13 पर बाहेर वालो को न्याय परमेश्वर करय हय। येकोलायी ऊ कुकर्मी ख अपनो बीच
म सी निकाल दे।

✡ **4:12** ४:१२ प्रेरितों १८:३ ✡ **4:16** ४:१६ १ कुरिन्थियों ११:१; फिलिप्पियों ३:१७ ✡ **5:6** ५:६ गलातियों ५:९

6

[illegible]

1 का तुम म सी कोयी ख या हिम्मत हय कि जब दूसरों को संग झगड़ा होय, त न्याय लायी जो
परमेश्वर ख नहीं जानय? उन्को जवर जाये अऊर पवित्र लोगों को जवर नहीं जाये? 2 का तुम नहीं
जानय कि पवित्र लोग जगत को न्याय करेंन? येकोलायी जब तुम्ख जगत को न्याय करनो हय,
त का तुम छोटो सी छोटो झगड़ा को भी निपटारा करन को लायक नहीं? 3 का तुम नहीं जानय कि
हम स्वर्गदूतों को न्याय करबोंन? त का सांसारिक बातों को निपटारा नहीं कर सकय? 4 यदि तुम्ख
सांसारिक बातों को निपटारा करनो हय, त का उन्खच बैठावय जिन्ख मण्डली म कुछ नहीं समझ्यो
जावय हंय? 5 मय तुम्ख शर्मिन्दा करन लायी यो कहू हय। का सचमुच तुम म एक भी बुद्धिमान
नहीं मिलय, जो अपनो भाऊ को न्याय कर सकय? 6 तुम भाऊ-भाऊ न्यायालय म झगड़ा करय
हय, अऊर वा भी अविश्वासियों को सामने।

7 पर सचमुच तुम म बड़ो दोष त यो हय कि आपस म न्यायालय म मुकद्दमा करय हय। अन्याय
कहाली नहीं सहय? अपनी हानि कहाली नहीं सहय? 8 पर तुम त खुद अन्याय करय अऊर हानि
पहुंचावय हय, अऊर ऊ भी भाऊ ख। 9 का तुम नहीं जानय कि अधर्मी लोग परमेश्वर को राज्य
को वारिस नहीं होयेंन? धोका नहीं खावो; नहीं व्यभिचारी, नहीं मूर्तिपूजक, नहीं परस्त्रीगामी,
नहीं पुरुषगामी, 10 नहीं चोर, नहीं लोभी, नहीं पियक्कड़, नहीं गाली देन वालो, नहीं ठगान वालो
परमेश्वर को राज्य को वारिस होयेंन। 11 अऊर तुम म सी कितनो असोच जीवन जीत होतो, पर
तुम प्रभु यीशु मसीह को नाम सी अऊर हमरो परमेश्वर की आत्मा सी धोयो गयो अऊर पवित्र
हुयो अऊर सच्चो ठहरो।

[illegible]

12 ✡सब चिज मोरो लायी ठीक त हंय, पर सब चिज लाभ की नहाय; सब चिज मोरो लायी ठीक
हंय, पर मय कोयी बात को अधीन नहीं होऊं। 13 भोजन पेट लायी, अऊर पेट भोजन लायी हय,
पर परमेश्वर येख अऊर ओख दोयी ख नाश करेंन। पर शरीर अनैतिक सम्बन्ध लायी नहाय, बल्की
प्रभु की सेवा लायी आय, अऊर प्रभु शरीर की देखभाल करय हय। 14 परमेश्वर न अपनी सामर्थ
सी प्रभु ख जीन्दो करयो, अऊर हम्ख भी जीन्दो करेंन।

15 का तुम नहीं जानय कि तुम्हरो शरीर मसीह को शरीर को अंग आय? त का मय मसीह को
अंग ले क उन्ख वेश्या को अंग बनाऊं? कभीच नहीं। 16 का तुम नहीं जानय कि जो कोयी वेश्या
सी संगति करय हय, ऊ ओको संग एक शरीर होय जावय हय? कहालीकि शास्त्र म लिख्यो हय:
"हि दोयी एक शरीर होयेंन।" 17 अऊर जो प्रभु की संगति म जुड़यो रह्य हय, ऊ ओको संग एक
आत्मा भय जावय हय।

18 व्यभिचार सी बच्यो रहो। जितनो अऊर पाप आदमी करय हय हि शरीर को बाहेर हंय, पर
व्यभिचार करन वालो अपनोच शरीर को विरुद्ध पाप करय हय। 19 ✡का तुम नहीं जानय कि तुम्हरो
शरीर पवित्र आत्मा को मन्दिर आय, जो तुम म बस्यो हय अऊर तुम्ख परमेश्वर को तरफ सी
मिल्यो हय; अऊर तुम अपनो नोहोय? 20 कहालीकि परमेश्वर न तुम्ख दाम दे क मोल लियो गयो
हय, येकोलायी अपनो शरीर सी परमेश्वर की महिमा करो।

7

[illegible]

1 उन बातों को बारे म जो तुम न लिख्यो, "यो अच्छो हय कि पुरुष ख बिहाव नहीं करन ख होना।"
2 पर व्यभिचार होन को डर सी हर एक पुरुष की पत्नी, अऊर हर एक बाई को पति होन ख होना।
3 पति अपनी पत्नी को हक पूरो करे; अऊर वसोच पत्नी भी अपनो पति को 4 पत्नी ख अपनो शरीर
पर अधिकार नहाय पर ओको पति को अधिकार हय; वसोच पति ख भी अपनो शरीर पर अधिकार

✡ **6:12** ६:१२ १ कुरिन्थियों १०:२३ ✡ **6:19** ६:१९ १ कुरिन्थियों ३:१६; २ कुरिन्थियों ६:१६

नहाय, पर पत्नी को हय। 5 तुम एक दूसरों सी अलग न रहो; पर केवल थोड़ो समय तक आपस की
सम्मति सी कि प्रार्थना लायी समय निकालो, अऊर फिर एक संग रह; असो नहीं होय कि तुम्हरो
असंयम को वजह शैतान तुम्ख परख ले।
6 पर मय जो यो कहू हय यो सलाह हय नहीं कि आज्ञा। 7 मय यो चाहऊ हय कि जसो मय हय,
वसोच सब आदमी हो; पर हर एक ख परमेश्वर को तरफ सी अच्छो अच्छो वरदान मिल्यो हंय;
कोयी ख कोयी तरह को, अऊर कोयी ख कोयी अऊर तरह को।
8 अब मय कुंवारी अऊर विधवावों को बारे म कहू हय कि उन्को लायी असोच रहनो अच्छो हय,
जसो मय हय। 9 पर यदि हि संय्यम नहीं कर सकय, त बिहाव कर लेवो; कहालीकि बिहाव करनो
कामातुर रहनो सी ठीक हय।
10 ✡जिन्को बिहाव भय गयो हय, उन्ख मय नहीं, बल्की प्रभु आज्ञा देवय हय कि पत्नी अपनो
पति सी अलग नहीं हो। 11 अऊर यदि अलग भी होय जाये, त बिना दूसरों बिहाव करयो रहे; यां
अपनो पति सी फिर मेल-मिलाप कर लेवो अऊर पति अपनी पत्नी ख छोड़-चिट्ठी नहीं देन ख
होना।
12 दूसरों सी प्रभु नहीं पर मयच कहू हय, यदि कोयी भाऊ की पत्नी विश्वास नहीं रखय हय
अऊर ओको संग रहनो सी खुश हय, त ऊ ओख छोड़-चिट्ठी नहीं देनो चाहिये। 13 जो बाई को पति
विश्वास नहीं रखय हय, अऊर ओको संग रहनो सी खुश हय; ऊ पति ख नहीं छोड़े। 14 कहालीकि
असो पति जो विश्वास नहीं रखय हय, वा पत्नी को वजह पवित्र ठहरय हय; अऊर असी पत्नी
जो विश्वास नहीं रखय, पति को वजह पवित्र ठहरय हय; नहीं त तुम्हरो बाल-बच्चा अशुद्ध होतो,
पर अब त पवित्र हंय। 15 पर जो पुरुष विश्वास नहीं रखय, यदि ऊ अलग होय त अलग होन दे,
असी दशा म कोयी भाऊ यां बहिन बन्धन म नहीं। परमेश्वर न हम्ख मेल मिलाप लायी बुलायो
हय। 16 कहालीकि हे बाई, तय का जानय हय कि तय अपनो पति को उद्धार कराय लेजो? अऊर हे
पुरुष, तय का जानय हय कि तय अपनी पत्नी को उद्धार कराय लेजो?

[illegible]

17 जसो प्रभु न हर एक ख जीवन दियो हय, अऊर जसो परमेश्वर न हर एक ख बुलायो हय, वसोच
ऊ चले। मय सब मण्डलियों म असोच ठहराऊ हय। 18 जो खतना करयो हुयो बुलायो गयो हो, ऊ
बिना खतना को नहीं बने। जो बिना खतना को बुलायो गयो हो, ऊ खतना नहीं कराये। 19 खतना
कुछ हय अऊर नहीं बिना खतना को, पर परमेश्वर की आज्ञा को पालन करनो हि सब कुछ हय।
20 हर एक लोग जो दशा म बुलायो गयो हो, ओकोच म रह। 21 यदि तय सेवक की दशा म बुलायो
गयो हय त चिन्ता मत कर; पर यदि तय स्वतंत्र होय सकय, त असोच काम कर। 22 कहालीकि
जो सेवक की दशा म प्रभु म बुलायो गयो हय, ऊ प्रभु को स्वतंत्र करयो हुयो हय। वसोच जो
स्वतंत्रता की दशा म बुलायो गयो हय, ऊ मसीह को सेवक आय। 23 तुम दाम दे क मोल लियो
गयो हो; आदमियों को सेवक मत बनो। 24 हे भाऊवों-बहिनों, जो कोयी जो दशा म बुलायो गयो
हय, ऊ ओकोच म परमेश्वर को संग रहे।

[illegible]

25 कुंवारियों को बारे म प्रभु की कोयी आज्ञा मोख नहीं मिली, पर विश्वास लायक होन लायी
जसी दया प्रभु न मोर पर करी हय, ओकोच अनुसार सम्मति मिली हय।
26 मोरी समझ म यो अच्छो हय कि वर्तमान को कठिनायी को वजह, आदमी जसो हय वसोच
रहे। 27 यदि तोरी पत्नी हय, त ओख छोड़-चिट्ठी देन की कोशिश मत कर; अऊर यदि तोरी पत्नी
नहीं, त पत्नी की खोज मत कर। 28 पर यदि तय बिहाव भी करय, त पाप नहीं; अऊर यदि कुंवारी
बिहायी जाये त कोयी पाप नहाय। पर असो ख शारीरिक दु:ख होयेंन, अऊर मय बचावनो चाहऊ
हय।

✡ **7:10** ७:१० मत्ती ५:३२; १९:९; मरकुस १०:११,१२; लूका १६:१८

29 हे भाऊवों-बहिनों, मय यो कहू हय कि समय कम करयो गयो हय, येकोलायी असो होनो होतो
कि जेकी पत्नी हो, हि असो हो, मानो उन्की पत्नी नहीं; 30 अऊर रोवन वालो असो हो, मानो रोवय
नहीं; अऊर खुशी करन वालो असो हो, मानो खुशी नहीं करय; अऊर मोल लेनवालो असो हो, मानो
उन्को जवर कुछ हयच नहाय। 31 अऊर यो जगत कि चिजों को उपयोग करन वालो असो हो, कि
जगत कोच नहीं हो; कहालीकि यो जगत की रीति अऊर व्यवहार खतम होय जावय हंय।

32 येकोलायी मय यो चाहऊ हय कि तुम्ख चिन्ता नहीं होय। कुंवारो पुरुष प्रभु की बातों की
चिन्ता म रह्य हय कि प्रभु ख कसो प्रसन्न रखेंन। 33 पर बिहाव वालो आदमी जगत की बातों की
चिन्ता म रह्य हय कि अपनी पत्नी ख कौन्सी रीति सी खुश रखे। 34 बिहाव वालो अऊर कुंवारो म
भी भेद हय: कुंवारी प्रभु की चिन्ता म रह्य हय कि ऊ शरीर अऊर आत्मा दोयी म पवित्र रहे, पर
बिहाव वाली जगत की चिन्ता म रह्य हय कि अपनो पति ख खुश रखू।

35 मय या बात तुम्हरोच फायदा लायी कहू हय, नहीं कि तुम पर बन्धन लगावन लायी, बल्की
येकोलायी कि जसो शोभा देवय हय वसोच करयो जाये, कि तुम एक मन होय क प्रभु की सेवा म
लग्यो रह।

36 यदि कोयी यो समझो कि मय अपनी वा कुंवारी को हक मार रह्यो हय, जेकी जवानी बीत रही
हय, अऊर जरूरत भी हय, त जसो चाहवय वसो करे, येको म पाप नहाय, ऊ ओको बिहाव होन दे।
37 पर जो मन म मजबूत रह्य हय, अऊर ओख जरूरत नहाय, बल्की अपनी इच्छा पर अधिकार
रखय हय, अऊर अपनो मन म या बात ठान लियो हय कि ऊ अपनी कुंवारी लड़की ख कुंवारी रखेंन,
ऊ अच्छो करय हय। 38 येकोलायी जो अपनी कुंवारी को बिहाव कर देवय हय, ऊ अच्छो करय
हय, अऊर जो बिहाव नहीं कर देवय, ऊ अऊर भी अच्छो करय हय।

39 जब तक कोयी बाई को पति जीन्दो रह्य हय, तब तक वा ओको सी बन्धी हुयी हय; पर यदि
ओको पति मर जाये त जेकोसी चाहवय बिहाव कर सकय हय, पर केवल प्रभु म। 40 पर यदि वा
बिना बिहाव कि रहे यदि वसीच रहे, त मोरो बिचार म अऊर भी धन्य हय; अऊर मय समझू हय कि
परमेश्वर को आत्मा मोर म भी हय।

8

[illegible]

1 अब मूर्तियों को आगु चढ़ायी गयी बलि को बारे म: हम जानजे हंय कि हम सब ख ज्ञान हय।
ज्ञान घमण्ड पैदा करय हय, पर प्रेम सी उन्नति होवय हय। 2 यदि कोयी समझे कि मय कुछ जानु
हय, त जसो जानन को होना वसो अब तब नहीं जानय। 3 पर यदि कोयी परमेश्वर सी प्रेम रखय
हय, त परमेश्वर ओख जानय हय।

4 येकोलायी मूर्तियों को आगु बलि करी हुयी चिज को खान को बारे म: हम जानजे हंय कि मूर्ति
जगत म कुछ भी नहाय, अऊर एक ख छोड़ अऊर कोयी परमेश्वर नहाय। 5 यानेकि आसमान म
अऊर धरती पर बहुत सो "ईश्वर" कहलावय हंय, जसो कि बहुत सो "ईश्वर" अऊर बहुत सो "प्रभु"
हंय, 6 तब भी हमरो लायी त एकच परमेश्वर हय: यानेकि बाप जेको तरफ सी सब चिजे आय, अऊर
हम ओकोच लायी हंय। अऊर एकच प्रभु आय, यानेकि यीशु मसीह जेको द्वारा सब चिजे भयी,
अऊर हम भी ओकोच द्वारा हंय।

7 पर सब ख यो ज्ञान नहाय, पर कुछ त अब तक मूर्ति ख कुछ समझन को वजह मूर्तियों को आगु
बलि करी हुयी चिज ख कुछ समझ क खावय हंय, अऊर उन्को विवेक कमजोर होन को वजह अशुद्ध
होय जावय हय। 8 भोजन हम्ख परमेश्वर को जवर नहीं पहुंचावय। यदि हम नहीं खाबोंन त हमरी
कुछ हानि नहाय, अऊर यदि खाबोंन त कुछ फायदा नहाय।

9 पर चौकस! असो नहीं होय कि तुम्हरी यो स्वतंत्रता कहीं कमजोरों लायी ठोकर को वजह होय
जायेंन। 10 यदि कोयी तोरो जसो ज्ञानी ख मूर्ति को मन्दिर म जेवन करतो देखे अऊर ऊ कमजोर
लोग होना, त का ओको मन ख मूर्ति को आगु बलि करी हुयी चिज खान को हिम्मत नहीं होय

जायेंन। 11 यो तरह सी तोरो ज्ञान को वजह ऊ मन को कमजोर भाऊ जेको लायी मसीह मरयो,
नाश होय जायेंन। 12 यो तरह भाऊ को विरुद्ध अपराध करनो सी अऊर उन्को कमजोर मन ख दु:ख
पहुंचान सी, तुम मसीह को विरुद्ध अपराध करय हय। 13 यो वजह यदि जेवन मोरो भाऊ ख ठोकर
खिलावय, त मय कभी कोयी रीति सी मांस नहीं खाऊ, नहीं होय कि मय अपनो भाऊ लायी ठोकर
को वजह बनूं।

9

[illegible]

1 का मय स्वतंत्र नहाय? का मय प्रेरित नहाय? का मय न यीशु ख जो हमरो प्रभु आय, नहीं
देख्यो? का तुम मोरो कामों को वजह प्रभु म मोरो परिनाम नहाय? 2 यदि मय दूसरों लायी प्रेरित
नहाय, तब भी तुम्हरो लायी त हय; कहालीकि तुम्हरी प्रभु म एकता मोरो प्रेरित होन को सबूत
हय।

3 जो मोख जांचय हंय, उन्को लायी योच मोरो उत्तर आय। 4 का हम्ख हमरो कमायी सी खान
पीवन को अधिकार नहाय? 5 का हम्ख यो अधिकार नहाय, कि कोयी मसीही बहिन को संग बिहाव
कर क् ओख लियो सफर म फिरय, जसो दूसरों प्रेरित अऊर प्रभु को भाऊ अऊर पतरस करय
हंय? 6 या फिर मोख अऊर बरनबास खच जीवन चलान लायी काम करन ख होना। 7 कौन कभी
बिना मजूरी को सेना म सिपाही को काम करय हय? कौन अंगूर की बाड़ी लगाय क ओको फर नहीं
खावय? कौन मेंढीं की रखवाली कर क् उन्को दूध नहीं पीवय?

8 का व्यवस्था भी नहीं कह्य मय या बाते आदमी की रीति पर बोलू हय? 9 ✡कहालीकि मूसा
की व्यवस्था म लिख्यो हय, "दांवन को समय चलतो हुयो बईल को मुंह म मुस्का नहीं बन्धनों।"
का परमेश्वर बईलच की चिन्ता करय हय? 10 यां विशेष कर क् हमरो लायी कह्य हय। हां, हमरो
लायीच लिख्यो गयो, कहालीकि ठीक हय कि नांगर जोतन वालो फसल मिलन की आशा सी जोतो
अऊर दांवन म जोतन वालो फसल को कुछ भाग पान की आशा सी दांवन ख हकले। 11 ✡येकोलायी
जब कि हम न तुम्हरो लायी आत्मिक चिजे बोयी हय, त का यो कोयी बड़ी बात हय? कि तुम्हरी
शारीरिक चिजे की फसल काटे त कोयी बड़ी बात आय।

12 जब दूसरों को तुम पर यो अधिकार हय, त का हमरो येको सी जादा नहीं होयेंन? पर हम यो
अधिकार काम म नहीं लायो; पर सब कुछ सहजे हंय कि हमरो द्वारा मसीह को सुसमाचार म कुछ
रुकावट नहीं होय। 13 का तुम नहीं जानय कि जो मन्दिर म सेवा करय हंय, हि मन्दिर म सी खावय
हंय; अऊर जो वेदी की सेवा करय हंय, हि वेदी को संग सहभागी होवय हंय? 14 ✡योच रीति सी
प्रभु न भी ठहरायो कि जो लोग सुसमाचार सुनावय हंय, उन्की जीविका सुसमाचार सी होन ख
होना।

15 पर मय इन म सी कोयी भी बात काम म नहीं लायो, अऊर मय न या बाते येकोलायी नहीं
लिखी कि मोरो लायी असो करयो जाये, कहालीकि येको सी त मोरो मरनोच ठीक हय कि कोयी
मोरो घमण्ड ख निष्फल ठहराये। 16 यदि मय सुसमाचार सुनाऊ, त मोरो लायी कुछ घमण्ड की बात
नहीं; कहालीकि यो त मोरो लायी जरूरी हय। यदि मय सुसमाचार नहीं सुनाऊ, त मोरो पर हाय!
17 कहालीकि यदि अपनी इच्छा सी यो करू हय त मजूरी मोख मिलय हय, अऊर यदि मय अपनो
सी नहीं करय तब भी व्यवस्थापक पन मोख सौंप्यो गयो हंय। 18 त मोरी कौन सी मजूरी हय? यो
कि सुसमाचार सुनानो म मय मसीह को सुसमाचार बिना पैसा को दूसरों ख सुनाऊ, यहां तक कि
सुसमाचार म जो मोरो अधिकार हय ओख भी मय पूरी रीति सी काम म नहीं लाऊं।

19 कहालीकि सब सी स्वतंत्र होन पर भी मय न अपनो आप ख सब को सेवक बनाय दियो हय
कि जादा लोगों ख परमेश्वर को राज म खीच लाऊं। 20 मय यहूदियों लायी यहूदी बन्यो कि यहूदियों
ख खीच लाऊं। जो लोग मूसा को व्यवस्था को अधीन हंय उन्को लायी मय व्यवस्था को अधीन

✡ **9:9** ९:९ १ तीमुथियुस ५:१८ ✡ **9:11** ९:११ रोमियों १५:२७ ✡ **9:14** ९:१४ मत्ती १०:१०; लूका १०:७

नहीं होन पर भी व्यवस्था को अधीन बन्यो कि उन्ख जो व्यवस्था को अधीन हंय, खीच लाऊं।
21 व्यवस्था ख नहीं मानन वालो लायी मय, जो परमेश्वर की व्यवस्था सी दूर नहीं पर मसीह की
व्यवस्था को अधीन हय, व्यवस्था हीन जसो बन्यो कि व्यवस्था हिनो ख खीच लाऊं। 22 मय कमजोर
लायी कमजोर सी बन्यो कि कमजोर ख खीच लाऊं। मय सब आदमियों लायी सब कुछ बन्यो कि
कोयी न कोयी तरह सी कुछ एक को उद्धार कराऊं।
23 मय यो सब कुछ सुसमाचार लायी करू हय कि दूसरों को संग ओको सहभागी होय जाऊं।
24 का तुम नहीं जानय कि दौड़ म त सबच दवड़य हय, पर इनाम एकच लिजावय हय? तुम वसोच
दौड़ो कि जीतो। 25 हर एक प्रतियोगी सब तरह को नियम को पालन करय हय; हि खेल म इनाम
पावन लायी एक मुरझान वालो हार ख पावन लायी यो सब करय हंय, पर हम त ऊ हार लायी करय
हंय जो मुरझान वालो नहाय। 26 येकोलायी मय त योच तरह सी दौवड़य हय, पर बिना वजह नहीं;
मय भी योच तरह सी घूसा सी झगड़ू हय, पर ओको जसो नहीं जो हवा पीटतो हुयो लड़य हय।
27 पर मय अपनो शरीर ख मारतो कुचलतो अऊर वश म लाऊ हय, असो नहीं होय कि दूसरों ख
प्रचार कर क् मय खुदच कोयी तरह सी बेकार ठहरू।

10

[illegible]

1 हे भाऊ-बहिन, मय नहीं चाहऊं कि तुम या बात सी अनजान रह कि हमरो सब बापदादा बादर
को खल्लो होतो, अऊर सब को सब समुन्दर को बीच सी पार भय गयो; 2 अऊर सब न बादर म
अऊर समुन्दर म, मूसा को बपतिस्मा लियो; 3 अऊर सब न एकच आत्मिक जेवन करयो; 4 अऊर
सब न एकच आत्मिक पानी पीयो, कहालीकि हि ऊ आत्मिक चट्टान सी पीवत होतो जो उन्को
संग-संग चलत होती, अऊर ऊ चट्टान मसीह होतो। 5 पर परमेश्वर उन्म सी बहुत सो सी खुश
नहीं भयो, येकोलायी जंगल म उन्को शरीर बिखर गयो।
6 या बाते हमरो लायी दृष्टान्त ठहरी, कि जसो उन्न लोभ करयो, वसो हम बुरो चिजों को लोभ
नहीं करे; 7 अऊर न तुम मूर्तिपूजक बनो, जसो कि उन्म सी कितनो बन गयो होतो, जसो शास्त्र
म लिख्यो हय, "लोग एक दूसरों को संग खान-पीवन अऊर कूकर्म करन लग्यो।" 8 अऊर न हम
व्यभिचार करे, जसो उन्म सी कितनो न करयो; अऊर एक दिन म तेवीस हजार मर गयो। 9 अऊर नहीं
हम प्रभु ख परखबो, जसो उन्म सी कितनो न करयो, अऊर सांपो सी नाश करयो गयो। 10 अऊर
तुम कुड़कुड़ावों मत जो तरह सी उन्म सी कितनो न कुड़कुड़ायो अऊर नाश करन वालो को द्वारा
नाश करयो गयो।
11 पर या सब बाते, जो उन पर पड़ी, दृष्टान्त की रीति पर होती; अऊर हि हमरी चेतावनी लायी
जो जगत को आखरी समय म रह्य हंय लिख्यो गयो हंय।
12 येकोलायी जो समझय हय, "मय स्थिर हय," ऊ चौकस रहेंन कि कहीं गिर नहीं जाये। 13 तुम
कोयी असी परीक्षा म नहीं पड़यो हय, जो आदमी को सहन सी बाहेर हय। परमेश्वर सच्चो हय
अऊर ऊ तुम्ख सामर्थ सी बाहेर परीक्षा म नहीं पड़न देयेंन, बल्की परीक्षा म सी बाहेर आवन को
रस्ता बतायेंन।

[illegible]

14 यो वजह, हे मोरो प्रिय, मूर्तिपूजा सी बच्यो रहो। 15 मय बुद्धिमान जान क तुम सी कहू हय:
जो मय कहू हय, ओख तुम परखो। 16 ✡जो प्रभु भोज को प्याला आय, जेक हम पीजे हय, अऊर
परमेश्वर को धन्यवाद करजे हंय; तब हम मसीह को खून की सहभागिता करजे हय। ऊ रोटी जेक
हम खाजे हंय, ऊ मसीह की शरीर म सहभागिता करजे हय। 17 येकोलायी कि एकच रोटी हय त
हम भी जो बहुत हंय, तब भी एक शरीर आय: कहालीकि हम सब उच एक रोटी म सहभागी होजे
हंय।

✡ **10:16** १०:१६ मत्ती २६:२६-२८; मरकुस १४:२२-२४; लूका २२:१९,२०

18 जो इस्राएली हंय, उन्ख देखो: का बलिदानों को खान वालो परमेश्वर की वेदी को सहभागी
नहीं 19 तब मय का कहू हय? का यो कि मूर्ति पर चढ़ायो गयो बलिदान कुछ हय, यां मूर्ति कुछ
हय? 20 नहीं, बल्की यो कि प्रभु ख जानन वालो लोग जो बलिदान करय हंय; हि परमेश्वर को
लायी नहीं पर दुष्ट आत्मा लायी बलिदान करय हंय अऊर मय नहीं चाहऊं कि तुम दुष्ट आत्मा को
सहभागी बनो। 21 तुम प्रभु को प्याला अऊर दुष्ट आत्मा को प्याला दोयी म सी नहीं पी सकय।
तुम प्रभु की मेज अऊर दुष्ट आत्मा की मेज दोयी को सहभागी नहीं कर सकय। 22 का हम प्रभु
ख गुस्सा दिलानो चाहजे हंय? का हम ओको सी शक्तिशाली हंय?

?? ??? ????????? ?? ?????? ????

23 ✡“कुछ कह्य हय सब चिज मोरो लायी ठीक त हंय,” पर सब फायदा की नहाय। “सब चिज
मोरो लायी ठीक त हंय,” पर सब चिज सी उन्नति नहाय। 24 कोयी अपनीच भलायी ख नहीं, बल्की
दूसरों की भलायी ख ढूंढय हय।

25 जो कुछ कस्साइयों को इत बिकय हय, ऊ खावो अऊर अन्तरमन को वजह कुछ मत पूछो?
26 “कहालीकि पवित्र शास्त्र कह्य हय: धरती अऊर ओकी भरपूरी प्रभु की हय।”

27 यदि अविश्वासियों म सी कोयी तुम्ख नेवता दे, अऊर तुम जानो चाहो, त जो कुछ तुम्हरो
सामने रख्यो जायेंन उच खावो; अऊर अन्तरमन को वजह कुछ मत पूछो। 28 पर यदि कोयी तुम सी
कहेंन, “या त मूर्ति ख बलि करी हुयी चिज आय,” त उच बतावन वालो को वजह अऊर अन्तरमन
को वजह नहीं खावो। 29 मोरो मतलब तोरो अन्तरमन नहीं, पर ऊ दूसरों को।

“भलो, मोरी,” स्वतंत्रता दूसरों को बिचार सी कहाली परखे जाये? 30 यदि मय धन्यवाद कर क्
सहभागी होऊं हय, त जेक पर मय धन्यवाद करू हय, ओको वजह मोरी निन्दा कहाली होवय हय?

31 येकोलायी तुम चाहे खावो, चाहे पीवो, चाहे जो कुछ करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा
लायी करो। 32 तुम नहीं यहूदियों, नहीं गैरयहूदियों, अऊर नहीं परमेश्वर की मण्डली लायी ठोकर
को वजह बनो। 33 जसो मय भी सब बातों म सब ख खुश रखू हय, अऊर अपनो नहीं पर बहुतों को
फायदा ढूंढू हय कि हि उद्धार पाये।

11

1 ✡तुम मोरी जसी चाल चलो जसो मय मसीह को जसी चाल चलू हय।

?????? ? ???? ? ?????

2 हे भाऊ, मय तुम्हरी बड़ायी करू हय कि सब बातों म तुम मोख याद करय हय; अऊर जो
शिक्षाये मय न तुम्ख दियो हंय, उन्को पालन करय हय। 3 पर मय चाहऊ हय कि तुम यो जान लेवो
कि हर एक आदमी को मुंड मसीह आय, अऊर बाई को मुंड आदमी आय, अऊर मसीह को मुंड
परमेश्वर आय। 4 हर असो जो आदमी मुंड पर ओड़्यो हुयो प्रार्थना या परमेश्वर को सन्देश देवय
हय, ऊ अपनो मुंड को अपमान करय हय। 5 पर हर असी बाई जो बिना मुंड पर ओड़्यो प्रार्थना
करय हय यां परमेश्वर को सन्देश देवय हय, वा अपनो मुंड को अपमान करय हय, कहालीकि वा
टकली होन को बराबर हय। 6 यदि बाई मुंड पर नहीं ओढ़ेंन त बाल भी कटाय लेवो; यदि बाई लायी
बाल कटानो यां मुंडन करनो शरम की बात हय, त मुंड पर ओढ़ लेवो। 7 हां, आदमी ख अपनो मुंड
ओड़नो ठीक नहाय, कहालीकि ऊ परमेश्वर को समानता अऊर महिमा हय; पर बाई आदमी की
महिमा हय। 8 कहालीकि आदमी बाई सी नहीं बनायो, पर बाई आदमी सी बनायो हय; 9 अऊर
आदमी बाई लायी नहीं बनायो गयो, पर बाई आदमी लायी बनायी गयी हय। 10 यो वजह अऊर
स्वर्गदूतों को वजह बाई ख ठीक हय कि अधिकार को चिन्ह समझ क मुंड पर रखे। 11 तब भी प्रभु
म नहीं त बाई बिना आदमी, अऊर नहीं आदमी बिना बाई को हय। 12 कहालीकि जसी बाई आदमी
सी हय, वसोच आदमी बाई सी जनम लेवय हय; पर सब चिजे परमेश्वर को द्वारा आयी हंय।

✡ **10:23** १०:२३ १ कुरिन्थियों ६:१२ ✡ **11:1** ११:१ १ कुरिन्थियों ४:१६; फिलिप्पियों ३:१७

13 तुम खुदच बिचार करो, का बाई ख उघाड़यो मुंड परमेश्वर सी प्रार्थना करनो शोभा देवय हय?
14 का स्वाभाविक रीति सी भी तुम नहीं जानय कि यदि आदमी लम्बो बाल रखय, त ओको लायी
ठीक नहाय। 15 पर यदि बाई लम्बो बाल रखय त ओको लायी शोभा हय, कहालीकि बाल ओख
ढाकन लायी दियो गयो हंय। 16 पर यदि कोयी यो बारे म विवाद करनो चाहेंन, त यो जान लेवो कि
नहीं हमरी अऊर नहीं परमेश्वर की मण्डली की असी रीति हय।

[illegible]
([illegible])

17 पर यो आज्ञा देतो हुयो मय तुम्हरी प्रशंसा नहीं करू हय, येकोलायी कि तुम परमेश्वर की
आराधना करन लायी जमा होवय हय त भलायी नहीं, पर हानि होवय हय। 18 कहालीकि पहिले
त मय यो सुनू हय, कि जब तुम मण्डली म जमा होवय हय त तुम म फूट होवय हय, अऊर मय
येको पर कुछ विश्वास भी करू हय। 19 कहालीकि दलबन्दी भी तुम म जरूरी होयेंन, येकोलायी
कि जो लोग तुम म जो सच्चो हंय हि प्रगट होय जाये। 20 येकोलायी तुम जो एक जागा म जमा
होवय हय त यो प्रभु-भोज खान लायी नहीं, 21 कहालीकि खान को समय एक दूसरों सी पहिले
अपनो जेवन कर लेवय हय, यो तरह सी कोयी त भूखो रह्य हय अऊर कोयी मतवालो होय जावय
हय। 22 का खान-पीन लायी तुम्हरो घर नहाय? यां परमेश्वर की मण्डली ख तुच्छ जानय हय, अऊर
जिन्को जवर नहीं हय उन्ख लज्जित करय हय? मय तुम सी का कहूं? का या बात म तुम्हरी प्रशंसा
करू? नहीं, मय प्रशंसा नहीं करू।

23 कहालीकि या शिक्षाये मोख प्रभु सी मिली, अऊर मय न तुम्ख भी पहुंचाय दियो कि प्रभु
यीशु न जो रात ऊ पकड़ायो गयो, रोटी ली, 24 अऊर परमेश्वर को धन्यवाद कर क् ओख तोड़ी
अऊर कह्यो, "यो मोरो शरीर आय, जो तुम्हरो लायी दियो गयो हय: मोरो याद लायी योच करयो
जाये।" 25 योच रीति सी ओन प्याला भी लियो अऊर कह्यो, "यो प्याला मोरो खून म नयी वाचा
आय: जब कभी पीवो, त मोरो याद लायी योच करयो जाये।"

26 कहालीकि जब कभी तुम यो रोटी खावय अऊर यो प्याला म सी पीवय हय, त प्रभु की मृत्यु
ख जब तक ऊ नहीं आय जाय, प्रचार करजे हय। 27 येकोलायी जो कोयी नियम को विरुद्ध प्रभु
की रोटी खायेंन या ओको प्याला म सी पीयेंन, ऊ प्रभु को शरीर अऊर खून को पापी ठहरेंन।
28 येकोलायी आदमी अपनो आप ख परख लेवो अऊर योच रीति सी यो रोटी म सी खाये, अऊर
यो प्याला म सी पी। 29 कहालीकि जो खातो-पीतो समय प्रभु को शरीर ख नहीं पहिचानय, ऊ यो
खान अऊर पीन सी अपनो ऊपर सजा लावय हय। 30 योच वजह तुम म बहुत सो कमजोर अऊर
रोगी हंय, अऊर बहुत सो मर भी गयो। 31 यदि हम अपनो आप ख जांचतो त परमेश्वर को तरफ
सी सजा नहीं पातो 32 पर प्रभु हम्ख न्याय कर क सजा देवय हय, येकोलायी कि हम जगत को
संग दोषी नहीं ठहरबोंन।

33 येकोलायी, हे मोरो भाऊ-बहिनों, जब तुम प्रभु-भोज लायी जमा होवय हय त एक दूसरों
लायी रुक्यो रहो। 34 यदि कोयी भूखो हय त अपनो घर म खाय ले, जेकोसी तुम्हरो जमा होनो सजा
को वजह नहीं होय। बाकी बातों ख मय आय क ठीक करू।

12

[illegible]

1 हे भाऊ-बहिनों, मय नहीं चाहऊ हय कि तुम पवित्र आत्मा को वरदानों को बारे म अनजान
रह। 2 तुम जानय हय कि जब तुम गैरयहूदी होतो, त मुक्की मूर्तियों की पूजा करत होतो अऊर
वसोच चलत होतो। 3 येकोलायी मय तुम्ख चेतावनी देऊ हय कि जो कोयी परमेश्वर की आत्मा सी
बोलय हय, ऊ नहीं कह्य कि यीशु स्त्रापित हय; अऊर नहीं कोयी पवित्र आत्मा को बिना कह्य
सकय हय कि यीशु प्रभु हय।

4 ✡वरदान त कुछ तरह को हंय, पर पवित्र आत्मा एकच आय; 5 अऊर सेवा भी कुछ तरह की
हंय, पर प्रभु एकच आय; 6 अऊर प्रभावशाली कार्य कुछ तरह को हंय, पर परमेश्वर एकच आय,
जो सब म हर एक तरह को प्रभाव पैदा करय हय। 7 पर सब को फायदा पहुंचान लायी हर एक ख
पवित्र आत्मा को प्रकाश दियो जावय हय। 8 कहालीकि एक ख आत्मा को द्वारा बुद्धि की बाते
दियो जावय हंय, अऊर दूसरों ख उच आत्मा को अनुसार ज्ञान की बाते। 9 कोयी ख उच आत्मा सी
विश्वास, अऊर कोयी ख उच एक आत्मा सी चंगो करन को वरदान दियो जावय हय। 10 तब कोयी
ख सामर्थ को काम करन की ताकत, अऊर कोयी ख परमेश्वर को सन्देश देन को दान, अऊर कोयी
ख आत्मावों को दाना ख परखन, अऊर कोयी ख बहुत तरह की भाषा, अऊर कुछ ख भाषावों को
मतलब बतावन को। 11 पर यो सब प्रभावशाली काम उच एक पवित्र आत्मा करावय हय, अऊर
जेक जो चाहवय हय ऊ बाट देवय हय।

□□□□ □□: □□□□ □□□□□□

12 ✡कहालीकि जसो की शरीर त एक हय अऊर ओको हिस्सा बहुत सो हंय, अऊर ऊ एक शरीर
को सब हिस्सा बहुत होन पर भी सब मिल क एकच शरीर आय, असोच तरह मसीह को शरीर भी
आय। 13 कहालीकि हम सब न का यहूदी होय का गैरयहूदी, का सेवक होय का स्वतंत्र एकच
आत्मा को द्वारा एक शरीर होन लायी बपतिस्मा लियो, अऊर हम सब ख एकच आत्मा पिलायो
गयो।

14 येकोलायी कि शरीर म एकच हिस्सा नहाय पर बहुत सो हंय। 15 यदि पाय कहेंन, "मय हाथ
नोहोय, येकोलायी शरीर को नोहोय," त का ऊ यो वजह शरीर को नोहोय? 16 अऊर यदि कान कह्य,
"मय आंखी नहाय, येकोलायी शरीर को नोहोय," त का ऊ यो वजह शरीर को नोहोय? 17 यदि पूरो
शरीर आंखीच होती त सुननो कहां होतो? यदि पूरो शरीर कान होतो, त सूंघनो कहां होतो? 18 पर
अच्छो सी परमेश्वर न शरीर को हिस्सा ख अपनी इच्छा को अनुसार एक एक कर क् शरीर म रख्यो
हय। 19 यदि हि सब एकच हिस्सा होतो, त शरीर कहां होतो? 20 पर अब शरीर को हिस्सा त बहुत
सो हंय, पर शरीर एकच आय।

21 आंखी हाथ सी नहीं कह्य सकय, "मोख तोरी जरूरत नहाय," अऊर नहीं मुंड पाय सी कह्य
सकय हय, "मोख तुम्हरी जरूरत नहाय।" 22 पर शरीर को हि हिस्सा जो दूसरों सी कमजोर लगय
हंय, बहुतच जरूरी हंय; 23 अऊर शरीर को जिन हिस्सा ख हम आदर को लायक नहीं समझय
उन्खच हम बहुत आदर देवय हंय; अऊर हमरो अच्छो नहीं दिखन वालो हिस्सा अऊर भी बहुत
अच्छो सी ढकजे हंय, 24 तब भी हमरो अच्छो दिखन वालो हिस्सा ख येकी जरूरत नहाय। पर
परमेश्वर न शरीर ख असो बनाय दियो हय कि जो हिस्सा ख आदर की कमी होती ओखच बहुत
आदर मिल्यो। 25 ताकि शरीर म फूट नहीं पड़े, पर शरीर को हिस्सा एक दूसरों की बराबर चिन्ता
करे। 26 येकोलायी यदि एक हिस्सा दु:ख पावय हय, त सब हिस्सा ओको संग दु:ख पावय हंय;
अऊर यदि एक हिस्सा की बड़ायी होवय हय, त ओको संग सब हिस्सा खुशी मनावय हंय।

27 यो तरह तुम सब मिल क मसीह को शरीर आय, अऊर हर एक लोग ओको अलग अलग ओको
हिस्सा आय; 28 ✡अऊर परमेश्वर न मण्डली म अलग अलग आदमी चुन्यो हंय: पहिलो प्रेरित,
दूसरों परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश लावन वालो, तीसरो शिक्षक, फिर सामर्थ को
काम करन वालो, फिर चंगो करन वालो, अऊर दूसरों ख मदत करन वालो, अऊर इन्तजाम करन
वालो, अऊर अज्ञात भाषा बोलन वालो। 29 का सब प्रेरित आय? का सब भविष्यवक्ता आय? का
सब शिक्षक आय? का सब सामर्थ को काम करन वालो आय? 30 का सब ख चंगो करन को वरदान
मिल्यो हय? का सब अज्ञात भाषा बोलय हंय? अऊर का सब अज्ञात भाषा को अनुवाद करय हय?
31 तुम बड़ो सी बड़ो वरदानों की इच्छा रखो।

पर मय तुम्ख अऊर भी सब सी उत्तम रस्ता बताऊ हय।

✡ **12:4** १२:४ रोमियों १२:६-८ ✡ **12:12** १२:१२ रोमियों १२:४,५ ✡ **12:28** १२:२८ इफिसियों ४:११

13

[illegible]

1 यदि मय आदमियों अऊर स्वर्गदूतों की बोली बोलू अऊर प्रेम नहीं रखू, त मय ठनठन बजन
वाली घंटी, अऊर झंझनाती हुयी खंजरी आय। 2 ✡अऊर यदि मय परमेश्वर को तरफ सी आवन
वालो सन्देश दे सकू, अऊर पूरो भेद अऊर सब तरह को ज्ञान ख समझू, अऊर मोख यहां तक पूरो
विश्वास होय कि मय पहाड़ी ख हटाय देऊ, पर प्रेम नहीं रखू, त मय कुछ भी नहाय। 3 यदि मय
अपनी पूरी जायजाद गरीबों ख खिलाय देऊ, यां अपनो शरीर जलावन लायी दे देऊ, अऊर प्रेम
नहीं रखू, त मोख कुछ भी लाभ नहाय।

4 प्रेम धीरजवन्त हय, अऊर दयालु हय; प्रेम जलन नहीं करय; प्रेम अपनी बड़ायी नहीं करय,
अऊर अपनो आप म फूलय नहाय, 5 ऊ अनरीति नहीं चलय, ऊ अपनी भलायी नहीं चाहवय, चिड़य
नहीं, दूसरों की बुरी बातों को लेखा नहीं रखय। 6 बुरायी सी खुशी नहीं होवय, पर सत्य सी खुशी
होवय हय। 7 ऊ सब बाते सह लेवय हय, सब बातों की विश्वास करय हय, सब बातों की आशा
रखय हय, सब बातों म धीरज रखय हय।

8 प्रेम कभी टलय नहाय; परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश हय त खतम होय जायेंन;
अज्ञात भाषा हय त जाती रहेंन, त जाती रहेंन; ज्ञान होय, त मिट जायेंन। 9 कहालीकि हमरो
ज्ञान अधूरो हय, अऊर हमरो परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश अधूरो हय; 10 पर जब
परिपूर्णता करेंन, त अधूरोपन मिट जायेंन।

11 जब मय बच्चा होतो, त मय बच्चों को जसो बोलत होतो, बच्चा को जसो मन होतो, बच्चों
की जसी समझ होती; पर जब समझदार होय गयो त बचपना की बाते छोड़ दियो। 12 अभी हम्ख
आरसा म धुंधलो सो दिखायी देवय हय, पर ऊ समय आमने-सामने देखेंन; यो समय मोरो ज्ञान
अधूरो हय, पर ऊ समय असी पूरी रीति सी पहिचानू, जसो की परमेश्वर मोख पहिचान्यो हय।
13 पर अब विश्वास, आशा, प्रेम यो तीन हंय, पर इन म सब सी बड़ो प्रेम हय।

14

[illegible]

1 प्रेम को अनुकरन करन लायी कोशिश करो, अऊर आत्मिक वरदानों की भी धुन म रहो, विशेष
कर क् यो कि परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश को दान करो। 2 कहालीकि जो अज्ञात
भाषा म बाते करय हय ऊ आदमियों सी नहीं पर परमेश्वर सी बाते करय हय; येकोलायी कि ओकी
बाते कोयी नहीं समझय, कहालीकि ऊ भेद की बाते पवित्र आत्मा म होय क बोलय हय। 3 पर जो
परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश ख बाटय हय, ऊ आदमियों सी उन्नति अऊर उपदेश
अऊर प्रोत्साहन की बाते करय हय। 4 जो अज्ञात भाषा म बाते करय हय, ऊ अपनोच उन्नति करय
हय; पर जो परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश की बाते करय हय, ऊ मण्डली की उन्नति
करय हय।

5 मय चाहऊ हय कि तुम सब अज्ञात भाषावों म बाते करो पर येको सी जादा यो चाहऊ हय
कि परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश की देन वालो: कहालीकि यदि अज्ञात भाषा बोलन
वालो मण्डली की उन्नति लायी अनुवाद नहीं करे त परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश
की करन वालो ओको सी बढ़ क हय। 6 येकोलायी हे भाऊ अऊर बहिनों, यदि मय तुम्हरो जवर
आय क अज्ञात भाषावों म बाते करू, त मोरो सी तुम्ख का फायदा होयेंन? अऊर प्रकाश यां ज्ञान
यां परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश करय हय, यां उपदेश की बाते कहूं, त तुम्ख जादा
फायदा होयेंन?

7 योच तरह यदि निर्जीव चिजे भी जेकोसी आवाज निकलय हय, जसो बांसुरी यां बीन, यदि उन्को
स्वरों म भेद नहीं होय त जो फूक्यो यां बजायो जावय हय, ऊ संगीत ख कसो पहिचान्यो जायेंन?

✡ **13:2** १३:२ मत्ती १७:२०; २१:२१; मरकुस ११:२३

8 अऊर यदि तुरही को आवाज साफ नहीं होय, त कौन लड़ाई लायी तैयारी करेंन? 9 असोच तुम भी
यदि जीबली सी साफ-साफ बाते नहीं कहो, त जो कुछ कह्यो जावय हय ऊ कसो समझ्यो जायेंन?
तुम त हवा सी बाते करन वालो ठहरो। 10 जगत म कितनोच तरह की भाषा होना, पर उन्म सी असी
कोयी भी नहाय जेको मतलब नहीं निकलत होना। 11 येकोलायी यदि मय कोयी भाषा को मतलब
नहीं समझू, त बोलन वालो की नजर म परदेशी ठहरू अऊर बोलन वालो मोरी नजर म परदेशी
ठहरेंन। 12 येकोलायी तुम भी जब आत्मिक वरदानों की धुन म रहो, त असो कोशिश करो कि तुम्हरो
ऊ वरदानों की उन्नति की कोशिश म रहो जेकोसी मण्डली की उन्नति हो।

13 जो अज्ञात भाषा बोलय हय त, ऊ प्रार्थना करे कि ओको अनुवाद भी कर सके। 14 येकोलायी
यदि मय अज्ञात भाषा म प्रार्थना करू, त मोरी आत्मा प्रार्थना करय हय पर मोरी बुद्धि काम
नहीं देवय। 15 येकोलायी का करन ख होना? मय आत्मा सी भी प्रार्थना करू, अऊर बुद्धि सी भी
प्रार्थना करू; मय आत्मा सी गाऊं, अऊर बुद्धि सी भी गाऊं। 16 नहीं त यदि तय आत्माच सी
धन्यवाद करजो, त फिर लोग तोरो धन्यवाद पर आमीन कसो कहेंन? कहालीकि ऊ त नहीं जानय
कि तय का कह्य हय? 17 तय त भली भाति धन्यवाद करय हय, पर दूसरों की उन्नति नहीं होवय।

18 मय अपनो परमेश्वर को धन्यवाद करू हय, कि मय तुम सब सी जादा अज्ञात भाषावों म बोलू
हय। 19 पर मण्डली म अज्ञात भाषा म दस हजार बाते कहन सी यो मोख अऊर भी अच्छो जान
पड़य हय, कि दूसरों ख सिखावन लायी बुद्धि सी पाच बाते कहूं।

20 हे भाऊ-बहिनों, तुम समझ म बच्चा को जसो नहीं बनो: बुरायी म त बच्चा रहो, पर समझ म
सियानो बनो। 21 व्यवस्था म लिख्यो हय कि प्रभु कह्य हय,

"मय अपरिचित भाषा बोलन वालो को द्वारा,
 अऊर परायो मुंह को द्वारा
इन लोगों सी बाते करू
 तब भी हि मोरी नहीं सुनेंन।"

22 येकोलायी अज्ञात भाषा बोलन को वरदान विश्वासियों लायी नहाय, पर अविश्वासियों लायी
चमत्कार को चिन्ह आय; अऊर परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश अविश्वासी लायी नहाय
पर विश्वासियों लायी चमत्कार को चिन्ह आय।

23 येकोलायी यदि मण्डली एक जागा जमा होय क, अऊर सब को सब अज्ञात भाषा बोले, अऊर
बाहेर वालो या अविश्वासी लोग अन्दर आय जाये त का हि तुम्ख पागल नहीं कहेंन? 24 पर यदि
सब परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश करन लग्यो, अऊर कोयी अविश्वासी यां बाहेर
वालो आदमी अन्दर आय जाये, त सब ओख दोषी ठहराय देयेंन अऊर जान जायेंन कि हि पापी
हय; अऊर उन्ख पश्चाताप की जरूरत हय। 25 अऊर ओको मन को भेद प्रगट होय जायेंन, अऊर
तब ऊ मुंह को बल गिर क परमेश्वर ख दण्डवत करेंन, अऊर मान लेयेंन कि सचमुच परमेश्वर तुम्हरो
बीच म हय।

?????? ? ???????

26 येकोलायी हे भाऊ-बहिनों, का करन ख होना? जब तुम जमा होवय हय, त हर एक को दिल
म भजन यां उपदेश यां अज्ञात भाषा यां प्रकाशन यां अज्ञात भाषा को मतलब बतानो रह्य हय।
सब कुछ आत्मिक उन्नति लायी होन ख होना। 27 यदि अज्ञात भाषा म बाते करनो हय त दोय यां
तीन लोग पारी-पारी सी बोले, अऊर एक आदमी अनुवाद करन ख होना। 28 पर यदि अनुवाद करन
वालो नहीं हय, त अज्ञात भाषा बोलन वालो मण्डली म चुपचाप रहन ख होना, अऊर अपनो मन
सी अऊर परमेश्वर सी बाते करतो रह्य। 29 परमेश्वर को तरफ सी सन्देश लावन वालो म सी दोय
यां तीन बोले, अऊर बाकी लोग उन्को वचन ख परखे। 30 पर यदि दूसरों जो बैठचो हय, यदि कुछ
ईश्वरीय प्रकाशन उन्को जवर होना त पहिलो चुप होय जाये। 31 कहालीकि तुम सब एक एक कर
क् परमेश्वर को तरफ सी सन्देश कर सकय हय, ताकि सब सीखे अऊर सब शान्ति पाये। 32 अऊर

परमेश्वर को तरफ सी सन्देश लावन वालो की आत्मा उन्को वश म रह्य हय। 33 कहालीकि परमेश्वर
अव्यवस्था नोहोय।
पर शान्ति देवय हय। जसो पवित्र लोगों की सब मण्डलियों म हय। 34 बाईयां मण्डली की
सभा म चुप रहे, कहालीकि उन्ख बाते करन की आज्ञा नहाय, पर अधीन रहन की आज्ञा हय, जसो
व्यवस्था म लिख्यो भी हय। 35 यदि हि कुछ सीखनो चाहवय, त घर म अपनो अपनो पति सी पूछो,
कहालीकि बाई ख मण्डली म बाते करनो शरम की बात हय।
36 का परमेश्वर को वचन तुम म सी निकल्यो हय? यां केवल तुमच तक पहुंच्यो हय? 37 यदि
कोयी आदमी अपनो आप ख परमेश्वर को सन्देश लावन वालो यां आत्मिक लोग समझय, त यो
जान ले कि जो बाते मय तुम्ख लिखू हय, हि प्रभु की आज्ञा आय। 38 पर यदि कोयी येको तरफ
ध्यान नहीं देयेंन, त ओको तरफ भी कोयी ध्यान नहीं दियो जायेंन।
39 येकोलायी हे भाऊ-बहिनों, परमेश्वर को तरफ सी सन्देश देन कि इच्छा रखो अऊर अज्ञात
भाषा बोलन सी मना मत करो; 40 पर पूरी बाते समझदारी अऊर एक को बाद एक करयो जाय।

15

[illegible]

1 हे भाऊ-बहिनों, अब मय तुम्ख याद दिलानो चाहऊ हय पहिले उच सुसमाचार सुनाय चुक्यो
हय, जेक तुम न अंगीकार भी करयो होतो अऊर जेको म तुम स्थिर भी हय। 2 ओकोच सी तुम्हरो
उद्धार भी होवय हय, यदि ऊ सुसमाचार ख जो मय न तुम्ख सुनायो होतो पकड़यो रखय हय; नहीं
त तुम्हरो विश्वास करनो बेकार भयो।
3 योच वजह मय न सब सी पहिले तुम्ख उच बात पहुंचाय दियो, जो मोख पहुंची होती कि पवित्र
शास्त्र को वचन को अनुसार या बहुत किमती बात हय कि यीशु मसीह हमरो पापों लायी मर गयो,
4 ✡अऊर गाड़यो गयो, अऊर पवित्र शास्त्र को अनुसार तीसरो दिन जीन्दो भयो, 5 ✡अऊर पतरस
ख तब बारयी ख भी दिखायी दियो। 6 तब ऊ पाच सौ सी जादा विश्वासियों ख एक संग दिखायी
दियो, जिन्म सी बहुत सो अब तक जीन्दो हंय पर कुछ मर गयो। 7 तब ऊ याकूब ख दिखायी दियो
तब सब प्रेरितों ख दिखायी दियो।
8 ✡सब को बाद मोख भी दिखायी दियो, जो मानो अधूरो दिनो को पैदा भयो हय। 9 ✡कहालीकि
मय प्रेरितों म सब सी छोटो हय, बल्की प्रेरित कहलान को लायक भी नहाय, कहालीकि मय न
परमेश्वर की मण्डली ख सतायो होतो। 10 पर मय जो कुछ भी हय, परमेश्वर को अनुग्रह सी हय।
ओको अनुग्रह जो मोरो पर भयो, ऊ बेकार नहीं भयो; पर मय न उन सब सी बढ़ क मेहनत भी
करयो: तब भी यो मोरो तरफ सी नहीं भयो पर परमेश्वर को अनुग्रह मोरो पर होतो। 11 येकोलायी
चाहे मय आय, चाहे उन हो, हम योच प्रचार करजे हंय, अऊर येको पर तुम न विश्वास भी करयो।

[illegible]

12 येकोलायी जब कि मसीह को यो प्रचार करयो जावय हय कि ऊ मरयो हुयो म सी जीन्दो
भयो, त तुम म सी कितनो कसो कह्य हंय कि मरयो हुयो को पुनरुत्थान हयच नहाय? 13 यदि
मरयो हुयो को पुनरुत्थान हयच नहाय, त मसीह भी जीन्दो नहीं भयो; 14 अऊर यदि मसीह जीन्दो
नहीं भयो, त हमरो प्रचार करनो भी बेकार हय, अऊर तुम्हरो विश्वास भी बेकार हय। 15 बल्की
हम परमेश्वर को झूठो गवाह ठहरबो; कहालीकि हम न परमेश्वर को बारे म या गवाही दी कि ओन
मसीह ख जीन्दो कर दियो, जब कि नहीं जीन्दो करयो यदि मरयो हुयो नहीं जीन्दो होवय। 16 अऊर
यदि मुर्दा जीन्दो नहीं होतो, त मसीह भी नहीं जीन्दो होतो; 17 अऊर यदि मसीह नहीं जीन्दो भयो,
त तुम्हरो विश्वास बेकार हय, अऊर तुम अब तक अपनो पापों म फस्यो हय। 18 बल्की जो मसीह

✡ **15:4** १५:४ मत्ती १२:४०; प्रेरितों २:२४-३२ ✡ **15:5** १५:५ लूका २४:३४; मत्ती २८:१६,१७; मरकुस १६:१४; लूका २४:३६;
यूहन्ना २०:१९ ✡ **15:8** १५:८ प्रेरितों ९:३-६ ✡ **15:9** १५:९ प्रेरितों ८:३

म विश्वास करन वालो मर गयो, हि भी नाश भयो। 19 यदि हम केवल योच जीवन म मसीह सी
आशा रखजे हंय त हम सब आदमियों सी जादा दयालु हंय।

20 पर सचमुच मसीह मुर्दा म सी जीन्दो भयो हय, अऊर जो मर गयो हंय उन्म ऊ पहिलो सबूत
हय। 21 कहालीकि जब एक आदमी को द्वारा हि मृत्यु आयी, त एक आदमी को द्वाराच मरयो हुयो
को पुनरुत्थान भी आयो। 22 अऊर जसो आदम न सब पर मृत्यु लायी, वसोच मसीह सब ख जीवन
देयेंन, 23 मृत्यु म सी पहिले मसीह जीन्दो होयेंन, तब ऊ वापस आयेंन तब ओको पर जो विश्वास
करेंन ऊ जीन्दो होयेंन। 24 येको बाद अन्त होयेंन। ऊ समय ऊ पूरो शासक, अधिकार अऊर सामर्थ
को मसीह को द्वारा अन्त कर क् राज्य ख परमेश्वर पिता को हाथ म सौंप देयेंन। 25 कहालीकि जब
तक ऊ अपनो दुश्मनों ख अपनो पाय खल्लो नहीं ले आवय, तब तक मसीह को राज्य करनो जरूरी
हय। 26 सब सी आखरी दुश्मन जो नाश करयो जायेंन, वा मृत्यु आय। 27 कहालीकि शास्त्र कह्य
हय "परमेश्वर न सब कुछ ओको पाय खल्लो कर दियो हय," पर जब ऊ कह्य हय कि सब कुछ
मसीह को अधीन कर दियो गयो हय त स्पष्ट हय कि जेन ओको अधीन कर दियो, परमेश्वर खुद
अलग रह्यो। 28 अऊर जब सब कुछ ओको अधीन होय जायेंन, त बेटा खुद भी ओको अधीन होय
जायेंन, जेन ओको अधीन कर दियो, ताकि सब म परमेश्वर सब बातों म राज करेंन।

29 नहीं त जो लोग मरयो हुयो लायी बपतिस्मा लेवय हंय हि का करेंन? यदि मुर्दा फिर सी
जीन्दो होतोच नहीं त फिर कहाली उन्को लायी बपतिस्मा लेवय हंय? 30 अऊर हम भी कहाली हर
समय खतरा म पड़यो रहजे हंय? 31 हे भाऊ-बहिनों, मोख ऊ गर्व सी जो हमरो प्रभु मसीह यीशु
म मय तुम्हरो बारे म करू हय कि मय हर दिन मरू हय। 32 यदि मय आदमी की रीति पर इफिसुस
म जंगल को जनावर जसो सी लड़यो त मोख का फायदा भयो? यदि मुर्दा जीन्दो करयो नहीं जाये,
"त आवो, खाबोंन-पीबो, कहालीकि कल त मरनोच हय।"

33 धोका मत खा, "बुरी संगति अच्छो चरित्र ख बिगाड़ देवय हय।" 34 जसो की उचित हय
अऊर पाप छोड़ो; कहालीकि कुछ असो हंय जो परमेश्वर ख नहीं जानय। मय तुम्ख शर्मिन्दा करन
लायी यो कहू हय।

[illegible]

35 अब कोयी यो कहेंन, "मुर्दा कसी रीति सी जीन्दो उठय हंय, अऊर कसो शरीर को संग आवय
हय?" 36 हे मुर्ख! जो कुछ तय बोवय हय, जब तक पहिले मर नहीं जावय, तब तक जीन्दो नहीं
होवय। 37 अऊर जो तय बोवय हय, यो ऊ पौधा नोहोय जो बढ़न वालो हय, पर निरो दाना आय,
चाहे गहूं को चाहे कोयी अऊर अनाज को। 38 पर परमेश्वर अपनी इच्छा को जसो ओख शरीर देवय
हय, अऊर हर एक बीज ख ओकी विशेष शरीर।

39 सब शरीर एक जसो नहीं: आदमियों को शरीर अऊर हय, पशुवों को शरीर अऊर हय; पक्षियों
को शरीर अऊर हय; मच्छी को शरीर अऊर हय।

40 स्वर्गीय शरीर हंय अऊर पार्थिव शरीर भी हंय। पर स्वर्गीय शरीर को तेज अऊर हय, अऊर
पार्थिव को अऊर। 41 सूरज को तेज अऊर हय, चन्दा को तेज अऊर हय, अऊर चांदनियों को तेज
अऊर हय, कहालीकि एक तारा सी दूसरों तारा को तेज म अन्तर हय।

42 मुर्दा को जीन्दो होनो भी असोच हय। शरीर नाशवान दशा म बोयो जावय हय अऊर अविनाशी
रूप म जीन्दो उठय हय। 43 ऊ अपमान को संग बोयो जावय हय, अऊर तेज को संग जीन्दो होवय
हय; कमजोर को संग बोयो जावय हय, अऊर महिमा को संग जीन्दो होवय हय। 44 स्वाभाविक
शरीर गड़ायो जावय हय, अऊर आत्मिक शरीर जीन्दो होवय हय: जब कि स्वाभाविक शरीर हय,
त आत्मिक शरीर भी हय। 45 असोच शास्त्र म लिख्यो हय, कि "पहिलो आदमी, मतलब आदम
जीन्दो प्रानी बन्यो" अऊर आखरी आदम, जीवन दायक आत्मा हय। 46 पर पहिले आत्मिक नहीं
होतो पर स्वाभाविक शरीर होतो, येको बाद आत्मिक भयो। 47 पहिलो आदमी आदम धरती सी
मतलब माटी को होतो; दूसरों आदमी स्वर्गीय आय। 48 जसो ऊ माटी को होतो, वसोच हि भी हंय

जो माटी को हंय; अऊर जसो ऊ स्वर्गीय हय, वसोच हि भी हंय जो स्वर्गीय हंय। 49 अऊर जसो
हम न ओको शरीर धारन करयो जो माटी को होतो वसोच ऊ स्वर्गीय रूप भी धारन करबो।
50 हे भाऊ-बहिनों, मय यो कहू हय कि मांस अऊर खून परमेश्वर को राज्य को अधिकारी नहीं
होय सकय, अऊर नहीं नाशवान अविनाशी को अधिकारी होय सकय हय।
51 ✡देखो, मय तुम सी भेद की बात कहू हय: हम सब नहीं मरबो, पर सब बदल जायेंन, 52 अऊर
यो पल भर म, पलक मारतोच आखरी तुरही फूकतोच होयेंन। कहालीकि तुरही फूकी जायेंन अऊर
मुर्दा अविनाशी दशा म उठायो जायेंन, अऊर हम बदल जाबो। 53 कहालीकि जरूरी हय कि यो
नाशवान शरीर अविनाश ख पहिन ले, अऊर यो मरनहार शरीर अमरता ख पहिन ले। 54 अऊर जब
यो नाशवान अविनाश ख पहिन लेन, अऊर यो मरनहार अमरता ख पहिन लेन, तब ऊ वचन जो
लिख्यो हय पूरो होय जायेंन: "जय न मृत्यु को नाश कर दियो।"
55 "हे, मृत्यु, तोरी जय कित रही?
हे, मृत्यु, तोरो डंक कित रह्यो?"
56 मृत्यु को डंक पाप हय, अऊर पाप ख मूसा को व्यवस्था सी ताकत मिलय हय। 57 पर परमेश्वर
को धन्यवाद हो, जो हमरो प्रभु यीशु मसीह को द्वारा हम्ख जयवन्त करय हय।
58 येकोलायी हे मोरो प्रिय भाऊ-बहिनों, मजबूत अऊर अटल रहो, अऊर प्रभु को काम म
हमेशा बढ़तो जावो, कहालीकि यो जानय हय कि तुम्हरी मेहनत प्रभु म बेकार नहाय।

16

[illegible]

1 ✡अब ऊ चन्दा को बारे म जो परमेश्वर को लोगों लायी करयो जावय हय, जसी आज्ञा मय न
गलातिया की मण्डली ख दी, वसोच तुम भी करो। 2 हप्ता को पहिले दिन तुम म सी हर एक अपनी
आमदनी को अनुसार कुछ अपनो जवर रख छोड़ो कि मोरो आनो पर चन्दा नहीं करनो पड़े। 3 अऊर
जब मय आऊं, त जिन्ख तुम चाहो उन्ख मय चिट्ठियां दे क भेज देऊ कि तुम्हरो दान यरूशलेम
पहुंचाय दे। 4 यदि मोरो भी जानो ठीक भयो, त हि मोरो संग जायेंन।

[illegible]

5 ✡मय मकिदुनिया होय क तुम्हरो जवर आऊं, कहालीकि मोख मकिदुनिया होय क जानोच हय।
6 पर सम्भव हय कि तुम्हरो इतच रुक जाऊं अऊर ठंडी को मौसम तुम्हरो इत काटू, तब जो तरफ
मोरो जानो होय ऊ तरफ तुम मोख भेज देवो। 7 कहालीकि मय अब रस्ता म तुम सी थोड़ो समय
की भेंट करनो नहीं चाहऊं; पर मोख आशा हय कि यदि प्रभु चाहवय त कुछ समय तक तुम्हरो संग
रहूं।
8 ✡पर मय पिन्तेकुस्त तक इफिसुस म रहूं, 9 कहालीकि मोरो लायी उत एक बड़ो अऊर उपयोगी
द्वार खुल्यो हय, अऊर विरोधी बहुत सो हंय।
10 ✡यदि तीमुथियुस आय जाये, त देखजो कि ऊ तुम्हरो इत आदर सी रहे; कहालीकि ऊ मोरो
जसो प्रभु को काम करय हय। 11 येकोलायी कोयी ओख तुच्छ नहीं जाने, पर ओख शान्ति सी यो
तरफ पहुंचाय देनो कि मोरो जवर आय जाये; कहालीकि मय ओकी रस्ता देख रह्यो हय कि हि भाऊ
को संग आये।
12 भाऊ अपुल्लोस सी मय न बहुत बिनती करी हय कि तुम्हरो जवर भाऊ को संग जाये; पर
ओन यो समय जान की कुछ भी इच्छा नहीं जतायी, पर जब समय मिलेंन तब आय जायेंन।

[illegible]

13 जागतो रहो, विश्वास म बन्यो रहो, साहसी बनो, बलवन्त हो। 14 जो कुछ करय हय प्रेम
सी करो।

✡ **15:51** १५:५१ १ थिस्सलुनीकियों ४:१५-१७ ✡ **16:1** १६:१ रोमियों १५:२५,२६ ✡ **16:5** १६:५ प्रेरितों १९:२१ ✡ **16:8**
१६:८ प्रेरितों १९:८-१० ✡ **16:10** १६:१० १ कुरिन्थियों ४:१७

15 ✡हे भाऊ-बहिनों, तुम स्तिफनास को घरानों ख जानय हय कि हि अखया को पहिले फर आय,
अऊर परमेश्वर को लोगों की सेवा लायी तैयार रह्य हंय। 16 येकोलायी मय तुम सी बिनती करू
हय कि असो को अधीन रहो, बल्की हर एक को जो यो काम म मेहनत अऊर सहकर्मी हय।
17 मय स्तिफनास अऊर फूरतूनातुस अऊर अखइकुस को आनो सी खुश हय, कहालीकि उन्न
तुम्हरी कमी ख पूरो करयो हय। 18 उन्न मोख अऊर तुम्ख आत्मा ख चैन दियो हय, येकोलायी असो
ख मानो।
19 ✡आसिया की मण्डली को तरफ सी तुम ख हार्दिक नमस्कार; अक्विला अऊर प्रिस्का को अऊर
उन्को घर की मण्डली को भी तुम ख प्रभु म बहुत–बहुत हार्दिक नमस्कार! 20 सब विश्वासियों को
तरफ सी तुम ख नमस्कार।

मसीह को प्रेम सी एक दूसरों ख गरो लगाय क आपस म नमस्कार करो।

21 मय पौलुस को अपनो हाथ को लिख्यो हुयो नमस्कार।

22 यदि कोयी प्रभु सी प्रेम नहीं रखय त ओको पर हाय।

हे हमरो प्रभु, आव!

23 प्रभु यीशु को अनुग्रह तुम पर होतो रहे।

24 मोरो प्रेम मसीह यीशु म तुम सब को संग रहे। आमीन।

✡ **16:15** १६:१५ १ कुरिन्थियों १:१६ ✡ **16:19** १६:१९ प्रेरितों १८:२

कुरिन्थियों के नाम पौलुस प्रेरित की दूसरी पत्री
कुरिन्थियों को नाम पौलुस प्रेरित की दूसरी चिट्ठी

परिचय

या चिट्ठी प्रेरित पौलुस न यीशु मसीह को जनम को ५५-५६ साल बाद लिखी। १:१ या दोय चिट्ठी म सी या दूसरी चिट्ठी आय। बहुत विदवान असो समझय हय कि या चिट्ठी को पहिले कुरिन्थियों ख एक बड़ी कठोर चिट्ठी लिखी गयी होती। येको बारे म २:३-४, यो वचन म या चिट्ठी को बारे म उल्लेख करयो हय। बल्की या चिट्ठी को प्रती हमरो जवर नहाय। या दूसरी कुरिन्थियों की चिट्ठी पौलुस न मकिदुनिया म सी लिखी होती। २:१३।

दूसरी कुरिन्थियों की चिट्ठी की विशेषता या हय कि यो व्यक्तिक अऊर भावनात्मक बाते की चर्चा करी गयी हय, या चिट्ठी म पौलुस खुशी मनावय हय कि या चिट्ठी म जो अहवाल कुरिन्थियों को बारे म तीतुस सी हासिल करयो खुशी ख व्यक्त करय हय। या चिट्ठी देन को बारे म विस्तार सी शिक्षा नयो नियम को दृष्टिकोन सी दियो हय। या शिक्षा ऊ विभाग म पौलुस पैसा को दान को उल्लेख करय हय अऊर यरूशलेम म विश्वासियों ख मदत लायी लिख्यो गयो होतो, ८–९ या मण्डली म कुछ लोग पौलुस को विरोध म होतो। अऊर कुछ बाहेर सी आयो हुयो झूठो प्रेरित यो विरोध को फायदा उठाय क पौलुस ख दबाय क खुद ख बढ़ाय रह्यो होतो। उन्न पौलुस को अधिकार पर सवाल उपस्थित करयो। येकोलायी या चिट्ठी को आखरी हिस्सा म अपनो अधिकार को यीशु मसीह म प्रेरित होन को नाते जो अधिकार मिल्यो हय, ऊ अधिकार पर जोर देवय हय, अऊर ओको पर दावा ठोकय हय।

रूप-रेखा

१. पौलुस ख अपनी मण्डली की सुरूवात म नमस्कार करय हय। □:□-□

२. पौलुस अपनी यात्रा की योजना म बदलाव करय हय ओन जो अहवाल कुरिन्थियों को बारे म प्राप्त करी होती अऊर अपनी पिछली कठोर चिट्ठी जेको बारे म उन्न सवाल पैदा करयो होतो ओको बारे म बतावय हय। □:□–□:□□

३. यरूशलेम म रहन वालो विश्वासियों लायी दान जमा करन को बारे या पौलुस कि सुचना। □:□–□:□□

४. आखरी म पौलुस अपनो प्रेरित पन को बचाव करय हय अऊर अपनी आवन वाली भेंट को बारे म चेतावनी। □□:□–□□:□□

1 ✡पौलुस को तरफ सी जो परमेश्वर की इच्छा सी मसीह यीशु को प्रेरित हय, अऊर भाऊ
तीमुथियुस को तरफ सी परमेश्वर की उन मण्डली को, नाम जो कुरिन्थुस म हय, अऊर पूरो अखया
को सब पवित्र लोगों ख।
2 हमरो पिता परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को तरफ सी तुम्ख अनुग्रह अऊर शान्ति मिलती
रहें।

□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□

3 हमरो प्रभु यीशु मसीह को बाप अऊर परमेश्वर को धन्यवाद हो, जो दया को बाप अऊर सब
तरह की शान्ति को परमेश्वर हय। 4 ऊ हमरो सब कठिनायियों म प्रोत्साहन देवय हय; ताकि हम
वा प्रोत्साहन को वजह जो परमेश्वर हम्ख देवय हय, उन्ख भी प्रोत्साहन दे सकेंन जो कोयी तरह
की कठिनायी म हंय। 5 कहालीकि जसो मसीह को दु:खों म हम बहुत सहभागी होयजे हंय, वसोच
हम शान्ति म भी मसीह को द्वारा बहुत सहभागी होयजे हंय। 6 यदि हम कठिनायी उठायजे हंय, त
या तुम्हरी शान्ति अऊर मुक्ति लायी हय; यदि हम खुश हंय, त या तुम्हरो खुशी लायी हय; जेको

✡ **1:1** १:१ प्रेरितों १८:१

प्रभाव सी तुम धीरज को संग उन कठिनायियों ख सह लेवय हय, जिन्ख हम भी सहजे हंय। 7 हमरी
आशा तुम्हरो बारे म मजबूत हय; कहालीकि हम जानजे हंय कि तुम जसो हमरो दु:खों म, वसोच
प्रोत्साहन म भी सहभागी हो।
8 ✡हे भाऊवों अऊर बहिनों, हम नहीं चाहजे कि तुम हमरो ऊ कठिनायी सी अनजान रहो जो
आसिया को प्रदेश म हम पर पड़यो; हम असो भारी बोझ सी दब गयो होतो, जो हमरी सामर्थ
सी बाहेर होतो, यहां तक कि हम जीवन सी भी हाथ धोय बैठ्यो होतो। 9 बल्की हम न अपनो मन
म समझ लियो होतो कि हम पर मरन की आज्ञा भय गयी हय। ताकि हम अपनो भरोसा नहीं रखे
बल्की परमेश्वर को जो मरयो हुयो ख जीन्दो करय हय। 10 ओनच हम्ख मरन को असो बड़ो संकट
सी बचायो, अऊर छुड़ायेंन; अऊर ओको पर हमरी या आशा हय। कि ऊ आगु भी बचातो रहेंन।
11 तुम भी मिल क प्रार्थना सी हमरी मदत करो कि जो वरदान बहुतों सी हम्ख मिल्यो, परमेश्वर
को अनुग्रह सी बहुत लोग हमरो तरफ सी धन्यवाद करें।

[illegible]

12 कहालीकि हम अपनो अन्तरमन की या गवाही पर घमण्ड करजे हंय, कि जगत म अऊर विशेष
कर क् तुम्हरो बीच, हमरो चरित्र परमेश्वर को लायक असी पवित्रता अऊर सच्चायी संग होतो,
जो मानविय ज्ञान सी नहीं पर परमेश्वर को अनुग्रह को संग होतो। 13-14 हम तुम्ख अऊर कुछ
नहीं लिखजे, केवल ऊ जो तुम पढ़य यां समझ सकय हय, अऊर मोख आशा हय कि आखरी तक
भी समझतो रहो। जसो तुम म सी कितनो न समझ लियो हय कि हम तुम्हरो घमण्ड को वजह हंय,
वसोच तुम भी प्रभु यीशु को दिन हमरो लायी घमण्ड को वजह ठहरो।
15 योच भरोसा सी मय चाहत होतो कि पहलो तुम्हरो जवर आऊं कि तुम्ख अऊर दुगनी खुशी
मिलय; 16 ✡अऊर तुम्हरो जवर सी होय क मकिदुनिया ख जाऊं; अऊर फिर मकिदुनिया सी तुम्हरो
जवर आऊं; अऊर तुम मोख यहूदिया को तरफ कुछ दूर तक कुशल सी सार करो। 17 येकोलायी
मय न या इच्छा करी होती त का मय न मनमानी दिखायी? यां जो करनो चाहऊ हय का शरीर
को अनुसार करनो चाहऊ हय कि मय बात म "हव, हव" भी करू अऊर "नहीं, नहीं" भी करू?
18 परमेश्वर सच्चो गवाह हय कि हमरो ऊ सन्देश म जो तुम सी कह्यो "हव" अऊर "नहीं" दोयी
नहीं पायो जावय। 19 ✡कहालीकि परमेश्वर को बेटा यीशु मसीह जेको हमरो सी यानेकि मोरो
सिलवानुस अऊर तीमुथियुस को द्वारा तुम्हरो बीच म प्रचार भयो, ओको म "हव" अऊर "नहीं"
दोयी नहीं होतो, पर ओको म "हव" होतो। 20 कहालीकि परमेश्वर की जितनो प्रतिज्ञाये हंय, हि
सब ओको म "हव" को संग हंय। येकोलायी ओको सी "आमीन" भी भयी कि हमरो सी परमेश्वर की
महिमा हो। 21 अऊर जो हम्ख तुम्हरो संग मसीह की संगति म मजबूत करय हय, अऊर जेन हमरो
अभिषेक करयो उच परमेश्वर आय, 22 हम ओको आय ओन हम पर मुहर भी लगाय दियो हय अऊर
ब्याना म पवित्र आत्मा ख हमरो मनों म दियो।
23 मय परमेश्वर ख गवाह कर क् कहू हय कि मय अब तक कुरिन्थुस म येकोलायी नहीं आयो, कि
मोख तुम्ख डाटनो चाहत होतो। 24 यो नहीं कि हम विश्वास को बारे म तुम पर अधिकार जतानो
चाहजे हंय; पर तुम्हरो खुशी म सहकर्मी हंय कहालीकि तुम विश्वास सीच स्थिर रह्य हय।

2

1 मय न अपनो मन म योच ठान लियो होतो कि फिर सी तुम्हरो जवर उदास करन नहीं आऊं।
2 कहालीकि यदि मय तुम्ख उदास करू, त मोख खुशी देन वालो कौन होयेंन, केवल उच जेक मय
न उदास करयो हय? 3 अऊर मय न याच बात तुम्ख येकोलायी लिखी कि कहीं असो नहीं होय कि
मोरो आनो पर, जिन्कोसी मोख खुशी मिलनो होना मय उन्को सी उदास होऊं; कहालीकि मोख तुम
सब पर या बात को भरोसा हय कि जो मोरी खुशी हय, उच तुम सब को भी हय। 4 बड़ो दु:ख अऊर

✡ **1:8** १:८ १ कुरिन्थियों १५:३२ ✡ **1:16** १:१६ प्रेरितों १९:२१ ✡ **1:19** १:१९ प्रेरितों १८:५

मन को कठिनायी सी मय न बहुत सो आसु बहाय बहाय क तुम्ख लिख्यो होतो, येकोलायी नहीं कि
तुम उदास हो पर येकोलायी कि तुम ऊ बड़ो प्रेम ख जान लेवो, जो मोख तुम सी हय।

[illegible]

5 यदि कोयी न उदास करयो हय, त मोखच नहीं बल्की कि ओको संग कड़क स्वभाव सी पेश नहीं
आऊं थोड़ो-थोड़ो तुम सब ख भी उदास करयो हय। 6 असो आदमी लायी या सजा जो भाऊवों म
सी बहुत सो न दियो, बहुत हय। 7 येकोलायी येको सी अच्छो यो हय कि ओको अपराध माफ करो
अऊर प्रेम दिखावो, असो नहीं होय कि आदमी बहुत उदासी म डुब जाये। 8 यो वजह मय तुम सी
बिनती करू हय कि ओख अपनो प्रेम को सबूत दे। 9 कहालीकि मय न येकोलायी भी लिख्यो होतो
कि तुम्ख परख लेऊ कि तुम मोरी सब बातों ख मानन लायी तैयार हो कि नहीं। 10 जेक तुम माफ
करय हय ओख मय भी माफ करू हय। कहालीकि मय न भी जो कुछ माफ करयो हय, यदि करयो
हय, त तुम्हरो वजह मसीह की जागा म होय क माफ करयो हय, 11 कि शैतान को हम पर दाव नहीं
चलेंन, कहालीकि हम ओकी युक्तियों सी अनजान नहीं।

[illegible]

12 ✡जब मय मसीह को सुसमाचार सुनावन ख त्रोआस शहर म आयो, अऊर प्रभु न मोरो लायी
एक मौका खोल दियो, 13 त मोरो मन म चैन नहीं मिल्यो, येकोलायी कि मय न अपनो भाऊ तीतुस
ख नहीं पायो, येकोलायी उन्को सी बिदा होय क मय मकिदुनिया राज्य ख चली गयो।

[illegible]

14 पर परमेश्वर को धन्यवाद हो जो मसीह म सदा हम ख विजय को उत्सव म लियो फिरय हय,
अऊर मसीह को ज्ञान की सुगन्ध हमरो सी हर जागा फैलावय हय। 15 कहालीकि हम परमेश्वर
को जवर उद्धार पावन वालो अऊर नाश होन वालो दोयी लायी मसीह की सुगन्ध हंय। 16 त मरन
वालो लायी मरन को गन्ध, अऊर कितनो लायी जीवन वालो लायी जीवन को सुगन्ध। ठीक इन
बातों को लायक कौन हय? 17 कहालीकि हम उन बहुत सो को जसो नहीं जो परमेश्वर को वचन
अपनो फायदा लायी इस्तेमाल करय हंय; सच्चो मन सी अऊर परमेश्वर को तरफ सी भेज्यो गयो
परमेश्वर ख मौजूद जान क शुद्ध मन सी मसीह को सेवक समान बोलय हंय।

3

[illegible]

1 का हम फिर अपनी बड़ायी करन लग्यो? यां हम्ख दूसरों लोगों को जसो सिफारिश की चिट्ठियां
तुम्हरो जवर लावनो यां तुम सी लेनो हंय? 2 हमरी चिट्ठी तुमच आय, जो हमरो दिल पर लिखी हुयी
हय अऊर ओख सब आदमी पहिचानय अऊर पढ़य हंय। 3 यो प्रगट हय कि हमरो बीच सेवकायी
को वजह सी तुम मसीह की चिट्ठी आय, अऊर जो स्याही सी नहीं पर जीवित परमेश्वर को आत्मा
सी, गोटा की पाटियों पर नहीं, पर दिल को मांस रूपी पाटियों पर जो मसीह न लिख्यो हय।
4 हम मसीह सीच परमेश्वर म भरोसा हंय ओकोच द्वारा बोलय हय। 5 यो नहीं कि हम अपनो खुद
सी यो लायक हंय कि अपनो तरफ सी कोयी बात को काम कर सकेंन, पर हमरी लायकता परमेश्वर
को तरफ सी आय, 6 परमेश्वर न हम्ख नयो वाचा को सेवक होन लायक भी बनायो, यो लिखी हुयी
व्यवस्था सी नहीं बल्की आत्मा सी हय; कहालीकि व्यवस्था मारय हय, पर पवित्र आत्मा जीन्दो
करय हय।
7 यदि मूसा की वा व्यवस्था की सेवकायी को अक्षर गोटा पर खोद्यो गयो होतो, यहां तक तेजोमय
भयी कि मूसा को मुंह पर को तेज को वजह जो घटत भी जात होतो, इस्राएली ओको मुंह पर नजर
नहीं कर सकत होतो। 8 ऊ तेज गायब होत जाय रह्यो होतो, त पवित्र आत्मा की सेवा अऊर भी
तेजोमय कहाली नहीं होयेंन? 9 यदि जब दोषी ठहरान वाली सेवा तेजोमय होती, त उद्धार ठहरान
वाली सेवा अऊर भी तेजोमय कहाली नहीं होयेंन? 10 अऊर जो तेजोमय होतो, ऊ भी ऊ तेज को

✡ **2:12** २:१२ प्रेरितों २०:१

वजह जो ओको सी बड़ क तेजोमय होतो, तेजोमय नहीं ठहरयो। 11 कहालीकि जब ऊ जो घटत
जात होतो तेजोमय होतो, त ऊ जो स्थिर रहेंन अऊर भी तेजोमय कहाली नहीं होयेंन?
12 येकोलायी असी आशा रख क हम हिम्मत को संग बोलजे हंय, 13 अऊर मूसा को जसो नहीं,
जेन अपनो मुंह पर परदा डाल्यो होतो ताकि इस्राएली ऊ घटन वालो तेज को अन्त ख नहीं देखे।
14 पर हि मतिमन्द भय गयो, कहालीकि अज तक पुरानो नियम पढ़तो समय उन्को दिलो पर उच
परदा पड़यो रह्य हय। जब कोयी व्यक्ति मसीह म जोड़यो जावय हय तब ऊ परदा मसीह म उठ
जावय हय। 15 अज तक जब कभी मूसा की किताब पढ़यो जावय हय, त उन्को दिल पर परदा पड़यो
रह्य हय। 16 पर जब कभी उन्को दिल प्रभु को तरफ फिरेंन, तब ऊ परदा उठ जायेंन। 17 प्रभु त
आत्मा हय: अऊर जित कहीं प्रभु को आत्मा हय उत स्वतंत्रता हय। 18 पर जब हम सब को खुलो
चेहरा सी प्रभु को तेज यो तरह प्रगट होवय हय, जो तरह आरसा म, त प्रभु सी जो आत्मा हय,
हम उच तेजस्वी रूप म अधिक सी अधिक कर क् बदल देवय हंय।

4

[illegible]

1 येकोलायी जब हम पर असी दया भयी कि हम्ख यो सेवा मिली, त हम हिम्मत नहीं छोड़जे।
2 पर हम न लज्जा को लूक्यो कामों ख छोड़ दियो, अऊर नहीं चालाकी सी चलजे, अऊर नहीं
परमेश्वर को वचन म मिलावट करजे हंय; पर सत्य ख प्रगट कर क्, परमेश्वर को आगु हर एक
आदमी को अन्तरमन म अपनी भलायी बैठायजे हंय। 3 पर यदि हमरो सुसमाचार पर परदा पड़यो
हय, त यो नाश होन वालोच लायी पड़यो हय। 4 अऊर उन अविश्वासियों लायी, जिन की बुद्धि
यो जगत को शैतान को ईश्वर न अन्धी कर दियो हय, ताकि मसीह जो परमेश्वर को प्रतिरूप हय,
ओको तेजोमय सुसमाचार को प्रकाश उन पर नहीं चमकेंन। 5 कहालीकि हम अपनो ख नहीं, पर
मसीह यीशु को प्रचार करजे हंय; कि ऊ प्रभु आय अऊर अपनो बारे म यो कहजे हंय कि हम
यीशु को वजह तुम्हरो सेवक हंय। 6 येकोलायी कि परमेश्वरच आय, जेन कह्यो, "अन्धकार म सी
ज्योति चमकेंन," अऊर उच हमरो दिलो म चमक्यो कि परमेश्वर की महिमा की ज्ञान की ज्योति
यीशु मसीह को चेहरा सी प्रकाशित भयो हय।
7 पर हमरो जवर ऊ धन हम जो माटी को बर्तनों जसो हय हम उन्म आत्मिक सम्पत्ति हय यो
असीम सामर्थ दिखावन लायी हमरो तरफ सी नहीं, बल्की परमेश्वर कोच तरफ सी ठहरे। 8 हम
चारयी तरफ सी कठिनायी त भोगजे हंय, पर संकट म नहीं पड़जे; घबरायो हुयो त हंय, पर निराश
नहीं होवय; 9 सतायो त जावय हंय, पर छोड्यो नहीं जावय; गिरायो त जावय हंय, पर नाश नहीं
होवय। 10 हम यीशु की मरनो ख अपनो शरीर म हर समय लियो फिरजे हंय कि यीशु को जीवन
भी हमरो शरीर म प्रगट हो। 11 कहालीकि हम जीतो जी हमेशा यीशु को वजह मृत्यु को हाथ म
सौंप्यो जाजे हंय कि यीशु को जीवन भी हमरो मरन वालो शरीर म प्रगट हो। 12 यो तरह मृत्यु त
हम पर प्रभाव डालय हय अऊर जीवन तुम पर।
13 येकोलायी कि हम म उच विश्वास को आत्मा हय, जेको बारे म पवित्र शास्त्र म लिख्यो हय,
"मय न विश्वास करयो, येकोलायी मय बोल्यो।" येकोलायी हम भी विश्वास करजे हंय, येकोलायी
बोलजे हंय। 14 कहालीकि हम जानजे हंय कि जेन प्रभु यीशु ख जीन्दो करयो, उच हम्ख भी यीशु
को संग जीन्दो करेंन, अऊर तुम्हरो संग अपनो आगु लाय क खड़ो करेंन। 15 कहालीकि सब चिजे
तुम्हरो लायी हंय, ताकि अनुग्रह बहुतों सी जादा होय क परमेश्वर कि महिमा लायी धन्यवाद भी
बढ़ेंन।

[illegible]

16 येकोलायी हम हिम्मत नहीं छोड़जे; येकोलायी हमरो बाहरी मनुष्यत्व नाश होत जावय हय,
तब भी हमरो अन्दर को मनुष्यत्व हर दिन नयो होत जावय हय। 17 कहालीकि हमरो पल भर को
हल्की सी कठिनायी हमरो लायी बहुतच महत्वपूर्ण अऊर अनन्त काल कि महिमा ख पैदा करय

हय; 18 अऊर हम त देखी हुयी चिजों ख नहीं पर अनदेखी चिजों ख देखतो रहजे हंय; कहालीकि
देखी हुयी चिजे थोड़ोच दिन की हंय, पर अनदेखी चिजे अनन्त काल तक बनी रह्य हंय।

5

[illegible]

1 कहालीकि हम जानजे हंय कि जब हमरो धरती पर को डेरा जसो घर जो हमरो शरीर हय गिरायो
जायेंन, त हम्ख परमेश्वर को तरफ सी स्वर्ग पर एक असो भवन मिलेंन जो हाथों सी बन्यो हुयो
घर नहीं, पर अनन्त काल को हय। 2 येको म त हम करहाते अऊर बड़ी इच्छा रखजे हंय कि अपनो
स्वर्गीय घर ख पहिन ले, 3 कि येख पहिनन सी हम नंगो नहीं देख्यो जाये। 4 अऊर हम यो जगत
को डेरा म रहतो हुयो बोझ सी दब्यो दु:ख म करहाते रहजे हंय, कहालीकि हम उतारनो नहीं बल्की
अऊर पहिननो चाहजे हंय, ताकि ऊ जो मरनहार हय जीवन म डुब जाये। 5 जेन हम्ख या बात को
लायी तैयार करयो हय ऊ परमेश्वर आय, जेन हम्ख ब्याना म हम्ख आत्मा भी दियो हय।
6 यानेकि हम हमेशा हिम्मत बान्ध्यो रहजे हंय अऊर यो जानजे हंय कि जब तक हम शरीर को
घर म रहजे हंय, तब तक हम प्रभु सी अलग रहजे हंय 7 कहालीकि हमरो जो जीवन जो देखजे हय
ओको पर नहीं, पर जो विश्वास सी चलजे हंय 8 येकोलायी हम हिम्मत बान्ध्यो रहजे हंय, अऊर
शरीर सी अलग होय क प्रभु को संग रहनो अऊर भी बहुत अच्छो समझजे हंय। 9 यो वजह हमरो
मन की उमंग यो आय कि चाहे संग रहे चाहे अलग रहे, पर हम ओख भातो रहबोंन। 10 ✡कहालीकि
जरूरी हय कि हम सब को हाल मसीह को न्याय आसन को सामने खुल जाये, कि हर एक आदमी
अपनो अपनो अच्छो बुरो कामों को बदला जो ओन शरीर को द्वारा करयो।

[illegible]

11 येकोलायी प्रभु को डर मान क हम लोगों ख समझाजे हंय; पर परमेश्वर पर हमरो हाल प्रगट
हय, अऊर मोरी आशा या हय कि तुम्हरो अन्तरमन पर भी प्रगट भयो होना। 12 हम फिर भी अपनी
बड़ायी तुम्हरो आगु नहीं करजे, बल्की हम अपनो बारे म तुम्ख घमण्ड करन को अवसर देजे हंय
कि तुम उन्ख उत्तर दे सको, जो मन पर नहीं बल्की दिखावटी बातों पर घमण्ड करय हंय। 13 यदि
हम मुर्ख समझय हंय त परमेश्वर लायी, अऊर यदि सुध म हंय त तुम्हरो लायी हंय। 14 कहालीकि
मसीह को प्रेम हम्ख विवश कर देवय हय; येकोलायी कि हम यो समझजे हंय कि जब एक सब को
लायी मरयो त सब मर गयो। 15 अऊर ऊ यो निमित्त सब लायी मरयो कि जो जीन्दो हंय, हि आगु
सी अपनो लायी नहीं जीये पर ओको लायी जो उन्को लायी मरयो अऊर फिर जीन्दो भयो।
16 यानेकि अब सी हम कोयी ख आदमी की समझ को अनुसार नहीं समझबोंन। फिर भी हम न
मसीह ख भी आदमी की समझ को अनुसार जान्यो होतो, तब भी अब सी ओख असो नहीं जानबोंन।
17 येकोलायी यदि कोयी मसीह म हय त वा नयी रचना आय: पुरानी बाते बीत गयी हंय; देखो, सब
बाते नयी भय गयी हंय। 18 या सब बाते परमेश्वर को तरफ सी हंय, जेन मसीह को द्वारा अपनो संग
हमरो मेल-मिलाप कर लियो, अऊर मेल-मिलाप की सेवा हम्ख सौंप दियो हय। 19 यानेकि परमेश्वर
न मसीह म होय क अपनो संग जगत को मेल-मिलाप कर लियो, अऊर उन्को अपराधो को दोष
उन पर नहीं लगायो, अऊर ओन मेल-मिलाप को वचन हम्ख सौंप दियो हय।
20 येकोलायी, हम मसीह को राजदूत हंय; मानो परमेश्वर हमरो द्वारा बिनती कर रह्यो हय। हम
मसीह को तरफ सी निवेदन करजे हंय कि परमेश्वर को संग मेल-मिलाप कर लेवो। 21 जो पाप सी
अनजान होतो, ओखच ओन हमरो लायी पाप ठहरायो कि हम उन्म होय क परमेश्वर की सच्चायी
प्राप्त करे।

6

1 हम जो परमेश्वर को सहकर्मी हंय यो भी बिनती करजे हंय कि ओको अनुग्रह जो तुम पर भयो,
ओख बेकार मत जान दे। 2 कहालीकि परमेश्वर कह्य हय,

✡ **5:10** ५:१० रोमियों १४:१०

“अपनो खुशी को समय मय न तोरी सुन ली,
अऊर उद्धार को दिन मय न तोरी मदत करी।”
देखो, अब ऊ खुशी को समय हय,
देखो, अब ऊ उद्धार को दिन आय।

3 हम कोयी बात म ठोकर खान को अवसर नहीं देजे ताकि हमरी सेवा पर कोयी दोष मत आय।
4 पर हर बात सी परमेश्वर को सेवकों को जसो अपनो सद्‌गुनों ख प्रगट करजे हंय, बड़ो धीरज
सी, कठिनायी सी, गरीबी सी, संकटों सी, 5 ✡कोड़ा खानो सी, कैद होनो सी, हल्लावों सी, मेहनत
करनो सी, जागतो रहनो सी, उपवास करनो सी, 6 पवित्रता सी, ज्ञान सी, धीरज सी, दयालुता सी,
पवित्र आत्मा को सामर्थ सी, सच्चो प्रेम को संग, 7 सत्य को वचन सी, परमेश्वर को सामर्थ सी,
सच्चायी को अवजारों सी जो दायो बायो हाथों म हंय, 8 आदर अऊर अपमान सी, बदनाम अऊर
अच्छो नाम सी, यानेकि धोका देन वालो जसो मालूम होवय हंय तब भी हम सच्चायी प्रगट करजे
हय; 9 बिना पहिचान वालो को जसो हंय, तब भी प्रसिद्ध हंय; मरयो हुयो को जसो हंय अऊर देखो
जीन्दो हंय; मार खान वालो को जसो हंय पर जान सी मारयो नहीं जावय; 10 शोक करन वालो को
जसो हंय, पर हमेशा खुशी मनावय हंय; गरीबों को जसो हंय, पर बहुतों ख धनवान बनाय देवय
हंय; असो हंय जसो हमरो जवर कुछ नहाय तब भी सब कुछ रखजे हंय।

11 हे कुरिन्थवासी, हम न खुल क तुम सी बाते करी हंय, हमरो दिल तुम्हरो तरफ खुल्यो हुयो
हय। 12 तुम्हरो लायी हमरो दिल म कोयी संकोच नहाय, पर तुम्हरोच मनों म संकोच हय। 13 मय
अपनो बच्चां जान क जसो तुम सी प्रेम करू हय वसोच तुम हम सी प्रेम करो अऊर तुम भी ओको
बदला म अपनो दिल खोल दे।

[illegible]

14 अविश्वासियों को संग एक साथ काम करन की कोशिश मत करो, कहालीकि सच्चायी अऊर
अधर्म की का संगति? यां प्रकाश अऊर अन्धारो तक संग कसो रह्य सकय हंय? 15 अऊर मसीह
अऊर शैतान कसो सहमत होय सकय हय? यां विश्वासी को संग अविश्वासी को का नाता?
16 ✡अऊर मूर्तियों को संग परमेश्वर को मन्दिर को का सम्बन्ध?
कहालीकि हम त जीन्दो परमेश्वर को मन्दिर आय; जसो परमेश्वर न कह्यो हय,
“मय उन म बसू अऊर उन म चल्यो फिरयो करू;
अऊर मय उन्को परमेश्वर होऊं,
अऊर हि मोरो लोग होयेंन।”
17 येकोलायी प्रभु कह्य हय,
“उन्को बीच म सी निकलो
अऊर अलग रहो;
अऊर अशुद्ध चिजों ख मत छूवो,
त मय तुम्ख स्वीकार करूं; 18 अऊर मय तुम्हरो बाप होऊं,
अऊर तुम मोरो बेटा
अऊर बेटियां हो। यो सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर को
वचन आय।”

7

1 येकोलायी हे प्रियो, जब कि यो प्रतिज्ञाये हम्ख मिली हंय, त आवो, हम अपनो आप ख शरीर
अऊर आत्मा की सब अशुद्धता सी शुद्ध करे, अऊर परमेश्वर को डर रखतो हुयो पवित्रता ख सिद्ध
करे।

[illegible]

✡ **6:5** ६:५ प्रेरितों १६:२३ ✡ **6:16** ६:१६ १ कुरिन्थियों ३:१६; ६:१९

2 हम्ख अपनो दिल म जागा दे। हम न नहीं कोयी को संग अन्याय करयो, नहीं कोयी ख बिगाड़यो,
अऊर नहीं कोयी ख ठगायो। 3 मय तुम्ख दोषी ठहरान लायी यो नहीं कहूं। कहालीकि मय पहिलेच
कह्यं चुक्यो हय कि तुम हमरो दिल म असो बस गयो हय कि हम तुम्हरो संग मरन जीवन लायी
तैयार हंय। 4 मय तुम सी बहुत हिम्मत को संग बोल रह्यो हय, मोख तुम पर बड़ो घमण्ड हय; मय
प्रोत्साहन सी भर गयो हय। अपनो पूरो कठिनायी म मय खुशी सी बहुत भरपूरी सी रहू हय।
5 ✡कहालीकि जब हम मकिदुनिया म आयो, तब भी हमरो शरीर ख चैन नहीं मिल्यो, बल्की हम्ख
चारयी तरफ सी हर तरह को दु:ख उठानो पड़यो होतो; बाहेर लड़ाईयों सी, अऊर मन को अन्दर
डर सी। 6 तब भी दुखियों ख प्रोत्साहन देन वालो परमेश्वर न तीतुस को आवन सी हम ख दिलासा
दियो; 7 अऊर नहीं केवल ओको आनो सीच नहीं पर ओको सी हम्ख अऊर जादा प्रोत्साहन मिल्यो
कि, जो ओख तुम्हरो तरफ सी मिली होती। ओन तुम्हरी लालसा, तुम्हरो दु:ख अऊर मोरो लायी
तुम्हरी धुन को समाचार हम्ख सुनायो, जेकोसी मोख अऊर भी खुशी भयी।
8 कहालीकि मय न अपनो चिट्ठी सी तुम्ख दु:खी करयो, पर ओको सी पछताऊ नहीं जसो कि
पहिले पछतावत होतो, कहालीकि मय देखू हय कि वाच चिट्ठी सी तुम्ख दु:ख त भयो पर ऊ थोड़ो
समय लायी होतो। 9 अब मय खुश हय पर येकोलायी नहीं कि तुम ख दु:ख पहुंच्यो, बल्की येकोलायी
कि तुम न ऊ दु:ख को वजह मन फिरायो, कहालीकि तुम्हरो दु:ख परमेश्वर की इच्छा को अनुसार
होतो कि हमरो तरफ सी तुम्ख कोयी बात म हानि नहीं पहुंचे। 10 कहालीकि परमेश्वर-भक्ति को
दु:ख असो पैदा करय हय जेको परिनाम उद्धार हय अऊर फिर ओको सी पछतानो नहीं पड़य। पर
सांसारिक दु:ख मृत्यु पैदा करय हय। 11 येकोलायी देखो, याच बात सी कि तुम्ख परमेश्वर को तरफ
सी दु:ख भयो तुम म कितनो उत्साह अऊर खुद को बचाव अऊर शोक, अऊर डर, अऊर बढ़ती
इच्छा, अऊर आस्था अऊर न्याय देन को बिचार पैदा भयो? तुम न सब तरह सी यो सिद्ध कर
दिखायो कि तुम या बात म गलत नहाय।
12 फिर मय न जो तुम्हरो जवर लिख्यो होतो, ऊ नहीं त ओको वजह लिख्यो जेन अन्याय करयो
अऊर नहीं ओको वजह जेको पर अन्याय करयो गयो, पर येकोलायी कि तुम्हरो उत्साह जो हमरो
लायी हय, ऊ परमेश्वर को आगु तुम पर दिख जाय। 13 येकोलायी हम्ख प्रोत्साहन मिली।
हमरी यो प्रोत्साहन को संग तीतुस को खुशी को वजह अऊर भी खुशी भयी कहालीकि ओको
जीव तुम सब को वजह ओकी आत्मा ख चैन मिल्यो हय। 14 कहालीकि यदि मय न ओको आगु
तुम्हरो बारे म कुछ घमण्ड दिखायो, त शर्मिन्दा नहीं भयो, पर जसो हम न तुम सी सब बाते सच-सच
कह्यं दियो होतो, वसोच हमरो घमण्ड दिखानो तीतुस को आगु भी सच निकल्यो। 15 जब ओख तुम
सब को आज्ञाकारी होन को याद आवय हय कि कसो तुम न डरतो अऊर कापतो हुयो ओको सी
मुलाखात करी; त ओको प्रेम तुम्हरो तरफ अऊर भी बढ़तो जावय हय। 16 मय खुश हय कहालीकि
मोख हर बात म तुम पर पूरो भरोसा कर सकू हय।

8

??????? ?? ??? ????

1 ✡अब हे भाऊवों अऊर बहिनों, हम तुम्ख परमेश्वर को ऊ अनुग्रह को समाचार देजे हंय जो
मकिदुनिया की मण्डलियों पर भयो हय। 2 कि कठिनायी की बड़ी परीक्षा म उन्को बड़ी खुशी अऊर
भारी गरीबपन म उनकी उदारता बहुत बढ़ गयी। 3 अऊर उन्को बारे म मोरी या गवाही हय कि उन्न
अपनी सामर्थ भर बल्की सामर्थ सी भी बाहेर मन सी दियो। 4 अऊर यो दान म अऊर परमेश्वर को
लोगों की सेवा म सहभागी होन को अनुग्रह को बारे म, हम सी बार-बार बहुत बिनती करी, 5 अऊर
जसी हम न आशा करी होती, वसीच नहीं बल्की उन्न प्रभु ख फिर परमेश्वर की इच्छा सी हम ख
भी अपनो खुद ख दे दियो। 6 येकोलायी हम न तीतुस ख बिनती करी होती, कि जसो ओन पहिले

✡ **7:5** ७:५ २ कुरिन्थियों २:१३ ✡ **8:1** ८:१ रोमियों १५:२६

सुरूवात करयो होतो, वसोच तुम्हरो बीच म यो दान देन को कृपा को काम ख लगातार पूरो भी कर
लेवो। 7 येकोलायी जसो तुम हर बात म यानेकि विश्वास, वचन, ज्ञान अऊर सब तरह को यत्न म,
अऊर ऊ प्रेम म, जो हम सी रखय हय, बढ़तो जावय हय, वसोच यो दान यां कृपा को काम म भी
बढ़तो जावो।

8 मय आज्ञा की रीति पर त नहीं, पर दूसरों को उत्साह सी तुम्हरो प्रेम की सच्चायी ख परखन
लायी कहू हय। 9 तुम हमरो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह जानय हय कि ऊ धनी होय क भी तुम्हरो
लायी गरीब बन गयो, ताकि ओको गरीब होय जानो सी तुम धनी होय जावो।

10 या बात म मोरी सलाह याच हय: यो तुम्हरो लायी अच्छो हय, जो एक साल सी नहीं त केवल
यो काम ख करनोंच म, पर या बात को चाहनो म भी पहिलो भयो होतो, 11 येकोलायी अब यो काम
पूरो करो कि जसो इच्छा करनो म तुम तैयार होतो, वसोच अपनी अपनी पूंजी को अनुसार पूरो भी
करो। 12 कहालीकि यदि मन की तैयारी होय त दान ओको अनुसार स्वीकार भी होवय हय जो ओको
जवर हय; नहीं कि ओको अनुसार जो ओको जवर हयच नहाय।

13 यो नहीं कि दूसरों ख चैन अऊर तुम ख कठिनायी मिले, 14 पर बराबरी को बिचार सी यो समय
तुम्हरी बढ़ती उनकी कमी म काम आये, ताकि उनकी बढ़ती भी तुम्हरी कमी म काम आये कि बराबरी
होय जाये। 15 जसो शास्त्र म लिख्यो हय, "जेन बहुत जमा करयो ओको कुछ जादा नहीं निकल्यो,
अऊर जेन थोड़ो जमा करयो ओको कुछ कम नहीं निकल्यो।"

[illegible]

16 परमेश्वर को धन्यवाद हो, जेन तुम्हरो लायी उच उत्साह तीतुस को दिल म डाल दियो हय।
17 कि ओन हमरो समझानो मान लियो बल्की बहुत उत्साही होय क ऊ अपनी इच्छा सी तुम्हरो
जवर गयो हय। 18 हम न ओको संग ऊ भाऊ ख भी भेज्यो हय जेको नाम सुसमाचार को बारे म
सब मण्डली म फैल्यो हुयो हय; 19 अऊर इतनोच नहीं, पर वा मण्डली सी ठहरायो भी गयो कि यो
दान को काम लायी हमरो संग जाये। हम या सेवा येकोलायी करजे हंय कि प्रभु की महिमा अऊर
हमरो मन की तैयारी प्रगट होय जाये।

20 हम या बात म चौकस रहजे हंय कि यो उदारता को काम को बारे म जेकी सेवा हम करजे
हंय, कोयी हम पर दोष नहीं लगानो पाये। 21 कहालीकि जो बाते केवल प्रभुच को जवर नहीं, पर
आदमियों को जवर भी ठीक हंय हम उनकी चिन्ता करजे हंय।

22 हम न ओको संग अपनो भाऊ ख भी भेज्यो हय, जेक हम न बार-बार परख क् बहुत बातों म
उत्साही पायो हय; पर अब तुम पर ओख बड़ो भरोसा हय, यो वजह ऊ अऊर भी जादा उत्साही
हय। 23 यदि कोयी तीतुस को बारे म पुछेंन, त ऊ मोरो संगी अऊर तुम्हरो लायी मोरो सहकर्मी
आय; अऊर यदि हमरो भाऊवों को बारे म पुछेंन, त हि मण्डलियों ख भेज्यो हुयो अऊर मसीह की
महिमा आय। 24 यानेकि अपनो प्रेम अऊर हमरो ऊ घमण्ड जो तुम्हरो बारे म हय मण्डलियों को
आगु सिद्ध कर क् उन्ख दिखावो।

9

[illegible]

1 अब ऊ सेवा को बारे म जो पवित्र लोगों लायी करी जावय हय, मोख तुम ख लिखनो
जरूरी नहाय। 2 कहालीकि मय तुम्हरो मन की तैयारी ख जानु हय, जेको वजह मय तुम्हरो बारे
म मकिदुनिया वासियों को आगु घमण्ड दिखाऊं हय कि अखया को लोग एक साल सी तैयार भयो
हंय, अऊर तुम्हरो उत्साह न अऊर बहुत सो ख भी उभारयो हय। 3 पर मय न भाऊवों ख येकोलायी
भेज्यो हय कि हम न जो घमण्ड तुम्हरो बारे म दिखायो, ऊ या बात म निष्फल नहीं ठहरेंन; पर
जसो मय न कह्यो वसोच तुम तैयार रहो, 4 असो नहीं होय कि यदि कोयी मकिदुनिया निवासी मोरो
संग आयेंन अऊर तुम्ख तैयार नहीं पाये, त होय सकय हय कि यो आत्मविश्वास को वजह हम यो
नहीं कहजे कि हम अऊर तुम शर्मिन्दा हो। 5 येकोलायी मय न भाऊवों सी या बिनती करनो जरूरी

समझ्यो कि हि पहिलो सी तुम्हरो जवर जाये, अऊर तुम्हरी उदारता को फर जेको बारे म पहिले सी वचन दियो गयो होतो, तैयार कर रखेंन कि यो दबाव सी नहीं पर उदारता को फर को जसो तैयार हो।

[illegible]

6 पर बात या आय: जो थोड़ो बोवय हय, ऊ थोड़ो काटेंन भी; अऊर जो बहुत बोवय हय, ऊ
बहुत काटेंन। 7 हर एक लोग जसो ओन मन म सोच्यो हय वसोच दान करे; नहीं कुड़कुड़ाय क अऊर
दबाव सी, कहालीकि परमेश्वर मन की खुशी सी देन वालो सी प्रेम रखय हय। 8 परमेश्वर सब तरह
को अनुग्रह तुम्ख बहुतायत सी दे सकय हय जेकोसी हर बात म अऊर हर समय, सब कुछ, जो
तुम्ख जरूरी हय, तुम्हरो जवर रहेंन; अऊर हर एक अच्छो काम लायी तुम्हरो जवर बहुत कुछ हो।
9 जसो शास्त्र म लिख्यो हय,

"ओन उदारता सी ओन गरीबों ख दान दियो,
ओकी सच्चायी हमेशा बनी रहेंन।"

10 यानेकि जो बोवन वालो ख बीज अऊर जेवन लायी रोटी देवय हय, ऊ तुम्ख बीजा देयेंन, अऊर
सच्चायी की फसल की बढ़ोतरी करेंन; अऊर तुम्हरो उदारता को फर ख बढ़ायेंन। 11 तुम हर एक
बात म सब तरह की उदारता लायी जो हमरो द्वारा परमेश्वर को धन्यवाद करवावय हय, धनवान
करयो जाये। 12 कहालीकि या सेवा ख पूरो करनो सी नहीं केवल परमेश्वर को लोगों की जरूरते
पूरी होवय हंय, पर लोगों को तरफ सी परमेश्वर को भी बहुत धन्यवाद होवय हय। 13 कहालीकि यो
सेवा ख प्रनाम स्वीकार कर हि परमेश्वर की महिमा प्रगट करय हंय कि तुम मसीह को सुसमाचार
ख मान क ओको अधीन रह्य हय, अऊर उनकी अऊर सब की मदत करनो म उदारता प्रगट करतो
रह्य हय। 14 अऊर हि तुम्हरो लायी बड़ो प्रेम को संग प्रार्थना करय हंय; अऊर येकोलायी कि
तुम पर परमेश्वर को बड़ोच अनुग्रह करयो हय। 15 परमेश्वर को, ओको ऊ दान लायी जो वर्नन सी
बाहेर हय, धन्यवाद हो।

10

[illegible]

1 मय पौलुस जो तुम्हरो संग होन पर नम्र अऊर दीन हय, पर जब मय दूर होऊ हय त तुम्हरो
संग कठोर व्यवहार करू हय मसीह की नम्रता अऊर कोमल स्वभाव अऊर दया सी समझाऊ हय।
2 मय या बिनती करू हय कि तुम्हरो आगु मोख निडर होय क हिम्मत करनो नहीं पड़ेंन, जसो मय
कुछ आदमी पर जो हम ख जगत को अनुसार चलन वालो समझय हंय, हिम्मत दिखान को बिचार
करू हय। 3 कहालीकि हम जगत म चलजे फिरजे हंय, तब भी जगत को अनुसार नहीं लड़जे।
4 कहालीकि हमरी लड़ाई को अवजार सांसारिक नहीं, पर दुश्मनों को किल्ला ख गिराय देन लायी
परमेश्वर को द्वारा सामर्थी हंय। 5 येकोलायी हम कल्पनावों को अऊर हर एक ऊंची बात को, जो
परमेश्वर की पहिचान को विरोध म उठय हय, खण्डन करजे हंय; अऊर हर एक भावना ख बन्दी कर
क मसीह को आज्ञाकारी बनाय देजे हंय, 6 अऊर तैयार रहजे हंय कि जब तुम्हरो आज्ञा पालन को
सबूत देवो, त हर एक तरह को आज्ञा-उल्लंघन ख सजा देयेंन।

7 तुम उच बातों ख देखो, जो आंखी को आगु हंय। यदि कोयी ख अपनो पर यो भरोसा होय कि मय
मसीह को आय, त ऊ यो भी जान ले कि जसो ऊ मसीह को आय वसोच हम भी हंय। 8 कहालीकि
यदि मय ऊ अधिकार को बारे म अऊर भी घमण्ड दिखाऊं, जो प्रभु न तुम्हरो बिगाड़न लायी नहीं
पर बनावन लायी हम्ख दियो हय, त शर्मिन्दा नहीं होऊं। 9 यो मय येकोलायी कहू हय कि चिट्ठियां
को द्वारा तुम्ख डरावन वालो नहीं ठहरू। 10 कहालीकि हि कह्य हंय, "ओकी चिट्ठियां त गम्भीर
अऊर प्रभावशाली हंय; पर जब ऊ आगु होवय हय, त ऊ शरीर कमजोर अऊर बोलन म हल्को
जान पड़य हय।" 11 जो असो कह्य हय, ऊ यो समझ रखे कि जब हम अनूपस्थिती हय त अपनो
वचन म कठोर हंय, वसोच उपस्थिति म हमरो काम अऊर भी कठिन हय।

12 कहालीकि हम्ख यो हिम्मत नहीं कि हम अपनो आप ख उन म सी असो कुछ को संग गिन्यो
यां उन सी अपनो ख मिलाये, जो अपनी बढ़ायी आप करय हंय, अऊर अपनो आप ख आपस म नाप
तौल क एक दूसरों सी तुलना कर क् ऊ खुद मूर्ख ठहरय हंय। 13 हम त सीमा सी बाहेर घमण्ड कभी
भी नहीं करबोंन, पर उच सीमा तक जो परमेश्वर न हमरो लायी ठहराय दियो हय, अऊर ओको म
तुम भी आय गयो हय, अऊर ओकोच अनुसार घमण्ड भी करबोंन। 14 कहालीकि हम अपनी सीमा
सी बाहेर अपनो आप ख बढ़ानो नहीं चाहजे, जसो कि तुम तक नहीं पहुंचन की दशा म होतो, बल्की
मसीह को सुसमाचार सुनातो हुयो तुम तक आयो हंय। 15 हम सीमा सी बाहेर दूसरों को मेहनत पर
घमण्ड नहीं करजे; पर हम्ख आशा हय कि जसो-जसो तुम्हरो विश्वास बढ़तो जायेंन वसो-वसो हम
अपनी सीमा को अनुसार तुम्हरो वजह अऊर भी बढ़तो जाबोंन, 16 ताकि हम तुम्हरी सीमा सी आगु
बढ़ क सुसमाचार सुनाबो, अऊर यो नहीं कि हम दूसरों कि सीमा को अन्दर बन्यो बनायो कामों पर
घमण्ड करबो।
17 पर जसो शास्त्र कह्यु हय "जो घमण्ड करेंन, ऊ प्रभु पर घमण्ड करेंन।" 18 कहालीकि जो
अपनी बड़ायी करय हय ऊ नहीं, पर जेकी बड़ायी प्रभु करय हय, उच स्वीकार करयो जावय हय।

11

[illegible]
1 यदि तुम मोरी थोड़ी सी मूर्खता सह लेतो त का हि ठीक होतो; हव, मोरी सह भी लेवो! 2 मय
तुम्हरो बारे म ईश्वरीय धुन लगायो रहू हय, येकोलायी कि मय न तुम्हरी मसीह सी सगायी कर
दी हय कि तुम्ख पवित्र कुंवारी को जसो मसीह ख सौंप देऊ। 3 पर मय डरू हय कि जसो सांप न
अपनी चालाकी सी हवा ख बहकायो, वसोच तुम्हरो मन ऊ सीधायी अऊर पवित्रता सी जो मसीह
को संग होनो चाहिये, कहीं भ्रष्ट नहीं करयो जाय। 4 यदि कोयी तुम्हरो जवर आय क कोयी दूसरों
यीशु को प्रचार करेंन, जेको प्रचार हम न नहीं करयो; यां कोयी अऊर आत्मा तुम्ख मिले, जो
पहिले नहीं मिल्यो होतो; यां अऊर कोयी सुसमाचार सुनाये जेक तुम न पहिले नहीं मान्यो होतो,
त तुम ओख सह लेवय हय।
5 मय त समझू हय कि मय कोयी बात म बड़ो सी बड़ो "प्रेरितों" सी कम नहाय। 6 यदि मय
सन्देश बोलन म अनाड़ी हय, तब भी ज्ञान म नहीं। हम न येख हर बात म सब तरह सी तुम्हरो
लायी प्रगट करयो हय।
7 का येख म मय न कुछ पाप करयो कि मय न तुम्ख परमेश्वर को सुसमाचार थोड़ो-मोड़ों सुनायो;
अऊर अपनो आप ख नम्र करयो कि तुम ऊचो होय जावो? 8 मय न दूसरी मण्डलियों ख लूटचो,
यानेकि मय न उन सी मजूरी ली ताकि तुम्हरी सेवा करू। 9 ✡अऊर जब मय तुम्हरो संग होतो अऊर
मोख कमी भयी, त मय न कोयी पर बोझ नहीं डाल्यो, कहालीकि भाऊवों न मकिदुनिया सी आय
क मोरी कमी ख पूरो करयो; अऊर मय न हर बात म अपनो आप ख तुम पर बोझ बननो सी रोक्यो,
अऊर रोक्यो रहूं। 10 यदि मसीह की सच्चायी मोरो म हय त अखया देश म कोयी मोख यो घमण्ड
सी नहीं रोकेंन। 11 कहाली? का येकोलायी कि मय तुम सी प्रेम नहीं रखू हय? परमेश्वर यो जानय
हय कि मय प्रेम रखू हय।
12 पर जो मय करू हय, उच करतो रहूं कि जो बड़ो प्रेरित कहलावय हय, मौका ढूंढय हंय मय
उन्ख मौका पावन नहीं देऊ, घमण्ड करन को ताकी जो बात म हम घमण्ड करजे हय। 13 कहालीकि
असो लोग झूठो प्रेरित, अऊर छल सी काम करन वालो, अऊर मसीह को प्रेरितों को रूप धरन
वालो हंय। 14 या कुछ अचम्भा की बात नहाय कहालीकि शैतान खुदच ज्योतिर्मय स्वर्गदूत को
रूप धारन करय हय। 15 येकोलायी यदि ओको सेवक भी सच्चायी को सेवकों को जसो रूप धरेंन, त
कोयी बड़ी बात नहीं, पर उन्को न्याय उन्को कामों को अनुसार होयेंन।

[illegible]

✡ **11:9** ११:९ फिलिप्पियों ४:१५-१८

16 मय फिर कहू हय, कोयी मोख मूर्ख नहीं समझे; नहीं त मूर्ख बनाय क स्वीकार करो, ताकि थोड़ो
सो मय भी घमण्ड कर सकूं। 17 यो आत्मविश्वास को घमण्ड म जो कुछ मय कहूं हय, ऊ प्रभु की
आज्ञा को अनुसार नहीं पर मानो मूर्खता सीच कहूं हय। 18 जब कि बहुत सो लोग शरीर को अनुसार
घमण्ड करय हंय, त मय भी घमण्ड करू। 19 तुम त समझदार होय क खुशी सी मूर्खो की सहन कर
लेवय हय। 20 कहालीकि जब तुम्ख कोयी सेवक बनाय लेवय हय, यां फायदा उठाय लेवय हय, यां
फसाय लेवय हय, यां अपनो आप ख बड़ो बनावय हय, यां तुम्हरो मुंह पर थापड़ मारय हय, त तुम
सह लेवय हय। 21 मोरो कहनो अपमान को रीति पर हय, मानो हम येकोलायी कमजोर जसो होतो।
पर जो कोयी बात म कोयी घमण्ड करन कि हिम्मत करय हय मय मूर्खता सी कहू हय त मय भी
हिम्मत करू। 22 का हिच इब्रानी आय? मय भी आय। का हिच इस्राएली आय? मय भी आय।
का हिच अब्राहम को वंश आय? मय भी आय। 23 ✡का हिच मसीह को सेवक आय मय पागल को
जसो कहू हय मय उन सी बड़ क हय। जादा मेहनत करनो म; बार बार बन्दी होनो म; कोड़ा खानो
म; बार बार मरन को खतरा म। 24 पाच गन मय न यहूदियों को हाथ सी उन्चालीस-उन्चालीस
कोड़ा सी मार खायो। 25 ✡तीन बार मय न बेत की छड़ी सी मार खायी; एक गन मोरो पर गोटा
सी वार करयो गयो; तीन बार जहाज, जेक पर मय चढ़यो होतो, टूट गयो; एक रात-दिन मय न
समुन्दर म बितायो। 26 ✡मय बार बार यात्रावों म; नदियों को खतरावों म; डाकुवो को खतरावों म;
यहूदी वालो सी खतरावों म; गैरयहूदी सी खतरावों म; नगरो को खतरावों म; जंगल को खतरावों
म; समुन्दर को खतरावों म; झूठो भाऊ को बीच खतरावों म रह्यो। 27 मेहनत अऊर तकलीफ म;
बार बार जागतो रहनो म; भूख-प्यास म, बार बार उपवास करनो म; ठंडी म; उघाड़यो रहनो म;
28 अऊर दूसरी बातों ख छोड़ क जिन्को वर्नन म मय नहीं करू, सब मण्डलियों की चिन्ता हर दिन
मोख दबावय हय। 29 कौन्की कमजोरी सी मय कमजोर नहीं होऊं? कौन्को ठोकर खानो सी का मोरो
जीव नहीं दुखय?

30 यदि घमण्ड करनो जरूरी हय, त मय अपनी कमजोरी की बातों पर घमण्ड करूं। 31 प्रभु यीशु
को परमेश्वर अऊर बाप जो हमेशा धन्य हय, जानय हय कि मय झूठ नहीं बोलू। 32 ✡दमिश्क म
अरितास राजा को तरफ सी जो शासक होतो, ओन मोख पकड़न ख दमिश्कियों को नगर को द्वार
पर सैनिक ख बैठाय ख रख्यो होतो, 33 अऊर मय टोकना म खिड़की सी होय क शहर को दिवार की
खिड़की सी उतारयो गयो, अऊर ओको हाथ सी बच निकल्यो।

12

[illegible]

1 फिर भी घमण्ड करनो मोरो लायी ठीक नहाय तब भी करनो पड़य हय; येकोलायी मय प्रभु
को दियो हुयो दर्शनो अऊर प्रगटिकरन की चर्चा करू। 2 मय मसीह म एक आदमी ख जानु हय;
या बात ख चौदा साल भयो कि न जाने शरीर समेत या बिन शरीर को केवल परमेश्वर जानय हय;
असो आदमी तीसरो स्वर्ग तक उठाय लियो गयो। 3 मय असो आदमी ख जानु हय का पता शरीर
समेत यां बिन शरीर परमेश्वरच जानय हय 4 कि स्वर्गलोक पर उठाय लियो गयो, अऊर असी बाते
सुनी जो कहन की नहाय; अऊर जिन्को मुंह पर लावनो आदमी ख उचित नहाय। 5 असो आदमी
पर त मय घमण्ड करू, पर अपनो पर अपनी कमजोरियों ख छोड़, अपनो बारे म घमण्ड नहीं करू।
6 कहालीकि यदि मय घमण्ड करनो चाहऊ भी त मूर्ख नहीं होऊं, कहालीकि सच बोलू; तब भी रुक
जाऊ हय, असो नहीं होय कि जसो कोयी मोख देखय हय यां मोरो सी सुनय हय, मोख ओको सी
बढ़ क समझो।

7 येकोलायी कि मय प्रकाशनों की भरपूरी सी फूल नहीं जाऊं, मोरो शरीर म एक काटा टोच्यो
गयो, मतलब शैतान को एक दूत कि मोख घूसा मारे ताकि मय फूल नहीं जाऊं। 8 येको बारे म मय

✡ **11:23** ११:२३ प्रेरितों १६:२३ ✡ **11:25** ११:२५ प्रेरितों १६:२२; प्रेरितों १४:१९ ✡ **11:26** ११:२६ प्रेरितों ९:२३;
प्रेरितों १४:५ ✡ **11:32** ११:३२ प्रेरितों ९:२३-२५

न प्रभु सी तीन गन बिनती करी कि मोरो सी यो दूर होय जाये। 9 पर ओन मोरो सी कह्यो, "मोरो
अनुग्रह तोरो लायी बहुत हय; कहालीकि मोरी सामर्थ कमजोरी म सिद्ध होवय हय।" येकोलायी
मय बड़ो खुशी सी अपनो कमजोरियों पर घमण्ड करू कि मसीह को सामर्थ मोरो पर छाया करती
रहे। 10 यो वजह मय मसीह लायी कमजोरियों म, अऊर निन्दावों म, अऊर गरीबी म, अऊर
उपद्रवो म, अऊर संकटों म खुश हय; कहालीकि जब मय कमजोर होऊं हय, तब भी ताकतवर
होऊं हय।

[illegible]

11 मय मूर्ख त बन्यो, पर तुम न मोख यो करन लायी मजबूर करयो। तुम्ख त मोरी तारीफ करनो
होतो, कहालीकि मय कुछ भी नहाय, तब भी उन बड़ो सी बड़ो प्रेरितों सी कोयी बात म कम नहाय।
12 प्रेरित को लक्षन भी तुम्हरो बीच सब तरह को धीरज सहित चिन्ह, अऊर अचम्भा को कामों,
अऊर सामर्थ को कामों सी दिखायो गयो। 13 तुम कौन सी बात म दूसरी मण्डलियों सी कम होतो,
केवल येको म कि मय न तुम पर अपनो बोझ नहीं डाल्यो। मोरो यो अन्याय माफ करो।

14 मय तीसरो गन तुम्हरो जवर आवन ख तैयार हय, अऊर मय तुम पर कोयी बोझ नहीं रखू,
कहालीकि मय तुम्हरी जायजाद नहीं बल्की तुमच ख चाहऊं हय। कहालीकि बच्चां ख माय-बाप
लायी धन जमा नहीं करनो चाहिये, पर माय-बाप ख बच्चां लायी। 15 मय तुम्हरो लायी बहुत खुशी
सी खर्च करू, बल्की खुद भी खर्च होय जाऊं। का जितनो बढ़ क मय तुम सी प्रेम रखू हय, उतनोच
कम होय क तुम मोरो सी प्रेम रखो?

16 तुम्ख मालूम हय कि मय न तुम पर बोझ नहीं डाल्यो, पर चालाकी सी तुम्ख धोका दे क फसाय
लियो। 17 ठीक, जिन्ख मय न तुम्हरो जवर भेज्यो, का उन म सी कोयी को द्वारा मय न छल कर
क् तुम सी कुछ ले लियो? 18 मय न तीतुस ख बिनती कर क ओको संग ऊ भाऊ ख भेज्यो, त का
तीतुस न छल कर क् तुम सी कुछ गलत फायदा उठायो? का ऊ अऊर मय एकच आत्मा को उद्देश
को संग नहीं चल्यो? का एकच पद चिन्ह पर नहीं चल्यो?

19 तुम अब तक समझ रह्यो होना कि हम तुम्हरो आगु प्रतिउत्तर दे रह्यो हंय। हम त परमेश्वर
ख उपस्थित जान क मसीह जसो चाहवय हय वसोच बोलजे हंय, अऊर हे प्रियो, सब बाते तुम्हरी
उन्नति लायी कहजे हंय। 20 मोख डर हय, कहीं असो नहीं हो कि मय आय क जसो चाहऊ हय,
वसो तुम्ख नहीं पाऊं; अऊर मोख भी जसो तुम नहीं चाहवय वसोच पावों; अऊर तुम म झगड़ा,
जलन, गुस्सा, विरोध, घृना, चुगली, अहंकार अऊर उपद्रव होय; 21 अऊर कहीं असो नहीं होय
कि मोरो परमेश्वर फिर सी तुम्हरो इत आनो पर मोरो पर दबाव डाले अऊर मोख बहुतों लायी फिर
शोक करनो पड़े, जिन्न पहले पाप करयो होतो अऊर अशुद्धता अऊर व्यभिचार अऊर वासना सी,
जो उन्न करयो, अपनो पापों सी मन नहीं फिरायो।

13

[illegible]

1 अब तीसरो बार मय तुम्हरो जवर आऊं हय: हर एक मुकद्दमा लायी दोय यां तीन गवाहों को
मुंह सी हर एक बात ठहरायी जायेंन। 2 जसो मय जब दूसरों बार तुम्हरो संग होतो, वसोच अब दूर
रहतो हुयो उन लोगों सी जिन्न पहले पाप करयो, अऊर दूसरों सब लोगों सी अब पहिलो सी कह्य
देऊ हय कि यदि मय फिर आऊं त नहीं छोड़ूं, 3 कहालीकि तुम त येको सबूत चाहवय हय कि मसीह
मोरो म बोलय हय, जो तुम्हरो लायी कमजोर नहाय पर तुम म सामर्थी हय। 4 ऊ कमजोरी को वजह
क्रूस पर चढ़ायो त गयो, तब भी परमेश्वर को सामर्थ सी जीन्दो हय तुम्हरी मदत करन लायी। हम
भी ओको म कमजोर हंय, पर परमेश्वर की सामर्थ सी जो तुम्हरो लायी हय, ओको संग जाबोंन।

5 अपनो आप ख परखो कि विश्वास म हय कि नहाय। अपनो आप ख जांचो। का तुम अपनो बारे
म यो नहीं जानय कि यीशु मसीह तुम म हय? नहीं त तुम जांच म बेकार निकल्यो हय। 6 पर मोरी
आशा हय कि तुम जान लेवो कि हम असफल नहाय। 7 हम अपनो परमेश्वर सी या प्रार्थना करजे

हंय कि तुम कोयी बुरायी मत करो, येकोलायी नहीं कि हम सफल दिखायी दे, पर येकोलायी कि
तुम भलायी करो, बल्की हम असफल ठहराये जाये। 8 कहालीकि हम सच को विरोध म कुछ नहीं
कर सकजे, पर सच को लायीच कर सकजे हंय। 9 जब हम कमजोर हंय अऊर तुम बलवान हय, त
हम्ख खुशी होवय हंय, अऊर या प्रार्थना भी करय हंय कि तुम सिद्ध होय जावो। 10 यो वजह मय
तुम्हरो पीठ पीछू या बाते लिखूं हय, कि उपस्थित होय क मोख ऊ अधिकार को अनुसार जेक प्रभु
न बिगाड़न लायी नहीं पर बनावन लायी मोख दियो हय, कठोरता सी कुछ करनो नहीं पड़ेंन।

[illegible]

11 येकोलायी हे भाऊवों-बहिनों, खुश रहो; सिद्ध बनत जावो; हिम्मत रखो; एकच मन रखो; मिल
क रहो। अऊर प्रेम अऊर शान्ति को दाता परमेश्वर तुम्हरो संग रहेंन।

12 एक दूसरों ख परमेश्वर को पवित्र प्रेम सी नमस्कार करो।

13 सब परमेश्वर को पवित्र लोग तुम्ख नमस्कार कह्य हंय। 14 प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह
अऊर परमेश्वर को प्रेम अऊर पवित्र आत्मा की सहभागिता तुम सब को संग होती रहे।

गलातियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री
गलातियों को नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी
परिचय

गलातियों की या चिट्ठी प्रेरित पौलुस न लिखी१:१। या चिट्ठी आय जो पौलुस न गलातिया की मण्डली ख मसीह को जनम को बाद ४८-५७ साल को दरम्यान लिखी, गलातिया हि लोग आय जो गलातिया नाम को रोमी प्रान्त म रहत होतो। विद्वान लोग या चिट्ठी विद्वानों ख निश्चित रूप सी मालूम नहाय, जब ओन या चिट्ठी लिखी तब ऊ कित होतो। मान्यो जावय हय कि ऊ इफिसियों यां कुरिन्थियों शहर म रह्य क या किताब लिखी होना।

उन यहूदी अऊर गैरयहूदी मसीही लोगों को नाम जो गलातिया म कि मण्डली को सभासद होतो उन्को नाम या चिट्ठी लिखी। मसीहियों ख यहूदी नियमों को खास तौर पर खतना को पालन करनो चाहिये यो कहन वालो झूठो शिक्षकों को सामना करन लायी पौलुस न विशेष रूप सी या चिट्ठी लिखी, यो मसीहियों म असो समूह होतो जूडाइजर्स कहलायो जात होतो इन्को माननो होतो की गैरयहूदी मसीहियों को खतना करनो जरूरी हय, उन्न पौलुस को प्रेरित पन को अधिकार पर प्रश्न चिन्ह डाल्यो पौलुस न ओकी कुछ जीवन कथा म कुछ भाग बताय क अपनो प्रेरित पन कि पुष्टी करी।१:११–२:१४ यो स्पष्ट करतो हुयो कि मुक्ति केवल यीशु मसीह म विश्वास करनो सीच मिलय हंय, ओन सुसमाचार की पुष्टी करी। २:१६मुक्ति परमेश्वर को प्रेम को फर हय नहीं कि लोगों को कर्मकांड को।

रूप-रेखा

१. गलातिया कि मण्डली ख नमस्कार कह्य क पौलुस या चिट्ठी की सुरूवात करय हय। [illegible]
२. अपनो शिक्षन देन को अधिकार की पुष्टी करन लायी पौलुस अपनो जीवन की कुछ भूमिका स्पष्ट करय हंय यो बतावन लायी कि ओन नियम शास्त्र को अनुसार रहन की यां जीवन की कोशिश करयो हय लेकिन ओन कुछ सफलता नहीं पायी। [illegible]
३. येको बाद म नियम अऊर कृपा हम्ख मुक्ति दिलानो म का भूमिका निभावय हंय यो ऊ स्पष्ट करय हंय। [illegible]
४. भलो मसीही जीवन लायी ऊ कुछ सर्व साधारन सुचना देवय हय। [illegible]
५. पौलुस आखरी बिन्ती करय हय कि परमेश्वर को द्वारा नयो आदमी बननो यो खतना जसी बाहरी रीति सी बहुत महत्वपूर्ण हय यो येख याद रखो अऊर नमस्कार दे क ऊ या चिट्ठी ख खतम करय हंय। [illegible]

[illegible]

1 पौलुस को तरफ सी, जो नहीं आदमियों को तरफ सी अऊर नहीं आदमी को द्वारा भयो, बल्की
यीशु मसीह अऊर परमेश्वर पिता को द्वारा प्रेरित चुन्यो गयो, जेन ओख मरयो हुयो म सी जीन्दो
करयो हय, 2 अऊर सब भाऊवों अऊर बहिनों को तरफ सी जो मोरो संग यहां हंय, गलातिया की
मण्डलियों ख शुभकामनायें भेजन म शामिल हय।
3 हमरो पिता परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह तुम्ख अनुग्रह अऊर शान्ति देतो रहे।
4 यो वर्तमान बुरो युग सी हम ख छुड़ावन लायी, प्रभु यीशु मसीह न हमरो पापों लायी, हमरो
परमेश्वर अऊर बाप की इच्छा को अनुसार ओन खुद ख दियो। 5 परमेश्वर की महिमा हमेशा होती
रहे आमीन।

[illegible]

6 मोख अचम्भा होवय हय! कि जेन तुम लोगों ख मसीह को अनुग्रह म बुलायो ओख तुम
इतनो जल्दी छोड़ क कोयी दूसरो सुसमाचार को अनुयायी बन गयो हय। 7 वास्तव म, कोयी दूसरो

सुसमाचार हयच नहाय: पर मय यो कहू हय कि कुछ लोग हय जो तुम्ख भ्रमित कर रह्यो हय
अऊर मसीह को सुसमाचार ख बदलन कि कोशिश कर रह्यो हंय। [8] पर यदि हम, यां कोयी स्वर्गदूत
भी तुम ख ऊ सुसमाचार सुनायो, जो तुम्हरी शिक्षा सी अलग हय, त का ऊ शापित नहीं होयेंन।
[9] जसो हम न येख पहिले कह्य चुक्यो हंय, वसोच मय अब फिर कहू हय कि ऊ सुसमाचार कि शिक्षा
देवय हय, जो तुम्हरो द्वारा स्वीकार करयो हुयो सी अलग हय, त ओको नरक म नाश होयेंन।
[10] का मय आदमियों सी समर्थन चाहऊं हय यां जगत को स्वामी सी? यां मोख परमेश्वर को
समर्थन मिले? का मय आदमियों ख खुश करन की कोशिश कर रह्यो हय? कहालीकि यदि मय अभी
तक आदमियों ख खुश करन की कोशिश कर रह्यो हय, त मय मसीह को सेवक नहीं होय सकू।

[illegible]

[11] लेकिन भाऊवों अऊर बहिनों, मय तुम्ख बताऊ हय कि जो सुसमाचार ख मय न सुनायो होतो
ऊ आदमी को नोहोय। [12] येकोलायी कि मय न मोख आदमी को तरफ सी हासिल नहीं करयो, अऊर
नहीं मोख कोयी न सिखायो होतो। पर मय न येख यीशु मसीह सी सिख्यो होतो।
[13] ✡तुम न पहिले सुन्यो होना कि जब मय यहूदी धर्म म पहिले सी मय समर्पित होतो त मय कसो
रहत होतो, त मय न परमेश्वर की मण्डली ख बहुतच सतावत अऊर नाश करन कि पूरी कोशिश
करयो। [14] ✡मय यहूदी धर्म को अपनो अभ्यास म अपनो उमर को कुछ यहूदियों सी बहुत आगु
होतो, अऊर हमरो पूर्वजों की परम्परावों को लायी जादा समर्पित होतो।
[15] ✡पर परमेश्वर को अनुग्रह सी, जेन मोरी माय को गर्भ सीच मोख चुन लियो, अऊर मोख
ओकी सेवा करन लायी बुलायो। अऊर जब ओन ठान लियो [16] जब इच्छा भयी की अपनो बेटा ख
मोरो म प्रगट करे ताकि मय गैरयहूदियों म ओको सुसमाचार को प्रचार कर सकू, मय कोयी को
जवर सलाह लेन नहीं गयो, [17] अऊर नहीं यरूशलेम ख उन्को जवर गयो जो मोरो सी पहिले प्रेरित
होतो, पर अरब ख चली गयो अऊर फिर उत सी दमिश्क ख लौट आयो। [18] ✡फिर तीन साल को
बाद मय पतरस सी मुलाखात करन लायी यरूशलेम गयो, अऊर ओको जवर पन्द्रा दिन तक रह्यो।
[19] पर उत प्रभु को भाऊ याकूब ख छोड़ क मोरी मुलाखात कोयी दूसरों प्रेरित सी नहीं भयी।
[20] जो बाते मय तुम्ख लिखूं हय, देखो, परमेश्वर ख मौजूद जान क कहू हय कि हि झूठी नहाय।
[21] येको बाद मय सीरिया अऊर किलिकिया को प्रान्तों म आयो। [22] पर यहूदिया की मण्डलियों
को लोगों न जो मसीह म होतो, मोख व्यक्तिगत रूप सी कभी नहीं मिल्यो। [23] पर मोरो बारे म
इतनोच सुनावत होतो: जो आदमी हम्ख पहिले सतावत होतो, ऊ अब उच विश्वास को सुसमाचार
सुनावय हय जेक पहिले नाश करन कि कोशिश करत होतो। [24] अऊर उन्न मोरो वजह परमेश्वर
की महिमा करी।

2

[illegible]

[1] ✡चौदा साल को बाद मय बरनबास को संग फिर यरूशलेम ख गयो, अऊर तीतुस ख भी संग
ले गयो। [2] मय उत गयो अऊर जो सुसमाचार मय गैरयहूदियों को बीच म जो सुसमाचार को प्रचार
करू हय, उच सुसमाचार ख मय न एक निजी सभा को बीच मण्डली को मुखियावों ख सुनायो मय
उत गयो होतो कि परमेश्वर न मोख दर्शायो होतो कि उत मोख जानो होतो जो काम मय न पिछलो
दिनो म करयो होतो अऊर अब भी कर रह्यो हय ऊ बेकार मत जाये। [3] पर तीतुस ख भी जो मोरो
सहयोगी हय अऊर जो गैरयहूदी हय, खतना करावन लायी ओको पर दबाव नहीं डाल्यो गयो। [4] यो
उन झूठो भाऊवों को वजह भयो जो जासूसों को तरह हमरो बिच म चुपचाप सी घुस आयो होतो,
कि ऊ स्वतंत्रता को जो मसीह यीशु म हम्ख मिली हय, भेद लेय क हम्ख सेवक बनाये। [5] एक

✡ **1:13** १:१३ प्रेरितों ८:३; २२:४,५; २६:९-११ ✡ **1:14** १:१४ प्रेरितों २२:३ ✡ **1:15** १:१५ प्रेरितों ९:३-६; २२:६-१०; २६:१३-१८ ✡ **1:18** १:१८ प्रेरितों ९:२६-३० ✡ **2:1** २:१ प्रेरितों ११:३०; १५:२

पल को लायी भी हम्न उन्की अधिनता स्वीकार नहीं करी उन्को अधीन होनो हम न नहीं मान्यो,
येकोलायी कि सुसमाचार की सच्चायी तुम म बनी रहे।
6 पर जो लोग महत्वपूर्ण लगय हय हि चाहे जो भी होतो मोख येको सी कुछ फरक नहीं पड़य;
परमेश्वर कोयी को बाहरी रूप देख क कोयी को न्याय नहीं करय उन्को सी जो अपनो खुद ख
महत्वपूर्ण समझत होतो, उन्न मोख कुछ भी सुझाव नहीं दियो। 7 पर येको विपरीत जब उन्न देख्यो
कि जसो गैरयहूदियों लोगों लायी सुसमाचार को काम पतरस ख सौंप्यो गयो, वसोच यहूदियों लायी
मोख सुसमाचार सुनावन को काम सौंप्यो गयो। 8 कहालीकि जेन पतरस ख खतना करयो हुयो म
प्रेरितायी को काम बड़ो प्रभाव सहित करवायो, ओनच मोरो सी भी गैरयहूदियों म प्रभावशाली
काम करवायो, 9 अऊर जब उन्न ऊ अनुग्रह जो मोख परमेश्वर को तरफ सी मिल्यो होतो जान
लियो, त याकूब, पतरस, अऊर यूहन्ना न जो मण्डली को खम्बा समझ्यो जात होतो, मोख अऊर
बरनबास ख संगति को अधिकार दियो कि हम गैरयहूदियों को जवर जाये अऊर हि यहूदियों को
जवर; 10 केवल यो कह्यो कि हम गरीबों की सुधि ले, अऊर योच काम ख करन को मय खुद भी
कोशिश कर रह्यो होतो।

[illegible]

11 पर जब पतरस अन्ताकिया म आयो, त सब लोगों को आगु मय न विरोध करयो, कहालीकि
ऊ पूरी रीति सी गलत होतो। 12 येकोलायी कि याकूब को तरफ सी कुछ लोगों को इत आनो सी
पहिले पतरस गैरयहूदी विश्वासियों को संग खायो पियो करत होतो, पर जब हि लोग पहुंच्यो त
पतरस गैरयहूदियों विश्वासियों सी दूर भयो अऊर उन्को संग खानो पीनो बन्द कर दियो यो ओन
उन लोगों को डर को मारे ओन असो करयो जो चाहत होतो कि गैरयहूदियों को भी खतना होनो
चाहिये। 13 दूसरों यहूदियों न भी यो दिखावा म पतरस को साथ दियो, यहां तक कि यो कपट को
वजह बरनबास भी उन्को डर म पड़ गयो। 14 पर जब मय न देख्यो कि हि सुसमाचार की सच्चायी
पर सीधी चाल नहीं चलय, त मय न सब लोगों को आगु पतरस सी कह्यो, "जब तय यहूदी होय क
गैरयहूदियों को सामने नहीं। त तय गैरयहूदियों ख यहूदियों को आगु चलन ख कहाली कह्य हय?"
15 हम त जनम सी यहूदी हय, अऊर पापी गैरयहूदियों म सी नहाय। 16 ✡तब भी यो जान क
कि आदमी व्यवस्था को कामों सी नहीं, पर केवल यीशु मसीह पर विश्वास करन को द्वारा सच्चो
ठहरय हय, हम न खुद भी मसीह यीशु पर विश्वास करयो कि हम व्यवस्था को कामों सी नहीं, पर
मसीह पर विश्वास करन सी सच्चो ठहरे; येकोलायी कि व्यवस्था को कामों सी कोयी प्रानी सच्चो
नहीं ठहरेंन। 17 हम जो मसीह म सच्चो ठहरनो चाहजे हंय, यदि खुदच गैरयहूदी को जसो पापी
निकले त का मसीह पाप को सेवक आय? कभीच नहीं! 18 कहालीकि जो कुछ मय न गिराय दियो
यदि ओखच फिर बनाऊ हय, त अपनो खुद ख अपराधी ठहराऊ हय। 19 मय त व्यवस्था को द्वारा
व्यवस्था लायी मर गयो ताकि परमेश्वर को लायी जीऊ। मय मसीह को संग क्रूस पर चढ़ायो
गयो हय, 20 अब मय जीन्दो नहीं रह्यो, पर मसीह मोरो म जीन्दो हय। अऊर मय शरीर म अब जो
जीन्दो हय त केवल ऊ विश्वास सी जीन्दो हय जो परमेश्वर को बेटा पर हय, जेन मोरो सी प्रेम
करयो अऊर मोरो लायी अपनो आप ख दे दियो। 21 मय परमेश्वर को अनुग्रह ख नहीं ठुकराऊ;
पर यदि कोयी आदमी व्यवस्था को द्वारा सच्चो ठहरायो जातो, त येको अर्थ यो हय कि मसीह को
मरनो बेकार होतो।

3

[illegible]

1 हे निर्बुद्धि गलातियों, कौन न तुम्ख मोह लियो हय? तुम्हरी त मानो आंखी को आगु यीशु
मसीह क्रूस पर साफ रीति सी दिखायो गयो! 2 मय तुम सी केवल एक बात जाननो चाहऊं हय

✡ **2:16** २:१६ रोमियों ३:२०; रोमियों ३:२२

कि तुम न परमेश्वर की आत्मा ख, का व्यवस्था को पालन करनो सी यां सुसमाचार सुनन सी यां
विश्वास करनो सी मिल्यो? 3 का तुम असो निर्बुद्धि हय कि परमेश्वर की आत्मा को द्वारा सुरूवात
कर क् अऊर अपनो शरीर की शक्ति को द्वारा पूरो करनो चाहवय हय? 4 का तुम न इतनो दु:ख
बेकारच उठायो? पर कभी भी बेकार नहाय। 5 जो परमेश्वर तुम्ख आत्मा प्रदान करय हय अऊर
तुम म सामर्थ को काम करय हय, का ऊ यो येकोलायी करय हय कि का तुम व्यवस्था को नियमों ख
पालय हय यां येकोलायी कि तुम न सुसमाचार ख सुन्यो अऊर विश्वास करयो?
6 ✡जसो-जसो अब्राहम को अनुभव को बारे म शास्त्र म लिख्यो हय, "परमेश्वर पर विश्वास
करयो अऊर यो ओको लायी सच्चो गिन्यो गयो।" 7 ✡अब यो जान लेवो कि जो विश्वास करन
वालो हंय, हिच अब्राहम की सन्तान आय। 8 अऊर पवित्र शास्त्र न पहिलेच सी भविष्यवानी
करी होती कि परमेश्वर गैरयहूदियों ख विश्वास सी सच्चो ठहरायेंन। पहिलेच सी अब्राहम ख
यो सुसमाचार कि घोषना कर दियो "तोरो द्वारा सब लोग आशीष पायेंन।" 9 अब्राहम न विश्वास
करयो अऊर आशिषित भयो; उच तरह जो विश्वासी रखय हय हि आशीष पावय हय।
10 येकोलायी जितनो लोग व्यवस्था को पालन कर क् जीवय हय, हि सब श्राप को अधीन
हंय। कहालीकि शास्त्र म लिख्यो हय, "जो कोयी व्यवस्था की किताब म लिखी हुयी सब बातों
ख पालन करन म स्थिर नहीं रह्य, त ऊ परमेश्वर को श्राप को अधीन हय।" 11 पर या बात साफ
हय कि व्यवस्था को द्वारा परमेश्वर को यहां कोयी सच्चो नहीं ठहरय, कहालीकि शास्त्र असो कह्य
हय, सच्चो लोग विश्वास सी जीन्दो रहेंन। 12 पर व्यवस्था को विश्वास को संग कोयी सम्बन्ध
नहाय; बल्की जसो शास्त्र म लिख्यो हय, "जो उन्को करेंन, ऊ उन्को सहारा जीन्दो रहेंन।"
13 पर मसीह हमरो लायी श्रापित बन्यो, ताकी हम्ख व्यवस्था को श्राप सी छुड़ाये, कहालीकि
शास्त्र म लिख्यो हय, "जो कोयी झाड़ पर लटकायो गयो हय ऊ परमेश्वर को श्राप को अधीन
हय।" 14 यो येकोलायी भयो कि अब्राहम की आशीष मसीह यीशु म गैरयहूदियों तक पहुंचे, अऊर
हम विश्वास को द्वारा वा आत्मा ख हासिल करे जेकी प्रतिज्ञा भयी हय।

[illegible]

15 हे भाऊवों अऊर बहिनों, अब मय तुम्ख दैननदिन जीवन सी एक उदाहरन देन जाय रह्यो हय;
जसो कोयी दोय आदमी द्वारा कोयी करार कर दियो जान पर नहीं त ओख रद्द करयो जाय सकय हय
अऊर नहीं बढ़ायो जाय सकय हय। 16 मतलब परमेश्वर न अब्राहम अऊर ओको वंश ख प्रतिज्ञाये
दी हय। ओको बारे म शास्त्र यो कह्य हय, "तोरो वंशजों ख," मतलब बहुत सो लोग, पर एक वचन
जसो "तोरो वंश ख" मतलब एक लोग जो मसीह आय। 17 मोरो कहनो यो हय कि: जो प्रतिज्ञा
परमेश्वर न अब्राहम को संग स्थापित करयो होतो, ओख चार सौ तीस साल को बाद आवन वाली
व्यवस्था नहीं बदल सकय। 18 ✡कहालीकि यदि परमेश्वर को दान व्यवस्था पर आधारित हय त वा
प्रतिज्ञा को आधार पर नहाय, पर परमेश्वर न यो अब्राहम ख प्रतिज्ञा को आधार पर दे दियो हय।
19 तब फिर व्यवस्था को उद्देश का होतो? आज्ञा को अपराधो को वजह व्यवस्था ख वचन सी
जोड़ दियो गयो होतो ताकी जेको लायी अब्राहम को वंशज को आवन तक ऊ रहे, प्रतिज्ञा दी
गयी होती; अऊर ऊ स्वर्गदूतों को द्वारा मध्यस्थ सी दी गयी होती। 20 मध्यस्थ त दोय को बीच म
होवय हय, पर परमेश्वर एकच आय।

[illegible]

21 त का व्यवस्था परमेश्वर की प्रतिज्ञावों को विरोध म हय? कभीच नहीं! कहालीकि यदि असी
व्यवस्था दी जाती जो जीवन दे सकती, त सचमुच सच्चायी व्यवस्था को पालन को द्वारा मिलय
हय। 22 पर पवित्र शास्त्र कह्य हय, पूरी दुनिया ख पाप को अधीन कर दियो, अऊर येकोलायी
यीशु मसीह म विश्वास को आधार पर प्रतिज्ञा करयो हुयो परमेश्वर को दान, ऊ विश्वास करन
वालो ख मिले।

✡ **3:6** ३:६ रोमियों ४:३ ✡ **3:7** ३:७ रोमियों ४:१६ ✡ **3:18** ३:१८ रोमियों ४:१४

23 पर विश्‍वास को आनो सी पहिले व्यवस्था की अधिनता म हमरी रखवाली होत होती, अऊर ऊ
विश्‍वास को आवन तक जो प्रगट होन वालो होतो, हम ओकोच बन्धन म रहे। 24 येकोलायी हम्ख
मसीह तक पहुंचान लायी व्यवस्था ख हमरो मार्गदर्शक ठहरायो हय कि हम विश्‍वास सी सच्चो
ठहरे। 25 पर जब विश्‍वास आय चुक्यो, त हम अब व्यवस्था को अधीन नहीं रह्यो।
26 कहालीकि तुम सब ऊ विश्‍वास को द्वारा जो मसीह यीशु म एक होनो सी परमेश्‍वर की सन्तान
हो। 27 अऊर तुम म सी जितनो न मसीह म एक होन को लायी बपतिस्मा लियो हय, उन्न मसीह
यीशु ख मतलब ओको जीवन ख पहिन लियो हय। 28 अब नहीं यहूदी रह्यो अऊर नहीं गैरयहूदी,
नहीं कोयी सेवक नहीं स्वतंत्र, नहीं कोयी नर अऊर नहीं नारी, कहालीकि तुम सब मसीह यीशु म
मिल जान को वजह एक हो। 29 ✡अऊर यदि तुम मसीह को हय त अब्राहम को वंश अऊर प्रतिज्ञा
को अनुसार वारिस भी हो।

4

1 मय यो कहू हय कि वारिस जब तक बच्चा हय, यानेकि ऊ सब चिजों को मालिक हय, तब भी
ओको म अऊर सेवक म कोयी भेद नहाय। 2 पर बाप को ठहरायो हुयो समय तक संरक्षको अऊर
व्यवस्थापक को वश म रह्य हय। 3 वसोच हम भी, जब बच्चा होतो त जगत कि सुरूवात की शिक्षा
को वश म सेवक बन्यो हुयो होतो। 4 पर जब समय पूरो भयो, त परमेश्‍वर न अपनो टुरा ख भेज्यो ऊ
जो बाई सी जनम्यो, अऊर व्यवस्था को अधीन जीवत होतो, 5 ✡ताकि हम जो व्यवस्था को अधीन
हय उन्ख छुड़ाये, जेकोसी हम परमेश्‍वर को बेटा अऊर बेटी बन सके।
6 अऊर तुम जो परमेश्‍वर को बेटा अऊर बेटी आय, येकोलायी परमेश्‍वर न अपनो टुरा की आत्मा
ख, जो हे पिता, हे पिता, कह्य क पुकारय हय, हमरो दिलो म भेज्यो हय। 7 येकोलायी तय अब सेवक
नहाय, पर बेटा अऊर बेटी आय; अऊर जब बेटा भयो, त परमेश्‍वर को द्वारा वारिस भी भयो।

[illegible]

8 पर पहिले त तुम परमेश्‍वर ख नहीं जानत होतो अऊर उन्को तुम सेवक होतो जो वास्तव म
ईश्‍वरीय नहाय, 9 पर अब जो तुम न परमेश्‍वर ख पहिचान लियो बल्की परमेश्‍वर न तुम ख पहिचान
लियो, त उन कमजोर अऊर बेकार अऊर सुरूवात की शिक्षा को तरफ फिरय हय, जिन्को तुम
दुबारा सेवक होनो चाहवय हय? 10 तुम कुछ विशेष दिनो अऊर महीनों अऊर मौसम अऊर सालो
ख मानय हय। 11 मय तुम्हरो बारे म चिन्तित हय, कहीं असो नहीं होय कि जो मेहनत मय न तुम्हरो
लायी करयो ऊ बेकार ठहरे।
12 हे भाऊवों अऊर बहिनों, मय तुम सी बिनती करू हय, तुम मोरो जसो होय जावो; कहालीकि
मय भी तुम्हरो जसो भय गयो हय; तुम न मोरो संग कुछ अन्याय नहीं करयो। 13 पर तुम जानय
हय कि पहिली बार मय न शारीरिक कमजोरी को वजह तुम्ख सुसमाचार सुनायो। 14 अऊर तुम न
मोरी शारीरिक दशा ख जो तुम्हरी परीक्षा को वजह होती, तुच्छ नहीं जान्यो; अऊर परमेश्‍वर को
दूत बल्की खुद मसीह यीशु को जसो मोख स्वीकार करयो। 15 त ऊ तुम्हरी खुशी मनानो कित गयी?
मय तुम्हरो गवाह हय कि यदि होय सकतो त तुम अपनी आंखी भी निकाल क मोख दे देतो। 16 त
का तुम सी सच बोलन को वजह मय तुम्हरो दुश्मन बन गयो हय?
17 हि तुम्ख संगी बनानो त चाहवय हंय, पर भलो उद्देश सी नहीं; बल्की तुम्ख मोरो सी अलग
करनो चाहवय हंय कि तुम उन्खच संगी बनाय लेवो। 18 पर यो भी अच्छो हय कि भली बात म हर
समय संगी बनावन म यत्न करयो जाय, नहीं केवल उच समय कि जब मय तुम्हरो संग रहू हय।
19 हे मोरो बच्चा, जब तक तुम म मसीह को रूप नहीं बन जाये, तब तक मय तुम्हरो लायी फिर
प्रसव जसी तकलीफ म हय। 20 इच्छा त यो होवय हय, कि अब तुम्हरो जवर आय क अलग रीति
सी बोलू, कहालीकि तुम्हरो बारे म मय चिन्तित हय।

✡ **3:29** ३:२९ रोमियों ४:१३ ✡ **4:5** ४:५ रोमियों ८:१५-१७

[illegible]

21 तुम जो व्यवस्था को अधीन होनो चाहवय हय, मोरो सी कहो, का तुम व्यवस्था की नहीं सुनय?
22 शास्त्र म लिख्यो हय, कि अब्राहम ख दोय टुरा भयो; एक दासी सी, अऊर एक स्वतंत्र बाई
सी। 23 पर जो दासी सी भयो, ऊ शारीरिक रीति सी जनम्यो; अऊर जो स्वतंत्र बाई सी भयो, ऊ
प्रतिज्ञा को अनुसार जनम्यो। 24 इन बातों म दृष्टान्त हय: हि बाईयां मानो दोय वाचा आय, एक
त सीनै पहाड़ी की जेकोसी गुलाम पैदा होवय हय, अऊर वा हाजिरा आय। 25 अऊर हाजिरा अरब
को सीनै पहाड़ी आय, अऊर आधुनिक यरूशलेम ओको तुल्य हय, जो अपनो बच्चां समेत सेवक म
हय। 26 पर स्वर्ग को यरूशलेम स्वतंत्र हय, अऊर वा हमरी माय आय। 27 कहालीकि शास्त्र म
लिख्यो हय,

"हे बांझ, तय जो नहीं जानय खुशी मनाव;
जेक तकलीफ नहीं उठय, गलो खोल क जय जयकार कर;
कहालीकि छोड़ी हुयी की सन्तान
सुहागिन की सन्तान सी भी जादा हय।"

28 हे भाऊवों अऊर बहिनों, हम इसहाक को जसो प्रतिज्ञा की सन्तान आय। 29 अऊर जसो ऊ
समय शरीर को अनुसार जनम्यो हुयो जो आत्मा को अनुसार जनम्यो हुयो ख सतावत होतो, वसोच
अब भी होवय हय। 30 पर पवित्र शास्त्र का कह्य हय? "दासी अऊर ओको बेटा ख निकाल दे,
कहालीकि दासी को बेटा स्वतंत्र बाई को बेटा को संग उत्तराधिकारी नहीं होयेंन।" 31 येकोलायी
हे भाऊवों अऊर बहिनों, हम दासी को नहीं पर स्वतंत्र बाई की सन्तान आय।

5

[illegible]

1 मसीह न स्वतंत्रता को लायी हम्ख स्वतंत्र करयो हय; येकोलायी येकोच म स्थिर रहो, अऊर
गुलामी को बोझ म फिर सी मत जीवो।

2 सुनो, मय पौलुस तुम सी कहू हय कि यदि खतना कराय क फिर सी व्यवस्था को तरफ लौटय
हय, त तुम्हरो लायी कुछ भी मसीह को महत्व नहाय। 3 फिर भी मय हर एक खतना करावन वालो
ख गवाही देऊ हय कि ओख पूरी व्यवस्था माननो पड़ेंन। 4 तुम जो व्यवस्था को द्वारा सच्चो ठहरनो
चाहवय हय, मसीह सी अलग अऊर अनुग्रह सी वंचित भय गयो हय। 5 कहालीकि आत्मा को
वजह हम विश्वास सी, आशा करी हुयी सच्चायी की रस्ता देखजे हंय। 6 मसीह यीशु म नहीं खतना
नहीं खतनारहित कुछ काम को हय, पर केवल विश्वास, जो प्रेम को द्वारा प्रभाव डालय हय।

7 तुम त बहुत अच्छो सी दौड़ रह्यो होतो। अब कौन न तुम्ख रोक दियो कि सच ख मत मानो।
8 असी सीख तुम्हरो बुलावन वालो परमेश्वर को तरफ सी नहाय। 9 ✡थोड़ो सो खमीर पूरो गूंथ्यो
हुयो आटा ख खमीर कर डालय हय। 10 प्रभु म एक होन को वजह मोख भरोसा हय कि तुम्हरो कोयी
दूसरों बिचार नहीं होना; पर जो तुम्ख दु:खी कर देवय हय, ऊ कोयी भी होना सजा पायेंन।

11 पर हे भाऊवों अऊर बहिनों, यदि मय अज भी जसो की कुछ समझय हय खतना करनो
महत्वपूर्ण हय यो प्रचार करू हय, त मोख अब तक ठोकर कहाली दियो जाय रह्यो हय? अब त
मसीह को क्रूस को प्रचार करन को वजह पैदा भयी मोरी सब बाधाये खतम होय जानो चाहिये।
12 भलो होतो कि जो तुम्ख दु:खी करय हंय, हि पूरो रस्ता जाये उन्ख जान देवो अऊर खुद को खतना
कर देवो।

13 हे भाऊवों अऊर बहिनों, तुम स्वतंत्र होन लायी बुलायो गयो हय; पर असो नहीं होय
कि यो स्वतंत्रता शारीरिक कामों लायी अवसर बने, बल्की प्रेम सी एक दूसरों को सेवक बनो।
14 कहालीकि पूरी व्यवस्था या एकच बात म पूरी होय जावय हय, "तय अपनो पड़ोसी सी अपनो

✡ **5:9** ५:९ १ कुरिन्थियों ५:६

जसो प्रेम रख।” 15 पर यदि तुम एक दु:ख अऊर चोट पहुंचावय हय, त चौकस रहो कि एक दूसरों
को सत्यानाश मत कर डालो।

[illegible]

16 पर मय कहू हय, आत्मा को अनुसार चलो त तुम शरीर की लालसा कोयी रीति सी पूरी नहीं
करो। 17 ✡कहालीकि शरीर आत्मा को विरोध म अऊर आत्मा शरीर को विरोध म लालसा करय
हय, अऊर यो एक दूसरों को विरोधी हंय, येकोलायी कि जो तुम करनो चाहवय हय ऊ नहीं कर
पावय। 18 अऊर यदि तुम आत्मा को चलाये चलय हय त व्यवस्था को अधीन मत रहो।
19 शरीर को काम त प्रगट हंय, मतलब अनैतिकता, अपवित्रता, अशोभनीय, 20 मूर्तिपूजा,
जादूटोना, दुश्मनी, लड़ाई झगड़ा, ईर्ष्या, गुस्सा, स्वार्थी पन, 21 मतवालोपन, लीलाक्रीड़ा अऊर
इन को जसो अऊर भी काम हंय, इन को बारे म मय तुम सी पहिले सी कह्य देऊ हय जसो पहिले
कह्य भी चुक्यो हय, कि असो-असो काम करन वालो परमेश्वर को राज्य को वारिस नहीं होयेंन।
22 पर आत्मा को फर प्रेम, खुशी, शान्ति, धीरज, दयालु, भलायी, विश्वास, 23 नम्रता, अऊर
संय्यम हंय; असो-असो कामों को विरोध म कोयी भी व्यवस्था नहाय। 24 अऊर जो मसीह यीशु को
हंय, उन्न शरीर ख ओकी लालसा अऊर अभिलाषावों समेत क्रूस पर चढ़ाय दियो हय। 25 यदि
हम आत्मा को द्वारा जीन्दो हंय, त आत्मा को अनुसार चले भी। 26 हम घमण्डी नहीं बने एक दूसरों
ख नहीं चिड़ चिड़ाये, अऊर नहीं एक दूसरों को प्रती जलन रखो।

6

[illegible]

1 हे भाऊवों अऊर बहिनों, यदि कोयी आदमी कोयी अपराध म पकड़यो भी जाये त तुम जो
आत्मिक हो, नम्रता को संग असो ख सम्भालो, अऊर अपनी भी चौकसी रखो कि तुम भी परीक्षा
म मत पड़ो। 2 तुम एक दूसरों ख बोझ उठावों, अऊर यो तरह मसीह की व्यवस्था ख पूरो करो।
3 कहालीकि यदि कोयी कुछ भी नहीं होनो पर अपनो आप ख कुछ समझय हय, त अपनो आप
ख धोका देवय हय। 4 पर हर एक अपनोच काम ख परख ले, अऊर तब दूसरों को बारे म नहीं पर
अपनोच बारे म ओख घमण्ड करन को अवसर मिलेंन। 5 कहालीकि हर एक आदमी अपनोच बोझ
उठायेंन।
6 जो वचन की शिक्षा पावय हय, ऊ सब अच्छी चिजों म सिखावन वालो ख सहभागी करे।
7 अपनो आप ख धोका मत देवो; परमेश्वर ख कोयी मुर्ख नहीं बनाय सकय, कहालीकि आदमी
जो बोवय हय उच काटेंन। 8 कहालीकि जो अपनो शरीर को लायी बोवय हय, ऊ शरीर को द्वारा
विनाश की फसल काटेंन; अऊर जो आत्मा को लायी बोवय हय, ऊ आत्मा को द्वारा अनन्त जीवन
की फसल काटेंन। 9 हम अच्छो काम करन म हिम्मत नहीं छोड़बो, कहालीकि यदि हम हार नहीं
मानबो त ठीक समय पर फसल काटबो। 10 येकोलायी जित तक मौका मिलय हय तब हम सब को
संग अच्छो करनो चाहिये, विशेष कर क् विश्वासी परिवार को भाऊवों अऊर बहिनों को लायी।

[illegible]

11 देखो, मय न कसो बड़ो अक्षरो म तुम ख अपनो हाथ सी लिख्यो हय। 12 जो लोग बाहरी
बातों पर जोर देवय हय, अऊर घमण्ड करय हय हिच तुम्हरो खतना करावन लायी दबाव डालय
हंय, केवल येकोलायी कि हि मसीह को क्रूस को वजह सतायो नहीं जाये। 13 कहालीकि खतना
करावन वालो खुद त व्यवस्था पर नहीं चलय, पर तुम्हरो खतना येकोलायी करानो चाहवय हंय कि
तुम्हरी शारीरिक दशा पर घमण्ड करे। 14 पर असो नहीं होय कि मय दूसरी कोयी बात को घमण्ड
करू, केवल हमरो प्रभु यीशु मसीह को क्रूस को, जेको द्वारा जगत मोरी नजर म अऊर मय जगत
की नजर म क्रूस पर चढ़ायो गयो हय। 15 कहालीकि नहीं त खतना को महत्व हय अऊर नहीं
खतनारहित को, यदि महत्व हय त ऊ नयी सृष्टि को हय। 16 जितनो यो नियम पर चलेंन उन पर,
अऊर परमेश्वर को इस्राएल पर शान्ति अऊर दया होती रहे।

✡ **5:17** ५:१७ रोमियों ७:१५-२३

17 चिट्ठी ख खतम कर क् मय तुम सी बिनती करू हय कि अब मोख दुःख मत देवो, कहालीकि
मोरो शरीर पर पहिले सीच घाव हय ऊ बतावय हय कि मय यीशु को गुलाम हय।
18 हे भाऊवों अऊर बहिनों, हमरो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम्हरो संग बन्यो रहे। आमीन।

इफिसियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री
इफिसियों को नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी
परिचय

मसीह को जनम को ६० साल पहिले इफिसियों की चिट्ठी अऊर कुलुस्सियों की चिट्ठी लगभग साथ म लिखी गयी। प्रेरित पौलुस यो सुचित करय हय कि वा चिट्ठी को लेखक उच आय १:१।

कुलुस्सियों की चिट्ठी को तरह या चिट्ठी म व्यक्तिक शुभेच्छा नहीं पायी जावय हय। फिर भी अधिकतर विद्वानों को यो माननो हय कि पौलुस नच या चिट्ठी लिखी होना। योच वजह प्रान्त को अलग अलग मण्डली म या चिट्ठी घुमाय क पड़ी जाय असो पौलुस को इरादा होय सकय हय, जब ओन या चिट्ठी लिखी तब पौलुस यो बतावय हय कि ऊ जेल म होतो, ३:१; ४:१अऊर ६:२०। जब तुखिकुस इफिसियों की मण्डली ख मिलन इफिसियों जाय रह्यो होतो तब पौलुस न या चिट्ठी ओको हाथ म भेज्यो६:२१-२२।

इफिसियों बहुत बड़ो शहर होतो, ऊ समय एशिया माइनर प्रान्त की वा राजधानी होती। शहर म अर्तमिस नामक ग्रीक देवता को एक बड़ो मन्दिर होतो जेको वजह सी इफिसियों ख बहुत प्रसिद्धी मिली, प्रेरितों १९:२३-३१ यो इफिसियों की मण्डली की सुरूवात जोरदार भयी पर बाद म वा कमजोर होती दिखायी दी हय प्रकाशितवाक्य २:१-७। परमेश्वर न अपनो लोगों ख चुन क यीशु मसीह को द्वारा कसो उन्को पापों सी छुटकारा दिलायो या बात पौलुस की चिट्ठी को पहिले भाग म स्पष्ट करय हय, वा मण्डली की तुलना ऊ शरीर सी करय हय कि जेको मस्तक मसीहच आय अऊर ऊ कोना को गोटा ऊ इमारत सी जेको कोना को गोटा मसीह आय किताब को दूसरो भाग म मसीह जीवन कसो जीनो चाहिये येको बारे म बतावय हय।

रूप-रेखा

१. पौलुस खुद को परिचय दे क इफिसियों ख शुभेच्छा देवय हय। अध्याय [illegible]
२. बाद म ऊ मण्डली को मसीह सी रिश्ता कसो होनो चाहिये। [illegible]
३. बाद म पौलुस मसीही जीवन कसो जीवय येको बारे म बतावय हय। [illegible]
४. पौलुस आखरी शब्द लिख क चिट्ठी खतम करय हय। [illegible]

1 ✡पौलुस को तरफ सी जो परमेश्वर की इच्छा सी मसीह यीशु को प्रेरित हय, अऊर मसीह
यीशु म परमेश्वर को विश्वासी लोगों ख जो इफिसुस शहर म रह्य हय।
2 हमरो पिता परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को तरफ सी तुम्ख अनुग्रह अऊर शान्ति मिलती
रहे।

[illegible]

3 हमरो प्रभु यीशु मसीह को परमेश्वर अऊर बाप को धन्यवाद हो कि ओन हम्ख मसीह को द्वारा
स्वर्गीय जागा म सब तरह की आत्मिक आशीष दी हय। 4 जसो ओन हम्ख जगत की उत्पत्ति सी
पहिले मसीह म चुन लियो कि हम, ओको जवर प्रेम म पवित्र अऊर निर्दोष हो। 5 अऊर अपनी
इच्छा को भली प्रिती को अनुसार हम्ख अपनो लायी पहिले सी ठहरायो कि यीशु मसीह को द्वारा
हम ओको उत्तराधिकारी बेटा अऊर बेटी आय, 6 परमेश्वर की अनुग्रह की महिमा की स्तुति हो,
कहालीकि ओन येख हम्ख जो ओको प्रिय बेटा को द्वारा खुलो दिल सी दियो गयो। 7 ✡हम ख ओको
म मसीह को खून को द्वारा छुटकारा, यानेकि पापों की माफी, ओको महान अनुग्रह सी मिल्यो हय,
8 जेक ओकी पूरी बुद्धी अऊर समझ को अनुसार हम पर बहुतायत सी करयो। 9 कहालीकि ओन
अपनी इच्छा को भेद ऊ भली प्रिती को अनुसार हम्ख बतायो, जेक ओन मसीह अपनो आप म

✡ **1:1** १:१ प्रेरितों १८:१९-२१; १९:१ ✡ **1:7** १:७ कुलुस्सियों १:१४

ठान लियो होतो। 10 परमेश्वर की या योजना होती कि उचित समय आवन पर स्वर्ग की अऊर धरती
पर की पूरी चिजों ख, जमा करे ताकि मसीह ओको मुखिया हो।
11 ओकोच म जेको म हम भी ओकीच मनसा सी जो अपनी इच्छा को मत को अनुसार सब कुछ
करय हय, पहिले सी ठहरायो जाय क ओकी विरासत बन्यो 12 कि हम, जिन्न पहिले सी मसीह पर
आशा रखी होती, परमेश्वर की महिमा करे।
13 जब तुम न सच्चो सन्देश सुन्यो अऊर ऊ सुसमाचार सी तुम्हरो उद्धार भयो अऊर तुम भी
परमेश्वर को लोग बन गयो। अऊर पवित्र आत्मा जो प्रतिज्ञा करयो हुयो ख तुम्ख देन को द्वारा
परमेश्वर न तुम पर मुहर लगायी अऊर तुम्न मसीह पर विश्वास करयो। 14 वा आत्मा ऊ समय
लायी दियो गयो जब तक की हम्ख जो ओको अपनो हय छुटकारा नहीं देवय आवो हम ओकी महिमा
करे।

[illegible]

15 यो वजह, मय भी ऊ विश्वास अऊर समाचार सुन्यो जो तुम लोगों म प्रभु यीशु पर हय
अऊर सब पवित्र लोगों पर प्रेम प्रगट हय, 16 तुम्हरो लायी मय परमेश्वर ख धन्यवाद करनो
नहीं छोड़चो, अऊर अपनी प्रार्थनावों म तुम्ख याद करू हय। 17 कि हमरो प्रभु यीशु मसीह को
परमेश्वर सी जो महिमा को पिता हय, तुम्ख अपनी पहिचान म ज्ञान अऊर प्रकाश की आत्मा
देयेंन, ताकि तुम ओख अच्छो सी जान सको। 18 अऊर तुम्हरो मन की आंखी ज्योतिर्मय हो कि तुम
जान लेवो कि ओकी बुलाहट की आशा का हय, अऊर पवित्र लोगों म ओकी विरासत की महिमा
को धन कसो हय, 19 अऊर ओकी सामर्थ हम म जो विश्वास करय हंय, कितनी महान हय, ओकी
शक्ति को प्रभाव को ऊ कार्य को अनुसार हय। 20 जो ओन मसीह म करयो कि ओख मरयो हुयो म
सी जीन्दो कर क् स्वर्गीय जागा म अपनी दायो तरफ बैठायो 21 पूरो शासकों, अऊर अधिकारियों,
अऊर सामर्थी, अऊर प्रभुतावों को, अऊर हर एक नाम को ऊपर, जो न केवल यो युग म पर आवन
वालो युग म भी लियो जायेंन, बैठायो; 22 ✡अऊर सब कुछ मसीह को पाय खल्लो कर दियो; अऊर
ओख सब चिजों पर शिरोमनि ठहराय क मण्डली ख दे दियो, 23 मण्डली मसीह को शरीर आय, अऊर
ओकीच परिपूर्णता हय जो सब म सब कुछ पूरो करय हय।

2

[illegible]

1 ✡एक समय होतो जब तुम आत्मिक रूप सी आज्ञाकारी अऊर पापों म मर गयो होतो 2 यो जगत
की बुरो रस्ता पर चलत होतो, अऊर आसमान को अधिकार को शासक यानेकि ऊ दुष्ट आत्मा को
अनुसार चलत होतो, जो अब भी आज्ञा नहीं मानन वालो म कार्य करय हय। 3 इन म हम भी सब
को सब पहिले अपनो शरीर की लालसावों म दिन बितात रहत होतो, अऊर शरीर अऊर मन की
इच्छाये पूरी करत होतो, अऊर दूसरों लोगों को जसो चाल चलन सीच गुस्सा की सन्तान होतो।
4 पर परमेश्वर न जो दया को धनी आय, अपनो ऊ बड़ो प्रेम को वजह जेकोसी ओन हम सी
प्रेम करयो, 5 जब हम आज्ञा नहीं मानन को वजह मरयो हुयो होतो त हम्ख मसीह म जीवन दियो
हि परमेश्वर को अनुग्रह को द्वारा बचायो गयो, 6 अऊर मसीह यीशु म एक होन को वजह ओको
संग जीन्दो करयो, अऊर स्वर्गीय जागा म ओको संग बैठायो। 7 कि ऊ अपनी ऊ कृपा सी जो
मसीह यीशु म हम पर हय, आवन वालो युग म अपनो अनुग्रह को असीम समृद्धी ख दिखायो।
8 कहालीकि विश्वास को द्वारा अनुग्रह सीच तुम्हरो उद्धार भयो हय; अऊर यो तुम्हरो तरफ सी
नहीं, बल्की परमेश्वर को दान आय, 9 अऊर नहीं कर्मों को वजह, असो नहीं होय कि कोयी घमण्ड
करे। 10 कहालीकि हम ओको बनायो हुयो हंय, अऊर मसीह यीशु म उन भलो कामों लायी रच्यो
गयो जिन्ख परमेश्वर न पहिले सी हमरो लायी तैयार करयो हय।

[illegible]

✡ **1:22** १:२२ कुलुस्सियों १:१८ ✡ **2:1** २:१ कुलुस्सियों २:१३

11 यो वजह याद करो कि तुम जो जनम सी गैरयहूदी हो अऊर खतना करयो हुयो हय, असो
यहूदी द्वारा कह्यो जावय हो जो अपनो आप ख खतना वालो कहलावय हंय, अपनो भूतकाल ख याद
रखो, 12 तुम लोग ऊ समय मसीह सी अलग, अऊर इस्राएल की प्रजा को पद सी अलग करयो
हुयो, अऊर प्रतिज्ञा की वाचावों को भागी नहीं होतो, अऊर आशाहीन अऊर जगत म ईश्वररहित
होतो। 13 पर अब मसीह यीशु म तुम जो पहिले दूर होतो, मसीह को खून को द्वारा जवर भय गयो
हय। 14 कहालीकि उच हमरी शान्ति आय जेन दोयी ख एक कर लियो अऊर अलग करन वालो
बाड़ा ख जो बीच म होती गिराय दियो, 15 ✡अऊर अपनो शरीर म दुश्मनी मतलब ऊ व्यवस्था
जेकी आज्ञाये विधियों की रीति पर होती, मिटाय दियो कि दोयी सी अपनो म एक नयी मानवता की
सृष्टि करी अऊर शान्ति स्थापित करी, 16 ✡अऊर मसीह को क्रूस पर मृत्यु सी दुश्मनी ख नाश
कर क् मृत्यु को द्वारा दोयी ख एक शरीर बनाय क परमेश्वर सी वापस मिलाये। 17 ओन आय क तुम्ख
गैरयहूदियों ख जो परमेश्वर सी बहुत दूर होतो अऊर यहूदियों जो जवर होतो, दोयी ख शान्ति को
सुसमाचार सुनायो। 18 कहालीकि मसीह को द्वारा हम दोयी की मतलब यहूदी अऊर गैरयहूदी एक
आत्मा सी परमेश्वर पिता को जवर पहुंच भयी।
19 येकोलायी तुम गैरयहूदी अब विदेशी अऊर अनजानो लोग नहीं रह्यो, पर पवित्र लोगों को
संगी स्वदेशी अऊर परमेश्वर को घराना को भय गयो हय। 20 अऊर प्रेरितों अऊर भविष्यवक्तावों
की नीव पर बनायो हय, जो कोना को गोटा मसीह यीशु खुदच आय। 21 जेको म पूरो भवन एक संग
मिल क प्रभु म एक पवित्र मन्दिर बनतो जावय हय, 22 जेको म तुम भी आत्मा को द्वारा परमेश्वर
को ठहरन की जागा होन लायी एक संग बनायो जावय हय।

3

[illegible]
1 येकोच लायी मय पौलुस जो तुम गैरयहूदियों लायी मसीह यीशु को बन्दी हय, परमेश्वर सी
प्रार्थना करू हय। 2 यदि तुम न परमेश्वर को ऊ अनुग्रह सी मोख यो काम जो तुम्हरी भलायी
लायी मोख दियो गयो हय, 3 यानेकि यो कि ऊ रहस्य मोरो पर प्रकाशन को द्वारा प्रगट भयो, जसो
मय पहिलेच संक्षेप म लिख चुक्यो हय, 4 ✡जेकोसी तुम पढ़ क जान सकय हय कि मय मसीह को ऊ
रहस्य कसो समझ सकू हय तुम जानो। 5 जो पूरानो समयो म आदमियों की सन्तानों ख असो नहीं
बतायो गयो होतो, जसो कि आत्मा को द्वारा अब ओको पवित्र प्रेरितों अऊर परमेश्वर को तरफ
सी सन्देश लावन वालो पर प्रगट करयो गयो हय। 6 मतलब यो कि मसीह यीशु म सुसमाचार को
द्वारा गैरयहूदियों को लोग विरासत को वारिस हय, अऊर एकच शरीर अऊर प्रतिज्ञा को भागी
हंय।
7 मय परमेश्वर को अनुग्रह को ऊ दान को अनुसार, जो ओकी सामर्थ को काम प्रभाव को
अनुसार मोख दियो गयो, ऊ सुसमाचार को सेवक बन्यो। 8 मोरो पर जो सब पवित्र लोगों म
सी छोटो सी भी छोटो हय, यो अनुग्रह भयो कि मय गैरयहूदियों ख मसीह को अनन्त धन को
सुसमाचार सुनाऊ, 9 अऊर सब लोगों ख यो देखन लायी कि रहस्य की सहभागिता का हय, जो
जगत की सुरूवात सी परमेश्वर म लूकी हुयी हय, जेन यीशु मसीह को द्वारा पूरी चिजों ख बनायो
हय। 10 ताकि अब मण्डली को द्वारा, परमेश्वर को अलग अलग तरह को ज्ञान उन मुख्य याजकों
अऊर अधिकारियों पर जो स्वर्गीय जागा म हंय, प्रगट करयो जाये। 11 ऊ अनन्त काल उद्देश्य
को अनुसार जो परमेश्वर न हमरो प्रभु यीशु मसीह म पूरो करयो होतो। 12 जेको म हम ख मसीह
म एक होन को नाते अऊर ओको पर विश्वास को द्वारा हम्ख साहस अऊर भरोसा को संग परमेश्वर
को जवर आवन को अधिकार हय। 13 येकोलायी मय बिनती करू हय कि जो कठिनायी तुम्हरो लायी
मोख होय रह्यो हंय, उन्को वजह साहस मत छोड़ो, कहालीकि उन्म तुम्हरो फायदा हय।

✡ **2:15** २:१५ कुलुस्सियों २:१४ ✡ **2:16** २:१६ कुलुस्सियों १:२० ✡ **3:4** ३:४ कुलुस्सियों १:२६,२७

[illegible]
14 मय योच वजह ऊ बाप को आगु घुटना टेकु हय। 15 जेकोसी स्वर्ग अऊर धरती पर, हर एक
घराना को नाम रख्यो जावय हय, 16 मय प्रार्थना करू हय कि ऊ महिमा को अपनी आत्मा को
द्वारा तुम्हरो भीतरी व्यक्तित्व ख शक्ति अऊर सामर्थ प्रदान करे; 17 अऊर विश्वास को द्वारा
मसीह तुम्हरो दिल म अपनो घर बनायेंन। मय प्रार्थना करू हय कि तुम्हरी जड़े अऊर नींव प्रेम
म हो, 18 येकोलायी की तुम सब परमेश्वर को लोगों को संग अच्छो तरह सी समझ सको की मसीह
को प्रेम की लम्बाई, चौड़ाई, ऊचाई, अऊर गहरायी कितनी हय, 19 अऊर मसीह को ऊ प्रेम ख
जान सको जो ज्ञान ख पास करय हय कि तुम परमेश्वर को स्वभाव सी भरपूर हो जावो।
20 अब ऊ परमेश्वर को लायी जो अपनी ऊ सामर्थ को अनुसार जो हम म काम करय हय ओको
द्वारा जितनो हम मांग सकजे हय यहां तक की हम सोच सकजे हय ओको सी भी कहीं जादा कर
सकय हय, 21 परमेश्वर की महिमा मण्डली अऊर मसीह यीशु म पीढ़ी सी पीढ़ी तक हमेशा-हमेशा
होती रहे। आमीन।

4

[illegible]
1 येकोलायी मय जो प्रभु म बन्दी हय तुम सी बिनती करू हय कि जो बुलाहट सी तुम बुलायो
गयो होतो, परमेश्वर को लायक हो, 2 ✡यानेकि पूरी नम्रता अऊर कोमलता, अऊर धीरज धर क
प्रेम सी एक दूसरों की सह लेवो। 3 ऊ शान्ति को सुत्र म बन्ध क ओकी एकता ख जेक पवित्र
आत्मा प्रदान करय हय, ओख बनायो रखन को हर सम्भव सी पूरी कोशिश करे। 4 एकच शरीर हय,
अऊर एकच आत्मा; जसो तुम्ख जो बुलायो गयो होतो अपनो बुलायो जानो सी एकच आशा हय।
5 एकच प्रभु हय, एकच विश्वास, एकच बपतिस्मा, 6 एकच परमेश्वर हय, जो सब को बाप हय, सब
म काम करय हय, अऊर जो सब म हय।
7 पर हम म सी हर एक ख मसीह न जो कुछ दियो हय, ओको दान को हिसाब को अनुसार अनुग्रह
मिल्यो हय। 8 जसो की पवित्र शास्त्र कह्य हय:
"जब ऊ बहुत ऊचाई तक चली गयो,
त ओन बन्दियों ख बान्ध क ले गयो,
अऊर आदमियों ख दान दियो।"
9 अब, "ऊ ऊपर चढ़यो" ओको अर्थ का हय यो कि ऊ पहिले धरती की सब सी खल्लो की जागा
म उतरयो। 10 अऊर जो उतर गयो यो उच आय, जो पूरो आसमान सी ऊपर चढ़ भी गयो कि पूरी
सृष्टि ख परिपूर्ण कर दे। 11 अऊर ओन कितनो ख प्रेरित होन को वरदान दियो, अऊर कुछ ख
भविष्यवक्ता होन को, अऊर कुछ ख सुसमाचार को प्रचारक होन को, अऊर कुछ ख रख वालो
अऊर शिक्षक नियुक्त कर क् दे दियो, 12 जेकोसी परमेश्वर को लोग सिद्ध होय जाये अऊर सेवा
को काम करयो जाये अऊर मसीह को शरीर उन्नति पाये, 13 जब तक की हम सब को सब विश्वास
अऊर परमेश्वर को टुरा की पहिचान म एक नहीं होय जाये, अऊर एक सिद्ध आदमी न बन जाये
अऊर मसीह को पूरो गौरव की उचायी नहीं छूय ले। 14 ताकि हम अब बच्चा को जसो नहीं रह्यो
जो आदमियों की धोकाधड़ी अऊर चालाकी सी, उन्को भ्रम की युक्तियों की अऊर शिक्षा की हर
एक हवा को झोंका सी उछाल्यो अऊर इत–उत घुमायो जावय हय। 15 बल्की प्रेम म सच्चायी ख
व्यक्त करतो हुयो सब बातों म ओको म जो मुंड हय, मतलब मसीह म हर तरह सी बढ़तो जाये,
16 ✡जेकोसी पूरो शरीर को अलग अलग हिस्सा, एक संग मिल क जुड़य हय अऊर पूरो शरीर ख
एक संग मिल क रख्यो जावय हय, अऊर एक संग जुड़ क यो प्रदान करयो जावय हय। कि हर एक
अलग हिस्सा काम करय हय, तब पूरो शरीर बढ़य हय अऊर प्रेम द्वारा खुद ख बनावय हय।

[illegible]

✡ **4:2** ४:२ कुलुस्सियों ३:१२,१३ ✡ **4:16** ४:१६ कुलुस्सियों २:१९

17 येकोलायी मय प्रभु को नाम सी तुम्ख चेतावनी देऊ हय, कि उन्को बेकार बिचारों को संग उन
गैरयहूदियों को जसो जीवन मत जीवो। 18 उनकी बुद्धि अन्धारो म हय। अऊर ऊ अज्ञानता को
वजह जो उन्म हय अऊर उन्को मन की कठोरता को वजह हि परमेश्वर को जीवन सी अलग करयो
हुयो हय; 19 अऊर लज्जा की भावना उन म सी चली गयी अऊर उन्न अपनो आप ख संय्यम को
बिना हर तरह कि अशुद्ध हरकतो म डाल दियो हय।
20 पर तुम न मसीह की असी शिक्षा नहीं सीखी। 21 बल्की तुम न सचमुच ओको बारे म सुनी
अऊर ओको अनुयायीयों को रूप म, ऊ सत्य सिखायो गयो हय, जो यीशु म हय। 22 ✡कि तुम
पिछलो चाल चलन को पुरानो मनुष्यत्व ख जो भरमावन वाली अभिलाषावों को अनुसार भ्रष्ट
होतो जावय हय, उतार डालो। 23 अऊर अपनो मन को आत्मिक स्वभाव म सोचन को तरीका म
नयो बनतो जावो, 24 ✡अऊर नयो मनुष्यत्व ख पहिन लेवो जो परमेश्वर की समानता म बनायो
गयो हय जो अपनो आप ख सच्चायी अऊर पवित्रता म जीवन खुद ख प्रगट करय हय।
25 येकोलायी तुम लोग झूठ बोलनो छोड़ क हर एक अपनो पड़ोसी सी सच बोले, कहालीकि
हम सब मिल क मसीह को शरीर म एक अंग हंय। 26 गुस्सा त करो, पर पाप मत करो; शाम होन
तक तुम्हरो गुस्सा नहीं रहे। 27 अऊर न शैतान ख अवसर देवो। 28 चोरी करन वालो फिर चोरी नहीं
करे, बल्की भलो काम करनो म अपनो हाथों सी मेहनत करे, येकोलायी कि गरीबों की भी मदद
कर सकेंन। 29 कोयी बेकार बात तुम्हरो मुंह सी नहीं निकले, पर जरूरतों को अनुसार उच निकले
जो अनुग्रह करन म मदत हो, ताकि ओको सी सुनन वालो की उन्नति हो। 30 अऊर परमेश्वर की
पवित्र आत्मा ख दु:खी मत करो; जेकोसी तुम पर छुटकारा को दिन को लायी मुहर दियो गयो हय।
31 सब कड़वाहट, अऊर प्रकोप अऊर गुस्सा, लड़ाई–झगड़ा, निन्दा, अऊर हर तरह की बुरायी
अपनो बीच म सी दूर करी जाये। 32 ✡बल्की एक दूसरों को प्रति दयालु अऊर कोमल बने, अऊर
जसो परमेश्वर न मसीह म तुम्हरो अपराध माफ करयो, वसोच तुम भी एक दूसरों को अपराध माफ
करो।

5

?????? ? ????

1 येकोलायी कि तुम परमेश्वर को प्रिय बच्चा हो, तुम ओको जसो बनो, 2 अऊर प्रेम म चलो
जसो मसीह न भी तुम सी प्रेम करयो, अऊर हमरो लायी अपनो आप ख सुखदायक सुगन्ध लायी
परमेश्वर को आगु भेंट कर क् बलिदान कर दियो।
3 जसो परमेश्वर को लोगों लायी यो सही नहाय, कि तुम म व्यभिचार अऊर कोयी तरह की
अशुद्ध काम यां लोभ की चर्चा तक हो। 4 अऊर नहीं निर्लज्जता, मुर्खतापूर्न यां अश्लिल बातचीत
करी, अऊर नहीं मजाक करी; कहालीकि या बाते शोभा नहीं देवय, येको बदला तुम्ख परमेश्वर ख
धन्यवाद देनो चाहिये। 5 कहालीकि तुम लोग यो निश्चित रूप सी जान लेवो कि कोयी व्यभिचारी,
यां अशुद्ध लोग, यां लालची जो मूर्तिपूजक को बराबर हय, मसीह अऊर परमेश्वर को राज्य को
अधिकारी नहीं होयेंन।
6 कोयी तुम्ख बेकार बातों सी धोका नहीं दे, कहालीकि इन चिजों को वजह हय कि परमेश्वर
को गुस्सा उन पर आय जायेंन जो ओको पालन नहीं करय हंय। 7 येकोलायी असो लोगों सी कोयी
सम्बन्ध मत रखो। 8 कहालीकि तुम त खुद अन्धारो म रहत होतो, लेकिन जब सी प्रभु को लोग बन
गयो हंय, येकोलायी प्रकाश की सन्तान की तरह जिवो, 9 कहालीकि यो प्रकाश हय जो हर तरह
की भलायी, अऊर सच्चायी, अऊर सच्चायी को फसल लावय हय। 10 तुम यो परखो कि प्रभु ख
का भावय हय। 11 अन्धारो को बेकार कामों म तुम सहभागी मत हो, बल्की उन्की बुरायी को विरोध
करतो हुयो उन्ख प्रकाश म लावो। 12 कहालीकि जो काम गुप्त रूप सी करय हय उन्की चर्चा करन
म भी शरम आवय हय। 13 जब सब चिजे प्रकाश म लायो जावय हय तब ओको वास्तविक स्वरूप

✡ **4:22** ४:२२ कुलुस्सियों ३:९ ✡ **4:24** ४:२४ कुलुस्सियों ३:१० ✡ **4:32** ४:३२ कुलुस्सियों ३:१३

साफ रूप सी प्रगट होवय हय। 14 कहालीकि प्रकाश सब बाते प्रगट करय हय। यो वजह ऊ
कह्य हय,
"हे सोवन वालो,
जाग अऊर मुर्दों म सी जीन्दो हो;
त मसीह को प्रकाश तोरो पर चमकेंन।"
15 येकोलायी ध्यान रहे, कि तुम कसो रह्य हय: त निर्बुद्धि लोगों को जसो नहीं पर बुद्धिमान
लोगों को जसो रहो। 16 ✡हर अवसर को अच्छो कर्मों को लायी पूरो-पूरो उपयोग करो, कहालीकि
यो दिन बुरो हंय। 17 तुम निर्बुद्धि न बनो, पर ध्यान सी समझो कि प्रभु की इच्छा का हय।
18 दारू सी मतवालो मत बनो, कहालीकि येको सी लुचपन पैदा होवय हय, पर पवित्र आत्मा
सी परिपूर्ण होतो जावो। 19 ✡अऊर आपस म भजन अऊर स्तुतिगान अऊर आत्मिक गीत गायो
करो, अऊर अपनो-अपनो मन म प्रभु को आदर म गातो रहो। 20 अऊर हमेशा सब बातों लायी
हमरो प्रभु यीशु मसीह को नाम सी परमेश्वर पिता को धन्यवाद करतो रहो।

[illegible]

21 हम मसीह को प्रति श्रद्धा-भक्ति रखन को वजह एक दूसरों को लायी प्रस्तुत करो।
22 ✡हे पत्नियों, अपनो पति को अधीन रहो जसो प्रभु को अधीन रह्य हय। 23 कहालीकि पति को
उच तरह पत्नी पर अधिकार हय जसो कि मसीह को मण्डली पर अधिकार हय; अऊर खुद मसीह
मण्डली को उद्धारकर्ता हय जो ओको शरीर हय। 24 जो तरह मण्डली मसीह को अधीन रह्य हय,
वसीच पत्नी भी हर बातों म अपनो पति को अधीन रहनो चाहिये।
25 ✡हे पतियों, तुम अपनी पत्नियों सी उच तरह प्रेम रखो, जो तरह मसीह न मण्डली सी प्रेम
करयो अऊर येकोलायी अपनो जीवन दियो। 26 जेकोसी ऊ ओख वचन को द्वारा मण्डली ख समर्पित
करयो, जसो पानी सी शुद्ध कर क् पवित्र बनाय सके, 27 अऊर ओख एक असी शुद्ध मण्डली बनाय
क अपनो जवर खड़ी करे, जेको म दाग नहीं हो, नहीं झुर्री नहीं कोयी कमतर्ता हो बल्की पवित्र
अऊर निर्दोष हो। 28 योच तरह उचित हय कि पति अपनी पत्नी सी अपनो खुद को शरीर को जसो
प्रेम रखे। जो अपनी पत्नी सी प्रेम रखय हय, ऊ अपनो आप सी प्रेम रखय हय। 29 कहालीकि
कोयी न कभी अपनो शरीर सी दुश्मनी नहीं रख्यो बल्की ओको पालन-पोषन करय हय, जसो मसीह
भी मण्डली को करय हय। 30 येकोलायी कि हम ओको शरीर को भाग आय। 31 जसो शास्त्र कह्य
हय, "यो वजह आदमी अपनो माय-बाप ख छोड़ क अपनी पत्नी सी मिल्यो रहेंन, अऊर हि दोयी
एक तन होयेंन।" 32 यो एक महान रहस्य आय, पर मय यो मसीह अऊर मण्डली को बारे म कहू
हय। 33 पर तुम लोगों म सी हर एक पति अपनी पत्नी ख अपनो जसो प्रेम करे अऊर हर एक पत्नी
अपनो पति को आदर-सम्मान रखे।

6

[illegible]

1 ✡हे बच्चां, प्रभु म अपनो माय-बाप को आज्ञाकारी बनो, कहालीकि यो ठीक हय। 2 "अपनो
माय-बाप को आदर करो" यां पहिली असी आज्ञा हय जेको संग प्रतिज्ञा भी हय: 3 "कि तोरो भलो
हो, अऊर तय धरती पर बहुत दिनो तक जीन्दो रहे।"
4 ✡तुम, जो माय-बाप हो, अपनो बच्चा को गुस्सा मत भड़कावो, पर प्रभु की शिक्षा अऊर
उपदेश द्वारा उन्को पालन-पोषन करो।

[illegible]

5 ✡हे सेवकों, मोरो तुम सी अनुरोध हय कि जो लोग यो धरती पर तुम्हरो मालिक हंय, तुम
डरतो-कापतो अऊर निष्कपट दिल सी उन्की आज्ञा पूरी करो, मानो तुम मसीह की सेवा कर रह्यो

✡ **5:16** ५:१६ कुलुस्सियों ४:५ ✡ **5:19** ५:१९ कुलुस्सियों ३:१६,१७ ✡ **5:22** ५:२२ कुलुस्सियों ३:१८; १ पतरस ३:१
✡ **5:25** ५:२५ कुलुस्सियों ३:१९; १ पतरस ३:७ ✡ **6:1** ६:१ कुलुस्सियों ३:२० ✡ **6:4** ६:४ कुलुस्सियों ३:२१ ✡ **6:5**
६:५ कुलुस्सियों ३:२२-२५

हय। 6 तुम आदमियों ख प्रसन्न करन वालो को जसो दिखावन लायी सेवा मत करो, बल्की मसीह
को सेवकों को जसो असो सेवा करो, जो पूरो दिल सी परमेश्वर की इच्छा पूरी करय हंय। 7 अऊर
ऊ सेवा ख आदमियों को जसो नहीं पर प्रभु की सेवा जान क सच्चो दिल सी करो। 8 कहालीकि
तुम जानय हय कि हर एक आदमी, चाहे ऊ सेवक हो या स्वतंत्र, जो भी भलायी करेंन, वसोच ऊ
प्रभु सी इनाम हासिल करेंन।
9 ✡तुम जो मालिक हंय, तुम धमकिया देनो छोड़ देवो, अऊर सेवकों को संग वसोच व्यवहार
करो; कहालीकि तुम जानय हय कि स्वर्ग म उन्को अऊर तुम्हरो एकच मालिक हय, अऊर ऊ कोयी
को संग पक्षपात नहीं करय।

[illegible]

10 येकोलायी प्रभु म एक होय क अऊर ओकी शक्ति को प्रभाव म बलवन्त बनो। 11 तुम
परमेश्वर को पूरो हथियार धारन कर लेवो जेकोसी तुम शैतान की युक्तियों को आगु खड़ो रह्य
सको। 12 कहालीकि हमरो मल्लयुद्ध खून अऊर मांस सी नहीं शासकों सी, अऊर अधिकारियों सी,
अऊर यो जगत को अन्धकार को शासकों सी अऊर ऊ दुष्टता की आत्मिक सेनावों सी हय जो
स्वर्ग म हय। 13 येकोलायी तुम परमेश्वर को पूरो हथियार बान्ध लेवो, जेकोसी तुम बुरो दिन म
दुश्मन को सामना करनो म समर्थ रहो, अऊर आखरी तक अपनो कर्तव्य पूरो कर क् विजय प्राप्त
कर सको।
14 येकोलायी तुम सच सी अपनी कमर कस क, सच्चायी को कवच धारन करो, 15 अऊर शान्ति
को सुसमाचार की घोषना करन लायी जूता पहिन क खड़ो हो। 16 अऊर इन सब को संग विश्वास
की ढाल लेय क स्थिर रहो; जेकोसी तुम ऊ दुष्ट को सब जलतो हुयो बान ख बुझाय सको। 17 अऊर
उद्धार की टोपी पहिन लेवो अऊर परमेश्वर को वचन तलवार को रूप म जो आत्मा तुम्ख देवय हय।
18 तुम लोग हर समय पवित्र आत्मा म सब तरह की प्रार्थना, अऊर बिनती करतो रहो, अऊर
येकोलायी जागतो रहो कि सब पवित्र लोगों लायी लगातार प्रार्थना करतो रहो। 19 तुम मोरो
लायी भी प्रार्थना करो, जेकोसी बोलतो समय असो प्रबल वचन दियो जाये कि मय साहस को संग
सुसमाचार को भेद बताय सकू। 20 यो सुसमाचार को लायी मय संकली सी बान्ध्यो हुयो राजदूत
आय; तुम प्रार्थना करो कि मोख सुसमाचार को बारे म मय घोषना कर सकू, जसो कि मोख बोलनो
चाहिये।

[illegible]

21 ✡तुखिकुस, जो प्रिय भाऊ अऊर प्रभु म विश्वास लायक सेवक हय, तुम्ख सब बाते बतायेंन
कि तुम भी मोरी हाल जानो कि मय कसो रहू हय। 22 ओख मय न तुम्हरो जवर येकोच लायी भेज्यो
हय कि तुम हमरो हाल ख जानो, अऊर ऊ तुम्हरो मनों ख प्रोत्साहन दे।
23 परमेश्वर पिता अऊर प्रभु यीशु मसीह को तरफ सी भाऊवों ख शान्ति अऊर विश्वास सहित
प्रेम मिले। 24 पिता परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह सी अमर प्रेम रखय हंय, उन पर परमेश्वर
को अनुग्रह होतो रहे।

✡ **6:9** ६:९ कुलुस्सियों ४:१; कुलुस्सियों ३:२५ ✡ **6:21** ६:२१ प्रेरितों २०:४; २ तीमुथियुस ४:१२; कुलुस्सियों ४:७,८

फिलिप्पियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री
फिलिप्पियों को नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी
परिचय

मसीह को जनम को लगभग ६१ साल को बाद या चिट्ठी फिलिप्पियों को रहन वालो विश्वासियों ख लिखी जब ओन या चिट्ठी लिखी त ऊ रोम म जेल म होतो १:१३ या चिट्ठी ओन वा मण्डली ख लिखी जो फिलिप्पियों शहर म होती, फिलिप्पियों को बारे म हम प्रेरितों कि किताब सी हम थोड़ो बहुत जानजे हय। मकिदुनिया प्रान्त की फिलिप्पियों शहर कि राजधानी होती या मण्डली मकिदुनिया प्रान्त की पहिली मण्डली होती पौलुस अऊर सिलास दोयी न मिल क या मण्डली कि सुरूवात करी जब हि फिलिप्पियों म होतो तब उन्ख रातभर लायी जेल म रहनो पड़यो। प्रेरितों १६।

पौलुस की या चिट्ठी बहुउद्देशिय होती, जब ऊ जेल म होतो तब उन्न ओख जो दान भेज्यो ओको लायी उन्को आभार मानन लायी ४:१०-१९ जेल म ओकी हालत कसी होती यो बतावन लायी अऊर तीमुथियुस अऊर इपफ्रुदीतुस को परिचय करय हय ताकि हि उन्को स्वागत कर क् उन्को पुढारीपन ख मान दे क स्वीकार करय हय २:१९-३०

रूप-रेखा

१. फिलिप्पियों की मण्डलियों ख शुभेच्छा दे क पौलुस चिट्ठी की सुरूवात करय हय। □:□-□
२. बाद म ओकी हालत को बारे म अऊर कुछ समस्या को बारे बतावय हंय। □:□–□:□□
३. बाद म ऊ मसीह जीवन लायी व्यावहारिक सुचना देवय हय। □:□–□:□
४. उन्को बेटा लायी उन्को धन्यवाद दे क अऊर ओकी शुभेच्छा दे क ऊ या चिट्ठी ख खतम करय हय। □:□□-□□

1 ✡मसीह यीशु को सेवक मय पौलुस अऊर तीमुथियुस को तरफ सी, सब परमेश्वर को लोगों को
नाम जो मसीह यीशु म सहभागिता म होय क फिलिप्पी शहर म रह्य हंय, मुखिया अऊर सेवकों
को संग रह्य हय।
2 हमरो पिता परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को तरफ सी तुम्ख अनुग्रह अऊर शान्ति मिलती
रहे।

□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□

3 मय जब-जब तुम्ख याद करू हय, तब-तब अपनो परमेश्वर ख धन्यवाद देऊ हय; 4 अऊर जब
कभी तुम सब को लायी प्रार्थना करू हय, त सदा खुशी को संग प्रार्थना करू हय। 5 येकोलायी कि
तुम पहिले दिन सी ले क अज तक सुसमाचार ख फैलावन म मोरो सहभागी रह्यो हय। 6 मोख या
बात को भरोसा हय कि जेन तुम म अच्छो काम सुरू करयो हय, उच ओख यीशु मसीह को दुबारा
आवन को दिन तक पूरो करेंन। 7 मोख यो उचित लगय हय कि मय तुम सब लायी असोच बिचार
करू, कहालीकि तुम मोरो मन म बैठ्यो हय, मय कैद म हय तब भी अऊर सुसमाचार लायी उत्तर
अऊर प्रमान देन म तुम सब मोरो संग अनुग्रह म सहभागी हय। 8 येको म परमेश्वर मोरो गवाह
हय कि मय मसीह यीशु जसी प्रीति कर क् तुम सब की इच्छा पूरी करू हय।
9 मय या प्रार्थना करू हय कि तुम्हरो प्रेम सच्चो ज्ञान सी अऊर सब तरह को विवेक सहित
अऊर भी बड़तो जाय, 10 यहां तक की तुम अच्छो सी अच्छो बातों ख प्रिय हय परखो, अऊर
मसीह को दुबारा आवन वालो दिन तक सच्चो बन्यो रहो, अऊर दोषी मत बनो; 11 अऊर ऊ
सच्चायी को फर सी जो यीशु मसीह को द्वारा होवय हय, भरपूर होत जावो जेकोसी परमेश्वर की
महिमा अऊर स्तुति होती रह्य।

✡ **1:1** १:१ प्रेरितों १६:१२

[illegible]

12 हे भाऊवों अऊर बहिनों, मय चाहऊं हय कि तुम यो जान लेवो कि मोरो पर जो बितयो हय,
ओको सी सुसमाचार की बढ़ती भयी हय। 13 ✡यहां तक कि राजभवन को पूरो सुरक्षा दलो ख अऊर
यहां को सब लोगों ख यो प्रगट भय गयो हय कि मय मसीह को सेवक आय अऊर कैद म हय।
14 अऊर प्रभु म जो मोरो विश्वासी भाऊ अऊर बहिन हंय, उन म सी अधिकांश मोरो कैद म होन
को वजह, निडर होय क परमेश्वर को वचन बेधड़क सुनावन को साहस करय हंय।

15 यो त सच हय उन म कुछ त जलन अऊर कुछ त बहस कर क् मसीह को प्रचार करय हंय
पर कुछ लोग भली इच्छा सी करय हय। 16 यो त प्रेम को वजह करय हय कहालीकि हि जानय
हय कि परमेश्वर न यो काम मोख सुसमाचार कि रक्षा करन लायी मोख दियो हय। 17 पर दूसरों
लोग सच्चायी को संग नहीं, बल्की स्वार्थपूर्न इच्छा सी मसीह को प्रचार करय हय; कहालीकि हि
सोचय हय कि येको सी हि कैद म मोरो लायी मुश्किले पैदा कर सकेंन।

18 येको सी कोयी फरक नहीं पड़य महत्वपूर्ण त यो आय कि मय येको सी खुश हय, कि यो
तरह सी यां ऊ तरीका सी चाहे बुरो उद्देश होना यां चाहे भलो प्रचार त मसीह कोच होवय हय
अऊर मय हमेशा येको सी खुश रहूं। 19 कहालीकि मय जानु हय तुम्हरी प्रार्थना को द्वारा अऊर
यीशु मसीह की पवित्र आत्मा को द्वारा जेल सी रिहायी प्राप्त करू। 20 मय त याच गहरी इच्छा
अऊर आशा रखू हय कि मय कोयी बात म शर्मिन्दा नहीं होऊं, पर जसो मोरी बड़ी साहस को वजह
मसीह कि महिमा मोरो शरीर को द्वारा हमेशा होती रही हय, वसीच अब भी हो, चाहे मय जीन्दो
रहूं या मर जाऊं। 21 कहालीकि जीवन का हय? मोरो लायी, जीवन मसीह हय, अऊर मृत्यु, मोरो
लायी फायदा हय। 22 पर यदि शरीर म जीन्दो रहनोच मोरो काम लायी जादा फायदेमंद हय त
मय नहीं जानु कि मोख कौन ख चुननो चाहिये। 23 कहालीकि अब मय दोयी दिशावों को बीच म
मोख कठिनायी होय रही हय; मय अपनो जीवन सी बिदा होय क मसीह को जवर जानो चाहऊं
हय, कहालीकि या बात मोरो लायी बहुतच अच्छी हय, 24 पर मोरो शरीर म रहनो तुम्हरो लायी
जादा जरूरी हय। 25 येकोलायी कि मोख येको भरोसा हय येकोलायी मय जानु हय कि मय जीन्दो
रहूं, जेकोसी तुम विश्वास म मजबूत होत जावो अऊर ओको म खुश रहो; 26 अऊर जो घमण्ड तुम
मोरो बारे म करय हय, ऊ मोरो फिर तुम्हरो जवर आवन सी मसीह यीशु म एक होन को द्वारा अऊर
जादा बढ़ जावो।

27 केवल इतनो करो कि तुम्हरो चाल चलन मसीह को सुसमाचार को लायक हो कि चाहे मय
आय क तुम्ख देखूं, चाहे नहीं भी आऊं, तुम्हरो बारे म योच सुनू कि तुम एकच आत्मा म स्थिर रहो,
अऊर एक चित्त होय क सुसमाचार को विश्वास लायी मेहनत करतो रह्य हय, 28 अऊर कोयी बात
म विरोधियों सी डरो मत। हमेशा साहसी रहो, अऊर यो उन्को लायी विनाश को स्पष्ट चिन्ह हय,
पर तुम्हरो लायी उद्धार को अऊर यो परमेश्वर को तरफ सी हय। 29 कहालीकि मसीह की सेवा करन
को सौभाग्य तुम्ख दियो गयो हय यो नहीं केवल ओको पर विश्वास करन को वजह पर ओको लायी
तकलीफ झेलन को द्वारा भी मिल्यो हय; 30 ✡अऊर तुम्ख वसोच युद्ध करनो हय, जसो तुम न मोख
करतो देख्यो हय, अऊर अब भी सुनय हय कि मय वसोच करू हय।

2

[illegible]

1 मसीह म तुम्हरो जीवन तुम्ख मजबूत करय हय, ओको प्रेम भलायी देवय हय, अऊर आत्मा
म तुम्हरी सहभागिता हय, अऊर तुम म करुना अऊर दूसरों को प्रति तरस हय, 2 त मोरो या
खुशी पूरी करो कि एक मन रहो, अऊर एकच प्रेम, अऊर एकच चित्त, अऊर एकच मनसा रखो।
3 स्वार्थिपन अऊर घमण्ड करन की बेकार लालसा सी कुछ मत करो, पर दीनता सी एक दूसरों ख

✡ **1:13** १:१३ प्रेरितों २८:३० ✡ **1:30** १:३० प्रेरितों १६:१९-४०

अपनो सी अच्छो समझो। 4 हर एक अपनोच हित को नहीं बल्की दूसरों को हित की भी चिन्ता करे।
5 जसो मसीह यीशु को स्वभाव होतो वसोच तुम्हरो भी स्वभाव हो;
6 जो अपनो स्वरूप यद्दपि परमेश्वर को स्वरूप होतो,
पर ओन अपनो आप ख परमेश्वर को जसो रहनो, यो फायदा हय असो ओन मान्यो नहीं।
7 बल्की अपनो आप ख असो शून्य कर दियो,
अऊर सेवक को स्वरूप धारन कर लियो,
अऊर आदमी की
समानता म भय गयो।
8 अऊर आदमी को रूप म प्रगट होय क अपनो आप ख नरमी करयो, अऊर यहां तक आज्ञाकारी
रह्यो कि मृत्यु तक पहुंच गयो,
क्रूस की मृत्यु भी स्वीकार करयो।
9 यो वजह परमेश्वर न ओख ऊचो सी ऊचो जागा तक उठायो,
अऊर ओख ऊ नाम दियो जो सब नामो सी उत्तम हय,
10 कि जो स्वर्ग म अऊर धरती पर अऊर धरती को खल्लो हंय,
हि सब यीशु को नाम
पर घुटना टेके;
11 अऊर परमेश्वर पिता की
महिमा लायी हर एक जीबली यो स्वीकार करेंन कि यीशु मसीहच प्रभु आय।

[illegible]

12 येकोलायी हे मोरो प्रियो, जो तरह तुम हमेशा सी आज्ञा मानत आयो हय, वसोच अब भी नहीं
केवल मोरो संग रहतो हुयो पर विशेष कर क् अब मोरो दूर रहनो पर भी डरतो अऊर कापतो हुयो
अपनो अपनो उद्धार को कार्य पूरो करतो जावो; 13 कहालीकि परमेश्वरच आय जो अपनो प्रेम को
काम ख पूरो करन लायी बिचार डालय हय अऊर ओको भलो उद्देश को अनुसार चलन को बल भी
देवय हय।
14 सब काम बिना शिकायत अऊर बिना विवाद को करतो रहो, 15 ताकी तुम निर्दोष होय क भ्रष्ट
अऊर पापी लोगों को बीच म परमेश्वर को निष्कलंक सन्तान बन्यो रहो, उन्को बीच म चमको जसो
तारा आशमान म चमकय हय, 16 जब तुम उन्ख जीवन को सन्देश सुनावय हय। तब मोरो जवर
मसीह को आवन को दिन पर घमण्ड करन को वजह हो कि मोरो पूरी मेहनत अऊर काम बेकार नहीं
गयी।
17 यदि मोख तुम्हरो विश्वास रूपी बलिदान अऊर सेवा को संग अपनो खून भी बहानो पड़ेंन,
तब भी मय खुश हय, अऊर तुम सब को संग खुशी बाटु हय। 18 वसोच तुम भी खुश रहो अऊर मोरो
संग खुशी मनावो।

[illegible]

19 मोख प्रभु यीशु म आशा हय कि मय तीमुथियुस ख तुम्हरो जवर तुरतच भेजूं, ताकी तुम्हरी
खबर सुन्क मोख प्रोत्साहन मिले। 20 कहालीकि मोरो जवर दूसरों कोयी लोग नहाय जेको जवर
मोरी भावनाये होना, जो शुद्ध मन सी तुम्हरी चिन्ता करे। 21 कहालीकि सब अपनो स्वार्थ की खोज
म रह्य हंय, नहीं कि यीशु मसीह की। 22 पर ओख त तुम न परख्यो अऊर जान भी लियो हय कि
जसो बेटा बाप को संग करय हय, वसोच ओन सुसमाचार को फैलान म मोरो संग सेवा करयो।
23 येकोलायी मोख आशा हय कि जो मोख जसोच मोख जान पड़ेंन कि मोरो संग का होन वालो हय,
त मय ओख जल्दी भेज देऊं। 24 अऊर मोख प्रभु म भरोसा हय कि मय खुद भी तुम्हरो जवर जल्दी
आऊं।
25 पर मय न इपफ्रुदीतुस ख जो मोरो भाऊ अऊर सेवक अऊर सहकर्मी योद्धा अऊर तुम्हरो दूत,
अऊर जरूरी बातों म मोरी सेवा करन वालो हय, तुम्हरो जवर भेजनो जरूरी समझ्यो। 26 कहालीकि
ओको मन तुम सब म लग्यो हुयो होतो, यो वजह ऊ व्याकुल अऊर चिन्तित रहत होतो कहालीकि

तुम न ओकी बीमारी को हाल सुन्यो होतो। 27 सचमुच ऊ बीमार भय गयो होतो यहां तक कि मरन
पर होतो, पर परमेश्वर न ओको पर दया करी, अऊर केवल ओकोच पर नहीं पर मोरो पर भी कि
मोख शोक पर शोक मत होय। 28 येकोलायी मय न ओख भेजन को अऊर भी कोशिश करयो कि तुम
ओको सी फिर मुलाखात कर क् खुश होय जावो अऊर मोरो भी शोक कम होय जाये। 29 येकोलायी
तुम प्रभु म ओको सी बहुत खुशी होय क ओको स्वागत करजो, अऊर असो लोगों को आदर करजो,
30 कहालीकि ऊ मसीह को काम लायी अपनो जीवो पर जोखिम उठाय क मृत्यु को जवर आय गयो
होतो, ताकी जो कमी तुम्हरो तरफ सी मोरी सेवा म भयी ओख पूरो करे।

3

[illegible]

1 येकोलायी हे मोरो भाऊ अऊर बहिनों, प्रभु म खुश रहो। उच बाते दुबारा लिखन म मोख त
कोयी कठिनता नहीं होवय, अऊर येको म तुम्हरो लायी यो सुरक्षित हय, 2 बुरी बाते करन वालो
उन कुत्तावों, जो शरीर काटन पर जोर देवय हय, उन पर नजर रखो। 3 कहालीकि सच्चो खतना
वालो त हमच आय जो परमेश्वर की आत्मा सी प्रेरित होय क सेवा करय हय, अऊर बाहरी रीति
रिवाज पर नहीं पर यीशु मसीह पर घमण्ड करय हय। 4 पर मय त बाहरी रीति रिवाज पर भी भरोसा
रख सकू हय। यदि कोयी यो समझय हय कि ऊ बाहरी रीति रिवाज पर भरोसा कर सकय हय, त
मय अऊर भी असो कर सकू हय। 5 ✡आठवो दिन मोरो खतना भयो, मय इस्राएल को वंश, अऊर
बिन्यामीन को वंश को आय, इब्रानियों को इब्रानी सन्तान आय; व्यवस्था को बारे म यदि कहो
त फरीसी होतो। 6 ✡उत्साह को बारे म यदि कहतो त मण्डलियों ख सतावन वालो; व्यवस्था की
आज्ञा को पालन करन को द्वारा सच्चायी को बारे म यदि कहो त मय निर्दोष होतो। 7 पर जो जो बाते
मोरो फायदा कि होती, उन्ख मय न मसीह को वजह हानि समझ लियो हय। 8 बल्की मय अपनो
प्रभु मसीह यीशु की पहिचान की उत्तमता की तुलना म सब बातों ख हानि समझू हय। जेको वजह
मय न सब चिजों ख त्याग दियो। अऊर इन पूरी चिजों ख मय कूड़ा समझू हय, येकोलायी की मय
मसीह ख प्राप्त करू। 9 अऊर मय ओको संग एक हो जाऊं, जो मोख अपनी सच्चायी को नहीं,
जो व्यवस्था को पालन सी मिलय हय, बल्की ऊ सच्चायी को भरोसा आय, जो मसीह पर विश्वास
आवन सी मिलय हय। ऊ सच्चायी को उद्‌गम परमेश्वर आय अऊर ओको आधार विश्वास आय।
10 मय यो चाहऊं हय कि मसीह ख जान लेऊ। उन्को पुनरुत्थान को सामर्थ को अनुभव करू, अऊर
ओको दु:ख म सहभागी बन क ओको जसो बन जाऊं, 11 कि मय कोयी भी रीति सी मरयो हुयो म
सी जीन्दो होन को पद तक पहुंचू।

[illegible]

12 यो मतलब नहीं कि मय न पा लियो हय, यो सिद्ध भय गयो हय; पर ऊ पुरस्कार ख जितन
लायी दौड़यो जाऊ हय, जेको लायी मसीह यीशु न मोख पकड़यो होतो। 13 हे भाऊवों अऊर
बहिनों, मोरी भावना या नहाय* कि मय पकड़ चुक्यो हय; पर यो एक काम करू हय कि जो बाते
पीछू रह गयी हंय उन्ख भूल क, आगु की बातों को तरफ बढ़तो चल्यो जाऊं हय। 14 लक्ष को तरफ
दौड़यो चल्यो जाऊ हय, ताकि ऊपर को स्वर्गीय जीवन को इनाम पाऊ, जेको लायी परमेश्वर न
मोख मसीह यीशु म ऊपर बुलायो हय।

15 हम म सी जितनो आत्मिकता म सिद्ध हंय, ऊ योच दृष्टिकोन रखे, अऊर यदि कोयी बात म
तुम्हरो अऊरच बिचार हय त परमेश्वर ओख भी तुम पर प्रगट कर देयेंन। 16 येकोलायी जो नियम
को अनुसार हम यहां तक पहुंच्यो हंय, उच नियमों को अनुसार चले।

17 ✡हे भाऊवों अऊर बहिनों, तुम सब मिल क मोरो अनुकरन करो जो उदाहरन हम न तुम्हरो
आगु रख्यो हय ओको अनुसार जो जीवय हय उन पर भी ध्यान लगायो रहो; 18 कहालीकि बहुत सो

✡ **3:5** ३:५ रोमियों ११:१; प्रेरितों २३:६; २६:५ ✡ **3:6** ३:६ प्रेरितों ८:३; २२:४; २६:९-११ * **3:13** ३:१३ नहीं; कुछ हस्तलेखों म अब तक नहाय ✡ **3:17** ३:१७ १ कुरिन्थियों ४:१६; ११:१

असी चाल चलय हंय, जिन्की चर्चा मय न तुम सी बार बार करी हय, अऊर अब भी रोय-रोय क कहू
हय; कि हि अपनी चाल चलन सी मसीह को क्रूस की मृत्यु को दुश्मन बन क जीवय हंय। 19 उन्को
अन्त नाश हय, शरीर की इच्छाये उन्को ईश्वर आय, हि अपनी लज्जा की बातों पर बड़ायी करय
हंय अऊर धरती की चिजों पर मन लगायो रह्य हंय। 20 पर हमरी नागरिकता स्वर्ग कि हय; अऊर
हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह को यहां सी आवन की रस्ता देख रह्यो हंय। 21 ऊ अपनी
शक्ति को ऊ प्रभाव को अनुसार जेको द्वारा ऊ सब चिजों ख अपनो अधिकार म कर सकय हय,
हमरी कमजोर शरीर को रूप बदल क, अपनी महिमा को शरीर को अनुकूल बनाय देयेंन।

4

???????

1 येकोलायी हे मोरो प्रिय भाऊवों अऊर बहिनों, तुम मोख कितनो प्रिय हय, मोरो मन तुम म
लग्यो रह्य हय, जो मोरी खुशी अऊर मुकुट आय, हे प्रियो, प्रभु म योच तरह बन्यो रहो।
2 मय यूओदिया अऊर सुन्तुखे तुम दोयी ख भी बिनती करू हय, कि प्रभु म बहिनों को नायी एक
दूसरों सी सहमती बनायो रखो। 3 हे सच्चो सहकर्मी, मय तुम सी भी बिनती करू हय कि तय उन
बाईयों की मदत कर, कहालीकि उन्न मोरो संग सुसमाचार फैलावन म, क्लेमेंस अऊर मोरो दूसरों
सहकर्मियों समेत मेहनत करी, जिन्को नाम परमेश्वर को जीवन की किताब म लिख्यो हुयो हंय।
4 प्रभु म एक होय क सदा खुश रहो; मय फिर कहू हय, खुश रहो।
5 तुम्हरो नरम स्वभाव सब आदमियों पर प्रगट हो। प्रभु जल्दी आय रह्यो हय। 6 कोयी भी बात
की चिन्ता मत करो; पर हर एक बात म तुम्हरी जरूरत, प्रार्थना अऊर बिनती को द्वारा धन्यवाद
को संग परमेश्वर को सम्मुख रखो। 7 तब परमेश्वर की शान्ति, जो हमरी समझ सी दूर हय, तुम्हरो
दिल अऊर तुम्हरो मन ख मसीह यीशु म एक होन सी सुरक्षित रखेंन।
8 येकोलायी हे भाऊवों अऊर बहिनों, जो जो बाते सच्ची अऊर आदर लायक, उचित, पवित्र,
मनभावनी, अऊर स्तुति लायक हय, उन पर ध्यान लगायो करो। 9 जो बाते तुम न मोरो सी सीखी,
अऊर स्वीकार करी, ओख अपनो आचरन म लावो। तब परमेश्वर जो हम्ख शान्ति देवय हय, तुम्हरो
संग रहेंन।

??? ????? ????????

10 मय प्रभु म बहुत खुश हय कि अब इतनो दिन को बाद तुम्हरी चिन्ता मोरो बारे म फिर सी
जागृत भयी हय; निश्चय तुम्ख सुरूवात म भी येको बिचार होतो, पर ओख प्रगट करन को अच्छो
अवसर नहीं मिल रह्यो होतो। 11 यो नहीं कि मय अपनी कमी को वजह यो कहू हय; कहालीकि मय
न यो सिख्यो हय कि जो दशा म हय; ओको मच सन्तुष्ट करू। 12 मय अनुभव सी जानु हय, अऊर
बढ़नो भी; हर एक बात अऊर सब दशावों म मय न सन्तुष्ट होनो, भूखो रहनो, अऊर घटनो-बढ़नो
सिख्यो हय। 13 जो मोख सामर्थ देवय हय ओको म मय सब कुछ कर सकू हय।
14 तब भी तुम न भलो करयो कि मोरो कठिनायी म तुम मोरो सहभागी भयो। 15 हे फिलिप्पियों,
तुम खुद भी जानय हय कि सुसमाचार प्रचार को सुरूवात को दिनो म, जब मय मकिदुनिया सी चली
गयो, तब तुम्ख छोड़ अऊर कोयी मण्डली न लेन देन को बारे म मोरी मदत नहीं करी। 16 ✡यो
तरह जब मय थिस्सलुनीके म होतो, तब भी तुम न मोरी कमी पूरी करन लायी बहुत बार मदत
भेजी। 17 असो नहीं कि मय दान चाहऊं हय पर मय असो दान चाहऊं हय जो असो फायदा तुम्हरो
खाता म जमा होवय हय। 18 मोरो जवर सब कुछ हय, बल्की बहुतायत सी भी हय; जो चिजे तुम न
इपफ्रुदीतुस को हाथ सी भेजी होती उन्ख पा क मय सन्तुष्ट भय गयो हय, ऊ त सुखदायक सुगन्ध,
स्वीकार करन लायक बलिदान हय, जो परमेश्वर ख भावय हय। 19 मोरो परमेश्वर भी अपनो ऊ धन
को अनुसार जो महिमा समेत मसीह यीशु म हय, तुम्हरी हर एक कमी ख पूरी करेंन। 20 हमरो
परमेश्वर अऊर पिता की महिमा हमेशा-हमेशा होती रहे। आमीन।

✡ **4:16** ४:१६ प्रेरितों १७:१; २ कुरिन्थियों ११:९

????? ????????

21 हर एक परमेश्वर को लोगों ख, जो मसीह यीशु म हय नमस्कार। जो विश्वासी भाऊ मोरो संग
हय, तुम्ख भी नमस्कार। 22 सब परमेश्वर को लोग, विशेष कर क् जो कैसर को घराना को आय, तुम
ख नमस्कार कहजे हंय।
23 हमरो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम सब को संग होतो रहे।

कुलुस्सियों के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री
कुलुस्सियों को नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी
परिचय

कुलुस्सियों की चिट्ठी प्रेरित को १:१ द्वारा मण्डली ख लिखी गयी होती। ओन या चिट्ठी तब लिख्यो होतो जब ऊ जेल म होतो, शायद रोम म, मसीह को जनम को लगभग ६० साल को बाद। कुलुस्सियों, इफिसियों अऊर फिलेमोन या चिट्ठी पौलुस न जेल म रहतो हुयो लिखी होती येकोलायी येख जेल चिट्ठी कह्यो जावय हय।

ओन या चिट्ठी कुलुस्से शहर म मण्डली ख लिख्यो होतो। पौलुस न कुलुस्से म मण्डली सुरू नहीं करी; कहालीकि उन्न २:१ म उल्लेख करयो हय, पर येकोलायी कुछ जिम्मेदारी महसुस करी होती। यो सम्भव हय कि इपफ्रासन मण्डली की स्थापना करी कहालीकि हि कुलुस्से सी होतो। पौलुस कुलुस्से की मण्डली म कुछ गलत शिक्षावों सी सम्बन्धित होतो। उन्न ओको बारे म चिट्ठी लिखन म बहुत खर्च करयो, होय सकय हय कि यहूदी मसीहियों को एक झुण्ड रह्यो होना, जो पूरानो नियम सी यहूदी नियमों को पालन करन लायी दूसरों मसीही भाऊवों ख मजबूर करन कि कोशिश कर रह्यो होतो, विशेष रूप सी खतना। पौलुस विशेष रूप सी लिखय हय कि मसीह ख परमेश्वर १:१५-२० को द्वारा स्वीकार करयो जान को अलावा मसीह को अलावा कुछ नहीं यां कोयी दूसरों की जरूरत हय अऊर मानव तर्क पर आधारित शिक्षाये बेकार हय। २:८

रूप-रेखा

१. पौलुस न कुलुस्सियों म मण्डली ख नमस्कार कर क् चिट्ठी सुरू करी। □:□-□
२. फिर ऊ मसीह की महानता को बारे म लिखय हय विशेष रूप सी कुलुस्सियों म झूठी शिक्षा को जवाब म। □:□–□:□
३. पौलुस को कुछ चिट्ठी म, ऊ चिट्ठी को उत्तरार्ध ख व्यक्त करय हय, जो अच्छो मसीही जीवन जीन लायी कुछ विशिष्ट निर्देश देवय हय। □:□–□:□
४. पौलुस दूसरी मण्डलियों म जोर सी पड़यो जान वाली चिट्ठी को लायी शुभकामनायें अऊर निर्देश देवय हय। □:□-□□

□□□□□□□□

1 पौलुस को तरफ सी जो परमेश्वर की इच्छा सी मसीह यीशु को प्रेरित हय, अऊर भाऊ
तीमुथियुस की तरफ सी, 2 कुलुस्सियों म रहन वालो विश्वास लायक भाऊवों ख जो मसीह म एक
हय।
हमरो बाप परमेश्वर को तरफ सी तुम्ख अनुग्रह अऊर शान्ति प्राप्त होती रहे।

□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□

3 जब हम तुम्हरो लायी हमेशा प्रार्थना करजे हय, अपनो प्रभु यीशु मसीह को बाप यानेकि
परमेश्वर को धन्यवाद करजे हंय। 4 कहालीकि हम न मसीह यीशु पर तुम्हरो विश्वास तथा सब
परमेश्वर को लोगों को प्रती तुम्हरो प्रेम को बारे म सुन्यो हय। 5 जब सच्चो सन्देश, सुसमाचार,
पहिलो बार तुम्हरो जवर आयो, त तुम न या आशा को बारे म सुन्यो कि यो प्रदान करय हय।
येकोलायी तुम्हरो विश्वास अऊर प्रेम ऊ चिज पर आधारित हय, जेकी तुम उम्मीद करय हय,
जो तुम्हरो लायी स्वर्ग म सुरक्षित रखी हुयी हय। 6 सुसमाचार आशीर्वाद लाय रह्यो हय अऊर
पूरो जगत म फैलतो जाय रह्यो हय, ठीक वसोच जसो तुम्हरो बीच म ऊ दिन सी हय जब तुम न
पहिलो बार परमेश्वर कि कृपा को बारे म सुन्यो, अऊर ओख यो मालूम भयो कि यो वास्तव म हय।
7 ✡परमेश्वर को अनुग्रह ख तुम न हमरो प्रिय सहकर्मी सेवक इपफ्रास सी सिख्यो, जो हमरो

✡ **1:7** १:७ कुलुस्सियों ४:१२; फिलेमोन १:२३

तरफ सी मसीह को विश्वास लायक सेवक आय। 8 ओनच हम्ख ऊ प्रेम को बारे म बतायो हय जो
आत्मा न तुम्ख दियो हय।
9 यो वजह जब सी हम न तुम्हरो बारे म सुन्यो हय तब सी हम न तुम्हरो लायी हमेशा प्रार्थना
करी हय। परमेश्वर सी हम न प्रार्थना करी कि ऊ पूरी बुद्धी अऊर समझ जो ओकी आत्मा देवय
हय ओको संग ओकी इच्छा को ज्ञान सी तुम्ख भर दे। 10 ताकि तुम्हरो चाल–चलन प्रभु को लायक
हो, अऊर ऊ सब तरह सी प्रसन्न हो, अऊर तुम्हरो जीवन को द्वारा हर तरह को अच्छो कार्य ख
प्रगट कर सको, अऊर तुम परमेश्वर को ज्ञान म बढ़तो जावो, 11 ओकी महिमामय शक्ति सी जो
सामर्थ हासिल होवय हय ओको म बलवन्त होतो जावो, ताकि तुम धीरज को संग सब कुछ सहन
को लायक बनो। अऊर खुशी को संग बाप को धन्यवाद करो। 12 अऊर जेन तुम्ख यो लायक बनायो
कि परमेश्वर पिता को उन लोगों को संग जो ओन उन्को लायी पहिले सीच सुरक्षित करयो गयो
प्रकाश को राज्य म तुम उत्तराधिकार पावन म सहभागी बन सको। 13 अऊर ओन हम्ख अन्धारो
कि शक्ति सी छुड़ायो अऊर ओको प्रिय बेटा को राज्य म हम्ख सुरक्षित लायो। 14 ✡अऊर ओको
द्वारा हमरो छुटकारा करयो गयो मतलब हम्ख हमरो पापों की माफी मिली।

[illegible]

15 मसीह अदृश्य परमेश्वर की दृश्य वाली समानता आय। अऊर वा सब बनायी हुयी निर्मिती
म पैदा भयो पहिलो बेटा आय। 16 परमेश्वर न अपनो द्वारा स्वर्ग अऊर धरती पर सब कुछ बनायो,
आध्यात्मिक शक्तियों, प्रभुवों, शासकों, अऊर अधिकारियों सहित देख्यो अऊर दिखायी देन
वाली अऊर नहीं दिखायी देन वाली चिजे। परमेश्वर न ओको द्वारा अऊर ओको लायी पूरो ब्रम्हांड
ख निर्मान करयो। 17 पूरी चिजों को पहिले मसीह अस्तित्व म होतो, अऊर ओकी एकता म पूरी चिजे
अपनी सही जागा पर स्थिर रह्य हंय। 18 ✡उच शरीर, मतलब मण्डली को मुंड आय; उच आदि आय,
अऊर मरयो हुयो म सी जीन्दो होन वालो म पहिलो आय कि सब बातों म पहिली जागा ओखच
मिले। 19 कहालीकि यो परमेश्वर को खुद को फैसला सी होतो कि पूरी परिपूर्णता ओको म वाश करे।
20 ✡टुरा को माध्यम सी, परमेश्वर न पूरो ब्रम्हांड ख अपनो आप वापस लावन को फैसला करयो।
परमेश्वर न क्रूस पर अपनो टुरा को खून को माध्यम सी शान्ति बनायी अऊर येकोलायी धरती
पर अऊर स्वर्ग म, पूरी चिजों ख वापस लायो।
21 एक समय होतो जब तुम परमेश्वर सी दूर होतो अऊर बुरो कामों अऊर बिचार सी परमेश्वर
को दुश्मन होतो 22 पर अब ओन अपनो बेटा की शारीरिक शरीर म मृत्यु को द्वारा तुम्ख अपनो संगी
बनायो हय, ताकि तुम्ख अपनो सम्मुख पवित्र अऊर शुद्ध, अऊर निर्दोष बनाय क उपस्थित करे।
23 यदि तुम विश्वास को पायवा पर मजबूत बन्यो रहो अऊर ऊ सुसमाचार की आशा ख जेक तुम न
सुन्यो हय मत छोड़ो, जेको प्रचार आसमान को खल्लो की पूरी सृष्टि म करयो गयो, अऊर जेको
मय, पौलुस, सेवक बन्यो।

[illegible]

24 अब मय उन दु:खों को वजह खुशी करू हय, जो तुम्हरो लायी उठाऊ हय अऊर मसीह की
कठिनायी की कमी ओको शरीर लायी, मतलब मण्डली लायी, अपनो शरीर म पूरी करू हय; 25 अऊर
मय परमेश्वर को द्वारा मण्डली को सेवक बनायो गयो हय, जेन मोख तुम्हरी भलायी करन लायी यो
काम दियो। अऊर यो कार्यभार पूरी रीति सी ओको सन्देशो की घोषना करय हय। 26 यो सन्देश
रहस्यपुर्न सच हय जो आदि काल सी पूरो आदमी सी गुप्त रख्यो गयो, पर ओको उन पवित्र लोगों
पर प्रगट करयो गयो हय। 27 परमेश्वर की या योजना होती कि गैरयहूदी लोगों पर यो रहस्य न
प्रगट करे, यो रहस्य कितनो महिमामय बहुमूल्य हय जो अपनो लोगों लायी हय। अऊर यो रहस्य
हय कि मसीह तुम म हय, मतलब परमेश्वर की महिमा की आशा होय सकय हय। 28 येकोलायी

✡ **1:14** १:१४ इफिसियों १:७ ✡ **1:18** १:१८ इफिसियों १:२२,२३ ✡ **1:20** १:२० इफिसियों २:१६

हम मसीह को प्रचार सब ख करजे हय। अऊर जो हम्ख बुद्धी हासिल हय ऊ पूरी बुद्धी को उपयोग
करतो हुयो हम हर कोयी ख निर्देश अऊर शिक्षा प्रदान करजे हय ताकी हम उन्ख मसीह म एक
व्यक्तिगत परिपूर्ण व्यक्ति बनाय क परमेश्वर को सामने मौजूद कर सके। 29 अऊर पूरो करन लायी
मसीह की वा सामर्थ जो मोख मिलती रह्य हय अऊर जो मोरो म काम करय हय, ओको इस्तेमाल
करतो हुयो मय कठोर मेहनत अऊर संघर्ष करू हय।

2

1 मय चाहऊ हय कि तुम्ख या बात को पता चल जाये कि मय तुम्हरो लायी अऊर लौदीकिया
म रहन वालो लोगों को लायी अऊर उन सब लायी जो व्यक्तिगत तौर पर मोख कभी नहीं मिल्यो
मय कितनो कठोर मेहनत करू हय। 2 उन्को मनों म प्रोत्साहन मिले अऊर परस्पर प्रेम म एकजुट
होय जाये, तथा ऊ पूरो विश्वास को धन जो सच्चो समझ सी प्राप्त होवय हय उन्ख मिल जाये।
यो तरह उन्ख परमेश्वर को रहस्य पता चल जायेंन, जो मसीह खुद हय। 3 जेको म परमेश्वर की
बुद्धि को भण्डार अऊर ज्ञान लूक्यो हुयो हंय।
4 यो मय येकोलायी कहू हय कि कोयी आदमी तुम्ख झूठो तरीका सी धोका नहीं दे फिर चाहे हि
कितनो भी अच्छो कहाली नहीं लगय। 5 भलोच मय शरीर को भाव सी तुम सी दूर हय, तब भी
आत्मा भाव सी तुम्हरो जवर हय, अऊर तुम्हरो खुशी को जीवन ख अऊर तुम्हरो विश्वास की, जो
मसीह म हय, दृढ़ता देख क खुश होऊ हय।

[illegible]

6 येकोलायी जसो तुम न मसीह यीशु ख प्रभु कर क स्वीकार कर लियो हय, वसोच ओकोच म
एक बन्यो रहो। 7 अऊर ओकोच म जड़ी पकड़तो अऊर बढ़तो जावो; अऊर जसो तुम सिखायो
गयो वसोच विश्वास म मजबूत होतो जावो, अऊर जादा सी जादा धन्यवादी बन्यो रहो।
8 सावधान रहो कि कोयी तुम्ख ऊ आदमी की बुद्धी ख धोका सी तुम्ख गुलाम नहीं बनाय ले,
जो मानविय परम्परागत शिक्षा सी प्राप्त होत आयी हय अऊर ब्रम्हांड ख शासन करन वाली
आत्मावों कि देन आय नहीं की मसीह की। 9 कहालीकि ओको म दैविक स्वभाव की पूरी परिपूर्णता
हमेशा मसीह को शरीर म वाश करय हय, 10 अऊर तुम्ख ओकी एकता म पूरो जीवन दियो गयो
हय। ऊ हर आध्यात्मिक शासकों अऊर अधिकारियों को मुखिया आय।
11 मसीह कि एकता म तुम्हरो खतना करयो गयो होतो नहीं कि आदमियों को द्वारा करयो जान
वालो खतना को संग, पर मसीह द्वारा करयो गयो खतना को संग, जेको म तुम्हरो पापों को सामर्थ
सी मुक्त करयो जावय हय। 12 ✡जब तुम न बपतिस्मा लियो होतो त तुम्ख मसीह को संग दफनायो
गयो होतो, अऊर बपतिस्मा म तुम्हरो परमेश्वर की सक्रिय शक्ति म विश्वास को माध्यम सी
मसीह को संग भी उठायो गयो होतो, जेन ओख मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो। 13 ✡एक समय तुम
भी आत्मिकता म मरयो हुयो होतो कहालीकि तुम पापी अऊर गैरयहूदी अऊर बिना व्यवस्था को
होतो। पर अब परमेश्वर न तुम्ख मसीह को संग जीवन म लायो हय। परमेश्वर न हमरो पूरो पापों
ख माफ करयो हय; 14 ✡परमेश्वर न हमरो बुरो कामों को लेखा जोखा ख हमरो बीच म सी मिटाय
दियो, जेको म उन विधियों को उल्लेख करयो होतो जो हमरो प्रतिकुल अऊर हमरो विरोध होतो,
ओन ओख क्रूस पर खिल्ला सी ठोक क मिटाय दियो हय। 15 मसीह न क्रूस को द्वारा आध्यात्मिक
शासकों को सामर्थ ख अऊर अधिकारियों ख शासन विहिन कर दियो अऊर अपनो विजय अभियान
म बन्दियों को रूप म उन्ख लोगों को सामने खुलेआम तमाशा बनायो।
16 ✡येकोलायी कोयी भी व्यक्ति अपनो खानो पीनो यां पवित्र दिनो यां नयो चन्दा को त्यौहार,
यां आराम को दिन को बारे म तुम्हरो कोयी न्याय नहीं करेंन। 17 कहालीकि यो सब आवन वाली
बातों की छाव हंय, वास्तविकता मसीह हंय। 18 कोयी भी आदमी द्वारा अपनी निन्दा करी जान की

✡ **2:12** २:१२ रोमियों ६:४ ✡ **2:13** २:१३ इफिसियों २:१-५ ✡ **2:14** २:१४ इफिसियों २:१५ ✡ **2:16** २:१६ रोमियों १४:१-६

अनुमति नहीं दे जो विशेष दर्शन को वजह श्रेष्ठ होन को दावा करय हय अऊर जो झूठी विनम्रता
अऊर स्वर्गदूतों की पूजा पर जोर देवय हय। कोयी भी वजह सी, असो लोग अपनी मानविय सोच
सी सब ख प्रभावित करय हंय, 19 ✡अऊर मसीह ख पकड़यो रहनो छोड़ दियो हय, ऊ मसीह जो
शरीर को मुंड आय। मसीह को अधिनता म पूरो शरीर हय जो जोड़ो अऊर नशो सी एक संग जुड़यो
हुयो हय, अऊर परमेश्वर जसो बढ़ानो चाहवय हंय वसो बढ़तो जावय हय।

[illegible]

20 कहालीकि तुम मसीह को संग मर चुक्यो हय, अऊर ब्रम्हांड कि शासन करन वाली आत्मावों
सी मुक्त करयो गयो हय। त फिर कहाली उन्को जसो जो जगत को हंय जीवन बितावय हय? तुम
असी विधियों को वश म कहाली रह्य हय 21 कि "येख मत छूयजो," येको स्वाद मत ले, "अऊर
ओख हाथ मत लगायजो?" 22 या सब बाते इन सब चिजों ख सन्दर्भित करय हंय जो उपयोग
करयो जानो को बाद बेकार होय जावय हंय; कहालीकि यो आदमियों की नियम अऊर शिक्षावों
को अनुसार हंय। 23 निश्चितच यो तरह को पूरो नियम स्वर्गदूतों की मजबूती को संग आराधना
की बुद्धी अऊर झूठी विनम्रता, अऊर शरीर को गंभीर उपचारों पर आधारित हय, पर शारीरिक
लालसावों ख रोकन म येको सी कुछ भी फायदा नहीं होवय।

3

1 येकोलायी जब तुम मसीह को संग जीन्दो करयो गयो हंय, त येकोलायी अपनो दिल ख स्वर्ग
की बातों पर लगावो, जित मसीह परमेश्वर को दायो तरफ अपनो सिंहासन पर विराजमान हय।
2 धरती पर की नहीं, पर स्वर्गीय चिजों पर अपनो मन लगावो। 3 कहालीकि तुम त मर गयो अऊर
तुम्हरो जीवन मसीह को संग परमेश्वर म लूक्यो हुयो हय। 4 अपनो सच्चो जीवन मसीह हय, जब
मसीह प्रगट होयेंन, तब तुम भी ओकी महिमा को संग प्रगट करयो जावो।

[illegible]

5 येकोलायी अपनो सांसारिक इच्छावों ख मार डालो जो तुम म कार्य करय हंय, मतलब
व्यभिचार, अशुद्धता, दुष्कामना, लालसा अऊर लोभ ख जो मूर्तिपूजा को रूप हय। 6 कहालीकि
इन बातों को वजह जो ओकी आज्ञा नहीं मानय उन पर परमेश्वर को गुस्सा प्रगट होन जाय रह्यो
हय। 7 अऊर एक समय होतो जब तुम भी, असी इच्छावों म जीवन बितावत होतो, अऊर तुम्हरो
जीवन ओकोच प्रभुत्व म होतो।

8 पर अब तुम भी इन सब बातों ख, मतलब गुस्सा, उत्तेजना, बैरभाव, निन्दा अऊर मुंह सी
गालिया देनो यो सब बाते छोड़ देवो। 9 ✡कभी एक दूसरों सी झूठ मत बोलो, कहालीकि तुम लोगों
न अपनो पुरानो स्वभाव ख ओको आदतो सहित छोड़ दियो हय 10 ✡अऊर एक नयो व्यक्तित्व ख
धारन करयो हय। यो स्वभाव अपनो परमेश्वर सृजनहार को स्वरूप को अनुसार पूरो ज्ञान हासिल
करन लायी हमेशा नयो बनतो जावय हय। 11 अऊर येको परिनाम यो हय कि उत यहूदी अऊर
गैरयहूदी म कोयी अन्तर नहीं रह्य जावय हय, अऊर नहीं त कोयी खतना करयो हुयो अऊर
खतनारहित म, अऊर नहीं कोयी सभ्य, नहीं स्कूती म, नहीं सेवक अऊर नहीं स्वतंत्र व्यक्ति
म, पर मसीह सब कुछ अऊर सब विश्वासियों म ओको निवास हंय।

12 ✡तुम परमेश्वर को पवित्र लोग आय; ओन तुम सी प्रेम करयो अऊर तुम्ख अपनो होन
लायी तुम्ख चुन्यो गयो हय। त फिर सहानुभूति, दया, नम्रता, कोमलता अऊर धीरज धारन करो।
13 ✡तुम लोग एक दूसरों ख सहन करो अऊर यदि कोयी ख कोयी सी शिकायत हय, त एक दूसरों
को अपराध माफ करो। प्रभु न तुम लोगों को अपराध माफ करयो; वसोच तुम भी करो। 14 अऊर
इन सब को अलावा प्रेम ख धारन करो, प्रेमच एक दूसरों ख आपस म बान्धय अऊर परिपूर्ण करय
हय। 15 तुम्हरो लायी जान वालो निर्नयो पर मसीह सी हासिल होन वाली शान्ति को मार्गदर्शन रहे,

---

✡ **2:19** २:१९ इफिसियों ४:१६ ✡ **3:9** ३:९ इफिसियों ४:२२ ✡ **3:10** ३:१० इफिसियों ४:२४ ✡ **3:12** ३:१२ इफिसियों ४:२ ✡ **3:13** ३:१३ इफिसियों ४:३२

येकोलायी परमेश्वर न तुम्ख एक संग शान्ति म एक शरीर होन लायी बुलायो हय, अऊर हमेशा
धन्यवाद करतो रहो। 16 ✡अपनी पूरी सम्पनता को संग मसीह को सन्देश तुम्हरो दिल म वाश
करे। अऊर अपनी पूरी बुद्धी सी एक दूसरों ख शिक्षा अऊर निर्देश देतो रहो। भजनों, स्तुति अऊर
आत्मिक गीतो ख गातो हुयो अपनो आत्मा म परमेश्वर ख धन्यवाद देतो रहो। 17 जो कुछ तुम
करो यां कहो सब प्रभु यीशु को नाम होना चाहिये, अऊर ओको द्वारा परमेश्वर पिता को धन्यवाद
करो।

[illegible]

18 ✡हे पत्नियों, जसो प्रभु म उचित हय, वसोच अपनो अपनो पति को अधीन रहो।
19 ✡हे पतियों, अपनी अपनी पत्नी सी प्रेम रखो, अऊर उन्को सी कठोर व्यवहार मत करो।
20 ✡हे बच्चां, सब बातों म अपनो अपनो माय–बाप की आज्ञा को हमेशा पालन करो, कहालीकि
मसीहच अनुयायी को यो व्यवहार सी परमेश्वर खुश होवय हय।
21 ✡हे माय बाप, अपनो बच्चावो ख तंग मत करो, कहीं असो नहीं होय कि उन्को साहस टूट
जाये।
22 ✡सेवकों सी मोरो अनुरोध यो हय कि जो शरीर को अनुसार तुम्हरो स्वामी हंय, सब बातों म
उनकी आज्ञा को पालन करो, केवल आदमियों ख खुश करन लायी उच समय नहीं जब ऊ देख रह्यो
होना, बल्की सच्चो मन सी उन्की मानो कहालीकि तुम प्रभु को आदर करय हय। 23 तुम लोग जो
कुछ करय हय, अपनो पूरो दिल को संग करो, यो समझ क कि आदमियों लायी नहीं पर प्रभु लायी
करय हय। 24 याद रखो कि तुम्ख प्रभु येको प्रतिफल देयेंन जो ओन अपनो लोगों लायी रख्यो
हय। कहालीकि मसीह सच्चो स्वामी हय जेकी तुम सेवा करय हय। 25 ✡कहालीकि जो बुरो करय
हय ऊ अपनी बुरायी को फर पायेंन, अऊर कहालीकि परमेश्वर कोयी को संग पक्षपात नहीं करय।

4

1 ✡हे मालिकों, तुम अपनो सेवकों ख उन्को कामों को अनुसार उचित मोबदला उन्ख देवो। याद
रखो कि स्वर्ग म तुम्हरो भी कोयी एक मालिक हय।

[illegible]

2 प्रार्थना म लग्यो रहो, अऊर परमेश्वर ख धन्यवाद देतो हुयो ओको म जागृत रहो। 3 अऊर
येको संगच संग हमरो लायी भी प्रार्थना करतो रहो, परमेश्वर हमरो लायी मसीह को ऊ भेदो को
सुसमाचार सुनावन लायी अच्छो मौका प्रदान करे जेको वजह मय कैद म हय। 4 प्रार्थना करो कि
मय येख स्पष्टता को संग बताय सकू जसो मोख बतानो चाहिये।
5 ✡अवसर ख पूरो-पूरो उपयोग करो अऊर अविश्वासियों को संग बुद्धिमानी सी व्यवहार करो।
6 तुम्हरी बोली हमेशा पूरो अनुग्रह सी भरी अऊर लोगों ख पसंद आवन वाली हो ताकी तुम जान
लेवो कि हर आदमी ख कसो उत्तर दे सकू।

[illegible]

7 ✡✡हमरो प्रिय भाऊ बहिन अऊर विश्वास लायक सेवक, तुखिकुस, जो प्रभु म मोरो सहकर्मी
हय, मोरो पूरो समाचार तुम्ख बताय देयेंन। 8 ओख मय न येकोलायी तुम्हरो जवर भेज्यो हय कि
तुम्ख हमरी दशा मालूम होय जाये अऊर ऊ तुम्हरो दिलो ख प्रोत्साहन दे। 9 ✡ओको संग मय न
उनेसिमुस ख भी भेज्यो हय जो विश्वास लायक अऊर प्रिय भाऊ अऊर तुम म सी एक हय। यो
तुम्ख यहां की पूरी बाते बताय देयेंन।

✡ **3:16** ३:१६ इफिसियों ५:१९,२० ✡ **3:18** ३:१८ इफिसियों ५:२२; १ पतरस ३:१ ✡ **3:19** ३:१९ इफिसियों ५:२५; १ पतरस ३:७ ✡ **3:20** ३:२० इफिसियों ६:१ ✡ **3:21** ३:२१ इफिसियों ६:४ ✡ **3:22** ३:२२ इफिसियों ६:५-८ ✡ **3:25** ३:२५ इफिसियों ६:९ ✡ **4:1** ४:१ इफिसियों ६:९ ✡ **4:5** ४:५ इफिसियों ५:१६ ✡ **4:7** ४:७ प्रेरितों २०:४; २ तीमुथियुस ४:१२ ✡ **4:7** ४:७ इफिसियों ६:२१,२२ ✡ **4:9** ४:९ फिलेमोन १:१०-१२

10 ✡अरिस्तर्खुस, जो जेलखाना म मोरो संग कैदी हय, तथा बरनबास को भाऊ मरकुस को तुम्ख
नमस्कार, मरकुस को बारे म तुम आज्ञा पा चुक्यो हय कि यदि ऊ तुम्हरो जवर आये त ओको
स्वागत करजो। 11 यूस्तुस कहलावन वालो यीशु को भी तुम्ख नमस्कार पहुंचे। केवल तीनयी यहूदी
विश्वासियों म परमेश्वर को राज्य लायी मोरो संग काम कर रह्यो हय। अऊर इन्की मोख बहुत
मदत मिली हय।

12 ✡इपफ्रास, जो तुम म सी एक हय अऊर मसीह यीशु को सेवक हय, तुम्ख नमस्कार कह्य
हय। अऊर हमेशा तुम्हरो लायी प्रार्थनावों म कोशिश करय हय, ताकि तुम सिद्ध होय क पूरो
विश्वास को संग परमेश्वर की इच्छा पर स्थिर रहो। 13 मय व्यक्तिगत रूप सी ओको गवाह आय
कि ऊ तुम्हरो लायी अऊर लौदीकिया अऊर हियरापुलिस वालो लायी कठिन मेहनत करतो रह्य
हय। 14 ✡हमरो प्रिय डाक्टर लूका अऊर देमास तुम्ख नमस्कार भेजय हय।

15 लौदीकिया को विश्वासियों ख, अऊर नुमफास अऊर उन्को घर की मण्डली ख नमस्कार
कहजो। 16 जब या चिट्ठी तुम्हरो इत पढ़ लियो जायेंन त असो करजो कि लौदीकिया की मण्डली
म भी पढ़यो जाये। अऊर उच समय वा चिट्ठी जो लौदीकिया को विश्वासियों तुम्ख भेजेंन ओख
तुम भी पढ़ो। 17 ✡अऊर अर्खिप्पुस सी कहो कि "जो सेवा प्रभु म तोख सौंपी गयी हय, ऊ ओख
निश्चय को संग पूरो करे।"

18 मय पौलुस खुद अपनो हाथ सी तुम्ख प्रनाम लिख रह्यो हय। याद रहे कि मय जेलखाना म
हय।

तुम पर परमेश्वर को अनुग्रह बन्यो रहे।

✡ **4:10** ४:१० प्रेरितों १९:२९; २७:२; फिलेमोन १:२४; प्रेरितों १२:१२,२५; १३:१३; १५:३७-३९ ✡ **4:12** ४:१२ कुलुस्सियों १:७; फिलेमोन १:२३ ✡ **4:14** ४:१४ २ तीमुथियुस ४:११; फिलेमोन १:२४; २ तीमुथियुस ४:१०; फिलेमोन १:२४ ✡ **4:17** ४:१७ फिलेमोन १:२

थिस्सलुनीकियों के नाम पौलुस प्रेरित की पहली पत्री
थिस्सलुनीकियों को नाम पौलुस प्रेरित की पहिली चिट्ठी
परिचय

थिस्सलुनीकियों की पहिली चिट्ठी प्रेरित पौलुस न १:१ लिख्यो होतो। पहिले पवित्र शास्त्र को हिस्सा बन्यो अऊर मसीह को जनम को ५१ साल बाद लिख्यो गयो, जब पौलुस न चिट्ठी लिखी तब ऊ कुरिन्थियों शहर म होतो थिस्सलुनीकियों कि मण्डली जेक ओन चिट्ठी लिखी दूसरों मिशनरी यात्रा को दरम्यान स्थापित करी गयी होती, प्रेरितों १७:१-१०। प्रेरितों को कामों की किताबों म असो बतायो हय कि या मण्डली यहूदियों अऊर गैरयहूदियों की बनी होती।

या मण्डली की स्थापना करन को बाद पौलुस थिस्सलुनीकियों म जादा दिन तक रुक नहीं सक्यो। येकोलायी ओन या चिट्ठी ख उत्साह देन को लायी लिख्यो, या चिट्ठी म बहुत विषयो की चर्चा करी गयी हय, जसो कि मसीहियों न कसो रहनो चाहिये। पौलुस मसीह को दूसरों आगमन तक को बारे म लिखय हय शायद येकोलायी कि थिस्सलुनीकियों को मण्डलियों म रहन वालो विश्वासियों ख सुनावन म बड़ो उत्साह होतो, पौलुस यो विषय को द्वारा यीशु को दूसरों आगमन ख लिख क उन्ख असो जीवन जीन लायी प्रोत्साहित करय हय जेकोसी परमेश्वर सन्तुष्ट हय। ५:६-८

रूप-रेखा

१. मण्डली ख नमस्कार अऊर परमेश्वर को धन्यवाद। ?
२. पौलुस अपनो काम को बारे म अऊर तीमुथियुस न जो खबर लायी होतो ओको बारे म चर्चा करयो। ?–?
३. यीशु को दूसरों आगमन की तैयारी करन को लायी मसीही म कसो जीवन जीनो चाहिये। ?:?–?:??
४. पौलुस को मण्डली ख नमस्कार हर एक न ओको चिट्ठी पढ़नो चाहिये, येको बारे म सुचना। ?:??-??

1 ✡पौलुस अऊर सिलवानुस अऊर तीमुथियुस को तरफ सी, थिस्सलुनीकियों की मण्डली को
नाम, जो परमेश्वर बाप अऊर प्रभु यीशु मसीह म हय।
अनुग्रह अऊर शान्ति तुम्ख मिलतो रहे। 2 हम तुम्ख प्रार्थनावों म तुम्ख हमेशा याद करजे
अऊर हमेशा तुम सब को बारे म परमेश्वर को धन्यवाद करजे हंय, 3 अऊर अपनो परमेश्वर अऊर
बाप को सामने तुम्हरो विश्वास को काम, अऊर प्रेम को मेहनत, अऊर हमरो प्रभु यीशु मसीह म
धीरज सी धरयो हुयो आशा ख लगातार याद करजे हंय। 4 हमरो भाऊवों अऊर बहिनों, हम जानजे
हय कि परमेश्वर तुम सी प्रेम करय हय अऊर तुम्ख चुन्यो हय। 5 कहालीकि हम्न तुम्हरो जवर
सुसमाचार लायो यो केवल शब्दों सी नहीं पर सामर्थ, पवित्र आत्मा सी, अऊर पूरी सच्चायी
की निश्चयता को संग; तुम जानय हय जब हम तुम्हरो संग होतो तुम कसो रह्यो या तुम्हरी
भलायी को लायी होतो। 6 ✡तुम बड़ो कठिनायी म भी, पवित्र आत्मा को खुशी को संग, सन्देश ख
स्वीकार करयो। हमरी अऊर प्रभु को अनुकरन करन लग्यो। 7 असो करनो सी मकिदुनिया अऊर
अखया प्रदेश को सब विश्वासियों को लायी तुम अच्छो बन्यो। 8 कहालीकि तुम्हरो वचन केवल
मकिदुनिया अऊर अखया म सुनायो गयो, असोच नहीं पर तुम्हरो विश्वास को जो परमेश्वर पर हय,
हर जागा असी चर्चा फैल गयी। कि हम्ख यो बारे म कुछ कहन की जरूरत नहाय। 9 कहालीकि हि
लोग हमरो बारे म बतावय हंय कि तुम्हरो जवर आयो त हमरो कसो स्वागत भयो; अऊर तुम कसो
मूर्ति सी परमेश्वर को तरफ फिरयो ताकि जीवतो अऊर सच्चो परमेश्वर की सेवा करो, 10 अऊर

✡ **1:1** १:१ प्रेरितों १७:१ ✡ **1:6** १:६ प्रेरितों १७:५-९

ओको बेटा ख स्वर्ग पर सी आवन की रस्ता देखतो रहो जेक ओन मरयो हुयो म सी जीन्दो, मतलब यीशु की, जो हम्ख परमेश्वर सी आवन वालो प्रकोप सी छुड़ावय हय।

2

[illegible]

1 हे भाऊवों-बहिनों, तुम खुदच जानय हय कि हमरो तुम्हरो जवर आनो बेकार नहीं भयो, 2 ✡बल्की
तुम खुदच जानय हय कि फिलिप्पी म आवन को पहिले कसो दु:ख अऊर अपमान सह्यो? पर भी
हमरो परमेश्वर न हम्ख असो हिम्मत दियो, कि हम परमेश्वर को सुसमाचार बहुत विरोध होतो हुयो
भी तुम्ख सुनायो। 3 कहालीकि हमरो उपदेश नहीं भ्रम सी हय अऊर नहीं गलत उद्देश सी, अऊर
नहीं चालाकी को संग हय; 4 पर जसो परमेश्वर न हम्ख लायक ठहराय क सुसमाचार सौंप्यो, हम
वसोच बतायजे हंय, अऊर येको म आदमियों ख नहीं, पर परमेश्वर ख, जो हमरो मनों ख परखय
हय, खुश करय हंय। 5 कहालीकि तुम जानय हय कि हम नहीं त कभी चापलूसी की बाते करत होतो,
अऊर नहीं लोभ लायी बहाना करत होतो, परमेश्वर गवाह हय; 6 तब भी हम आदमियों सी आदर
नहीं चाहत होतो, अऊर नहीं तुम सी, नहीं अऊर कोयी सी। 7 मसीह को प्रेरित होन को वजह अऊर
फिर भी हम मसीह को प्रेरित होन को वजह तुम पर बोझ डाल सकत होतो, जो तरह माय अपनो
बच्चां को पालन पोषन करय हय, वसोच हम न भी तुम्हरो बीच म रह्य क नरमता दिखायी हय;
8 अऊर वसोच हम तुम्ख प्रेम करतो हुयो, नहीं केवल परमेश्वर को सुसमाचार पर अपनो अपनो
जीव भी तुम्ख देन ख तैयार होतो, येकोलायी कि तुम हमरो प्रिय भय गयो होतो। 9 कहालीकि, हे
भाऊवों-बहिनों, तुम हमरो मेहनत ख निश्चितच तुम्ख याद होना; हम न येकोलायी रात दिन काम
धन्दा करतो हुयो तुम म परमेश्वर को सुसमाचार प्रचार करयो कि तुम म सी कोयी पर बोझ नहीं
होय।

10 तुम खुदच गवाह हय, अऊर परमेश्वर भी हय कि तुम विश्वासियों को बीच म हमरो व्यवहार
कसो पवित्र, उचित अऊर निर्दोष रह्यो। 11 तुम जानय हय कि हम तुम्हरो संग असो व्यवहार करजे
हय, जसो बाप अपनो बच्चा को संग करय हय। 12 वसोच हम भी तुम म सी हर एक ख बिनती
करत, अऊर शान्ति देतो, अऊर समझावत होतो कि तुम्हरो चाल-चलन परमेश्वर को लायक हो,
जो तुम्ख अपनो राज्य अऊर महिमा म भागीदार होन लायी बुलायो।

13 येकोलायी हम भी परमेश्वर को धन्यवाद लगातार करजे हंय कि जब हमरो सी परमेश्वर को
सुसमाचार को वचन तुम्हरो जवर पहुंच्यो, त तुम न ओख आदमियों को नहीं पर परमेश्वर को वचन
समझ क स्वीकार करयो; अऊर वास्तव म यो असोच हय। अऊर परमेश्वर तुम जो विश्वासियों
म काम करय हय, प्रभावशाली हय। 14 ✡येकोलायी तुम, हे भाऊवों-बहिनों, परमेश्वर की उन
मण्डलियों म जो बाते भयी जो यहूदिया म मसीह यीशु म हंय, कहालीकि तुम न भी अपनो लोगों सी
वसोच छल पायो जसो उन्न यहूदियों सी पायो होतो, 15 ✡जिन्न प्रभु यीशु ख अऊर भविष्यवक्ता
ख भी मार डाल्यो अऊर हम ख सतायो। ऊ परमेश्वर ख अप्रसन्न करजे हय, अऊर आदमियों को
विरोध करजे हंय, 16 अऊर हि गैरयहूदियों सी उन्को उद्धार लायी परमेश्वर को सुसमाचार करन सी
हम्ख रोकय हय कि सदा अपनो पापों को घड़ा भरतो रहे; पर उन पर परमेश्वर को भयानक प्रकोप
आय पहुंच्यो हय।

[illegible]

17 हे भाऊवों-बहिनों, जब हम थोड़ो समय लायी, मन म नहीं बल्की प्रगट म, तुम सी अलग भय
गयो होतो, त हम न तुम ख याद करयो अऊर दुबारा मिलन की बहुत कोशिश करयो। 18 येकोलायी
हम मय पौलुस न एक सी जादा गन तुम्हरो जवर आवनो चाहयो, पर शैतान हम्ख रोक्यो रह्यो।

✡ **2:2** २:२ प्रेरितों १६:१९-२४; प्रेरितों १७:१-९ ✡ **2:14** २:१४ प्रेरितों १७:५ ✡ **2:15** २:१५ प्रेरितों ९:२३,२९; १३:४५,५०; १४:२,५,१९; १७:५,१३; १८:१२

19 भलो हमरी आशा यां खुशी यां बड़ायी को मुकुट का हय? का हमरो प्रभु यीशु को आगु ओको
आवन को समय तुम भी नहीं रहो? 20 हमरी बड़ायी अऊर खुशी तुमच आय।

3

[illegible]

1 ✡येकोलायी जब हम सी अऊर रह्यो नहीं गयो, त हम न यो ठहरायो कि एथेंस शहर म अकेलो
रह्य जाये; 2 अऊर हम न तीमुथियुस ख, जो मसीह को सुसमाचार म हमरो भाऊ अऊर परमेश्वर
को सहकर्मी हय, येकोलायी भेज्यो कि ऊ तुम्ख स्थिर करे अऊर तुम्हरो विश्वास को बारे म तुम्ख
समझायेंन, 3 कि कोयी या कठिनायियों को वजह डगमगाय नहीं जाये। तुम खुद जानय हय कि
हमरो लायी यो सताव परमेश्वर की इच्छा को भाग आय। 4 कहालीकि पहिलेच, जब हम तुम्हरो
संग रहत होतो त तुम सी कहत होतो कि हम्ख कठिनायी उठानो पड़ेंन, अऊर असोच भयो हय,
जसो कि तुम जानय भी हय। 5 यो वजह जब मोरो सी अऊर भी रह्यो नहीं गयो, त तुम्हरो विश्वास
को हाल जानन लायी तीमुथियुस ख भेज्यो, कि कहीं असो नहीं होय कि परीक्षा करन वालो शैतान
न तुम्हरी परीक्षा करी होना, अऊर हमरी मेहनत बेकार भय गयी हय।
6 ✡पर अभी तीमुथियुस न, तुम्हरो जवर सी हमरो इत आयो हय, तुम्हरो विश्वास अऊर प्रेम
को सुसमाचार सुनायो अऊर या बात ख भी सुनायो कि तुम हमेशा प्रेम को संग हम्ख याद करय
हय, अऊर हमरो देखन की लालसा रखय हय, जसो हम भी तुम्ख देखन की। 7 येकोलायी हे भाऊवों
बहिनों, हम न अपनो पूरो दु:ख अऊर कठिनायी म तुम्हरो विश्वास सी तुम्हरो बारे म प्रोत्साहन
मिल्यो, 8 कहालीकि अब यदि तुम प्रभु म स्थिर रहो त हम जीन्दो हंय। 9 अब हम तुम्हरो लायी
परमेश्वर ख धन्यवाद कर सकजे हय। जो खुशी तुम्हरो वजह सी ओकी उपस्थिति म हम्ख मिलय
हय। येकोलायी परमेश्वर ख धन्यवाद करे? 10 हम रात दिन बहुतच प्रार्थना करतो रहजे हंय कि
तुम्ख सामने देखे अऊर तुम्हरो विश्वास की कमी पूरी करे।
11 अब हमरो परमेश्वर अऊर पिता खुदच अऊर हमरो प्रभु यीशु, तुम्हरो यहां आनो म हमरो
रस्ता खोले; 12 अऊर प्रभु असो करे कि जसो हम तुम सी प्रेम रखजे हंय, वसोच तुम्हरो प्रेम भी
आपस म अऊर सब आदमियों को संग बढ़े, अऊर उन्नति करतो जाये, 13 ताकि ऊ तुम्हरो मनों
ख असो स्थिर करेंन कि जब हमरो प्रभु यीशु अपनो सब पवित्र लोगों को संग आये, त हि हमरो
परमेश्वर अऊर पिता को सामने पवित्रता म निर्दोष ठहरेंन।

4

[illegible]

1 येकोलायी हे भाऊवों बहिनों, हम तुम सी बिनती करजे हंय अऊर तुम्ख प्रभु यीशु म समझाजे
हंय कि जसो तुम न हम सी लायक चाल चलनो अऊर परमेश्वर ख खुश करनो सिख्यो हय, अऊर
जसो तुम चलय भी हय, वसोच अऊर भी बढ़तो जावो। 2 कहालीकि तुम जानय हय कि हम न प्रभु
यीशु को अधिकार को तरफ सी तुम्ख कौन-कौन सी शिक्षाये पहुंचायी। 3 परमेश्वर की इच्छा या
हय कि तुम पवित्र बनो: अऊर अनैतिकता सी बच्यो रहो, 4 हे आदमियों अपनी पत्नी को संग
कसो पवित्र अऊर आदरनिय व्यवहार करनो चाहिये। 5 अऊर यो काम अभिलाषा सी नहीं, अऊर
नहीं उन गैरविश्वासियों को जसो जो परमेश्वर ख नहीं जानय, 6 कि या बात म कोयी अपनो मसीह
म भाऊवों ख नहीं ठगाये, अऊर नहीं ओख कोयी फसावय नहीं, कहालीकि प्रभु इन सब बातों को
बदला लेनवालो हय; जसो कि हम न पहिलेच तुम सी कह्यो अऊर चितायो भी होतो। 7 कहालीकि
परमेश्वर न हम्ख अपवित्रता म रहन लायी नहीं, पर पवित्र होन लायी बुलायो हय। 8 यो वजह
जो यो शिक्षा ख नकारय हय, ऊ आदमी ख नहीं पर परमेश्वर ख नकारय हय, जो अपनी पवित्र
आत्मा तुम्ख देवय हय।

✡ **3:1** ३:१ प्रेरितों १७:१५ ✡ **3:6** ३:६ प्रेरितों १८:५

9 पर भाईचारा कि प्रीति को बारे म यो जरूरी नहाय कि मय तुम्हरो जवर कुछ लिखूं, कहालीकि
आपस म प्रेम रखनो तुम न खुदच परमेश्वर सी सिख्यो हय; 10 अऊर पूरो मकिदुनिया को सब
भाऊवों को संग प्रेम करय भी हय। पर हे भाऊवों, हम तुम सी बिनती करजे हंय कि अऊर भी
बढ़तो जावो, 11 अऊर हम न तुम्ख आज्ञा दी हय, वसोच शान्ति को संग जीवन जीनो अऊर अपनो
काम काज करनो अऊर अपनो हाथों सी कमावन की कोशिश करो; 12 यो तरह तुम जो गैरविश्वासी
हय उन्को सम्मान प्राप्त करो, अऊर तुम्ख कोयी जरूरतों पर दूसरों पर निर्भर रहन की जरूरत
नहीं पड़ेंन।

[illegible]

13 हे भाऊवों बहिनों, हम नहीं चाहाजे कि तुम उन्को बारे म जो मरयो हंय, अज्ञानी रहो; असो
नहीं होय कि तुम दूसरों को जसो शोक करो जिन्ख आशा नहाय। 14 कहालीकि यदि हम विश्वास
करजे हंय कि यीशु मरयो अऊर जीन्दो भी भयो, त वसोच परमेश्वर उन्ख भी जो यीशु म विश्वास
करतो मर गयो हंय, ओकोच संग वापस लायेंन।
15 ✡कहालीकि जो हम्ख प्रभु न सिखायो ऊ हम तुम्ख सिखायजे हय तुम सी यो कहजे हंय कि
हम जो जीन्दो हंय अऊर प्रभु को आनो तक बच्यो रहबोंन, मरयो हुयो सी कभी आगु नहीं जाबो।
16 कहालीकि प्रभु खुदच स्वर्ग सी उतरेंन; ऊ समय ललकार, अऊर मुख्य दूत को आवाज सुनायी
देयेंन, अऊर परमेश्वर को तुरही फूकी जायेंन; अऊर जो मसीह म मरयो हंय, हि पहिले जीन्दो
होयेंन। 17 तब हम जो जीन्दो अऊर बच्यो रहबोंन उन्को संग बादर पर उठाय लियो जाबोंन कि
हवा म प्रभु सी मिले; अऊर यो रीति सी हम हमेशा प्रभु को संग रहबोंन। 18 यो तरह इन बातों
सी एक दूसरों ख उत्साहित करतो रहो।

5

[illegible]

1 पर हे भाऊवों अऊर बहिनों, येकी जरूरत नहाय कि समयो अऊर कालो को बारे म तुम्हरो
जवर कुछ लिख्यो जाये। 2 ✡कहालीकि तुम खुद ठीक जानय हय कि जसो रात ख चोर आवय हय,
वसोच प्रभु को दिन आवन वालो हय। 3 जब लोग कहत होना, "शान्त अऊर सुरक्षित हय, अऊर
कुछ डर नहाय," त उन पर अचानक नाश आय पड़ेंन, जो तरह गर्भवती पर दु:ख तकलीफ; अऊर
हि कोयी रीति सी नहीं बचेंन। 4 पर हे भाऊवों अऊर बहिनों, तुम त अन्धारो म नहाय कि ऊ दिन
तुम पर चोर जसो आवय हय वसो अचानक आयेंन। 5 कहालीकि तुम सब प्रकाश को लोग अऊर
दिन को लोग आय; हम नहीं रात को आय, नहीं अन्धारो को आय। 6 येकोलायी हम दूसरों को जसो
सोतो नहीं रहे, पर जागतो अऊर सावधान रहे। 7 कहालीकि जो सोवय हंय हि रातच ख सोवय
हंय, कहालीकि जो सोवय हंय नशा म चुर होवय हंय। 8 ✡पर हम जो दिन को आय, विश्वास अऊर
प्रेम को झिलम पहिन क अऊर उद्धार को आशा को टोपी पहिन क सावधान रहो। 9 कहालीकि
परमेश्वर न हम्ख गुस्सा को लायी नहीं, पर येकोलायी चुन्यो हय कि हम अपनो प्रभु यीशु मसीह
को द्वारा उद्धार प्राप्त करे। 10 यीशु हमरो लायी यो वजह मरयो कि हम चाहे जागतो हो चाहे मरयो
हो, सब मिल क ओकोच संग जीये। 11 यो वजह एक दूसरों ख प्रोत्साहन देवो अऊर एक दूसरों की
मदत को कारण बनो, जसो कि तुम करय भी हय।

[illegible]

12 हे भाऊवों अऊर बहिनों, हम तुम सी बिनती करजे हंय कि जो तुम म मेहनत करय हंय, अऊर
प्रभु म तुम्हरो अगुवा हंय, अऊर तुम्ख शिक्षा देवय हंय, उन्को सम्मान करो। 13 अऊर उन्को काम
को वजह प्रेम को संग उन्ख बहुतच आदर को लायक समझो। आपस म मेल मिलाप सी रहो।
14 हे भाऊवों अऊर बहिनों, हम तुम्ख इशारा देजे हंय कि जो आलसी हय उन्ख बिनती करजे हय,
कायरो ख हिम्मत देवो, कमजोरों ख सम्भालो, सब को तरफ सहनशीलता दिखावो। 15 सावधान!

✡ **4:15** ४:१५ १ कुरिन्थियों १५:५१,५२ ✡ **5:2** ५:२ मत्ती २४:४३; लूका १२:३९; २ पतरस ३:१० ✡ **5:8** ५:८ इफिसियों ६:१३-१७

कोयी दूसरों सी बुरायी को बदला बुरायी मत करो; पर हमेशा भलायी करन पर तैयार रहो, आपस
म अऊर सब सी भी भलायीच की बाते करो।
16 हमेशा खुश रहो। 17 लगातार प्रार्थना म लग्यो रहो। 18 हर परिस्थिति म परमेश्वर को
धन्यवाद करो।
19 पवित्र आत्मा की आगी ख मत बुझावो। 20 परमेश्वर को तरफ सी आवन वालो सन्देश ख
मत धिक्कारो। 21 सब बातों ख परखो; जो अच्छी हय ओख पकड़यो रहो। 22 सब तरह की बुरायी
सी बच्यो रहो।

[illegible]

23 शान्ति को परमेश्वर खुदच तुम्ख पूरो रीति सी पवित्र करे; अऊर तुम्हरी आत्मा अऊर जीव
अऊर शरीर हमरो प्रभु यीशु मसीह को आवन तक पूरो निर्दोष अऊर सुरक्षित रहे। 24 तुम्हरो
बुलावन वालो विश्वास लायक हय, अऊर ऊ असोच करेंन।
25 हे भाऊवों अऊर बहिनों, हमरो लायी प्रार्थना करो।
26 सब भाऊवों अऊर बहिनों ख परमेश्वर को पवित्र प्रेम सी नमस्कार करो।
27 मय तुम्ख प्रभु को अधिकार सी तुम्ख बिनती करू हय कि या चिट्ठी सब विश्वासियों ख पढ़
क सुनायो जाये।
28 हमरो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम पर होतो रहे।

थिस्सलुनीकियों के नाम पौलुस प्रेरित की दूसरी पत्री
थिस्सलुनीकियों को नाम पौलुस प्रेरित की दूसरी चिट्ठी

परिचय

यो थिस्सलुनीकियों ख लिखी गयी पौलुस कि दूसरी चिट्ठी १:१ पहिली चिट्ठी लिखन को बाद या चिट्ठी लगभग मसीह को जनम सी ५१ साल बाद लिखी। जब ओन या चिट्ठी लिखी तब ऊ कुरिन्थियों को शहर म होतो या चिट्ठी जो थिस्सलुनीकियों मण्डली ख लिखी गयी होती, यो पौलुस न अपनी दूसरी मिशनरी यात्रा को दौरान स्थापित करयो प्रेरितों १७:१-१० या मण्डली यहूदी अऊर गैरयहूदी की बनी हुयी होती।

या मण्डली को लोग आखरी समय को बारे म अऊर प्रभु को दूसरों आगमन को बारे म जानन को लायी बहुत उत्सुक होतो, येकोलायी पौलुस अपनी दोयी चिट्ठी म यो बातों को जिक्र करत होतो। या दूसरी थिस्सलुनीकियों की चिट्ठी आय अरधो सी जादा हिस्सा आखरी समय को बारे म हय जो आलसी हय उन्को बारे म भी जिक्र करय हय। अऊर यो कह्य हय कि हर एक आदमी अपनो जीवन निर्वाह करन को लायी काम करे ३:६-१०।

रूप-रेखा

१. पौलुस खुद को अऊर अपनो संगियों को परिचय देवय हय। [illegible]
२. पौलुस परमेश्वर को थिस्सलुनीकियों की मण्डली ख धन्यवाद करय हय, अऊर उन्को लायी प्रार्थना करय हय। [illegible]
३. आखरी समय को बारे म चर्चा। [illegible]
४. आलस को विरोध म अऊर मेहनत की जरूरत को बारे म पौलुस की शिक्षा। [illegible]
५. पौलुस को मण्डली ख फिर सी नमस्कार। [illegible]

1 ✡मय पौलुस अऊर सिलवानुस अऊर तीमुथियुस को संग या चिट्ठी लिखू हय, हमरो बाप
परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को उन लोगों ख जो थिस्सलुनीकियों की मण्डली म हय।
2 हमरो बाप परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को तरफ सी तुम्ख अनुग्रह अऊर शान्ति मिलती
रहे।

[illegible]

3 हे भाऊवों अऊर बहिनों, तुम्हरो बारे म हम्ख हर समय परमेश्वर को धन्यवाद करनो चाहिये,
अऊर यो ठीक भी हय, येकोलायी कि तुम्हरो विश्वास बहुत बढ़तो जावय हय, अऊर तुम सब को
प्रेम आपस म बहुतच बढ़य हय। 4 यहां तक कि हम खुद परमेश्वर की मण्डली म तुम्हरो बारे म
घमण्ड करजे हंय, कि जितनो उपद्रव अऊर कठिनायी तुम सहय हय, उन सब म तुम्हरो धीरज
अऊर विश्वास प्रगट होवय हय।
5 यो परमेश्वर को सच्चो न्याय को स्पष्ट प्रमान हय कि तुम परमेश्वर को राज्य को लायक ठहरो,
जेको लायी तुम दु:ख भी उठावय हय। 6 परमेश्वर को जवर यो न्याय हय कि जो तुम्ख कठिनायी
देवय हंय, उन्ख बदला म कठिनायी दे। 7 अऊर तुम्ख, जो कठिनायी पावय हय, हमरो संग चैन
देयेंन: ऊ समय जब कि प्रभु यीशु अपनो सामर्थी दूतों को संग, धधकती हुयी आगी म स्वर्ग सी
प्रगट होयेंन, 8 अऊर जो परमेश्वर ख नहीं पहिचानय अऊर हमरो प्रभु यीशु को सुसमाचार ख
नहीं मानय उन सी बदला लेयेंन। 9 हि प्रभु को सामने सी अऊर ओकी शक्ति को तेज सी दूर होय
क अनन्त विनाश को सजा पायेंन। 10 यो ऊ दिन होयेंन, जब ऊ अपनो पवित्र लोगों म महिमा
पानो अऊर सब विश्वास करन वालो म अचम्भा को वजह होन ख आयेंन; तुम भी सहभागी रहो
कहालीकि तुम न हमरी गवाही पर विश्वास करयो।

✡ **1:1** १:१ प्रेरितों १७:१

11 येकोलायी हम हमेशा तुम्हरो लायी प्रार्थना भी करजे हंय कि हमरो परमेश्वर तुम्ख यो
बुलाहट को लायक समझे, अऊर भलायी को हर एक इच्छा अऊर विश्वास को हर एक काम ख
सामर्थ को संग पूरो करे, 12 ताकि हमरो परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह को अनुसार
प्रभु यीशु को नाम तुम म महिमा पाये, अऊर तुम म दिखायी दे।

2

[illegible]

1 ✡हे भाऊवों अऊर बहिनों, अब हम अपनो प्रभु यीशु मसीह को आनो, अऊर ओको जवर
अपनो जमा होन को बारे म तुम सी बिनती करजे हंय 2 होय सकय कि परमेश्वर को तरफ सी आवन
वालो सन्देश, वचन अऊर चिट्ठी को द्वारा, जो कि मानो हमरो तरफ सी हय, यो समझ क कि प्रभु
को दिन आय गयो हय, तुम्हरो मन अचानक अस्थिर नहीं होय जाय अऊर नहीं तुम दु:खी हो।
3 कोयी रीति सी कोयी को धोका म नहीं आवनो, कहालीकि तब तक परमेश्वर को दिन नहीं आयेंन
जब तक परमेश्वर को खिलाफ आखरी विद्रोह नहीं होयेंन, अऊर ऊ पाप को आदमी मतलब दुष्ट
आदमी प्रगट नहीं होयेंन ओख नरक म डाल दियो जायेंन। 4 ऊ विरोध करय हय, अऊर हर एक
सी जो हर एक ईश्वर यां पूजा की चिज को विरोध करय हय, अपनो आप ख ओको सी बड़ो ठहरावय
हय, यहां तक कि ऊ परमेश्वर को मन्दिर म बैठ क अपनो आप ख ईश्वर ठहरावय हय।
5 का तुम्ख याद नहाय कि जब मय तुम्हरो संग होतो, त तुम सी या बाते कह्यो करत होतो? 6 तुम
वा बातों ख जानय हय, जो ओख आनो सी रोक रह्यो हय कि ऊ दुष्ट आदमी ठीक समय आयेंन।
7 कहालीकि दुष्टता की लूकी हुयी शक्तियां अभी भी काम करय हय, पर अभी एक रोकन वालो
हय, अऊर जब तक ऊ दूर नहीं होय जाये ऊ रोक्यो रहेंन। 8 तब ऊ अधर्मी प्रगट होयेंन, जब
प्रभु यीशु मसीह आयेंन तब अपनो मुंह को फूक सी मार डालेंन, अऊर अपनो आगमन को तेज
सी भस्म करेंन। 9 ✡ऊ दुष्ट आदमी को आवनो शैतान की सामर्थ को अनुसार सब तरह को झूठो
चमत्कार, अऊर अद्भुत काम करेंन, 10 अऊर नाश होन वालो लायी अधर्म को सब तरह को धोका
को संग होयेंन; कहालीकि उन्न सच सी प्रेम नहीं करयो जेकोसी ओको उद्धार होतो। 11 योच वजह
परमेश्वर उन्म भटकाय देन वाली सामर्थ ख भेजेंन कि हि झूठ पर विश्वास करे, 12 ताकि जितनो
लोग सत्य पर विश्वास नहीं करय, यानेकि अनैतिकता सी खुश होवय हंय, हि सब दोषी होयेंन।

[illegible]

13 हे भाऊवों-बहिनों, प्रभु को प्रिय लोगों, चाहजे हय कि हम तुम्हरो बारे म हमेशा परमेश्वर
को धन्यवाद करतो रहे, कहालीकि परमेश्वर न पहिले सी तुम्ख चुन लियो कि पवित्र आत्मा
को द्वारा पवित्र बन क, अऊर सच पर विश्वास कर क् उद्धार पावों, 14 जेको लायी ओन तुम्ख
हमरो सुसमाचार को द्वारा बुलायो, कि तुम हमरो प्रभु यीशु मसीह की महिमा म सहभागी हो।
15 येकोलायी हे भाऊवों-बहिनों, स्थिर रहो; अऊर जो जो बाते तुम न प्रचार यां चिट्ठी को द्वारा
हम ख जो दियो हंय, उन्ख पकड़यो रहो।

16 हमरो प्रभु यीशु मसीह खुदच, अऊर हमरो बाप परमेश्वर, जेन हम सी प्रेम रख्यो अऊर
अनुग्रह सी अनन्त उत्साह अऊर अच्छी आशा हम्ख दियो हय, 17 तुम्हरो मनों म शान्ति दे अऊर
तुम्ख हर एक अच्छो काम अऊर वचन म मजबूत करे।

3

[illegible]

1 आखरी म हे भाऊवों-बहिनों, हमरो लायी प्रार्थना करो कि प्रभु को सन्देश असो जल्दी फैलेंन
अऊर लोग ओख आदर को संग स्वीकार करे, जो तुम म भयो, 2 अऊर हम टेढ़ो अऊर बुरो आदमियों
सी बच्यो रहो कहालीकि हर एक न सन्देश पर विश्वास नहीं करयो।

✡ **2:1** २:१ १ थिस्सलुनीकियों ४:१५-१७ ✡ **2:9** २:९ मत्ती २४:२४

3 पर प्रभु विश्वास लायक हय; ऊ तुम्ख मजबुतायी सी स्थिर करेंन अऊर ऊ दुष्ट सी बचायो
रखेंन। 4 हम्ख प्रभु म तुम्हरो पर भरोसा हय कि जो जो आज्ञा हम तुम्ख देजे हंय, उन्ख तुम मानय
हय, अऊर मानतो भी रहो।
5 परमेश्वर को प्रेम अऊर मसीह की हिम्मत को संग प्रभु तुम्हरो मन की अगुवायी करे।

[illegible]

6 हे भाऊवों-बहिनों, हम तुम्ख अपनो प्रभु यीशु मसीह को नाम सी आज्ञा देजे हंय कि तुम हर
एक असो विश्वासी भाऊवों सी अलग रहो जो अनुचित चाल चलय अऊर जो शिक्षा ओन हम सी
पायी ओको अनुसार नहीं करय। 7 कहालीकि तुम खुद जानय हय कि कोयी रीति सी हमरो जसी
चाल चलनो चाहिये, कहालीकि जब हम तुम्हरो संग म होतो त आलसी नहीं होतो, 8 अऊर कोयी
की रोटी फुकट म नहीं खायी; पर मेहनत सी रात दिन काम अऊर धन्दा करत होतो कि तुम म सी
कोयी पर बोझ नहीं होय। 9 यो नहीं कि हम्ख अधिकार नहाय, पर येकोलायी कि अपनो आप ख
तुम्हरो लायी आदर्श ठहराये कि तुम हमरो जसी चाल चलो। 10 कहालीकि जब हम तुम्हरो संग
होतो, तब भी या आज्ञा तुम्ख देत होतो कि “यदि कोयी काम करनो नहीं चाहवय त खानो भी नहीं
पाये।”
11 हम सुनजे हय कि कुछ लोग तुम्हरो बीच म आलसी हय, अऊर कुछ काम नहीं करय पर दूसरों
को काम म बाधा डालय हंय। 12 असो ख हम प्रभु यीशु मसीह म आज्ञा देजे अऊर बिनती करजे
हंय कि चुपचाप काम कर क् अपनीच रोटी खायो करो।
13 तुम, हे भाऊवों-बहिनों, भलायी करनो म हिम्मत मत छोड़ो। 14 यदि कोयी हमरी या चिट्ठी
की बात ख नहीं मानय त ओख पर नजर रखो, अऊर ओकी संगति मत करो, जेकोसी ऊ शरम आय।
15 तब भी ओख दुश्मन मत समझो, पर विश्वासी जान क चितावो।

[illegible]

16 अब प्रभु जो शान्ति को स्रोता हय खुदच तुम्ख हमेशा अऊर हर समय अऊर हर तरह सी
शान्ति दे। प्रभु तुम सब को संग रहे।
17 मय, पौलुस, अपनो हाथ सी नमस्कार लिखू हय, यो तरह हर एक चिट्ठी ख लिखू हय अऊर
सही करू हय।
18 हमरो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम सब पर होतो रहेंन।

तीमुथियुस के नाम पौलुस प्रेरित की पहली पत्री
तीमुथियुस को नाम पौलुस प्रेरित की पहिली चिट्ठी
परिचय

प्रेरित पौलुस को तरफ सी ओको सेवक तीमुथियुस ख लिखी गयी एक चिट्ठी आय। तीमुथियुस शायद मसीह को जनम को बाद ६२-६४ साल को लगभग लिख्यो गयो होतो। यो पौलुस को जीवन को आखरी समय को जवर होतो। पौलुस को तीमुथियुस को संग करिबी रिश्ता होतो अऊर एक दुरा को रूप म ओख कुछ बार भेज्यो गयो होतो। फिलिप्पियों २:२२१ तीमुथियुस १:२; १:१८।

यो पौलुस की चार चिट्ठियों म सी एक आय ऊ एक आदमी को बजाय पूरी मण्डली ख सम्बोधित कर रह्यो हय। दूसरी तीन चिट्ठी २ तीमुथियुस, तीतुस अऊर फिलेमोन आय। पहिलो तीमुथियुस न मण्डली की प्रार्थना पर बहुत सारो निर्देश दियो २:१-१५, मण्डली को अगुवा को लायी योग्यता ३:१-१३, अऊर झूठो शिक्षकों को खिलाफ चेतावनी १:३-११; ४:१-५; ६:२-५। को लायी योग्यता पर आदेश बहुत कुछ शामिल हय। पौलुस यो दर्शावय हय कि तीमुथियुस मण्डली को बीच एक अगुवा बनन लायी आयो होतो। १ तीमुथियुस को कुछ सिद्धान्त हय कि हमरो दिन म मण्डली को अगुवा कि मदद को लायी उत को लोग मण्डली को सेवा कार्य को सम्बन्ध म शामिल हय।

रूप-रेखा

१. पौलुस को तरफ सी तीमुथियुस ख नमस्कार। □:□-□
२. झूठो शिक्षकों को खिलाफ चेतावनी। □:□-□□
३. पौलुस को लायी यीशु मसीह को धन्यवाद। □:□□-□□
४. फिर ऊ प्रार्थना अऊर मण्डली को अगुवा को बारे म तीमुथियुस ख निर्देश। □–□
५. पौलुस को तीमुथियुस ख कुछ निर्देश दे क अपनी चिट्ठी बन्द करी। □–□

1 हमरो उद्धारकर्ता परमेश्वर अऊर हमरी आशा को आधार मसीह यीशु की आज्ञा सी मसीह यीशु
को प्रेरित पौलुस को तरफ सी हय।
2 ✡तीमुथियुस को नाम जो विश्वास म मोरो सच्चो बेटा हय: पिता परमेश्वर, अऊर हमरो प्रभु
मसीह यीशु को तरफ सी तोख कृपा, दया अऊर शान्ति मिलती रहेंन।

□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□

3 जसो मय न मकिदुनिया ख जातो समय तोख समझायो होतो, कि इफिसुस म रह्य क कुछ लोगों
ख बिनती करी कि झूठी शिक्षा मत दे, 4 उन्ख तुम असो कहो कि जो उन पुरानी काल्पनिक कहानियों
अऊर अनन्त वंशावलियों पर मन नहीं लगाये, जिन्कोसी झगड़ा होवय हंय, अऊर यो परमेश्वर
को काम नहीं, यो विश्वास द्वारा हय। 5 आज्ञा को उद्देश यो हय कि प्रेम, शुद्ध मन अऊर अच्छो
विवेक, अऊर निष्कपट विश्वास को द्वारा आवय हय। 6 इन ख छोड़ क कितनो लोग फालतु बात
को तरफ भटक गयो हंय, 7 अऊर व्यवस्थापक त बननो चाहवय हंय, पर जो बाते कह्य अऊर जिन
ख मजबुतायी सी बोलय हंय, उन्ख समझय भी नहाय।

8 पर हम जानजे हंय कि यदि कोयी व्यवस्था ख ठीक रीति सी काम म लाये त ऊ ठीक हय। 9 हम
यो भी जानजे हय कि व्यवस्था अच्छो लोग को लायी नहाय पर व्यवस्था तोड़न वालो, विद्रोही,
परमेश्वर को अपमान करन वालो, पापियों, अपवित्र अऊर अधार्मिक आदमियों, माय बाप को,
हत्या करन वालो। 10 व्यभिचारियों, पुरुषगामियों, गुलामों ख बेचन वालो, झूठ बोलन वालो, अऊर
झूठी गवाही देन वालो, अऊर इन्को अलावा सच्चो सिद्धान्त की शिक्षा को सब विरोधियों को लायी

✡ **1:2** १:२ प्रेरितों १६:१

ठहरायो गयो हय। 11 यो सुसमाचार महिमामय परमेश्वर जेको जवर पूरी आशीषें हय ओको द्वारा
मोख सौंप्यो गयो हय।

[illegible]
12 मय अपनो प्रभु मसीह यीशु को जेन मोख सामर्थ दियो हय, धन्यवाद करू हय कि ओन मोख
विश्वास लायक समझ क अपनो सेवा लायी चुन लियो हय। 13 ✡मय त फिर भी पहिले निन्दा करन
वालो, अऊर सतावन वालो, अऊर हिन्सा करन वालो होतो, तब भी मोरो पर दया भयी, कहालीकि
मय न अविश्वास की दशा म बिना समझ्यो यो काम करत होतो। 14 अऊर हमरो प्रभु को अनुग्रह
ऊ विश्वास अऊर प्रेम को संग जो मसीह यीशु म हय, बहुतायत सी भयो। 15 या बात सच अऊर
हर तरह सी मानन लायक हय मसीह यीशु पापियों को उद्धार करन लायी जगत म आयो, उन म
सी सब सी बड़ो पापी मय आय। 16 पर मोरो पर येकोलायी दया भयी कि मय सब सी बड़ो पापी
म यीशु मसीह अपनी पूरी सहनशीलता दिखाये, कि जो लोग ओको पर विश्वास करेंन हि अनन्त
जीवन लायी मय एक आदर्श बनू। 17 अब अनन्त युग को राजा मतलब अविनाशी, अनदेखे, केवल
एक परमेश्वर को आदर अऊर महिमा हमेशा होती रहे। आमीन।
18 हे मोरो बेटा तीमुथियुस, जो तोरो बारे म वचन कि भविष्यवानी करी गयी होती ओको अनुसार,
मय आज्ञा देऊ हय कि तय वचन ख अवजार को अनुसार अच्छी लड़ाई लड़तो रहे, 19 अऊर विश्वास
अऊर ऊ अच्छो विवेक ख पकड़्यो रख, जेक नकारन को वजह कितनो को विश्वास रूपी जहाज
डुब गयो। 20 उनच म सी हुमिनयुस अऊर सिकन्दर हंय, जिन्ख मय न शैतान ख सौंप दियो हय कि
ताकी ऊ सिखे कि दूसरों की निन्दा करनो बन्द कर दे।

2

[illegible]
1 जब मय सब सी पहिले यो आग्रह करू हय कि बिनती, प्रार्थना, निवेदन, अऊर धन्यवाद सब
लोगों को लायी करयो जाये। 2 राजावों अऊर सब ऊचो पद वालो को निमित्त येकोलायी कि हम
शान्ति अऊर चैन को संग परमेश्वर ख आदर देतो हुयो अऊर पवित्रता सी जीवन बिताये। 3 यो
अच्छो हय अऊर हमरो उद्धारकर्ता परमेश्वर ख स्वीकार लायक हय, 4 जो यो चाहवय हय कि सब
आदमियों बचायो जाये, अऊर हि सच को ज्ञान ख अच्छो सी जान ले। 5 कहालीकि परमेश्वर एकच
हय, अऊर परमेश्वर अऊर आदमियों को बीच म भी एकच मध्यस्थी हय, मतलब मसीह यीशु जो
आदमी हय। 6 यीशु न अपनो आप ख सब को छुटकारा को दाम को तौर पर खुद ख बलिदान कर
दियो, अऊर येकी गवाही ठीक समय पर दी गयी। 7 ✡या गवाही लायी मय सच कहू हय, झूठ नहीं
बोलू, कि मय योच उद्देश सी प्रचारक अऊर प्रेरित अऊर गैरयहूदियों लायी विश्वास अऊर सच्चो
विश्वास को शिक्षक नियुक्त करयो गयो हय।
8 मण्डली म आराधना को समय मय चाहऊ हय सब लोग हाथ उठाय क प्रार्थना करे हर जागा
आदमी बिना गुस्सा अऊर वाद विवाद को पवित्र हाथों ख उठाय क प्रार्थना करतो रहे। 9 ✡मय
यो भी चाहऊ हय कि बाईयां भी अपनो आप ख सभ्यता अऊर नम्रता को संग, सोभायमान कपड़ा
सी अपनो आप ख संवारे; नहीं की बाल गूथनो अऊर सोना अऊर मोतियों अऊर बहुमूल्य कपड़ा
सी, 10 पर अच्छो कामों सी, कहालीकि परमेश्वर की भक्ति करन वाली बाईयों ख योच ठीक हय।
11 बाई ख शान्तता अऊर पूरी अधीनता सी सीखनो चाहिये। 12 मय अनुमति नहीं देऊ हय कि
बाई शिक्षा दे, अऊर नहीं आदमी पर अधिकार जताये, पर चुपचाप रहे। 13 कहालीकि आदम ख
पहिले बनायो गयो, ओको बाद हवा ख बनायो गयो; 14 अऊर आदम जो बहकायो गयो होतो, पर
बाई बहकाव म आय गयी होती अऊर ओन परमेश्वर को नियम ख तोड़्यो। 15 तब भी बच्चा जनन
को द्वारा उद्धार पायेंन, यदि वा सभ्यता को संग विश्वास, प्रेम, अऊर पवित्रता म स्थिर रहे।

✡ **1:13** १:१३ प्रेरितों ८:३; ९:४,५ ✡ **2:7** २:७ २ तीमुथियुस १:११ ✡ **2:9** २:९ १ पतरस ३:३

3

[illegible]

1 यदि कोयी अपनो मन म तय कर लियो हय कि जो मुखिया बननो चाहवय हय, ऊ अच्छो पद
कि इच्छा करय हय। 2 ✡यो जरूरी हय कि मण्डली को मुखिया निर्दोष, अऊर एकच पत्नी को पति,
सभ्य, आत्मसंयमी, आदरनिय, अतिथि-सत्कार करन वालो, अऊर सिखावन म निपुन हो। 3 पिवन
वालो यां मार पीट करन वालो मत बनो; बल्की नरम स्वभाव हो, अऊर नहीं झगड़ालू, अऊर नहीं
धन को लालची हो। 4 ऊ अपनो घर को अच्छो इन्तजाम करय हय, अऊर अपनो बाल-बच्चा ख
असो अनुशासन म रखे की ओको आज्ञा पालन करतो हुयो ओको आदर करन वालो हो। 5 जब यदि
कोयी अपनो घरच को इन्तजाम करनो नहीं जानय हय, त परमेश्वर की मण्डली की रखवाली कसो
करेंन? 6 फिर यो कि विश्वास म परिपक्क हो, असो नहीं हो कि घमण्ड कर क् शैतान को जसो सजा
पाये। 7 अऊर मण्डली को बाहेर वालो म भी ओको अच्छो नाम हो, असो नहीं होय कि अपमानित
होय क शैतान को फन्दा म फस जाय।

[illegible]

8 वसोच मण्डली को सेवकों ख भी समझदार होनो चाहिये, कपटी, पियक्कड़ अऊर नहीं पैसा
को लोभी हो; 9 पर विश्वास को सच ख शुद्ध विवेक सी गहरायी सी पकड़यो रखे। 10 अऊर यो
उन्की भी पहिले परख होय जाये, तब यदि निर्दोष निकले त मण्डली को सेवक को काम करे। 11 योच
तरह सी उन्की पत्नियों आदर पावन को लायक बाईयां हो यां निन्दा करन वाली नहीं हो, पर सभ्य
अऊर पूरी बातों म विश्वास लायक हो। 12 मण्डली को सेवक ख एकच पत्नी को पति रहे अऊर
बाल-बच्चा अऊर अपनो घरो को अच्छो इन्तजाम करनो जानत होना। 13 जो मण्डली को सेवक
अच्छो काम करय हंय, हि अपनो लायी अच्छो पद अऊर मसीह यीशु म विश्वास को बारे म महान
निश्चिता ख प्राप्त करय हय, अऊर बड़ी हिम्मत सी बोलय हंय।

[illegible]

14 मय तोरो जवर जल्दी आवन की आशा रखन पर भी या चिट्ठी तोख लिखू हय, 15 कि यदि
मोख देर होय जावय हय, त या चिट्ठी सी जानो कि तुम लोग परमेश्वर को घराना म जो जीन्दो
परमेश्वर की मण्डली हय अऊर जो सच को खम्बा अऊर नीव हय, लोगों न आपस म कसो चाल
चलन करनो चाहिये। 16 येको म सक नहाय कि भक्ति को भेद गम्भीर हय,

मतलब ऊ जो शरीर म प्रगट भयो,
    आत्मा म सच्चो ठहरयो,
    स्वर्गदूतों ख दिखायी दियो,
अऊर उन्को बारे म कुछ राष्ट्रों म ओको प्रचार करयो गयो,
    जगत म ओको पर विश्वास करयो गयो,
    अऊर महिमा म ऊपर उठायो गयो।

4

[illegible]

1 पवित्र आत्मा स्पष्टता सी कह्य हय कि आवन वालो समयो म कितनो लोग भटकावन वाली
आत्मावों, को पीछू चलेंन, अऊर विश्वास ख छोड़ देयेंन अऊर भटकावन वाली आत्मावों अऊर
दुष्ट आत्मा द्वारा सिखायी हुयी बातों को पीछू चलेंन। 2 यो उन झूठो कपटी आदमियों को वजह
होयेंन, जिन्को अन्तरमन मर गयो हय जसो की जलतो हुयो लोहा सी लसायो गयो हय, 3 जो
बिहाव करन सी रोकेन, अऊर भोजन की कुछ चिजों सी दूर रहन की आज्ञा देयेंन, जिन्ख परमेश्वर
न येकोलायी बनायो कि विश्वासी अऊर सच को पहिचानन वालो ओख धन्यवाद को संग खाये।
4 कहालीकि परमेश्वर न बनायी हुयी हर एक चिज अच्छी हय, पर कोयी चिज अस्वीकार करन

✡ **3:2** ३:२ तीतुस १:६-९

को लायक नहाय; पर यो कि धन्यवाद को संग खायी जाये, 5 कहालीकि परमेश्वर को वचन अऊर
प्रार्थना सी शुद्ध होय जावय हय।

[illegible]

6 यदि तय भाऊवों ख इन बातों को याद दिलातो रहजो, अऊर विश्वास की सच्चायी सी अऊर
अच्छी शिक्षा की बातों सी, जो तय मानत आयो हय त मसीह यीशु को अच्छो सेवक ठहरजो।
7 परमेश्वर रहित कथा कहानियां अऊर बूढ्ढियो द्वारा सुनायी कहानियों सी अलग रह्य; अऊर
भक्ति की साधना कर। 8 कहालीकि शरीर की साधना सी कम फायदा होवय हय, पर भक्ति सब
बातों को लायी लाभदायक हय, कहालीकि यो समय को जीवन अऊर आवन वालो जीवन को भी
आश्वासन येकोच लायी हय। 9 या बात सच हय अऊर हर तरह सी विश्वास लायक अऊर मानन
लायक हय। 10 कहालीकि हम मेहनत अऊर कोशिश येकोलायी करजे हंय कि हमरी आशा ऊ
जीन्दो परमेश्वर पर हय, जो सब आदमियों को अऊर विशेष कर विश्वासियों को उद्धारकर्ता हय।
11 इन बातों की आज्ञा दे अऊर सिखातो रह्यो। 12 कोयी तोरी जवानी ख बेकार नहीं समझे; पर
बातों म, अऊर चाल-चलन, अऊर प्रेम, अऊर विश्वास, अऊर पवित्रता म विश्वासियों को
लायी आदर बन जा। 13 जब तक मय नहीं आऊं, तब तक शास्त्र ख पढ़न अऊर उपदेश देन अऊर
सिखावन म मगन रह्य। 14 जो वरदान तोख दियो गयो हय, अऊर भविष्यवानी सी बुजूर्गों को हाथ
रखतो समय तोख मिल्यो होतो, अनदेखो मत कर। 15 इन बातों ख सोचतो रह्य अऊर इनमच अपनो
ध्यान लगायो रह्य, ताकि तोरी उन्नति सब लोगों पर प्रगट हो। 16 अपनो जीवन की अऊर अपनो
शिक्षा की चौकसी रख। इन बातों पर स्थिर रह्य, कहालीकि यदि असो करतो रहजो त तय अपनो
अऊर अपनो सुनावन वालो लायी भी उद्धार को वजह होजो।

5

[illegible]

1 कोयी बुजूर्ग ख कठोरता सी मत डाट, पर ओख बाप समझ क बिनती कर, अऊर जवानों ख
भाऊ मान क व्यवहार कर; 2 बूढ्ढी बाईयों ख माता जान क; अऊर जवान बाईयों ख पूरी पवित्रता
सी बहिन जान क समझाय दे।
3 उन विधवावों को, ध्यान रख, जो सचमुच जरूरत मन्द हंय। 4 यदि कोयी विधवा को बालबच्चा
अऊर नाती-पोता होना, त उन्न अपनो माय बाप अऊर दादा दादी को पालन पोषन को बदला
चुकावन अऊर अपनो परिवार की चिन्ता करन को द्वारा अपनो धर्म को कार्य ख अपनो जीवन कार्य
म लाये कहालीकि येको सी परमेश्वर खुश होवय हय। 5 जो विधवा सचमुच जरूरत मन्द हय,
अऊर ओको कोयी नहाय, अऊर ओन अपनी पूरी आशा वा परमेश्वर पर रखी हय, अऊर रात दिन
बिनती अऊर प्रार्थना करतो हुयो परमेश्वर सी मदत मांगय हय; 6 पर जो विधवा भोगविलास म
जीवय हय, वा जीतो जी मर गयी हय। 7 इन बातों को भी निर्देश दियो कर ताकि हि निर्दोष रहे।
8 पर यदि जो कोयी अपनो रिश्तेदार अऊर अपनो घराना की चिन्ता नहीं करेंन, त ऊ विश्वास सी
मुकर गयो हय अऊर अविश्वासी सी भी बुरो बन गयो हय।
9 उन विधवा को सुची म आर्थिक मदत ले रही हय वाच विधवा को नाम लिख्यो जाये जो साठ
साल सी कम की नहीं हो, अऊर एकच पति की विश्वास लायक हो, 10 अऊर भलो काम म अच्छी
रही हो, जेन बच्चा को पालन-पोषन करयो होना; अतिथियों की सेवा करी होना, सन्तो को पाय
धोयो होना, दुखियों कि मदत करी होना, अऊर हर एक अच्छो काम म मन लगायो होना।
11 पर जवान विधवावों ख सुची म सम्मिलित मत करो, कहालीकि मसीह को प्रति उन्को समर्पन
पर जब उनकी विषय वासना की पूरी इच्छा हावी होवय हय त हि बिहाव करनो चाहवय हंय,
12 अऊर दोषी ठहरावय हंय, कहालीकि उन्न अपनो पहिले प्रतिज्ञा ख तोड़ दियो हय। 13 येको
अलावा बिना काम को बनय हय अऊर घर-घर घुम क आलसी होनो सीखय हंय, अऊर केवल
आलसी होनोच नहीं घर घर बाते करती रह्य हय अऊर बेवजह व्यस्त होवय हय असी बाते बोलय
हय जो उन्ख नहीं बोलनो चाहिये। 14 येकोलायी मय यो चाहऊ हय कि जवान विधवाये बिहाव

करे, अऊर बच्चा जने अऊर घरदार सम्भाले, अऊर कोयी विरोधी ख बदनाम करन को अवसर नहीं
दे। 15 कहालीकि कुछ एक बहक क शैतान को पीछू भय गयो हंय। 16 यदि कोयी विश्वासिनी को
यहां विधवाये होना, त वाच उनकी मदत करेंन कि मण्डली पर बोझ नहीं हो, ताकि ऊ उनकी मदत
कर सकेंन जो सचमुच विधवाये जरूरत मन्द हंय।

17 जो बुजूर्ग मण्डली को अच्छो इन्तजाम करय हंय, विशेष कर क् हि जो वचन सुनावन अऊर
सिखावन म मेहनत करय हंय, दोय गुना मजूरी को लायक समझ्यो जाये। 18 ✡कहालीकि शास्त्र
कह्य हय, “दांवन वालो बईल को मुंह मत बान्धजो,” कहालीकि “मजूर अपनी मजूरी को हक्कदार
हय।” 19 कोयी दोष कोयी बुजूर्ग पर लगायो जाय त दोय यां तीन गवाहों को बिना ओख मत सुन।
20 पाप करन वालो ख सब को सामने डाट दे, ताकि अऊर लोग भी डरे।

21 परमेश्वर, अऊर मसीह यीशु अऊर चुन्यो हुयो स्वर्गदूतों ख मौजूद जान क मय तोख चेतावनी
देऊ हय इन निर्देषो ख मानतो रह्य, अऊर बिना मतभेद को कोयी भी काम पक्षपात अऊर कोयी एक
को बाजू ले क मत कर। 22 मण्डली सेवा नियुक्ति लायी कोयी पर तुरतच हाथ मत रखजो, अऊर
दूसरों को पापों म सामिल मत होजो; अपनो आप ख पवित्र बनायो रखजो।

23 केवल पानीच पीवन वालो मत रह्य, पर अपनो पेट को अऊर अपनो बार-बार बीमार होन को
वजह थोड़ो-थोड़ो अंगूररस भी काम म लायो कर।

24 कुछ लोगों को पाप प्रगट होय जावय हंय अऊर न्याय लायी पहिले सी पहुंच जावय हंय, पर
कुछ लोगों को पाप बाद म प्रगट होवय हंय। 25 योच तरह अच्छो काम भी स्पष्ट रूप सी प्रगट
होवय हय पर जो काम प्रगट नहीं होवय हि लूक नहीं सकय।

6

1 जितनो सेवक गुलामी को बोझ म हंय, हि अपनो अपनो स्वामी ख बड़ो आदर लायक जाने,
ताकि परमेश्वर को नाम अऊर शिक्षा की निन्दा नहीं हो। 2 जिन्को स्वामी विश्वासी हंय उन्ख हि
भाऊ होन को वजह कम आदर नहीं दिखाये। बल्की उनकी अऊर भी जादा सेवा करे, कहालीकि
सेवा फायदा मिलय हय हि विश्वासी हय अऊर हि उन ख प्रिय हंय। इन बातों ख सिखावो अऊर
करन को लायी असोच प्रोत्साहित करतो रहो।

???? ?????? ??? ?? ?? ???

3 यदि कोयी अऊरच तरह की शिक्षा देवय हय अऊर सच्ची बातों ख, मतलब हमरो प्रभु यीशु
मसीह को निर्देषो ख अऊर वा शिक्षा ख नहीं मानय, जो दैविय शिक्षा को अनुसार हय, 4 त ऊ
घमण्डी भय गयो, अऊर कुछ नहीं जानय; बल्की ओख झगड़ा अऊर शब्दों पर दिमाग लगावन
को रोग हय, जेकोसी जलन, अऊर झगड़ा, अऊर निन्दा की बाते, अऊर बुरो-बुरो शक, 5 अऊर
उन आदमियों म बेकार लड़ाई-झगड़ा पैदा होवय हंय जिन्की बुद्धि भ्रष्ट भय गयी हय, अऊर हि
सत्य सी दूर भय गयो हंय, जो सोचय हंय कि भक्ति कमायी को द्वार हय।

6 पर सन्तुष्ट सहित भक्ति करनोंच सब सी बड़ी कमायी हय। 7 कहालीकि हम जगत म कुछ
नहीं लायो हंय अऊर नहीं कुछ लिजाय सकजे हंय। 8 यदि हमरो जवर खान ख अऊर पहिनन ख
हो, त इन्कोच पर सन्तुष्ट करनो चाहिये। 9 पर जो धनी होनो चाहवय हंय, हि असी परीक्षा अऊर
फन्दा अऊर बहुत सी मुर्खतापूर्न अऊर हानिकारक लालसा म फसय हंय, जो आदमियों ख बिगाड़
देवय हंय अऊर विनाश की गहरी खायी म ढकेल देवय हंय। 10 कहालीकि पैसा को लोभ सब तरह
की बुरायीयों की जड़ी आय, जेक हासिल करन की कोशिश करतो हुयो बहुत सो न विश्वास सी
भटक क अपनो आप ख कुछ तरह को दु:खों म फस गयो हय।

????????? ???????

11 पर हे परमेश्वर को लोग, तय इन बातों सी भग, अऊर सच्चायी, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धीरज
अऊर नम्रता को पीछा कर। 12 विश्वास की अच्छी दवड़; अऊर ऊ अनन्त जीवन ख हासिल कर

✡ **5:18** ५:१८ मत्ती १०:१०; लूका १०:७

ले, जेको लायी तय बुलायो गयो अऊर बहुत सो गवाहों को सामने अच्छो अंगीकार करयो होतो।
13 ✡मय तोख या आज्ञा परमेश्वर को सामने, जो सब ख जीवन देवय हय, अऊर मसीह यीशु ख
गवाह कर क् जेन पुन्तियुस पिलातुस को सामने अच्छी गवाही दी, या आज्ञा देऊ हय, 14 कि तय
हमरो प्रभु यीशु मसीह ख प्रगट होन तक या आज्ञा ख निष्कलंक अऊर निर्दोष रख, 15 परमेश्वर
ओख सही समय पर प्रगट करेंन जो आशिषित हय, ऊ एकच शासक अऊर राजावों को राजा अऊर
प्रभुवों को प्रभु हय। 16 अऊर अमरता केवल ओकीच हय, अऊर ऊ ज्योति म रह्य हय, जित तक
कोयी पहुंच नहीं सकय हय, अऊर नहीं ओख कोयी आदमी न देख्यो अऊर नहीं कभी देख सकय
हय। ऊ प्रतिष्ठा अऊर राज्य अनन्त काल तक रहेंन। आमीन।

17 यो जगत को धनवानों ख आज्ञा दे कि हि घमण्डी मत बनो अऊर अनिश्चित धन पर आशा
नहीं रखे, पर परमेश्वर पर जो हमरो सुख को लायी सब कुछ बहुतायत सी देवय हय। 18 उन्ख आज्ञा
दे की हि भलायी करे, अऊर भलो कामों म धनी बने, अऊर उदारता सी मदत देन म तैयार रहे,
19 अऊर आगु लायी एक अच्छी नींव डाल रखे कि सच्चो जीवन ख वश म कर ले।

20 हे तीमुथियुस, यो धरोहर की रखवाली कर; अऊर जेक कुछ लोग गलत बात ज्ञान कह्य हय,
उन्को अधार्मिक वाद विवाद अऊर विरोध की बातों सी दूर रह्य। 21 कितनो लोगों न प्रतिज्ञा करयो
हय कि उन्ख ज्ञान हय फिर भी हि विश्वास सी भटक गयो हंय।

तुम पर अनुग्रह होतो रहे।

✡ **6:13** ६:१३ यूहन्ना १८:३७

तीमुथियुस के नाम पौलुस प्रेरित की दूसरी पत्री
तीमुथियुस को नाम पौलुस प्रेरित की दूसरी चिट्ठी

परिचय

२ तीमुथियुस की किताब प्रेरित पौलुस को दूसरों सेवक तीमुथियुस लायी दूसरी चिट्ठी आय। २ तीमुथियुस पौलुस को जीवन को आखरी म लिखी गयी होती। यो समय रोम म ओख बन्दी बनाय लियो गयो होतो १:१६। पौलुस न तीमुथियुस को संग घनो सम्बन्ध रख्यो अऊर हमेशा ओख एक टुरा को रूप म दर्शायो हय। फिलिप्पियों २:२२,१ तीमुथियुस १:२; १:१८।

या पौलुस की चार चिट्ठियों म सी एक आय जेक मण्डली को बजाय कोयी आदमी ख सम्बोधित करयो जावय हय। दूसरी तीन असी चिट्ठी १ तीमुथियुस, तीतुस अऊर फिलेमोन आय। ऊ समय को दौरान २ तीमुथियुस लिख्यो गयो होतो, रोमन साम्राज्य को मसीहियों ख सतायो जाय रह्यो होतो। शायद योच वजह होतो की पौलुस जेलखाना म होतो अऊर तीमुथियुस ख कठिनायी ख एकसमना करन को निर्देश देत होतो। १ तीमुथियुस म, पौलुस न तीमुथियुस ख झूठो शिक्षकों को बारे म कुछ चेतावनी दी। १ तीमुथियुस १:१६-१८ ऊ तीमुथियुस ख भी बतावय हय कि आगु कठिन समय रहेंन३:१।

रूप-रेखा

१. पौलुस अऊर तीमुथियुस को अभिवादन सी सुरू होवय हय। अऊर फिर ओख प्रोत्साहित करय हय। [illegible]
२. तब ऊ तीमुथियुस ख सहन करन लायी चुनौती देवय हय। [illegible]
३. हर समय ऊ ओख कुछ दूसरों निर्देश देवय हय। [illegible]
४. फिर ऊ ओख भविष्य की घटनावों अऊर जवाब देन को सही तरीका को बारे म चेतावनी देवय हय। [illegible]
५. पौलुस तीमुथियुस लायी कुछ व्यक्तिगत बातों को संग चिट्ठी लिखनो बन्द करय हय। [illegible]

1 पौलुस को तरफ सी जो परमेश्वर की इच्छा सी जो मसीह यीशु को प्रेरित हय, अऊर जेक
मसीह यीशु म एक होन लायी प्रतिज्ञा को प्रचार करन लायी भेज्यो हय। 2 ☆प्रिय बेटा तीमुथियुस
को नाम परमेश्वर बाप अऊर हमरो प्रभु मसीह यीशु की तरफ सी मोख अनुग्रह अऊर दया अऊर
शान्ति मिलती रहे।

[illegible]

3 मय परमेश्वर ख धन्यवाद करू हय जेकी सेवा मय शुद्ध विवेक सी करू हय, जसो मोरो बाप
दादावों न करयो। अऊर रात दिन जब मय हमेशा अपनी प्रार्थनावों म तुम्ख याद करू हय, तब
मय ओख धन्यवाद करू हय। 4 अऊर तोरो आसुवों की सुधि ले क तोरो सी मिलन की आशा रखू हय
कि खुशी सी भर जाऊं। 5 ☆मय तोरो ऊ सच्चो विश्वास की याद करू हय, जो पहिले तोरी आजी
लोइस अऊर तोरी माय यूनीके म होती, अऊर तोख निश्चय हय कि उच विश्वास तोरो म भी हय।
6 योच वजह मय तोख याद दिलाऊं हय कि तय ऊ वरदान ख जीन्दो रख जो तोरो ऊपर मोरो हाथ
रखन को द्वारा परमेश्वर न तोख दियो। 7 कहालीकि परमेश्वर न हम्ख डर की नहीं पर सामर्थ, प्रेम
अऊर संय्यम की आत्मा दी हय।

8 येकोलायी हमरो प्रभु की गवाही सी, अऊर मोरो सी जो मसीह को कैदी हय, लज्जित मत
हो, पर ऊ सामर्थ जो परमेश्वर न तोख दी हय ओको अनुसार सुसमाचार को लायी मोरो संग दुःख
उठाव। 9 जेन हम्ख बचायो अऊर पवित्र जीवन जीन को लायी बुलायो, अऊर यो हमरो कामों

☆ **1:2** १:२ प्रेरितों १६:१ ☆ **1:5** १:५ प्रेरितों १६:१

को अनुसार नहीं; पर ओको उद्देश अऊर ऊ अनुग्रह को अनुसार हय। ओन यो अनुग्रह हम पर
करयो हय मतलब प्रभु यीशु मसीह को द्वारा अनन्त काल को सुरूवात सी हम पर भयो हय। 10 पर
अब हमरो उद्धारकर्ता मसीह यीशु को प्रगट होनो सी प्रगट भयो। जेन मृत्यु को सामर्थ ख नाश
करयो अऊर अनन्त जीवन को सुसमाचार को द्वारा प्रगट करयो।

11 ✡जेको लायी परमेश्वर न मोख प्रचारक, प्रेरित अऊर शिक्षक लायी नियुक्त करयो, ताकी
मय सुसमाचार की घोषना करू। 12 यो वजह मय इन दु:खों ख भी उठाऊ हय, पर लजाऊ नहीं,
कहालीकि मय ओख जेक पर मय न विश्वास करयो हय, जानु हय; अऊर मोख निश्चय हय कि वा
मोरी धरोहर की ऊ दिन तक रखवाली कर सकय हय। 13 जो सही बाते मोरो सी सुनी हय कि प्रभु
यीशु मसीह म अच्छी शिक्षा, विश्वास अऊर प्रेम को संग, एक आदर्श को रूप म कायम रख।
14 अऊर पवित्र आत्मा सी जो हम म बस्यो हुयो हय, या अच्छी बातों की रखवाली कर।

15 तय जानय हय कि आसिया प्रान्त वालो सब मोरो सी फिर गयो हंय, जिन्म फूगिलुस अऊर
हिरमुगिनेस हंय। 16 उनेसिफुरुस को घरानों पर प्रभु दया करेंन, कहालीकि ओन बहुत बार मोख
सुख पहुंचायो तथा ऊ मोरी संकली म रहन सी लज्जित नहीं भयो। 17 पर जब ऊ रोम शहर म
आयो, जब तक मय नहीं मिल्यो तब तक मोख ढूंढतो रह्यो। 18 प्रभु करे कि ऊ दिन ओको पर प्रभु
की दया हो अऊर जो जो सेवा ओन इफिसुस म करी हय उन्ख भी तय अच्छो सी जानय हय।

2

□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□

1 येकोलायी हे मोरो बेटा, तय ऊ अनुग्रह सी जो यीशु मसीह म हमरी एकता को द्वारा हय,
बलवन्त हो जाय; 2 अऊर जो शिक्षाये तय न बहुत सो गवाह को सामने मोरो सी सुनी हंय, उन्ख
विश्वासी आदमियों ख सौंप दे; जो दूसरों ख भी सिखावन को लायक हो।

3 मसीह यीशु को अच्छो योद्धा को जसो मोरो संग दु:ख उठाव। 4 जब कोयी योद्धा लड़ाई पर
जावय हय, त येकोलायी कि अपनो भरती करन वालो ख खुश करे, अपनो आप ख जगत को कामों
म नहीं फसावय। 5 अगर कोयी अपनी दवड़ म व्यवस्था को पालन नहीं करे त ईनाम नहीं पावय।
6 जो किसान मेहनत करय हय, उपज को पहिलो हिस्सा ओख मिलनो चाहिये। 7 जो मय कहू हय
ओको पर ध्यान दे, अऊर प्रभु तोख इन सब बातों की समझ देयेंन।

8 असो यीशु मसीह ख याद रख, जो मरयो हुयो म सी जीन्दो भयो, अऊर दाऊद को वंश सी
हय अऊर यो मोरो सुसमाचार को अनुसार हय। 9 कहालीकि सुसमाचार सुनावन लायी मय दु:ख
उठाऊ हय, अऊर यहां तक कि अपराधी को जसो जंजीरो म बान्ध्यो जाऊं हय। पर परमेश्वर को
वचन जंजीरो म बन्ध्यो नहाय। 10 यो वजह मय चुन्यो हुयो लोगों को लायी सब कुछ सहू हय, कि
हि भी उद्धार ख जो मसीह यीशु म हय अनन्त महिमा को संग पाये। 11 या बात सच हय, कि यदि
हम

ओको संग मर गयो हय,
 त ओको संग जाबोंन भी;
12 ✡यदि हम धीरज सी सहतो रहबोंन,
 त ओको संग राज भी करबोंन;
यदि हम ओको इन्कार करबोंन
 त ऊ भी हमरो इन्कार करेंन;
13 यदि हम अविश्वासी भी होना,
 तब भी ऊ विश्वास लायक बन्यो रह्य हय,
 कहालीकि ऊ खुद अपनो इन्कार नहीं कर सकय।

□□□□□□ □□□□□

✡ **1:11** १:११ १ तीमुथियुस २:७ ✡ **2:12** २:१२ मत्ती १०:३३; लूका १२:९

14 इन बातों की याद उन्ख दिलाव अऊर प्रभु को सामने चिताय दे कि शब्दों पर दिमाग मत
लगायो करे, जिन्कोसी कुछ फायदा नहीं होवय बल्की सुनन वालो को आत्मिक रूप सी नाश होय
जावय हंय। 15 अपनो आप ख परमेश्वर को स्वीकारन लायक अऊर असो काम करन वालो ठहरान
की कोशिश कर, जो लज्जित होनो नहीं पाये, अऊर जो सच को वचन ख ठीक रीति सी सिखावय
हय। 16 बेकार अऊर अधार्मिक वाद विवाद सी बच्यो रह्य, कहालीकि या गलत बाते लोगों ख
परमेश्वर सी दूर ले जायेंन, 17 असो लोगों कि शिक्षाये खुलो घाव को जसो शरीर म फैलतच जायेंन।
हुमिनयुस अऊर फिलेतुस उन्म म सी हय। 18 जो यो कह्य क कि पुनरुत्थान भय गयो हय अऊर
सत्य सी भटक गयो हंय कितनो ख त विश्वास सी नाश कर देवय हंय। 19 तब भी परमेश्वर की
पक्की नींव बनी रह्य हय, अऊर ओख पर यो छाप लगी हय: "प्रभु अपनो लोगों ख पहिचानय
हय," अऊर "जो कोयी प्रभु को नाम लेवय हय, ऊ अधर्म सी बच्यो रहेंन।"
20 बड़ो घर म नहीं केवल सोना-चांदीच को, पर लकड़ी अऊर माटी को बर्तन भी होवय हंय; कुछ
खास अवसर को वापरन को लायी अऊर कुछ साधारन वापरन लायी। 21 यदि कोयी अपनो आप ख
बुरी बातों सी शुद्ध करे, त ऊ खास अवसर वापरन को लायी अऊर खास उद्देश को संग कहालीकि
ऊ अपनो मालिक लायी समर्पित अऊर उपयोगी होयेंन, अऊर हर एक अच्छो काम लायी उपयोग
म लायो जायेंन। 22 जवानी की इच्छावों सी भग, अऊर जो शुद्ध मन सी प्रभु को नाम लेवय हय
उन्को संग सच्चो, अऊर विश्वास, अऊर प्रेम, अऊर शान्ति को पीछा कर। 23 पर मूर्खता अऊर
नासमझदारी को विवादों सी अलग रह्य, कहालीकि तय जानय हय कि इन्को सी झगड़ा पैदा होवय
हंय। 24 प्रभु को सेवक ख झगड़ालू नहीं होनो चाहिये, पर ऊ सब को संग दयालु अऊर सहनशील
अऊर अच्छो सिखावन वालो हो। 25 ऊ विरोधियों ख नम्रता सी समझाये, का जाने परमेश्वर उन्ख
मौका दे कि हि अपनो पापों सी फिर क मन फिरावय कि हि भी सच ख पहिचानेंन, 26 अऊर हि सचेत
होय क शैतान को फन्दा सी छूट जाये। जेन उन्ख ओकी इच्छा पूरी करन लायी बन्दी बनायो।

3

1 पर यो याद रख कि आखरी दिनो म कठिन समय आयेंन। 2 कहालीकि आदमी स्वार्थी, लालची,
अभिमानी, निन्दक, माय बाप की आज्ञा टालन वालो, एहसान नहीं मानन वालो, अपवित्र,
3 प्रेमरहित, क्षमारहित, निन्दा करन वालो, असंयमी, कठोर, भलायी को बैरी, 4 विश्वासघाती,
कठोर, अभिमानी, अऊर परमेश्वर को प्रेम नहीं बल्की सुखविलास को चाहन वालो होयेंन। 5 हि
भक्ति को भेष त धरेंन, पर ओकी सामर्थ ख नहीं मानेंन; असो लोगों सी दूर रहजो। 6 इन म सी हि
लोग हंय जो घरो म चुपचाप घुस आवय हंय, अऊर उन कमजोर बाईयों ख वश म कर लेवय हंय
जो पापों को दोष सी दबी अऊर हर तरह की अभिलाषावों को वश म हंय, 7 अऊर हमेशा सीखती
त रह्य हय पर सच ख नहीं जानय। 8 जसो यन्नेस अऊर यम्ब्रेस न मूसा को विरोध करयो होतो,
वसोच हि भी सच को विरोध करय हंय; हि असो आदमी हंय, जिन्की बुद्धी भ्रष्ट भय गयी हय
अऊर हि विश्वास को बारे म असफल हंय। 9 पर हि येको सी आगु नहीं बढ़ सकय, कहालीकि सब
लोग उन्की मुर्खता देखेंन कि हि कितनो मुर्ख हय। वसोच जसो यन्नेस अऊर यम्ब्रेस को संग भयो।

10 पर तय मोरी शिक्षा, आचरन, मोरो जीवन जीन को उद्देश, विश्वास, धीरज, प्रेम, अऊर
सहनशीलता, या पूरी बातों ख अच्छी तरह सी जानय हय। 11 ✡मोरो सताव अऊर मोरो दु:ख।
अन्ताकिया अऊर इकुनियुम अऊर लुस्त्रा म मोख कितनो भयानक यातनायें दी गयी होती। जेक
मय न सह्यो हय तय जानय हय, पर फिर भी प्रभु न मोख इन सब सी छुड़ायो हय। 12 पर जितनो
मसीह यीशु म एक रूप होय क भक्ति को संग जीवन जीनो चाहवय हंय हि सब सतायो जायेंन;
13 पर दुष्ट अऊर बहकान वालो धोका देतो हुयो अऊर धोका खातो हुयो, बिगड़तो चली जायेंन।

✡ **3:11** ३:११ प्रेरितों १३:१४-५२; प्रेरितों १४:१-७; प्रेरितों १४:८-२०

14 पर तय उन सच की बातों पर जो तय न सिख्यो हंय अऊर विश्वास करयो हय, यो जान क
मजबूत बन्यो रह्य कि तय न उन्ख कौन्सो लोगों सी सिख्यो हय, 15 अऊर तय बचपन सी पवित्र
शास्त्र ख जानय हय, जो तोख बुद्धी देवय हय कि तय यीशु मसीह म विश्वास को द्वारा उद्धार तक
पहुंचे। 16 पूरो पवित्र शास्त्र परमेश्वर की प्रेरना सी रच्यो गयो हय हि लोगों ख सच की शिक्षा
देन, अऊर उन्ख सुधारन, अऊर उनकी बुरायी दर्शावन अऊर लायक जीवन जीन को लायी निर्देश
देन लायी फायदेमंद हय, 17 ताकि परमेश्वर को लोग पूरी रीति सी सिद्ध होय जाये, अऊर हर एक
अच्छो काम को लायी तैयार होय जाये।

4

1 परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह की उपस्थिति म जो जीन्दो अऊर मरयो हुयो को न्याय करेंन
अऊर राजा बन क शासन करन आयेंन। गवाह मान क मय बिनती करू हय। 2 कि तय वचन को
प्रचार कर, समय अऊर असमय तैयार रह्य, सब तरह की सहनशीलता अऊर शिक्षा को संग गलती
को सुधार करनो अऊर डाटनो अऊर प्रोत्साहित करनो। 3 कहालीकि असो समय आयेंन जब लोग
सच्चो उपदेश नहीं सह सकेंन, ऊ केवल खुद ख समाधान मिले असी बाते कानो सी सुनन को लायी
अपनी अभिलाषावों को अनुसार अपनो लायी बहुत सो उपदेशक जमा कर लेयेंन, 4 अऊर अपनो
कान सच सी फिराय क काल्पनिक कथा कहानियों पर लगायेंन। 5 पर तय सब बातों म खुद पर ध्यान
रख, दु:ख उठाव, सुसमाचार प्रचार को काम कर, अऊर अपनी सेवा ख पूरी कर।

6 कहालीकि बली चढ़ावन लायी मोरी घड़ी आय गयी हय, अऊर मोरो यो जीवन ख त्यागन को
समय आय गयो हय। 7 मय अच्छी कुश्ती लड़ चुक्यो हय, मय न अपनी दौड़ पूरी कर लियो हय,
मय न विश्वास की रखवाली करी हय। 8 भविष्य म मोरो लायी जीत को ईनाम रख्यो हुयो हय।
जेक प्रभु, जो सच्चो अऊर सच्चायी हय, मोख ऊ दिन देयेंन, अऊर मोखच नहीं बल्की उन सब
ख भी जो ओको प्रगट होन ख प्रिय जानय हंय।

[illegible]

9 मोरो जवर तुरतच आवन की कोशिश कर। 10 ✡कहालीकि देमास न यो जगत ख प्रिय जान
क मोख छोड़ दियो हय अऊर थिस्सलुनीके नगर ख चली गयो हय। क्रेसेन्स गलातिया प्रदेश ख
चली गयो अऊर तीतुस दलमतिया ख चली गयो हय। 11 ✡केवल लूका मोरो संग हय। मरकुस ख
धर क चली आव; कहालीकि सेवा को लायी ऊ मोरो बहुत मदद को हय। 12 ✡तुखिकुस ख मय न
इफिसुस भेज्यो हय। 13 ✡जब तय आयजो त जो कोट त्रोआस म करपुस को यहां छोड़ आयो हय
ऊ ले क आयजो; अऊर मोरी किताबे विशेष कर क् चमड़ा पर लिखी चिट्ठी ख ले क आयजो।

14 ✡सिकन्दर धातु को काम करन वालो न मोख बहुत हानि पहुंचायी हय; परमेश्वर ओख ओको
कामों को अनुसार फर देयेंन। 15 तय भी ओको सी सावधान रह, कहालीकि ओन हमरी उपदेशों को
बहुतच विरोध करयो हय।

16 पहिले मोरो पक्ष म कोयी न मोरो साथ नहीं दियो, बल्की सब न मोख छोड़ दियो होतो। भलो
होय कि येको उन्ख लेखा देनो नहीं पड़ेंन। 17 पर प्रभु मोरो संग खड़ो रह्यो अऊर मोख सामर्थ
दियो, ताकि मोरो सी पूरो-पूरो प्रचार हो अऊर सब गैरयहूदियों सुन ले। मय मौत की सजा सी
छुड़ायो गयो। 18 अऊर प्रभु मोख हर एक बुरो काम सी छुड़ायेंन, अऊर अपनो स्वर्गीय राज्य म
सुरक्षित पहुंचायेंन। ओकीच महिमा हमेशा-हमेशा होती रहेंन। आमीन।

[illegible]

19 ✡प्रिस्का अऊर अक्विला ख अऊर उनेसिफुरुस को घराना ख नमस्कार। 20 ✡इरास्तुस

✡ **4:10** ४:१० कुलुस्सियों ४:१४; फिलेमोन १:२४; २ कुरिन्थियों ८:२३; गलातियों २:३; तीतुस १:४ ✡ **4:11** ४:११ कुलुस्सियों ४:१४; फिलेमोन १:२४; प्रेरितों १२:१२,२५; १३:१३; १५:३७-३९; कुलुस्सियों ४:१०; फिलेमोन १:२४ ✡ **4:12** ४:१२ प्रेरितों २०:४; इफिसियों ६:२१,२२; कुलुस्सियों ४:७,८ ✡ **4:13** ४:१३ प्रेरितों २०:६ ✡ **4:14** ४:१४ १ तीमुथियुस १:२०; रोमियों २:६ ✡ **4:19** ४:१९ प्रेरितों १८:२; २ तीमुथियुस १:१६,१७ ✡ **4:20** ४:२० प्रेरितों १९:२२; रोमियों १६:२३; प्रेरितों २०:४; २१:२९

कुरिन्थुस म रह्यो गयो, अऊर त्रुफिमुस ख मय न मिलेतुस म बीमार छोड्यो हय।
21 ठंडी सी पहिले चली आवन की कोशिश कर। यूबूलुस, अऊर पूदेंस, अऊर लीनुस अऊर
क्लौदिया, अऊर सब विश्वासी भाऊवों-बहिनों को तोख नमस्कार।
22 प्रभु तोरी आत्मा को संग रहे।
तुम पर परमेश्वर को अनुग्रह होतो रहे।

तीतुस के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री
तीतुस को नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी
परिचय

तीतुस की किताब पौलुस कि चार चिट्ठी म सी एक आय जेक मण्डली को बजाय कोयी आदमी ख सम्बोधित करयो जात होतो। दूसरी तीन चिट्ठी १ तीमुथियुस, २ तीमुथियुस अऊर फिलेमोन आय। पौलुस तीतुस ख लिख रह्यो होतो, पर ओन यो भी लिख्यो कि चिट्ठी सार्वजनिक रूप सी बड़ो रीति सी पढ़यो जाय सकय हय। हम येख जान सकजे हय कहालीकि ऊ एक प्रेरित को रूप म अपनी योग्यता बतावय हय, जो कि तीतुस पहिले सीच जानत होतो। पौलुस न शायद मसीह को जनम को बाद ६३-६५ साल को बीच या चिट्ठी ख लिख्यो होतो।

पौलुस न तीतुस ख क्रेते द्वीप पर मौजूद मण्डली को नेतृत्व करन को निर्देश दियो होतो। पौलुस न अगुवा ख मण्डली को मुखिया को चुनन अऊर प्रशिक्षण पर निर्देश देन लायी या चिट्ठी ख लिख्यो होतो। ओन तीमुथियुस ख अपनी चिट्ठियों म सब ख एक जसो निर्देश दियो। ओकी चिट्ठी म वर्नन करयो गयो हय कि कसो मण्डली को अगुवा ख उंचो पद वालो मान क आयोजित करयो जानो चाहिये। मण्डली को अगुवा ख अज नेतृत्व म जरूरी स्तर पर सावधानी सी ध्यान देनो चाहिये।

रूप-रेखा

१. पौलुस न मसीही अगुवा की नियुक्त करन लायी तीतुस ख निर्देश दियो। [illegible]
२. फिर ऊ लोगों ख मसीही जीवन जीन लायी तैयार करन लायी भी निर्देश देवय हय। [illegible]
३. आखिरकार, पौलुस अपनी कुछ योजनावों ख साझा कर क् अऊर बधायी भेज क चिट्ठी लिखनो बन्द करय हय। [illegible]

1 पौलुस को तरफ सी जो परमेश्वर को सेवक अऊर यीशु मसीह को प्रेरित हय।
परमेश्वर को चुन्यो हुयो लोगों ख उन्को विश्वास म मदत करन लायी अऊर हमरो धर्म को सच्चो
ज्ञान को तरफ बड़ावन लायी भेज्यो गयो हय। 2 ऊ अनन्त जीवन की आशा पर जेकी प्रतिज्ञा
परमेश्वर न, जो झूठ बोल नहीं सकय सनातन काल सी करी हय, 3 पर ठीक समय पर अपनो वचन
ख ऊ प्रचार सी प्रगट करयो, जो हमरो उद्धारकर्ता परमेश्वर की आज्ञा को अनुसार मोख सौंप्यो
गयो अऊर प्रचार करयो गयो हय।
4 ✡तीतुस को नाम, जो विश्वास को सहभागिता को बिचार सी मोरो सच्चो बेटा आय!
परमेश्वर पिता अऊर हमरो उद्धारकर्ता मसीह यीशु को तरफ सी तोख अनुग्रह अऊर शान्ति
मिलती रहे।

[illegible]

5 मय येकोलायी तोख क्रेते म छोड़ आयो होतो कि तय बची बातों ख सुधारे, अऊर मोरी आज्ञा
को अनुसार नगर नगर को मण्डलियों को बुजूर्गों ख चुने। 6 ✡जो निर्दोष अऊर एकच पत्नी को पति
हो, जिन को बच्चा विश्वासी हो, अऊर अनुशासन हिनता को दोष उन पर नहीं लगायो जाय सके
तथा ऊ कानुन को पालन करन वालो भी नहीं हो। 7 कहालीकि मुखिया ख परमेश्वर को काम को
व्यवस्थापक होन को वजह ऊ निर्दोष होन ख होना; ओख हटिलो नहीं, जल्दी गुस्सा करन वालो
नहीं, पियक्कड़ नहीं, मार पीट करन वालो नहीं, अऊर नहीं पैसा को लालची हो, 8 पर मेहमान
को आदर करन वालो, भलायी को चाहन वालो, संय्यमी, सच्चो, पवित्र अऊर सभ्यतासिल होनो
चाहिये; 9 ओख ऊ विश्वास करन लायक अऊर सिद्धता पर सहमत होन वालो सन्देश ख मजबुतायी

✡ **1:4** १:४ २ कुरिन्थियों ८:२३; गलातियों २:३; २ तीमुथियुस ४:१० ✡ **1:6** १:६ १ तीमुथियुस ३:२-७

सी पकड़ ख रहनो चाहिये यो तरह लोगों ख सच्चायी की शिक्षा दे क उन्ख प्रोत्साहित करे अऊर
येको संग जो येको विरोधी आय ओको खण्डन कर सके।
10 कहालीकि बहुत सो लोग नियम ख तोड़न वालो, बकवास करन वालो अऊर धोका देन वालो
आय; विशेष कर यहूदी म सी आयो हय। 11 यो जरूरी हय कि इन्को मुंह बन्द करनो चाहिये।
कहालीकि हि लोग बुरो उपदेश की कमायी लायी बेकार बाते सिखाय क घर को घर बिगाड़ देवय
हंय। 12 उन म सी एक क्रेते कोच भविष्यवक्ता न, लोगों को बारे म खुद कह्यो हय जो उन्कोच
आय, कह्यो हय, “क्रेती को निवासी हमेशा झूठ बोलय हय, दुष्ट पशु, अऊर आलसी पेटू होवय
हंय।” 13 या गवाही सच हय, येकोलायी उन्ख कठोरता सी चेतावनी दियो कर कि हि विश्वास
म पक्को होय जाये, 14 अऊर यहूदियों की कथा कहानियों अऊर उन आदमियों की आज्ञावों पर
मन नहीं लगाये, जो सच ख इन्कार करय हय। 15 शुद्ध लोगों लायी सब चिजे शुद्ध हंय, पर अशुद्ध
अऊर अविश्वासियों को लायी कुछ भी शुद्ध नहाय, बल्की उनकी बुद्धी अऊर विवेक दोयी अशुद्ध
हंय। 16 हि कह्य हंय कि हम परमेश्वर ख जानजे हंय, पर अपनो कामों सी ओको इन्कार करजे
हंय; कहालीकि हि घृणित अऊर आज्ञा नहीं मानन वालो हंय, अऊर कोयी अच्छो काम को लायक
नहाय।

2

[illegible]

1 पर तय असी बाते सिखायो कर जो सच्चो सिद्धान्त को लायक हंय। 2 यानेकि बुजूर्ग आदमी
सालिन, सचेत अऊर स्वंय नियंत्रित हो; अऊर उन्को विश्वास म मजबूत, प्रेम अऊर धैर्यपूर्वक
सहनशील हो। 3 योच तरह बूढ्ढी बाईयां को चाल चलन पवित्र लोगों को जसो हो; वा निन्दक
नहीं बने, दारू को व्यसन कि लत उन्ख नहीं हो, पर अच्छी बाते सिखावन वाली होना 4 ताकि हि
जवान बाईयों ख चेतावनी देती रहेंन कि अपनो पतियों ख अऊर बच्चा सी प्रेम रखे; 5 अऊर खुद
नियंत्रित, पवित्र, अपनो घर की देखरेख, दयालु अऊर अपनो पति को अधीन रहन वाली बने,
ताकि कोयी भी परमेश्वर को तरफ सी आवन वाली वचन की निन्दा नहीं करे।
6 असोच जवान आदमियों ख भी समझायो कर कि खुद नियंत्रित हो। 7 सब बातों म अपनो आप
ख सच्चो आचरन को उदाहरन बन। तोरो शिक्षा म सफाई, गम्भीरता, 8 अऊर असी सच्चायी पायो
जाये कि कोयी ओकी आलोचना नहीं कर सकेंन, तोरो दुश्मन शर्मिन्दा हो कहालीकि तोरो विरोध
म बुरो कहन ख कुछ नहीं रहेंन।
9 सेवकों ख सिखावो कि अपनो मालिक को अधीन रहे, अऊर सब बातों म उन्ख खुश रखेंन।
अऊर उलट क उन्ख जवाब नहीं दे; 10 चोरी चालाकी नहीं करे, पर सब तरह सी पूरो विश्वासी
निकले कि हि सब बातों म हमरो उद्धारकर्ता परमेश्वर कि शिक्षा की हर तरह की शोभा बढ़ाये।
11 कहालीकि परमेश्वर को ऊ अनुग्रह प्रगट हय, जो सब आदमियों को उद्धार को वजह हय,
12 अऊर ऊ अनुग्रह हम्ख सिखावय हय कि हम अभक्ति अऊर सांसारिक अभिलाषावों ख त्याग
दे अऊर खुद ख नियंत्रित, उचित अऊर भक्तिमय जीवन यो जगत म जीये। 13 अऊर ऊ धन्य
आशा की मतलब अपनो महान परमेश्वर अऊर उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा को प्रगट होन
की बाट देखतो रहे। 14 ✡जेन अपनो आप ख हमरो लायी दे दियो कि हम्ख हर तरह को बुरायीयों
सी छुड़ाये, अऊर हम्ख ओकोच शुद्ध लोग बनाये अऊर हम अच्छो-अच्छो कामों सी तत्पर रहे।
15 पूरो अधिकार को संग या बाते सिखाव, जसो तय तोरो विरोधियों ख डाटय अऊर प्रोत्साहित
करय हय कि कोयी तोख बेकार समझनो नहीं पाये।

3

[illegible]

✡ **2:14** २:१४ १ पतरस २:९

1 लोगों ख याद दिलाव कि हि शासकों अऊर अधिकारियों को अधीन रहे, अऊर उन्की आज्ञा को
पालन करे, अऊर हर एक अच्छो काम लायी तैयार रहे, 2 उन्ख बताव कोयी की निन्दा मत करो,
पर शान्तता सी अऊर दोस्ती सी रहो; अऊर सब को संग हमेशा नरम स्वभाव रखे। 3 कहालीकि
हम भी पहिले नासमझ, अऊर आज्ञा नहीं मानन वालो, अऊर गलत होतो। अऊर कुछ तरह की
इच्छावों अऊर सुखविलास को चाहत म होतो, अऊर बैरभाव, अऊर जलन करन म जीवन बितावत
होतो, अऊर घृना रखत होतो, अऊर एक दूसरों सी दुश्मनी रखत होतो। 4 पर जब हमरो उद्धारकर्ता
परमेश्वर की भलायी अऊर प्रेम प्रगट भयो, 5 त ओन हमरो उद्धार करयो; अऊर यो अच्छो कर्मों
को वजह सी नहीं, जो हम न खुद करयो, पर ओकी दया सी हम्ख बचायो पवित्र आत्मा को द्वारा,
जो हम्ख नयो जनम देवय हय अऊर धोय क हम्ख नयो जीवन देवय हय। 6 परमेश्वर न हम पर
पवित्र आत्मा ख उद्धारकर्ता यीशु मसीह को द्वारा भरपूरी सी दियो हय। 7 अपनो अनुग्रह को द्वारा
ओको संग सच्चो ठहरायो हय, ताकी हम अनन्त जीवन की आशा ख उत्तराधिकार ख पा सके।
8 यो सच कह्यो गयो हय, अऊर मय चाहऊ हय कि तय इन बातों को बारे म हिम्मत सी बोले
येकोलायी कि जिन्न परमेश्वर पर विश्वास करयो हय, हि अच्छो-अच्छो कामों म लग्यो रहन को
ध्यान रखे। या बाते अच्छी अऊर आदमियों को फायदा की हंय। 9 पर मूर्खता को विवादों, अऊर
वंशावलियों, अऊर विरोध अऊर झगड़ा सी जो व्यवस्था को बारे म हो, बच्यो रहे; कहालीकि हि
निष्फल अऊर बेकार हय। 10 जो फूट डालय हय ओख कम सी कम दोय बार चेतावनी दे, अऊर
फिर ओख अकेलो छोड़ दे। 11 कहालीकि तुम जानय हय कि असो लोग पापी भय गयो हय अऊर
उन्को जवर ऊ गलत होन को प्रमान देवय हय।

[illegible]

12 ✡जब मय तोरो जवर अरतिमास यां तुखिकुस ख भेजूं त मोरो जवर निकुपुलिस नगर म आवन
की कोशिश करजो, कहालीकि मय न उच ठंडी को समय बितावन को परख लियो हय। 13 ✡जेनास
वकील अऊर अपुल्लोस ख कोशिश कर क् आगु पहुंचाय दे, अऊर देख कि उन्ख कोयी चिज की
कमी नहीं होनो पाये। 14 हमरो लोग भी अच्छो काम करनो सिखनो चाहिये ताकि जो जरूरी हय
ओकी पूर्ति होय सके अऊर बेकार को जीवन नहीं जीये।
15 मोरो सब संगियों को तोख नमस्कार।
जो विश्वास को वजह हम सी प्रीति रखय हंय, उन्ख नमस्कार। तुम सब पर अनुग्रह होतो
रहेंन।

✡ **3:12** ३:१२ प्रेरितों २०:४; इफिसियों ६:२१,२२; कुलुस्सियों ४:७,८; २ तीमुथियुस ४:१२ ✡ **3:13** ३:१३ प्रेरितों १८:२४; १ कुरिन्थियों १६:१२

फिलेमोन के नाम पौलुस प्रेरित की पत्री

फिलेमोन को नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी

परिचय

फिलेमोन की या छोटी किताब प्रेरित पौलुस को द्वारा लिखी गयी होती। १:१ पौलुस जेलखाना म होतो तब ओन या चिट्ठी ख लिख्यो होतो, जेको अर्थ हय कि ऊ रोम सी लिख रह्यो होतो। अगर ऊ रोम सी होतो त या मसीह को जनम को ६१ साल बाद लिख्यो होना जो ऊ समय कुलुस्सियों न भी लिख्यो होतो।

या चिट्ठी फिलेमोन नाम को एक व्यक्ति ख लिख्यो होतो। फिलेमोन मण्डली को सदस्य अऊर मालिक भी होतो पौलुस न ओको सी पुच्छ्यो कि ऊ अपनो सेवक उनेसिमुस ख सजा नहीं देयेंन, जो फिलेमोन को इत सी भग गयो होतो, रोमन शासन को द्वारा फिलेमोन को उनेसिमुस ख मौत की सजा देन को अधिकार होतो, पौलुस फिलेमोन को एक मसीह भाऊ को रूप म उनेसिमुस ख स्वीकार करनो यां प्रोत्साहित करन लायी प्रेरक तर्कों को उपयोग करत होतो, अऊर यो भी सुझाव देत होतो की उनेसिमुस ख पौलुस को संग सेवा करन की अनुमति देत होतो। १:१३-१४

रूप-रेखा

१. पौलुस फिलेमोन ख नमस्कार करय हय। [illegible]
२. पौलुस उनेसिमुस को तरफ सी पूछय हय कि फिलेमोन ओख एक मसीह भाऊ को रूप म स्वीकार करेंन। [illegible]
३. पौलुस की यात्रा करनो अऊर बधायी भेजन की घोषना कर क् चिट्ठी लिखनो बन्द करय हय। [illegible]

[illegible]

1 तीमुथियुस अऊर मय पौलुस को तरफ सी जो प्रभु मसीह यीशु को लायी मय बन्दी बन्यो
हय, हमरो प्रिय भाऊ सहकर्मी फिलेमोन, 2 ✡अऊर बहिन अफफिया, अऊर हमरो संगी योद्धा
अरखिप्पुस अऊर फिलेमोन को घर म जमा होन वाली मण्डली को नाम।
3 हमरो पिता परमेश्वर अऊर प्रभु यीशु मसीह को तरफ सी अनुग्रह अऊर शान्ति तुम्ख मिलती
रहे।

[illegible]

4 भाऊ फिलेमोन, मय हमेशा परमेश्वर को धन्यवाद करू हय, अऊर अपनी प्रार्थनावों म भी
तोख याद करू हय। 5 कहालीकि मय प्रभु यीशु मसीह को लोगों को प्रति तुम्हरो प्रेम अऊर
विश्वास को बारे म सुनतो रहू हय, 6 मय प्रार्थना करू हय कि आप खुद को विश्वास ख बाटन
म तत्पर बन्यो रहे जेकोसी यीशु मसीह म एकता को द्वारा हमरी जीवन की पूरी अच्छी बातों को
तुम्ख पूरी रीति सी ज्ञान हो। 7 कहालीकि हे भाऊ, मोख तोरो प्रेम सी बहुत खुशी अऊर प्रोत्साहन
मिल्यो, येकोलायी कि तोरो सी परमेश्वर को लोगों को मन खुश भय गयो हंय।

[illegible]

8 येकोलायी कि मोख मसीह म भाऊ होन को नाते जो तुम ख करनो चाहिये ओख धीरज सी
बतावन को अधिकार मोरो म हय। 9 तब भी ऊ प्रेम को वजह मोख यानेकि पौलुस को लायी
जो अब यीशु मसीह को कैदी भी आय, योच ठीक जान पड़यो कि तोरो सी बिनती करू। 10 ✡त
मय उनेसिमुस को तरफ सी आप ख बिनती करू हय, जो मसीह म मोरो टुरा हय अऊर जब मय
जेलखाना को समय मय ओको आत्मिक बाप बन्यो। 11 ऊ त पहिले तोरो कुछ काम को नहीं होतो,
पर अब तोरो अऊर मोरो दोयी को बड़ो काम को हय।

✡ **1:2** १:२ कुलुस्सियों ४:१७ ✡ **1:10** १:१० कुलुस्सियों ४:९

12 ओखच यानेकि जो मोरो दिल को टुकड़ा आय, मय न ओख तोरो जवर लौटाय दियो हय।
13 ओख मय अपनोच जवर रखनो चाहत होतो कि तोरो तरफ सी यो जेल म जो सुसमाचार को वजह
हय, तोरी जागा पर मोरी सेवा करे। 14 पर मय न तोरी इच्छा को बिना कुछ भी करनो नहीं चाह्यो
कि तोरी यो कृपा दबाव सी नहीं पर खुशी सी होय।
15 शायद ऊ मोरो सी कुछ दिन लायी योच वजह अलग भयो कि अनन्त काल तक तोरो जवर
रहे। 16 पर अब सी सेवक को जसो नहीं, बल्की सेवक सी भी अच्छो, यानेकि ऊ मोख त प्रिय हय
पर ऊ आदमी अऊर एक प्रभु भाऊ होन को नाते ओख मोरो सी जादा प्रेम करो।
17 येकोलायी यदि तय मोख सहभागी समझय हय, त ओख यो तरह स्वीकार कर जसो मोख करय
हय। 18 अऊर यदि ओन तोरी कुछ हानि करी हय, यां ओको पर तोरो कुछ कर्जा आवय हय, त मोरो
नाम पर लिख ले। 19 मय पौलुस अपनो हाथ सी लिखूं हय, कि मय खुद भर देऊ; अऊर मोख कुछ
बतावन की जरूरत नहाय, कि तय त मोरो जीवन भर को लायी मोरो कर्जदार हय। 20 हे भाऊ, मोख
तोरो सी प्रभु यीशु मसीह म यो फायदा प्राप्त हो मोरो दिल ख ताजगी मिले।
21 मय निश्चित होय क यो तोख लिखू हय, जो मय न तोख करन लायी कह्यो ऊ तय करजो।
अऊर यो जानु हय कि जो कुछ मय कहू हय, तय ओको सी कहीं बढ़ क करजो। 22 अऊर यो भी कि
मोरो लायी रूकन की जागा तैयार रख। मोख आशा हय कि तुम्हरी प्रार्थनावों को द्वारा परमेश्वर
मोख तुम्हरो जवर लौटाय देयेंन।

[illegible]

23 ✡इपफ्रास, जो मसीह यीशु म मोरो संग कैदी हय, 24 ✡अऊर मरकुस अऊर अरिस्तर्खुस अऊर
देमास अऊर लूका जो मोरो सहकर्मी हंय, इन्को तोख प्रनाम।
25 हमरो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम सब पर बन्यो रहेंन।

✡ **1:23** १:२३ कुलुस्सियों १:७; ४:१२ ✡ **1:24** १:२४ प्रेरितों १२:१२,२५; १३:१३; १५:३७-३९; कुलुस्सियों ४:१०; प्रेरितों १९:२९; २७:२; कुलुस्सियों ४:१०; कुलुस्सियों ४:१४; २ तीमुथियुस ४:१०; कुलुस्सियों ४:१४; २ तीमुथियुस ४:११

इब्रानियों के नाम पत्री
इब्रानियों को नाम चिट्ठी
परिचय

यीशु पूरानो नियम को बहुत सो भविष्यवानियों ख पूरो कसो करय हय येख दिखावन वालो "इब्रानियों कि चिट्ठी" या एक धिरज देन वाली किताब आय। एक उपदेश सी येकी रचना करी गयी हय। पूरी भविष्यवानी अऊर मुख्य याजकों की जिम्मेदारियों ख यीशु मसीह न कसो पूरो करयो यो स्पष्टता सी दिखावन वालो ६० सी ज्यादा पूरानो नियम को सन्दर्भ या किताब म हय। योच वजह या किताब यहूदी मसीह लोगों को लायी प्रोत्साहन देन वाली मानी गयी। येको आगु याजकों न यज्ञ करन की जरूरत नहाय या व्यवस्था यीशु न कसो पूरो करयो यो या किताब म स्पष्ट करयो गयो हय। सब पापों को लायी एकच बार अऊर हमेशा हमेशा को यज्ञ असो यीशु भयो। या किताब सी हम्ख असो समझ म आवय हय कि, यीशु मसीह, हम्ख परमेश्वर पर विश्वास करन लायी तैयार करय हय १२:२ योच रीति सी यो युग को हम मसीही विश्वासियों लायी या किताब म बड़ो प्रोत्साहन हय। हम्ख ओको पर निर्भर रहनो चाहिये।

इब्रानियों की चिट्ठी कौन न लिखी यो हम्ख मालूम नहाय त भी कुछ विद्वानों को माननो हय कि, यो प्रेरित पौलुस, लूका, यां बरनबास इन परमेश्वर को सेवकों न लिख्यो होना। वसोच या किताब कब लिखी गयी यो भी हम्ख मालूम नहाय। त भी बहुत सो विद्वान असो मानय हय कि, यो मसीह को जनम को बाद ७० साल को पहिले लिखी गयी होना। यो वजह असो कि, जब यरूशलेम शहर ७० साल म नाश करयो गयो त भी या किताब म यरूशलेम को वर्नन यो तरह करयो गयो कि, जसो कि ऊ नाश करयो गयो नहीं होतो या किताब बहुत सो मण्डलियों म जाय क पड़यो गयो होना। ऊ रोम शहर म लिख्यो गयो होतो।१३:२४

रूप-रेखा

१. लिखन वालो असो दिखावय हय कि, यीशु यो परमेश्वर को पूरो भविष्यवक्ता अऊर स्वर्गदूत इन सी भी महान हय। *[illegible]*
२. येको बाद ऊ यो दिखावय हय कि जो याजक यरूशलेम को मन्दिर म सेवा करय हय उन सी भी यीशु महान हय। *[illegible]*
३. मूसा ख दियो गयो आज्ञावों को द्वारा जो पुरानी व्यवस्था परमेश्वर न अपनो लोगों सी करयो ओको सी भी यीशु की सेवा महान हय। *[illegible]*
४. यीशु हर बात म श्रेष्ठ हय यो स्पष्ट करन को बाद लेखक बहुत सो दिनचर्या को व्यवहारों को बारे म सुचना करय हय। *[illegible]*
५. आखरी म कुछ सीख अऊर शुभेच्छा दे क लेखक या चिट्ठी ख खतम करय हय। *[illegible]*

[illegible]

1 पहिले को युग म परमेश्वर न बापदादों सी थोड़ो थोड़ो कर क् अऊर तरह तरह सी
भविष्यवक्तावों को द्वारा बाते करी, 2 यो आखरी दिनो म ओन हम सी बेटा को द्वारा बाते करी।
जेक ओन पूरी चिजों को उत्तराधिकारी ठहरायो अऊर ओकोच द्वारा परमेश्वर न पूरी सृष्टि की
रचना करी हय। 3 ऊ बेटा परमेश्वर की महिमा को उजाड़ो अऊर ओको स्वरूप की पक्की छाप
आय, अऊर सब चिजों ख अपनी सामर्थ को वचन सी सम्भालय हय। ऊ आदमी जाती को पापों ख
माफी कर क् स्वर्ग म जाय क महामहिम को दायो तरफ जाय क बैठ गयो।

[illegible]

4 यो तरह बेटा ख स्वर्गदूतों सी महान बनायो गयो उच तरह जसो परमेश्वर न ओख स्वर्गदूतों
सी उत्तम नाम दियो। 5 कहालीकि परमेश्वर न कोयी भी स्वर्गदूतों सी असो नहीं कह्यो,

“तय मोरो बेटा आय,
अज तय मोरो बाप बन्यो हय”
अऊर नहीं कोयी स्वर्गदूत सी कह्यो हय
“मय तोरो बाप बनू
अऊर तय मोरो बेटा होजो?”
6 पर जब परमेश्वर ओको पहिले जनम्यो सन्तान ख जगत म भेजय हय, त ऊ कह्य हय,
“परमेश्वर को सब स्वर्गदूत ओकी आराधना करे।”
7 पर परमेश्वर स्वर्गदूतों को बारे म यो कह्य हय,
“ऊ अपनो दूतों ख हवा,
अऊर अपनो सेवकों ख धधकती आगी बनावय हय।”
8 पर परमेश्वर बेटा को बारे म असो कह्य हय, “हे परमेश्वर, तोरो सिंहासन, हमेशा हमेशा रहेंन:
अऊर तोरो राज्यदण्ड न्याय सी चलेंन अऊर तुम्हरो अपनो लोगों पर अधिकारदण्ड रहेंन। 9 तय
न जो सच्चायी हय ओको सी प्रेम करयो हय अऊर दुष्टता सी घृना करय हय; यो वजह परमेश्वर,
तोरो परमेश्वर न खुशी को तेल सी तोरो अभिषेक करन को द्वारा संगियों सी बढ़ क चुन्यो।”* 10 वचन
यो भी कह्य हय,
“हे प्रभु, सुरूवात सी तय न धरती की नींव डाली,
अऊर स्वर्ग तोरो हाथों की कारीगरी आय।
11 हि त नाश होय जायेंन, पर तय बन्यो रहजो;
अऊर हि सब कपड़ा को जसो जिर्न होय जायेंन,
12 अऊर तय उन्ख कोट को जसो लपेटजो,
अऊर हि कपड़ा को जसो बदल जायेंन।
पर तय वसोच रहजो
अऊर तोरो जीवन को अन्त नहीं होयेंन।”
13 अऊर स्वर्गदूतों म सी परमेश्वर न कोन्को सी कब कह्यो,
“तय मोरो दायो तरफ बैठ,
जब तक कि मय तोरो दुश्मनों ख
तोरो पाय को खल्लो की चौकी नहीं बनाय देऊ?”
14 का यो स्वर्गदूत वा आत्मायें नोहोय? जो आत्मायें परमेश्वर की सेवा अऊर ओको द्वारा उद्धार
पान वालो ख मदत करन लायी भेजी जावय हंय?

2

[illegible]

1 येकोलायी हम्ख अऊर जादा सावधानी को संग, जो सत्य कि बाते जो हम न सुनी, अऊर भी
मन लगायो, असो नहीं होय कि बहक क उन्को सी दूर चली जाये। 2 कहालीकि जो सन्देश स्वर्गदूतों
सी हमरो बापदादों ख कह्यो गयो होतो, जिन्न ओको उल्लंघन करयो ओख दण्ड मिल्यो जेको हि
उचित होतो, 3 त हम असो बच सकजे हय यदि हम यो महान उद्धार पर हमरो ध्यान नहीं दे? जेको
बारे म प्रभु न पहिले हम्ख बतायो, अऊर जिन्न ओख सुन्यो ऊ हमरो लायी निश्चय भयो कि ऊ
उद्धार सत्य हय। 4 अऊर संगच परमेश्वर भी अपनी इच्छा को अनुसार चिन्हों, अऊर अचम्भा को
कामों, अऊर अलग अलग तरह को सामर्थ को कामों, अऊर पवित्र आत्मा को वरदानों को बाटन
को द्वारा येकी गवाही देतो रह्यो।

[illegible]

5 परमेश्वर न ऊ आवन वालो जगत ख जेकी चर्चा हम कर रह्यो हंय, स्वर्गदूतों को अधीन नहीं
करयो। 6 बल्की कोयी न पवित्र शास्त्र म यो गवाही दी हय,
“त आदमी का हय कि तय ओकी चिन्ता करे?

* 1:9 १:९ भजन ४५:६,७

यो आदमी को बेटा का हय कि तय ओकी चिन्ता करे?
7 तय न ओख स्वर्गदूतों सी कुछच कम करयो;
तय न ओको पर महिमा अऊर आदर को मुकुट रख्यो,
8 अऊर उन्ख पूरी चिजों पर शासक बनाय दियो।"
येकोलायी यो कह्य हय कि परमेश्वर न उन्ख, पूरी चिजों पर शासक बनायो हय, येको म स्पष्ट रूप
सी सब कुछ शामिल हय। पर हम सब चिजों पर शासन करन वालो आदमियों ख नहीं देखजे हंय।
9 पर हम यीशु ख जो स्वर्गदूतों सी कुछच कम करयो गयो होतो, मृत्यु को दु:ख उठावन को वजह
महिमा अऊर आदर को मुकुट पहिन्यो हुयो देखजे हंय, ताकि परमेश्वर को अनुग्रह सी ऊ हर एक
आदमी लायी मरे। 10 यो परमेश्वर को लायी सही होतो, जेन सब बातों ख बनायो अऊर सम्भाल्यो
रख्यो, यीशु ख भी यातनावों को द्वारा परिपूर्ण बनानो चाहिये ताकी बहुत सो सन्तान ओकी महिमा
म सामिल होय सके। कहालीकि यीशुच एक हय जो उन्ख उद्धार को तरफ ले जावय हय।
11 ऊ लोगों ख उन्को पापों सी पवित्र करय हय अऊर हि दोयी ऊ पवित्र करयो हुयो, सब एकच
परिवार को आय। येकोलायी यीशु उन्ख अपनो भाऊ कहनो सी नहीं लजावय। 12 ऊ परमेश्वर सी
कह्य हय,
"मय तोरो नाम अपनो भाऊवों अऊर बहिनों ख सुनाऊ;
अऊर सभा को बीच म मय तोरी प्रशंसा करू।"
13 अऊर ऊ यो भी कह्य हय "मय अपनो भरोसा परमेश्वर पर रखू।" अऊर कह्य हय, "मय यहां
परमेश्वर न दी हुयी सन्तान को संग हय।"
14 येकोलायी जब कि लड़का मांस अऊर खून को भागी हंय, त यीशु खुदच उन्को जसो उन्को
सहभागी भय गयो, ताकि मृत्यु को द्वारा ओख जो मृत्यु पर शक्ति मिली भी, मतलब शैतान ख नाश
कर दे; 15 योच रीति सी जितनो मृत्यु को डर को वजह जीवन भर गुलामी म फस्यो होतो, उन्ख
छुड़ाय लेजो। 16 कहालीकि यो निश्चित हय कि ऊ स्वर्गदूतों की नहीं बल्की अब्राहम को वंश
ख मदत करय हय। 17 यो वजह ओख चाहिये होतो, कि सब बातों म अपनो भाऊवों को जसो बने;
जेकोसी ऊ उन बातों म जो परमेश्वर सी सम्बन्ध रखय हंय, एक दयालु अऊर विश्वास लायक
महायाजक बने ताकि लोगों को पापों की माफी लायी प्रायश्चित करे। 18 कहालीकि जब ओन
परीक्षा की दशा म दु:ख उठायो, त ऊ उन्की भी मदत कर सकय हय जेकी परीक्षा होवय हय।

3

▯▯▯▯▯ ▯▯▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯▯

1 येकोलायी हे मसीही भाऊवों अऊर बहिनों, तुम जो परमेश्वर को द्वारा बुलायो गयो हय खुद
अपनो ध्यान यीशु पर लगायो रखो, जेक परमेश्वर न मुख्य याजक बनन लायी भेज्यो गयो होतो
ओख जेक पर हम हमरी कबूली देजे हय। 2 ऊ जेन ओख चुन्यो ऊ परमेश्वर को प्रती विश्वास
लायक होतो, ठीक वसोच जसो मूसा अपनो काम को प्रती परमेश्वर को घरानों म विश्वास लायक
होतो। 3 जसो घर बनावन वालो एक आदमी घर सी जादा खुद आदर को पात्र होवय हय, उच
रीति सी यीशु भी मूसा सी जादा आदर को पात्र मान्यो गयो। 4 कहालीकि हर एक घर ख कोयी न
कोयी बनावन वालो होवय हय, पर परमेश्वर त हर चिज ख बनावन वालो आय। 5 मूसा त परमेश्वर
को पूरो घर म सेवक को जसो विश्वास लायक होतो, ओन वा बाते करी जो भविष्य म परमेश्वर
को द्वारा कह्यो जानो होतो। 6 पर मसीह बेटा को रूप म परमेश्वर को घर म विश्वास लायक हय।
अऊर ओको घर हम आय, यदि हम हमरो साहस अऊर जेको पर हम घमण्ड करजे हय ऊ आशा पर
मजबुतायी सी स्थिर रहे।

▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯▯▯ ▯ ▯▯▯▯▯

7 येकोलायी जसो पवित्र आत्मा कह्य हय, "यदि अज तुम परमेश्वर की आवाज सुनो, 8 त
अपनो मन ख कठोर मत करो, जसो कि तुम्हरो पूर्वजों जब उनकी मरूस्थल म परीक्षा होय रही

होती परमेश्वर को खिलाफ बगावत करी होती। 9 परमेश्वर कह्य हय उत उन्न परीक्षा करी अऊर
परख्यो तब भी मोरो कार्यो ख देख जेक मय अऊर चालीस साल तक जो मय न उन्को लायी करयो
ओख देख्यो। 10 यो वजह मय ऊ पीढ़ी को लोगों सी गुस्सा रह्यो, अऊर कहतो रह्यो, 'इन्को मन
हमेशा सीच अप्रमानित अऊर हि मोरी रस्ता जानय नहाय।' 11 तब मय न गुस्सा म आय क कसम
खायी, 'येकोलायी जित मय उन्ख आराम देऊ उत हि कभी आराम नहीं कर पायेंन।' "
12 हे भाऊवों अऊर बहिनों, सावधान रहो कि तुम म असो कोयी को असो बुरो अऊर अविश्वासी
मन नहीं हो, जो तुम्ख जीन्दो परमेश्वर सी दूर हटाय ले जाये। 13 पर येको बदला जब तक यो "अज
को दिन" कहलावय हय, तुम हर दिन एक दूसरों ख प्रोत्साहन देतो रहो, ताकी तुम म सी कोयी भी
पाप म भरमायो नहीं जाये अऊर नहीं कठोर होय जाये। 14 यदि हम आखरी तक मजबुतायी को संग
अपनो सुरूवात को आत्मविश्वास ख पकड़यो रह्य हय त हम मसीह को भागीदार बन जाजे हय।
15 जसो शास्त्र कह्य हय,
"यदि अज तुम परमेश्वर को आवाज सुनो,
त अपनो मनों ख कठोर मत करो,
जसो बगावत को दिनो म तुम्हरो पूर्वजों न करयो होतो।"
16 भलो हि कौन लोग होतो जिन्न परमेश्वर की आवाज सुनी अऊर ओको खिलाफ बगावत
करयो? का हि लोग नहीं होतो, जिन्ख मूसा न मिस्र सी बचाय क निकाल्यो होतो? 17 अऊर
परमेश्वर चालीस साल तक कौन लोगों सी गुस्सा रह्यो? का उन्कोच पर नहीं जिन्न पाप करयो
होतो, अऊर उन्को लाश मरूस्थल म पड़यो होतो? 18 अऊर परमेश्वर न कौन्सो लोगों लायी
कसम खायी होती कि हि तुम मोरो आराम जागा म सिर पावों? का हि यो नहीं जिन्न ओकी आज्ञा
नहीं मानी? 19 यो तरह हम देखजे हंय कि हि अविश्वास को वजह आराम जागा पर सिर नहीं कर
सक्यो।

4

1 येकोलायी जब कि परमेश्वर ओको आराम जागा म सिरन की प्रतिज्ञा अब तक हय, त हम्ख
डरनो चाहिये असो नहीं होय कि तुम म सी कोयी लोग वंचित रह्य जाये। 2 कहालीकि हम न भी
सुसमाचार सुन्यो जसो उन्न सुन्यो होतो, पर जो सन्देश उन्न सुन्यो होतो उन्को लायी ओकी किम्मत
नहीं होती, कहालीकि जब उन्न सुन्यो उन्न ओख विश्वास को संग स्वीकार नहीं करयो। 3 हम जो
विश्वासी हय ऊ आराम ख परमेश्वर न प्रतिज्ञा करी होती ओख हम हासिल करजे हय, "जसो की
परमेश्वर न कह्यो हय, मय न गुस्सा म येको पर कसम ले क कह्यो होतो हि कभी मोरो आराम म
सामिल नहीं होय पायेंन।" ओन यो कह्यो होतो जब की जगत की सृष्टि करन को बाद ओको काम
पूरो भय गयो होतो। 4 कहालीकि सातवों दिन को बारे म कहीं त शास्त्र म कह्यो हय, "अऊर फिर
सातवों दिन सब कामों सी परमेश्वर न आराम करयो।" 5 अऊर यो सन्दर्भ म फिर सी कह्य हय,
"हि मोरो आराम जागा म कभी सिर नहीं कर पायेंन।" 6 जिन्न पहिले सुसमाचार ख सुन्यो हि ऊ
आराम ख हासिल नहीं कर सक्यो कहालीकि उन्न विश्वास नहीं करयो होतो। किन्तु दूसरों लायी
आराम को द्वार अभी भी खुल्यो हय। 7 येकोलायी परमेश्वर न फिर एक विशेष दिन ठहरायो अऊर
ओख कह्यो गयो "अज को दिन" कुछ साल को बाद दाऊद को द्वारा परमेश्वर न ऊ दिन को बारे म
शास्त्र म बतायो गयो होतो जेको उल्लेख शास्त्र पहिलेच सी करय हय यदि अज तुम परमेश्वर
की आवाज सुनो त अपनो मन ख कठोर मत करो।*
8 यदि यहोशू उन्ख आराम म ले गयो होतो, जेन परमेश्वर की प्रतिज्ञा करी होती त परमेश्वर
बाद म कोयी दूसरों दिन को बारे म नहीं कहतो। 9 त जो भी हो, यो परमेश्वर सातवों दिन म आराम
करय हय वसोच परमेश्वर को लोगों को लायी उत एक आराम बाकी हय। 10 कहालीकि जो कोयी
भी परमेश्वर म प्रतिज्ञा करयो हुयो आराम म सिरय हय, ऊ ओको कामों को अनुसार आराम पायेंन
वसोच परमेश्वर न अपनो कामों सी आराम पायो हय। 11 येकोलायी आवो हम भी ऊ आराम म

* **4:7** ४:७ भजन ९५: ७-८

हासिल करन लायी अपनी पूरी रीति सी कोशिश करे, ताकी असो नहीं होय कि हमरो बीच म सी
कोयी भी ओख पावन म अऊर यशस्वी नहीं हो जसो हि अपनो विश्वास की कमी को द्वारा भयो
होतो।
12 कहालीकि परमेश्वर को वचन जीन्दो, अऊर क्रियाशिल, अऊर कोयी भी दोधारी तलवार सी
भी बहुत तेज हय। अऊर जीव अऊर आत्मा ख, अऊर जोड़-जोड़ अलग कर क् आर-पार छेदय
हय अऊर इच्छाये अऊर बिचार ख जांचय हय। 13 अऊर सृष्टि की कोयी चिज परमेश्वर की नजर
सी लूकी नहाय, ओकी आंखी को आगु जेक हम्ख लेखा जोखा देना हय हर चिज बिना कोयी आवरन
कि खुली हुयी हय। अऊर कुछ भी लूकी नहाय।

[illegible]

14 येकोलायी जब हमरो असो बड़ो महायाजक हय, जो स्वर्ग सी होय क गयो हय, मतलब
परमेश्वर को बेटा यीशु, त आवो, हम अपनो विश्वास जो हम न हासिल करयो हय दृढ़ता सी थाम्यो
रहे। 15 कहालीकि हमरो जवर असो महायाजक नहाय कि जो हमरी कमजोरियों को संग सहानुभूति
नहीं रख सके। वसोच परख्यो गयो जसो हम्ख, पर ऊ हमेशा पाप रहित रह्यो। 16 येकोलायी आवो,
हम आत्मविश्वास को संग अनुग्रह पावन परमेश्वर को सिंहासन को तरफ बढ़े ताकी जरूरत पड़न
पर हमरी मदत को लायी हम दया अऊर अनुग्रह ख हासिल कर सके।

5

1 हर एक महायाजक आदमियों म सीच चुन्यो जावय हय, अऊर लोगों को प्रतिनिधित्व करन को
लायी परमेश्वर की सेवा को लायी चुन्यो जावय हय ताकी ऊ पापों को लायी दान अऊर बलिदान
चढ़ाये। 2 कहालीकि ऊ खुद भी बहुत रीति सी कमजोरियों को अधिन हय येकोलायी ऊ अज्ञानियों
अऊर भूल्यो भटक्यो को संग कोमलता सी व्यवहार कर सकय हय। 3 येकोलायी ओख चाहिये कि
जसो लोगों को लायी वसोच अपनो लायी भी पाप-बलि चढ़ायो करे। 4 यो मुख्य याजक को आदर
को पद कोयी अपनो आप ख चुन क नहीं लेवय हय, जब तक कि हारून को जसो परमेश्वर को तरफ
सी ठहरायो नहीं जाये।
5 वसोच मसीह न भी महायाजक बनन को आदर खुद नहीं लियो, बल्की परमेश्वर ओख कह्य हय:
"तय मोरो बेटा आय
अऊर अज मय तोरो बाप बन्यो हय।"
6 योच तरह ऊ दूसरी जागा म भी कह्य हय,
"तय मलिकिसिदक की रीति
पर हमेशा लायी याजक हय।"
7 ✡यीशु न अपनो शरीर म रहन को दिनो म ऊचो आवाज म रोय-रोय क अऊर आसु बहाय-
बहाय क ओको सी जो मरन सी बचाय सकत होतो, प्रार्थनाये अऊर बिनती करी, अऊर भक्ति
अऊर नम्रता को वजह परमेश्वर न ओख सुन्यो। 8 पर यद्दपि ऊ परमेश्वर को बेटा होतो फिर भी
यातनायें झेलतो हुयो ओन आज्ञा को पालन करनो सिख्यो। 9 अऊर सिद्ध बन जानो पर, अपनो सब
आज्ञा मानन वालो लायी अनन्त काल को उद्धार को स्त्रोत बन गयो, 10 अऊर ओख परमेश्वर को
तरफ सी मलिकिसिदक की रीति पर महायाजक बनायो गयो।

[illegible]

11 येको बारे म हम्ख बहुत सी बाते कहनो हंय, पर जिन्को वर्नन करनो कठिन हय, कहालीकि तुम
समझन म बहुत धीमो हय। 12 ✡वास्तव म यो समय तक त तुम्ख गुरु बनानो चाहिये होतो, तब भी
या जरूरत भय गयी हय कि कोयी तुम्ख परमेश्वर को वचन की सुरूवात की शिक्षा सिखाये। तुम
त असो भय गयो हय कि तुम्ख ठोस जेवन खान को बजाय, तुम ख अभी भी दूध पीनो पड़य हय।
13 कहालीकि जो दूध पीवय हय ऊ अभी भी बच्चाच हय अऊर ओख सच्च गलत को कोयी अनुभव

✡ **5:7** ५:७ मत्ती २६:३६-४६; मरकुस १४:३२-४२; लूका २२:३९-४६ ✡ **5:12** ५:१२ १ कुरिन्थियों ३:२

नहीं होवय। 14 पर ठोस जेवन समझदारों को लायी हय, उन्न अपनो अनुभव सी अच्छो-बुरो को
ज्ञान करनो सीख लियो हय।

6

1 येकोलायी आवो मसीह की शिक्षा की सुरूवाती स्तर की शिक्षा ख छोड़ क हम सिद्धता को
तरफ आगु बढ़तो जाये, अऊर मृत्यु को तरफ अगुवायी करन वालो कामों सी प्रायश्चित की नीव
फिर सी नहीं डाले, अऊर परमेश्वर पर को विश्वास, 2 अऊर बपतिस्मा की शिक्षा अऊर ऊपर हाथों
ख रखनो, अऊर मृत्यु सी जीन्दो होनो अऊर अनन्त न्याय। 3 यदि परमेश्वर चाहेंन त हम योच
करबोंन।

4 जो लोग अपनो विश्वास ख त्याग देवय हय उन्ख फिर सी पश्चाताप करन लायी कसो लायो
जाय सकय हय? हि एक बार परमेश्वर को प्रकाश म होतो, उन्न स्वर्ग को उपहार चख्यो अऊर
पवित्र आत्मा को अपनो हिस्सा हासिल करयो हंय, 5 अऊर आवन वालो युग कि सामर्थ को काम
अनुभव लियो हय कि परमेश्वर को वचन कितनो अच्छो हय, 6 यदि हि विश्वास सी भटक जाये त
उन्ख फिर सी मन फिराव को लायी वापस लावनो मुस्किल हय; कहालीकि हि परमेश्वर को टुरा ख
फिर सी क्रूस पर चढ़ावय हंय तथा ओख सब को सामने अपमान को विषय बनावय हंय।

7 कहालीकि जो जमीन प्राय होन वाली बरसात को पानी ख सोख लेवय हय, अऊर जोतन यां
बोवन वालो को उपयोगी फसल प्रदान करय हय वा माटी परमेश्वर सी आशीष पावय हय, 8 पर
यदि वा जमीन काटा अऊर घासफूंस उगावय हय, त वा बेकार हय अऊर ओख परमेश्वर को श्राप
अऊर आगी सी नाश करन को डर रह्य हय।

9 पर हे प्रिय संगियों, चाहे हम यो तरह की बाते कहजे हंय पर तुम्हरो बारे म हम्ख येको सी
भी अच्छी बातों को आत्मविश्वास हय, हि बाते जो तुम्हरो उद्धार सी सम्बन्धित हंय। 10 तुम न
परमेश्वर को लोगों की हमेशा मदत करतो हुयो जो प्रेम दर्शायो हय, ओख अऊर तुम्हरी दूसरी
सेवा ख परमेश्वर कभी नहीं भूलायेंन। ऊ अधर्मी नहाय। 11 हम बहुतायत सी चाहजे हंय कि तुम म
सी हर कोयी जीवन भर असोच कठिन मेहनत करय हय, ताकी तुम निश्चय ओख पा लेवो जेकी तुम
आशा करय हय। 12 हम नहीं चाहजे की तुम आलसी होय जावो, बल्की उन्को अनुकरन करो जो
विश्वास अऊर धीरज को द्वारा उन चिजों ख पा रह्यो हय जिन्की परमेश्वर न प्रतिज्ञा करी होती।

[illegible]

13 परमेश्वर न अब्राहम सी प्रतिज्ञा करतो समय जब कसम खान लायी कोयी ख अपनो सी
बड़ो नहीं पायो, त अपनीच कसम खायी, 14 अऊर कह्यो "मय सचमुच तोख बहुत आशीष देऊ,
अऊर तोख कुछ वंशज देऊ।" 15 अऊर यो रीति सी अब्राहम न धीरज धर क परमेश्वर न करी
हुयी प्रतिज्ञावों ख हासिल करी। 16 आदमी त अपनो सी कोयी बड़ो की कसम खायो करय हंय,
अऊर वा कसम सब तर्क-वितर्क को अन्त कर क् जो कुछ कह्यो जावय हय, ओख पक्को कर देवय
हय। 17 परमेश्वर न करी हुयी प्रतिज्ञा ख पान वालो ख परमेश्वर स्पष्ट कर देनो चाहवय हय कि ऊ
अपनो उद्देश ख कभी नहीं बदलय येकोलायी ओन अपनी प्रतिज्ञा को संग अपनी कसम ख जोड़
दियो। 18 यहां दोय बाते हय ओकी प्रतिज्ञा अऊर ओकी कसम जो कभी नहीं बदल सकय अऊर
जिन्को बारे म परमेश्वर कभी झूठ नहीं कह्य सकय। येकोलायी हम जो परमेश्वर को जवर सुरक्षा
पान ख आयो हय अऊर जो आशा हम्ख दी हय, ओख पकड़यो हुयो हय अत्याधिक उत्साहित हय।
19 वा आशा हमरो जीव को लायी असो लंगर* हय जो स्थिर अऊर मजबूत हय, अऊर परदा को
अन्दर को पवित्र जागा तक पहुंचय हय, 20 जित यीशु न हमरो तरफ सी हम सी पहिले सिरयो।
ऊ मलिकिसिदक की परम्परा म सदा हमेशा को लायी मुख्य याजक बन गयो।

* **6:19** ६:१९ फुकट म दियो गयो आत्मिक भोजन

7

[illegible]

1 यो मलिकिसिदक शालेम को राजा होतो, अऊर परमप्रधान परमेश्वर को याजक होतो। जब
अब्राहम चार राजावों ख युद्ध सी हराय क लौट रह्यो होतो तब मलिकिसिदक अब्राहम सी मिल्यो
अऊर ओख आशीर्वाद दियो। 2 अऊर अब्राहम न ओख ऊ सब कुछ म सी जो ओन युद्ध म जीत्यो
होतो ओको दसवों भाग दियो। मलिकिसिदक को नाम को पहिलो अर्थ हय "सच्चायी को राजा"
अऊर फिर ओको यो भी अर्थ हय, "शालेम को राजा" मतलब "शान्ति को राजा।" 3 ओको बाप,
माय, अऊर पूर्वजों को कोयी इतिहास नहीं मिलय हय, ओको जीवन या मृत्यु को भी कोयी उल्लेख
नहाय; पर परमेश्वर को बेटा को जसोच हमेशा को लायी याजक बन्यो रह्य हय।
4 अब येको पर ध्यान करो कि ऊ कसो महान होतो जेक कुलपति अब्राहम न जो कुछ ओन
हासिल करयो ओको दसवों भाग दियो। 5 अऊर लेवी को वंशजों म सी जो याजक को पद पावय
हंय, उन्ख व्यवस्था को अनुसार आज्ञा मिली हय कि इस्राएली को लोगों सी मतलब अपनो खुद को
भाऊवों सी, दशवों भाग ले फिर चाहे हि अब्राहम को वंशज कहाली नहीं होना। 6 पर मलिकिसिदक
न, जो लेवी को वंश को भी नहीं होतो, अब्राहम सी दसवों भाग लियो, अऊर ऊ अब्राहम ख
आशीर्वाद दियो जेको जवर परमेश्वर की प्रतिज्ञाये होती। 7 येको म कोयी सक नहाय कि जो
आशीर्वाद देवय हय ऊ आशीर्वाद लेनवालो सी बड़ो होवय हय। 8 जित तक लेवियों को सवाल हय
उन म दसवों भाग उन आदमी को द्वारा जमा करयो हय, जो आदमी मरय हय किन्तु मलिकिसिदक
को जित तक सवाल हय दसवों भाग ओको द्वारा जमा करयो जावय हय जो शास्त्र को द्वारा अभी
भी जीन्दो हय। 9 त हम यो भी कह्य सकजे हंय कि लेवी न भी, जो दसवों भाग लेवय हय, अब्राहम
को द्वारा दसवों भाग दियो। 10 कहालीकि जब मलिकिसिदक अब्राहम सी मिल्यो होतो, तब त लेवी
को जनम भी नहीं भयो होतो ऊ अपनो पूर्वजों को शरीर म होतो।
11 यदि लेवी याजकता को परम्परा को द्वारा सम्पुर्नता हासिल करयो जाय सकत होतो कहालीकि
कोयी दूसरों याजक ख आवन की का जरूरत होती? कहालीकि येकोच आधार पर लोगों ख व्यवस्था
भी दी गयी होती, एक असो याजक की का जरूरत होती जो की मलिकिसिदक की परम्परा को होना,
नहीं की हारून कि परम्परा को। 12 कहालीकि जब याजक को पद बदल जावय हय, त व्यवस्था ख
भी बदलनो जरूरी हय। 13 कहालीकि जो हमरो प्रभु को बारे म या बाते कहीं जावय हंय जेको
गोत्र म सी याजक को रूप म होतो, जेको म सी कोयी न वेदी की सेवा नहीं करी, 14 त प्रगट हय
कि हमरो प्रभु यहूदा को गोत्र म सी जनम लियो हय, अऊर यो गोत्र को बारे म मूसा न याजक
पद की कुछ चर्चा नहीं करी।

[illegible]

15 हमरो दावा अऊर भी पूरो साफ तरह सी प्रगट होय जावय हय, जब मलिकिसिदक को
जसो एक अऊर याजक प्रगट होय जावय हय, 16 जो शारीरिक आज्ञावों सी अऊर व्यवस्था को
अनुसार, पर अविनाशी जीवन को सामर्थ को अनुसार याजक बन्यो हय। 17 कहालीकि शास्त्र कह्य
हय, ओको बारे म यो गवाही दी गयी हय, "तय मलिकिसिदक की रीति पर हमेशा हमेशा याजक
हय।" 18 पहिली आज्ञा येकोलायी रद्द कर दियो गयो कहालीकि ऊ कमजोर अऊर बेकार होतो।
19 येकोलायी कहालीकि मूसा की व्यवस्था न कोयी ख सम्पुर्न सिद्ध नहीं कर सक्यो। अऊर अब
ओको जागा पर एक असी उत्तम आशा रखी गयी हय जेको द्वारा हम परमेश्वर को जवर जाय सकजे
हंय।
20 मसीह की नियुक्ति परमेश्वर को कसम को द्वारा भयी, बल्की दूसरों को बिना कसम कोच याजक
बनायो गयो होतो। 21 पर यीशु एक कसम सी बन्यो होतो, जब ओन कह्यो होतो,
"प्रभु न कसम खायी हय,
अऊर ऊ अपनो मन कभी नहीं बदलेंन
तय हमेशा को लायी एक याजक ठहरजो।"

22 यो कसम को वजह यीशु एक अच्छो वाचा को आश्वासन बन गयो।
23 असो बहुत सो याजक होत होतो, पर उन्की मृत्यु न उन्ख अपनो पदो पर कायम नहीं रहन
दियो; 24 पर यीशु अमर हय अऊर ओको याजक को काम भी हमेशा हमेशा लायी जीन्दो रहन वालो
हय। 25 येकोलायी जो ओको द्वारा परमेश्वर को जवर आवय हंय, ऊ उन्को पूरो रीति सी उद्धार करन
म लायक हय, कहालीकि ऊ उन्को लायी परमेश्वर सी बिनती करन लायी हमेशा जीन्दो हय।
26 असोच महायाजक हमरी जरूरतों ख पूरो कर सकय हय। ऊ पवित्र हय, ऊ निर्दोष हय,
अऊर ओको म कोयी पाप नहाय, जो पापियों सी अलग रह्य हय, अऊर ओख स्वर्गों सी भी ओख
ऊचो उठायो गयो हय। 27 उन महायाजकों को जसो ओख जरूरत नहाय कि हर दिन पहिले अपनो
पापों अऊर फिर लोगों को पापों को लायी बलिदान चढ़ाये कहालीकि ओन अपनो आप ख बलिदान
चढ़ाय क एकच बार म सब को लायी पूरो कर दियो। 28 मूसा की व्यवस्था आदमियों ख जो अपुर्न हय
महायाजक चुनय हय, पर परमेश्वर की प्रतिज्ञा ओकी कसम को संग बनायी गयी हय या प्रतिज्ञा
व्यवस्था को बाद आयी हय, अऊर या प्रतिज्ञा न प्रमुख याजक को रूप म टुरा ख चुन्यो, जो
हमेशा हमेशा लायी परिपूर्ण बन्यो रह्य हय।

8

[illegible]

1 जो कुछ कह्य रह्यो हंय ओकी मुख्य बाते या हय: निश्चय हमरो जवर असो महायाजक हय, जो
स्वर्ग म महान परमेश्वर को सिंहासन को दायो तरफ विराजमान हय, 2 अऊर पवित्र जागा मतलब
सच्चो तम्बू म परमेश्वर न स्थापित करयो होतो नहीं की आदमी न, ऊ जागा ऊ महायाजक को
नाते सेवा करय हय।
3 कहालीकि हर एक महायाजक दान अऊर बलिदान परमेश्वर ख चढ़ावन लायी ठहरायो जावय
हय, यो वजह जरूरी हय कि यो याजक को जवर भी कुछ चढ़ावन लायी होना। 4 यदि ऊ धरती पर
होतो त कभी याजक नहीं होतो, कहालीकि उत पहिले सीच असो याजक हय जो यहूदी व्यवस्था
को अनुसार दान चढ़ावन वालो हंय। 5 जो याजकपन को काम करय हय ऊ स्वर्ग म जो हय ओकी
एक छाया अऊर प्रतिकृती आय। योच तरह हय जब मूसा पवित्र तम्बू ख बनावन वालो होतो
तब परमेश्वर न ओको सी कह्यो होतो। "ध्यान रहे कि तय हर चिज ठीक उच प्रतिरूप को अनुसार
बनाये जो तोख पहाड़ी पर दिखायो गयो होतो।" 6 पर अब जो याजकपन की सेवा यीशु ख प्राप्त
भयी हय, ऊ उन्को सेवा काम सी श्रेष्ठ हय। कहालीकि ऊ जो वाचा को मध्यस्थ हय ऊ पूरानो
वाचा सी अच्छो हय कहालीकि या अच्छी चिजों को प्रतिज्ञावों पर आधारित हय।
7 कहालीकि यदि वा पहिली वाचा म गलती नहीं होती, त दूसरी वाचा को लायी कोयी जरूरत
नहीं होती। 8 पर परमेश्वर ख उन लोगों म दोष मिल्यो अऊर ऊ कह्य हय,
"प्रभु कह्य हय, देखो, ऊ दिन आवय हंय कि मय इस्राएल को घराना को संग,
अऊर यहूदा को घराना को संग नयी वाचा बान्धू।
9 यो ऊ वाचा को जसो नहीं होयेंन,
जो मय न उन्को बापदादों को संग ऊ समय बान्धी होती,
जब मय ओको हाथ पकड़ क उन्ख मिस्र देश सी निकाल लायो; कहालीकि हि मोरी वाचा सी
विश्वास लायक नहीं रह्यो जसो मय न उन्को संग बान्धी होती,
येकोलायी मय न उन पर ध्यान नहीं लगायो।
10 फिर प्रभु कह्य हय, कि जो वाचा
मय उन दिनो को बाद इस्राएल को घराना को संग बान्धू,
ऊ यो आय कि मय अपनी व्यवस्था ख उन्को मनों म डालू,
अऊर मय उन्को दिलो पर लिखूं,
अऊर मय उन्को परमेश्वर ठहरू

अऊर हि मोरो लोग ठहरेंन।
11 अऊर हर एक अपनो संगियों ख
अऊर अपनो पड़ोसी ख यो शिक्षा मत देजो,
कि तय प्रभु ख पहिचान,
कहालीकि छोटो सी बड़ो तक
सब मोख जान लेयेंन।
12 मय उन्को पापों ख माफ करूं
अऊर कभी उन्को पाप याद नहीं रखूं।"
13 या वाचा ख नयी वाचा कह्य क ओन पहिली वाचा ख पुरानी कर दियो अऊर जो पुरानी अऊर
जीर्न होय जावय हय वा फिर जल्दीच मिट जावय हय।

9

[illegible]

1 वा पहिली वाचा म भी सेवा करन को नियम होतो, तथा आदमियों को हाथों सी बनायो गयो
पवित्र जागा होतो। 2 एक तम्बू बनायो गयो होतो, जेको पहिलो कमरा म दीवट होतो, अऊर मेज,
अऊर जेको पर भेंट की रोटी होती; जेक पवित्र जागा कह्यो जात होतो। 3 दूसरों परदा को पीछू
अऊर एक कमरा होतो, जेक परम पवित्र जागा कह्यो जात होतो। 4 ओको म सुगन्धित धूपदानी
को लायी सोनो की वेदी अऊर सोनो सी मढ़यो हुयो वाचा को सन्दूक होतो यो सन्दूक म सोनो
को बन्यो मन्ना को एक बर्तन होतो, अऊर हारून की वा छड़ी जेको म अंकुर उग्यो होतो तथा
दोय गोटा की पाटियों जेको पर आज्ञाये लिखी हुयी होती हि होतो। 5 सन्दूक को ऊपर परमेश्वर
को उपस्थिति को महिमामय याने करूब बन्यो होतो, जो अपनो पंखा ख फैलाय क पश्चाताप को
जागा पर छाया करत होतो। पर यो समय हम या बातों को विस्तार को संग चर्चा नहीं कर सकय।
6 सब कुछ यो तरह व्यवस्थित होय जान को बाद याजक पहिलो कमरा म हर दिन सिर कर क्
अपनो सेवा को काम पूरो करत होतो, 7 पर परदा को अन्दर दूसरों कमरा म केवल मुख्य याजक साल
म एकच बार जात होतो, बिना खून लियो कभी जात नहीं होतो; जेक ऊ अपनो अऊर अपनो लोगों
द्वारा अनजानो म करयो गयो पापों को लायी परमेश्वर ख भेंट चढ़ावय हय। 8 येको द्वारा पवित्र
आत्मा स्पष्ट रीति सी यो सिखावय हय कि जब तक अभी बाहरी तम्बू खड़ो भयो हय, तब तक परम
पवित्र जागा को रस्ता अब तक खोल्यो नहीं गयो होतो। 9 यो तम्बू वर्तमान समय को लायी एक
प्रतिक हय; मतलब जेको म असो दान अऊर बलिदान चढ़ायो जावय हंय, जिन्कोसी आराधना
करन वालो को मनों ख शुद्ध नहीं कर सकय। 10 यो त बस खान पीवन अऊर अलग-अलग तरह
की सुद्धिकरन कि प्रक्रिया यो सब बाहरी नियम आय, अऊर परमेश्वर को द्वारा नयी व्यवस्था
बनावन को समय तक लायी लागु होवय हंय।
11 पर जो बाते पहिले सीच यहां असी अच्छी चिजों को मसीह पहिले सीच महायाजक बन क
आय गयो हय। ऊ तम्बू जेको म ऊ सेवा करय हय, ऊ जादा अच्छो परिपूर्ण तम्बू हय ऊ आदमी
को हाथों द्वारा बनायो गयो तम्बू नहाय अऊर ऊ यो जगत की निर्मिती को भाग नहाय। 12 अऊर
बकरा अऊर बछड़ा को खून को द्वारा नहीं पर अपनोच खून को द्वारा, एकच बार तम्बू सी होय क
महापवित्र जागा म सिरयो अऊर ओन हमरो लायी पापों सी अनन्त छुटकारा ख हासिल करयो।
13 कहालीकि जब बकरा अऊर बईलो को खून अऊर बछड़ा की राख विधि अनुसार अपवित्र लोगों
पर छिड़क्यो जानो सी हि शुद्ध होय जावय हय अऊर विधि अनुसार उन्की अशुद्धता बाहरी रूप सी
चली जावय हय, 14 जब यो सच हय त मसीह को खून कितनो प्रभावशाली होयेंन, ओन अनन्त
आत्मा अपनो आप ख एक सम्पुर्न बली को रूप म परमेश्वर ख चढ़ाय दियो हय। त ओको खून हमरी
चेतना ख उन कर्मों सी शुद्ध करेंन जो मृत्यु को तरफ ले जावय हय ताकि हम जीन्दो परमेश्वर की
सेवा कर सके।

15 योच वजह मसीह एक नयी वाचा को मध्यस्थ बन्यो, ताकि जिन्ख परमेश्वर द्वारा बुलायो हय,
हि परमेश्वर न प्रतिज्ञा करयो हुयो अनन्त आशिषों को वारिस हो सके। अब देखो पहिली वाचा
को अधीन करयो गयो पापों सी उन्ख मुक्त करावन लायी फिरोतियों को रूप म ऊ अपनो जीव दे
चुक्यो हय।
16 जित तक वसीहतनामा को प्रश्न हय जेको लायी ओन ओख बनायो हय, ओकी मृत्यु ख
प्रमाणित करयो जानो जरूरी हय। 17 कहालीकि कोयी वसीहतनामा केवल तब भी प्रभावित
होवय हय, जब ओको करन वालो की मृत्यु होय जावय हय जब तक ओको लिखन वालो जीन्दो
रह्य हय ऊ कभी प्रभावित नहीं होवय। 18 येकोलायी पहिली वाचा भी खून को इस्तेमाल को द्वाराच
प्रभावी ठहरी 19 पहिले मूसा जब व्यवस्था को विधान को सब आज्ञावों ख सब लोगों ख घोषना
कर चुक्यो त ओन पानी को संग बकरा अऊर बछड़ा को खून ख ले क, लाल उन अऊर हिस्सप कि
टहनियों सी व्यवस्था की किताब अऊर सब लोगों पर छिड़क दियो होतो। 20 ओन कह्यो होतो, "यो
ऊ वाचा को खून आय, जेक परमेश्वर न तुम्ख आज्ञा पालन करन को आदेश दियो हय।" 21 अऊर
योच रीति सी ओन तम्बू अऊर आराधना को पूरो सामान पर खून छिड़क्यो। 22 वास्तव म व्यवस्था
को अनुसार खून सी लगभग हर चिज शुद्ध होवय हंय, अऊर बिना खून बहायो पाप की माफी नहाय।

[illegible]

23 त फिर यो जरूरी हय कि हि चिजे जो स्वर्ग की प्रतिकृती आय, उन्ख पशुवों को बलिदानों
सी शुद्ध करयो जाये पर स्वर्ग की चिजे इन सी भी उत्तम बलिदानों सी शुद्ध करयो जान की अपेक्षा
करय हय। 24 कहालीकि मसीह न आदमी को हाथ को बनायो हुयो पवित्र जागा म, जो सच्चो
पवित्र जागा को नमुना हय, सिरयो नहीं पर स्वर्ग म खुद सिरयो, ताकि हमरो लायी अब परमेश्वर
को सामने प्रगट हो। 25 यो नहीं कि ऊ अपनो आप ख बार–बार चढ़ाये, जसो कि मुख्य याजक हर
साल पशुवों को खून ले क पवित्र जागा म सिरय हय, 26 नहीं त जगत की उत्पत्ति सी ले क मसीह
ख बार–बार दु:ख उठानो पड़तो; पर अब युग को आखरी म ऊ एकच बार सब को लायी प्रगट भयो
हय, ताकि अपनोच बलिदान को द्वारा पाप ख दूर कर दे। 27 अऊर जसो आदमियों को लायी एक
बार मरनो अऊर परमेश्वर को द्वारा न्याय को होनो जरूरी हय, 28 वसोच मसीह भी बहुतों को पापों
ख उठाय लेन को लायी एक बार बलिदान भयो। अऊर जो लोग ओकी बाट देखय हंय उन्को उद्धार
को लायी दूसरी बार प्रगट होयेंन त पापों ख दूर करन लायी नहीं बल्की जो ओकी बाट देख रह्यो
हय उन्ख उद्धार देन लायी।

10

1 व्यवस्था त आवन वालो अच्छी बातों की मात्र छाव हय, पर ऊ वा वास्तविक बातों को अपनो
आप म हि बुरो अऊर विश्वास लायक आदर नहाय उनच बलियों को द्वारा जिन्ख निरन्तर हर साल
अनन्त रूप सी चढ़ायो जावय हंय, आराधना को जवर आवन वालो ख हमेशा को लायी सम्पुर्न सिद्ध
नहीं करयो जाय सकय। 2 यदि असो होय पातो त का उन्को चढ़ायो जानो बन्द नहीं होय जातो?
कहालीकि फिर त उपासना करन वालो एकच बार म हमेशा हमेशा लायी पवित्र होय जातो अऊर
अपनो पापों को लायी फिर कभी खुद ख अपराधी नहीं समझय। 3 किन्तु हर साल चढ़ायो जान
वाली बली आदमी ख उन्को पाप याद करावय हय। 4 कहालीकि बईलो अऊर बकरा को खून पापों
ख दूर कर दे, असो सम्भव नहाय।
5 येकोलायी जब मसीह यो जगत म आयो होतो त ओन कह्य होतो,
"तय बलिदान अऊर भेंट नहीं चाहवय,
पर तय न मोरो लायी एक शरीर तैयार करयो।
6 होमबली अऊर पाप–बली सी
तय खुश नहीं भयो।
7 तब फिर मय न कह्यो होतो,

अऊर जसो व्यवस्था कि किताब म लिख्यो हय, मय यहां हय, हे परमेश्वर,
तोरी इच्छा पूरी करन ख आयो हय।”
8 पहिले ओन कह्यो होतो, “बलिदान अऊर भेंट अऊर होमबली अऊर पाप–बलियों ख तय नहीं
चाहवय, अऊर नहीं तय उन्को सी खुश भयो होतो,” यद्दपि व्यवस्था यो चाहवय हय की हि चढ़ायो
जाये। 9 फिर यो भी कह्य हय, “मय यहां हय, ताकि हे परमेश्वर तोरी इच्छा पूरी करूं,” त दूसरी
व्यवस्था ख स्थापित करन लायी पहिली ख रद्द कर देवय हय। 10 परमेश्वर की इच्छा सी हम यीशु
मसीह को शरीर ख एकच बार बलिदान चढ़ायो जान को द्वारा पवित्र करयो गयो हंय।

11 हर एक याजक हर दिन खड़ो होय क अपनो धार्मिक कर्तव्यों ख पूरो करय हय, अऊर एकच
तरह को बलिदान ख जो पापों ख कभी भी दूर नहीं कर सकय, बार–बार चढ़ावय हय। 12 पर मसीह
त याजक को रूप म पापों को लायी हमेशा को लायी बलिदान चढ़ाय क परमेश्वर को दायो हाथ
जाय बैठ्यो, 13 अऊर उच समय सी अपनो दुश्मनों ख परमेश्वर को द्वारा ओको पाय को खल्लो की
चौकी बनाय दियो जान की बाट देख रह्यो हय। 14 कहालीकि ओन एकच चढ़ावा को द्वारा उन्ख जो
पवित्र करयो जावय हंय, हमेशा को लायी सिद्ध कर दियो हय।

15 अऊर पवित्र आत्मा भी हम्ख योच गवाही देवय हय; कहालीकि ओन पहिले कह्यो होतो,
16 “प्रभु कह्य हय कि जो वाचा
मय उन दिनो को बाद उन्को सी बान्धू
ऊ यो आय कि मय अपनो व्यवस्था ख उन्को दिलो म बसाऊं
अऊर ओख मय उन्को मनों म लिखूं।”*
17 फिर ऊ यो कह्य हय, “मय उन्को पापों ख अऊर उन्को अधर्म को कामों ख फिर कभी याद नहीं
करूं।” 18 अऊर फिर जब पाप माफ कर दियो गयो, त पापों को लायी कोयी बली की कोयी जरूरत
नहीं रह जावय।

[illegible]

19 येकोलायी हे भाऊवों अऊर बहिनों, कहालीकि यीशु को खून को द्वारा हम्ख ऊ परम पवित्र
जागा म सिरन को निडर आत्मविश्वास हय, 20 जेक ओन परदा को द्वारा मतलब जो ओको खुद को
शरीर को द्वारा एक नयो अऊर जीन्दो रस्ता को माध्यम सी हमरो लायी खोल दियो हय, 21 अऊर
हमरो जवर असो महान याजक हय, जो परमेश्वर को मन्दिर को अधिकारी हय, 22 त आवो, हम
सच्चो मन अऊर निश्चय पूरो विश्वास को संग, अऊर दिल को दोष को भावना दूर करन लायी
दिल पर खून छिड़क क, अऊर शरीर ख शुद्ध पानी सी धुलाय क परमेश्वर को जवर जाये। 23 आवो
हम अपनो आशा को अंगीकार ख मजबुतायी सी पकड़यो रहे, कहालीकि जेन प्रतिज्ञा करी हय, ऊ
विश्वास लायक हय; 24 तथा आवो हम ध्यान रखबो कि हम प्रेम, अऊर अच्छो कामों को लायी
हम एक दूसरों की कसी मदद कर सकजे हय, 25 अऊर एक स्वभाव म आवन की अपनी आदते मत
छोड़ो, जसो कि कुछ लोगों ख उत नहीं आवन की आदतच पड़ गयी हय, पर एक दूसरों ख अऊर
जादा प्रोत्साहित करतो रहो; जसो कि तुम देख रह्यो हय प्रभु को दिन जवर आय रह्यो हय।

26 कहालीकि सच्चायी की पहिचान हासिल करन को बाद यदि हम जान बूझ क पाप करतो रहे,
त पापों को लायी फिर कोयी बलिदान बाकी नहाय। 27 बल्की फिर त आवन वालो न्याय अऊर
भीषन आगी को डर को संग बाट देखनोंच बाकी रह जावय हय जो परमेश्वर को विरोधियों ख भस्म
कर देयेंन। 28 जो कोयी जब मूसा की व्यवस्था को पालन नहीं करय, ओख बिना दया दिखाये दोय
यां तीन गवाहों की गवाही ख मान क, मार डाल्यो जावय हय, 29 त सोच लेवो कि ऊ कितनो अऊर
भी भारी दण्ड को लायक ठहरेंन, जितनो परमेश्वर को टुरा ख पाय सी खुंद्यो अऊर वाचा को खून
ख, जेको द्वारा ऊ पवित्र ठहरायो गयो होतो, अपवित्र जान्यो हय, अऊर अनुग्रह की आत्मा
को अपमान करयो। 30 कहालीकि हम ओख जानजे हंय, जेन कह्यो होतो, “बदला लेनो मोरो काम

* **10:16** १०:१६ यिर्मयाह ३१:३३

आय, मयच बदला लेऊ।” अऊर फिर ऊ यो भी कह्य हय, “प्रभु अपनो लोगों को न्याय करेंन।”
31 जीन्दो परमेश्वर को हाथों म पड़नो भयानक बात हय।
32 पर उन पिछलो दिनो ख याद करो, जिन म तुम परमेश्वर की ज्योति पा क, ओको बाद जब
तुम दु:खों को सामना करतो हुयो कठोर संघर्ष म मजबुतायी को संग डटचो रहे। 33 अऊर तब कभी
त सब लोगों को सामने अपमानित अऊर सतायो गयो अऊर कभी जिन्को संग असो बर्ताव करयो
जाय रह्यो होतो, तुम न उन्को साथ दियो। 34 कहालीकि तुम कैदियों को दु:ख म सहानुभूति रखी,
अऊर अपनी जायजाद भी खुशी सी लुटन दी; यो जान क कि तुम्हरो जवर एक अऊर भी अच्छी
अऊर हमेशा ठहरन वाली जायजाद हय। जो हमेशा लायी बनी रह्य हय। 35 येकोलायी अपनी
हिम्मत मत छोड़ो कहालीकि ओको प्रतिफल बड़ो हय। 36 कहालीकि तुम्ख धीरज धरनो जरूरी
हय, ताकि परमेश्वर की इच्छा ख पूरी कर क् अऊर जो प्रतिज्ञा करी गयी हय ओख हासिल करो।
37 “कहालीकि जसो वचन कह्य हय: बहुतच जल्दी समय म जो आवन वालो हय ऊ आयेंन, ऊ देर
नहीं लगायेंन। 38 पर मोरी सच्चायी सी चलन वालो लोग को विश्वास सी जीन्दो रहेंन, अऊर यदि
उन्म सी कोयी पीछू हटेंन त मय ओको सी खुश नहीं रहूं।” 39 पर हम पीछू हटन वालो नहाय कि
नाश होय जाये बल्की उन म सी जो हय विश्वास करय हय अऊर बचायो जावय हय।

11

□□□□□□□

1 विश्वास को अर्थ हय, जेकी हम आशा करजे हय ओको लायी निश्चित होनो, अऊर कोयी चिज
ख हम चाहे देख नहीं रह्यो होना ओको अस्तित्व को बारे म निश्चित होनोच आत्मविश्वास हय।
2 योच तरह प्राचिन काल को बुजूर्गों ख उन्को विश्वास को द्वारा परमेश्वर की सहमती हासिल भयी
होती।
3 ✡विश्वास सीच हम जान जाजे हय कि पूरो जगत की रचना परमेश्वर को शब्द को द्वारा भयी,
येकोलायी जो बनायी गयी बाते दृश्य हय, ऊ दृश्य सीच नहीं बन्यो हय।
4 विश्वास को द्वारा हाबील न परमेश्वर ख कैन जसो उचित बलिदान चढ़ायो होतो, अऊर ओको
विश्वास को द्वाराच सच्चायी सी चलन वालो आदमी होन की परमेश्वर सी सहमती हासिल करी
कहालीकि परमेश्वर खुदच ओको दाना ख स्वीकार करयो। येको मतलब हाबील विश्वास को वजह
ऊ अज भी बोलय हय जब की ऊ मर चुक्यो हय।
5 विश्वास सीच हनोक उठाय लियो गयो कि मृत्यु ख बिना देखे अऊर ओख कोयी नहीं ढूंढ सक्यो
कहालीकि परमेश्वर न ओख ऊपर उठाय लियो होतो शास्त्र कह्य हय की हनोक ऊपर उठायो जान
सी पहिले ओन परमेश्वर ख खुश करयो होतो। 6 विश्वास को बिना परमेश्वर ख खुश करनो असम्भव
हय; कहालीकि जो परमेश्वर को जवर आवय हय ओख विश्वास करनो चाहिये कि परमेश्वर को
अस्तित्व हय, अऊर उन्ख प्रतिफल देवय हय जो ओख ढूंढय हय।
7 विश्वास को वजह नूह ख जब परमेश्वर न भविष्य की बातों की चेतावनी दी गयी होती, जो
ओन देखी भी नहीं होती, त ओन पवित्र भयपुर्वक अपनो परिवार ख बचावन लायी एक जहाज
ख बनायो होतो। परिनाम स्वरूप ओको विश्वास को द्वाराच ओन जगत ख दोषी ठहरायो अऊर
विश्वास को द्वारा परमेश्वर सी आवन वाली सच्चायी ख हासिल करयो।
8 विश्वास सीच परमेश्वर न अब्राहम ख बुलायो त आज्ञा मान क असी जागा निकल गयो जेकी
परमेश्वर न प्रतिज्ञा करी होती; अऊर यो नहीं जानत होतो कि ऊ कित जाय रह्यो हय, फिर भी
अपनो देश छोड़ दियो। 9 विश्वास को वजह जो प्रतिज्ञा करयो हुयो धरती म ओन अनजान परदेशी
को जसो अपनो मण्डप बनाय क निवास करयो। ऊ तम्बूवों म वसोच रह्यो जसो इसहाक अऊर याकूब
रह्यो होतो जो ओको संग परमेश्वर की उच प्रतिज्ञा को उत्तराधिकारी होतो। 10 अब्राहम ऊ नगर
की बाट देख रह्यो होतो जेक परमेश्वर न आकार दे क बनायो अऊर हमेशा मजबूत रहन वाली नीव
डाली।

✡ **11:3** ११:३ यूहन्ना १:३

11 विश्वास को वजह अब्राहम जो बहुत बूढ्ढा भय गयो होतो अऊर सारा जो खुद बांझ होती
परमेश्वर पर भरोसा करयो कि ऊ ओकी प्रतिज्ञा पूरी करय हय, अऊर अब्राहम बाप बन गयो।
12 यो वजह अब्राहम सीच जो मरयो हुयो जसो होतो आसमान को तारों अऊर समुन्दर की रेतु को
जसो अनगिनत वंश पैदा भयो।
13 विश्वास ख अपनो मन म लियो हुयो हि पूरो लोग मर गयो जिन चिजे की परमेश्वर न प्रतिज्ञा
करी होती उन्न या चिजे नहीं पायी उन्न बस दूर सीच देख्यो अऊर उन्को स्वागत करयो या उन्न
यो खुलो तौर सी मान लियो कि हि यो धरती पर परदेशी अऊर अनजानो हय। 14 हि लोग असी
बाते कह्य हय कि हि यो दिखावय हय कि हि एक असो देश कि खोज म हय जो उन्को अपनो आय।
15 जो देश उन्न छोड्यो हय उन्ख सोचतो रहतो त फिर सी लौटन को अवसर रहतो। 16 पर हि एक
अच्छो मतलब स्वर्गीय देश को अभिलाषा हंय; येकोलायी परमेश्वर उन्को परमेश्वर कहलावन म
नहीं लजावय, कहालीकि ओन उन्को लायी एक नगर तैयार करयो हय।
17 विश्वास कोच वजह अब्राहम न, जब परमेश्वर ओकी परीक्षा ले रह्यो होतो, अपनो बेटा
इसहाक ख बलिदान को रूप म भेंट दियो; अब्राहम ऊ होतो जेक परमेश्वर न प्रतिज्ञा दी होती
फिर भी ऊ अपनो एकलौतो बेटा ख बली चढ़ावन लायी तैयार होतो। 18 त ओख यद्दपि परमेश्वर
न कह्यो होतो, "इसहाक सीच तोरो वंश बढ़ेंन," 19 अब्राहम न सोच्यो होतो परमेश्वर इसहाक ख
मरयो हुयो म सी भी जीन्दो कर सकय हय, अऊर वसो देख्यो जाय त एक तरह सी अब्राहम न
इसहाक ख मरयो हुयो म सी फिर वापस पा लियो।
20 विश्वास को वजह इसहाक न याकूब अऊर एसाव ख ओको भविष्य को बारे म आशीर्वाद
दियो।
21 विश्वास सीच याकूब न मरतो समय यूसुफ को दोयी बेटावों म सी एक एक ख आशीष दियो,
अऊर अपनी लाठी को कोना को सहारा ले क परमेश्वर की आराधना करी।
22 विश्वास सीच यूसुफ न, जब ऊ मरन पर होतो, त इस्राएलों ख निकल जान को बारे म ओन
बोल्यो होतो, अऊर अपनी अस्थियों को संग का करनो चाहिये ओको आज्ञा दियो।
23 विश्वास सीच मूसा को माय बाप न ओख, पैदा होन को बाद तीन महीना तक लूकाय रख्यो,
कहालीकि उन्न देख्यो कि बच्चा सुन्दर हय, अऊर हि राजा की आज्ञा तोड़न सी नहीं डरयो।
24 विश्वास सीच मूसा न बड़ो होय क फिरौन की बेटी को टुरा कहलावन सी इन्कार करयो।
25 येकोलायी कि ओख पाप म थोड़ो दिन को सुख भोगन सी परमेश्वर को लोगों को संग दुःख
भोगनो जादा उत्तम लग्यो। 26 ओन मसीह को वजह निन्दित होन को मिस्र को भण्डार सी बड़ो
धन समझ्यो, कहालीकि ओकी आंखी भविष्य को प्रतिफल पान को तरफ लगी होती।
27 विश्वास सीच राजा को गुस्सा सी नहीं डर क ओन मिस्र ख छोड़ दियो, कहालीकि ऊ अनदेखा
ख मानो ओख अदृश्य परमेश्वर दिख रह्यो हय। 28 विश्वास सीच ओन फसह को त्यौहार अऊर
दरवाजा पर खून छिड़कन को पालन करयो, ताकि मृत्यु को दूत इस्राएलियों की पहिली सन्तान
ख नहीं मार सके।
29 विश्वास सीच हि इस्राएली लाल समुन्दर को पार असो उतर गयो, जसो सूखी जमीन पर सी;
अऊर जब मिस्रियों न वसोच करनो चाह्यो त सब पानी म डुब मरयो।
30 विश्वास सीच यरीहो की भीती, जब हि सात दिन तक ओको इस्राएलियों न चारयी तरफ
चक्कर लगाय चुक्यो, त वा गिर पड़ी। 31 विश्वास सीच राहब वेश्या परमेश्वर की आज्ञा नहीं
मानन वालो को संग मारी नहीं गयी होती, कहालीकि ओन इस्राएली जासूसों को मित्रता पुर्वक
स्वागत करयो होतो।
32 अब मय अऊर जादा का कहूं? कहालीकि समय नहीं रह्यो कि गिदोन, बाराक, शिमशोन,
इफतह, दाऊद, शमूएल, अऊर भविष्यवक्तावों को वर्नन करू। 33 इन्न विश्वास सीच राज्य जीत
लियो; जो सच्च हय उच काम करयो; तथा जो परमेश्वर की प्रतिज्ञाये दी करी ओख हासिल करयो;

उन्न सिंहों को मुंह बन्द करयो; 34 धधकती आगी की लपटो ख शान्त करयो; तलवार की धार सी
बच निकल्यो; कमजोरियों म बलवन्त भयो; लड़ाई म वीर निकल्यो; विदेशियों की फौजों ख हरायो।
35 विश्वास को द्वारा बाईयों न अपनो मरयो हुयो रिश्तेदारों ख फिर जीन्दो पायो; कितनो त
सतातो हुयो मारयो गयो अऊर छुटकारा नहीं चाह्यो, ताकी हि अच्छो जीवन को पुनरुत्थान पा
सकेंन। 36 कुछ त ठट्ठा उड़ायो जानो म; कोड़ा को सामना करनो पड़यो जब कुछ ख जंजीरो सी
जकड़ क जेलखाना म डाल दियो गयो। 37 उन पर पथराव करयो गयो; उन्ख चीर क दोय भाग कर
दियो गयो; उन्ख तलवार सी मारयो गयो; हि गरीब होतो, उन्ख यातनायें दी गयी, अऊर उन्को संग
बुरो व्यवहार करयो गयो हि मेंढा अऊर शेरीयों की खाल ओढ़ क इत उत भटकत होतो; 38 अऊर
मरूस्थलों, पहाड़ियों, गुफावों, अऊर धरती की फूटो म भटकतो फिरयो। जगत उन्को लायक नहीं
होतो।
39 विश्वास सीच उन्को लेखा जोखा रख्यो गयो। फिर भी परमेश्वर न करी हुयी बाते अऊर
प्रतिज्ञा करी हुयी चिजे नहीं मिली। 40 कहालीकि परमेश्वर न हमरो लायी पहिले सीच एक उत्तम
योजना ठहरायी होती, ओको यो होतो कि हि भी हमरो संगच सम्पुर्न सिद्ध करयो जाय।

12

????????? ????? ???

1 जित तक हम गवाहों को इतनो बड़ो बादर सी घेरयो हुयो हय, त फिर आवो बाधाये डालन
वाली हर एक चिज ख अऊर ऊ पाप ख जो सहजता सी हम्ख उलझाय देवय हय ओख फेक दे,
अऊर आवो वा दौड़ जो हम्ख दौड़नो हय, ओख धीरज को संग दौड़े, 2 अऊर हमरो विश्वास को
कर्ता अऊर सिद्ध करन वालो यीशु को तरफ अपनी आंखी लगायी। जेन अपनो सामने उपस्थित
खुशी लायी क्रूस की यातनायें झेली, ओकी लज्जा की कोयी चिन्ता नहाय की अऊर परमेश्वर को
सिंहासन को दायो तरफ विराजमान भय गयो।
3 येकोलायी ओको पर ध्यान करो, जेन अपनो विरोध म पापियों को इतनो विरोध सह लियो कि
तुम निराश होय क हिम्मत मत छोड़ देवो। 4 तुम न पाप को विरुद्ध म संघर्ष करतो हुयो, तुम्ख
इतनो नहीं सहनो पड़ेंन कि तुम्ख अपनो खून बहानो पड़ेंन; 5 का तुम ऊ प्रोत्साहन को शब्द ख जो
परमेश्वर न ओको टुरा जान क तुम सी कह्यो का तुम भूल गयो हय:

"हे मोरो टुरा, जब परमेश्वर तोख सुधारय त ध्यान लगाव,
अऊर जब ऊ तोख ताड़ना करेंन त निराश मत हो।
6 कहालीकि प्रभु जेकोसी प्रेम करय हय,
अऊर जेक टुरा बनाय लेवय हय, ओख सजा भी देवय हय।"

7 तुम दु:ख ख ताड़ना समझ क सह लेवो; परमेश्वर तुम ख बेटा जान क तुम्हरो संग बर्ताव करय
हय। ऊ कौन सो बेटा आय जेकी ताड़ना बाप नहीं करय? 8 यदि तुम्ख ताड़ना नहीं दी गयी हय
जसो सब ताड़ना को भागी होवय हय, त तुम अपनो बाप सी पैदा हुयो टुरा नोहोय त तुम सच्ची
सन्तान नोहोय। 9 फिर जब कि हमरो शारीरिक बाप भी हमरी ताड़ना करत होतो अऊर हम न उन्को
आदर करयो। त का आत्मिक बाप को अधीन रह्य क जीवन नहीं जीबो। 10 हमरो शारीरिक बापदादों
न जसो उन्न उत्तम समझ्यो हम्ख ताड़ना करी पर परमेश्वर हमरी भलायी लायी ताड़ना करय हय
जेकोसी हम ओकी पवित्रता को सहभागी होय सके। 11 वर्तमान म हर एक तरह की ताड़ना खुशी
की नहीं, पर दु:ख की बात लगय हय; तब भी जो ओख सहतो सहतो पक्को भय गयो हय, तब उन्ख
सच्चायी, जीवन अऊर शान्ति को प्रतिफल मिलय हय।

?????? ??? ?????????

12 येकोलायी थक्यो हाथों ख उठावों अऊर कमजोर घुटना ख मजबूत करो, 13 अऊर अपनो पाय
लायी सीधो रस्ता बनावो कि लंगड़ा भटक नहीं जाये पर भलो चंगो होय जाये।

14 सब को संग शान्ति को संग रहन अऊर पवित्र जीवन जीन लायी हर तरह सी कोशिश म
रहो कहालीकि येको बिना कोयी भी प्रभु ख देख नहीं सकेंन। 15 अपनो आप की चौकसी करो ताकी
कोयी परमेश्वर को अनुग्रह सी पीछू कड़वो रोप की जड़ी को जसो मत बड़ो ताकी ओको जहेर सी
बहुत समस्या पैदा मत होय जाये। 16 कोयी भी अनैतिक अऊर अधार्मिक एसाव को जसो नहीं हो
जेन एक बार को जेवन को बदला अपनो बड़ो बेटा होन को अधिकार बेच डाल्यो। 17 तुम जानय
हय कि बाद म जब ओन अपनो बाप सी आशीर्वाद पानो चाह्यो त असफल गिन्यो गयो, अऊर रोय
रोय क ओन आशीर्वाद पानो चाह्यो त पश्चाताप नहीं मिल्यो।

18 तुम आगी सी जलतो हुयो सिय्योन पहाड़ी को जवर नहीं आयो, जेक महसुस करयो जाय
सकत होतो अऊर नहीं अन्धारो अऊर नहीं उदासिनता अऊर नहीं बवंडर को जवर आयो हय।
जसो इस्राएली लोग आयो होतो। 19 अऊर तुरही की आवाज, अऊर बोलन वालो को असो शब्द
को जवर नहीं आयो, जेको सुनन वालो न बिनती करी की अब हम सी अऊर बाते नहीं करी जाये।
20 कहालीकि हि ऊ आज्ञा ख नहीं सह सक्यो: "यदि कोयी भी प्रानी पहाड़ी ख छूवय त ओको पर
पथराव करयो जाये।" 21 अऊर ऊ दृश्य असो डरावनो होतो कि मूसा न कह्यो, "मय बहुत भयभित
अऊर थर थर काप रह्यो हय।"

22 पर तुम सिय्योन पहाड़ी, जीन्दो परमेश्वर को नगर, स्वर्गीय यरूशलेम अऊर हजारों स्वर्गदूतों
की सभा म आय पहुंच्यो हय। 23 तुम परमेश्वर सी पहिले जनम्यो हुयो जिन्को नाम स्वर्ग म लिख्यो
हुयो हंय, उन्की सभा म पहुंच चुक्यो हय। तुम ऊ परमेश्वर को जवर आयो हुयो हय जो सब लोगों
को न्याय करय हय ताकी सच्चो लोगों की आत्मावों सिद्ध करे, 24 अऊर एक नयी वाचा को मध्यस्थ
को यीशु अऊर छिड़काव को ऊ खून को जवर आयो चुक्यो हय, जो हाबील को खून की उम्मीद
उत्तम चिजों की प्रतिज्ञा करय हय।

25 सावधान रहो, अऊर ऊ कहन वालो सी मुंह मत फिरावो, कहालीकि हि लोग जब धरती पर
को चेतावनी देन वालो सी मुंह फेर क नहीं बच सके, त हम स्वर्ग पर सी चेतावनी देन वालो सी
नकार क् कसो बच सकेंन? 26 ऊ समय त ओको शब्द न धरती ख हिलाय दियो, पर अब ओन या
प्रतिज्ञा करी हय, "एक बार फिर मय केवल धरती ख बल्की आसमान ख भी हिलाय देऊ।" 27 अऊर
यो शब्द "एक बार फिर" ऊ हर चिज को तरफ अंकित करय हय जो बाते निर्मित करी गयी हय वा
हिलायी जायेंन अऊर अस्थिर रहेंन ताकी जो बाते हिलायी नहीं जाय सकय वा बनी रहेंन।

28 फिर जब हम्ख एक असो राज्य मिल रह्यो हय, जेक हिलायो नहीं जाय सकय, त आवो हम
धन्यवादी बने अऊर आदर मिश्रित डर को संग परमेश्वर की उपासना करे, ताकी परमेश्वर ओख
स्वीकार करे। 29 कहालीकि हमरो परमेश्वर भस्म करन वाली आगी आय।

13

[illegible]

1 एक दूसरों म भाईचारा की प्रेम बन्यो रहे। 2 अनजानो लोगों को सत्कार करनो मत भूलो।
कहालीकि स्वर्गदूतों को आदर सत्कार करयो हय। 3 कैदियों की असी सुधि लेवो कि मानो उन्को
संग तुम भी कैद हय, अऊर जिन्को संग बुरो बर्ताव करयो जावय हय, उनकी यो तरह सुधि लेवो
जसो मानो तुम खुद पिड़ित हय।

4 बिहाव को सब ख आदर करनो चाहिये अऊर पति अऊर पत्नी विश्वास लायक रहे कहालीकि
परमेश्वर व्यभिचारियों को न्याय करेंन।

5 तुम्हरो स्वभाव धन सी प्रेम करन वालो नहीं हो, अऊर जो तुम्हरो जवर जो हय ओको म
सन्तुष्ट करो; कहालीकि परमेश्वर न खुदच कह्यो हय, "मय तोख कभी नहीं छोड़ूं, अऊर नहीं कभी
तोख त्यागूं।"* 6 येकोलायी हम निडर होय क कहजे हंय,
"प्रभु मोरो सहायक आय,

* **13:5** १३:५ व्यवस्थाविवरन ३१:६

मय नहीं डरू।
आदमी मोरो का कर सकय हय।”
7 जो तुम्हरो अगुवा होतो, अऊर जिन्न तुम्ख परमेश्वर को वचन सुनायो हय, उन्ख याद रखो;
अऊर ध्यान सी उन्को चाल चालन को अन्त देख क उन्को विश्वास को अनुकरन करो। 8 यीशु
मसीह कल अऊर अज अऊर हमेशा हमेशा एक जसो हय। 9 हर तरह की विचित्र शिक्षावों सी
भरमायो मत जावो, हमरो दिलो को लायी यो अच्छो हय हि अनुग्रह को द्वारा मजबूत बने नहीं की
खान पीवन सम्बन्धित नियमों ख माननो सी, जिन्कोसी उन्को कभी कोयी फायदा नहीं भयो जिन्न
उन्ख मान्यो।
10 हमरी एक असी वेदी हय जेको पर खान को अधिकार ऊ याजकों ख नहाय, जो तम्बू म सेवा
करय हंय। 11 कहालीकि जिन जनावरों को खून महायाजक पाप-बलि लायी महापवित्र जागा म
लिजावय हय, अऊर उन जनावरों को शरीर तम्बूवों को छावनी को बाहेर जलायो जावय हंय।
12 योच वजह, यीशु न भी शहर को द्वार को बाहेर मरयो ताकि लोग पापों सी ओको खून को द्वारा
शुद्ध होय सके। 13 त फिर आवो, ओको जवर छावनी को बाहेर चले अऊर ओको अपमान म सहभागी
हो। 14 कहालीकि यहां धरती पर हमरो कोयी स्थायी नगर नहाय, बल्की हम आवन वालो एक नगर
की खोज म हंय। 15 चलो आवो हम यीशु को द्वारा परमेश्वर की स्तुतिरूपी बलिदान अर्पन करे, जो
उन होठों को फर हय जिन्न कबूल करयो। 16 भलायी करनो अऊर एक दूसरों की मदत करनो मत
भूलो, कहालीकि परमेश्वर असोच बलिदान सी खुश होवय हय।
17 अपनो अगुवों की आज्ञा मानो अऊर उन्को आदेशों पर चलो। कहालीकि हि तुम पर बिना
आराम करे असी चौकसी रखय हय, जसो मानो उन्ख अपनो कामों को लेखा जोखा परमेश्वर ख
देना हय। यदि तुम उन्की आज्ञा मानो त हि खुशी को संग अपनो काम करे; यदि तुम नहीं मानो त
दु:ख को संग मददगार साबित नहीं होयेंन।
18 हमरो लायी प्रार्थना करतो रहो, कहालीकि हम्ख भरोसा हय कि हमरो अन्तरमन शुद्ध हय:
हम सब बातों म अच्छी चाल चलनो चाहजे हंय। 19 मय तुम सी आग्रह करू हय की तुम प्रार्थना
करतो रहो ताकी मय जल्दीच तुम्हरो जवर आय सकू हय।

[illegible]

20 जेन मेंढियों को ऊ महान चरवाहा हमरो प्रभु यीशु को खून द्वारा ऊ अनन्त काल की वाचा
पर मुहर लगाय क मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो, ऊ शान्ति दाता परमेश्वर। 21 तुम्ख सब अच्छी
साधनो सी सम्पन्न करे, जेकोसी तुम ओकी इच्छा पूरी कर सको, अऊर यीशु मसीह को द्वारा ऊ
हमरो अन्दर ऊ सब कुछ सक्रिय करे जो ओख भावय हय। ओकी महिमा हमेशा हमेशा होती रहे।
आमीन।

[illegible]

22 हे भाऊवों अऊर बहिनों, मय तुम सी आग्रह करू हय कि यो प्रोत्साहन को सन्देश ख धीरज
को संग सुनो, कहालीकि या चिट्ठी जो मय न तुम्हरो लायी लिखी गयी हय जादा लम्बी नहाय।
23 मय चाहऊ हय कि तुम्ख यो ज्ञात हो कि हमरो भाऊ तीमुथियुस, जेल सी छूट गयो हय। अऊर
यदि ऊ जल्दीच आय गयो त मय ओको संग तुम सी भेंट करू।
24 अपनो सब अगुवों अऊर सब परमेश्वर को लोगों ख हमरो नमस्कार कहजो। इटली वालो
विश्वासी लोग तुम्ख नमस्कार कह्य हंय।
25 तुम सब पर परमेश्वर को अनुग्रह होतो रहे। आमीन।

याकूब की पत्री
याकूब की चिट्ठी
परिचय

याकूब की किताब याकूब नाम को कोयी लोग सी लिख्यो होतो। ऊ शायद यीशु को भाऊ याकूब होतो। जो उन आराधना मण्डली को मुखिया होतो अऊर यरूशलेम परिषद प्रेरितों १५:१३, को हिस्सा होतो प्रेरित पौलुस न ओख गलातियों २:९ म आराधना मण्डली को खम्बा भी कह्यो विद्वानों को माननो हय कि याकूब की किताब मसीह को जनम को ५० साल बाद लिख्यो होतो, तब याकूब यरूशलेम म आराधना मण्डली को मुखिया होतो, येकोलायी ओन उत रहतो हुयो शायद किताब लिख्यो होतो।

ओन अपनी किताब म राज्य को बीच बिखरी बारा जातियों ख सम्बोधित करयो १:१। याकूब को सबक सब मसीहियों पर लागु होवय हय पर बारा जाती शब्दों को उपयोग यो बतावय हय सम्भव हय की याकूब सीधो यहूदी मसीहियों ख लिख रह्यो हय बल्की या किताब पढ़न वालो को एक व्यापक झुण्ड तक केंद्रित करय हय। सच्चो विश्वास कार्यवाई म दिखायो हय। २:१७ ऊ धनवान लोगों ख २:१-४ पक्षपात दिखान को खिलाफ चेतावनी देवय हय अऊर हम्ख बतावय हय कि जो हम कहजे हय अऊर का कहजे हय ऊ बतावय हय। ३:१-१२

रूप-रेखा

१. याकूब अपनो पढ़न वालो ख धन्यवाद देवय हय। □:□
२. ऊ मसीहियों ख सहन करन लायी प्रोत्साहित करय हय जब हि दु:ख म रह्य हय। □:□-□□
३. तब ऊ कह्य हय कि विश्वासियों को माध्यम सी विश्वास हय। □:□-□□
४. शक्तिशाली शब्द कसो होय सकय हय। □:□-□□
५. याकूब बतावय हय परमेश्वर को ज्ञान जगत को ज्ञान अलग हय। □:□□–□:□□
६. घमण्डी होन को खिलाफ चेतावनी। □:□□–□:□
७. सामान्य निर्देश दे क अपनी किताब लिखनो बन्द करय हय। □:□-□□

1 ☆परमेश्वर को अऊर प्रभु यीशु मसीह को सेवक याकूब को तरफ सी, उन बारा गोत्रों ख जो
तितर-बितर हुयो हंय उन्ख नमस्कार।

□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□

2 हे मोरो भाऊवों अऊर बहिनों, जब तुम नाना तरह की परीक्षावों म पड़ो, त येख अपनो आप म
बहुत आनन्द कि बात समझो, 3 तुम जानय हय कि तुम्हरो विश्वास ख परख्यो जानो सी धीरज तैयार
होवय हय। 4 पर धीरज ख अपनो पूरो काम करन देवो कि तुम पूरो अऊर सिद्ध होय जावो, अऊर
तुम म कोयी बात की कमी नहीं रहे। 5 पर यदि तुम म सी कोयी ख बुद्धि की कमी हय त परमेश्वर
सी मांगो, जो अनुग्रह अऊर उदारता सी देवय हय, अऊर ओख दियो जायेंन। 6 पर विश्वास सी
मांगे, अऊर कुछ शक मत करो, कहालीकि शक करन वालो समुन्दर की लहर को जसो हय जो हवा
सी बहय अऊर उछलय हय। 7 असो आदमी यो नहीं समझे कि मोख प्रभु सी कुछ मिलेंन, 8 ऊ
आदमी शक्की हय अऊर अपनी बातों म अस्थिर हय।

□□□□□□ □□□□ □□□□□□

9 गरीब विश्वासियों जब परमेश्वर तुम्ख ऊचो पद देवय हय तब खुशी मनाये, 10 अऊर धनवान
आदमी घास को फूल को जसो हय जो नाश होय जावय हय। 11 कहालीकि सूरज निकलतो समय

☆ **1:1** १:१ मत्ती १३:५५; मरकुस ६:३; प्रेरितों १५:१३; गलातियों १:१९

कड़ी धूप पड़य हय अऊर पौधा मुरझाय जावय हय, अऊर ओको फूल झड़ जावय हय अऊर ओकी
शोभा कम होत जावय हय। योच तरह धनवान भी अपनो कार्य म चलतो चलतो नाश होय जायेंन।

[illegible]

12 धन्य हय ऊ आदमी जो परीक्षा म स्थिर रह्य हय, कहालीकि ऊ खरो निकल क जीवन को ऊ
मुकुट पायेंन जेकी प्रतिज्ञा प्रभु न अपनो प्रेम करन वालो सी करी हय। 13 परीक्षा की घड़ी म
कोयी ख यो नहीं कहनो चाहिये कि परमेश्वर मोरी परीक्षा ले रह्यो हय, कहालीकि बुरी बातों सी
परमेश्वर ख कोयी लेनो देनो नहाय। ऊ कोयी की परीक्षा नहीं लेवय। 14 पर हर एक आदमी अपनी
बुरी इच्छा सी खिच क अऊर फस क परीक्षा म पड़य हय। 15 तब बुरी इच्छा गर्भवती होय क पाप
ख जनम देवय हय अऊर जब पाप पूरी रीति सी बढ़ जावय हय त मृत्यु ख पैदा करय हय।
16 हे मोरो प्रिय भाऊवों अऊर बहिनों, धोका मत खावो। 17 कहालीकि हर एक अच्छो दान
अऊर हर एक अच्छो परिपूर्ण उपहार स्वर्ग सीच आवय हय, अऊर ऊ परमेश्वर को द्वारा जेन स्वर्गीय
प्रकाश ख बनायो हय, ओख खल्लो लायो जावय हय, ऊ हमेशा बदलतो रहन वाली छाव को जसो
नहीं बदलय। 18 ओन अपनीच इच्छा सी हम्ख सच को वचन को द्वारा पैदा करयो, ताकि हम ओकी
सृष्टि करी हुयी चिजों म सी एक तरह को पहिलो फर हो।

[illegible]

19 हे मोरो प्रिय भाऊवों अऊर बहिनों, या बात तुम जान लेवो: हर एक आदमी सुनन लायी
तत्पर अऊर बोलन म धीमो अऊर गुस्सा म भी धीमो हो, 20 कहालीकि आदमी को गुस्सा परमेश्वर
को सच्चो उद्देश्य हासिल नहीं कर सकय। 21 येकोलायी पूरी मलिनता अऊर कपट पन की बढ़ती
ख दूर कर क, ऊ वचन ख नम्रता सी स्वीकार कर लेवो जो दिल म बोयो गयो अऊर जो तुम्हरो
उद्धार कर सकय हय।
22 केवल सुनन वालो नहीं जो अपनो आप ख धोका देवय हंय पर वचन पर चलन वालो बने।
23 कहालीकि जो कोयी वचन ख सुनन वालो हय अऊर ओको पर चलन वालो नहीं हो, त ऊ आदमी
को जसो हय जो अपनो स्वाभाविक मुंह आरसा म देखय हय। 24 ऊ अपनो आप ख देख क चली
जावय अऊर तुरतच भूल जावय हय कि मय कसो होतो। 25 पर जो आदमी स्वतंत्रता की सिद्ध
व्यवस्था पर ध्यान करतो रह्य हय, ऊ सुन क भूलय नहीं पर वसोच काम करय हय, येकोलायी
परमेश्वर ओको काम म आशीष देयेंन।
26 का कोयी अपनो आप ख सच्चो समझय हय? अऊर यदि खुद अपनी जीबली ख वश म नहीं
कर सकतो त अपनो आप ख धोका दे रह्यो हय, त ओकी भक्ति बेकार हय। 27 हमरो परमेश्वर अऊर
बाप को जवर शुद्ध अऊर निर्मल भक्ति यो हय कि अनाथों अऊर विधवावों को कठिनायी म ओकी
सुधि ले, अऊर अपनो आप ख जगत सी निष्कलंक रखे।

2

[illegible]

1 हे मोरो भाऊवों अऊर बहिनों, हमरो महिमायुक्त प्रभु यीशु मसीह पर तुम्हरो विश्वास पक्षपात
को संग नहीं हो। 2 समझो यदि एक धनवान आदमी सोनो को छल्ला अऊर अच्छो कपड़ा पहिन्यो
हुयो तुम्हरी सभा म आयेंन, अऊर एक गरीब भी गन्दो कपड़ा पहिन्यो हुयो आये, 3 अऊर तुम ऊ
अच्छो कपड़ा वालो को मुंह देख क कहो, "तय उत अच्छी जागा म बैठ," अऊर ऊ गरीब सी कहो,
"तय इत खड़ो रह," यां "मोरो पाय को जवर बैठ।" 4 त का तय न आपस म भेद-भाव नहीं करयो
अऊर बुरो बिचार सी न्याय करन वालो नहीं ठहरयो?
5 हे मोरो प्रिय भाऊवों अऊर बहिनों, सुनो। का परमेश्वर न यो जगत को गरीबों ख नहीं चुन्यो
कि विश्वास म धनी अऊर ऊ राज्य को अधिकारी हो, जेकी प्रतिज्ञा ओन उन्को सी करी हय जो
ओको सी प्रेम रखय हंय? 6 पर तुम ऊ गरीब को अपमान करय हय। का धनी लोग तुम पर दबाव
नहीं डालय अऊर का हिच तुम्ख कचहरी म घसीट क नहीं ले जावय? 7 का हि यो नोहोय, जो ऊ
अच्छो नाम की निन्दा नहीं करय जो तुम ख दियो गयो हय?

8 तब भी यदि तुम पवित्र शास्त्र को यो वचन को अनुसार कि “तय अपनो पड़ोसी सी अपनो
जसो प्रेम रख” सचमुच ऊ राज व्यवस्था ख पूरी करय हय, त अच्छोच करय हय। 9 पर यदि तुम
लोगों को बाहरी पहरावा देख क व्यवहार करय हय त तुम पाप करय हय; अऊर व्यवस्था तुम्ख
नियम को उल्लंघन करन वालो ठहरावय हय। 10 कहालीकि जो कोयी पूरी व्यवस्था को पालन
करय हय पर एकच बात म चूक जाये त ऊ सब बातों म दोषी ठहर चुक्यो हय। 11 येकोलायी कि
जेन यो कह्यो, “तय व्यभिचार मत करजो” ओनच यो भी कह्यो, “तय हत्या मत करजो,” येकोलायी
यदि तय न व्यभिचार त नहीं करयो पर हत्या करी तब भी तय व्यवस्था को उल्लंघन करन वालो
ठहरयो। 12 तुम उन लोगों को जसो वचन बोलो अऊर काम भी करो, जिन्को न्याय ऊ व्यवस्था को
अनुसार होयेंन जो हम्ख स्वतंत्र करय हय। 13 येकोलायी जो दयालु नहाय ओको लायी परमेश्वर
को न्याय भी बिना दया कोच होयेंन पर दया न्याय पर विजय हय।

[illegible]

14 हे मोरो भाऊवों अऊर बहिनों, यदि कोयी कहे कि मोख विश्वास हय पर ऊ कर्म नहीं करय
हय, त येको सी का फायदा? का असो विश्वास कभी ओको उद्धार कर सकय हय? 15 यदि कोयी
भाऊ यां बहिन को जवर कम कपड़ा होना अऊर उन्ख हर दिन भोजन की कमी होना, 16 अऊर तुम
म सी कोयी उन्को सी कहे, “शान्ति सी जावो, अऊर तुम्ख कपड़ा की कमी नहीं होय तुम स्वस्थ
रहो अऊर अच्छो सी खाय क तृप्त रहो,” पर जो चिजे शरीर लायी जरूरी हंय ऊ उन्ख नहीं दे त
का फायदा? 17 वसोच विश्वास भी हय, यदि कर्म सहित नहीं होना त अपनो स्वभाव म मरयो हुयो
हय।

18 बल्की कोयी कह्य सकय हय, “तोख विश्वास हय अऊर मय कर्म करू हय।” तय अपनो विश्वास
मोख कर्म बिना त दिखाव; अऊर मय अपनो विश्वास अपनो कर्मों को द्वारा तोख दिखाऊं। 19 का
तोख विश्वास हय कि एकच परमेश्वर हय? तय अच्छो करय हय। दुष्ट आत्मा भी विश्वास रखय,
अऊर कापय हंय। 20 पर हे निकम्मो आदमी, का तय यो भी नहीं जानय कि कर्म बिना विश्वास बेकार
हय? 21 जब हमरो पुर्वज अब्राहम न अपनो बेटा इसहाक ख वेदी पर चढ़ायो, त का ऊ कर्मों सी
सच्चो नहीं ठहरयो होतो? 22 यानेकि तय न देख लियो कि विश्वास न ओको कामों को संग मिल क
प्रभाव डाल्यो हय, अऊर कर्मों सी विश्वास सिद्ध भयो, 23 अऊर पवित्र शास्त्र को यो वचन पूरो
भयो: “अब्राहम न परमेश्वर को विश्वास करयो, अऊर यो ओको लायी सच्चो ठहरयो;” अऊर ऊ
परमेश्वर को संगी कहलायो। 24 यो तरह तुम न देख लियो कि आदमी केवल विश्वास सीच नहीं,
बल्की कर्मों सी भी सच्चो ठहरय हय।

25 वसीच राहब वेश्या भी, जब ओन दूतों ख अपनो घर म उतारयो अऊर दूसरों रस्ता सी बिदा
करयो, त का कर्मों सी सच्चो नहीं ठहरी?

26 यानेकि जसो शरीर आत्मा बिना मरी हुयी हय, वसोच विश्वास भी कर्म बिना मरयो हुयो हय।

3

[illegible]

1 हे मोरो भाऊवों अऊर बहिनों, तुम म सी बहुत शिक्षक नहीं बन्यो, कहालीकि जानय हय कि
हम शिक्षक को अधीन गम्भीरता सी न्याय करयो जायेंन। 2 येकोलायी कि हम सब बहुत बार चूक
जाजे हंय। यदि कोयी ओको बोलन म नहीं चूकय हय त ऊ एक सिद्ध आदमी आय अऊर पूरो शरीर
ख भी वश म कर सकय हय। 3 जब हम अपनी आज्ञा मनावन या ओख वश म करन लायी घोड़ा को
मुंह म लगाम लगायजे हंय, त हम ओकी पूरो शरीर ख जित चाहे उत घुमाय सकजे हंय। 4 जहाज
भी असो बड़ो होवय हंय अऊर बहुत बड़ी हवा सी चलायो जावय हंय, तब भी एक छोटी सी पतवार
को द्वारा जहाज चलावन वालो की इच्छा को अनुसार घुमायो जावय हंय। 5 वसीच जीबली भी एक
छोटो सो अंग आय अऊर ऊ बड़ी-बड़ी डींग मारय हय।

सोचो की, छोटी सी आगी सी कितनो बड़ो जंगल म आगी लग सकय हय। 6 जीबली भी एक
आगी आय; जीबली हमरो अंगों म अधर्म को एक जगत आय, अऊर पूरो शरीर पर कलंक लगावय

हय, अऊर जीवनगति म आगी लगाय देवय हय, अऊर नरक कुण्ड की आगी सी जरती रह्य हय।
7 कहालीकि हर तरह को वन पशु, पक्षी, अऊर रेंगन वालो जन्तु, अऊर जलचर त आदमी जाति
को वश म होय सकय हंय अऊर भय भी गयो हंय, 8 पर जीबली ख आदमियों म सी कोयी वश म
नहीं कर सकय; ऊ एक असी बला हय जो कभी रुकय भी नहाय, ऊ जीव नाशक जहेर सी भरयो
हुयो हय। 9 येको सी हम प्रभु अऊर बाप की स्तुति करजे हंय, अऊर येको सी आदमियों ख जो
परमेश्वर को स्वरूप म पैदा भयो हंय श्राप देजे हंय। 10 एकच मुंह सी धन्यवाद अऊर श्राप दोयी
निकलय हंय। हे मोरो विश्वासियों, असो नहीं होनो चाहिये। 11 का झरना को एकच स्रोता सी
मीठो अऊर खारो पानी दोयी निकलय हय? 12 हे मोरो संगियों, का अंजीर को झाड़ म जैतून, या
अंगूर की डगाली म अंजीर लग सकय हंय? वसोच खारो झरना सी मीठो पानी नहीं निकल सकय।

[illegible]

13 तुम म बुद्धिमान अऊर समझदार कौन हय? जो असो हो ऊ अपनो कामों ख अच्छी चाल
चलन सी ऊ नम्रता सहित प्रगट करे जो ज्ञान सी पैदा होवय हय। 14 पर यदि तुम अपनो अपनो
मन म जलन, कड़वाहट, स्वार्थिपन अऊर विरोध रखय हय, त बुद्धी पर घमण्ड कर क् सच को विरुद्ध
झूठ मत बोलो। 15 यो ज्ञान ऊ नहीं जो स्वर्ग सी उतरय हय, बल्की सांसारिक, अऊर सांसारिक,
अऊर शारीरिक, अऊर शैतान को तरफ सी हय। 16 कहालीकि जित जलन अऊर स्वार्थिपन होवय
हय, उत अव्यवस्था अऊर हर तरह की बुरी बाते होवय हय। 17 पर जो ज्ञान स्वर्ग सी आवय हय
ऊ पहिले त पवित्र होवय हय फिर मिलनसार, नरम स्वभाव अऊर शान्तिमय अऊर दया अऊर
अच्छो फरो सी लद्यो हुयो अऊर पक्षपात अऊर निष्कपट होवय हय। 18 शान्ति प्रस्थापित करन
वालो शान्ति म बीज बोवय हय ताकि ओख सच्चायी की फसल प्राप्त होवय हय।

4

[illegible]

1 का तुम्हरो बीच म लड़ाईयां अऊर झगड़ा कित सी आवय हय? का यो इच्छावों सी नहीं
होवय हय? जो तुम्हरो अन्दर झगड़ा करतो रह्य हंय। 2 तुम चाहवय हय पर तुम्ख मिलय नहाय;
येकोलायी तुम हत्या करय हय; तुम पूरो रीति सी इच्छा रखय हय, अऊर कुछ हासिल नहीं कर
पावय; येकोलायी तुम झगड़य अऊर लड़य हय। तुम जो चाहवय हय ऊ मिलय नहाय कहालीकि
तुम परमेश्वर सी मांगय नहाय। 3 तुम मांगय हय अऊर पावय नहाय, येकोलायी कि बुरी इच्छा सी
मांगय हय, ताकि अपनो सुखविलास म उड़ाय देवो। 4 हे विश्वास हिन लोगों, का तुम नहीं जानय
कि जगत सी दोस्ती करनो परमेश्वर सी दुस्मनी करनो हय जो कोयी जगत को संगी होनो चाहवय
हय ऊ अपनो आप ख परमेश्वर को दुश्मन बनावय हय। 5 का तुम यो समझय हय कि पवित्र
शास्त्र बेकार कह्य हय, "जो आत्मा ख ओन हमरो अन्दर बसायो हय, का ऊ असी लालसा करय
हय जेको प्रतिफल ईर्ष्या हय?" 6 ऊ त अऊर भी अनुग्रह देवय हय; यो वजह यो लिख्यो हय,
"परमेश्वर अभिमानियों को विरोध करय हय, पर दीनो पर अनुग्रह करय हय।"

7 येकोलायी परमेश्वर को अधीन होय जावो; अऊर शैतान को सामना करो, त ऊ तुम्हरो जवर
सी भाग निकलेंन। 8 परमेश्वर को जवर आवो त ऊ भी तुम्हरो जवर आयेंन। हे पापियों, अपनो हाथ
धोय लेवो; अऊर हे कपटियों, अपनो दिल ख पवित्र करो। 9 दु:खी हो, अऊर शोक करो, अऊर
रोवो। तुम्हरी हसी शोक म अऊर तुम्हरी खुशी उदासी बदल जायेंन। 10 प्रभु को आगु नम्र बनो
त ऊ तुम्ख ऊंचो करेंन।

[illegible]

11 हे भाऊवों अऊर बहिनों, एक दूसरों को विरोध म मत बोलो, एक दूसरों को विरोध मत करो।
तुम व्यवस्था को पालन करन वालो नहीं पर ओको न्याय करन वालो बन जावय हय। 12 व्यवस्था
देन वालो अऊर न्याय करन वालो एकच परमेश्वर हय। ऊ अकेलोच बचाय सकय हय यां नाश कर
सकय हय। तुम मसीह भाऊ को न्याय करन वालो कौन होवय हय?

[illegible]

13 सुनो तुम जो यो कह्य हय, “अज यां कल हम कोयी अऊर नगर म जाय क उत एक साल
बितायबो, अऊर व्यापार कर क् फायदा कमायबो।” 14 अऊर यो नहीं जानय कि कल का होयेंन।
सुन त लेवो, तुम्हरो जीवन हयच का? तुम त भाप को जसो हय, जो थोड़ी देर दिखायी देवय हय
फिर गायब हो जावय हय। 15 येको उलट तुम्ख यो कहनो चाहिये, “यदि प्रभु चाहेंन त हम जीन्दो
रहबोंन, अऊर यो यां ऊ काम भी करबोंन।” 16 पर अब तुम अपनी डींग मारय हय अऊर असो सब
घमण्ड बुरो होवय हय।

17 येकोलायी जो कोयी भलायी करनो जानय हय अऊर नहीं करय, ओको लायी यो पाप को दोष
आय।

5

[illegible]

1 हे धनवानों, सुनो, तुम अपनो आवन वाली विपत्तियों पर रोवो अऊर ऊचो आवाज सी विलाप
करो। 2 ✡तुम्हरो धन सड़ गयो हय अऊर तुम्हरो कपड़ा ख कीड़ा खाय गयो हंय। 3 तुम्हरो सोना-
चांदी म जंग लग गयो हय; अऊर ऊ जंग तुम पर गवाही देयेंन, अऊर आगी को जसो तुम्हरो मांस
खाय जायेंन। तुम न आखरी युग म धन जमा करयो हय। 4 देखो, जिन मजूरों न तुम्हरो खेत काटचो,
उनकी वा मजूरी जो तुम न धोका दे क रख लियो हय चिल्लाय रही हय, अऊर काटन वालो की
दुवा सर्वशक्तिमान प्रभु को कानो तक पहुंच गयी हय। 5 तुम धरती पर सुखविलास म लग्यो रह्यो
अऊर बड़ोच सुख भोग्यो; तुम न यो वध को दिन लायी अपनो दिल को पालन-पोषन कर क् ओख
मोटो-ताजो करयो। 6 तुम न सच्चो ख दोषी ठहराय क मार डाल्यो, ऊ तुम्हरो सामना नहीं करय।

[illegible]

7 येकोलायी हे भाऊवों अऊर बहिनों, प्रभु को आगमन तक धीरज रखो। देखो, किसान जमीन
की किमती फसल की आशा रखतो हुयो पहिली अऊर आखरी बारीश होन तक धीरज सी बाट देखतो
रह्य हय। 8 तुम भी धीरज रखो; अऊर अपनी आशा ख बनायो रखो, कहालीकि प्रभु को आगमन
जवर हय।

9 हे भाऊवों अऊर बहिनों, एक दूसरों को प्रति शिकायत मत करो, ताकि परमेश्वर तुम्हरो न्याय
नहीं करे। देखो, शासक प्रगट होन पर हय। 10 हे भाऊवों अऊर बहिनों, जिन भविष्यवक्तावों न
प्रभु को नाम सी बाते करी, उन ख दु:ख उठावन को समय उन्को धीरज को आदर्श समझो। 11 देखो,
हम धीरज धरन वालो उन भविष्यवक्तावों ख धन्य कहजे हंय। तुम न अय्युब को धीरज को बारे म
त सुन्योच हय, अऊर प्रभु को तरफ सी जो ओको प्रतिफल भयो ओख भी जान लियो हय, जेकोसी
प्रभु की अत्यन्त करुना अऊर दया प्रगट होवय हय।

12 ✡पर हे मोरो भाऊवों अऊर बहिनों, सब सी अच्छी बात या हय कि कसम मत खाजो, नहीं
स्वर्ग की, नहीं धरती की, नहीं कोयी अऊर चिज की; पर तुम्हरी बातचीत हव की हव, अऊर नहीं
की नहीं हो, कि तुम परमेश्वर को न्याय को लायक नहीं ठहरो।

13 तुम म कोयी विपत्ति म पड़यो हय? त उन्न प्रार्थना करनो चाहिये। का तुम म कोयी खुश हय,
त उन न स्तुति को भजन गानो चाहिये। 14 ✡का तुम म कोयी रोगी हय? त उन्ख चाहिये कि मण्डली
को बुजूर्गों ख बुलाये कि हि प्रार्थना करे उन पर प्रभु को नाम सी तेल मले, 15 अऊर विश्वास की
प्रार्थना को द्वारा रोगी बच जायेंन अऊर प्रभु ओख फिर सी स्वस्थ शरीर प्रदान करेंन; अऊर यदि
ओन पाप भी करयो होना, त उन्की भी माफी होय जायेंन। 16 येकोलायी तुम आपस म एक दूसरों
को आगु अपनो-अपनो पापों ख मान लेवो, अऊर एक दूसरों को लायी प्रार्थना करो, जेकोसी चंगो
होय जावो: सच्चो लोग की प्रार्थना सामर्थीकारक अऊर प्रभावशाली होवय हय। 17 एलिय्याह
भी त हमरो जसो दु:ख-सुख भोग्यो आदमी होतो; अऊर ओन गिड़गिड़ाय क प्रार्थना करी कि पानी

✡ **5:2** ५:२ मत्ती ६:१९ ✡ **5:12** ५:१२ मत्ती ५:३४-३७ ✡ **5:14** ५:१४ मरकुस ६:१३

नहीं बरसे; अऊर साढ़े तीन साल तक धरती पर पानी नहीं बरस्यो। 18 तब ओन प्रार्थना करी, त
आसमान सी बरसात भयी, अऊर धरती फलवन्त भयी।
19 हे मोरो भाऊवों अऊर बहिनों, यदि तुम म कोयी सच को रस्ता सी भटक जाये अऊर कोयी
ओख फिर सी लाये, 20 ✡त ऊ यो जान ले कि जो कोयी कोयी भटक्यो हुयो पापी ख ओको गलत
रस्ता सी फिर सी लाये, ऊ पापी को जीव ख मरन सी बचायेंन अऊर ओको कुछ पापों ख माफी
करयो जान को कारण बनेंन।

✡ **5:20** ५:२० १ पतरस ४:८

पतरस की पहली पत्री
पतरस की पहिली चिट्ठी
परिचय

१ पतरस की चिट्ठी प्रेरित पतरस को द्वारा लिखी गयी होती। पतरस न यो कह्य क अपनी चिट्ठी सुरू करी कि ऊ कौन होतो अऊर कोन्को लायी ऊ लिख रह्यो होतो। उन्न उन सब मसीह भाऊवों ख चिट्ठी सी सम्बोधित करयो जिन्ख उन्न "अनजानो" कह्यो १:१, १:१७, अऊर २:११। उन्न अपनो पढ़न वालो ख यो तरह कुछ बार बतायो कहालीकि हि अलग अलग देशों म बिखरयो हुयो होतो। कहालीकि या चिट्ठी कुछ तरीका सी इफिसियों ख पौलुस कि चिट्ठी जसी दिखय हय, कुछ लोग मानय हय कि मसीह को जनम को ६५ साल बाद इफिसियों को बाद १ पतरस लिख्यो गयो होतो। पतरस न रोम सी या चिट्ठी लिखी होती जेक ओन बेबीलोन कह्यो ५:१३।

पतरस कह्य हय कि उन्न या चिट्ठी ख "तुम्ख प्रोत्साहित करन अऊर यो प्रमाणित करन को उद्देश सी लिख्यो कि यो परमेश्वर कि सच्ची कृपा आय" ५:१२ ।१ पतरस २:११–३:७इफिसियों ५:१८–६:९ अऊर कुलुस्सियों ३:१८–४:६ को बीच कुछ समानता हय। ऊ दुखियों ख दु:ख होन पर हिम्मत सी प्रोत्साहित करय हय कहालीकि अन्त जवर हय। ४:१

रूप-रेखा

१. अपनो पढ़न वालो ख सम्बोधित करन लायी पतरस खुद ख पेश करय हय। [illegible]:[illegible]-[illegible]
२. फिर ऊ उद्धार को लायी परमेश्वर को धन्यवाद करय हय कि हि सब मेल मिलाप करय हय अऊर येको अर्थ उन्को जीवन को लायी आय। [illegible]:[illegible]–[illegible]:[illegible]
३. हर समय ऊ विश्वासियों ख निर्देश देवय हय कि कसो जगत म अच्छो तरह सी रहनो हय अऊर पति अऊर पत्नी अऊर सेवक अऊर गुरु को बीच अलग अलग रिश्ता ख सम्बोधित करय हय। [illegible]:[illegible]–[illegible]:[illegible]
४. ओको बाद पतरस दु:ख को समय उन्ख हिम्मत सी प्रोत्साहित करय हय। [illegible]:[illegible]–[illegible]:[illegible]
५. तब ऊ अपनी चिट्ठी लिखनो बन्द कर देवय हय। [illegible]:[illegible]-[illegible]

1 पतरस को तरफ सी जो यीशु मसीह को प्रेरित हय, उन चुन्यो हुयो परमेश्वर को लोग जो
पुन्तुस, गलातिया, कप्पदूकिया, आसिया अऊर बितूनिया म तितर-बितर होय क निर्वाशित जसो
रह्य हंय, 2 तुम पिता परमेश्वर को पूर्व उद्देश को अनुसार चुन्यो गयो हय अऊर ओकी आत्मा को
द्वारा पवित्र लोग ठहरायो गयो, येकोलायी की यीशु मसीह की आज्ञा माने अऊर ओको खून को
छिड़काव को द्वारा पवित्र ठहरायो गयो हय।

तुम पर परमेश्वर को तरफ सी अनुग्रह अऊर शान्ति बहुतायत सी होती रहे।

[illegible]

3 हमरो प्रभु यीशु मसीह को परमेश्वर पिता को धन्यवाद हो, जेन यीशु मसीह को मरयो हुयो म
सी जीन्दो करन को द्वारा, अपनी बड़ी दया सी हम्ख जीन्दी आशा लायी नयो जनम दियो, 4 मतलब
एक अविनाशी, अऊर निर्मल, अजर विरासत लायी जो तुम्हरो लायी स्वर्ग म रखी हय; 5 जो
विश्वास को द्वारा सुरक्षित हय परमेश्वर की सामर्थ को द्वारा ऊ उद्धार लायी जो आखरी समय म
प्रगट होन को लायी तैयार हय।

6 येकोलायी तुम बहुतायत सी खुश रहो, हालांकि अभी थोड़ो समय को लायी अलग अलग तरह
की परीक्षावों को वजह दु:ख उठानो पड़ेंन; 7 अऊर यो येकोलायी हय कि तुम्हरो विश्वास परख्यो
जाये, जो आगी सी तपायो हुयो नाशवान सोना सी भी बहुत जादा किमती हय, उन्को उद्देश यो हय
कि ऊ शुद्ध निकले, जब यीशु मसीह प्रगट होयेंन ऊ दिन तब तुम्ख प्रशंसा अऊर महिमा अऊर
आदर मिलेंन। 8 तुम ओको सी प्रेम करय हय जब की तुम न ओख देख्यो नहीं, अऊर तुम ओको

पर विश्वास करय हय जब की तुम न अभी ओख देख्यो नहीं त तुम महिमामय खुशी सी खुश होय
जावो शब्दों सी बयान नहीं करयो जाय सकय; 9 तुम्हरो आत्मावों को उद्धार यो जो तुम्हरो विश्वास
को उद्देश तुम ओको म प्राप्त करय हय।
10 योच उद्धार को बारे म उन भविष्यवक्तावों न ध्यान सी खोजबीन अऊर जांच-पड़ताल
करी, जिन्न ऊ अनुग्रह को बारे म जो तुम पर होन ख होतो, भविष्यवानी करी होती। 11 उन
भविष्यवक्तावों न खोज करी ऊ समय कब अऊर कसो आयेंन। ऊ यो समय होतो जेको बारे म
मसीह की आत्मा जो उन्म होती जो बाते मसीह पर आवन वालो दु:ख अऊर ओको बाद प्रगट होन
वाली महिमा को बारे म निर्देशन करत होती। 12 परमेश्वर न उन भविष्यवक्तावों पर प्रगट करयो
गयो कि हि अपनी खुद की नहीं बल्की तुम्हरी सेवा लायी यो बाते कहत होतो, जिन्को समाचार
अब तुम्ख उन्को द्वारा मिल्यो जिन्न पवित्र आत्मा सी, जो स्वर्ग सी भेज्यो गयो, तुम्ख सुसमाचार
सुनायो; अऊर इन बातों ख स्वर्गदूत भी ध्यान सी समझन की इच्छा रखय हंय।

[illegible]

13 येकोलायी मानसिक रूप सी सचेत रहो; खुद नियंत्रन म रहो, जब यीशु मसीह प्रगट
होयेंन तब जो आशीष तुम ख मिलन की हय, ओको पर अपनी आशा पूरी रीति सी लगायो रखो।
14 आज्ञाकारी बच्चां को जसो, ऊ समय की बुरी इच्छावों को अनुसार अपनो आप ख मत ढालो जो
तुम म पहिले होती, जब तुम अज्ञानी होतो। 15 पर जसो तुम्हरो बुलावन वालो पवित्र हय, वसोच
तुम भी अपनो पूरो चाल-चलन म पवित्र बनो। 16 कहालीकि शास्त्र म लिख्यो हय, "पवित्र
बनो, कहालीकि मय पवित्र हय।"
17 अऊर यदि तुम, हरेक को कर्मों को अनुसार पक्षपात रहित होय क न्याय करन वालो परमेश्वर
ख प्रार्थना म हे बाप कह्य क पुकारय हय, त यो धरती पर परदेशी होय क परमेश्वर ख सम्मान देतो
हुयो डर को संग जीवन जीवो। 18 कहालीकि तुम जानय हय कि तुम्हरो निकम्मो चाल-चलन को
तरीका जो बापदादों सी चल्यो आवय हय, ओको सी तुम्हरो छुटकारा चांदी-सोना यानेकि बेकार
चिजों को द्वारा नहीं भयो; 19 बल्की बहुमूल्य मसीह को अर्पन को द्वारा जो एक निर्दोष अऊर
निष्कलंक मेम्ना को जसो होतो। 20 सृष्टि को निर्मान को पहिले परमेश्वर को द्वारा मसीह ख चुन्यो
गयो होतो, पर तुम्हरो लायी आखरी दिनो म ओख प्रगट करयो गयो। 21 ऊ मसीह को द्वारा तुम
ऊ परमेश्वर पर विश्वास करय हय, जेन ओख मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो अऊर महिमा दी कि
ताकी तुम्हरो विश्वास अऊर आशा परमेश्वर पर टिक्यो रहेंन।
22 जब तुम न सच को पालन करतो हुयो सच्चो भाईचारा को प्रेम ख प्रदर्शित करन लायी
अपनो आप ख निष्कपट कर लियो हय त पूरो दिल को संग आपस म एक दूसरों सी प्रेम करे।
23 कहालीकि तुम न नाशवान नहीं पर अविनाशी बीज सी, परमेश्वर को जीवतो अऊर हमेशा
ठहरन वालो वचन को द्वारा नयो जनम पायो हय। 24 कहालीकि
जसो शास्त्र म लिख्यो हय "हर एक प्रानी घास को जसो हय,
अऊर ओकी पूरी शोभा
जंगली फूलो को जसो हय। अऊर घास सुक जावय हय।
25 पर प्रभु को वचन हमेशा हमेशा स्थिर रह्य हय।"
अऊर योच सुसमाचार को वचन हय जो तुम्ख घोषित करयो गयो होतो।

2

[illegible]

1 येकोलायी सब तरह की बुरायी, अऊर कपट, जलन या अपमानित भाषा ख अपनो आप म सी
निकाल देवो। 2 नयो जनम भयो बच्चां को जसो शुद्ध आत्मिक दूध को प्यासो रहो, येकोलायी येको
पिवन को द्वारा तुम्हरो विकास अऊर उद्धार बचायो जाये। 3 जसो कि शास्त्र म लिख्यो हय, अपनो
आप जान लियो कि प्रभु कितनो भलो हय।

4 प्रभु को जवर आवो, ऊ सजीव गोटा जो लोगों को द्वारा बेकार समझ क नकार दियो होतो पर
जो परमेश्वर को लायी बहुमूल्य हय ओको द्वारा चुन्यो गयो होतो, 5 तुम भी सजीव गोटा को जसो
आत्मिक मन्दिरों को रूप म बनायो जाय रह्यो हय ताकी एक असो पवित्र याजकमण्डल को रूप
म सेवा कर सको जेको कर्तव्य असो आध्यात्मिक बलिदान समर्पित करय हय जो यीशु मसीह को
द्वारा परमेश्वर को स्वीकार लायक हो। 6 यो कारण पवित्र शास्त्र म भी लिख्यो हय:
“मय एक बहुमूल्य गोटा चुन्यो हय
जेक मय न सिय्योन को कोना को गोटा रख्यो हय;
जो कोयी ओको म विश्वास करेंन ऊ कभी भी शर्मिन्दा नहीं होयेंन।”
7 तुम विश्वासियों को लायी यो गोटा बहुत बहुमूल्य हय; पर जो विश्वास नहीं करय:
ऊ गोटा जेक राजमिस्त्रियों न बेकार समझ क
नकारयो उच गोटा सब को लायी महत्वपूर्ण कोना को गोटा बन गयो:
8 अऊर शास्त्र म यो भी लिख्यो हय,
“यो ऊ गोटा आय जो लोगों ख ठेस पहुंचायेंन,
यो चट्टान जो लोगों ख ठोकर दे क गिरायेंन,”
ऊ ठोकर खायेंन कहालीकि हि परमेश्वर को वचन पर विश्वास नहीं करय अऊर योच उन्को लायी
परमेश्वर की इच्छा होती।
9 ✡पर तुम एक चुन्यो हुयो वंश, अऊर राज-पदधारी याजकों को समाज, पवित्र प्रजा, अऊर
परमेश्वर को खुद को लोग हो, येकोलायी कि जेन तुम्ख अन्धारो म सी अपनी अद्भुत ज्योति म
बुलायो हय, ओको महान काम की घोषना करो। 10 एक समय होतो जब तुम प्रजा नहीं होतो पर
अब तुम परमेश्वर की प्रजा हो। एक समय होतो जब तुम दया को लायक नहीं होतो पर अब तुम
पर परमेश्वर न दया दिखायी हय।

[illegible]

11 हे प्रिय संगियों, मय तुम सी, जो यो जगत म अजनबी को रूप म हय, आग्रह करू हय कि
ऊ शारीरिक इच्छावों सी दूर रहो जो तुम्हरी आत्मावों सी लड़ती रह्य हय। 12 गैरयहूदी को बीच
अपनो व्यवहार इतनो अच्छो बनायो रखो कि चाहे हि अपराधी को रूप म तुम्हरी आलोचना करे पर
तुम्हरो अच्छो कर्मों को परिनाम स्वरूप ओको आवन को दिन हि परमेश्वर ख महिमा प्रदान करे।
13 प्रभु को लायी अपनो आप ख हर मानव अधिकारी को अधीन रहो: सर्वोच्च को अधीन
येकोलायी कि ऊ सब पर शासन करय हय, 14 अऊर शासकों को, कहालीकि हि गलत काम करन
वालो ख न्याय देन अऊर अच्छो लोगों की बड़ायी को लायी ओको भेज्यो हुयो हंय। 15 कहालीकि
परमेश्वर तुम सी यो चाहवय हय कि तुम अपनो अच्छो कार्यो सी मुर्ख लोगों की अज्ञानता की
बातों ख चुप कराय देवो। 16 अपनो आप ख स्वतंत्र व्यक्ति को जसो जीवन बितावो; पर अपनी
यो स्वतंत्रता को उपयोग बुरी बातों ख झाकन को लायी मत करो पर परमेश्वर को सेवकों को जसो
जीवो। 17 सब को आदर करो, अपनो दूसरों विश्वासी भाऊवों सी प्रेम रखो, परमेश्वर को आदर
को संग डर मानो, राजा को सम्मान करो।

[illegible]

18 हे सेवकों, अपनो आप ख अपनो मालिकों को अधीन रखो अऊर उन्ख पूरो रीति सी आदर
देवो, नहीं केवल उन्को जो अच्छो अऊर दूसरों को लायी चिन्ता करय हय बल्की उन ख भी जो कठोर
हय। 19 कहालीकि यदि कोयी परमेश्वर को बिचार कर क् अन्याय सी दु:ख उठातो हुयो कठिनायी
सहय हय त यो अच्छो हय। 20 कहालीकि यदि तुम न अपराध कर क् घूसा खायो अऊर धीरज
धरयो, त येको म का बड़ायी की बात हय? पर यदि अच्छो काम कर क् दु:ख उठावय हय अऊर
धीरज धरय हय, त यो परमेश्वर ख अच्छो भावय हय। 21 पर तुम्ख परमेश्वर न येकोच लायी बुलायो
हय, की मसीह न दु:ख उठायो हय, असो कर क् हमरो लायी एक उदाहरन छोड़यो हय ताकी हम

✡ **2:9** २:९ तीतुस २:१४

ओको पद चिन्हों पर चले। 22 ओन कोयी पाप नहीं करयो अऊर कोयी न ओको मुंह सी झूठी बात
नहीं सुनी। 23 जब ऊ अपमानित भयो तब ओन कोयी को अपमान कर क् प्रतिउत्तर नहीं दियो।
जब ओन दु:ख झेल्यो, ओन कोयी ख धमकी नहीं दी बल्की ऊ सच्चो न्याय करन वालो परमेश्वर म
अपनी आशावों ख रख्यो। 24 मसीह न खुदच हमरो पापों ख अपनो शरीर पर क्रूस पर ओढ़ लियो
ताकी हम अपनो पापों को प्रती हमरी मृत्यु होय जाये अऊर सच्चायी को लायी जीये। यो ओको
उन घावों को कारणच भयो जिन्कोसी तुम चंगो करयो गयो हय। 25 तुम मेंढा को जसो होतो जो
अपनो रस्ता भटक गयो होतो पर अब खुद फिर सी वापस अपनो चरवाहा अऊर तुम्हरो आत्मावों
को रख वालो को जवर लायो गयो हय।

3

[illegible]

1 ✡योच रीति सी हे पत्नियों, अपनो आप ख अपनो पति को अधीन रहो, ताकी यदि कोयी
परमेश्वर को वचन पर विश्वास नहीं करे त वा अपनो व्यवहार सी विश्वास करन को लायी जीतो
जाये। येकोलायी तुम्ख ओको सी कोयी बात करन की भी जरूरत नहाय, 2 कहालीकि हि देखेंन की
तुम्हरो व्यवहार कसो शुद्ध अऊर भक्तिपूर्ण हय। 3 ✡अपनो आप ख सुन्दर करन लायी बाहरी साज
सिंगार को इस्तेमाल मत करे, जसो की बाल गूथन, यां फिर सोनो को जेवर पहिनन, यां तरह-तरह
को कपड़ा पहिनन, 4 बल्की तुम्हरी सुन्दरता तुम्हरो मन व्यक्तित्व बनावय हय, कोमल यां शान्त
आत्मा को अविनाशी सजावट सी सुसज्जित रहो, परमेश्वर की नजर म मूल्यवान हय। 5 पहिले
को काल म पवित्र बाईयां भी, जो परमेश्वर पर आशा रखत होती, अपनो आप ख योच रीति सी
संवारती अऊर अपनो-अपनो पति को अधीन रहत होती। 6 जसी सारा अपनो पति अब्राहम की
आज्ञा मानत होती, अऊर ओख मोरो मालिक कहत होती। योच तरह तुम भी यदि भलायी करो
अऊर कोयी तरह को डर सी भयभित मत हो, त सारा की बेटियां ठहरो।
7 ✡वसोच हे पतियों, तुम भी समझदारी सी पत्नियों को संग जीवन बितावो, अऊर बाई ख
कमजोर जान क ओको आदर करो, यो समझ क कि हम दोयी परमेश्वर को जीवन को वरदान म
उन्ख अपनो सह उत्तराधिकारी मानो, ताकी तुम्हरी प्रार्थनावों म रुकावट मत पड़े।

[illegible]

8 आखरी म तुम सब को सब एक मन अऊर कृपामय सहानुभूति, भाऊवों सी प्रेम रखन वालो,
अऊर दयालुता सी, अऊर एक दूसरों सी नम्र बनो। 9 बुरायी को बदला बुरायी मत करो अऊर नहीं
श्राप को बदला श्राप देवो; बल्की प्रतिउत्तर आशीष देवो, कहालीकि आशीष हय जो परमेश्वर
न तुम ख देन को वचन दियो होतो जब तुम्ख बुलायो होतो। 10 जसो शास्त्र म लिख्यो हय,
“यदि तुम्ख अपनो जीवन की खुशी लेनो हय,
अऊर अच्छो समय की इच्छा रखय हय त,
अऊर ओख चाहिये की बुरी बात बोलन सी रोके
अऊर झूठ बोलनो बन्द करे।
11 ऊ बुरायी को संग छोड़े, अऊर भलायीच करे;
ऊ पूरो दिल सी शान्ति पावन लायी कोशिश करे।
12 कहालीकि प्रभु की आंखी न्यायियों पर लगी रह्य हंय,
अऊर ओको कान ओकी प्रार्थना को तरफ लगी रह्य हंय;
पर प्रभु बुरायी करन वालो को विरुद्ध मुंह फेर लेवय हय।”
13 यदि तुम भलायी करन को लायी तैयार रहो त तुम्हरी बुरायी करन वालो फिर कौन हय?
14 ✡यदि तुम सच्चायी को वजह दु:ख भी उठावय हय, त धन्य हो; पर लोगों को डरानो सी मत

✡ **3:1** ३:१ इफिसियों ५:२२; कुलुस्सियों ३:१८ ✡ **3:3** ३:३ १ तीमुथियुस २:९ ✡ **3:7** ३:७ इफिसियों ५:२५; कुलुस्सियों ३:१९ ✡ **3:14** ३:१४ मत्ती ५:१०

डरो, अऊर घबरावो मत, 15 पर अपनो मन म मसीह को लायी आदर रखो, अऊर ओख प्रभु जान
क आदर देवो। अऊर यदि कोयी तुम्ख अपनी आशा को बारे म जो तुम म हय समझावन ख कहेंन
त ओख उत्तर देन लायी हमेशा तैयार रहो, 16 पर हि विनम्रता अऊर आदर को संगच करो अऊर
अपनो विवेक ख शुद्ध रखो, ताकी यीशु मसीह म तुम्हरो आचरन की निन्दा करन वालो लोग तुम्हरो
अपमान करतो हुयो शर्मायेंन। 17 कहालीकि यदि परमेश्वर की याच इच्छा हो कि तुम भलायी करन
को वजह दु:ख उठावों, त यो बुरायी करन को बदला दु:ख उठानो सी बहुत अच्छो हय। 18 येकोलायी
मसीह भी पूरो पापों लायी एकच बार मरयो, मतलब ऊ जो सच्चो होतो ऊ पापियों को लायी मारयो
गयो कि हम्ख परमेश्वर को जवर ले जाये। शरीर को भाव सी त ऊ मारयो गयो पर आत्मा को भाव
सी जीन्दो करयो गयो। 19 अऊर ओकी आत्मा की स्थिति म जाय क बन्दी आत्मावों ख सन्देश
दियो, 20 या वा आत्मायें आय जो ऊ समय म परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानन वाली होती, जब नूह
को जहाज बनायो जाय रह्यो होतो अऊर परमेश्वर धीरज को संग इन्तजार कर रह्यो होतो ऊ जहाज
म थोड़ो लोग यानेकि आठ प्रानी पानी सी बचायो गयो। 21 यो ऊ बपतिस्मा को जसो हय जेकोसी
अब तुम्हरो उद्धार होवय हय, येको म शरीर को मईल धोवनो नहीं बल्की एक अच्छो विवेक को
लायी परमेश्वर सी वाचा हय। अब त तुम्ख यीशु मसीह को पुनरुत्थान को द्वारा बचावय हय। 22 ऊ
स्वर्ग पर जाय क परमेश्वर को दायो तरफ बैठ गयो; अऊर स्वर्गदूत अऊर अधिकारी अऊर सामर्थ
को काम ओको अधीन करयो गयो हंय।

4

[illegible]

1 येकोलायी जब कि मसीह न शरीर म होय क दु:ख उठायो त तुम भी उच मनसा ख अवजार को
जसो धारन करो, कहालीकि जेन शरीर म दु:ख उठायो ऊ पाप सी छूट गयो, 2 अब सी आगु, तुम्हरो
धरती पर को जीवन मानविय इच्छावों को अनुसार नहीं बल्की परमेश्वर की इच्छा को अनुसार
जीवन जीये। 3 कहालीकि गैरयहूदी जो बाते हि करनो पसंद करत होतो ऊ बात की इच्छा को
अनुसार, अऊर असभ्यता, वासना, पियक्कड़पन, लीलाक्रिडा, रंगरैली अऊर घृणित मूर्तिपूजा म
जित तक हम न पहिले समय गवायो, उच बहुत भयो। 4 येको सी हि अचम्भा करय हंय कि तुम
असो भारी घृणित, अऊर लापरवाही को जीवन जीन म शामिल नहीं होवय; येकोलायी हि तुम्हरी
निन्दा करय हय। 5 पर जो मरयो हुयो अऊर जीन्दो को न्याय करन को लायी तैयार हय ऊ परमेश्वर
ख ऊ खुद अपनो व्यवहार को लेखा-जोखा देयेंन। 6 येकोलायी उन विश्वासी ख जो मर चुक्यो हय
सुसमाचार सुनायो होतो कि शारीरिक रूप सी चाहे उन्को मानविय स्तर पर न्याय हो, पर आत्मिक
रूप सी परमेश्वर को अनुसार जीन्दो रहे।*

[illegible]

7 सब बातों को अन्त तुरतच होन वालो हय; येकोलायी संय्यमी होय क प्रार्थना को लायी सचेत
रहो। 8 सब म बड़ी बात या हय कि एक दूसरों सी घनिष्ट प्रेम रखो, कहालीकि प्रेम कुछ पापों
ख झाक देवय हय। 9 बिना कुड़कुड़ाये एक दूसरों अतिथियों को स्वागत करो। 10 जेक जो वरदान
मिल्यो हय, ऊ ओख परमेश्वर को अलग अलग तरह को दान को भलो व्यवस्थापक को जसो एक
दूसरों की सेवा म लगाये। 11 जो कोयी प्रचार करे; जो कोयी सेवा करे, त ऊ वा शक्ति सी करे
जो परमेश्वर देवय हय; येकोलायी सब बातों म यीशु मसीह को द्वारा, परमेश्वर ख प्रशंसा मिले।
महिमा अऊर साम्राज्य हमेशा हमेशा ओकोच आय। आमीन।

[illegible]

12 हे प्रिय संगियों, जब तुम्हरी अग्नि परीक्षा होवय हय तब एक विचित्र बाते देख क अचम्भित
मत होय। कि कोयी अजीब बात तुम पर बीत रही हय। 13 पर जसो मसीह को दु:खों म शामिल
होवय हय, तब खुशी मनावो, जेकोसी ओकी महिमा ख प्रगट होतो समय भी तुम पूरी खुशी सी

* **4:6** ४:६ १ पतरस ३:१८-२०

भर जावो। 14 तब यदि मसीह को नाम को लायी तुम्हरी निन्दा करी जावय हय त तुम धन्य हो, कहालीकि महिमामय परमेश्वर की आत्मा, तुम पर छाया करय हय। 15 तुम म सी कोयी व्यक्ति हत्यारों यां चोर यां कुकर्मी होन को, या दूसरों को काम म हाथ डालन को वजह दु:ख नहीं पाये। 16 पर यदि मसीही होन को वजह दु:ख पाये, त लज्जित मत हो, पर या बात को लायी परमेश्वर ख महिमा देवो कहालीकि तुम न मसीह को नाम धारन करयो।

17 कहालीकि न्याय करन की सुरूवात को समय आय चुक्यो हय कि पहिले परमेश्वर को लोगों को न्याय करयो जायेंन; अऊर जब कि न्याय को सुरूवात हम सीच होयेंन त ओको का अन्त होयेंन जो परमेश्वर को सुसमाचार ख नहीं मानय? 18 असो पवित्र शास्त्र म लिख्यो हय,

"यदि सच्चो आदमी कठिनायी सी उद्धार पायेंन,
त भक्तिहीन अऊर पापी को का ठिकाना?"

19 येकोलायी जो परमेश्वर की इच्छा को अनुसार दु:ख उठावय हंय, हि भलायी करतो हुयो अपनो आप ख विश्वास लायक सृजनहार को हाथ म सौंप दे।

5

[illegible]

1 तुम म जो बुजूर्ग हंय, मय उन्को जसो बुजूर्ग अऊर मसीह को दु:खों को गवाह अऊर प्रगट होन वाली महिमा म शामिल होय क उन्ख यो समझाऊ हय 2 ✡कि परमेश्वर को ऊ झुण्ड की, जो तुम्हरो बीच म हय रखवाली करो; अऊर यो दबाव सी नहीं पर परमेश्वर की इच्छा को अनुसार खुशी सी, अऊर पैसाच को लायी नहीं पर मन लगाय क कर। 3 जो लोग देख-रेख को लायी तुम्ख सौंप्यो गयो हंय, उन पर अधिकार मत जतावो, बल्की झुण्ड को लायी एक आदर्श बनो। 4 जब प्रधान रखवालो प्रगट होयेंन, त तुम्ख महिमा को मुकुट दियो जायेंन जेकी शोभा कभी घटय नहाय।

5 योच तरह हे नवयुवकों, तुम भी धर्म बुजूर्गों को अधीन रहो, तुम एक दूसरों की सेवा करन को लायी विनम्रता धारन करो कहालीकि शास्त्र कह्य हय। "परमेश्वर अभिमानियों को विरोध करय हय, पर दिनो पर अनुग्रह करय हय।"* 6 ✡येकोलायी परमेश्वर को शक्तिशाली हाथ को खल्लो दीनता सी रहो, जेकोसी ऊ तुम्ख ठीक समय पर बढ़ायेंन। 7 अपनी पूरी चिन्ता ओकोच पर डाल देवो, कहालीकि ओख तुम्हरो ध्यान हय।

8 सचेत रहो, अऊर जागतो रहो; कहालीकि तुम्हरो दुस्मन शैतान, एक गर्जन वालो सिंह को जसो इत-उत घुमतो हुयो यो ताक म रह्य हय कि कोख फाड़ खाये। 9 विश्वास म मजबूत होय क, अऊर यो जान क ओको सामना करो कि तुम्हरो भाऊ जो जगत म हंय असोच दु:ख सह रह्यो हंय। 10 अब परमेश्वर जो पूरो अनुग्रह को दाता हय, जेन तुम्ख यीशु मसीह म अपनी अनन्त महिमा को लायी बुलायो, तुम्हरो थोड़ो देर तक दु:ख उठावन को बाद खुदच तुम्ख सिद्ध अऊर स्थिर अऊर बलवन्त करेंन। 11 ओकोच साम्राज्य हमेशा हमेशा रहे। आमीन।

[illegible]

12 ✡मय न तुम्ख एक संक्षिप्त चिट्ठी सिलवानुस को मदत सी लिख्यो, जेक मय विश्वास लायक मसीह भाऊ मानु हय। मय तुम ख प्रोत्साहित करनो चाहऊं हय अऊर अपनी गवाही देऊ हय जो परमेश्वर को सच्चो अनुग्रह हय। येकोच म स्थिर रहो।

13 ✡बेबीलोन नगर की मण्डली जो तुम्हरो जसो दुबारा चुन्यो गयो हय, हि तुम्ख नमस्कार करय हय अऊर मसीह म मोरो बेटा मरकुस तुम्ख नमस्कार करय हंय।

14 एक दूसरों ख प्रेम सी गलो लगाय क नमस्कार करो। जो सब मसीह म हय शान्ति मिले।

✡ **5:2** ५:२ यूहन्ना २१:१५-१७ * **5:5** ५:५ नीतिवचन ३:३४ ✡ **5:6** ५:६ मत्ती २३:१२; लूका १४:११; १८:१४ ✡ **5:12** ५:१२ प्रेरितों १५:२२,४० ✡ **5:13** ५:१३ प्रेरितों १२:१२,२५; १३:१३; १५:३७-३९; कुलुस्सियों ४:१०; फिलेमोन १:२४

पतरस की दूसरी पत्री
पतरस की दूसरी चिट्ठी
परिचय

दूसरों पतरस की चिट्ठी म कह्यो गयो हय कि यो प्रेरित पतरस द्वारा लिख्यो गयो होतो, पर अज को कुछ विद्वानों ख यो नहीं लगय कि यो सच आय। यो सम्भव हय कि कोयी अऊर न येख पतरस को तरफ सी लिखी हो। लेखक कह्य हय कि ऊ यीशु को जीवन अऊर पूरो रूप सी बदलाव १:१७-१८को लायी एक गवाह होतो। अगर पतरस न चिट्ठी म लिख्यो होतो त सम्भव हय कि ओन रोम म ६५-६९ साल बाद मसीह को जनम को बाद लिख्यो होतो। पतरस न १ पतरस की चिट्ठी को बाद लिखन की तारिख रख क अपनी दूसरी चिट्ठी ३:१ म भी कह्यो। उन्न सब मसीहियों ख चिट्ठी सी सम्बोधित करयो।

पतरस न या चिट्ठी को अच्छो जीवन जीन लायी प्रोत्साहित करन अऊर झूठो शिक्षकों को पालन नहीं करन लायी चेतावनी देन लायी लिख्यो होतो २। उन्न उन्ख उन लोगों ख अनदेखो करन लायी प्रोत्साहित करयो जो कर रह्यो हय कि यीशु फिर सी आवन म बहुत लम्बो समय ले रह्यो हय। येको बजाय उन्न निर्देश करयो कि परमेश्वर धीमो नहाय बल्की सब ख बचानो चाहवय हय २ पतरस ३:८-९। या एक अच्छी जीवन जीन को एक वजह आय ३:१४।

रूप-रेखा

१. पतरस खुद ख पेश करय हय अऊर अपनो पढ़न वालो ख सम्बोधित करय हय। □:□-□
२. तब ऊ उन्ख अच्छो जीवन जीन कि याद दिलावय हय कहालीकि परमेश्वर न हम्ख मजबूत करयो हय। □:□-□□
३. बाद म ऊ झूठो शिक्षकों को खिलाफ चेतावनी देवय हय अऊर कह्य हय कि आखरी म झूठो शिक्षकों को संग का होयेंन। □:□-□□
४. ओको जवर पतरस यीशु को दूसरों बार आवन लायी तैयार रहन लायी विश्वासियों ख प्रोत्साहित करयो। □:□-□□

□□□□□□□□

1 शिमोन पतरस को तरफ सी, जो यीशु मसीह को सेवक अऊर प्रेरित हय, उन लोगों को नाम जिन्न हमरो परमेश्वर अऊर उद्धारकर्ता यीशु मसीह को सच्चायी द्वारा हमरो जसो बहुमूल्य विश्वास प्राप्त करयो हय।

2 परमेश्वर को तरफ हमरो प्रभु यीशु को पहिचान को द्वारा अनुग्रह अऊर शान्ति तुम म बहुतायत सी बढ़ती जाये।

□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□

3 कहालीकि परमेश्वर ईश्वरीय सामर्थ न सब कुछ जो जीवन अऊर भक्तिमय जीवन बितावन
लायी हय, हम्ख ओकीच पहिचान को द्वारा दियो हय, जेन हम्ख अपनीच महिमा अऊर सद्गुनों को
अनुसार बुलायो हय। 4 जिन्को द्वारा ओन हम्ख बहुमूल्य अऊर बहुतच बड़ी प्रतिज्ञा दी हंय: ताकि
इन्को द्वारा तुम ऊ भ्रष्टता सी छूट क, जो जगत म बुरी अभिलाषावों सी होवय हय, ईश्वरीय
स्वभाव को सहभागी होय जावो। 5 येकोलायी तुम सब तरह को यत्न कर क् अपनो विश्वास म
सद्गुनों ख जोड़ो, अऊर सद्गुनों म ज्ञान ख, 6 अऊर अपनो ज्ञान म आत्म संय्यम ख जोड़ो, अऊर
आत्म संय्यम म धीरज ख, अऊर धीरज म परमेश्वर की भक्ति ख जोड़ो, 7 अऊर तुम्हरो परमेश्वर
की भक्ति म मसीह भाईचारा ख; अऊर मसीह भाईचारा म प्रेम ख जोड़ो। 8 यो पूरो गुनो की तुम्ख
जरूरत हय अऊर यदि यो गुन तुम म यदि बहुतायत सी हय त यो तुम्ख हमरो प्रभु यीशु मसीह
को ज्ञान क्रियाशिल अऊर प्रभावशिल बनायेंन। 9 पर यदि तुम म या बाते नहाय, त तुम्ख दूर

नजर नहाय तुम अन्धा हय, मतलब तुम भूल गयो हय की अपनो पूर्व पापों ख धोयो जाय चुक्यो
हय।
10 येकोलायी हे भाऊवों अऊर बहिनों, अपनो बुलायो जानो, अऊर चुन लियो जानो ख सिद्ध
करन को भली भाति यत्न करतो जावो, कहालीकि यदि असो करो त कभी भी ठोकर नहीं खावो;
11 बल्की यो रीति सी तुम हमरो प्रभु अऊर उद्धारकर्ता यीशु मसीह को अनन्त राज्य म बड़ो आदर
को संग सिरनो पावों।
12 येकोलायी तुम या बाते जानय हय, अऊर जो सत्य वचन तुम्ख मिल्यो हय ओको म बन्यो
रह्य हय, तब भी मय तुम्ख इन बातों की याद दिलावन ख हमेशा तैयार रहूं। 13 मय यो अपनो
लायी उचित समझू हय कि जब तक मय यो शरीर म जीन्दो हय, तब तक मय तुम्ख या बात म याद
दिलातो रहूं। 14 कहालीकि यो जानु हय कि बहुत जल्दी मय अपनो नाशवन्त शरीर छोड़न वालो
हय। जसो कि हमरो प्रभु यीशु मसीह न मोख बतायो होतो। 15 येकोलायी मय अपनो जोर लगाऊं
कि मोरो मर जान को बाद भी तुम इन सब बातों ख हमेशा याद कर सको।

[illegible]

16 कहालीकि जब हम न तुम्ख अपनो प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ को अऊर आगमन को समाचार
दियो होतो, त ऊ चालाकी सी गढ़ी हुयी कहानियों को अनुकरन नहीं होतो बल्की हम न खुदच ओकी
महानता ख देख्यो होतो। 17 ✡कहालीकि जब ओन परमेश्वर पिता सी आदर अऊर महिमा पायी
अऊर ऊ प्रतापमय महिमा म सी यो शब्द आयो, "यो मोरो प्रिय बेटा आय, जेकोसी मय खुश
हय।" 18 तब हम ओको संग पवित्र पहाड़ी पर होतो अऊर आसमान सी आयी या वानी सुनी।
19 हमरो जवर जो भविष्यवक्तावों को वचन हय, ऊ यो घटना सी ठहरयो। तुम यो अच्छो करय
हय जो यो समझ क ओको पर ध्यान करय हय कि ऊ एक दीया आय, जो अन्धारो जागा म ऊ
समय तक उजाड़ो देतो रह्य हय जब तक कि पौ नहीं फटे अऊर भुन्सारे को तारा तुम्हरो दिल म
चमक नहीं उठय। 20 सब सी बड़ी बात या हय कि तुम्ख यो जान लेनो चाहिये कि पवित्र शास्त्र
कि कोयी भी बड़ी भविष्यवानी कोयी भविष्यवक्ता को खुद को बिचार सी दियो गयो स्पष्टिकरन
नोहोय, 21 कहालीकि कोयी भी भविष्यवानी आदमी की इच्छा सी कभी नहीं भयी, पर भक्त लोग
पवित्र आत्मा को द्वारा प्रभावित होय क परमेश्वर को तरफ सी बोलत होतो।

2

[illegible]

1 जसो भूतकाल को लोगों को बीच म झूठो भविष्यवक्ता होतो, ऊ भटकावन वालो असत्य
सिद्धता ख लायेंन, अऊर ऊ मालिक को जेन उन्ख छुड़ायो अऊर असो कर क् अपनो विनाश ख
जल्दी नेवता देयेंन। 2 फिर भी बहुत सारो लोग उन्को रस्ता पर चलेंन; अऊर कहालीकि जो हि
करय हय, उन्को वजह सी दूसरी बुरी बातों ख सच्चायी को जागा बोलेंन। 3 हि लोभ को लायी बाते
बनाय क तुम्ख अपनो फायदा को वजह बनायेंन, अऊर जो सजा की आज्ञा उन पर पहिले सी भय
गयी हय, ओको आनो म कुछ भी देर नहाय, अऊर उन्को विनाश सक्रिय हय।
4 कहालीकि जब परमेश्वर न उन स्वर्गदूतों ख जिन्न पाप करयो, उन्ख भी नहीं छोड़यो, पर नरक
म भेज क अन्धारो कुण्ड म जंजीरो सी जकड़ दियो ताकि न्याय को दिन तक बन्दी रहे; 5 अऊर
बुजूर्ग युग को जगत ख भी नहीं छोड़यो बल्की भक्तिहीन जगत पर महा जल-प्रलय भेज्यो, पर
सच्चायी को प्रचार करन वालो नूह अऊर सात आदमियों ख बचाय लियो; 6 अऊर सदोम अऊर
अमोरा को नगरो ख आगी सी सजा दे क आगी सी भस्म कर दियो ताकि हि आवन वालो भक्तिहीन
लोगों की शिक्षा को लायी एक दृष्टान्त बने, 7 अऊर सच्चो लूत ख जो गैरयहूदियों को अनैतिक
चाल चलन सी बहुत दु:खी होतो छुटकारा दियो। 8 कहालीकि ऊ सच्चो उन्को बीच म रहतो हुयो
अऊर उन्को अधर्म को कामों ख देख देख क अऊर सुन क, हर दिन अपनो सच्चो मन ख पीड़ित

✡ **1:17** १:१७ मत्ती १७:१-५; मरकुस ९:२-७; लूका ९:२८-३५

करत होतो। 9 त प्रभु भक्तो ख परीक्षा म सी छुड़ाय लेयेंन अऊर अधर्मियों ख न्याय को दिन तक
सजा की दशा म रखनो भी जानय हय, 10 विशेष कर क् उन्ख जो अशुद्ध अभिलाषावों को पीछू
शरीर को अनुसार चलतो अऊर प्रभुता ख तुच्छ जानय हंय।
हि ढीठ अऊर हठी हंय, अऊर ऊचो पद वालो ख बुरो भलो कहनो सी नहीं डरय, अऊर उनकी
निन्दा करय हय। 11 तब भी स्वर्गदूत जो शक्ति अऊर सामर्थ म झूठो शिक्षकों सी बड़ो हंय, प्रभु को
आगु उन्ख बुरो भलो कह्य क दोष नहीं लगावय। 12 पर हि लोग निर्बुद्धि जनावर को जसो हंय, जो
पकड़यो जानो अऊर नाश होन को लायी पैदा भयो हंय; अऊर जिन बातों ख जानयच नहाय उन्को
बारे म दूसरों ख बुरो भलो कह्य हंय, हि जंगली जनावर को जसो नाश कर दियो जायेंन। 13 दूसरों को
अन्याय करन को बदला उन्कोच अन्याय होयेंन। उन्ख दिन दोपहर भोग-विलाश करनो भलो लगय
हय। हि लोग कलंकित अऊर अपराधी हंय; जब हि तुम्हरो संग खावय-पीवय हंय, त हि धोकाधड़ी
सी अपनो तरफ सी प्रेम भोज कर क् भोग-विलाश करय हंय। 14 उन्की आंखी म व्यभिचार बस्यो
हुयो हय, अऊर हि पाप करयो बिना रुक नहीं सकय। हि कमजोर लोगों ख जार म फसाय लेवय
हंय। उन्को मन ख लोभ करन को अभ्यास होय गयो हय; हि परमेश्वर को श्राप म हंय। 15 हि
सीधी रस्ता ख छोड़ क भटक गयो हंय, अऊर बओर को बेटा बिलाम की रस्ता पर होय गयो हंय,
जेन अधर्म की मजूरी ख प्रिय जान्यो; 16 अऊर ओको पाप को बारे म ओख फटकार पड़ी, यहां तक
कि अबोल गधी न आदमी की बोली सी ऊ भविष्यवक्ता ख ओको बावलोपन सी रोक्यो।
17 हि लोग सूखो कुंवा, अऊर तूफान को उड़ायो हुयो बादर आय; परमेश्वर न उन्को लायी अनन्त
गहरो अन्धकार ठहरायो गयो हय। 18 हि बेकार घमण्ड की बाते कर कर क् अनैतिक को कामों को
द्वारा, उन लोगों ख जो भटक्यो हुयो म सी निकलन को सुरूवातच कर रह्यो होतो उन्ख शारीरिक
अभिलाषावों म फसाय लेवय हंय। 19 हि उन्ख स्वतंत्र करन की प्रतिज्ञा त करय हंय, पर खुदच
भ्रष्टता को सेवक हंय; कहालीकि जो आदमी जेकोसी हार गयो हय, ऊ ओको सेवक बन जावय
हय। 20 जब हि प्रभु अऊर उद्धारकर्ता यीशु मसीह की पहिचान को द्वारा जगत की नाना तरह की
अशुद्धता सी बच निकल्यो, अऊर फिर उन्म फस क हार गयो, त उन्की पिछली दशा पहिली सी भी
बुरी भय गयी हय। 21 कहालीकि सच्चायी को रस्ता ख नहीं जाननोच ओको लायी येको सी भलो
होतो कि ओख जान क, ऊ पवित्र आज्ञा सी फिर जातो जो उन्ख सौंपी गयी होती। 22 उन पर यो
कहावत सही बैठय हय, कि कुत्ता अपनी उल्टी को तरफ अऊर धुलायी हुयी डुक्करनी चीखल म
सोवन लायी फिर चली जावय हय।

3

[illegible]

1 हे प्रिय संगियों, अब मय तुम्ख यो दूसरी चिट्ठी लिखूं हय, अऊर दोयी म याद दिलाय क
तुम्हरो शुद्ध मन ख जागृत करू हय; 2 कि तुम उन बातों ख जो पवित्र भविष्यवक्तावों न पहिले
सी कहीं हय, अऊर प्रभु अऊर उद्धारकर्ता की ऊ आज्ञा ख याद करो जो तुम्हरो प्रेरितों को द्वारा
दी गयी होती। 3 ✡सब सी पहिले यो जान लेवो कि आखरी दिनो म हसी उड़ावन वालो आयेंन जो
अपनीच अभिलाषावों को अनुसार चलेंन 4 अऊर पुछेंन कि, “ओन आवन की वाचा करी होती, का
ओन नहीं करी होती? कित हय ऊ? हमरो बापदादा पहिले सी मर चुक्यो हंय, पर जब सी सृष्टि
बनी हय सब बाते वसी कि वसी चली आय रही हय।” 5 हि त जान बूझ क यो भूल गयो कि परमेश्वर
को वचन को द्वारा आसमान बुजूर्ग काल सी बनायी गयी हय अऊर धरती पानी म सी बनी अऊर
पानी को द्वारा बनी, 6 येकोच वजह ऊ युग को जगत पानी म डुब क नाश भय गयो। 7 पर आसमान
अऊर धरती जो अज अस्तित्व म हय ओकोच आदेश को द्वारा आगी को द्वारा नाश होन को लायी
सुरक्षित हय इन ख ऊ दिन को लायी रख्यो जाय रह्यो हय जब अन्यायी लोगों को न्याय होयेंन
अऊर हि नाश कर दियो जायेंन।

✡ **3:3** ३:३ यहूदा १:१८

8 हे प्रिय संगियों, या एक बात ख मत भूलो की प्रभु की नजर म एक दिन अऊर एक हजार साल
म कोयी फरक नहाय; ओको लायी हि दोयी भी समान हय। 9 प्रभु अपनी वाचा को बारे म देर नहीं
करय, जसी देर कुछ लोग समझय हंय; पर तुम्हरो बारे म धीरज धरय हय, अऊर नहीं चाहवय कि
कोयी नाश होय, बल्की यो कि सब ख मन फिराव को अवसर मिले।
10 ✡पर प्रभु को दिन चोर को जसो आय जायेंन, ऊ दिन आसमान की बड़ी गर्जना को संग अदृश्य
होय जायेंन ओको बाद आसमान की पूरी चिजे जर क नाश होय जायेंन अऊर धरती अऊर ओको
पर की बाते नाश होय जायेंन। 11 जब कि या सब चिजे या रीति सी नाश होन वाली हंय, त तुम्ख
कौन्सो तरह को लोग होनो चाहिये? तुम्हरो जीवन पवित्र अऊर परमेश्वर को तरफ समर्पित होनो
चाहिये। 12 अऊर परमेश्वर को ऊ दिन की रस्ता कौन्सी रीति सी देखनो चाहिये अऊर ओको जल्दी
आवन को लायी कसो यत्न करनो चाहिये, जेको वजह आसमान आगी सी नाश करयो जायेंन, अऊर
आसमान की पूरी चिजे बहुतच गर्मी सी तप्त होय क गल जायेंन। 13 ✡पर ओकी प्रतिज्ञा को अनुसार
हम एक नयो आसमान अऊर नयी धरती की आस देखजे हंय जिन्म सच्चायी वाश करेंन।
14 येकोलायी, हे प्रिय संगियों, जब कि तुम ऊ दिन को इंतजार कर रह्यो हय, त अपनो तरफ सी
पूरी कोशिश करो कि तुम शान्ति सी परमेश्वर की नजर म निष्कलंक अऊर निर्दोष ठहरो, 15 हमरो
प्रभु को धीरज ख ओन उद्धार देन लायी दी गयी सन्धी समझो, जसो की हमरो प्रिय भाऊ पौलुस
न ज्ञान सी जो परमेश्वर न ओख दियो होतो ओको उपयोग कर क् लिख्यो होतो। 16 वसोच ओन
अपनी सब चिट्ठियों म भी इन बातों ख लिख्यो हय। जिन्म कुछ बाते असी हंय जिन्को समझनो
कठिन हय, अऊर अनजान अऊर अस्थिर लोग ओको गलत व्याख्यान करय हय जसो की ऊ वचन
को दूसरों शास्त्र लेखों को भी करय हय। यो तरह अपनोच नाश को वजह बनय हंय।
17 येकोलायी हे प्रिय संगियों, तुम लोग पहिलेच सी इन बातों ख जान क चौकस रहो, ताकि
अनैतिक लोगों को गलातियों को द्वारा भ्रम म फस क अपनी स्थिरता ख कहीं हाथ सी खोय नहीं
देवो। 18 पर हमरो प्रभु अऊर उद्धारकर्ता यीशु मसीह को अनुसार अऊर ज्ञान म बढ़तो जावो।
ओकीच महिमा अब भी होय, अऊर हमेशा हमेशा होती रहे। आमीन।

✡ **3:10** ३:१० मत्ती २४:४३; लूका १२:३९; १ थिस्सलुनीकियों ५:२; प्रकाशितवाक्य १६:१५ ✡ **3:13** ३:१३ प्रकाशितवाक्य २१:१

यूहन्ना की पहली पत्री
यूहन्ना की पहिली चिट्ठी
परिचय

यूहन्ना की पहिली चिट्ठी प्रेरित यूहन्ना द्वारा मसीह को जनम को ५० सी १०० साल को बीच लिख्यो गयो होतो यूहन्ना खुद लेखक को रूप म नहीं जान्यो जावय पर पहिलो अध्याय दिखावय हय कि ऊ यीशु को जीवन अऊर पुनरुत्थान को लायी एक प्रत्यक्षदर्शी को रूप म हय १:१-३ । १ यूहन्ना की लिखन की शैली यूहन्ना रचित सुसमाचार को अनुसार लेखन शैली जसी दिखय हय। असो माननो हय कि यूहन्ना न यूहन्ना रचित सुसमाचार को अनुसार इफिसियों म रहतो हुयो तीन चिट्ठी १ यूहन्ना, २ यूहन्ना, ३ यूहन्ना, लिखी गयी होती।

यूहन्ना न या चिट्ठी ख सब मसीहियों ख लिखी होती जब मण्डली ख "ज्ञानवादी" नामक लोगों को झुण्ड सी परेशानी होय रही होती इन लोगों को माननो होतो कि यीशु पूरो तरह सी प्रभु होतो पर ऊ वास्तव म मांस अऊर खून को शरीर को संग धरती पर आदमी होतो। योच तरह सी यूहन्ना न यीशु को जीवन को प्रति प्रत्यक्षदर्शी होन को बारे म लिख्यो अऊर कह्यो कि मोरो हाथों न यीशु ख छूयो१:१-३। या चिट्ठी ख लिखन म यूहन्ना को उद्देश उन लोगों की खुशी ख पूरो करनो होतो १ यूहन्ना १:४, विश्वासियों ख पाप करन सी रोकन लायी १ यूहन्ना २:१ झूठी शिक्षा सी विश्वासियों की रक्षा करन लायी १ यूहन्ना २:२६, अऊर मजबूत करनो सी विश्वासियों ख बचायो गयो हय ५:१३।

रूप-रेखा

१. यूहन्ना न अपनी चिट्ठी म प्रस्तुत करयो अऊर येख लिखन लायी एक उद्देश दियो। [illegible]
२. तब ऊ बतावय हय कि परमेश्वर प्रकाश हय अऊर हम्ख मसीह म कसो जीवन जीनो होना। [illegible]
३. हर समय हम्ख एक दूसरों सी प्रेम रखनो चाहिये येख याद दिलावत होतो। [illegible]
४. तब उन्न अपनी चिट्ठी लिखनो बन्द कर दियो। [illegible]

[illegible]

1 ✡ऊ जीवन को वचन को बारे म हम लिखजे हय जो सुरू सी होतो, जेक हम न सुन्यो, अऊर जेक
अपनी आंखी सी देख्यो, बल्की जेक हम न ध्यान सी देख्यो अऊर हाथों सी छूयो। 2 ✡यो जीवन
प्रगट भयो, अऊर हम न ओख देख्यो, अऊर ओकी गवाही देजे हंय, अऊर तुम्ख ऊ अनन्त जीवन
को समाचार देजे हंय जो बाप को संग होतो अऊर हम पर प्रगट भयो 3 जो कुछ हम न देख्यो अऊर
सुन्यो हय ओको समाचार तुम्ख भी देजे हंय, येकोलायी कि तुम भी हमरो संग सामिल हो; अऊर
हमरी या सहभागिता बाप को संग अऊर ओको बेटा यीशु मसीह को संग हय। 4 अऊर या बाते
हम येकोलायी लिखजे हंय कि हमरी खुशी पूरी हो जाय।

[illegible]

5 जो समाचार हम न ओको सी सुन्यो अऊर तुम्ख सुनाजे हंय, ऊ यो आय कि परमेश्वर प्रकाश
आय अऊर ओको म कुछ भी अन्धारो नहाय। 6 यदि हम कहबो कि ओको संग हमरी सहभागिता
हय अऊर फिर अन्धारो म चले, त हम झूठो हंय अऊर सच पर नहीं चलजे; 7 पर यदि जसो ऊ
प्रकाश म हय, वसोच हम भी प्रकाश म चले, त एक दूसरों सी सहभागिता रखजे हंय, अऊर
ओको बेटा यीशु को खून हम्ख सब पापों सी शुद्ध करय हय।
8 यदि हम कहबो कि हम म कुछ भी पाप नहाय, त अपनो आप ख धोका देजे हंय, अऊर हम म
सच नहाय। 9 यदि हम अपनो पापों ख मान ले, त परमेश्वर हमरो पापों ख माफ करन अऊर हम्ख

✡ **1:1** १:१ यूहन्ना १:१ ✡ **1:2** १:२ यूहन्ना १:१४

सब पापों सी शुद्ध करन म विश्वास लायक अऊर सच्चो हय। 10 यदि हम कहबो कि हम न पाप
नहीं करयो, त हम परमेश्वर ख झूठो ठहरायजे हंय, अऊर ओको वचन हम म नहाय।

2

[illegible]

1 हे मोरो बच्चां, मय या बाते तुम्ख येकोलायी सिखाऊं हय कि तुम पाप मत करो; अऊर यदि
कोयी पाप करेंन, त बाप को जवर हमरो एक सहायक हय, यानेकि सच्चो यीशु मसीह; 2 अऊर उच
हमरो पापों को पश्चाताप करय हय अऊर केवल हमरोच नहीं बल्की पूरो जगत को पापों को भी
माफ करय हय।
3 यदि हम ओकी आज्ञावों ख मानबो, त येको सी हम जान लेबो कि हम ओख जान गयो हंय।
4 जो कोयी यो कह्य हय, "मय ओख जान गयो हय," अऊर ओकी आज्ञावों ख नहीं मानु, ऊ झूठो
हय अऊर ओको म सच नहाय; 5 पर जो कोयी यीशु को वचन पर चलेंन, ओको म सचमुच परमेश्वर
को प्रेम सिद्ध भयो हय। येको सी हम जानजे हंय कि हम परमेश्वर की संगति म एक हंय: 6 जो
कोयी यो कह्य हय कि मय ओको म बन्यो रहू हय, ओख होना कि खुद भी वसोच चलेंन जसो यीशु
मसीह चल्यो होतो।

[illegible]

7 ✡हे प्रिय संगियों, मय तुम्ख कोयी नयी आज्ञा नहीं लिखूं, पर वाच पुरानी आज्ञा जो सुरूवात
सी तुम्ख मिली हय; या पुरानी आज्ञा ऊ वचन आय जेक तुम न सुन्यो हय। 8 फिर भी मय तुम्ख नयी
आज्ञा लिखू हय, अऊर यो मसीह म अऊर तुम म सच्ची ठहरय हय; कहालीकि अन्धारो मिटत
जावय हय अऊर सच की ज्योति अब चमकन लगी हय।
9 जो कोयी यो कह्य हय कि मय ज्योति म हय अऊर अपनो भाऊ सी दुस्मनी रखय हय, ऊ अब
तक अन्धारो मच हय। 10 जो कोयी अपनो भाऊ सी प्रेम रखय हय ऊ ज्योति म रह्य हय, अऊर
कोयी को ठोकर को वजह नहीं बनय। 11 पर जो अपनो भाऊ सी दुस्मनी रखय हय ऊ अन्धारो म हय
अऊर अन्धारो म चलय हय, अऊर नहीं जानय कि कित जावय हय, कहालीकि अन्धारो न ओकी
आंखी अन्धी कर दियो हंय।
12 हे बच्चां, मय तुम्ख येकोलायी लिखू हय कि ओको नाम सी तुम्हरो पाप माफ भयो हंय। 13 हे
सब बाप , मय तुम्ख येकोलायी लिखू हय कि जो पहिले सी हय तुम ओख जानय हय। हे जवानों,
मय तुम्ख येकोलायी लिखू हय कि तुम न ऊ दुष्ट पर जय पायी हय।
14 हे लड़को, मय न तुम्ख येकोलायी लिख्यो हय कि तुम बाप ख जान गयो हय। हे सब बाप, मय
न तुम्ख येकोलायी लिख्यो हय कि जो पहिले सी हय तुम ओख जान गयो हय। हे जवानों, मय न
तुम्ख येकोलायी लिख्यो हय की तुम बलवान हो, अऊर परमेश्वर को वचन तुम म बन्यो रह्य हय,
अऊर तुम न ऊ दुष्ट पर जय पायी हय।

[illegible]

15 तुम नहीं त जगत सी अऊर नहीं जगत म की चिजों सी प्रेम रखो। यदि कोयी जगत सी
प्रेम रखय हय, त ओको म बाप को प्रेम नहाय। 16 कहालीकि जो कुछ जगत म हय, मतलब
शरीर की अभिलाषा अऊर आंखी की अभिलाषा अऊर जीविका को घमण्ड, ऊ बाप को तरफ सी
नहीं पर जगत कोच तरफ सी हय। 17 जगत अऊर ओकी अभिलासाये दोयी मिटत जावय हंय, पर
जो परमेश्वर की इच्छा पर चलय हय ऊ हमेशा जीन्दो रहेंन।

[illegible]

18 हे लड़को, यो आखरी समय आय; अऊर जसो तुम न सुन्यो हय कि मसीह को विरोधी आवन
वालो हय, ओको अनुसार अब भी बहुत सो मसीह-विरोधी उठ खड़ो भयो हंय; येको सी हम जानजे
हय कि यो आखरी समय आय। 19 हि निकल्यो त हमच म सी, पर हम म सी नहीं होतो; कहालीकि

✡ **2:7** २:७ यूहन्ना १३:३४

यदि हि हम म सी होतो, त हमरो संग रहतो; पर निकल येकोलायी गयो कि यो प्रगट हो कि हि
सब हम म सी नहाय।
20 पर तुम्हरो त ऊ पवित्र आत्मा सी अभिषेक भयो हय, अऊर तुम सब कुछ जानय हय। 21 मय
न तुम्ख येकोलायी नहीं लिख्यो कि तुम सच ख नहीं जानय, पर येकोलायी कि ओख जानय हय,
अऊर येकोलायी कि कोयी झूठ, सच को तरफ सी नहाय।
22 झूठो कौन आय? केवल ऊ जो कह्य हय यीशु मसीहा नहीं; अऊर मसीह को विरोधी उच
आय, जो बाप को अऊर बेटा को इन्कार करय हय। 23 जो कोयी बेटा को इन्कार करय हय ओको
जवर बाप भी नहाय: जो बेटा ख मान लेवय हय, ओको जवर बाप भी हय।
24 जो सन्देश तुम न सुरूवात सी सुन्यो हय, उच तुम म बन्यो रहे; जो तुम न सुरूवात सी सुन्यो
हय, यदि ऊ तुम म बन्यो रहेंन त तुम भी बेटा म अऊर बाप म बन्यो रहो। 25 अऊर जेकी ओन
हम सी प्रतिज्ञा करी ऊ अनन्त जीवन आय।
26 मय न या बाते तुम्ख लोगों को बारे म लिखी हंय, जो तुम्ख भरमावय हंय; 27 पर तुम्हरो
ऊ अभिषेक जो पवित्र आत्मा को तरफ सी करयो गयो, तुम म बन्यो रह्य हय; अऊर तुम्ख येकी
जरूरत नहाय कि कोयी तुम्ख सिखाये, बल्की जसो ऊ अभिषेक जो ओको तरफ सी करयो गयो तुम्ख
सब बाते सिखावय हय, अऊर यो सच्चो हय अऊर झूठो नहाय; अऊर जसो ओन तुम्ख सिखायो
हय वसोच तुम ओको म बन्यो रह्य हय।
28 अब हे बच्चां, ओको म बन्यो रहो कि जब ऊ प्रगट हो त हम्ख हिम्मत हो, अऊर हम ओको
आनो पर ओको सामने लज्जित नहीं हो। 29 यदि तुम जानय हय, कि ऊ सच्चो हय, त यो भी जानय
हय कि जो कोयी सही काम करय हय ऊ परमेश्वर सी जनम्यो हय।

3

1 ✡देखो, बाप न हम सी कसो प्रेम करयो हय कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाये; अऊर
हम भी हंय। यो वजह जगत हम्ख नहीं जानय, कहालीकि ओन ओख भी नहीं जान्यो। 2 हे प्रिय
संगियों, अब हम परमेश्वर की सन्तान हय, अऊर अभी तक यो प्रगट नहीं भयो कि हम का कुछ
होयेंन। इतनो जानजे हय कि जब ऊ प्रगट होयेंन त हम ओको जसो होबो, कहालीकि ओख वसोच
देखबोंन जसो ऊ हय। 3 अऊर जो ओको पर या आशा रखय हय, ऊ अपनो आप ख वसोच शुद्ध
करय हय जसो मसीह शुद्ध हय।
4 जो कोयी पाप करय हय, ऊ व्यवस्था को विरोध करय हय; अऊर पाप त व्यवस्था को विरोध
हय। 5 ✡तुम जानय हय कि ऊ येकोलायी प्रगट भयो पापों ख निकाल ले जाये; अऊर ओको स्वभाव
म पाप नहाय। 6 जो कोयी ओको एकता म बन्यो रह्य हय, ऊ पाप नहीं करय: जो कोयी पाप करय
हय, ओन नहीं त ओख देख्यो हय अऊर नहीं ओख जान्यो हय।
7 हे बच्चां, कोयी को बहकाव म मत आजो। जो लोग सही काम करय हय, उच मसीह को जसो
सच्चो हय। 8 जो कोयी पाप करय हय ऊ शैतान को तरफ सी हय, कहालीकि शैतान सुरूवात सीच
पाप करतो आयो हय। परमेश्वर को बेटा येकोलायी प्रगट भयो कि शैतान को कामों को नाश करे।
9 जो कोयी परमेश्वर सी जनम्यो हय ऊ पाप नहीं करय; कहालीकि ओको स्वभाव ओको म
बन्यो रह्य हय, अऊर ऊ पाप करच नहीं सकय कहालीकि परमेश्वर सी जनम्यो हय। 10 येको सीच
परमेश्वर की सन्तान अऊर शैतान की सन्तान जान्यो जावय हंय; जो कोयी सच्चायी को काम नहीं
करय ऊ परमेश्वर सी नहाय, अऊर नहीं ऊ जो अपनो भाऊ सी प्रेम नहीं रखय।

[illegible]

11 ✡कहालीकि जो समाचार तय न सुरूवात सी सुन्यो, ऊ यो आय कि हम एक दूसरों सी प्रेम
रखो; 12 अऊर कैन को जसो मत बनो जो ऊ दुष्ट सी होतो, अऊर जेन अपनो भाऊ को खून करयो।

✡ **3:1** ३:१ यूहन्ना १:१२ ✡ **3:5** ३:५ यूहन्ना १:२९ ✡ **3:11** ३:११ यूहन्ना १३:३४

अऊर ओख कौन्सो वजह खून करयो? यो वजह कि ओको काम बुरो होतो, अऊर ओको भाऊ को
काम सही होतो।
13 हे भाऊवों अऊर बहिनों, यदि जगत तुम सी दुस्मनी करय हय त अचम्भा मत करजो। 14 ✡हम
जानजे हंय कि हम मृत्यु सी पार होय क जीवन म पहुंच्यो हंय; कहालीकि हम भाऊवों सी प्रेम
रखजे हंय। जो प्रेम नहीं रखय ऊ मरन की दशा म रह्य हय। 15 जो कोयी अपनो भाऊ-बहिन सी
दुस्मनी रखय हय, ऊ हत्यारों हय; अऊर तुम जानय हय कि कोयी हत्यारों म अनन्त जीवन नहीं
रह्य। 16 हम न प्रेम येको सीच जान्यो कि ओन हमरो लायी अपनो जीव दे दियो; अऊर हम्ख भी
भाऊवों-बहिनों को लायी जीव देनो चाहिये। 17 पर जो कोयी को जवर जगत की जायजाद होना
अऊर ऊ अपनो भाऊ ख गरीब देख क ओको पर तरस खानो नहीं चाहवय, त ओको म परमेश्वर को
प्रेम कसो बन्यो रह्य सकय हय? 18 हे बच्चां, हम शब्द अऊर जीबली सीच नहीं, पर काम अऊर
सच को द्वारा भी प्रेम करबो।

[illegible]
19 यो असो हय हम जानजे हय कि हम सच को हंय; यो तरह हम परमेश्वर की उपस्थिति म
भरोसा करबो; 20 गलत कामों को लायी हमरो मन जब भी हम्ख बाहेर करय हय त यो येकोलायी
होवय हय कि परमेश्वर हमरो मनों सी बड़ो हय अऊर ऊ कुछ जानय हय। 21 हे प्रियो, यदि हमरो
मन हम्ख दोष नहीं दे, त हम्ख परमेश्वर को आगु हिम्मत होवय हय; 22 अऊर जो कुछ हम मांगजे
हंय, ऊ हम्ख ओको सी मिलय हय, कहालीकि हम ओकी आज्ञावों ख मानजे हंय अऊर जो ओख
भावय हय उच करजे हंय। 23 ✡ओकी आज्ञा यो हय कि ओको बेटा यीशु मसीह को नाम पर विश्वास
करे, अऊर जसो मसीह न हम्ख आज्ञा दियो हय ओकोच अनुसार आपस म प्रेम रखे। 24 जो ओकी
आज्ञावों ख मानय हय, ऊ परमेश्वर म एक बन्यो रह्य हय: अऊर येको सीच, मतलब ऊ आत्मा सी
जो ओन हम्ख दियो हय, हम जानजे हंय कि ऊ हम म एक बन्यो रह्य हय।

4

[illegible]
1 हे प्रियो, हर एक आत्मा को विश्वास मत करो, बल्की आत्मावों ख परखो कि हि परमेश्वर को
तरफ सी हंय कि नहाय; कहालीकि बहुत सो झूठो भविष्यवक्ता पर जय प्राप्त कर लियो हय।
2 परमेश्वर को आत्मा तुम यो रीति सी पहिचान सकय हय: जो आत्मा मान लेवय हय कि यीशु
मसीह शरीर म होय क आयो हय ऊ परमेश्वर को तरफ सी हय, 3 अऊर जो आत्मा यीशु ख नहीं
मानय, वा परमेश्वर को तरफ सी नहाय; अऊर वाच त मसीह को विरोधी की आत्मा आय, जेकी
चर्चा तुम सुन चुक्यो हय कि ऊ आवन वालो हय, अऊर अभी जगत म हय।
4 हे बच्चां, तुम परमेश्वर को आय, अऊर तुम न उन पर जय पायो हय; कहालीकि जो तुम म
हय ऊ ओको सी जो जगत म हय, महान हय। 5 हि जगत को आय, यो वजह हि जगत की बाते
बोलय हंय, अऊर जगत उनकी सुनय हय। 6 हम परमेश्वर को आय। जो परमेश्वर ख जानय हय,
ऊ हमरी सुनय हय; जो परमेश्वर ख नहीं जानय ऊ हमरी नहीं सुनय। यो तरह हम सच की आत्मा
अऊर भ्रम की आत्मा ख पहिचान लेजे हंय।

[illegible]
7 हे प्रियो, हम आपस म प्रेम रखबो; कहालीकि प्रेम परमेश्वर सी हय। जो कोयी प्रेम करय
हय, ऊ परमेश्वर सी जनम्यो हय अऊर परमेश्वर ख जानय हय। 8 जो प्रेम नहीं रखय ऊ परमेश्वर
ख नहीं जानय, कहालीकि परमेश्वर प्रेम हय।* 9 जो प्रेम परमेश्वर हम सी रखय हय, ऊ येको सी
प्रगट भयो कि परमेश्वर न अपनो एकलौतो बेटा ख जगत म भेज्यो हय कि हम ओको द्वारा जीवन
पाये। 10 प्रेम येको म नहाय कि हम न परमेश्वर सी प्रेम करयो, पर येको म हय कि ओन हम सी
प्रेम करयो अऊर हमरो पापों को पश्चाताप को बलिदान होन को लायी अपनो बेटा ख भेज्यो।

✡ **3:14** ३:१४ यूहन्ना ५:२४ ✡ **3:23** ३:२३ यूहन्ना १३:३४; १५:१२,१७ * **4:8** ४:८ निर्गमन ३४:६

11 हे प्रियो, जब परमेश्वर न हम सी असो प्रेम करयो, त हम ख भी आपस म प्रेम रखनो
चाहिये। 12 ✡परमेश्वर ख कभी कोयी न नहीं देख्यो; यदि हम आपस म प्रेम रखबो, त परमेश्वर
हम म बन्यो रह्य हय अऊर ओको प्रेम हम म पूरो भय गयो हय।
13 येको सीच हम जानजे हंय कि हम ओको म बन्यो रहजे हंय, अऊर ऊ हम म; कहालीकि ओन
अपनी आत्मा दी हय। 14 हम न देख भी लियो अऊर गवाही देजे हंय कि बाप न बेटा ख जगत
को उद्धारकर्ता कर क् भेज्यो हय। 15 जो कोयी यो मान लेवय हय कि यीशु परमेश्वर को बेटा आय,
परमेश्वर ओको म बन्यो रह्य हय, अऊर ऊ परमेश्वर म।
16 जो प्रेम परमेश्वर हम सी रखय हय, ओख हम जान गयो अऊर हम्ख ओको विश्वास हय।
परमेश्वर प्रेम हय, अऊर जो प्रेम म बन्यो रह्य हय ऊ परमेश्वर म बन्यो रह्य हय, अऊर परमेश्वर
ओको म बन्यो रह्य हय। 17 येको सीच प्रेम हम म पूरो भयो कि हम्ख न्याय को दिन हिम्मत हो;
कहालीकि जसो मसीह हय वसोच जगत म हम भी हंय। 18 पूरो प्रेम म डर नहीं होवय, बल्की
सिद्ध प्रेम डर ख दूर कर देवय हय; कहालीकि डर को सम्बन्ध सजा सी होवय हय, अऊर जो डर
करय हय ऊ प्रेम म पूरो नहीं भयो।
19 हम येकोलायी प्रेम करजे हंय, कि पहिले ओन हम सी प्रेम करयो। 20 यदि कोयी कहेंन,
"मय परमेश्वर सी प्रेम रखू हय," अऊर अपनो भाऊ सी दुश्मनी रखे त ऊ झूठो हय; कहालीकि
जो अपनो भाऊ सी जेन ओख देख्यो हय प्रेम नहीं रखय, त ऊ परमेश्वर सी भी जेक ओन नहीं
देख्यो प्रेम नहीं रख सकय। 21 ओको सी हम्ख या आज्ञा मिली हय, कि जो कोयी परमेश्वर सी
प्रेम रखय हय ऊ अपनो भाऊ अऊर बहिन सी भी प्रेम रखे।

5

[illegible]

1 जेको यो विश्वास हय कि यीशुच मसीह आय, ऊ परमेश्वर को बेटा हय; अऊर जो कोयी ओको
बेटा सी प्रेम रखय हय, ऊ ओको सी भी प्रेम रखय हंय जो ओको सी पैदा भयो हय। 2 जब हम
परमेश्वर सी प्रेम रखजे हंय अऊर ओकी आज्ञावों ख मानजे हंय, त येको म हम जानजे हंय कि
हम परमेश्वर की सन्तानों सी प्रेम रखजे हंय। 3 ✡कहालीकि परमेश्वर को बच्चा सी प्रेम रखनो
यो हय कि हम ओकी आज्ञावों ख माने; अऊर ओकी आज्ञाये कठिन नहाय। 4 कहालीकि जो कुछ
परमेश्वर सी पैदा भयो हय, ऊ जगत पर जय प्राप्त करय हय, अऊर ऊ विजय जेकोसी जगत पर
जय प्राप्त होवय हय हमरो विश्वास हय। 5 जगत पर जय पान वालो कौन आय? केवल ऊ जेको
यो विश्वास हय कि यीशु, परमेश्वर को बेटा आय।

[illegible]

6 ऊ यीशु मसीहच आय जो हमरो जवर पानी अऊर खून को संग आयो। केवल पानी को संग
नहीं, बल्की पानी अऊर खून को संग। अऊर वा आत्मा आय जो ओकी गवाही देवय हय कहालीकि
आत्मा सत्य हय। 7 अऊर जो गवाही देवय हय, ऊ आत्मा आय; कहालीकि आत्मा सत्य हय।
8 गवाही देन वालो तीन हय, आत्मा, अऊर पानी, अऊर खून; अऊर तीनयी एकच बात पर सहमत
हंय। 9 जब हम आदमियों की गवाही मान लेजे हंय, त परमेश्वर की गवाही त ओको सी बढ़ क
हय; अऊर परमेश्वर की गवाही या हय कि जो ओन अपनो बेटा को बारे म गवाही दियो हय।
10 जो परमेश्वर को बेटा पर विश्वास करय हय ऊ अपनोच गवाही म रखय हय। जेन परमेश्वर पर
विश्वास नहीं करयो ओन ओख झूठो ठहरायो, कहालीकि ओन ऊ गवाही पर विश्वास नहीं करयो
जो परमेश्वर न अपनो बेटा को बारे म दियो हय। 11 ✡अऊर वा गवाही या हय कि परमेश्वर न हम्ख
अनन्त जीवन दियो हय, अऊर यो जीवन ओको बेटा म हय। 12 जेको जवर बेटा हय, ओको जवर
जीवन हय; अऊर जेको जवर परमेश्वर को बेटा नहाय, ओको जवर जीवन भी नहाय।

[illegible]

✡ **4:12** ४:१२ यूहन्ना १:१८ ✡ **5:3** ५:३ यूहन्ना १४:१५ ✡ **5:11** ५:११ यूहन्ना ३:३६

13 मय न तुम्ख, जो परमेश्वर को बेटा को नाम पर विश्वास करय हय, येकोलायी लिख्यो हय कि
तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हरो हय। 14 अऊर हम्ख ओको आगु जो हिम्मत होवय हय, ऊ यो
आय; कि यदि हम ओकी इच्छा को अनुसार कुछ मांगजे हंय, त ऊ हमरी सुनय हय। 15 जब हम
ओख मांगजे हंय तब ऊ हमरी सुनय हय; अऊर या बात सच हय, त यो भी जानजे हंय कि जो कुछ
हम मांगजे हय, ऊ देवय हय।

16 यदि कोयी अपनो भाऊवों-बहिनों ख असो पाप करतो देखे जेको फर मृत्यु नहीं हय, त बिनती
करे, अऊर परमेश्वर ओख उन्को लायी, जिन्न असो पाप करयो हय जेको फर मृत्यु नहीं हो, जीवन
देयेंन। पाप असो भी होवय हय जेको फर मृत्यु हय; येको बारे म मय बिनती करन को लायी नहीं
कहूं। 17 सब तरह को अधर्म त पाप हय, पर असो पाप भी हय जेको परिनाम मृत्यु नहाय।

18 हम जानजे हंय, कि जो कोयी परमेश्वर को बच्चा हय, ऊ पाप नहीं करय; पर जो परमेश्वर सी
पैदा भयो, ऊ ओख बचायो रखय हय, अऊर ऊ दुष्ट ओख नहीं पावय।

19 हम जानजे हंय कि हम परमेश्वर सी हंय, अऊर पूरो जगत ऊ दुष्ट को वश म पड़यो हय।

20 हम यो भी जानजे हंय कि परमेश्वर को बेटा आय गयो हय अऊर ओन हम्ख समझ दियो हय
कि हम ऊ सच्चो परमेश्वर ख पहिचानबो; अऊर हम ओको म जो सच हय, मतलब ओको बेटा यीशु
मसीह म एकता म होय क रहजे हंय। सच्चो परमेश्वर अऊर अनन्त जीवन योच आय।

21 हे बच्चां, अपनो आप ख मूर्तियों सी बचायो रखो।

यूहन्ना की दूसरी पत्री
यूहन्ना की दूसरी चिट्ठी
परिचय

यूहन्ना की दूसरी चिट्ठी प्रेरित यूहन्ना द्वारा मसीह को जनम को ५० सी १०० साल को बीच लिख्यो गयो होतो यूहन्ना खुद लेखक को रूप म नहीं जान्यो जावय हय। बल्की ऊ खुद ख बुजूर्ग कह्य हय। यूहन्ना को अनुसार सुसमाचार म मिली विषय चिज की तुलना म २ यूहन्ना की विषय चिज उन्को सी मिलती झूलती हय यो विशेष रूप सी साफ हय कि जो तरह सी ऊ एक दूसरों सी प्रेम करन लायी यीशु को आदेश पर जोर देवय हय, अऊर जो तरह सी ऊ अपनो आदेशों को पालन को संग यीशु सी प्रेम करय हय १:५-६, यूहन्ना १५:९-१०। असो मान्यो जावय हय कि यूहन्ना न यूहन्ना को अनुसार सुसमाचार लिख्यो होतो अऊर इफिसियों म रहतो हुयो तीन चिट्ठी १ यूहन्ना, २ यूहन्ना, ३ यूहन्ना, लिख्यो।

यूहन्ना न या चिट्ठी सी कुछ चुनी हुयी बाई अऊर उन्को बच्चा ख सम्बोधित करयो। ऊ शायद कोयी एक मण्डली को जिक्र करत होतो। या चिट्ठी ख लिखन म यूहन्ना को उद्देश मण्डली ख प्रोत्साहित करनो होतो अऊर झूठो शिक्षकों ख चेतावनी देनो होतो।

रूप-रेखा

१. यूहन्ना प्रस्तुत करत होतो की या चिट्ठी कोन्को लायी आय अऊर प्राप्त करन वालो ख अभिवादन करनो। [illegible]
२. मण्डली ख प्रोत्साहित करनो अऊर महान आदेश को याद दिलानो हय। [illegible]
३. हर समय झूठो शिक्षकों की चेतावनी देवय हय। [illegible]
४. यूहन्ना मण्डली म विश्वासियों सी बधायी दे क अपनी चिट्ठी पूरी करय हय जित ऊ रह्य हय। [illegible]

1 मय बुजूर्ग को तरफ सी वा चुनी हुयी, बाई अऊर ओको बच्चां को नाम, जिन्कोसी मय सच्चो
प्रेम रखू हय, अऊर केवल मयच नहीं बल्की हि सब भी प्रेम रखय हंय जो सच ख जानय हंय।
2 ऊ सच जो हम म स्थिर रह्य हय, अऊर हमेशा हमरो संग रहेंन।
3 परमेश्वर पिता, अऊर बाप को बेटा यीशु मसीह को तरफ सी अनुग्रह अऊर दया अऊर
शान्ति, सत्य अऊर प्रेम सहित हमरो संग रहेंन।

[illegible]

4 मय बहुत खुश भयो कि मय न तोरो कुछ बच्चां ख ऊ आज्ञा को अनुसार, जो हम्ख बाप को
तरफ सी मिली होती, सच पर चलतो हुयो पायो। 5 ✡अब हे प्रिय बाई, मय तोख कोयी नयी आज्ञा
नहीं, पर वाच जो सुरूवात सी मिली हय तुम्ख लिख रह्यो हय, अऊर तोरो सी बिनती करू हय कि
हम एक दूसरों सी प्रेम रखे। 6 अऊर प्रेम यो हय कि हम परमेश्वर की आज्ञावों को अनुसार चले;
यो वाच आज्ञा आय जो तुम न सुरूवात सी सुनी हय, अऊर तुम्ख येकोलायी प्रेम पुर्वक जीवन
जीनो चाहिये।
7 कहालीकि बहुत सो असो भरमावन वालो जगत म निकल आयो हंय, कि हि यो नहीं मानय
कि यीशु मसीह शरीर म होय क आयो। भरमावन वालो लोग अऊर मसीह को विरोधी हिच आय।
8 अपनो बारे म चौकस रहो, कि जो मेहनत हम न करयो हय ओख तुम गवा मत देवो, बल्की ओको
पूरो प्रतिफल पावों।

✡ **1:5** १:५ यूहन्ना १३:३४; १५:१२,१७

9 जो कोयी मसीह कि शिक्षा सी आगु बड़ जावय हय अऊर ओको म बन्यो नहीं रह्य, ओको जवर
परमेश्वर नहाय; जो कोयी ओकी शिक्षा म स्थिर रह्य हय, ओको जवर बाप भी हय अऊर बेटा भी।
10 यदि कोयी तुम्हरो जवर आये अऊर शिक्षा नहीं दे, ओख नहीं त घर म आवन देवो अऊर नहीं
नमस्कार करो। 11 कहालीकि जो कोयी असो लोग ख अभिवादन करय हय, ऊ ओको बुरो कामों म
सहभागी होवय हय।

???? ????

12 मोख बहुत सी बाते तुम्ख लिखनो हंय, पर कागज अऊर स्याही सी लिखनो नहीं चाहऊ, पर
आशा हय कि मय तुम्हरो जवर आऊं अऊर आमने-सामने बातचीत करू, जेकोसी तुम पूरो तरह सी
खुशी रहो।
13 तोरी बहिन* को बच्चा को तरफ सी तोख नमस्कार करजे हंय।

* **1:13** १:१३ ओकी मण्डली को विश्वासियों

यूहन्ना की तीसरी पत्री
यूहन्ना की तीसरी चिट्ठी
परिचय

यूहन्ना की तीसरी चिट्ठी प्रेरित यूहन्ना द्वारा मसीह को जनम को ५० सी १०० साल को बीच लिख्यो गयो होतो यूहन्ना खुद लेखक को रूप म नहीं जान्यो जावय हय। बल्की ऊ खुद ख बुजूर्ग कह्य हय १:१, २ यूहन्ना १:१ उच करय हय। असो मान्यो जावय हय कि यूहन्ना न यूहन्ना को अनुसार सुसमाचार लिख्यो होतो अऊर इफिसियों म रहतो हुयो तीन चिट्ठी १ यूहन्ना, २ यूहन्ना, ३ यूहन्ना, लिख्यो।

यूहन्ना न या चिट्ठी गयुस नाम को एक विश्वासी ख लिख्यो होतो। ऊ गयुस ख एक संगी को रूप म सम्बोधित करत होतो, अऊर ओख ऊ क्षेत्र को माध्यम सी यात्रा कर रह्यो मसीह भाऊवों लायी अतिथि सत्कार को बारे म निर्देश देत होतो।

रूप-रेखा

१. यूहन्ना न अपनी चिट्ठी प्रस्तुत करयो। □:□
२. गयुस ख प्रोत्साहित करय हय अऊर भाऊवों ख अतिथि सत्कार दिखावन लायी निर्देश देवय हय। □:□-□
३. हर समय, ऊ दोय दूसरों आदमियों, दियुत्रिफेस अऊर दिमेत्रियुस की बाते करय हय। □:□-□□
४. आखरी म अपनी चिट्ठी लिखनो बन्द करय हय। □:□□-□□

1 ✡बुजूर्ग यूहन्ना को, तरफ सी प्रिय संगी गयुस को नाम, जेकोसी मय सच्चो प्रेम रखू हय।
2 हे प्रिय संगी, मोरी या प्रार्थना हय कि जसो तय आत्मिक उन्नति कर रह्यो हय, वसोच तय
सब बातों म उन्नति करे अऊर भलो चंगो रहे। 3 कहालीकि जब विश्वासी भाऊवों न आय क तोरो
ऊ सच कि गवाही दी, जो सच पर तय हमेशा चलय हय, त मय बहुतच खुश भयो। 4 मोख येको सी
जादा अऊर कोयी खुशी नहाय कि मय सुनू, कि मोरो बच्चा सच को रस्ता पर चलय हंय।

□□□□ □□ □□□□□□

5 हे प्रिय संगियों, जो कुछ तुम उन भाऊवों को संग करय हय, जो परदेशी हंय, ओख ईमानदारी
को रूप म करय हय। 6 जो प्रेम तुम न उन पर दर्शायो हय उन्न मण्डली को आगु तोरो प्रेम
की गवाही दियो हय। उन्की यात्रा बनायो रखन को लायी कृपया उन्की यो तरह सी मदत करनो
जेकोसी परमेश्वर खुश हो। 7 कहालीकि हि मसीह की सेवा की यात्रा पर निकल पड़यो हंय तथा
अविश्वासियों सी कुछ मदत नहीं लेवय। 8 येकोलायी हम मसीहियों ख असो लोगों की मदत करनो
चाहिये, ताकी हम भी सच को काम म ओको सहकर्मी होय सके।

□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□□□

9 या चिट्ठी मय न मण्डली ख भी लिख्यो होतो, पर दियुत्रिफेस जो उन्म मुखिया बननो चाहवय
हय, ऊ मोरी बातों पर ध्यान नहीं लगावय। 10 येकोलायी जब मय आऊं त ओको कामों की जो ऊ
कर रह्यो हय, याद दिलाऊं, कि ऊ हमरो बारे म बुरी बाते बकय हय; अऊर हमरो बारे म झूठी बाते
बतावय हय पर इतनोच ओको लायी काफी नहाय ऊ मसीही भाऊवों ख स्वीकार नहीं करय, जब हि
आवय हय अऊर उन्ख भी रोकय हय जो स्वीकार करनो चाहवय हंय अऊर पूरी कोशिश करय हय
कि उन्ख मण्डली सी बाहेर निकाले।
11 हे प्रिय संगी, बुरायी को नहीं पर भलायी को अनुयायी हो। जो भलायी करय हय, ऊ परमेश्वर
को तरफ सी हय; पर जो बुरायी करय हय, ओन परमेश्वर ख नहीं देख्यो।

✡ **1:1** १:१ प्रेरितों १९:२९; रोमियों १६:२३; १ कुरिन्थियों १:१४

12 दिमेत्रियुस को बारे म सब लोगों न अच्छी गवाही दियो; अऊर हम भी गवाही देजे हंय,
अऊर तय जानय हय कि हमरी गवाही सच्ची हय।

????? ????????

13 मोख तोख बहुत कुछ लिखनो त होतो, पर स्याही अऊर कलम सी लिखनो नहीं चाहऊ। 14 पर
मोख आशा हय कि तोरो सी जल्दी मिलूं, तब हम आमने सामने बातचीत करबो।
15 तोख शान्ति मिलती रहें न।
यहां को तोरो सब संगियों को तोख नमस्कार। उत को संगियों ख भी नमस्कार कह्य देजो।

यहूदा की पत्री
यहूदा की चिट्ठी
परिचय

यहूदा नाम की चिट्ठी को नाम येको लेखक को नाम पर रख्यो गयो हय। यहूदा खुद ख याकूब, यीशु को भाऊ याकूब को रूप म पहिचान्यो जावय हय। येकोलायी ऊ यीशु को भाऊवों म सी एक मान्यो जावय हय।१ हम नहीं जानजे कि या चिट्ठी एक खास मण्डली को लायी लिखी गयी होती। अऊर पुरानो नियम को सन्दर्भो को वजह, यहूदा को मूल सम्भावना यहूदियों सी भयी होती। हालांकि, ऊ अपनी चिट्ठी ख सम्बोधित करय हय उन सब ख जिन्ख बुलायो गयो हय, जिन्ख बाप सी प्रेम हय अऊर यीशु मसीह को लायी रख्यो गयो हय।१ या चिट्ठी शायद मसीह को जनम को ६० साल बाद लिखी गयी होती।

सब मसीहियों ख चिट्ठी लिखन को उन्को उद्देश उन्ख झूठो शिक्षकों द्वारा भटकावन को खिलाफ चेतावनी देनो हय यहूदा १:४ ऊ पुरानो नियमों की घटनावों अऊर खाता ख उन्को तर्कों की ताकत देन को लायी सन्दर्भित करय हय। या चिट्ठी २ पतरस को संग झूठो शिक्षकों यहूदा १:४,२ पतरस २:१ को संग संग स्वर्गदूतों अऊर सदोम अऊर अमोरा को सन्दर्भो को खिलाफ चेतावनी सहित कुछ बिचार साझा करय हय।

रूप-रेखा

१. यहूदा पहिले अपनो पढ़न वालो ख सम्बोधित करय हय। □:□-□
२. फिर, ऊ लेखन को लायी अपनो कारण देवय हय जो उन झूठो शिक्षकों को खिलाफ चेतावनी देवय हय। □:□-□
३. ओको बाद ऊ पुरानो नियम म लोगों अऊर घटनावों को उदाहरन देवय हय। □:□-□□
४. तब ऊ उन्ख बतावय हय कि उन्की प्रतिक्रिया चेतावनी को लायी का होना चाहिये। □:□□-□□
५. आखरी म ऊ परमेश्वर की स्तुति करन वाली चिट्ठी लिखनो बन्द कर देवय हय। □:□□-□□

□□□□□□□

1 ✡यहूदा को तरफ सी जो यीशु मसीह को सेवक अऊर याकूब को भाऊ आय, उन बुलायो हुयो
को नाम जो परमेश्वर पिता म प्रिय अऊर यीशु मसीह को लायी सुरक्षित हंय।
2 दया अऊर शान्ति अऊर प्रेम तुम्ख बहुतायत सी हासिल होतो रहे।

□□□□ □□□□□□□

3 हे प्रिय संगियों, जब मय तुम्ख ऊ उद्धार को बारे म लिखनो म अत्यन्त मेहनत सी कोशिश
कर रह्यो होतो जेको म हम सब सहभागी हंय, त मय न तुम्ख यो लिखन अऊर उत्साहित करन
की जरूरत महसुस करयो कि तुम ऊ विश्वास को लायी संघर्ष करतो रहो जेक परमेश्वर न अपनो
पवित्र लोगों ख एकच बार सब को लायी सौंप्यो गयो हय। 4 कहालीकि कितनो असो आदमी
चुपका सी हमरो झुण्ड म आय मिल्यो हंय, उन लोगों को सजा को बारे म शास्त्रों न बहुत पहिलेच
भविष्यवानी कर दी होती: हि लोग भक्तिहीन हंय, अऊर हमरो परमेश्वर को अनुग्रह ख इन
लोगों न परमेश्वर को अनैतिक रस्ता को बहाना बनाय डाल्यो हय तथा असो हमरो प्रभु यीशु
मसीह एकमात्र स्वामी अऊर प्रभु ओख इन्कार करय हंय।
5 पर यानेकि तुम सब बात एक बार जान गयो हय, तब भी मय तुम्ख या बात की याद दिलानो
चाहऊ हय कि प्रभु न इस्राएल ख मिस्र देश सी छुड़ावन को बाद विश्वास नहीं लान वालो ख

✡ **1:1** १:१ मत्ती १३:५५; मरकुस ६:३

नाश कर दियो। 6 तुम्ख यो भी याद दिलानो चाहऊ हय जो स्वर्गदूतों न अपनी सत्ता ख बनाय क
नहीं रख सक्यो पर अपनी निजी निवास ख छोड़ दियो, ओन उन्की भी ऊ कठिन दिन को न्याय को
लायी अन्धारो म, जो सनातन काल को लायी हय, बन्धनों म रख्यो हय। 7 जो रीति सी सदोम
अऊर अमोरा अऊर उन्को आजु-बाजू को नगर, जो स्वर्गदूतों को जसो व्यभिचारी होय गयो होतो
अऊर अनैतिक यौनसंबन्ध को पीछू लग गयो होतो, आगी को अनन्त दण्ड म पड़ क उदाहरन को
रूप म स्थित हंय।

8 उच रीति सी यो स्वप्नदर्शी भी अपनो-अपनो शरीर ख अशुद्ध करय, अऊर परमेश्वर को
अधिकार अऊर स्वर्गदूतों ख तुच्छ मानय हय, अऊर ऊचो पद वालो ख बुरो भलो कह्य हंय। 9 ✡पर
प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल न, जब शैतान सी मूसा को मरयो शरीर को बारे म वाद-विवाद करयो,
त ओख बुरो-भलो कह्य क् मीकाईल न दोष लगातो हुयो अपमान जनक को साहस नहीं करयो पर
कह्यो, "प्रभु तोख डाटे।" 10 पर हि लोग उन बातों की आलोचना करय हय जिन्ख हि समझावय
नहाय हि लोग बुद्धीहीन जनावरों को जसो जिन बातों सी सहज रीति सी परिचीत हय यो बाते या
आय जिन्कोसी उन्को नाश होन वालो हंय। 11 उन पर हाय! कहालीकि हि कैन को जसी चाल चले,
अऊर पैसा को लोभ को वजह सी बिलाम को जसो भ्रष्ट होय गयो हंय, अऊर कोरह को जसो
विरोध कर क् नाश भयो हंय। 12 हि लोग तुम्हरो प्रिति भोज म घातक हय हि लूकी हुयो ककंर को
जसो हय हि केवल अपनोच स्वार्थ कोच चिन्ता करय हय। हि बिना पानी को बादर को जसो हय,
हि पतझड़ को असो झाड़ हय जिन पर फर नहीं होवय हय हि दुबारा मरयो हुयो हय उन्ख जड़ी सी
उखाड़यो जाय चुक्यो हय; 13 ऊ समुन्दर की भयानक लहर जसो हय जो अपनी लज्जा पूरो कार्यो
ख फेस दिखाती रह्य हंय, हि भटकतो तारा जसी रह्य हंय, जिन्को लायी परमेश्वर न अनन्त घोर
अन्धारो सुनिश्चित कर दियो हय।

14 हनोक न भी जो आदम सी सातवी पीढ़ी म होतो, इन्को बारे म या भविष्यवानी करी, "देखो,
प्रभु अपनो हजारों पवित्रों स्वर्गदूतों को संग आयेंन। 15 कि सब को न्याय करे, अऊर सब
भक्तिहीनों ख उन्को अभक्ति को सब कामों को बारे म जो उन्न भक्तिहीन होय क करयो हय,
अऊर उन सब कठोर बातों को बारे म जो भक्तिहीन पापियों न ओको विरोध म कहीं हंय, दोषी
ठहरायो।"

16 हि लोग असंतुष्ट, चुगलखोर अऊर दूसरों पर दोष लगावन वालो हंय, हि लोग अपनीच बुरी
लालसावों पर चलन वालो हय, हि अपनोच बारे म घमण्ड करय हंय, अऊर अपनो फायदा को लायी
दूसरों की चापलूसी करय हंय।

[illegible]

17 पर हे प्रिय संगियों, तुम उन बातों ख याद रखो जो हमरो प्रभु यीशु मसीह को प्रेरित पहिलेच
कह्य चुक्यो हंय। 18 ✡हि तुम सी कहत होतो, "आखरी को दिनो म असो लोग प्रगट होयेंन जो
ठट्ठा करन वालो होयेंन हि लोग जो अपनीच अभक्ति की इच्छावों को अनुसार चलेंन।" 19 यो
हि लोग आय जो फूट डालय हंय; हि उन्को शारीरिक इच्छावों को नियंत्रन म हंय, जिन को जवर
परमेश्वर की आत्मा नहाय। 20 पर हे प्रियो, तुम अपनो अति पवित्र विश्वास म उन्नति करतो
हुयो अऊर पवित्र आत्मा की सामर्थ म प्रार्थना करतो हुयो, 21 अपनो आप ख परमेश्वर को प्रेम
म बनायो रखो; अऊर अनन्त जीवन को लायी हमरो प्रभु यीशु मसीह की दया की बाट देखतो
रहो।

22 उन पर जो शक म हंय दया करो; 23 अऊर बहुतों ख आगी म सी झपट क निकालो; अऊर
बहुतों पर डर को संग दया करो, पर उन्को कपड़ा सी घृना करो जिन पर कामुक्ता को धब्बा लग्यो
हुयो हय।

[illegible]

✡ **1:9** १:९ प्रकाशितवाक्य १२:७ ✡ **1:18** १:१८ २ पतरस ३:३

24 अब ओको प्रति जो तुम्ख गिरन सी बचाय सकय हय, अऊर अपनी महिमामय उपस्थिति
म निर्दोष कर क् खड़ो कर सकय हय, 25 ऊ एकमात्र परमेश्वर हमरो उद्धारकर्ता की महिमा अऊर
गौरव अऊर पराक्रम अऊर अधिकार, हमरो प्रभु यीशु मसीह को द्वारा जसो युग युगान्तर काल
सी हय, अब भी हो अऊर हमेशा हमेशा रहेंन। आमीन।

प्रकाशितवाक्य यूहन्ना के द्वारा
प्रकाशितवाक्य यूहन्ना को द्वारा
परिचय

प्रकाशितवाक्य या किताब नयो नियम को आखरी किताब आय, अऊर वा आखिर म लिख्यो गयो। प्रेरित यूहन्ना न यीशु मसीह को जनम को बाद सन ९५ को आस पास वा लिख्यो गयी १:१ अऊर ओनच यूहन्ना रचित सुसमाचार अऊर यूहन्ना की १, २, ३ चिट्ठी लिखी। योच यूहन्ना को लोग "यीशु जेको पर प्रेम करत होतो" असो मान क पहिचानत होतो। यूहन्ना १३:२३ यीशु मसीह को सुसमाचार को वजह सी पतमुस नाम को द्वीप पर जब सजा भोग रह्यो होतो, तब ओन या किताब लिख्यो १:९।

या किताब लिखन को यूहन्ना को उद्देश यो होतो कि मोरो पढ़न वालो ख यीशु को संग विश्वास म रहन लायी प्रोत्साहन देनो अऊर यीशु को फिर सी वापस आनो जवर होतो। येकोलायी ओको म आशा निर्मान करनो १:३; २२:७ ओन सब विश्वासियों ख या चिट्ठी लिखी पर विशेषता या हय कि वा साथ मण्डलियों ख लिख्यो जिन्को उल्लेख २–३ म मिलय हय। यूहन्ना खुद की लिखावट ख परमेश्वर को तरफ सी आयो हुयो सन्देश, भविष्यवानी असो बतावय हय अऊर जिन बातों ख खुद न देख्यो उन बातों को वर्नन ऊ अलंकारिक भाषा म लिखय हय। या जो किताब आय, यो पुरानो नियम को कुछ भागो सी मिलतो झुलतो अऊर विशेषता जकर्याह ६:१-८ इन वचनों सी ओकी समानता देखो वसोच सात तुरही अऊर सात कटोरा यो परमेश्वर न मिस्र पर आयो हुयो दु:ख को जसो हय। निर्गमन ७–९ प्रकाशितवाक्य आखरी दिनो को वर्नन करय हय आखिर म यीशु विजयी जसो होयेंन अऊर ओको पर विश्वास करन वालो ओको संग जीन्दो रहेंन असो ऊ कह्य हय। या किताब को द्वारा तुम्ख चेतावनी मिले, अऊर यीशु को फिर सी आन को बारे म तुम्ख आशा मिलेंन।

रूप-रेखा

१. सुरूवात म यूहन्ना खुद की पहिचान कर क् ओख भविष्यवानी कसो प्राप्त भयी यो बताय क सुरूवात करय हय। ▯:▯-▯▯
२. यीशु को तरफ सी सात मण्डलियों ख प्रत्येक्ष मिल्यो हुयो सन्देश यूहन्ना देवय हय। ▯:▯–▯:▯▯
३. तब ऊ सात सिक्का को उल्लेख करय हय। ▯:▯–▯:▯ अऊर सात तुरही को वर्नन करय हय। ▯:▯–▯▯:▯▯
४. ओको बाद यूहन्ना एक छोटो लड़का सात मुंड वालो सांप सी कसो लड़ाई यो बतावय हय। ▯▯:▯–▯▯:▯▯
५. ओको बाद यूहन्ना सात गुस्सा को बारे म लिखय हय। ▯▯:▯–▯▯:▯▯
६. ओको बाद परमेश्वर ओको आसमान को दुश्मन पर कसो विजय हासिल करय हय, यो बतावय हय। ▯▯:▯–▯▯:▯▯
७. जो नयो आसमान अऊर नयी धरती आखिर म आवन वाली हय ओको वर्नन करय हय। ▯▯:▯–▯▯:▯▯

1 यीशु मसीह को प्रकाशन, जो ओख परमेश्वर न येकोलायी दियो कि अपनो सेवकों ख हि बाते,
जिन्को जल्दी होनो जरूरी हय, दिखाये; अऊर ओन अपनो स्वर्गदूतों ख भेज क ओको द्वारा अपनो
सेवक यूहन्ना ख बतायो, 2 यूहन्ना न परमेश्वर को वचन अऊर यीशु मसीह की गवाही, मतलब जो
कुछ ओन देख्यो होतो ओकी गवाही दी। 3 धन्य हय हि जो या किताब ख पढ़य हय, अऊर धन्य
हय हि भविष्यवानी को सन्देश ख सुनावय हय अऊर जो लिख्यो हय ओको अनुसार चलय हय;
कहालीकि या सब बाते घटित होन को समय जवर हय।

▯▯▯ ▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯ ▯▯▯▯▯▯▯

4 ✡यूहन्ना को तरफ सी आसिया प्रान्त की सात मण्डलियों को नाम: ऊ परमेश्वर को तरफ सी
जो हय, अऊर जो होतो, अऊर जो आवन वालो हय; अऊर उन सात आत्मावों को तरफ सी जो
ओको सिंहासन को सामने हंय, 5 अऊर यीशु मसीह को तरफ सी जो विश्वास लायक गवाह अऊर
मरयो हुयो म सी जीन्दो होन वालो म पहिलौठा अऊर धरती को राजावों को शासक हय। तुम्ख
अनुग्रह अऊर शान्ति मिलती रहे।
ऊ हम सी प्रेम रखय हय, अऊर ओन अपनो खून को द्वारा हम्ख पापों सी छुड़ायो हय, 6 ✡अऊर
हम्ख एक राज्य अऊर अपनो पिता परमेश्वर लायी याजक भी बनाय दियो। यीशु मसीह की महिमा
अऊर पराक्रम हमेशा हमेशा रहे। आमीन।
7 ✡देखो, ऊ बादलो को संग आय रह्यो हय, अऊर हर एक आंखी ओख देखेंन, हि भी जिन्न ओख
बेध्यो होतो हि भी ओख देखेंन, अऊर धरती को पूरो गोत्र ओको वजह शोक करेंन। आमीन।
8 ✡प्रभु परमेश्वर, जो हय अऊर जो होतो अऊर जो आवन वालो हय, जो सर्वशक्तिमान हय,
यो कह्य हय, "मयच पहिलो अऊर आखरी आय।"

[illegible]

9 मय यूहन्ना, जो तुम्हरो भाऊ आय अऊर यीशु को बड़ी कठिनायी अऊर राज्य अऊर धीरज म
तुम्हरो सहभागी हय, परमेश्वर को वचन अऊर यीशु की गवाही को वजह पतमुस नाम को टापू म
होतो। 10 मय प्रभु को दिन आत्मा म आय गयो, अऊर अपनो पीछू तुरही को जसो बड़ो आवाज
यो कहतो सुन्यो, जो कुछ तय देख रह्यो हय ओख एक किताब म लिखतो जा अऊर या किताब ख
सात शहरों की मण्डलियों म भेज दे। 11 "जो कुछ तय देख रह्यो हय ओख एक किताब म लिखतो
जा अऊर या किताब ख सातों मण्डलियों को जवर भेज दे, मतलब इफिसुस, अऊर स्मुरना, अऊर
पिरगमुन, अऊर थुआतीरा, अऊर सरदीस, अऊर फिलदिलफिया, अऊर लौदीकिया ख।"
12 तब मय न ओख, जो मोरो सी बोल रह्यो होतो, देखन लायी अपनो मुंह फिरायो; अऊर पीछू
घुम क मय न सोनो की सात दीवट देख्यो, 13 अऊर उन दीवट को बीच म आदमी को बेटा जसो
एक आदमी ख देख्यो, जो पाय तक कपड़ा पहिन्यो, अऊर छाती पर सोनो को पट्टा बान्ध्यो हुयो
होतो। 14 ओकी मुंड अऊर बाल सफेद ऊन जसो उज्वल होतो, अऊर ओकी आंखी आगी को जसी
चमकत होती। 15 ओको पाय उत्तम पीतर को जसो होतो जो मानो भट्टी म तपायो गयो हय, अऊर
ओकी आवाज एक पानी को झरना को जसी लग रही होती 16 ऊ अपनो दायो हाथ म सात तारा
धरयो हुयो होतो, अऊर ओको मुंह सी तेज दोधारी तलवार निकलत होती। ओको चेहरा भर दोपहर
म निकल्यो हुयो सूरज को जसो चमकदार होतो। 17 ✡जब मय न ओख देख्यो त ओको पाय पर मरयो
हुयो आदमी को जसो गिर पड़यो। ओन मोरो पर अपनो दायो हाथ रख क कह्यो, "मत डर!" मय
पहिलो अऊर आखरी आय; 18 मय जीन्दो हय अऊर मय मर गयो होतो, अऊर अब देख मय हमेशा
हमेशा जीन्दो रहूं। मृत्यु अऊर अधोलोक की कुंजी पर मोरो अधिकार हय। 19 येकोलायी जो बाते
तय न देखी हंय अऊर जो बाते होय रही हंय, अऊर जो बाते येको बाद होन वाली हंय, उन सब ख
लिख ले। 20 मतलब उन सात तारा को भेद जिन्ख तय न मोरो दायो हाथ म देख्यो होतो, अऊर उन
सात सोनो को दीवट को भेद: हि सात तारा सातों मण्डलियों को दूत आय, अऊर हि सात दीवट
सात मण्डलियां हंय।

2

[illegible]

1 "इफिसुस की मण्डली को दूत ख यो लिख।

✡ **1:4** १:४ प्रकाशितवाक्य ४:५ ✡ **1:6** १:६ प्रकाशितवाक्य ५:१० ✡ **1:7** १:७ मत्ती २४:३०; मरकुस १३:२६; लूका २१:२७; १ थिस्सलुनीकियों ४:१७; यूहन्ना १९:३४,३७; मत्ती २४:३० ✡ **1:8** १:८ प्रकाशितवाक्य २२:१३ ✡ **1:17** १:१७ प्रकाशितवाक्य २:८; २२:१३

"जो सातों तारा अपनो दायो हाथ म धरयो हुयो हय, अऊर सोनो की सातों दीवट को बीच म
चलय हय, ऊ यो कह्य हय कि 2 जो तय न करयो अऊर तोरो मेहनत को काम ख अऊर तोरो धीरज
ख जानु हय; अऊर यो भी कि तय बुरो लोगों ख देख नहीं सकय, अऊर जो अपनो आप ख प्रेरित
कह्य हंय, अऊर हयच नहाय, उन्ख तय न उन्ख परख क झूठो पायो। 3 तय धीरज रखय हय, अऊर
मोरो नाम लायी दु:ख उठातो उठातो थक्यो नहीं। 4 पर मोख तोरो विरुद्ध यो कहनो हय कि तय न
अपनो पहिलो सो प्रेम छोड़ दियो हय। 5 येकोलायी याद कर कि तय कहां सी गिरयो हय, अऊर
पापों सी मन फिराव अऊर पहिले को जसो काम कर जसो तय पहिले करत होतो। यदि तय पापों
सी मन नहीं फिरायजो, त मय तोरो जवर आय क तोरो दीवट ख ओकी जागा सी हटाय देऊं। 6 पर
हव, तोरो म या बात त हय कि तय नीकुलइयों को कामों सी घृना करय हय, जिन्कोसी मय भी घृना
करू हय।"

7 ✡"जेको कान हय ऊ सुन ले कि आत्मा मण्डलियों सी का कह्य हय।

"जो जय पाये, मय ओख ऊ जीवन को झाड़ म सी जो परमेश्वर को बगीचा म बढ़न वालो झाड़
सी हय, फर खान को अधिकार देऊं।"

[illegible]

8 ✡"स्मुरना की मण्डली को दूत ख यो लिख।

"जो पहिलो अऊर आखरी हय, जो होतो अऊर अब फिर सी जीन्दो भय गयो हय, ऊ यो कह्य
हय कि 9 मय तोरी कठिनायी अऊर गरीबी ख जानु हय पर तय धनी हय, जो अपनो आप ख यहूदी
कह्य हंय पर हयच नहाय, अऊर तोरो विरुद्ध म जो बुरी बाते कह्य हय उन्ख मय जानु हय। हि
शैतान की सभा आय। 10 जो दु:ख तोख झेलनो पड़ेंन, उन सी मत डर। देखो, शैतान तुम म सी कुछ
ख जेलखाना म डालन पर हय ताकि तुम परख्यो जावो; अऊर तुम्ख दस दिन तक कठिनायी उठानो
पड़ेंन। जीव जात तक विश्वास लायक रहो, त मय तोख विजय को मुकुट तोख जीवन देऊं।"

11 ✡"जेको कान हय ऊ सुन ले कि आत्मा मण्डलियों सी का कह्य हय। जो जय पाये, ओख दूसरी
मृत्यु सी हानि नहीं पहुंचेंन।"

[illegible]

12 "पिरगमुन की मण्डली को दूत ख यो लिख।

"जेको जवर दोधारी अऊर तेज तलवार हय, ऊ यो कह्य हय कि 13 मय यो जानु हय कि तय उत
रह्य हय जित शैतान को सिंहासन हय। तय मोरो संग सच्चो हय, अऊर मोरो पर विश्वास करन
सी उन दिनो म भी पीछू नहीं हटचो जिन्म मोरो विश्वास लायक गवाह अन्तिपास, तुम्हरो बीच
ऊ जागा पर मार दियो गयो जित शैतान रह्य हय। 14 पर मोख तोरो विरोध कुछ बाते कहनी हंय,
कहालीकि तुम्हरो बिच कुछ असो हंय, जो बिलाम की शिक्षा ख मानय हंय, जेन बच्चा ख सिखायो
होतो कि इस्राएल को लोगों ख मूर्तियों ख चढ़ायो हुयो खाना खान अऊर व्यभिचार करन को द्वारा
उन्ख पाप म गिरावन को लायी अगुवायी करे। 15 वसोच तोरो बिच म कुछ असो हंय, जो नीकुलइयों
की शिक्षा ख मानय हंय। 16 येकोलायी पापों सी मन फिराव, नहीं त मय तोरो जवर जल्दीच आय
क अपनो मुंह की तलवार सी उन्को संग लड़ाई करतो।"

17 ✡"जेको कान हय ऊ सुन ले कि आत्मा मण्डलियों सी का कह्य हय।"

"जो जय पाये, ओख मय गुप्त मन्ना म सी देऊं, अऊर उन म सी हर एक ख सफेद गोटा भी देऊं;
अऊर ऊ गोटा पर एक नयो नाम लिख्यो हुयो होयेंन, जेक ओको पान वालो को अलावा अऊर
कोयी नहीं जानेंन।"

[illegible]

18 थुआतीरा की मण्डली को दूत ख यो लिख।

✡ **2:7** २:७ प्रकाशितवाक्य २२:२ ✡ **2:8** २:८ प्रकाशितवाक्य १:१७; २२:१३ ✡ **2:11** २:११ प्रकाशितवाक्य २०:१४; २१:८ ✡ **2:17** २:१७ यूहन्ना ६:४८-५०

“परमेश्वर को टुरा जेकी आंखी आगी की ज्वाला की जसी, अऊर जेको पाय उत्तम पीतर को
जसो चमकदार हंय, ऊ यो कह्य हंय कि 19 मय तोरो कामों, तोरो प्रेम अऊर विश्वास अऊर सेवा
अऊर धीरज ख जानु हय। अऊर यो भी कि तोरो पिछलो कामों सी अभी को काम पहिले सी बढ़
क हंय यो भी जानु हय। 20 पर मोरो जवर तोरो विरोध यो कहनो हय कि तय इजेबेल नाम की बाई
ख सह रह्यो हय जो अपनो आप ख परमेश्वर की सन्देश वाहक कह्य हय। अऊर ओकी शिक्षा को
द्वारा वा मोरो सेवकों ख व्यभिचार को प्रति तथा मूर्तियों ख चढ़ायो हुयो खाना खान ख मोरो सेवकों
की गलत अगुवायी करय हय। 21 मय न ओख पापों सी मन फिरावन लायी अवसर दियो, पर वा
अपनो अनैतिकता सी मन फिरावनो नहीं चाहत होती। 22 अऊर मय न तकलीफ को बिस्तर पर
डालन वालो हय तथा उन्ख भी जो ओको संग व्यभिचार म सामिल हय, ताकी हि ऊ समय तक
गहन तकलीफ ख झेलतो रहे जब तक हि ओको संग करयो अपनो बुरो कर्म को लायी मन नहीं
फिराये। 23 मय ओको अनुयायीयों ख मार डालू; तब सब मण्डलियायें जान लेयेंन कि दिल अऊर
मन को परखन वालो मयच आय, अऊर मय तुम म सी हर एक ख ओको कामों को अनुसार बदला
देऊ।”

24 “पर तुम थुआतीरा को बाकी लोगों सी, जितनो यो शिक्षा ख नहीं मानय अऊर उन बातों ख
जिन्ख शैतान की गहरो रहस्य बाते कह्य हंय नहीं सिख्यो, यो कहू हय कि मय तुम पर अऊर बोझ
नहीं डालू। 25 पर हव, जो तुम्हरो जवर हय ओको पर मोरो आनो तक चलतो रहो। 26 जो जय पाये
अऊर मोरो कामों को अनुसार आखरी तक करतो रहे, मय ओख राष्ट्रों पर अधिकार देऊ जो मय न
अपनो बाप सी प्राप्त करयो होतो: 27 अऊर उन्ख राष्ट्रों पर अधिकार देऊ हि लोहा की सलाक
को संग शासन करे, अऊर उन्ख माटी को बर्तन को जसो टुकड़ा म तोड़ दे। 28 अऊर मय ओख
भुन्सारे को तारा भी देऊ।”

29 जेको कान हय ऊ सुन ले कि आत्मा मण्डलियों सी का कह्य हय।

3

[illegible]

1 “सरदीस की मण्डली को दूत ख यो लिख।

“जेको जवर परमेश्वर की सात आत्मायें अऊर सात तारा हंय, ऊ यो कह्य हय कि मय तोरो कामों
ख जानु हय: लोगों को कहनो हय कि तय जीन्दो त हय, पर वास्तव म मरयो हुयो हय। 2 येकोलायी
उठ जा, अऊर ओख मजबूत कर जो बाकी हय, ओको पहिले को जो बाकी रह्य गयी हंय, कहालीकि
मय न तोरो कोयी काम ख अपनो परमेश्वर की नजर म पूरो नहीं पायो। 3 ✡येकोलायी याद कर
कि तय न कसी शिक्षा प्राप्त करी अऊर सुनी होती, अऊर ओको पालन कर अऊर पापों सी मन
फिराव। यदि तय नहीं जाग्यो त मय चोर को जसो तोरो जवर आऊं, अऊर तय ऊ समय ख नहीं
जान सकजो कि मय कब आऊं। 4 पर हव, सरदीस म तोरो यहां कुछ असो लोग हंय जिन्न अपनो–
अपनो कपड़ा अशुद्ध नहीं करयो। हि सफेद कपड़ा पहिन्यो हुयो मोरो संग घुमेंन, कहालीकि हि यो
लायक हंय।”

5 ✡“जो जय पाये ओख योच तरह सफेद कपड़ा पहिनायो जायेंन, अऊर मय ओको नाम जीवन
की किताब म सी कोयी भी रीति सी नहीं काटू; बल्की अपनो बाप अऊर ओको स्वर्गदूतों को जसो
ओको नाम खुलो तौर पर घोषित करू। 6 जेको कान हय ऊ सुन ले कि आत्मा मण्डलियों सी का
कह्य हय।”

[illegible]

7 “फिलदिलफिया की मण्डली को दूत ख यो लिख: जो पवित्र अऊर सत्य हय, अऊर जो दाऊद
की कुंजी रखय हय, अऊर जो दरवाजा ऊ खोलय हय, ओख कोयी बन्द नहीं कर सकय अऊर बन्द
करयो हुयो ख कोयी खोल नहीं सकय, ऊ यो कह्य हय कि।”

✡ **3:3** ३:३ मत्ती २४:४३,४४; लूका १२:३९,४०; प्रकाशितवाक्य १६:१५ ✡ **3:5** ३:५ प्रकाशितवाक्य २०:१२; मत्ती १०:३२;
लूका १२:८

8 “मय तोरो कामों ख जानु हय; देख, मय न तोरो आगु एक दरवाजा खोल क रख्यो हय, जेक
कोयी बन्द नहीं कर सकय; मय जानु हय कि तोरी सामर्थ थोड़ी हय, फिर भी तय न मोरी शिक्षा
को पालन करयो हय अऊर तय मोरो नाम संग विश्वास लायक रह्यो।” 9 देख, मय शैतान को उन
मण्डली वालो ख तोरो वश म कर देऊ जो यहूदी बन बैठ्यो हंय, पर हयच नहाय बल्की झूठ बोलय
हंय देख, मय असो करू कि हि आय क तोरो घुटना को बल पर गिरेंन, अऊर यो जान लेयेंन कि
मय न तोरो सी प्रेम रख्यो हय। 10 कहालीकि तुम्ख धैर्यपूर्वक सहनशीलता को मोरो आदेश को
पालन करयो हय अऊर मय भी वा कठिन समय सी तुम्हरी रक्षा करू, जो यो धरती पर रहन वालो
ख परखन लायी पूरो जगत पर आवन वालो हय। 11 मय जल्दीच आवन वालो हय; जो कुछ तोरो
जवर हय ओख पकड़यो रह्य कि ताकी कोयी तुम्हरो विजय को मुकुट कोयी छीन नहीं ले। 12 ✡जो
विजयी होयेंन ओख मय अपनो परमेश्वर को मन्दिर को खम्बा बनाऊं, अऊर हि यो मन्दिर सी कभी
बाहेर नहीं जायेंन; अऊर मय उन पर मोरो परमेश्वर को नाम अऊर मोरो परमेश्वर को शहर को
नाम नयो यरूशलेम लिखूं, जो मोरो परमेश्वर को स्वर्ग सी खल्लो उतरेंन। मय उन पर अपनो नयो
नाम भी लिखूं।
13 जेको कान हय ऊ सुन ले कि आत्मा मण्डलियों सी का कह्य हय।

[illegible]

14 “लौदीकिया की मण्डली को दूत ख यो लिख।
“जो ‘आमीन’ अऊर विश्वास लायक अऊर सच्चो गवाह हय, अऊर परमेश्वर की सृष्टि को
शासक हय, ऊ यो कह्य हय कि 15 मय तोरो कामों ख जानु हय कि तय नहीं त ठंडो हय नहीं गरम:
भलो होतो कि तय ठंडो या गरम होतो। 16 येकोलायी कि तय कुनकुनो हय, अऊर नहीं ठंडो हय
अऊर नहीं गरम, मय तोख अपनो मुंह म सी उगलन जाय रह्यो हय। 17 तय कह्य हय कि मय धनी
आय अऊर धनवान भय गयो हय अऊर मोख कोयी चिज कि कमी नहाय; अऊर यो नहीं जानय
कि तय दयालु अऊर बेकार अऊर गरीब अऊर अन्धो अऊर नंगो हय। 18 येकोच लायी मय तोख
सलाह देऊ हय कि आगी म तपायो हुयो शुद्ध सोना मोरो सी ले ले कि तय धनी होय जाये, अऊर
सफेद कपड़ा ले ले कि पहिन क तोख अपनो लज्जा को नंगो पन झाक, अऊर अपनी आंखी म
लगावन लायी सुर्मा लगाव कि तय देखन लगजो। 19 ✡मय जेको जेकोसी प्रेम करू हय, उन सब
ख उलाहना अऊर ताड़ना देऊ हय; येकोलायी साहस म रहो, अऊर पापों सी मन फिरावो। 20 देख,
मय द्वार पर खड़ो हुयो खटखटाऊ हय; यदि कोयी मोरी आवाज सुन क द्वार खोलेंन, त मय ओको
जवर अन्दर आय क ओको संग जेवन करू अऊर ऊ मोरो संग।
21 “जो जय पाये मय ओख अपनो संग अपनो सिंहासन पर बैठाऊं, जसो मय भी जय पा क अपनो
बाप को संग ओको सिंहासन पर बैठ गयो। 22 जेको कान हय ऊ सुन ले की आत्मा मण्डलियों सी
का कह्य हय।”

4

[illegible]

1 इन बातों को बाद जो मय न नजर करी त का देखूं हय, कि स्वर्ग म एक द्वार खुल्यो हुयो हय,
अऊर जेक मय न पहिले तुरही को जसो आवाज सी अपनो संग बाते करतो सुन्यो होतो, उच कह्य
हय, “यहां ऊपर आय जा; अऊर मय हि बाते तोख दिखाऊं, जेको इन बातों को बाद पूरो होनो
जरूरी हय।” 2 फिर तुरतच आत्मा न मोरो पर नियंत्रन करयो। मय न देख्यो कि मोरो सामने स्वर्ग
म सिंहासन होतो अऊर ओको पर कोयी विराजमान होतो। 3 जो ओको पर बैठ्यो हय ऊ यशब अऊर
माणिक्य को गोटा जसो दिखायी देवय हय, अऊर ऊ सिंहासन को चारयी तरफ चमकीलो जसो एक
इंद्रधनुष दिखायी देवय हय। 4 ऊ सिंहासन को चारयी तरफ चौबीस सिंहासन अऊर होतो; अऊर
इन सिंहासनों पर चौबीस बुजूर्ग लोग सफेद कपड़ा पहिन्यो हुयो बैठ्यो होतो, अऊर उन्को मुंड पर

✡ **3:12** ३:१२ प्रकाशितवाक्य २१:२ ✡ **3:19** ३:१९ इब्रानियों १२:६

सोनो को मुकुट होतो। 5 ✡ऊ सिंहासन म सी बिजली की चमक तथा मेघों की गर्जना निकल रही हय
अऊर सिंहासन को सामनेच प्रकाश देन वाली सात मशाले जल रही होती, जो परमेश्वर की सात
आत्मायें हंय, 6 अऊर भी सिंहासन को सामने पारदर्शी काच को स्फटिक समुन्दर जसो होतो।

सिंहासन को ठीक सामने तथा ओको दोयी तरफ चार प्रानी होतो, उन्को आगु पीछू आंखीच
आंखी होती। 7 पहिलो प्रानी सिंह को जसो होतो, अऊर दूसरों प्रानी बईल को जसो होतो, अऊर
तीसरो प्रानी को मुंह आदमियों को जसो होतो, अऊर चौथो प्रानी उड़तो हुयो गरूड़ को जसो
होतो। 8 चारयी प्रानियों को छे-छे पंखा होतो, अऊर चारयी तरफ अऊर अन्दर आंखीच आंखी
होती; अऊर हि रात दिन बिना आराम लियो यो कह्य हंय,

"पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर, सर्वशक्तिमान,
जो होतो अऊर जो हय अऊर जो आवन वालो हय।"

9 जब हि प्रानी ओको जो सिंहासन पर बैठ्यो होतो, अऊर जो हमेशा हमेशा जीन्दो हय, महिमा
अऊर आदर अऊर धन्यवाद करत होतो; 10 तब चौबीसों बुजूर्ग लोग सिंहासन पर बैठ्यो हय ओको
चरनों म गिर क ऊ सदा हमेशा जीन्दो रहन वालो की आराधना करय हय। हि सिंहासन को सामने
अपनो मुकुट डाल देवय हय अऊर कह्य हय,

11 "हे हमरो प्रभु अऊर परमेश्वर, तयच महिमा
अऊर आदर अऊर सामर्थ को लायक हय;
कहालीकि तय नच सब चिजे सृजी अऊर हि
तोरीच इच्छा सी हि अस्तित्व म आयी होती अऊर जीन्दी हय।"

5

?????? ???? ??????? ??? ??????

1 जो सिंहासन पर बैठ्यो होतो, मय न ओको दायो हाथ म एक किताब अऊर मेम्ना ख देख्यो जो
अन्दर अऊर बाहेर लिखी हुयी होती, अऊर वा सात मुहर लगाय क बन्द करी गयी होती। 2 फिर
मय न एक शक्तिशाली स्वर्गदूत ख देख्यो जो ऊचो आवाज सी यो घोषना कर रह्यो होतो, "या
किताब ख खोलन अऊर ओकी मुहरें तोड़न को लायक कौन हय?" 3 पर नहीं स्वर्ग म, नहीं धरती
पर, नहीं धरती को खल्लो कोयी वा किताब ख खोलन अऊर वा किताब को अन्दर देखन को लायक
कोयी नहीं मिल्यो। 4 तब मय फूट फूट क रोवन लग्यो, कहालीकि वा किताब ख खोलन यां ओको
पर नजर डालन को लायक कोयी नहीं मिल्यो। 5 येको पर उन बुजूर्ग लोगों म सी एक न मोरो सी
कह्यो, "मत रो; देख, यहूदा को वंश को ऊ सिंह जो दाऊद को वंशज हय, ऊ मुहर तोड़न अऊर
लपेट्यो हुयो किताब ख खोलन लायी समर्थ हय।"

6 तब मय न देख्यो कि मेम्ना सिंहासन को बिचो बिच खड़ो हय। चारयी प्रानियों अऊर उन बुजूर्ग
लोगों सी घिरयो हुयो हय, ऊ असो प्रगट भयो कि मानो ओकी बली चढ़ायी गयी हय। ओको सात
सिंग होतो अऊर सात आंखी होती; जो परमेश्वर की सात आत्मायें हय उन्ख पूरो धरती पर भेज्यो
गयो होतो। 7 मेम्ना न आय क ओको दायो हाथ सी जो सिंहासन पर बैठ्यो होतो, वा किताब ले ली।
8 जब ओन किताब ले ली, त हि चारयी प्रानी अऊर चौबीसों बुजूर्ग लोगों न ऊ मेम्ना को सामने
घुटना टेक्यो। उन्म सी हर एक को हाथ म वीणा अऊर धूप, जो पवित्र लोगों की प्रार्थनाये हंय,
हि सुगन्धित चिजे सी भरयो हुयो सोनो को कटोरा होतो।
9 हि एक नयो गीत गाय रह्यो होतो,

"तय या किताब लेन ख
अऊर येको पर लगी मुहरें खोलन को समर्थ हय
कहालीकि तोरी हत्या बली को रूप म कर दियो गयो होतो

✡ **4:5** ४:५ प्रकाशितवाक्य ८:५; ११:१९; १६:१८; प्रकाशितवाक्य १:४

अऊर ओको द्वारा परमेश्वर को लोगों ख हर जाति सी अऊर भाषा सी अऊर सब गोत्रों सी
सब राष्ट्रों सी मोल लियो,
10 ✡अऊर उन्ख हमरो परमेश्वर की सेवा करन लायी एक राज्य अऊर याजक बनायो;
अऊर हि धरती पर राज्य करेंन।"
11 फिर सी मय न देख्यो, अऊर हजारों अऊर लाखों स्वर्गदूतों को ध्वनियों ख सुन्यो, हि ऊ
सिंहासन, उन चार प्रानियों तथा बुजूर्ग लोगों को चारयी तरफ खड़ो होतो,
12 अऊर हि ऊचो आवाज सी गीत गाय रह्यो होतो;
"ऊ मेम्ना जो मारयो गयो होतो उच सामर्थ, धन, ज्ञान, शक्ति, आदर,
महिमा अऊर स्तुति प्राप्त करन लायक हय!"
13 फिर मय न स्वर्ग म अऊर धरती पर, अऊर धरती को खल्लो अऊर समुन्दर को पूरो प्रानियों
अऊर ब्रम्हांड को प्रानियों ख यो गातो सुन्यो,
"जो सिंहासन पर बैठचो हय ओको अऊर मेम्ना की स्तुति आदर,
महिमा अऊर सामर्थ राज्य
हमेशा हमेशा रहे!"
14 अऊर चारयी प्रानियों न आमीन कह्यो, अऊर बुजूर्ग लोगों न घुटना टेक क आराधना करी।

6

??? ???????

1 फिर मय न देख्यो कि मेम्ना न उन सात मुहरों म सी एक ख खोल्यो; अऊर उन चारयी प्रानियों
म सी एक को मेघ गर्जना को जसो आवाज सुन्यो, "आवो!" 2 मय न नजर डाली त पायो कि मोरो
सामने एक सफेद घोड़ा हय, अऊर ओको सवार धनुष लियो हुयो हय; अऊर ओख एक मुकुट दियो
गयो, अऊर ऊ विजय करतो हुयो निकल्यो कि जीत हासिल करे।
3 जब मेम्ना न दूसरी मुहर खोल्यो, त मय न दूसरों प्रानी ख यो कहतो सुन्यो, "आवो!" 4 फिर
एक अऊर घोड़ा आयो जो लाल रंग को होतो; ओको पर बैठचो सवार ख या शक्ति दी गयी कि
धरती सी शान्ति छीन ले, अऊर लोगों सी परस्पर हत्यायें करवावन लायी। ओख एक बड़ी तलवार
दी गयी।
5 जब मेम्ना न तीसरी मुहर खोली, त मय न तीसरो प्रानी ख यो कहतो सुन्यो, "आवो!" मय न
नजर करी, अऊर देखो एक कारो घोड़ा हय, अऊर ओको सवार को हाथ म एक तराजू हय; 6 अऊर
मय न उन चारयी प्रानियों को बीच म सी एक आवाज कहतो सुन्यो, "एक दिन की मजूरी को बदला
एक दिन को खान को गहूं को चुन अऊर एक दिन की मजूरी को लायी तीन दिन तक खान को जौ,
पर जैतून को झाड़ अऊर अंगूररस की बाड़ियों ख हानि मत पहुंचावों!"
7 जब ओन चौथी मुहर खोली, त मय न चौथो प्रानी को आवाज यो कहतो सुन्यो, "आवो!"
8 फिर मय न नजर करी, अऊर मोरो जसो, एक पीलो रंग को घोड़ा होतो; अऊर ओको सवार को
नाम मृत्यु होतो, अऊर अधोलोक ओको पीछू पीछू होतो; अऊर उन्ख धरती की एक चौथाई पर
यो अधिकार दियो गयो कि युद्ध, अकाल, महामारी, अऊर धरती को जंगली पशु को द्वारा लोगों ख
मार डाले।
9 जब ओन पाचवी मुहर खोली, त मय न वेदी को खल्लो उन्को आत्मावों ख देख्यो जो परमेश्वर
को वचनों को प्रचार करन को वजह अऊर ऊ गवाहों म विश्वास लायक रहन को वजह जो उन्न
दी होती ओको वजह मारयो गयो होतो। 10 उन्न बड़ो आवाज सी पुकार क कह्यो, "हे सर्वशक्तिमान
प्रभु, हे पवित्र अऊर सत्य; तय कब तक धरती को न्याय नहीं करजो? अऊर हम्ख मारन वालो
ख कब तक सजा नहीं देजो?" 11 उन्म सी हर एक ख सफेद कपड़ा दियो गयो, अऊर उन्को सी कह्यो
गयो कि अऊर थोड़ी देर तक आराम करो, जब तक कि उन्को उन संगी सेवकों अऊर विश्वासियों

✡ **5:10** ५:१० प्रकाशितवाक्य १:६

कि मरन की संख्या पूरी नहीं होय जावय जिन्की वसीच हत्या करी जान वाली हय जसी तुम्हरी करी गयी हय।

12 ✡जब मेम्ना न छठवीं मुहर खोली, त मय न देख्यो कि एक बड़ो भूईडोल भयो, अऊर सूरज
असो कालो पड़ गयो हय जसो कोयी शोक मनातो हुयो आदमी को कपड़ा होवय हंय अऊर पूरो
चन्दा खून को जसो लाल भय गयो। 13 आसमान को तारा धरती पर असो गिर पड़यो जसो बड़ो
तूफान सी हल क अंजीर को झाड़ म सी कच्चो फर झड़य हंय। 14 ✡आसमान असो सरक गयो जसो
किताब ख लपेटन को जसो सुकड़ क लपेट गयो; अऊर हर एक पहाड़ी, अऊर द्वीप, अपनो अपनो
जागा म हट गयो। 15 तब धरती को राजा, अऊर मुख्य याजक, सरदार, धनवान अऊर शक्तिशाली
लोग, अऊर हर एक सेवक अऊर स्वतंत्र आदमी पहाड़ियों की गुफावों म अऊर चट्टानों म जाय क
लूक्यो, 16 ✡अऊर पहाड़ियों अऊर चट्टानों सी कहन लग्यो, "हम पर गिर पड़ो; अऊर हम्ख ओको
मुंह सी जो सिंहासन पर बैठ्यो हय, अऊर मेम्ना को प्रकोप सी हम्ख लूकाय लेवो। 17 कहालीकि
उन्को प्रकोप को भयानक दिन आय पहुंच्यो हय, असो कौन हय जो ओको सामना कर सकय हय?"

7

[illegible]

1 येको बाद मय न धरती को चारयी कोना पर चार स्वर्गदूत खड़ो देख्यो। हि धरती को चारयी
हवावों ख रोक्यो हुयो होतो ताकि धरती पर समुन्दर पर कोयी झाड़ पर हवा नहीं चले। 2 फिर मय न
एक अऊर स्वर्गदूत ख जीवतो परमेश्वर की मुहर लियो हुयो पूर्व सी ऊपर को तरफ आवतो देख्यो;
ओन उन चारयी स्वर्गदूतों सी जिन्ख धरती अऊर समुन्दर की हानि करन को अधिकार दियो गयो
होतो, ऊंचो आवाज सी पुकार क कह्यो, 3 "जब तक हम अपनो परमेश्वर को सेवकों को मस्तक पर
मुहर नहीं लगाय देजे, तब तक धरती अऊर समुन्दर अऊर झाड़ों ख हानि मत पहुंचाजो।" 4 जिन
पर परमेश्वर की मुहर दी गयी मय न उन्की गिनती सुनी, मतलब इस्राएल की सन्तानों को बारा
गोत्रों म सी एक लाख चौवालीस हजार पर मुहर दी गयी: 5 हर एक गोत्र म सी बारा हजार पर
मुहर लगायी गयी, यहूदा को गोत्र म सी बारा हजार पर मुहर दी गयी: रूबेन को गोत्र म सी बारा
हजार पर, गाद को गोत्र म सी बारा हजार पर। 6 आशेर को गोत्र म सी बारा हजार पर, नप्ताली
को गोत्र म सी बारा हजार पर, मनश्शिह को गोत्र म सी बारा हजार पर, 7 शिमोन को गोत्र म
सी बारा हजार पर, लेवी को गोत्र म सी बारा हजार पर, इस्साकार को गोत्र म सी बारा हजार पर,
8 जबूलून को गोत्र म सी बारा हजार पर, यूसुफ को गोत्र म सी बारा हजार पर, अऊर बिन्यामीन
को गोत्र म सी बारा हजार पर मुहर दी गयी।

[illegible]

9 येको बाद मय न नजर करी, अऊर देखो, हर एक जाति अऊर गोत्र, अऊर राष्ट्र अऊर भाषा
म सी एक असी बड़ी भीड़, जेक कोयी गिन नहीं सकत होतो, सफेद कपड़ा पहिन्यो अऊर अपनो
हाथों म खजूर की डगाली लियो हुयो सिंहासन को सामने अऊर मेम्ना को सामने खड़ी होती,
10 अऊर बड़ी आवाज सी पुकार क कह्य हय, "उद्धार को लायी हमरो परमेश्वर को, जो सिंहासन
पर बैठ्यो हय, हमरो परमेश्वर को तरफ सी अऊर मेम्ना को तरफ सी उद्धार हय!" 11 अऊर पूरो
स्वर्गदूत ऊ सिंहासन अऊर बुजूर्ग लोग अऊर चारयी प्रानियों को चारयी तरफ खड़ो हंय; फिर
हि सिंहासन को सामने मुंह को बल गिर पड़यो अऊर परमेश्वर की आराधना करी, 12 अऊर कह्यो
"आमीन! हमरो परमेश्वर की स्तुति अऊर महिमा अऊर ज्ञान अऊर धन्यवाद अऊर आदर अऊर
सामर्थ अऊर शक्ति हमेशा हमेशा बनी रहे। आमीन!"

13 येको पर बुजूर्ग लोगों म सी एक न मोरो सी कह्यो, "यो सफेद कपड़ा पहिन्यो हुयो कौन आय,
अऊर कहां सी आयो हंय?"

✡ **6:12** ६:१२ प्रकाशितवाक्य ११:१३; १६:१८; मत्ती २४:२९; मरकुस १३:२४,२५; लूका २१:२५ ✡ **6:14** ६:१४ प्रकाशितवाक्य १६:२० ✡ **6:16** ६:१६ लूका २३:३०

14 ✡मय न ओको सी कह्यो, "हे मालिक, तयच जानय हय।"
ओन मोरो सी कह्यो, "यो हि लोग आय, जो कठोर यातनावों को बीच सी होय क आयो हंय; इन्न
अपनो-अपनो कपड़ा मेम्ना को खून म धोय क सफेद करयो हंय। 15 योच वजह हि परमेश्वर को
सिंहासन को सामने हंय, अऊर ओको मन्दिर म दिन-रात ओकी सेवा करय हंय, अऊर जो सिंहासन
पर बैठ्यो हय, हि ओकी उपस्थिति म उन्की रक्षा करेंन। 16 हि फिर सी भूखो अऊर प्यासो नहीं
रहेंन; अऊर नहीं त सूरज कड़कड़ाती धूप उन्ख जलाय पायेंन, 17 कहालीकि मेम्ना जो सिंहासन
को बीच म हय ऊ उन्को चरवाहा रहेंन, अऊर उन्ख जीवन देन वालो पानी को झरना को जवर
लिजायो करेंन; अऊर परमेश्वर उन्की आंखी सी सब आसु पोछ डालेंन।"

8

?????? ?????
1 जब ओन सातवीं मुहर खोली, त स्वर्ग म अरधो तास तक सन्नाटा छाय गयो। 2 तब मय न उन
सातों स्वर्गदूतों ख देख्यो जो परमेश्वर को सामने खड़ो रह्य हंय, अऊर उन्ख सात तुरही दी गयी
होती।
3 फिर एक स्वर्गदूत सोनो को धूपदान लियो हुयो आयो, अऊर वेदी को जवर खड़ो भयो; अऊर
ओख धूप दियो गयो कि सब परमेश्वर को लोगों की प्रार्थनावों को संग सोनो की वा वेदी पर,
जो सिंहासन को सामने हय चढ़ाये। 4 ऊ धूप को धुवा परमेश्वर को लोगों की प्रार्थनावों सहित
स्वर्गदूत को हाथ सी परमेश्वर को सामने पहुंच गयो। 5 ✡फिर स्वर्गदूत न ऊ धूपदान ख पकड़्यो
ओख वेदी की आगी भरयो अऊर जमीन पर फेक दियो। ओको पर मेघों की गर्जना अऊर भीषन
आवाज अऊर बिजली की चमक अऊर भूईडोल होन लग्यो।

???? ??????
6 तब हि सातों स्वर्गदूत जिन्को जवर सात तुरही होती उन्ख फूकन ख तैयार भयो।
7 पहिले स्वर्गदूत न तुरही फूकी, अऊर खून सी मिली हुयी गारगोटी अऊर आगी पैदा भयी,
अऊर धरती पर खल्लो कुड़ायी गयी। जेकोसी धरती को एक तिहाई भाग जर क भस्म भय गयी,
एक तिहाई झाड़ जर गयो, अऊर सब हरी घास भी जल गयी।
8 दूसरों स्वर्गदूत न तुरही फूकी, त मानो आगी को जलतो हुयो एक बड़ो पहाड़ी जसो समुन्दर म
फेक दियो गयो हो। येको सी एक तिहाई समुन्दर खून म बदल गयो, 9 अऊर समुन्दर को एक तिहाई
जीवजन्तु मर गयो अऊर एक तिहाई जहाजें नाश भय गयो।
10 तीसरो स्वर्गदूत न तुरही फूकी, अऊर एक बड़ो तारा जो मशाल को जसो जलत हुयो स्वर्ग
सी टूटचो, अऊर एक तिहाई नदियों म अऊर झरना को पानी पर जाय पड़्यो। 11 ऊ तारा को नाम
कड़वाहट होतो; अऊर एक तिहाई पानी कड़वाहट म बदल गयो, अऊर बहुत सो आदमी ऊ पानी
ख पीनो सी बहुत सो लोग मर गयो कहालीकि पानी कडू भय गयो होतो।
12 जब चौथो स्वर्गदूत न तुरही फूकी, त एक तिहाई सूरज अऊर संग म एक तिहाई चन्दा अऊर
एक तिहाई तारा पर मुसीबत आयी। येकोलायी उन्को एक तिहाई हिस्सा कालो पड़ गयो परिनाम
स्वरूप एक तिहाई दिन तथा एक तिहाई रात अन्धारो म डुब गयो।
13 जब मय न फिर देख्यो, त आसमान को बीच म एक गरूड़ ख उड़तो अऊर ऊचो आवाज सी
यो कहतो सुन्यो, "उन तीन स्वर्गदूतों की तुरही को आवाज को वजह, जिन्को फूकनो अभी बाकी
हय, धरती को रहन वालो पर कष्ट हो, कष्ट हो, कष्ट हो!"

9

1 जब पाचवों स्वर्गदूत न तुरही फूकी, त मय न स्वर्ग सी धरती पर एक तारा गिरतो हुयो देख्यो,
अऊर ओख अधोलोक कुण्ड की कुंजी दी गयी। 2 फिर ऊ तारा न अधोलोक कुण्ड ख खोल्यो, अऊर

✡ **7:14** ७:१४ मत्ती २४:२१; मरकुस १३:१९ ✡ **8:5** ८:५ प्रकाशितवाक्य ११:१९; १६:१८

ओको म सी असो धुवा निकल रह्यो होतो जसो ऊ एक बड़ी भट्टी सी निकल रह्यो हय, अऊर
अधोलोक सी निकल्यो हुयो सी सूरज अऊर हवा कालो पड़ गयो। 3 ऊ धुवा म सी धरती पर
टिड्डियां निकली, अऊर उन्ख धरती की बिच्छूवों को जसी शक्ति दी गयी। 4 उन्को सी कह्यो गयो
कि नहीं धरती की घास ख, नहीं कोयी हरियाली ख, नहीं कोयी झाड़ ख हानि पहुंचावों, केवल उन
आदमियों ख हानि पहुंचावों जिन्को मस्तक पर परमेश्वर की मुहर नहीं होती। 5 टिड्डियां को दल ख
निर्देश दियो गयो होतो कि उन्ख लोगों ख मार डालन को त नहीं पर पाच महीना तक तकलीफ देन
को अधिकार दियो गयो: अऊर उन्की यातना असी होती जसी बिच्छू को डंक मारनो सी आदमी ख
होवय हय। 6 उन पाच महीना को अन्दर आदमी अपनी मृत्यु ख ढूंढेंन अऊर नहीं पायेंन; मरन की
लालसा करेंन, अऊर उन्को सी मृत्यु दूर भगेंन।

7 हि टिड्डियां लड़ाई को लायी तैयार करयो हुयो घोड़ा को जसी दिख रह्यो होतो। अऊर उन्को
मुंड पर सुनहरी सोनो को मुकुट होतो; अऊर उन्को मुंह आदमियों को जसो दिख रह्यो होतो। 8 उन्को
बाल बाईयों को बाल जसो अऊर दात सिंह को दात जसो होतो। 9 उन्की छाती असी दिख रही होती
मानो लोहा की झिलम हो; अऊर उन्को पंखा को आवाज लड़ाई म जातो हुयो बहुत सारो घोड़ा
को रथों सी पैदा हुयो आवाज को जसी होती। 10 उन्की पूछी बिच्छूवों को डंक को जसी होती
अऊर उन्म लोगों ख पाच महीना तक दुःख पहुंचान की शक्ति मिली होती, 11 अधोलोक को दूत
उन पर राजा होतो; ओको नाम इब्रानी म अबद्दोन, अऊर यूनानी म अपुल्लयोन जेको अर्थ हय
"विनाशक।"

12 पहिली विपत्ति खतम भय गयी हय, देखो, अब येको बाद दोय विपत्तिया अऊर आवन वाली
हंय।

13 फिर छठवो स्वर्गदूत न तुरही फूकी त सोनो की वेदी जो परमेश्वर को सामने हय ओको सींगो
म सी मय न असो आवाज सुन्यो, 14 मानो कोयी छठवो स्वर्गदूत सी, जेको जवर तुरही होती, कह्य
रह्यो हय, "उन चार स्वर्गदूतों ख जो बड़ी नदी फरात को जवर बन्ध्यो हुयो हंय, खोल दे।" 15 त
चारयी दूत छोड़ दियो गयो हि उच घड़ी, उच दिन, उच महीना, अऊर उच साल को लायी तैयार
रख्यो गयो होतो, ताकी हि एक तिहाई मानव जाति ख मार डाले। 16 उन्की घुड़सवार सैनिकों की
गिनती बीस करोड़ होती; मय न उनकी गिनती सुनी। 17 मोख यो दर्शन म घोड़ा अऊर उन्को असो
सवार दिखायी दियो जिन्की छाती की झिलम धधकती आगी जसी लाल, अऊर गहरो निलो, अऊर
गन्धक जसो पिलो दिखायी दियो, अऊर घोड़ा की मुंड सिंहों को मुंड को जसो अऊर उन्को मुंह सी
आगी, धुवा अऊर गन्धक निकलन को जसो दिखायी दियो। 18 इन तीन महामारियों मतलब उन्को
मुंह सी निकल रही आगी, धुवा अऊर गन्धक सी एक तिहाई मानव जाति ख मार डाल्यो गयो।
19 कहालीकि उन घोड़ा की सामर्थ उन्को मुंह अऊर उन्की पूछी म होती; येकोलायी कि उन्की पूछी
सांपो जसी होती, अऊर उन पूछी की मुंड भी होतो अऊर इन्को सी हि हानि पहुंचात होतो।

20 इन पर बाकी को असो मानव जाति न जो इन महामारी सी भी नहीं मरयो गयो होतो, अपनो
हाथों को बनायो हुयो चिजों सी मन नहीं फिरायो, तथा दुष्ट आत्मावों की, यां सोनो, चांदी, कासा,
गोटा अऊर लकड़ी की मूर्तियों की आराधना नहीं छोड़ी जो नहीं देख सकय हय, नहीं सुन सकय
हय, अऊर नहीं चल सकय हंय। 21 अऊर जो हत्यायें, जादूटोना, व्यभिचार, अऊर चोरी उन्न करी
होती, उन्को सी मन नहीं फिरायो।

10

[illegible]

1 फिर मय न स्वर्ग सी खल्लो उतरतो हुयो एक अऊर सामर्थी स्वर्गदूत ख देख्यो। ओन बादर ख
ओढ़यो हुयो होतो, ओको मुंड को आजु बाजू एक इंद्रधनुष होतो। ओको मुंह सूरज को जसो होतो,
अऊर ओको पाय आगी को खम्बा को जसो होतो। 2 ओको हाथ म एक छोटी सी खुली हुयी किताब
होती। ओन अपनो दायो पाय समुन्दर पर अऊर बायो पाय धरती पर रख दियो, 3 फिर ऊ सिंह को

जसो गरजतो हुयो ऊचो आवाज म चिल्लायो, त सात गर्जन को संग आवाज सुनायी दियो। 4 जब
सातों गर्जन को आवाज सुनायी दे दियो, त मय लिखन ख होतो, पर मय न स्वर्ग सी यो आवाज
सुन्यो, "जो बाते गर्जन को उन सात शब्दों सी सुनी हंय उन्ख गुप्त रखो, येख लिखो मत!"
5 जो स्वर्गदूत ख मय न समुन्दर अऊर धरती पर खड़ो देख्यो होतो, ओन अपनो दायो हाथ स्वर्ग
को तरफ उठायो, 6 अऊर जो हमेशा जीन्दो रह्य हय, अऊर जेन स्वर्ग ख, धरती ख, अऊर समुन्दर
ख, अऊर जो कुछ उन म हय उन्ख बनायो हय। स्वर्गदूत न कह्यो, "अब कोयी देर नहीं होयेंन!
7 पर जब सातवों स्वर्गदूत ख सुनन म आयेंन मतलब जब ऊ अपनी तुरही फूकन पर होना तब भी
परमेश्वर की वा गुप्त योजना पूरी होय जायेंन, जेक ओन अपनो सेवकों अऊर भविष्यवक्तावों पर
घोषित करयो।"
8 जो आवाज ख मय न स्वर्ग सी बोलतो सुन्यो होतो, ऊ फिर मोरो संग बाते करन लग्यो, "जा,
जो स्वर्गदूत समुन्दर अऊर धरती पर खड़ो हय, ओको हाथ म की खुली हुयी किताब ले ले।"
9 मय न स्वर्गदूत को जवर जाय क कह्यो, "या छोटी किताब मोख दे।" ओन मोरो सी कह्यो, "ले,
येख खाय ले; येको सी त तोरो पेट खट्टो होय जायेंन, पर तोरो मुंह म यो शहेद को जसो मीठो होय
जायेंन।"
10 येकोलायी मय वा छोटी किताब ऊ स्वर्गदूत को हाथ सी ले क खाय गयो। ऊ मोरो मुंह म
शहेद जसो मीठो त लग्यो, पर जब मय ओख गिटक गयो, त मोरो पेट खट्टो भय गयो। 11 तब
मोरो सी यो कह्यो गयो, "तोख बहुत सो लोगों, जातियों, भाषावों, अऊर राजावों को बारे म फिर
भविष्यवानी करनो पड़ेंन।"

11

□□□ □□□□

1 फिर मोख नापन लायी एक छड़ी दी गयी, अऊर कोयी न कह्यो, "उठ, परमेश्वर को मन्दिर
अऊर वेदी, ख नाप ले, अऊर मन्दिर म आराधना करन वालो की गिनती कर ले। 2 ✡पर मन्दिर
को बाहेर को आंगन छोड़ दे; ओख मत नाप कहालीकि ऊ गैरयहूदी ख दियो गयो हय, अऊर हि
पवित्र नगर ख बयालीस महीना तक पाय को खल्लो रौंद देयेंन। 3 मय अपनो दोय गवाहों ख पूरो
अधिकार देऊ अऊर ऊ एक हजार दोय सौ साठ दिन तक भविष्यवानी करेंन। हि उन्को बोरा को
असो कपड़ा धारन करेंन जिन्ख शोक प्रदर्शित करन लायी पहिनायो जावय हय।"
4 यो उच जैतून को दोय झाड़ अऊर दोय दीवट आय जो धरती को प्रभु को सामने खड़ो रह्य
हंय। 5 यदि कोयी उन्ख हानि पहुंचानो चाहवय हय, त उन्को मुंह सी आगी निकल क उन्को दुश्मनों
ख भस्म करय हय; अऊर यदि कोयी उन्ख हानि पहुंचानो चाहेंन, त जरूर योच रीति सी मार डाल्यो
जायेंन। 6 उन्ख अधिकार हय कि आसमान ख बन्द करे, कि उन्की भविष्यवानी को दिनो म पानी नहीं
बरसे; अऊर उन्ख सब पानी को झरना पर अधिकार हय कि ओख खून म बदल सके, अऊर उन्ख यो
भी अधिकार हय की हि जब चाहे उतनो बार हर तरह की विपत्ति धरती पर लाय सकय हय।
7 ✡जब हि परमेश्वर को सन्देश की घोषना कर चुक्यो होना तब अधोलोक म सी हिंसक पशु
निकल क उन्को विरोध म लड़ाई करेंन। अऊर ऊ उन्ख मार देयेंन। 8 उन्को लाश ऊ महानगर की
सड़क पर पड़यो रहेंन, यो नगर चिन्ह आत्मिक रीति सी सदोम अऊर मिस्र कहलावय हय, योच
उन्को प्रभु ख भी क्रूस पर चढ़ाय क मारयो गयो होतो। 9 सब राष्ट्रों सब वंशों सब भाषावों अऊर
सब गोत्रों को लोग उन्को लाशों ख साढ़े तीन दिन तक देखतो रहेंन, अऊर उन्को लाशों ख कब्र म
रखन नहीं देयेंन। 10 धरती को रहन वालो उन्की मृत्यु सी खुश अऊर मगन होयेंन, अऊर एक दूसरों
को जवर दान भेजेंन, कहालीकि इन दोयी भविष्यवक्तावों न धरती को रहन वालो ख बहुत सतायो
होतो। 11 पर साढ़े तीन दिन को बाद परमेश्वर को तरफ सी जीवन को श्वास उन्म सिरयो, अऊर हि
अपनो पाय को बल खड़ो भय गयो, अऊर उन्को देखन वालो पर बड़ो डर छाय गयो। 12 तब हि

✡ **11:2** ११:२ लूका २१:२४ ✡ **11:7** ११:७ प्रकाशितवाक्य १३:५-७; १७:८

दोय भविष्यवक्तावों ख स्वर्ग सी एक बड़ो आवाज सुनायी दियो, "यहां ऊपर आय आवो!" त हि
स्वर्ग म चली गयो। उन्ख ऊपर जातो हुयो उन्को दुश्मनों न देख्यो। 13 ✡फिर उच घड़ी एक बड़ो
भूईडोल भयो, अऊर नगर को दसवों भाग गिर पड़यो; अऊर ऊ भूईडोल सी सात हजार आदमी
मर गयो, अऊर हि डर गयो होतो अऊर स्वर्ग को परमेश्वर की महानता की महिमा करत होतो।
14 दूसरी विपत्ति बीत गयी; पर देखो, तीसरी विपत्ति जल्दी आवन वाली हय।

[illegible]

15 जब सातवों स्वर्गदूत न तुरही फूकी, त आसमान म तेज आवाज होन लगी। "हि कह्य रही
होती अब जगत को राज्य हमरो प्रभु को आय अऊर ओको मसीह म ओको राज्य हमेशा हमेशा
को लायी रहेंन।" 16 तब चौबीसों बुजूर्ग लोग जो परमेश्वर को सामने अपनो अपनो सिंहासन पर
बैठ्यो होतो, मुंह को बल गिर क परमेश्वर की आराधना कर रह्यो होतो, 17 यो कहन लग्यो,
"हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, जो हय अऊर जो होतो,
हम तोरो धन्यवाद करजे हंय कि तय न अपनी महाशक्ति सी सब को शासन को सुरूवात करयो
होतो।
18 राष्ट्रों को लोग गुस्सा होतो,
पर तोरो प्रकोप आय पड़यो,
अऊर ऊ समय आय पहुंच्यो हय कि मरयो हुयो को न्याय करयो जाये,
अऊर तोरो सेवक भविष्यवक्तावों
अऊर पवित्र लोगों ख अऊर उन छोटो बड़ो ख
जो तोरो नाम सी डरय हंय प्रतिफल दियो जाये,
अऊर जो धरती बिगाड़ रह्यो हय उन्ख नाश करयो जाये।"
19 ✡अऊर परमेश्वर को जो मन्दिर स्वर्ग म हय ऊ खोल्यो गयो, अऊर ओको मन्दिर म ओको
वाचा को सन्दूक दिखायी दियो। अऊर बिजलियां, शब्द, गर्जन, भूईडोल भयो अऊर बड़ी गारगोटी
गिरयो।

12

[illegible]

1 फिर आसमान म एक बड़ो चिन्ह दिखायी दियो, मतलब एक बाई जो सूरज ओढ़यो हुयी होती,
अऊर चन्दा ओको पाय खल्लो होतो, अऊर ओको मुंड पर बारा तारा को मुकुट होतो। 2 वा गर्भवती
भयी, अऊर वा चिल्लावत होती, कहालीकि वा बच्चा जनन की पीड़ा म होती।
3 एक अऊर रहस्यमय चिन्ह आसमान म दिखायी दियो; अऊर देखो, एक बड़ो लाल अजगर
होतो, जेको सात मुंड अऊर दस सींग होतो, अऊर ओको मुंड पर सात राजमुकुट होतो। 4 ओकी
पूछी न आसमान को तारा की एक तिहाई हिस्सा ख खीच क धरती पर फेक दियो। वा बाई जो बच्चा
ख जनम देन वाली होती, ऊ अजगर ओको सामने खड़ो भयो कि जब वा बच्चा ख जनम दे, त ऊ
बच्चा ख गिटक जाये। 5 फिर वा बाई न एक बच्चा ख जनम दियो जो एक लड़का होतो अऊर ऊ
बच्चा ख सब राष्ट्रों पर लोहा की सलाक को संग शासन करनो होतो, पर ऊ बच्चा ख उठाय क
परमेश्वर अऊर ओको सिंहासन को सामने लिजायो गयो। 6 अऊर वा बाई ऊ जंगल ख भग गयी
जित परमेश्वर को तरफ सी ओको लायी एक जागा तैयार करी गयी होती कि उत वा बाई एक हजार
दोय सौ साठ दिन तक सम्भाल्यो जाये।
7 ✡फिर स्वर्ग म लड़ाई भयी, मीकाईल अऊर ओको स्वर्गदूत अजगर सी लड़न ख निकल्यो,
अऊर अजगर अऊर ओको दूत ओको सी लड़यो; 8 पर भारी नहीं पड़यो, अऊर स्वर्ग म उन्को
लायी रहन की अनुमति नहीं रही। 9 ✡अऊर ऊ अजगर ख खल्लो ढकेल दियो गयो, यो उच पुरानो

✡ **11:13** ११:१३ प्रकाशितवाक्य ६:१२; १६:१८ ✡ **11:19** ११:१९ प्रकाशितवाक्य ८:५; १६:१८; प्रकाशितवाक्य १६:२१
✡ **12:7** १२:७ यहूदा १:९ ✡ **12:9** १२:९ लूका १०:१८

सांप आय बुरो या शैतान कह्यो गयो हय। यो पूरो जगत ख भरमावय हय। ओख अऊर ओको दूतों
ख धरती पर फेक्यो गयो होतो।
10 फिर मय न स्वर्ग सी यो बड़ो आवाज आवतो हुयो सुन्यो,

"अब हमरो परमेश्वर को उद्धार अऊर सामर्थ
अऊर राज्य
अऊर ओको मसीह को अधिकार प्रगट
भयो हय,
कहालीकि हमरो भाऊवों अऊर बहिनों पर दोष
लगावन वालो, जो रात दिन हमरो परमेश्वर को सामने उन पर दोष लगायो करत होतो,
स्वर्ग सी गिराय दियो गयो हय।" 11 हि मेम्ना को खून को वजह अऊर अपनी गवाही को वचन
को वजह ओको पर जीत हासिल करी, अऊर उन्न अपनो जीवो ख प्रिय नहीं जान्यो, अऊर
हि अपनो जीवन ख छोड़न अऊर मरन लायी तैयार होतो। 12 "यो वजह हे स्वर्गों अऊर
उन्म रहन वालो, मगन हो; पर हे धरती, अऊर समुन्दर, तुम पर हाय! कहालीकि शैतान
बड़ो गुस्सा को संग तुम्हरो जवर उतर आयो हय, कहालीकि जानय हय कि ओको जवर
थोड़ोच समय अऊर बाकी हय।"

13 जब अजगर को समझ म आयो की ओख धरती पर फेक दियो हय, त ओन वा बाई को पीछा
करनो सुरू कर दियो, जेन टुरा ख जनम दियो होतो। 14 पर वा बाई ख बड़ो गरूड़ को दोय पंखा दियो
गयो कि सांप को सामने सी उड़ क जंगल म ऊ जागा पहुंच जाये, जित ओख अजगर को हमला सी
सुरक्षित रखन म साढ़े तीन साल तक ध्यान रख्यो जायेंन। 15 अऊर सांप न वा बाई को पीछू अपनो
मुंह सी नदी को जसो पानी बहायो कि ओख यो नदी सी बहाय दे। 16 पर धरती न वा बाई की मदत
करी, अऊर अपनो मुंह खोल क वा नदी ख जो अजगर न अपनो मुंह सी बहायी होती पी लियो।
17 येको बाद ऊ अजगर वा बाई पर गुस्सा भयो, अऊर बाई को बाकी वंशजों को संग, जो परमेश्वर
को आज्ञावों को पालन करय हय, यीशु को गवाहों ख धारन करय हय, ऊ उन्को संग लड़ाई करन
लायी निकल पड़यो। 18 अऊर ऊ सांप समुन्दर को किनार पर खड़ो भय गयो।

13

??? ????? ??????

1 ✡तब मय न एक हिंसक पशु ख समुन्दर म सी निकलतो हुयो देख्यो, जेको दस सींग अऊर सात
मुंड होतो। ओको सींगो पर दस राजमुकुट, अऊर ओकी मुंडी पर परमेश्वर की निन्दा को नाम लिख्यो
हुयो होतो। 2 जो हिंसक पशु मय न देख्यो ऊ चीता को जसो होतो; अऊर ओको पाय आसवल को
जसो, अऊर मुंह सिंह को जसो होतो। ऊ अजगर न अपनी सामर्थ अऊर अपनो सिंहासन अऊर
बड़ो अधिकार ओख दे दियो। 3 मय न ओको मुंडी म सी एक पर असो भारी घाव लग्यो देख्यो मानो
ऊ मरन पर हय, तब ओको जीव घातक घाव अच्छो होय गयो, अऊर पूरी धरती को लोग ऊ हिंसक
पशु को पीछू-पीछू अचम्भा करतो हुयो चल्यो। 4 लोगों न अजगर की पूजा करी, कहालीकि ओन
जनावर ख अपनो अधिकार दे दियो होतो, अऊर यो कह्य क हिंसक पशु की पूजा करी, "यो जनावर
को जसो कौन हय? कौन येको सी लड़ सकय हय?"

5 बड़ो बोल बोलन अऊर परमेश्वर की निन्दा करन लायी ओख एक मुंह दियो गयो, अऊर ओख
बयालीस महीना तक काम करन को अधिकार दियो गयो। 6 तब ओन परमेश्वर की निन्दा करनो सुरू
कर दियो, ऊ परमेश्वर को नाम अऊर जित ऊ रह्य हय ऊ जागा तथा जो स्वर्ग म रह्य हय, उन्की
निन्दा करन लग्यो। 7 ओख यो भी अधिकार दियो गयो कि परमेश्वर को लोगों सी विरोध म लड़े
अऊर उन पर जय पाये, अऊर ओख हर एक गोत्र अऊर लोग, भाषा, अऊर राष्ट्र पर अधिकार
दियो गयो। 8 जगत कि निर्मिती सी पहिले जिन्को नाम बली करयो गयो मेम्ना को जीवन की किताब
म लिख्यो गयो हय, उन्ख छोड़ सब धरती पर रहन वालो लोग ऊ हिंसक पशु की आराधना करेंन।

✡ **13:1** १३:१ प्रकाशितवाक्य १७:३,७-१२

9 जेको कान हय ऊ सुने। 10 जेक कैद म पड़नो हय, ऊ कैद म पड़ेंन; जो तलवार सी मारेंन, जरूरी
हय कि ऊ तलवार सी मारयो जायेंन। येकोलायी परमेश्वर को लोगों न धीरज अऊर विश्वास रखनो
जरूरी हय।
11 फिर मय न एक अऊर हिंसक पशु ख जमीन म सी निकलतो हुयो देख्यो, ओको मेम्ना को जसो
दोय सींग होतो, अऊर ऊ अजगर को जसो बोलत होतो। 12 ऊ पहिले हिंसक पशु को पूरो अधिकार
ओको सामने काम म लावत होतो; अऊर धरती अऊर ओको पर रहन वालो सी ऊ पहिलो पशु की,
जेको जीव घातक घाव अच्छो भय गयो होतो, ओकी पूजा पूरो जगत को लोगों सी करावत होतो।
13 दूसरों हिंसक पशु बड़ो-बड़ो चिन्ह दिखावत होतो, यहां तक कि आदमियों को सामने आसमान
सी धरती पर आगी बरसाय देत होतो। 14 उन चिन्हों को वजह, जिन्ख ऊ हिंसक पशु को सामने
दिखावन को अधिकार ओख दियो गयो होतो, ऊ धरती को रहन वालो ख भरमावत होतो अऊर
धरती को रहन वालो सी कहत होतो कि जो पशु पर तलवार को घाव लग्यो होतो ऊ जीन्दो भय
गयो हय, ओकी मूर्ति बनावो। 15 ओख ऊ हिंसक पशु की मूर्ति म जीव डालन को अधिकार दियो
गयो कि पशु की मूर्ति बोलन लगे, अऊर जितनो लोग ऊ पशु की मूर्ति की पूजा नहीं करय, उन्ख
मरवाय डाले। 16 दूसरों हिंसक पशु न छोटो-बड़ो, धनी-गरीब, सेवक अऊर स्वतंत्र सब लोगों ख
विवश करयो कि हि अपनो अपनो हाथों यां मस्तकों पर ओकी छाप लगवाये, 17 कि ओख छोड़
जेको पर छाप मतलब ऊ हिंसक पशु को नाम यां अंक हो, दूसरों कोयी लेन-देन नहीं कर सके।
18 ज्ञान येकोच म हय: जेको म बुद्धि हय ऊ यो हिंसक पशु को अंक को अर्थ निकाल ले,
कहालीकि ऊ अंक कोयी लोग को नाम सी सम्बन्धित हय, अऊर ओको अंक हय छे सौ छियासठ।

14

[illegible]

1 ✡फिर मय न नजर करी, अऊर देख्यो, ऊ मेम्ना सिय्योन पहाड़ी पर खड़ो हय, अऊर ओको संग
एक लाख चौवालीस हजार लोग हंय, जिन्को मस्तक पर ओको अऊर ओको बाप को नाम लिख्यो
हुयो हय। 2 अऊर स्वर्ग सी मोख एक असो आवाज सुनायी दियो जो पानी को झरना अऊर बड़ो
गर्जन को जसो आवाज होतो, अऊर जो आवाज मय न सुन्यो ऊ असो होतो मानो संगीतकारों
संगीत बजाय रह्यो हंय। 3 हि सिंहासन को सामने अऊर चारयी प्रानियों अऊर बुजूर्ग लोग को
सामने एक नयो गीत गाय रह्यो होतो। उन एक लाख चौवालीस हजार लोग ख छोड़ क, जो धरती
पर सी मोल ले क छुड़ायो गयो होतो, उन्ख छोड़ दूसरों कोयी भी लोग ऊ गीत ख सीख नहीं सकत
होतो। 4 हि असो लोग होतो जिन्न कोयी बाई को संसर्ग सी अपनो आप ख अशुद्ध नहीं करयो
होतो। कहालीकि हि कुंवारो होतो, जित कहीं मेम्ना जात होतो हि ओको अनुसरन करत होतो पूरी
मानव जाती सी उन्ख मोल ले क छुड़ायो गयो होतो। हि परमेश्वर अऊर मेम्ना को लायी फसल
को पहिलो फर होतो। 5 उन्को मुंह सी कभी झूठ नहीं निकल्यो होतो, हि निर्दोष हंय।

[illegible]

6 फिर मय न एक अऊर स्वर्गदूत ख आसमान को बीच म उड़तो हुयो देख्यो, जेको जवर धरती
पर को रहन वालो की हर एक राष्ट्र, अऊर गोत्र, भाषा, अऊर लोगों ख सुनावन लायी अनन्त
काल को सुसमाचार होतो। 7 ओन बड़ो आवाज सी कह्यो, "परमेश्वर सी डरो, अऊर ओकी महानता
की महिमा करो, कहालीकि ओको न्याय करन को समय आय पहुंच्यो हय; ओकी आराधना करो,
जेन आसमान, धरती, समुन्दर अऊर पानी को सोता ख बनायो।"
8 ✡फिर येको बाद एक अऊर, दूसरों, स्वर्गदूत यो कहतो हुयो आयो, "गिर पड़यो, ऊ बड़ो
बेबीलोन गिर पड़यो, जेन अपनो व्यभिचार की कोपमय दारू पूरी लोगों ख पिलायी हय।"

✡ **14:1** १४:१ प्रकाशितवाक्य ७:३ ✡ **14:8** १४:८ प्रकाशितवाक्य १८:२

9 उन दिनो को बाद एक अऊर तीसरो स्वर्गदूत आयो अऊर बड़ो आवाज सी यो कहतो हुयो
आयो, "जो कोयी ऊ हिंसक पशु अऊर ओकी मूर्ति की पूजा करे, अऊर अपनो मस्तक या अपनो
हाथ पर ओकी छाप ले 10 त ऊ परमेश्वर की प्रकोप की दारू पीयेंन, असी अमिश्रित तीखी मदिरा
जो परमेश्वर को प्रकोप को कटोरा म तैयार करी गयी हय। ऊ लोग ख पवित्र स्वर्गदूतों अऊर
मेम्ना को सामने धधकती हुयी आगी अऊर गन्धक म यातनायें दियो जायेंन की पीड़ा म पड़ेंन।
11 उन्की पीड़ा को धुवा हमेशा हमेशा उठतो रहेंन, अऊर जो ऊ हिंसक पशु अऊर ओकी मूर्ति की
पूजा करय हंय, अऊर जो ओको नाम की छाप लेवय हंय, उन्ख रात दिन चैन नहीं मिलेंन।"
12 येकोलायी पवित्र लोगों ख धीरज रखनो जरूरी हय, जो परमेश्वर की आज्ञावों ख मानय
अऊर यीशु पर विश्वास रखय हंय।
13 फिर मय न स्वर्ग सी यो आवाज सुन्यो, "लिख: अब सी हि लोग धन्य होयेंन जो प्रभु म
बन्यो रह्य क मरय हंय।" आत्मा कह्य हय, "हव, कहालीकि हि अपनो पूरो मेहनत सी आराम
पायेंन, अऊर उन्को सेवा को फर उन्ख मिलेंन।"

[illegible]

14 मय न नजर करी, अऊर देखो, एक सफेद बादर हय, अऊर ऊ बादर पर आदमी को बेटा को
जसो कोयी बैठ्यो हय, जेको मुंड पर सोनो को मुकुट अऊर हाथ म तेज हसिया हय। 15 फिर एक
अऊर स्वर्गदूत न मन्दिर म सी निकल क ओको सी, जो बादर पर बैठ्यो होतो, बड़ो आवाज सी
पुकार क कह्यो, "अपनो हसिया चलाव अऊर फसल जमा कर कहालीकि फसल काटन को समय
आय पहुंच्यो हय, येकोलायी की धरती की फसल पक गयी हय।" 16 येकोलायी जो बादर पर बैठ्यो
होतो ओन धरती पर अपनो हसिया लगायो, अऊर धरती की फसल काट ली गयी।
17 फिर एक अऊर स्वर्गदूत ऊ मन्दिर म सी निकल्यो जो स्वर्ग म हय, अऊर ओको जवर भी तेज
हसिया होतो।
18 फिर एक अऊर स्वर्गदूत, जेक आगी पर अधिकार होतो, वेदी म सी निकल्यो, अऊर जेको
जवर तेज हसिया होतो ओको सी ऊचो आवाज सी कह्यो, "अपनो तेज हसिया लगाय क धरती
की बेला को अंगूर को गूच्छा काट ले, कहालीकि ओको अंगूर पक गयो हय।" 19 तब ऊ स्वर्गदूत
न धरती पर अपनो हसिया चलायो अऊर धरती को अंगूर उतार लियो अऊर उन्ख परमेश्वर को
भयंकर प्रकोप को बड़ो रसकुण्ड म डाल दियो; 20 ✡अऊर नगर को बाहेर ऊ रसकुण्ड म अंगूर
रौंद्यो गयो, अऊर रसकुण्ड म सी इतनो खून निकल्यो कि दोय मीटर दूर सी घोड़ा की लगाम तक
पहुंच्यो, अऊर सौ कोस तक बह गयो।

15

[illegible]

1 फिर मय न आसमान म एक अऊर बड़ो अऊर अद्भुत चिन्ह देख्यो, मय न देख्यो की सात
स्वर्गदूत सात आखरी महामारियों ख लियो हुयो हय, यो आखरी विनाश आय कहालीकि इन्को संग
परमेश्वर को प्रकोप भी खतम होय जावय हय।
2 फिर मोख एक काच को एक समुन्दर दिखायी दियो जेको म मानो आगी हो। अऊर मय न देख्यो
कि जिन्न ऊ हिंसक पशु की मूर्ति पर अऊर ओको नाम सी सम्बन्धित संख्या पर विजय पा ली हय,
हि भी ऊ काच को समुन्दर पर खड़ो हय। उन्न परमेश्वर को द्वारा दी गयी विणाये पा ली। 3 हि
परमेश्वर को सेवक मूसा अऊर मेम्ना को गीत गाय रह्यो होतो,
"हि कर्म जिन्ख तय करय हय महान हय;
तोरो कर्म अद्भुत हय, तोरी शक्ति अनन्त हय, प्रभु परमेश्वर,
तोरो रस्ता सच्चो अऊर सच्चो सी भरयो हुयो हय,
सब राष्ट्रों को राजा हय।"

✡ **14:20** १४:२० प्रकाशितवाक्य १९:१५

4 “हे प्रभु, कौन तोरो सी नहीं डरेंन
अऊर तोरो नाम की महिमा नहीं करेंन?
कहालीकि केवल तयच पवित्र हय।
पूरो राष्ट्रों को लोग आय क
तोरो सामने दण्डवत करेंन,
कहालीकि तोरो न्याय को काम प्रगट भय गयो हंय।”

5 येको बाद मय न देख्यो कि स्वर्ग को मन्दिर मतलब वाचा को तम्बू ख खोल्यो गयो; 6 अऊर
हि सातों स्वर्गदूत जिन्को जवर सातों महामारियां होती, मलमल को शुद्ध अऊर चमकदार कपड़ा
पहिन्यो अऊर छाती पर सोनो को पट्टा बान्ध्यो हुयो मन्दिर सी निकल्यो। 7 तब उन चारयी
प्रानियों म सी एक न उन सात स्वर्गदूतों ख परमेश्वर, जो हमेशा हमेशा जीन्दो रह्य हय, को प्रकोप
सी भरयो हुयो सोनो को सात कटोरा दियो; 8 अऊर परमेश्वर की महिमा अऊर ओकी सामर्थ को
वजह मन्दिर धुवा सी भर गयो, अऊर जब तक उन सातों स्वर्गदूतों की सातों महामारियां खतम
नहीं भयी तब तक कोयी मन्दिर को अन्दर कोयी सिर नहीं सक्यो।

16

[illegible]

1 तब मय न सुन्यो मन्दिर म ऊचो आवाज उन सात स्वर्गदूतों सी यो कह्य रह्यो हय, “जावो,
परमेश्वर को प्रकोप को सातों कटोरा ख धरती पर कुड़ाय देवो।”

2 येकोलायी पहिलो स्वर्गदूत न जाय क अपनो कटोरा धरती पर कुड़ाय दियो। परिनाम स्वरूप
उन लोगों को, जिन पर उन हिंसक पशु को छाप लिख्यो होतो जो ओकी मूर्ति की पूजा करत होतो,
उन पर भयानक अऊर दर्दनाक छाला फूट आयो।

3 येको बाद दूसरों स्वर्गदूत न अपनो कटोरा समुन्दर पर कुड़ाय दियो, अऊर ऊ मरयो हुयो आदमी
को खून जसो बन गयो, अऊर समुन्दर म रहन वालो सब जीवजन्तु मर गयो।

4 फिर तीसरो स्वर्गदूत न अपनो कटोरा नदियों अऊर पानी को झरना पर कुड़ाय दियो, अऊर
ऊ खून बन गयो। 5 तब मय न पानी को मालिक स्वर्गदूत ख यो कहतो सुन्यो, “ऊ तयच आय जो
सच्चो हय, जो हमेशा हमेशा सी, तयच आय जो पवित्र तय न जो करयो हय न्याय हय। 6 उन्न
परमेश्वर को लोगों अऊर भविष्यवक्तावों को खून बहायो, तय सच्चो हय तय न उन्ख पीवन ख
बस खूनच दियो, कहालीकि हि योच लायक हंय।” 7 फिर मय न वेदी सी यो आवाज सुन्यो, “हव,
हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, तोरो न्याय सच्चो अऊर नेक हंय।”

8 चौथो स्वर्गदूत न अपनो कटोरा सूरज पर कुड़ाय दियो, अऊर भयानक गर्मी की आगी सी
आदमियों ख जलाय देन को अधिकार दियो गयो। 9 अऊर लोग भयानक गर्मी सी झुलस गयो,
अऊर उन्न परमेश्वर को नाम ख कोस्यो कहालीकि की इन विनाशों पर ओकोच अधिकार हय। पर
उन्न कोयी मन नहीं फिरायो अऊर नहीं ओख महिमा प्रदान करी।

10 पाचवों स्वर्गदूत न अपनो कटोरा ऊ हिंसक पशु को सिंहासन पर कुड़ाय दियो, अऊर ओको
राज्य पर अन्धारो छाय गयो। अऊर लोगों न तकलीफ को मारे अपनी जीबली चबाय ली, 11 अऊर
अपनी पीड़ावों अऊर फोड़ा को वजह स्वर्ग को परमेश्वर की निन्दा करी; पर अपनो अपनो कामों
सी हि उन्को पापों सी नहीं फिरयो।

12 छठवो स्वर्गदूत न अपनो कटोरा महा नदी फरात पर कुड़ाय दियो, अऊर ओको पानी सूख
गयो कि पूर्व दिशा सी आवन वालो राजावों को लायी रस्ता तैयार होय जाये। 13 फिर मय न ऊ
अजगर को मुंह सी, अऊर ऊ हिंसक पशु को मुंह सी, अऊर ऊ झूठो भविष्यवक्ता को मुंह सी तीन
अशुद्ध आत्मावों ख मेंढका को रूप म निकलतो देख्यो। 14 यो चिन्ह दिखावन वाली शैतान की दुष्ट
आत्मायें आय। या तीन आत्मायें जो पूरो जगत को राजावों को जवर निकल क येकोलायी जावय
हंय कि उन्ख सर्वशक्तिमान परमेश्वर को ऊ बड़ो दिन की लड़ाई को लायी जमा करे।

15 ✡“देख, मय चोर को जसो आऊं हय; धन्य ऊ हय जो जागतो रह्य हय, अऊर अपनो कपड़ा
की रक्षा करय हय कि नंगो नहीं फिरे, अऊर लोग ओख लज्जित होतो नहीं देखे!”
16 फिर बुरी आत्मावों न राजावों ख एक संग ऊ जागा जमा करयो, जो इब्रानी म हरमगिदोन
कहलावय हय।
17 सातवों स्वर्गदूत न अपनो कटोरा हवा पर कुड़ाय दियो, अऊर मन्दिर को सिंहासन सी यो
बड़ो आवाज भयो, “भय गयो!” 18 ✡तब बिजलियां चमकी, अऊर आवाज अऊर मेघों को गर्जन
भयो, अऊर एक असो भयानक भूईडोल भी भयो। जब सी आदमी की उत्पत्ति धरती पर भयी, तब
सी असो भयानक भूईडोल कभी नहीं आयो होतो। 19 येको सी ऊ बड़ो नगर को तीन टुकड़ा भय
गयो, अऊर पूरो राष्ट्रों को नगर नाश भय गयो; परमेश्वर न महान बेबीलोन ख सजा देन लायी
याद करयो होतो। अऊर ऊ ओख अपनो भभकतो हुयो गुस्सा की दारू सी भरयो हुयो प्याला ओख
पिवन ख दियो होतो। 20 ✡अऊर हर एक टापू अपनी जागा सी गायब भय गयो, अऊर पूरो पहाड़ी
को पता नहीं चल्यो। 21 ✡आसमान सी आदमियों पर बड़ी बड़ी गारगोटी गिरी, जो चालीस किलो
की होती, अऊर येकोलायी कि या विपत्ति बहुतच भारी होती, लोगों न गारगोटी की विपत्ति को
वजह परमेश्वर की निन्दा करी।

17

[illegible]

1 येको बाद उन सात स्वर्गदूतों को जवर हि सात कटोरा होतो, उन्म सी एक न आय क मोरो सी
यो कह्यो, “इत आव, ताकी बहुत सी नदियों को किनारे बैठी वा प्रसिद्ध वेश्या को सजा ख दिखाऊं।
2 जेको संग धरती को राजावों न व्यभिचार करयो; अऊर धरती को रहन वालो ओको व्यभिचार की
दारू सी नशा म चूर भय गयो होतो।”
3 ✡तब मोख पूरी रीति सी आत्मा न नियंत्रन करयो, अऊर स्वर्गदूत मोख जंगल को तरफ ले
गयो। उत मय न लाल रंग को हिंसक पशु पर वा बाई ख बैठ्यो देख्यो, ओको पर परमेश्वर को निन्दा
को नाम ख सब जागा पर लिख्यो होतो, अऊर हिंसक पशु को सात मुंड अऊर दस सींग होतो। 4 या
बाई जामुनी अऊर लाल रंग को कपड़ा पहिन्यो होती, अऊर सोनो अऊर बहुमूल्य रत्नों अऊर
मोतियों सी सजी हुयी होती, अऊर ओको संग म एक सोनो को कटोरा होतो जो घृणित चिजों सी
अऊर ओको व्यभिचार की अशुद्ध चिजों सी भरयो हुयो होतो। 5 ओको मस्तक पर यो नाम लिख्यो
होतो, “भेद, महान बेबीलोन धरती की वेश्यावों अऊर घृणित चिजों की माता।”
6 मय न वा बाई ख परमेश्वर को लोगों को खून अऊर यीशु को प्रति विश्वास लायक होतो
ओको वजह मारयो गयो उन्को खून पीनो सी मतवाली भय गयी हय; ओख देख क मय चकित भय
गयो। 7 तब ऊ स्वर्गदूत न मोरो सी कह्यो, “तय कहाली चकित भयो? मय या बाई अऊर ऊ हिंसक
पशु को, जेको पर हवा सवार हय अऊर जेको सात मुंड अऊर दस सींग हंय, तोख ओको भेद बताऊ
हय।
8 ✡“जो हिंसक पशु तय न देख्यो हय, ऊ पहिले कभी जीन्दो होतो पर अब जीन्दो नहाय, फिर भी
अधोलोक सी निकलेंन तब भी ओको विनाश होय जायेंन; अऊर धरती को रहन वालो जिन्को नाम
जगत की उत्पत्ति को समय सी जीवन की किताब म लिख्यो नहीं गयो, यो पशु की या दशा देख
क कि पहिले जीन्दो होतो अऊर अब नहाय पर फिर प्रगट होयेंन, यो देख क फिर धरती को सब
लोग अचम्भा करेंन। 9 यो समझन लायी बुद्धि अऊर ज्ञान होना, हि सातों मुंड सात पहाड़ी आय
जिन पर वा बाई बैठी हय, हि सात मुंड सात राजा भी आय। 10 जिन म सी पाच त गिर चुक्यो हंय,
अऊर एक अभी हय, अऊर एक अभी शासन कर रह्यो हय, अऊर दूसरों अभी तक आयो नहाय।
पर ऊ जब आयेंन त ओकी या नियत हय ऊ कुछ देरच शासन कर पायेंन। 11 जो हिंसक पशु एक

✡ 16:15 १६:१५ मत्ती २४:४३,४४; लूका १२:३९,४०; प्रकाशितवाक्य ३:३ ✡ 16:18 १६:१८ प्रकाशितवाक्य ८:५; ११:१३,१९
✡ 16:20 १६:२० प्रकाशितवाक्य ६:१४ ✡ 16:21 १६:२१ प्रकाशितवाक्य ११:१९ ✡ 17:3 १७:३ प्रकाशितवाक्य १३:१
✡ 17:8 १७:८ प्रकाशितवाक्य ११:७

समय जीन्दो होतो, अऊर अब जीन्दो नहाय, ऊ खुद आठवो राजा हय जो उन सातों म सीच एक
आय, ओको भी विनाश होन वालो हय। 12 जो दस सींग तय न देख्यो हि दस राजा आय जिन्न अब
तक शासन को सुरूवात नहीं करयो हय, पर ओख ऊ हिंसक पशु को संग घड़ी भर शासन करन को
अधिकार मिलेंन। 13 हि दस लोग एक मन होयेंन, अऊर हि अपनी अपनी सामर्थ अऊर अधिकार
ऊ हिंसक पशु ख सौंप देयेंन। 14 हि मेम्ना को विरुद्ध लड़ाई करेंन, पर मेम्ना अपनो बुलायो हुयो,
चुन्यो हुयो अऊर विश्वास लायक अनुयायीयों ख जमा कर क् उन्ख हराय देयेंन, कहालीकि ऊ
प्रभुवों को प्रभु अऊर राजावों को राजा आय।"
15 फिर स्वर्गदूत न मोरो सी कह्यो, "जो पानी तय न देख्यो, जिन पर वेश्या बैठी हय, हि त राष्ट्र,
लोग अऊर वंश अऊर भाषाये हंय। 16 जो दस सींग तय न देख्यो, हि अऊर हिंसक पशु सी दुस्मनी
रखेंन, तथा ओको सब कुछ छीन क ओख बिना कपड़ा को छोड़ जायेंन, अऊर ओको शरीर खाय
जायेंन, अऊर ओख आगी म जलाय डालेंन। 17 अपनो इच्छा ख पूरो करन लायी परमेश्वर न उन
सब ख एक मत कर क्, उन्को मन म योच बैठाय दियो हय कि, हि जब तक परमेश्वर को वचन पूरो
नहीं होय जावय, तब तक शासन करन को अपनो अधिकार ऊ हिंसक पशु ख सौंप दे। 18 वा बाई,
जेक तुम न देख्यो हय, ऊ बड़ो नगर आय जो धरती को राजावों पर शासन करय हय।"

18

[illegible]

1 येको बाद मय न एक अऊर स्वर्गदूत ख स्वर्ग सी उतरतो देख्यो, जेक बड़ो अधिकार प्राप्त
होतो; अऊर धरती ओको तेज सी चमक उठी। 2 ✡ओन ऊचो आवाज सी पुकार क कह्यो, "वा गिर
गयी, बेबीलोन की बड़ी नगरी गिर गयी हय! वा दुष्ट आत्मा को निवास, अऊर हर एक अशुद्ध
आत्मा को अड्डा, अऊर हर एक तरह की पक्षियों अशुद्ध अऊर घृणित पशुवों को अड्डा बन गयो।
3 कहालीकि सब राष्ट्रों न ओकी दारू मतलब अनैतिकता की भयंकर वासना ख पियो हय। यो
धरती को राजावों न ओको संग अनैतिक व्यभिचार करयो हय अऊर यो जगत को व्यापारी ओको
भोग वासना सी सम्पन्न बन्यो हंय।"
4 फिर मय न स्वर्गदूत सी अऊर एक आवाज सुन्यो,

"हे मोरो लोगों, ओको म सी निकल आवो कि
तुम ओको पापों म भागी मत बनो,
अऊर ओकी सजा म खुद सहभागी मत बनो।
5 कहालीकि ओको पापों को ढेर स्वर्ग तक पहुंच गयो हय,
अऊर ओको अपराध को काम परमेश्वर ख याद आयो हंय।
6 तुम भी ओको संग वसोच व्यवहार करो; जसो ओन तुम्हरो संग करयो, ओको बदला दुगुना
ओको संग करो। तुम्हरो लायी जो कटोरा म ओन मदिरा मिलायी वसोच ओको संग दुगुनी
मिलावों।
7 कहालीकि जो महिमा अऊर वैभव ओन खुद ख दियो तुम उच ढंग सी ओख यातनायें अऊर
तकलीफ देवो। कहालीकि ऊ खुदच अपनो खुद ख कहती रह्य हय, 'मय विराजमान रानी
आय, मय विधवा नहाय; अऊर मय कभी शोक नहीं करू।'
8 यो वजह एकच दिन म ओको पर विपत्तिया आय पड़ेंन,
मतलब मृत्यु, अऊर शोक, अऊर अकाल;
अऊर वा आगी सी भस्म कर दी जायेंन,
कहालीकि ओको न्याय करन वालो प्रभु परमेश्वर शक्तिमान हय।"

9 धरती को राजा जिन्न ओको संग व्यभिचार अऊर सुखविलास करयो, जब ओको जरन को धुवा
देखेंन, त ओको लायी रोयेंन अऊर विलाप करेंन। 10 ओको तकलीफ को डर को मारे हि बड़ो दूर

✡ **18:2** १८:२ प्रकाशितवाक्य १४:८

खड़ो होय क कहेंन, “हे बड़ो नगर, बेबीलोन! हे दृढ़ नगर, हाय! हाय! तोरी सजा तोख घड़ी भर
मच मिल गयो हय।”
11 “धरती को व्यापारी ओको लायी रोयेंन अऊर विलाप करेंन, कहालीकि उन्की चिजे अब कोयी
मोल नहीं लेयेंन; 12 मतलब सोनो, चांदी, रत्न, मोती, अऊर मलमल, अऊर जामुनी, चमकदार,
अऊर लाल रंग को कपड़ा, अऊर हर तरह की सुगन्धित लकड़ी, अऊर हत्ती को दात की हर तरह
की चिजे, अऊर बहुमूल्य लकड़ी अऊर पीतर अऊर लोहा अऊर संगमरमर की सब तरह तरह की
चिजे, 13 अऊर कलमी, मसाला, धूप, अत्तर, लुबान, दारू, तेल, मैदा, गहूं, गाय बईल, मेंढीं शेरी,
घोड़ा, रथ, अऊर सेवक, अऊर आदमी को शरीरों अऊर उन्को जीव तक। 14 व्यापारी ओको सी
कहेंन हि सब उत्तम फर जेको म तोरो दिल रम्यो होतो, ऊ सब अदृश्य भय गयी हय अऊर तोरो
सब सुख विलाश वैभव चली गयो हय अब नहीं कभी ढूंढ पावों।”
15 हि व्यापारी जो इन चिजे को व्यापार करतो हुयो धनवान भय गयो होतो, हि ओको संग ओकी
तकलीफ म सहभागी होन को डर को वजह दूरच खड़ो होयेंन, अऊर हि रोयेंन अऊर विलाप करेंन,
16 अऊर कहेंन “हाय! हाय!” यो बड़ो नगर जो मलमल, अऊर जामुनी अऊर लाल रंग को कपड़ा
पहिन्यो होतो, अऊर सोना अऊर रत्नों अऊर मोतियों सी सज्यो हुयो होतो।
17 अऊर घड़ी भर म ओकी पूरी सम्पत्ति मिट गयी। हर एक माझी अऊर यात्री अऊर मल्लाह,
अऊर जितनो समुन्दर म व्यापार करय हंय, सब दूर खड़ो भयो, 18 अऊर ओको जरन को धुवा देखतो
हुयो पुकार क कहेंन, “कौन सो नगर यो बड़ो नगर को जसो बन्यो हय?” 19 अऊर अपनो अपनो
मुंडी पर धूल डालेंन, अऊर रोवतो हुयो अऊर विलाप करतो हुयो कहेंन, महानगर हाय! हाय! यो
कितनो भयावह अऊर भयानक हय जेकी सम्पत्ति को द्वारा समुन्दर को सब जहाज वालो धनी भय
गयो होतो, घड़ी भर म ओको सब कुछ उजड़ गयो।
20 हे स्वर्ग, अऊर हे परमेश्वर को लोगों, अऊर प्रेरितों, अऊर भविष्यवक्तावों, ओको विनाश
पर खुशी मनावो, कहालीकि परमेश्वर न ओख ठीक वसोच दोष दियो हय जसो ऊ दण्ड ओन तुम्ख
दियो होतो!
21 फिर एक ताकतवर स्वर्गदूत न बड़ी चक्की को पाट को जसो एक गोटा उठायो, अऊर यो कह्य
क समुन्दर म फेक दियो, “बड़ो नगर बेबीलोन असोच हिंसक रीति सी खल्लो फेक दियो जायेंन
अऊर फिर कभी ओको पता नहीं चलेंन।” 22 “वानी बजावन वालो, अऊर गावन वालो, अऊर
बांसुरी बजावन वालो, अऊर तुरही फूकन वालो को आवाज फिर कभी तोरो म सुनायी नहीं देयेंन;
अऊर कोयी उद्धम को कोयी कारीगर भी फिर कभी तोरो म नहीं मिलेंन; अऊर चक्की पिसन को
आवाज फिर कभी तोरो म सुनायी नहीं देयेंन; 23 अऊर दीया को प्रकाश फिर कभी तोरो म नहीं
दिखेंन, अऊर दूल्हा अऊर दुल्हिन को आवाज फिर कभी तोरो म सुनायी नहीं देयेंन। तोरो व्यापारी
धरती म सब सी शक्तिशाली होतो, अऊर धरती को पूरो लोग तोरो झूठो चमत्कारों को वजह सी
भरमायो गयो होतो। 24 भविष्यवक्तावों अऊर परमेश्वर को लोगों, अऊर धरती पर मारयो गयो
सब लोगों को खून बेबीलोन नगर म पायो गयो होतो।”

19

1 येको बाद मय न स्वर्ग म मानो बड़ी भीड़ को लोगों को ऊचो आवाज सी यो कहतो सुन्यो,
“हल्लिलूय्याह! उद्धार अऊर महिमा अऊर सामर्थ हमरो परमेश्वर कीच आय। 2 कहालीकि ओको
न्याय सच्चो अऊर उचित हंय। ओन वा वेश्या को, जो अपनो व्यभिचार सी धरती ख भ्रष्ट करत
होती, न्याय करयो अऊर परमेश्वर न अपनो सेवकों को खून को बदला लियो हय।” 3 फिर दूसरी बार
उन्न चिल्लाय क कह्यो, “हल्लिलूय्याह! ओको जरन को धुवा हमेशा हमेशा उठतो रहेंन।” 4 तब
चौबीसों बुजूर्गों अऊर चारयी प्रानियों न गिर क परमेश्वर ख दण्डवत कर क् आराधना करयो, जो
सिंहासन पर बैठ्यो होतो। अऊर कह्यो, “आमीन! परमेश्वर की स्तुति हो!”

5 तब सिंहासन म सी एक आवाज निकल्यो, “सब ओको सेवक अऊर सब लोग दोयी बड़ो या
छोटो हमरो परमेश्वर की स्तुति करो, तुम जो ओको सी डरय हय।” 6 फिर मय न एक बड़ी भीड़
को जसो, जलप्रवाह को गर्जन को जसो अऊर मेघों कि बड़ी जोर गर्जनों को जसो आवाज सुन्यो,
मय न उन्ख कहतो सुन्यो “परमेश्वर की स्तुति हो! कहालीकि प्रभु हमरो परमेश्वर सर्वशक्तिमान
राजा आय। 7 आवो, हम खुश अऊर मगन हो, अऊर ओकी महानता को लायी ओकी महिमा करे,
कहालीकि मेम्ना को बिहाव को समय आय गयो हय, अऊर ओकी दुल्हिन न अपनो खुद ख तैयार
कर लियो हय। 8 ओख स्वच्छ अऊर चमकदार मलमल को कपड़ा पहिनन ख दियो गयो। कहालीकि
मलमल परमेश्वर को लोगों को अच्छो कामों को प्रतिक हय।”

9 ✡तब स्वर्गदूत न मोरो सी कह्यो, “यो लिख, कि धन्य हि हंय, जो मेम्ना को बिहाव को जेवन म
बुलायो गयो हंय।” अऊर स्वर्गदूत न मोरो सी कह्यो, “यो परमेश्वर को सत्य वचन आय।”

10 तब मय ओकी आराधना करन लायी ओको पाय पर गिर पड़यो। पर ओन मोरो सी कह्यो,
“असो मत कर, मय तोरो जसो अऊर दूसरों विश्वासियों को जसो एक सेवक आय, हि सब यीशु न
प्रगट करी हुयी सच्चायी ख पकड़यो हुयो हय। परमेश्वर की स्तुति करो कहालीकि जो सच्चायी
यीशु न प्रगट करी हि भविष्यवक्तावों ख प्रेरना देवय हय।”

[illegible]

11 फिर मय न स्वर्ग ख खुल्यो हुयो देख्यो, अऊर उत एक सफेद घोड़ा होतो; अऊर घोड़ा को
सवार ख विश्वसनिय अऊर सत्य कह्यो जावय होतो, कहालीकि सच्चायी को संग ऊ निर्णय करय
हय अऊर ओकी लड़ाई लड़य हय। 12 ओकी आंखी असी होती मानो अग्नि की ज्वाला जसी लपेट
होती, अऊर ओको मुंड पर बहुत सो राजमुकुट होतो। ओको पर एक नाम लिख्यो होतो, पर ओख
छोड़ क ऊ का होतो कोयी नहीं जानय। 13 ऊ खून छिड़क्यो हुयो कपड़ा पहिन्यो होतो, अऊर
ओको नाम परमेश्वर को शब्द होतो। 14 स्वर्ग की सेना सफेद घोड़ा पर सवार अऊर सफेद अऊर शुद्ध
मलमल को कपड़ा पहिन्यो हुयो ओको पीछू पीछू होती। 15 ✡राष्ट्रों ख हरावन लायी ओको मुंह सी
एक तेज तलवार निकलय हय। ऊ उन पर लोहा को राजदण्ड सी शासन करेंन, अऊर सर्वशक्तिमान
परमेश्वर को भयानक प्रकोप की भाति ऊ अंगूररस ख रौंदेंन। 16 ओको कपड़ा अऊर जांघ पर यो
नाम लिख्यो हय: “राजावों को राजा अऊर प्रभुवों को प्रभु।”

17 फिर मय न एक स्वर्गदूत ख सूरज पर खड़ो हुयो देख्यो। ओन बड़ो आवाज सी पुकार क आसमान
को बीच म सी उड़न वालो सब पक्षियों सी कह्यो, “आवो, परमेश्वर को बड़ो भोज को लायी जमा
होय जावो, 18 आवो अऊर राजावों को मांस, अऊर सरदारों को मांस, अऊर सिपाहियों को मांस,
अऊर शक्तिमान आदमियों को मांस, अऊर घोड़ा को अऊर उन्को सवारों को मांस, अऊर उन्को
शरीर, अऊर सेवक छोटो अऊर बड़ो, सब लोगों को शरीर खावो।”

19 फिर मय न ऊ हिंसक पशु, अऊर धरती को राजावों अऊर उनकी सेनावों ख ऊ घोड़ा को
सवार अऊर ओकी सेना सी लड़न लायी जमा देख्यो। 20 ✡ऊ हिंसक पशु, अऊर ओको संग ऊ झूठो
भविष्यवक्ता दोयी ख कैदी बनायो गयो जेन ओको सामने असो चिन्ह दिखायो होतो जिन्को द्वारा
ओन उन्ख भरमायो जिन पर ऊ पशु की छाप होती अऊर जो वा मूर्ति की पूजा करत होतो। उन
हिंसक पशु अऊर झूठो भविष्यवक्ता ख भी जरती हुयी आगी म जीन्दो डाल्यो गयो। 21 बाकी को
सैनिक ऊ घोड़ा को सवार की तलवार सी, जो ओको मुंह सी निकलत होती, मार डाल्यो गयो; अऊर
सब पक्षी उन्को मांस खाय क सन्तुष्ट भय गयो।

20

[illegible]

✡ **19:9** १९:९ मत्ती २२:२,३ ✡ **19:15** १९:१५ प्रकाशितवाक्य १४:२० ✡ **19:20** १९:२० प्रकाशितवाक्य १३:१-१८

1 फिर मय न एक स्वर्गदूत ख स्वर्ग सी उतरतो देख्यो, जेको हाथ म अधोलोक की कुंजी अऊर
एक बड़ी संकली होती। 2 ओन ऊ अजगर, मतलब पुरानो सांप ख, जो इब्लीस अऊर शैतान हय,
पकड़ क हजार साल को लायी संकली सी बान्ध दियो, 3 तब ओन ऊ स्वर्गदूत न ओख अधोलोक
म डाल क ताला लगाय दियो अऊर ओको पर मुहर लगाय दी ताकी जब हजार साल पूरो होन तक
ऊ लोगों ख फिर नहीं भरमाय सकय। हजार साल पूरो होन को बाद थोड़ो समय को लायी ओख
छोड़चो जानो जरूरी हय।
4 फिर मय न सिंहासनों ख देख्यो, अऊर जो ओको पर बैठचो होतो, अऊर उन्ख न्याय करन को
अधिकार दियो गयो होतो। मय न उन्की आत्मावों ख भी देख्यो, जिन्को मुंड यीशु की गवाही देनो
अऊर परमेश्वर को वचन को वजह काटचो गयो होतो, अऊर जिन्न ऊ हिंसक पशु की, अऊर नहीं
ओकी मूर्ति की पूजा करी होती, अऊर नहीं ओकी छाप अपनो मस्तक अऊर हाथों पर ली होती।
अऊर जीन्दो मसीह को संग राजावों को नायी एक हजार साल तक राज्य करतो रहेंन। 5 जब तक
यो हजार साल पूरो नहीं भयो तब तक बाकी मरयो हुयो जीन्दो नहीं भयो। यो त पहिलो पुनरुत्थान
आय। 6 धन्य अऊर पवित्र ऊ आय, जो यो पहिलो पुनरुत्थान को भागी हय। असो पर दूसरी मृत्यु
को कुछ भी अधिकार नहाय, हि मसीह अऊर परमेश्वर को याजक होयेंन अऊर ओको संग एक
हजार साल तक राज्य करेंन।

[illegible]

7 जब हजार साल पूरो होय जायेंन त शैतान कैद सी छोड़ दियो जायेंन। 8 अऊर ऊ पूरी धरती
पर फैलेंन राष्ट्रों ख बहकान लायी निकल पड़ेंन, ऊ गोग अऊर मागोग ख बहकायेंन। ऊ उन्ख
लड़ाई को लायी जमा करेंन। हि उतनोच अनगिनत होयेंन जितनो समुन्दर किनार की रेतु को कन।
9 हि पूरी धरती पर फैल जायेंन हि परमेश्वर को लोगों को छावनी अऊर प्रिय नगर ख घेर लेयेंन;
पर आगी स्वर्ग सी खल्लो आयेंन अऊर उन्ख भस्म कर देयेंन। 10 उन्को भरमावन वालो शैतान
आगी अऊर गन्धक की ऊ झील म, जेको म ऊ हिंसक पशु अऊर झूठो भविष्यवक्ता भी होयेंन,
इन दोयी ख डाल दियो जायेंन; अऊर हि रात दिन हमेशा हमेशा तकलीफ म तड़पतो रहेंन।

[illegible]

11 तब मय न एक बड़ो सफेद सिंहासन अऊर ओख, जो ओको पर बैठचो हुयो हय, देख्यो; ओको
सामने सी धरती अऊर आसमान भग खड़ो भयो, अऊर उन्को पता नहीं चल पायो। 12 तब मय न
छोटो बड़ो सब मरयो हुयो ख सिंहासन को सामने खड़ो हुयो देख्यो, अऊर किताबे खोली गयी;
अऊर फिर एक अऊर किताब खोली गयी, मतलब जीवन की किताब; अऊर जसो उन किताबों म
लिख्यो हुयो होतो, वसोच उन्को कामों को अनुसार मरयो हुयो को न्याय करयो गयो। 13 जो मृतक
लोग समुन्दर म होतो, उन्ख समुन्दर न दे दियो, अऊर मृत्यु अऊर अधोलोक न भी अपनो अपनो
मृतक लोगों ख सौंप दियो। अऊर उन म सी हर एक को कामों को अनुसार उन सब को न्याय करयो
गयो। 14 येको बाद मृत्यु अऊर अधोलोक आगी की झील म डाल्यो गयो। या आगी की झील दूसरी
मृत्यु आय; 15 अऊर जो कोयी को नाम जीवन की किताब म लिख्यो हुयो नहीं मिल्यो, ऊ आगी
की झील म डाल्यो गयो।

21

[illegible]

1 ✡फिर मय न नयो आसमान अऊर नयी धरती ख देख्यो, कहालीकि पहिलो आसमान अऊर
पहिली धरती गायब होय चुकी होती, अऊर सब समुन्दर भी नहीं रह्यो। 2 ✡फिर मय न पवित्र
नगर नयो यरूशलेम ख स्वर्ग सी परमेश्वर को जवर सी उतरतो देख्यो। ऊ नगरी ख जो दुल्हिन को
समान होती जो अपनो पति लायी सिंगार करयो होना। 3 फिर मय न सिंहासन म सी कोयी ख ऊचो
आवाज सी यो कहतो हुयो सुन्यो, "देखो, अब परमेश्वर को घर आदमियों को बीच म हय। अऊर ऊ

✡ **21:1** २१:१ २ पतरस ३:१३ ✡ **21:2** २१:२ प्रकाशितवाक्य ३:१२

उन्को संग रहेंन, अऊर हि ओको लोग होयेंन। अऊर परमेश्वर खुद उन्को संग रहेंन अऊर उन्को
परमेश्वर होयेंन। 4 ऊ उन्की आंखी सी सब आसु पोछ डालेंन। अऊर येको बाद मृत्यु नहीं रहेंन,
अऊर नहीं शोक, नहीं विलाप, नहीं तकलीफ रहेंन; पुरानी सब बाते खतम भय गयी हय।"

5 अऊर जो सिंहासन पर बैठ्यो होतो, ओन कह्यो, "देख, मय सब कुछ नयो कर देऊ हय।" तब
ओन कह्यो, "लिख ले, कहालीकि यो वचन विश्वास लायक अऊर सत्य हंय।" 6 फिर ओन मोरो सी
कह्यो, "या बाते पूरी भय गयी हंय। मय अल्फा अऊर ओमेगा आय, पहिलो अऊर आखरी आय।
अऊर जो कोयी प्यासो हय ओख मय जीवन को जल को सोता सी फुकट म पिवन को अधिकार
देऊ। 7 जो विजयी होयेंन उच यो सब मोरो सी पायेंन, अऊर मय ओको परमेश्वर होऊं अऊर हि
मोरो बेटा होयेंन। 8 पर डरपोकों, अऊर अविश्वासियों, घिनौना, हत्यारों, व्यभिचारियों, टोन्हों,
मूर्तिपूजकों, अऊर सब झूठो को भाग ऊ झील म मिलेंन जो आगी अऊर गन्धक सी जरती रह्य
हय: या दूसरी मृत्यु आय।"

[illegible]

9 फिर जिन सात स्वर्गदूतों को जवर सात आखरी विपत्तियों सी भरयो हुयो सात कटोरा होतो,
उन्म सी एक मोरो जवर आयो, अऊर मोरो संग बाते कर क् कह्यो, "इत आव, मय तोख दुल्हिन
मतलब मेम्ना की पत्नी दिखाऊं।" 10 अऊर आत्मा को द्वारा नियंत्रित भयो अऊर स्वर्गदूत न मोख
एक बड़ो अऊर ऊचो पहाड़ी पर ले गयो, अऊर ओन मोख पवित्र नगरी यरूशलेम दिखायो ऊ
परमेश्वर को तरफ सी स्वर्ग सी खल्लो उतर रही होती। 11 अऊर ऊ परमेश्वर की महिमा को संग
चमक रही होती, अऊर नगरी बहुमूल्य गोटा, यशब को जसो अऊर काच तरह साफ होती। 12 नगरी
को चारयी तरफ बड़ो ऊचो शहरपनाह होतो जेको म बारा द्वार होतो। उन बारा द्वारों पर स्वर्गदूत
होतो। तथा बारा द्वारों पर इस्राएल को बारा गोत्रों को नाम लिख्यो होतो। 13 इन म सी तीन द्वार
पूर्व को तरफ तीन द्वार, उत्तर को तरफ तीन द्वार, दक्षिन को तरफ तीन द्वार, अऊर पश्चिम को तरफ
तीन द्वार होती। 14 नगर को शहरपनाह बारा गोटावों को नीव पर बनायो गयो होतो, अऊर हर एक
पर मेम्ना को बारा प्रेरितों को बारा नाम लिख्यो होतो। 15 जो स्वर्गदूत मोरो संग बाते कर रह्यो
होतो ओको जवर नगर अऊर ओको द्वारों अऊर ओकी शहरपनाह ख नापन लायी एक सोनो को
छड़ी होतो। 16 ऊ नगर ख वर्गाकार म बसायो गयो होतो अऊर ओकी लम्बाई, चौड़ाई को बराबर
होती; अऊर ओन ऊ छड़ी सी नगर ख नाप्यो, त दोय हजार चार सौ को निकल्यो: ओकी लम्बाई
अऊर चौड़ाई अऊर ऊचाई बराबर होती। 17 ओन ओकी शहरपनाह ख यानेकि जो आदमियों को
नाप होतो ऊ स्वर्गदूत को हाथ म होतो नाप सी नाप्यो, त एक सौ चौवालीस हाथ निकली। 18 ओकी
शहरपनाह यशब की बनी होती, अऊर नगर असो शुद्ध सोनो को होतो जो साफ काच को जसो हो।
19 ऊ शहरपनाह की नीव हर तरह को बहुमूल्य गोटावों सी सवारी हुयी होती; पहिली नीव यशब
की, दूसरी नीलमणि की, तीसरी स्फटिक की, चौथी मलकत की, 20 पाचवी गोमेदक की, छठवी
माणिक्य की, सातवी पीतमणि की, आठवी पेरोज की, नववी पुखराज की, दसवी लहसनिए की,
ग्यारहवी धूम्रकान्त की, अऊर बारहवी याकूत की होती। 21 बारा द्वार बारा मोतियों को होतो; एक
एक द्वार एक एक मोती को बन्यो होतो। नगर की सड़क साफ काच को जसो शुद्ध सोनो की होती।

22 मय न ओको म कोयी मन्दिर नहीं देख्यो, कहालीकि सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर अऊर
मेम्ना ओको मन्दिर हय। 23 ऊ नगर म सूरज अऊर चन्दा को उजाड़ो की जरूरत नहीं, कहालीकि
परमेश्वर को तेज सी ओको म उजाड़ो होय रह्यो हय, अऊर मेम्ना ओको दीया हय। 24 जाति-जाति
को लोग ओकी ज्योति म चले-फिरेंन, अऊर धरती को राजा अपनो अपनो वैभव ओको म लायेंन।
25 ओकी द्वार पूरो दिन भर खुली रहेंन, अऊर रात उत नहीं होयेंन। 26 अऊर लोग राष्ट्रों को वैभव
अऊर धन को सामान ओको म लायेंन। 27 पर ओको म कोयी अपवित्र चिज, या घृणित काम करन
वालो, या झूठ को गढ़न वालो कोयी रीति सी सिरय नहीं, पर केवल हि लोग जिन्को नाम मेम्ना
को जीवन की किताब म लिख्यो हंय।

22

1 येको बाद ऊ स्वर्गदूत न मोख जीवन देन वालो पानी की नदी दिखायी। वा नदी स्फटिक को
जसी उज्वल होती। ऊ परमेश्वर अऊर मेम्ना को सिंहासन सी निकलत होती 2 ऊ नगर की सड़क
को बीचो बीच सी बहत होती। नदी को यो पार अऊर ओन पार जीवन को झाड़ होतो; उन पर हर
साल बारा बार फर लगत होतो हर महीना म एक बार, अऊर ऊ झाड़ियों को पाना सी राष्ट्रों को
लोगों ख निरोगी करन लायी होतो।
3 अऊर नगर म कोयी भी परमेश्वर को श्राप म नहीं रहेंन, अऊर परमेश्वर को सिंहासन अऊर
मेम्ना ऊ नगरी म रहेंन अऊर ओको सेवक ओकी सेवा करेंन। 4 हि ओको मुंह देखेंन, अऊर ओको
नाम ओको हाथों पर लिख्यो हुयो होना। 5 फिर रात नहीं होयेंन, अऊर उन्ख दीया अऊर सूरज को
प्रकाश की जरूरत नहीं होयेंन, कहालीकि प्रभु परमेश्वर उन्को प्रकाश होयेंन, अऊर ऊ राजा
को जसो हमेशा हमेशा शासन करेंन।

???? ?? ????

6 फिर ऊ स्वर्गदूत न मोरो सी कह्यो, "या बाते सत्य अऊर विश्वास को लायक हंय। अऊर प्रभु
परमेश्वर, जो भविष्यवक्तावों ख ओकी आत्मा देवय हय, अपनो स्वर्गदूत ख येकोलायी भेज्यो कि
अपनो सेवकों ख हि बाते, जिन्को जल्दी पूरो होनो जरूरी हय, दिखाये।"
7 "देख, मय जल्दी आवन वालो हय! धन्य हय ऊ जो या किताब की भविष्यवानी की बाते पालन
करय हय।"
8 मय उच यूहन्ना आय, जो या बाते सुनत अऊर देखत होतो। जब मय न सुन्यो अऊर देख्यो, त
जो स्वर्गदूत मोख या बाते दिखावत होतो, मय ओको पाय पर दण्डवत आराधना करन लायी गिर
पड़्यो। 9 पर ओन मोरो सी कह्यो, "देख, असो मत कर; कहालीकि मय तोरो, अऊर तोरो भाऊ
भविष्यवक्तावों, अऊर या किताब की बातों को मानन वालो को संगी सेवक हय। परमेश्वर कि
आराधना कर।" 10 फिर ओन मोरो सी कह्यो, "या किताब की भविष्यवानी की बातों ख गुप्त मत
रख; कहालीकि या सब बातों को पूरो होन को समय बहुत जवर हय। 11 जो अधर्म करय हय, ऊ
अन्याय करतो रहे; अऊर जो मलिन हय, ऊ मलिन बन्यो रहे; अऊर जो अच्छो हय, ऊ अच्छो
बन्यो रहे; अऊर जो सच्चो हय; ऊ पवित्र बन्यो रहे।"
12 "देख, मय जल्दी आवन वालो हय; अऊर हर एक को काम को अनुसार मोहबदला देन लायी
प्रतिफल मोरो जवर हय। 13 ✡मय अल्फा अऊर ओमेगा, पहिलो अऊर आखरी, आदि अऊर अन्त
आय।
14 "धन्य हि आय, जो अपनो कपड़ा धोय लेवय हंय, कहालीकि उन्ख जीवन को झाड़ को जवर
आवन को अधिकार मिलेंन, अऊर हि द्वार सी होय क नगर म सिरेंन। 15 पर कुत्ता, अऊर टोन्हा
करन वालो, अऊर अनैतिक सम्बन्ध करन वालो, अऊर हत्यारों, अऊर मूर्तिपूजक, अऊर हर एक
झूठ को चाहन वालो अऊर गढ़न वालो बाहेर रहेंन।
16 "यीशु न अपनो स्वर्गदूत ख येकोलायी भेज्यो कि तुम्हरो आगु मण्डलियों को बारे म इन बातों
की गवाही दे। मय दाऊद को परिवार को वंशज आय, अऊर भोर को चमकतो हुयो तारा आय।"
17 आत्मा अऊर दुल्हिन दोयी कह्य हंय, "आव!"
अऊर सुनन वालो भी कहे, "आव!"
जो प्यासो हय ऊ आवो, अऊर जो कोयी चाहे ऊ जीवन को जल को ईनाम फुकट भाव सी ले।

?????

18 मय यूहन्ना हर एक आदमी ख, जो या किताब की भविष्यवानी की बाते सुनय हय, चेतावनी
देऊ हय: यदि कोयी आदमी इन बातों म कुछ बढ़ाये त परमेश्वर उन विपत्तियों ख, जो इन किताब
म लिखी हंय, ओको शिक्षा पर बढ़ायेंन। 19 यदि कोयी या भविष्यवानी की किताब की बातों म सी
कुछ निकाल डाले, त परमेश्वर ऊ जीवन को झाड़ अऊर पवित्र नगर म सी, जेको वर्नन या किताब
म हय, ओको भाग निकाल देयेंन।

✡ **22:13** २२:१३ प्रकाशितवाक्य १:८; प्रकाशितवाक्य १:१७; २:८

20 यीशु जो इन बातों को गवाह हय, ऊ कह्य हय, “हव, मय जल्दी आय रह्यो हय।” आमीन। हे
प्रभु यीशु आव!
21 प्रभु यीशु को अनुग्रह परमेश्वर को लोगों को संग रहे। आमीन।